CET-2026

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB)

समान पात्रता परीक्षा

10+2 स्तर – (हिन्दी माध्यम)

NODIA

भाग - 1

सामान्य अध्ययन
GENERAL STUDIES

अध्यायवार MCQs

Nodia

Scan QR for Demo PDF

GET ALL STUDY MATERIAL IN ONE APP!

- Textbooks
- Previous Year Chapterwise Question Banks
- 30 Sets Sample Papers
- Worksheets

FREE!

DOWNLOAD NOW!

SCAN & DOWNLOAD

GET IT ON Google Play

RSSB 2026

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड

COMMON ELIGIBILITY TEST (CET)
SENIOR SECONDARY LEVEL
समान पात्रता परीक्षा
10+2 स्तर

PART 1
GENERAL STUDIES
भाग 1
सामान्य अध्ययन

अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्न बैंक
नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार

Nodia

Downloaded from www.pdf.tube

RSSB CET 10+2 स्तर सामान्य अध्ययन भाग 1
Edition July 2026
Published by :Nodia
An Imprint of NODIA EDITIONS LLP

इस पुस्तक में निहित जानकारी लेखक द्वारा ऐसे स्रोतों से प्राप्त की गई है जिन्हें विश्वसनीय माना गया है। तथापि, Nodia तथा इसके लेखक इस पुस्तक में दी गई किसी भी जानकारी की शुद्धता, पूर्णता अथवा अद्यतनता की कोई गारंटी नहीं देते हैं। इस पुस्तक में किसी प्रकार की त्रुटि, चूक अथवा इसमें निहित जानकारी के उपयोग से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हानि के लिए Nodia तथा इसके लेखक उत्तरदायी नहीं होंगे। यह पुस्तक इस समझ के साथ प्रकाशित की गई है कि Nodia तथा इसके लेखक केवल सामान्य जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। इसका उद्देश्य अभियांत्रिकी (Engineering) अथवा किसी अन्य व्यावसायिक या विशेषज्ञ सेवा अथवा परामर्श प्रदान करना नहीं है।

© NODIA EDITIONS LLP

MRP ₹510.00

NODIA

NODIA EDITIONS LLP
125, Sector 6, Vidyadhar Nagar, Jaipur 302039
Phone :+91 9001005245
email : mail@nodia.in

विषय-सूची

अध्याय 1.	प्राचीन सभ्यताएँ	5
अध्याय 2.	राजस्थान के प्रमुख राजवंश	19
अध्याय 3.	प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था	32
अध्याय 4.	सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयाम	47
अध्याय 5.	ऐतिहासिक वास्तुकला एवं हस्तशिल्प	61
अध्याय 6.	राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं एकीकरण	75
अध्याय 7.	लोक भाषाएँ एवं साहित्य	89
अध्याय 8.	लोक संगीत, लोक नृत्य एवं लोक देवता	103
अध्याय 9.	मेले, त्योहार एवं रीति-रिवाज	117
अध्याय 10.	भारत की भौतिक विशेषताएँ	130
अध्याय 11.	भारत की नदियाँ, बाँध एवं झीलें	142
अध्याय 12.	भारत का वन्यजीव एवं अभयारण्य	156
अध्याय 13.	राजस्थान की भौतिक विशेषताएँ	171
अध्याय 14.	राजस्थान की जलवायु, वनस्पति एवं मृदा	183
अध्याय 15.	राजस्थान की नदियाँ, बाँध एवं झीलें	197
अध्याय 16.	राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन	210
अध्याय 17.	राजस्थान के वन्यजीव अभयारण्य एवं वन्यजीव संरक्षण	224

Click Here to Buy book on Amazon

अध्याय 18.	राजस्थान की जनसंख्या एवं जनजातियाँ	237
अध्याय 19.	राजस्थान में पर्यटन	250
अध्याय 20.	संविधान की प्रकृति एवं प्रस्तावना	264
अध्याय 21.	मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक तत्व एवं मौलिक कर्तव्य	278
अध्याय 22.	राज्य की कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका	293
अध्याय 23.	संवैधानिक एवं वैधानिक आयोग	307
अध्याय 24.	राज्य सचिवालय एवं जिला प्रशासन	321
अध्याय 25.	स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज	335
अध्याय 26.	कृषि एवं प्रमुख फसलें	349
अध्याय 27.	कृषि-आधारित उद्योग एवं सिंचाई परियोजनाएँ	363
अध्याय 28.	भूमि सुधार एवं विकास परियोजनाएँ	376
अध्याय 29.	राजस्थान के हस्तशिल्प उद्योग	390
अध्याय 30.	बेरोज़गारी: प्रकार एवं समाधान	404
अध्याय 31.	सूखा एवं अकाल प्रबंधन	420
अध्याय 32.	कल्याणकारी योजनाएँ एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)	434
अध्याय 33.	विकास एवं वित्तीय संस्थाएँ	448
अध्याय 34.	ग्रामीण विकास में पंचायती राज की भूमिका	462
अध्याय 35.	औद्योगिक विकास एवं लघु एवं कुटीर उद्योग	478
अध्याय 36.	ऊर्जा के स्रोत	492

NODIA

****

अध्याय 01
प्राचीन सभ्यताएँ

1. सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रमुख स्थल कालीबंगा, राजस्थान के किस वर्तमान जिले में स्थित है?
(A) गंगानगर
(B) हनुमानगढ़
(C) बीकानेर
(D) चूरू

2. आहड़ सभ्यता के प्राचीन टीले को सामान्यतः किस स्थानीय नाम से जाना जाता है?
(A) धूलकोट
(B) कालीकोट
(C) पीलीबंगा
(D) आघाटपुर

3. अपनी समृद्ध ताम्रयुगीन कलाकृतियों के लिए प्रसिद्ध गणेश्वर सभ्यता किस नदी के तट पर विकसित हुई थी?
(A) लूनी
(B) बनास
(C) कांतली
(D) घग्गर

4. निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा सही विकल्प का चयन करें:
कथन (A): कालीबंगा को सिंधु घाटी सभ्यता का एक महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है।
कारण (R): यहाँ उन्नत नगर नियोजन, सड़कों के लिए ग्रिड प्रणाली और सुव्यवस्थित जल निकासी प्रणाली दृष्टिगोचर होती है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

5. सम्राट अशोक के बौद्ध धर्म में विश्वास का प्रमाण देने वाला भाब्रू शिलालेख राजस्थान के किस प्राचीन स्थल से प्राप्त हुआ था?
(A) बालाथल
(B) गणेश्वर
(C) बैराठ
(D) आहड़

6. बालाथल सभ्यता, जो आहड़-बनास संस्कृति का एक महत्वपूर्ण स्थल है, किस जिले में स्थित है?
(A) राजसमंद
(B) उदयपुर
(C) भीलवाड़ा
(D) चित्तौड़गढ़

7. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (सभ्यता स्थल)
P. कालीबंगा
Q. आहड़
R. गणेश्वर
S. बैराठ
सूची II: (संबंधित नदी)
1. बाणगंगा
2. कांतली
3. आयड़
4. घग्गर
(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-3, Q-4, R-1, S-2
(C) P-4, Q-2, R-3, S-1
(D) P-2, Q-3, R-4, S-1

8. स्थानीय भाषा में 'कालीबंगा' शब्द का शाब्दिक अर्थ है:
(A) काले रंग की चूड़ियाँ
(B) काली मिट्टी
(C) काले मृद्भांड
(D) काला नगर

9. आहड़ सभ्यता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
(A) यह बनास और आयड़ नदियों की उपजाऊ घाटियों में विकसित हुई थी।
(B) यह मुख्य रूप से एक ग्रामीण संस्कृति थी।
(C) वे तांबा गलाने की कला से पूर्णतः अनभिज्ञ थे।
(D) उनके मुख्य मृद्भांड लाल और काले मृद्भांड (Black and Red Ware) थे।

10. गणेश्वर से प्राप्त उपकरण और औज़ार मुख्य रूप से किस धातु के बने हैं, जिनकी शुद्धता 99 प्रतिशत तक है?
(A) तांबा
(B) कांस्य

Downloaded from www.pdf.tube

(C) लोहा
(D) स्वर्ण

11. कालीबंगा सभ्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए:
I. इसमें सड़कों के निर्माण के लिए एक सुव्यवस्थित ग्रिड प्रणाली थी।
II. इसके प्राक्-हड़प्पा (पूर्व-हड़प्पा) चरण में जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं।
III. यह बड़े पैमाने पर लोहे की भट्ठियों के लिए प्रसिद्ध है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

12. निम्नलिखित में से कौन-सा पुरातात्विक साक्ष्य बैराठ सभ्यता को सीधे बौद्ध संस्कृति से जोड़ता है?
(A) तांबे की तलवारें, ढालें और युद्ध कुल्हाड़ियाँ
(B) एक गोलाकार बौद्ध मंदिर (स्तूप)
(C) मातृदेवी की मृण्मूर्तियाँ
(D) बड़े सार्वजनिक अन्नागार और भंडारण गड्ढे

13. 1953 में आहड़ सभ्यता स्थल पर सर्वप्रथम उत्खनन कार्य करने वाले पुरातत्ववेत्ता कौन थे?
(A) बी.बी. लाल
(B) अमलानंद घोष
(C) अक्षय कीर्ति व्यास
(D) दयाराम साहनी

14. राजस्थान के निम्नलिखित प्रागैतिहासिक कालों को प्राचीनतम से नवीनतम के सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. मध्यपाषाण काल
2. पुरापाषाण काल
3. लौह युग
4. ताम्र-पाषाण काल
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम चुनिए:
(A) 2, 1, 4, 3
(B) 2, 4, 1, 3
(C) 1, 2, 3, 4
(D) 4, 2, 1, 3

15. अपने प्राथमिक सांस्कृतिक चरण (पाषाण युग बनाम ताम्र युग) के आधार पर निम्नलिखित स्थलों में से असंगत विकल्प पहचानिए:
(A) बागौर
(B) आहड़
(C) गणेश्वर
(D) बालाथल

16. गिलूँड सभ्यता, जो बनास संस्कृति का एक महत्वपूर्ण स्थल है, वर्तमान में किस जिले में स्थित है?
(A) भीलवाड़ा
(B) राजसमंद
(C) उदयपुर
(D) चित्तौड़गढ़

17. ओजियाणा सभ्यता, जो अपने अनूठे सफेद चित्रित मृण्मय वृषभ (टेराकोटा बुल) के लिए जानी जाती है, राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) टोंक
(B) भीलवाड़ा
(C) अजमेर
(D) राजसमंद

18. निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा सही विकल्प का चयन करें:
कथन (A): आहड़ सभ्यता को प्राचीन काल में 'ताम्रवती नगरी' के नाम से जाना जाता था।
कारण (R): यहाँ उत्खनन के दौरान बड़ी संख्या में तांबे के उपकरण और स्थानीय तांबा गलाने की भट्ठियाँ पाई गई थीं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

19. राजस्थान में पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य प्रदान करने वाला प्रसिद्ध मध्यपाषाणकालीन स्थल 'बागौर' किस नदी के तट पर स्थित है?
(A) बनास
(B) बेड़च
(C) कोठारी
(D) लूनी

20. आधुनिक पुरातात्विक अध्ययनों के अनुसार निम्नलिखित में से किसे कालीबंगा सभ्यता के पतन का सबसे उपयुक्त संभावित कारण माना जाता है?
(A) निरंतर बड़े पैमाने पर विदेशी आक्रमण और सैन्य विनाश
(B) गंभीर ज्वालामुखी विस्फोट और विनाशकारी भूकंप
(C) घातक महामारी रोगों और प्लेग का व्यापक प्रकोप
(D) घग्गर नदी का सूखना और पारिस्थितिक परिवर्तन

21. कालीबंगा में सात अग्निकुंडों (अग्नि वेदिकाओं) के रूप में धार्मिक अनुष्ठानों के साक्ष्य मिले हैं। ये वेदिकाएँ कहाँ स्थित थीं?
(A) मुख्य सार्वजनिक अन्नागार के अंदर
(B) बाहरी रक्षा प्राचीर के साथ
(C) कच्ची ईंटों के एक चबूतरे पर
(D) केंद्रीय सामुदायिक कब्रिस्तान में

NODIA

22. बालाथल से बुने हुए वस्त्र का टुकड़ा प्राप्त हुआ है। यह साक्ष्य राजस्थान के किस अन्य स्थल से भी प्राप्त हुआ है?
(A) गणेश्वर
(B) बैराठ
(C) कालीबंगा
(D) गिलूँड

23. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (सभ्यता स्थल)
P. बालाथल
Q. गणेश्वर
R. ओजियाणा
S. गिलूँड
सूची II: (वर्तमान जिला)
1. नीम का थाना
2. उदयपुर
3. राजसमंद
4. भीलवाड़ा
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-1, R-3, S-4
(D) P-3, Q-4, R-1, S-2

24. निम्नलिखित में से किसने 1837 में बैराठ में अशोक के भाब्रू शिलालेख की खोज की थी?
(A) कैप्टन बर्ट
(B) अलेक्ज़ेंडर कनिंघम
(C) जॉन मार्शल
(D) आर.डी. बनर्जी

25. निम्नलिखित में से कौन-सा सभ्यता स्थल हड़प्पा (सिंधु घाटी) संस्कृति से संबंधित नहीं है?
(A) कालीबंगा
(B) पीलीबंगा
(C) आहड़
(D) बरोर

26. उच्च तापमान पर पकाई गई आहड़ सभ्यता की अनूठी मृद्भांड परंपरा किस विशिष्ट प्रकार की है?
(A) काले एवं लाल मृद्भांड (Black and Red Ware)
(B) चित्रित धूसर मृद्भांड (Painted Grey Ware)
(C) उत्तरी काले पॉलिशदार मृद्भांड (Northern Black Polished Ware)
(D) केवल सादे लाल मृद्भांड

27. गणेश्वर सभ्यता स्थल पर तांबे के अनेक मत्स्य आखेट कांटों की खोज मुख्य रूप से क्या दर्शाती है?
(A) मछली के कांटों का उपयोग मुख्य रूप से सजावटी आभूषणों के रूप में किया जाता था।
(B) प्राचीन मेसोपोटेमिया के लोगों के साथ नियमित रूप से मछली के कांटों का व्यापार होता था।
(C) मछली को एक पवित्र जीव माना जाता था जिसे भोजन के रूप में पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया था।
(D) कांतली नदी भोजन के प्राथमिक स्रोत के रूप में मछली पकड़ने में सहायक थी।

28. बैराठ सभ्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए:
I. यहाँ से सम्राट अशोक का एक महत्वपूर्ण शिलालेख प्राप्त हुआ।
II. यहाँ से हिंद-यूनानी (इंडो-ग्रीक) राजा मिनांडर के सिक्कों सहित 36 चांदी की मुद्राएँ मिलीं।
III. यह मुख्य रूप से पुरापाषाणकालीन पत्थर के औजार बनाने का केंद्र था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

29. 1951-52 में किस प्रमुख पुरातत्ववेत्ता द्वारा कालीबंगा स्थल की पहली बार पहचान और खोज की गई थी?
(A) एच.डी. सांकलिया
(B) बी.बी. लाल
(C) अमलानंद घोष
(D) बी.के. थापर

30. 10वीं और 11वीं शताब्दी के दौरान, आहड़ को किस प्राचीन नाम से जाना जाता था?
(A) विराटनगर
(B) काँठल
(C) मध्यमिका
(D) आघाटपुर

31. निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा सही विकल्प का चयन करें:
कथन (A): गणेश्वर को भारत में ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी कहा जाता है।
कारण (R): इसने प्रमुख हड़प्पा स्थलों को निरंतर शुद्ध तांबे के उपकरणों और वस्तुओं की आपूर्ति की।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

32. कालीबंगा में मिले जुते हुए खेत का उल्लेखनीय साक्ष्य किस सांस्कृतिक चरण से संबंधित है?
(A) प्राक्-हड़प्पा चरण
(B) विकसित (परिपक्व) हड़प्पा चरण
(C) उत्तर-हड़प्पा चरण

Click Here to Buy book on Flipkart

(D) हड़प्पोत्तर चरण

33. सभ्यता स्थलों और उनकी संबंधित नदियों के युग्म के संबंध में असंगत विकल्प की पहचान कीजिए:
(A) आहड़ - आयड़ नदी
(B) बालाथल - लूनी नदी
(C) कालीबंगा - घग्गर नदी
(D) गणेश्वर - कांतली नदी

34. प्राचीन काल में, बैराठ (विराटनगर) किस प्रसिद्ध महाजनपद की राजधानी था?
(A) मत्स्य
(B) शूरसेन
(C) कुरु
(D) अवंति

35. बालाथल सभ्यता भारत में किस रोग का प्राचीनतम साक्ष्य प्रदान करने के लिए पुरातात्विक रूप से महत्वपूर्ण है?
(A) क्षय रोग (तपेदिक)
(B) मलेरिया
(C) कुष्ठ रोग (लेप्रोसी)
(D) हैजा

36. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (पुरातत्ववेत्ता)
P. बी.बी. लाल
Q. एच.डी. सांकलिया
R. आर.सी. अग्रवाल
S. दयाराम साहनी
सूची II: (उत्खनित स्थल)
1. आहड़
2. कालीबंगा
3. बैराठ
4. गणेश्वर
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-2, Q-1, R-3, S-4

37. राजस्थान के किस सभ्यता स्थल से छह छिद्रों वाली बालक की एक अनूठी खोपड़ी प्राप्त हुई है, जो प्रारंभिक शल्य चिकित्सा (ट्रेपेनेशन) का संकेत देती है?
(A) आहड़
(B) बैराठ
(C) कालीबंगा
(D) गणेश्वर

38. सभ्यता स्थल और उसकी प्रमुख खोज के गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) कालीबंगा - भूकंप के प्राचीनतम साक्ष्य
(B) गणेश्वर - प्रचुर मात्रा में लोहे के हथियार और रथ
(C) आहड़ - संयुक्त परिवार प्रणाली और अनेक चूल्हे
(D) बालाथल - 11 कमरों वाला विशाल भवन परिसर

39. आहड़ सभ्यता के लोगों द्वारा किस पशु का पालन सबसे प्रमुख रूप से किया जाता था, और उनकी मृण्मय कला (टेराकोटा आर्ट) में इसका बहुतायत से चित्रण किया गया है?
(A) हाथी
(B) अश्व
(C) उष्ट्र
(D) वृषभ (बैल)

40. कार्बन डेटिंग और पुरातात्विक अनुमानों के अनुसार, गणेश्वर सभ्यता लगभग किस काल से संबंधित है?
(A) 2800 ई.पू.
(B) 1500 ई.पू.
(C) 1000 ई.पू.
(D) 500 ई.पू.

41. बालाथल सभ्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए:
I. इसका उत्खनन मुख्य रूप से वी.एन. मिश्र द्वारा किया गया था।
II. इसे आहड़-बनास संस्कृति का विस्तार माना जाता है।
III. यह पूर्णतः पुरापाषाणकालीन आखेटक-संग्राहक अवस्था से संबंधित है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) केवल I और II

42. कौन-सी स्थापत्य विशेषता गिलूँड स्थल को मुख्य आहड़ स्थल से भिन्न करती है?
(A) पकी हुई ईंटों का व्यापक उपयोग
(B) पारंपरिक मिट्टी की दीवारों का पूर्ण अभाव
(C) केवल वृत्ताकार काष्ठ झोपड़ियों का निर्माण
(D) मकानों के सहारे के लिए भारी लोहे के खंभों का उपयोग

43. ओजियाणा सभ्यता भौगोलिक रूप से राजस्थान के किस प्रमुख भौतिक विभाग में स्थित है?
(A) थार मरुस्थल
(B) हाड़ौती पठार
(C) पूर्वी मैदान
(D) अरावली पर्वतीय प्रदेश

44. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प राजस्थान में प्राचीन संस्कृतियों के उद्भव के सही कालानुक्रमिक क्रम को दर्शाता है?
(A) पाषाण युग, ताम्र-पाषाण युग, कांस्य युग, लौह युग
(B) ताम्र-पाषाण युग, पाषाण युग, लौह युग, कांस्य युग
(C) पाषाण युग, लौह युग, कांस्य युग, ताम्र-पाषाण युग

Downloaded from www.pdf.tube

(D) लौह युग, कांस्य युग, ताम्र-पाषाण युग, पाषाण युग

45. अनेक प्राचीन शैल चित्रों की खोज के कारण राजस्थान के किस प्रागैतिहासिक स्थल की तुलना भीमबेटका (मध्य प्रदेश) से की जाती है?
(A) बालाथल
(B) गणेश्वर
(C) आलणिया
(D) ओजियाणा

46. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन कालीबंगा के नगर नियोजन का सही वर्णन करता है?
(A) बिना किसी संगठित सड़क संरेखन के बेतरतीब रूप से मकान बनाए गए थे।
(B) संपूर्ण नगर का निर्माण आयातित शुद्ध सफेद संगमरमर से किया गया था।
(C) प्राचीन बस्ती में किसी भी बाहरी रक्षा प्राचीर (किलेबंदी) का अभाव था।
(D) सड़कें ग्रिड पैटर्न में एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं।

47. कालीबंगा में बेलनाकार मुहर की खोज किस समकालीन सभ्यता के साथ प्राचीन व्यापारिक संबंधों या सांस्कृतिक विनिमय का संकेत देती है?
(A) मेसोपोटेमिया की सभ्यता
(B) मिस्र की सभ्यता
(C) चीनी सभ्यता
(D) माया सभ्यता

48. आहड़ सभ्यता की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से किन दो प्रमुख गतिविधियों पर आधारित थी?
(A) गहरे समुद्र में मछली पकड़ना और पोत निर्माण
(B) कृषि और पशुपालन
(C) लोहा गलाना और सिक्के ढालना
(D) रेशम बुनाई और मोती निकालना

49. गणेश्वर में मिले तांबे के उपकरणों की अत्यधिक उच्च शुद्धता का श्रेय राजस्थान की किस प्रसिद्ध तांबा पट्टी (कॉपर बेल्ट) से इस स्थल की निकटता को दिया जाता है?
(A) जावर
(B) खेतड़ी
(C) रामपुरा आगूचा
(D) डेगाना

50. बैराठ में मिले गोलाकार मंदिर के अवशेष किस प्रमुख ऐतिहासिक राजवंश के काल से संबंधित हैं?
(A) मौर्य राजवंश
(B) गुप्त राजवंश
(C) कुषाण राजवंश
(D) चोल राजवंश

51. जबकि बालाथल अपने ताम्र-पाषाणिक चरण के लिए प्रसिद्ध है, इसका उत्तर-ऐतिहासिक चरण किस धातु उद्योग के साक्ष्य प्रदान करता है?
(A) औद्योगिक स्वर्ण शोधन तकनीकें
(B) उच्च शुद्धता के चांदी के सिक्कों की ढलाई
(C) लोहा गलाने की भट्ठियाँ
(D) व्यावसायिक सीसा निष्कर्षण प्रक्रियाएँ

52. पाषाण युग बनाम ताम्र-पाषाण युग के वर्गीकरण के आधार पर निम्नलिखित पुरातात्विक स्थलों में से असंगत विकल्प का चयन कीजिए:
(A) आहड़
(B) गणेश्वर
(C) बालाथल
(D) डीडवाना

53. कालीबंगा में निम्नलिखित में से किस पशु की हड्डियाँ प्रचुर मात्रा में पाई गईं, जो इस क्षेत्र में उनकी उपस्थिति और उपयोग की पुष्टि करती हैं?
(A) अश्व
(B) हाथी
(C) उष्ट्र
(D) व्याघ्र

54. गणेश्वर सभ्यता के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए:
(A) यह भौगोलिक रूप से नीम का थाना (पूर्व में सीकर) जिले में स्थित है।
(B) यह आधुनिक ईंटों की जल निकासी व्यवस्था वाली एक शहरी सभ्यता थी।
(C) यहाँ विशिष्ट तांबे के उपकरणों के साथ सूक्ष्म पाषाण उपकरण (माइक्रोलिथ) भी पाए गए थे।
(D) इसे प्राक्-हड़प्पा ताम्र-पाषाणिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है।

55. आहड़ सभ्यता स्थल पर एक ही घर के भीतर अनेक चूल्हों की खोज संभवतः किसकी उपस्थिति का संकेत देती है?
(A) बड़े पैमाने पर व्यावसायिक भोजनालय और खान-पान प्रणाली
(B) केवल पुरोहितों द्वारा की जाने वाली अनुष्ठानिक अग्नि पूजा
(C) अत्यधिक उन्नत भूमिगत शीतकालीन तापन प्रणाली
(D) संयुक्त परिवार प्रणाली या सामुदायिक भोजन निर्माण

56. गिलूँड सभ्यता का टीला स्थानीय रूप से निम्नलिखित में से किस नाम से प्रसिद्ध है?
(A) मोडिया मगरी
(B) धूलकोट
(C) रैढ़
(D) नगरी

NODIA

57. कालीबंगा की पुरातात्विक खोजों को सुरक्षित रखने और प्रदर्शित करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा इस स्थल पर किस वर्ष एक संग्रहालय स्थापित किया गया था?
(A) 1951
(B) 1961
(C) 1983
(D) 2001

58. बैराठ में उत्खनन से एक अनूठी प्राचीन लिपि में लिखे गए अभिलेख और प्रतीक प्रकट हुए हैं, जिसे किस नाम से जाना जाता है?
(A) शंख लिपि
(B) बूस्ट्रोफेडन लिपि
(C) कीलाक्षर लिपि
(D) चित्रलिपि

59. ओजियाणा सभ्यता भीलवाड़ा जिले में किस नदी के तट पर स्थित है?
(A) कोठारी
(B) बनास
(C) लूनी
(D) खारी

60. बालाथल में पाई गई प्रमुख मृण्मय वृषभ मूर्तियाँ किस अन्य प्रमुख सभ्यता की वृषभ मूर्तियों से अद्भुत समानता रखती हैं?
(A) कालीबंगा
(B) आहड़
(C) बैराठ
(D) गणेश्वर

61. कालीबंगा की मुहरों पर पाई गई लिपि किस विशिष्ट शैली में लिखी गई है, जिसकी विशेषता एकांतर दिशाएँ (समीपवर्ती पंक्तियों में दिशा बदलना) हैं?
(A) ब्राह्मी लिपि, जो पूर्णतः बाएँ से दाएँ लिखी जाती है
(B) खरोष्ठी लिपि, जो पूर्णतः दाएँ से बाएँ लिखी जाती है
(C) बूस्ट्रोफेडन शैली
(D) देवनागरी लिपि, जो बाएँ से दाएँ लिखी जाती है

62. अत्यधिक नगरीकृत कालीबंगा सभ्यता के विपरीत, आहड़ सभ्यता को मुख्य रूप से किस रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) एक समृद्ध तटीय समुद्री व्यापारिक सभ्यता
(B) एक खानाबदोश चरवाहा और पशुपालन संस्कृति
(C) एक आदिम शिकारी-संग्राहक समाज
(D) एक ग्रामीण कृषि बस्ती

63. भारतीय ताम्र-पाषाणिक स्थलों में गणेश्वर के पास तांबे के उपकरणों का सबसे बड़ा भंडार होने का प्राथमिक कारण निम्नलिखित में से किसे माना जाता है?
(A) यह खेतड़ी तांबे की खदानों के समीप स्थित था।
(B) यह प्राचीन मेसोपोटेमिया से भारी मात्रा में कच्चे तांबे का आयात करता था।
(C) यह तांबे के जहाजों के निर्यात के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समुद्री बंदरगाह के रूप में कार्य करता था।
(D) स्थानीय मिट्टी बिना खनन के जादुई रूप से शुद्ध तांबे की गांठें पैदा करती थी।

64. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थल बनास नदी घाटी संस्कृति परिसर से संबंधित नहीं है?
(A) आहड़
(B) गणेश्वर
(C) बालाथल
(D) गिलूँड

65. बैराठ में प्रारंभिक पुरातात्विक उत्खनन 1936-37 में किसके नेतृत्व में किया गया था?
(A) आर.सी. अग्रवाल
(B) दयाराम साहनी
(C) एच.डी. सांकलिया
(D) वी.एन. मिश्र

66. राजस्थान के स्थलों की सिंधु घाटी के स्थलों से तुलना करते समय, मोहनजोदड़ो में मिली कौन-सी प्रसिद्ध मुहर कालीबंगा से प्राप्त नहीं हुई है?
(A) पशुपति (आद्य-शिव) मुहर
(B) बेलनाकार मुहर
(C) वृषभ (बैल) मुहर
(D) ज्यामितीय पैटर्न वाली मुहर

67. कालीबंगा की आवासीय स्थापत्य कला के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) प्रारंभ से ही मकान केवल पकी हुई ईंटों से बनाए गए थे।
(B) सभी मकानों के फर्श शुद्ध लोहे की चादरों से पक्के किए गए थे।
(C) प्रत्येक घर में पीने के पानी का अपना कुआँ था।
(D) मकान पूरी तरह से लकड़ी और छप्पर से बनाए गए थे।

68. कालीबंगा के कुछ घरों में जल निकासी प्रणाली के निर्माण के लिए किस अनूठी सामग्री का उपयोग किया गया था?
(A) इंटरलॉकिंग औद्योगिक लोहे के नाली पाइप
(B) केवल पॉलिशदार सजावटी संगमरमर के स्लैब
(C) दीवारों के साथ लगाई गई तांबे की चादरें
(D) लकड़ी की उकेरी गई खोखली नालीदार लकड़ियाँ

69. आहड़ सभ्यता स्थल पर पत्थर के विभिन्न बाट एवं माप की खोज किसकी उपस्थिति का प्रबल संकेत देती है?
(A) एक उन्नत गणितीय विद्यालय
(B) पाषाण पूजा की स्थानीय परंपरा
(C) व्यापार और वाणिज्य की एक सुविकसित प्रणाली
(D) राजा द्वारा संचालित एक अत्यधिक जटिल कर प्रणाली

Click Here to Buy book on Amazon

70. राजस्थान की प्राचीन सभ्यताओं के भौगोलिक मानचित्र के आधार पर, निम्नलिखित में से कौन-सा स्थल राज्य के सबसे उत्तरी भाग में स्थित है?

(A) आहड़
(B) कालीबंगा
(C) बालाथल
(D) बैराठ

www.nodia.in

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) हनुमानगढ़
कालीबंगा राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी भाग में प्राचीन सरस्वती अथवा वर्तमान घग्गर नदी के बाएं तट पर हनुमानगढ़ जिले में स्थित एक अत्यंत महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है। इस ऐतिहासिक स्थान की खोज वर्ष 1951-52 में प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता अमलानंद घोष द्वारा की गई थी। इसके उपरांत वर्ष 1961 से 1969 के मध्य बी.बी. लाल तथा बी.के. थापर के निर्देशन में यहाँ व्यापक स्तर पर उत्खनन कार्य संपन्न हुआ।

2. (A) धूलकोट
आहड़ सभ्यता राजस्थान के उदयपुर जिले में आयड़ तथा बनास नदी की घाटी में विस्तृत एक प्रमुख ताम्र-पाषाणिक पुरास्थल है। इस प्राचीन सभ्यता के विशाल टीले को स्थानीय निवासियों द्वारा धूलकोट के नाम से पुकारा जाता है। दसवीं एवं ग्यारहवीं शताब्दी में इसे आघाटपुर नाम से संबोधित किया जाता था। यहाँ के निवासियों की जीविका का मुख्य आधार कृषि, पशुपालन तथा तांबा गलाने का उद्योग था।

3. (C) कांतली
गणेश्वर सभ्यता राजस्थान के सीकर एवं नीम का थाना क्षेत्र में कांतली नदी के उद्गम स्थल पर विकसित हुई एक अत्यंत महत्वपूर्ण ताम्रयुगीन सभ्यता है। रतनचंद्र अग्रवाल तथा विजय कुमार के निर्देशन में संपन्न उत्खनन से यहाँ अत्यधिक मात्रा में शुद्ध तांबे के बने औजार तथा उपकरण प्राप्त हुए हैं। इसी समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण गणेश्वर को भारत की सभी ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी माना जाता है।

4. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
कालीबंगा को सिंधु घाटी सभ्यता का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं उत्कृष्ट स्थापत्य केंद्र माना जाता है। यहाँ प्राक्-हड़प्पा तथा विकसित हड़प्पाकालीन संस्कृतियों के स्पष्ट अवशेष प्राप्त हुए हैं। इस स्थल पर पाई गई उन्नत नगर योजना, समकोण पर काटती चौड़ी सड़कें, ऑक्सफोर्ड प्रणाली का प्रयोग तथा व्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था इसकी महानता की पुष्टि करती है। इसी कारण यह तत्कालीन सभ्यता का प्रमुख प्रतिनिधि माना जाता है।

5. (C) बैराठ
राजस्थान के जयपुर जिले में स्थित बैराठ अथवा प्राचीन विराटनगर बौद्ध धर्म का एक प्रमुख ऐतिहासिक केंद्र रहा है। मौर्य महान सम्राट अशोक का भाब्रू शिलालेख वर्ष 1837 में कैप्टन बर्ट द्वारा इसी स्थल की बीजक पहाड़ी से खोजा गया था। यह शिलालेख अशोक के बौद्ध धर्म के त्रिरत्न बुद्ध, धम्म तथा संघ के प्रति पूर्ण विश्वास का सबसे प्रामाणिक एवं अकाट्य पुरातात्विक साक्ष्य प्रस्तुत करता है।

6. (B) उदयपुर
बालाथल सभ्यता राजस्थान के उदयपुर जिले की वल्लभनगर तहसील में स्थित एक प्रसिद्ध ताम्र-पाषाणकालीन पुरातात्विक स्थल है। यह स्थल भौगोलिक एवं सांस्कृतिक रूप से आहड़-बनास संस्कृति का ही एक प्रमुख पूर्वी विस्तार माना जाता है। डेक्कन कॉलेज पुणे के प्रोफेसर वी.एन. मिश्र के कुशल निर्देशन में वर्ष 1993 में यहाँ व्यापक उत्खनन कार्य प्रारंभ किया गया था, जहाँ से ताम्र पाषाणिक अवशेष प्राप्त हुए हैं।

7. (A) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान के प्रमुख पुरातात्विक स्थल विभिन्न नदियों के तट पर विकसित हुए थे। कालीबंगा सभ्यता हनुमानगढ़ में प्राचीन सरस्वती एवं घग्गर नदी के मुहाने पर फूली-फली थी। आहड़ सभ्यता उदयपुर में आयड़ अथवा बेड़च नदी की उपजाऊ घाटी में अवस्थित थी। गणेश्वर सभ्यता नीम का थाना में कांतली नदी के तट पर विकसित हुई थी, जबकि बैराठ सभ्यता जयपुर क्षेत्र में बाणगंगा नदी की सुरम्य घाटी में स्थित थी।

8. (A) काले रंग की चूड़ियाँ
कालीबंगा शब्द पंजाबी तथा स्थानीय सिंधी भाषा का एक संयुक्त रूप है, जिसका शाब्दिक अर्थ काले रंग की कांच अथवा मिटटी की चूड़ियाँ होता है। यहाँ पुरातात्विक उत्खनन के दौरान प्रचुर संख्या में काले रंग की पकी मिट्टी तथा सीप की चूड़ियों के टुकड़े प्राप्त हुए थे। इसी विशिष्ट पुरातात्विक खोज के आधार पर प्राचीन सरस्वती नदी घाटी के इस ऐतिहासिक हड़प्पाकालीन नगर को कालीबंगा नाम दिया गया।

9. (C) वे तांबा गलाने की कला से पूर्णतः अनभिज्ञ थे।
आहड़ सभ्यता एक अत्यंत समृद्ध ताम्र-पाषाणकालीन ग्रामीण संस्कृति थी, जो मुख्य रूप से बनास तथा आयड़ नदियों के कछार में फली-फूली। यहाँ के प्राचीन निवासी तांबा धातु गलाने तथा उससे विभिन्न औजार बनाने की आधुनिक तकनीकों से भली-भांति परिचित थे। उत्खनन में तांबा गलाने की प्राचीन भट्ठियाँ, तांबे की कुल्हाड़ियाँ, चूड़ियाँ तथा उल्टे बनाई विधि से पके काले और लाल मृद्भांड प्रचुर मात्रा में प्राप्त हुए हैं।

10. (A) तांबा
गणेश्वर सभ्यता स्थल से उत्खनन के दौरान तांबे से निर्मित अत्यधिक उपकरण तथा औजार प्राप्त हुए हैं। प्रयोगशाला विश्लेषण से यह प्रमाणित हुआ है कि इन ताम्र उपकरणों में धातु की शुद्धता 99 प्रतिशत तक विद्यमान है। इनमें मुख्य रूप से तांबे के तीर, भाले, कुल्हाड़ियाँ, सुइयाँ तथा मछली पकड़ने के कांटे शामिल हैं। इतनी उच्च शुद्धता तत्कालीन समय के उन्नत धातु विज्ञान को दर्शाती है।

Downloaded from www.pdf.tube

11. (A) केवल I और II
कालीबंगा एक कांस्ययुगीन सभ्यता है जिसमें नगर निर्माण के लिए जाल अथवा ग्रिड प्रणाली का प्रयोग किया गया था। इसके प्राक्-हड़प्पाकालीन स्तर से विश्व का सबसे प्राचीनतम जुता हुआ खेत प्राप्त हुआ है, जिसमें एक साथ दो फसलें उगाने के साक्ष्य हैं। यहाँ लोहे की भट्ठियों के अवशेष नहीं मिले हैं क्योंकि यह कांस्यकालीन स्थल है और लोहे का प्रयोग बाद में शुरू हुआ।

12. (B) एक गोलाकार बौद्ध मंदिर (स्तूप)
बैराठ अथवा विराटनगर से प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों में सबसे महत्वपूर्ण खोज बीजक की पहाड़ी से प्राप्त एक गोलाकार बौद्ध मंदिर तथा मठ के अवशेष हैं। हीनयान संप्रदाय से संबंधित यह गोलाकार संरचना भारत में बौद्ध स्थापत्य कला का प्राचीनतम नमूना मानी जाती है। इसके साथ ही यहाँ से बुद्ध के अस्थि अवशेष युक्त मंजूषा तथा मौर्य सम्राट अशोक का भाब्रू शिलालेख भी प्राप्त हुआ है।

13. (C) अक्षय कीर्ति व्यास
उदयपुर जिले में आयड़ नदी के तट पर अवस्थित प्राचीन आहड़ सभ्यता का सर्वप्रथम पुरातात्विक अन्वेषण एवं उत्खनन वर्ष 1953 में पंडित अक्षय कीर्ति व्यास द्वारा संपादित किया गया था। इसके पश्चात् वर्ष 1956 में रतनचंद्र अग्रवाल तथा वर्ष 1961-62 के दौरान पुणे विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध प्रोफेसर हंसमुख धीरजलाल सांकलिया के कुशल नेतृत्व में यहाँ बड़े पैमाने पर पुन: व्यापक उत्खनन कार्य पूर्ण कराया गया।

14. (A) 2, 1, 4, 3
मानव इतिहास के विकास में प्रागैतिहासिक कालों का सही कालानुक्रमिक क्रम पुरापाषाण काल से प्रारंभ होकर लौह युग तक विस्तृत है। सबसे प्रथम पुरापाषाण काल आता है जिसमें मानव आखेटक था, इसके पश्चात् सूक्ष्म पत्थरों के उपयोग वाला मध्यपाषाण काल आया। तत्पश्चात तांबे तथा पत्थर के संयुक्त उपयोग वाली ताम्र-पाषाण काल सभ्यता विकसित हुई और अंततः लोहे के उपयोग तथा प्रसार वाला लौह युग आया।

15. (A) बागौर
भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के तट पर स्थित बागौर एक प्रमुख मध्यपाषाणकालीन पुरास्थल है, जहाँ से भारत में पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। इसके विपरीत, आहड़, गणेश्वर तथा बालाथल राजस्थान के प्रमुख ताम्र-पाषाण कालीन सांस्कृतिक स्थल हैं। सांस्कृतिक चरण एवं धातु काल के आधार पर बागौर पाषाण युगीन होने के कारण अन्य तीनों ताम्र-पाषाण युगीन स्थलों की तुलना में असंगत है।

16. (B) राजसमंद
गिलूँड सभ्यता राजस्थान के राजसमंद जिले में बनास नदी के तट पर स्थित एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल है। यह ऐतिहासिक पुरास्थल आहड़-बनास संस्कृति का ही एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। बी.बी. लाल तथा बाद में वी.एस. शिंदे द्वारा किए गए उत्खनन से यहाँ ताम्र-पाषाणिक अवशेष, पकी हुई ईंटों के साक्ष्य तथा पांच विभिन्न प्रकार के मृद्भांड प्राप्त हुए हैं जो उन्नत जीवन शैली दर्शाते हैं।

17. (B) भीलवाड़ा
ओजियाणा सभ्यता राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की बदनौर तहसील में खारी नदी के तट पर एक पहाड़ी ढलान पर अवस्थित है। यह आहड़-बनास ताम्र-पाषाण संस्कृति का एक अनुपम केंद्र है। वर्ष 2000 में बी.आर. मीणा एवं आलोक त्रिपाठी द्वारा किए गए उत्खनन में यहाँ से सफेद रंग से चित्रित टेराकोटा बुल अर्थात मिट्टी की वृषभ मूर्तियाँ तथा गाय की आकृतियाँ प्राप्त हुई हैं।

18. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
प्राचीन काल में आहड़ सभ्यता को 'ताम्रवती नगरी' अथवा तांबे का नगर कहा जाता था। उत्खनन के दौरान इस स्थल से अत्यधिक मात्रा में तांबे के औजार, हथियार, तांबे की कुल्हाड़ियाँ, चूड़ियाँ तथा स्थानीय स्तर पर कच्चे तांबे को पिघलाने वाली मिट्टी की भट्ठियाँ प्राप्त हुई हैं। तांबा शोधन तथा ताम्र निर्मित वस्तुओं के व्यापक निर्माण का यह पुरातात्विक साक्ष्य इसकी सटीक व्याख्या करता है।

19. (C) कोठारी
बागौर सभ्यता राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के तट पर स्थित एक अत्यंत प्रसिद्ध प्रागैतिहासिक स्थल है। इसका उत्खनन वर्ष 1967 से 1970 के दौरान बी.एन. मिश्र के नेतृत्व में किया गया था। बागौर मध्यपाषाण काल का एक प्रमुख केंद्र था, जहाँ से भारत में व्यवस्थित पशुपालन के प्राचीनतम स्पष्ट पुरातात्विक प्रमाण प्राप्त हुए हैं। यहाँ से भारी मात्रा में सूक्ष्म औजार मिले।

20. (D) घग्गर नदी का सूखना और पारिस्थितिक परिवर्तन
नवीनतम पुरातात्विक एवं वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार कालीबंगा सभ्यता के पतन का मुख्य कारण जलमार्ग में परिवर्तन था। इस क्षेत्र की मुख्य जीवनदायिनी घग्गर अर्थात प्राचीन सरस्वती नदी के सूखने, दिशा बदलने तथा जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण सूखा पड़ा। जल संसाधनों की भारी कमी तथा पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ने के फलस्वरूप लोगों को इस विकसित नगर को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में जाना पड़ा।

21. (C) कच्ची ईंटों के एक चबूतरे पर
कालीबंगा के दुर्ग क्षेत्र अथवा पश्चिमी टीले के उत्खनन में कच्ची ईंटों से निर्मित एक विशेष ऊँचा चबूतरा प्राप्त हुआ है। इस चबूतरे के ऊपरी भाग पर पंक्तिबद्ध रूप में सात आयताकार अग्निकुंड या वेदिकाएँ स्थापित पाई गईं। इन अग्निकुंडों में स्वास्तिक चिन्ह, पकी मिट्टी की आयताकार मुहरें, राख तथा पशुओं की हड्डियाँ मिली हैं, जो धार्मिक अनुष्ठानों, बलि प्रथा तथा यज्ञ की पुष्टि करती हैं।

22. (B) बैराठ
राजस्थान में प्राचीन वस्त्र उद्योग तथा कताई-बुनाई कला के पुरातात्विक प्रमाण मुख्य रुप से दो प्रमुख स्थलों से प्राप्त होते

NODIA

हैं। उदयपुर जिले में स्थित बालाथल सभ्यता के उत्खनन के अतिरिक्त जयपुर के बैराठ स्थल की सूती वस्त्र में लिपटी मुद्राएँ मिली हैं। बैराठ से मिट्टी के एक मटके में बुने हुए सूती कपड़े का टुकड़ा तथा सिक्के लपेटे हुए प्राप्त हुए थे।

23. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थान के प्रमुख ताम्र-पाषाणकालीन पुरातात्विक स्थल वर्तमान प्रशासनिक जिलों में व्यवस्थित रूप से अवस्थित हैं। बालाथल सभ्यता उदयपुर जिले की वल्लभनगर तहसील में स्थित है। गणेश्वर सभ्यता नवीन प्रशासनिक पुनर्गठन के पश्चात् नीम का थाना जिले में स्थित है। ओजियाणा सभ्यता भीलवाड़ा जिले के बदनौर क्षेत्र में पाई जाती है, जबकि प्रसिद्ध गिलूँड सभ्यता बनास नदी के तट पर राजसमंद जिले में स्थित है।

24. (A) कैप्टन बर्ट
वर्ष 1837 में ब्रिटिश सेना अधिकारी कैप्टन बर्ट ने जयपुर स्थित बैराठ अथवा विराटनगर की बीजक पहाड़ी से मौर्य सम्राट अशोक का प्रसिद्ध भाब्रू प्रथम लघु शिलालेख खोज निकाला था। इस ऐतिहासिक अभिलेख को वर्तमान समय में कोलकाता स्थित एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है। यह शिलालेख ब्राह्मी लिपि एवं प्राकृत भाषा में उत्कीर्ण है तथा बौद्ध धर्म के प्रति आस्था दर्शाता है।

25. (C) आहड़
राजस्थान के पुरास्थल विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों एवं संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। कालीबंगा, पीलीबंगा तथा बरोर स्थल कांस्ययुगीन सिंधु घाटी अथवा हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख केंद्र हैं। इसके सर्वथा विपरीत, आहड़ सभ्यता उदयपुर जिले में आयड़-बनास नदी प्रणाली के अंतर्गत विकसित एक प्रमुख स्वतंत्र ताम्र-पाषाणकालीन ग्रामीण संस्कृति है। आहड़ सभ्यता का सिंधु-हड़प्पा सभ्यता की नगरीय प्रणाली से सीधा कोई संबंध नहीं रहा है।

26. (A) काले एवं लाल मृद्भांड (Black and Red Ware)
आहड़ सभ्यता के कुंभकारों द्वारा विकसित मृद्भांड निर्माण कला अपनी विशिष्टता के लिए जानी जाती है। यहाँ से प्रचुर मात्रा में प्राप्त बर्तन 'काले एवं लाल मृद्भांड' परंपरा के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन बर्तनों को पकाने के लिए 'उल्टी बनाई' तकनीक का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाता था। मिट्टी के इन बर्तनों की बाहरी सतह पर सफेद रंग से सुंदर ज्यामितीय चित्रकारी की गई है।

27. (D) कांतली नदी भोजन के प्राथमिक स्रोत के रूप में मछली पकड़ने में सहायक थी।
गणेश्वर पुरास्थल से उत्खनन में तांबे से बने अनेक मत्स्य आखेट कांटे अर्थात तांबे के हुक बड़ी संख्या में प्राप्त हुए हैं। यह पुरातात्विक साक्ष्य स्पष्ट रूप से प्रमाणित करता है कि प्राचीन काल में कांतली नदी एक सदा नीरा एवं प्रवाहमान नदी थी। इसमें पर्याप्त मात्रा में मछलियाँ उपलब्ध रहती थीं, जिन्हें पकड़कर भोजन प्राप्त करना तत्कालीन वासियों के आहार का आधार था।

28. (A) केवल I और II
बैराठ अथवा विराटनगर से सम्राट अशोक का भाब्रू अभिलेख तथा गोलाकार बौद्ध स्तूप प्राप्त हुए हैं, जो मौर्यकालीन एवं बौद्ध संस्कृति को सिद्ध करते हैं। उत्खनन में एक मृद्भांड से 36 चांदी की आहत मुद्राएँ एवं हिंद-यूनानी राजा मिनांडर के 28 सिक्के प्राप्त हुए हैं। यह स्थल मुख्यतः ऐतिहासिक एवं लोह युगीन तथा बौद्ध कालीन है, अतः इसे पुरापाषाणकालीन केंद्र बताना असत्य है।

29. (C) अमलानंद घोष
राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्गर नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध सभ्यता स्थल कालीबंगा की सर्वप्रथम पहचान तथा खोज का श्रेय भारतीय पुरातत्ववेत्ता अमलानंद घोष को जाता है। उन्होंने वर्ष 1951-52 में इस ऐतिहासिक प्राचीन स्थल का सर्वेक्षण कर इसकी खोज की थी। इसके उपरांत वर्ष 1961 से 1969 के मध्य बी.बी. लाल तथा बी.के. थापर के निर्देशन में उत्खनन कराया गया।

30. (D) आघाटपुर
आहड़ सभ्यता राजस्थान के उदयपुर जिले में आयड़ नदी के किनारे स्थित एक प्राचीन सांस्कृतिक केंद्र है। 10वीं तथा 11वीं शताब्दी के ऐतिहासिक शिलालेखों एवं ताम्रपत्रों में इस स्थान का नाम 'आघाटपुर' अथवा 'आघाट दुर्ग' मिलता है। इसके अतिरिक्त स्थानीय भाषा में इस विशाल पुरातात्विक टीले को धूलकोट कहा जाता है, जबकि इसका प्राचीनतम लोकप्रिय नाम ताम्रवती नगरी रहा था।

31. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
गणेश्वर सभ्यता को भारत में समस्त ताम्रयुगीन संस्कृतियों की जननी माना जाता है। कांतली नदी के तट पर स्थित इस स्थल से अत्यधिक मात्रा में शुद्ध तांबे के बने बाणाग्र, कुल्हाड़ियाँ, भाले तथा बर्तन मिले हैं। गणेश्वर के निवासी निकटवर्ती खेतड़ी क्षेत्र की तांबा खदानों से कच्चा तांबा निकालकर उससे उपकरण निर्मित करते थे और उन्हें हड़प्पा तथा कालीबंगा जैसे नगरों को निरंतर आपूर्ति करते थे।

32. (A) प्राक्-हड़प्पा चरण
कालीबंगा सभ्यता के पुरातात्विक उत्खनन से दो प्रमुख सांस्कृतिक चरण उजागर हुए हैं, जिनमें प्राक्-हड़प्पा कालीन चरण तथा विकसित हड़प्पाकालीन चरण सम्मिलित हैं। इस स्थल के प्राक्-हड़प्पा कालीन स्तर से प्राप्त जुते हुए खेत के अवशेष पूरे विश्व में कृषि कार्य का सबसे प्राचीनतम साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं। यहाँ एक दूसरे को समकोण पर काटती रेखाओं में चना तथा सरसों की फसलें उगाई जाती थीं।

33. (B) बालाथल - लूनी नदी
राजस्थान के विभिन्न पुरातात्विक स्थल अपनी संबंधित नदियों की घाटियों में विकसित हुए थे। आहड़ सभ्यता आयड़ अथवा बेड़च नदी के तट पर स्थित है। कालीबंगा सभ्यता प्राचीन सरस्वती एवं घग्गर नदी के मुहाने पर अवस्थित थी। गणेश्वर सभ्यता कांतली नदी के तट पर विकसित हुई थी। इसके

Click Here to Buy book on Flipkart

विपरीत बालाथल सभ्यता लूनी नदी के तट पर नहीं, बल्कि उदयपुर में बनास प्रणाली में अवस्थित है।

34. (A) मत्स्य
वैदिक काल तथा महाजनपद युग में राजस्थान का जयपुर, अलवर तथा भरतपुर का क्षेत्र मत्स्य महाजनपद के अंतर्गत आता था। बैराठ जिसका प्राचीन नाम विराटनगर था, इस मत्स्य महाजनपद की प्रसिद्ध राजधानी के रूप में सुविख्यात था। महाभारत काल में पांडवों ने अपने एक वर्ष के गुप्तवास की अवधि इसी विराटनगर के राजा विराट के दरबार में व्यतीत की थी, जिसका पुरातात्विक महत्व व्यापक है।

35. (C) कुष्ठ रोग (लेप्रोसी)
उदयपुर जिले में स्थित बालाथल सभ्यता के पुरातात्विक उत्खनन से एक मानव कंकाल प्राप्त हुआ है जो लगभग 4000 वर्ष पुराना माना जाता है। वैज्ञानिक एवं फॉरेंसिक परीक्षणों से यह सिद्ध हुआ है कि इस कंकाल की अस्थियाँ कुष्ठ रोग अर्थात लेप्रोसी से ग्रस्त थीं। यह खोज भारत तथा संपूर्ण विश्व के इतिहास में कुष्ठ रोग का सबसे प्राचीनतम वैज्ञानिक साक्ष्य प्रदान करती है।

36. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थान के विभिन्न पुरातात्विक स्थलों का उत्खनन कार्य प्रसिद्ध इतिहासकारों एवं पुरातत्ववेताओं द्वारा संपादित किया गया था। कालीबंगा का व्यापक उत्खनन बी.बी. लाल तथा बी.के. थापर द्वारा कराया गया था। आहड़ सभ्यता का उत्खनन प्रोफेसर एच.डी. सांकलिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ था। गणेश्वर सभ्यता का उत्खनन आर.सी. अग्रवाल ने किया था, जबकि बैराठ स्थल का प्रथम उत्खनन दयाराम साहनी द्वारा कराया गया था।

37. (C) कालीबंगा
कालीबंगा सभ्यता के उत्खनन के दौरान एक अत्यंत अनोखा पुरातात्विक अवशेष प्राप्त हुआ है, जिसमें एक बालक की खोपड़ी मिली है जिसमें छह छिद्र किए गए थे। चिकित्सा विज्ञान तथा पुरातात्विक विशेषज्ञों के अनुसार यह छिद्र प्राचीन काल में की जाने वाली मस्तिष्क शल्य चिकित्सा अर्थात कपाल छेदन क्रिया का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यह खोज प्राचीन शल्य चिकित्सा के ज्ञान को दर्शाती है।

38. (B) गणेश्वर - प्रचुर मात्रा में लोहे के हथियार और रथ
गणेश्वर सभ्यता सीकर तथा नीम का थाना क्षेत्र में स्थित एक अत्यंत प्राचीन ताम्रयुगीन सभ्यता है। यहाँ से प्राप्त उपकरण एवं औजार 99 प्रतिशत शुद्ध तांबे के बने हुए हैं, जिनमें तांबे के तीर, भाले, कुल्हाड़ियाँ तथा मछली पकड़ने के कांटे शामिल हैं। गणेश्वर स्थल से लोहे के हथियार अथवा रथ के अवशेष प्राप्त नहीं हुए हैं क्योंकि यह विशुद्ध ताम्रयुगीन बस्ती थी।

39. (D) वृषभ (बैल)
आहड़ सभ्यता के उत्खनन में टेराकोटा अर्थात पकी हुई मिट्टी की बनी अनेक पशु आकृतियाँ पाई गई हैं, जिनमें सबसे प्रमुख तथा बहुतायत से पाई जाने वाली आकृति बैल की है। पुरातात्विक साहित्य में पकी मिट्टी की इन बैल मूर्तियों को 'बनासीअल बुल' के नाम से जाना जाता है। यह साक्ष्य स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आहड़ वासियों के जीवन में वृषभ महत्वपूर्ण था।

40. (A) 2800 ई.पू.
रेडियो कार्बन डेटिंग प्रणाली C-14 तथा विभिन्न वैज्ञानिक पुरातात्विक अध्ययनों के अनुसार गणेश्वर सभ्यता का समय काल लगभग 2800 ईसा पूर्व निर्धारित किया गया है। यह प्राचीन तिथि गणेश्वर को भारत की अन्य समस्त ताम्र-पाषाण कालीन सभ्यताओं में सबसे प्राचीन सिद्ध करती है। इसी प्राचीनता एवं व्यापक तांबा आपूर्ति के कारण इसे भारत में ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी के रूप में स्वीकार किया गया है।

41. (C) केवल III
उदयपुर जिले में अवस्थित बालाथल सभ्यता का उत्खनन वर्ष 1993 में प्रोफेसर वी.एन. मिश्र के नेतृत्व में किया गया था। यह स्थल पुरातात्विक तथा भौगोलिक दृष्टि से आहड़-बनास ताम्र-पाषाण संस्कृति का ही एक विस्तार माना जाता है। बालाथल केवल पुरापाषाणकालीन शिकारी समाज नहीं था, बल्कि यह कृषि, पशुपालन तथा तांबा गलाने में पारंगत एक अत्यंत विकसित एवं सुव्यवस्थित ताम्र-पाषाणिक ग्रामीण बस्ती थी।

42. (A) पकी हुई ईंटों का व्यापक उपयोग
राजसमंद जिले में स्थित गिलूँड सभ्यता यद्यपि बनास संस्कृति का ही एक प्रमुख अंग है, किंतु यह स्थापत्य के मामले में आहड़ के मूल स्थल से भिन्नता प्रदर्शित करती है। आहड़ में मकानों के निर्माण में केवल कच्ची ईंटों तथा पत्थरों का उपयोग हुआ था, जबकि गिलूँड के उत्खनन में बड़े पैमाने पर पकी हुई ईंटों की दीवारों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

43. (D) अरावली पर्वतीय प्रदेश
ओजियाणा सभ्यता राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की बदनौर तहसील में स्थित एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है। भौगोलिक मानचित्र पर यह स्थान अरावली पर्वतीय प्रदेश की ढलाऊ पहाड़ियों के बीच खारी नदी के किनारे अवस्थित है। पहाड़ियों पर स्थित होने के कारण ओजियाणा को अरावली पर्वतीय श्रृंखला के अंतर्गत विकसित एक प्रमुख पहाड़ी ताम्र-पाषाणकालीन स्थल माना जाता है, जहाँ से टेराकोटा बुल प्राप्त हुए हैं।

44. (A) पाषाण युग, ताम्र-पाषाण युग, कांस्य युग, लौह युग
मानव सभ्यता तथा तकनीक के ऐतिहासिक विकासक्रम में सांस्कृतिक युगों का उद्भव एक निश्चित कालानुक्रम में संपन्न हुआ है। सबसे पहले पत्थर के उपकरणों वाला पाषाण युग आया, जिसके बाद तांबे एवं पत्थर के प्रयोग वाला ताम्र-पाषाण युग विकसित हुआ। तत्पश्चात तांबे व रांगे के मिश्रण से निर्मित कांस्य युग अस्तित्व में आया और अंत में लोहे के व्यापक औजारों का लौह युग विकसित हुआ।

NODIA

45. (C) आलणिया
राजस्थान के कोटा जिले में स्थित आलणिया नदी के तट पर प्रागैतिहासिक काल के शैल चित्र अर्थात् चट्टानों पर बनी विशाल चित्रकारी बड़ी मात्रा में पाई गई है। इन प्राचीन गुफा चित्रों में आखेटक मानव, हिरण, शेर तथा ज्यामितीय आकृतियाँ चित्रित हैं। शैल चित्रकारी की इस समृद्ध विशेषता के कारण आलणिया की तुलना मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध भीमबेटका की गुफाओं से की जाती है।

46. (D) सड़कें ग्रिड पैटर्न में एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं।
कालीबंगा की सबसे प्रमुख एवं उत्कृष्ट विशेषता इसकी सुनियोजित हड़प्पाकालीन नगर योजना थी। यहाँ की आवासीय सड़कें तथा गलियाँ एक निश्चित ग्रिड पैटर्न अथवा जाल पद्धति के आधार पर निर्मित की गई थीं, जहाँ सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं। इस प्रकार की व्यवस्थित स्थापत्य प्रणाली को चेस बोर्ड पद्धति के नाम से जाना जाता है, जो तत्कालीन उच्च नागरिक व्यवस्था एवं सभ्यता को दर्शाती है।

47. (A) मेसोपोटेमिया की सभ्यता
कालीबंगा सभ्यता के उत्खनन के दौरान मिट्टी की एक विशेष बेलनाकार मुहर प्राप्त हुई है। इस प्रकार की बेलनाकार मुहरें मूल रूप से पश्चिम एशिया की प्राचीन मेसोपोटेमिया सभ्यता की मुख्य पहचान एवं विशेषता थीं। कालीबंगा में इस विदेशी मुहर की उपस्थिति यह प्रमाणित करती है कि कालीबंगा के व्यापारी मेसोपोटेमिया की सभ्यता के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सुदृढ़ व्यापारिक संबंध रखते थे।

48. (B) कृषि और पशुपालन
उदयपुर की आहड़ सभ्यता मुख्य रूप से एक समृद्ध ताम्र-पाषाणकालीन ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर आधारित थी। यहाँ के निवासियों की आजीविका एवं आर्थिक जीवन के दो प्राथमिक स्तंभ कृषि तथा पशुपालन थे। उत्खनन में प्राप्त खाद्यान्न अवशेषों से पता चलता है कि वे मुख्य रूप से चावल, गेहूं तथा ज्वार की खेती करते थे, जबकि पशुपालन में गाय, बैल, भेड़ व बकरी पालते थे।

49. (B) खेतड़ी
गणेश्वर सभ्यता नीम का थाना क्षेत्र में स्थित है, जो राजस्थान की प्रसिद्ध खेतड़ी तांबा पट्टी के अत्यंत निकट अवस्थित है। इस भौगोलिक समीपता के कारण गणेश्वर के प्राचीन कारीगरों को खेतड़ी की खदानों से प्रचुर मात्रा में शुद्ध अयस्क प्राप्त होता था। इसी कारण गणेश्वर में निर्मित तांबे के औजारों में तांबे की शुद्धता 99 प्रतिशत तक पाई जाती है जो धातु निष्कर्षण की निपुणता दर्शाती है।

50. (A) मौर्य राजवंश
जयपुर जिले के बैराठ स्थल से प्राप्त गोलाकार मंदिर तथा बौद्ध स्तूप के स्थापत्य अवशेष मौर्य राजवंश के शासनकाल से संबंधित हैं। महान मौर्य सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल के दौरान यहाँ बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए स्तूपों, बौद्ध विहारों तथा अभिलेखों का निर्माण करवाया था। कैप्टन बर्ट द्वारा खोजा गया प्रसिद्ध भाब्रू शिलालेख भी इसी मौर्यकालीन स्थापत्य का एक प्रामाणिक एवं प्रत्यक्ष साक्ष्य है।

51. (C) लोहा गलाने की भट्ठियाँ
उदयपुर में अवस्थित बालाथल सभ्यता अपने प्राचीन ताम्र-पाषाणकालीन स्तर के लिए विश्व प्रसिद्ध है, किंतु इसके ऊपरी उत्तर-ऐतिहासिक सांस्कृतिक स्तर के उत्खनन से लोह युगीन साक्ष्य भी उजागर हुए हैं। इस ऐतिहासिक कालखंड में यहाँ से लोहा गलाने की प्राचीन भट्ठियाँ, लोहे के औजार, छैनी तथा हथियार प्राप्त हुए हैं। यह खोज प्रमाणित करती है कि ताम्र काल के पश्चात् बालाथल में लोह धातु उद्योग भी क्रियाशील था।

52. (D) डीडवाना
सांस्कृतिक एवं तकनीकी कालखंड के आधार पर वर्गीकरण करने पर डीडवाना अन्य तीनों विकल्पों से पूरी तरह असंगत ठहरता है। नागौर जिले में स्थित डीडवाना एक विशुद्ध पुरापाषाणकालीन तथा मध्यपाषाणकालीन पाषाण युगीन स्थल है, जहाँ केवल पत्थरों के औजार मिले हैं। इसके विपरीत, आहड़, गणेश्वर तथा बालाथल तीनों राजस्थान की प्रसिद्ध ताम्र-पाषाणकालीन संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जहाँ तांबे तथा मिट्टी के बर्तनों का व्यापक प्रयोग होता था।

53. (C) उष्ट्र
कालीबंगा के पुरातात्विक उत्खनन में विभिन्न पशुओं के अवशेषों के साथ प्रचुर संख्या में ऊँट की अस्थियाँ पाई गई हैं। शुष्क जलवायु वाले राजस्थान के हनुमानगढ़ क्षेत्र में ऊँट की अस्थियों की खोज यह स्पष्ट दर्शाती है कि हड़प्पाकालीन कालीबंगा सभ्यता के लोग ऊँट के पालन से भली-भांति परिचित थे। वे परिवहन तथा माल ढुलाई हेतु ऊँटों का व्यापक प्रयोग किया करते थे।

54. (B) यह आधुनिक ईंटों की जल निकासी व्यवस्था वाली एक शहरी सभ्यता थी।
गणेश्वर सभ्यता मुख्य रूप से एक ताम्र-पाषाणकालीन ग्रामीण बस्ती थी, न कि आधुनिक ईंटों की जल निकासी व्यवस्था वाली एक योजनाबद्ध शहरी सभ्यता। यहाँ की मुख्य पहचान पत्थरों के बने मकान, प्रचुर मात्रा में प्राप्त 99 प्रतिशत शुद्ध तांबे के उपकरण तथा सूक्ष्म पाषाण औजार हैं। आधुनिक ईंटों और ग्रिड प्रणाली वाली जल निकासी व्यवस्था कालीबंगा जैसे हड़प्पाकालीन नगरीय स्थलों की विशेषता थी।

55. (D) संयुक्त परिवार प्रणाली या सामुदायिक भोजन निर्माण
उदयपुर के आहड़ सभ्यता स्थल पर पुरातात्विक उत्खनन के दौरान एक ही मकान के कमरे में दो से अधिक तथा एक स्थान पर छह बड़े आकार के मिट्टी के चूल्हे एक साथ पाए गए हैं। एक ही घर में छह चूल्हों का एक साथ मिलना यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आहड़ समाज में या तो संयुक्त परिवार प्रणाली विद्यमान थी अथवा सामुदायिक भोजन निर्माण होता था।

NODIA

56. (A) मोडिया मगरी
राजसमंद जिले में स्थित गिलूँड सभ्यता का विशाल पुरातात्विक टीला स्थानीय निवासियों द्वारा 'मोडिया मगरी' के नाम से जाना जाता है। बनास नदी के तट पर अवस्थित यह पुरास्थल आहड़-बनास ताम्र-पाषाण संस्कृति का एक अत्यंत प्रमुख केंद्र है। इस पुरास्थल का सर्वप्रथम उत्खनन वर्ष 1959-60 में बी.बी. लाल द्वारा तथा बाद में वी.एस. शिंदे एवं पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के दल द्वारा संपादित किया गया था।

57. (C) 1983
कालीबंगा से प्राप्त अमूल्य पुरातात्विक अवशेषों, मुहरों, मृद्भांडों, ताम्र अस्त्रों तथा पुरातात्विक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने, संरक्षित करने एवं प्रदर्शित करने के उद्देश्य से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वर्ष 1983 में कालीबंगा संग्रहालय की स्थापना की गई थी। यह संग्रहालय राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में उत्खनन स्थल के निकट ही स्थित है, जहाँ उत्खनन में प्राप्त दुर्लभ ऐतिहासिक कलाकृतियाँ एवं पुरासामग्री प्रदर्शित की गई हैं।

58. (A) शंख लिपि
जयपुर जिले के बैराठ सभ्यता स्थल पर पहाड़ियों की गुफाओं तथा पत्थरों की चट्टानों पर उत्कीर्ण एक अत्यंत अनूठी तथा रहस्यमयी लिपि के अक्षर एवं प्रतीक मिले हैं। इस लिपि के अक्षरों की बनावट शंख के आकार से मिलती-जुलती होने के कारण पुरातात्विक इतिहासकारों द्वारा इसे 'शंख लिपि' नाम दिया गया है। बैराठ के अतिरिक्त यह लिपि अन्य प्राचीन शिलाखंडों पर भी पाई गई है।

59. (D) खारी
राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की बदनौर तहसील में स्थित प्रसिद्ध ओजियाणा सभ्यता खारी नदी के तट पर अवस्थित है। ओजियाणा आहड़-बनास ताम्र-पाषाण संस्कृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं अद्वितीय स्थल है। यह स्थल किसी समतल मैदानी कछार के स्थान पर पहाड़ी ढलान पर अवस्थित होने के कारण विशिष्ट माना जाता है। उत्खनन से यहाँ से सफेद रंग से चित्रित टेराकोटा बुल प्राप्त हुए थे।

60. (B) आहड़
उदयपुर जिले के वल्लभनगर में स्थित बालाथल सभ्यता स्थल से प्राप्त पकी हुई मिट्टी की बनी वृषभ यानी बैल की मूर्तियाँ आहड़ सभ्यता से प्राप्त बैल मूर्तियों के साथ अद्भुत रूप एवं शैलीगत समानता दर्शाती हैं। पुरातात्विक वैज्ञानिक आधार पर यह साम्यता सिद्ध करती है कि बालाथल सभ्यता सांस्कृतिक तथा आर्थिक रूप से आहड़-बनास संस्कृति का ही एक प्रमुख एवं अभिन्न अंग तथा समकालीन विस्तार थी।

61. (C) बूस्ट्रोफेडन शैली
कालीबंगा से प्राप्त मिट्टी की मुहरों तथा मृद्भांडों पर उकेरी गई प्राचीन हड़प्पाकालीन लिपि 'बूस्ट्रोफेडन' शैली में उत्कीर्ण पाई गई है। इस विशिष्ट लेखन पद्धति की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें पहली पंक्ति दाएँ से बाएँ की ओर लिखी जाती थी तथा अगली पंक्ति बाएँ से दाएँ की ओर लिखी जाती थी। इस प्रकार बारी-बारी दिशा बदलकर लिखने की शैली को बूस्ट्रोफेडन कहते हैं।

62. (D) एक ग्रामीण कृषि बस्ती
सिंधु घाटी सभ्यता का कालीबंगा केंद्र जहाँ अपनी ग्रिड प्रणाली, समकोण सड़कों एवं नगर प्राचीर के साथ एक अत्यधिक सुविकसित नगरीय एवं व्यापारिक सभ्यता का प्रतिनिधित्व करता था, वहीं इसके विपरीत उदयपुर की आहड़ सभ्यता को मुख्य रूप से एक ग्रामीण कृषि बस्ती के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आहड़ के निवासियों का जीवन मुख्य रूप से खेती, पशुपालन तथा ताम्र शोधन पर आश्रित था।

63. (A) यह खेतड़ी तांबे की खदानों के समीप स्थित था।
भारतीय ताम्र-पाषाणिक पुरातात्विक स्थलों में गणेश्वर में तांबे के निर्मित औजारों तथा हथियारों का विशालतम भंडार प्राप्त होने का सबसे मुख्य कारण खेतड़ी ताम्र बेल्ट से इसकी समीपता है। गणेश्वर अरावली पहाड़ियों में स्थित खेतड़ी की समृद्ध तांबा खदानों के निकट स्थित था। यहाँ के निवासियों ने खदानों से अयस्क निकालकर अत्यधिक शुद्धता वाले ताम्र उपकरणों का बड़े पैमाने पर निरंतर उत्पादन किया।

64. (B) गणेश्वर
राजस्थान के पुरातात्विक स्थलों के नदी घाटी वर्गीकरण में बनास नदी प्रणाली के आसपास विकसित आहड़, बालाथल, गिलूँड तथा ओजियाणा स्थलों को 'बनास संस्कृति परिसर' में रखा जाता है। इसके सर्वथा विपरीत, गणेश्वर सभ्यता उत्तरी राजस्थान में कांतली नदी के उद्गम क्षेत्र में विकसित एक पृथक ताम्रयुगीन सभ्यता है, जिसका बनास नदी घाटी परिसर से सीधा कोई भौगोलिक संबंध नहीं है।

65. (B) दयाराम साहनी
जयपुर जिले में बाणगंगा नदी के तट पर अवस्थित प्राचीन बैराठ अथवा विराटनगर सभ्यता स्थल का सर्वप्रथम उत्खनन वर्ष 1936-37 के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के रायबहादुर दयाराम साहनी के कुशल निर्देशन में प्रारंभ किया गया था। साहनी द्वारा किए गए इस उत्खनन के पश्चात् वर्ष 1962-63 में नीलविंदर बनर्जी तथा कैलाशनाथ दीक्षित द्वारा यहाँ पुनः व्यापक उत्खनन कार्य संपन्न कराया गया।

66. (A) पशुपति (आद्य-शिव) मुहर
सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख नगरों में मोहनजोदड़ो से तीन मुख वाले देवता जिन्हें पशुपतिनाथ अथवा आद्य-शिव माना गया है, की प्रसिद्ध मुहर पाई गई है। यह विशिष्ट पशुपति मुहर कालीबंगा के उत्खनन में प्राप्त नहीं हुई है। कालीबंगा से मुख्य रूप से आयताकार तथा वर्गाकार मिट्टी की मुहरें एवं बेलनाकार मुहर ही प्राप्त हुई हैं, किंतु पशुपति मुहर यहाँ नहीं मिली है।

67. (C) प्रत्येक घर में पीने के पानी का अपना कुआँ था।
कालीबंगा की आवासीय स्थापत्य कला की पुरातात्विक विशेषताओं का अध्ययन करने पर यह स्पष्ट होता है कि यहाँ के लगभग प्रत्येक घर के परिसर में पीने के पानी हेतु अपना स्वयं का कुआँ निर्मित किया गया था। यद्यपि कालीबंगा में मकानों

Downloaded from www.pdf.tube

की दीवारें मुख्यतः धूप में सुखाई गई कच्ची ईंटों से बनाई गई थीं, किंतु कुओं का होना नागरिक व्यवस्था को उजागर करता है।

68. (D) लकड़ी की उकेरी गई खोखली नालीदार लकड़ियाँ
कालीबंगा सभ्यता के उत्खनन से जल निकासी स्थापत्य प्रणाली का एक अत्यंत अनूठा तथा दुर्लभ उदाहरण सामने आया है। कुछ घरों में जल के निकास के लिए लकड़ी को भीतर से उकेर कर खोखला करके बनाई गई काष्ठ नालियों के स्पष्ट साक्ष्य मिले हैं। लकड़ी को काटकर नालियों के रूप में प्रयोग करने की यह अद्भुत तकनीक संपूर्ण सिंधु सभ्यता में केवल कालीबंगा से प्राप्त हुई है।

69. (C) व्यापार और वाणिज्य की एक सुविकसित प्रणाली
उदयपुर के प्राचीन आहड़ सभ्यता स्थल पर पुरातात्विक उत्खनन के दौरान विभिन्न आकारों एवं निश्चित भार वाले पत्थर के बने बाट और माप प्राप्त हुए हैं। पुरातात्विक विज्ञान के अनुसार किसी संस्कृति में मानकीकृत बाट-माप प्रणाली की उपस्थिति यह प्रमाणित करती है कि वहाँ आंतरिक तथा बाह्य व्यापार एवं वाणिज्यिक लेन-देन की एक सुसंगठित प्रणाली क्रियाशील थी जो उनके आर्थिक जीवन को दर्शाती है।

70. (B) कालीबंगा
राजस्थान के पुरातात्विक स्थलों के भौगोलिक मानचित्र का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि कालीबंगा राज्य के सबसे उत्तरी भाग में स्थित है। कालीबंगा राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हनुमानगढ़ जिले में अवस्थित है। इसके विपरीत बैराठ जयपुर जिले में स्थित है, जबकि आहड़ तथा बालाथल दोनों पुरास्थल दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित हैं, जो कालीबंगा से काफी दक्षिण में हैं।

NODIA

अध्याय 02
राजस्थान के प्रमुख राजवंश

1. ऐतिहासिक ग्रंथ "ऐनल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान" के लेखक कौन हैं?
(A) कविराज श्यामलदास
(B) कर्नल जेम्स टॉड
(C) सूर्यमल मिश्रण
(D) जी. एच. ओझा

2. बिजोलिया अभिलेख किस प्रमुख राजपूत राजवंश के इतिहास की जानकारी का प्राथमिक स्रोत है?
(A) मेवाड़ का गुहिल राजवंश
(B) मारवाड़ का राठौड़ राजवंश
(C) जैसलमेर का भाटी राजवंश
(D) शाकंभरी/अजमेर का चौहान राजवंश

3. छठी शताब्दी में मेवाड़ के गुहिल राजवंश का मूल संस्थापक किसे माना जाता है?
(A) गुहादित्य (गुहिल)
(B) बप्पा रावल
(C) राणा हम्मीर
(D) महाराणा कुंभा

4. महाराणा कुंभा ने किस शासक पर अपनी विजय के उपलक्ष्य में चित्तौड़गढ़ में प्रसिद्ध 'विजय स्तंभ' का निर्माण करवाया था?
(A) गुजरात का बहादुर शाह
(B) सम्राट अकबर
(C) मालवा का सुल्तान महमूद खिलजी
(D) दिल्ली का सुल्तान सिकंदर लोदी

5. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए।
सूची I: (राजवंश)
P. गुहिल
Q. राठौड़ (मारवाड़)
R. कछवाहा
S. चौहान (शाकंभरी)
सूची II: (संस्थापक)
1. वासुदेव
2. दूल्हे राय
3. राव सीहा
4. बप्पा रावल
(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-4, Q-2, R-1, S-3

6. महाराणा सांगा और बाबर के बीच निर्णायक खानवा का युद्ध किस वर्ष लड़ा गया था?
(A) 1526
(B) 1527
(C) 1528
(D) 1576

7. हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल सेना का मुख्य नेतृत्व किस राजपूत शासक ने किया था?
(A) आमेर के राजा भारमल
(B) राजा मानसिंह प्रथम
(C) मिर्जा राजा जयसिंह
(D) बीकानेर के राव बीका

8. राव जोधा ने जोधपुर शहर और मेहरानगढ़ दुर्ग की नींव किस वर्ष रखी थी?
(A) 1459
(B) 1488
(C) 1559
(D) 1727

9. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
कथन (A): खानवा के युद्ध में महाराणा सांगा बाबर से पराजित हुए थे।
कारण (R): बाबर ने युद्ध में प्रभावी ढंग से श्रेष्ठ तोपखाने और तुलुगमा सैन्य पद्धति का उपयोग किया था।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है परन्तु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परन्तु कारण (R) सही है।

10. जोधपुर में नाथ संप्रदाय के प्रमुख केंद्र प्रसिद्ध 'महामंदिर' का निर्माण किस शासक के शासनकाल में हुआ था?
(A) महाराजा मानसिंह
(B) राव मालदेव
(C) महाराजा जसवंत सिंह प्रथम
(D) राव चंद्रसेन

Click Here to Buy book on Amazon

11. सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा जयपुर शहर की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
(A) 1707
(B) 1727
(C) 1734
(D) 1799

12. जैसलमेर नगर और उसके दुर्ग की नींव किस भाटी शासक ने रखी थी?
(A) राव लूणकरण
(B) राव जैसल
(C) महारावल जवाहर सिंह
(D) भाटी राजपूत मूलराज

13. तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान तृतीय किस वर्ष मुहम्मद गोरी से पराजित हुए थे?
(A) 1191
(B) 1192
(C) 1194
(D) 1206

14. राजस्थान का हाड़ौती क्षेत्र (जिसमें बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ शामिल हैं) ऐतिहासिक रूप से चौहानों की किस शाखा द्वारा शासित था?
(A) सोनगरा चौहान
(B) देवड़ा चौहान
(C) हाड़ा चौहान
(D) खींची चौहान

15. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प मेवाड़ राजवंश के शासकों का सही कालानुक्रम दर्शाता है?
(A) महाराणा कुंभा - महाराणा सांगा - महाराणा प्रताप - महाराणा अमर सिंह
(B) महाराणा सांगा - महाराणा कुंभा - महाराणा प्रताप - महाराणा अमर सिंह
(C) महाराणा प्रताप - महाराणा कुंभा - महाराणा सांगा - महाराणा अमर सिंह
(D) महाराणा अमर सिंह - महाराणा प्रताप - महाराणा सांगा - महाराणा कुंभा

16. बीकानेर शहर की स्थापना राठौड़ राजवंश के राजकुमार राव बीका द्वारा किस वर्ष की गई थी?
(A) 1459
(B) 1488
(C) 1515
(D) 1559

17. खानवा के युद्ध में बाबर के विरुद्ध महाराणा सांगा की ओर से लड़ने वाले प्रमुख मुस्लिम सेनापति कौन थे?
(A) हाकिम खां सूर
(B) हसन खां मेवाती
(C) सुल्तान महमूद खिलजी
(D) तारिक खां

18. राजपूताना में मराठों के प्रवेश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. मराठों ने पहली बार बूंदी राज्य के आंतरिक उत्तराधिकार विवाद में हस्तक्षेप किया था।
II. मराठों के विरुद्ध एक संयुक्त मोर्चा बनाने के लिए राजपूत शासकों द्वारा हुरड़ा सम्मेलन का आयोजन किया गया था।
III. सवाई जयसिंह द्वितीय ने मराठों को सफलतापूर्वक पराजित कर राजपूताना से स्थायी रूप से निष्कासित कर दिया था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

19. 1817 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ सहायक संधि करने वाली राजस्थान की प्रथम रियासत कौन-सी थी?
(A) करौली
(B) जयपुर
(C) मेवाड़ (उदयपुर)
(D) सिरोही

20. रियासतों की देखरेख के लिए अंग्रेजों द्वारा 1832 में राजपूताना एजेंसी की स्थापना की गई थी। प्रारंभ में इसका मुख्यालय कहाँ स्थित था?
(A) माउंट आबू
(B) जयपुर
(C) अजमेर
(D) उदयपुर

21. मेवाड़ के गुहिल/सिसौदिया राजवंश की कुलदेवी के रूप में किस देवी की पूजा की जाती है?
(A) बाण माता
(B) करणी माता
(C) जमवाय माता
(D) नागणेची माता

22. संगमरमर का स्मारक 'जसवंत थड़ा', जिसे मारवाड़ का ताजमहल कहा जाता है, किस शहर में स्थित है?
(A) बीकानेर
(B) जैसलमेर
(C) उदयपुर
(D) जोधपुर

23. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए।
सूची I: (छतरियां)

NODIA

P. गैटोर की छतरियां
Q. आहड़ की छतरियां
R. जसवंत थड़ा
S. देवीकुंड सागर की छतरियां

सूची II: (संबंधित रियासत)
1. मेवाड़ (उदयपुर)
2. मारवाड़ (जोधपुर)
3. बीकानेर
4. कछवाहा (जयपुर)

(A) P-4, Q-1, R-2, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-2, R-1, S-3
(D) P-2, Q-3, R-4, S-1

24. 1708 का ऐतिहासिक 'देबारी समझौता' मुगल सम्राट बहादुर शाह प्रथम के विरुद्ध किन तीन रियासतों के शासकों द्वारा बनाया गया त्रिगुट गठबंधन था?
(A) मेवाड़, बीकानेर और जैसलमेर
(B) मारवाड़, आमेर और कोटा
(C) मेवाड़, मारवाड़ और आमेर
(D) आमेर, बूंदी और बीकानेर

25. कर्नल जेम्स टॉड की कृति "ऐनल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान" का प्रथम खंड किस वर्ष प्रकाशित हुआ था?
(A) 1818
(B) 1829
(C) 1857
(D) 1881

26. 'स्वरूपशाही' सिक्के आधिकारिक रूप से राजस्थान की किस रियासत द्वारा जारी किए गए थे?
(A) मेवाड़
(B) जयपुर
(C) जोधपुर
(D) बीकानेर

27. निम्नलिखित में से किसने चित्तौड़गढ़ को पुनः जीतकर गुहिल राजवंश की 'सिसौदिया' शाखा की नींव रखी?
(A) रावल रतन सिंह
(B) राणा हम्मीर
(C) महाराणा कुंभा
(D) जैत्र सिंह

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
कथन (A): महाराणा प्रताप ने मुगल सम्राट अकबर द्वारा भेजे गए शांति प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया था।
कारण (R): महाराणा प्रताप मेवाड़ की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध थे और उन्होंने मुगलों की अधीनता स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है परन्तु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परन्तु कारण (R) सही है।

29. महाराणा कुंभा विद्वान और कलाओं के संरक्षक थे। निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रंथ उनके द्वारा रचित नहीं है?
(A) पृथ्वीराज रासो
(B) संगीतराज
(C) संगीत मीमांसा
(D) सूड प्रबंध

30. विभिन्न राजपूत सरदारों को एक ध्वज के नीचे संगठित करने के लिए किस राजपूत शासक को 'हिंदूपत' की उपाधि दी गई थी?
(A) महाराणा प्रताप
(B) राव मालदेव
(C) महाराणा सांगा
(D) सवाई जयसिंह द्वितीय

31. हल्दीघाटी के युद्ध की सर्वमान्य तिथि क्या है?
(A) 18 जून 1576
(B) 15 अगस्त 1576
(C) 21 अक्टूबर 1567
(D) 14 जनवरी 1582

32. मारवाड़ के किस राठौड़ शासक को अकबर के विरुद्ध निरंतर छापामार प्रतिरोध के लिए इतिहास में "मारवाड़ का प्रताप" कहा जाता है?
(A) राव मालदेव
(B) राव जोधा
(C) राव चंद्रसेन
(D) महाराजा अजीत सिंह

33. राजस्थान के निम्नलिखित ऐतिहासिक युद्धों को सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. खानवा का युद्ध
2. तराइन का प्रथम युद्ध
3. हल्दीघाटी का युद्ध
4. गिरि-सुमेल का युद्ध

निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) 2, 1, 4, 3
(B) 1, 2, 3, 4
(C) 2, 4, 1, 3
(D) 4, 2, 1, 3

34. जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह प्रथम ने किस मुगल सम्राट के अधीन सैन्य सेनापति के रूप में सेवा की थी?
(A) सम्राट बाबर और हुमायाँ

Downloaded from www.pdf.tube

(B) सम्राट अकबर और जहाँगीर
(C) शाहजहाँ और औरंगज़ेब
(D) सम्राट बहादुर शाह जफर

35. आमेर (जयपुर) का कछवाहा राजवंश स्वयं को किसका पौराणिक वंशज मानता है?
(A) भगवान राम के पुत्र कुश
(B) भगवान राम के पुत्र लव
(C) भगवान कृष्ण
(D) भगवान शिव

36. आमेर के राजा मानसिंह प्रथम ने अकबर के शासनकाल के दौरान निम्नलिखित में से किन प्रांतों के मुगल सूबेदार के रूप में कार्य किया था?
(A) गुजरात, मालवा और खानदेश
(B) दक्कन, सिंध और पंजाब
(C) काबुल, बिहार और बंगाल
(D) अवध, कश्मीर और ओडिशा

37. सवाई जयसिंह द्वितीय ने पाँच खगोलीय वेधशालाओं (जंतर-मंतर) का निर्माण करवाया था। निम्नलिखित में से किस शहर में यह वेधशाला स्थित नहीं है?
(A) आगरा
(B) दिल्ली
(C) जयपुर
(D) उज्जैन

38. राजपूत राज्यों और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हस्ताक्षरित संधियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. 1817 में सहायक संधि पर हस्ताक्षर करने वाला करौली प्रथम राजपूत राज्य था।
II. 1823 में संधि पर हस्ताक्षर करने वाला सिरोही राजपूताना का अंतिम राज्य था।
III. इन संधियों पर अंग्रेजों की ओर से मुख्य रूप से चार्ल्स मेटकाफ द्वारा वार्ता की गई थी।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

39. जैसलमेर का 'अर्ध साका', जिसमें पुरुषों ने केसरिया किया लेकिन महिलाएं जौहर नहीं कर सकीं, किस शासक के शासनकाल में हुआ था?
(A) राव जैसल
(B) राव लूणकरण
(C) महारावल मूलराज
(D) राव दूदा

40. बिजोलिया अभिलेख के अनुसार, 551 ईस्वी के आसपास चौहान राजवंश की स्थापना किस शासक द्वारा की गई थी?
(A) अजयराज
(B) अर्णोराज
(C) वासुदेव
(D) विग्रहराज चतुर्थ

41. चौहान राजवंश की रणथंभौर शाखा के कौन-से शासक अपने हठ एवं बलिदान के लिए प्रसिद्ध हैं?
(A) पृथ्वीराज चौहान तृतीय
(B) गोविंदराज चौहान
(C) कान्हड़देव सोनगरा
(D) हम्मीरदेव

42. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए।
सूची I: (कुलदेवी)
P. बाण माता
Q. जमवाय माता
R. नागणेची माता
S. करणी माता
सूची II: (राजवंश)
1. मारवाड़ के राठौड़
2. बीकानेर के राठौड़
3. आमेर के कछवाहा
4. मेवाड़ के सिसौदिया
(A) P-4, Q-3, R-1, S-2
(B) P-3, Q-4, R-2, S-1
(C) P-4, Q-1, R-3, S-2
(D) P-1, Q-2, R-4, S-3

43. बूंदी से अलग होकर कोटा एक स्वतंत्र राज्य के रूप में किस मुगल सम्राट के शासनकाल में स्थापित हुआ था?
(A) सम्राट अकबर
(B) सम्राट जहाँगीर
(C) शाहजहाँ
(D) सम्राट औरंगज़ेब

44. किस लोकदेवी ने राव बीका को आशीर्वाद देते हुए भविष्यवाणी की थी कि उनका राज्य (बीकानेर) उनके पिता के राज्य से भी बड़ा होगा?
(A) जीण माता
(B) करणी माता
(C) शीला देवी
(D) सचियाय माता

45. 1191 ईस्वी में लड़े गए तराइन के प्रथम युद्ध का क्या परिणाम हुआ था?
(A) पृथ्वीराज चौहान ने मुहम्मद गोरी को निर्णायक रूप से पराजित किया।
(B) मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को निर्णायक रूप से

NODIA

पराजित किया।
(C) बाबर ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया।
(D) युद्ध बिना किसी स्पष्ट विजेता के शांति संधि पर समाप्त हुआ।

46. महाराणा सांगा ने बाबर के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने के लिए सभी राजपूत राजाओं को आमंत्रित करने हेतु किस प्राचीन राजपूत परंपरा को पुनर्जीवित किया था?
(A) अश्वमेध यज्ञ
(B) जौहर
(C) पाती पेरवण
(D) साका

47. हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना के अग्रभाग (हरावल) का नेतृत्व करने वाले अफगान मुस्लिम सेनापति कौन थे?
(A) हसन खां मेवाती
(B) शेर खां
(C) मिहतर खां
(D) हाकिम खां सूर

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
कथन (A): 1734 का हुरड़ा सम्मेलन मराठों के विरुद्ध अपने सैन्य उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहा।
कारण (R): भाग लेने वाले राजपूत शासक आपसी ईर्ष्या से ग्रस्त थे और एक नेतृत्व के अधीन एकजुट नहीं हो सके।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है परन्तु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परन्तु कारण (R) सही है।

49. स्वेच्छा से मुगलों की अधीनता स्वीकार करने और सम्राट अकबर के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित करने वाले प्रथम राजपूत शासक कौन थे?
(A) मारवाड़ के राव मालदेव
(B) आमेर के राजा भारमल
(C) जैसलमेर के महारावल लूणकरण
(D) बीकानेर के राव बीका

50. 1734 के हुरड़ा सम्मेलन की अध्यक्षता किस शासक ने की थी?
(A) जयपुर के महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय
(B) मारवाड़ के महाराजा अभयसिंह
(C) बीकानेर के महाराजा जोरावर सिंह
(D) महाराणा जगतसिंह द्वितीय

51. भारत की स्वतंत्रता और राजस्थान के एकीकरण के समय मेवाड़ के शासक (महाराणा) कौन थे?
(A) महाराणा भूपाल सिंह
(B) महाराणा फतेह सिंह
(C) महाराणा सज्जन सिंह
(D) महाराणा स्वरूप सिंह

52. भारत के विभाजन के समय जोधपुर के किस शासक ने अपनी रियासत का पाकिस्तान में विलय करने का विचार रखा था?
(A) जोधपुर के महाराजा उम्मेद सिंह
(B) जोधपुर के महाराजा सरदार सिंह
(C) महाराजा हनुवंत सिंह
(D) जोधपुर के महाराजा तख्त सिंह

53. 'जमवाय माता' की पूजा राजस्थान के किस राजवंश की कुलदेवी के रूप में की जाती है?
(A) कछवाहा राजवंश
(B) मारवाड़ का राठौड़ राजवंश
(C) मेवाड़ का गुहिल राजवंश
(D) जैसलमेर का भाटी राजवंश

54. कर्नल जेम्स टॉड के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. उन्हें अंग्रेजों द्वारा पश्चिमी राजपूताना राज्यों का पॉलिटिकल एजेंट नियुक्त किया गया था।
II. उन्होंने "ऐनल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान" पुस्तक लिखी।
III. उन्होंने इस सिद्धांत का दृढ़ता से समर्थन किया कि राजपूत स्वदेशी वैदिक आर्यों के वंशज थे।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) केवल I और III

55. जयपुर के कछवाहा शासकों की राजसी छतरियां किस स्थान पर स्थित हैं?
(A) बड़ा बाग
(B) गैटोर
(C) मंडोर
(D) आहड़

56. जैसलमेर के भाटी राजपूत शासक अपनी पौराणिक वंशावली किस देवता से जोड़ते हैं, तथा स्वयं को 'चंद्रवंशी' कहते हैं?
(A) भगवान राम
(B) भगवान शिव
(C) भगवान कृष्ण
(D) भगवान ब्रह्मा

57. 'अग्निकुल' सिद्धांत, जो यह बताता है कि माउंट आबू में एक यज्ञ कुंड से चार राजपूत कुल (चौहान, चालुक्य, परमार, प्रतिहार) उत्पन्न हुए थे, का उल्लेख सर्वप्रथम किस ग्रंथ में किया गया था?

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) पृथ्वीराज विजय
(B) हम्मीर महाकाव्य
(C) नैणसी री ख्यात
(D) पृथ्वीराज रासो

58. बीकानेर के किस शासक ने 1818 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ सहायक संधि पर हस्ताक्षर किए थे?
(A) महाराजा सूरतसिंह
(B) महाराजा गंगा सिंह
(C) महाराजा डूंगर सिंह
(D) महाराजा रतन सिंह

59. आहड़ में स्थित 'महासतियां' नामक स्थल किस रियासत के राजपरिवार की छतरियों के लिए प्रसिद्ध है?
(A) मारवाड़
(B) मेवाड़
(C) हाड़ौती
(D) ढूंढाड़

60. किन दो राज्यों के बीच सीमा निर्धारित करने के लिए 'आँवल-बाँवल की संधि' (1453) पर हस्ताक्षर किए गए थे?
(A) आमेर और मेवाड़
(B) मेवाड़ और मारवाड़
(C) मारवाड़ और बीकानेर
(D) बूंदी और मेवाड़

61. आँवल-बाँवल की संधि के बाद शांति कूटनीति के एक भाग के रूप में, राव जोधा की पुत्री राजकुमारी श्रृंगारी देवी का विवाह किसके साथ हुआ था?
(A) राजकुमार रायमल
(B) मेवाड़ के महाराणा कुंभा
(C) मेवाड़ के महाराणा सांगा
(D) मेवाड़ के रावल रतन सिंह

62. राजस्थान में सर्वोच्च ब्रिटिश अधिकारी एजेंट टू गवर्नर जनरल (एजीजी) होता था। 1832 में नियुक्त प्रथम एजीजी कौन थे?
(A) चार्ल्स मेटकाफ
(B) जॉर्ज पैट्रिक लॉरेंस
(C) मिस्टर लॉकेट
(D) कर्नल जेम्स टॉड

63. भारत में पारंपरिक 'अश्वमेध यज्ञ' करने वाले अंतिम हिंदू शासक होने का श्रेय किसे प्राप्त है?
(A) महाराणा प्रताप
(B) महाराजा जसवंत सिंह
(C) राजा मानसिंह प्रथम
(D) सवाई जयसिंह द्वितीय

64. महाकाव्य "पृथ्वीराज रासो", जो पृथ्वीराज चौहान के जीवन का विस्तृत विवरण देता है, उनके किस दरबारी कवि द्वारा रचा गया था?
(A) पंडित जयानक
(B) महाकवि सोमदेव
(C) चंदबरदाई
(D) कवि पद्मनाभ

65. राजस्थान का दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र 'हाड़ौती' कहलाता है, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से यहाँ किस राजवंश/शाखा का शासन था?
(A) सिसौदिया राजपूत
(B) हाड़ा चौहान
(C) भाटी राजपूत
(D) कछवाहा राजपूत

66. संत-कवयित्री मीराबाई मेड़ता के किस राठौड़ शासक की पौत्री थीं?
(A) राव जोधा
(B) राव मालदेव
(C) राव चूंड़ा
(D) राव दूदा

67. बप्पा रावल ने किस प्राचीन नगर को मेवाड़ में गुहिल राजवंश की प्रथम राजधानी बनाया था?
(A) नागदा
(B) चित्तौड़गढ़
(C) उदयपुर
(D) कुंभलगढ़

68. गिरि-सुमेल के युद्ध (1544) में अफगान शासक शेरशाह सूरी का सामना मारवाड़ के किस शासक के सेनापतियों से हुआ था?
(A) राव जोधा
(B) राव चंद्रसेन
(C) राव मालदेव
(D) महाराजा जसवंत सिंह

69. जयपुर में अल्बर्ट हॉल संग्रहालय की आधारशिला किस शासक के शासनकाल में प्रिंस ऑफ वेल्स के स्वागत के लिए रखी गई थी?
(A) सवाई रामसिंह द्वितीय
(B) सवाई माधोसिंह द्वितीय
(C) सवाई जयसिंह द्वितीय
(D) सवाई मानसिंह द्वितीय

70. स्वतंत्रता के बाद वृहत् राजस्थान राज्य में पूर्ण विलय से पूर्व जयपुर राज्य के अंतिम शासक (महाराजा) कौन थे?
(A) सवाई माधोसिंह द्वितीय
(B) सवाई रामसिंह द्वितीय
(C) सवाई भवानी सिंह
(D) सवाई मानसिंह द्वितीय

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) कर्नल जेम्स टॉड
कर्नल जेम्स टॉड ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी तथा पश्चिमी राजपूत राज्यों के प्रथम प्रशासनिक प्रतिनिधि थे। उन्होंने राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक भ्रमण करके यहाँ की ऐतिहासिक पांडुलिपियों, शिलालेखों तथा लोक परंपराओं का गहन अध्ययन किया।

वर्ष 1829 में लंदन में प्रकाशित उनका यह प्रसिद्ध ग्रंथ राजस्थान के मध्यकालीन इतिहास, सामंती व्यवस्था, राजवंशों की वंशावली तथा भौगोलिक विशेषताओं का प्रामाणिक विवरण प्रस्तुत करता है।

2. (D) शाकंभरी/अजमेर का चौहान राजवंश
राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में स्थित बिजोलिया शिलालेख विक्रम संवत 1227 अर्थात 1170 ईस्वी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पुरालेख है। यह शिलालेख चौहान शासक सोमेश्वर के शासनकाल में उत्कीर्ण करवाया गया था।

इस अभिलेख में शाकंभरी तथा अजमेर के चौहान राजवंश की प्रारंभिक वंशावली, प्रशासनिक व्यवस्था और तत्कालीन धार्मिक स्थिति का प्रामाणिक विवरण मिलता है। इसमें चौहानों को वत्स गोत्रीय ब्राह्मण बताया गया है।

3. (A) गुहादित्य (गुहिल)
मेवाड़ का प्राचीन इतिहास गुहिल राजवंश के उत्कर्ष से प्रारंभ होता है। विभिन्न ऐतिहासिक प्रशस्तियों एवं ख्यातों के अनुसार छठी शताब्दी में गुहादित्य ने मेवाड़ क्षेत्र में गुहिल वंश की आधारशिला रखी थी।

इन्हें गुहिल के नाम से भी जाना जाता है और इन्हीं के नाम पर इस राजवंश का नाम गुहिलवंश पड़ा। नागदा तथा आसपास का पहाड़ी क्षेत्र इस वंश की प्रारंभिक गतिविधियों का केंद्र बना।

4. (C) मालवा का सुल्तान महमूद खिलजी
मेवाड़ के महाराणा कुंभा ने 1437 ईस्वी में सारंगपुर के प्रसिद्ध युद्ध में मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी की संयुक्त सेना को बुरी तरह पराजित किया था।

इस महान ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में महाराणा कुंभा ने चित्तौड़गढ़ दुर्ग में नौ मंजिला भव्य विजय स्तंभ का निर्माण करवाया था। इस स्तंभ को भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोश तथा स्थापत्य कला की अनूठी कृति माना जाता है।

5. (A) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान के प्रमुख राजपूत राजवंशों के संस्थापकों का ऐतिहासिक संबंध इस प्रकार है:

गुहिल राजवंश का मूल संस्थापक बप्पा रावल को माना जाता है, जिन्होंने मेवाड़ में राज्य स्थापित किया।

मारवाड़ में राठौड़ वंश की स्थापना राव सीहा द्वारा 13वीं शताब्दी में की गई थी।

ढूंढाड़ क्षेत्र में कछवाहा वंश की स्थापना दूल्हे राय ने की थी।

शाकंभरी में चौहान वंश का संस्थापक वासुदेव चौहान को माना जाता है।

6. (B) 1527
खानवा का ऐतिहासिक युद्ध 17 मार्च 1527 को भरतपुर जिले के रूपवास तहसील में स्थित खानवा के मैदान में लड़ा गया था। यह युद्ध मेवाड़ के महाराणा सांगा और मुगल आक्रमणकारी बाबर के मध्य लड़ा गया एक अत्यंत निर्णायक संघर्ष था।

इस युद्ध में बाबर ने तोपखाने और सैन्य युद्ध पद्धति का प्रभावी प्रयोग करके विजय प्राप्त की, जिससे भारत में मुगल साम्राज्य की नीव सुदृढ़ हुई।

7. (B) राजा मानसिंह प्रथम
1576 ईस्वी में मेवाड़ के महाराणा प्रताप और मुगल सेना के मध्य हल्दीघाटी का प्रसिद्ध युद्ध हुआ था। इस ऐतिहासिक संघर्ष में मुगल सेना के मुख्य सेनापति के रूप में आमेर के शासक राजा मानसिंह प्रथम ने नेतृत्व किया था।

अकबर ने मानसिंह को इस अभियान का दायित्व सौंपा था, जिन्होंने शाही सेना का संचालन करते हुए महाराणा प्रताप के विरुद्ध रणनीति तैयार की थी।

8. (A) 1459
मारवाड़ के प्रतापी राठौड़ शासक राव जोधा ने राजधानी को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने के उद्देश्य से 12 मई 1459 को जोधपुर शहर की स्थापना की थी। उन्होंने चिड़ियाटूंकी पहाड़ी पर प्रसिद्ध मेहरानगढ़ दुर्ग की आधारशिला रखी थी। यह किला सामरिक दृष्टि से अत्यंत सुदृढ़ निर्मित किया गया था। इस नए नगर के निर्माण से मारवाड़ का प्रशासनिक केंद्र मंडोर से बदलकर जोधपुर स्थानांतरित हुआ।

9. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
1527 ईस्वी के खानवा युद्ध में महाराणा सांगा की पराजय का मुख्य कारण बाबर की आधुनिक सैन्य तकनीक थी। बाबर ने इस युद्ध में तोपखाने का कुशल उपयोग किया तथा तुगलमा युद्ध पद्धति को प्रभावी रुप से लागू किया।

इन सामरिक तकनीकों के सामने पारंपरिक राजपूत सैन्य रणनीति निष्प्रभावी सिद्ध हुई, जिसके परिणामस्वरूप राजपूतों को पराजय का सामना करना पड़ा। अतः दिया गया कारण कथन की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

NODIA

10. (A) महाराजा मानसिंह
जोधपुर के महाराजा मानसिंह नाथ संप्रदाय के अनुयायी थे और वे आयस देवनाथ को अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे। गुरु के सम्मान तथा संप्रदाय के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने 1805 ईस्वी में जोधपुर में भव्य महामंदिर का निर्माण करवाया था।

चौरासी स्तंभों पर टिका यह विशाल मंदिर नाथ संप्रदाय का एक प्रमुख पीठ माना जाता है। मंदिर की दीवारों पर नाथ योगियों से संबंधित सुंदर भित्तिचित्र उत्कीर्ण हैं।

11. (B) 1727
आमेर के महान कछवाहा शासक सवाई जयसिंह द्वितीय ने 18 नवंबर 1727 को जयपुर नगर की नींव रखी थी। इस प्रसिद्ध योजनाबद्ध शहर का मानचित्र महान बंगाली वास्तुकार पंडित विद्याधर भट्टाचार्य के मार्गदर्शन में वास्तुशास्त्र एवं शिल्पशास्त्र के सिद्धांतों के आधार पर तैयार किया गया था।

जयपुर भारत का पहला सुव्यवस्थित नियोजित शहर माना जाता है, जिसे नौ वर्गों के सिद्धांत पर निर्मित किया गया था।

12. (B) राव जैसल
जैसलमेर नगर और सोनार किला की स्थापना भाटी राजपूत शासक राव जैसल द्वारा 1156 ईस्वी में की गई थी। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से पुरानी राजधानी लोद्रवा से हटाकर त्रिकूट पहाड़ी पर नए नगर की स्थापना की।

पीले बलुआ पत्थरों से निर्मित इस विशाल दुर्ग को राजस्थान के सांस्कृतिक इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है और इसे सोनार किला भी कहा जाता है।

13. (B) 1192
तराइन का द्वितीय युद्ध 1192 ईस्वी में अजमेर के शासक पृथ्वीराज चौहान तृतीय और शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी के मध्य लड़ा गया था। इस युद्ध में रणनीति और तैयारी के अंतर के कारण पृथ्वीराज चौहान पराजित हुए।

इस युद्ध का भारतीय इतिहास में अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रभाव रहा, क्योंकि इसके बाद भारत में तुर्क शासन तथा दिल्ली सल्तनत की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।

14. (C) हाड़ा चौहान
राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में स्थित कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिलों के अंचल को हाड़ौती कहा जाता है। मध्यकाल में इस संपूर्ण भूभाग पर चौहान राजवंश की हाड़ा शाखा का शासन स्थापित रहा।

हाड़ा सरदारों द्वारा इस क्षेत्र पर निरंतर शासन करने के कारण ही यह भौगोलिक प्रदेश हाड़ौती के नाम से प्रसिद्ध हुआ, जिसकी प्रारंभिक राजधानी बूंदी थी और बाद में कोटा पृथक रियासत बना।

15. (A) महाराणा कुंभा - महाराणा सांगा - महाराणा प्रताप - महाराणा अमर सिंह
मेवाड़ के इतिहास में सिसौदिया राजवंश के प्रतापी शासकों का शासनकाल इस प्रकार रहा है:

महाराणा कुंभा ने 1433 से 1468 ईस्वी तक मेवाड़ पर शासन किया और कला का विकास किया।

महाराणा सांगा ने 1509 से 1528 ईस्वी तक राज्य का विस्तार किया।

महाराणा प्रताप का ऐतिहासिक शासनकाल 1572 से 1597 ईस्वी तक रहा।

महाराणा अमर सिंह प्रथम ने 1597 से 1620 ईस्वी तक शासन का संचालन किया।

16. (B) 1488
जोधपुर के संस्थापक राव जोधा के पुत्र राव बीका ने मारवाड़ से पृथक होकर रातीघाटी नामक स्थान पर बीकानेर राज्य की स्थापना की थी। उन्होंने वैशाख शुक्ल तृतीया (आखा तीज) के दिन वर्ष 1488 में बीकानेर शहर की नींव रखी थी।

इस नए नगर और राज्य के निर्माण में लोकदेवी करणी माता का आशीर्वाद महत्वपूर्ण माना जाता है, जिससे यह क्षेत्र उत्तरी राजस्थान का प्रमुख केंद्र बना।

17. (B) हसन खां मेवाती
1527 ईस्वी के खानवा युद्ध में मेवात के शासक हसन खां मेवाती ने महाराणा सांगा का साथ दिया था। विदेशी आक्रमणकारी बाबर के विरुद्ध राजपूती संघ में शामिल होने वाले वे प्रमुख मुस्लिम राजपूत सेनापति थे।

हसन खां मेवाती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपनी विशाल सेना के साथ युद्ध में वीरतापूर्वक भाग लिया और सांगा के पक्ष में लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की।

18. (A) केवल I और II
18वीं शताब्दी में मराठों ने सर्वप्रथम बूंदी राज्य के आंतरिक उत्तराधिकार विवाद में बुद्धसिंह के पक्ष में हस्तक्षेप करके राजपूताना में प्रवेश किया था।

मराठा अभियानों तथा भारी चौथ वसूली से सुरक्षा हेतु जुलाई 1734 में मेवाड़ के भीलवाड़ा में हुरड़ा सम्मेलन बुलाया गया। परंतु राजपूत शासक सवाई जयसिंह द्वितीय मराठों को स्थायी रूप से निष्कासित नहीं कर सके, अतः तीसरा कथन असत्य है।

19. (A) करौली
लॉर्ड हेस्टिंग्स की अधीनस्थ अलगाव नीति के तहत करौली के महाराजा हरबक्ष पाल सिंह ने 9 नवंबर 1817 को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ रक्षात्मक संधि पर हस्ताक्षर किए थे।

करौली राजपूताना की पहली ऐसी रियासत थी जिसने अंग्रेजों के साथ यह अधीनस्थ संधि स्वीकार की थी। इसके पश्चात् कोटा, जोधपुर, उदयपुर और जयपुर जैसी अन्य रियासतों ने भी यह संधि स्वीकार की।

20. (C) अजमेर
ब्रिटिश सरकार ने राजपूताना की रियासतों पर प्रशासनिक नियंत्रण तथा निगरानी रखने हेतु वर्ष 1832 में राजपूताना एजेंसी का गठन किया था। इसका प्रारंभिक मुख्यालय अजमेर में स्थापित किया गया था।

यहाँ गवर्नर जनरल का प्रतिनिधि एजेंट टू गवर्नर जनरल (एजीजी) बैठता था। बाद में 1845 ईस्वी में ग्रीष्मकालीन मौसम

Click Here to Buy book on Amazon

के दौरान मुख्यालय को स्थानांतरित करके माउंट आबू ले जाया गया था।

21. (A) बाण माता
बाण माता (बाणेश्वरी देवी) मेवाड़ के प्रतापी गुहिल तथा सिसौदिया राजवंश की कुलदेवी के रूप में पूजी जाती हैं। मेवाड़ के शासक युद्ध अभियानों तथा मांगलिक अवसरों पर इनकी पूजा-अर्चना करते थे।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग तथा उदयपुर के राजप्रसाद में बाण माता का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। ऐतिहासिक परंपरा के अनुसार मेवाड़ राजवंश का मानना है कि देवी बाण माता हर विपत्ति में राज्य की रक्षा करती हैं।

22. (D) जोधपुर
जसवंत थड़ा जोधपुर शहर में प्रसिद्ध मेहरानगढ़ दुर्ग के समीप स्थित एक अत्यंत सुंदर सफेद संगमरमर का स्मारक है। इसका निर्माण जोधपुर के महाराजा सरदार सिंह द्वारा 1899 ईस्वी में अपने पिता महाराजा जसवंत सिंह द्वितीय की पवित्र स्मृति में करवाया गया था।

अपनी उत्कृष्ट बारीक नक्काशी तथा स्थापत्य कला के कारण इसे 'मारवाड़ का ताजमहल' भी कहा जाता है।

23. (A) P-4, Q-1, R-2, S-3
राजस्थान की प्रमुख रियासतों और उनके शाही श्मशान स्थलों का ऐतिहासिक संबंध इस प्रकार है:

गैटोर की छतरियां जयपुर के कछवाहा राजवंश का शाही श्मशान स्थल है।

आहड़ की छतरियां (महासतियां) मेवाड़ के सिसौदिया राजपरिवार से संबंधित हैं।

जसवंत थड़ा मारवाड़ (जोधपुर) के राठौड़ शासकों का स्मारक स्थल है।

देवीकुंड सागर की छतरियां बीकानेर के राठौड़ राजवंश का श्मशान स्थल हैं।

24. (C) मेवाड़, मारवाड़ और आमेर
1708 ईस्वी का देबारी समझौता राजस्थान के इतिहास का एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक त्रिगुट गठबंधन था। यह समझौता मेवाड़ के महाराणा अमर सिंह द्वितीय, मारवाड़ के अजीत सिंह तथा आमेर के सवाई जयसिंह द्वितीय के मध्य हुआ था।

इसका मुख्य उद्देश्य मुगल सम्राट बहादुर शाह प्रथम की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध एकजुट होकर मारवाड़ और आमेर के खोए हुए राज्यों को पुनः प्राप्त करना था।

25. (B) 1829
कर्नल जेम्स टॉड द्वारा लिखित प्रसिद्ध ग्रंथ "ऐनल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान" का पहला भाग वर्ष 1829 में लंदन में प्रकाशित हुआ था। इस खंड में राजस्थान की भौगोलिक स्थिति, राजपूतों की उत्पत्ति, सामंती व्यवस्था तथा मेवाड़ राज्य का विस्तृत इतिहास प्रस्तुत किया गया है।

इसका दूसरा खंड वर्ष 1832 में प्रकाशित हुआ था, जिसमें मारवाड़, बीकानेर, आमेर और जैसलमेर का विवरण है।

26. (A) मेवाड़
स्वरूपशाही सिक्के मेवाड़ रियासत की आधिकारिक मुद्रा थे। ये सिक्के मेवाड़ के महाराणा स्वरूप सिंह के शासनकाल में जारी किए गए थे।

इन सिक्कों पर एक तरफ 'चित्तौड़ कूट' तथा दूसरी तरफ 'दोस्ती लंदन' अंकित था, जो ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ मेवाड़ के कूटनीतिक संबंधों को दर्शाता था। ये सिक्के सोने तथा चांदी दोनों धातुओं में ढाले गए थे।

27. (B) राणा हम्मीर
1326 ईस्वी में राणा हम्मीर ने दिल्ली सल्तनत के प्रतिनिधि मालदेव चौहान को पराजित कर चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर पुनः अधिकार स्थापित किया था। वे सिसौदा गांव के रहने वाले थे, इसलिए उनके वंशज 'सिसौदिया' कहलाए।

चित्तौड़गढ़ को स्वतंत्र कराने तथा सिसौदिया राजवंश की मजबूत स्थापना करने के कारण राणा हम्मीर को ऐतिहासिक ग्रंथों में 'विषम घाटी पंचानन' कहा गया है।

28. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
मुगल सम्राट अकबर ने महाराणा प्रताप को अधीनता स्वीकार कराने के लिए जलाल खां कोरची, मानसिंह, भगवानदास तथा टोडरमल के नेतृत्व में चार शिष्टमंडल भेजे थे। महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की संप्रभुता और स्वतंत्रता से समझौता न करते हुए इन सभी शांति प्रस्तावों को खारिज कर दिया था।

अतः दिए गए कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण कथन की सटीक व्याख्या करता है।

29. (A) पृथ्वीराज रासो
'पृथ्वीराज रासो' महाकाव्य की रचना अजमेर के चौहान शासक पृथ्वीराज तृतीय के प्रसिद्ध दरबारी कवि चंदबरदाई द्वारा की गई थी। यह महान ग्रंथ महाराणा कुंभा द्वारा रचित नहीं है।

मेवाड़ के महाराणा कुंभा स्वयं उच्च कोटि के विद्वान थे। उन्होंने संगीतराज, संगीत मीमांसा, सूड प्रबंध, कामराज रतिसार तथा रसिक प्रिया टीका जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे थे। वे संगीत एवं साहित्य के महान संरक्षक थे।

30. (C) महाराणा सांगा
मेवाड़ के महाराणा सांगा (संग्राम सिंह प्रथम) को इतिहास में 'हिंदूपत' की उपाधि से विभूषित किया गया है। उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों के विरुद्ध भारत के विभिन्न राजपूत राज्यों को एकत्रित किया था।

1527 ईस्वी में खानवा युद्ध के समय उन्होंने 'पाती पेरवण' परंपरा के तहत जयपुर, मारवाड़, बीकानेर, चंदेरी तथा मेवात के शासकों को एक साझा संघ के झंडे तले संगठित किया था।

31. (A) 18 जून 1576
मेवाड़ के महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर की सेना के बीच प्रसिद्ध हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून 1576 को राजसमंद जिले के हल्दीघाटी दर्रे में हुआ था। अधिकांश प्रामाणिक इतिहासकारों तथा राजस्थान के ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार यही तिथि सर्वमान्य मानी जाती है।

NODIA

यह युद्ध भारतीय इतिहास में महाराणा प्रताप की अद्भुत वीरता, स्वाभिमान तथा मातृभूमि के प्रति समर्पण के लिए प्रसिद्ध है।

32. (C) राव चंद्रसेन
मारवाड़ के शासक राव चंद्रसेन को "मारवाड़ का प्रताप" तथा "प्रताप का अग्रगामी" कहा जाता है। उन्होंने मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार करने से मना कर दिया था और भद्राजूण, सिवाना तथा भाद्राजून की पहाड़ियों से छापामार युद्ध प्रणाली अपनाकर निरंतर संघर्ष जारी रखा।

वे महाराणा प्रताप से पहले मुगलों के विरुद्ध अदम्य प्रतिरोध करने वाले पहले राजपूत शासक बने।

33. (A) 2, 1, 4, 3
राजस्थान के इन ऐतिहासिक युद्धों का कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है:

1. तराइन का प्रथम युद्ध 1191 ईस्वी में पृथ्वीराज चौहान और गोरी के बीच लड़ा गया।
2. खानवा का युद्ध 1527 ईस्वी में महाराणा सांगा और बाबर के मध्य हुआ।
3. गिरि-सुमेल का युद्ध 1544 ईस्वी में मालदेव तथा शेरशाह सूरी के बीच लड़ा गया।
4. हल्दीघाटी का युद्ध 1576 ईस्वी में लड़ा गया था।

34. (C) शाहजहाँ और औरंगज़ेब
जोधपुर (मारवाड़) के महाराजा जसवंत सिंह प्रथम 17वीं शताब्दी के प्रभावशाली राजपूत शासक थे। उन्होंने मुगल सम्राट शाहजहाँ और औरंगज़ेब के शासनकाल में मनसबदार और प्रमुख सैन्य सेनापति के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उन्होंने धरमत के युद्ध में शाहजहाँ के पक्ष में भाग लिया था और बाद में औरंगज़ेब के समय काबुल तथा जमरूद का सूबेदार नियुक्त किया गया था।

35. (A) भगवान राम के पुत्र कुश
आमेर तथा जयपुर का कछवाहा राजपूत राजवंश पौराणिक परंपराओं के अनुसार स्वयं को सूर्यवंशी मानता है। इस राजवंश के शासक भगवान श्री राम के ज्येष्ठ पुत्र कुश के प्रत्यक्ष वंशज माने जाते हैं।

'कुश' के नाम से ही कालांतर में इस वंश का नाम 'कछवाहा' या 'कूर्म' पड़ा। जयपुर राज्य के राजध्वज पर अंकित सूक्ति 'यतो धर्मस्ततो जयः' भी सूर्यवंशी परंपरा को अभिव्यक्त करती है।

36. (C) काबुल, बिहार और बंगाल
आमेर के राजा मानसिंह प्रथम मुगल सम्राट अकबर के सबसे भरोसेमंद तथा शीर्ष नवरत्नों में से एक थे। अकबर ने उनके सैन्य कौशल एवं योग्यता से प्रभावित होकर उन्हें साम्राज्य के अति महत्वपूर्ण तथा सीमावर्ती सूबों की जिम्मेदारी सौंपी थी।

मानसिंह ने काबुल, बिहार और बंगाल जैसे तीन विशाल एवं रणनीतिक प्रांतीय सूबों में मुगल सूबेदार (राज्यपाल) के रूप में सफलतापूर्वक कार्य किया।

37. (A) आगरा
जयपुर के महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय खगोलशास्त्र तथा गणित के प्रकांड विद्वान थे। उन्होंने खगोलीय गणनाओं और ग्रहों की सटीक गति के अध्ययन हेतु भारत के पाँच प्रमुख नगरों दिल्ली, जयपुर, उज्जैन, वाराणसी और मथुरा में वेधशालाओं (जंतर-मंतर) का निर्माण करवाया था।

इन पाँचों स्थानों में आगरा शामिल नहीं है। जयपुर का जंतर-मंतर इनमें सबसे विशाल तथा उन्नत माना जाता है।

38. (D) I, II और III
1817-18 ईस्वी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और राजपूताना की रियासतों के बीच अधीनस्थ पार्थक्य संधियां हुई थीं।

1817 में सबसे पहले करौली रियासत ने यह संधि स्वीकार की थी।

1823 में सिरोही राज्य इस प्रकार की संधि पर हस्ताक्षर करने वाली अंतिम रियासत बना।

अंग्रेजों की तरफ से इन संधियों का मुख्य वार्ताकार चार्ल्स मेटकाफ था। अतः तीनों कथन सत्य हैं।

39. (B) राव लूणकरण
जैसलमेर का ऐतिहासिक 'अर्ध साका' वर्ष 1550 में भाटी शासक राव लूणकरण के शासनकाल में हुआ था। कंधार के भगोड़े अमीर अली ने जैसलमेर दुर्ग पर विश्वाघात करके आक्रमण कर दिया था।

इस युद्ध में राव लूणकरण और उनके राजपूत योद्धाओं ने वीरगति प्राप्त करते हुए केसरिया किया, किंतु अचानक राजपूतों की विजय हो जाने के कारण रानियां जौहर नहीं कर सकीं।

40. (C) वासुदेव
बिजोलिया अभिलेख तथा अन्य पौराणिक वंशावलियों के अनुसार चौहान राजवंश का मूल संस्थापक वासुदेव चौहान था। उसने 551 ईस्वी के आसपास शाकंभरी (सांभर) क्षेत्र में चौहान वंश की स्थापना की थी।

इसी ऐतिहासिक अभिलेख में यह भी उल्लेख मिलता है कि सांभर झील का निर्माण भी वासुदेव चौहान द्वारा ही करवाया गया था। इस कारण इन्हें चौहानों का आदिपुरुष माना जाता है।

41. (D) हम्मीरदेव
रणथंभौर के चौहान शासक हम्मीरदेव चौहान अपनी शरणागत वत्सलता, हठ और बलिदान के लिए इतिहास में अत्यधिक प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अलाउद्दीन खिलजी के विद्रोही सेनापति मुहम्मद शाह को शरण दी थी और उसे सौंपने से साफ इनकार कर दिया था।

1301 ईस्वी में अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय हम्मीरदेव ने वीरता से लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की तथा रणथंभौर का प्रथम साका हुआ।

42. (A) P-4, Q-3, R-1, S-2
राजस्थान के प्रसिद्ध राजवंशों और उनकी कुलदेवियों का सही ऐतिहासिक सुमेल इस प्रकार है:

बाण माता मेवाड़ के सिसौदिया राजवंश की कुलदेवी मानी जाती हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

जमवाय माता आमेर के कछवाहा राजवंश की कुलाधिष्ठात्री देवी हैं।

नागणेची माता मारवाड़ के राठौड़ राजवंश की कुलदेवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

करणी माता बीकानेर के राठौड़ राजवंश की प्रमुख आराध्य एवं कुलदेवी मानी जाती हैं।

43. (C) शाहजहाँ

प्रारंभ में कोटा क्षेत्र बूंदी राज्य का ही एक भाग था। मुगल सम्राट शाहजहाँ ने बूंदी के राव रतन सिंह के पुत्र माधो सिंह हाड़ा की वीरता से प्रसन्न होकर वर्ष 1631 में कोटा को बूंदी से पृथक करके एक स्वतंत्र रियासत का दर्जा प्रदान किया था।

माधो सिंह हाड़ा को कोटा का प्रथम स्वतंत्र हाड़ा शासक स्वीकार किया गया।

44. (B) करणी माता

देशनोक की प्रसिद्ध लोकदेवी करणी माता ने राठौड़ राजकुमार राव बीका को नया राज्य स्थापित करने के लिए आशीर्वाद और मार्गदर्शन दिया था। उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि राव बीका द्वारा स्थापित राज्य उनके पिता राव जोधा के जोधपुर राज्य से भी अधिक समृद्धशाली तथा विस्तृत होगा।

इसी दिव्य आशीर्वाद के परिणामस्वरूप राव बीका ने 1488 ईस्वी में बीकानेर राज्य की नींव रखी।

45. (A) पृथ्वीराज चौहान ने मुहम्मद गोरी को निर्णायक रूप से पराजित किया।

तराइन का प्रथम युद्ध 1191 ईस्वी में करनाल (हरियाणा) के समीप तराइन के मैदान में लड़ा गया था। इस भीषण युद्ध में अजमेर के शासक पृथ्वीराज चौहान तृतीय ने शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी की तुर्क सेना को निर्णायक रूप से पराजित कर पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था।

गोरी इस युद्ध में गंभीर रूप से घायल हुआ था और अपनी बची हुई सेना के साथ भाग खड़ा हुआ।

46. (C) पाती पेरवण

1527 ईस्वी में विदेशी आक्रमणकारी बाबर के विरुद्ध युद्ध लड़ने से पूर्व मेवाड़ के महाराणा सांगा ने 'पाती पेरवण' नामक प्राचीन राजपूत परंपरा को पुनर्जीवित किया था। इस प्रथा के अंतर्गत एक राजा अन्य सभी स्वतंत्र राजाओं को युद्ध में भाग लेने हेतु निमंत्रण पत्र (पाती) भेजता था।

इसके परिणामस्वरूप मारवाड़, आमेर, चंदेरी और मेवात के शासक सांगा के झंडे तले एकत्र हुए।

47. (D) हाकिम खां सूर

1576 ईस्वी के प्रसिद्ध हल्दीघाटी युद्ध में मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप की सेना के अग्रिम दस्ते (हरावल दस्ता) का नेतृत्व अफगान सेनापति हाकिम खां सूर ने किया था। वे शेरशाह सूरी के वंशज थे और मुगलों के कट्टर विरोधी थे।

हाकिम खां सूर ने महाराणा प्रताप की सेना में मुख्य भूमिका निभाते हुए स्वामिभक्ति और वीरता के साथ युद्ध में प्राण न्योछावर कर दिए।

48. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

1734 ईस्वी में मराठा आक्रमणों का सामूहिक मुकाबला करने के लिए मेवाड़ के भीलवाड़ा में हुरड़ा सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस सम्मेलन में सर्वसम्मति से समझौता पारित होने के बावजूद राजपूत शासकों के आपसी मतभेद, ईर्ष्या तथा अविश्वास के कारण कोई संयुक्त सैन्य कार्रवाई नहीं हो सकी।

अतः यह सम्मेलन असफल रहा और दिया गया कारण कथन की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

49. (B) आमेर के राजा भारमल

आमेर के कछवाहा शासक राजा भारमल (विहारीमल) राजस्थान के प्रथम राजपूत राजा थे जिन्होंने 1562 ईस्वी में सांगानेर में मुगल सम्राट अकबर की स्वेच्छा से अधीनता स्वीकार की थी।

उन्होंने अपनी पुत्री हरखा बाई (मरीयम-उज़-ज़मानी) का विवाह सांभर में अकबर के साथ किया था। इस वैवाहिक संबंध के साथ ही मुगलों और राजपूतों के मध्य एक नए राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संबंध की शुरुआत हुई।

50. (D) महाराणा जगतसिंह द्वितीय

17 जुलाई 1734 को आयोजित प्रसिद्ध हुरड़ा सम्मेलन की अध्यक्षता मेवाड़ के महाराणा जगतसिंह द्वितीय द्वारा की गई थी। प्रारंभ में इस सम्मेलन की अध्यक्षता महाराणा संग्राम सिंह द्वितीय करने वाले थे, परंतु उनके असामयिक निधन के कारण उनके उत्तराधिकारी जगतसिंह द्वितीय ने यह दायित्व संभाला।

यह सम्मेलन राजपूताना में बढ़ते मराठा प्रभावों को रोकने की एक महत्वपूर्ण योजना थी।

51. (A) महाराणा भूपाल सिंह

वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति तथा उसके पश्चात् राजस्थान के एकीकरण के समय मेवाड़ (उदयपुर) के प्रतापी शासक महाराणा भूपाल सिंह थे।

राजस्थान के एकीकरण के तीसरे चरण अर्थात संयुक्त राजस्थान में उन्होंने अपनी रियासत के विलय की ऐतिहासिक स्वीकृति प्रदान की थी। इसके पश्चात् वृहत् राजस्थान का गठन होने पर उन्हें आजीवन 'महाराज प्रमुख' का सर्वोच्च पद दिया गया था।

52. (C) महाराजा हनुवंत सिंह

1947 में स्वतंत्रता और विभाजन के समय जोधपुर के महाराजा हनुवंत सिंह ने जिन्ना के प्रभाव में आकर जोधपुर रियासत को पाकिस्तान में मिलाने का प्रयास किया था।

सरदार वल्लभभाई पटेल और वी. पी. मेनन के अथक कूटनीतिक प्रयासों तथा रणनीतिक दबाव के बाद उन्होंने अंततः 9 अगस्त 1947 को भारत में विलय पत्र (इन्स्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेसिन) पर हस्ताक्षर कर दिए।

53. (A) कछवाहा राजवंश

जमवाय माता (बुढ़वाय देवी) आमेर तथा जयपुर के कछवाहा राजवंश की कुलदेवी के रूप में पूजी जाती हैं। कछवाहा वंश के मूल पुरुष दूल्हे राय ने माछ क्षेत्र को जीतकर इसका नाम जमवा रामगढ़ रखा था।

NODIA

उन्होंने जमवा रामगढ़ में अपनी कुलदेवी जमवाय माता के भव्य मंदिर की स्थापना की थी। कछवाहा राजवंश के प्रत्येक मांगलिक कार्य पर देवी की विशेष पूजा की जाती है।

54. (C) केवल III
कर्नल जेम्स टॉड ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी थे और पश्चिमी राजपूताना के पॉलिटिकल एजेंट थे। उन्होंने "ऐनल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान" पुस्तक लिखी।

कर्नल टॉड का मानना था कि राजपूत विदेशी जातियों (जैसे शक, सिथियन) की संतान थे, जबकि वे स्वदेशी वैदिक आर्यों के वंशज थे—यह सिद्धांत जी. एच. ओझा एवं सी. वी. वैद्य ने दिया था। अतः तीसरा कथन गलत है।

55. (B) गैटोर
जयपुर में नाहरगढ़ पहाड़ी की तलहटी में स्थित गैटोर कछवाहा राजवंश के शासकों का आधिकारिक शाही श्मशान स्थल है। यहाँ महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय से लेकर महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय तक जयपुर के राजाओं की कलात्मक छतरियां निर्मित हैं।

सफेद संगमरमर से निर्मित इन छतरियों पर राजपूत एवं मुगल स्थापत्य कला का सुंदर समन्वय तथा बारीक नक्काशी देखने को मिलती है।

56. (C) भगवान कृष्ण
जैसलमेर के भाटी राजपूत शासक पौराणिक परंपरा के अनुसार स्वयं को चंद्रवंशी क्षत्रिय मानते हैं। वे अपनी वंशावली भगवान श्री कृष्ण और यदुवंश (यादव कुल) से जोड़ते हैं।

इसी ऐतिहासिक पौराणिक संबंध के कारण जैसलमेर के महारावलों को 'छत्रपति यादवपति' तथा 'उत्तर भड़ किवाड़ भाटी' की सम्मानित उपाधि दी जाती है, जो देश की उत्तर-पश्चिम सीमा की रक्षा को दर्शाती है।

57. (D) पृथ्वीराज रासो
राजपूतों की उत्पत्ति से संबंधित प्रसिद्ध 'अग्निकुल सिद्धांत' का सर्वप्रथम विवरण महाकवि चंदबरदाई द्वारा रचित ग्रंथ "पृथ्वीराज रासो" में मिलता है। इस कथा के अनुसार महर्षि वशिष्ठ ने आबू पर्वत पर एक पवित्र यज्ञ किया था।

आसुरी शक्तियों से यज्ञ की रक्षा हेतु उस अग्नि कुंड से चार राजपूत कुलों—चौहान, चालुक्य, परमार तथा प्रतिहार की उत्पत्ति हुई थी। यह एक लोकप्रिय मान्यता है।

58. (A) महाराजा सूरतसिंह
बीकानेर के महाराजा सूरतसिंह ने 9 मार्च 1818 को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ अधीनस्थ पार्थक्य संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस संधि के माध्यम से बीकानेर राज्य ने अंग्रेजों का संरक्षण स्वीकार कर लिया था।

अंग्रेजों ने आंतरिक विद्रोहियों तथा पिंडारियों के उपद्रव से बीकानेर राज्य को सैन्य सुरक्षा प्रदान की, जिसके बदले राज्य ने ब्रिटिश प्रभुत्व स्वीकार किया।

59. (B) मेवाड़
उदयपुर के समीप आहड़ में स्थित 'महासतियां' स्थल मेवाड़ के सिसौदिया राजवंश के महाराणाओं तथा शाही परिवार का प्रसिद्ध श्मशान घाट है।

यहाँ मेवाड़ के महाराणा अमर सिंह प्रथम से लेकर उनके परवर्ती शासकों की अत्यंत कलात्मक भव्य छतरियां बनी हुई हैं। इनमें महाराणा अमर सिंह प्रथम की छतरी सबसे पहली तथा स्थापत्य कला की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

60. (B) मेवाड़ और मारवाड़
1453 ईस्वी में मेवाड़ के महाराणा कुंभा और मारवाड़ के राव जोधा के मध्य ऐतिहासिक 'आँवल-बाँवल की संधि' हुई थी। इस संधि की मध्यस्थता हंसा बाई ने की थी।

इस संधि के द्वारा मेवाड़ और मारवाड़ राज्यों के बीच स्थायी सीमा का निर्धारण किया गया था, जहाँ बबूल (बाँवल) के वृक्ष मारवाड़ तथा आंवले (आँवल) के वृक्ष मेवाड़ की सीमा दर्शाते थे।

61. (A) राजकुमार रायमल
1453 ईस्वी की आँवल-बाँवल संधि के पश्चात् मेवाड़ और मारवाड़ के मध्य दीर्घकालिक शत्रुता को समाप्त करने के लिए वैवाहिक संबंध स्थापित किया गया। इसके तहत मारवाड़ के राव जोधा की पुत्री राजकुमारी श्रृंगारी देवी का विवाह मेवाड़ के महाराणा कुंभा के पुत्र राजकुमार रायमल के साथ संपन्न हुआ।

चित्तौड़गढ़ में स्थित घोसुंडी बावड़ी का निर्माण राजकुमारी श्रृंगारी देवी द्वारा ही करवाया गया था।

62. (C) मिस्टर लॉकेट
1832 ईस्वी में ब्रिटिश प्रशासन ने राजस्थान की रियासतों के मामलों का प्रबंधन करने हेतु अजमेर में एजेंट टू गवर्नर जनरल (एजीजी) के कार्यालय की स्थापना की थी। मिस्टर एब्राहम लॉकेट को राजस्थान का पहला एजीजी नियुक्त किया गया था।

एजीजी भारत के गवर्नर जनरल का सीधा प्रतिनिधि होता था जो राजपूताना की सभी रियासतों के पॉलिटिकल एजेंटों के कार्यों का पर्यवेक्षण करता था।

63. (D) सवाई जयसिंह द्वितीय
जयपुर के संस्थापक सवाई जयसिंह द्वितीय को भारत में पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार अश्वमेध यज्ञ करने वाले अंतिम हिंदू सम्राट का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने वर्ष 1740 में जयपुर में धार्मिक पुनर्जागरण तथा सार्वभौमिक सत्ता के प्रतीक रूप में इस विशाल यज्ञ का सफल आयोजन करवाया था।

इस यज्ञ का संपादन प्रकांड पंडित रत्नाकर सम्राट द्वारा किया गया था।

64. (C) चंदबरदाई
"पृथ्वीराज रासो" महाकाव्य को हिंदी साहित्य के आदिकाल की अत्यंत महत्वपूर्ण रचना माना जाता है। इसकी रचना अजमेर के महान चौहान शासक पृथ्वीराज चौहान तृतीय के घनिष्ठ मित्र तथा राजकवि चंदबरदाई द्वारा की गई थी।

Click Here to Buy book on Flipkart

इस ऐतिहासिक ग्रंथ में पृथ्वीराज चौहान के जीवन चरित्र, सैन्य अभियानों तथा तत्कालीन सामाजिक स्थिति का विस्तृत विवरण प्राप्त होता है। यह ग्रंथ ऐतिहासिक दृष्टि से अनुपम है।

65. (B) हाड़ा चौहान
राजस्थान का दक्षिण-पूर्वी भूभाग, जिसमें वर्तमान कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिले सम्मिलित हैं, 'हाड़ौती' के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र पर मध्यकाल में चौहान राजवंश की हाड़ा शाखा के शासकों का अधिकार था।

हाड़ा राजपूतों के निरंतर शासन तथा प्रभुत्व के कारण ही इस पूरे क्षेत्र का नाम ऐतिहासिक रूप से 'हाड़ौती' पड़ा, जहाँ बूंदी तथा कोटा प्रमुख रियासतें थीं।

66. (D) राव दूदा
महान संत-कवयित्री मीराबाई का जन्म मेड़ता के राठौड़ राजवंश में हुआ था। वे मेड़ता के संस्थापक तथा प्रतापी राठौड़ शासक राव दूदा की पौत्री (पोती) तथा रतन सिंह की पुत्री थीं।

राव दूदा स्वयं भगवान विष्णु के परम भक्त थे और उन्हीं के धार्मिक प्रभाव के कारण बाल्यकाल से ही मीराबाई के मन में श्री कृष्ण भक्ति के संस्कार सुदृढ़ हुए।

67. (A) नागदा
गुहिल राजवंश के प्रतापी शासक बप्पा रावल (कालभोज) ने 734 ईस्वी में मानमोरी को पराजित कर चित्तौड़ पर अधिकार किया था, परंतु उन्होंने अपनी प्रशासनिक राजधानी नागदा को बनाया था।

नागदा उदयपुर के समीप स्थित है और यह मेवाड़ के गुहिल शासकों का प्रारंभिक राजनीतिक केंद्र रहा। बप्पा रावल ने नागदा के समीप कैलाशपुरी में प्रसिद्ध एकलिंगजी मंदिर का निर्माण करवाया था।

68. (C) राव मालदेव
जनवरी 1544 में पाली जिले के जैतारण में गिरि-सुमेल का प्रसिद्ध युद्ध हुआ था। इस युद्ध में दिल्ली के अफगान शासक शेरशाह सूरी का सामना मारवाड़ के शक्तिशाली राठौड़ राजा राव मालदेव के अत्यंत पराक्रमी सेनापतियों जेता और कूंपा से हुआ था।

जेता और कूंपा ने अदम्य साहस का परिचय दिया, जिससे शेरशाह को कहना पड़ा कि "मैंने मुट्ठी भर बाजरे के लिए पूरे हिंदुस्तान की सल्तनत खो दी होती।"

69. (A) सवाई रामसिंह द्वितीय
जयपुर के प्रसिद्ध अल्बर्ट हॉल संग्रहालय (सेंट्रल म्यूजियम) की आधारशिला वर्ष 1876 में ब्रिटेन के प्रिंस ऑफ वेल्स अल्बर्ट एडवर्ड की जयपुर यात्रा के दौरान रखी गई थी। उस समय जयपुर पर महाराजा सवाई रामसिंह द्वितीय का शासन था।

इंडो-सरैसेनिक स्थापत्य शैली में निर्मित इस भव्य भवन का डिजाइन प्रसिद्ध ब्रिटिश वास्तुकार सर सैमुअल स्विंटन जैकब द्वारा तैयार किया गया था।

70. (D) सवाई मानसिंह द्वितीय
1947 में भारत की स्वतंत्रता के समय तथा 30 मार्च 1949 को वृहत् राजस्थान के गठन तक जयपुर राज्य के अंतिम सेवारत महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय थे।

राजस्थान के एकीकरण के चौथे चरण (वृहत् राजस्थान) में जयपुर रियासत के विलय के पश्चात् उन्हें राजस्थान का पहला तथा एकमात्र 'राजप्रमुख' नियुक्त किया गया था, जिस पद पर वे 1956 ईस्वी तक रहे।

www.nodia.in

NODIA

अध्याय 03
प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था

1. मध्यकालीन राजस्थान की किसी रियासत के दीवानी, सैन्य और न्यायिक प्रशासन में सर्वोच्च प्राधिकारी कौन था?
(A) दीवान
(B) राजा (महाराजा/महाराणा)
(C) बख्शी
(D) प्रधान

2. राजपूत प्रशासनिक व्यवस्था के संदर्भ में, 'दरबार' शब्द मुख्य रूप से किसे संदर्भित करता था?
(A) व्यापार पर एक विशेष कर
(B) सर्वोच्च सैन्य सेनापति
(C) धार्मिक भूमि अनुदान
(D) राजसभा और शासक की सरकार

3. निम्नलिखित में से कौन-सा मध्यकालीन राजस्थान में शासक का सामान्य कर्तव्य नहीं था?
(A) व्यक्तिगत रूप से गाँव की कृषि भूमि की माप करना और हल चलाना
(B) बाहरी आक्रमणों से राज्य की रक्षा करना
(C) प्रमुख कानूनी विवादों में अंतिम निर्णय देना
(D) सामंतों को जागीरें और सम्मान प्रदान करना

4. निम्नलिखित में से कौन-सा मध्यकालीन राजपूत राज्यों की प्रशासनिक इकाइयों का सही अवरोही क्रम प्रस्तुत करता है?
(A) राज्य → गाँव → परगना
(B) राज्य → परगना → गाँव
(C) परगना → राज्य → गाँव
(D) गाँव → परगना → राज्य

5. मध्यकालीन राजस्थान में गाँवों का एक समूह एक बड़ी प्रशासनिक इकाई में संगठित था, जिसे कहा जाता था:
(A) परगना
(B) ढाणी
(C) पंचायत
(D) कारखाना

6. राजपूत राज्यों की प्रशासनिक व्यवस्था में 'दीवान' कौन था?
(A) राजकीय मंदिर की देखरेख करने वाला मुख्य पुरोहित
(B) सैन्य अभियानों का संचालन करने वाला सर्वोच्च अधिकारी
(C) ग्राम प्रशासन की देखरेख करने वाला स्थानीय अधिकारी
(D) दीवानी और राजस्व मामलों का प्रबंधन करने वाला मुख्य अधिकारी

7. राजपूत राज्यों में दीवान के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सर्वाधिक उपयुक्त है?
(A) उसने विशेष रूप से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य किया।
(B) उसने शासक के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्य किया और राज्य के वित्तीय मामलों का प्रबंधन किया।
(C) राज्य के केंद्रीय खजाने पर उसका कोई आधिकारिक अधिकार या प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं था।
(D) उसे स्थानीय स्वायत्त ग्राम पंचायत प्रणाली के सभी सदस्यों द्वारा सीधे चुना जाता था।

NODIA

8. मध्यकालीन राजस्थान में सेना के अभिलेखों का रखरखाव करने और सैनिकों को वेतन वितरित करने के लिए उत्तरदायी अधिकारी को क्या कहा जाता था?
(A) कोतवाल
(B) आमिल
(C) बख्शी
(D) पटवारी

9. बख्शी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. बख्शी धार्मिक अनुदानों का प्रमुख होता था।
II. बख्शी मुख्य सैन्य वेतनदाता के रूप में कार्य करता था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I और II दोनों
(D) न तो I और न ही II

10. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: (अधिकारी)
P. दीवान
Q. बख्शी
R. कोतवाल
S. फौजदार
सूची II: (प्राथमिक कर्तव्य)
1. सैन्य वेतनदाता
2. नगर पुलिस प्रमुख
3. दीवानी और राजस्व प्रमुख
4. जिले का सैन्य कमांडर
(A) P-3, Q-1, R-2, S-4
(B) P-1, Q-3, R-4, S-2
(C) P-3, Q-2, R-1, S-4

(D) P-4, Q-1, R-3, S-2

11. राजस्थान में मध्यकाल के दौरान नगरों एवं शहरों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तरदायी अधिकारी को किस नाम से जाना जाता था?
(A) फौजदार
(B) कोतवाल
(C) चौधरी
(D) काज़ी

12. राजस्थान की मध्यकालीन राजस्व व्यवस्था में 'बंटाई' शब्द का क्या तात्पर्य है?
(A) कृषि समुदायों द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला एक पारंपरिक धार्मिक त्योहार
(B) स्थानीय कृषक और राज्य के बीच उपज के विभाजन की एक आधिकारिक व्यवस्था
(C) मुख्य रूप से कुलीन घुड़सवार सेना द्वारा प्रयोग किया जाने वाला एक विशेष आक्रामक सैन्य हथियार
(D) विशेष रूप से शाही समारोहों के लिए ढला हुआ उच्च मूल्य का एक स्मरणीय स्वर्ण सिक्का

13. राजस्थान में भू-राजस्व निर्धारण की पारंपरिक पद्धतियों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा बेमेल (विषम) है?
(A) चौथ
(B) लाटा
(C) कूंता
(D) खेत बंटाई

14. कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): पारंपरिक बंटाई व्यवस्था के तहत, राजस्व में राज्य का हिस्सा हमेशा निश्चित नकद भुगतान के रूप में एकत्र किया जाता था।
कारण (R): 'बंटाई' शब्द का शाब्दिक अर्थ वास्तविक कृषि उपज का विभाजन है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

15. राजस्थान की कृषि व्यवस्था में 'लाग-बाग' शब्द किसे निरूपित करता था?
(A) केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा सीधे तय किया गया मानक वार्षिक भू-राजस्व निर्धारण
(B) राज्य सेना के सैनिकों को नियमित रूप से वितरित निश्चित मासिक वेतन और मुआवजा
(C) औपचारिक कार्यक्रमों के दौरान शाही महल के रक्षकों द्वारा पहनी जाने वाली आधिकारिक पोशाक
(D) मानक नियमित भू-राजस्व के अतिरिक्त वसूले जाने वाले अनिमियत उपकर एवं अतिरिक्त कर

16. लाग-बाग व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. लाग-बाग राज्य या जागीरदारों द्वारा किसानों पर लगाए गए अतिरिक्त उपकर थे।
II. 'चंवरी लाग' पुत्री के विवाह के अवसर पर वसूला जाने वाला एक सामान्य कर था।
III. लाग-बाग अत्यधिक लोकप्रिय था और 18वीं शताब्दी में जागीरदारों द्वारा स्वयं इसे पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया था।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा संयोजन सही है?
(A) I, II और III
(B) I और II
(C) II और III
(D) I और III

17. 'तलवार बंधाई' लाग-बाग का एक महत्वपूर्ण प्रकार था, जो निम्नलिखित में से किस घटना से संबंधित था?
(A) तलवारें खरीदते समय स्थानीय किसानों द्वारा सीधे भुगतान किया जाने वाला एक अनिवार्य कर
(B) किसी जागीर का उत्तराधिकार प्राप्त होने पर नए जागीरदार द्वारा शासक को दिया जाने वाला उत्तराधिकार शुल्क
(C) युद्ध हारने पर सैन्य कमांडरों पर लगाया जाने वाला दंडात्मक वित्तीय जुर्माना
(D) राज्य सीमाओं से गुजरने वाली व्यावसायिक वस्तुओं पर लगाया जाने वाला सीमा-पारगमन शुल्क

18. मध्यकालीन राजस्थान में 'भोम' भूमि मुख्य रूप से व्यक्तियों को किसके बदले में दी जाती थी?
(A) राज्य के पुस्तकालय में विशिष्ट विद्वतापूर्ण और साहित्यिक योगदान देने के बदले
(B) पूरे राज्य में महत्वपूर्ण व्यावसायिक व्यापार मार्गों के निर्माण और रखरखाव के बदले
(C) प्रमुख धार्मिक मंदिरों और सार्वजनिक स्मारकों के निर्माण के बदले
(D) स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा करने और आवश्यक सैन्य सेवाएं प्रदान करने के बदले

19. राजस्थान में ब्राह्मणों, चारणों और भाटों को उनके विद्वतापूर्ण, धार्मिक या साहित्यिक योगदान के सम्मान में दी जाने वाली भूमि को क्या कहा जाता था?
(A) सासन
(B) खालसा
(C) हवाला
(D) जकात

20. मुख्य रूप से राजवंश के निकटतम सदस्यों को उनके व्यक्तिगत भरण-पोषण के लिए दी जाने वाली जागीर को क्या कहा जाता था?
(A) सासन जागीर

Downloaded from www.pdf.tube

(B) भोम जागीर
(C) गुजारा जागीर
(D) मनसब जागीर

21. राजस्थान में जागीरदारी व्यवस्था के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए।
(A) जागीरदार भू-राजस्व एकत्र करता था, जबकि अंतिम स्वामित्व राजा के पास था।
(B) जागीरदार राज्य भूमि का पूर्ण वंशानुगत स्वामी था और राजा द्वारा हटाए जाने से मुक्त था।
(C) जागीरदारी प्रशासन गाँव के बुजुर्गों द्वारा सीधे चुने गए एक लोकतांत्रिक निकाय के रूप में कार्य करता था।
(D) जागीरदारों को राज्य के कानून द्वारा कोई भी निजी सैन्य बल रखने से पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया था।

22. राजपूत प्रशासनिक व्यवस्था में 'खालसा' भूमि क्या थी?
(A) ब्रिटिश सरकार के स्वामित्व और प्रशासन वाली निजी संपत्ति के रूप में नामित भूमि
(B) आजीवन भरण-पोषण अनुदान के रूप में उच्च पदस्थ सैन्य कमांडरों को अस्थायी रूप से सौंपी गई भूमि
(C) गैर-कृषि योग्य और बंजर भूमि जिसे स्थायी रूप से कृषि उद्देश्यों के लिए अनुपयोगी माना गया हो
(D) वह भूमि जिसका राजस्व सीधे केंद्रीय प्रशासन के अधीन राज्य कोष के लिए एकत्र किया जाता था

23. निम्नलिखित में से गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) खालसा - प्रत्यक्ष राज्य नियंत्रण के अधीन भूमि
(B) मुआफी - अत्यधिक कर योग्य कृषि भूमि
(C) भोम - सैन्य या चौकीदारी सेवा के लिए दी गई भूमि
(D) सासन - धार्मिक या विद्वतापूर्ण भूमि अनुदान

24. वह अधिकारी कौन था जो गाँव के भूमि अभिलेखों का रखरखाव करता था और मध्यकालीन राजस्थान में कृषकों से राजस्व एकत्र करने में प्रत्यक्ष सहायता करता था?
(A) बख्शी
(B) कोतवाल
(C) पटवारी
(D) काज़ी

25. परगने में तैनात 'आमिल' नामक अधिकारी मुख्य रूप से किसके लिए उत्तरदायी था?
(A) भव्य शाही विवाहों का प्रबंधन और आयोजन करना
(B) तांबे के सिक्के बनाने वाली राज्य टकसालों का पर्यवेक्षण करना
(C) अन्य राज्यों के साथ विदेशी राजनयिक संबंधों का निर्देशन करना
(D) स्थानीय राजस्व निर्धारण और कर संग्रह का प्रबंधन करना

26. राजपूत काल में ग्राम स्तर पर दीवानी विवादों और छोटे-मोटे झगड़ों का निपटारा आमतौर पर किसके द्वारा किया जाता था?
(A) ग्राम पंचायत
(B) एजेंट टू द गवर्नर-जनरल (एजीजी)
(C) लंदन में उच्च न्यायालय
(D) मनसबदार

27. राजपूत काल में स्थानीय न्याय प्रणाली के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए।
(A) स्थानीय ग्राम पंचायतें ब्रिटिश दंड कानून के संहिताबद्ध वैधानिक प्रावधानों को सख्ती से लागू करती थीं।
(B) ग्रामीण न्याय व्यवस्था आमतौर पर त्वरित थी और स्थापित स्थानीय रीति-रिवाजों एवं परंपराओं द्वारा संचालित होती थी।
(C) राजा को परंपरा के अनुसार किसी भी राज्य की न्यायिक कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से कानूनी रूप से रोक दिया गया था।
(D) सभी ग्रामीण न्यायिक निकायों में महिलाओं के पास एकमात्र निर्णयकर्ता के रूप में विशेष अधिकार था।

28. मेवाड़ रियासत में 'उमराव' वर्ग किसे संदर्भित करता था?
(A) स्थायी सेना के सबसे निचले पदों पर सेवा देने वाले पैदल सैनिक
(B) अभिजात वर्ग की सर्वोच्च श्रेणी के सामंती सरदार
(C) खालसा भूमि से राजस्व का प्रबंधन करने वाले नामित राज्य कर संग्राहक
(D) शहरी व्यापार केंद्रों में काम करने वाले प्रमुख साहूकार और व्यापारी

29. कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): राजपूत शासक युद्ध के लिए अपने सामंतों द्वारा आपूर्ति की गई सामंती सेना पर अत्यधिक निर्भर थे।
कारण (R): जागीरदारी व्यवस्था के तहत, सामंत युद्धकाल के दौरान शासक को एक निश्चित संख्या में सशस्त्र सैनिक आपूर्ति करने के लिए बाध्य थे।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

NODIA

30. सैन्य व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राजपूत राजा केवल एक केंद्रित स्थायी सेना रखते थे और अपने सामंतों से कोई सैन्य सहायता नहीं लेते थे।
II. जागीरदार अपनी जागीर के आकार और राजस्व के आधार पर राजा को सैन्य सहायता प्रदान करते थे।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I और II दोनों
(D) न तो I और न ही II

31. राजस्थान में किसी रियासत से होकर गुजरने वाले व्यावसायिक माल के पारगमन पर वसूले जाने वाले कर या सीमा शुल्क को आमतौर पर क्या कहा जाता था?
(A) बंटाई
(B) भोम
(C) चंवरी
(D) राहदारी / मापा

32. मध्यकालीन राजस्थान में व्यापार और वाणिज्य के संदर्भ में, सीमा शुल्क और पारगमन शुल्क एकत्र करने के लिए उत्तरदायी अधिकारी को क्या कहा जाता था?
(A) पटवारी (ग्राम भूमि लेखाकार)
(B) कोतवाल (शहरी सुरक्षा मजिस्ट्रेट)
(C) दाणी (सीमा शुल्क कर संग्राहक)
(D) फौजदार (जिला सैन्य अधिकारी)

33. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: (ग्रामीण अधिकारी)
P. पटवारी
Q. पटेल / चौधरी
R. कोतवाल
S. काज़ी
सूची II: (भूमिका)
1. इस्लामी न्यायिक अधिकारी
2. नगर पुलिस अधिकारी
3. राजस्व संग्रह में सहायता करने वाला ग्राम मुखिया
4. ग्राम भूमि अभिलेखों का रखरखावकर्ता
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-1, Q-2, R-3, S-4
(D) P-4, Q-1, R-2, S-3

34. राजस्थान में समुदाय में आदर पाने वाले और राजस्व संग्रह में राज्य अधिकारियों की सहायता करने वाले पारंपरिक ग्राम मुखिया को क्या कहा जाता था?
(A) दीवान (मुख्य प्रशासनिक मंत्री)
(B) बख्शी (मुख्य सैन्य वेतनदाता)
(C) मनसबदार (शाही सैन्य सामंत)
(D) पटेल या चौधरी (ग्राम मुखिया)

35. राजस्थान के राजदरबार में सामंतों की उनकी श्रेणी के अनुसार बैठने की पदानुक्रमित व्यवस्था को क्या कहा जाता था?
(A) मिसल
(B) बंटाई
(C) खालसा
(D) रेख

36. 'ताज़ीम' के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?
(A) यह शासक द्वारा किसी विशिष्ट सामंत को प्रदान किया जाने वाला एक विशेष सम्मान था।
(B) इसमें दरबार में सामंत का स्वागत करने के लिए शासक का खड़े होना शामिल था।
(C) यह सबसे गरीब किसानों पर लगाया जाने वाला एक भारी कृषि कर था।
(D) यह शाही पदानुक्रम में सामंत की उच्च स्थिति का प्रतीक था।

37. 'मनसबदारी' व्यवस्था, जिसने मुग़ल काल के दौरान राजपूत सैन्य प्रशासन को प्रभावित किया, मुख्य रूप से क्या निर्धारित करती थी?
(A) किसी सामंत का औपचारिक पद, वेतन और सैन्य कर्तव्य
(B) सामुदायिक फसल कटाई की विशिष्ट तिथि और समय
(C) स्थानीय ग्राम पंचायत चुनावों को नियंत्रित करने वाले वैधानिक दिशा-निर्देश
(D) शाही महलों की स्थापत्य शैली और संरचनात्मक लेआउट

38. आमेर के किस प्रसिद्ध राजपूत शासक को मुग़ल सम्राट अकबर द्वारा 7000 का असाधारण रूप से उच्च मनसब प्रदान किया गया था?
(A) महाराणा प्रताप
(B) राव जोधा
(C) सवाई जय सिंह II
(D) राजा मान सिंह I

39. कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): मुग़ल मनसबदारी व्यवस्था में राजपूत शासकों के एकीकरण ने उनके पारंपरिक सैन्य संगठन को बदल दिया।
कारण (R): मनसबदार के रूप में, राजपूत शासकों को अपने निर्दिष्ट ज़ात और सवार पदों के अनुसार सैन्य टुकड़ियाँ बनाए रखने की आवश्यकता होती थी।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

40. राजस्थान की रियासतों पर सर्वोपरिता और राजनीतिक नियंत्रण रखने के लिए अंग्रेजों ने किस प्रशासनिक एजेंसी की स्थापना की थी?
(A) मराठा परिसंघ
(B) सेंट्रल प्रोविंस बोर्ड
(C) राजपूताना एजेंसी

Click Here to Buy book on Amazon

(D) बंगाल प्रेसीडेंसी

41. राजपूताना एजेंसी के तहत रियासतों की देखरेख के लिए राजस्थान में रहने वाला सर्वोच्च ब्रिटिश अधिकारी कौन था?
(A) राज्य का मुख्य कार्यकारी मंत्री
(B) वरिष्ठ जिला प्रशासनिक मजिस्ट्रेट
(C) दीवान-ए-खास परिषद का मुख्य अधिकारी
(D) एजेंट टू द गवर्नर-जनरल (एजीजी)

42. राजस्थान में औपनिवेशिक काल के दौरान निम्नलिखित ब्रिटिश राजनीतिक अधिकारियों को उनके अधिकार के आरोही क्रम (न्यूनतम से उच्चतम) में व्यवस्थित कीजिए:
1. पॉलिटिकल एजेंट
2. वायसराय (गवर्नर-जनरल)
3. एजेंट टू द गवर्नर-जनरल (एजीजी)
(A) 1, 2, 3
(B) 1, 3, 2
(C) 3, 1, 2
(D) 2, 3, 1

43. महाराणा सज्जन सिंह द्वारा मेवाड़ (उदयपुर) रियासत में स्थापित सर्वोच्च न्यायिक परिषद को क्या कहा जाता था?
(A) भारत का सर्वोच्च न्यायालय
(B) महदराज सभा
(C) प्रिवी काउंसिल
(D) ग्राम सभा

44. ब्रिटिश प्रभाव के तहत, राजस्थान की कई रियासतों में 'कोर्ट ऑफ वार्ड्स' की स्थापना मुख्य रूप से किस उद्देश्य से की गई थी?
(A) औपनिवेशिक प्रशासन का विरोध करने वाले प्रमुख राजनीतिक बंदियों को सजा देने के लिए
(B) नाबालिग, असमर्थ या ऋणग्रस्त जागीरदारों की भूमि की देखरेख करने के लिए
(C) राज्य में व्यापार करने वाले ब्रिटिश व्यापारियों से सीधे चुंगी शुल्क एकत्र करने के लिए
(D) वरिष्ठ राज्य सिविल सेवाओं के लिए प्रतियोगी भर्ती परीक्षाएं आयोजित करने के लिए

45. राजस्थान में 19वीं शताब्दी के अंत और 20वीं शताब्दी की शुरुआत में शुरू किए गए नियमित 'राजस्व बंदोबस्त' का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?
(A) भूमि पैमाइश और मिट्टी की गुणवत्ता के आधार पर नकद राजस्व निर्धारित करना
(B) देशी किसानों से सभी कृषि भूमियों को व्यवस्थित रूप से जब्त करना
(C) कानूनी रूप से यह अनिवार्य करना कि स्थानीय कृषक केवल वाणिज्यिक नील की फसल उगाएं
(D) पारंपरिक देशी रियासतों और राजशाही को स्थायी रूप से समाप्त करना

NODIA

46. रियासतों में राजस्व बंदोबस्त प्रक्रिया के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. बंदोबस्त कार्यों का उद्देश्य किसानों पर मनमाने और परिवर्तनशील कर मांगों को कम करना था।
II. कृषकों को 'पट्टा' नामक दस्तावेजों के माध्यम से मान्यता प्राप्त अधिकार और निश्चित राजस्व मांगें दी गईं।
III. आधुनिक बंदोबस्त प्रक्रिया ने राजस्व संग्रह में नकद के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा संयोजन सही है?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

47. किसी जागीरदार द्वारा प्रतिवर्ष एक निश्चित अवधि के लिए राज्य को दी जाने वाली अनिवार्य सैन्य सेवा को क्या कहा जाता था?
(A) सासन
(B) बंटाई
(C) खालसा
(D) चाकरी

48. राजस्थान में जागीरदारी व्यवस्था के संदर्भ में, 'रेख' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) राजा द्वारा अपने प्रांतीय राज्यपालों को सीधे जारी किया गया एक आधिकारिक शाही फरमान
(B) शाही दरबार में कुलीन दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाने वाला एक पारंपरिक सांस्कृतिक प्रदर्शन
(C) नज़राना और सैन्य कर्तव्यों की गणना के लिए किसी जागीर का अनुमानित वार्षिक राजस्व
(D) भारी घुड़सवार सेना के सिलहदार सैनिकों द्वारा ले जाया जाने वाला मानकीकृत व्यक्तिगत सैन्य हथियार

49. निम्नलिखित में से कौन-सा अपने शासक के प्रति जागीरदार का एक मान्यता प्राप्त दायित्व नहीं था?
(A) उत्तराधिकार शुल्क (तलवार बंधाई) का भुगतान करना
(B) अपनी जागीर के लिए स्वतंत्र शाही सिक्का ढालना
(C) विशेष औपचारिक अवसरों पर राजदरबार में उपस्थित होना
(D) युद्धकाल के दौरान सैन्य टुकड़ियाँ प्रदान करना

50. मध्यकालीन राजपूत सैन्य व्यवस्था में 'सिलहदार' कौन थे?
(A) सामान्य प्रशासनिक कर्तव्यों में सेवा देने वाले निहत्थे सहायक पैदल सैनिक
(B) सीमाओं के पार पारगमन व्यापार कर एकत्र करने के लिए नियुक्त नागरिक राजस्व अधिकारी
(C) नामित सैन्य पुरोहित जो युद्ध से पहले सैन्य इकाइयों को आशीर्वाद देते थे
(D) ऐसे घुड़सवार सैनिक जो अपने स्वयं के घोड़े, सुरक्षात्मक कवच और हथियार लाते थे

51. रियासतों की सैन्य टुकड़ियों में 'सवार' शब्द विशेष रूप से किसे संदर्भित करता था?
(A) घुड़सवार सैनिक
(B) भारी तोपखाना कोर इकाई के सैनिक
(C) कुशल सैन्य हाथी योद्धा
(D) रणनीतिक नौसेना बेड़े के कमांडर कार्मिक

52. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: (शब्द)
P. खालसा
Q. मुआफी
R. सासन
S. भोम
सूची II: (विवरण)
1. ब्राह्मणों और चारणों को दी गई भूमि
2. चौकीदारी या सैन्य कर्तव्यों के लिए दी गई भूमि
3. वह भूमि जिसका राजस्व सीधे राज्य को जाता है
4. नियमित राजस्व करों से मुक्त भूमि
(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-3, Q-1, R-4, S-2
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

53. मंदिरों जैसे धार्मिक संस्थानों को उनके रखरखाव के लिए दी जाने वाली भूमि, जो राज्य के करों से पूरी तरह मुक्त होती थी, आमतौर पर क्या कहलाती थी?
(A) डोली (डोहली)
(B) बंटाई भूमि व्यवस्था
(C) चाकरी भूमि व्यवस्था
(D) रेख भूमि निर्धारण

54. राजस्थान की रियासतों में 'मुआफी' भूमि के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों द्वारा अत्यधिक कर योग्य और सीधे कर लगाई गई भूमि
(B) बाजार व्यापार के लिए विशेष रूप से विदेशी वाणिज्यिक व्यापारियों को दी गई भूमि
(C) ऐसी भूमि जहाँ कानून द्वारा सभी कृषि गतिविधियों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया गया था
(D) नियमित राज्य कृषि भू-राजस्व का भुगतान करने से पूरी तरह से मुक्त भूमि

55. आधुनिक राजस्थान राज्य में एकीकरण से ठीक पहले, अधिकांश राजपूताना राज्यों ने अपने प्रशासनिक ढांचे का पुनर्गठन कर लिया था, ताकि वह किसके अत्यधिक समान दिखे?
(A) मौर्य साम्राज्य के युग के दौरान मूल रूप से स्थापित प्राचीन केंद्रीकृत नौकरशाही व्यवस्था
(B) ब्रिटिश भारतीय व्यवस्था, जिसमें पुलिस, राजस्व और न्यायपालिका जैसे आधुनिक विभाग शामिल थे
(C) मुग़ल सम्राट अकबर द्वारा शुरू किया गया शास्त्रीय शाही मनसबदारी प्रशासनिक ढांचा
(D) मराठा साम्राज्य के शासनकाल के दौरान निर्मित पारंपरिक अष्टप्रधान परिषद संरचना

56. राजस्थान के एकीकरण से ठीक पहले के प्रशासनिक ढांचे के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. 1947 तक, राजस्थान की सभी रियासतों ने अपने स्तर पर जागीरदारी व्यवस्था को पूरी तरह से समाप्त कर दिया था।
II. रियासतों का प्रशासनिक ढांचा शासक के अधिकार के तहत अत्यधिक केंद्रीकृत रहा।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I और II दोनों
(D) न तो I और न ही II

57. मध्यकालीन राजस्थान में किसी 'महल' (परगने की एक उप-इकाई) का प्रभारी प्रशासनिक अधिकारी आमतौर पर क्या कहलाता था?
(A) दीवान (मुख्य मंत्री)
(B) प्रधान (प्रधान मंत्री)
(C) काज़ी (न्यायिक मजिस्ट्रेट)
(D) हाकिम / शिकदार

58. राजस्थान में विभिन्न प्रकार की लाग-बाग (उपकरों) के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) तलवार बंधाई - कृषि उपकरणों के आयात पर लगाया जाने वाला कर
(B) चंवरी लाग - पुत्री के विवाह के अवसर पर लगाया जाने वाला कर
(C) सिंगोटी - मवेशियों की बिक्री पर लगाया जाने वाला कर
(D) हल बराड़ - किसान द्वारा प्रयोग किए जाने वाले प्रति हल पर लगाया जाने वाला कर

59. राजपूत राज्यों की प्रशासनिक व्यवस्था में फौजदार की प्राथमिक भूमिका क्या थी?
(A) ग्राम स्तर पर कृषि सीमाओं का सर्वेक्षण करना और स्थानीय भू-राजस्व कागजात दर्ज करना
(B) स्थानीय कानून और व्यवस्था बनाए रखते हुए जिला सैन्य कमांडर के रूप में कार्य करना
(C) शाही रसोई में पाक संचालन का पर्यवेक्षण करना और दैनिक भोजन सेवा की देखरेख करना
(D) राज्य के खजाने के रिकॉर्ड का व्यवस्थित रूप से निरीक्षण करना और सरकारी वित्तीय खातों का लेखा-परीक्षण करना

60. जोधपुर और मेवाड़ जैसी रियासतों में स्थापित 'इजलास खास' शब्द का संबंध किससे था?
(A) क्षेत्रीय कृषि जिंसों के लिए संचालित प्राथमिक केंद्रीय

Downloaded from www.pdf.tube

थोक बाजार
(B) शासक द्वारा स्थापित एक सर्वोच्च राज्य सलाहकार परिषद और न्यायिक न्यायाधिकरण
(C) कुलदेवताओं को समर्पित एक प्रमुख ऐतिहासिक धार्मिक तीर्थ स्थल
(D) सैन्य हथियारों के निर्माण के लिए एक औद्योगिक राज्य ढलाईघर और विशेष कारखाना

61. निम्नलिखित में से बेमेल (विषम) विकल्प की पहचान कीजिए। इनमें से कौन-सी राजस्थान की पारंपरिक भूमि व्यवस्था या अनुदान प्रणाली नहीं है?
(A) इक्ता
(B) खालसा
(C) जागीर
(D) भोम

62. खालसा भूमि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह सीधे राज्य के अधिकारियों द्वारा प्रशासित थी।
II. इस भूमि से एकत्र किया गया राजस्व सीधे राज्य के खजाने में जाता था।
III. यह पूरी तरह से स्थानीय सामंतों द्वारा नियंत्रित और प्रबंधित थी।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा संयोजन सही है?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

63. राजस्थान की रियासतों के संदर्भ में, 'कारखाने' क्या थे?
(A) पकड़े गए उच्च श्रेणी के दुश्मन सैनिकों को रखने के लिए विशेष रूप से बनाए गए किलेबंद राज्य जेल
(B) पूरी तरह से राजा की व्यक्तिगत उपज उगाने के लिए आरक्षित विशेष कृषि भूमि
(C) आम नागरिकों को बुनियादी साक्षरता और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित सार्वजनिक शैक्षणिक केंद्र
(D) दरबार और सेना के लिए आपूर्ति का उत्पादन और भंडारण करने वाली शाही कार्यशालाएँ

64. खेत में खड़ी फसल के आधार पर उसकी उपज का अनुमान लगाकर भू-राजस्व निर्धारित करने की पारंपरिक प्रक्रिया को क्या कहा जाता था?
(A) लाटा
(B) सासन
(C) कूंता
(D) बंटाई

65. निम्नलिखित में से कौन-सा मध्यकालीन राजस्थान में जागीर का एक मान्यता प्राप्त प्रकार नहीं था?
(A) मनसब जागीर
(B) खालसा जागीर
(C) गुजारा जागीर
(D) भोम जागीर

66. ग्राम स्तर पर, राजस्व प्रशासन का सबसे निचला पायदान जो कर संग्रह के लिए किसानों के साथ प्रत्यक्ष संपर्क करता था, किसके द्वारा प्रबंधित किया जाता था?
(A) एजेंट टू द गवर्नर-जनरल
(B) दीवान
(C) बख्शी
(D) पटवारी

67. राजपूत राज्यों पर ब्रिटिश एजेंसी प्रणाली के प्रभाव के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?
(A) रियासतों ने अपनी सभी आंतरिक स्वायत्तता खो दी, और ब्रिटिश कानून सार्वभौमिक रूप से सीधे लागू किए गए।
(B) ब्रिटिश क्राउन ने सभी राजपूत राज्यों के साथ व्यवस्थित रूप से बातचीत की और औपचारिक सहायक संधियों पर हस्ताक्षर किए।
(C) ब्रिटिश साम्राज्यवादी सरकार ने किसी भी बाहरी आक्रमण के खिलाफ औपचारिक रूप से सैन्य सुरक्षा की गारंटी दी।
(D) स्थानीय शासकों का पर्यवेक्षण करने के लिए प्रमुख राज्यों में स्थायी रूप से ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट तैनात किए गए थे।

68. राजदरबार के संदर्भ में 'पेशकश' या 'नज़राना' शब्द का क्या तात्पर्य है?
(A) किसी अकुशल सामान्य राज्य मजदूर को सीधे वितरित की जाने वाली एक अनिवार्य दैनिक नकद मजदूरी
(B) स्थानीय भू-राजस्व निर्धारण को स्थायी रूप से समाप्त करने वाला एक आधिकारिक शाही प्रशासनिक फरमान
(C) किसी सामंत द्वारा शासक को भेंट की जाने वाली एक औपचारिक नज़राना, औपचारिक उपहार या उत्तराधिकार शुल्क
(D) विशेष रूप से पटरानी को प्रस्तुत की जाने वाली एक पारंपरिक औपचारिक शाही पोशाक

69. एकीकरण से पूर्व, राजस्थान की कई रियासतों में स्थापित केंद्रीय प्रशासनिक विभाग या सर्वोच्च कार्यकारी सचिवालय को किस नाम से जाना जाता था?
(A) महकमा खास
(B) ग्राम सभा
(C) जिला परिषद
(D) लोक अदालत

70. उमरावों (सामंतों) की 'सोला' (16) और 'बत्तीस' (32) श्रेणियाँ किस रियासत की सामंती व्यवस्था की एक प्रसिद्ध विशेषता थीं?
(A) मारवाड़ (जोधपुर)
(B) आमेर (जयपुर)
(C) बीकानेर

NODIA

(D) मेवाड़ (उदयपुर)

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) राजा (महाराजा/महाराणा)
मध्यकालीन राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था में राजा या महाराणा सर्वोच्च प्राधिकारी होता था। राज्य की समस्त दीवानी, सैन्य और न्यायिक शक्तियाँ राजा में ही निहित थीं। वह राज्य का सर्वोच्च सेनापति, अंतिम न्यायाधीश और सर्वोच्च प्रशासक होता था। यद्यपि राजा को सलाह देने के लिए दीवान और प्रधान जैसे मंत्री होते थे, परंतु अंतिम निर्णय लेने का एकाधिकार केवल राजा के पास ही सुरक्षित रहता था।

2. (D) राजसभा और शासक की सरकार
मध्यकालीन राजपूत प्रशासनिक शब्दावली में 'दरबार' शब्द मुख्य रूप से शासक की राजसभा और उसकी सरकार को संदर्भित करता था। यह वह स्थान एवं तंत्र था जहाँ शासक अपने मंत्रियों, सामंतों और प्रमुख सलाहकारों के साथ राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक, सैन्य, वित्तीय तथा न्यायिक विषयों पर चर्चा एवं निर्णय लेता था। यह राज्य की केंद्रीय सत्ता और प्रशासनिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र माना जाता था।

3. (A) व्यक्तिगत रूप से गाँव की कृषि भूमि की माप करना और हल चलाना
मध्यकालीन राजस्थान में शासक के मुख्य कर्तव्यों में राज्य की बाह्य आक्रमणों से रक्षा करना, शांति व्यवस्था बनाए रखना, प्रमुख कानूनी विवादों पर अंतिम निर्णय देना और सामंतों को जागीरें प्रदान करना शामिल था। व्यक्तिगत रूप से गाँव की कृषि भूमि की माप करना या हल चलाना शासक का कार्य नहीं था; यह कार्य पटवारी तथा स्थानीय राजस्व अधिकारियों एवं किसानों द्वारा किया जाता था।

4. (B) राज्य → परगना → गाँव
मध्यकालीन राजपूत राज्यों में प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु संचालन के लिए तीन प्रमुख पदानुक्रमित इकाइयों में विभाजित किया गया था। प्रशासनिक इकाइयों का सही अवरोही क्रम राज्य, परगना और गाँव है। संपूर्ण रियासत को कई परगनों में बाँटा गया था, तथा प्रत्येक परगना अनेक गाँवों के समूह से मिलकर बनता था। गाँव प्रशासन की सबसे छोटी एवं प्राथमिक इकाई के रूप में कार्य करता था।

5. (A) परगना
मध्यकालीन राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था में गाँवों के समूह से बनी बड़ी प्रशासनिक इकाई को 'परगना' कहा जाता था। परगना राज्य और गाँव के मध्य प्रशासनिक कड़ी के रूप में कार्य करता था। प्रत्येक परगने में भू-राजस्व संग्रह, कानून-व्यवस्था और स्थानीय न्याय प्रशासन की देखरेख के लिए आमिल, शिकदार तथा हाकिम जैसे विभिन्न राज्य अधिकारी नियुक्त किए जाते थे, जो प्रशासनिक कार्यों को संभालते थे।

6. (D) दीवानी और राजस्व मामलों का प्रबंधन करने वाला मुख्य अधिकारी
मध्यकालीन राजपूत राज्यों में 'दीवान' राजा का सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारी होता था। उसका मुख्य कार्य राज्य के दीवानी और राजस्व मामलों का संपूर्ण प्रबंधन करना था। वह भू-राजस्व संग्रह, राजकीय आय-व्यय के विवरण का रखरखाव, वित्तीय नीतियों का निर्धारण तथा केंद्रीय खजाने की देखरेख करता था। राजा के बाद राज्य के प्रशासनिक मामलों में उसका विशेष प्रभाव रहता था।

7. (B) उसने शासक के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्य किया और राज्य के वित्तीय मामलों का प्रबंधन किया।
राजपूत प्रशासनिक प्रणाली के अंतर्गत दीवान शासक के सबसे विश्वसनीय एवं मुख्य सलाहकार के रूप में कार्य करता था। वह राज्य के समस्त वित्तीय प्रशासन, कर संग्रह तथा राजकीय खजाने का प्रत्यक्ष प्रबंधन करता था। राजा द्वारा प्रशासनिक नीतियों के निर्माण तथा राजस्व प्रबंधन में दीवान की सलाह को अत्यधिक प्राथमिकता दी जाती थी। वह केंद्रीय स्तर पर सर्वोच्च राजस्व अधिकारी के रूप में स्थापित था।

8. (C) बख्शी
मध्यकालीन राजस्थान की सैन्य प्रशासनिक व्यवस्था में 'बख्शी' एक अत्यंत महत्वपूर्ण पद था। बख्शी का मुख्य कार्य सेना से संबंधित अभिलेखों का व्यवस्थित रखरखाव करना, सैनिकों की भर्ती एवं उनके अनुशासन की जाँच करना तथा सैनिकों को नियमित वेतन का वितरण करना था। युद्धकाल एवं शांतिकाल दोनों ही परिस्थितियों में सेना के संगठन और रसद प्रबंधन में बख्शी की भूमिका निर्णायक होती थी।

9. (B) केवल II
मध्यकालीन राजपूत राज्यों के प्रशासनिक ढांचे में बख्शी मुख्य रूप से सैन्य विभाग से संबद्ध अधिकारी था। उसका प्राथमिक कर्तव्य सैनिकों के अभिलेख रखना और उन्हें वेतन वितरित करना था। धार्मिक अनुदानों की देखरेख और उनका आवंटन बख्शी द्वारा नहीं, बल्कि धार्मिक मामलों के प्रमुख या सद्र द्वारा किया जाता था। इसलिए बख्शी को मुख्य सैन्य वेतनदाता के रूप में मान्यता प्राप्त थी।

10. (A) P-3, Q-1, R-2, S-4
मध्यकालीन राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था में विभिन्न अधिकारियों के विशिष्ट कार्य निर्धारित थे। दीवान दीवानी एवं भू-राजस्व मामलों का प्रमुख होता था, जबकि बख्शी सेना का मुख्य वेतनदाता और अभिलेख संरक्षक था। कोतवाल नगर प्रशासन और कानून-व्यवस्था का प्रमुख पुलिस अधिकारी था, तथा फौजदार परगने या जिले के स्तर पर सैन्य कमान संभालने

Downloaded from www.pdf.tube

तथा आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः उत्तरदायी था।

11. (B) कोतवाल
राजस्थान में मध्यकाल के दौरान नगरों और शहरों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने का मुख्य दायित्व 'कोतवाल' का होता था। कोतवाल शहरी क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण, नगर की सुरक्षा, रात्रि गश्त, बाजार दरों पर नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करता था। वह एक प्रकार से नगर पुलिस प्रमुख और नागरिक मजिस्ट्रेट के कर्तव्यों का निष्पादन करता था, जिससे शांति बनी रहती थी।

12. (B) स्थानीय कृषक और राज्य के बीच उपज के विभाजन की एक आधिकारिक व्यवस्था
राजस्थान की मध्यकालीन भू-राजस्व प्रणाली में 'बंटाई' एक प्रमुख विधि थी। इसके अंतर्गत कटाई के पश्चात वास्तविक कृषि उपज का बंटवारा किसान और राज्य अथवा जागीरदार के बीच एक निश्चित अनुपात में किया जाता था। यह व्यवस्था उपज की वास्तविक मात्रा पर आधारित थी, जिससे फसल खराब होने की स्थिति में किसानों पर अत्यधिक राजस्व भार नहीं पड़ता था तथा संतुलन बना रहता था।

13. (A) चौथ
मध्यकालीन राजस्थान में भू-राजस्व निर्धारण की पारंपरिक पद्धतियों में लाटा, कूंता और खेत बंटाई प्रमुख रूप से प्रचलित थीं, जो कृषि उपज के बँटवारे से संबंधित थीं। इसके विपरीत, 'चौथ' मराठों द्वारा पड़ोसी राज्यों या क्षेत्रों से वसूल किया जाने वाला एक मराठा सैन्य-सुरक्षा कर था। चौथ राजस्थान की कोई पारंपरिक स्थानीय भू-राजस्व निर्धारण पद्धति के रूप में वर्गीकृत नहीं थी।

14. (D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
पारंपरिक 'बंटाई' व्यवस्था के अंतर्गत भू-राजस्व का भुगतान हमेशा नकद में होना अनिवार्य नहीं था, बल्कि यह मुख्य रूप से वास्तविक कृषि उपज के रूप में प्राप्त किया जाता था। इसलिए कथन गलत है। दूसरी ओर, 'बंटाई' शब्द का शाब्दिक अर्थ वास्तव में किसान और राज्य के बीच उपज का प्रत्यक्ष विभाजन ही है, जिसके कारण दिया गया कारण पूरी तरह सत्य है।

15. (D) मानक नियमित भू-राजस्व के अतिरिक्त वसूले जाने वाले अनियमित उपकर एवं अतिरिक्त कर
राजस्थान की पारंपरिक कृषि एवं राजस्व व्यवस्था में 'लाग-बाग' शब्द नियमित भू-राजस्व के अतिरिक्त वसूले जाने वाले विभिन्न अनियमित उपकरों तथा अतिरिक्त करों को निरूपित करता था। ये कर राज्य या जागीरदारों द्वारा विभिन्न सामाजिक, प्रशासनिक अथवा व्यक्तिगत अवसरों पर किसानों पर थोपे जाते थे, जैसे विवाह, पशु बिक्री या उत्सव, जिससे कृषकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ निरंतर पड़ता रहता था।

16. (B) I और II
राजस्थान में लाग-बाग जागीरदारों एवं राज्य द्वारा किसानों से वसूले जाने वाले अतिरिक्त उपकर थे, तथा 'चंवरी लाग' किसान की पुत्री के विवाह के अवसर पर लिया जाने वाला एक विशिष्ट कर था। ये कर अत्यधिक अप्रिय थे और इन्हें जागीरदारों द्वारा 18वीं शताब्दी में स्वतः समाप्त नहीं किया गया था, बल्कि 20वीं शताब्दी के किसान आंदोलनों के दबाव में समाप्त किया गया।

17. (B) किसी जागीर का उत्तराधिकार प्राप्त होने पर नए जागीरदार द्वारा शासक को दिया जाने वाला उत्तराधिकार शुल्क
'तलवार बंधाई' मध्यकालीन राजस्थान में जागीरदारी प्रथा से संबंधित एक महत्वपूर्ण उत्तराधिकार शुल्क था। जब किसी जागीरदार की मृत्यु के बाद उसके नए उत्तराधिकारी की नियुक्ति होती थी, तो नए जागीरदार को अपनी गद्दी के औपचारिक अनुमोदन हेतु राज्य के शासक को निश्चित नज़राना या कर देना पड़ता था। इस रस्म के दौरान शासक नए जागीरदार की कमर पर तलवार बाँधता था।

18. (D) स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा करने और आवश्यक सैन्य सेवाएं प्रदान करने के बदले
मध्यकालीन राजस्थान में 'भोम' भूमि विशेष रूप से उन साहसी व्यक्तियों या 'भोमिया' राजपूतों को प्रदान की जाती थी, जो गाँवों की सुरक्षा करते थे, शांति व्यवस्था बनाए रखते थे या युद्ध के समय राज्य को महत्वपूर्ण सैन्य सेवाएँ प्रदान करते थे। इस प्रकार की भूमि राजस्व-मुक्त या कम कर वाली होती थी और यह उनके वीरतापूर्ण एवं सुरक्षात्मक कार्यों का सम्मानजनक पुरस्कार मानी जाती थी।

19. (A) सासन
राजस्थान में विद्वानों, धार्मिक व्यक्तियों, ब्राह्मणों, चारणों तथा भाटों को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक, धार्मिक या विद्वतापूर्ण योगदान के सम्मान में जो भूमि अनुदान में दी जाती थी, उसे 'सासन' भूमि कहा जाता था। यह अनुदान पूर्णतः वंशानुगत होता था और राज्य द्वारा इस पर किसी भी प्रकार का कर नहीं लगाया जाता था। सासन भूमि को किसी अन्य व्यक्ति को बेचा नहीं जा सकता था।

20. (C) गुजारा जागीर
राजपूत राज्यों में राजवंश के निकटतम सदस्यों, जैसे छोटे राजकुमारों, भाइयों या नजदीकी रिश्तेदारों को उनके व्यक्तिगत जीवन यापन एवं भरण-पोषण के लिए जो जागीर आवंटित की जाती थी, उसे 'गुजारा जागीर' कहा जाता था। इस जागीर से प्राप्त राजस्व का उपयोग वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं और परिवार के खर्चों को पूरा करने के लिए करते थे, जिससे राजपरिवार में आर्थिक स्थिरता बनी रहती थी।

21. (A) जागीरदार भू-राजस्व एकत्र करता था, जबकि अंतिम स्वामित्व राजा के पास था।
राजस्थान की पारंपरिक जागीरदारी व्यवस्था में जागीरदार को अपनी निर्दिष्ट जागीर से भू-राजस्व एकत्र करने तथा प्रशासनिक नियंत्रण रखने का अधिकार होता था, किंतु भूमि का अंतिम स्वामी और सर्वोपरि सत्ता राजा ही होता था। यदि जागीरदार राज्य के प्रति वफादार नहीं रहता था या अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहता था, तो राजा उसकी जागीर को जब्त करने का पूर्ण अधिकार रखता था।

NODIA

22. (D) वह भूमि जिसका राजस्व सीधे केंद्रीय प्रशासन के अधीन राज्य कोष के लिए एकत्र किया जाता था
मध्यकालीन राजपूत राज्यों में 'खालसा' भूमि उस भूमि को कहा जाता था जो सीधे राज्य (राजा) के प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण में होती थी। इस भूमि से प्राप्त समस्त भू-राजस्व बिना किसी मध्यस्थ जागीरदार के सीधे केंद्रीय खजाने में जमा किया जाता था। खालसा भूमि का प्रबंधन राज्य के अधिकारियों जैसे आमिल और हाकिम द्वारा किया जाता था ताकि केंद्रीय शासन का वित्तीय आधार मजबूत रहे।

23. (B) मुआफी - अत्यधिक कर योग्य कृषि भूमि
मध्यकालीन राजस्थान की भू-राजस्व व्यवस्था में 'मुआफी' भूमि अत्यधिक कर योग्य भूमि नहीं थी, बल्कि यह कर-मुक्त भूमि होती थी जिसे राज्य द्वारा विशिष्ट सेवाओं, धार्मिक कार्यों या सम्मान स्वरूप व्यक्तियों को करों से मुक्त करके प्रदान किया जाता था। अन्य सभी युग्म सही हैं: खालसा प्रत्यक्ष राज्य नियंत्रण वाली भूमि थी, भोम सुरक्षा सेवाओं के लिए दी गई भूमि थी और सासन धार्मिक अनुदान था।

24. (C) पटवारी
मध्यकालीन राजस्थान में ग्राम स्तर पर भूमि अभिलेखों का रखरखाव करने और भू-राजस्व संग्रह में सहायता करने वाला प्राथमिक अधिकारी 'पटवारी' होता था। पटवारी गाँव के प्रत्येक किसान की भूमि का विवरण, बोई गई फसलों का रिकॉर्ड और देय कर की मात्रा का हिसाब रखता था। वह स्थानीय राजस्व प्रशासन और कृषकों के बीच एक महत्वपूर्ण एवं प्रत्यक्ष संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करता था।

25. (D) स्थानीय राजस्व निर्धारण और कर संग्रह का प्रबंधन करना
राजस्थान में परगना स्तर पर तैनात 'आमिल' नामक अधिकारी का मुख्य उत्तरदायित्व स्थानीय क्षेत्र में भू-राजस्व का निर्धारण करना और उसका संग्रह सुनिश्चित करना था। आमिल कृषि भूमि की स्थिति और फसल उत्पादन का आकलन करता था तथा राज्य के निर्धारित हिस्से के अनुसार किसानों से कर वसूलता था। वह परगने के वित्तीय और राजस्व प्रशासन की सुचारु कार्यप्रणाली के लिए जिम्मेदार होता था।

26. (A) ग्राम पंचायत
राजपूत काल में ग्राम स्तर पर दीवानी विवादों, पारिवारिक मतभेदों और छोटे-मोटे आपराधिक झगड़ों का समाधान पारंपरिक 'ग्राम पंचायत' द्वारा किया जाता था। ग्राम पंचायत में गाँव के अनुभवी और सम्मानित बुजुर्ग शामिल होते थे, जो स्थानीय रीति-रिवाजों और सामाजिक परंपराओं के आधार पर त्वरित न्याय प्रदान करते थे। इससे ग्रामीण समाज में आपसी सामंजस्य और प्रशासनिक व्यवस्था निरंतर बनी रहती थी।

27. (B) ग्रामीण न्याय व्यवस्था आमतौर पर त्वरित थी और स्थापित स्थानीय रीति-रिवाजों एवं परंपराओं द्वारा संचालित होती थी।
राजपूत कालीन स्थानीय न्याय प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह थी कि ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय व्यवस्था अत्यधिक त्वरित, सुलभ तथा स्थानीय रीति-रिवाजों एवं सामाजिक मान्यताओं पर आधारित थी। मुकदमों का निपटारा ग्राम पंचायतों द्वारा बिना किसी जटिल औपचारिक प्रक्रिया के शीघ्र कर दिया जाता था। इस प्रणाली में लिखित कानूनों के स्थान पर परंपराओं और सामाजिक सर्वसम्मति को प्राथमिक महत्व दिया जाता था।

28. (B) अभिजात वर्ग की सर्वोच्च श्रेणी के सामंती सरदार
मेवाड़ (उदयपुर) रियासत की सामंती संरचना में 'उमराव' वर्ग अभिजात श्रेणी के सबसे उच्च और प्रभावशाली सामंती सरदारों को संदर्भित करता था। मेवाड़ में सामंतों की श्रेणियों का विभाजन किया गया था, जिनमें 'सोला' और 'बत्तीस' प्रमुख थे। इन उमरावों के पास विशाल जागीरें, प्रशासनिक शक्तियाँ तथा सैन्य अधिकार होते थे और वे राजदरबार में राजा के प्रमुख सलाहकार के रूप में कार्य करते थे।

29. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
मध्यकालीन राजपूत राज्यों में कोई विशाल स्थायी केंद्रीय सेना नहीं होती थी, इसलिए शासक युद्ध के समय अपने सामंतों द्वारा भेजी गई सेना पर अत्यधिक निर्भर रहते थे। जागीरदारी शर्तों के अनुसार, प्रत्येक सामंत को अपनी जागीर के राजस्व के अनुपात में एक निश्चित संख्या में सुसज्जित सैनिक और घुड़सवार राजा की सेवा में भेजने होते थे, जो कथन की पूरी व्याख्या करता है।

30. (B) केवल II
मध्यकालीन राजपूत राज्यों की सैन्य व्यवस्था में शासक केवल एक केंद्रित स्थायी सेना पर निर्भर नहीं रहते थे, बल्कि युद्धकाल में वे सामंतों द्वारा प्रदान की जाने वाली सैन्य सहायता पर काफी हद तक आश्रित होते थे। जागीरदार अपनी जागीर के आकार, भूमि की उर्वरता तथा अनुमानित राजस्व ('रेख') के अनुपात में निश्चित संख्या में सशस्त्र सैनिक एवं घुड़सवार शासक को उपलब्ध कराने हेतु बाध्य थे।

31. (D) राहदारी / मापा
राजस्थान की रियासतों में राज्य की सीमाओं से होकर गुजरने वाले व्यापारिक सामान और माल-वाहक काफिलों पर जो सीमा शुल्क या मार्ग कर लगाया जाता था, उसे 'राहदारी' या 'मापा' कहा जाता था। राहदारी कर मुख्य रूप से व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा प्रदान करने और राज्य की आय बढ़ाने के उद्देश्य से वसूला जाता था, जो व्यापारी वर्गों और सार्थवाहों द्वारा राज्य अधिकारियों को दिया जाता था।

32. (C) दाणी (सीमा शुल्क कर संग्राहक)
मध्यकालीन राजस्थान में व्यापार और वाणिज्य के अंतर्गत सीमा शुल्क, चुंगी तथा पारगमन कर (राहदारी) वसूल करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी को 'दाणी' कहा जाता था। दाणी राज्य की सीमाओं, प्रमुख व्यापारिक चौकियों और बाजारों में तैनात रहते थे। उनका मुख्य काम आने-जाने वाले माल का निरीक्षण करना, उसकी मात्रा एवं मूल्य के अनुसार कर का निर्धारण करना और उसे राजकीय कोष में जमा करना था।

33. (B) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान की पारंपरिक प्रशासनिक व्यवस्था में विभिन्न स्थानीय अधिकारियों के विशिष्ट दायित्व निर्धारित थे। पटवारी गाँव के

Click Here to Buy book on Amazon

भूमि अभिलेखों और कर विवरणों का रखरखाव करता था, जबकि पटेल या चौधरी ग्राम स्तर पर राजस्व संग्रह कराने में सहयोग करने वाला गाँव का सम्मानित मुखिया होता था। कोतवाल नगर पुलिस प्रशासन का प्रमुख था, तथा काज़ी इस्लामी न्याय प्रणाली के तहत न्यायिक मामलों का निपटारा करता था।

34. (D) पटेल या चौधरी (ग्राम मुखिया)
राजस्थान में ग्रामीण स्तर पर समाज में उच्च आदर पाने वाले और राजस्व संग्रह प्रक्रिया में राज्य के अधिकारियों की सहायता करने वाले पारंपरिक ग्राम प्रमुख को 'पटेल' या 'चौधरी' कहा जाता था। पटेल या चौधरी गाँव में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने, किसानों से कर एकत्र करवाने और ग्राम पंचायत के निर्णयों को लागू कराने में महत्वपूर्ण मध्यस्थ भूमिका का निर्वहन करते थे।

35. (A) मिसल
राजस्थान के राजदरबारों में सामंतों और सरदारों की उनकी श्रेणी, प्रतिष्ठा तथा जागीर के आकार के अनुसार बैठने की निश्चित पदानुक्रमित व्यवस्था को 'मिसल' कहा जाता था। दरबार में प्रत्येक सामंत का स्थान पहले से तय होता था, जो उसकी राजकीय स्थिति और पदक्रम को दर्शाता था। मिसल व्यवस्था से यह स्पष्ट होता था कि किस सामंत को शासक के कितने निकट बैठने का विशेषाधिकार प्राप्त है।

36. (C) यह सबसे गरीब किसानों पर लगाया जाने वाला एक भारी कृषि कर था।
'ताज़ीम' कोई कृषि कर नहीं था, इसलिए दिया गया कथन गलत है। ताज़ीम वास्तव में राजपूत दरबारों में शासक द्वारा किसी विशिष्ट एवं सम्मानित सामंत को दिया जाने वाला एक विशेष औपचारिक शिष्टाचार और सम्मान था। जब वह सम्मानित सामंत दरबार में प्रवेश करता था, तो शासक स्वयं खड़े होकर उसका अभिवादन और स्वागत करता था, जो सामंत की उच्च स्थिति का प्रतीक था।

37. (A) किसी सामंत का औपचारिक पद, वेतन और सैन्य कर्तव्य
मुग़ल काल के दौरान राजपूत सैन्य एवं प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली 'मनसबदारी' प्रणाली मुख्य रूप से किसी अधिकारी या सामंत का औपचारिक पद, वेतन तथा सैन्य कर्तव्य निर्धारित करती थी। इसमें 'ज़ात' से सामंत के व्यक्तिगत पद एवं वेतन का पता चलता था, जबकि 'सवार' से यह निश्चित होता था कि उसे राज्य की सेवा हेतु कितने घुड़सवार सैनिक अपने पास रखने अनिवार्य हैं।

38. (D) राजा मान सिंह I
आमेर के प्रसिद्ध कछवाहा शासक राजा मान सिंह I मुग़ल साम्राज्य के सबसे प्रमुख और शक्तिशाली सेनापतियों में से एक थे। मुग़ल सम्राट अकबर ने उनकी विशिष्ट सैन्य सेवाओं, वफादारी और सफल अभियानों से प्रसन्न होकर उन्हें 7000 का असाधारण रूप से उच्च मनसब तथा 'फरजंद' (पुत्र) की उपाधि प्रदान की थी, जो उस समय किसी गैर-मुग़ल अमीर को दिया गया सर्वोच्च मनसब था।

39. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
मुग़ल मनसबदारी व्यवस्था अपनाने के कारण राजपूत शासकों के पारम्परिक सैन्य संगठन में व्यापक बदलाव आए। मनसबदार बनने पर राजपूत राजाओं को मुग़ल साम्राज्य द्वारा निर्धारित ज़ात और सवार पदों के अनुसार सुसज्जित घुड़सवार टुकड़ियाँ और सैनिक रखने पड़ते थे, जिससे उनके सैन्य ढांचे का मानकीकरण हुआ। अतः दिया गया कारण, उपर्युक्त कथन की पूरी तरह सही एवं सटीक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

40. (C) राजपूताना एजेंसी
ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश क्राउन ने राजस्थान की रियासतों पर नियंत्रण, पर्यवेक्षण और सर्वोपरिता बनाए रखने के लिए 1832 में 'राजपूताना एजेंसी' की स्थापना की थी। इसका मुख्यालय प्रारंभ में अजमेर में स्थापित किया गया था और बाद में आबू में स्थानांतरित किया गया। इस एजेंसी के माध्यम से ब्रिटिश सरकार देशी रियासतों के आंतरिक एवं बाह्य राजनीतिक मामलों पर निगरानी रखती थी।

41. (D) एजेंट टू द गवर्नर-जनरल (एजीजी)
राजपूताना एजेंसी के अंतर्गत राजस्थान की सभी देशी रियासतों की प्रशासनिक एवं राजनीतिक गतिविधियों की देखरेख करने वाला सर्वोच्च ब्रिटिश अधिकारी 'एजेंट टू द गवर्नर-जनरल' (एजीजी) होता था। एजीजी भारत के गवर्नर-जनरल (वायसराय) के प्रत्यक्ष प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता था और विभिन्न रियासतों में तैनात पॉलिटिकल एजेंटों के माध्यम से राजाओं पर ब्रिटिश सर्वोपरिता पूर्णतः नियंत्रण बनाए रखता था।

42. (B) 1, 3, 2
औपनिवेशिक काल के दौरान ब्रिटिश राजनीतिक अधिकारियों का अधिकार क्रम न्यूनतम से उच्चतम पदानुक्रम में व्यवस्थित है। सबसे निचले स्तर पर विशिष्ट रियासत में तैनात 'पॉलिटिकल एजेंट' (1) होता था। उसके ऊपर संपूर्ण राजपूताना क्षेत्र का प्रभारी 'एजेंट टू द गवर्नर-जनरल' यानी एजीजी (3) होता था, और सर्वोच्च शिखर पर संपूर्ण ब्रिटिश भारत का 'वायसराय' या गवर्नर-जनरल (2) स्थित होता था।

43. (B) महदराज सभा
मेवाड़ (उदयपुर) के महाराणा सज्जन सिंह ने 1877 में राज्य में प्रशासनिक सुधारों और त्वरित न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से एक सर्वोच्च न्यायिक एवं प्रशासनिक परिषद के रूप में 'महदराज सभा' की स्थापना की थी। यह सभा मेवाड़ राज्य की सर्वोच्च अपील अदालत के रूप में कार्य करती थी, जो दीवानी तथा आपराधिक विवादों में अंतिम निर्णय देने के लिए अधिकृत थी।

44. (B) नाबालिग, असमर्थ या ऋणग्रस्त जागीरदारों की भूमि की देखरेख करने के लिए
ब्रिटिश प्रभाव के तहत राजस्थान की विभिन्न रियासतों में 'कोर्ट ऑफ वार्ड्स' की स्थापना की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य उन जागीरदारों की संपत्तियों और भूमि का प्रत्यक्ष प्रबंधन करना

NODIA

था जो नाबालिग थे, मानसिक या शारीरिक रूप से असमर्थ थे, अथवा अत्यधिक कर्ज में डूबे हुए थे। इसके जरिए राज्य उनकी जागीरों का कुशल प्रशासन सुनिश्चित करके राजस्व नुकसान को रोकता था।

45. (A) भूमि पैमाइश और मिट्टी की गुणवत्ता के आधार पर नकद राजस्व निर्धारित करना
राजस्थान में 19वीं शताब्दी के अंत और 20वीं शताब्दी की शुरुआत में लागू किए गए वैज्ञानिक 'राजस्व बंदोबस्त' का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक अनिश्चित राजस्व मांगों के स्थान पर व्यवस्थित भूमि सर्वेक्षण और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता के आधार पर निश्चित नकद भू-राजस्व निर्धारित करना था। इससे राजस्व संग्रह प्रक्रिया में पारदर्शिता आई तथा किसानों और राज्य दोनों के लिए निश्चितता संभव हुई।

46. (A) I और II
रियासतों में आधुनिक बंदोबस्त प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य किसानों पर मनमाने तथा अनिश्चित करों के बोझ को कम करना था। इसके तहत किसानों को 'पट्टा' प्रदान किया गया, जिससे उन्हें आधिकारिक भूमि अधिकार और निश्चित कर देनदारी मिली। बंदोबस्त ने नकद भुगतान को पूरी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया, बल्कि नकद में कर संग्रह को बढ़ावा दिया, जिससे तीसरा कथन असत्य सिद्ध होता है।

47. (D) चाकरी
मध्यकालीन राजस्थान की जागीरदारी प्रथा में जागीरदार द्वारा अपने शासक के प्रति अदा की जाने वाली अनिवार्य सैन्य एवं व्यक्तिगत सेवा को 'चाकरी' कहा जाता था। प्रत्येक जागीरदार को अपनी जागीर की श्रेणी और आय के अनुसार वर्ष में एक निश्चित अवधि के लिए अपनी सैन्य टुकड़ी के साथ शासक की सेवा में दरबार या सीमा क्षेत्र में उपस्थित रहना पड़ता था।

48. (C) नज़राना और सैन्य कर्तव्यों की गणना के लिए किसी जागीर का अनुमानित वार्षिक राजस्व
राजस्थान में जागीरदारी व्यवस्था के अंतर्गत 'रेख' किसी जागीर की अनुमानित वार्षिक आय या अभिलेखीय राजस्व को निरूपित करती थी। राज्य प्रशासन द्वारा 'रेख' के आधार पर ही जागीरदार पर नज़राना, उत्तराधिकार शुल्क (तलवार बंधाई) तथा युद्ध या शांतिकाल में राजा को प्रदान की जाने वाली सैन्य टुकड़ियों (सैनिकों और घोड़ों) की संख्या नियमित रूप से निर्धारित की जाती थी।

49. (B) अपनी जागीर के लिए स्वतंत्र शाही सिक्का ढालना
जागीरदारी प्रणाली में जागीरदार को अपनी जागीर के लिए स्वतंत्र सिक्के ढालने का अधिकार कभी नहीं था, क्योंकि सिक्का ढालना केवल राज्य के सर्वोच्च शासक का विशेषाधिकार था। जागीरदार के मान्य कर्तव्यों में नया उत्तराधिकार प्राप्त होने पर तलवार बंधाई शुल्क देना, विशेष अवसरों पर राजदरबार में भाग लेना और युद्धकाल में शासक को सैन्य टुकड़ियाँ प्रदान करना पूर्णतः शामिल था।

50. (D) ऐसे घुड़सवार सैनिक जो अपने स्वयं के घोड़े, सुरक्षात्मक कवच और हथियार लाते थे
मध्यकालीन राजपूत सैन्य व्यवस्था में 'सिलहदार' उन विशिष्ट घुड़सवार सैनिकों को कहा जाता था जो युद्ध में सेवा देने के लिए अपने स्वयं के घोड़े, व्यक्तिगत हथियार और सुरक्षात्मक कवच लाते थे। राज्य या जागीरदार उन्हें उनकी व्यक्तिगत सैन्य तैयारियों और घुड़सवारी कौशलों के बदले में उच्च वेतन या रखरखाव भत्ता प्रदान करते थे। वे एक स्वतंत्र पेशेवर योद्धा वर्ग थे।

51. (A) घुड़सवार सैनिक
रियासतों और मुग़ल काल की सैन्य शब्दावली में 'सवार' शब्द विशेष रूप से घुड़सवार सैनिक को संदर्भित करता था। किसी भी मध्यकालीन राजपूत राज्य की सैन्य क्षमता में घुड़सवार सेना सबसे महत्वपूर्ण घटक होती थी। सवारों की संख्या के आधार पर ही किसी मनसबदार या जागीरदार की सैन्य ताकत, प्रशासनिक दर्जा और राज्य द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता निर्धारित की जाती थी।

52. (C) P-3, Q-4, R-1, S-2
राजस्थान की पारम्परिक भू-राजस्व श्रेणियों में खालसा भूमि का अर्थ सीधे राज्य कोष के नियंत्रण वाली भूमि था, जबकि मुआफी भूमि नियमित राज्य करों से मुक्त भूमि को दर्शाती थी। सासन भूमि विद्वानों, ब्राह्मणों और चारणों को दी जाने वाली धर्मार्थ अनुदान भूमि थी, तथा भोम भूमि उन स्थानीय वीरों को प्रदान की जाती थी जो सुरक्षा या चौकीदारी सेवाएँ प्रदान करते थे।

53. (A) डोली (डोहली)
राजस्थान की रियासतों में मंदिरों, मठों तथा धार्मिक स्थलों के रखरखाव, पूजा-पाठ और साधुओं के भोजन हेतु दी जाने वाली भूमि को 'डोली' या 'डोहली' कहा जाता था। यह भूमि पूरी तरह से राज्य के करों से मुक्त होती थी और इसका उपयोग केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था। डोली भूमि को किसी भी परिस्थिति में छीना या बेचा नहीं जा सकता था।

54. (D) नियमित राज्य कृषि भू-राजस्व का भुगतान करने से पूरी तरह से मुक्त भूमि
राजस्थान की रियासतों में 'मुआफी' भूमि का तात्पर्य उस विशेष भूमि से था जो नियमित राज्य कृषि भू-राजस्व देने से पूरी तरह से मुक्त रखी जाती थी। शासक द्वारा यह मुआफी अनुदान विशिष्ट धार्मिक संस्थाओं, चारणों, ब्राह्मणों, सैनिकों अथवा राज्य के प्रति विशेष निष्ठा दिखाने वाले व्यक्तियों को उनके महत्वपूर्ण योगदान के सम्मान में कर-मुक्त रूप से प्रदान किया जाता था।

55. (B) ब्रिटिश भारतीय व्यवस्था, जिसमें पुलिस, राजस्व और न्यायपालिका जैसे आधुनिक विभाग शामिल थे
आधुनिक राजस्थान राज्य के एकीकरण से पूर्व के दशकों में, अधिकांश राजपूताना रियासतों ने ब्रिटिश प्रशासनिक प्रणाली के प्रभाव में आकर अपने पारंपरिक मध्यकालीन ढांचे का आधुनिक पुनर्गठन कर लिया था। उन्होंने पुलिस, पृथक भू-राजस्व विभाग, आधुनिक न्यायपालिका, नागरिक सेवाएँ

Downloaded from www.pdf.tube

और लोक निर्माण विभाग जैसे आधुनिक प्रशासनिक अंगों की स्थापना की थी, जो ब्रिटिश भारतीय प्रांतीय प्रशासन के अत्यधिक समरूप थे।

56. (B) केवल II
राजस्थान में स्वतंत्र भारत में विलय से ठीक पूर्व 1947 तक जागीरदारी प्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई थी, बल्कि स्वतंत्रता के बाद भू-राजस्व कानूनों द्वारा समाप्त की गई। इसलिए पहला कथन गलत है। दूसरी ओर, रियासतों में शासन और प्रशासन का अंतिम अधिकार शासक में ही निहित रहा, जिससे उनका ढांचा अत्यधिक केंद्रीकृत बना रहा। अतः दूसरा कथन सत्य है।

57. (D) हाकिम / शिकदार
मध्यकालीन राजस्थान की प्रशासनिक संरचना में परगने की छोटी उप-इकाई या 'महल' का मुख्य प्रशासनिक प्रभारी अधिकारी आमतौर पर 'हाकिम' या 'शिकदार' कहलाता था। हाकिम उस विशिष्ट उप-इकाई में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने, स्थानीय स्तर पर राजस्व संग्रह की निगरानी करने तथा नागरिकों के प्रशासनिक विवादों को सुलझाने के लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार माना जाता था।

58. (A) तलवार बंधाई - कृषि उपकरणों के आयात पर लगाया जाने वाला कर
राजस्थान में 'तलवार बंधाई' कृषि उपकरणों पर लगाया जाने वाला कोई कर नहीं था, बल्कि यह नए जागीरदार के गद्दी संभालने पर शासक को दिया जाने वाला एक उत्तराधिकार शुल्क था। इसलिए पहला युग्म गलत है। अन्य सभी युग्म सही हैं: चंवरी लाग पुत्री के विवाह पर, सिंगोटी मवेशियों की बिक्री पर और हल बराड़ प्रति हल के उपयोग पर लिया जाने वाला उपकर था।

59. (B) स्थानीय कानून और व्यवस्था बनाए रखते हुए जिला सैन्य कमांडर के रूप में कार्य करना
राजपूत राज्यों के प्रशासनिक ढांचे में परगने या जिला स्तर पर नियुक्त 'फौजदार' की प्राथमिक भूमिका एक सैन्य कमांडर के रूप में कार्य करना था। वह अपने अधिकार क्षेत्र में आंतरिक कानून और व्यवस्था बनाए रखने, डकैतों एवं उपद्रवियों पर नियंत्रण रखने, सीमाओं की सुरक्षा करने तथा राजस्व वसूल करने वाले नागरिक अधिकारियों को आवश्यकता पड़ने पर सैन्य सहायता देने के लिए उत्तरदायी था।

60. (B) शासक द्वारा स्थापित एक सर्वोच्च राज्य सलाहकार परिषद और न्यायिक न्यायाधिकरण
जोधपुर और मेवाड़ जैसी रियासतों में स्थापित 'इजलास खास' राजा द्वारा गठित एक उच्चस्तरीय सर्वोच्च सलाहकार परिषद और अंतिम न्यायिक न्यायाधिकरण था। इस संस्था में शासक के अति-विश्वस्त सलाहकार, वरिष्ठ सामंत और कानूनी विशेषज्ञ शामिल होते थे। यह संस्था राज्य के सबसे गंभीर दीवानी, आपराधिक तथा प्रशासनिक मामलों पर पुनर्विचार करके अंतिम निर्णय या परामर्श नियमित रूप से जारी करती थी।

NODIA

61. (A) इक्ता
राजस्थान की पारंपरिक भू-राजस्व और अनुदान प्रणालियों में खालसा, जागीर तथा भोम व्यवस्था शामिल थीं, जो स्थानीय राजपूत राज्यों की प्रमुख प्रशासनिक विशेषताएँ थीं। इसके विपरीत, 'इक्ता' दिल्ली सल्तनत द्वारा विकसित एक भू-हस्तांतरण प्रणाली थी जो मूलतः राजस्थान की पारंपरिक स्थानीय भूमि अनुदान प्रणाली नहीं थी, बल्कि सल्तनत काल की प्रांतीय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक हिस्सा मानी जाती थी।

62. (A) I और II
राजपूत राज्यों में खालसा भूमि का सीधा प्रशासनिक नियंत्रण राज्य (राजा) के अधिकारियों के पास होता था और इससे एकत्र भू-राजस्व किसी मध्यस्थ के बिना सीधे केंद्रीय राजकीय खजाने में जमा किया जाता था। इस भूमि पर स्थानीय सामंतों का नियंत्रण नहीं होता था, क्योंकि यह जागीरदार क्षेत्रों से पूरी तरह पृथक थी, इसलिए पहला और दूसरा कथन बिल्कुल सत्य है।

63. (D) दरबार और सेना के लिए आपूर्ति का उत्पादन और भंडारण करने वाली शाही कार्यशालाएँ
रियासतों के दौर में 'कारखाने' वे शाही कार्यशालाएँ और भंडारगृह थे जो राजदरबार, राजपरिवार और सेना की विविध दैनिक आवश्यकताओं तथा वस्तुओं के निर्माण एवं रख-रखाव के लिए संचालित किए जाते थे। इन कारखानों में वस्त्र निर्माण, आभूषण निर्माण, हथियार निर्माण, शाही सवारियों का प्रबंधन और खाद्य सामग्री का भंडारण हमेशा सुव्यवस्थित ढंग से किया जाता था।

64. (C) कूंता
मध्यकालीन राजस्थान की भू-राजस्व व्यवस्था में खेत में खड़ी फसल को देखकर उसकी कुल संभावित उपज का केवल अनुमान लगाकर कर का निर्धारण करने वाली पारंपरिक प्रणाली को 'कूंता' कहा जाता था। राजस्व अधिकारी कटाई से पूर्व खेत में जाकर फसल के स्वास्थ्य और विस्तार के आधार पर उत्पादन का अंदाजा लगाते थे और उसी के अनुसार राज्य का हिस्सा तय करते थे।

65. (B) खालसा जागीर
मध्यकालीन राजस्थान में जागीरों के प्रमुख प्रकारों में मनसब जागीर, गुजारा जागीर और भोम जागीर शामिल थे। इसके विपरीत, 'खालसा जागीर' नाम की कोई श्रेणी नहीं होती थी, क्योंकि खालसा वह भूमि थी जो सीधे राज्य और राजा के प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण में होती थी और उसे किसी सामंत को जागीर के रूप में कभी नहीं सौंपा जाता था।

66. (D) पटवारी
ग्राम स्तर पर राजस्व प्रशासन के सबसे निचले पायदान पर 'पटवारी' कार्यरत होता था, जो भू-राजस्व संग्रह के लिए किसानों के साथ सीधा और प्रत्यक्ष संपर्क रखता था। पटवारी प्रत्येक किसान के खेत के क्षेत्रफल, फसल उत्पादन, भूमि श्रेणी और देय कर का सटीक रिकॉर्ड दर्ज करता था तथा संग्रह

प्रक्रिया में स्थानीय राजस्व तंत्र का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधार स्तंभ था।

67. (A) रियासतों ने अपनी सभी आंतरिक स्वायत्तता खो दी, और ब्रिटिश कानून सार्वभौमिक रूप से सीधे लागू किए गए।
ब्रिटिश सहायक संधियों के तहत राजपूत रियासतों ने विदेश नीति और रक्षा संबंधी अधिकार ब्रिटिश क्राउन को सौंप दिए थे, लेकिन अधिकांश रियासतों ने अपनी आंतरिक स्वायत्तता और पारंपरिक प्रशासनिक व्यवस्था को बनाए रखा था। ब्रिटिश कानून रियासतों में सार्वभौमिक या सीधे लागू नहीं किए गए थे, जिसके कारण यह कथन गलत है। अन्य सभी कथन ऐतिहासिक रूप से पूरी तरह सही हैं।

68. (C) किसी सामंत द्वारा शासक को भेंट की जाने वाली एक औपचारिक नज़राना, औपचारिक उपहार या उत्तराधिकार शुल्क राजपूत राजदरबारों में 'पेशकश' या 'नज़राना' एक औपचारिक वित्तीय भेंट, उपहार या शुल्क को निरूपित करता था जो किसी जागीरदार अथवा सामंत द्वारा विशेष अवसरों पर शासक को प्रस्तुत किया जाता था। यह नज़राना उत्तराधिकार मिलने पर, राजा के जन्मोत्सव, विजय अभियानों या औपचारिक शाही दरबार के अवसरों पर शासक के प्रति निष्ठा एवं सम्मान प्रकट करने के लिए दिया जाता था।

69. (A) महकमा खास
एकीकरण से पूर्व राजस्थान की कई रियासतों (जैसे जयपुर और जोधपुर) में स्थापित सर्वोच्च केंद्रीय कार्यकारी प्रशासनिक विभाग या प्रधान सचिवालय को 'महकमा खास' के नाम से जाना जाता था। महकमा खास राजा या मुख्य प्रशासनिक मंत्री के नियंत्रण में कार्य करता था और राज्य के सभी दीवानी, राजस्व, पुलिस तथा न्यायिक विभागों के कार्यों का समन्वय एवं पर्यवेक्षण करता था।

70. (D) मेवाड़ (उदयपुर)
मेवाड़ (उदयपुर) रियासत की सामंती व्यवस्था में अभिजात वर्ग के सामंतों को उनकी वरिष्ठता और सम्मान के आधार पर श्रेणियों में विभाजित किया गया था, जिनमें 'सोला' (प्रथम श्रेणी के 16 मुख्य उमराव) और 'बत्तीस' (द्वितीय श्रेणी के 32 उमराव) अत्यधिक प्रसिद्ध थे। इन सामंतों को मेवाड़ के महाराणा के दरबार में विशेष विशेषाधिकार, उच्च दर्जा और वृहद प्रशासनिक अधिकार प्राप्त थे।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 04
सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयाम

1. 1822 में राजपूताना की वह प्रथम रियासत कौन-सी थी जिसने सती प्रथा को प्रतिबंधित किया था?
(A) जयपुर
(B) बूंदी
(C) मेवाड़
(D) जोधपुर

2. 1929 का 'शारदा अधिनियम' मुख्य रूप से किस सामाजिक कुरीति के उन्मूलन से संबंधित है?
(A) बाल विवाह
(B) सती प्रथा
(C) कन्या वध
(D) बंधुआ श्रम

3. राजस्थान के पारंपरिक सामंती समाज में, 'सागड़ी' प्रथा निम्नलिखित में से किसे संदर्भित करती थी?
(A) पुत्री के विवाह पर लगने वाला कर
(B) राजवंश की महिलाओं द्वारा सामूहिक आत्मदाह की प्रथा
(C) ऋण के बदले बंधुआ श्रम का एक रूप
(D) एक पारंपरिक सामुदायिक विवाद निवारण तंत्र

4. निम्नलिखित में से कौन-सी रियासत 1832 में कन्या वध प्रथा को अवैध घोषित करने वाली प्रथम रियासत थी?
(A) बीकानेर
(B) उदयपुर
(C) अलवर
(D) कोटा

5. 'त्याग' प्रथा, जिसने विवाह के दौरान परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ डाला और अप्रत्यक्ष रूप से कन्या वध को बढ़ावा दिया, ऐतिहासिक राजस्थान में किस समुदाय में सर्वाधिक प्रचलित थी?
(A) ब्राह्मण
(B) बनिया
(C) राजपूत
(D) भील

6. गोविंद गुरु ने आदिवासी जनसंख्या के सामाजिक और नैतिक उत्थान के लिए 'संप सभा' की स्थापना की थी। संप सभा की स्थापना किस वर्ष हुई थी?
(A) 1883
(B) 1899
(C) 1905
(D) 1913

7. ऐतिहासिक मानगढ़ पहाड़ी नरसंहार, जो सामाजिक सुधार हेतु बुलाई गई एक शांतिपूर्ण सभा के दौरान हुआ था, किस वर्ष हुआ था?
(A) 1908
(B) 1911
(C) 1913
(D) 1919

8. प्रमुख समाज सुधारक और किसान नेता विजय सिंह पथिक का मूल नाम क्या था?
(A) भूप सिंह
(B) रामनारायण
(C) मोती सिंह
(D) हरिभाऊ

9. स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1883 में राजस्थान के किस स्थान पर 'परोपकारिणी सभा' की स्थापना की थी?
(A) अजमेर
(B) जयपुर
(C) उदयपुर
(D) जोधपुर

10. गोविंद गुरु और भगत आंदोलन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. उन्होंने 1883 में संप सभा की स्थापना की।
II. वे स्वामी दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं से अत्यधिक प्रभावित थे।
III. उन्होंने जरायम पेशा अधिनियम का विरोध करने के लिए मीना जनजाति के बीच एकी आंदोलन का नेतृत्व किया।
दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

11. ग्रामीण राजस्थान की पारंपरिक जाति-आधारित सामाजिक न्याय प्रणाली में, जाति पंचायत के प्रमुख को सामान्यतः किस उपाधि से संबोधित किया जाता था?
(A) ठाकुर
(B) जागीरदार

NODIA

(C) दीवान
(D) पटेल

12. 1875 में अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना मुख्य रूप से समाज के किस वर्ग की शिक्षा हेतु की गई थी?
(A) जनजाति समुदायों के बच्चे
(B) राजकुमार और अभिजात वर्ग के पुत्र
(C) कृषक और किसान वर्ग
(D) रुढ़िवादी उच्च जातियों की महिलाएं

13. राजस्थान में महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किस प्रसिद्ध समाज सुधारक और शिक्षाविद् ने प्रसिद्ध वनस्थली विद्यापीठ की स्थापना की थी?
(A) हरबिलास शारदा
(B) जमनालाल बजाज
(C) हीरालाल शास्त्री
(D) हरिभाऊ उपाध्याय

14. राजस्थान में जातिगत भेदभाव का विरोध करने और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए जाने जाने वाले निम्नलिखित संतों में से असंगत विकल्प चुनिए:
(A) रामदेवजी
(B) दादू दयाल
(C) जांभोजी
(D) राव जोधा

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): 19वीं शताब्दी के राजस्थान में राजपूत शासक वर्गों के बीच कन्या वध एक प्रचलित सामाजिक कुरीति थी।
कारण (R): 'त्याग' प्रथा और दहेज द्वारा थोपे गए भारी आर्थिक बोझ के कारण बेटियों का विवाह करना अत्यधिक कठिन हो गया था।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

16. 1853 में, मुख्य रूप से महिलाओं के विरुद्ध निर्देशित एक हिंसक अंधविश्वास, 'डाकण' प्रथा (डायन प्रथा) को सबसे पहले किस रियासत में प्रतिबंधित किया गया था?
(A) जयपुर
(B) मेवाड़
(C) बीकानेर
(D) जैसलमेर

17. 1889 में स्थापित 'वॉल्टरकृत राजपूत हितकारिणी सभा' की स्थापना मुख्य रूप से किन दो सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु की गई थी?
(A) सती प्रथा और कन्या वध
(B) बाल विवाह और त्याग प्रथा
(C) अस्पृश्यता और बंधुआ श्रम
(D) पर्दा प्रथा और डाकण प्रथा

18. ऐतिहासिक राजस्थान में 'पर्दा' प्रथा के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए:
(A) कृषक महिलाएं इसका उतनी ही सख्ती से पालन करती थीं जितनी कि राजवंश की महिलाएं।
(B) राजवंश और सामंती राजपूत महिलाओं द्वारा इसका कड़ाई से पालन किया जाता था।
(C) इसने आधुनिक शिक्षा तक महिलाओं की पहुँच को गंभीर रूप से सीमित कर दिया।
(D) 20वीं सदी में समाज सुधारकों ने इसके खिलाफ अभियान चलाया।

NODIA

19. मोतीलाल तेजावत ने भीलों के बीच सामाजिक और राजनीतिक जागृति लाने के लिए 'एकी आंदोलन' शुरू किया। यह आंदोलन किस स्थान से प्रारंभ हुआ था?
(A) मानगढ़
(B) ऋषभदेव
(C) मातृकुंडिया
(D) सलूंबर

20. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: (समाज सुधारक/नेता)
P. गोविंद गुरु
Q. स्वामी दयानंद सरस्वती
R. विजय सिंह पथिक
S. हीरालाल शास्त्री
सूची II: (संबंधित संगठन/आंदोलन)
1. राजस्थान सेवा संघ
2. संप सभा
3. वनस्थली विद्यापीठ
4. परोपकारिणी सभा
(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-4, Q-2, R-3, S-1
(C) P-2, Q-1, R-4, S-3
(D) P-1, Q-4, R-2, S-3

21. रूप कंवर घटना के पश्चात आधुनिक राजस्थान में सती प्रथा के महिमामंडन को विशेष रूप से लक्षित करने और प्रतिबंधित करने हेतु कौन-सा ऐतिहासिक अधिनियम बनाया गया था?
(A) राजस्थान महिला संरक्षण अधिनियम, 1992
(B) राजस्थान अंधविश्वास विरोधी अधिनियम, 1985
(C) राजस्थान सती (निवारण) अधिनियम, 1987
(D) राजस्थान सती उन्मूलन विधेयक, 1999

22. राजस्थान में वह पारंपरिक प्रथा जिसके तहत किसी की मृत्यु के अवसर पर भोज (मृत्युभोज) आयोजित किया जाता है, जिसके कारण ग्रामीण निर्धनों पर भारी ऋण हो जाता था, उसे किस नाम से जाना जाता है?
(A) चंवरी
(B) मौसर
(C) नाता
(D) सागड़ी

23. बिजोलिया ठिकाने में लगाए गए 'चंवरी' कर का सर्वोपयुक्त वर्णन निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(A) नए भवन बनाने पर लगाया जाने वाला कर
(B) कृषि भूमि की उपज पर लगाया जाने वाला कर
(C) जातीय बैठकें आयोजित करने के लिए लगाया जाने वाला कर
(D) पुत्री के विवाह पर लगाया जाने वाला कर

24. किस सुधारवादी संत ने विश्नोई पंथ की स्थापना की, जिसमें सभी जीवों के प्रति दया और हरे वृक्षों की रक्षा सहित 29 नियम निर्धारित किए गए?
(A) जांभोजी
(B) जसनाथजी
(C) दादू दयाल
(D) रामदेवजी

25. राजस्थान में सामाजिक सुधार से संबंधित निम्नलिखित ऐतिहासिक घटनाओं के सही कालानुक्रमिक क्रम का चयन कीजिए:
(A) बूंदी में सती प्रथा पर प्रतिबंध → मेयो कॉलेज की स्थापना → संप सभा का गठन → मानगढ़ पहाड़ी नरसंहार
(B) मेयो कॉलेज की स्थापना → संप सभा का गठन → बूंदी में सती प्रथा पर प्रतिबंध → मानगढ़ पहाड़ी नरसंहार
(C) बूंदी में सती प्रथा पर प्रतिबंध → संप सभा का गठन → मेयो कॉलेज की स्थापना → मानगढ़ पहाड़ी नरसंहार
(D) संप सभा का गठन → बूंदी में सती प्रथा पर प्रतिबंध → मानगढ़ पहाड़ी नरसंहार → मेयो कॉलेज की स्थापना

26. ब्रिटिश उपनिवेशवाद और रूढ़िवादी अनुपालन के खिलाफ राजस्थान के शासकों को जगाने के उद्देश्य से प्रसिद्ध साहित्यिक कृति 'चेतावनी रा चूंगट्या' की रचना किसने की थी?
(A) केसरी सिंह बारहठ
(B) महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण
(C) बांकीदास आसिया
(D) कन्हैयालाल सेठिया

27. राजस्थान में महिला शिक्षा के ऐतिहासिक विकास के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए:
(A) मेयो कॉलेज विशेष रूप से महिलाओं की उच्च शिक्षा के लिए समर्पित पहला संस्थान था।
(B) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने राजस्थान में महिला शिक्षा को कड़ाई से प्रतिबंधित किया था।
(C) वनस्थली विद्यापीठ की स्थापना 1857 की क्रांति से पहले हुई थी।
(D) राजपूताना में पहला राज्य-संचालित कन्या विद्यालय 1866 में जयपुर में खोला गया था।

28. राजस्थान सेवा संघ की मूल स्थापना 1919 में निम्नलिखित में से किस स्थान पर हुई थी?
(A) अजमेर
(B) वर्धा
(C) जयपुर
(D) उदयपुर

29. राजस्थान के सामंती समाज में, 'गोला', 'दरोगा' या 'चाकर' प्रथा किसे संदर्भित करती थी?
(A) राजवंश के शासकों के वंशानुगत अंगरक्षक
(B) स्वतंत्र भूमि-स्वामी किसान
(C) राजघरानों में घरेलू दास
(D) कृषि वस्तुओं का व्यापार करने वाले व्यापारी

30. किस समाज सुधारक ने महिलाओं में शिक्षा और राजनीतिक जागृति को बढ़ावा देने के लिए भीलवाड़ा में 'महिला आश्रम' की स्थापना की थी?
(A) रमा देवी
(B) रतन शास्त्री
(C) अंजना देवी चौधरी
(D) नारायणी देवी वर्मा

31. 1933 में 'मीना क्षत्रिय महासभा' का गठन मुख्य रूप से किस उद्देश्य से किया गया था?
(A) जरायम पेशा अधिनियम का विरोध करने के लिए
(B) स्थानीय ब्रिटिश सैन्य बलों का समर्थन करने के लिए
(C) मीना जनजाति के लिए एक अलग राज्य की मांग करने के लिए
(D) आदिवासी महिलाओं के बीच सख्त सामाजिक नियम लागू करने के लिए

32. आर्य समाज आंदोलन के किस प्रमुख नेता का 1883 में अजमेर में निधन हुआ था?
(A) स्वामी विवेकानंद
(B) स्वामी दयानंद
(C) राजा राम मोहन राय
(D) हरबिलास शारदा

33. भारत के अन्य भागों की तुलना में ऐतिहासिक राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन-सी सामाजिक कुरीति पारंपरिक रूप से व्यापक नहीं थी?
(A) सती प्रथा
(B) देवदासी प्रथा
(C) बाल विवाह
(D) कन्या वध

Downloaded from www.pdf.tube

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

34. गोविंद गुरु के नेतृत्व में चलाए गए 'भगत आंदोलन' का मुख्य सामाजिक उद्देश्य क्या था?
(A) आदिवासियों को मदिरा, मांस और अंधविश्वासों का त्याग करने के लिए प्रेरित करना।
(B) ब्रिटिश नौकरियों में भीलों के लिए अलग प्रशासनिक आरक्षण की मांग करना।
(C) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ एक सशस्त्र विद्रोह का आयोजन करना।
(D) आदिवासी क्षेत्रों के भीतर पारंपरिक सामंती प्रथाओं को सख्ती से लागू करना।

35. वॉल्टरकृत राजपूताना हितकारिणी सभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसकी स्थापना 1889 में अजमेर में हुई थी।
II. इसका मुख्य उद्देश्य 'त्याग' प्रथा को रोकना और विवाह व्यय को नियंत्रित करना था।
III. इसने एक वर्ष के भीतर राजपूतों के बीच जाति व्यवस्था को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया।
दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

36. मोतीलाल तेजावत ने आदिवासियों की सामाजिक और राजनीतिक शिकायतों को संबोधित करते हुए एक 21-सूत्रीय मांग पत्र तैयार किया था। इस दस्तावेज़ को किस नाम से जाना जाता था?
(A) भील पुकार
(B) राजस्थान पत्रिका
(C) संप संदेश
(D) मेवाड़ पुकार

37. 1929 के बाल विवाह निरोधक अधिनियम को पारित कराने में अजमेर के किस समाज सुधारक की महत्वपूर्ण भूमिका थी?
(A) हरिभाऊ उपाध्याय
(B) जमनालाल बजाज
(C) हरबिलास शारदा
(D) अर्जुन लाल सेठी

38. औपनिवेशिक काल के दौरान भीलों और मीनाओं के बीच आदिवासी विद्रोहों का प्राथमिक कारण क्या था?
(A) ब्रिटिश प्रशासनिक नियंत्रण और अंग्रेजी शिक्षा का विस्तार
(B) आदिवासी रीति-रिवाजों और वन अधिकारों में ब्रिटिश हस्तक्षेप
(C) स्थानीय सामंतों द्वारा प्रत्यक्ष जबरन धर्म परिवर्तन
(D) आदिवासी सरदारों द्वारा एक अलग लोकतांत्रिक विधानसभा की मांग

39. राजस्थान में पारंपरिक जाति-आधारित पंचायतों पर उपनिवेशवाद के प्रभाव के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए:
(A) ब्रिटिश न्यायिक नीतियों ने जाति पंचायतों को सर्वोच्च कानूनी अधिकार प्रदान किया।
(B) जाति पंचायतों को औपचारिक रूप से आधुनिक नगर निगमों में परिवर्तित कर दिया गया था।
(C) ब्रिटिश प्रशासन ने कानूनी रूप से सभी स्थानीय जाति पंचायतों को समाप्त कर दिया था।
(D) नई ब्रिटिश अदालतों और विधि संहिताओं के कारण उनके प्राधिकार में गिरावट आई।

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): भगत आंदोलन ने भील समुदाय को मदिरा और मांस का सेवन बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया।
कारण (R): गोविंद गुरु भीलों में नैतिक शुद्धिकरण और सामाजिक उत्थान लाकर उन्हें मुख्यधारा के सुधारवादी समाज में एकीकृत करना चाहते थे।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

41. राजस्थान के किस प्रमुख समाज सुधारक ने सामाजिक मुद्दों को उजागर करने और महिला जागृति को बढ़ावा देने के लिए 'त्याग भूमि' नामक समाचार पत्र प्रकाशित किया था?
(A) रामनारायण चौधरी
(B) विजय सिंह पथिक
(C) हरिभाऊ उपाध्याय
(D) जयनारायण व्यास

42. पूर्व-आधुनिक राजस्थान की पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में, इस्लामिक प्राथमिक शिक्षा सामान्यतः किस नाम से जाने जाने वाली संस्थाओं में दी जाती थी?
(A) मकतब
(B) पाठशालाएं
(C) चौकियां
(D) विद्यापीठ

43. धार्मिक सुधार आंदोलनों के प्रभाव में, स्वामीनारायण संप्रदाय ने मुख्य रूप से अपने अनुयायियों में निम्नलिखित में से किस सामाजिक मूल्य को बढ़ावा दिया?
(A) दमनकारी विदेशी शासन के खिलाफ संगठित सशस्त्र प्रतिरोध
(B) पारंपरिक जाति पदानुक्रमों का सख्त और कठोर प्रवर्तन
(C) मंदिरों में अनुष्ठानिक पशु बलि का व्यापक प्रचलन
(D) अहिंसा, शाकाहार और नैतिक पवित्रता

NODIA

44. उदयपुर में 1877 में विवाह व्यय को नियंत्रित करने और राजपूतों में बहुविवाह की समस्या का समाधान करने के लिए 'देश हितेषिणी सभा' की स्थापना किसने की थी?
(A) महाराणा स्वरूप सिंह
(B) महाराणा सज्जन सिंह
(C) महाराणा फतेह सिंह
(D) महाराणा भूपाल सिंह

45. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: (सामाजिक कुरीति)
P. सती प्रथा
Q. कन्या वध
R. डाकण प्रथा (डायन प्रथा)
S. बाल विवाह (शारदा अधिनियम से पूर्व)
सूची II: (रियासत जिसने इसे सबसे पहले प्रतिबंधित किया)
1. कोटा (1832)
2. जोधपुर (1885)
3. मेवाड़ (1853)
4. बूंदी (1822)
(A) P-4, Q-1, R-3, S-2
(B) P-1, Q-4, R-2, S-3
(C) P-4, Q-3, R-1, S-2
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

46. राजस्थान में आदिवासी समाज सुधार के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन I: मीना जनजाति पर 1924 का सख्त 'जरायम पेशा अधिनियम' लागू किया गया था।
कथन II: मुनि मगन सागर ने सामाजिक सुधार को बढ़ावा देने और दमनकारी कानूनों का विरोध करने के लिए 1944 में मीना समाज का एक विशाल सम्मेलन आयोजित किया था।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

47. राज्य में बंधुआ श्रम की प्रथा को औपचारिक रूप से समाप्त करने के लिए 1961 में राजस्थान सरकार द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सा अधिनियम पारित किया गया था?
(A) राजस्थान सागड़ी प्रथा उन्मूलन अधिनियम
(B) राजस्थान सती निवारण अधिनियम
(C) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम
(D) राजस्थान कृषि ऋण राहत अधिनियम

48. राजस्थान में स्वामी दयानंद सरस्वती के प्रभाव के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए:
(A) उन्होंने उदयपुर में अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' के भागों की रचना की।
(B) उन्होंने मूर्ति पूजा और कठोर जाति पदानुक्रम का समर्थन किया।
(C) उन्होंने महिला शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा दिया।
(D) उनकी शिक्षाओं ने राजस्थान के समाज सुधारकों को गहराई से प्रभावित किया।

49. स्थापना के समय उनके प्राथमिक लक्षित वर्ग के संदर्भ में निम्नलिखित शैक्षणिक संस्थानों की सूची में से असंगत विकल्प चुनिए:
(A) वनस्थली विद्यापीठ
(B) मेयो कॉलेज
(C) सावित्री बालिका विद्यालय
(D) महिला आश्रम, भीलवाड़ा

50. राजस्थान के निम्नलिखित सामाजिक सुधार संगठनों को उनकी स्थापना के कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. वॉल्टरकृत राजपूताना हितकारिणी सभा
2. देश हितेषिणी सभा
3. राजस्थान सेवा संघ
4. परोपकारिणी सभा
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही कालानुक्रमिक क्रम को दर्शाता है?
(A) 2, 4, 1, 3
(B) 4, 2, 1, 3
(C) 2, 1, 4, 3
(D) 1, 2, 4, 3

51. 1840 के दशक में जयपुर के शासक सवाई राम सिंह द्वितीय को सती प्रथा, कन्या वध और बच्चों के क्रय-विक्रय को प्रतिबंधित करने की सलाह किस ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट ने दी थी?
(A) कर्नल टॉड
(B) ए.जी.जी. जॉर्ज लॉरेंस
(C) जॉन लुडलो
(D) सर थॉमस रो

52. वंचित समुदायों के उत्थान के लिए स्थापित 'हरिजन सेवक संघ' की राजपूताना शाखा के अध्यक्ष कौन-से प्रमुख नेता थे?
(A) मोतीलाल तेजावत
(B) गोविंद गुरु
(C) स्वामी केशवानंद
(D) हरिभाऊ उपाध्याय

53. राजस्थान के सामंती समाज में महिलाओं के पारंपरिक संपत्ति अधिकारों का सबसे उत्तम वर्णन निम्नलिखित में से कौन-सा करता है?
(A) महिलाओं को पैतृक भूमि के उत्तराधिकार का पूर्ण और समान अधिकार प्राप्त था।
(B) केवल सबसे बड़ी बेटी ही सामंती जागीर का उत्तराधिकार प्राप्त कर सकती थी।
(C) महिलाओं के पास प्रत्यक्ष भूमि उत्तराधिकार के अधिकारों का अभाव था।

Click Here to Buy book on Amazon

(D) विधवाओं को व्यक्तिगत वस्तुओं के स्वामित्व से कानूनी रूप से प्रतिबंधित किया गया था।

54. राजस्थान में समाज सुधारक और उनके प्रमुख योगदान के सही युग्म की पहचान कीजिए:
(A) हीरालाल शास्त्री - एकी आंदोलन का नेतृत्व
(B) हरबिलास शारदा - बाल विवाह रोकथाम
(C) गोविंद गुरु - अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना
(D) नारायणी देवी वर्मा - संप सभा की स्थापना

55. राजस्थान में महिला शिक्षा की दिशा में शुरुआती प्रयासों के संदर्भ में, 1914 में 'सावित्री बालिका विद्यालय' की स्थापना किस नगर में की गई थी?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) बीकानेर
(D) अजमेर

56. प्रसिद्ध संत दादू दयाल को राजस्थान के सामाजिक इतिहास में किसलिए याद किया जाता है?
(A) अस्पृश्यता और रूढ़िवादिता का विरोध करने के लिए
(B) मुगलों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व करने के लिए
(C) सती प्रथा को बढ़ावा देने के लिए
(D) अपने अनुयायियों के बीच पर्दा प्रथा लागू करने के लिए

57. ऐतिहासिक राजस्थान में सती प्रथा के बारे में असत्य कथन की पहचान कीजिए:
(A) इसमें एक विधवा का अपने पति की चिता पर स्वयं को भस्म करना शामिल था।
(B) इसे सामंती राजपूत समाज में अत्यधिक भक्ति और सम्मान का प्रतीक माना जाता था।
(C) 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश अधिकारियों ने इस प्रथा का पुरजोर समर्थन और संवर्धन किया।
(D) आधुनिक कानूनों ने न केवल सती प्रथा पर, बल्कि इसके महिमामंडन पर भी कड़ाई से रोक लगा दी है।

58. 'निरंकारी' सुधार आंदोलन, जिसने राजस्थान सहित उत्तर भारत के कुछ हिस्सों को प्रभावित किया, मुख्य रूप से किस पर केंद्रित था?
(A) निराकार ईश्वर की उपासना और कर्मकांडों का त्याग।
(B) आदिवासी अनुष्ठानों में मदिरा सेवन को बढ़ावा देना।
(C) पारंपरिक सामंती जागीरदारी व्यवस्था को पुनर्स्थापित करना।
(D) बाल विवाह को जारी रखने का समर्थन करना।

59. 'जरायम पेशा अधिनियम' ने पूर्वी राजस्थान के किस विशिष्ट समुदाय की सामाजिक स्थितियों को अत्यधिक प्रभावित किया?
(A) राजपूत
(B) ब्राह्मण
(C) बनिया
(D) मीना

60. राजस्थान सेवा संघ के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसकी स्थापना 1919 में वर्धा में हुई थी।
II. विजय सिंह पथिक, रामनारायण चौधरी और हरि भाई किंकर इसके प्रमुख संस्थापक थे।
III. इसका उद्देश्य राजनीतिक जागृति पैदा करना और सामंती शोषण का विरोध करना था।
दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

61. सुरजी भगत एक प्रमुख समाज सुधारक थे जो निम्नलिखित में से किस आदिवासी सुधार आंदोलन से निकटता से जुड़े थे?
(A) एकी आंदोलन
(B) मीना सुधार आंदोलन
(C) भगत आंदोलन
(D) बिजोलिया आंदोलन

62. राजस्थान के किस धनी व्यापारी और परोपकारी ने समाज सुधार के लिए विभिन्न संस्थानों को वित्तपोषित किया और महात्मा गांधी के करीबी सहयोगी थे, जिन्हें उनके 'पांचवें पुत्र' की उपाधि मिली थी?
(A) घनश्याम दास बिड़ला
(B) सेठ गोविंद दास
(C) चांदमल सुराणा
(D) जमनालाल बजाज

63. कामड़िया पंथ के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन I: कामड़िया पंथ की स्थापना संत रामदेवजी ने की थी।
कथन II: कामड़िया पंथ ने निचली जातियों के अनुयायियों को शामिल करके अस्पृश्यता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

64. उस सामाजिक सुधार की पहचान कीजिए जिसके लिए राजस्थान में आर्य समाज द्वारा सक्रिय रूप से अभियान नहीं चलाया गया था:
(A) विधवा पुनर्विवाह
(B) मंदिरों में मूर्ति पूजा को बढ़ावा देना
(C) अस्पृश्यता का उन्मूलन
(D) आधुनिक और वैदिक शिक्षा का प्रसार

NODIA

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): 19वीं शताब्दी में राजस्थान में भील विद्रोह पूरी तरह से राजनीतिक थे और उनका कोई सामाजिक आयाम नहीं था।
कारण (R): ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों और सामंतों ने आदिवासियों के पारंपरिक सामाजिक रीति-रिवाजों और वन अधिकारों में हस्तक्षेप किया।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

66. पूर्व-आधुनिक काल के दौरान, आक्रमणकारी शत्रु सेना द्वारा बंदी बनाए जाने और अपमान से बचने के लिए राजवंश की महिलाओं के सामूहिक बलिदान से कौन-सी प्रथा निकटता से जुड़ी थी?
(A) जौहर
(B) सती
(C) डाकण
(D) मौसर

67. राजस्थान सेवा संघ को 1920 में वर्धा से स्थानांतरित करके राजस्थान के किस नगर में लाया गया, जो किसान और सामाजिक आंदोलनों का केंद्र बन गया?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) अजमेर
(D) बीकानेर

68. राजस्थान में भील जनजाति के उत्थान के लिए अपने कार्यों के लिए मुख्य रूप से जाने जाने वाले निम्नलिखित सुधारकों में से असंगत विकल्प चुनिए:
(A) संत गोविंद गुरु
(B) मोतीलाल तेजावत
(C) सुरजी भगत
(D) मुनि मगन सागर

69. 19वीं शताब्दी के राजस्थान में ऋण चुकाने या भीषण अकाल के समय मनुष्यों, विशेषकर बालिकाओं को बेचने से संबंधित कौन-सी पारंपरिक प्रथा थी?
(A) कन्या वध
(B) चंवरी
(C) कन्या विक्रय
(D) नुकता

70. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:

सूची I: (नेता)
P. गोविंद गुरु
Q. मोतीलाल तेजावत
R. मुनि मगन सागर
S. हरबिलास शारदा

सूची II: (संबंधित सामाजिक कार्य/आंदोलन)
1. एकी आंदोलन
2. बाल विवाह का उन्मूलन
3. मीना सुधार आंदोलन
4. भगत आंदोलन

(A) P-4, Q-1, R-3, S-2
(B) P-1, Q-4, R-2, S-3
(C) P-4, Q-3, R-1, S-2
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) बूंदी
राजस्थान में सामाजिक सुधार आंदोलनों के अंतर्गत सती प्रथा का उन्मूलन अत्यंत महत्वपूर्ण था। वर्ष 1822 में बूंदी रियासत ने राजपूताना में सर्वप्रथम सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया। इस निर्णय ने महिलाओं के जीवन तथा अधिकारों की रक्षा के लिए एक सशक्त आधारशिला रखी। तत्पश्चात राजपूताना की अन्य रियासतों ने भी इस सामाजिक कुरीति को समाप्त करने हेतु कानून बनाए तथा चेतना का प्रसार किया।

2. (A) बाल विवाह
भारत में बाल विवाह की सामाजिक समस्या को समाप्त करने के उद्देश्य से वर्ष 1929 में शारदा अधिनियम पारित किया गया था। इस विधेयक का प्रारूप तैयार करने में हरबिलास शारदा की मुख्य भूमिका थी। इस कानून ने विवाह के लिए लड़कों तथा लड़कियों की न्यूनतम आयु निश्चित की। इसने कम उम्र के विवाहों पर रोक लगाकर बाल अधिकारों तथा महिला शिक्षा को प्रोत्साहन दिया।

3. (C) ऋण के बदले बंधुआ श्रम का एक रुप
राजस्थान की पारंपरिक सामंती व्यवस्था में सागड़ी प्रथा ऋण चुकाने के बदले बंधुआ मजदूरी करने की एक शोषक प्रणाली थी। इसके अंतर्गत निर्धन व्यक्ति द्वारा लिए गए ऋण के एवज में उसे या उसके परिवार को महाजन के यहाँ बिना किसी पारिश्रमिक के शारीरिक श्रम करना पड़ता था। यह व्यवस्था निर्धनता को बढ़ाती थी, जिसे स्वतंत्रता के पश्चात राज्य सरकार द्वारा कानून बनाकर पूर्णतः समाप्त कर दिया गया।

4. (D) कोटा
राजपूताना के इतिहास में बालिकाओं के संरक्षण हेतु कोटा रियासत की पहल महत्वपूर्ण थी। वर्ष 1832 में कोटा रियासत ने सर्वप्रथम कन्या वध प्रथा को अवैध घोषित किया था। समाज में अत्यधिक विवाह व्यय के कारण बालिकाओं की हत्या करने जैसी अमानवीय प्रवृत्ति फैली हुई थी। कोटा के इस कानूनी कदम ने अन्य रियासतों को भी इस कुरीति पर प्रतिबंध लगाने तथा सामाजिक सुधार अपनाने हेतु प्रेरित किया।

5. (C) राजपूत
त्याग प्रथा ऐतिहासिक राजस्थान में राजपूत समुदाय में प्रचलित एक सामाजिक कुरीति थी। पुत्री के विवाह पर चारण तथा भाट समुदाय को अनिवार्य रुप से भारी दान-दक्षिणा देनी पड़ती थी। इस प्रथा से विवाह पर अत्यधिक आर्थिक बोझ पड़ता था, जिसने परिवारों को कमजोर बनाया और अप्रत्यक्ष रूप से कन्या वध को बढ़ावा दिया। बाद में संस्थाओं ने इसे सीमित करने के प्रयास किए।

6. (A) 1883
राजस्थान के दक्षिणी भाग में स्थित आदिवासी समुदायों, विशेषकर भील तथा गरासिया समाज के सामाजिक और नैतिक उत्थान के लिए गोविंद गुरु ने वर्ष 1883 में संप सभा की स्थापना की थी। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य आदिवासियों के बीच आपसी भ्रातृत्व, एकता, मद्यपान-निषेध तथा कुरुतियों के त्याग को बढ़ावा देना था। संप सभा ने आदिवासियों में चेतना जगाने तथा उन्हें संगठित करने में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक योगदान दिया।

7. (C) 1913
मानगढ़ पहाड़ी का ऐतिहासिक नरसंहार वर्ष 1913 में हुआ था, जिसे राजस्थान का जलियांवाला बाग हत्याकांड भी कहा जाता है। बांसवाड़ा जिले में मानगढ़ पहाड़ी पर गोविंद गुरु के नेतृत्व में एकत्रित हजारों शांतिपूर्ण आदिवासी सभा कर रहे थे। ब्रिटिश सेना तथा रियासती पुलिस ने पहाड़ी को घेरा और अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसमें सैकड़ों निर्दोष आदिवासी शहीद हो गए। यह घटना आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम तथा चेतना का प्रतीक है।

8. (A) भूप सिंह
बिजोलिया किसान आंदोलन के महान नेता विजय सिंह पथिक का वास्तविक नाम भूप सिंह गुर्जर था। वे मूल रुप से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के निवासी थे। राजस्थान में क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने के पश्चात उन्होंने अपना नाम बदलकर विजय सिंह पथिक रख लिया था। उन्होंने कृषकों को संगठित करके सामंती शोषण के विरुद्ध सशक्त आंदोलन का सफल संचालन किया तथा राजस्थान सेवा संघ में योगदान दिया।

9. (C) उदयपुर
स्वामी दयानंद सरस्वती ने वर्ष 1883 में उदयपुर में परोपकारिणी सभा की स्थापना की थी। इस संस्था की स्थापना का मुख्य उद्देश्य वैदिक विचारों का प्रचार-प्रसार करना, धार्मिक साहित्य का मुद्रण एवं प्रकाशन करना तथा अनाथों एवं असहायों की सहायता करना था। मेवाड़ के महाराणा सज्जन सिंह को इस सभा का प्रथम अध्यक्ष मनोनीत किया गया था। इस संस्था ने राजस्थान में आर्य समाज को व्यापक रूप दिया।

10. (A) केवल I और II
गोविंद गुरु ने वर्ष 1883 में आदिवासी समाज में संगठन और सुधार के लिए संप सभा की स्थापना की थी। वे स्वामी दयानंद सरस्वती के सामाजिक सुधारवादी विचारों से अत्यधिक प्रभावित थे तथा उन्होंने आदिवासियों को मद्यपान त्यागने और सदाचारी जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। मीना जनजाति के

NODIA

बीच एकी आंदोलन का नेतृत्व मोतीलाल तेजावत द्वारा किया गया था, न कि गोविंद गुरु द्वारा, अतः तीसरा कथन असत्य है।

11. (D) पटेल
ग्रामीण राजस्थान की पारंपरिक जाति-आधारित सामाजिक न्याय व्यवस्था में जाति पंचायत के मुखिया या प्रधान को पटेल कहा जाता था। जाति पंचायतें ग्रामीण समाज में सामाजिक विवादों का निपटारा करने, पारंपरिक नियमों का पालन कराने तथा जातिगत अनुशासन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थीं। पटेल का निर्णय सर्वमान्य होता था तथा वे सामाजिक रीति-रिवाजों और व्यवस्था का संचालन करने हेतु उत्तरदायी माने जाते थे।

12. (B) राजकुमार और अभिजात वर्ग के पुत्र
अजमेर में वर्ष 1875 में स्थापित मेयो कॉलेज मुख्य रूप से राजपूताना की रियासतों के राजकुमारों और अभिजात वर्ग के पुत्रों की शिक्षा के लिए गठित किया गया था। इस शैक्षणिक संस्थान का मुख्य उद्देश्य रियासती शासकों के भावी उत्तराधिकारियों को पाश्चात्य शिक्षा, आधुनिक प्रशासनिक ज्ञान तथा अनुशासन प्रदान करना था ताकि वे ब्रिटिश साम्राज्य के प्रति निष्ठावान रहकर अपने राज्यों का शासन कुशलतापूर्वक चला सकें।

13. (C) हीरालाल शास्त्री
राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री तथा प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी हीरालाल शास्त्री ने टोंक जिले के निवाई में वनस्थली विद्यापीठ की स्थापना की थी। उन्होंने अपनी दिवंगत पुत्री शांताबाई की स्मृति में वर्ष 1935 में शांताबाई शिक्षा कुटीर के रूप में इसकी शुरुआत की, जो बाद में वनस्थली विद्यापीठ बनी। इस संस्थान ने राजस्थान में महिला शिक्षा, स्वावलंबन तथा सामाजिक सुधार के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया है।

14. (D) राव जोधा
राजस्थान के लोक संतों जैसे रामदेवजी, दादू दयाल तथा जांभोजी ने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव, छुआछूत तथा आडंबरों का कड़ा विरोध किया और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इसके विपरीत, राव जोधा जोधपुर रियासत के राठौड़ वंश के एक महान शासक थे जिन्होंने 1459 में जोधपुर नगर की स्थापना की थी। वे एक महान योद्धा तथा शासक थे, न कि धार्मिक अथवा सामाजिक सुधार आंदोलन चलाने वाले लोक संत।

15. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
19वीं शताब्दी के राजस्थान में राजपूत शासक वर्गों के बीच कन्या वध एक गंभीर सामाजिक समस्या थी। इसका प्रमुख कारण विवाह के अवसर पर दिए जाने वाले त्याग तथा अत्यधिक दहेज के कारण उत्पन्न आर्थिक बोझ था। इस भारी आर्थिक दबाव से बचने के लिए नवजात बालिकाओं को मार दिया जाता था, अतः कारण अभिकथन की पूर्णतः सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

16. (B) मेवाड़
राजस्थान में महिलाओं के विरुद्ध एक अमानवीय अंधविश्वास डाकण प्रथा के रूप में प्रचलित था, जिसमें असहाय महिलाओं को डाकण बताकर प्रताड़ित या मार दिया जाता था। वर्ष 1853 में मेवाड़ रियासत में महाराणा स्वरूप सिंह के शासनकाल में जे.सी. ब्रुक के प्रयासों से इस कुरीति को सर्वप्रथम गैर-कानूनी घोषित कर इस पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके बाद राजपूताना की अन्य रियासतों ने भी इसके उन्मूलन हेतु कदम उठाए।

17. (B) बाल विवाह और त्याग प्रथा
अजमेर में वर्ष 1889 में कर्नल वॉल्टर के प्रयासों से वॉल्टरकृत राजपूत हितकारिणी सभा का गठन किया गया था। इस सभा का मुख्य उद्देश्य राजपूत समाज में व्याप्त बाल विवाह की प्रथा पर रोक लगाना तथा विवाह समारोहों के दौरान माँगे जाने वाले त्याग व्यय को नियंत्रित एवं सीमित करना था। इस संस्था ने राजपूत वर्ग में होने वाले अत्यधिक फिजूलखर्ची को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण सुधारात्मक भूमिका निभाई थी।

18. (A) कृषक महिलाएं इसका उतनी ही सख्ती से पालन करती थीं जितनी कि राजवंश की महिलाएं।
पर्दा प्रथा का प्रचलन ऐतिहासिक राजस्थान में मुख्य रूप से राजघरानों तथा सामंती राजपूत परिवारों की उच्च वर्ग की महिलाओं तक ही सीमित था। कृषक तथा श्रमिक वर्ग की महिलाएं खेतों एवं दैनिक आजीविका के कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न रहती थीं, जिसके कारण उनके लिए पर्दे के कड़े नियमों का पालन करना संभव नहीं था। अतः कृषक महिलाओं द्वारा इसका सख्ती से पालन करने वाला विचार असत्य है।

19. (C) मातृकुंडिया
प्रसिद्ध समाज सुधारक मोतीलाल तेजावत ने चित्तौड़गढ़ जिले के राशमी तहसील स्थित मातृकुंडिया नामक स्थान से वर्ष 1921 में एकी आंदोलन का शुभारंभ किया था। मातृकुंडिया को राजस्थान का हरिद्वार भी कहा जाता है। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य भील तथा गरासिया आदिवासियों को सामंती शोषक नीतियों, बेगार प्रथा तथा अत्यधिक करों के विरुद्ध संगठित करना तथा उनमें सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना का अलख जगाना था।

20. (A) P-2, Q-4, R-1, S-3
गोविंद गुरु ने आदिवासियों में सुधार हेतु 1883 में संप सभा की स्थापना की थी। स्वामी दयानंद सरस्वती ने धार्मिक तथा सामाजिक विचारों के प्रसार के लिए 1883 में परोपकारिणी सभा का गठन उदयपुर में किया। विजय सिंह पथिक ने 1919 में वर्धा में राजस्थान सेवा संघ की स्थापना की। इसके अतिरिक्त, हीरालाल शास्त्री ने महिला शिक्षा को समर्पित वनस्थली विद्यापीठ की नींव रखी थी।

21. (C) राजस्थान सती (निवारण) अधिनियम, 1987
वर्ष 1987 में सीकर जिले के देवराला गाँव में रूप कंवर सती कांड की हृदयविदारक घटना हुई थी। इस घटना के व्यापक विरोध के पश्चात राज्य सरकार ने सती प्रथा को पूर्णतः समाप्त

Click Here to Buy book on Flipkart

करने तथा इसके किसी भी प्रकार के महिमामंडन, प्रचार अथवा पूजन को दंडनीय अपराध घोषित करने हेतु राजस्थान सती (निवारण) अधिनियम, 1987 लागू किया। इस कानून के तहत सती प्रथा को बढ़ावा देना गैर-जमानती अपराध बनाया।

22. (B) मौसर
ग्रामीण राजस्थान में किसी व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात आयोजित किए जाने वाले पारंपरिक सार्वजनिक भोज को मौसर या नुकता कहा जाता है। सामाजिक दबाव तथा रीति-रिवाजों के कारण निर्धन एवं सामान्य ग्रामीण परिवारों को इस मृत्युभोज के आयोजन हेतु भारी कर्ज लेना पड़ता था, जिससे वे ऋण के जाल में फँस जाते थे। सामाजिक कार्यकर्ताओं के विरोध के उपरांत सरकार ने इसे नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए।

23. (D) पुत्री के विवाह पर लगाया जाने वाला कर
बिजोलिया ठिकाने के जागीरदार राव कृष्ण सिंह ने 1903 में किसानों पर चंवरी कर लागू किया था। इसके तहत किसानों को अपनी पुत्री के विवाह पर ठिकाने को 5 रुपये का शुल्क देना पड़ता था। किसानों ने इस अनुचित कर का जोरदार विरोध किया तथा अपनी बेटियों के विवाह रोक दिए, जिसके परिणामस्वरूप अंततः जागीरदार को यह शोषक कर वापस लेना पड़ा था।

24. (A) जांभोजी
पर्यावरण संरक्षण तथा समाज सुधार के अग्रणी संत जांभोजी ने 1485 ईस्वी में समराथल धोरा में विश्नोई संप्रदाय की स्थापना की थी। उन्होंने अपने अनुयायियों के लिए 29 नियमों की आचार संहिता निर्धारित की, जिसमें जीवों पर दया करना, हरे वृक्षों (विशेषकर खेजड़ी) को न काटना, नशामुक्त रहना तथा शुद्ध सात्विक जीवन जीना अनिवार्य बनाया गया था। उनके उपदेश आज भी पर्यावरण संरक्षण के मुख्य आधार स्तंभ माने जाते हैं।

25. (A) बूंदी में सती प्रथा पर प्रतिबंध → मेयो कॉलेज की स्थापना → संप सभा का गठन → मानगढ़ पहाड़ी नरसंहार
बूंदी रियासत ने सती प्रथा पर वर्ष 1822 में प्रतिबंध लगाया था। इसके पश्चात अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना वर्ष 1875 में राजकुमारों की शिक्षा हेतु हुई। गोविंद गुरु ने आदिवासियों को संगठित करने के लिए वर्ष 1883 में संप सभा का गठन किया था। तत्पश्चात वर्ष 1913 में बांसवाड़ा की मानगढ़ पहाड़ी पर दुखद नरसंहार की घटना घटित हुई थी। अतः यह सही कालानुक्रमिक क्रम है।

26. (A) केसरी सिंह बारहठ
राजस्थान के महान स्वतंत्रता सेनानी केसरी सिंह बारहठ ने डिंगल भाषा में 13 सोरठों की रचना चेतावनी रा चूंगट्या की थी। वर्ष 1903 में जब मेवाड़ के महाराणा फतेह सिंह दिल्ली दरबार में भाग लेने जा रहे थे, तब इस रचना के माध्यम से उनके स्वाभिमान को प्रेरित किया गया। इसे पढ़कर महाराणा का आत्मसम्मान जाग उठा और वे दिल्ली दरबार में उपस्थित हुए बिना ही लौट आए।

27. (D) राजपूताना में पहला राज्य-संचालित कन्या विद्यालय 1866 में जयपुर में खोला गया था।
राजस्थान में महिला शिक्षा के प्रसार हेतु 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में संस्थागत प्रयास प्रारंभ हुए थे। वर्ष 1866 में जयपुर के शासक महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय के शासनकाल में राजपूताना का पहला राज्य-संचालित कन्या विद्यालय स्थापित किया गया था। इस विद्यालय की स्थापना ने तत्कालीन रूढ़िवादी सामाजिक परिवेश में बालिका शिक्षा की शुरुआत करने तथा महिलाओं के सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

28. (B) वर्धा
राजस्थान सेवा संघ की स्थापना वर्ष 1919 में महाराष्ट्र के वर्धा नामक स्थान पर विजय सिंह पथिक, रामनारायण चौधरी तथा हरिभाई किंकर के प्रयासों से की गई थी। इस संस्था की स्थापना का मुख्य उद्देश्य रियासती प्रजा में राजनीतिक चेतना उत्पन्न करना, किसानों तथा श्रमिकों को सामंती शोषण से मुक्ति दिलाना एवं जन समस्याओं का निवारण करना था। बाद में 1920 में इसका मुख्यालय अजमेर स्थानांतरित किया गया।

29. (C) राजघरानों में घरेलू दास
पूर्व-आधुनिक राजस्थान की सामंती व्यवस्था में गोला, दरोगा या चाकर प्रथा राजघरानों तथा जागीरदारों के प्रासादों में कार्य करने वाले वंशानुगत घरेलू दासों को संदर्भित करती थी। राजपूत राजकुमारियों के विवाह में दहेज के रूप में इन घरेलू दासों तथा दासियों को साथ भेजने की परंपरा थी, जिसे डावरिया प्रथा भी कहा जाता था। ये वर्ग सामंती स्वामियों की सेवा करने के लिए बाध्य थे।

30. (D) नारायणी देवी वर्मा
प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी माणिक्य लाल वर्मा की धर्मपत्नी नारायणी देवी वर्मा ने वर्ष 1944 में भीलवाड़ा में महिला आश्रम की स्थापना की थी। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य महिलाओं तथा बालिकाओं में शिक्षा का प्रसार करना, उनमें राजनीतिक चेतना का विकास करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। इस आश्रम ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महिलाओं को संगठित करने तथा सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने में अत्यंत सराहनीय योगदान दिया।

31. (A) जरायम पेशा अधिनियम का विरोध करने के लिए
ब्रिटिश सरकार द्वारा 1924 में लागू किए गए आपराधिक जनजाति अधिनियम (जरायम पेशा अधिनियम) के तहत मीना समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को दैनिक रूप से स्थानीय थाने में उपस्थिति देना अनिवार्य था। इस दमनकारी कानून का विरोध करने तथा अपने समुदाय के अधिकारों की रक्षा करने हेतु वर्ष 1933 में मीना क्षत्रिय महासभा का गठन किया गया, जिसने इस कानून को समाप्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

32. (B) स्वामी दयानंद
आर्य समाज के संस्थापक तथा महान समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती का निधन 30 अक्टूबर 1883 को अजमेर में हुआ था। जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह द्वितीय के दरबार

Downloaded from www.pdf.tube

में प्रवास के दौरान उन्हें विष दे दिया गया था, जिसके पश्चात इलाज हेतु उन्हें अजमेर लाया गया जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली। अजमेर में स्वामी दयानंद सरस्वती की स्मृति में ऋषि उद्यान तथा परोपकारिणी सभा का केंद्र स्थापित है।

33. (B) देवदासी प्रथा
दक्षिण एवं मध्य भारत के मंदिरों में प्रचलित देवदासी प्रथा की तुलना में राजस्थान के ऐतिहासिक समाज में यह कुरीति व्यापक रूप से कभी नहीं फैली। इसके विपरीत, राजस्थान के सामंती एवं ग्रामीण समाज में सती प्रथा, बाल विवाह, कन्या वध तथा पर्दा प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयाँ गहराई से जड़ जमा चुकी थीं, जिन्हें दूर करने के लिए 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में विभिन्न सुधारवादी आंदोलन चलाए गए।

34. (A) आदिवासियों को मदिरा, मांस और अंधविश्वासों का त्याग करने के लिए प्रेरित करना।
गोविंद गुरु द्वारा दक्षिणी राजस्थान के भील समुदाय में चलाया गया भगत आंदोलन मुख्य रूप से एक धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन था। इस आंदोलन का प्राथमिक उद्देश्य आदिवासी लोगों में नैतिक शुद्धता लाना, उन्हें शराब, मांसाहार, चोरी तथा अंधविश्वासों का त्याग करने के लिए प्रेरित करना एवं उन्हें ईश्वर भक्ति तथा सदाचारी जीवनशैली की ओर अग्रसर करना था। इसने आदिवासियों के सामाजिक दर्जा में व्यापक सुधार किया।

35. (B) केवल I और II
वॉल्टरकृत राजपूताना हितकारिणी सभा का गठन फरवरी 1889 में अजमेर में कर्नल वॉल्टर के प्रयासों से हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य राजपूतों में खर्चीली त्याग प्रथा को नियंत्रित करना तथा बाल विवाह पर रोक लगाना था। यद्यपि इसने विवाह सुधारों के लिए नियम बनाए, परंतु इसने राजपूतों में जाति व्यवस्था को समाप्त नहीं किया, अतः पहला और दूसरा कथन सही है जबकि तीसरा कथन असत्य है।

36. (D) मेवाड़ पुकार
मोतीलाल तेजावत ने मेवाड़ रियासत में आदिवासियों पर होने वाले शोषक करों, बेगार प्रथा तथा सामंती अत्याचारों के विरोध में 21 मांगों वाला एक ऐतिहासिक मांग पत्र तैयार किया था, जिसे मेवाड़ पुकार कहा जाता है। उन्होंने इस मांग पत्र को मेवाड़ के महाराणा फतेह सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया था। इसमें से अधिकांश मांगों को स्वीकार कर लिया गया था, जिससे आदिवासियों को प्रशासनिक शोषण से राहत मिली।

37. (C) हरबिलास शारदा
अजमेर के प्रसिद्ध शिक्षाविद् तथा समाज सुधारक हरबिलास शारदा ने भारत में बाल विवाह उन्मूलन हेतु ऐतिहासिक योगदान दिया था। उनके व्यक्तिगत प्रयासों से केंद्रीय विधानसभा द्वारा वर्ष 1929 में बाल विवाह निरोधक अधिनियम पारित किया गया, जिसे लोकप्रिय रूप से शारदा अधिनियम के नाम से जाना जाता है। इस कानून ने संपूर्ण देश में लड़कों तथा लड़कियों के विवाह के लिए न्यूनतम आयु सीमा का निर्धारण किया था।

38. (B) आदिवासी रीति-रिवाजों और वन अधिकारों में ब्रिटिश हस्तक्षेप
औपनिवेशिक काल के दौरान राजस्थान के भील तथा मीना समुदायों द्वारा किए गए असंतोष एवं विद्रोहों का मुख्य कारण ब्रिटिश प्रशासन द्वारा उनके पारंपरिक अधिकारों पर नियंत्रण लगाना था। अंग्रेजों ने वन उपज पर आदिवासियों के अधिकारों को छीन लिया, चुंगी तथा सीमा शुल्क लागू किए और उनकी पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था में हस्तक्षेप किया। इन प्रशासनिक परिवर्तनों ने आदिवासियों की आजीविका को संकट में डाला, जिससे विद्रोह हुए।

39. (D) नई ब्रिटिश अदालतों और विधि संहिताओं के कारण उनके प्राधिकार में गिरावट आई।
औपनिवेशिक शासन की स्थापना के साथ ही राजस्थान में ब्रिटिश कानून प्रणाली, दीवानी एवं फौजदारी अदालतें तथा पुलिस व्यवस्था लागू की गई। इसके परिणामस्वरूप, पारंपरिक जाति पंचायतों का अधिकार क्षेत्र और प्रभाव धीरे-धीरे कम होता गया। ग्रामीण विवादों को सुलझाने के लिए लोग आधुनिक ब्रिटिश अदालतों की ओर रुख करने लगे, जिससे जाति पंचायतों की न्यायिक शक्ति तथा सामाजिक प्राधिकार में गिरावट आई।

40. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
गोविंद गुरु के नेतृत्व में भगत आंदोलन ने भील समाज में व्यापक सुधारों की नीव रखी थी। उन्होंने भीलों को मद्यपान, मांसाहार तथा अन्य कुरीतियों को छोड़ने का आह्वान किया। गोविंद गुरु का मूल उद्देश्य भील समुदाय का नैतिक शुद्धिकरण करना तथा उन्हें सामाजिक रूप से सबल बनाकर मुख्यधारा में एककृत करना था। अतः अभिकथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

41. (C) हरिभाऊ उपाध्याय
प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा गांधीवादी विचारक हरिभाऊ उपाध्याय ने अजमेर के हटुंडी से त्याग भूमि नामक समाचार पत्र का सम्पादन एवं प्रकाशन किया था। इस समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने सामाजिक कुरीतियों जैसे बाल विवाह, पर्दा प्रथा तथा अस्पृश्यता के विरुद्ध जनचेतना जगाई और महिलाओं में शिक्षा तथा स्वावलंबन का संदेश प्रसारित किया। उन्होंने हटुंडी में महिला गांधी आश्रम की स्थापना भी की थी।

42. (A) मकतब
पूर्व-आधुनिक राजस्थान में इस्लामिक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने वाले धार्मिक एवं शैक्षणिक केंद्रों को मकतब कहा जाता था। ये मकतब प्रायः मस्जिदों से संलग्न होते थे जहाँ छोटे बच्चों को अरबी, फ़ारसी तथा प्राथमिक धार्मिक ग्रंथों का पठन-पाठन कराया जाता था। इसके विपरीत, उच्च इस्लामिक शिक्षा हेतु मदरसा नामक संस्थाएं कार्य करती थीं, जबकि हिंदू बालकों हेतु पारंपरिक पाठशालाएं तथा चटशालाएं संचालित होती थीं।

NODIA

43. (D) अहिंसा, शाकाहार और नैतिक पवित्रता
स्वामीनारायण संप्रदाय ने राजस्थान तथा पश्चिमी भारत में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया। इस संप्रदाय के उपदेशों का मुख्य बल अहिंसा का पालन करने, मद्यपान तथा मांसाहार का पूर्ण त्याग करने, जीवों के प्रति दया भाव रखने तथा चरित्रिक एवं नैतिक पवित्रता को अपनाने पर था। इसने आडंबरपूर्ण पशु बलि प्रथा का कड़ा विरोध किया तथा जनसाधारण में सदाचार का प्रसार किया।

44. (B) महाराणा सज्जन सिंह
मेवाड़ के महाराणा सज्जन सिंह ने 2 जुलाई 1877 को उदयपुर में देश हितेषिणी सभा का गठन किया था। इस सभा की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राजपूत समाज में विवाह से जुड़े अनुचित एवं अत्यधिक खर्चों को नियंत्रित करना, बहुविवाह की प्रथा को सीमित करना तथा त्यागी भाटों के अनुचित दबाव को समाप्त करना था। इस संस्था ने सामाजिक कुरीतियों के निवारण में अत्यंत महत्वपूर्ण प्रारंभिक प्रयास किए थे।

45. (A) P-4, Q-1, R-3, S-2
राजस्थान में बूंदी रियासत ने वर्ष 1822 में सर्वप्रथम सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाया। कोटा रियासत ने वर्ष 1832 में कन्या वध को गैर-कानूनी घोषित किया। मेवाड़ रियासत ने वर्ष 1853 में डाकण प्रथा पर कड़ा प्रतिबंध आरोपित किया। इसके अतिरिक्त, जोधपुर रियासत ने शारदा अधिनियम से पूर्व वर्ष 1885 में बाल विवाह रोकने के लिए कानून पारित किया था, अतः विकल्प पहला सुमेलित है।

46. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
ब्रिटिश सरकार द्वारा 1924 में मीना समुदाय पर दमनकारी जरायम पेशा अधिनियम लागू किया गया था, जिसके अंतर्गत प्रतिदिन स्थानीय थानों में हाजिरी देना अनिवार्य था। इस अन्यायपूर्ण कानून तथा सामाजिक कुरुतियों का विरोध करने के उद्देश्य से जैन मुनि मगन सागर की अध्यक्षता में वर्ष 1944 में नीम का थाना में मीना सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसने सामाजिक जागृति तथा कानून निरसन में मुख्य भूमिका निभाई।

47. (A) राजस्थान सागड़ी प्रथा उन्मूलन अधिनियम
राजस्थान में स्वतंत्रता के पश्चात भी ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण के बदले बंधुआ मजदूरी कराने की सागड़ी प्रथा विद्यमान थी। इस अमानवीय प्रथा तथा बंधुआ श्रम व्यवस्था का अंत करने के उद्देश्य से राजस्थान विधान सभा द्वारा वर्ष 1961 में राजस्थान सागड़ी प्रथा उन्मूलन अधिनियम पारित किया गया। इस अधिनियम ने सागड़ी प्रथा को कानूनन दंडनीय अपराध बनाया तथा शोषित बंधुआ मजदूरों को सामाजिक एवं कानूनी मुक्ति दिलाई।

48. (B) उन्होंने मूर्ति पूजा और कठोर जाति पदानुक्रम का समर्थन किया।
आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती ने अपनी प्रसिद्ध कृति सत्यार्थ प्रकाश के कुछ अंशों की रचना उदयपुर में की थी। वे मूर्ति पूजा, व्यर्थ कर्मकांडों तथा जन्म आधारित कठोर जाति व्यवस्था के घोर विरोधी थे, न कि समर्थक। उन्होंने वेदों की ओर लौटो का नारा दिया तथा महिला शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह एवं सामाजिक समानता का पुरजोर समर्थन किया, जिससे राजस्थान में व्यापक सुधार आंदोलन प्रेरित हुए।

49. (B) मेयो कॉलेज
वनस्थली विद्यापीठ, सावित्री बालिका विद्यालय तथा महिला आश्रम भीलवाड़ा की स्थापना प्राथमिक रूप से महिला शिक्षा, बालिका कल्याण तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से की गई थी। इसके विपरीत, अजमेर स्थित मेयो कॉलेज की स्थापना वर्ष 1875 में मुख्य रूप से राजपूताना की रियासतों के राजकुमारों तथा सामंती अभिजात वर्ग के बालकों को पाश्चात्य शिक्षा प्रदान करने हेतु की गई थी, अतः यह असंगत विकल्प है।

50. (A) 2, 4, 1, 3
देश हितेषिणी सभा की स्थापना वर्ष 1877 में उदयपुर में महाराणा सज्जन सिंह द्वारा की गई थी। परोपकारिणी सभा का गठन वर्ष 1883 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने किया था। वॉल्टरकृत राजपूताना हितकारिणी सभा की स्थापना 1889 में अजमेर में हुई। तत्पश्चात वर्ष 1919 में विजय सिंह पथिक द्वारा राजस्थान सेवा संघ का गठन वर्धा में किया गया, अतः सही कालानुक्रमिक क्रम 2, 4, 1, 3 है।

51. (C) जॉन लुडलो
जयपुर के पॉलिटिकल एजेंट मेजर जॉन लुडलो ने 1840 के दशक में जयपुर राज्य के अल्पवयस्क शासक सवाई राम सिंह द्वितीय के शासनकाल में महत्वपूर्ण सामाजिक सुधारों को प्रेरित किया था। उनके सुझावों एवं प्रयासों से जयपुर रियासत में सती प्रथा, कन्या वध तथा मानव क्रय-विक्रय जैसी कुरीतियों को अवैध घोषित कर प्रतिबंधित कर दिया गया था। जॉन लुडलो का यह प्रयास राजपूताना में मानवाधिकार संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण था।

52. (D) हरिभाऊ उपाध्याय
महात्मा गांधी द्वारा स्थापित हरिजन सेवक संघ की राजपूताना प्रांतीय शाखा का अध्यक्ष प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा गांधीवादी नेता हरिभाऊ उपाध्याय को बनाया गया था। उन्होंने राजस्थान के शोषित तथा वंचित वर्गों के उत्थान, अस्पृश्यता निवारण, दलित बालकों हेतु विद्यालयों के संचालन तथा सामाजिक समरसता की स्थापना हेतु जीवनपर्यंत कार्य किया। उनके प्रयासों से राज्य में अस्पृश्यता विरोधी आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन मिला था।

53. (C) महिलाओं के पास प्रत्यक्ष भूमि उत्तराधिकार के अधिकारों का अभाव था।
पूर्व-आधुनिक राजस्थान के सामंती समाज में महिलाओं को पैतृक कृषि भूमि या जागीर पर उत्तराधिकार के प्रत्यक्ष अधिकार प्राप्त नहीं थे। संपत्ति का उत्तराधिकार पुरुष वंशानुक्रम के अनुसार ही चलता था। यद्यपि महिलाओं को विवाह के समय स्त्रीधन के रूप में गहने तथा वस्त्र आदि उपहार में मिलते थे, परंतु अचल संपत्ति पर उनका मालीकाना हक कानूनी रूप

Click Here to Buy book on Amazon

से स्वीकार्य नहीं था, जिससे उनकी आर्थिक निर्भरता बनी रहती थी।

54. (B) हरबिलास शारदा - बाल विवाह रोकथाम
अजमेर के समाज सुधारक हरबिलास शारदा का नाम मुख्य रूप से बाल विवाह की रोकथाम से जुड़ा है। उनके प्रयासों से 1929 में केंद्रीय विधानसभा द्वारा बाल विवाह निरोधक अधिनियम पारित हुआ था। अन्य विकल्पों में हीरालाल शास्त्री ने वनस्थली विद्यापीठ, गोविंद गुरु ने संप सभा तथा नारायणी देवी वर्मा ने महिला आश्रम की स्थापना की थी, अतः केवल दूसरा युग्म सही सुमेलित है।

55. (D) अजमेर
राजस्थान में महिला शिक्षा के प्रारंभिक विकास के अंतर्गत वर्ष 1914 में अजमेर नगर में सावित्री बालिका विद्यालय की स्थापना की गई थी। इस शैक्षणिक संस्थान की स्थापना में शिक्षाविद प्रकाशवती भार्गव का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। इस विद्यालय ने अजमेर तथा आसपास के क्षेत्रों की बालिकाओं को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने, उनमें सामाजिक जागृति लाने तथा महिलाओं के सामाजिक उत्थान हेतु महत्वपूर्ण ऐतिहासिक नींव निर्मित की थी।

56. (A) अस्पृश्यता और रूढ़िवादिता का विरोध करने के लिए
निर्गुण भक्ति धारा के महान संत दादू दयाल ने 16वीं शताब्दी में राजस्थान में दादू पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिगत उच्च-नीच, अस्पृश्यता, धार्मिक आडंबरों तथा कुरुतियों का तीव्र विरोध किया। दादू दयाल ने अपनी वाणी में सभी मनुष्यों की समानता, भ्रातृत्व तथा ईश्वर के प्रति प्रेम का उपदेश दिया। उनकी शिक्षाओं ने राजस्थान के समाज को समरस बनाने में अभूतपूर्व योगदान दिया।

57. (C) 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश अधिकारियों ने इस प्रथा का पुरजोर समर्थन और संवर्धन किया।
सती प्रथा में विधवा महिला द्वारा मृतक पति की चिता पर जीवित भस्म होना शामिल था, जिसे सामंती समाज में सम्मान माना जाता था। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश अधिकारियों ने राजा राम मोहन राय तथा स्थानीय सुधारकों के प्रभाव से सती प्रथा का समर्थन न करके इसे रोकने एवं प्रतिबंधित करने की नीति अपनाई थी। अतः ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा इसका संवर्धन करने की बात पूर्णतः गलत है।

58. (A) निराकार ईश्वर की उपासना और कर्मकांडों का त्याग।
निरंकारी आंदोलन उत्तर भारत तथा राजस्थान के कुछ हिस्सों में प्रभाव रखने वाला एक महत्वपूर्ण धार्मिक सुधार आंदोलन था। इस आंदोलन का मुख्य संदेश ईश्वर के निराकार स्वरूप की उपासना करना, धर्म के नाम पर किए जाने वाले जटिल कर्मकांडों, अंधविश्वासों, पशु बलि तथा सामाजिक भेदभाव का त्याग करना था। इस आंदोलन ने अपने समर्थकों को शुद्ध, सात्विक तथा नैतिक सिद्धांतों पर आधारित जीवन जीने का उपदेश दिया था।

59. (D) मीना
वर्ष 1924 में लागू किया गया जरायम पेशा अधिनियम मुख्य रूप से पूर्वी राजस्थान के मीना समुदाय को अत्यधिक प्रभावित करने वाला एक शोषक कानून था। इस कानून के अंतर्गत मीना जनजाति के प्रत्येक वयस्क सदस्य को स्थानीय पुलिस स्टेशन में दैनिक हाजिरी देना अनिवार्य था। इस दमनकारी व्यवस्था के विरोध में व्यापक सामाजिक आंदोलन चलाया गया और अंततः इसे पूर्णतः रद्द किया गया।

60. (D) I, II और III
राजस्थान सेवा संघ की स्थापना वर्ष 1919 में वर्धा में हुई थी। इसके संस्थापकों में विजय सिंह पथिक, रामनारायण चौधरी तथा हरिभाई किंकर प्रमुख थे। इस संगठन का मुख्य लक्ष्य रियासती प्रजा में राजनीतिक चेतना का प्रसार करना, जागीरदारों तथा सामंतों के बेगार एवं शोषक करों का विरोध करना तथा कृषकों एवं श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना था, अतः दिए गए तीनों कथन पूर्णतः सत्य हैं।

61. (C) भगत आंदोलन
सुरजी भगत एक प्रमुख सामाजिक एवं आध्यात्मिक सुधारक थे जो गोविंद गुरु द्वारा संचालित भगत आंदोलन से गहराई से जुड़े हुए थे। उन्होंने दक्षिणी राजस्थान की भील तथा गरासिया जनजातियों के बीच मद्यपान-निषेध, मांसाहार का त्याग, सदाचार का पालन तथा सामाजिक कुरुतियों को दूर करने का संदेश प्रसारित किया। उन्होंने आदिवासियों को संगठित कर उनमें धार्मिक एवं नैतिक शुद्धता लाने में मुख्य भूमिका निभाई थी।

62. (D) जमनालाल बजाज
प्रसिद्ध उद्योगपति, दानवीर तथा स्वतंत्रता सेनानी जमनालाल बजाज का जन्म सीकर जिले के काशी का बास में हुआ था। वे महात्मा गांधी के अत्यंत विश्वस्त सहयोगी थे और स्वयं को गांधीजी का 'पांचवां पुत्र' मानते थे। उन्होंने राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम, खादी विकास, अस्पृश्यता निवारण तथा महिला शिक्षा जैसे सामाजिक सुधार कार्यक्रमों के वित्तीय पोषण एवं संगठन में अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया था।

NODIA

63. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
राजस्थान के महान लोक देवता रामदेवजी ने समाज में व्याप्त छुआछूत तथा जातिगत भेदभाव को मिटाने हेतु कामड़िया पंथ की स्थापना की थी। इस पंथ ने दलित एवं वंचित जातियों के लोगों को अपने संगठन में समाहित कर उन्हें समान सामाजिक स्थान प्रदान किया। रामदेवजी की इस पहल ने राजस्थान के भक्ति आंदोलन तथा ग्रामीण समाज में अस्पृश्यता निवारण एवं सामाजिक समरसता की दिशा में ऐतिहासिक योगदान दिया।

64. (B) मंदिरों में मूर्ति पूजा को बढ़ावा देना
स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा संस्थापित आर्य समाज एक बहुआयामी सुधारवादी आंदोलन था जिसने वेदों के अध्ययन, आधुनिक शिक्षा के प्रसार, विधवा पुनर्विवाह के समर्थन तथा अस्पृश्यता निवारण हेतु देश भर में कार्य किया। आर्य समाज के सिद्धांतों के अनुसार ईश्वर निराकार है, इसलिए इसने मंदिरों में

मूर्ति पूजा, कर्मकांडों तथा आडंबरों का कड़ा विरोध किया था, न कि इसे बढ़ावा दिया था।

65. (D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
19वीं शताब्दी में राजस्थान में हुए भील विद्रोह केवल विशुद्ध राजनीतिक प्रकृति के नहीं थे, बल्कि उनमें गहरा सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयामी भी निहित था, अतः अभिकथन गलत है। ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों तथा स्थानीय जागीरदारों द्वारा आदिवासियों के पारंपरिक रीति-रिवाजों, वनाधिकारों, आबकारी नीतियों तथा सामाजिक स्वायत्तता में हस्तक्षेप किया गया, जिसने भीलों में व्यापक जनअसंतोष तथा विद्रोह को जन्म दिया था।

66. (A) जौहर
पूर्व-आधुनिक मध्यकालीन राजस्थान में जौहर की प्रथा राजपूत राजवंश की महिलाओं के अद्वितीय आत्मबलिदान से संबंधित थी। युद्ध में पराजय की स्थिति निकट होने पर और शत्रु सेना द्वारा बंदी बनाए जाने तथा अपने सम्मान की रक्षा हेतु वीरांगनाएँ विशाल अग्नि कुंड प्रज्वलित कर सामूहिक रूप से आत्मदाह कर लेती थीं। जौहर की यह दुखद प्रथा क्षत्राणियों के आन, बान, शान तथा सतीत्व की रक्षा का प्रतीक थी।

67. (C) अजमेर
राजस्थान सेवा संघ की स्थापना वर्ष 1919 में वर्धा में की गई थी, परंतु 1920 में इसका प्रधान कार्यालय स्थानांतरित करके अजमेर लाया गया। अजमेर अपने केंद्रीय भौगोलिक स्थान तथा राजनीतिक गतिविधियों के कारण राजस्थान में किसान आंदोलनों, प्रजामंडल गतिविधियों तथा सामाजिक सुधार चेतना का मुख्य केंद्र बन गया था। यहाँ से राजस्थान सेवा संघ ने तरुण राजस्थान तथा नवीन राजस्थान पत्रों का प्रकाशन भी किया।

68. (D) मुनि मगन सागर
संत गोविंद गुरु, मोतीलाल तेजावत तथा सुरजी भगत मुख्य रूप से भील जनजाति के सामाजिक, धार्मिक तथा राजनीतिक उत्थान हेतु आंदोलनों का संचालन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके विपरीत, जैन मुनि मगन सागर का संबंध मुख्य रूप से जयपुर राज्य तथा आसपास के क्षेत्रों के मीना समुदाय में सामाजिक जागृति लाने तथा जरायम पेशा अधिनियम का विरोध करने से था, अतः वे भील सुधारकों से असंगत हैं।

69. (C) कन्या विक्रय
ऐतिहासिक राजस्थान में भीषण अकाल, अत्यधिक ऋणग्रस्तता अथवा निर्धनता के समय मनुष्यों, विशेष रूप से बालिकाओं तथा स्त्रियों के क्रय-विक्रय की अमानवीय प्रथा विद्यमान थी, जिसे कन्या विक्रय कहा जाता था। निर्धन परिवार अपनी आजीविका चलाने या ऋण चुकाने हेतु बालिकाओं को बेचने पर विवश हो जाते थे। 19वीं शताब्दी में विभिन्न रियासतों जैसे कोटा और जयपुर ने कानून बनाकर इस अमानवीय प्रथा पर कड़ा प्रतिबंध लगाया था।

70. (A) P-4, Q-1, R-3, S-2
गोविंद गुरु ने भील जनजाति के सुधार हेतु भगत आंदोलन चलाया। मोतीलाल तेजावत ने आदिवासियों को संगठित करने हेतु एकी आंदोलन की शुरुआत मातृकुंडिया से की। मुनि मगन सागर ने मीना समुदाय को जागरूक करने तथा जरायम पेशा कानून के विरोध हेतु मीना सुधार आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया। इसके अलावा हरबिलास शारदा ने बाल विवाह के उन्मूलन हेतु शारदा अधिनियम पारित कराने में मुख्य भूमिका निभाई।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 05
ऐतिहासिक वास्तुकला एवं हस्तशिल्प

1. रक्षात्मक उद्देश्यों से ऊँची पहाड़ियों के शिखर पर निर्मित राजस्थान के ऐतिहासिक किलों को प्राचीन भारतीय वास्तुकला ग्रंथों में पारंपरिक रूप से किस श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है?
(A) जल दुर्ग
(B) धान्वन दुर्ग
(C) वन दुर्ग
(D) गिरि दुर्ग

2. प्रसिद्ध चित्तौड़गढ़ किला निम्नलिखित में से किस भौतिक भू-आकृति पर स्थित है?
(A) भोराट का पठार
(B) उड़िया का पठार
(C) मेसा का पठार
(D) ऊपरमाल का पठार

3. मालवा और गुजरात की संयुक्त सेनाओं पर अपनी विजय के उपलक्ष्य में चित्तौड़गढ़ किले में विजय स्तंभ का निर्माण निम्नलिखित में से किस शासक ने करवाया था?
(A) महाराणा प्रताप
(B) महाराणा कुंभा
(C) महाराणा सांगा
(D) रावल रतन सिंह

4. चित्तौड़गढ़ किला परिसर में स्थित कीर्ति स्तंभ मुख्य रूप से किस जैन तीर्थंकर को समर्पित है?
(A) भगवान महावीर
(B) भगवान पार्श्वनाथ
(C) भगवान नेमिनाथ
(D) भगवान आदिनाथ

5. जैसलमेर किले के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह त्रिकूट पहाड़ी पर स्थित है।
II. यह पूरी तरह से लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है।
III. इसे व्यापक रूप से सोनार किला या स्वर्ण दुर्ग के नाम से जाना जाता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

6. कुंभलगढ़ किला अपनी किस अनूठी स्थापत्य विशेषता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है?
(A) यह पूरी तरह से मकराना से लाए गए शुद्ध सफेद संगमरमर से बना है।
(B) यह पूरी तरह से वर्षा जल से पोषित एक गहरी प्राकृतिक झील से घिरा हुआ है।
(C) यह 36 किलोमीटर लंबी निरंतर परकोटे की दीवार से घिरा हुआ है।
(D) इसमें एक स्वतंत्र लौह स्तंभ है जिस पर समय के साथ कभी जंग नहीं लगा है।

7. कुंभलगढ़ किले के उच्चतम बिंदु पर स्थित छोटा, अत्यधिक सुरक्षित आंतरिक दुर्ग (गढ़), जो महाराणा कुंभा का निवास स्थान था, किस नाम से जाना जाता है?
(A) कटारगढ़
(B) जोगी महल
(C) नवलखा महल
(D) बादल महल

8. कुंभलगढ़ किले का मुख्य वास्तुकार कौन था?
(A) लालचंद उस्ताद
(B) विद्याधर भट्टाचार्य
(C) जैता
(D) मंडन

9. अपनी जटिल काँच/दर्पण शिल्पकारी के लिए प्रसिद्ध 'शीश महल' निम्नलिखित में से किस किले में स्थित है?
(A) जैसलमेर किला
(B) आमेर किला
(C) रणथंभौर किला
(D) मेहरानगढ़ किला

10. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
अभिकथन (A): हवा महल का निर्माण 953 छोटी खिड़कियों के साथ किया गया था जिन्हें झरोखा कहा जाता है।
कारण (R): इसे इस प्रकार अभिकल्पित किया गया था ताकि राजकीय महिलाएँ सार्वजनिक रूप से दिखे बिना सड़कों पर होने वाले उत्सवों को देख सकें।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A

NODIA

की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

11. किस किले में 'जयबाण तोप' स्थित है, जिसे इसके निर्माण के समय पहियों पर रखी विश्व की सबसे बड़ी तोप माना जाता था?
(A) नाहरगढ़ किला
(B) मेहरानगढ़ किला
(C) कुंभलगढ़ किला
(D) जयगढ़ किला

12. जयगढ़ किला ऐतिहासिक रूप से निम्नलिखित में से किस विशिष्ट अभियांत्रिक प्रणाली के लिए जाना जाता है?
(A) व्यापक वर्षा जल संचयन और भूमिगत टांके (जल भण्डारण कुंड)
(B) जटिल भूमिगत भू-तापीय तापन और तापमान प्रणालियाँ
(C) पवन-संचालित अनाज पीसने और कृषि प्रसंस्करण की बड़ी संरचनाएँ
(D) यांत्रिक काष्ठ निर्मित उत्थापक सेतु और किलेबंद द्वार सुरक्षा प्रणालियाँ

13. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (छतरी/स्मारक)
P. 84 खंभों की छतरी
Q. मूसी महारानी की छतरी
R. जसवंत थड़ा
S. गेटोर की छतरियाँ
सूची II: (स्थान)
1. अलवर
2. जयपुर
3. बूंदी
4. जोधपुर
(A) P-1, Q-3, R-2, S-4
(B) P-3, Q-1, R-4, S-2
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-4, Q-1, R-3, S-2

14. मेहरानगढ़ किले का निर्माण राव जोधा द्वारा एक खड़ी चट्टानी पहाड़ी पर करवाया गया था, जिसे ऐतिहासिक रूप से किस नाम से जाना जाता है?
(A) त्रिकूट पहाड़ी
(B) चिड़िया टूंक पहाड़ी
(C) बीठली पहाड़ी
(D) गिरनार पहाड़ी

15. निम्नलिखित में से कौन-सा सुंदर संगमरमर स्मारक मेहरानगढ़ किले के पास स्थित है और इसे प्रायः "मारवाड़ का ताजमहल" कहा जाता है?
(A) जसवंत थड़ा
(B) बड़ा बाग
(C) आहड़ की छतरियाँ
(D) देवीकुंड सागर

16. राजस्थान का एक प्रमुख तीर्थ स्थल, प्रसिद्ध 'त्रिनेत्र गणेश मंदिर' किस किले के भीतर स्थित है?
(A) चित्तौड़गढ़ किला
(B) जैसलमेर किला
(C) रणथंभौर किला
(D) जयगढ़ किला

17. आमेर की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्मित नाहरगढ़ किले का मूल नाम क्या था?
(A) कांकणवाड़ी
(B) शेरगढ़
(C) माधोगढ़
(D) सुदर्शनगढ़

18. नाहरगढ़ किला सवाई माधोसिंह द्वितीय द्वारा किए गए एक विशिष्ट स्थापत्य परिवर्धन के लिए प्रसिद्ध है, जो है:
(A) 3500 ज्यामितीय सीढ़ियों के साथ निर्मित एक विशाल बावड़ी
(B) किले की छत पर निर्मित एक विस्तृत खगोलीय वेधशाला
(C) अपनी रानियों के लिए निर्मित नौ एकसमान दो-मंजिला महल
(D) एक निरंतर 15 किलोमीटर लंबी किलेबंद सुरक्षा दीवार

19. राजस्थान के इन किलों की स्थापना/निर्माण का कालानुक्रमिक क्रम (प्राचीनतम से नवीनतम) निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(A) नाहरगढ़ किला, कुंभलगढ़ किला, जैसलमेर किला, चित्तौड़गढ़ किला
(B) चित्तौड़गढ़ किला, जैसलमेर किला, कुंभलगढ़ किला, नाहरगढ़ किला
(C) जैसलमेर किला, चित्तौड़गढ़ किला, नाहरगढ़ किला, कुंभलगढ़ किला
(D) कुंभलगढ़ किला, चित्तौड़गढ़ किला, जैसलमेर किला, नाहरगढ़ किला

20. जयपुर स्थित हवा महल के मुख्य वास्तुकार कौन थे?
(A) विद्याधर भट्टाचार्य
(B) उस्ताद अहमद लाहौरी
(C) मंडन
(D) लालचंद उस्ताद

21. उदयपुर के सिटी पैलेस में कौन-सा विशिष्ट चौक रंगीन काँच से निर्मित मोरों की अपनी उत्कृष्ट पच्चीकारी कला के लिए अत्यधिक प्रसिद्ध है?
(A) मोर चौक
(B) अमर विलास
(C) बड़ी महल
(D) जनाना महल

Click Here to Buy book on Flipkart

22. जयपुर के सिटी पैलेस के भीतर स्थित किस सुंदर भवन का निर्माण सवाई माधोसिंह द्वितीय द्वारा अतिथियों के स्वागत केंद्र के रूप में कराया गया था, जो राजपूत, इस्लामी और यूरोपीय वास्तुकला शैलियों का सम्मिश्रण है?
(A) चंद्र महल
(B) दीवान-ए-खास
(C) मुबारक महल
(D) बादल महल

23. जयपुर का जंतर-मंतर एक खगोलीय वेधशाला है, जिसका निर्माण किस राजपूत शासक द्वारा करवाया गया था?
(A) सवाई जयसिंह द्वितीय
(B) सवाई मानसिंह द्वितीय
(C) मिर्जा राजा जयसिंह
(D) सवाई प्रताप सिंह

24. जयपुर स्थित जंतर-मंतर वेधशाला का सबसे बड़ा यंत्र, जो दो सेकंड की सटीकता तक समय मापने में सक्षम एक विशाल धूप घड़ी के रूप में कार्य करता है, कहलाता है:
(A) जय प्रकाश यंत्र
(B) राम यंत्र
(C) राशिवलय यंत्र
(D) सम्राट यंत्र

25. भारत की सबसे गहरी और बड़ी बावड़ियों में से एक, प्रसिद्ध 'चाँद बावड़ी', जो अपनी आश्चर्यजनक ज्यामितीय सीढ़ियों के विन्यास के लिए जानी जाती है, कहाँ स्थित है?
(A) बूंदी
(B) आभानेरी (दौसा)
(C) टोडारायसिंह (टोंक)
(D) ओसियां (जोधपुर)

26. राजस्थान के किस शहर को ऐतिहासिक रूप से "बावड़ियों का शहर" कहा जाता है और जहाँ प्रसिद्ध 'रानी जी की बावड़ी' स्थित है?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) बूंदी
(D) उदयपुर

27. राजस्थान की बंधेज (बंधाई और रंगाई) वस्त्र कला के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अभिकल्प बनाने के लिए रंगाई से पहले कपड़े को विभिन्न बिंदुओं पर धागे से कसकर बांधा जाता है।
II. 'मोठड़ा' बंधेज का एक विशिष्ट प्रकार है, जिसकी विशेषता एक-दूसरे को काटती हुई तिरछी रेखाएँ हैं।
III. यह वस्त्र शिल्प विशेष रूप से केवल मेवाड़ क्षेत्र में ही किया जाता है और कहीं नहीं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

28. दिलवाड़ा मंदिर परिसर का हिस्सा, विमल वासही मंदिर विमल शाह द्वारा बनवाया गया था और यह किस देवता को समर्पित है?
(A) भगवान आदिनाथ
(B) भगवान शिव
(C) भगवान कृष्ण
(D) भगवान महावीर

29. अपनी असाधारण और जटिल संगमरमर की नक्काशी के लिए विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर कहाँ स्थित हैं?
(A) राणकपुर
(B) माउंट आबू
(C) जैसलमेर
(D) ओसियां

30. भव्य राणकपुर जैन मंदिर अपने विशाल स्थापत्य विस्तार के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं:
(A) 1111 जटिल नक्काशीदार पत्थर के खंभे
(B) 1444 जटिल नक्काशीदार पत्थर के खंभे
(C) 1008 जटिल नक्काशीदार पत्थर के खंभे
(D) 1500 जटिल नक्काशीदार पत्थर के खंभे

31. राणकपुर जैन मंदिर को 'चौमुखा' मंदिर के रूप में जाना जाता है। इस संदर्भ में 'चौमुखा' का क्या अर्थ है?
(A) मुख्य मूर्ति चतुर्मुखी है, जो चारों दिशाओं की ओर उन्मुख है।
(B) इसका निर्माण चार अलग-अलग मुख्य वास्तुकारों की देखरेख में किया गया था।
(C) इसमें विभिन्न रंगों में रंगे चार अलग-अलग बाहरी प्रवेश द्वार हैं।
(D) इसका संपूर्ण निर्माण कार्य ठीक चार वर्षों में पूरा हुआ था।

32. मेवाड़ के शासकों के कुलदेवता को समर्पित प्रसिद्ध एकलिंगजी मंदिर का मूल निर्माण 8वीं शताब्दी में किसके द्वारा करवाया गया था?
(A) महाराणा कुंभा
(B) राणा सांगा
(C) बप्पा रावल
(D) राणा प्रताप

33. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
अभिकथन (A): जैसलमेर किले को लोकप्रिय रूप से स्वर्ण दुर्ग (सोनार किला) के नाम से जाना जाता है।
कारण (R): यह किला पीले बलुआ पत्थर से निर्मित है जो सूर्य के प्रकाश में सुनहरी आभा बिखेरता है।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?

NODIA

(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

34. एकलिंगजी मंदिर के पुजारी ऐतिहासिक रूप से शैव धर्म के किस विशिष्ट संप्रदाय से संबंधित हैं?
(A) लिंगायत संप्रदाय
(B) कापालिक संप्रदाय
(C) पाशुपत संप्रदाय
(D) नाथ संप्रदाय

35. शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियाँ मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस कलात्मक विशेषता के लिए प्रसिद्ध हैं, जिससे इस क्षेत्र को "राजस्थान की खुली कलादीर्घा" की उपाधि मिली है?
(A) बाहरी अग्रभागों पर बड़े पैमाने पर किया गया दर्पण काँच कार्य
(B) भीतरी दीवारों पर सीधे बनाई गई रंगीन भित्ति चित्रकारी (फ्रेस्को)
(C) व्यापक रूप से निर्मित जटिल संगमरमर की नक्काशीदार जालियाँ
(D) विस्तृत रूप से सजाई गई टेराकोटा खपरैल छत संरचनाएँ

36. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रसिद्ध हवेली शेखावाटी क्षेत्र में स्थित नहीं है?
(A) नादिन ली प्रिंस हवेली
(B) पोद्दार हवेली
(C) मोरारका हवेली
(D) पटवों की हवेली

37. राजस्थान की हवेलियों में पाए जाने वाले भित्ति चित्रों के संदर्भ में, 'आला-गीला' तकनीक क्या है?
(A) ताज़ा लगाए गए गीले चूने के लेप (प्लास्टर) पर चित्रकारी करना
(B) सूखी लकड़ी के फलकों पर जटिल आकृतियाँ चित्रित करना
(C) विशुद्ध रूप से संश्लेषित रासायनिक रंगों का उपयोग करके सजावटी भित्ति चित्र बनाना
(D) सूखी मिट्टी पर पतले सोने के वरक का उपयोग करके विस्तृत चित्र बनाना

38. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (लघु चित्रकला शैली)
P. कोटा शैली
Q. बूंदी शैली
R. किशनगढ़ शैली
S. नाथद्वारा शैली
सूची II: (प्रमुख विशेषता / विषय)
1. बनी-ठनी चित्र
2. पिछवाई परंपरा
3. शिकार के दृश्य
4. पशु-पक्षी चित्रण
(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-3, Q-1, R-4, S-2
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

39. साहिबदीन राजपूत लघु चित्रकला की किस शैली से संबंधित एक अत्यधिक प्रसिद्ध और प्रभावशाली चित्रकार थे?
(A) मेवाड़ शैली
(B) मारवाड़ शैली
(C) बीकानेर शैली
(D) जयपुर शैली

40. गढ़ पैलेस की 'चित्रशाला', जो हरे-भरे प्राकृतिक परिदृश्यों, वर्षा और पशु-पक्षियों का चित्रण करने वाले अपने उत्कृष्ट लघु भित्ति चित्रों के लिए अत्यधिक प्रसिद्ध है, किस चित्रकला शैली से संबंधित है?
(A) अलवर शैली
(B) जैसलमेर शैली
(C) जोधपुर शैली
(D) बूंदी शैली

41. शिकार के दृश्यों का चित्रण, जहाँ शासकों और महिलाओं को प्रायः घने जंगलों में वन्यजीवों का शिकार करते हुए दिखाया गया है, किस चित्रकला शैली की सबसे प्रमुख विशेषता है?
(A) मेवाड़ शैली
(B) कोटा शैली
(C) किशनगढ़ शैली
(D) जयपुर शैली

42. किशनगढ़ दरबार के वह सिद्धहस्त चित्रकार कौन थे जिन्होंने उत्कृष्ट कृति "बनी-ठनी" का चित्रण किया था?
(A) साहिब राम
(B) निसारुद्दीन
(C) निहालचंद
(D) मनोहर

43. निम्नलिखित में से कौन-सी बनी-ठनी लघु चित्रकला शैली की विशिष्ट विशेषता नहीं है?
(A) लंबी, कमल के समान आँखें
(B) नुकीली ठुड्डी और लंबी नाक
(C) सिर पर पारदर्शी ओढ़नी का उपयोग
(D) नाटा और स्थूल शारीरिक अनुपात

44. 'ढोला-मारू' की प्रेम लोककथा किस शैली के लघु चित्रों में एक अत्यधिक प्रमुख और बार-बार दोहराया जाने वाला विषय है?
(A) मारवाड़ (जोधपुर) शैली
(B) कोटा शैली

NODIA

(C) अलवर शैली
(D) शेखावाटी शैली

45. राजस्थान की फड़ चित्रकला परंपरा ऐतिहासिक रूप से किस कस्बे के जोशी परिवार द्वारा पोषित एवं जीवित रखी गई है?
(A) नाथद्वारा
(B) शाहपुरा
(C) बगरू
(D) सांगानेर

46. 'फड़' चित्रकला मूल रूप से पाबूजी और देवनारायण जी जैसे स्थानीय लोक देवताओं की महाकाव्य कथाओं को दर्शाने वाला एक निरंतर पटचित्र है। पारंपरिक रूप से फड़ किस सामग्री पर चित्रित की जाती है?
(A) सुखाए गए ताड़ के पत्ते
(B) हाथ से बुना सूती कपड़ा
(C) परिष्कृत भेड़ का चमड़ा
(D) बारीक बुना शहतूत रेशमी कपड़ा

47. नाथद्वारा की पिछवाई चित्रकला परंपरा मुख्य रूप से किस केंद्रीय देवता के जीवन और लीलाओं के चित्रण के लिए समर्पित है?
(A) भगवान कृष्ण
(B) भगवान महादेव शिव
(C) भगवान रामचंद्र
(D) भगवान चतुर्मुख ब्रह्मा

48. राजस्थान की कला के संदर्भ में, 'पिछवाई' शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?
(A) सीधे मंदिर के फर्श पर चित्रकारी करना
(B) छत पर विस्तृत भित्ति चित्र बनाना
(C) मूर्ति/देवता के पीछे की ओर लटकने वाला वस्त्र
(D) शुद्ध रेशमी धागों से जटिल रूप से बुना हुआ वस्त्र

49. जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?
(A) इसमें मिट्टी के बजाय मुख्य रूप से क्वार्ट्ज़ पाउडर से बने लेप का उपयोग किया जाता है।
(B) इसके पारंपरिक नीले रंग को प्राप्त करने के लिए कोबाल्ट ऑक्साइड का उपयोग किया जाता है।
(C) इसमें आसानी से दरारें नहीं पड़ती हैं और इसके लिए कुम्हार के चाक की आवश्यकता नहीं होती है।
(D) यह एक स्वदेशी कला रूप है जिसकी उत्पत्ति मेवाड़ में हुई थी।

50. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
अभिकथन (A): कोटा डोरिया कपड़ा राजस्थान में 'मसूरिया' कपड़े के नाम से भी लोकप्रिय है।
कारण (R): यह मूल रूप से उन विशिष्ट बुनकरों द्वारा विकसित किया गया था जिन्हें महाराव किशोर सिंह द्वारा मैसूर से कोटा लाया गया था।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

51. जयपुर की ब्लू पॉटरी को पुनर्जीवित करने और लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए किस प्रसिद्ध कलाकार को पद्म श्री से सम्मानित किया गया था?
(A) रामगोपाल विजयवर्गीय
(B) कृपाल सिंह शेखावत
(C) भूर सिंह शेखावत
(D) गोवर्धन लाल जोशी

52. राजस्थान का बगरू प्रिंट निम्नलिखित में से किस पारंपरिक तकनीक के लिए प्रसिद्ध है?
(A) कपड़े को चमकीला रंग देने के लिए मुख्य रूप से संश्लेषित रासायनिक रंगों का उपयोग करना
(B) विशेष रूप से आयातित रेशमी कपड़ों पर की जाने वाली बारीक सुई-धागे की कढ़ाई
(C) गर्म तरल पैराफिन मोम तकनीकों का उपयोग करके बंधेज प्रारूप बनाना
(D) प्राकृतिक वनस्पति रंगों और दाबू (मिट्टी के प्रतिरोधक) ठप्पा छपाई का उपयोग करना

53. सांगानेरी ठप्पा छपाई मुख्य रूप से देखने में बगरू छपाई से किस प्रकार भिन्न है?
(A) सांगानेरी में हल्के रंग की पृष्ठभूमि पर फूलों के प्रारूप का उपयोग होता है, जबकि बगरू में गहरे रंग की पृष्ठभूमि का उपयोग होता है।
(B) सांगानेरी प्रिंट मुख्य रूप से गहरे रंग की पृष्ठभूमि पर तैयार किए जाते हैं, जबकि बगरू में विशेष रूप से सफेद पृष्ठभूमि का उपयोग होता है।
(C) सांगानेरी में केवल ज्यामितीय प्रारूप का उपयोग होता है, जबकि बगरू केवल पशु-पक्षी के प्रतीकों पर केंद्रित है।
(D) सांगानेरी ठप्पा छपाई केवल रेशम पर की जाती है, जबकि बगरू छपाई केवल चमड़े पर की जाती है।

54. राजस्थान के निम्नलिखित स्थापत्य स्मारकों को उत्तर से दक्षिण के सही भौगोलिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. दिलवाड़ा मंदिर (माउंट आबू)
2. जूनागढ़ किला (बीकानेर)
3. हवा महल (जयपुर)
4. कुंभलगढ़ किला (राजसमंद)

निम्नलिखित में से कौन-सा सही क्रम है?
(A) 2, 3, 4, 1
(B) 2, 4, 3, 1

Downloaded from www.pdf.tube

(C) 3, 2, 4, 1
(D) 1, 4, 3, 2

55. मीनाकारी की सूक्ष्म कला को किस कछवाहा शासक के शासनकाल के दौरान लाहौर से जयपुर लाया गया था?
(A) राजा मानसिंह प्रथम
(B) सवाई जयसिंह द्वितीय
(C) सवाई माधोसिंह प्रथम
(D) सवाई रामसिंह द्वितीय

56. जयपुर मुख्य रूप से किस धातु पर की जाने वाली मीनाकारी कला के लिए विश्व स्तर पर अत्यधिक प्रसिद्ध है?
(A) चाँदी
(B) लोहा
(C) ताँबा
(D) सोना

57. कोटा जिले का कौन-सा कस्बा प्रसिद्ध कोटा डोरिया साड़ियों का प्रमुख बुनाई केंद्र है, जिन्हें 'खाट' के नाम से जाने जाने वाले अपने विशिष्ट वर्गाकार जालीदार विन्यास से पहचाना जाता है?
(A) रामगंज मंडी
(B) कैथून
(C) सांगोद
(D) दीगोद

58. 'लहरिया' राजस्थान में बंधेज (बंधाई और रंगाई) का एक लोकप्रिय पारंपरिक तरंगदार प्रारूप है। इसे अत्यधिक शुभ माना जाता है और महिलाओं द्वारा मुख्य रूप से किस पर्व के दौरान पहना जाता है?
(A) दिवाली
(B) होली
(C) तीज
(D) मकर संक्रांति

59. राजस्थान में 'मोज़ड़ी' या 'जूती' बनाने के पारंपरिक शिल्प में मुख्य रूप से किस सामग्री का उपयोग किया जाता है?
(A) टेराकोटा
(B) सूती कपड़ा
(C) बुनी हुई घास
(D) चमड़ा

60. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (राजकीय छतरियाँ)
P. आहड़ की छतरियाँ (महासतियाँ)
Q. देवीकुंड सागर
R. बड़ा बाग
S. मंडोर की छतरियाँ
सूची II: (संबंधित राजवंश/क्षेत्र)
1. बीकानेर
2. जैसलमेर
3. मारवाड़ (जोधपुर)
4. मेवाड़ (उदयपुर)
(A) P-4, Q-1, R-2, S-3
(B) P-1, Q-4, R-3, S-2
(C) P-4, Q-2, R-1, S-3
(D) P-3, Q-1, R-2, S-4

61. राजस्थान का कौन-सा स्थान अपने उच्च गुणवत्ता वाले सफेद संगमरमर के लिए विश्व प्रसिद्ध है, जिसका उपयोग ऐतिहासिक रूप से ताजमहल और विक्टोरिया मेमोरियल बनाने के लिए किया गया था?
(A) किशनगढ़
(B) मकराना (नागौर)
(C) राजसमंद
(D) बांसवाड़ा

62. संगमरमर शिल्प के संदर्भ में, किस शहर को संगमरमर की उत्कृष्ट मूर्तियों और देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की नक्काशी के लिए राजस्थान में सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है?
(A) जोधपुर
(B) जयपुर
(C) कोटा
(D) बीकानेर

63. चित्तौड़गढ़ किले में स्थित स्थापत्य कला के अद्भुत प्रतीक विजय स्तंभ में कितनी मंजिलें हैं?
(A) 5
(B) 7
(C) 9
(D) 11

64. जयपुर के कछवाहा शासकों की राजकीय छतरियाँ निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित हैं?
(A) बड़ा बाग
(B) महासतियाँ
(C) गेटोर
(D) मूसी महारानी परिसर

65. बनी-ठनी लघु चित्रकला के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसे चित्रकार निहालचंद ने चित्रित किया था।
II. यह किशनगढ़ शैली की सबसे प्रसिद्ध कलाकृति है।
III. यह चित्र मारवाड़ के शासक राव जोधा को चित्रित करता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और III
(C) केवल I और II
(D) I, II और III

NODIA

66. निम्नलिखित में से कौन-सा किला 'जीवंत किला' (लिविंग फोर्ट) के रूप में प्रसिद्ध है क्योंकि नगर की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा आज भी इसकी परकोटे वाली दीवारों के भीतर निवास करता है?
(A) जयगढ़ किला
(B) रणथंभौर किला
(C) जैसलमेर किला
(D) नाहरगढ़ किला

67. शीला देवी का ऐतिहासिक मंदिर, जहाँ श्रद्धालु देवी की पूजा करते हैं, किस किले के परिसर के भीतर स्थित है?
(A) मेहरानगढ़ किला
(B) आमेर किला
(C) कुंभलगढ़ किला
(D) जयगढ़ किला

68. उदयपुर का भव्य सिटी पैलेस किस प्रसिद्ध झील के पूर्वी तट पर स्थित है?
(A) फतेह सागर झील
(B) उदय सागर झील
(C) जयसमंद झील
(D) पिछोला झील

69. अपनी सममित सीढ़ीदार संरचना के लिए प्रसिद्ध वास्तुकला की दृष्टि से महत्वपूर्ण 'पन्ना मीना का कुंड' किस प्रमुख किले के पास स्थित है?
(A) आमेर किला
(B) जैसलमेर किला
(C) मेहरानगढ़ किला
(D) रणथंभौर किला

70. 'जोगी महल' के नाम से प्रसिद्ध स्थापत्य स्मारक राजस्थान के किस प्रमुख किले के वन परिसर के भीतर स्थित है?
(A) कुंभलगढ़ किला
(B) चित्तौड़गढ़ किला
(C) रणथंभौर किला
(D) तारागढ़ किला

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (D) गिरि दुर्ग
राजस्थान के ऐतिहासिक किले जो सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से ऊँची पहाड़ियों अथवा पर्वतों की चोटियों पर बनाए जाते हैं, उन्हें प्राचीन भारतीय वास्तुकला ग्रंथों तथा दुर्गशास्त्र में 'गिरि दुर्ग' की श्रेणी में रखा गया है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र और मनुस्मृति में वर्णित दुर्ग वर्गीकरण के अनुसार, प्राकृतिक रूप से सुदृढ़ पहाड़ियों पर स्थित ये किले आक्रमणकारियों से सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत अभेद्य माने जाते थे।

2. (C) मेसा का पठार
राजस्थान का प्रसिद्ध चित्तौड़गढ़ किला मेसा के पठार पर स्थित है। यह पठार लगभग 185 मीटर ऊँचा है तथा गंभीरी और बेड़च नदियों के संगम के समीप स्थित है। मेसा का पठार अपनी समतल सतह और तीव्र ढलानों के कारण प्राकृतिक रक्षात्मक आधार प्रदान करता है। इसी सामरिक महत्व के कारण मेवाड़ के शासकों ने इस स्थान पर अपने ऐतिहासिक और सुदृढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया था।

3. (B) महाराणा कुंभा
मेवाड़ के शासक महाराणा कुंभा ने 1437 ईस्वी में सारंगपुर के युद्ध में मालवा और गुजरात की संयुक्त सेनाओं पर अपनी ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में चित्तौड़गढ़ किले में विजय स्तंभ का निर्माण करवाया था। नौ मंजिला यह अद्भुत स्मारक भगवान विष्णु को समर्पित है तथा इसे 'विष्णुध्वज' भी कहा जाता है। यह भारतीय मूर्तिकला और स्थापत्य कला का एक अनुपम तथा बेजोड़ उदाहरण माना जाता है।

4. (D) भगवान आदिनाथ
चित्तौड़गढ़ किला परिसर में स्थित कीर्ति स्तंभ मुख्य रूप से प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) को समर्पित है। इस सात मंजिला भव्य स्तंभ का निर्माण 12वीं शताब्दी में एक समृद्ध जैन व्यापारी जीजाजी कथेड़ द्वारा करवाया गया था। 22 मीटर ऊँचा यह स्तंभ जैन स्थापत्य कला की उत्कृष्ट शैली को दर्शाता है और इसकी बाहरी तथा भीतरी दीवारों पर तीर्थंकरों की अत्यंत सुंदर मूर्तियां उत्कीर्ण की गई हैं।

5. (C) केवल I और III
जैसलमेर किला थार मरुस्थल के मध्य त्रिकूट पहाड़ी पर स्थित है। इस किले के निर्माण में पीले बलुआ पत्थर का प्रयोग किया गया है, जिसके कारण सूर्य के प्रकाश में यह सोने की भांति चमकता है और इसे 'सोनार किला' या स्वर्ण दुर्ग कहा जाता है। यह केवल लाल बलुआ पत्थर से निर्मित नहीं है, बल्कि विशिष्ट पीले पत्थर से बना है, जो इसकी स्थापत्य कला की मुख्य पहचान माना जाता है।

6. (C) यह 36 किलोमीटर लंबी निरंतर परकोटे की दीवार से घिरा हुआ है।
कुंभलगढ़ किला अपनी विशाल और सुदृढ़ सुरक्षा दीवार के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इस किले को चारों ओर से घेरने वाली निरंतर परकोटे की दीवार की लंबाई लगभग 36 किलोमीटर है। चीन की महान दीवार के बाद इसे विश्व की दूसरी सबसे लंबी निरंतर दीवार माना जाता है। यह दीवार इतनी चौड़ी है कि इस पर एक साथ कई घुड़सवार चल सकते हैं, जो तत्कालीन सामरिक वास्तुकला का उदाहरण है।

7. (A) कटारगढ़
कुंभलगढ़ किले के उच्चतम बिंदु पर स्थित सुरक्षित आंतरिक दुर्ग को कटारगढ़ कहा जाता है। यह महल मेवाड़ के शासक महाराणा कुंभा का व्यक्तिगत निवास स्थान था। अत्यधिक ऊँचाई पर स्थित होने के कारण यहाँ से संपूर्ण आसपास के क्षेत्र पर नज़र रखी जा सकती थी। इसी कारण कटारगढ़ को 'मेवाड़ की आँख' भी कहा जाता है। महान राजपूत योद्धा महाराणा प्रताप का जन्म भी इसी कटारगढ़ परिसर में हुआ था।

8. (D) मंडन
मेवाड़ के शासक महाराणा कुंभा द्वारा निर्मित कुंभलगढ़ किले के मुख्य वास्तुकार मंडन थे। मंडन 15वीं शताब्दी के प्रसिद्ध वास्तुकला विशेषज्ञ थे, जिन्होंने 'देवमूर्ति प्रकरण', 'प्रसाद मंडन' और 'राजवल्लभ' जैसे महत्वपूर्ण वास्तुकला ग्रंथों की रचना की थी। उनके कुशल मार्गदर्शन और अद्भुत स्थापत्य योजना के कारण ही कुंभलगढ़ दुर्ग का निर्माण एक अत्यंत सुदृढ़, अभेद्य तथा सामरिक दृष्टि से सुरक्षित पर्वतीय दुर्ग के रूप में संभव हो सका था।

9. (B) आमेर किला
अपनी जटिल काँच और दर्पण शिल्पकारी के लिए प्रसिद्ध 'शीश महल' जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले में स्थित है। इसका निर्माण मुख्य रूप से मिर्जा राजा जयसिंह द्वारा 17वीं शताब्दी में करवाया गया था। इस महल की भीतरी दीवारों तथा छतों पर काँच के बारीक टुकड़ों की सहायता से अत्यंत सुंदर ज्यामितीय प्रारूप निर्मित किए गए हैं, जो केवल एक छोटी दीपक की लौ से भी संपूर्ण कक्ष को अलौकिक रूप से जगमगा देते हैं।

10. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
जयपुर स्थित हवा महल की वास्तुकला में 953 छोटी जालीदार खिड़कियां बनी हुई हैं जिन्हें 'झरोखा' कहा जाता है। इस संरचना का मुख्य उद्देश्य पर्दे की प्रथा का पालन करने वाली राजसी महिलाओं को बिना किसी के सामने आए सड़कों पर होने वाले धार्मिक जुलूसों, उत्सवों और दैनिक गतिविधियों को देखने की

NODIA

सुविधा प्रदान करना था। इन जालीदार झरोखों के कारण भवन में निरंतर प्राकृतिक ठंडी हवा का प्रवाह भी बना रहता था।

11. (D) जयगढ़ किला
जयपुर के आमेर परिसर के पास स्थित जयगढ़ किले में प्रसिद्ध 'जयबाण तोप' स्थित है। 1720 ईस्वी में सवाई जयसिंह द्वितीय के शासनकाल में निर्मित इस तोप को अपने निर्माण के समय पहियों पर रखी जाने वाली विश्व की सबसे बड़ी तोप माना जाता था। जयगढ़ किला कछवाहा शासकों का मुख्य सैन्य दुर्ग था, जहाँ तोप ढालने का एक विशाल कारखाना भी स्थापित था, जो तत्कालीन उन्नत धातु विज्ञान का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

12. (A) व्यापक वर्षा जल संचयन और भूमिगत टांके (जल भण्डारण कुंड)
जयपुर स्थित जयगढ़ किला अपनी उन्नत वर्षा जल संचयन प्रणाली और विशाल भूमिगत टांकों (जल भंडारण कुंडों) के लिए प्रसिद्ध है। शुष्क जलवायु में स्थित होने के कारण किले में वर्षा जल एकत्र करने हेतु नालियों का विस्तृत जाल बिछाया गया था। इस जल को किले के भीतर निर्मित विशाल ढके हुए कुंडों में संचित किया जाता था, जो संकटकालीन परिस्थितियों और लंबी घेराबंदी के दौरान सैन्य बलों के लिए निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करते थे।

13. (B) P-3, Q-1, R-4, S-2
राजस्थान के विभिन्न स्थलों पर ऐतिहासिक छतरियां स्थित हैं। 84 खंभों की छतरी बूंदी जिले में स्थित है, जो अपनी स्थापत्य कला के लिए जानी जाती है। मूसी महारानी की छतरी अलवर में स्थित है, जिसका निर्माण महाराजा बिने सिंह ने करवाया था। जसवंत थड़ा जोधपुर में मेहरानगढ़ किले के पास सफेद संगमरमर से बना स्मारक है, जबकि गेटोर की छतरियाँ जयपुर के कछवाहा शासकों का समाधि स्थल हैं।

14. (B) चिड़िया टूंक पहाड़ी
जोधपुर के मेहरानगढ़ किले का निर्माण 1459 ईस्वी में राठौड़ शासक राव जोधा द्वारा करवाया गया था। यह किला एक विशाल और खड़ी चट्टानी पहाड़ी पर स्थित है, जिसे 'चिड़िया टूंक पहाड़ी' के नाम से जाना जाता है। इस पहाड़ी का नाम यहाँ रहने वाले एक प्रसिद्ध तपस्वी चिड़ियानाथ के नाम पर पड़ा था। यह दुर्ग शहर से सैकड़ों फीट की ऊँचाई पर स्थित है और मारवाड़ क्षेत्र की सामरिक सुरक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है।

15. (A) जसवंत थड़ा
जसवंत थड़ा जोधपुर में मेहरानगढ़ किले के पास स्थित एक अत्यंत सुंदर और भव्य संगमरमर स्मारक है। इसका निर्माण 1899 ईस्वी में महाराजा सरदार सिंह द्वारा अपने पिता महाराजा जसवंत सिंह द्वितीय की स्मृति में करवाया गया था। मकराना के बारीक नक्काशीदार सफेद संगमरमर से निर्मित होने तथा इसकी अद्भुत सुंदरता और स्थापत्य शिल्प के कारण इस ऐतिहासिक स्मारक को प्रायः "मारवाड़ का ताजमहल" भी कहा जाता है।

16. (C) रणथंभौर किला
राजस्थान का प्रसिद्ध और अत्यंत पवित्र 'त्रिनेत्र गणेश मंदिर' सवाई माधोपुर जिले में स्थित ऐतिहासिक रणथंभौर किले के परिसर के भीतर स्थित है। इस मंदिर में भगवान गणेश की तीन नेत्रों वाली स्वयंभू प्रतिमा स्थापित है। यह मंदिर देश भर के श्रद्धालुओं के लिए एक प्रमुख आस्था का केंद्र है, जहाँ किसी भी शुभ कार्य से पूर्व अथवा विवाह के प्रथम निमंत्रण पत्र को डाक द्वारा भगवान गणेश को समर्पित करने की अनोखी परंपरा प्रचलित है।

17. (D) सुदर्शनगढ़
आमेर की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 1734 ईस्वी में जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्मित किले का मूल नाम 'सुदर्शनगढ़' रखा गया था। यह किला अरावली पर्वतमाला की पहाड़ी पर स्थित है। कालांतर में इस किले का नाम बदलकर 'नाहरगढ़' कर दिया गया, जो स्थानीय मान्यता के अनुसार नाहर सिंह भोमिया के नाम पर पड़ा था, जिनकी आत्मा के सम्मान में यहाँ एक छोटा मंदिर भी निर्मित है।

18. (C) अपनी रानियों के लिए निर्मित नौ एकसमान दो-मंजिला महल
नाहरगढ़ किला सवाई माधोसिंह द्वितीय द्वारा करवाए गए एक विशिष्ट स्थापत्य निर्माण के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपनी नौ रानियों के लिए किले के भीतर एक ही आकार और स्थापत्य शैली के नौ दो-मंजिला महलों का निर्माण करवाया था, जिन्हें 'माधवेन्द्र भवन' कहा जाता है। विक्टोरियन और राजपूत वास्तुकला के मिश्रण से बने ये महल आभूषणों, भित्ति चित्रों और आंतरिक सज्जा में एक-दूसरे के समान बनाए गए हैं।

19. (B) चित्तौड़गढ़ किला, जैसलमेर किला, कुंभलगढ़ किला, नाहरगढ़ किला
राजस्थान के इन किलों के निर्माण का कालानुक्रमिक क्रम ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। चित्तौड़गढ़ किले का निर्माण 7वीं शताब्दी में मौर्य शासक चित्रांगद मौर्य द्वारा कराया गया था। इसके पश्चात् जैसलमेर किले का निर्माण 1156 ईस्वी में रावल जैसल द्वारा हुआ। कुंभलगढ़ किले का निर्माण 15वीं शताब्दी में महाराणा कुंभा ने करवाया, जबकि नाहरगढ़ किले की स्थापना सबसे अंत में 1734 ईस्वी में सवाई जयसिंह द्वितीय ने की थी।

20. (D) लालचंद उस्ताद
जयपुर में स्थित विश्व प्रसिद्ध हवा महल के मुख्य वास्तुकार लालचंद उस्ताद थे। 1799 ईस्वी में महाराजा सवाई प्रताप सिंह के शासनकाल में निर्मित इस पांच-मंजिला महल का स्थापत्य डिज़ाइन लालचंद उस्ताद ने ही तैयार किया था। उन्होंने इस भवन को भगवान श्रीकृष्ण के मुकुट के आकार में अभिकल्पित किया था। इसकी लाल और गुलाबी बलुआ पत्थर से बनी अग्रभाग की दीवार तथा जालीदार झरोखे उनकी बेजोड़ स्थापत्य प्रतिभा का प्रमाण हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

21. (A) मोर चौक
उदयपुर के ऐतिहासिक सिटी पैलेस परिसर में स्थित 'मोर चौक' अपनी उत्कृष्ट और मनमोहक कलात्मकता के लिए प्रसिद्ध है। इस चौक की दीवारों पर रंगीन काँच और काँच की पच्चीकारी से निर्मित मोरों की तीन सुंदर राहत आकृतियाँ बनाई गई हैं, जो विभिन्न ऋतुओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। 19वीं शताब्दी में निर्मित यह चौक राजपूत काँच शिल्प और सूक्ष्म मूर्तिकला कला का एक अत्यंत दुर्लभ एवं अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

22. (C) मुबारक महल
जयपुर के सिटी पैलेस परिसर में स्थित 'मुबारक महल' का निर्माण 19वीं शताब्दी के अंत में सवाई माधोसिंह द्वितीय द्वारा राजकीय अतिथियों के स्वागत केंद्र के रूप में करवाया गया था। यह महल राजपूत, इस्लामी और यूरोपीय स्थापत्य शैलियों के अद्भुत समन्वय का सुंदर उदाहरण है। बारीक नक्काशीदार संगमरमर के खंभों, मेहराबों और सुंदर बारंदों से युक्त यह दो-मंजिला भवन अपनी स्थापत्य भव्यता के लिए जाना जाता है।

23. (A) सवाई जयसिंह द्वितीय
जयपुर का प्रसिद्ध जंतर-मंतर एक खगोलीय वेधशाला है, जिसका निर्माण जयपुर के संस्थापक आमेर के कछवाहा राजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने करवाया था। खगोलशास्त्र में अत्यधिक रुचि होने के कारण उन्होंने 18वीं शताब्दी के आरंभ में जयपुर, दिल्ली, उज्जैन, वाराणसी और मथुरा में पाँच ऐसी वेधशालाओं का निर्माण कराया था। जयपुर की यह वेधशाला सबसे बड़ी और सर्वोत्तम संरक्षित है, जिसे युनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।

24. (D) सम्राट यंत्र
जयपुर स्थित जंतर-मंतर वेधशाला का सबसे बड़ा और प्रमुख यंत्र 'सम्राट यंत्र' है। यह लगभग 27 मीटर ऊँची एक विशाल धूप घड़ी है, जो दो सेकंड की सटीकता तक स्थानीय समय मापने में पूरी तरह सक्षम है। इसके अतिरिक्त यह यंत्र खगोलीय पिंडों की स्थिति और क्रांति कोण की गणना भी करता है। यह पत्थर से निर्मित विश्व की सबसे बड़ी धूप घड़ी के रूप में प्रसिद्ध है।

25. (B) आभानेरी (दौसा)
भारत की सबसे गहरी और भव्य बावड़ियों में से एक 'चाँद बावड़ी' राजस्थान के दौसा जिले के आभानेरी गाँव में स्थित है। इसका निर्माण 8वीं से 9वीं शताब्दी के दौरान गुर्जर-प्रतिहार काल में राजा चंदा द्वारा करवाया गया था। यह विशाल बावड़ी 13 मंजिला गहरी है और इसमें लगभग 3500 अत्यंत जटिल तथा ज्यामितीय रूप से व्यवस्थित सीढ़ियाँ बनी हुई हैं, जो तत्कालीन जल संरक्षण वास्तुकला का अनुपम उदाहरण हैं।

26. (C) बूंदी
राजस्थान के ऐतिहासिक बूंदी शहर को प्राचीन काल से ही 'बावड़ियों का शहर' या 'सिटी ऑफ स्टेपवेल्स' कहा जाता है। जल संरक्षण की समृद्ध परंपरा वाले इस शहर में दर्जनों सुंदर और कलात्मक बावड़ियाँ स्थित हैं। इनमें सबसे प्रसिद्ध 'रानी जी की बावड़ी' है, जिसका निर्माण 1699 ईस्वी में रानी नाथावती ने करवाया था। यह बावड़ी अपनी उत्कृष्ट नक्काशी, सुंदर मेहराबों और अलंकृत खंभों के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है।

27. (B) केवल I और II
राजस्थान की बंधेज कला वस्त्रों को कसकर बांधकर रंगने की एक पारंपरिक तकनीक है। इसमें कपड़े को विशिष्ट बिंदुओं पर धागे से बांधकर सुंदर प्रारूप बनाए जाते हैं। 'मोठड़ा' बंधेज का एक विशिष्ट प्रकार है, जिसमें एक-दूसरे को काटती हुई तिरछी रेखाओं की धारियाँ बनती हैं। यह कला केवल मेवाड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि शेखावाटी, जयपुर, जोधपुर और बीकानेर सहित संपूर्ण राजस्थान में व्यापक रूप से प्रचलित है।

28. (A) भगवान आदिनाथ
माउंट आबू पर स्थित प्रसिद्ध दिलवाड़ा मंदिर परिसर का मुख्य अंग विमल वासही मंदिर है। इस भव्य मंदिर का निर्माण 1031 ईस्वी में सोलंकी राजा भीमदेव प्रथम के मंत्री विमल शाह द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) को समर्पित है। शुद्ध सफेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर की छतों, खंभों और मंडपों पर की गई बारीक नक्काशी जैन स्थापत्य कला का शिखर मानी जाती है।

29. (B) माउंट आबू
अपनी असाधारण और जटिल संगमरमर की नक्काशी के लिए विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित पर्वतीय स्थल माउंट आबू में स्थित हैं। इस परिसर में 11वीं से 13वीं शताब्दी के मध्य निर्मित पाँच मुख्य जैन मंदिर शामिल हैं। इन मंदिरों में संगमरमर के पत्थर पर की गई बारीक, पारदर्शी और उत्कृष्ट मूर्तिकला की कारीगरी विश्व भर के पर्यटकों तथा वास्तुकला विशेषज्ञों को आश्चर्यचकित करती है।

30. (B) 1444 जटिल नक्काशीदार पत्थर के खंभे
पाली जिले में स्थित भव्य राणकपुर जैन मंदिर अपने विशाल स्थापत्य विस्तार और अनूठे खंभों के विन्यास के लिए जाना जाता है। इस मंदिर में कुल 1444 जटिल नक्काशीदार संगमरमर के खंभे मौजूद हैं। इस स्थापत्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें से कोई भी दो खंभे एक समान नक्काशी वाले नहीं हैं और प्रत्येक खंभा इस प्रकार बनाया गया है कि मुख्य मूर्ति के दर्शन में कोई बाधा नहीं आती है।

31. (A) मुख्य मूर्ति चतुर्मुखी है, जो चारों दिशाओं की ओर उन्मुख है।
राणकपुर जैन मंदिर को 'चौमुखा मंदिर' कहा जाता है क्योंकि इसके गर्भगृह में प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की चार मुखी संगमरमर की मूर्ति स्थापित है, जो चारों मुख्य दिशाओं की ओर उन्मुख है। यह अनूठी स्थापत्य योजना दर्शाती है कि तीर्थंकर का प्रभाव और संदेश संपूर्ण ब्रह्मांड की सभी दिशाओं में व्याप्त है। इस मंदिर के चारों ओर प्रवेश द्वार हैं जो सीधे गर्भगृह की ओर जाते हैं।

32. (C) बप्पा रावल
उदयपुर के पास कैलाशपुरी में स्थित प्रसिद्ध एकलिंगजी मंदिर मेवाड़ राजवंश के कुलदेवता भगवान शिव को समर्पित है। इस ऐतिहासिक मंदिर का मूल निर्माण 8वीं शताब्दी में मेवाड़

NODIA

के संस्थापक और प्रतापी शासक बप्पा रावल द्वारा करवाया गया था। मेवाड़ के महाराणा स्वयं को एकलिंगजी का दीवान (प्रतिनिधि) मानकर शासन चलाते थे। कालंतर में इस मंदिर का पुनरुद्धार महाराणा कुंभा और महाराणा रायमल द्वारा भी करवाया गया था।

33. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
जैसलमेर किले को लोकप्रिय रूप से 'सोनार किला' या स्वर्ण दुर्ग कहा जाता है। इस विशाल दुर्ग का संपूर्ण निर्माण स्थानीय रूप से उपलब्ध पीले बलुआ पत्थर से किया गया है। प्रातःकाल और संध्या काल में जब सूर्य की किरणें इस किले की दीवारों पर पड़ती हैं, तो यह सोने की भांति जगमगा उठता है। यही विशिष्ट प्राकृतिक गुण इस किले को इसका प्रसिद्ध नाम 'स्वर्ण दुर्ग' प्रदान करता है।

34. (C) पाशुपत संप्रदाय
उदयपुर के निकट स्थित प्रसिद्ध एकलिंगजी मंदिर के पुजारी ऐतिहासिक रूप से शैव धर्म के पाशुपत संप्रदाय से संबंधित रहे हैं। पाशुपत संप्रदाय शैव धर्म का प्राचीनतम संप्रदाय माना जाता है, जिसकी स्थापना लकुलीश ने की थी। एकलिंगजी मंदिर परिसर में लकुलीश की एक दुर्लभ प्रतिमा भी स्थापित है। बप्पा रावल के गुरु हारित ऋषि भी इसी पाशुपत संप्रदाय के आचार्य थे, जिन्होंने मेवाड़ राज्य की स्थापना में योगदान दिया था।

35. (B) भीतरी दीवारों पर सीधे बनाई गई रंगीन भित्ति चित्रकारी (फ्रेस्को)
राजस्थान का शेखावाटी क्षेत्र (झुंझुनू, सीकर और चुरू) अपनी विशाल हवेलियों की बाहरी और भीतरी दीवारों पर सीधे चित्रित रंगीन भित्ति चित्रों (फ्रेस्को) के लिए प्रसिद्ध है। 18वीं और 19वीं शताब्दी में समृद्ध व्यापारियों द्वारा निर्मित इन हवेलियों में पौराणिक कथाओं, लोक जीवन, उत्सवों और आधुनिक विषयों पर आधारित सुंदर चित्र उकेरे गए हैं। इन्हीं विस्तृत चित्रों के कारण इस पूरे क्षेत्र को "राजस्थान की खुली कलादीर्घा" कहा जाता है।

36. (D) पटवों की हवेली
पटवों की हवेली शेखावाटी क्षेत्र में नहीं, बल्कि जैसलमेर शहर में स्थित है। 19वीं शताब्दी में सेठ गुमान चंद पटवा द्वारा निर्मित यह पांच हवेलियों का एक समूह है, जो पीले बलुआ पत्थर पर की गई अपनी जालियों और झरोखों की बारीक नक्काशी के लिए विश्व प्रसिद्ध है। जबकि नादिन ली प्रिंस हवेली फतेहपुर में, पोद्दार हवेली नवलगढ़ में और मोरारका हवेली नवलगढ़ शेखावाटी क्षेत्र में ही स्थित हैं।

37. (A) ताज़ा लगाए गए गीले चूने के लेप (प्लास्टर) पर चित्रकारी करना
राजस्थान की हवेलियों और महलों में भित्ति चित्र बनाने के लिए 'आला-गीला' तकनीक का उपयोग किया जाता है। इसे 'अरायश' या 'पक्का भित्ति चित्र' भी कहा जाता है। इस पार पारंपरिक कला पद्धति में दीवार पर ताज़ा लगाए गए गीले चूने के प्लास्टर पर प्राकृतिक रंगों से चित्रकारी की जाती है। ऐसा करने से रंग चूने के साथ गहराई तक जम जाते हैं, जिससे चित्र शताब्दियों तक स्थायी और चमकीले बने रहते हैं।

38. (C) P-3, Q-4, R-1, S-2
राजस्थान की लघु चित्रकला शैलियों की अपनी विशिष्ट विशेषताएं हैं। कोटा शैली अपनी जीवंत शिकार शैली और घने जंगलों के दृश्यों के लिए जानी जाती है। बूंदी शैली में प्राकृतिक परिदृश्यों तथा पशु-पक्षियों के बारीक चित्रण पर बल दिया गया है। किशनगढ़ शैली अपनी अमर कलाकृति 'बनी-ठनी' के लिए विश्व प्रसिद्ध है, जबकि नाथद्वारा शैली श्रीनाथजी की मूर्तियों के पीछे लगे वस्त्रों पर चित्रित 'पिछवाई' कला के लिए जानी जाती है।

39. (A) मेवाड़ शैली
साहिबदीन 17वीं शताब्दी के दौरान मेवाड़ लघु चित्रकला शैली के एक अत्यधिक प्रसिद्ध और प्रभावशाली दरबार चित्रकार थे। उन्होंने महाराणा जगत सिंह प्रथम के संरक्षण में कार्य किया। साहिबदीन ने 'रामायण', 'श्रीमद्भागवत पुराण', 'रसिकप्रिया' और 'गीत गोविंद' जैसी महान धार्मिक कथाओं पर आधारित ऐतिहासिक लघु चित्रों की रचना की। उनकी चित्रकला शैली में जीवंत रंगों, स्पष्ट रेखाओं और धार्मिक विषयों का उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिलता है।

40. (D) बूंदी शैली
बूंदी के गढ़ पैलेस के भीतर स्थित 'चित्रशाला' बूंदी चित्रकला शैली का सर्वोत्कृष्ट केंद्र मानी जाती है। इसका निर्माण राव उम्मेद सिंह के शासनकाल में हुआ था। यह महल प्राकृतिक परिदृश्यों, बहती नदियों, वर्षा, उमड़ते बादलों, नृत्यरत मयूरों और पशु-पक्षियों के भित्ति चित्रों से सुसज्जित है। बूंदी शैली में हरे और नीले रंगों का प्रचुर प्रयोग तथा प्रकृति का सजीव चित्रण भारतीय लघु चित्रकला की एक प्रमुख उपलब्धि माना जाता है।

41. (B) कोटा शैली
घने जंगलों में शिकार के दृश्यों का सजीव चित्रण कोटा चित्रकला शैली की सबसे प्रमुख और अनूठी विशेषता है। कोटा शैली में शासकों और राजकुमारियों को घोड़ों तथा हाथियों पर सवार होकर हिंसक वन्यजीवों का शिकार करते हुए चित्रित किया गया है। 18वीं शताब्दी में राजा उम्मेद सिंह के काल में इस शैली का चरम विकास हुआ। इस शैली में जंगलों की पृष्ठभूमि, हिंसक पशुओं और नाटकीय दृश्यों का बेजोड़ चित्रांकन मिलता है।

42. (C) निहालचंद
किशनगढ़ दरबार के प्रसिद्ध और सिद्धहस्त चित्रकार निहालचंद थे, जिन्होंने 18वीं शताब्दी के मध्य में विश्व प्रसिद्ध लघु चित्र "बनी-ठनी" का चित्रण किया था। वे किशनगढ़ के राजा सावंत सिंह (नागरीदास) के दरबारी चित्रकार थे। उन्होंने राजा सावंत सिंह की प्रेयसी बनी-ठनी को राधा के रूप में चित्रित किया। इस चित्र में सूक्ष्म रेखाओं, आभूषणों और सौंदर्य का इतना अनूठा समावेश है कि इसे "भारतीय मोनालिसा" भी कहा जाता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

43. (D) नाटा और स्थूल शारीरिक अनुपात
बनी-ठनी लघु चित्रकला अपनी विशिष्ट और सुकुमार सौंदर्य विशेषताओं के लिए जानी जाती है। इसमें लंबी, कमानदार और कमल की पंखुड़ी जैसी आँखें, पतली तीखी नाक, नुकीली ठुड्डी तथा सिर पर पारदर्शी ओढ़नी का पारम्परिक उपयोग किया गया है। नाटा और स्थूल शारीरिक अनुपात इस शैली की विशेषता नहीं है, बल्कि इसमें लंबी पतली उंगलियाँ और छरहरा तथा अत्यंत सुंदर शारीरिक ढाँचा चित्रित किया गया है।

44. (A) मारवाड़ (जोधपुर) शैली
'ढोला-मारू' की प्रसिद्ध प्रेम लोककथा मारवाड़ (जोधपुर) लघु चित्रकला शैली का एक अत्यंत प्रमुख और बार-बार चित्रित किया जाने वाला विषय है। इस शैली में राजकुमार ढोला और राजकुमारी मारू को ऊँट पर सवार होकर मरुस्थल से गुजरते हुए सजीव रूप से चित्रित किया गया है। मारवाड़ शैली के चित्रों में पीले, लाल और स्थानीय मरुस्थलीय रंगों की प्रधानता के साथ-साथ लोकगाथाओं का सुंदर अभिव्यक्ति चित्रण देखने को मिलता है।

45. (B) शाहपुरा
राजस्थान की पारंपरिक फड़ चित्रकला शैली ऐतिहासिक रूप से भीलवाड़ा जिले के 'शाहपुरा' कस्बे के जोशी परिवार द्वारा पोषित एवं जीवित रखी गई है। पीढ़ियों से शाहपुरा का जोशी परिवार ही इस पारम्परिक लोक कला का मुख्य संरक्षक रहा है। श्रीलाल जोशी और पार्वती जोशी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने इस कला को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस परिवार द्वारा तैयार फड़ चित्रों का उपयोग भोपा गायकों द्वारा किया जाता है।

46. (B) हाथ से बुना सूती कपड़ा
'फड़' चित्रकला मुख्य रूप से पाबूजी, देवनारायण जी और रामदेव जी जैसे स्थानीय लोक देवताओं की महाकाव्य गाथाओं को दर्शाने वाला एक निरंतर चलने वाला पटचित्र है। पारंपरिक रूप से फड़ का चित्रण हाथ से बुने हुए सूती कपड़े (रेज़ा या खद्दर) पर किया जाता है। कपड़े को पहले मांड और गोंद के घोल से संसाधित कर चिकना बनाया जाता है, जिसके बाद उस पर प्राकृतिक रंगों से पूरी लोककथा के दृश्य उकेरे जाते हैं।

47. (A) भगवान कृष्ण
नाथद्वारा की प्रसिद्ध 'पिछवाई' चित्रकला परंपरा मुख्य रूप से भगवान श्रीकृष्ण (श्रीनाथजी) के जीवन और उनकी बाल लीलाओं के चित्रण के लिए समर्पित है। राजसमंद जिले के नाथद्वारा मंदिर में स्थापित श्रीनाथजी की मूर्ति के पीछे कपड़े पर बनाई गई इन सुंदर आकृतियों में कृष्ण की रासलीला, गोवर्धन धारण, माखन चोरी और गोपों के साथ लीलाओं का चित्रण होता है। यह वल्लभ संप्रदाय से प्रभावित एक अत्यंत समृद्ध कला रूप है।

48. (C) मूर्ति/देवता के पीछे की ओर लटकने वाला वस्त्र
राजस्थान की कला परंपरा के संदर्भ में 'पिछवाई' शब्द दो शब्दों 'पीछे' और 'वाई' (लटकने वाला) से मिलकर बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है "मूर्ति या देवता के पीछे की ओर लटकने वाला वस्त्र"। नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की मुख्य मूर्ति के पीछे पृष्ठभूमि के रूप में कपड़े पर चित्रित पर्दा लटकाया जाता है। इस वस्त्र पर त्यौहारों और ऋतुओं के अनुसार भगवान की लीलाओं के दृश्य चित्रित होते हैं।

49. (D) यह एक स्वदेशी कला रूप है जिसकी उत्पत्ति मेवाड़ में हुई थी।
जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी एक स्वदेशी कला नहीं है, बल्कि इसकी उत्पत्ति फ़ारस (ईरान) में हुई थी, जहाँ से यह तुर्क और मुग़ल काल के दौरान भारत पहुँची। बाद में जयपुर के राजा मानसिंह प्रथम इसे लाहौर से जयपुर लाए। इस बर्तन कला में मिट्टी का प्रयोग नहीं होता, बल्कि क्वार्ट्ज़ चूर्ण का उपयोग किया जाता है। कोबाल्ट ऑक्साइड से पारंपरिक नीला रंग मिलता है और इसमें आसानी से दरारें नहीं पड़ती हैं।

50. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
कोटा डोरिया कपड़ा राजस्थान में 'मसूरिया' नाम से भी जाना जाता है। 17वीं शताब्दी के अंत में कोटा के महाराव किशोर सिंह इन विशिष्ट बुनाई कारीगरों को मैसूर से कोटा लेकर आए थे। मैसूर से आने के कारण ही इस महीन सूती और रेशमी बुनाई वाले कपड़े को स्थानीय रूप से मसूरिया कहा जाने लगा। कैथून में निर्मित यह कपड़ा अपनी हल्की बनावट और छोटी-छोटी वर्गाकार 'खाट' बुनाई के लिए प्रसिद्ध है।

51. (B) कृपाल सिंह शेखावत
जयपुर की विलुप्त हो रही ब्लू पॉटरी कला को पुनर्जीवित करने और इसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लोकप्रिय बनाने का श्रेय प्रसिद्ध शिल्पकार कृपाल सिंह शेखावत को जाता है। उन्होंने पारंपरिक नीले रंग के अतिरिक्त 25 से अधिक नए रंगों और नए डिज़ाइनों का आविष्कार किया, जिसे 'कृपाल शैली' कहा गया। कला के क्षेत्र में उनके इस अतुलनीय योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म श्री सम्मान से विभूषित किया गया था।

52. (D) प्राकृतिक वनस्पति रंगों और दाबू (मिट्टी के प्रतिरोधक) ठप्पा छपाई का उपयोग करना
जयपुर के पास स्थित बगरू का बगरू प्रिंट अपनी पारंपरिक हस्त-ठप्पा (ब्लॉक) छपाई तकनीक के लिए प्रसिद्ध है। इसमें केवल प्राकृतिक वनस्पति रंगों जैसे हरड़, अनार के छिलके, अलू और प्राकृतिक नील का प्रयोग होता है। इस शिल्प की मुख्य विशेषता 'दाबू' तकनीक है, जिसमें मिट्टी, गोंद और चूने के मिश्रण का प्रतिरोधक के रूप में प्रयोग कर कपड़े पर विशिष्ट पारंपरिक प्रारूप और ठप्पा आकृतियाँ तैयार की जाती हैं।

53. (A) सांगानेरी में हल्के रंग की पृष्ठभूमि पर फूलों के प्रारूप का उपयोग होता है, जबकि बगरू में गहरे रंग की पृष्ठभूमि का उपयोग होता है।
सांगानेरी और बगरू ठप्पा छपाई में मुख्य अंतर पृष्ठभूमि और डिज़ाइनों का है। सांगानेरी प्रिंटिंग में आमतौर पर सफेद या हल्के रंग की पृष्ठभूमि पर बेल-बूटों और नाजुक फूलों के सुंदर प्रारूप बनाए जाते हैं। इसके विपरीत, बगरू प्रिंटिंग मुख्य रूप से काले, लाल और मटमैले जैसे गहरे प्राकृतिक रंगों की पृष्ठभूमि

Downloaded from www.pdf.tube

पर दाबू तकनीक और ज्यामितीय अथवा पारंपरिक प्रतिरूपों के प्रयोग पर आधारित होती है।

54. (A) 2, 3, 4, 1
राजस्थान के इन ऐतिहासिक स्थापत्य स्मारकों का उत्तर से दक्षिण की ओर सही भौगोलिक क्रम इस प्रकार है: जूनागढ़ किला बीकानेर जिले में स्थित है जो सबसे उत्तर में है। इसके दक्षिण में जयपुर में स्थित हवा महल आता है। इसके पश्चात राजसमंद जिले में स्थित कुंभलगढ़ किला आता है। सबसे दक्षिण में सिरोही जिले के पर्वतीय स्थल माउंट आबू में स्थित दिलवाड़ा मंदिर समूह आता है।

55. (A) राजा मानसिंह प्रथम
मीनाकारी की सूक्ष्म और उत्कृष्ट कला को आमेर के कछवाहा शासक राजा मानसिंह प्रथम 16वीं शताब्दी के अंत में लाहौर से जयपुर लेकर आए थे। वे फ़ारस से लाहौर पहुँचे प्रसिद्ध मीनाकारी कारीगरों को जयपुर में बसाने में सफल रहे। उनके संरक्षण में ही जयपुर मीनाकारी और आभूषण निर्माण का एक प्रमुख वैश्विक केंद्र बनकर उभरा, जहाँ सोने और चाँदी के आभूषणों पर रंगों की नक्काशी की जाती है।

56. (D) सोना
जयपुर शहर मुख्य रूप से सोने की धातु पर की जाने वाली मीनाकारी (मीनाकारी ऑन गोल्ड) के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है। इसमें सोने के आभूषणों और वस्तुओं पर विभिन्न प्राकृतिक रंगों एवं काँच के मिश्रण से बारीक ज्यामितीय तथा वनस्पति डिज़ाइनों को उच्च तापमान पर पिघलाकर भरा जाता है। जयपुर की लाल और हरी मीनाकारी पारपारिक रूप से अपनी चमक, स्थायित्व और बारीक कारीगरी के लिए जानी जाती है।

57. (B) कैथून
कोटा जिले का कैथून कस्बा प्रसिद्ध कोटा डोरिया साड़ियों का मुख्य और ऐतिहासिक बुनाई केंद्र है। इन साड़ियों की सबसे प्रमुख पहचान 'खाट' (छोटे वर्गाकार खाने) नामक विशिष्ट जालीदार बुनाई संरचना है। सूती और रेशमी धागों के साथ जरी के तार मिलाकर तैयार की जाने वाली ये साड़ियाँ अपनी हल्की बनावट, मजबूती और पारदर्शिता के लिए जानी जाती हैं। इस हस्तशिल्प उत्पाद को भौगोलिक संकेत (GI) टैग भी प्राप्त है।

58. (C) तीज
'लहरिया' राजस्थान में बंधेज कला का एक प्रसिद्ध पारंपरिक तरंगदार धारियों वाला प्रारूप है। स्थानीय संस्कृति में लहरिया वस्त्र को सौभाग्य, समृद्धि और दांपत्य सुख का प्रतीक माना जाता है। श्रावण मास में आने वाले 'तीज' पर्व (विशेष रूप से छोटी तीज) के अवसर पर महिलाएँ मुख्य रूप से बहुरंगी लहरिया साड़ियाँ और ओढ़नियाँ धारण करती हैं। यह वस्त्र मरुस्थलीय जीवन में प्रकृति के आगमन और उल्लास को दर्शाता है।

59. (D) चमड़ा
राजस्थान में पारंपरिक 'मोज़ड़ी' या 'जूती' के निर्माण में मुख्य रूप से प्रसंस्कृत चमड़े का उपयोग किया जाता है। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और भीनमाल मोज़ड़ी निर्माण के प्रमुख केंद्र हैं। कुशल कारीगर चमड़े की सतह पर रेशम, सूती धागों, जरी और गोटे की सहायता से सुंदर कशीदाकारी करते हैं। यह पारंपरिक हस्तशिल्प जूती न केवल टिकाऊ होती है, बल्कि राजस्थान की समृद्ध वेशभूषा और सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न अंग है।

60. (A) P-4, Q-1, R-2, S-3
राजस्थान के विभिन्न राजवंशों की राजकीय छतरियाँ (समाधि स्थल) विशिष्ट स्थानों पर स्थित हैं। मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश का समाधि स्थल उदयपुर के पास 'आहाड़' (महासतियाँ) में स्थित है। बीकानेर के राठौड़ शासकों का समाधि स्थल 'देवीकुंड सागर' में है। जैसलमेर के भाटी शासकों की छतरियाँ 'बड़ा बाग' में स्थित हैं, जबकि जोधपुर के मारवाड़ राठौड़ राजवंश का ऐतिहासिक समाधि स्थल 'मंडोर' में बना हुआ है।

61. (B) मकराना (नागौर)
नागौर जिले में स्थित मकराना अपने उच्च गुणवत्ता वाले शुद्ध सफेद संगमरमर (कैल्साइट मार्बल) के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। मकराना के संगमरमर की मुख्य विशेषता यह है कि यह समय के साथ पीला नहीं पड़ता और अपनी प्राकृतिक चमक बनाए रखता है। इसी कारण ऐतिहासिक रूप से आगरा के विश्व प्रसिद्ध ताजमहल और कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल जैसी ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण में मकराना संगमरमर का ही प्रयोग किया गया था।

62. (B) जयपुर
जयपुर शहर को राजस्थान में संगमरमर की उत्कृष्ट मूर्तियों, देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और सजावटी कलाकृतियों की नक्काशी के लिए सबसे बड़ा और प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहाँ के 'मूर्ति मोहल्ला' क्षेत्र में पीढ़ियों से शिल्पी संगमरमर की शिलाओं को तराशकर सजीव मूर्तियां बनाते आ रहे हैं। जयपुर की निर्मित संगमरमर की मूर्तियाँ अपनी बारीक नक्काशी, सटीक अनुपात और सजीव अभिव्यक्ति के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं।

63. (C) 9
चित्तौड़गढ़ किले में स्थित स्थापत्य कला का अनुपम प्रतीक विजय स्तंभ एक नौ मंजिला विशाल इमारत है। इस भव्य स्तंभ की कुल ऊँचाई लगभग 37.19 मीटर (122 फीट) है। इसकी प्रत्येक मंजिल पर हिंदू देवी-देवताओं और पौराणिक आख्यानों की सुंदर मूर्तियाँ उत्कीर्ण की गई हैं, जिसके कारण इसे 'भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोश' भी कहा जाता है। इसके ऊपरी हिस्से तक पहुँचने के लिए अंदर 157 घुमावदार सीढ़ियाँ बनी हुई हैं।

64. (C) गेटोर
जयपुर के कछवाहा राजवंश के शासकों की राजकीय छतरियाँ (समाधि स्थल) नाहरगढ़ किले की तलहटी में स्थित 'गेटोर' नामक स्थान पर स्थित हैं। इस परिसर में महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय से लेकर परवर्ती शासकों की अत्यंत सुंदर, अलंकृत और नक्काशीदार छतरियाँ बनी हुई हैं। सफेद संगमरमर और बलुआ पत्थर से निर्मित ये छतरियाँ कछवाहा

NODIA

वास्तुकला, छतरियों के स्थापत्य और बारीक नक्काशी का बेजोड़ उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

65. (C) केवल I और II
बनी-ठनी किशनगढ़ शैली की सबसे प्रसिद्ध लघु चित्रकला कृति है, जिसे प्रसिद्ध दरबारी चित्रकार निहालचंद द्वारा चित्रित किया गया था। यह चित्र मारवाड़ के राजा राव जोधा को चित्रित नहीं करता, बल्कि यह किशनगढ़ के राजा सावंत सिंह की प्रेयसी बनी-ठनी पर आधारित है, जिन्हें राधा के स्वरूप में उकेरा गया है। अपनी अनूठी सुंदरता और सूक्ष्म रेखाओं के कारण इस चित्र को भारतीय कला का मास्टरपीस माना जाता है।

66. (C) जैसलमेर किला
जैसलमेर किला विश्व के उन विरले किलों में से एक है जिसे 'जीवंत किला' (लिविंग फोर्ट) कहा जाता है। इसका मुख्य कारण यह है कि जैसलमेर शहर की लगभग एक-चौथाई जनसंख्या आज भी इस ऐतिहासिक दुर्ग की विशाल परकोटे वाली दीवारों के भीतर ही निवास करती है। किले के भीतर आवासीय मकान, दुकानें, मंदिर और संकरी गलियाँ स्थित हैं, जहाँ मध्यकालीन जनजीवन और संस्कृति की निरंतरता आज भी प्रत्यक्ष देखने को मिलती है।

67. (B) आमेर किला
शीला देवी का प्रसिद्ध और ऐतिहासिक मंदिर जयपुर के आमेर किले के जलेब चौक परिसर में स्थित है। इस मंदिर में स्थापित काले पत्थर की महिषासुरमर्दिनी रूपी देवी की मूर्ति को 16वीं शताब्दी के अंत में कछवाहा राजा मानसिंह प्रथम बंगाल (जसोर) विजय के पश्चात जयपुर लाए थे। शीला देवी कछवाहा राजपरिवार की कुलदेवी के रूप में पूजनीय हैं और नवरात्र उत्सव के दौरान यहाँ विशाल धार्मिक मेले का आयोजन होता है।

68. (D) पिछोला झील
उदयपुर का भव्य और विशाल सिटी पैलेस प्रसिद्ध 'पिछोला झील' के पूर्वी तट पर स्थित है। इस पैलेस परिसर की नींव 1559 ईस्वी में महाराणा उदय सिंह द्वितीय द्वारा रखी गई थी। पिछोला झील के शांत जल में प्रतिबिंबित होने वाला यह विशाल महल राजपूत और मुग़ल स्थापत्य कला के मिश्रण का उत्कृष्ट उदाहरण है। महल की झरोखों और छतों से झील का विहंगम दृश्य अत्यंत आकर्षक और मनोरम दिखाई देता है।

69. (A) आमेर किला
स्थापत्य कला की दृष्टि से महत्वपूर्ण और अपनी सममित सीढ़ीदार संरचना के लिए प्रसिद्ध 'पन्ना मीना का कुंड' जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले के पास स्थित है। 16वीं शताब्दी में निर्मित यह वर्गाकार बावड़ी अपनी अद्भुत ज्यामितीय सीढ़ियों, सुंदर मेहराबों और अष्टकोणीय अट्टालिकाओं के लिए जानी जाती है। जल संरक्षण के साथ-साथ यह स्थान प्राचीन काल में स्थानीय समुदाय के एकत्र होने और विश्राम करने का प्रमुख केंद्र रहा था।

70. (C) रणथंभौर किला
'जोगी महल' के नाम से प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थापत्य स्मारक राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्थित रणथंभौर किले की तलहटी तथा उसके सघन वन परिसर के भीतर स्थित है। पदम तालाब के किनारे स्थित यह महल प्राचीन काल में साधुओं का विश्राम स्थल था, जिसे बाद में जयपुर के शासकों द्वारा शिकारगाह के रूप में उपयोग किया जाने लगा। वर्तमान में यह रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान के प्रमुख आकर्षणों में से एक है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

अध्याय 06
राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं एकीकरण

1. राजस्थान क्षेत्र में 1857 की क्रांति की आधिकारिक शुरुआत कहाँ से हुई थी?
(A) नीमच
(B) नसीराबाद
(C) एरिनपुरा
(D) कोटा

2. 1857 की क्रांति के दौरान नसीराबाद छावनी में विद्रोह किस तिथि को हुआ था?
(A) 10 मई 1857
(B) 28 मई 1857
(C) 3 जून 1857
(D) 15 अक्टूबर 1857

3. 1857 में कोटा में अंग्रेजों और स्थानीय शासक के विरुद्ध हुए भीषण जनविद्रोह का नेतृत्व निम्नलिखित में से किन नेताओं ने किया था?
(A) लाला जयदयाल और मेहराब खान
(B) ठाकुर कुशाल सिंह
(C) मोहम्मद अली बेग और हीरा सिंह
(D) रावत केसरी सिंह

4. किस ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट की हत्या विद्रोहियों द्वारा कर दी गई थी तथा उनका सिर कोटा शहर में घुमाया गया था?
(A) कैप्टन शावर्स
(B) मैक मोसन
(C) मेजर बर्टन
(D) मेजर ईडन

5. मोहम्मद अली बेग का संबंध निम्नलिखित में से किस सैन्य छावनी में 1857 के विद्रोह के नेतृत्व से है?
(A) नीमच
(B) खेरवाड़ा
(C) देवली
(D) ब्यावर

6. 1857 की क्रांति के दौरान राजपूताना में स्थित छह ब्रिटिश सैन्य छावनियों में निम्नलिखित में से कौन-सी शामिल नहीं थी?
(A) नसीराबाद
(B) एरिनपुरा
(C) देवली
(D) टोंक

7. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: (1857 में पॉलिटिकल एजेंट)
P. मेजर बर्टन
Q. कैप्टन शावर्स
R. मैक मोसन
S. मेजर ईडन
सूची II: (रियासतें)
1. मेवाड़
2. जयपुर
3. कोटा
4. मारवाड़
(A) P-1, Q-3, R-2, S-4
(B) P-3, Q-1, R-4, S-2
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-4, Q-2, R-1, S-3

8. विजय सिंह पथिक, रामनारायण चौधरी और हरिभाई किंकर द्वारा 'राजस्थान सेवा संघ' की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
(A) 1915
(B) 1919
(C) 1921
(D) 1927

9. बिजोलिया किसान आंदोलन का प्रथम चरण निम्नलिखित में से किसने प्रारंभ किया था?
(A) विजय सिंह पथिक
(B) माणिक्य लाल वर्मा
(C) रामनारायण चौधरी
(D) साधु सीताराम दास

10. बिजोलिया किसान आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसे व्यापक रूप से भारत का सबसे लंबा अहिंसक किसान आंदोलन माना जाता है।
II. यह आंदोलन किसानों पर 84 विभिन्न प्रकार के करों (लाग-बाग) के अध्यारोपण के कारण शुरू हुआ था।
III. इसे ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा शुरू होने के पांच वर्षों के भीतर पूरी तरह से दबा दिया गया था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III

NODIA

(D) I, II और III सभी

11. ट्रेंच आयोग का गठन किस किसान आंदोलन से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए किया गया था?
(A) बिजोलिया किसान आंदोलन
(B) बेगूं किसान आंदोलन
(C) बूंदी किसान आंदोलन
(D) शेखावाटी किसान आंदोलन

12. डाबी हत्याकांड में पुलिस गोलीबारी के दौरान नानक जी भील ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। यह घटना किस किसान आंदोलन से संबंधित है?
(A) बेगूं किसान आंदोलन
(B) बूंदी किसान आंदोलन
(C) अलवर किसान आंदोलन
(D) बीकानेर किसान आंदोलन

13. 'चंवरी कर' (पुत्री के विवाह पर लगाया जाने वाला कर) नामक एक विवादास्पद कर बिजोलिया ठिकाने के किस शासक द्वारा लगाया गया था?
(A) राव कृष्ण सिंह
(B) राव पृथ्वी सिंह
(C) राव गोविंद दास
(D) महाराणा फतेह सिंह

14. राजस्थान के किसान संघर्ष की किस दुखद घटना की तुलना महात्मा गांधी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड से करते हुए इसे "दोहरी डायरशाही" कहा था?
(A) रास्तापाल कांड
(B) डाबी हत्याकांड
(C) नीमुचणा हत्याकांड
(D) मानगढ़ हत्याकांड

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): बिजोलिया किसान आंदोलन को राजस्थान के इतिहास में एक ऐतिहासिक घटना माना जाता है।
कारण (R): यह पूरी तरह से हिंसक था और इसके परिणामस्वरूप 1897 में मेवाड़ के शासक का तत्काल सत्ता परिवर्तन हो गया था।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

16. भील समुदाय में जागृति लाने के लिए सामाजिक-धार्मिक संगठन 'संप सभा' की स्थापना की गई थी। इसकी स्थापना किसने की थी?
(A) मोतीलाल तेजावत
(B) सुरजी भगत
(C) गोविंद गुरु
(D) भोगीलाल पंड्या

17. दुखद मानगढ़ हत्याकांड किस तिथि को हुआ था, जिसमें ब्रिटिश सेना द्वारा सैकड़ों आदिवासी अनुयायी मारे गए थे?
(A) 17 नवंबर 1913
(B) 10 मई 1857
(C) 13 अप्रैल 1919
(D) 25 मार्च 1921

18. मोतीलाल तेजावत ने रियासतों की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध आदिवासियों को संगठित किया। उनके आंदोलन का क्या नाम था?
(A) भगत आंदोलन
(B) मीणा आंदोलन
(C) संप सभा आंदोलन
(D) एकी आंदोलन

19. भील आदिवासी आंदोलन के प्रमुख नेता गोविंद गुरु जन्म से किस समुदाय से संबंधित थे?
(A) बंजारा
(B) राजपूत
(C) ब्राह्मण
(D) मेघवाल

20. राजस्थान में जन-जागृति से संबंधित निम्नलिखित ऐतिहासिक घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम चुनिए:
(A) संप सभा की स्थापना → मानगढ़ हत्याकांड → डाबी हत्याकांड
(B) मानगढ़ हत्याकांड → संप सभा की स्थापना → डाबी हत्याकांड
(C) डाबी हत्याकांड → संप सभा की स्थापना → मानगढ़ हत्याकांड
(D) संप सभा की स्थापना → डाबी हत्याकांड → मानगढ़ हत्याकांड

21. जैन मुनि मगन सागर ने 1944 में नीम का थाना में एक बड़े सम्मेलन की अध्यक्षता की, जिसने किस आंदोलन को महत्वपूर्ण गति प्रदान की?
(A) मीणा आंदोलन
(B) भील आंदोलन
(C) मेव आंदोलन
(D) प्रजामंडल आंदोलन

22. 1932 के दौरान अलवर और भरतपुर क्षेत्र में हुए मेव किसान आंदोलन का प्राथमिक नेतृत्व किसके द्वारा किया गया था?
(A) रामनारायण चौधरी और विजय सिंह पथिक
(B) मौलाना अबुल कलाम आजाद और शौकत अली
(C) शोभाराम कुमावत और गोकुल लाल असावा
(D) डॉ. मोहम्मद अली और यासीन खान

Downloaded from www.pdf.tube

23. 1919 में वर्धा में स्थापित 'राजस्थान सेवा संघ' को 1920 में राजस्थान के किस शहर में स्थानांतरित कर दिया गया था?
(A) जयपुर
(B) अजमेर
(C) उदयपुर
(D) जोधपुर

24. युवा क्रांतिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए किस प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी ने 1907 में जयपुर में 'जैन वर्धमान विद्यालय' की स्थापना की थी?
(A) जमनालाल बजाज
(B) हीरालाल शास्त्री
(C) अर्जुन लाल सेठी
(D) टीकाराम पालीवाल

25. "यदि मैं राज्य की सेवा करूँगा, तो अंग्रेजों को देश से बाहर कौन निकालेगा?" राजस्थान के किस स्वतंत्रता सेनानी को इस कथन के लिए जाना जाता है?
(A) जयनारायण व्यास
(B) केसरी सिंह बारहट
(C) प्रताप सिंह बारहट
(D) अर्जुन लाल सेठी

26. राजस्थान में किसान आंदोलनों के प्रमुख नेता विजय सिंह पथिक का मूल नाम क्या था?
(A) भूप सिंह
(B) रूप सिंह राठौड़
(C) मूल शंकर तिवारी
(D) धनपत राय श्रीवास्तव

27. जोधपुर के किस स्वतंत्रता सेनानी को स्नेहपूर्वक 'लोकनायक' और 'शेर-ए-राजस्थान' कहा जाता था?
(A) भंवरलाल सर्राफ
(B) जयनारायण व्यास
(C) बालमुकुंद बिस्सा
(D) मथुरादास माथुर

28. जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में शहीद हुए प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी सागरमल गोपा का संबंध किस रियासत से था?
(A) बीकानेर
(B) जैसलमेर
(C) जोधपुर
(D) मेवाड़

29. क्रांतिकारी गुप्त संगठन 'वीर भारत सभा' की स्थापना 1910 में निम्नलिखित में से किस नेता द्वारा की गई थी?
(A) केसरी सिंह बारहट
(B) अर्जुन लाल सेठी
(C) विजय सिंह पथिक
(D) स्वामी कुमारानंद

30. स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रभावशाली समाचार पत्र 'राजस्थान केसरी' का प्रथम प्रकाशन 1920 में वर्धा से किसके संपादकत्व में हुआ था?
(A) जयनारायण व्यास
(B) रामनारायण चौधरी
(C) विजय सिंह पथिक
(D) हरिभाऊ उपाध्याय

31. वर्ष 1931 में राजस्थान में स्थापित होने वाला पहला प्रजामंडल कौन-सा था?
(A) मेवाड़ प्रजामंडल
(B) मारवाड़ प्रजामंडल
(C) बीकानेर प्रजामंडल
(D) जयपुर प्रजामंडल

32. राजस्थान में प्रजामंडल आंदोलनों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. जयपुर प्रजामंडल राजस्थान में स्थापित होने वाला पहला प्रजामंडल था।
II. बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना अनोखे रूप से राज्य से बाहर कलकत्ता में हुई थी।
III. मारवाड़ प्रजामंडल ने अन्याय के विरोध में 1936 में 'कृष्णा दिवस' मनाया था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III सभी

33. मारवाड़ (जोधपुर) प्रजामंडल का गठन 1934 में हुआ था। इसके प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(A) जयनारायण व्यास
(B) भंवरलाल सर्राफ
(C) आनंदराज सुराणा
(D) मथुरादास माथुर

34. महाराजा के कड़े दमन के कारण, बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना 1936 में राजपूताना से बाहर किस स्थान पर हुई थी?
(A) बंबई
(B) वर्धा
(C) दिल्ली
(D) कलकत्ता

35. मेवाड़ प्रजामंडल की स्थापना अप्रैल 1938 में हुई थी। निम्नलिखित में से किसे इसका प्रथम अध्यक्ष नियुक्त किया गया था?
(A) बलवंत सिंह मेहता
(B) माणिक्य लाल वर्मा
(C) भूरे लाल बया
(D) मोहन लाल सुखाड़िया

NODIA

36. 'कांगड़ कांड' (1946) के नाम से जानी जाने वाली घटना, जिसमें किसानों पर अत्याचार किए गए थे, किस रियासत की राजनीतिक जागृति से संबंधित है?
(A) जोधपुर
(B) जयपुर
(C) बीकानेर
(D) मेवाड़

37. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: (प्रजामंडल)
P. जयपुर प्रजामंडल
Q. मेवाड़ प्रजामंडल
R. बीकानेर प्रजामंडल
S. कोटा प्रजामंडल
सूची II: (प्रमुख संस्थापक)
1. नयनूराम शर्मा
2. मघाराम वैद्य
3. कपूरचंद पाटनी
4. माणिक्य लाल वर्मा
(A) P-3, Q-4, R-2, S-1
(B) P-4, Q-3, R-1, S-2
(C) P-3, Q-2, R-4, S-1
(D) P-2, Q-4, R-3, S-1

38. वीरांगना आदिवासी बालिका 'काली बाई' ने अपने शिक्षक सेंगाभाई को बचाने के लिए 1947 में अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। यह प्रसिद्ध 'रास्तापाल कांड' किस जिले में हुआ था?
(A) बांसवाड़ा
(B) प्रतापगढ़
(C) उदयपुर
(D) डूंगरपुर

39. प्रजामंडल और उसके संस्थापक/प्रमुख नेता के गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) डूंगरपुर प्रजामंडल - भोगीलाल पंड्या
(B) प्रतापगढ़ प्रजामंडल - मघाराम वैद्य
(C) बांसवाड़ा प्रजामंडल - भूपेंद्र नाथ त्रिवेदी
(D) जैसलमेर प्रजामंडल - मीठालाल व्यास

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): प्रजामंडल आंदोलनों का प्राथमिक उद्देश्य देशी शासकों के संरक्षण में उत्तरदायी शासन की मांग करना था।
कारण (R): प्रजामंडल के नेता देशी रियासतों की जनता के लिए राजनीतिक जागृति, नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकार चाहते थे।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

41. राजस्थान के एकीकरण की जटिल प्रक्रिया कितने चरणों में पूरी हुई थी?
(A) चार
(B) पांच
(C) छह
(D) सात

42. राजस्थान के एकीकरण का पहला चरण मत्स्य संघ का गठन था। इसका उद्घाटन कब हुआ था?
(A) 15 अगस्त 1947
(B) 18 मार्च 1948
(C) 25 मार्च 1948
(D) 30 मार्च 1949

43. निम्नलिखित में से कौन-सी रियासत मत्स्य संघ का हिस्सा नहीं थी?
(A) अलवर
(B) दौसा
(C) भरतपुर
(D) करौली

44. नवगठित मत्स्य संघ के प्रधानमंत्री के रूप में किसे नियुक्त किया गया था?
(A) गोकुल लाल असावा
(B) शोभाराम कुमावत
(C) हीरालाल शास्त्री
(D) माणिक्य लाल वर्मा

45. एकीकरण के दूसरे चरण (25 मार्च 1948) में 'राजस्थान संघ' (पूर्व राजस्थान) का गठन हुआ था। किस शहर को इसकी राजधानी बनाया गया था?
(A) कोटा
(B) बूंदी
(C) उदयपुर
(D) डूंगरपुर

46. 'संयुक्त राजस्थान' के गठन (18 अप्रैल 1948) के दौरान, कौन-सी प्रमुख रियासत तत्कालीन राजस्थान संघ में सम्मिलित हुई थी?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) मेवाड़
(D) बीकानेर

47. चार प्रमुख रियासतों (जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर) के विलय के साथ 30 मार्च 1949 को वृहत् राजस्थान का गठन हुआ। वृहत् राजस्थान का उद्घाटन किसने किया था?
(A) लॉर्ड माउंटबेटन

Click Here to Buy book on Flipkart

(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) एन. वी. गाडगिल
(D) सरदार पटेल

48. नवगठित वृहत् राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री (तब प्रधानमंत्री कहे जाते थे) कौन थे?
(A) जयनारायण व्यास
(B) टीकाराम पालीवाल
(C) हीरालाल शास्त्री
(D) मोहन लाल सुखाड़िया

49. वृहत् राजस्थान के गठन के उपलक्ष्य में, प्रत्येक वर्ष किस तिथि को 'राजस्थान दिवस' मनाया जाता है?
(A) 1 नवंबर
(B) 18 मार्च
(C) 26 जनवरी
(D) 30 मार्च

50. 'संयुक्त वृहत् राजस्थान' के निर्माण के लिए 15 मई 1949 को अंततः मत्स्य संघ का विलय वृहत् राजस्थान में कर दिया गया। यह किस समिति की सिफारिश पर किया गया था?
(A) फजल अली आयोग
(B) वी. पी. मेनन समिति
(C) सत्यनारायण राव समिति
(D) शंकरराव देव समिति

51. राजस्थान के एकीकरण के दौरान गठित निम्नलिखित इकाइयों पर विचार कीजिए:
1. वृहत् राजस्थान
2. मत्स्य संघ
3. संयुक्त राजस्थान
4. राजस्थान संघ (द्वितीय चरण)

निम्नलिखित में से कौन-सा इनके गठन के सही कालानुक्रम को दर्शाता है?
(A) 2, 4, 3, 1
(B) 2, 3, 4, 1
(C) 1, 2, 3, 4
(D) 4, 2, 1, 3

52. 1 नवंबर 1956 को एकीकरण के अंतिम चरण के दौरान, निम्नलिखित में से किस क्षेत्र का राजस्थान में पूर्णतः विलय कर दिया गया था?
(A) सिरोंज क्षेत्र
(B) मालवा क्षेत्र
(C) अजमेर-मेरवाड़ा और आबू-देलवाड़ा
(D) सौराष्ट्र

53. 1956 में राजस्थान में विलय से पूर्व, अजमेर-मेरवाड़ा एक पृथक 'ग' श्रेणी का राज्य था। इसके एकमात्र मुख्यमंत्री कौन थे?
(A) हरिभाऊ उपाध्याय
(B) गोकुल भाई भट्ट
(C) मुकुट बिहारी लाल भार्गव
(D) ज्वाला प्रसाद शर्मा

54. वी. पी. मेनन ने संपूर्ण भारत में देशी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान वे किस आधिकारिक पद पर आसीन थे?
(A) भारत के वायसराय
(B) संविधान सभा के अध्यक्ष
(C) प्रारूप समिति के अध्यक्ष
(D) रियासती विभाग के सचिव

55. राजस्थान के एकीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. एकीकरण की प्रक्रिया ठीक पांच चरणों में पूरी तरह संपन्न हुई थी।
II. एकीकरण के दौरान गठित पहली राजनीतिक इकाई मत्स्य संघ थी।
III. सरदार वल्लभभाई पटेल ने राजस्थान की रियासतों के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाई।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल I और III
(D) केवल II और III

56. बांसवाड़ा के किस शासक ने विलय पत्र पर हस्ताक्षर करते समय यह प्रसिद्ध वाक्य कहा था, "मैं अपने डेथ वारंट पर हस्ताक्षर कर रहा हूँ"?
(A) महारावल लक्ष्मण सिंह
(B) महाराणा भूपाल सिंह
(C) महारावल चंद्रवीर सिंह
(D) महाराजा हनवंत सिंह

57. 7 अगस्त 1947 को भारतीय संघ में शामिल होने के लिए विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने वाली राजपूताना की पहली रियासत कौन-सी थी?
(A) मेवाड़
(B) जयपुर
(C) जोधपुर
(D) बीकानेर

58. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: (एकीकरण के चरण)
P. मत्स्य संघ
Q. राजस्थान संघ (द्वितीय चरण)
R. संयुक्त राजस्थान (तृतीय चरण)
S. वृहत् राजस्थान
सूची II: (राजधानियाँ)
1. जयपुर

NODIA

2. उदयपुर
3. कोटा
4. अलवर

(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-3, Q-4, R-1, S-2
(C) P-4, Q-2, R-3, S-1
(D) P-1, Q-3, R-2, S-4

59. 1 नवंबर 1956 को 'राजप्रमुख' का पद समाप्त कर उसके स्थान पर 'राज्यपाल' का पद सृजित किया गया। राजस्थान के प्रथम राज्यपाल के रूप में किसे नियुक्त किया गया था?
(A) संपूर्णानंद
(B) गुरुमुख निहाल सिंह
(C) सरदार हुकम सिंह
(D) डॉ. राजेंद्र प्रसाद

60. स्वतंत्रता के समय राजपूताना क्षेत्र में कितनी रियासतें और ठिकाने थे?
(A) 18 रियासतें और 2 ठिकाने
(B) 19 रियासतें और 3 ठिकाने
(C) 21 रियासतें और 1 ठिकाना
(D) 22 रियासतें और 4 ठिकाने

61. 1971 का 26वाँ संविधान संशोधन अधिनियम पूर्व रियासतों के संदर्भ में ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके परिणामस्वरूप:
(A) प्रिवी पर्स और शाही विशेषाधिकारों का उन्मूलन हुआ
(B) नए राज्यों का निर्माण हुआ
(C) राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना हुई
(D) बिना मुआवजे के शाही संपत्तियों का अनिवार्य अधिग्रहण हुआ

62. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): वी. पी. मेनन को 1947 में रियासती विभाग का सचिव नियुक्त किया गया था।
कारण (R): राजस्थान के एकीकरण में गठित पहला संघ मत्स्य संघ था।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

63. वर्तमान राजस्थान का निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र स्वतंत्रता से पूर्व अंग्रेजों द्वारा सीधे मुख्य आयुक्त प्रांत के रूप में शासित था?
(A) झालावाड़
(B) टोंक
(C) मेवाड़
(D) अजमेर-मेरवाड़ा

64. राजस्थान की अंतिम सीमाओं का निर्धारण राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया गया था। इस आयोग के अध्यक्ष कौन थे?
(A) एच. एन. कुंजरू
(B) के. एम. पणिक्कर
(C) फजल अली
(D) सरदार पटेल

65. राजस्थान की रियासतों के संदर्भ में 'प्रिवी पर्स' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) राजकोष के लिए किसानों से एकत्र किया जाने वाला एक विशेष कर
(B) पूर्व शासकों को दी जाने वाली एक निश्चित कर-मुक्त पेंशन
(C) महाराजा की व्यक्तिगत अंगरक्षक टुकड़ी
(D) राज्यारोहण समारोह के दौरान पहनी जाने वाली पारंपरिक शाही पोशाक

66. राजस्थान में किसान आंदोलनों और स्वतंत्रता संग्राम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने वाला समाचार पत्र 'नवज्योति' अजमेर से किसके द्वारा प्रकाशित किया गया था?
(A) जयनारायण व्यास
(B) मोतीलाल तेजावत
(C) हरिभाऊ उपाध्याय
(D) रामनारायण चौधरी

67. 'एकीकरण दिवस' या 'राजस्थान स्थापना दिवस' 1 नवंबर को माना जाता है। इसका ऐतिहासिक महत्व क्या है?
(A) एकीकरण पूर्ण हुआ और वर्तमान राजस्थान का गठन हुआ।
(B) इस दिन मत्स्य संघ का आधिकारिक रूप से गठन और उद्घाटन हुआ था।
(C) इस दिन पूरे राज्य में पहले लोकतांत्रिक आम चुनाव सफलतापूर्वक आयोजित किए गए थे।
(D) इस दिन राज्य की राजधानी आधिकारिक रूप से जयपुर स्थानांतरित की गई थी।

68. ऐतिहासिक आऊवा किला, जो 1857 के विद्रोह के दौरान ठाकुर कुशाल सिंह द्वारा किए गए कड़े प्रतिरोध के लिए जाना जाता है, वर्तमान में किस जिले में स्थित है?
(A) जोधपुर
(B) नागौर
(C) पाली
(D) बाड़मेर

69. अपने गुरु की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने वाली वीर आदिवासी बालिका काली बाई का प्रमुख स्मारक कहाँ स्थित है?
(A) गेप सागर झील, डूंगरपुर

NODIA

(B) मानगढ़ पहाड़ी, बांसवाड़ा
(C) मातृकुंडिया के पास, चित्तौड़गढ़
(D) डाबी गाँव, बूंदी

70. प्रसिद्ध समाचार पत्र 'तरुण राजस्थान' का संबंध किस स्वतंत्रता सेनानी से था, जिन्होंने इसका उपयोग रियासती शासकों के अत्याचारों को उजागर करने के लिए किया था?
(A) जमनालाल बजाज
(B) माणिक्य लाल वर्मा
(C) गोकुल भाई भट्ट
(D) जयनारायण व्यास

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) नसीराबाद
राजस्थान में 1857 के सैन्य विद्रोह का औपचारिक प्रारंभ अजमेर जिले में स्थित नसीराबाद सैन्य छावनी से हुआ था। मेरठ में हुए विद्रोह की सूचना मिलते ही नसीराबाद में तैनात पंद्रहवीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री के सैनिकों ने ब्रिटिश अधिकारियों के विरुद्ध शस्त्रागार पर अधिकार कर लिया। इस घटना ने पूरे राजपूताना में स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला प्रज्वलित की, जिसके पश्चात् अन्य छावनियों में भी ब्रिटिश शासन के विरुद्ध व्यापक संघर्ष प्रारंभ हो गया।

2. (B) 28 मई 1857
भारत में 10 मई 1857 को मेरठ में विद्रोह भड़कने की खबर राजपूताना के ए.जी.जी. जॉर्ज पैट्रिक लॉरेंस को प्राप्त हुई थी। इसके पश्चात् नसीराबाद छावनी में तैनात पंद्रहवीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री के असंतुष्ट सैनिकों ने 28 मई 1857 को विद्रोह का बिगुल बजाया। सैनिकों ने शस्त्रागार लूटकर अंग्रेज अधिकारियों पर आक्रमण कर दिया और दिल्ली की ओर प्रस्थान किया, जिससे राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम की औपचारिक शुरुआत दर्ज की गई थी।

3. (A) लाला जयदयाल और मेहराब खान
कोटा रियासत में 1857 की क्रांति का रूप एक सुसंगठित जनविद्रोह जैसा था, जहाँ सैन्य छावनी न होते हुए भी जनता और सैनिकों ने मिलकर विद्रोह किया। इस ऐतिहासिक क्रांति का कुशल नेतृत्व वकील लाला जयदयाल और रिसालदार मेहराब खान ने किया था। विद्रोहियों ने कोटा के महाराव रामसिंह द्वितीय को महल में बंदी बना लिया था तथा लगभग छह महीनों तक रियासत का संपूर्ण शासन तंत्र अपने पूर्ण नियंत्रण में बनाए रखा था।

4. (C) मेजर बर्टन
कोटा में 15 अक्टूबर 1857 को हुए भीषण जनविद्रोह के दौरान क्रांतिकारियों ने अत्यधिक उग्र रूप धारण कर लिया था। विद्रोहियों ने कोटा रेजिडेंसी पर धावा बोलकर वहाँ तैनात ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट मेजर बर्टन तथा उनके दो पुत्रों एवं एक डॉक्टर की जघन्य हत्या कर दी। इसके पश्चात् क्रांतिकारियों ने मेजर बर्टन का कटा हुआ सिर पूरे कोटा शहर में घुमाया, जो ब्रिटिश हुकूमत के प्रति जनता के तीव्र आक्रोश का प्रतीक बना।

5. (A) नीमच
नीमच सैन्य छावनी में 3 जून 1857 को क्रांति की ज्वाला भड़की थी, जिसका मुख्य नेतृत्व मोहम्मद अली बेग और सूबेदार हीरा सिंह ने किया था। कर्नल एबॉट द्वारा सैनिकों को वफादारी की शपथ दिलाने के प्रयास के उत्तर में मोहम्मद अली बेग ने अंग्रेजों की वादाखिलाफी को उजागर करते हुए शपथ लेने से इनकार कर दिया था। इसके उपरांत सैनिकों ने शस्त्रागार में आग लगा दी तथा ब्रिटिश अधिकारियों को खदेड़ दिया।

6. (D) टोंक
1857 की क्रांति के समय राजपूताना में छह प्रमुख ब्रिटिश सैन्य छावनियाँ नसीराबाद, नीमच, एरिनपुरा, देवली, ब्यावर और खेरवाड़ा स्थित थीं। इनमें से ब्यावर तथा खेरवाड़ा छावनियों ने 1857 के विद्रोह में प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं लिया था। टोंक राजपूताना की एक मुस्लिम रियासत थी, जिसे सैन्य छावनी के रूप में गठित नहीं किया गया था, यद्यपि टोंक के नवाब के सैनिकों और स्थानीय जनता ने क्रांति में भाग लिया था।

7. (B) P-3, Q-1, R-4, S-2
1857 के स्वतंत्रता संग्राम के समय ब्रिटिश सरकार ने प्रशासनिक नियंत्रण हेतु राजपूताना की प्रमुख रियासतों में अपने पॉलिटिकल एजेंट तैनात किए थे। कोटा रियासत में मेजर बर्टन की नियुक्ति थी, जिनकी विद्रोहियों ने हत्या कर दी थी। मेवाड़ रियासत में कैप्टन शावर्स तैनात थे, जिन्होंने नीमच से भागे अंग्रेजों को शरण दी। मारवाड़ रियासत में मैक मोसन तैनात थे, जो चेलावास के युद्ध में मारे गए थे, तथा जयपुर रियासत में मेजर ईडन नियुक्त थे।

8. (B) 1919
राजस्थान में राजनीतिक चेतना जागृत करने और जनसामान्य की समस्याओं को उठाने के उद्देश्य से वर्ष 1919 में महाराष्ट्र के वर्धा नामक स्थान पर 'राजस्थान सेवा संघ' की स्थापना की गई थी। इसके प्रमुख संस्थापकों में विजय सिंह पथिक, रामनारायण चौधरी तथा हरिभाई किंकर शामिल थे। बाद में वर्ष 1920 में इस संस्था का मुख्यालय अजमेर स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ से इसने किसान आंदोलनों एवं जनजागृति में अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई थी।

9. (D) साधु सीताराम दास
बिजोलिया किसान आंदोलन का प्रथम चरण 1897 से 1915 तक चला था। इस प्रारंभिक चरण का नेतृत्व स्थानीय विद्वान और पुस्तकालयाध्यक्ष साधु सीताराम दास ने किया था। उन्होंने गिरधारीपुरा गाँव में धाकड़ जाति के किसानों के एकत्र होने पर जागीरदार के अत्याचारों और अनुचित करों के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात् उन्होंने नानजी पटेल और ठाकरी पटेल को मेवाड़ महाराणा के पास शिकायत भेजने के लिए भेजा था।

10. (A) केवल I और II
बिजोलिया किसान आंदोलन भारत के इतिहास का सबसे लंबा अहिंसक किसान आंदोलन माना जाता है, जो लगभग 44 वर्षों तक बिना किसी हिंसा के निरंतर चलता रहा। यह आंदोलन बिजोलिया ठिकाने के सामंतों द्वारा किसानों पर आरोपित 84

NODIA

प्रकार के अत्यधिक लाग-बाग एवं अनुचित करों के विरोध में प्रारंभ हुआ था। ब्रिटिश अधिकारी या स्थानीय जागीरदार इसे शीघ्र दबाने में विफल रहे और अंततः वर्ष 1941 में किसानों की माँगें स्वीकार की गईं।

11. (B) बेगूं किसान आंदोलन
बेगूं किसान आंदोलन वर्ष 1921 में मेवाड़ रियासत के बेगूं ठिकाने में किसानों पर अत्यधिक लगान और बेगार प्रथा के विरोध में प्रारंभ हुआ था। किसानों की शिकायतों की जाँच करने तथा परिस्थितियों का आकलन करने के लिए अंग्रेज अधिकारी मिस्टर ट्रेंच की अध्यक्षता में 'ट्रेंच आयोग' का गठन किया गया था। आयोग ने किसानों की मांगों को खारिज कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप गोविंदपुरा गाँव में किसानों पर गोलियाँ चलाई गईं और आंदोलन उग्र हो गया।

12. (B) बूंदी किसान आंदोलन
बूंदी राज्य में किसानों पर अनुचित करों और प्रशासनिक अत्याचारों के विरोध में बर्ड क्षेत्र से किसान आंदोलन प्रारंभ हुआ था। 2 अप्रैल 1923 को डाबी गाँव में किसानों की एक सभा आयोजित की जा रही थी, जहाँ पुलिस अधिकारी इकराम हुसैन के आदेश पर गोलीबारी की गई। इस घटना में झंडा गीत गाते हुए नानक जी भील और देवीलाल गुर्जर शहीद हो गए। यह दुखद घटना डाबी हत्याकांड के नाम से इतिहास में प्रसिद्ध है।

13. (A) राव कृष्ण सिंह
बिजोलिया ठिकाने के जागीरदार राव कृष्ण सिंह ने वर्ष 1903 में किसानों पर 'चंवरी कर' नामक एक नया और अपमानजनक कर लागू कर दिया था। इस कर के अंतर्गत प्रत्येक किसान को अपनी पुत्री के विवाह के अवसर पर ठिकाने को पाँच रुपये की राशि देनी पड़ती थी। इस शोषणकारी कर के विरोध में किसानों ने अपनी बेटियों का विवाह रोक दिया तथा भूमि जोतना बंद कर दिया, जिससे विवश होकर जागीरदार को यह कर हटाना पड़ा।

14. (C) नीमुचणा हत्याकांड
अलवर रियासत में बढ़ी हुई लगान दरों और राजपूत किसानों के अधिकारों के हनन के विरोध में 14 मई 1925 को नीमुचणा गाँव में एक विशाल किसान सभा आयोजित की गई थी। राज्य की सेना ने निहत्थे किसानों को घेरकर उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की और गाँव में आग लगा दी। इस बीभत्स कांड में सैकड़ों किसान मारे गए थे। महात्मा गांधी ने अपने समाचार पत्र 'युंग इंडिया' में इस घटना की भर्त्सना करते हुए इसे "दोहरी डायरशाही" की संज्ञा दी थी।

15. (C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
बिजोलिया किसान आंदोलन राजस्थान के इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक घटना है क्योंकि इसने अन्य क्षेत्रों के किसानों को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। हालाँकि यह आंदोलन पूरी तरह से अहिंसक था तथा सत्य एवं अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित था। इसमें किसी प्रकार की हिंसा नहीं हुई थी और न ही 1897 में मेवाड़ के शासक का कोई तख्तापलट हुआ था, इसलिए आंदोलन के संदर्भ में दिया गया कारण तथ्यहीन है।

16. (C) गोविंद गुरु
भील जनजाति के सामाजिक सुधार, धार्मिक पुनर्जागरण और नैतिक उत्थान के लिए गोविंद गुरु ने वर्ष 1883 में 'संप सभा' नामक संगठन की स्थापना की थी। उन्होंने आदिवासियों को शराब त्यागने, चोरी न करने, स्वच्छता से रहने तथा आपसी विवादों को अपनी सभा में सुलझाने का उपदेश दिया। 'संप' शब्द का अर्थ आपसी प्रेम, एकता और भाईचारा होता है। इस संगठन के माध्यम से गोविंद गुरु ने दक्षिणी राजस्थान में व्यापक जनजागृति फैलाई थी।

17. (A) 17 नवंबर 1913
बांसवाड़ा जिले में स्थित मानगढ़ पहाड़ी पर 17 नवंबर 1913 को मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अवसर पर गोविंद गुरु के नेतृत्व में हजारों भील आदिवासी धार्मिक एवं सामाजिक सम्मेलन हेतु एकत्र हुए थे। ब्रिटिश मेवाड़ भील कोर तथा रियासती सेनाओं ने मानगढ़ पहाड़ी को चारों तरफ से घेरकर निहत्थे आदिवासियों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस हृदयविदारक घटना में 1500 से अधिक आदिवासी शहीद हो गए, जिसे राजस्थान का जलियांवाला बाग कहा जाता है।

18. (D) एकी आंदोलन
आदिवासियों पर होने वाले सामंती शोषित अत्याचारों, अत्यधिक लगान और बेगार प्रथा के अंत के लिए मोतीलाल तेजावत ने वर्ष 1921 में चित्तौड़गढ़ के मातृकुंडिया नामक स्थान से 'एकी आंदोलन' का शुभारंभ किया था। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य भील और गरासिया जनजातियों में आपसी एकता स्थापित करना तथा रियासती दमन के विरुद्ध संघर्ष करना था। मोतीलाल तेजावत ने मेवाड़ महाराणा को 21 सूत्री मांग पत्र प्रस्तुत किया था जिसे 'मेवाड़ की पुकार' कहते हैं।

19. (A) बंजारा
जनजातीय सुधारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद गुरु का जन्म 20 दिसंबर 1858 को डुंगरपुर जिले के बांसिया (वेड़सा) गाँव में एक बंजारा परिवार में हुआ था। स्वयं बंजारा समुदाय से होने के बावजूद उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भील और गरासिया आदिवासियों के सामाजिक उत्थान, शिक्षा के प्रसार और कुरीतियों के उन्मूलन में समर्पित कर दिया। स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रेरणा से उन्होंने आदिवासियों को संगठित कर उनमें स्वाभिमान जगाया था।

20. (A) संप सभा की स्थापना → मानगढ़ हत्याकांड → डाबी हत्याकांड
राजस्थान में जन-जागृति से जुड़ी इन घटनाओं का ऐतिहासिक कालक्रम अत्यंत सुस्पष्ट है। गोविंद गुरु द्वारा भील समाज को संगठित करने हेतु 'संप सभा' की स्थापना वर्ष 1883 में की गई थी। इसके उपरांत मानगढ़ पहाड़ी पर ब्रिटिश सेना द्वारा किया गया भीषण नरसंहार 17 नवंबर 1913 को घटित हुआ था। बूंदी किसान आंदोलन के दौरान पुलिस गोलीबारी में नानक जी भील की शहादत वाला डाबी हत्याकांड 2 अप्रैल 1923 को हुआ था।

Click Here to Buy book on Amazon

21. (A) मीणा आंदोलन
जयपुर राज्य द्वारा लागू किए गए दमनकारी 'जरायम पेशा कानून' के विरोध में मीणा समुदाय ने लंबा संघर्ष किया था। इस कानून के तहत सभी वयस्क मीणा पुरुषों एवं महिलाओं को दैनिक रूप से थाने में उपस्थिति दर्ज करानी पड़ती थी। वर्ष 1944 में सीकर जिले के नीम का थाना में जैन मुनि मगन सागर की अध्यक्षता में एक विशाल सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें 'जयपुर राज्य मीणा सुधार समिति' का गठन कर आंदोलन को नई दिशा दी गई थी।

22. (D) डॉ. मोहम्मद अली और यासीन खान
अलवर और भरतपुर रियासतों के मेवात क्षेत्र में वर्ष 1932 में किसानों ने बढ़ते हुए भू-राजस्व, खरीफ फसलों के नुकसान और जंगली सुअरों द्वारा फसलों की तबाही के खिलाफ मेव किसान आंदोलन शुरू किया था। इस संगठित आंदोलन का प्राथमिक नेतृत्व गुड़गांव के जननेता यासीन खान तथा डॉ. मोहम्मद अली ने किया था। उनके कुशल नेतृत्व में 'अंजुमन खादिम-उल-इस्लाम' संस्था के माध्यम से किसानों की मांगों को प्रमुखता से उठाया गया था।

23. (B) अजमेर
राजस्थान सेवा संघ की स्थापना 1919 में महात्मा गांधी की प्रेरणा से महाराष्ट्र के वर्धा में विजय सिंह पथिक और सहयोगियों द्वारा की गई थी। परंतु राजपूताना की रियासतों में गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु वर्ष 1920 में इसका मुख्यालय अजमेर स्थानांतरित कर दिया गया। अजमेर केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण क्रांतिकारियों के लिए गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन गया, जहाँ से 'नवीन राजस्थान' पत्र भी प्रकाशित होता था।

24. (C) अर्जुन लाल सेठी
जयपुर के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी अर्जुन लाल सेठी ने वर्ष 1907 में 'जैन वर्धमान विद्यालय' की स्थापना की थी। यद्यपि यह संस्था बाह्य रूप से एक धार्मिक शिक्षण संस्थान प्रतीत होती थी, परंतु इसका मुख्य गोपनीय उद्देश्य युवा क्रांतिकारियों को देश सेवा, राष्ट्रीय चेतना और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित करना था। जोरावर सिंह बारहट और प्रताप सिंह बारहट जैसे अनेक प्रसिद्ध क्रांतिकारियों ने इसी संस्थान से क्रांतिकारी प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

25. (D) अर्जुन लाल सेठी
अर्जुन लाल सेठी राजस्थान में राष्ट्रीय चेतना और सशस्त्र क्रांति के जनक माने जाते हैं। जब जयपुर के महाराजा ने उन्हें राज्य के उच्च प्रशासनिक पद चौमूं के मजिस्ट्रेसी पद की पेशकश की, तो देशभक्ति से ओतप्रोत होकर उन्होंने यह प्रसिद्ध कथन कहा था, "यदि अर्जुन लाल राज्य की सेवा करेगा, तो अंग्रेजों को भारत से बाहर कौन निकालेगा?" इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की स्वतंत्रता हेतु समर्पित कर दिया।

26. (A) भूप सिंह
प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं किसान नेता विजय सिंह पथिक का मूल नाम भूप सिंह गुर्जर था। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के गुठावली गाँव में हुआ था। रासबिहारी बोस और सचिंद्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में 1915 की सशस्त्र क्रांति योजना में भाग लेने के कारण वे राजस्थान आए थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने अपना छद्म नाम विजय सिंह पथिक रखा और बाद में बिजोलिया किसान आंदोलन के सफल सर्वमान्य नेता बने।

27. (B) जयनारायण व्यास
जोधपुर के महान स्वतंत्रता सेनानी जयनारायण व्यास को राजस्थान में जन-जागृति फैलाने और रियासती निरंकुशता के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए 'लोकनायक' एवं 'शेर-ए-राजस्थान' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने मारवाड़ हितकारिणी सभा और मारवाड़ प्रजामंडल के माध्यम से उत्तरदायी शासन की स्थापना हेतु निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने 'आगीबाण' नामक राजस्थानी भाषा के पहले राजनीतिक समाचार पत्र तथा 'पीप' अंग्रेजी पत्र का संपादन भी किया था।

28. (B) जैसलमेर
महान देशभक्त और स्वतंत्रता सेनानी सागरमल गोपा का संबंध जैसलमेर रियासत से था। उन्होंने जैसलमेर के महारावल जवाहर सिंह के निरंकुश शासन और अत्याचारों का विरोध करते हुए 'जैसलमेर में गुंडाराज' तथा 'आजादी के दवाने' जैसी निर्भीक पुस्तकें लिखी थीं। इसके कारण उन्हें राजद्रोह के आरोप में जेल में डाल दिया गया, जहाँ जेलर गुमान सिंह के इशारे पर 4 अप्रैल 1946 को उन्हें जीवित जलाकर क्रूरतापूर्वक शहीद कर दिया गया।

29. (A) केसरी सिंह बारहट
राजस्थान में क्रांतिकारी गतिविधियों को फैलाने और युवाओं में देशभक्ति की भावना भरने के उद्देश्य से क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहट ने वर्ष 1910 में 'वीर भारत सभा' नामक एक गुप्त क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की थी। इस संस्था के गठन में विजय सिंह पथिक और गोपाल सिंह खरवा ने भी उनका पूर्ण सहयोग किया था। इस संगठन का मुख्य लक्ष्य रियासती राजाओं एवं युवाओं को ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध संगठित करना था।

30. (C) विजय सिंह पथिक
'राजस्थान केसरी' समाचार पत्र का प्रथम प्रकाशन वर्ष 1920 में महाराष्ट्र के वर्धा शहर से विजय सिंह पथिक के संपादकत्व में प्रारंभ हुआ था। इस समाचार पत्र की स्थापना में प्रसिद्ध उद्योगपति एवं स्वतंत्रता सेनानी जमनालाल बजाज ने वित्तीय सहायता प्रदान की थी। इस समाचार पत्र ने राजस्थान की रियासतों में किसानों पर हो रहे अत्याचारों, बेगार प्रथा और सामंती दमन को उजागर करने तथा जनजागृति फैलाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

31. (D) जयपुर प्रजामंडल
राजस्थान की रियासतों में राजनीतिक अधिकारों और उत्तरदायी शासन की स्थापना हेतु प्रजामंडलों का गठन शुरू हुआ था। वर्ष 1931 में गठित जयपुर प्रजामंडल राजस्थान में स्थापित होने वाला पहला प्रजामंडल था। इसकी स्थापना कपूरचंद पाटनी

NODIA

तथा जमनालाल बजाज के प्रयासों से हुई थी। हालाँकि प्रारंभ में यह अधिक सक्रिय नहीं रहा, किंतु वर्ष 1936 में जमनालाल बजाज और हीरालाल शास्त्री के नेतृत्व में इसका पुनर्गठन किया गया था।

32. (D) I, II और III सभी
राजस्थान में प्रजामंडल आंदोलनों से संबंधित सभी कथन ऐतिहासिक रूप से पूर्णतः सत्य हैं। 1931 में स्थापित जयपुर प्रजामंडल राज्य का पहला प्रजामंडल था। बीकानेर रियासत में महाराजा के दमनकारी चक्र के कारण मघाराम वैद्य ने 1936 में बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना कलकत्ता में की थी। मारवाड़ प्रजामंडल ने वर्ष 1936 में कृष्णा कुमारी नामक अपहृत बालिका को न्याय दिलाने और जनजागृति फैलाने हेतु 'कृष्णा दिवस' मनाया था।

33. (B) भंवरलाल सर्राफ
मारवाड़ रियासत में नागरिकों के नागरिक अधिकारों की सुरक्षा तथा उत्तरदायी शासन व्यवस्था की माँग के उद्देश्य से वर्ष 1934 में मारवाड़ प्रजामंडल की स्थापना की गई थी। जयनारायण व्यास, अभयमल जैन और आनंदराज सुराणा के प्रयासों से स्थापित इस प्रजामंडल का प्रथम अध्यक्ष भंवरलाल सर्राफ को बनाया गया था। इस प्रजामंडल ने जोधपुर रियासत में राजशाही के अनुचित नियमों और दमनकारी नीतियों के खिलाफ लगातार आंदोलन चलाए।

34. (D) कलकत्ता
बीकानेर रियासत में महाराजा गंगासिंह के कठोर शासन और राजनीतिक गतिविधियों पर लगे कड़े प्रतिबंधों के कारण राज्य के भीतर किसी राजनीतिक संगठन की स्थापना करना असंभव था। इस विषम परिस्थिति में वैद्य मघाराम और उनके सहयोगियों ने 4 अक्टूबर 1936 को बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना बीकानेर से बाहर कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) में की थी। वहाँ प्रवासी बीकानेर निवासियों के सहयोग से रियासत में उत्तरदायी शासन की माँग बुलंद की गई थी।

35. (A) बलवंत सिंह मेहता
मेवाड़ रियासत में नागरिक अधिकारों एवं उत्तरदायी शासन की स्थापना हेतु 24 अप्रैल 1938 को मेवाड़ प्रजामंडल का गठन किया गया था। उदयपुर में स्थापित इस प्रजामंडल का प्रथम अध्यक्ष बलवंत सिंह मेहता को नियुक्त किया गया था, जबकि माणिक्य लाल वर्मा इसके प्रमुख संस्थापक एवं महामंत्री बने थे। इस संगठन ने मेवाड़ रियासत में जन-आंदोलन को संगठित दिशा प्रदान की थी।

36. (C) बीकानेर
बीकानेर रियासत के रतनगढ़ के पास स्थित कांगड़ गाँव में वर्ष 1946 में अकाल के बावजूद जागीरदार द्वारा किसानों से जबरन लगान वसूलने का प्रयास किया गया। जब किसानों ने इसका विरोध किया, तो जागीरदार के आदमियों ने ग्रामीणों पर अमानवीय अत्याचार किए तथा उनके घर लूट लिए। इस घटना को 'कांगड़ कांड' के नाम से जाना जाता है। बीकानेर प्रजामंडल ने इस घटना की तीव्र भर्त्सना की और किसानों को न्याय दिलाया।

37. (A) P-3, Q-4, R-2, S-1
राजस्थान की विभिन्न रियासतों में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व उत्तरदायी शासन की स्थापना हेतु गठित प्रजामंडलों का नेतृत्व प्रमुख जननेताओं ने किया था। जयपुर प्रजामंडल के संस्थापक कपूरचंद पाटनी थे, जिन्होंने 1931 में इसका गठन किया। मेवाड़ प्रजामंडल की स्थापना माणिक्य लाल वर्मा के प्रयासों से हुई। बीकानेर प्रजामंडल का गठन 1936 में मघाराम वैद्य ने किया, जबकि कोटा प्रजामंडल की स्थापना पंडित नयनूराम शर्मा द्वारा की गई थी।

38. (D) डूंगरपुर
डूंगरपुर रियासत में प्रजामंडल द्वारा संचालित विद्यालयों को रियासती पुलिस द्वारा जबरन बंद कराया जा रहा था। 19 जून 1947 को रास्तापाल गाँव में जब पुलिस अध्यापक सेंगाभाई को ट्रक से बांधकर घसीट रही थी, तब 13 वर्षीया भील बालिका काली बाई ने अपनी दराती से रस्सी काटकर अपने गुरु को बचाया। पुलिस की गोलियों से काली बाई शहीद हो गई। यह प्रसिद्ध रास्तापाल कांड वर्तमान डूंगरपुर जिले से संबंधित है।

39. (B) प्रतापगढ़ प्रजामंडल - मघाराम वैद्य
प्रतापगढ़ प्रजामंडल की स्थापना वर्ष 1945 में अमृतलाल पायक और चुन्नीलाल शर्मा द्वारा की गई थी, न कि मघाराम वैद्य द्वारा। मघाराम वैद्य का संबंध बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना से है, जिन्होंने वर्ष 1936 में कलकत्ता में बीकानेर प्रजामंडल गठित किया था। अन्य सभी विकल्प सही सुमेलित हैं, जिनमें डूंगरपुर प्रजामंडल के भोगीलाल पंड्या, बांसवाड़ा के भूपेंद्र नाथ त्रिवेदी तथा जैसलमेर के मीठालाल व्यास संस्थापक थे।

40. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
प्रजामंडल आंदोलनों का मुख्य उद्देश्य देशी रियासतों के शासकों की छत्रछाया में उत्तरदायी लोकतांत्रिक शासन की स्थापना करना था। प्रजामंडल के नेता राजाओं को हटाना नहीं चाहते थे, बल्कि वे चाहते थे कि रियासत की जनता को बुनियादी नागरिक स्वतंत्रता, मौलिक अधिकार और राजनीतिक जागृति प्राप्त हो। इसलिए प्रजामंडल नेताओं ने उत्तरदायी शासन व्यवस्था के माध्यम से जनता के अधिकारों को सुनिश्चित करने हेतु व्यापक आंदोलन चलाए थे।

41. (D) सात
राजस्थान का एकीकरण एक अत्यंत जटिल एवं ऐतिहासिक प्रक्रिया थी, जो कुल सात चरणों में पूरी हुई थी। इस एकीकरण प्रक्रिया का प्रथम चरण 18 मार्च 1948 को 'मत्स्य संघ' के गठन के साथ प्रारंभ हुआ था तथा सातवाँ एवं अंतिम चरण 1 नवंबर 1956 को अजमेर-मेरवाड़ा और आबू-देलवाड़ा के विलय के साथ संपन्न हुआ। इस संपूर्ण एकीकरण प्रक्रिया को पूरा होने में कुल 8 वर्ष, 7 माह और 14 दिन का समय लगा था।

Downloaded from www.pdf.tube

42. (B) 18 मार्च 1948
राजस्थान के एकीकरण के प्रथम चरण के रूप में 'मत्स्य संघ' का गठन किया गया था, जिसका आधिकारिक उद्घाटन 18 मार्च 1948 को हुआ था। इस संघ में अलवर, भरतपुर, करौली और धौलपुर नामक चार पूर्वी रियासतों तथा नीमराणा ठिकाने को शामिल किया गया था। मत्स्य संघ का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री एन. वी. गाडगिल द्वारा लोहागढ़ दुर्ग (भरतपुर) में किया गया तथा धौलपुर के महाराजा उदयभान सिंह को इसका राजप्रमुख बनाया गया था।

43. (B) दौसा
18 मार्च 1948 को गठित मत्स्य संघ में राजपूताना की चार पूर्वी रियासतें अलवर, भरतपुर, करौली और धौलपुर सम्मिलित थीं, जिनके साथ नीमराणा ठिकाना भी शामिल किया गया था। के. एम. मुंशी की सिफारिश पर इस संघ का नाम 'मत्स्य संघ' रखा गया था। स्वतंत्रता के समय दौसा कोई पृथक रियासत नहीं थी, बल्कि यह जयपुर रियासत का ही एक प्रशासनिक हिस्सा थी, इसलिए यह मत्स्य संघ में शामिल नहीं थी।

44. (B) शोभाराम कुमावत
18 मार्च 1948 को मत्स्य संघ के गठन के पश्चात अलवर के प्रसिद्ध प्रजामंडल नेता और स्वतंत्रता सेनानी शोभाराम कुमावत को नवगठित मत्स्य संघ का प्रथम प्रधानमंत्री (मुख्यमंत्री) नियुक्त किया गया था। इस संघ की राजधानी अलवर बनाई गई थी तथा धौलपुर के महाराजा उदयभान सिंह को राजप्रमुख का पद सौंपा गया था। शोभाराम कुमावत ने मत्स्य संघ में जनहितैषी प्रशासनिक नीतियों को लागू करने में अहम भूमिका निभाई।

45. (A) कोटा
राजस्थान के एकीकरण के दूसरे चरण में 25 मार्च 1948 को 'राजस्थान संघ' (पूर्व राजस्थान) का गठन हुआ था, जिसमें दक्षिण-पूर्वी राजस्थान की नौ रियासतें और कुशलगढ़ ठिकाना शामिल हुए थे। इस नवगठित संघ की राजधानी कोटा को बनाया गया था। कोटा के महाराव भीमसिंह द्वितीय को राजप्रमुख नियुक्त किया गया था तथा शाहपुरा के गोकुल लाल असावा को इस संघ का प्रधानमंत्री बनाया गया था।

46. (C) मेवाड़
एकीकरण के तीसरे चरण में 18 अप्रैल 1948 को प्राचीन एवं शक्तिशाली मेवाड़ (उदयपुर) रियासत का विलय पूर्व राजस्थान संघ में किया गया, जिससे 'संयुक्त राजस्थान' का निर्माण हुआ। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसका उद्घाटन उदयपुर में किया था। मेवाड़ के महाराणा भूपाल सिंह को राजप्रमुख तथा माणिक्य लाल वर्मा को संयुक्त राजस्थान का प्रधानमंत्री बनाया गया था। राजधानी कोटा से बदलकर उदयपुर स्थानांतरित की गई थी।

47. (D) सरदार पटेल
एकीकरण के चौथे चरण में 30 मार्च 1949 को चार बड़ी रियासतों - जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर का संयुक्त राजस्थान में विलय करके 'वृहत् राजस्थान' का गठन किया गया था। भारत के लौह पुरुष तथा तत्कालीन गृह एवं रियासती मामलों के मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने जयपुर में इसका भव्य उद्घाटन किया था। जयपुर के महाराजा मानसिंह द्वितीय को राजप्रमुख तथा हीरालाल शास्त्री को प्रधानमंत्री बनाया गया था।

48. (C) हीरालाल शास्त्री
30 मार्च 1949 को वृहत् राजस्थान के गठन के पश्चात जयपुर के प्रमुख प्रजामंडल नेता हीरालाल शास्त्री को नवगठित राज्य का प्रथम प्रधानमंत्री (वर्तमान मुख्यमंत्री) नियुक्त किया गया था। उन्होंने 7 अप्रैल 1949 को पद की शपथ ग्रहण की थी। जयपुर को सत्यनारायण राव समिति की सिफारिशों के आधार पर वृहत् राजस्थान की स्थाई राजधानी घोषित किया गया था, जो वर्तमान में भी राजस्थान की राजधानी है।

49. (D) 30 मार्च
30 मार्च 1949 को जयपुर, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर जैसी चार विशाल रियासतों का विलय करके वृहत् राजस्थान का निर्माण किया गया था, जिससे राजस्थान का अधिकांश भूभाग एकीकृत हो गया था। इस ऐतिहासिक दिन की स्मृति में तथा राज्य के गठन के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 30 मार्च को सम्पूर्ण राज्य में 'राजस्थान दिवस' के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

50. (D) शंकरराव देव समिति
एकीकरण के पाँचवें चरण में 15 मई 1949 को मत्स्य संघ का विलय वृहत् राजस्थान में करके 'संयुक्त वृहत् राजस्थान' का निर्माण किया गया था। मत्स्य संघ की जनता की इच्छा जानने और विलय के संदर्भ में निर्णय लेने हेतु केंद्र सरकार ने डॉक्टर शंकरराव देव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। शंकरराव देव समिति की सिफारिशों के आधार पर ही मत्स्य संघ को वृहत् राजस्थान में मिलाया गया था।

51. (A) 2, 4, 3, 1
राजस्थान के एकीकरण के चरणों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है: प्रथम चरण में 18 मार्च 1948 को मत्स्य संघ का गठन हुआ। द्वितीय चरण में 25 मार्च 1948 को राजस्थान संघ (पूर्व राजस्थान) का गठन किया गया। तृतीय चरण में 18 अप्रैल 1948 को उदयपुर के विलय के साथ संयुक्त राजस्थान बना। चतुर्थ चरण में 30 मार्च 1949 को चार बड़ी रियासतों के मिलने से वृहत् राजस्थान का निर्माण हुआ था।

52. (C) अजमेर-मेरवाड़ा और आबू-देलवाड़ा
राजस्थान के एकीकरण का सातवाँ और अंतिम चरण 1 नवंबर 1956 को पूरा हुआ था। राज्य पुनर्गठन आयोग (फजल अली आयोग) की सिफारिशों के आधार पर केंद्र शासित प्रदेश अजमेर-मेरवाड़ा, सिरोही जिले का आबू-देलवाड़ा क्षेत्र तथा मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले का सुनैल टप्पा राजस्थान में मिला दिया गया। इसी के साथ वर्तमान राजस्थान का भौगोलिक और राजनीतिक स्वरूप पूर्णतः अस्तित्व में आया था।

NODIA

53. (A) हरिभाऊ उपाध्याय
1 नवंबर 1956 को राजस्थान में विलय होने से पूर्व अजमेर-मेरवाड़ा केंद्र शासित 'ग' (सी) श्रेणी का एक पृथक राज्य था, जिसकी अपनी 30 सदस्यीय धारा सभा (विधानसभा) थी। प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, गांधीवादी विचारक और साहित्यकार हरिभाऊ उपाध्याय अजमेर-मेरवाड़ा के प्रथम और एकमात्र मुख्यमंत्री (1952 से 1956) रहे थे। 1956 में पुनर्गठन के पश्चात अजमेर-मेरवाड़ा का विलय राजस्थान राज्य में कर दिया गया।

54. (D) रियासती विभाग के सचिव
भारत की स्वतंत्रता के पश्चात 5 जुलाई 1947 को गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में 'रियासती विभाग' (स्टेट्स डिपार्टमेंट) की स्थापना की गई थी। प्रख्यात वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी वी. पी. मेनन को इस रियासती विभाग का सचिव नियुक्त किया गया था। सरदार पटेल और वी. पी. मेनन की जोड़ी ने अपनी कूटनीतिक कुशलता और प्रशासनिक क्षमता से राजपूताना की रियासतों सहित पूरे भारत का एकीकरण संपन्न कराया।

55. (A) केवल I
राजस्थान का एकीकरण कुल सात चरणों में पूरा हुआ था, न कि पांच चरणों में, इसलिए पहला कथन गलत है। एकीकरण प्रक्रिया के दौरान गठित सबसे पहली राजनीतिक प्रशासनिक इकाई 18 मार्च 1948 को बनी 'मत्स्य संघ' ही थी। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासती विभाग के प्रमुख के रूप में राजस्थान की सभी देशी रियासतों को भारत संघ में मिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई थी।

56. (C) महारावल चंद्रवीर सिंह
भारतीय संघ में रियासतों के विलय के समय बांसवाड़ा रियासत के शासक महारावल चंद्रवीर सिंह अपनी स्वतंत्र सत्ता खोने से अत्यधिक दुखी थे। 25 मार्च 1948 को 'राजस्थान संघ' में अपनी रियासत का विलय करने हेतु विलय पत्र (इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेसिन) पर हस्ताक्षर करते समय उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए यह ऐतिहासिक टिप्पणी की थी: "मैं अपने डेथ वारंट (मृत्यु परवाने) पर हस्ताक्षर कर रहा हूँ।"

57. (D) बीकानेर
भारत की स्वतंत्रता से ठीक पूर्व राजपूताना की रियासतों में बीकानेर के महाराजा शार्दुल सिंह ने अत्यंत दूरदर्शिता का परिचय दिया। 7 अगस्त 1947 को भारतीय संघ में सम्मिलित होने हेतु 'विलय पत्र' पर हस्ताक्षर करने वाले वे राजपूताना के पहले शासक थे। उनकी इस पहल ने अन्य देशी रियासतों को भी भारतीय संघ में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जिससे देश की अखंडता सुनिश्चित करने में बड़ी मदद मिली।

58. (A) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान के एकीकरण के विभिन्न चरणों में गठित संघों की प्रशासनिक राजधानियाँ इस प्रकार तय की गई थीं: प्रथम चरण में गठित मत्स्य संघ की राजधानी अलवर बनाई गई। द्वितीय चरण में गठित राजस्थान संघ (पूर्व राजस्थान) की राजधानी कोटा निर्धारित हुई। तृतीय चरण में मेवाड़ का विलय होने पर संयुक्त राजस्थान की राजधानी उदयपुर बनी। चौथे चरण में गठित वृहत् राजस्थान की स्थाई राजधानी जयपुर को बनाया गया।

59. (B) गुरुमुख निहाल सिंह
1 नवंबर 1956 को 7वें संविधान संशोधन द्वारा राज्य पुनर्गठन अधिनियम लागू होने पर राजस्थान में पारंपरिक 'राजप्रमुख' का पद समाप्त कर दिया गया और उसके स्थान पर संवैधानिक प्रमुख 'राज्यपाल' का पद सृजित किया गया। इस व्यवस्था के अंतर्गत सरदार गुरुमुख निहाल सिंह को राजस्थान का प्रथम राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्होंने 1 नवंबर 1956 से 16 अप्रैल 1962 तक राज्य के राज्यपाल के रूप में सेवाएं दी थीं।

60. (B) 19 रियासतें और 3 ठिकाने
वर्ष 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राजपूताना क्षेत्र में कुल 19 देशी रियासतें, 3 ठिकाने (कुशलगढ़, लावा और नीमराणा) तथा 1 मुख्य आयुक्त प्रांत (अजमेर-मेरवाड़ा) स्थित थे। इन सभी 19 रियासतों और 3 ठिकानों का परस्पर विलय करके सात चरणों की लंबी प्रक्रिया में आधुनिक एकीकृत राजस्थान राज्य का निर्माण संपन्न किया गया था। यह ऐतिहासिक स्थिति उस समय विद्यमान थी।

61. (A) प्रिवी पर्स और शाही विशेषाधिकारों का उन्मूलन हुआ
वर्ष 1971 में पारित 26वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारत की पूर्व देशी रियासतों के राजाओं को मिलने वाले विशेष भत्ते 'प्रिवी पर्स' तथा उनके विशेषाधिकारों व उपाधियों को पूर्णतः समाप्त कर दिया गया था। स्वतंत्रता के समय विलय पत्र पर हस्ताक्षर करते समय रियासती शासकों को आजीवन निश्चित वार्षिक कर-मुक्त राशि और सुविधाएं देने का वचन दिया गया था, जिसे इस संशोधन के माध्यम से विधिवत समाप्त कर दिया गया।

62. (B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
5 जुलाई 1947 को स्थापित रियासती विभाग का सचिव वी. पी. मेनन को नियुक्त किया गया था, जिन्होंने सरदार पटेल के साथ मिलकर देश भर की रियासतों के एकीकरण का दायित्व निभाया। दूसरी ओर, राजस्थान में गठित पहला संघ वास्तव में मत्स्य संघ ही था जो 18 मार्च 1948 को अस्तित्व में आया था। ये दोनों ही कथन अपने-अपने स्थानों पर पूर्णतः सही हैं, किंतु कारण का संबंध वी. पी. मेनन की नियुक्ति की व्याख्या से नहीं है।

63. (D) अजमेर-मेरवाड़ा
स्वतंत्रता से पूर्व वर्तमान राजस्थान में अजमेर-मेरवाड़ा का क्षेत्र अंग्रेजों द्वारा सीधे शासित मुख्य आयुक्त (चीफ कमिश्नर) प्रांत के रूप में 'ग' श्रेणी का राज्य था। अन्य रियासतों के विपरीत जहाँ स्थानीय राजाओं का शासन था, अजमेर-मेरवाड़ा में ब्रिटिश सरकार का सीधा प्रशासनिक नियंत्रण था। 1857 की क्रांति के समय ब्रिटिश राजपूताना रेजिडेंसी का मुख्यालय अजमेर ही था तथा स्वतंत्रता के पश्चात 1956 में इसका राजस्थान में विलय हुआ।

Click Here to Buy book on Flipkart

64. (C) फजल अली
भारत सरकार द्वारा भाषाई और प्रशासनिक आधार पर राज्यों की सीमाओं के निर्धारण हेतु 22 दिसंबर 1953 को 'राज्य पुनर्गठन आयोग' का गठन किया गया था। इस आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति फजल अली थे, जबकि के. एम. पणिक्कर और हृदयनाथ कुंजरू इसके सदस्य थे। इस आयोग (फजल अली आयोग) की सिफारिशों के आधार पर ही 1 नवंबर 1956 को अजमेर-मेरवाड़ा और आबू-देलवाड़ा का राजस्थान में विलय कर अंतिम सीमाएं तय की गईं।

65. (B) पूर्व शासकों को दी जाने वाली एक निश्चित कर-मुक्त पेंशन
स्वतंत्रता के समय 1947 में जब राजस्थान और भारत की अन्य देशी रियासतों के शासकों ने अपनी रियासतों का भारत संघ में विलय किया, तो सरकार द्वारा उनके निजी व्यय हेतु एक निश्चित वार्षिक कर-मुक्त राशि देना स्वीकार किया गया, जिसे 'प्रिवी पर्स' कहा जाता था। यह वित्तीय भत्ता पूर्व शासकों के जीवन-यापन हेतु संवैधानिक गारंटी के रूप में दिया गया था, जिसे वर्ष 1971 में 26वें संविधान संशोधन द्वारा समाप्त कर दिया गया।

66. (D) रामनारायण चौधरी
राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम, किसान आंदोलनों और जन-जागृति का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से वर्ष 1936 में अजमेर से 'नवज्योति' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन प्रारंभ हुआ था। इस समाचार पत्र की स्थापना और संपादन प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी रामनारायण चौधरी द्वारा किया गया था। इस पत्र ने किसानों, मजदूरों और रियासती प्रजा की समस्याओं को प्रखरता से उठाकर ब्रिटिश हुकूमत एवं जागीरदारों के शोषक चरित्र को बेनकाब किया था।

67. (A) एकीकरण पूर्ण हुआ और वर्तमान राजस्थान का गठन हुआ।
1 नवंबर 1956 का दिन राजस्थान के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन राजस्थान के एकीकरण की सात चरणों में चली लंबी प्रक्रिया पूर्ण हुई थी। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के तहत अजमेर-मेरवाड़ा, आबू-देलवाड़ा और सुनैल टप्पा का विलय होकर वर्तमान राजस्थान का भौगोलिक स्वरूप अस्तित्व में आया। इसलिए 1 नवंबर को राजस्थान का एकीकरण पूर्ण होने और वर्तमान स्वरूप प्राप्त करने के प्रतीक के रूप में माना जाता है।

68. (C) पाली
मारवाड़ रियासत के आऊवा ठिकाने के ठाकुर कुशाल सिंह चंपावत ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों और जोधपुर के महाराजा के विरुद्ध वीरतापूर्ण संघर्ष किया था। आऊवा का ऐतिहासिक किला वर्तमान में राजस्थान के पाली जिले में स्थित है। ठाकुर कुशाल सिंह ने एरिनपुरा के विद्रोही सैनिकों का नेतृत्व करते हुए बिथोड़ा और चेलावास (काले-गोरे का युद्ध) के युद्धों में ब्रिटिश एवं रियासती सेनाओं को पराजित किया था।

69. (A) गेप सागर झील, डूंगरपुर
जून 1947 के रास्तापाल कांड में अपने अध्यापक सेंगाभाई की जान बचाते हुए मात्र 13 वर्ष की आयु में पुलिस की गोलियों का शिकार होकर शहीद होने वाली वीर भील बालिका काली बाई का मुख्य स्मारक डूंगरपुर शहर में स्थित प्रसिद्ध गेप सागर झील के तट पर बनाया गया है। इस स्मारक परिसर में काली बाई तथा उनके गुरु नानाभाई खांट की प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं, जो उनकी अदम्य गुरुभक्ति और शहादत की अमर गाथा की स्मृति दिलाती हैं।

70. (D) जयनारायण व्यास
'तरुण राजस्थान' समाचार पत्र का संपादन अजमेर से जयनारायण व्यास तथा रामनारायण चौधरी द्वारा किया गया था। इस समाचार पत्र का मुख्य उद्देश्य राजपूताना की विभिन्न रियासतों में सामंतों और शासकों द्वारा किसानों व आम प्रजा पर किए जा रहे अत्याचारों, बेगार प्रथा एवं अवैध करों को उजागर करना था। जयनारायण व्यास ने इस पत्र के माध्यम से प्रजा में अभूतपूर्व राजनीतिक जागृति फैलाई तथा उत्तरदायी शासन की माँग को निरंतर आगे बढ़ाया।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 07
लोक भाषाएँ एवं साहित्य

1. राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस अपभ्रंश से मानी जाती है?
(A) मागधी अपभ्रंश
(B) शौरसेनी (गुर्जरी) अपभ्रंश
(C) महाराष्ट्री अपभ्रंश
(D) पैशाची अपभ्रंश

2. अपनी पुस्तक 'लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया' में राजस्थान में बोली जाने वाली विभिन्न बोलियों के लिए सामूहिक रूप से 'राजस्थानी' शब्द का प्रयोग करने वाले पहले भाषाविद कौन थे?
(A) एल.पी. टेसीटोरी
(B) कर्नल जेम्स टॉड
(C) सूर्यमल्ल मीषण
(D) जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन

3. उद्योतन सूरि द्वारा रचित 8वीं शताब्दी के ग्रंथ 'कुवलयमाला' में पश्चिमी राजस्थान की भाषा को क्या कहा गया है?
(A) मरु भाषा
(B) डिंगल
(C) पिंगल
(D) मेवाड़ी

4. मारवाड़ी बोली, जो अपने व्यापक साहित्य और विस्तृत भौगोलिक विस्तार के लिए जानी जाती है, मुख्य रूप से किस क्षेत्र में बोली जाती है?
(A) कोटा और बूंदी
(B) अलवर और भरतपुर
(C) जोधपुर और उसके आसपास के क्षेत्र
(D) जयपुर और दौसा

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): डिंगल साहित्य मुख्य रूप से वीर रस प्रधान है।
कारण (R): इसका विकास चारण कवियों द्वारा युद्ध के दौरान राजपूत योद्धाओं को प्रेरित करने के लिए किया गया था।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

6. निम्नलिखित में से कौन-सी मारवाड़ी भाषा की एक महत्वपूर्ण उप-बोली है?
(A) तोरावाटी
(B) अहीरवाटी
(C) राजावाटी
(D) गोडवाड़ी

7. मेवाड़ के महाराणा कुंभा द्वारा रचित प्रसिद्ध ऐतिहासिक नाटक मुख्य रूप से किस बोली में लिखे गए हैं?
(A) हाड़ौती
(B) मेवाड़ी
(C) शेखावाटी
(D) मेवाती

8. संत दादू दयाल और उनके शिष्यों ने अपने अधिकांश आध्यात्मिक साहित्य की रचना निम्नलिखित में से किस बोली में की?
(A) मारवाड़ी
(B) मेवाड़ी
(C) ढूंढाड़ी
(D) मालवी

9. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए।
सूची I: बोली
P. मारवाड़ी
Q. मेवाती
R. हाड़ौती
S. वागड़ी
सूची II: प्रमुख क्षेत्र
1. कोटा-बूंदी
2. अलवर-भरतपुर
3. डूंगरपुर-बांसवाड़ा
4. जोधपुर-बाड़मेर
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-4, Q-3, R-1, S-2
(C) P-2, Q-4, R-3, S-1
(D) P-4, Q-2, R-1, S-3

10. शेखावाटी बोली मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस जिला युग्म में बोली जाती है?
(A) सीकर और झुंझुनू
(B) डूंगरपुर और बांसवाड़ा
(C) कोटा और झालावाड़

NODIA

(D) जैसलमेर और बाड़मेर

11. संत लालदास और चरणदास की शिक्षाएं और रचनाएं मुख्य रूप से किस बोली में मिलती हैं?
(A) हाड़ौती
(B) मेवाती
(C) वागड़ी
(D) निमाड़ी

12. निम्नलिखित साहित्यिक कृतियों पर विचार कीजिए:
I. वंश भास्कर
II. वीर सतसई
III. पाथल और पीथल
उपर्युक्त में से कौन-सी कृतियां महान कवि सूर्यमल्ल मीषण द्वारा रचित हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

13. अहीरवाटी (जिसे राठी भी कहा जाता है) राजस्थान के किस क्षेत्र में मुख्य रूप से बोली जाने वाली बोली है?
(A) कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र
(B) आबू-पिंडवाड़ा क्षेत्र
(C) फलोदी क्षेत्र
(D) बांसवाड़ा क्षेत्र

14. जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन द्वारा किस राजस्थानी बोली को 'भीली' बोली कहा गया था?
(A) मेवाड़ी
(B) हाड़ौती
(C) वागड़ी
(D) निमाड़ी

15. मालवी बोली मुख्य रूप से राजस्थान के उन क्षेत्रों में बोली जाती है जो किस राज्य के साथ सीमा साझा करते हैं?
(A) गुजरात
(B) हरियाणा
(C) पंजाब
(D) मध्य प्रदेश

16. अपनी भौगोलिक स्थिति और भाषाई प्रभाव के कारण निम्नलिखित में से किस बोली को 'दक्षिणी राजस्थानी' के रूप में जाना जाता है?
(A) ढूंढाड़ी
(B) मेवाती
(C) निमाड़ी
(D) शेखावाटी

17. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।

अभिकथन (A): पिंगल साहित्यिक रूप पूर्वी राजस्थानी और ब्रजभाषा का मिश्रण है।
कारण (R): पूर्वी राजस्थान अपनी भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाएं उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र के साथ साझा करता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

18. वक्ताओं की संख्या के आधार पर, राजस्थानी भाषा की सबसे अधिक बोली जाने वाली बोली कौन-सी है?
(A) मारवाड़ी
(B) मेवाड़ी
(C) हाड़ौती
(D) ढूंढाड़ी

19. भौगोलिक क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से राजस्थान में किस बोली का प्रभुत्व है?
(A) मारवाड़ी
(B) मेवाती
(C) ढूंढाड़ी
(D) वागड़ी

20. निम्नलिखित प्रसिद्ध राजस्थानी साहित्यिक हस्तियों को उनके प्रमुख ऐतिहासिक कालों के आधार पर सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. चन्दबरदाई
2. पृथ्वीराज राठौड़
3. सूर्यमल्ल मीषण
4. कन्हैयालाल सेठिया
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 3, 2, 4
(D) 4, 3, 2, 1

21. राजस्थान का पारंपरिक डिंगल साहित्य किस लेखक समुदाय से सबसे अधिक गहराई से जुड़ा हुआ है?
(A) चारण
(B) भाट
(C) ब्राह्मण
(D) जैन

22. राजस्थानी लोक साहित्य के संदर्भ में 'वात' शब्द किसे निरूपित करता है?
(A) युद्ध के दौरान गाया जाने वाला एक ऐतिहासिक काव्य
(B) शोक या विलाप का गीत
(C) स्थानीय देवी-देवताओं को समर्पित एक धार्मिक भजन
(D) एक कहानी या गद्य आख्यान

Click Here to Buy book on Amazon

23. राजस्थानी ऐतिहासिक साहित्यिक परंपरा में 'ख्यात' शब्द सामान्यतः संदर्भित करता है:
(A) मध्यकालीन रहस्यवादी संतों द्वारा रचित भक्ति गीत
(B) राजवंशों की वंशावली का विवरण देने वाले ऐतिहासिक गद्य विवरण
(C) किसी रियासत के प्रशासनिक भू-राजस्व अभिलेख
(D) मौखिक रूप से चली आ रही पारंपरिक प्रेम लोक कथाएं

24. प्रसिद्ध एवं विस्तृत ऐतिहासिक ग्रंथ 'नैणसी री ख्यात' के रचयिता कौन हैं?
(A) बांकीदास
(B) दयालदास
(C) मुहणोत नैणसी
(D) कविराजा श्यामलदास

25. राजस्थान में 'रासो' साहित्य को सबसे बेहतर रूप से उन ग्रंथों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो:
(A) केवल पारंपरिक कृषि पद्धतियों से संबंधित हैं
(B) स्थानीय बोलियों के मौलिक व्याकरण का निर्माण करते हैं
(C) सामान्य क्षेत्रीय कहावतों और लोक मुहावरों का संग्रह करते हैं
(D) शासकों के सैन्य कृत्यों और उनके जीवन का वर्णन करते हैं

26. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए।
सूची I: साहित्यिक कृति
P. वेलि क्रिसन रुकमणी री
Q. पृथ्वीराज रासो
R. बातां री फुलवारी
S. वंश भास्कर
सूची II: लेखक
1. चन्दबरदाई
2. पृथ्वीराज राठौड़
3. सूर्यमल्ल मीषण
4. विजयदान देथा
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-2, Q-3, R-1, S-4

27. महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो', जो पृथ्वीराज चौहान के जीवन और युद्धों पर प्रकाश डालता है, किसके द्वारा रचा गया था?
(A) जयानक
(B) चन्दबरदाई
(C) नरपति नाल्ह
(D) सारंगधर

28. नरपति नाल्ह द्वारा रचित प्रसिद्ध राजस्थानी ग्रंथ 'बीसलदेव रासो' मुख्य रूप से किसके जीवन के इर्द-गिर्द घूमता है?
(A) पृथ्वीराज चौहान
(B) विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव)
(C) महाराणा प्रताप
(D) राव जोधा

NODIA

29. प्रारंभिक राजस्थानी साहित्य का एक महत्वपूर्ण वीरगाथात्मक ग्रंथ 'खुमाण रासो' किसके द्वारा लिखा गया था?
(A) दलपत विजय
(B) जोधराज
(C) कवि कल्लोल
(D) दुरसा आढ़ा

30. एक प्रमुख राजस्थानी कवि और लेखक पृथ्वीराज राठौड़ किस मुगल सम्राट के दरबार में सम्मानित दरबारी थे?
(A) बाबर
(B) हुमायूँ
(C) अकबर
(D) औरंगजेब

31. प्रसिद्ध साहित्यिक कृति 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' की प्रशंसा किस विद्वान ने इसे 'पांचवां वेद' कहकर की थी?
(A) सूर्यमल्ल मीषण
(B) एल.पी. टेसीटोरी
(C) कर्नल जेम्स टॉड
(D) दुरसा आढ़ा

32. सूर्यमल्ल मीषण पूर्व राजपूताना की किस रियासत के राज्य कवि थे?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) बूंदी
(D) मेवाड़

33. सूर्यमल्ल मीषण का काव्य संग्रह 'वीर सतसई' अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व रखता है क्योंकि यह:
(A) जयपुर शहर की स्थापत्य नींव और खाके का वर्णन करता है
(B) 1857 के विद्रोह के संदर्भ में राजपूत गौरव को जगाता है
(C) राजपूताना और अंग्रेजों के बीच औपचारिक संधियों का दस्तावेजीकरण करता है
(D) मारवाड़ राज्य के नागरिक और राजस्व प्रशासन का विवरण देता है

34. 'डिंगल' साहित्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह एक सशक्त साहित्यिक रूप है जो मुख्य रूप से पश्चिमी राजस्थानी से जुड़ा हुआ है।
II. इसे मुख्य रूप से चारण कवियों द्वारा संरक्षित और विकसित किया गया था।
III. यह स्थानीय प्रभाव के बिना विशुद्ध ब्रजभाषा शब्दावली से अत्यधिक निर्मित है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): हाड़ौती बोली मुख्य रूप से कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिलों में बोली जाती है।
कारण (R): इस क्षेत्र पर ऐतिहासिक रूप से चौहान राजपूतों की हाड़ा शाखा द्वारा शासन किया गया था।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

36. राजस्थानी लोक कथाओं का विस्तृत एवं प्रसिद्ध संग्रह 'बातां री फुलवारी' किसके द्वारा रचा गया था?
(A) कन्हैयालाल सेठिया
(B) सीताराम लालस
(C) विजयदान देथा
(D) कोमल कोठारी

37. दिए गए विकल्पों में से राजस्थानी भाषा के ऐतिहासिक विकास का सही क्रम पहचानिए:
(A) संस्कृत → शौरसेनी प्राकृत → गुर्जरी अपभ्रंश → राजस्थानी
(B) संस्कृत → मागधी प्राकृत → गुर्जरी अपभ्रंश → राजस्थानी
(C) संस्कृत → गुर्जरी अपभ्रंश → शौरसेनी प्राकृत → राजस्थानी
(D) संस्कृत → महाराष्ट्री प्राकृत → गुर्जरी अपभ्रंश → राजस्थानी

38. निम्नलिखित में से किसे राजस्थानी भाषा में जैन साहित्यिक परंपरा के सबसे प्राचीन ग्रंथों में से एक माना जाता है?
(A) वेलि क्रिसन रुकमणी री
(B) ढोला मारू रा दूहा
(C) वंश भास्कर
(D) भरतेश्वर बाहुबलि घोर

39. आधुनिक राजस्थानी साहित्य काल की पहली प्रमुख काव्य रचना के रूप में स्वीकार की जाने वाली कविता 'बादली' किसके द्वारा लिखी गई थी?
(A) कन्हैयालाल सेठिया
(B) चंद्रसिंह बीरकली
(C) मेघराज मुकुल
(D) सीताराम लालस

40. साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित राजस्थानी काव्य संग्रह 'लीलटांस' की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(A) सूर्यमल्ल मीषण
(B) विजयदान देथा
(C) कन्हैयालाल सेठिया
(D) मणि मधुकर

41. कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध प्रेरणादायक कविता 'पाथल और पीथल' में 'पीथल' नाम का प्रयोग किसे निरूपित करने के लिए किया गया है?
(A) महाराणा प्रताप
(B) पृथ्वीराज चौहान
(C) सम्राट अकबर
(D) पृथ्वीराज राठौड़

42. निम्नलिखित विद्वानों में से किसे अकेले ही विशाल 'राजस्थानी शब्दकोश' का संकलन करने के लिए जाना जाता है?
(A) सीताराम लालस
(B) एल.पी. टेसीटोरी
(C) जॉर्ज ग्रियर्सन
(D) कविराजा श्यामलदास

43. राजस्थानी भाषा की आधिकारिक मान्यता के लिए जारी राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों का उद्देश्य इसे भारतीय संविधान की किस अनुसूची में शामिल करना है?
(A) पांचवीं अनुसूची
(B) छठी अनुसूची
(C) आठवीं अनुसूची
(D) नौवीं अनुसूची

44. राजस्थान राज्य विधानसभा ने किस वर्ष भारतीय संविधान में राजस्थानी भाषा को शामिल करने की सिफारिश करने वाला प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया था?
(A) 1992
(B) 2003
(C) 2011
(D) 2018

45. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए।
सूची I: संस्थान
P. राजस्थान साहित्य अकादमी
Q. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी
R. मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी फारसी शोध संस्थान
S. रूपायन संस्थान
सूची II: स्थान
1. बीकानेर
2. उदयपुर
3. जोधपुर
4. टोंक
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3

Downloaded from www.pdf.tube

(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-2, Q-4, R-1, S-3

46. मासिक साहित्यिक पत्रिका 'मधुमती' किस प्रमुख संस्थान का आधिकारिक प्रकाशन है?
(A) राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
(B) रुपायन संस्थान, बोरुंदा
(C) राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
(D) राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

47. पूर्णतः राजस्थानी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार को समर्पित पत्रिका 'जागती जोत' का प्रकाशन कहां से होता है?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) उदयपुर
(D) बीकानेर

48. राजस्थान की पारंपरिक 'मुड़िया' लिपि की अनूठी विशेषता क्या है?
(A) फारसी लिपियों के साथ सभी देशी स्थानीय स्वरों का पूर्ण प्रतिस्थापन
(B) मूल राजस्थानी शब्दों को लिखने के लिए रोमन वर्णमाला का व्यवस्थित उपयोग
(C) ऊपरी क्षैतिज रेखा (शिरोरेखा) के बिना लिखा जाना और अक्षरों का मुड़ा होना
(D) तिरछी ढलान के रूप में कड़ाई से बाएं से दाएं लिखा जाना

49. राजस्थान की 'महाजनी' लिपि का उपयोग ऐतिहासिक रूप से समाज के किस वर्ग द्वारा सबसे प्रमुखता से किया जाता था?
(A) महाकाव्य रचना के लिए चारण कवियों द्वारा
(B) बही-खाते और लेखांकन के लिए व्यापारी एवं महाजन वर्ग द्वारा
(C) कूटनीतिक संधियों के लिए शाही प्रशासन द्वारा
(D) भूमि अभिलेखों के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा

50. संत मीराबाई द्वारा रचित भक्तिमय 'वाणी' साहित्य मुख्य रूप से किन बोलियों की भाषाई विशेषताओं को प्रदर्शित करता है?
(A) हाड़ौती और मेवाती
(B) वागड़ी और मालवी
(C) निमाड़ी और शेखावाटी
(D) मारवाड़ी और मेवाड़ी

51. 'सिंभूधड़ा' के नाम से प्रसिद्ध पवित्र साहित्यिक संकलन में किस प्रमुख राजस्थानी संत की वाणी (शिक्षाएं) संकलित हैं?
(A) जसनाथ जी
(B) जांभोजी
(C) दादू दयाल
(D) रामचरण जी

52. मेवाड़ राज्य के इतिहास का विस्तृत विवरण देने वाले प्रसिद्ध ऐतिहासिक ग्रंथ 'वीर विनोद' की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(A) जी.एच. ओझा
(B) मुंहणोत नैणसी
(C) कविराजा श्यामलदास
(D) दयालदास

53. डॉ. जी.एच. ओझा राजस्थानी ऐतिहासिक परंपरा में मुख्य रूप से किसके लिए प्रसिद्ध हैं?
(A) राजपूताना की रियासतों का प्रामाणिक इतिहास लिखने के लिए
(B) मुख्य रूप से ब्रजभाषा में उत्कृष्ट प्रेमपूर्ण रासो काव्य की रचना के लिए
(C) प्रसिद्ध अंग्रेजी साहित्य का स्थानीय मारवाड़ी बोलियों में अनुवाद करने के लिए
(D) आधुनिक राजस्थानी नुक्कड़ नाटक और रंगमंच परंपराओं की शुरुआत करने के लिए

NODIA

54. राज्य की भाषाई विरासत को सम्मानित करने और बढ़ावा देने के लिए, प्रतिवर्ष राजस्थानी भाषा दिवस कब मनाया जाता है?
(A) 14 सितंबर
(B) 21 फरवरी
(C) 30 मार्च
(D) 1 नवंबर

55. राजस्थान में भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले संस्थानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. रुपायन संस्थान बोरुंदा, जोधपुर में स्थित है।
II. राजस्थान साहित्य अकादमी का मुख्यालय उदयपुर में है।
III. मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी फारसी शोध संस्थान टोंक में स्थित है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

56. राजस्थान में त्वरित व्यावसायिक लेखन के लिए व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली ऐतिहासिक लिपि 'मुड़िया' को स्थानीय रूप से किस नाम से भी जाना जाता है?
(A) ब्राह्मी
(B) खरोष्ठी
(C) बनियावाटी
(D) शारदा

57. निम्नलिखित बोली रूपों में से विषम (अलग) का चयन कीजिए:

(A) थाली
(B) ढाटकी
(C) गोडवाड़ी
(D) तोरावाटी

58. पूर्वी राजस्थान में अत्यधिक प्रचलित पिंगल साहित्य अनिवार्य रूप से पूर्वी राजस्थानी बोलियों को किसके साथ मिलाकर बना था?
(A) ब्रजभाषा
(B) गुजराती
(C) मराठी
(D) पंजाबी

59. प्रसिद्ध प्रेम लोक कथा 'मूमल' मूल रूप से किस क्षेत्र की संस्कृति और भूगोल से जुड़ी है?
(A) उदयपुर
(B) जैसलमेर
(C) बीकानेर
(D) कोटा

60. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति राज्य कवि सूर्यमल्ल मीषण की साहित्यिक रचना नहीं है?
(A) वंश भास्कर
(B) चुंडावत मांगे सेनाणी
(C) वीर सतसई
(D) बलवंत विलास

61. राजस्थानी भाषा के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए:
(A) 1974 में साहित्य अकादमी द्वारा एक स्वतंत्र साहित्यिक भाषा के रूप में मान्यता दी गई।
(B) यह निश्चित रूप से दक्षिण भारत के द्रविड़ भाषा परिवार से संबंधित है।
(C) इसके पास 20वीं शताब्दी से पहले रचित कोई ऐतिहासिक लिखित साहित्य नहीं है।
(D) यह भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची के तहत मान्यता प्राप्त एक आधिकारिक भाषा है।

62. बोली और उसके प्रमुख जिले का गलत युग्म पहचानिए:
(A) हाड़ौती - कोटा
(B) मेवाड़ी - उदयपुर
(C) मेवाती - जोधपुर
(D) वागड़ी - डूंगरपुर

63. ब्रिटिश प्रभुत्व के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने वाली प्रसिद्ध ऐतिहासिक कविता 'आयो अंग्रेज मुलक रै ऊपर' की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(A) दुरसा आढ़ा
(B) सूर्यमल्ल मीषण
(C) चन्दबरदाई
(D) बांकीदास

64. प्रसिद्ध पारंपरिक प्रेम लोक आख्यान 'ढोला मारु रा दूहा' की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(A) पृथ्वीराज राठौड़
(B) मुंहणोत नैणसी
(C) कवि कल्लोल
(D) जोधराज

65. एक राजपूत पत्नी के परम बलिदान का महिमामंडन करने वाली लोकप्रिय आधुनिक राजस्थानी कविता 'सेनाणी' (चुंडावत मांगे सेनाणी) किसके द्वारा लिखी गई थी?
(A) कन्हैयालाल सेठिया
(B) मेघराज मुकुल
(C) विजयदान देथा
(D) सीताराम लालस

66. राज्य की सीमा से भौगोलिक निकटता के कारण, किस राजस्थानी बोली पर गुजराती भाषा का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है?
(A) शेखावाटी
(B) मेवाती
(C) अहीरवाटी
(D) वागड़ी

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: मालवी बोली मुख्य रूप से राजस्थान के सुदूर उत्तरी जिलों जैसे श्रीगंगानगर में बोली जाती है।
कथन II: शेखावाटी बोली मुख्य रूप से सीकर और झुंझुनू क्षेत्रों में बोली जाती है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

68. राजस्थान में 'चारण साहित्यिक परंपरा' का सबसे उपयुक्त वर्णन क्या है?
(A) इसमें केवल भगवान शिव को समर्पित पारंपरिक भक्ति गीत शामिल हैं।
(B) यह पूरी तरह से क्षेत्रीय कृषि पद्धतियों और मौसमी फसल उत्सवों पर केंद्रित है।
(C) राजपूत योद्धाओं की वीरता की प्रशंसा करने वाली एक वीर काव्य परंपरा।
(D) यह विशेष रूप से संस्कृत भाषा में लिखने की एक प्राचीन शास्त्रीय परंपरा है।

69. 'डिंगल' साहित्य के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) यह पूर्वी उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली ब्रजभाषा की एक प्रत्यक्ष शाखा है।
(B) यह मुख्य रूप से पश्चिमी राजस्थान के क्षेत्रों में प्रचलित एक ओजस्वी साहित्यिक शैली का प्रतिनिधित्व करता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

(C) इसे ऐतिहासिक रूप से मुख्य रूप से प्रसिद्ध चारण कवियों द्वारा संरक्षित और विकसित किया गया था।
(D) 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' को व्यापक रूप से डिंगल साहित्य का एक प्रमुख उदाहरण माना जाता है।

70. राजस्थानी लोक साहित्य में, कहावतें और मुहावरे मुख्य रूप से कहाँ से लिए गए हैं?
(A) जटिल राजदरबार की कार्यवाहियों, प्रशासनिक नियमों और आधिकारिक न्यायिक फरमानों से
(B) प्राचीन शास्त्रीय संस्कृत व्याकरण ग्रंथों और दार्शनिक पांडुलिपियों से
(C) पूरी उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान शुरू की गई ब्रिटिश प्रशासनिक शब्दावली से
(D) दैनिक ग्रामीण जीवन, कृषि पद्धतियों और सांस्कृतिक अनुभवों से

NODIA

www.nodia.in

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) शौरसेनी (गुर्जरी) अपभ्रंश
राजस्थानी भाषा के ऐतिहासिक विकास का अध्ययन करने पर यह स्पष्ट होता है कि इसका उद्भव भारतीय-आर्य भाषा परिवार से हुआ है। इस क्षेत्रीय भाषा का क्रमिक विकास मुख्य रूप से शौरसेनी प्राकृत के अंतर्गत विकसित गुर्जरी अपभ्रंश से माना जाता है। दसवीं से बारहवीं शताब्दी के मध्य गुर्जरी अपभ्रंश से प्राचीन राजस्थानी का प्रादुर्भाव हुआ। यही रूप कालांतर में प्रांतीय विशेषताओं को आत्मसात करते हुए समृद्ध राजस्थानी भाषा बनी।

2. (D) जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन
प्रसिद्ध भाषाई शोधकर्ता जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने राजस्थान के विभिन्न भागों में बोली जाने वाली प्रांतीय बोलियों का विस्तृत और वैज्ञानिक अध्ययन किया। उन्होंने अपने विशाल भाषाई सर्वेक्षण ग्रंथ में इन सभी स्थानीय बोलियों को एकीकृत करते हुए सामूहिक रूप से 'राजस्थानी' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किया। उनके इस महत्वपूर्ण भाषाई वर्गीकरण ने इस संपूर्ण क्षेत्र की बोलियों को एक स्वतंत्र तथा विशिष्ट भाषाई पहचान प्रदान की।

3. (A) मरु भाषा
जैन विद्वान उद्योतन सूरि द्वारा 8वीं शताब्दी में रचित प्रसिद्ध ग्रंथ 'कुवलयमाला' राजस्थान के भाषाई इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्रोत है। इस प्राचीन ग्रंथ में तत्कालीन भारत में बोली जाने वाली 18 देशी भाषाओं की सूची दी गई है। इस सूची में पश्चिमी राजस्थान की प्रांतीय बोली को 'मरु भाषा' के नाम से संबोधित किया गया है। यह उल्लेख भाषाई प्रमाण माना जाता है।

4. (C) जोधपुर और उसके आसपास के क्षेत्र
मारवाड़ी बोली राजस्थानी भाषा की सबसे प्रमुख और विस्तृत बोलियों में से एक है। इसका मुख्य प्रसार क्षेत्र जोधपुर और उसके आसपास के मरुस्थलीय क्षेत्र हैं, जिनमें बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, पाली और बीकानेर सम्मिलित हैं। यह बोली अपने अति समृद्ध और विशाल साहित्यिक परंपरा के लिए जानी जाती है। प्राचीन काल में इसे मरु भाषा कहा जाता था तथा डिंगल का आधार यही बोली है।

5. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
डिंगल शैली मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य की एक अत्यंत प्रभावशाली और ओजस्वी काव्य शैली है, जिसमें मुख्य रूप से वीर रस की रचनाएं की गई हैं। इस विशिष्ट शैली का विकास और संवर्धन प्राथमिक रूप से चारण कवियों द्वारा किया गया था। युद्ध के मैदान में राजपूत योद्धाओं के मन में अदम्य साहस, उत्साह और वीरता की भावना जागृत करने हेतु इसका उपयोग किया जाता था।

6. (D) गोडवाड़ी
गोडवाड़ी मुख्य रूप से मारवाड़ी भाषा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण उप-बोली है, जो राजस्थान के सिरोही के साथ-साथ पाली जिले के दक्षिणी भागों में बोली जाती है। इस उप-बोली का ऐतिहासिक और साहित्यिक महत्व अत्यधिक है क्योंकि प्रसिद्ध ऐतिहासिक रचना 'बीसलदेव रासो' में भी इसके प्रभाव देखे जा सकते हैं। मारवाड़ी की अन्य उप-बोलियों में ढाटकी और थाली प्रमुख रूप से शामिल की जाती हैं।

7. (B) मेवाड़ी
मेवाड़ के महान शासक महाराणा कुंभा केवल एक कुशल योद्धा ही नहीं, बल्कि स्थापत्य कला और साहित्य के भी प्रकांड संरक्षक थे। उन्होंने अनेक संगीत ग्रंथों और नाटकों की रचना की, जिनमें मुख्य रूप से मेवाड़ी बोली का प्रयोग किया गया है। मेवाड़ी बोली वास्तव में मारवाड़ी की ही एक प्रमुख शाखा है जो उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ क्षेत्रों में बोली जाती है।

8. (C) ढूंढाड़ी
मध्यकालीन संत दादू दयाल और उनके शिष्यों ने अपने भक्ति उपदेशों और आध्यात्मिक साहित्य का निर्माण मुख्य रूप से ढूंढाड़ी बोली में किया। यह बोली जयपुर, दौसा, टोंक और अजमेर के पूर्वी भागों में बोली जाने वाली एक प्रमुख पूर्वी राजस्थानी बोली है। संत दादू की वाणी और उनके पंथ का साहित्य इस बोली में लिपिबद्ध होने के कारण इसे समृद्धि प्राप्त हुई।

9. (D) P-4, Q-2, R-1, S-3
राजस्थान की बोलियों का प्रांतीय वितरण अत्यधिक सुस्पष्ट है। मारवाड़ी बोली मुख्य रूप से पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बाड़मेर जिलों में बोली जाती है। मेवाती बोली का मुख्य प्रभाव अलवर और भरतपुर के मेवात क्षेत्र में स्थित है। हाड़ौती बोली कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ के हाड़ौती क्षेत्र में प्रचलित है। वागड़ी बोली दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर और बांसवाड़ा में प्रयुक्त होती है।

10. (A) सीकर और झुंझुनू
शेखावाटी बोली मुख्य रूप से राजस्थान के उत्तरी-पश्चिमी भाग में स्थित सीकर, झुंझुनू और चुरू जिलों के संपूर्ण क्षेत्र में बोली जाती है। यह मारवाड़ी बोली की ही एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय उप-बोली मानी जाती है, जिस पर ढूंढाड़ी बोली का स्पष्ट भाषाई प्रभाव दृष्टिगोचर होता है। इस क्षेत्र में बोली जाने वाली यह स्थानीय बोली अपनी विशिष्ट उच्चारण शैली के लिए प्रसिद्ध है।

NODIA

11. (B) मेवाती
प्रसिद्ध निर्गुण संत लालदास और चरणदास की धार्मिक शिक्षाएं और साहित्यिक कृतियां मुख्य रूप से मेवाती बोली में रचित हैं। मेवाती बोली राजस्थान के पूर्वोत्तर सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित अलवर और भरतपुर जिलों में बोली जाने वाली एक प्रमुख क्षेत्रीय बोली है। इस बोली पर ब्रजभाषा का बहुत गहरा प्रभाव देखा जाता है। इन संतों के काव्य ने इसे भाषाई प्रतिष्ठा प्रदान की।

12. (A) केवल I और II
बूंदी राजदरबार के प्रसिद्ध राज्य कवि सूर्यमल्ल मीषण उन्नीसवीं शताब्दी के एक महान ऐतिहासिक विद्वान थे। उन्होंने 'वंश भास्कर' और 'वीर सतसई' जैसी कालजयी ऐतिहासिक और काव्य कृतियों की रचना की, जिनमें राजपूतों की सैन्य वीरता और गौरवशाली इतिहास का बखान है। इसके विपरीत, 'पाथल और पीथल' आधुनिक काल के प्रसिद्ध साहित्यकार कन्हैयालाल सेठिया की रचना है, जिसका संबंध मीषण से नहीं है।

13. (A) कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र
अहीरवाटी बोली, जिसे स्थानीय रूप से राठी बोली भी कहा जाता है, मुख्य रूप से राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़, अलवर जिले के मुंडावर और नीमराणा तथा हरियाणा के गुरुग्राम व रेवाड़ी सीमावर्ती क्षेत्रों में बोली जाती है। यह अहीर बाहुल्य क्षेत्र की प्रमुख क्षेत्रीय भाषा है। यह बोली वास्तव में ढूंढाड़ी और मेवाती बोलियों के बीच एक सेतु का कार्य करती है तथा इस पर क्षेत्रीय प्रभाव स्पष्ट दिखता है।

14. (C) वागड़ी
प्रसिद्ध अंग्रेज भाषाविद डॉ. जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों में बोली जाने वाली वागड़ी बोली का गहन अध्ययन किया। इस क्षेत्र में आदिवासी भील समुदाय की अत्यधिक सघन आबादी के कारण ग्रियर्सन ने वागड़ी को 'भीली बोली' नाम दिया था। वागड़ी बोली पर पड़ोसी राज्य गुजरात के कारण गुजराती भाषा का स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है।

15. (D) मध्य प्रदेश
मालवी बोली मुख्य रूप से राजस्थान के उन दक्षिणी-पूर्वी जिलों में बोली जाती है जो मध्य प्रदेश राज्य की भौगोलिक सीमा से सटे हुए हैं। झालावाड़, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ और कोटा के सीमावर्ती क्षेत्र मालवा अंचल का हिस्सा हैं, जहां मालवी बोली बहुतायत में प्रयुक्त होती है। इस बोली में मारवाड़ी और ढूंढाड़ी दोनों के भाषाई लक्षण विद्यमान हैं जो इसे विशिष्टता प्रदान करते हैं।

16. (C) निमाड़ी
निमाड़ी बोली को राजस्थानी भाषा विज्ञान में 'दक्षिणी राजस्थानी' के रूप में जाना जाता है। यह बोली मुख्य रूप से मालवा अंचल के दक्षिणी भागों तथा राजस्थान और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में बोली जाती है। भौगोलिक दृष्टि से सुदूर दक्षिण में स्थित होने तथा अन्य बोलियों के मिश्रण के कारण भाषाविदों ने इसे यह संज्ञा दी है। इसमें लोक साहित्य भी है।

17. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
पद्य साहित्य की 'पिंगल' शैली पूर्वी राजस्थान की क्षेत्रीय बोलियों तथा उत्तर प्रदेश की साहित्यिक ब्रजभाषा के सुसंगत मिश्रण से विकसित हुई थी। पूर्वी राजस्थानी क्षेत्र भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से उत्तर प्रदेश के ब्रज अंचल के बिल्कुल समीप स्थित है। इस निकटता के कारण पूर्वी राजस्थानी बोलियों पर ब्रजभाषा का अत्यधिक प्रभाव पड़ा, जिसके कारण भाट कवियों ने इस विशिष्ट शैली में अनेक काव्य रचे।

18. (D) ढूंढाड़ी
जनसंख्या अथवा वक्ताओं की कुल संख्या के दृष्टिकोण से ढूंढाड़ी राजस्थानी भाषा की सबसे अधिक बोली जाने वाली बोली है। यह बोली राजस्थान के सर्वाधिक आबादी वाले जिलों जैसे जयपुर, दौसा, टोंक और अजमेर के पूर्वी क्षेत्रों में विस्तृत रूप से बोली जाती है। यद्यपि भौगोलिक क्षेत्रफल में मारवाड़ी आगे है, परंतु वक्ताओं की दृष्टि से ढूंढाड़ी बोली सबसे प्रथम स्थान पर आती है।

19. (A) मारवाड़ी
भौगोलिक क्षेत्रफल के विस्तार के दृष्टिकोण से मारवाड़ी बोली राजस्थान में सर्वप्रमुख स्थान रखती है। यह पश्चिमी राजस्थान के विशाल थार मरुस्थलीय भूभाग में फैली हुई है, जिसमें जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, नागौर, जालौर और पाली जैसे बड़े जिले शामिल हैं। यह विशाल भौगोलिक क्षेत्र राज्य के कुल क्षेत्रफल का बड़ा हिस्सा है। इसलिए मारवाड़ी का प्रभुत्व सर्वोपरि माना जाता है और यह अत्यंत समृद्ध है।

20. (A) 1, 2, 3, 4
राजस्थानी साहित्यिक इतिहास का कालानुक्रमिक अध्ययन करने पर इन कवियों का सही ऐतिहासिक क्रम स्पष्ट होता है। चन्दबरदाई 12वीं शताब्दी में पृथ्वीराज चौहान के दरबारी कवि थे। पृथ्वीराज राठौड़ 16वीं शताब्दी के डिंगल कवि थे। सूर्यमल्ल मीषण 19वीं शताब्दी के बूंदी के कवि थे। कन्हैयालाल सेठिया 20वीं शताब्दी के आधुनिक साहित्यकार थे। यह क्रम पूर्णतः ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित और सत्य है तथा प्रामाणिक है।

21. (A) चारण
राजस्थान की पारंपरिक डिंगल साहित्य परंपरा ऐतिहासिक रूप से मुख्य रूप से चारण लेखक समुदाय से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। चारण कवियों ने मध्यकाल में राजपूत शासकों के दरबारों में रहकर उनकी वीरता, युद्ध कौशलों और बलिदानों का सजीव और ओजस्वी वर्णन अपनी काव्य रचनाओं में किया। उन्होंने डिंगल को एक समृद्ध साहित्यिक रूप प्रदान किया जो अत्यंत प्रसिद्ध हुआ और पूजनीय बना।

Downloaded from www.pdf.tube

22. (D) एक कहानी या गद्य आख्यान
राजस्थानी लोक साहित्य और ऐतिहासिक गद्य परंपरा में 'वात' शब्द का उपयोग किसी कहानी, कथा या गद्य आख्यान को निरूपित करने के लिए किया जाता है। वात साहित्य में राजा-महाराजाओं के जीवन, साहसिक युद्ध अभियानों, प्रेम प्रसंगों और ऐतिहासिक घटनाओं को सरस गद्य शैली में प्रस्तुत किया जाता है। मध्यकालीन राजस्थान में यह गद्य शैली बहुत लोकप्रिय और प्रामाणिक मानी जाती थी तथा प्रसिद्ध थी।

23. (B) राजवंशों की वंशावली का विवरण देने वाले ऐतिहासिक गद्य विवरण
राजस्थानी ऐतिहासिक साहित्य परंपरा में 'ख्यात' शब्द का प्रयोग ऐतिहासिक गद्य विवरणों और ख्यातिपरक ग्रंथों के लिए किया जाता है। ख्यात साहित्य में राजस्थान की विभिन्न रियासतों के राजवंशों की वंशावली, उनके शासनकाल की प्रमुख घटनाओं और युद्ध अभियानों का विस्तृत विवरण दर्ज किया जाता था। यह साहित्य ऐतिहासिक शोध के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रामाणिक दस्तावेज माना जाता है जिसका बहुत महत्व है।

24. (C) मुहणोत नैणसी
प्रसिद्ध ऐतिहासिक ग्रंथ 'नैणसी री ख्यात' के रचयिता जोधपुर के महाराजा जसवंत सिंह प्रथम के दीवान मुहणोत नैणसी थे। मुहणोत नैणसी को राजस्थान का प्रथम महान इतिहासकार माना जाता है और मुंशी देवीप्रसाद ने उन्हें 'राजपूताने का अबुल फज़ल' की उपाधि दी थी। उनकी यह रचना विभिन्न रियासतों के इतिहास का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है। यह ग्रंथ बहुत प्रसिद्ध और अमूल्य माना जाता है।

25. (D) शासकों के सैन्य कृत्यों और उनके जीवन का वर्णन करते हैं
राजस्थानी साहित्य में 'रासो' साहित्य उन प्रसिद्ध महाकाव्यों को कहा जाता है जो मुख्य रूप से क्षेत्रीय शासकों की वीरता, सैन्य अभियानों, युद्ध कृत्यों और उनके जीवन के ऐतिहासिक वृत्तांतों का वर्णन करते हैं। रासो ग्रंथों की रचना दरबारी कवियों द्वारा अपने राजाओं के यशगान और शौर्य को व्यक्त करने हेतु की जाती थी। इस साहित्य का अपना विशेष ऐतिहासिक महत्व रहा है।

26. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थानी साहित्य की प्रमुख कृतियों का उनके रचयिताओं से सुमेल इस प्रकार है: 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' की रचना पृथ्वीराज राठौड़ ने की थी। 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता चन्दबरदाई हैं। 'बातां री फुलवारी' के लेखक विजयदान देथा हैं। 'वंश भास्कर' बूंदी के प्रसिद्ध राज्य कवि सूर्यमल्ल मीषण द्वारा रचित एक विशाल महाकाव्य है। यह सुमेलन पूर्णतः सत्य और प्रामाणिक ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है।

27. (B) चन्दबरदाई
प्रसिद्ध महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो' की रचना 12वीं शताब्दी के महान कवि चन्दबरदाई द्वारा की गई थी। चन्दबरदाई अंतिम हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान तृतीय के घनिष्ठ मित्र और राजदरबारी कवि थे। इस विशाल रासो काव्य में पृथ्वीराज चौहान के जीवन तथा उनके युद्धों और वीरता का सजीव वर्णन किया गया है। यह ग्रंथ ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है और पूज्य है।

28. (B) विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव)
प्रसिद्ध राजस्थानी काव्य ग्रंथ 'बीसलदेव रासो' के रचयिता कवि नरपति नाल्ह हैं। यह ग्रंथ मुख्य रूप से अजमेर के चौहान शासक विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव) तथा मालवा की राजकुमारी राजमती के प्रेम और विरह की कथा पर आधारित है। अन्य रासो ग्रंथों की शैली से भिन्न, बीसलदेव रासो मुख्य रूप से एक गेय और श्रृंगार रस प्रधान काव्य ग्रंथ माना जाता है जो प्रसिद्ध है।

29. (A) दलपत विजय
प्रारंभिक राजस्थानी एवं डिंगल साहित्य का एक महत्वपूर्ण वीरगाथात्मक ग्रंथ 'खुमाण रासो' दलपत विजय द्वारा रचित माना जाता है। इस ऐतिहासिक ग्रंथ में मेवाड़ के शासकों का इतिहास और विशेष रूप से शासक खुमाण के युद्धों व सैन्य अभियानों का ओजस्वी वर्णन किया गया है। यह ग्रंथ तत्कालीन मेवाड़ के राजनीतिक इतिहास का एक प्रमुख और प्रामाणिक स्रोत माना जाता है तथा लोकप्रिय है।

30. (C) अकबर
बीकानेर के पृथ्वीराज राठौड़ एक महान डिंगल कवि थे। वे मुगल सम्राट अकबर के दरबार में एक सम्मानित मनसबदार और दरबारी कवि थे। अकबर के दरबार में रहते हुए भी उन्होंने अपनी मातृभूमि और राजस्थानी भाषा के प्रति अगाध प्रेम बनाए रखा। उन्होंने अकबर के ही समय में गागरोन के दुर्ग में रहते हुए प्रसिद्ध ग्रंथ 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' की रचना की थी।

31. (D) दुरसा आढ़ा
पृथ्वीराज राठौड़ द्वारा रचित ग्रंथ 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' की काव्य प्रतिभा से प्रभावित होकर समकालीन प्रसिद्ध कवि दुरसा आढ़ा ने इस ग्रंथ की अत्यधिक प्रशंसा की। दुरसा आढ़ा ने इस ग्रंथ को चार वेदों के समान मानते हुए इसे 'पांचवां वेद' तथा अठारह पुराणों के समकक्ष रखते हुए 'उन्नीसवां पुराण' कहकर संबोधित किया था। यह ग्रंथ डिंगल का अमूल्य रत्न माना जाता है।

32. (C) बूंदी
उन्नीसवीं शताब्दी के महान विद्वान और ओजस्वी कवि सूर्यमल्ल मीषण राजपूताना की बूंदी रियासत के प्रसिद्ध राज्य कवि थे। वे बूंदी के शासक महाराव राम सिंह के दरबारी कवि थे। सूर्यमल्ल मीषण ने बूंदी राज्य के इतिहास को व्यक्त करने के लिए 'वंश भास्कर' ग्रंथ की रचना की। इसके अतिरिक्त उन्होंने 'वीर सतसई' जैसे अनेक प्रसिद्ध काव्य ग्रंथों का सफल सृजन किया था।

33. (B) 1857 के विद्रोह के संदर्भ में राजपूत गौरव को जगाता है
सूर्यमल्ल मीषण द्वारा रचित काव्य 'वीर सतसई' का अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि इसकी रचना 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि में हुई थी। इस ग्रंथ के माध्यम से कवि ने अपनी ओजस्वी शैली में राजपूताना के राजाओं और जनता

NODIA

को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध मातृभूमि की रक्षा हेतु उठ खड़े होने तथा शौर्य जागृत करने का आह्वान किया था जो अत्यंत महत्वपूर्ण है।

34. (B) केवल I और II
डिंगल शैली राजस्थानी साहित्य की एक अत्यंत सशक्त काव्य शैली है जो मुख्य रूप से मारवाड़ी या पश्चिमी राजस्थानी पर आधारित है। मध्यकाल में इस शैली को मुख्य रूप से चारण कवियों द्वारा विकसित किया गया था। डिंगल शैली में विशुद्ध ब्रजभाषा का प्रयोग नहीं होता, बल्कि ब्रजभाषा और पूर्वी राजस्थानी का मिश्रण 'पिंगल' शैली कहलाता है। अतः कथन I और II सही हैं।

35. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
हाड़ौती बोली मुख्य रूप से राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में स्थित कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिलों में बोली जाती है। इस क्षेत्र को ऐतिहासिक रूप से 'हाड़ौती' कहा जाता है क्योंकि इस भूभाग पर चौहान राजवंश की हाड़ा शाखा ने शासन किया था। हाड़ा शासकों के सांस्कृतिक प्रभाव के कारण ही इस बोली का नाम हाड़ौती पड़ा। अतः दोनों कथन सत्य हैं।

36. (C) विजयदान देथा
राजस्थानी लोक कथाओं का प्रसिद्ध संकलन 'बातां री फुलवारी' आधुनिक राजस्थानी साहित्य के महान साहित्यकार विजयदान देथा द्वारा रचा गया था। इस बहुखंडीय रचना में उन्होंने राजस्थान की पारंपरिक मौखिक लोक कथाओं को अत्यंत सरस और साहित्यिक शैली में लिपिबद्ध किया है। इस अप्रतिम कृति हेतु उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी अलंकृत किया गया था, जो अत्यंत गौरवशाली बात है और प्रामाणिक है।

37. (A) संस्कृत → शौरसेनी प्राकृत → गुर्जरी अपभ्रंश → राजस्थानी
राजस्थानी भाषा के विकास का क्रमिक चरण भारतीय-आर्य भाषा परिवार के नियमों का पालन करता है। सबसे पहले संस्कृत से मध्यकालीन भाषा के अंतर्गत शौरसेनी प्राकृत का विकास हुआ। इसके बाद गुर्जरी अपभ्रंश का प्रादुर्भाव हुआ। अंततः 11वीं से 12वीं शताब्दी के मध्य गुर्जरी अपभ्रंश से राजस्थानी भाषा का उद्भव हुआ। यह क्रम भाषा विज्ञान के अनुसार पूर्णतः प्रामाणिक एवं सत्य माना जाता है।

38. (D) भरतेश्वर बाहुबलि घोर
'भरतेश्वर बाहुबलि घोर' की रचना 1168 ईस्वी के आसपास जैन मुनि वज्रसेन सूरि द्वारा की गई थी। इस ग्रंथ को राजस्थानी भाषा में जैन साहित्यिक परंपरा और राजस्थानी साहित्य के सबसे प्राचीन ग्रंथों में से एक माना जाता है। इसमें भरत और बाहुबली के संघर्ष तथा वैराग्य का धार्मिक काव्य रूप में सजीव वर्णन प्राप्त होता है। यह अमूल्य साहित्यिक धरोहर है तथा ऐतिहासिक है।

39. (B) चंद्रसिंह बीरकली
आधुनिक राजस्थानी साहित्य काल की पहली प्रमुख काव्य रचना 'बादली' मानी जाती है, जिसकी रचना प्रसिद्ध कवि चंद्रसिंह बीरकली द्वारा की गई थी। 'बादली' काव्य में कवि ने राजस्थान के ग्रामीण जीवन, मरुस्थल की गर्मी और वर्षा के सौंदर्य का अत्यंत भावुक एवं सजीव चित्रण किया है। इस कृति ने आधुनिक राजस्थानी कविता को नई दिशा और चेतना प्रदान करने का कार्य किया।

40. (C) कन्हैयालाल सेठिया
प्रसिद्ध राजस्थानी काव्य संग्रह 'लीलटांस' की रचना आधुनिक राजस्थानी साहित्य के महान कवि कन्हैयालाल सेठिया द्वारा की गई थी। इस उत्कृष्ट काव्य कृति के लिए उन्हें 1976 में प्रतिष्ठित 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से अलंकृत किया गया था। लीलटांस पक्षी को लोक संस्कृति में शुभ माना जाता है। सेठिया जी ने इसमें सांस्कृतिक चेतना को सुंदर अभिव्यक्ति प्रदान की है जो अत्यंत प्रशंसनीय है।

41. (D) पृथ्वीराज राठौड़
कन्हैयालाल सेठिया की सुप्रसिद्ध प्रेरणादायक कविता 'पाथल और पीथल' में 'पाथल' शब्द का प्रयोग महाराणा प्रताप हेतु हुआ है, जबकि 'पीथल' शब्द बीकानेर के डिंगल कवि पृथ्वीराज राठौड़ हेतु प्रयुक्त हुआ है। यह कविता महाराणा प्रताप के स्वतंत्रता संघर्ष और पृथ्वीराज राठौड़ द्वारा उन्हें लिखे गए ऐतिहासिक पत्र के प्रसंग पर आधारित एक अमर काव्य रचना मानी जाती है जो अत्यंत लोकप्रिय है।

42. (A) सीताराम लालस
जोधपुर के महान विद्वान पदमश्री डॉ. सीताराम लालस को अकेले ही विशाल 'राजस्थानी शब्दकोश' का संकलन करने का श्रेय प्राप्त है। उन्होंने चार दशकों के कठोर परिश्रम और शोध के बाद 2 लाख से अधिक शब्दों को संकलित किया। उनके इस भगीरथ प्रयास के कारण ही उन्हें 'राजस्थानी भाषा की मशाल' कहा गया। यह कार्य राजस्थानी भाषा के इतिहास में अद्वितीय माना जाता है।

43. (C) आठवीं अनुसूची
राजस्थानी भाषा को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिलाने के लिए राजस्थान में लंबे समय से आंदोलन चल रहे हैं। इन प्रयासों का मुख्य संवैधानिक उद्देश्य राजस्थानी भाषा को भारतीय संविधान की 'आठवीं अनुसूची' में शामिल कराना है। संवैधानिक मान्यता मिलने से राज्य की इस समृद्ध भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रशासनिक संरक्षण तथा भाषाई विकास हेतु अवसर प्राप्त हो सकेंगे जो अत्यंत आवश्यक है।

44. (B) 2003
राजस्थान विधानसभा ने 2003 में सर्वसम्मति से एक संकल्प पारित किया था। इस प्रस्ताव के माध्यम से राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से यह सिफारिश की थी कि राजस्थानी भाषा की समृद्ध परंपरा और जनसामान्य की मांग को देखते हुए इसे भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।

Click Here to Buy book on Amazon

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

यह प्रस्ताव भाषाई आंदोलन में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ था और प्रामाणिक है।

45. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थान के साहित्यिक संस्थानों का उनके स्थानों से सही मिलान इस प्रकार है: राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर में स्थित है। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर में स्थापित है। अरबी फारसी शोध संस्थान टोंक में स्थित है। रूपायन संस्थान बोरुंदा, जोधपुर में स्थित है। यह सभी संस्थान राज्य की सांस्कृतिक और भाषाई धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा कार्यरत हैं।

46. (C) राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
मासिक साहित्यिक पत्रिका 'मधुमती' राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर का आधिकारिक प्रकाशन है। यह अकादमी राजस्थान में साहित्य के विकास, प्रोत्साहन और प्रकाशन हेतु प्रतिबद्ध सर्वोच्च संस्था है। 'मधुमती' पत्रिका के माध्यम से राज्य के लेखकों, कवियों और विचारकों की उत्कृष्ट साहित्यिक रचनाओं, कविताओं और शोध पत्रों को नियमित रूप से प्रकाशित किया जाता है जो अत्यंत सराहनीय कार्य है और लोकप्रिय भी है।

47. (D) बीकानेर
राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'जागती जोत' का प्रकाशन बीकानेर से किया जाता है। यह पत्रिका पूर्ण रूप से राजस्थानी भाषा, बोलियों, लोक साहित्य और संस्कृति के संवर्धन हेतु समर्पित है। इस पत्रिका में केवल राजस्थानी भाषा में रचित कविताएं, कथाएं और निबंध प्रकाशित किए जाते हैं ताकि भाषा को बढ़ावा मिल सके। यह एक उत्कृष्ट प्रयास माना जाता है।

48. (C) ऊपरी क्षैतिज रेखा (शिरोरेखा) के बिना लिखा जाना और अक्षरों का मुड़ा होना
राजस्थान की पारंपरिक 'मुड़िया' लिपि देवनागरी का ही एक त्वरित व्यावहारिक रूप है। इसकी सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि इसे लिखते समय अक्षरों के ऊपर खींची जाने वाली ऊपरी रेखा (शिरोरेखा) का प्रयोग नहीं किया जाता है और इसके अक्षर मुड़े हुए रूप में लिखे जाते हैं। कलम को बिना उठाए तेजी से लिखने की इस तकनीक के कारण इसे मुड़िया कहा जाता है।

49. (B) बही-खाते और लेखांकन के लिए व्यापारी एवं महाजन वर्ग द्वारा
राजस्थान की 'महाजनी' लिपि का उपयोग ऐतिहासिक रूप से मुख्य रूप से व्यापारी और महाजन वर्ग द्वारा अपने दैनिक बही-खातों और वित्तीय हिसाब-किताब के लिए किया जाता था। बिना शिरोरेखा के तेजी से लिखी जाने वाली इस लिपि में व्यापारिक गोपनीयता बनी रहती थी तथा व्यावसायिक लेन-देन दर्ज करना अत्यंत आसान और व्यावहारिक होता था। यह लिपि ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

50. (D) मारवाड़ी और मेवाड़ी
महान भक्ति संत मीराबाई द्वारा रचित भक्ति पद और 'वाणी' साहित्य मुख्य रूप से मारवाड़ी और मेवाड़ी बोलियों की विशेषताओं को प्रदर्शित करता है। मीराबाई का जन्म मारवाड़ में हुआ था और विवाह मेवाड़ में हुआ था। इसके परिणामस्वरूप उनके पदों में मारवाड़ी और मेवाड़ी दोनों बोलियों का सुंदर मिश्रण दिखता है, जिस पर अन्य भाषाओं का भी प्रभाव देखा जा सकता है।

51. (A) जसनाथ जी
'सिंभूधड़ा' नाम से प्रसिद्ध पवित्र साहित्यिक संकलन में राजस्थान के प्रसिद्ध संत और जसनाथी संप्रदाय के प्रवर्तक संत जसनाथ जी की पवित्र वाणी और उपदेश संकलित हैं। संत जसनाथ जी ने बीकानेर में साधना की थी। उनके संप्रदाय में इस ग्रंथ को अत्यंत पवित्र माना जाता है, जिसमें सदाचार और भक्ति के नियमों का विस्तृत विवरण मिलता है। यह ग्रंथ अत्यंत पूजनीय माना जाता है।

52. (C) कविराजा श्यामलदास
मेवाड़ राज्य के इतिहास पर आधारित प्रसिद्ध ग्रंथ 'वीर विनोद' की रचना कविराजा श्यामलदास द्वारा की गई थी। श्यामलदास मेवाड़ के महाराणा सज्जन सिंह के दरबारी इतिहासकार थे। उन्होंने अनेक प्राचीन अभिलेखों और दस्तावेजों का गहन अध्ययन करके इस विशाल ग्रंथ की रचना की। यह ग्रंथ मेवाड़ के राजनीतिक और सामाजिक इतिहास को जानने का सबसे प्रामाणिक दस्तावेज माना जाता है और पूजित है।

53. (A) राजपूताना की रियासतों का प्रामाणिक इतिहास लिखने के लिए
डॉ. जी.एच. ओझा राजस्थानी इतिहास लेखन में अपने वैज्ञानिक और प्रामाणिक योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने राजपूताना की विभिन्न रियासतों जैसे उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर और सिरोही का प्रथम प्रामाणिक एवं तिथिबद्ध इतिहास लिखा। उन्होंने प्राचीन शिलालेखों और सिक्कों का गहन विश्लेषण करके इतिहास लेखन को एक नई शोधपरक दिशा प्रदान की। उनका यह योगदान इतिहास में सदैव याद किया जाता रहेगा और रहेगा।

54. (B) 21 फरवरी
राजस्थान की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को सम्मानित करने तथा इसके संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु प्रतिवर्ष 21 फरवरी को 'राजस्थानी भाषा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है। इस अवसर पर राज्यभर में विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों और संगोष्ठियों का भव्य आयोजन किया जाता है जो अत्यंत सराहनीय है और प्रेरणादायक है।

55. (D) I, II और III
राजस्थान में भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले संस्थानों के संबंध में दिए गए तीनों कथन पूर्णतः सत्य हैं। रूपायन संस्थान बोरुंदा (जोधपुर) में स्थित है। राजस्थान साहित्य अकादमी का मुख्यालय उदयपुर में स्थित है। मौलाना अबुल

NODIA

कलाम आजाद अरबी फारसी शोध संस्थान टोंक में स्थित है। ये सभी तथ्य ऐतिहासिक और प्रशासनिक रूप से पूर्णतः सत्य एवं प्रामाणिक माने जाते हैं तथा प्रासंगिक हैं।

56. (C) बनियावाटी
राजस्थान में व्यावसायिक लेखन के लिए प्रयुक्त होने वाली 'मुड़िया' लिपि को स्थानीय भाषा में 'बनियावाटी' लिपि भी कहा जाता है। चूंकि इस लिपि का उपयोग मुख्य रूप से व्यापारी वर्ग द्वारा अपने बही-खातों और वित्तीय पत्राचार में किया जाता था, इसलिए इसे बनियावाटी कहा जाने लगा। यह लिपि बिना शिरोरेखा के तेजी से लिखी जाने के लिए जानी जाती है तथा प्रसिद्ध है।

57. (D) तोरावाटी
दिए गए विकल्पों में तोरावाटी एक भिन्न बोली है क्योंकि तोरावाटी मुख्य रूप से कांतली नदी क्षेत्र में बोली जाने वाली 'ढूंढाड़ी' की उप-बोली है। इसके विपरीत, थाली, ढाटकी और गोडवाड़ी तीनों पश्चिमी राजस्थान में बोली जाने वाली 'मारवाड़ी' की उप-बोलियां हैं। अतः भाषाई वर्गीकरण की दृष्टि से तोरावाटी अन्य बोलियों की श्रेणी से पूर्णतः अलग मानी जाती है जो एक स्पष्ट तथ्य है।

58. (A) ब्रजभाषा
पूर्वी राजस्थानी साहित्य में प्रचलित 'पिंगल' काव्य शैली पूर्वी राजस्थानी बोलियों तथा साहित्यिक ब्रजभाषा के मिश्रण से निर्मित हुई थी। इस शैली का प्रयोग मुख्य रूप से भाट कवियों द्वारा अपनी काव्य रचनाओं में किया जाता था। डिंगल शैली की ओजस्वी वीर रस प्रधानता के विपरीत, पिंगल शैली का प्रयोग अधिकांशतः शांत, श्रृंगार और भक्ति रस की काव्य रचनाओं में किया गया था।

59. (B) जैसलमेर
राजस्थानी लोक साहित्य की प्रसिद्ध प्रेम कथा 'मूमल' मूल रूप से जैसलमेर क्षेत्र की संस्कृति और इतिहास से गहराई से जुड़ी हुई है। मूमल जैसलमेर के लोद्रवा की राजकुमारी थीं और अमरकोट के राणा महेंद्र के साथ उनके प्रेम की कहानी बहुत प्रसिद्ध है। 'मूमल' न केवल एक लोक कथा है, बल्कि यह जैसलमेर का एक प्रसिद्ध लोकगीत भी माना जाता है तथा गाया जाता है।

60. (B) चुंडावत मांगे सेनाणी
'चुंडावत मांगे सेनाणी' सूर्यमल्ल मीषण की रचना नहीं है, बल्कि यह आधुनिक कवि मेघराज मुकुल की एक सुप्रसिद्ध वीर रस प्रधान कविता है। इसके विपरीत, 'वंश भास्कर', 'वीर सतसई', 'बलवंत विलास' और 'सती रासो' 19वीं शताब्दी के बूंदी के राज्य कवि सूर्यमल्ल मीषण की ही अमर ऐतिहासिक रचनाएं हैं जो उनके ज्ञान का प्रमाण प्रस्तुत करती हैं। अतः यह कथन सत्य है तथा स्पष्ट है।

61. (A) 1974 में साहित्य अकादमी द्वारा एक स्वतंत्र साहित्यिक भाषा के रूप में मान्यता दी गई।
साहित्य अकादमी ने वर्ष 1974 में राजस्थानी भाषा को एक स्वतंत्र साहित्यिक भाषा के रूप में मान्यता दी थी। राजस्थानी एक इंडो-आर्यन भाषा है। इसके पास शताब्दियों पुराना विशाल लिखित साहित्य मौजूद है। यद्यपि इसे साहित्य अकादमी से मान्यता प्राप्त है, परंतु इसे अभी तक संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है। यह कथन पूर्णतः सही और सत्य है तथा प्रामाणिक है।

62. (C) मेवाती - जोधपुर
मेवाती बोली और जोधपुर जिले का युग्म गलत है। मेवाती बोली मुख्य रूप से पूर्वी राजस्थान के अलवर और भरतपुर जिलों में बोली जाती है। इसके विपरीत, जोधपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों में मारवाड़ी बोली का प्रभुत्व है। अन्य सभी युग्म सही हैं: हाड़ौती कोटा में, मेवाड़ी उदयपुर में तथा वागड़ी डूंगरपुर में बोली जाती है। अतः यह असंगत है और असत्य है।

63. (D) बांकीदास
जोधपुर के कवि बांकीदास ने प्रसिद्ध कविता 'आयो अंग्रेज मुलक रै ऊपर' की रचना की थी। इस ओजस्वी कविता के माध्यम से कवि ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के औपनिवेशिक प्रभाव और राजपूत राजाओं द्वारा अंग्रेजों की अधीनता स्वीकार करने के खिलाफ अपना तीव्र आक्रोश व्यक्त किया था। उन्होंने शासकों को अपनी स्वतंत्रता की रक्षा हेतु प्रेरित किया था। यह ऐतिहासिक रचना मानी जाती है।

64. (C) कवि कल्लोल
प्रसिद्ध प्रेम काव्य रचना 'ढोला मारू रा दूहा' के मूल रचयिता कवि कल्लोल थे। 15वीं शताब्दी में रचित इस ग्रंथ में राजकुमार ढोला और राजकुमारी मारवणी की लोकप्रसिद्ध प्रेम कथा को मनमोहक दूहा शैली में वर्णित किया गया है। बाद में कुशललाभ ने इसमें कुछ चौपाइयां जोड़कर इसे विस्तृत किया। यह ग्रंथ राजस्थानी लोक साहित्य का एक अनमोल रत्न माना जाता है और लोकप्रिय है।

65. (B) मेघराज मुकुल
'सेनाणी' आधुनिक राजस्थानी साहित्य की एक अत्यंत लोकप्रिय वीर रस की कविता है, जिसके रचयिता कवि मेघराज मुकुल हैं। यह कविता सलूंबर के रावत रतन सिंह की पत्नी हाड़ी रानी के अमर बलिदान की घटना पर आधारित है। रानी ने युद्ध में जाते अपने पति को कर्तव्य याद दिलाने हेतु अपना शीश काटकर निशानी के रूप में भेज दिया था। यह अमर काव्य है।

66. (D) वागड़ी
राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र डूंगरपुर और बांसवाड़ा में बोली जाने वाली वागड़ी बोली पर पड़ोसी राज्य गुजरात की भौगोलिक निकटता के कारण गुजराती भाषा का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है। वागड़ी बोली की व्याकरण और शब्दावली में गुजराती के तत्व बहुतायत में पाए जाते हैं। इसी कारण भाषाविदों ने इस बोली को राजस्थानी और गुजराती के मध्य एक भाषाई सेतु भी माना है।

67. (D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।
कथन I गलत है क्योंकि मालवी बोली उत्तरी जिलों में नहीं, बल्कि दक्षिण-पूर्वी जिलों जैसे झालावाड़ और प्रतापगढ़ में

Downloaded from www.pdf.tube

बोली जाती है। कथन II पूर्णतः सही है क्योंकि शेखावाटी बोली मुख्य रूप से सीकर और झुंझुनू क्षेत्रों में बोली जाती है। अतः पहला कथन असत्य तथा दूसरा कथन सत्य होने के कारण सही निष्कर्ष प्राप्त होता है। यह प्रामाणिक तथ्य माना जाता है।

68. (C) राजपूत योद्धाओं की वीरता की प्रशंसा करने वाली एक वीर काव्य परंपरा।
राजस्थान में 'चारण साहित्यिक परंपरा' मुख्य रूप से एक ओजस्वी वीर काव्य परंपरा है, जो राजपूत शासकों और योद्धाओं की वीरता, युद्धों और बलिदानों का जीवंत वर्णन करती है। मध्यकाल में चारण कवियों ने डिंगल भाषा में अनेक काव्य ग्रंथों और दोहों की रचना की। इस परंपरा का मुख्य उद्देश्य युद्ध के समय योद्धाओं के भीतर साहस भरना था, जो अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

69. (A) यह पूर्वी उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली ब्रजभाषा की एक प्रत्यक्ष शाखा है।
पहला कथन गलत है क्योंकि 'डिंगल' शैली ब्रजभाषा की शाखा नहीं है, बल्कि यह पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) का एक साहित्यिक रूप है। ब्रजभाषा और पूर्वी राजस्थानी के सम्मिश्रण से बनी शैली 'पिंगल' कहलाती है। डिंगल मुख्य रूप से पश्चिमी राजस्थान में प्रचलित थी तथा इसे चारण कवियों ने समृद्ध किया। 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' इसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है जो अत्यंत प्रसिद्ध है।

70. (D) दैनिक ग्रामीण जीवन, कृषि पद्धतियों और सांस्कृतिक अनुभवों से
राजस्थानी लोक साहित्य में प्रयुक्त होने वाली कहावतें और मुहावरे मुख्य रूप से जनसामान्य के दैनिक ग्रामीण जीवन, कृषि पद्धतियों, मौसम चक्र और पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे सांस्कृतिक अनुभवों से उद्भूत हुए हैं। ये कहावतें ग्रामीण समाज के व्यावहारिक ज्ञान और लोक दर्शन का निचोड़ प्रस्तुत करती हैं। राजस्थानी लोक संस्कृति को समृद्ध बनाए रखने में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और कालजयी रही है।

NODIA

अध्याय 08
लोक संगीत, लोक नृत्य एवं लोक देवता

1. राजस्थान की मांड गायन शैली मूल रूप से निम्नलिखित में से किस संदर्भ से जुड़ी हुई है?
(A) कृषि गतिविधियों के दौरान गाया जाना
(B) शासकों की प्रशंसा में राजदरबारों में गाया जाना
(C) केवल मंदिर के अनुष्ठानों के दौरान गाया जाना
(D) मृतकों के शोकाकुल अवसर पर गाया जाना

2. रावणहत्था राजस्थान का एक लोकप्रिय लोक वाद्य यंत्र है। यह वाद्य यंत्रों की किस श्रेणी के अंतर्गत आता है?
(A) सुषिर वाद्य
(B) अवनद्ध वाद्य
(C) घन वाद्य
(D) तत् वाद्य

3. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान का राज्य लोक वाद्य यंत्र है?
(A) अलगोजा
(B) रावणहत्था
(C) कामायचा
(D) मोरचंग

4. कामायचा एक प्रमुख लोक तत् वाद्य है, जो मुख्य रूप से पश्चिमी राजस्थान में किस समुदाय द्वारा बजाया जाता है?
(A) कालबेलिया
(B) भील
(C) मांगणियार
(D) गरासिया

5. मोरचंग लोक वाद्य यंत्र के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह लकड़ी की छड़ियों से बजाया जाने वाला एक बड़ा अवनद्ध वाद्य यंत्र है।
(B) यह लोहे या पीतल का बना होता है।
(C) इसे दाँतों के बीच रखकर और उँगली के सहारे बजाया जाता है।
(D) यह लंगा और मांगणियार समुदायों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सुषिर/घन वाद्य की श्रेणी में आता है।

6. 'केसरिया बालम आओ नी, पधारो म्हारे देस' राजस्थान की किस गायन शैली का सबसे प्रसिद्ध गीत है?
(A) लंगा
(B) मांगणियार
(C) तालबंदी
(D) मांड

7. पावणा लोक गीत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह राजस्थान का विवाह से संबंधित एक पारंपरिक लोक गीत है।
II. यह दामाद के ससुराल आने पर उनके स्वागत में गाया जाता है।
III. यह अंतिम संस्कार के दौरान गाया जाने वाला एक शोक गीत है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

8. घूमर राजस्थान का पारंपरिक राज्य नृत्य है। पारंपरिक रूप से घूमर नृत्य किसके द्वारा प्रस्तुत किया जाता है?
(A) केवल पुरुषों द्वारा
(B) पुरुषों और महिलाओं द्वारा एक साथ युगलों में
(C) केवल महिलाओं द्वारा
(D) महिलाओं की पोशाक पहने छोटे लड़कों द्वारा

9. राजस्थान के किस प्रसिद्ध लोक नृत्य को वर्ष 2010 में यूनेस्को (UNESCO) की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया था?
(A) घूमर
(B) भवाई
(C) तेरहताली
(D) कालबेलिया

10. राजस्थान का भवाई नृत्य मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस विशेषता के लिए जाना जाता है?
(A) सिर पर पीतल के कई मटके (घड़े) रखकर संतुलन साधते हुए नृत्य प्रस्तुत करना
(B) रात भर जागरण के दौरान स्थानीय लोक देवताओं की पूजा में भक्ति गीत प्रस्तुत करना
(C) ग्रामीण वार्षिक मेलों में लगातार बारह घंटे तक शास्त्रीय महाकाव्य कविताओं का पाठ करना
(D) लोहे की तलवारों और पारंपरिक ढालों के साथ युद्ध कला की रक्षात्मक तकनीकों का प्रदर्शन करना

Click Here to Buy book on Flipkart

11. गैर नृत्य मुख्य रूप से होली के अवसर पर किया जाता है। यह राजस्थान के किन क्षेत्रों में मुख्य रूप से लोकप्रिय है?
(A) शेखावाटी और जयपुर
(B) मेवाड़ और बाड़मेर
(C) अलवर और भरतपुर
(D) कोटा और बूंदी

12. सूची I में दिए गए लोक नृत्यों को सूची II में दिए गए उनके संबंधित समुदायों या जनजातियों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: नृत्य
P. चरी नृत्य
Q. तेरहताली नृत्य
R. वालर नृत्य
S. गवरी नृत्य
सूची II: समुदाय/जनजाति
1. कामड़ जाति
2. गुर्जर समुदाय
3. भील जनजाति
4. गरासिया जनजाति
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-2, Q-4, R-1, S-3

13. तेरहताली नृत्य में महिलाएँ अपने शरीर के विभिन्न अंगों पर कितने मंजीरे बाँधती हैं?
(A) 9
(B) 11
(C) 13
(D) 15

14. कच्ची घोड़ी नृत्य शेखावाटी क्षेत्र का एक प्रसिद्ध लोक नृत्य है। निम्नलिखित में से कौन-सा इसके प्रदर्शन की शैली का वर्णन करता है?
(A) महिलाएँ एक लयात्मक वृत्ताकार प्रारूप में बैठकर अनुष्ठानिक नृत्य प्रस्तुत करती हैं
(B) एक बड़े सामुदायिक उत्सव की अग्नि के चारों ओर पुरुष और महिलाएँ मिलकर लोक नृत्य करते हैं
(C) पुरुष नकली घोड़ों के परिधान पहनकर खिलते हुए फूल जैसी गतिशील समूह संरचनाएँ बनाते हैं
(D) नर्तक लयात्मक नृत्य प्रस्तुत करते हुए धधकते हुए अंगारों पर नंगे पैर चलते हैं

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
अभिकथन (A): गवरी को भील जनजाति का एक धार्मिक लोक नृत्य-नाट्य माना जाता है।
कारण (R): गवरी का आयोजन 40 दिनों तक किया जाता है और यह भगवान शिव तथा देवी पार्वती की आराधना को समर्पित है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

16. राजस्थान का निम्नलिखित में से कौन-सा जनजातीय नृत्य बिना किसी वाद्य यंत्र के प्रस्तुत किया जाता है?
(A) गवरी
(B) गैर
(C) वालर
(D) नेजा

17. लोक देवता रामदेवजी को राजस्थान में मुख्य रूप से किस कारण से अत्यधिक पूजनीय माना जाता है?
(A) व्यापक सैन्य विजयों और संधियों के माध्यम से संप्रभु मारवाड़ साम्राज्य की स्थापना करने के लिए
(B) सामाजिक समानता, सांप्रदायिक सद्भाव और अस्पृश्यता के उन्मूलन को बढ़ावा देने के लिए
(C) पूर्व मध्यकाल में प्रसिद्ध ऐतिहासिक महाकाव्य पृथ्वीराज रासो की रचना करने के लिए
(D) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के विस्तार के विरुद्ध सशस्त्र प्रतिरोध का नेतृत्व करने के लिए

18. 'जाहरपीर' शब्द का प्रयोग मुस्लिम श्रद्धालुओं द्वारा राजस्थान के किस लोक देवता को संबोधित करने के लिए किया जाता है?
(A) रामदेवजी
(B) पाबूजी
(C) देवनारायणजी
(D) गोगाजी

19. तेजाजी की व्यापक रूप से कृषि देवता के रूप में तथा निम्नलिखित में से किससे सुरक्षा के लिए पूजा की जाती है?
(A) सर्पदंश
(B) बाढ़
(C) वज्रपात (आकाशीय बिजली)
(D) बुरी आत्माओं

20. राजस्थान में पहली बार ऊँट लाने का श्रेय किस लोक देवता को दिया जाता है?
(A) गोगाजी
(B) तेजाजी
(C) पाबूजी
(D) रामदेवजी

21. राजस्थान के निम्नलिखित तत् लोक वाद्य यंत्रों का उनकी जटिलता और आकार के आधार पर, साधारण आधे नारियल

Downloaded from www.pdf.tube

के खोल से लेकर विस्तृत बहु-तंत्रीय गज वाले वाद्य यंत्र तक, सही क्रम चुनिए।
(A) रावणहत्था, कामायचा, सारंगी
(B) कामायचा, सारंगी, रावणहत्था
(C) सारंगी, रावणहत्था, कामायचा
(D) रावणहत्था, सारंगी, कामायचा

22. देवनारायणजी की फड़ का वाचन गुर्जर समुदाय के भोपों द्वारा किस वाद्य यंत्र का प्रयोग करके किया जाता है?
(A) रावणहत्था
(B) कामायचा
(C) अलगोजा
(D) जंतर

23. लोक देवता और उनके मुख्य पूजा स्थल के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म असत्य है?
(A) रामदेवजी - रामदेवरा (रुणेचा)
(B) पाबूजी - आसींद (भीलवाड़ा)
(C) गोगाजी - गोगामेड़ी (हनुमानगढ़)
(D) तेजाजी - खरनाल (नागौर)

24. राजस्थान की प्रसिद्ध लोक देवी करणी माता का मुख्य मंदिर किस स्थान पर स्थित है?
(A) ओसियां
(B) फलोदी
(C) देशनोक
(D) कोलायत

25. जीण माता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. उनका प्रसिद्ध मंदिर सीकर जिले के रेवासा गाँव में स्थित है।
II. उनकी पूजा चौहान राजवंश की कुलदेवी के रूप में की जाती है।
III. जीण माता का लोक गीत राजस्थान के सभी लोक देवी-देवताओं में सबसे छोटा है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) II और III दोनों

26. देवी शीला देवी की मूर्ति किस राजपूत शासक द्वारा जसोर से आमेर (जयपुर) लाई गई थी?
(A) महाराजा मानसिंह प्रथम
(B) सवाई जयसिंह द्वितीय
(C) मिर्जा राजा जयसिंह
(D) महाराजा रामसिंह

27. राजस्थान की सांस्कृतिक परंपरा में, 'कुलदेवी' शब्द का अर्थ है:
(A) केवल मौसमी फसल कटाई के उत्सवों के दौरान पूजी जाने वाली एक क्षेत्रीय देवी
(B) किसी विशिष्ट वंश या राजवंश की वंशानुगत संरक्षक देवी
(C) एक ऐसी देवी जिन्हें अनुष्ठानों में पारंपरिक रूप से पशु बलि दी जाती है
(D) आर्थिक समृद्धि और औपचारिक शिक्षा से जुड़ी एक सामान्य देवी

28. भक्ति आंदोलन की एक प्रमुख संत, मीराबाई किस आराध्य देव की भक्त थीं?
(A) भगवान राम
(B) भगवान श्रीकृष्ण
(C) भगवान शिव
(D) देवी दुर्गा

29. निर्गुण भक्ति परंपरा के महान संत, संत पीपा मूल रूप से किस राजपूत शासक परिवार से संबंधित थे?
(A) गागरोन के खींची
(B) अजमेर के चौहान
(C) मारवाड़ के राठौड़
(D) मेवाड़ के सिसोदिया

30. कथन I और कथन II को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए:
कथन I: संत दादू दयाल को अक्सर 'राजस्थान का कबीर' कहा जाता है।
कथन II: दादू दयाल के संप्रदाय का मुख्य आध्यात्मिक केंद्र (पीठ) नरेना (जयपुर) में स्थित है।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

31. संत जाम्भोजी ने बिश्नोई संप्रदाय की स्थापना की। 'बिश्नोई' नाम उनके द्वारा प्रतिपादित नियमों (सिद्धांतों) की संख्या से व्युत्पन्न हुआ है। ये नियम कितने हैं?
(A) 20
(B) 29
(C) 36
(D) 42

32. बिश्नोई संप्रदाय अपनी किस धार्मिक प्रतिबद्धता के लिए विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रसिद्ध है?
(A) दैनिक प्रातःकालीन अनुष्ठानों और निरंतर सूर्य प्रार्थनाओं के माध्यम से सूर्य देव की पूजा करने के लिए
(B) गांवों के भीतर अनिवार्य युद्ध कला और शारीरिक तंदुरुस्ती प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए
(C) वृक्षों और वन्यजीवों, विशेष रूप से खेजड़ी वृक्ष और कृष्णमृग (काला हिरण) की रक्षा करने के लिए
(D) गंभीर सूखे की अवधि के दौरान वर्षा का आह्वान करने के लिए लंबे अनुष्ठानिक उपवास करने के लिए

NODIA

33. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
अभिकथन (A): राजस्थान में भक्ति आंदोलन में सगुण और निर्गुण दोनों परंपराओं का मिश्रण देखा गया।
कारण (R): मीराबाई जैसी संतों ने मूर्ति रूपों (सगुण) की पूजा की, जबकि दादू दयाल जैसे संतों ने निराकार ईश्वर (निर्गुण) पर ध्यान केंद्रित किया।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

34. लंगा और मांगणियार समुदाय किस क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विश्व स्तर पर पहचाने जाते हैं?
(A) पारंपरिक लघु चित्रकला तकनीक
(B) सजावटी ब्लू पॉटरी कला और शिल्प कौशल
(C) हस्त ब्लॉक प्रिंटिंग और वस्त्र रंगाई कला
(D) लोक संगीत और गायन प्रदर्शन परंपराएँ

35. मांगणियार समुदाय द्वारा अपने गायन प्रदर्शन के दौरान कामायचा के साथ मुख्य रूप से कौन-सा ताल वाद्य यंत्र बजाया जाता है?
(A) खड़ताल
(B) अलगोजा
(C) मोरचंग
(D) नड़

36. कुचामनी ख्याल राजस्थान में लोक नाट्य का एक लोकप्रिय रूप है। इसका प्रवर्तक किसे माना जाता है?
(A) तेज कवि
(B) अली बख्श
(C) लक्षीराम
(D) भानु भारती

37. रम्मत लोक नाट्य का उद्भव राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में हुआ और यह कहाँ सबसे अधिक लोकप्रिय है?
(A) बीकानेर और जैसलमेर
(B) जयपुर और अलवर
(C) उदयपुर और राजसमंद
(D) कोटा और झालावाड़

38. राजस्थानी लोक वाद्य यंत्रों के वर्गीकरण में, 'अवनद्ध वाद्य' से क्या तात्पर्य है?
(A) फूंक मारकर ध्वनि उत्पन्न करने वाले वाद्य यंत्र
(B) खिंचे हुए या गजे हुए तारों के माध्यम से ध्वनि उत्पन्न करने वाले वाद्य यंत्र
(C) आपस में टकराकर बजाए जाने वाले ठोस धातु के वाद्य यंत्र
(D) चमड़े से मढ़े हुए आघात (ताल) वाद्य यंत्र

39. अलगोजा वाद्य यंत्र अद्वितीय है क्योंकि वादक एक साथ फूंक मारता है:
(A) लकड़ी की तीन नलियों में
(B) दो बाँसुलियों में
(C) एक शंख और एक बाँसुरी में
(D) एक पीतल की तुरही में

40. सिंधी सारंगी का व्यापक रूप से लंगा समुदाय द्वारा उपयोग किया जाता है। सारंगी को किस वस्तु का उपयोग करके बजाया जाता है?
(A) उंगलियों से छेड़कर
(B) लकड़ी के हथौड़ों से चोट करके
(C) गज (कमानी) से रगड़कर
(D) मुंह से फूंक मारकर

41. राजस्थान की लोक कलाओं से संबंधित निम्नलिखित हस्तियों में से असंगत (विषम) का चयन कीजिए।
(A) अल्लाह जिलाई बाई
(B) मांगी बाई
(C) गवरी देवी
(D) गुलाबो सपेरा

42. सूची I में दिए गए लोक देवताओं को सूची II में दिए गए उनके मुख्य पूजा केंद्रों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: लोक देवता
P. गोगाजी
Q. पाबूजी
R. देवनारायणजी
S. रामदेवजी
सूची II: मुख्य केंद्र
1. कोलू मण्ड
2. रामदेवरा
3. आसींद
4. गोगामेड़ी
(A) P-4, Q-1, R-3, S-2
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-1, S-2
(D) P-2, Q-4, R-1, S-3

43. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प राजस्थान में एक पारंपरिक 'फड़' को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) एक लोक नाट्य जो पारंपरिक रूप से दिवाली की रात को मंचित किया जाता है
(B) लोक देवी-देवताओं की जीवन कथाओं का चित्रण करने वाला चित्रित कपड़े का पटचित्र
(C) भैंस के खोखले सींगों से निर्मित एक अद्वितीय सुषिर वाद्य यंत्र
(D) विशेष रूप से राजपूत योद्धाओं द्वारा प्रस्तुत की जाने

Click Here to Buy book on Amazon

वाली एक उत्सव नृत्य परंपरा

44. घूमर नृत्य के प्रदर्शन के दौरान, विशेष आठ-मात्रा वाले ताल-चक्र को क्या कहा जाता है?
(A) अर्घ्य
(B) सवाई
(C) ताल
(D) मात्रा

45. कालबेलिया नृत्य के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) इसमें उपयोग किए जाने वाले प्राथमिक वाद्य यंत्र पुंगी और डफली हैं।
(B) यह केवल भारी कवच पहने पुरुषों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।
(C) इसमें मोर की चाल के समान धीमी, तालबद्ध गतियाँ शामिल हैं।
(D) यह केवल मंदिरों के भीतर ही प्रस्तुत किया जाता है।

46. निम्नलिखित में से कौन-सा नृत्य भील समुदाय द्वारा नहीं किया जाता है?
(A) गवरी
(B) गैर
(C) चरी
(D) नेजा

47. तेरहताली नृत्य मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा किस लोक देवता के प्रति भक्ति प्रकट करने के लिए किया जाता है?
(A) पाबूजी
(B) तेजाजी
(C) गोगाजी
(D) रामदेवजी

48. राजस्थान के निम्नलिखित प्रमुख संतों पर विचार कीजिए:
I. संत जाम्भोजी
II. संत पीपा
III. संत दादू दयाल
IV. संत मीराबाई
निम्नलिखित में से कौन-सा उनके जन्म या कार्य काल के आधार पर सही कालानुक्रमिक क्रम का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) II, I, IV, III
(B) I, II, III, IV
(C) II, IV, I, III
(D) IV, I, II, III

49. फलकू बाई राजस्थान के किस पारंपरिक लोक नृत्य में अपनी निपुणता के लिए प्रसिद्ध हैं?
(A) भवाई
(B) चरी
(C) घूमर
(D) कालबेलिया

50. धार्मिक ग्रंथ 'जंभ सागर' मुख्य रूप से किस संत की शिक्षाओं से संबंधित है?
(A) संत दादू दयाल
(B) संत पीपा
(C) संत रामचरण
(D) संत जाम्भोजी

51. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प भक्ति आंदोलन में 'सगुण परंपरा' का सबसे उपयुक्त वर्णन करता है?
(A) भौतिक गुणों, रूपों और मूर्तियों के साथ ईश्वर की पूजा करना
(B) गुणहीन, निराकार और अदृश्य ईश्वर की पूजा करना
(C) धार्मिक प्रथाओं में संगीत और कविता के सभी रूपों को अस्वीकार करना
(D) मोक्ष के लिए केवल योगिक शारीरिक अभ्यासों पर ध्यान केंद्रित करना

52. 'नेजा' शब्द आमतौर पर रामदेवजी से जुड़ा हुआ है। यह किसे निरूपित करता है?
(A) युद्धों के दौरान उनके द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला घोड़ा
(B) उनके द्वारा पहनी जाने वाली लकड़ी की पादुकाएँ (खड़ाऊ)
(C) उनकी पांच रंगों की ध्वजा (पताका)
(D) उनके द्वारा बजाया जाने वाला वाद्य यंत्र

53. राजस्थान में गोगाजी के थान (वृक्षों के नीचे बने छोटे मंदिर) पारंपरिक रूप से किस विशेष प्रकार के वृक्ष के नीचे पाए जाते हैं?
(A) खेजड़ी
(B) बरगद
(C) पीपल
(D) नीम

54. लोक देवता पाबूजी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. उन्हें भगवान राम के भाई लक्ष्मण का अवतार माना जाता है।
II. उन्होंने देवल चारणी की गायों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।
III. उनकी फड़ राजस्थान के सभी लोक देवी-देवताओं में सबसे लंबी है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

NODIA

55. देवनारायणजी को गुर्जर समुदाय द्वारा अत्यधिक पूजनीय माना जाता है। उनके मुख्य धामों में पारंपरिक मूर्ति के स्थान पर विशिष्ट रूप से किसकी पूजा की जाती है?
(A) पारंपरिक नक्काशी से सुसज्जित एक पवित्र चांदी की तलवार की
(B) नीम की ताज़ी पत्तियों से सजाई गई ईंटों की
(C) पवित्र नदी के जल से पूरी तरह भरे हुए मिट्टी के कलश की
(D) उत्सव के लाल वस्त्र में लपेटे गए एक अलंकृत काष्ठ दंड की

56. देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में पाए जाने वाले पवित्र सफेद चूहों को स्थानीय रूप से क्या कहा जाता है?
(A) नंदी
(B) मूषक
(C) काबा
(D) चंदा

57. कौन-सा राजवंश देवी करणी माता को अपनी मुख्य संरक्षक देवी (कुलदेवी) मानता है?
(A) जयपुर के कछवाहा शासक
(B) मेवाड़ के सिसोदिया शासक
(C) अजमेर के चौहान शासक
(D) बीकानेर के राठौड़ शासक

58. 'ढाई प्याला मदिरा' चढ़ाने का संबंध ऐतिहासिक रूप से किस लोक देवी के मंदिर से है?
(A) जीण माता
(B) शीला देवी
(C) करणी माता
(D) सच्चियाय माता

59. कथन I और कथन II को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए:
कथन I: संत पीपा का मानना था कि ईश्वर प्रत्येक जीव में विद्यमान है और उन्होंने बाहरी धार्मिक कर्मकांडों को खारिज किया।
कथन II: संत पीपा ने जीवन भर खेती करके अपनी आजीविका चलाई।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

60. राजस्थान के निम्नलिखित भक्ति संतों में से किसने 'दादू वाणी' ग्रंथ की रचना की?
(A) संत रामचरण
(B) संत दादू दयाल
(C) संत जाम्भोजी
(D) संत पीपा

61. बिश्नोई संप्रदाय में अपने मृत व्यक्तियों के अंतिम संस्कार के संबंध में एक कड़ा नियम है। उनकी पारंपरिक प्रथा क्या है?
(A) शवों को जलाने (दाह संस्कार) के स्थान पर दफनाना
(B) वैदिक अनुष्ठानों के साथ चंदन की चिता पर शव का दाह संस्कार करना
(C) पवित्र नदी के जल में शव को प्रवाहित करना
(D) प्राकृतिक रूप से अपघटन के लिए शव को एक ऊँचे स्थान पर खुला छोड़ देना

62. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
अभिकथन (A): लंगा और मांगणियार पश्चिमी राजस्थान के पारंपरिक मुस्लिम समुदाय हैं।
कारण (R): वे केवल इस्लामिक भजन गाते हैं और हिंदू लोक देवी-देवताओं से संबंधित गीत नहीं गाते हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

63. किस लोक नाट्य (ख्याल) में दो अखाड़ों (दलों) के बीच काव्य प्रतियोगिता के रूप में भगवान शिव और पार्वती की कथा को शामिल किया जाता है?
(A) शेखावाटी ख्याल
(B) अलीबक्षी ख्याल
(C) किशनगढ़ी ख्याल
(D) तुर्रा कलंगी ख्याल

64. रम्मत लोक नाट्य के प्रदर्शन के दौरान, आमतौर पर मंच को सजाया जाता है और प्रदर्शन की शुरुआत किसको समर्पित भक्ति गीतों के गायन के साथ होती है?
(A) तेजाजी
(B) पाबूजी
(C) रामदेवजी
(D) गोगाजी

65. लोक वाद्य यंत्रों की 'सुषिर श्रेणी' अन्य वाद्य यंत्रों से किस प्रकार भिन्न है?
(A) वे दो धातु की पट्टियों को आपस में टकराकर ध्वनि उत्पन्न करते हैं।
(B) वे फूंक मारकर/हवा प्रवाहित करके ध्वनि उत्पन्न करते हैं।
(C) वे खिंचे हुए तारों के कंपन के माध्यम से ध्वनि उत्पन्न करते हैं।
(D) वे पूरी तरह से पकी हुई मिट्टी से बने होते हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

66. 'कामड़िया पंथ' की स्थापना राजस्थान के किस प्रमुख लोक देवता द्वारा की गई थी?
(A) तेजाजी
(B) पाबूजी
(C) देवनारायणजी
(D) रामदेवजी

67. संत और उनके संबंधित आध्यात्मिक केंद्र के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा असत्य युग्म माना जाता है?
(A) पीपा - शाहपुरा
(B) जाम्भोजी - मुकाम
(C) दादू दयाल - नरेना
(D) मीराबाई - मेड़ता

68. सूची I में दिए गए वाद्य यंत्रों को सूची II में दिए गए उनके वर्गीकरण की श्रेणियों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: वाद्य यंत्र
P. ढोल
Q. अलगोजा
R. कामायचा
S. खड़ताल
सूची II: श्रेणी
1. तत् वाद्य
2. सुषिर वाद्य
3. अवनद्ध वाद्य
4. घन वाद्य
(A) P-3, Q-2, R-1, S-4
(B) P-4, Q-2, R-1, S-3
(C) P-3, Q-1, R-2, S-4
(D) P-1, Q-2, R-4, S-3

69. भक्ति आंदोलन ने राजस्थान के समाज को गहराई से प्रभावित किया। इसका सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव क्या था?
(A) सभी जातियों में सामाजिक समानता को बढ़ावा देना
(B) पारंपरिक जातिगत पदानुक्रम और सामाजिक विभाजन को सख्ती से लागू करना
(C) ग्रामीण समुदायों में अस्पृश्यता की प्रथाओं में तेजी से वृद्धि
(D) भक्ति ग्रंथों में क्षेत्रीय लोक भाषाओं के प्रयोग पर प्रतिबंध

70. लोक देवता तेजाजी के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए।
(A) उनका जन्म मेवाड़ के राजपरिवार में हुआ था।
(B) उन्हें राजस्थान के 'पंच पीरों' में से एक माना जाता है।
(C) उनका मुख्य मंदिर बीकानेर जिले में स्थित है।
(D) पर्वतसर में प्रतिवर्ष 'तेजाजी पशु मेला' आयोजित किया जाता है।

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) शासकों की प्रशंसा में राजदरबारों में गाया जाना
मांड गायन शैली राजस्थान की एक अत्यंत प्रसिद्ध और परिष्कृत शास्त्रीय लोक गायन परंपरा है। इसका विकास मुख्य रूप से जैसलमेर, बीकानेर और जोधपुर रियासतों के राजदरबारों में हुआ था। यह शैली शाही दरबारों में राजाओं तथा शासकों की प्रशंसा, वीरता और शौर्य का वर्णन करने के लिए गाई जाती थी। इस शैली में शास्त्रीय रागों तथा लोक संगीत का सुंदर सम्मिश्रण होता है।

2. (D) तत् वाद्य
रावणहत्था राजस्थान का एक अत्यंत प्राचीन एवं लोकप्रिय तत् वाद्य यंत्र है, जिसका अर्थ तारयुक्त वाद्य होता है। इसका निर्माण आधे कटे नारियल के खोल से किया जाता है, जिस पर बकरी की खाल मढ़ी जाती है। इसमें बांस की छड़ पर तार बंधे होते हैं और इसे गज की सहायता से बजाया जाता है। इसका प्रयोग पाबूजी की फड़ वाचन के समय होता है।

3. (A) अलगोजा
अलगोजा राजस्थान का अधिकारिक राज्य लोक वाद्य यंत्र है, जो सुषिर श्रेणी के अंतर्गत आता है। सुषिर वाद्य यंत्र वे होते हैं जिन्हें फूंक मारकर बजाया जाता है। अलगोजा में दो बांसुरियां एक साथ जुड़ी होती हैं, जिन्हें वादक एक ही समय में अपने मुंह में रखकर फूंक मारकर अत्यंत कुशलता से लयात्मक ध्वनि उत्पन्न करता है। यह वाद्य यंत्र चरवाहों और लोक कलाकारों में अत्यंत लोकप्रिय है।

4. (C) मांगणियार
कामायचा पश्चिमी राजस्थान के थार क्षेत्र का एक अत्यंत प्रमुख तत् वाद्य यंत्र है। इसका आकार गोल और बड़ा होता है तथा इसे आम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इस वाद्य यंत्र में मुख्य रूप से आंत तथा धातु के तार लगे होते हैं। इसे गज की सहायता से बजाया जाता है। यह मुख्य रूप से मांगणियार समुदाय के लोक संगीतकारों द्वारा बजाया जाता है।

5. (A) यह लकड़ी की छड़ियों से बजाया जाने वाला एक बड़ा अवनद्ध वाद्य यंत्र है।
मोरचंग राजस्थान का एक पारंपरिक एवं अत्यंत सूक्ष्म आकार का घन तथा सुषिर श्रेणी का वाद्य यंत्र है। यह लोहे या पीतल का बना एक छोटा धातु का वाद्य होता है। इसे होठों और दांतों के बीच दबाकर तथा उंगली के प्रहार से हवा के प्रवाह के साथ बजाया जाता है। यह लकड़ी की छड़ियों से बजाया जाने वाला कोई अवनद्ध वाद्य यंत्र नहीं है। इसे संगीतकार प्रयोग करते हैं।

6. (D) मांड
'केसरिया बालम आओ नी, पधारो म्हारे देस' राजस्थान का विश्व प्रसिद्ध राज्य गीत है, जो मुख्य रूप से मांड गायन शैली में पिरोया गया है। यह गीत अतिथि देवो भवः की भावना और प्रियतम के स्वागत तथा विरह वेदना को व्यक्त करता है। इस प्रसिद्ध लोक गीत को बीकानेर की महान मांड गायिका अल्लाह जिलाई बाई ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई थी। यह मांड शैली की पहचान है।

7. (A) केवल I और II
पावणा राजस्थान का एक अत्यंत प्रसिद्ध पारंपरिक सांस्कृतिक लोक गीत है, जो खुशी और उत्सव के अवसरों पर गाया जाता है। यह गीत विशेष रूप से विवाह के पश्चात नवविवाहित दामाद के पहली बार अपने ससुराल आने पर महिलाओं द्वारा उसके आदर-सत्कार और स्वागत में गाया जाता है। यह किसी भी प्रकार का शोक गीत या अंतिम संस्कार से संबंधित गीत नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक संबंधों में मिठास और आत्मीयता बढ़ाने वाला लोक गीत है।

8. (C) केवल महिलाओं द्वारा
घूमर राजस्थान का पारंपरिक एवं प्रसिद्ध राज्य लोक नृत्य है, जिसे 'लोक नृत्यों का सिरमौर' भी कहा जाता है। यह नृत्य पारंपरिक रूप से केवल महिलाओं द्वारा ही प्रस्तुत किया जाता है। इसमें महिलाएँ विशेष रूप से घाघरा पहनकर एक लयात्मक वृत्त में घूमते हुए नृत्य करती हैं। यद्यपि पुरुष इस नृत्य के आयोजन में पृष्ठभूमि संगीत तथा ढोल-नगाड़े बजाने में सहयोग करते हैं, परंतु नृत्य क्रिया केवल महिलाओं द्वारा की जाती है।

9. (D) कालबेलिया
कालबेलिया राजस्थान की कालबेलिया सपेरा जनजाति द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला एक अत्यंत तीव्र एवं लयात्मक लोक नृत्य है। इस नृत्य को वर्ष 2010 में यूनेस्को (UNESCO) की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया था। इस नृत्य में महिला नर्तकियाँ काले रंग की अलंकृत पोशाक पहनकर सांप की तीव्र गतियों के समान लयात्मक अंग-संचालन करती हैं, जबकि पुरुष पुंगी और डफली जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाते हैं।

10. (A) सिर पर पीतल के कई मटके (घड़े) रखकर संतुलन साधते हुए नृत्य प्रस्तुत करना
भवाई राजस्थान का एक अत्यंत लोकप्रिय तथा साहसिक व्यावसायिक लोक नृत्य है। यह नृत्य मुख्य रूप से अपनी अद्भुत शारीरिक संतुलन कला और रोमांचक करतबों के लिए जाना जाता है। इसमें महिला या पुरुष नर्तक अपने सिर पर सात से आठ पीतल के मटके रखकर संतुलन बनाते हुए नृत्य करते हैं। इसके अतिरिक्त काँच के टुकड़ों, तलवार की धार अथवा थाली के किनारों पर पैर रखकर नृत्य करना इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं।

Click Here to Buy book on Flipkart

11. (B) मेवाड़ और बाड़मेर
गैर नृत्य राजस्थान का एक अत्यंत प्रसिद्ध और पारंपरिक जनजातीय लोक नृत्य है, जो मुख्य रूप से होली के अवसर पर आयोजित किया जाता है। यह नृत्य विशेष रूप से मेवाड़ और बाड़मेर क्षेत्रों में अत्यधिक लोकप्रिय है। इस नृत्य में पुरुष नर्तक गोल घेरा बनाकर हाथों में लकड़ी की छड़ियाँ (डांडिया) लेकर ढोल और बांकिया की ताल पर एक-दूसरे से छड़ियाँ टकराते हुए वृत्ताकार प्रारूप में नृत्य प्रस्तुत करते हैं।

12. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थान के प्रमुख लोक नृत्यों का उनके समुदायों से सीधा संबंध है। चरी नृत्य मुख्य रूप से किशनगढ़ क्षेत्र में गुर्जर समुदाय की महिलाओं द्वारा सिर पर जलती हुई कपास की खली वाले पात्र रखकर किया जाता है। तेरहताली नृत्य कामड़ जाति की महिलाओं द्वारा बाबा रामदेवजी की भक्ति में प्रस्तुत किया जाता है। वालर नृत्य सिरोही क्षेत्र की गरासिया जनजाति का प्रसिद्ध नृत्य है, जबकि गवरी नृत्य मेवाड़ के भील समुदाय का धार्मिक नाट्य-नृत्य है।

13. (C) 13
तेरहताली नृत्य राजस्थान का एक अत्यंत प्रसिद्ध और अनूठा व्यावसायिक लोक नृत्य है, जो कामड़ जाति की महिलाओं द्वारा बाबा रामदेवजी की आराधना में प्रस्तुत किया जाता है। इस नृत्य की मुख्य विशेषता यह है कि नर्तकी अपने शरीर के विभिन्न अंगों पर कुल 13 मंजीरे बाँधती है। इनमें से 9 मंजीरे दाएँ पैर पर, 2 कोहनी पर और 2 हाथों में रखे जाते हैं, जिन्हें गति एवं लय के साथ आपस में टकराकर बजाया जाता है।

14. (C) पुरुष नकली घोड़ों के परिधान पहनकर खिलते हुए फूल जैसी गतिशील समूह संरचनाएँ बनाते हैं
कच्ची घोड़ी नृत्य राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र का एक अत्यंत प्रसिद्ध व्यावसायिक पुरुष लोक नृत्य है। यह नृत्य विवाह एवं अन्य मांगलिक अवसरों पर प्रस्तुत किया जाता है। इसमें पुरुष नर्तक काठ या बाँस और कपड़े से बनी नकली घोड़ी की पोशाक कमर पर बाँधकर हाथों में तलवार लेकर नृत्य करते हैं। इस नृत्य की सबसे प्रमुख विशेषता नर्तकों द्वारा तीव्र गति से खिलते एवं बंद होते फूल जैसी गतिशील संरचनाएँ बनाना है।

15. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
गवरी राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र में भील जनजाति द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक प्रसिद्ध धार्मिक लोक नृत्य-नाट्य है। इसे राई नृत्य भी कहा जाता है। यह उत्सव प्रतिवर्ष भाद्रपद माह से प्रारंभ होकर लगभग 40 दिनों तक निरंतर चलता है। यह लोक नाट्य पूर्ण रूप से भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा तथा आराधना को समर्पित है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण अभिकथन की बिल्कुल सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

16. (C) वालर
वालर नृत्य राजस्थान के सिरोही जिले के आबू और पिंडवाड़ा क्षेत्रों में निवास करने वाली गरासिया जनजाति का एक अत्यंत प्रसिद्ध लोक नृत्य है। इस नृत्य की सबसे अनूठी विशेषता यह है कि यह बिना किसी वाद्य यंत्र के केवल तालियों की लयात्मक ध्वनि और गीतों के बोल पर प्रस्तुत किया जाता है। इस धीमी गति के धीर-गंभीर नृत्य को पुरुष और महिलाएँ मिलकर दो अर्धवृत्त बनाकर अत्यंत सुंदरता के साथ प्रस्तुत करते हैं।

NODIA

17. (B) सामाजिक समानता, सांप्रदायिक सद्भाव और अस्पृश्यता के उन्मूलन को बढ़ावा देने के लिए
लोक देवता बाबा रामदेवजी को राजस्थान में सामाजिक सुधार और सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक के रूप में अत्यधिक पूजनीय माना जाता है। उन्होंने समाज में व्याप्त छुआछूत, जातिगत भेदभाव तथा अस्पृश्यता को समाप्त करने के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने 'कामड़िया पंथ' की स्थापना की और सभी वर्गों को भक्ति मार्ग से जोड़ा। इसी कारण उन्हें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों द्वारा समान रूप से पूजा जाता है और रामदेवरा में विशाल मेला लगता है।

18. (D) गोगाजी
गोगाजी राजस्थान के प्रसिद्ध लोक देवता तथा पंच पीरों में से एक प्रमुख पीर माने जाते हैं। इन्हें नागों के देवता के रूप में भी पूजा जाता है। मुस्लिम श्रद्धालु उन्हें अत्यंत श्रद्धा के साथ 'जाहरपीर' या 'जिंदा पीर' कहकर पुकारते हैं, जिसका अर्थ प्रत्यक्ष या प्रकट पीर होता है। महमूद गजनवी के साथ युद्ध के दौरान उनके अद्भुत शौर्य और अलौकिक शक्तियों को देखकर उन्हें यह उपाधि दी गई थी।

19. (A) सर्पदंश
लोक देवता तेजाजी राजस्थान के एक अत्यंत लोकप्रिय लोक देवता हैं, जिन्हें मुख्य रूप से कृषि कार्यों के उपकारक देवता के रूप में पूजा जाता है। इसके अतिरिक्त, उन्हें सर्पदंश और अन्य जहरीले जीवों के दंश से रक्षा करने वाले देवता के रूप में मान्यता प्राप्त है। मान्यता है कि सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को तेजाजी के थान पर ले जाने और तांत बाँधने से वह विषमुक्त होकर स्वस्थ हो जाता है।

20. (C) पाबूजी
पाबूजी राजस्थान के लोक देवताओं में अत्यंत पूजनीय हैं और उन्हें मारवाड़ क्षेत्र में पहली बार ऊँट (सांड) लाने का श्रेय दिया जाता है। इसी कारण उन्हें ऊँटों के रक्षक देवता के रूप में पूजा जाता है। जब भी कोई ऊँट बीमार होता है, तो चरवाहे और रेबारी समुदाय के लोग पाबूजी की मनौती मांगते हैं तथा उनकी फड़ का वाचन करवाते हैं। उन्हें भगवान लक्ष्मण का अवतार भी माना जाता है।

21. (A) रावणहत्था, कामायचा, सारंगी
राजस्थान के तत् लोक वाद्य यंत्रों की बनावट और जटिलता में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है। रावणहत्था एक सरल वाद्य है जो आधे कटे नारियल के खोल से बनता है और इसमें 9 तार होते हैं। कामायचा आम की लकड़ी से बना एक बड़ा गोल वाद्य है जिसमें 16 से 17 तार होते हैं। सारंगी सबसे जटिल और विस्तृत बहु-तंत्रीय वाद्य है जिसमें 27 से 39 तक तार और अनुकंपी तार होते हैं।

22. (D) जंतर
लोक देवता देवनारायणजी की फड़ का वाचन गुर्जर समुदाय के अविवाहित भोपों द्वारा किया जाता है। फड़ वाचन के दौरान जिस प्रमुख पारंपरिक वाद्य यंत्र का प्रयोग किया जाता है, उसे जंतर कहा जाता है। जंतर एक प्राचीन तत् वाद्य यंत्र है, जिसका निर्माण दो सूखे कद्दू (तूंबों) और बाँस की छड़ से किया जाता है। इसमें मगर के आंत के तार लगे होते हैं जिन्हें अंगुलियों से छेड़कर बजाया जाता है।

23. (B) पाबूजी - आसींद (भीलवाड़ा)
लोक देवता पाबूजी का मुख्य पूजा स्थल जोधपुर जिले के फलौदी तहसील में स्थित कोलू मण्ड गाँव है, जबकि आसींद (भीलवाड़ा) गुर्जर समुदाय के आराध्य लोक देवता देवनारायणजी का प्रमुख धाम और जन्मस्थान है। पाबूजी का संबंध कोलू मण्ड से है जहाँ प्रतिवर्ष चैत्र अमावस्या को विशाल मेला भरता है। रामदेवरा बाबा रामदेवजी का, गोगामेड़ी गोगाजी का तथा खरनाल तेजाजी का मुख्य पूजा स्थल है।

24. (C) देशनोक
राजस्थान की प्रसिद्ध लोक देवी करणी माता का मुख्य मंदिर बीकानेर जिले के देशनोक नामक स्थान पर स्थित है। इस मंदिर को 'चूहों वाली देवी के मंदिर' के रूप में विश्व भर में जाना जाता है, क्योंकि मंदिर परिसर में हजारों की संख्या में काले और सफेद चूहे विचरण करते हैं। इन चूहों को अत्यंत पवित्र माना जाता है। बीकानेर के राठौड़ राजवंश की कुलदेवी के रूप में इनकी विशेष मान्यता है।

25. (C) केवल III
जीण माता का मुख्य मंदिर सीकर जिले के रेवासा गाँव में स्थित है और वे चौहान राजवंश की कुलदेवी मानी जाती हैं। जीण माता का लोक गीत राजस्थानी लोक साहित्य और सभी देवी-देवताओं के गीतों में सबसे लंबा माना जाता है, न कि सबसे छोटा। इस गीत को कनफड़े जोगियों द्वारा डमरू और सारंगी की संगत पर गाया जाता है। अतः तीसरा कथन पूरी तरह से असत्य और तथ्यात्मक रूप से गलत है।

26. (A) महाराजा मानसिंह प्रथम
देवी शीला देवी की अष्टभुजी संगमरमर की मूर्ति आमेर (जयपुर) के कछवाहा शासक महाराजा मानसिंह प्रथम द्वारा लाई गई थी। वे 16वीं शताब्दी के अंत में बंगाल अभियान के दौरान जसोर (वर्तमान बांग्लादेश) के राजा केदार को पराजित करके इस पवित्र मूर्ति को आमेर लाए थे। उन्होंने इस मूर्ति की स्थापना आमेर दुर्ग के महल परिसर में करवाई थी। शीला देवी कछवाहा राजवंश की आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं।

27. (B) किसी विशिष्ट वंश या राजवंश की वंशानुगत संरक्षक देवी
राजस्थानी संस्कृति और सामाजिक परंपरा में 'कुलदेवी' शब्द का तात्पर्य उस देवी से है, जिन्हें किसी विशिष्ट कुल, वंश या राजवंश द्वारा अपनी वंशानुगत रक्षक और संरक्षक देवी के रूप में पीढ़ियों से पूजा जाता है। कुलदेवी की पूजा परिवार के सभी मांगलिक कार्यों, जैसे विवाह, मुंडन और नए कार्यों के शुभारंभ पर अनिवार्य रूप से की जाती है। प्रत्येक राजपूत तथा अन्य जातियों की अपनी-अपनी निश्चित कुलदेवी होती है।

28. (B) भगवान श्रीकृष्ण
मध्यकालीन भारत में भक्ति आंदोलन की महान संत और कवयित्री मीराबाई भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य और समर्पित भक्त थीं। उन्होंने श्रीकृष्ण को अपने पति और सर्वस्व के रूप में स्वीकार किया था। मीराबाई ने सगुण भक्ति धारा का मार्ग अपनाया और अपनी उत्कृष्ट काव्यात्मक रचनाओं तथा पदों के माध्यम से कृष्ण प्रेम और भक्ति का संदेश फैलाया। उनके द्वारा रचित पद आज भी पूरे भारत में अत्यंत श्रद्धा के साथ गाए जाते हैं।

29. (A) गागरोन के खींची
उत्तर भारत में निर्गुण भक्ति परंपरा के प्रमुख संत, संत पीपा मूल रूप से झालावाड़ में स्थित गागरोन दुर्ग के खींची राजपूत शासक परिवार से संबंधित थे। वे गागरोन के राजा प्रतापसिंह खींची थे। बाद में संत रामानंद के प्रभाव में आकर उन्होंने अपना राजपाठ, धन-दौलत और महल त्याग दिया तथा साधु जीवन अपनाकर निर्गुण ईश्वर की भक्ति में लीन हो गए। वे दर्जी समुदाय के आराध्य देव भी माने जाते हैं।

30. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
संत दादू दयाल राजस्थान के भक्ति आंदोलन के अत्यंत महान संत थे। उन्होंने स्थानीय सद्भाषा में सरल उपदेश दिए और सामाजिक समानता का संदेश फैलाया, जिसके कारण उन्हें 'राजस्थान का कबीर' कहा जाता है। उन्होंने दादू पंथ की स्थापना की थी। दादू पंथ का मुख्य आध्यात्मिक केंद्र एवं प्रधान पीठ जयपुर जिले के नरेना (नारायणा) में स्थित है। अतः दिए गए दोनों कथन पूर्णतः सत्य एवं सही हैं।

31. (B) 29
संत जाम्भोजी (गुरु जंभेश्वर) ने वर्ष 1485 में समराथल धोरा (नागौर) में बिश्नोई संप्रदाय की स्थापना की थी। 'बिश्नोई' शब्द दो शब्दों 'बीस' (20) और 'नौ' (9) से मिलकर बना है, जिसका अर्थ कुल 29 नियमों का पालन करने वाले अनुयायी होता है। संत जाम्भोजी द्वारा अपने अनुयायियों के आचरण, पर्यावरण संरक्षण, जीव दया और व्यक्तिगत पवित्रता के लिए इन 29 धार्मिक एवं सामाजिक नियमों का प्रतिपादन किया गया था।

32. (C) वृक्षों और वन्यजीवों, विशेष रूप से खेजड़ी वृक्ष और कृष्णमृग (काला हिरण) की रक्षा करने के लिए
बिश्नोई संप्रदाय प्रकृति संरक्षण, वृक्षों की रक्षा और वन्यजीवों के प्रति दया भाव रखने की अपनी अद्वितीय धार्मिक प्रतिबद्धता के लिए संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। इस संप्रदाय के अनुयायी खेजड़ी के वृक्षों और चिंकारा तथा कृष्णमृग (काला हिरण) जैसे वन्यजीवों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने हेतु सदैव तत्पर रहते हैं। 1730 ईस्वी का ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान इसका सबसे ज्वलंत और अमर उदाहरण है।

NODIA

33. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान में मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के दौरान सगुण और निर्गुण दोनों भक्ति धाराओं का अत्यंत सुंदर सम्मिश्रण देखने को मिला। सगुण परंपरा के अंतर्गत संत मीराबाई और कर्माबाई ने ईश्वर की साकार मूर्ति रूप में आराधना की, जबकि निर्गुण परंपरा के अंतर्गत संत दादू दयाल, जाम्भोजी और संत पीपा ने ईश्वर के निराकार और गुणहीन स्वरूप पर बल दिया। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण अभिकथन की स्पष्ट व्याख्या करता है।

34. (D) लोक संगीत और गायन प्रदर्शन परंपराएँ
लंगा और मांगणियार पश्चिमी राजस्थान के थार मरुस्थलीय क्षेत्र में निवास करने वाले दो पारंपरिक मुस्लिम लोक संगीतकार समुदाय हैं। ये समुदाय अपनी समृद्ध लोक संगीत विरासत, विशिष्ट गायन शैली और पारंपरिक वाद्य यंत्रों जैसे कामायचा, सारंगी, खड़ताल तथा मोरचंग के वादन के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने राजस्थानी लोक संगीत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहुँचाकर एक वैश्विक पहचान दिलाई है।

35. (A) खड़ताल
मांगणियार समुदाय पश्चिमी राजस्थान का एक प्रसिद्ध संगीतकार समुदाय है। अपने लोक संगीत और पारंपरिक गायन प्रदर्शन के दौरान वे कामायचा के साथ मुख्य रूप से खड़ताल नामक ताल वाद्य यंत्र का प्रयोग करते हैं। खड़ताल शीशम या रोहिड़ा की लकड़ी के चार छोटे समतल टुकड़ों से बना एक घन वाद्य यंत्र होता है, जिसे एक हाथ की अंगुलियों और अंगूठे के बीच लयात्मक प्रहार करके अत्यंत कुशलता से बजाया जाता है।

36. (C) लक्षीराम
कुचामनी ख्याल राजस्थान की एक अत्यंत प्रसिद्ध लोक नाट्य शैली है, जिसका उद्भव नागौर जिले के कुचामन क्षेत्र में हुआ था। इस ख्याल शैली के जनक एवं प्रमुख प्रवर्तक पंडित लक्षीराम जी को माना जाता है। इस लोक नाट्य में गीतों का बाहुल्य होता है तथा संवादों को पद्यों में गाया जाता है। इसमें मुख्य रूप से पौराणिक और सामाजिक कथाओं का मंचन किया जाता है तथा महिला पात्रों का अभिनय भी पुरुष करते हैं।

37. (A) बीकानेर और जैसलमेर
रम्मत राजस्थान का एक अत्यंत प्रसिद्ध और पारंपरिक लोक नाट्य रूप है। इसका उद्भव मुख्य रूप से जैसलमेर जिले में हुआ था और यह बीकानेर जिले में सबसे अधिक लोकप्रिय तथा विकसित हुआ। रम्मत का आयोजन होली और श्रावण के उत्सवों पर खुले मंचों या पाटों पर किया जाता है। इसमें धार्मिक, पौराणिक और सामाजिक विषयों पर आधारित काव्य रचनाओं का सुरीले लोक संगीत एवं नगाड़े की थाप पर मंचन किया जाता है।

38. (D) चमड़े से मढ़े हुए आघात (ताल) वाद्य यंत्र
राजस्थानी लोक वाद्य यंत्रों के वर्गीकरण में 'अवनद्ध वाद्य' श्रेणी के अंतर्गत वे वाद्य यंत्र आते हैं, जिनका ढाँचा लकड़ी या धातु का होता है और जिसके मुख को चमड़े (खाल) से मढ़ा जाता है। इन वाद्य यंत्रों पर हाथ से या लकड़ी की छड़ी से चोट या आघात मारकर तालबद्ध ध्वनि उत्पन्न की जाती है। ढोल, नगाड़ा, मांदल, डमरू, चांग और दफ अवनद्ध वाद्य श्रेणी के प्रमुख और प्रसिद्ध उदाहरण हैं।

39. (B) दो बाँसुलियों में
अलगोजा राजस्थान का राज्य लोक वाद्य यंत्र है जो सुषिर श्रेणी के अंतर्गत आता है। यह वाद्य यंत्र अपनी वादन शैली में अत्यंत अद्वितीय और कठिन है, क्योंकि वादक एक ही समय में दो बांसुरियों को अपने मुंह में रखकर एक साथ फूंक मारता है। एक बांसुरी से निरंतर स्वर (ड्रोन) निकलता है जबकि दूसरी बांसुरी के छिद्रों पर उंगलियां चलाकर विभिन्न सुर और तालबद्ध लोक धुनें उत्पन्न की जाती हैं।

40. (C) गज (कमानी) से रगड़कर
सिंधी सारंगी राजस्थान के थार क्षेत्र में लंगा समुदाय के लोक कलाकारों द्वारा बजाया जाने वाला एक अत्यंत उत्कृष्ट एवं सुरीला तत् वाद्य यंत्र है। सारंगी को लकड़ी से बने एक विशेष धनुष आकार के गज (कमानी) की सहायता से इसके तारों पर रगड़कर बजाया जाता है। गज के रगड़ने से उत्पन्न कंपन से अत्यंत मधुर स्वर निकलते हैं। लंगा गायक अपनी लोक धुनों और गीतों में इसका प्रमुखता से प्रयोग करते हैं।

41. (D) गुलाबो सपेरा
दी गई हस्तियों में गुलाबो सपेरा अन्य तीनों से अलग हैं। अल्लाह जिलाई बाई, मांगी बाई और गवरी देवी तीनों राजस्थान की प्रसिद्ध मांड गायन शैली से जुड़ी हुई महान मांड गायिकाएँ हैं, जिन्होंने लोक संगीत के क्षेत्र में योगदान दिया। इसके विपरीत, गुलाबो सपेरा राजस्थान के प्रसिद्ध कालबेलिया लोक नृत्य की विश्व प्रसिद्ध नर्तकी हैं। अतः कला के प्रारूप के आधार पर गुलाबो सपेरा असंगत हैं।

42. (A) P-4, Q-1, R-3, S-2
राजस्थान के प्रमुख लोक देवताओं के मुख्य पूजा स्थल सुप्रसिद्ध हैं। गोगाजी का मुख्य धाम गोगामेड़ी (हनुमानगढ़) में स्थित है जहाँ भाद्रपद माह में मेला लगता है। पाबूजी का मुख्य केंद्र कोलू मण्ड (फलौदी, जोधपुर) है। देवनारायणजी का प्रमुख धार्मिक स्थल आसींद (भीलवाड़ा) में स्थित है। बाबा रामदेवजी का मुख्य समाधि स्थल और मंदिर रामदेवरा (रूणेचा, जैसलमेर) में स्थित है जहाँ प्रतिवर्ष विशाल अंतरप्रांतीय मेला आयोजित होता है।

43. (B) लोक देवी-देवताओं की जीवन कथाओं का चित्रण करने वाला चित्रित कपड़े का पटचित्र
फड़ राजस्थान की एक अत्यंत प्रसिद्ध पारंपरिक लोक कला है। इसमें लोक देवी-देवताओं जैसे पाबूजी, देवनारायणजी और रामदेवजी के जीवन की घटनाओं, शौर्य गाथाओं तथा अलौकिक चमत्कारों को सूती कपड़े पर प्राकृतिक रंगों से चित्रित किया जाता है। इस चित्रित कपड़े के स्क्रॉल को भोपा और भोपी द्वारा पारंपरिक वाद्य यंत्रों की संगति में गाकर और

Downloaded from www.pdf.tube

व्याख्या करके बांचा जाता है। शाहपुरा क्षेत्र फड़ चित्रकारी का मुख्य केंद्र है।

44. (B) सवाई
घूमर राजस्थान का विश्व प्रसिद्ध पारंपरिक राज्य लोक नृत्य है, जो केवल महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। इस नृत्य की गति और लय अत्यंत व्यवस्थित तथा मनमोहक होती है। घूमर नृत्य के दौरान पैर की गतियों और ताल-चक्र के लिए एक विशेष आठ-मात्रा की विशिष्ट लयात्मक ताल का उपयोग किया जाता है, जिसे स्थानीय शास्त्रीय भाषा में 'सवाई' कहा जाता है। इस सवाई ताल पर नर्तकियाँ गोल घेरे में चक्कर लगाती हैं।

45. (A) इसमें उपयोग किए जाने वाले प्राथमिक वाद्य यंत्र पुंगी और डफली हैं।
कालबेलिया नृत्य राजस्थान की कालबेलिया सपेरा जाति का एक अत्यंत प्रसिद्ध लोक नृत्य है। इस नृत्य के प्रदर्शन के दौरान उपयोग किए जाने वाले मुख्य और प्राथमिक वाद्य यंत्र पुंगी (बीन), डफली, खंजरी और मोरचंग हैं। यह नृत्य केवल महिलाओं द्वारा तीव्र लयात्मक शारीरिक गति के साथ प्रस्तुत किया जाता है, जबकि पुरुष पृष्ठभूमि में इन वाद्य यंत्रों को बजाते हैं। यह नृत्य यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल है।

46. (C) चरी
चरी नृत्य भील समुदाय द्वारा नहीं किया जाता है, बल्कि यह अजमेर और किशनगढ़ क्षेत्र में गुर्जर समुदाय की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला एक प्रसिद्ध पारंपरिक लोक नृत्य है। इसमें नर्तकी अपने सिर पर जलती हुई कपास की खली वाली चरी (कांस्य या पीतल का पात्र) रखकर संतुलन बनाते हुए नृत्य करती है। इसके विपरीत गवरी, गैर और नेजा नृत्य भील जनजाति के पारंपरिक एवं प्रसिद्ध लोक नृत्य हैं।

47. (D) रामदेवजी
तेरहताली नृत्य राजस्थान का एक अत्यंत प्रसिद्ध धार्मिक लोक नृत्य है, जो कामड़ जाति की महिलाओं द्वारा लोक देवता बाबा रामदेवजी के प्रति अपनी अनन्य भक्ति और श्रद्धा प्रकट करने के लिए किया जाता है। इस नृत्य में महिला नर्तकियाँ बैठकर अपने शरीर पर 13 मंजीरे बाँधती हैं और हाथों में मंजीरे लेकर विभिन्न प्रकार के शारीरिक संतुलन और घरेलू कार्यों के अभिनय प्रस्तुत करती हैं। यह रामदेवरा मेले का मुख्य आकर्षण है।

48. (A) II, I, IV, III
राजस्थान के संतों का सही कालानुक्रम उनके समय के अनुसार इस प्रकार है: संत पीपा का जन्म 14वीं शताब्दी (लगभग 1323 ईस्वी) में हुआ था। संत जाम्भोजी का जन्म 15वीं शताब्दी (1451 ईस्वी) में हुआ। संत मीराबाई का जन्म 15वीं शताब्दी के अंत (1498 ईस्वी) में हुआ था। संत दादू दयाल का समय 16वीं शताब्दी (1544 ईस्वी) का है। अतः कालानुक्रम के आधार पर सही क्रम संत पीपा, जाम्भोजी, मीराबाई और दादू दयाल है।

49. (B) चरी
फलकू बाई राजस्थान के प्रसिद्ध 'चरी नृत्य' की अत्यंत विख्यात एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाली नर्तकी हैं। उनका संबंध किशनगढ़ (अजमेर) से है। उन्होंने गुर्जर समुदाय के इस पारंपरिक चरी लोक नृत्य को पूरे देश और विदेश में विशेष लोकप्रियता दिलाई। इस नृत्य में वे सिर पर पीतल की चरी रखकर और उसमें आग की लपटें जलाकर अत्यंत कुशलता तथा शारीरिक संतुलन के साथ नृत्य प्रस्तुत करती थीं।

50. (D) संत जाम्भोजी
'जंभ सागर' बिश्नोई संप्रदाय का एक अत्यंत पवित्र और प्रमुख धार्मिक ग्रंथ है, जो इस संप्रदाय के संस्थापक संत जाम्भोजी (गुरु जंभेश्वर) की शिक्षाओं, विचारों और वाणी का संग्रह है। इस ग्रंथ में संत जाम्भोजी द्वारा प्रतिपादित 29 नियमों, पर्यावरण संरक्षण, जीव हत्या के विरोध, सदाचार और ईश्वर भक्ति का विस्तृत विवरण मिलता है। बिश्नोई समाज में इस ग्रंथ को अत्यंत पूजनीय माना जाता है।

51. (A) भौतिक गुणों, रूपों और मूर्तियों के साथ ईश्वर की पूजा करना
भक्ति आंदोलन में 'सगुण परंपरा' से तात्पर्य ईश्वर के साकार, रूपवान और गुणयुक्त स्वरूप की पूजा करने से है। सगुण मार्ग के अनुयायी ईश्वर को नाम, रूप, अवतार और मानवीय या दिव्य स्वरूप में स्वीकार करते हैं तथा मंदिरों में मूर्तियों, चित्रों, संगीत और लीलाओं के माध्यम से उनकी उपासना करते हैं। राजस्थान में संत मीराबाई श्रीकृष्ण की और संत चरणदास सगुण भक्ति परंपरा के प्रमुख उदाहरण हैं।

52. (C) उनकी पांच रंगों की ध्वजा (पताका)
राजस्थान के प्रसिद्ध लोक देवता बाबा रामदेवजी के संदर्भ में 'नेजा' शब्द का प्रयोग उनकी पवित्र पांच रंगों वाली ध्वजा या पताका के लिए किया जाता है। श्रद्धालु जब रामदेवरा की पैदल यात्रा करते हैं या अपने घरों में बाबा की जम्मा (जागरण) का आयोजन करते हैं, तो वे इस पंचरंगी ध्वजा 'नेजा' को अपने हाथों में लेकर चलते हैं और मंदिर पर चढ़ाते हैं। यह भक्ति और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

53. (A) खेजड़ी
राजस्थान के लोक देवता गोगाजी के पवित्र थान या पूजा स्थल पारंपरिक रूप से गाँवों में खेजड़ी के वृक्ष के नीचे बनाए जाते हैं। राजस्थान में एक अत्यंत प्रसिद्ध कहावत भी प्रचलित है कि "गाँव-गाँव गोगा ने गाँव-गाँव खेजड़ी"। खेजड़ी के नीचे एक चबूतरा बनाकर उस पर सर्प की आकृति उकेरी जाती है जहाँ गोगाजी की पूजा-अर्चना की जाती है। वे नागों के देवता के रूप में पूजे जाते हैं।

54. (A) केवल I और II
लोक देवता पाबूजी को भगवान राम के अनुज लक्ष्मणजी का अवतार माना जाता है और उन्होंने देवल चारणी की गायों को जींदराव खींची से मुक्त कराने के लिए युद्ध करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हालाँकि, सबसे लंबी फड़ पाबूजी की नहीं बल्कि देवनारायणजी की है; पाबूजी की फड़ सबसे

NODIA

लोकप्रिय फड़ है। अतः पहला और दूसरा कथन पूर्णतः सही हैं, जबकि तीसरा कथन असत्य है।

55. (B) नीम की ताज़ी पत्तियों से सजाई गई ईंटों की
गुर्जर समुदाय के आराध्य लोक देवता देवनारायणजी के मुख्य धामों और मंदिरों में किसी पारंपरिक मूर्ति के स्थान पर ईंटों की पूजा की जाती है। इन ईंटों को नीम की ताज़ी पत्तियों से सजाया जाता है और उन पर छाछ तथा पानी चढ़ाया जाता है। देवनारायणजी को आयुर्वेद के ज्ञाता और औषधि के देवता के रूप में जाना जाता है, इसलिए उनके मंदिरों में नीम के पत्तों का विशेष औषधीय और धार्मिक महत्व है।

56. (C) काबा
बीकानेर के पास देशनोक में स्थित प्रसिद्ध करणी माता मंदिर में निवास करने वाले हज़ारों पवित्र सफेद और काले चूहों को स्थानीय भाषा में 'काबा' कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इन चूहों को देवी करणी माता की संतान और चारण समुदाय के वंशज माना जाता है। श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर में काबा के दर्शन करना तथा उनका झूठा प्रसाद ग्रहण करना अत्यंत शुभ और कल्याणकारी माना जाता है।

57. (D) बीकानेर के राठौड़ शासक
देवी करणी माता बीकानेर के राठौड़ राजवंश की मुख्य संरक्षक देवी (कुलदेवी) के रूप में पूजी जाती हैं। बीकानेर राज्य की स्थापना करने वाले राव बीकाजी ने करणी माता के आशीर्वाद से ही बीकानेर की स्थापना की थी। बीकानेर के मेहरानगढ़ और जूनागढ़ दुर्गों की नींव में भी करणी माता का आशीर्वाद शामिल था। बीकानेर के शासक प्रत्येक शुभ कार्य से पूर्व देशनोक स्थित करणी माता के मंदिर में दर्शन करते हैं।

58. (A) जीण माता
सीकर जिले के रेवासा में स्थित जीण माता के प्रसिद्ध मंदिर में ऐतिहासिक रूप से देवी को 'डाई प्याला मदिरा' चढ़ाने की अनोखी परंपरा प्रचलित रही है। श्रद्धालु देवी की प्रतिमा के मुख पर शराब का प्याला लगाते थे और माना जाता था कि देवी उसे स्वीकार कर लेती थीं। हालाँकि वर्तमान में बलि और मदिरा चढ़ाने की प्रथाओं पर प्रशासनिक रोक लगाई जा चुकी है, परंतु ऐतिहासिक रूप से यह जीण माता से संबंधित है।

59. (C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
संत पीपा निर्गुण भक्ति परंपरा के महान संत थे। उनका स्पष्ट मानना था कि ईश्वर प्रत्येक जीव के भीतर विद्यमान है और उन्होंने बाह्य आडंबरों तथा धार्मिक कर्मकांडों का खंडन किया। हालाँकि, उन्होंने जीवन भर खेती नहीं की बल्कि राजपाठ त्यागने के बाद कपड़ा सीने का काम (दर्जी का कार्य) करके अपनी आजीविका चलाई। इसी कारण दर्जी समुदाय उन्हें अपना आराध्य संत मानता है। अतः दूसरा कथन असत्य है।

60. (B) संत दादू दयाल
'दादू वाणी' और 'दादू री दूहा' ग्रंथों की रचना राजस्थान के महान भक्ति संत दादू दयाल ने की थी। इन ग्रंथों में संत दादू दयाल के उपदेशों, भजनों और साखियों का अनूठा संग्रह है, जो ढूंढाड़ी तथा हिंदी की मिश्रित बोली में लिखे गए हैं। इन रचनाओं में निर्गुण ब्रह्म की उपासना, गुरु की महिमा, सत्य, अहिंसा, छुआछूत का विरोध और मानव मात्र से प्रेम करने की शिक्षा विस्तार से दी गई है।

61. (A) शवों को जलाने (दाह संस्कार) के स्थान पर दफनाना
बिश्नोई संप्रदाय में अपने मृत व्यक्तियों के अंतिम संस्कार के संबंध में एक अत्यंत कड़ा और विशिष्ट नियम है। इस संप्रदाय में शवों का दाह संस्कार (जलाना) करने के स्थान पर उन्हें भूमि में दफनाने की पारंपरिक प्रथा है। इसका मुख्य कारण यह है कि शव को जलाने के लिए लकड़ी की आवश्यकता होती है, जिससे वृक्षों को काटने से बचाया जा सके, जो उनके पर्यावरण और वृक्ष संरक्षण के सिद्धांत के अनुकूल है।

62. (C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
लंगा और मांगणियार पश्चिमी राजस्थान के पारंपरिक मुस्लिम संगीतकार समुदाय हैं। परंतु यह धारणा असत्य है कि वे केवल इस्लामिक भजन गाते हैं। वे बहु-सांस्कृतिक गायन परंपरा के वाहक हैं और मुस्लिम होने के बावजूद हिंदू देवी-देवताओं, विवाह गीतों, होली, दिवाली तथा स्थानीय लोक नायकों से संबंधित लोक गीत अत्यंत श्रद्धा के साथ गाते हैं। अतः अभिकथन बिल्कुल सही है परंतु कारण पूरी तरह से असत्य है।

63. (D) तुर्रा कलंगी ख्याल
तुर्रा कलंगी ख्याल राजस्थान की एक अत्यंत प्रसिद्ध और प्राचीन लोक नाट्य परंपरा है। इस ख्याल में दो विरोधी अखाड़ों या दलों के बीच काव्यात्मक प्रतियोगिता (दंगल) के रूप में संवाद प्रस्तुत किए जाते हैं। इसमें 'तुर्रा' को भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है जो केसरिया ध्वज का प्रयोग करते हैं और 'कलंगी' को देवी पार्वती का प्रतीक माना जाता है जो हरा ध्वज प्रयोग करते हैं।

64. (C) रामदेवजी
रम्मत लोक नाट्य का प्रदर्शन बीकानेर और जैसलमेर क्षेत्रों में अत्यधिक प्रसिद्ध है। रम्मत के प्रदर्शन की शुरुआत में मंच को सजाया जाता है और सर्वप्रथम लोक देवता बाबा रामदेवजी को समर्पित भक्ति गीतों एवं भजनों का गायन किया जाता है। इसके पश्चात ही मुख्य नाट्य और कथा का मंचन प्रारंभ होता है। नगाड़ा और ढोलक की तीव्र लयात्मक थाप पर रामदेवजी की आरती और वंदना गाई जाती है।

65. (B) वे फूंक मारकर/हवा प्रवाहित करके ध्वनि उत्पन्न करते हैं।
भारतीय तथा राजस्थानी लोक वाद्य यंत्रों के शास्त्रीय वर्गीकरण के अंतर्गत 'सुषिर वाद्य' श्रेणी अन्य सभी वाद्य यंत्रों से इस प्रकार भिन्न है कि इनमें ध्वनि उत्पन्न करने के लिए मुख से फूंक मारी जाती है या हवा प्रवाहित की जाती है। हवा के कंपन से नली के भीतर सुंदर और लयात्मक स्वर उत्पन्न होते हैं। अलगोजा, बांसुरी, शहनाई, पुंगी, बांकिया और सतारा सुषिर वाद्य यंत्रों के मुख्य उदाहरण हैं।

Click Here to Buy book on Amazon

66. (D) रामदेवजी
'कामड़िया पंथ' की स्थापना राजस्थान के महान लोक देवता बाबा रामदेवजी द्वारा की गई थी। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव, छुआछूत और ऊँच-नीच की भावना को समाप्त कर सामाजिक समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से इस पंथ को प्रारंभ किया था। कामड़िया पंथ के अनुयायी और विशेष रूप से महिलाएँ बाबा रामदेवजी के मेलों और उत्सवों में मंजीरों के साथ प्रसिद्ध 'तेरहताली नृत्य' प्रस्तुत करती हैं।

67. (A) पीपा - शाहपुरा
संत पीपा का शाहपुरा से संबंध नहीं है; उनका मुख्य आध्यात्मिक केंद्र और जन्मस्थान झालावाड़ का गागरोन दुर्ग था तथा बाड़मेर का समदड़ी गाँव उनका प्रमुख मंदिर स्थल है। शाहपुरा (भीलवाड़ा) संत रामचरण जी द्वारा स्थापित रामस्नेही संप्रदाय की प्रधान पीठ का केंद्र है। मुकाम जाम्भोजी का समाधि स्थल है, नरेना दादू दयाल की प्रधान पीठ है और मेड़ता संत मीराबाई की जन्मभूमि तथा बाल्यकाल का केंद्र है।

NODIA

68. (A) P-3, Q-2, R-1, S-4
राजस्थानी लोक वाद्य यंत्रों का सही वर्गीकरण इस प्रकार है: ढोल अवनद्ध श्रेणी का वाद्य है जो चमड़े से मढ़ा होता है। अलगोजा सुषिर श्रेणी का वाद्य है जिसे मुंह से फूंक मारकर बजाया जाता है। कामायचा तत् श्रेणी का वाद्य है जिसमें आंत और धातु के तार लगे होते हैं। खड़ताल घन श्रेणी का वाद्य यंत्र है जो लकड़ी के दो टुकड़ों को टकराकर बजाया जाता है।

69. (A) सभी जातियों में सामाजिक समानता को बढ़ावा देना
राजस्थान में मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का सबसे व्यापक और महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव यह पड़ा कि इसने समाज की सभी जातियों और वर्गों में सामाजिक समानता, भाईचारे तथा समरसता को बढ़ावा दिया। संत दादू दयाल, कबीर, पीपा, जाम्भोजी और रामदेवजी जैसे महान संतों ने जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता और धार्मिक बाह्याडंबरों पर कड़ा प्रहार किया और सभी मनुष्यों को एक ईश्वर की संतान मानते हुए प्रेम का संदेश दिया।

70. (D) पर्वतसर में प्रतिवर्ष 'तेजाजी पशु मेला' आयोजित किया जाता है।
लोक देवता तेजाजी के संदर्भ में सही तथ्य यह है कि नागौर जिले के पर्वतसर में प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्ल दशमी को विशाल 'तेजाजी पशु मेला' आयोजित किया जाता है, जो राजस्थान के प्रमुख आय वाले पशु मेलों में से एक है। तेजाजी का जन्म नागौर जिले के खरनाल गाँव में एक नागवंशीय जाट परिवार में हुआ था। उन्हें 'पंच पीरों' में शामिल नहीं किया जाता है और उनका मुख्य स्थल खरनाल तथा सुरसुरा है।

अध्याय 09
मेले, त्योहार एवं रीति-रिवाज

1. प्रसिद्ध पुष्कर मेला मुख्य रूप से हिंदू पंचांग के किस माह में आयोजित किया जाता है?
(A) चैत्र
(B) कार्तिक
(C) श्रावण
(D) फाल्गुन

2. राजस्थान के सबसे प्रमुख मेलों में से एक, कैला देवी मेला किस जिले में आयोजित किया जाता है?
(A) सवाई माधोपुर
(B) भरतपुर
(C) धौलपुर
(D) करौली

3. जैसलमेर का रामदेवरा मेला अत्यधिक पूजनीय है क्योंकि यह मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस सामाजिक मूल्य का प्रतीक है?
(A) हिंदू और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द
(B) ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देना
(C) मरुस्थलीय पशुधन का विशेष व्यापार
(D) मारवाड़ की शाही विरासत का उत्सव

4. नागौर जिले के परबतसर में कौन-सा प्रसिद्ध पशु मेला आयोजित किया जाता है?
(A) श्री मल्लीनाथ पशु मेला
(B) श्री बलदेव पशु मेला
(C) वीर तेजाजी पशु मेला
(D) श्री रामदेव पशु मेला

5. नागौर पशु मेले में क्रय-विक्रय की जाने वाली गोवंश की प्राथमिक नस्ल अपनी शारीरिक शक्ति और भारवहन क्षमता के लिए जानी जाती है। इस नस्ल का नाम क्या है?
(A) नागोरी
(B) थारपारकर
(C) गिर
(D) राठी

6. राजस्थान के मेलों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. पुष्कर मेले का आयोजन अजमेर जिले में किया जाता है।
II. कैला देवी मेला 'लांगुरिया' भक्ति गीतों के लिए प्रसिद्ध है।
III. ऊंट महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष जोधपुर में होता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

7. पर्यटन विभाग द्वारा व्यापक रूप से प्रायोजित वार्षिक ऊंट महोत्सव किस नगर में आयोजित किया जाता है?
(A) बाड़मेर
(B) बीकानेर
(C) जैसलमेर
(D) जोधपुर

8. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): पुष्कर मेला राजस्थान में धार्मिक और आर्थिक दोनों महत्व रखता है।
कारण (R): इसमें पवित्र पुष्कर झील में स्नान सम्मिलित है और यह पशुधन व्यापार के एक प्रमुख केंद्र के रूप में भी कार्य करता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

9. राजस्थान में पारंपरिक पशु मेलों के आयोजन का प्राथमिक सामाजिक-आर्थिक महत्व क्या है?
(A) ये उत्सव के समय स्थानीय धार्मिक सभाओं की सुविधा प्रदान करने वाले तीर्थ स्थल के रूप में कार्य करते हैं।
(B) ये मुख्य रूप से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बनाए गए सांस्कृतिक मनोरंजन स्थल के रूप में कार्य करते हैं।
(C) ये किसानों से कृषि कर एकत्र करने के लिए आधिकारिक प्रशासनिक केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं।
(D) ये ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पशुधन के व्यापार हेतु आवश्यक व्यावसायिक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

10. गणगौर त्योहार में किन प्रमुख देवी-देवताओं की पूजा की जाती है?
(A) भगवान शिव (ईसर) और देवी पार्वती (गौरी)

Downloaded from www.pdf.tube

(B) भगवान राम (रघुनाथ) और देवी सीता
(C) भगवान कृष्ण (कान्हा) और देवी राधा
(D) भगवान विष्णु (हरि) और देवी लक्ष्मी

11. राजस्थान में मुख्य रूप से किस हिंदू माह में गणगौर त्योहार मनाया जाता है?
(A) आषाढ़
(B) चैत्र
(C) भाद्रपद
(D) माघ

12. राजस्थान में तीज का त्योहार किस ऋतु के आगमन का प्रतीक है?
(A) शीत ऋतु
(B) वर्षा ऋतु
(C) वसंत ऋतु
(D) शरद ऋतु

13. सूची I के त्योहारों को सूची II में उनकी प्रमुख सांस्कृतिक विशेषताओं से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (त्योहार)
P. होली
Q. दिवाली
R. मकर संक्रांति
S. करवा चौथ
सूची II: (विशेषता)
1. मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा
2. रंगों से खेलने की परंपरा
3. पति की दीर्घायु के लिए व्रत की परंपरा
4. पतंग उड़ाने की परंपरा
(A) P-1, Q-2, R-4, S-3
(B) P-2, Q-1, R-3, S-4
(C) P-2, Q-1, R-4, S-3
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

14. रंगों के खेल के लिए प्रसिद्ध धुलंडी का त्योहार किस त्योहार के तुरंत बाद मनाया जाता है?
(A) दीपावली
(B) रक्षाबंधन
(C) होली
(D) दशहरा

15. गोवर्धन पूजा पारंपरिक रूप से किस दिन मनाई जाती है?
(A) दिवाली से एक दिन पहले
(B) मकर संक्रांति के दिन
(C) होली के अगले दिन
(D) दिवाली के अगले दिन

16. राजस्थान राज्य भर में पतंग उड़ाने की परंपरा मुख्य रूप से किस त्योहार से जुड़ी हुई है?
(A) वसंत पंचमी
(B) अक्षय तृतीया
(C) मकर संक्रांति
(D) नवरात्रि

17. करवा चौथ का व्रत मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा किस उद्देश्य से रखा जाता है?
(A) परिवार के लिए समृद्ध कृषि उपज सुरक्षित करने के लिए
(B) अपने पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए
(C) पुत्र रत्न की प्राप्ति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए
(D) व्यक्तिगत आध्यात्मिक मुक्ति और पारिवारिक धन प्राप्त करने के लिए

18. हिंदू नववर्ष (चैत्र) के प्रारंभ से लेकर निम्नलिखित हिंदू त्योहारों का सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?
(A) गणगौर → तीज → दिवाली → होली
(B) होली → गणगौर → तीज → दिवाली
(C) तीज → दिवाली → होली → गणगौर
(D) दिवाली → होली → गणगौर → तीज

19. 'नामकरण' की पारंपरिक प्रथा जीवन की किस प्रमुख घटना से जुड़ी है?
(A) बच्चे का जन्म
(B) विवाह समारोह
(C) औपचारिक शिक्षा का प्रारंभ
(D) अंतिम संस्कार

20. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में एक पारंपरिक नामकरण संस्कार संबंधी रीति-रिवाज है?
(A) जलवा पूजन
(B) फेरे
(C) नामकरण
(D) मोसर

21. पारंपरिक राजस्थानी विवाहों में, 'फेरे' की रस्म का तात्पर्य है:
(A) वर और वधू द्वारा पवित्र अग्नि के सात फेरे लेना
(B) औपचारिक सगाई समारोह जहाँ पारंपरिक रूप से उपहारों का आदान-प्रदान किया जाता है
(C) वधू का अपने ससुराल के लिए भावपूर्ण प्रस्थान
(D) विवाह के सभी अतिथियों के लिए आयोजित भव्य स्वागत भोज

22. राजस्थान के पारंपरिक रीति-रिवाजों में 'मोसर' या 'नुकता' शब्द का क्या तात्पर्य है?
(A) त्योहारों के दौरान प्रस्तुत किया जाने वाला एक प्रसिद्ध पारंपरिक लोक नृत्य
(B) विशेष रूप से दूल्हे द्वारा पहनी जाने वाली एक अलंकृत औपचारिक पोशाक
(C) छोटे बच्चे के लिए आयोजित किया जाने वाला पहला पवित्र मुंडन संस्कार
(D) मृतक की स्मृति में आयोजित किया जाने वाला एक पारंपरिक मृत्यु भोज

NODIA

23. 'जडूला' या 'मुंडन' संस्कार पारंपरिक रूप से बच्चे के किस पड़ाव को दर्शाने के लिए किया जाता है?
(A) उसका पहला अन्नप्राशन (ठोस आहार ग्रहण करना)
(B) उसका पहला केश कर्तन (मुंडन)
(C) उसका विद्यालय में प्रवेश
(D) उसकी सगाई

24. राजस्थानी रीति-रिवाजों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. 'बिंदौली' विवाह से जुड़ी एक प्रथा है।
II. 'मोसर' एक मृत्यु भोज है।
III. 'जलवा पूजन' बच्चे के जन्म के कुछ दिनों बाद किया जाता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) इनमें से कोई भी कथन गलत नहीं है

25. राजस्थानी विवाह समारोह में 'विदाई' की प्रथा किस घटना का प्रतीक है?
(A) विवाह स्थल पर दूल्हे और उसकी बारात का भव्य आगमन
(B) सगाई समारोह के दौरान अंगूठियों का औपचारिक आदान-प्रदान
(C) वर पक्ष द्वारा पारंपरिक लोक गीतों का गायन
(D) वधू का अपने नए ससुराल के लिए भावपूर्ण प्रस्थान

26. विवाह की परंपराओं के संदर्भ में, 'कन्यादान' की रस्म का तात्पर्य है:
(A) माता-पिता द्वारा औपचारिक रूप से अपनी पुत्री का हाथ वर को सौंपना
(B) दूल्हे द्वारा दुल्हन को कीमती गहने और वस्त्र उपहार में देना
(C) निर्धनों को दान स्वरूप धन और भोजन का वितरण करना
(D) वधू द्वारा अपने मायके में खाया जाने वाला अंतिम औपचारिक भोजन

27. निम्नलिखित में से किस दिन को अत्यंत शुभ ('अबूझ मुहूर्त') माना जाता है और इस दिन पूरे राजस्थान में बड़ी संख्या में पारंपरिक विवाह होते हैं?
(A) शरद पूर्णिमा का त्योहार
(B) अक्षय तृतीया (आखातीज)
(C) देवउठनी एकादशी का त्योहार
(D) महाशिवरात्रि का शुभ दिन

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति में, पुरुष की पगड़ी (साफा/पगड़ी) की शैली, रंग और बांधने का तरीका उसके क्षेत्र और सामाजिक स्थिति को दर्शा सकता है।
कारण (R): राजस्थान में साफा/पगड़ी केवल विवाह समारोहों के दौरान ही पहनी जाती है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

29. ग्रामीण राजस्थान में पुरुषों द्वारा पहना जाने वाला शरीर के ऊपरी भाग का पारंपरिक वस्त्र, जो अक्सर बटनों के स्थान पर तणियों (धागों) से बांधा जाता है, कहलाता है:
(A) अंगरखी
(B) घाघरा
(C) ओढ़नी
(D) साफा

30. निम्नलिखित में से कौन-सा वस्त्र राजस्थान में महिलाओं द्वारा शरीर के निचले हिस्से में पहने जाने वाले घेरदार वस्त्र के रूप में पारंपरिक रूप से पहना जाता है?
(A) साफा
(B) अंगरखी
(C) घाघरा
(D) ब्रिजेश

31. 'ओढ़नी' या 'चुनरी' का उपयोग मुख्य रूप से राजस्थानी महिलाओं द्वारा किसलिए किया जाता है?
(A) दैनिक कार्यों के दौरान कमर के चारों ओर कसकर बांधने के लिए
(B) मरुस्थल में सुरक्षात्मक चर्म की उपानह (जूते) के रूप में पहनने के लिए
(C) अपने बालों को पारंपरिक जूड़े में बांधने के लिए
(D) सिर और ऊपरी शरीर को ढंकने (ओढ़ने) के लिए

32. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प राजस्थान के पारंपरिक 'साफा' या 'पगड़ी' का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली चांदी की भारी पायजेब
(B) एक पारंपरिक कसीदाकारी युक्त जैकेट
(C) पुरुषों द्वारा पहना जाने वाला रंगीन साफा/पगड़ी (सिर का पहनावा)
(D) एक प्रकार का चमड़े का जूता

33. सूची I की पारंपरिक पोशाक को सूची II में उसके विवरण से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (पोशाक)
P. अंगरखी
Q. साफा
R. घाघरा
S. ओढ़नी
सूची II: (विवरण)
1. पुरुषों का पारंपरिक साफा/पगड़ी

Click Here to Buy book on Flipkart

2. महिलाओं का पारंपरिक घाघरा
3. पुरुषों के ऊपरी शरीर का वस्त्र
4. महिलाओं का दुपट्टा या ओढ़नी

(A) P-3, Q-1, R-2, S-4
(B) P-1, Q-3, R-4, S-2
(C) P-3, Q-1, R-4, S-2
(D) P-1, Q-3, R-2, S-4

34. पारंपरिक 'पीला पोमचा' (पीले रंग की ओढ़नी का एक प्रकार) आमतौर पर महिला को उसके माता-पिता द्वारा किस अवसर पर भेंट किया जाता है?
(A) मुख्य विवाह अनुष्ठानों के दौरान
(B) मानसूनी तीज त्योहार के उत्सव के अवसर पर
(C) करवा चौथ का पवित्र व्रत रखने के दौरान
(D) बच्चे (विशेष रुप से पुत्र) के जन्म के अवसर पर

35. 'तारा भांत की ओढ़नी' मुख्य रूप से किसके द्वारा पहनी जाने वाली एक लोकप्रिय और पारंपरिक पोशाक है?
(A) राजस्थान की आदिवासी महिलाएं
(B) शाही राजपूत महिलाएं
(C) बिश्नोई समाज की महिलाएं
(D) शहरी क्षेत्रों की अविवाहित युवतियां

36. 'मोठड़ा' की छपाई वाला साफा पारंपरिक रूप से शुभ माना जाता है और इसे आमतौर पर पुरुषों द्वारा किस अवसर पर पहना जाता है?
(A) अंतिम संस्कार के समय
(B) सामान्य दैनिक पहनावे के रूप में
(C) विवाह के अवसर पर
(D) फसल कटाई के समय

37. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में पाई जाने वाली पारंपरिक पगड़ी का क्षेत्रीय प्रकार नहीं है?
(A) अंगरखी
(B) मेवाड़ी पगड़ी
(C) मारवाड़ी साफा
(D) जोधपुरी साफा

38. पारंपरिक आभूषण 'बोरला' महिलाओं द्वारा शरीर के किस अंग पर पहना जाता है?
(A) गले में
(B) कमर पर
(C) टखने (पैर) पर
(D) माथे पर

39. निम्नलिखित पारंपरिक विवाह रीति-रिवाजों को उनके घटित होने के सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. सगाई
2. फेरे
3. विदाई
4. बिंदौली/बाना

(A) 1, 4, 2, 3
(B) 1, 2, 4, 3
(C) 4, 1, 2, 3
(D) 2, 1, 3, 4

40. 'रखड़ी' एक प्रसिद्ध पारंपरिक राजस्थानी आभूषण है जिसे कहाँ पहना जाता है?
(A) नाक में
(B) कानों में
(C) माथे पर
(D) कलाई पर

41. निम्नलिखित में से कौन-सा पारंपरिक आभूषण राजस्थान में महिलाओं द्वारा कमर पर पहना जाता है?
(A) तिमनिया
(B) सुरलिया
(C) नेवरी
(D) कंदोरा

42. 'तिमनिया' महिलाओं द्वारा शरीर के किस अंग पर पहना जाने वाला एक भारी पारंपरिक आभूषण है?
(A) गला/गर्दन
(B) कान
(C) कलाई
(D) टखने

43. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला पारंपरिक नाक का आभूषण है?
(A) पायल
(B) नथ
(C) बोरला
(D) बाजू

44. राजस्थानी आभूषणों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. बोरला सिर पर पहना जाता है।
II. कंदोरा गले में पहना जाता है।
III. नथ नाक में पहनी जाती है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

45. आभूषण 'नेवरी' या 'आवंला' पारंपरिक रूप से कहाँ पहना जाता है?
(A) टखनों/पैर में
(B) ऊपरी बाजुओं में
(C) गले में
(D) हाथों और उंगलियों में

Downloaded from www.pdf.tube

46. राजस्थान में जनजातीय समुदाय ऐतिहासिक रूप से मुख्य रूप से किस धातु से बने भारी नित्य-प्रयोग के आभूषण पसंद करते हैं?
(A) प्लैटिनम
(B) सोना
(C) चांदी
(D) तांबा

47. 'सुरलिया' और 'कर्णफूल' शरीर के किस अंग पर पहने जाने वाले पारंपरिक आभूषण हैं?
(A) नाक
(B) सिर
(C) पैर की उंगलियां
(D) कान

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति में, महिलाओं द्वारा सिर से लेकर पांव तक आभूषण पहने जाते हैं।
कारण (R): राजस्थान में आभूषणों का केवल सौंदर्य संबंधी महत्व है और इनका वैवाहिक स्थिति या सामाजिक पहचान से कोई संबंध नहीं है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

49. राजस्थान में ग्रामीण और जनजातीय महिलाओं के बीच लोकप्रिय पारंपरिक स्थायी शरीर गोदना कला को स्थानीय रूप से किस नाम से जाना जाता है?
(A) मांडणा
(B) गोदना
(C) मीनाकारी
(D) थेवा

50. राजस्थान के पाली जिले का कौन-सा नगर उच्च गुणवत्ता वाले मेहंदी उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध है?
(A) फलोदी
(B) बालोतरा
(C) ब्यावर
(D) सोजत

51. विश्व प्रसिद्ध पारंपरिक राजस्थानी व्यंजन 'दाल बाटी' को मुख्य रूप से किस मिठाई के साथ परोसा जाता है?
(A) चूरमा
(B) रसगुल्ला
(C) जलेबी
(D) इमरती

52. 'घेवर' एक वृत्ताकार पारंपरिक राजस्थानी मिठाई है जो सबसे निकटता से किस त्योहार से जुड़ी है और खाई जाती है?
(A) दिवाली
(B) मकर संक्रांति
(C) तीज
(D) नवरात्रि

53. सूची I की सांस्कृतिक वस्तुओं को सूची II की संबंधित श्रेणियों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (वस्तु)
P. गोदना
Q. दाल बाटी
R. मांडणा
S. साफा
सूची II: (श्रेणी)
1. पारंपरिक भोजन
2. पारंपरिक साफा/पगड़ी
3. दीवारों/फर्श पर लोक कला
4. शरीर पर अंकन (गोदना) की परंपरा
(A) P-4, Q-1, R-3, S-2
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-1, S-2
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

54. 'मांडणा' राजस्थान में पारंपरिक लोक कला का एक रूप है, जिसमें सम्मिलित है:
(A) जटिल ज्यामितीय और पुष्प आकृतियों के साथ पारंपरिक कालीनों की बुनाई
(B) हाथों, बाजुओं और चेहरे पर स्थायी सामाजिक-धार्मिक आकृतियां उकेरना
(C) पारंपरिक बर्तनों पर जटिल चित्रित और नक्काशीदार मृदा-शिल्प बनाना
(D) घरों के फर्श और दीवारों पर सजावटी अनुष्ठानिक आकृतियां बनाना

55. 'केर-सांगरी' एक प्रसिद्ध और पारंपरिक सब्जी का व्यंजन है जो राजस्थान के किस भौगोलिक क्षेत्र से निकटता से जुड़ा हुआ है?
(A) हाड़ौती पठार क्षेत्र
(B) मारवाड़ मरुस्थलीय क्षेत्र
(C) मेवाड़ पहाड़ी क्षेत्र
(D) मत्स्य पूर्वी क्षेत्र

56. राजस्थान की आधुनिक अर्थव्यवस्था में प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों (जैसे पुष्कर मेला और मरु महोत्सव) की प्राथमिक भूमिका क्या है?
(A) ये राज्य भर में कृषि और फसल उत्पादन के लिए प्राथमिक चालक के रूप में कार्य करते हैं।
(B) ये प्रौद्योगिकी सेवाओं और सॉफ्टवेयर निर्यात के लिए प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।
(C) वे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करके

NODIA

राज्य के पर्यटन को अत्यधिक बढ़ावा देते हैं।
(D) वे ग्रामीण क्षेत्रों में अचल संपत्ति बाजार को व्यवस्थित रूप से नियंत्रित और स्थिर करने का कार्य करते हैं।

57. पारंपरिक राजस्थानी विवाह में 'सामेला' (या मधुपर्क) की रस्म का तात्पर्य है:
(A) पवित्र अग्नि के चारों ओर घूमते हुए वर-वधू द्वारा सात वचन लेना
(B) वर और वधू द्वारा सुरक्षात्मक पवित्र धागों (कंकण-डोरा) को खोलना
(C) विवाह में सम्मिलित सभी अतिथियों की औपचारिक विदाई
(D) वधू पक्ष द्वारा वर पक्ष की बारात का स्वागत करना

58. राजस्थानी संस्कृति के प्रतीक के रूप में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त 'घूमर' नृत्य मुख्य रूप से किस प्रमुख त्योहार के दौरान महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया जाता है?
(A) गणगौर
(B) मकर संक्रांति
(C) महाशिवरात्रि
(D) राम नवमी

59. 'चुनरी' (या चूनड़ी) छपाई एक प्रसिद्ध पारंपरिक शैली है जिसका उपयोग मुख्य रूप से क्या बनाने के लिए किया जाता है?
(A) पुरुषों की पतलून
(B) महिलाओं की ओढ़नी और साड़ियां
(C) विशेष रूप से छोटे लड़कों के लिए साफे
(D) चमड़े की जूतियां

60. मेले और उसके प्राथमिक स्थान के गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) ऊंट महोत्सव - बीकानेर
(B) तेजाजी मेला - पुष्कर
(C) कैला देवी मेला - करौली
(D) रामदेवरा मेला - जैसलमेर

61. राजस्थानी विवाह प्रथाओं के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन 'बरी' या 'पड़ला' का वर्णन करता है?
(A) वर पक्ष द्वारा वधू के लिए लाए जाने वाले उपहार और पोशाक
(B) विदाई की रस्म के दौरान रिश्तेदारों द्वारा गाया जाने वाला करुण पारंपरिक लोक गीत
(C) विवाह से पूर्व दूल्हे द्वारा लिया जाने वाला शुभ अनुष्ठानिक स्नान
(D) वधू के मामा द्वारा विशेष रूप से आयोजित भव्य उत्सव भोज

62. दक्षिणी राजस्थान के किस आदिवासी मेले को अक्सर 'आदिवासियों का कुंभ' कहा जाता है?
(A) पुष्कर मेला
(B) नागौर पशु मेला
(C) बेणेश्वर मेला
(D) कपिल मुनि मेला

63. राजस्थान में सामाजिक-धार्मिक पशु मेलों के दौरान, निम्नलिखित में से किस पशु का महत्वपूर्ण व्यापार होता है?
(A) जंगली हाथी और शाही बाघ
(B) पर्वतीय भेड़ें और पहाड़ी याक
(C) व्यावसायिक और स्वदेशी पोल्ट्री नस्लें
(D) ऊंट, मवेशी (गाय-बैल) और घोड़े

64. पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति में 'राब' या 'राबड़ी' क्या है?
(A) विवाहित महिलाओं द्वारा पारंपरिक रूप से पहना जाने वाला एक सजावटी भारी चांदी का हार
(B) क्षेत्रीय धार्मिक त्योहारों के दौरान बजाया जाने वाला एक तंत्री लोक वाद्य यंत्र
(C) छाछ और बाजरे के आटे से बना एक पारंपरिक खाद्य पदार्थ
(D) स्थानीय ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित हाथ से बुना हुआ सूती कपड़ा

65. राजस्थानी विवाह के दौरान 'तोरण मारना' की प्रथा किसके द्वारा संपन्न की जाती है?
(A) वधू द्वारा अपनी सहेलियों के साथ विवाह मंडप में प्रवेश करने से पहले
(B) वधू के घर के प्रवेश द्वार पर पहुंचने पर वर द्वारा
(C) समारोह के दौरान पवित्र विवाह मंत्रों का उच्चारण करते हुए पुरोहित द्वारा
(D) अंत में भावपूर्ण विदाई समारोह के दौरान वधू के भाई द्वारा

66. राजस्थान में 'फाग' गीत पारंपरिक रूप से किस त्योहार के दौरान गाए जाते हैं?
(A) तीज
(B) दिवाली
(C) रक्षाबंधन
(D) होली

67. त्योहारों के दौरान मुख्य देवता के पीछे 'पिछवाई' कपड़ा चित्रकला प्रदर्शित करने की परंपरा ऐतिहासिक रूप से राजस्थान के किस मंदिर नगर से जुड़ी है?
(A) नाथद्वारा
(B) पुष्कर
(C) देशनोक
(D) सालासर

68. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प राजस्थान में 'ब्रिजेश' (या ब्रीचेस) पोशाक का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) मुख्य रूप से ग्रामीण महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला एक घेरदार पारंपरिक ढीला घाघरा
(B) विशेष रूप से आदिवासी गांव के मुखियाओं द्वारा पहना

Click Here to Buy book on Amazon

जाने वाला एक लंबा, रंगीन साफा
(C) पुरुषों का चुस्त निचला वस्त्र, जो जांघों पर ढीला और घुटनों के नीचे तंग होता है
(D) प्राकृतिक ऊंट के बालों के रेशों से हाथ से बुनी गई एक मोटी, भारी शीतकालीन शॉल

69. 'बिछिया' (पांव की उंगलियों की अंगूठी) पारंपरिक आभूषण हैं जो विशेष रूप से किसके द्वारा पहने जाते हैं?
(A) विवाहित महिलाएं
(B) अविवाहित लड़कियां
(C) बुजुर्ग पुरुष
(D) छोटे लड़के

70. अंतिम संस्कार संपन्न होने से पहले राजस्थान के हिंदू समुदायों में मृत्यु की रस्मों के दौरान आमतौर पर शोक की पारंपरिक अवधि कितनी मानी जाती है?
(A) 3 दिन
(B) 12 दिन
(C) 40 दिन
(D) 1 वर्ष

www.nodia.in
NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) कार्तिक
राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित पुष्कर में प्रसिद्ध पुष्कर मेले का आयोजन हिंदू पंचांग के कार्तिक माह में किया जाता है। यह मेला मुख्य रूप से कार्तिक पूर्णिमा के दिन संपन्न होता है। इस अवसर पर श्रद्धालु पवित्र पुष्कर झील में स्नान करते हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ एक विशाल पशु मेले का आयोजन भी होता है, जिसमें ऊंटों तथा मवेशियों का व्यापार किया जाता है।

2. (D) करौली
राजस्थान के करौली जिले में प्रसिद्ध कैला देवी मेले का आयोजन किया जाता है। यह मेला प्रतिवर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष में आयोजित होता है। यह धार्मिक मेला त्रिकूट पर्वत की घाटी में स्थित कैला देवी मंदिर के प्रांगण में भरता है। इस मेले में श्रद्धालु देवी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने आते हैं तथा यहाँ का प्रमुख आकर्षण लांगुरिया भक्ति गीत होते हैं।

3. (A) हिंदू और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द
राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित रामदेवरा में लोक देवता बाबा रामदेव जी की स्मृति में प्रसिद्ध मेले का आयोजन होता है। यह मेला हिंदू और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द का एक महान प्रतीक माना जाता है। हिंदू उन्हें भगवान कृष्ण का अवतार मानते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय के लोग उन्हें रामशाह पीर के रूप में पूजते हैं। इस मेले में सभी श्रद्धालु आते हैं।

4. (C) वीर तेजाजी पशु मेला
राजस्थान के नागौर जिले के परबतसर में प्रसिद्ध वीर तेजाजी पशु मेले का आयोजन किया जाता है। यह मेला राजस्थान के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण व्यावसायिक पशु मेलों में से एक माना जाता है। इसका आयोजन भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष में लोक देवता वीर तेजाजी की स्मृति में होता है। इस मेले में मुख्य रूप से नागोरी नस्ल के बैलों का व्यापार होता है।

5. (A) नागोरी
नागौर पशु मेले में व्यापार की जाने वाली गोवंश की प्राथमिक नस्ल नागोरी है। यह नस्ल विशेष रूप से अपनी शारीरिक शक्ति, सहनशीलता और कृषि कार्यों में भारवहन क्षमता के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है। नागोरी बैल अपनी तेज चाल और मजबूत बनावट के लिए जाने जाते हैं। यही कारण है कि राजस्थान के पशु मेलों में इस नस्ल की मांग अधिक रहती है।

6. (A) केवल I और II
राजस्थान के पुष्कर मेले का आयोजन अजमेर जिले में स्थित पुष्कर में किया जाता है, जो कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही करौली जिले में आयोजित कैला देवी मेला भक्तों द्वारा गाए जाने वाले लांगुरिया भक्ति गीतों के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय ऊंट महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष बीकानेर जिले में होता है, जोधपुर में नहीं।

7. (B) बीकानेर
राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष जनवरी माह में प्रसिद्ध ऊंट महोत्सव का आयोजन बीकानेर नगर में किया जाता है। यह महोत्सव राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मरुस्थलीय जीवनशैली को प्रदर्शित करता है। इस आयोजन में अलंकृत ऊंटों की शोभायात्रा, ऊंट दौड़, ऊंट नृत्य तथा विभिन्न प्रकार की पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां सम्मिलित होती हैं। यह आयोजन पर्यटकों को आकर्षित करने में सहायक होता है।

8. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
पुष्कर मेला राजस्थान का एक अत्यंत महत्वपूर्ण उत्सव है जो धार्मिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से विशेष स्थान रखता है। धार्मिक रूप से यहाँ श्रद्धालु पवित्र पुष्कर झील में आस्था की डुबकी लगाते हैं और ब्रह्मा जी के ऐतिहासिक मंदिर में दर्शन करते हैं। दूसरी ओर, यह मेला राज्य के विशालतम पशु मेलों में से एक है जहाँ पशुओं का व्यापार होता है।

9. (D) ये ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पशुधन के व्यापार हेतु आवश्यक व्यावसायिक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।
राजस्थान में आयोजित होने वाले पारंपरिक पशु मेलों का मुख्य सामाजिक और आर्थिक महत्व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है। ये मेले पशुपालकों, किसानों और व्यापारियों को ऊंट, बैल, घोड़े तथा अन्य मवेशियों के क्रय और विक्रय के लिए एक एकीकृत व्यावसायिक मंच प्रदान करते हैं। इसके माध्यम से पशुपालक अपनी आजीविका अर्जित करते हैं और कृषि हेतु पशुओं की उपलब्धता होती है।

10. (A) भगवान शिव (ईसर) और देवी पार्वती (गौरी)
राजस्थान के प्रसिद्ध गणगौर त्योहार में मुख्य रूप से भगवान शिव, जिन्हें स्थानीय परंपरा में ईसर कहा जाता है, तथा देवी पार्वती, जिन्हें गौरी कहा जाता है, की पूजा की जाती है। यह त्योहार अखंड सौभाग्य और सुख की कामना के साथ मनाया जाता है। महिलाएँ और अविवाहित कन्याएँ मिट्टी की प्रतिमाएँ बनाकर अत्यंत श्रद्धा एवं पारंपरिक लोक गीतों के साथ पूजन करती हैं।

11. (B) चैत्र
राजस्थान में गणगौर का रंगबिरंगा त्योहार मुख्य रूप से हिंदू पंचांग के चैत्र माह में अत्यधिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से प्रारंभ होकर चैत्र शुक्ल तृतीया तक लगभग अठारह दिनों तक चलता है। होली के

Downloaded from www.pdf.tube

अगले दिन से ही इस उत्सव की शुरुआत होती है। इस दौरान महिलाएँ गणगौर माता की पूजा और शोभायात्रा निकालती हैं।

12. (B) वर्षा ऋतु
राजस्थान में तीज का त्योहार मुख्य रूप से वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत करने के लिए मनाया जाता है। श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को छोटी तीज मनाई जाती है, जो कि प्रकृति की हरियाली और मानसून की शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर महिलाएँ झूला झूलती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं तथा पारंपरिक लोक गीत गाती हैं।

13. (C) P-2, Q-1, R-4, S-3
विभिन्न त्योहारों की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराएँ होती हैं। होली वसंत ऋतु में रंगों से खेलने का आनंदमयी उत्सव है। इसके विपरीत दिवाली अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में मिट्टी के दीपक जलाने का महान पर्व है। मकर संक्रांति सूर्य के उत्तरायण होने का अवसर है, जिस दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है। करवा चौथ पति की दीर्घायु का व्रत है।

14. (C) होली
धुलंडी का त्योहार रंगों के उल्लसित खेल के लिए जाना जाता है और यह होली के होलिका दहन उत्सव के ठीक अगले दिन मनाया जाता है। फाल्गुन माह की पूर्णिमा को होलिका दहन संपन्न होता है, जिसके पश्चात चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को धुलंडी मनाई जाती है। इस दिन लोग रंग और गुलाल लगाकर आपसी प्रेम बढ़ाते और खुशियाँ बाँटते हैं।

15. (D) दिवाली के अगले दिन
गोवर्धन पूजा का लोक पर्व पारंपरिक रूप से मुख्य दीपावली त्योहार के ठीक अगले दिन कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस दिन को अन्नकूट महोत्सव के रूप में भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाया था। इस अवसर पर गोबर से पर्वत बनाकर विशेष पूजा की जाती है।

16. (C) मकर संक्रांति
राजस्थान में पतंग उड़ाने की अत्यंत जीवंत और प्राचीन परंपरा मुख्य रूप से मकर संक्रांति के त्योहार से जुड़ी हुई है। प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी को मनाए जाने वाले इस पर्व पर जयपुर सहित पूरे राज्य के आकाश में पतंगें छाई रहती हैं। इस दिन दान करने, तिल के व्यंजन खाने तथा छतों पर पतंगबाजी का आनंद लेने का विशेष महत्व होता है।

17. (B) अपने पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए
करवा चौथ का व्रत कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को पारंपरिक रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा पूरी निष्ठा के साथ रखा जाता है। इस दिन महिलाएँ सूर्योदय से चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। इस कठिन व्रत का मुख्य उद्देश्य अपने पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना करना है। रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है।

18. (A) गणगौर → तीज → दिवाली → होली
हिंदू नववर्ष चैत्र माह से प्रारंभ होता है। इस कैलेंडर के अनुसार त्योहारों का सही कालानुक्रमिक क्रम गणगौर, तीज, दिवाली और होली है। चैत्र माह में सबसे पहले गणगौर उत्सव मनाया जाता है। इसके पश्चात श्रावण माह में तीज पर्व आता है। तदुपरांत कार्तिक माह में दीपावली मनाई जाती है और वर्ष के अंतिम फाल्गुन माह में रंगों का पावन त्योहार होली मनाया जाता है।

19. (A) बच्चे का जन्म
भारतीय एवं राजस्थानी पारंपरिक संस्कृति में 'नामकरण' सोलह संस्कारों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्कार है, जो नवजात बच्चे के जन्म के बाद आयोजित किया जाता है। आमतौर पर बच्चे के जन्म के दसवें या बारहवें दिन ज्योतिषीय नक्षत्रों के अनुसार उसका नाम रखा जाता है। इस अवसर पर परिवार के लोग एकत्र होकर शिशु के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते तथा दीर्घायु की शुभकामनाएँ देते हैं।

20. (C) नामकरण
राजस्थान की पारंपरिक रीति रिवाजों में नवजात बच्चे को उसकी पहचान देने हेतु नामकरण संस्कार संपन्न किया जाता है। जन्म के कुछ दिनों पश्चात शुभ मुहूर्त देखकर परिवार के पुरोहित द्वारा बच्चे की जन्म कुंडली के आधार पर उसका नामकरण किया जाता है। यह संस्कार पारिवारिक आनंद का अवसर होता है, जिसमें रिश्तेदार एकत्र होते हैं तथा मंगल गीत गाए जाते हैं तथा शुभकामनाएँ दी जाती हैं।

21. (A) वर और वधू द्वारा पवित्र अग्नि के सात फेरे लेना
पारंपरिक राजस्थानी विवाह में 'फेरे' सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सामाजिक रस्म होती है। इस रस्म में वर और वधू पवित्र वेदी की अग्नि के चारों ओर विधि विधान के साथ सात फेरे लेते हैं। प्रत्येक फेरे के साथ वे परस्पर सात वचन दोहराते हैं, जो जीवन भर साथ निभाने का संकल्प होते हैं। इसके साथ ही विवाह पूर्ण माना जाता है तथा समाज द्वारा स्वीकृति मिलती है।

22. (D) मृतक की स्मृति में आयोजित किया जाने वाला एक पारंपरिक मृत्यु भोज
राजस्थान की पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था में मोसर या नुकता शब्द का तात्पर्य किसी व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात उसकी स्मृति में आयोजित किए जाने वाले मृत्यु भोज से है। यह आयोजन आमतौर पर अंतिम संस्कार के बारहवें दिन किया जाता है। यद्यपि वर्तमान समय में सरकार द्वारा मृत्यु भोज पर प्रतिबंध लगाया गया है, परंतु ऐतिहासिक रीति रिवाजों में इसका सामाजिक प्रचलन रहा है।

23. (B) उसका पहला केश कर्तन (मुंडन)
जड़ूला या मुंडन संस्कार राजस्थान में बच्चों के जीवन का एक प्रमुख धार्मिक पड़ाव माना जाता है। इस संस्कार में बालक के जन्म के बालों को पहली बार पूरी तरह कटवाया जाता है। यह धार्मिक अनुष्ठान प्रायः किसी कुलदेवी या लोक देवता के स्थान

NODIA

पर संपन्न किया जाता है। माना जाता है कि मुंडन से बच्चे का स्वास्थ्य उत्तम रहता है तथा आयु में वृद्धि होती है।

24. (D) इनमें से कोई भी कथन गलत नहीं है
दिए गए तीनों कथन राजस्थानी संस्कृति की यथार्थ परंपराओं को दर्शाते हैं। बिंदौली विवाह से पूर्व निकाला जाने वाला एक पारंपरिक जुलूस है जिसमें वर या वधू को भोजन हेतु ले जाया जाता है। मोसर मृत्यु के बाद आयोजित होने वाला भोज है। जलवा पूजन बच्चे के जन्म के बाद किया जाने वाला एक मांगलिक अनुष्ठान है। अतः सभी कथन सत्य और सटीक हैं।

25. (D) वधू का अपने नए ससुराल के लिए भावपूर्ण प्रस्थान
राजस्थानी विवाह समारोह में विदाई की प्रथा अत्यंत भावुक और महत्वपूर्ण अंतिम चरण होता है। यह अनुष्ठान विवाह के सभी धार्मिक विधान पूर्ण होने के पश्चात संपन्न होता है। इसमें वधू अपने माता पिता और मायके को छोड़कर अपने पति तथा नए ससुराल के लिए प्रस्थान करती है। इस अवसर पर परिजन उसे आशीर्वाद देते हैं तथा मंगलकामना के साथ सादर विदा करते हैं।

26. (A) माता-पिता द्वारा औपचारिक रूप से अपनी पुत्री का हाथ वर को सौंपना
पारंपरिक विवाह विधानों में कन्यादान एक अत्यंत पवित्र और मुख्य अनुष्ठान माना जाता है। इस रस्म के अंतर्गत वधू के माता पिता औपचारिक एवं धार्मिक विधि से अपनी पुत्री का हाथ वर के हाथों में सौंपते हैं। इस समय पुरोहित वैदिक मंत्रों का पाठ करते हैं और वर से यह संकल्प लेते हैं कि वह जीवन भर उसकी रक्षा और पालना करेगा तथा दायित्वों का निर्वहन करेगा।

27. (B) अक्षय तृतीया (आखातीज)
वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को आने वाली अक्षय तृतीया अथवा आखातीज को राजस्थान में अत्यंत शुभ अबूझ मुहूर्त माना जाता है। इस दिन बिना किसी पुरोहित से पंचांग निकलवाए कोई भी शुभ कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सकता है। इसी कारण सम्पूर्ण राजस्थान भर में इस दिन बड़ी संख्या में पारंपरिक विवाह तथा अन्य मांगलिक समारोह आयोजित किए जाते हैं।

28. (C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा में पुरुषों की पगड़ी अथवा साफा केवल सिर का वस्त्र नहीं है, बल्कि यह पहनने वाले के क्षेत्र, सामाजिक प्रतिष्ठा और अवसर का स्पष्ट प्रतीक होता है। विभिन्न क्षेत्रों में इसकी बांधने की शैली अलग होती है। कारण असत्य है क्योंकि साफा केवल विवाह में ही नहीं, अपितु दैनिक जीवन, त्योहारों और अन्य अवसरों पर भी पहना जाता है।

29. (A) अंगरखी
ग्रामीण राजस्थान में पुरुषों द्वारा शरीर के ऊपरी हिस्से में पहना जाने वाला पारंपरिक वस्त्र अंगरखी कहलाता है। यह साधारणतः सूती कपड़े से निर्मित होता है। इसमें बटन के स्थान पर कपड़े की तणियों या धागों का उपयोग किया जाता है। यह मरुस्थलीय जलवायु के अनुकूल आरामदायक वस्त्र है जिसे पुरुष अपनी धोती के साथ प्रतिदिन अथवा विशेष अवसरों पर उत्साह से पहनते हैं।

30. (C) घाघरा
राजस्थान में महिलाओं द्वारा शरीर के निचले भाग में पहना जाने वाला मुख्य पारंपरिक वस्त्र घाघरा है। यह एक अत्यंत घेरदार और कलियों वाला पोशाक होता है जो कमर से लेकर टखनों तक रहता है। घाघरा बनाने में सूती या रेशमी कपड़ों का प्रयोग होता है और इस पर गोटा तथा छपाई का सुंदर कार्य किया जाता है। यह पहनावे का अंग है।

31. (D) सिर और ऊपरी शरीर को ढंकने (ओढ़ने) के लिए
राजस्थान में ओढ़नी या चुनरी महिलाओं की पारंपरिक पोशाक का एक अनिवार्य अंग है। इसका प्राथमिक उपयोग सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से को ढंकने के लिए किया जाता है। ओढ़नी विभिन्न रंगों, बांधेज छपाई तथा गोटा के काम से सुसज्जित होती है। यह न केवल धूप से सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि यह महिलाओं के सम्मान और संस्कृति का भी एक प्रमुख प्रतीक है।

32. (C) पुरुषों द्वारा पहना जाने वाला रंगीन साफा/पगड़ी (सिर का पहनावा)
राजस्थान में साफा या पगड़ी पुरुषों द्वारा सिर पर बाँधा जाने वाला एक विशिष्ट और अलंकृत रंगीन वस्त्र है। यह लंबे सूती या रेशमी कपड़े से बना होता है, जिसे विशेष शैली में सिर पर लपेटा जाता है। पगड़ी राजस्थान की आन, बान, शान और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक माना जाता है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में साफा बांधने की अपनी शैलियाँ हैं।

33. (A) P-3, Q-1, R-2, S-4
पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में प्रत्येक वस्त्र का एक निश्चित स्थान और महत्व होता है। अंगरखी पुरुषों द्वारा शरीर के ऊपरी भाग में पहना जाने वाला वस्त्र है। साफा पुरुषों द्वारा सिर पर धारण किया जाने वाला साफा या पगड़ी है। घाघरा महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला घेरदार वस्त्र है। ओढ़नी महिलाओं का दुपट्टा है जिससे वे अपना सिर और शरीर ढंकती हैं।

34. (D) बच्चे (विशेष रूप से पुत्र) के जन्म के अवसर पर
राजस्थान में पीला पोमचा पीले रंग की एक विशेष पारंपरिक ओढ़नी होती है। यह ओढ़नी नवजात बच्चे, विशेष रूप से पुत्र के जन्म के अवसर पर माता पिता द्वारा प्रसूता महिला को भेंट की जाती है। यह रस्म वंश वृद्धि और उत्सव का प्रतीक मानी जाती है। वहीं पुत्री के जन्म पर गुलाबी रंग का पोमचा देने की सुंदर पारंपरिक प्रथा समाज में प्रचलित है।

35. (A) राजस्थान की आदिवासी महिलाएं
तारा भांत की ओढ़नी राजस्थान की आदिवासी महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली एक अत्यंत लोकप्रिय और पारंपरिक ओढ़नी है। इसकी प्रमुख विशेषता यह है कि इसके धरातल पर तारों जैसी आकृतियां बनी होती हैं। यह ओढ़नी मुख्य रूप से मीणा, भील और गरासिया जनजातियों की महिलाओं के पहनावे का

Click Here to Buy book on Flipkart

एक विशेष अंग है, जो उनकी सांस्कृतिक पहचान को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है।

36. (C) विवाह के अवसर पर
मोठड़ा कपड़े की छपाई और रंगाई की एक विशिष्ट राजस्थानी शैली है, जिसमें धारियाँ एक दूसरे को काटती हैं। मोठड़े की छपाई वाला साफा अत्यंत शुभ माना जाता है और इसे पुरुष मुख्य रूप से विवाह समारोहों तथा अन्य महत्वपूर्ण मांगलिक उत्सवों के अवसर पर पहनते हैं। यह साफा दूल्हे और उसके परिजनों की शोभा बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण पारंपरिक वस्त्र माना जाता है।

37. (A) अंगरखी
अंगरखी पगड़ी या साफे का प्रकार नहीं है, बल्कि यह पुरुषों द्वारा शरीर के ऊपरी भाग में पहना जाने वाला एक पारंपरिक वस्त्र है। इसके विपरीत मेवाड़ी पगड़ी, मारवाड़ी साफा और जोधपुरी साफा राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में पुरुषों द्वारा सिर पर बाँधे जाने वाले साफे की प्रसिद्ध क्षेत्रीय शैलियाँ हैं। ये शैलियाँ राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को दर्शाती हैं।

38. (D) माथे पर
बोरला या बोर राजस्थान में महिलाओं द्वारा माथे पर ठीक बीच में पहना जाने वाला एक अत्यंत लोकप्रिय पारंपरिक आभूषण है। इसका आकार गोल होता है। बोरला आमतौर पर सोने या चांदी का बना होता है जिस पर सुंदर मीनाकारी और नगों का काम किया जाता है। इसे मांगे के आगे बाँधा जाता है, जो सुहाग का एक प्रमुख प्रतीक माना जाता है।

39. (A) 1, 4, 2, 3
पारंपरिक राजस्थानी विवाह में विभिन्न अनुष्ठान एक निश्चित क्रम में आयोजित होते हैं। सबसे पहले सगाई की रस्म होती है जिससे रिश्ता पक्का होता है। विवाह से पूर्व बिंदौली का आयोजन किया जाता है जिसमें वर तथा वधू को भोजन कराया जाता है। इसके पश्चात विवाह स्थल पर फेरे की रस्म संपन्न होती है और अंत में विदाई समारोह आयोजित होता है।

40. (C) माथे पर
रखड़ी राजस्थान की महिलाओं द्वारा सिर और माथे पर धारण किया जाने वाला एक प्रमुख पारंपरिक और अलंकृत आभूषण है। यह आभूषण माथे के ऊपरी हिस्से में बालों की मांग पर स्थिर किया जाता है। रखड़ी प्रायः सोने या चांदी से बनी होती है और इस पर कीमती पत्थरों तथा मीनाकारी का कार्य होता है। यह विशेषकर विवाह समारोहों में पहना जाता है।

41. (D) कंदोरा
कंदोरा राजस्थान में महिलाओं द्वारा कमर पर बांधा जाने वाला एक प्रसिद्ध पारंपरिक आभूषण है। यह मुख्य रूप से चांदी या सोने से निर्मित एक अलंकृत पेटी की भांति होता है जिसमें कई छल्ले और जटिल कड़ियाँ जुड़ी होती हैं। यह आभूषण पोशाक को सुंदर बनाने के साथ कमर की शोभा बढ़ाता है तथा विवाह और उत्सवों में विशेष रूप से पहना जाता है।

42. (A) गला/गर्दन
तिमनिया राजस्थान में महिलाओं द्वारा गले या गर्दन में पहना जाने वाला एक भारी पारंपरिक हार है। यह आभूषण सोने की आयताकार पट्टियों से बना होता है, जिन पर मोतियों और कीमती पत्थरों की जड़ाई की जाती है। तिमनिया मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों तथा पारंपरिक विवाह समारोहों के दौरान महिलाओं द्वारा पहना जाता है, जो उनकी शोभा अत्यधिक बढ़ाता है।

43. (B) नथ
नथ राजस्थान में महिलाओं द्वारा नाक में पहना जाने वाला एक अत्यंत लोकप्रिय और पवित्र पारंपरिक आभूषण है। यह एक सोने का गोल छल्ला होता है, जो अक्सर मोती और नग से सजाया जाता है। यह आभूषण नाक में धारण किया जाता है और एक जंजीर द्वारा बालों से जोड़ा जाता है। नथ राजस्थानी संस्कृति में सुहाग का एक मुख्य प्रतीक माना जाता है।

44. (B) केवल I और III
राजस्थानी आभूषणों के संदर्भ में पहला और तीसरा कथन पूरी तरह सही हैं। बोरला माथे पर पहना जाने वाला गोल आभूषण है तथा नथ महिलाओं द्वारा नाक में पहनी जाती है। हालांकि, दूसरा कथन गलत है क्योंकि कंदोरा गले में नहीं, बल्कि कमर पर पहना जाने वाला आभूषण है। अतः केवल प्रथम और तृतीय कथन ही सत्य तथा प्रामाणिक पाए जाते हैं।

45. (A) टखनों/पैर में
नेवरी और आवंला राजस्थान में महिलाओं द्वारा टखनों और पैरों में पहने जाने वाले प्रमुख पारंपरिक आभूषण हैं। ये आभूषण मुख्य रूप से ठोस चांदी से तैयार किए जाते हैं और पैरों की सुंदरता बढ़ाने के लिए पायल के साथ पहने जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इनका अधिक प्रचलन है, जहाँ महिलाएँ इन्हें प्रतिदिन और उत्सवों में विशेष तौर पर धारण करती हैं।

46. (C) चांदी
राजस्थान के जनजातीय समुदाय ऐतिहासिक रूप से नित्य प्रयोग के भारी आभूषणों के निर्माण के लिए मुख्य रूप से चांदी धातु को प्राथमिकता देते हैं। चांदी के आभूषण टिकाऊ, सुंदर और सामाजिक दृष्टि से सुलभ होते हैं। जनजातीय महिलाएँ गले, हाथों और पैरों में चांदी के बने कड़े, हांसली और झांझर जैसे भारी आभूषण अत्यधिक उत्साह तथा प्रेम के साथ सदैव धारण करती हैं।

47. (D) कान
सुरलिया और कर्णफूल राजस्थान में महिलाओं द्वारा कानों में पहने जाने वाले प्रमुख और प्रसिद्ध पारंपरिक आभूषण हैं। कर्णफूल कान के निचले भाग में पहना जाने वाला फूल के आकार का आभूषण होता है, जबकि सुरलिया कान के ऊपरी भाग में पहना जाता है। ये आभूषण सोने या चांदी से बनाए जाते हैं और इन पर सुंदर नक्काशी अत्यंत बारीकी से की जाती है।

NODIA

48. (C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति में महिलाएँ सिर पर बोरला से लेकर पाँव में बिछिया तक शरीर के प्रत्येक अंग पर आभूषण धारण करती हैं। अतः कथन सत्य है। परंतु कारण पूर्णतः गलत है क्योंकि राजस्थान में आभूषण केवल सौंदर्य के लिए नहीं हैं, बल्कि वे वैवाहिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और जनजातीय पहचान से गहराई से जुड़े हुए प्रतीक माने जाते हैं।

49. (B) गोदना
राजस्थान में ग्रामीण और जनजातीय महिलाओं के बीच स्थायी रूप से शरीर पर आकृतियां बनवाने की कला को गोदना कहा जाता है। यह त्वचा में सुई से विशेष रंगों को पिरोकर बनाया जाता है। गोदना का गहरा धार्मिक और सामाजिक महत्व है। मान्यता के अनुसार, भौतिक आभूषण मृत्यु के बाद छूट जाते हैं, परंतु गोदना आत्मा के साथ सदैव बना रहता है।

50. (D) सोजत
राजस्थान के पाली जिले में स्थित सोजत नगर अपनी उच्च गुणवत्ता और गहरे रंग देने वाली मेहंदी उत्पादन के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। सोजत की मेहंदी को जीआई टैग प्राप्त है। यहाँ उत्पादित मेहंदी की मांग न केवल भारत में है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इसका भारी मात्रा में निर्यात किया जाता है, जो आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

51. (A) चूरमा
दाल बाटी चूरमा राजस्थान का सबसे प्रसिद्ध पारंपरिक व्यंजन है। इसमें बाटी को दाल और शुद्ध देसी घी के साथ परोसा जाता है, जिसके साथ मुख्य मिठाई के रूप में चूरमा परोसा जाता है। चूरमा बाटी को बारीक पीसकर उसमें घी, गुड़ या शक्कर तथा मेवे मिलाकर तैयार किया जाता है। यह व्यंजन राजस्थानी आतिथ्य और खानपान की प्रमुख पहचान माना जाता है।

52. (C) तीज
घेवर मैदा, घी और चाशनी से निर्मित एक वृत्ताकार पारंपरिक राजस्थानी मिठाई है। यह मिठाई सबसे निकटता से सावन माह में मनाए जाने वाले तीज के त्योहार से जुड़ी हुई है। तीज के अवसर पर महिलाओं को सिंजारा भेजा जाता है, जिसमें घेवर मुख्य मिठाई के रूप में शामिल होता है। वर्षा ऋतु में घेवर का सेवन अत्यधिक प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय माना जाता है।

53. (A) P-4, Q-1, R-3, S-2
राजस्थान की विभिन्न सांस्कृतिक वस्तुओं की अपनी विशिष्ट श्रेणियाँ हैं। गोदना शरीर पर अंकन की एक पारंपरिक कला है। दाल बाटी राजस्थान का प्रसिद्ध पारंपरिक भोजन है। मांडणा लोक कला का एक रूप है जिसमें फर्श और दीवारों पर आकृतियां बनाई जाती हैं। साफा पुरुषों द्वारा सिर पर बाँधा जाने वाला पारंपरिक साफा या पगड़ी है जो सम्मान का एक प्रमुख प्रतीक माना जाता है।

54. (D) घरों के फर्श और दीवारों पर सजावटी अनुष्ठानिक आकृतियां बनाना
मांडणा राजस्थान की एक अत्यंत प्राचीन और समृद्ध लोक कला शैली है। इसमें विशेषकर त्योहारों और मांगलिक अवसरों पर महिलाओं द्वारा चूने और गेरू का उपयोग करके घरों के फर्श तथा दीवारों पर सजावटी अनुष्ठानिक आकृतियां बनाई जाती हैं। मांडणा को समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है, जो राज्य की संस्कृति और लोक परंपरा का एक अभिन्न अंग बना हुआ है।

55. (B) मारवाड़ मरुस्थलीय क्षेत्र
केर सांगरी राजस्थान के मारवाड़ मरुस्थलीय क्षेत्र का अत्यंत प्रसिद्ध पारंपरिक सब्जी व्यंजन है। यह मरुस्थल में उगने वाले पौधों के फल केर और खेजड़ी की फलियों सांगरी को मिलाकर मसालों के साथ पकाकर तैयार किया जाता है। शुष्क मरुस्थलीय वातावरण में यह व्यंजन लंबे समय तक खराब नहीं होता और मारवाड़ी खानपान की एक विशेष पहचान तथा गौरव माना जाता है।

56. (C) वे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करके राज्य के पर्यटन को अत्यधिक बढ़ावा देते हैं।
राजस्थान की आधुनिक अर्थव्यवस्था में पुष्कर मेला और मरु महोत्सव जैसे प्रमुख उत्सवों की प्राथमिक भूमिका पर्यटन को बढ़ावा देना है। ये आयोजन राज्य की लोक कलाओं और संस्कृति को प्रदर्शित करते हैं। इससे प्रतिवर्ष लाखों घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आकर्षित होते हैं, जिससे स्थानीय रोजगार, हस्तशिल्प, होटल तथा परिवहन क्षेत्रों को अत्यधिक आर्थिक लाभ और मजबूती प्राप्त होती है।

57. (D) वधू पक्ष द्वारा वर पक्ष की बारात का स्वागत करना
पारंपरिक राजस्थानी विवाह में सामेला एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वागत अनुष्ठान है। जब दूल्हा अपनी बारात के साथ विवाह स्थल पर पहुँचता है, तब वधू पक्ष के पिता और रिश्तेदार आगे बढ़कर वर पक्ष का आदर सत्कार करते हैं। इस दौरान वर को तिलक लगाया जाता है, उपहारों का आदान प्रदान होता है तथा पारंपरिक मंगल गीत भी उत्साह से गाए जाते हैं।

58. (A) गणगौर
घूमर राजस्थान का प्रसिद्ध पारंपरिक लोक नृत्य है, जिसे राजस्थानी नृत्यों की आत्मा और सिरमौर माना जाता है। यह नृत्य मुख्य रूप से गणगौर त्योहार के शुभ अवसर पर महिलाओं द्वारा पारंपरिक पोशाक पहनकर वृत्ताकार घेरे में घूमते हुए प्रस्तुत किया जाता है। इसके अतिरिक्त यह तीज और विवाह जैसे मांगलिक अवसरों पर भी महिलाओं द्वारा अत्यंत उत्साह से किया जाता है।

59. (B) महिलाओं की ओढ़नी और साड़ियां
चुनरी राजस्थान की एक सुप्रसिद्ध पारंपरिक कपड़ा छपाई और बांधेज कला शैली है। इस शैली का उपयोग मुख्य रूप से महिलाओं की ओढ़नियों और साड़ियों को सुंदर बनाने के लिए किया जाता है। इसमें विभिन्न रंगों के कपड़ों पर बिंदुदार आकृतियां बनाई जाती हैं। यह वस्त्र परंपरा राजस्थानी

NODIA

महिलाओं की पोशाक तथा सांस्कृतिक पहचान का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग मानी जाती है।

60. (B) तेजाजी मेला - पुष्कर
राजस्थान के मेलों और स्थानों के युग्मों में तेजाजी मेला पुष्कर एक गलत युग्म है। प्रसिद्ध वीर तेजाजी पशु मेले का आयोजन पुष्कर में नहीं, बल्कि नागौर जिले के परबतसर में किया जाता है। इसके विपरीत बीकानेर का ऊंट महोत्सव, करौली का कैला देवी मेला तथा जैसलमेर का रामदेवरा मेला अपने स्थानों के साथ सही सुमेलित हैं। पुष्कर अजमेर में स्थित एक तीर्थ है।

61. (A) वर पक्ष द्वारा वधू के लिए लाए जाने वाले उपहार और पोशाक
राजस्थानी विवाह की परंपराओं में बरी या पड़ला उन उपहारों और सामग्री को कहते हैं जो वर पक्ष द्वारा वधू के लिए लाए जाते हैं। इसमें दुल्हन की विवाह पोशाक, आभूषण, श्रृंगार सामग्री और मिठाइयाँ शामिल होती हैं। वधू इस बरी में आए वस्त्रों और गहनों को मुख्य विवाह समारोह अर्थात फेरों के समय विशेष रूप से निष्ठा से धारण करती है।

62. (C) बेणेश्वर मेला
दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर जिले में सोम, माही और जाखम नदियों के पवित्र संगम पर आयोजित होने वाले बेणेश्वर मेले को आदिवासियों का कुंभ कहा जाता है। यह मेला माघ पूर्णिमा को भरता है। इसमें भील जनजाति के लोग अत्यधिक संख्या में भाग लेते हैं। श्रद्धालु यहाँ शिव लिंग की पूजा करते तथा पवित्र स्नान करके अपनी आस्था प्रकट करते हैं।

63. (D) ऊंट, मवेशी (गाय-बैल) और घोड़े
राजस्थान में आयोजित होने वाले पशु मेलों में मुख्य रूप से ऊंट, मवेशी तथा घोड़ों का व्यापक व्यापार होता है। पुष्कर, नागौर और परबतसर जैसे मेलों में नागोरी बैल और मारवाड़ी घोड़ों की भारी मांग रहती है। ये पशु मेले राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार हैं, जहाँ किसान और व्यापारी पशुधन के व्यापार हेतु बड़ी संख्या में नियमित रूप से एकत्र होते हैं।

64. (C) छाछ और बाजरे के आटे से बना एक पारंपरिक खाद्य पदार्थ
पारंपरिक राजस्थानी खानपान में राब या राबड़ी छाछ और बाजरे के आटे को मिलाकर पकाया जाने वाला एक पारंपरिक खाद्य पदार्थ है। इसे ग्रीष्मकाल में शरीर को ठंडा रखने और लू से बचने के लिए सेवन किया जाता है, जबकि शीतकाल में इसे गरम पिया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह दैनिक आहार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं स्वास्थ्यवर्धक अंग माना जाता है।

65. (B) वधू के घर के प्रवेश द्वार पर पहुंचने पर वर द्वारा
राजस्थानी विवाह में तोरण मारना एक महत्वपूर्ण रस्म है। यह रस्म तब होती है जब वर अपनी बारात के साथ वधू के घर के मुख्य द्वार पर पहुँचता है। द्वार पर लकड़ी का बना तोरण लगा होता है, जिसे दूल्हा तलवार या छड़ी से स्पर्श करता है। यह रस्म विवाह समारोह में गृह प्रवेश और शुभता का एक प्रमुख प्रतीक मानी जाती है।

66. (D) होली
राजस्थान में फाग गीत पारंपरिक रूप से होली के त्योहार के अवसर पर गाए जाते हैं। फाल्गुन माह में गाए जाने वाले इन लोक गीतों में राधा कृष्ण के प्रेम और रंगों का सुंदर वर्णन होता है। लोग चंग और ढोलक की थाप पर इन गीतों को गाते हैं तथा नृत्य करते हैं, जिससे होली का उत्सव अत्यंत आनंदमयी बन जाता है।

67. (A) नाथद्वारा
पिछवाई कला कपड़े पर की जाने वाली चित्रकारी की एक अनूठी शैली है, जो राजसमंद जिले के नाथद्वारा स्थित श्रीनाथजी मंदिर से जुड़ी है। इस कला में मुख्य प्रतिमा के पीछे कपड़े पर भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं और विभिन्न उत्सवों का सुंदर चित्रांकन किया जाता है। यह कला नाथद्वारा की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का एक प्रमुख अंग माना जाता है।

68. (C) पुरुषों का चुस्त निचला वस्त्र, जो जांघों पर ढीला और घुटनों के नीचे तंग होता है
ब्रिजेश राजस्थान में पुरुषों द्वारा शरीर के निचले भाग में पहना जाने वाला एक विशेष पारंपरिक वस्त्र है। यह पाजामे का एक रूप है, जो जांघों पर ढीला होता है परंतु घुटनों के नीचे अत्यंत तंग होता है। ऐतिहासिक रूप से इसे घुड़सवारी और विशेष अवसरों पर अंगरखी के साथ पहना जाता था, जो राजस्थानी वेशभूषा की एक विशेष पहचान है।

69. (A) विवाहित महिलाएं
बिछिया पाँव की उंगलियों में पहना जाने वाला एक पारंपरिक आभूषण है, जो मुख्य रूप से चांदी से निर्मित होता है। राजस्थानी संस्कृति में बिछिया विशेष रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा धारण की जाती है। यह आभूषण महिला के सुहाग और वैवाहिक स्थिति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। महिलाएँ इसे पैरों की उंगलियों में सांस्कृतिक परंपरा के तहत सदैव पहनती हैं।

70. (B) 12 दिन
राजस्थान के हिंदू समुदायों में मृत्यु के पश्चात शोक की पारंपरिक अवधि आमतौर पर 12 दिन मानी जाती है। इस 12 दिनों की अवधि के दौरान परिवार में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। बारहवें दिन बारहवाँ नामक अंतिम धार्मिक रस्म संपन्न की जाती है, जिसके पश्चात शोक समाप्त होता है और सामान्य दिनचर्या पुनः प्रारंभ होती है।

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 10
भारत की भौतिक विशेषताएँ

1. भारत की मुख्य भूमि का अक्षांशीय विस्तार क्या है?
(A) 6°4' उत्तर से 35°6' उत्तर
(B) 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर
(C) 8°4' दक्षिण से 37°6' दक्षिण
(D) 6°4' दक्षिण से 35°6' उत्तर

2. निम्नलिखित में से राज्यों के किस समूह से होकर कर्क रेखा गुजरती है?
(A) गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा
(B) राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, सिक्किम
(C) उत्तर प्रदेश, झारखंड, त्रिपुरा, मेघालय
(D) राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मिजोरम

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): हिमालय को नवीन वलित पर्वत के रूप में जाना जाता है।
कारण (R): इनका निर्माण यूरेशियन प्लेट और इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट के टकराव से हुआ था।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

4. भारत के निम्नलिखित भौतिक विभागों में से किसे भूवैज्ञानिक रूप से सबसे प्राचीन भूभाग माना जाता है?
(A) उत्तरी विशाल मैदान
(B) हिमालय पर्वतमाला
(C) प्रायद्वीपीय पठार
(D) तटीय मैदान

5. भारत अपने किस पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थल सीमा साझा करता है?
(A) बांग्लादेश
(B) चीन
(C) पाकिस्तान
(D) नेपाल

6. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची I: (दर्रा)
P. शिपकी ला
Q. नाथू ला
R. बोमडिला
S. जोजिला

सूची II: (राज्य/केंद्र शासित प्रदेश)
1. सिक्किम
2. अरुणाचल प्रदेश
3. हिमाचल प्रदेश
4. लद्दाख

(A) P-3, Q-1, R-2, S-4
(B) P-1, Q-3, R-4, S-2
(C) P-3, Q-2, R-1, S-4
(D) P-4, Q-1, R-2, S-3

NODIA

7. उत्तरी मैदानों के संदर्भ में, 'खादर' शब्द किसे संदर्भित करता है?
(A) 'कंकर' नामक चूनेदार निक्षेपों वाली पुरानी जलोढ़ मृदा
(B) बाढ़ के मैदानों के नए, युवा जलोढ़ निक्षेप
(C) घने जंगलों से ढके हुए दलदली और नम क्षेत्र
(D) शिवालिक की तलहटी में स्थित सरंध्र गुटिका पट्टी

8. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ये अरब सागर में स्थित हैं।
II. भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी यहाँ बैरन द्वीप पर स्थित है।
III. ये जलमग्न पर्वतों के उभरे हुए भाग हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

9. हिमालय की निम्नलिखित प्रमुख चोटियों को पश्चिम से पूर्व के सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. कंचनजंगा
II. नंदा देवी
III. माउंट एवरेस्ट
IV. धौलागिरी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम का चयन कीजिए:
(A) II, IV, III, I
(B) IV, II, III, I

(C) II, III, IV, I
(D) I, III, IV, II

10. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत के पश्चिमी तटीय मैदान का भाग नहीं है?
(A) कोरोमंडल तट
(B) कोंकण तट
(C) कन्नड़ मैदान
(D) मालाबार तट

11. प्रायद्वीपीय भारत की सबसे बड़ी नदी द्रोणी कौन-सी है?
(A) नर्मदा द्रोणी
(B) गोदावरी द्रोणी
(C) कृष्णा द्रोणी
(D) महानदी द्रोणी

12. 'रेगुर मृदा', जो विशेष रूप से कपास की खेती के लिए उपयुक्त है, किस प्रकार की मृदा का दूसरा नाम है?
(A) जलोढ़ मृदा
(B) काली मृदा
(C) लाल मृदा
(D) लैटेराइट मृदा

13. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन I: पश्चिमी घाट सतत हैं तथा इन्हें केवल दर्रों के माध्यम से ही पार किया जा सकता है।
कथन II: पूर्वी घाट असतत, अनियमित हैं एवं बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों द्वारा कटे-छंटे हैं।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

14. भारतीय मरुस्थल (थार) क्षेत्र में बहने वाली एकमात्र बड़ी नदी कौन-सी है?
(A) साबरमती
(B) माही
(C) लूनी
(D) बनास

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): नर्मदा और तापी नदियाँ अपने मुहाने पर डेल्टा का निर्माण नहीं करती हैं।
कारण (R): ये भ्रंश घाटियों से होकर बहती हैं और समुद्र के पास इनका ढाल तीव्र होता है, जिससे अवसाद बह जाते हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

16. भौगोलिक स्थिति के संदर्भ में निम्नलिखित भारतीय राज्यों में से विषम का चयन कीजिए।
(A) मध्य प्रदेश
(B) छत्तीसगढ़
(C) गुजरात
(D) झारखंड

17. अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप सहित भारत की मुख्य भूमि की तटीय रेखा की कुल अनुमानित लंबाई कितनी है?
(A) 6,100 किमी
(B) 7,516.6 किमी
(C) 5,500 किमी
(D) 8,200 किमी

18. मध्य उच्चभूमि का एक प्रमुख भाग, मालवा का पठार, किन दो पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित है?
(A) विंध्य और सतपुड़ा श्रेणी
(B) सतपुड़ा और अजंता श्रेणी
(C) अरावली और सह्याद्रि श्रेणी
(D) अरावली और विंध्य श्रेणी

19. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।
सूची I: (मृदा का प्रकार)
P. जलोढ़ मृदा
Q. काली मृदा
R. लैटेराइट मृदा
S. शुष्क मृदा
सूची II: (भारत में प्रमुख क्षेत्र)
1. दक्कन का पठार
2. उत्तरी मैदान
3. पश्चिमी राजस्थान
4. पश्चिमी घाट (भारी वर्षा वाले क्षेत्र)
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

20. भूवैज्ञानिक इतिहास के अनुसार, भारत का प्रायद्वीपीय पठार किस प्राचीन महाद्वीप का भाग है?
(A) अंगारालैंड
(B) लौरेशिया
(C) गोंडवानालैंड
(D) पैंजिया माइनर

21. भारत के प्रायद्वीपीय पठारी क्षेत्र की सबसे ऊँची चोटी कौन-सी है?

Click Here to Buy book on Amazon

(A) अनामुडी
(B) डोडाबेट्टा
(C) महेंद्रगिरि
(D) कलसुबाई

22. भारत के भूकंपीय क्षेत्रीय मानचित्र के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र ज़ोन V (अत्यधिक जोखिम वाले क्षेत्र) के अंतर्गत आता है?
(A) दक्कन का पठार
(B) ओडिशा के तटीय मैदान
(C) मालवा का पठार
(D) संपूर्ण उत्तर-पूर्वी भारत

23. रेडक्लिफ रेखा भारत को किस देश से अलग करने वाली आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा है?
(A) चीन
(B) पाकिस्तान
(C) नेपाल
(D) म्यांमार

24. शिवालिक श्रेणी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह हिमालय की सबसे बाहरी श्रेणी है।
II. यह नदियों द्वारा लाए गए असंगठित अवसादों से बनी है।
III. यह हिमालय की सबसे ऊँची पर्वत श्रेणी है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से गलत है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल III
(D) केवल I

25. अपने विशाल आकार और विस्तार के कारण किस प्रायद्वीपीय नदी को 'दक्षिण गंगा' कहा जाता है?
(A) कृष्णा
(B) कावेरी
(C) महानदी
(D) गोदावरी

26. म्यांमार के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले भारतीय राज्यों का उत्तर से दक्षिण की ओर सही क्रम निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(A) अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम
(B) अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम
(C) नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर
(D) मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश

27. उत्तरी मैदानों में भाबर पट्टी के दक्षिण में स्थित नम, दलदली और पंकिल क्षेत्र को किस रूप में जाना जाता है?
(A) खादर
(B) तराई
(C) भांगर
(D) चोस

28. प्रायद्वीपीय पठार का दक्कन ट्रैप क्षेत्र भूवैज्ञानिक रूप से मुख्य रूप से किस प्रकार की शैलों से निर्मित है?
(A) अवसादी शैल
(B) आग्नेय शैल
(C) कायांतरित शैल
(D) चूना पत्थर शैल

29. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): भारत की जलवायु को मोटे तौर पर मानसूनी प्रकार के रूप में वर्णित किया जाता है।
कारण (R): हिमालय ग्रीष्मकालीन मानसूनी हवाओं को भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश करने से पूरी तरह रोकता है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

30. कौन-सा प्रमुख जलमार्ग (चैनल) अंडमान द्वीपों को निकोबार द्वीपों से अलग करता है?
(A) 8 डिग्री चैनल
(B) 9 डिग्री चैनल
(C) 10 डिग्री चैनल
(D) पाक जलडमरूमध्य

31. भारत में निम्नलिखित में से किस स्थान पर सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा होती है?
(A) चेरापूंजी
(B) अगम्बे
(C) महाबलेश्वर
(D) मौसिनराम

32. निम्नलिखित विकल्पों में से तटीय मैदान और उसके संबंधित राज्य के गलत युग्म की पहचान कीजिए।
(A) कोंकण तट - महाराष्ट्र
(B) मालाबार तट - केरल
(C) उत्तरी सरकार - गुजरात
(D) कोरोमंडल तट - तमिलनाडु

33. भारतीय मानक समय (IST) निर्धारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली भारत की मानक याम्योत्तर रेखा है:
(A) 80°30' पूर्व
(B) 82°30' पूर्व
(C) 82°30' पश्चिम
(D) 85°30' पूर्व

NODIA

34. लघु हिमालय और शिवालिक के बीच स्थित अनुदैर्ध्य घाटियों को सामान्यतः किस नाम से जाना जाता है?
(A) दर्रे
(B) हिमनद
(C) चोटियाँ
(D) दून

35. पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट भौगोलिक रूप से किस पर्वत श्रेणी पर एक-दूसरे से मिलते हैं?
(A) नीलगिरि पहाड़ियाँ
(B) कार्डमम (इलायची) पहाड़ियाँ
(C) अनाईमलाई पहाड़ियाँ
(D) पालनी पहाड़ियाँ

36. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।
सूची I: (सीमा रेखा)
P. मैकमोहन रेखा
Q. पाक जलडमरूमध्य
R. डूरंड रेखा
S. रेडक्लिफ रेखा
सूची II: (पृथक करने वाला क्षेत्र)
1. भारत और श्रीलंका
2. भारत और चीन
3. भारत और पाकिस्तान
4. अफगानिस्तान और पाकिस्तान
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

37. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन I: बरखान अर्धचंद्राकार बालू के टीले होते हैं।
कथन II: ये थार मरुस्थल के बड़े क्षेत्रों को आच्छादित करते हैं, विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान सीमा के पास।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

38. कौन-सी मृदा भारत के सबसे बड़े भौगोलिक क्षेत्र को आच्छादित करती है, जो विशेष रूप से नदी घाटियों और उत्तरी मैदानों में फैली हुई है?
(A) काली मृदा
(B) लाल मृदा
(C) लैटेराइट मृदा
(D) जलोढ़ मृदा

39. निम्नलिखित में से कौन-सा हिमालयी अपवाह तंत्र का भाग नहीं है?
(A) गंगा
(B) कावेरी
(C) ब्रह्मपुत्र
(D) सिंधु

40. पूर्वी तटीय मैदानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ये पश्चिमी तटीय मैदानों की तुलना में अधिक चौड़े और समतल हैं।
II. महानदी, गोदावरी और कृष्णा जैसी बड़ी नदियाँ यहाँ विशाल डेल्टा का निर्माण करती हैं।
III. ये केवल लौटते मानसून के दौरान अत्यधिक संकेंद्रित वर्षा प्राप्त करते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

41. भारत के किस पठार को उसके समृद्ध कोयला और खनिज निक्षेपों के कारण खनिजों का भंडारगृह कहा जाता है?
(A) मालवा का पठार
(B) दक्कन का पठार
(C) मेघालय का पठार
(D) छोटानागपुर का पठार

42. माउंट K2 (गॉडविन ऑस्टिन) के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए:
(A) यह काराकोरम श्रेणी में स्थित है।
(B) यह विश्व की सबसे ऊँची चोटी है।
(C) यह पूर्वी घाट का भाग है।
(D) यह पूरी तरह से नेपाल की भौगोलिक सीमाओं के भीतर है।

43. भूवैज्ञानिक संरचना और भूकंपीय गतिविधि के आधार पर, भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) वर्तमान में भारत को कितने भूकंपीय क्षेत्रों में वर्गीकृत करता है?
(A) तीन
(B) चार
(C) पाँच
(D) छह

44. कौन-सा प्रमुख हिमालयी दर्रा श्रीनगर को लेह से जोड़ता है?
(A) रोहतांग दर्रा
(B) जोजिला
(C) नाथू ला
(D) लिपुलेख दर्रा

45. निम्नलिखित में से कौन पूर्व में भारत की प्राकृतिक भौगोलिक सीमा बनाता है?
(A) बंगाल की खाड़ी

Downloaded from www.pdf.tube

(B) अरब सागर
(C) हिंद महासागर
(D) हिंदूकुश पर्वत

46. 'करेवा' हिमोढ़ के साथ संनिहित हिमनद कॉप मृदा और अन्य पदार्थों के मोटे निक्षेप हैं। ये हिमालय के किस भाग में प्रमुखता से पाए जाते हैं?
(A) अरुणाचल हिमालय
(B) सिक्किम हिमालय
(C) कश्मीर हिमालय
(D) कुमाऊँ हिमालय

47. निम्नलिखित में से कौन भारत के उत्तरी विशाल मैदान के प्राथमिक आर्थिक महत्व का सर्वोत्तम वर्णन करता है?
(A) ये धात्विक खनिजों के मुख्य स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।
(B) ये प्राकृतिक गैस निष्कर्षण के प्राथमिक केंद्र हैं।
(C) ये सैन्य आक्रमणों के विरुद्ध एक बाधा के रूप में कार्य करते हैं।
(D) ये कृषि के लिए एक उपजाऊ जलोढ़ आधार प्रदान करते हैं।

48. किस भारतीय राज्य की तटीय रेखा सबसे लंबी है?
(A) आंध्र प्रदेश
(B) तमिलनाडु
(C) गुजरात
(D) महाराष्ट्र

49. भारत की कौन-सी प्रमुख नदी कर्क रेखा को दो बार काटने के लिए प्रसिद्ध है?
(A) नर्मदा
(B) माही
(C) तापी
(D) चंबल

50. निम्नलिखित में से कौन-सा देश भारत के साथ स्थलीय सीमा साझा नहीं करता है?
(A) भूटान
(B) अफगानिस्तान
(C) म्यांमार
(D) श्रीलंका

51. पूरी तरह से भारत के अविवादित क्षेत्र के भीतर स्थित हिमालय की सबसे ऊँची पर्वत चोटी कौन-सी है?
(A) कंचनजंगा
(B) K2 (गॉडविन ऑस्टिन)
(C) माउंट एवरेस्ट
(D) मकालू

52. उत्तरी मैदानों के पुराने जलोढ़ निक्षेप, जो वेदिका जैसी आकृति प्रस्तुत करते हैं, कहलाते हैं:
(A) भाबर
(B) खादर
(C) भांगर
(D) कंकर

53. पारंपरिक रूप से किसे पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी माना जाता है?
(A) महेंद्रगिरि
(B) अनामुडी
(C) डोडाबेट्टा
(D) कलसुबाई

54. राजस्थान के थार मरुस्थलीय क्षेत्र में स्थित सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील कौन-सी है?
(A) चिल्का झील
(B) लोणार झील
(C) पुलिकट झील
(D) सांभर झील

55. अरब सागर में स्थित लक्षद्वीप समूह मुख्य रूप से निर्मित हैं:
(A) ज्वालामुखीय शैलों से
(B) प्रवाल निक्षेपों से
(C) जलमग्न पर्वत चोटियों से
(D) जलोढ़ नदी निक्षेपों से

56. उत्तर-पश्चिमी भारत में शीतकालीन वर्षा, जो रबी फसलों के लिए अत्यधिक लाभदायक होती है, किसके कारण होती है?
(A) दक्षिण-पश्चिम मानसून
(B) लौटते मानसून
(C) पश्चिमी विक्षोभ
(D) स्थानीय चक्रवातीय पवनें

57. भारत में लाल मृदा का लाल रंग मुख्य रूप से किसके कारण होता है?
(A) नमी की मात्रा का उच्च संचय
(B) ह्यूमस और जैविक पदार्थों का संचय
(C) चूना पत्थर खनिजों का भारी निक्षेपण
(D) क्रिस्टलीय शैलों में लोहे का प्रसार

58. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है जो अरब सागर में गिरती है?
(A) नर्मदा
(B) गोदावरी
(C) कृष्णा
(D) कावेरी

59. एकमात्र भारतीय राज्य कौन-सा है जो सिक्किम के साथ अपनी भौगोलिक स्थलीय सीमा साझा करता है?
(A) असम
(B) पश्चिम बंगाल
(C) बिहार

NODIA

(D) अरुणाचल प्रदेश

60. भारतीय संघ का सबसे दक्षिणी बिंदु 'इंदिरा पॉइंट' के नाम से जाना जाता है। यह कहाँ स्थित है?
(A) लक्षद्वीप
(B) ग्रेट निकोबार द्वीप
(C) तमिलनाडु
(D) मध्य अंडमान

61. मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य भारत को किस पड़ोसी देश से अलग करते हैं?
(A) श्रीलंका
(B) मालदीव
(C) बांग्लादेश
(D) इंडोनेशिया

62. निम्नलिखित में से कौन-सी पर्वत श्रेणी ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र का भाग नहीं है?
(A) काराकोरम
(B) लद्दाख
(C) पीर पंजाल
(D) जास्कर

63. भारत के तटीय मैदानों के संबंध में निम्नलिखित में से गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) पश्चिमी तटीय मैदान संकरे हैं और छोटी, तीव्र गति से बहने वाली पहाड़ी नदियों द्वारा कटे-छंटे हैं।
(B) मालाबार तट अपने कयाल (पश्चजल) के लिए प्रसिद्ध है।
(C) पूर्वी तटीय मैदान सामान्यतः पश्चिमी तटीय मैदानों की तुलना में अधिक चौड़े हैं।
(D) पूर्वी तटीय मैदान अत्यधिक दंतुरित हैं और इनमें नदी डेल्टाओं का पूर्णतः अभाव है।

64. शिमला, मसूरी, नैनीताल और दार्जिलिंग जैसे पर्वतीय नगर मुख्य रूप से हिमालय के किस भाग में स्थित हैं?
(A) शिवालिक श्रेणी
(B) महान हिमालय (हिमाद्रि)
(C) लघु हिमालय (हिमाचल)
(D) ट्रांस हिमालय

65. हिमालय की सबसे पूर्वी सीमा किस नदी की घाटी द्वारा चिह्नित होती है?
(A) गंगा
(B) ब्रह्मपुत्र
(C) तीस्ता
(D) कोसी

66. प्रायद्वीपीय पठार के अधिकांश भाग किस प्रकार की शैलों से बने हैं?
(A) असंगठित अवसादी शैल
(B) असंगठित जलोढ़ निक्षेप
(C) ज्वालामुखीय राख के परतदार निक्षेप
(D) आग्नेय और कायांतरित शैल

67. विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप, माजुली, किस नदी द्वारा निर्मित है?
(A) ब्रह्मपुत्र
(B) गंगा
(C) गोदावरी
(D) सिंधु

68. हिमालयी क्षेत्र में भूकंप की उच्च संवेदनशीलता मुख्य रूप से किसके कारण है?
(A) क्षेत्र में अत्यधिक भूमिगत खनन
(B) ग्लोबल वार्मिंग और ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना
(C) भारतीय और यूरेशियन प्लेटों का टकराव
(D) पास में गहरी समुद्री गर्तों की उपस्थिति

69. कौन-सा अक्षांश भारत को लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करता है?
(A) कर्क रेखा (23°30' उत्तर)
(B) भूमध्य रेखा (0°)
(C) मकर रेखा (23°30' दक्षिण)
(D) आर्कटिक वृत्त (66°30' उत्तर)

70. भारत के तटीय मैदानों का मुख्य आर्थिक महत्व क्या है?
(A) ये शंकुधारी वनों से लकड़ी के मुख्य स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।
(B) ये देश में जलविद्युत के प्राथमिक स्रोत हैं।
(C) इनमें देश के सबसे बड़े खनिज और कोयला भंडार शामिल हैं।
(D) ये बंदरगाह विकास, व्यापार और मत्स्य पालन को सुगम बनाते हैं।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर
भारत का भौगोलिक विस्तार विशाल है और यह पूर्णतः उत्तरी तथा पूर्वी गोलार्ध में स्थित है। इसके अतिरिक्त, मुख्य भूमि का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर तक विस्तृत है। देश का देशांतरीय विस्तार 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्व के मध्य पाया जाता है। द्वीपीय क्षेत्रों सहित भारत का अक्षांशीय आरम्भ 6°4' उत्तर से होता है। यह स्थिति विभिन्न क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है।

2. (D) राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मिजोरम
कर्क रेखा 23°30' उत्तरी अक्षांश रेखा है जो भारत को लगभग दो समान भागों में विभाजित करती है। यह रेखा भारत के कुल आठ राज्यों से होकर गुजरती है। पश्चिम से पूर्व की ओर इन राज्यों का क्रम गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम है। यह अक्षांश देश में ताप कटिबंधों के सीमांकन में अत्यंत सहायक सिद्ध होता है।

3. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
हिमालय पर्वतमाला का निर्माण टेथिस सागर के स्थान पर भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट के मध्य हुए महाद्वीपीय टकराव के परिणामस्वरूप हुआ था। इस विवर्तनिक प्रक्रिया के कारण भू-गर्भीय हलचलों द्वारा मोड़दार संरचनाओं की उत्पत्ति हुई, इसलिए हिमालय को नवीन वलित पर्वत माना जाता है। यह पर्वत निर्माण प्रक्रिया लगभग 50 मिलियन वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई थी और निरंतर जारी है। यह इसकी नवीनता दर्शाती है।

4. (C) प्रायद्वीपीय पठार
प्रायद्वीपीय पठार प्राचीन गोंडवानालैंड के विखंडन और उत्तर दिशा की ओर प्रवाह के कारण निर्मित हुआ था, जिससे यह भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे प्राचीन एवं अत्यधिक स्थिर भूभाग बनता है। यह पठार कठोर आग्नेय और रूपांतरित शैल समूहों से मिलकर बना है। इसके विपरीत, उत्तरी मैदान तथा हिमालय नवीन भूवैज्ञानिक संरचनाएँ हैं जिनका निर्माण हाल के कालक्रम में हुआ है। यह अत्यधिक स्थिर क्षेत्र है।

5. (A) बांग्लादेश
भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्थलीय सीमा कुल सात पड़ोसी देशों के साथ लगती है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 15,106.7 किलोमीटर है। भारत सर्वाधिक लंबी स्थलीय सीमा बांग्लादेश के साथ साझा करता है, जिसकी कुल लंबाई 4,096.7 किलोमीटर है। यह अंतर्राष्ट्रीय सीमा भारत के पाँच प्रमुख राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम से होकर गुजरती है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण सीमा मानी जाती है।

6. (A) P-3, Q-1, R-2, S-4
हिमालयी दर्रे पर्वतीय क्षेत्रों में व्यापार और आवागमन के मुख्य मार्ग प्रदान करते हैं। शिपकी ला दर्रा हिमाचल प्रदेश राज्य में स्थित है, जिसके माध्यम से सतलुज नदी प्रवेश करती है। नाथू ला सिक्किम में, बोमडिला अरुणाचल प्रदेश में और जोजिला केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में स्थित है। ये सभी दर्रे सामरिक एवं भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

7. (B) बाढ़ के मैदानों के नए, युवा जलोढ़ निक्षेप
उत्तरी विशाल मैदान को मृदा की आयु और संरचना के आधार पर विभिन्न भागों में विभाजित किया जाता है। खादर बाढ़ के मैदानी क्षेत्रों में पाई जाने वाली नवीन युवा जलोढ़ मृदा के निक्षेप हैं। नदियों द्वारा प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ के साथ नई उपजाऊ मिट्टी जमा की जाती है, जिससे यह कृषि हेतु अत्यंत उपयुक्त बन जाती है। यह उपजाऊ मैदान बनाती है।

8. (B) केवल II और III
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में स्थित एक प्रमुख द्वीप समूह है। यह जलमग्न पर्वत श्रेणियों के शिखरों के उभरे हुए भाग माने जाते हैं। इस द्वीप समूह में स्थित बैरन द्वीप भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है। यहाँ सघन उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन पाए जाते हैं। यह क्षेत्र सामरिक तथा जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

9. (A) II, IV, III, I
हिमालय की पर्वत चोटियों का पश्चिम से पूर्व दिशा में एक निश्चित भौगोलिक क्रम पाया जाता है। नंदा देवी उत्तराखंड में स्थित सबसे पश्चिमी चोटी है। इसके पूर्व की ओर क्रमशः धौलागिरी और माउंट एवरेस्ट नेपाल में स्थित हैं। इनके भी पूर्व में कंचनजंगा सिक्किम और नेपाल की सीमा पर स्थित है। यह क्रम पश्चिम से पूर्व की दिशा को स्पष्ट करता है।

10. (A) कोरोमंडल तट
भारत का तटीय मैदान दो भागों में विभाजित है। पश्चिमी तटीय मैदान के मुख्य भाग कोंकण तट, कन्नड़ मैदान तथा मालाबार तट हैं। कोरोमंडल तट पूर्वी तटीय मैदान का दक्षिणी भाग है, जो मुख्य रुप से तमिलनाडु तथा आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह उत्तर-पूर्वी मानसून से वर्षा प्राप्त करता है। यह विस्तृत मैदान है।

11. (B) गोदावरी द्रोणी
गोदावरी नदी प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1,465 किलोमीटर है। इसका अपवाह तंत्र प्रायद्वीपीय भारत में सबसे बड़ा है, जो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में फैला है। इसके विशाल आकार के कारण इसे 'दक्षिण गंगा' भी कहा जाता है। यह

Downloaded from www.pdf.tube

नासिक से निकलकर बंगाल की खाड़ी में समाहित होती है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण द्रोणी है।

12. (B) काली मृदा
काली मृदा को 'रेगुर मृदा' या 'कपास मृदा' के नाम से भी जाना जाता है। यह कपास की खेती के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मानी जाती है। इस मृदा का निर्माण दक्कन ट्रैप के लावा पदार्थों के अपक्षय से हुआ है। इसमें जल धारण करने की उच्च क्षमता होती है। यह महाराष्ट्र, गुजरात तथा मध्य प्रदेश में व्यापक रूप से पाई जाती है।

13. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
पश्चिमी घाट एक सतत पर्वत श्रेणी है जिसे केवल दर्रों के माध्यम से ही पार किया जा सकता है। इसके विपरीत, पूर्वी घाट असतत तथा अनियमित हैं। बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली प्रमुख नदियों ने इन्हें स्थान-स्थान पर काट दिया है। ये दोनों पर्वत श्रेणियाँ भारत के प्रायद्वीपीय पठार की दोनों सीमाओं का निर्धारण करती हैं। इनकी विशेषताएँ भिन्न पाई जाती हैं।

14. (C) लूनी
लूनी नदी अरावली पर्वत श्रेणी से निकलती है और थार मरुस्थल क्षेत्र में प्रवाहित होने वाली एकमात्र बड़ी नदी है। यह नदी शुष्क परिस्थितियों में बहती है तथा अंत में गुजरात के कच्छ के रण के दलदली भाग में विलुप्त हो जाती है। यह समुद्र तक नहीं पहुँच पाती है। प्रारंभिक भाग में इसका जल मीठा तथा बाद में खारा हो जाता है।

15. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
नर्मदा और तापी नदियाँ पश्चिम की ओर प्रवाहित होकर अरब सागर में गिरती हैं। ये नदियाँ कठोर शैल संरचनाओं से होकर भ्रंश घाटियों में बहती हैं। तट के समीप ढाल तीव्र होने और अवसादों की कमी के कारण ये डेल्टा बनाने में असमर्थ रहती हैं। इसके स्थान पर ये नदियाँ ज्वारनदमुख का निर्माण करती हैं। यह इनका प्रमुख भौगोलिक लक्षण माना जाता है।

16. (C) गुजरात
गुजरात भारत का एक प्रमुख तटीय राज्य है जिसकी पश्चिमी सीमा अरब सागर से संलग्न है। इसके विपरीत, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा झारखंड पूर्णतः भू-आबद्ध राज्य हैं। इनकी कोई भी सीमा समुद्र तट को स्पर्श नहीं करती है। इसलिए तटीय अवस्थिति के आधार पर गुजरात अन्य तीनों राज्यों से भिन्न भौगोलिक पहचान रखता है। यह एक महत्वपूर्ण अंतर रेखांकित करता है।

17. (B) 7,516.6 किमी
भारत की मुख्य भूमि की तटरेखा लगभग 6,100 किलोमीटर लंबी है। किंतु जब इसमें अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप समूहों की तटरेखा को भी सम्मिलित कर लिया जाता है, तब कुल तटीय लंबाई 7,516.6 किलोमीटर हो जाती है। यह तटरेखा व्यापार, समुद्री संसाधनों और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होती है। यह विस्तृत तटीय रेखा है।

18. (D) अरावली और विंध्य श्रेणी
मालवा का पठार मध्य उच्चभूमि का एक मुख्य भाग है। यह उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वत श्रेणी तथा दक्षिण में विंध्य पर्वत श्रेणी के मध्य स्थित है। इस पठारी क्षेत्र का निर्माण ज्वालामुखीय लावा के निक्षेपण से हुआ है। यहाँ की नदियाँ उत्तर दिशा की ओर प्रवाहित होकर यमुना नदी तंत्र में मिल जाती हैं। यह एक उपजाऊ लावा का पठार है।

19. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
विभिन्न मृदा प्रकार भारत के विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों से संबंधित हैं। जलोढ़ मृदा उत्तरी विशाल मैदानों में पाई जाती है। काली मृदा दक्कन के पठार में विस्तृत है। लैटेराइट मृदा भारी वर्षा वाले पश्चिमी घाट के क्षेत्रों में मिलती है तथा शुष्क मृदा पश्चिमी राजस्थान में पाई जाती है। यह वितरण जलवायु और भूवैज्ञानिक संरचना पर पूरी तरह निर्भर करता है।

20. (C) गोंडवानालैंड
प्राचीन काल में महाद्वीपीय विस्थापन के दौरान विशाल भूखंड गोंडवानालैंड और लौरेशिया में विभाजित हो गया था। भारत का प्रायद्वीपीय पठार प्राचीन गोंडवानालैंड का ही एक अभिन्न भाग था। यह भूभाग उत्तर की ओर विस्थापित होकर यूरेशियाई प्लेट से टकराया था। इसी कारण प्रायद्वीपीय पठार को भारत का सबसे पुराना और अत्यधिक स्थिर भूवैज्ञानिक खंड स्वीकार किया जाता है। यह ऐतिहासिक तथ्य है।

21. (A) अनामुडी
अनामुडी प्रायद्वीपीय भारत तथा दक्षिण भारत की सबसे ऊँची पर्वत चोटी है, जिसकी कुल ऊँचाई 2,695 मीटर है। यह केरल राज्य में अनाईमलाई पहाड़ियों पर स्थित है। डोडाबेट्टा नीलगिरि पहाड़ियों की सबसे ऊँची चोटी है, जो प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सर्वोच्च चोटी मानी जाती है। अनामुडी क्षेत्र अपनी समृद्ध वनस्पति तथा वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध माना जाता है। यह प्रमुख शिखर है।

22. (D) संपूर्ण उत्तर-पूर्वी भारत
भूकंपीय ज़ोन V को अत्यधिक जोखिम वाला क्षेत्र माना जाता है, जहाँ सर्वाधिक तीव्र भूकंपीय झटके आने की आशंका रहती है। संपूर्ण उत्तर-पूर्वी भारत, कच्छ का रण तथा हिमालयी क्षेत्र इसी ज़ोन V के अंतर्गत आते हैं। यह संवेदनशीलता विवर्तनिक प्लेटों के टकराने और भू-गर्भीय हलचलों के कारण बनी रहती है। यहाँ सुरक्षा के कड़े उपाय अपनाना आवश्यक होता है। यह संवेदनशील क्षेत्र है।

23. (B) पाकिस्तान
रेडक्लिफ रेखा भारत और पाकिस्तान को विभाजित करने वाली आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा है। इस रेखा का सीमांकन वर्ष 1947 में विभाजन के समय सर सिरिल रेडक्लिफ की अध्यक्षता में किया गया था। यह सीमा रेखा भारत के पश्चिमी राज्यों गुजरात, राजस्थान और पंजाब से होकर गुजरती है। यह

NODIA

दोनों देशों के मध्य एक महत्वपूर्ण सीमा का कार्य करती है। यह ऐतिहासिक रेखा है।

24. (C) केवल III
शिवालिक श्रेणी हिमालय की सबसे बाहरी तथा नवीन पर्वत श्रेणी है, जो अवसादों से बनी है। किंतु यह हिमालय की सबसे ऊँची श्रेणी नहीं है। महान हिमालय अर्थात हिमाद्रि सबसे ऊँची श्रेणी है, जहाँ सर्वोच्च चोटियाँ स्थित हैं। शिवालिक की औसतन ऊँचाई महान हिमालय की तुलना में बहुत कम पाई जाती है। यह सबसे बाह्य श्रृंखला के रूप में जानी जाती है।

25. (D) गोदावरी
गोदावरी नदी अपने अत्यधिक विशाल आकार, व्यापक जलग्रहन क्षेत्र और धार्मिक महत्व के कारण 'दक्षिण गंगा' कहलाती है। यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी है जिसकी कुल लंबाई लगभग 1,465 किलोमीटर है। यह महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर से निकलती है और बंगाल की खाड़ी में समाहित होती है। यह दक्षिण भारत की एक अत्यंत पवित्र एवं प्रमुख नदी मानी जाती है।

26. (A) अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम
भारत के चार राज्य म्यांमार के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाते हैं। उत्तर से दक्षिण की ओर इनका सही भौगोलिक क्रम अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम है। अरुणाचल प्रदेश सबसे उत्तरी बिंदु पर है जबकि मिजोरम सबसे दक्षिणी बिंदु पर स्थित है। यह सीमा उत्तर-पूर्वी भारत के सुरक्षा और क्षेत्रीय संपर्क के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होती है। यह स्पष्ट क्रम है।

27. (B) तराई
उत्तरी मैदानों में भाबर पट्टी के ठीक दक्षिण में स्थित अत्यधिक नम और दलदली भूभाग को 'तराई' कहा जाता है। भाबर में विलुप्त होने वाली नदियाँ तराई क्षेत्र में पुनः धरातल पर दिखाई देने लगती हैं। यह क्षेत्र घने वनों तथा वन्यजीवों से परिपूर्ण रहा है। वर्तमान में इसे साफ़ करके उपजाऊ कृषि योग्य भूमि के रूप में विकसित किया गया है।

28. (B) आग्नेय शैल
दक्कन ट्रैप क्षेत्र का निर्माण प्राचीन ज्वालामुखीय गतिविधियों के दौरान निकले लावा के ठंडा होने से हुआ था। इसलिए यह भूभाग मुख्य रूप से बेसाल्टिक आग्नेय शैलों से निर्मित है। इन आग्नेय चट्टानों के निरंतर विखंडन और अपक्षय के परिणामस्वरूप ही प्रसिद्ध काली मृदा की उत्पत्ति हुई है। यह भारत का एक विशिष्ट भूवैज्ञानिक और भौतिक लक्षण प्रस्तुत करता है। यह कठोर क्षेत्र है।

29. (C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
भारत की जलवायु को स्पष्ट रूप से मानसूनी जलवायु कहा जाता है, जो मौसमी पवनों पर निर्भर करती है। हिमालय पर्वतमाला ग्रीष्मकालीन मानसूनी हवाओं को रोककर देश में वर्षा कराने में सहायता करती है, न कि उन्हें प्रवेश करने से रोकती है। साथ ही यह शीतकाल में मध्य एशिया की ठंडी पवनों से देश की रक्षा भी करती है। यह भौगोलिक अवरोधक है।

30. (C) 10 डिग्री चैनल
10 डिग्री चैनल बंगाल की खाड़ी में स्थित एक प्रमुख जलमार्ग है जो अंडमान द्वीपों को निकोबार द्वीपों से पृथक करता है। यह जलडमरूमध्य 10 डिग्री उत्तरी अक्षांश के समानांतर गुजरता है। यह जलमार्ग अंतर्राष्ट्रीय समुद्री जहाजों के आवागमन और व्यापारिक मार्गों की दृष्टि से भारत के लिए अत्यधिक रणनीतिक एवं भौगोलिक महत्व धारण करता है। यह एक प्रमुख चैनल माना जाता है।

31. (D) मौसिनराम
मेघालय की खासी पहाड़ियों में स्थित मौसिनराम विश्व और भारत में सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करने वाला स्थान है। यहाँ की कीपाकार पहाड़ियों की संरचना के कारण बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसूनी पवनें यहाँ घनीभूत होकर भारी वर्षा करती हैं। इसके परिणामस्वरूप यहाँ प्रतिवर्ष रिकॉर्ड मात्रा में वर्षा दर्ज की जाती है। यह एक अद्वितीय जलवायु क्षेत्र माना जाता है।

32. (C) उत्तरी सरकार - गुजरात
उत्तरी सरकार भारत के पूर्वी तटीय मैदान का एक भाग है, जो मुख्य रूप से ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में विस्तृत है। गुजरात के तटीय भाग को काठियावाड़ या गुजरात तट कहा जाता है। कोंकण तट महाराष्ट्र में, मालाबार तट केरल में तथा कोरोमंडल तट तमिलनाडु राज्य में स्थित है। यह एक असंगत युग्म प्रदर्शित करता है। यह स्पष्ट अंतर है।

33. (B) 82°30' पूर्व
82°30' पूर्वी देशांतर रेखा को भारत की मानक याम्योत्तर रेखा के रूप में चुना गया है। यह रेखा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से होकर गुजरती है। भारतीय मानक समय ग्रीनविच मीन टाइम से 5 घंटे 30 मिनट आगे रहता है। यह देशांतर रेखा देश में समय की एकरूपता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक मानी जाती है। यह पाँच राज्यों से गुजरती है।

34. (D) दून
लघु हिमालय और शिवालिक श्रेणियों के मध्य स्थित अनुदैर्ध्य घाटियों को 'दून' कहा जाता है। पश्चिम में इन्हें दून तथा पूर्व में द्वार के नाम से जाना जाता है। देहरादून इसका एक प्रमुख तथा प्रसिद्ध उदाहरण है। इन घाटियों में नदियों द्वारा बहाकर लाए गए जलोढ़ निक्षेप भारी मात्रा में जमा पाए जाते हैं। ये मानव बसाव हेतु उपयुक्त स्थान प्रदान करती हैं।

35. (A) नीलगिरि पहाड़ियाँ
पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट पर्वत श्रेणियाँ नीलगिरि पहाड़ियों पर आकर आपस में मिलती हैं। यह पर्वत ग्रंथि तमिलनाडु, केरल तथा कर्नाटक राज्यों की सीमाओं पर अवस्थित है। नीलगिरि पहाड़ियों की सबसे ऊँची चोटी डोडाबेट्टा है। यह स्थान समृद्ध जैव विविधता एवं प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थलों के लिए विश्व

Click Here to Buy book on Amazon

भर में जाना जाता है। यह एक महत्वपूर्ण भौगोलिक संगम स्थल माना जाता है।

36. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
मैकमोहन रेखा भारत और चीन के बीच की अंतर्राष्ट्रीय सीमा है। पाक जलडमरूमध्य भारत को श्रीलंका से पृथक करता है। डूरंड रेखा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य स्थित है, जबकि रेडक्लिफ रेखा भारत तथा पाकिस्तान के बीच की सीमा रेखा है। यह सुमेलन विभिन्न भौगोलिक और राजनीतिक सीमाओं को स्पष्ट रुप से प्रदर्शित करता है। यह अंतर्राष्ट्रीय संबंध दर्शाता है।

37. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
बरखान पवन के निक्षेपण द्वारा निर्मित अर्धचंद्राकार बालू के टीले होते हैं। ये थार मरुस्थल के एक बड़े भाग को आच्छादित करते हैं, विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों में ये अत्यधिक मात्रा में पाए जाते हैं। यह मरुस्थलीय स्थलाकृति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट विशेषता मानी जाती है। यह बालू के प्रवाह को दर्शाती है। यह टीला है।

38. (D) जलोढ़ मृदा
जलोढ़ मृदा भारत के सबसे बड़े भौगोलिक क्षेत्रफल पर विस्तृत है। इसका निर्माण नदियों द्वारा बहाकर लाए गए अवसादों और बारीक कणों के निक्षेपण से हुआ है। यह मुख्य रूप से उत्तरी विशाल मैदानों, तटीय क्षेत्रों तथा नदी घाटियों में पाई जाती है। अत्यधिक उर्वरता के कारण यह देश के कृषि उत्पादन की मुख्य रीढ़ मानी जाती है। यह उपजाऊ मृदा है।

39. (B) कावेरी
कावेरी नदी प्रायद्वीपीय भारत के अपवाह तंत्र का एक भाग है, न कि हिमालयी अपवाह तंत्र का। इसका उद्गम कर्नाटक की ब्रह्मगिरि पहाड़ियों से होता है। इसके विपरीत, गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियाँ हिमालयी पर्वतीय तंत्र से निकलती हैं और वर्षभर जल से परिपूर्ण रहती हैं। कावेरी एक वर्षा आधारित प्रायद्वीपीय नदी मानी जाती है। यह बंगाल में गिरती है।

40. (A) केवल I और II
पूर्वी तटीय मैदान पश्चिमी तटीय मैदानों की तुलना में अधिक चौड़े और समतल हैं। महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी नदियाँ यहाँ विशाल डेल्टाओं का निर्माण करती हैं। यह क्षेत्र केवल लौटते मानसून से ही नहीं बल्कि दक्षिण-पश्चिम मानसून से भी वर्षा प्राप्त करता है। इसलिए यह कृषि दृष्टि से अत्यधिक समृद्ध और उपजाऊ मैदान माना जाता है। यह विस्तृत तट है।

41. (D) छोटानागपुर का पठार
छोटानागपुर के पठार को भारत का 'खनिजों का भंडारगृह' कहा जाता है। यह क्षेत्र कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, अभ्रक और तांबा जैसे बहुमूल्य खनिजों के प्रचुर निक्षेपों से परिपूर्ण है। यह पठारी भाग मुख्य रूप से झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में फैला हुआ है। देश के औद्योगिक विकास में इस क्षेत्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह खनिज समृद्ध है।

42. (A) यह काराकोरम श्रेणी में स्थित है।
माउंट K2 अथवा गॉडविन ऑस्टिन ट्रांस-हिमालय की काराकोरम पर्वत श्रेणी में स्थित है। इसकी कुल ऊँचाई 8,611 मीटर है, जो इसे माउंट एवरेस्ट के बाद विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी बनाती है। यह पर्वतीय चोटी अपनी अत्यधिक कठिन चढ़ाई और दुर्गम मार्ग के लिए संपूर्ण विश्व में जानी जाती है। यह एक विशाल पर्वत शिखर माना जाता है। यह काराकोरम में है।

43. (B) चार
भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा संपूर्ण भारत को चार प्रमुख भूकंपीय क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इन क्षेत्रों को ज़ोन II, ज़ोन III, ज़ोन IV और ज़ोन V के रुप में चिह्नित किया गया है। ज़ोन II न्यूनतम संवेदनशीलता को प्रदर्शित करता है जबकि ज़ोन V अत्यधिक जोखिम वाले क्षेत्रों को दर्शाता है। यह वर्गीकरण सुरक्षा मानकों के निर्माण में सहायक होता है।

44. (B) जोजिला
जोजिला दर्रा हिमालय पर्वत श्रेणी में स्थित एक महत्वपूर्ण दर्रा है जो श्रीनगर को लेह से जोड़ता है। यह रणनीतिक मार्ग लद्दाख क्षेत्र के लिए एक मुख्य जीवनरेखा माना जाता है। सर्दियों के मौसम में भारी बर्फबारी के कारण यह मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। इसके सामरिक महत्व को देखते हुए यहाँ आधुनिक सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। यह मार्ग है।

45. (A) बंगाल की खाड़ी
भारत के पूर्व में बंगाल की खाड़ी स्थित है, जो देश की प्राकृतिक जल सीमा का निर्माण करती है। इसके विपरीत, पश्चिम में अरब सागर तथा दक्षिण में हिंद महासागर अवस्थित हैं। यह जल निकाय भारत को एक लंबी तटरेखा प्रदान करता है जिससे समुद्री व्यापार एवं मत्स्य पालन को अत्यधिक बढ़ावा मिलता है। यह मुख्य प्राकृतिक पूर्वी सीमा मानी जाती है।

46. (C) कश्मीर हिमालय
'करेवा' कश्मीर हिमालय में पाए जाने वाले विशेष हिमनदीय निक्षेप हैं। ये झील के अवसादों और मोटी चिकनी मिट्टी से निर्मित हुए हैं। यह संरचना विश्व प्रसिद्ध ज़ाफ़रान अर्थात केसर की उत्कृष्ट खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है। इसके अतिरिक्त, यहाँ सेब और अन्य मेवों के बागान भी व्यापक रूप से पाए जाते हैं। यह एक अनूठी भू-आकृति है।

47. (D) ये कृषि के लिए एक उपजाऊ जलोढ़ आधार प्रदान करते हैं।
उत्तरी विशाल मैदान का प्राथमिक आर्थिक महत्व यह है कि यह गहन कृषि हेतु अत्यंत उपजाऊ जलोढ़ मृदा प्रदान करता है। नदियों द्वारा प्रतिवर्ष नई मिट्टी लाए जाने से यहाँ कृषि उत्पादकता बहुत अधिक रहती है। यह मैदान देश की खाद्यान्न आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सर्वाधिक योगदान देता है। इसलिए इसे देश का मुख्य कृषि केंद्र माना जाता है। यह अत्यंत उपजाऊ है।

NODIA

48. (C) गुजरात
गुजरात भारत का सबसे लंबी तटीय रेखा वाला राज्य है, जिसकी कुल तटरेखा लगभग 1,214.7 किलोमीटर लंबी है। इसके तटीय मुहानों और खाड़ियों की अनूठी संरचना इसे यह लंबाई प्रदान करती है। आंध्र प्रदेश देश में दूसरी सबसे लंबी तटरेखा वाला राज्य है। यह तटरेखा समुद्री व्यापार, बंदरगाहों तथा मत्स्य उद्योग के लिए अत्यधिक अनुकूल स्थितियाँ उत्पन्न करती है। यह मुख्य तटीय राज्य है।

49. (B) माही
माही नदी भारत की एकमात्र ऐसी प्रमुख नदी है जो कर्क रेखा को दो बार पार करती है। यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वत क्षेत्र से निकलती है और राजस्थान तथा गुजरात राज्यों से होकर प्रवाहित होती है। अंत में यह नदी खंभात की खाड़ी में गिरकर अरब सागर में विलीन हो जाती है। यह इसकी एक अत्यंत विशिष्ट भौगोलिक पहचान है।

50. (D) श्रीलंका
श्रीलंका भारत का एक पड़ोसी द्वीपीय देश है, किंतु यह भारत के साथ कोई भी स्थलीय सीमा साझा नहीं करता है। यह पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी द्वारा भारतीय भूभाग से पृथक होता है। भूटान, अफगानिस्तान तथा म्यांमार जैसे अन्य सभी देश भारत के साथ प्रत्यक्ष स्थलीय सीमाएँ साझा करते हैं। यह एक समुद्री पड़ोसी देश माना जाता है। यह स्पष्ट अंतर है।

51. (A) कंचनजंगा
कंचनजंगा भारत के पूर्णतः अविवादित क्षेत्र में स्थित हिमालय की सबसे ऊँची पर्वत चोटी है। यह सिक्किम राज्य में स्थित है और इसकी कुल ऊँचाई 8,586 मीटर है। यह माउंट एवरेस्ट और K2 के पश्चात् विश्व की तीसरी सबसे ऊँची पर्वत चोटी मानी जाती है। यह सिक्किम की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक पहचान का एक प्रमुख प्रतीक सिद्ध होती है। यह विशाल पर्वत है।

52. (C) भांगर
उत्तरी विशाल मैदानों के पुराने जलोढ़ जमाव को 'भांगर' कहा जाता है। यह क्षेत्र नदी के बाढ़ के मैदान से ऊपर स्थित होता है और देखने में एक वेदिका जैसी संरचना प्रस्तुत करता है। इसमें चूना युक्त निक्षेप पाए जाते हैं जिन्हें कंकर कहा जाता है। यह खादर की तुलना में कम उपजाऊ होता है क्योंकि यहाँ नवीन मिट्टी नहीं जमा होती।

53. (A) महेंद्रगिरि
पारंपरिक और शैक्षणिक संदर्भों में ओडिशा राज्य में स्थित महेंद्रगिरि पर्वत चोटी को पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी स्वीकार किया जाता रहा है। इसकी ऊँचाई लगभग 1,501 मीटर है। इसके विपरीत, अनामुडी और डोडाबेट्टा पश्चिमी घाट की सर्वोच्च पर्वत चोटियाँ हैं। महेंद्रगिरि पूर्वी घाट के उत्तरी भाग में स्थित एक अत्यंत प्रसिद्ध और ऐतिहासिक पर्वत शिखर माना जाता है। यह प्रमुख शिखर है।

54. (D) सांभर झील
सांभर झील राजस्थान राज्य के थार मरुस्थलीय भाग में स्थित भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील है। यह एक प्रसिद्ध अंतःस्थलीय अपवाह का उदाहरण प्रस्तुत करती है जहाँ अनेक छोटी नदियाँ आकर समाहित होती हैं। इस झील के जल का उपयोग बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक नमक उत्पादन हेतु किया जाता है। यह एक महत्वपूर्ण जल निकाय माना जाता है।

55. (B) प्रवाल निक्षेपों से
अरब सागर में स्थित लक्षद्वीप समूह मुख्य रूप से प्रवाल निक्षेपों अर्थात कोरल रीफ से निर्मित हुए हैं। इनका निर्माण सूक्ष्म समुद्री जीवों पॉलीप्स के अवशेषों के लगातार जमाव से हुआ है। इन द्वीपों की स्थलाकृति उथली और अंगूठी के आकार वाली एटॉल संरचना दर्शाती है। यह द्वीप समूह अपनी अद्भुत समुद्री जैव विविधता के लिए विख्यात माना जाता है। यह प्रवाल द्वीप है।

56. (C) पश्चिमी विक्षोभ
उत्तर-पश्चिमी भारत में शीतकाल के समय होने वाली वर्षा मुख्य रूप से पश्चिमी विक्षोभ के कारण होती है। ये विक्षोभ भूमध्य सागर क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले चक्रवात हैं, जिन्हें पश्चिमी जेट स्ट्रीम भारत की ओर लाती हैं। यह हल्की वर्षा रबी की मुख्य फसल गेहूं के विकास हेतु अत्यंत लाभकारी सिद्ध होती है। इसे स्थानीय भाषा में मावट भी कहते हैं।

57. (D) क्रिस्टलीय शैलों में लोहे का प्रसार
लाल मृदा का लाल रंग मुख्य रूप से प्राचीन क्रिस्टलीय तथा कायांतरित चट्टानों में लोहे के ऑक्साइडों के व्यापक प्रसार के कारण होता है। जब इसमें लोहे का विसरण होता है तब यह लाल रंग धारण कर लेती है। जलयोजन के पश्चात यह पीली दिखाई देने लगती है। यह मृदा प्रायद्वीपीय भारत के कम वर्षा वाले भागों में पाई जाती है। यह कम उपजाऊ है।

58. (A) नर्मदा
नर्मदा नदी प्रायद्वीपीय भारत की उन प्रमुख नदियों में शामिल है जो पश्चिम दिशा की ओर बहती हैं और अरब सागर में गिरती हैं। इसका उद्गम मध्य प्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों से होता है। इसके विपरीत, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी अन्य सभी बड़ी नदियाँ पूर्व की ओर बहकर बंगाल की खाड़ी में समाहित हो जाती हैं। यह रिफ्ट वैली बनाती है।

59. (B) पश्चिम बंगाल
सिक्किम भारत का एक ऐसा विशेष राज्य है जो केवल एक ही भारतीय राज्य पश्चिम बंगाल के साथ अपनी सीमा साझा करता है। सिक्किम के दक्षिण में पश्चिम बंगाल राज्य अवस्थित है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह राज्य तीन देशों नेपाल, भूटान और चीन की सीमाओं से चारों ओर से घिरा हुआ है। यह एक महत्वपूर्ण सीमावर्ती पर्वतीय राज्य माना जाता है। यह विशिष्ट है।

60. (B) ग्रेट निकोबार द्वीप
भारतीय संघ का सबसे दक्षिणी बिंदु 'इंदिरा पॉइंट' के नाम से जाना जाता है, जो ग्रेट निकोबार द्वीप में स्थित है। यह स्थान 6°45' उत्तरी अक्षांश पर अवस्थित है। वर्ष 2004 की सुनामी के

Downloaded from www.pdf.tube

दौरान इसका काफी हिस्सा समुद्र में जलमग्न हो गया था। मुख्य भूमि का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जबकि यह संपूर्ण भारत का अंतिम बिंदु है। यह निकोबार में है।

61. (A) श्रीलंका
मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य भारत को उसके पड़ोसी देश श्रीलंका से पृथक करने वाले संकीर्ण जलमार्ग हैं। यह जलडमरूमध्य बंगाल की खाड़ी को हिंद महासागर के भाग मन्नार की खाड़ी से जोड़ता है। यह भौगोलिक अवस्थिति दोनों देशों के मध्य एक प्राकृतिक समुद्री सीमा का निर्धारण करती है। यह व्यापार एवं नौवहन के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह प्राकृतिक सीमा है।

62. (C) पीर पंजाल
पीर पंजाल श्रेणी ट्रांस-हिमालय क्षेत्र का भाग नहीं है, बल्कि यह लघु हिमालय की एक प्रमुख श्रेणी है। ट्रांस-हिमालय के अंतर्गत मुख्य रूप से काराकोरम, लद्दाख और जास्कर पर्वत श्रेणियाँ सम्मिलित हैं। पीर पंजाल श्रेणी जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश के क्षेत्र में विस्तृत है। यह श्रेणी अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और दर्रों के लिए जानी जाती है। यह लघु हिमालय का हिस्सा माना जाता है।

63. (D) पूर्वी तटीय मैदान अत्यधिक दंतुरित हैं और इनमें नदी डेल्टाओं का पूर्णतः अभाव है।
पूर्वी तटीय मैदानों में नदी डेल्टाओं का अभाव नहीं है, बल्कि यहाँ महानदी, गोदावरी, कृष्णा तथा कावेरी जैसी बड़ी नदियों द्वारा बनाए गए विशाल डेल्टा मौजूद हैं। इसके विपरीत, पश्चिमी तटीय मैदान संकरे हैं जहाँ नदियाँ डेल्टा न बनाकर ज्वारनदमुख का निर्माण करती हैं। इसलिए पूर्वी तट पर डेल्टाओं की उपस्थिति एक प्रमुख लक्षण मानी जाती है। यह सही भौगोलिक तथ्य प्रस्तुत करता है।

64. (C) लघु हिमालय (हिमाचल)
भारत के प्रमुख पर्वतीय नगर जैसे शिमला, मसूरी, नैनीताल और दार्जिलिंग मुख्य रूप से लघु हिमालय श्रेणी में अवस्थित हैं। यह श्रेणी महान हिमालय और शिवालिक श्रेणी के मध्य में पाई जाती है। यहाँ का सुहावना मौसम और प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसे हिमाचल हिमालय के नाम से भी जाना जाता है। यह लोकप्रिय पर्वतीय क्षेत्र माना जाता है।

65. (B) ब्रह्मपुत्र
हिमालय पर्वतमाला की सबसे पूर्वी भौगोलिक सीमा ब्रह्मपुत्र नदी की घाटी द्वारा निर्धारित होती है। नमचा बरवा चोटी के समीप ब्रह्मपुत्र नदी एक गहरा महाखड्ड बनाकर भारत में प्रवेश करती है। यहाँ से हिमालय दक्षिण की ओर मुड़कर पूर्वांचल की पहाड़ियों के रूप में फैल जाता है। यह नदी घाटी पूर्वी सीमा का स्पष्ट सीमांकन करती है। यह भौगोलिक मोड़ माना जाता है।

66. (D) आग्नेय और कायांतरित शैल
प्रायद्वीपीय पठार का अधिकांश भाग अत्यधिक प्राचीन आग्नेय और कायांतरित शैलों से निर्मित हुआ है। इनमें मुख्य रूप से ग्रेनाइट, नीस तथा बेसाल्ट जैसी कठोर चट्टानें शामिल हैं। यह गोंडवानालैंड का प्राचीन हिस्सा होने के कारण भूवैज्ञानिक रूप से अत्यंत स्थिर और दृढ़ माना जाता है। यह क्षेत्र विविध प्रकार के धात्विक और अधात्विक खनिजों से भरपूर माना जाता है। यह पुराना पठार है।

67. (A) ब्रह्मपुत्र
विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी के प्रवाह क्षेत्र में स्थित है। ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा लाए गए भारी अवसादों के जमाव से इस अद्वितीय नदी द्वीप की उत्पत्ति हुई है। यह स्थान असम की वैष्णव संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। यह एक अनूठी भौगोलिक संरचना प्रदर्शित करता है। यह बड़ा द्वीप है।

68. (C) भारतीय और यूरेशियन प्लेटों का टकराव
हिमालयी क्षेत्र में भूकंपों की उच्च संवेदनशीलता का मुख्य कारण भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट के मध्य होने वाला निरंतर विवर्तनिक टकराव है। भारतीय प्लेट लगातार उत्तर की ओर खिसक रही है, जिससे भू-गर्भ में अत्यधिक दबाव उत्पन्न होता है। यह तनाव जब अचानक मुक्त होता है तो तीव्र भूकंपीय तरंगें उत्पन्न होती हैं। इसलिए यह क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

69. (A) कर्क रेखा (23°30' उत्तर)
कर्क रेखा अर्थात 23°30' उत्तरी अक्षांश रेखा भारत के लगभग मध्य भाग से होकर गुजरती है और इसे दो बराबर हिस्सों में विभाजित करती है। इस रेखा के दक्षिण का भाग उष्णकटिबंधीय तथा उत्तर का भाग उपोष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह रेखा देश के तापमान और जलवायु संबंधी विविधताओं को निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाती है। यह प्रमुख अक्षांश है।

70. (D) ये बंदरगाह विकास, व्यापार और मत्स्य पालन को सुगम बनाते हैं।
भारत के तटीय मैदानों का मुख्य आर्थिक महत्व यह है कि ये बंदरगाह विकास, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार तथा मत्स्य पालन को अत्यधिक सुगम बनाते हैं। इन तटीय क्षेत्रों में अनेक प्रमुख बंदरगाह स्थित हैं जो देश के आयात-निर्यात व्यापार का मुख्य केंद्र हैं। साथ ही यहाँ की उपजाऊ मिट्टी और अनुकूल जलवायु तटीय कृषि को भी बढ़ावा देती है। यह आर्थिक संवर्धन करता है।

NODIA

अध्याय 11
भारत की नदियाँ, बाँध एवं झीलें

1. भागीरथी नदी निम्नलिखित में से किस हिमनद से निकलती है?
(A) सियाचिन हिमनद
(B) गंगोत्री हिमनद
(C) जेमू हिमनद
(D) पिंडारी हिमनद

2. प्रायद्वीपीय भारत में निम्नलिखित में से कौन-सी नदी प्रणाली भ्रंश घाटी से होकर प्रवाहित होने के लिए जानी जाती है?
(A) गोदावरी
(B) कृष्णा
(C) कावेरी
(D) नर्मदा

3. सिंधु नदी प्रणाली के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए।
(A) सतलुज नदी का उद्गम भारत की राजनीतिक सीमाओं के भीतर होता है।
(B) सिंधु नदी का उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के पास होता है।
(C) झेलम, चिनाब, रावी, व्यास और सतलुज इसकी मुख्य सहायक नदियाँ हैं।
(D) सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच इसके जल के वितरण को नियंत्रित करती है।

4. किसी वृक्ष की शाखाओं के समान दिखाई देने वाले अपवाह प्रतिरूप को वैज्ञानिक रूप से क्या कहा जाता है?
(A) अरीय प्रतिरूप
(B) जालीदार प्रतिरूप
(C) द्रुमाकृतिक प्रतिरूप
(D) अभिकेंद्री प्रतिरूप

5. भारत में प्रवेश करने से पहले तिब्बत से होकर बहते समय ब्रह्मपुत्र नदी को किस नाम से जाना जाता है?
(A) सांगपो
(B) जमुना
(C) मेघना
(D) पद्मा

6. नदी और उसकी सहायक नदी का निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?
(A) गंगा - पेनगंगा
(B) ब्रह्मपुत्र - रावी
(C) सिंधु - सोन
(D) यमुना - बेतवा

7. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी एक अपवाद है और हिमालयी अपवाह तंत्र से संबंधित नहीं है?
(A) गंगा
(B) गोदावरी
(C) सिंधु
(D) ब्रह्मपुत्र

8. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): नर्मदा और तापी नदियाँ अपने मुहाने पर बड़े डेल्टा का निर्माण नहीं करती हैं।
कारण (R): वे पथरीली भ्रंश घाटियों से होकर बहती हैं और बहुत कम अवसाद ले जाती हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: गंगा कार्य योजना (GAP) मुख्य रूप से नदी के जल की गुणवत्ता में सुधार के लिए शुरू की गई थी।
कथन II: गंगा कार्य योजना पूरी तरह से गैर-सरकारी संगठनों द्वारा बिना किसी राज्य की भागीदारी के प्रबंधित और वित्तपोषित है।
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है परंतु कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है परंतु कथन II सही है।

10. नदियों के निम्नलिखित समूह में से उनके अंतिम गंतव्य के आधार पर विषम का चयन कीजिए।
(A) लूनी
(B) गोदावरी
(C) कृष्णा
(D) महानदी

11. प्रायद्वीपीय भारत में अपने बड़े आकार और विस्तार के कारण किस नदी को प्रायः "दक्षिण गंगा" कहा जाता है?

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) कावेरी
(B) गोदावरी
(C) कृष्णा
(D) नर्मदा

12. महानदी का उद्गम किस भारतीय राज्य की उच्चभूमि से होता है?
(A) महाराष्ट्र
(B) छत्तीसगढ़
(C) ओडिशा
(D) मध्य प्रदेश

13. कावेरी नदी जल विवाद मुख्य रूप से किन दो भारतीय राज्यों के बीच है?
(A) कर्नाटक और तमिलनाडु
(B) महाराष्ट्र और गुजरात
(C) पंजाब और हरियाणा
(D) आंध्र प्रदेश और ओडिशा

14. तुंगभद्रा, कोयना और भीमा किस प्रायद्वीपीय नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं?
(A) गोदावरी
(B) कावेरी
(C) कृष्णा
(D) महानदी

15. सूची I की नदियों का सूची II में दिए गए उनके उद्गम स्थलों से मिलान कीजिए।
सूची I: (नदी)
P. गोदावरी
Q. कृष्णा
R. नर्मदा
S. कावेरी
सूची II: (उद्गम)
1. त्र्यंबकेश्वर
2. महाबलेश्वर
3. अमरकंटक
4. ब्रह्मगिरि पहाड़ियाँ
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-1, Q-3, R-2, S-4

16. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रमुख नदी अरब सागर में नहीं गिरती है?
(A) नर्मदा
(B) तापी
(C) महानदी
(D) साबरमती

17. तापी नदी का उद्गम निम्नलिखित में से किस पर्वत श्रृंखला में होता है?
(A) अरावली
(B) सतपुड़ा
(C) विंध्य
(D) पश्चिमी घाट

18. निम्नलिखित प्रायद्वीपीय नदियों को उत्तर से दक्षिण की ओर सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए।
1. महानदी
2. गोदावरी
3. कृष्णा
4. कावेरी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम का चयन कीजिए:
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 4, 3
(C) 4, 2, 1, 3
(D) 1, 3, 2, 4

19. किसी नदी का वह चौड़ा, कीपाकार मुहाना जहाँ नदी का स्वच्छ जल समुद्र के खारे जल से मिलता है, क्या कहलाता है?
(A) ज्वारनदमुख (एस्टुअरी)
(B) डेल्टा
(C) गोखुर झील
(D) विसर्प

20. विश्व के सबसे बड़े नदी द्वीप के रूप में मान्यता प्राप्त माजुली किस नदी प्रणाली में स्थित है?
(A) गंगा
(B) सिंधु
(C) ब्रह्मपुत्र
(D) गोदावरी

21. प्रसिद्ध भाखड़ा नांगल बाँध किस प्रमुख नदी पर बनाया गया है?
(A) सतलुज
(B) रावी
(C) चिनाब
(D) व्यास

22. विश्व के सबसे लंबे मिट्टी के बाँधों में से एक हीराकुड बाँध किस राज्य में स्थित है?
(A) झारखंड
(B) पश्चिम बंगाल
(C) छत्तीसगढ़
(D) ओडिशा

23. बाँध और नदी का निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?
(A) टिहरी - यमुना

NODIA

(B) सरदार सरोवर - नर्मदा
(C) भाखड़ा नांगल - गंगा
(D) हीराकुड - गोदावरी

24. टिहरी बाँध के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह भारत का सबसे ऊँचा बाँध है।
II. यह भागीरथी नदी पर बना है।
III. यह हिमाचल प्रदेश राज्य में स्थित है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

25. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रमुख बाँध राजस्थान राज्य में स्थित नहीं है?
(A) राणा प्रताप सागर बाँध
(B) बीसलपुर बाँध
(C) माही बजाज सागर बाँध
(D) गांधी सागर बाँध

26. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: सरदार सरोवर बाँध गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश को जल एवं विद्युत प्रदान करता है।
कथन II: राजस्थान को इस परियोजना से सिंचाई के जल का अपना हिस्सा नर्मदा नहर के माध्यम से प्राप्त होता है।
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है परंतु कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है परंतु कथन II सही है।

27. पश्चिमी राजस्थान में कृषि को रूपांतरित करने वाली इंदिरा गांधी नहर मुख्य रूप से किस बैराज से जल प्राप्त करती है?
(A) फरक्का बैराज
(B) हरिके बैराज
(C) कोटा बैराज
(D) कोसी बैराज

28. बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं के प्राथमिक कार्यों के संदर्भ में विषम का चयन कीजिए।
(A) जलविद्युत का उत्पादन
(B) भूजल का क्षरण
(C) बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई
(D) अंतर्देशीय नौवहन और मत्स्य पालन

29. किस प्रमुख भारतीय नेता ने आधुनिक बाँधों और बहुउद्देशीय परियोजनाओं को "आधुनिक भारत के मंदिर" कहा था?
(A) जवाहरलाल नेहरू
(B) महात्मा गांधी
(C) सरदार वल्लभभाई पटेल
(D) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

30. बड़े बाँधों के निर्माण का एक प्रमुख नकारात्मक पर्यावरणीय परिणाम निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(A) क्षेत्रीय वर्षा में अत्यधिक वृद्धि
(B) वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर में कमी
(C) वन क्षेत्रों का जलमग्न होना और विस्थापन
(D) क्षेत्रीय भूकंपों का पूर्ण उन्मूलन

31. भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील साँभर झील आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण स्थल है, जो किस राज्य में स्थित है?
(A) गुजरात
(B) महाराष्ट्र
(C) हरियाणा
(D) राजस्थान

32. प्रसिद्ध खारे पानी की लैगून और पारिस्थितिक हॉटस्पॉट चिल्का झील किस राज्य के तट पर स्थित है?
(A) आंध्र प्रदेश
(B) तमिलनाडु
(C) ओडिशा
(D) केरल

33. तटीय रोधकों या प्रवाल भित्तियों द्वारा मुख्य समुद्र से अलग किए गए उथले जल निकाय को किस रूप में परिभाषित किया जाता है?
(A) जलडमरूमध्य
(B) लैगून
(C) स्थलडमरूमध्य
(D) फिओर्ड

34. निम्नलिखित में से किसे मीठे पानी की झील के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है?
(A) वूलर झील
(B) डल झील
(C) भीमताल झील
(D) पैंगोंग त्सो

35. झील और राज्य के उस युग्म की पहचान कीजिए जो गलत सुमेलित है।
(A) पुलिकट झील - केरल
(B) लोकतक झील - मणिपुर
(C) वूलर झील - जम्मू और कश्मीर
(D) लोनार झील - महाराष्ट्र

36. भारत में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील के रूप में जानी जाने वाली वूलर झील में मुख्य रूप से किस नदी से जल आता है?
(A) सिंधु
(B) रावी
(C) झेलम

NODIA

(D) चिनाब

37. राजस्थान की झीलों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: पिछोला और फतेह सागर उदयपुर में स्थित प्रमुख कृत्रिम मीठे पानी की झीलें हैं।
कथन II: साँभर झील प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली खारे पानी की झील है और व्यावसायिक नमक उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र है।
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है परंतु कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है परंतु कथन II सही है।

38. निम्नलिखित में से कौन-सी झील भौगोलिक रूप से राजस्थान में स्थित नहीं है?
(A) राजसमंद झील
(B) नक्की झील
(C) पुष्कर झील
(D) कोलेरु झील

39. शीत ऋतु के दौरान चिल्का जैसी बड़ी उथली झीलों का सबसे महत्वपूर्ण पारिस्थितिक महत्व क्या है?
(A) वे उत्तरी राज्यों के लिए पीने के स्वच्छ जल के प्रमुख स्रोत के रूप में कार्य करती हैं।
(B) वे प्रवासी पक्षियों के लिए शीतकालीन आवास स्थल के रूप में कार्य करती हैं।
(C) वे अत्यधिक मात्रा में स्वच्छ भू-तापीय बिजली का उत्पादन करती हैं।
(D) वे रबी की फसलों के लिए उपयुक्त सूखे उपजाऊ मैदानों में बदल जाती हैं।

40. किस प्रसिद्ध भारतीय झील के बारे में वैज्ञानिकों का यह मानना है कि इसका निर्माण एक उच्च-वेग उल्कापिंड के प्रभाव से हुआ था?
(A) वेम्बनाड झील
(B) हुसैन सागर
(C) लोनार झील
(D) रूपकुंड झील

41. भारत का निम्नलिखित में से कौन-सा प्रमुख द्वीप समूह पूरी तरह से अरब सागर में स्थित है?
(A) अंडमान द्वीप समूह
(B) निकोबार द्वीप समूह
(C) श्रीलंका
(D) लक्षद्वीप

42. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भौगोलिक रूप से बंगाल की खाड़ी को अपने पूर्व में स्थित किस आसन्न जल निकाय से अलग करते हैं?
(A) अंडमान सागर
(B) अरब सागर
(C) लाल सागर
(D) मन्नार की खाड़ी

43. पश्चिम की ओर बहने वाली प्रायद्वीपीय नदियाँ, नर्मदा और तापी, अपना जल किस विशिष्ट खाड़ी में गिराती हैं?
(A) कच्छ की खाड़ी
(B) खंभात की खाड़ी
(C) मन्नार की खाड़ी
(D) फ़ारस की खाड़ी

44. एशिया के दक्षिणी तट के साथ पश्चिम से पूर्व की ओर यात्रा करते समय निम्नलिखित जल निकायों का सही भौगोलिक क्रम चुनिए।
(A) बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, खंभात की खाड़ी, कच्छ की खाड़ी
(B) कच्छ की खाड़ी, खंभात की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, बंगाल की खाड़ी
(C) मन्नार की खाड़ी, कच्छ की खाड़ी, खंभात की खाड़ी, बंगाल की खाड़ी
(D) कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, बंगाल की खाड़ी, खंभात की खाड़ी

45. भारत का निम्नलिखित में से कौन-सा पड़ोसी देश हिंद महासागर या उसके सीमांत सागरों के साथ सीधी समुद्री सीमा साझा नहीं करता है?
(A) नेपाल
(B) श्रीलंका
(C) मालदीव
(D) बांग्लादेश

46. स्थलखंड में महासागर का एक बड़ा प्रवेश मार्ग, जिसका मुहाना आमतौर पर एक सामान्य खाड़ी की तुलना में संकरा होता है, कहलाता है:
(A) जलडमरूमध्य
(B) चैनल
(C) गल्फ़ (खाड़ी)
(D) प्रायद्वीप

47. गैर-ध्रुवीय क्षेत्रों में सबसे लंबे हिमनदों में से एक और जल का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत, सियाचिन ग्लेशियर किस पर्वत श्रृंखला में स्थित है?
(A) पीर पंजाल
(B) जास्कर
(C) धौलाधर
(D) काराकोरम

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): भारत में हिमनदीय झीलें मुख्य रूप से उच्च ऊँचाई

Downloaded from www.pdf.tube

वाले हिमालयी क्षेत्र में पाई जाती हैं।
कारण (R): इन झीलों का निर्माण हिमनदों के अपरदनात्मक कार्यों और तत्पश्चात बर्फ तथा हिम के पिघलने से होता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

49. गंगा नदी का प्राथमिक स्रोत गंगोत्री हिमनद भौगोलिक रूप से किस भारतीय राज्य में स्थित है?
(A) हिमाचल प्रदेश
(B) उत्तराखंड
(C) सिक्किम
(D) अरुणाचल प्रदेश

50. भारत को घेरने वाले जल निकायों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: अरब सागर भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट पर स्थित है।
कथन II: बंगाल की खाड़ी भारतीय प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर स्थित है।
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है परंतु कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है परंतु कथन II सही है।

51. भारत में क्षेत्रीय बाढ़ और सूखे की समस्याओं को हल करने के लिए प्रमुख नदियों को जोड़ने वाले 'राष्ट्रीय जल ग्रिड' की अवधारणा का समर्थन किस पूर्व केंद्रीय मंत्री और इंजीनियर ने किया था?
(A) डॉ. के.एल. राव
(B) एम. विश्वेश्वरैया
(C) ई. श्रीधरन
(D) वर्गीज कुरियन

52. केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का उद्देश्य केन नदी से अधिशेष जल को बेतवा बेसिन में स्थानांतरित करना है। ये नदियाँ मुख्य रूप से किन दो राज्यों से होकर बहती हैं?
(A) राजस्थान और गुजरात
(B) महाराष्ट्र और कर्नाटक
(C) मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश
(D) बिहार और झारखंड

53. नदी में प्रदूषण को कम करने के लिए भारत सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर गंगा कार्य योजना (GAP) चरण-I किस वर्ष शुरू किया गया था?
(A) 1972
(B) 1985
(C) 1992
(D) 2014

54. निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि भारत में नदी प्रदूषण की समस्या में मुख्य कारक नहीं है?
(A) अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट का विसर्जन
(B) नगरपालिका के ठोस कचरे और सीवेज का निस्तारण
(C) कृषि खेतों से रासायनिक उर्वरकों का बहकर आना
(D) वनीकरण और नदियों के किनारों पर वृक्षारोपण

55. भारत में नदी जोड़ो परियोजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका प्राथमिक उद्देश्य जल-अधिशेष वाले नदी बेसिनों से जल को जल की कमी वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित करना है।
II. इसका उद्देश्य कृषि के लिए मानसून पर भारत की निर्भरता को पूरी तरह से समाप्त करना है।
III. इसमें सिंचाई के साथ-साथ महत्वपूर्ण जलविद्युत उत्पन्न करने की क्षमता शामिल है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

56. बाँधों के माध्यम से बहते नदी के जल के बल का उपयोग करके उत्पन्न की जाने वाली स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा को क्या कहा जाता है?
(A) भू-तापीय ऊर्जा
(B) सौर ऊर्जा
(C) जलविद्युत
(D) जैवभार (बायोमास) ऊर्जा

57. भारत में कृषि क्षेत्र के लिए सदाबहार नदियों का सबसे प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ क्या है?
(A) वे खेतों को बाहरी खतरों से सुरक्षित रखने वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के रूप में कार्य करती हैं।
(B) वे खेतों में संश्लेषित रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर देती हैं।
(C) वे बड़े मालवाहक जहाजों को अन्य देशों में कृषि फसलों का परिवहन करने की अनुमति देती हैं।
(D) वे सिंचाई के लिए जल की विश्वसनीय आपूर्ति प्रदान करती हैं।

58. सूची I में दिए गए अंतर-राज्यीय नदी जल विवादों का सूची II में शामिल राज्यों से मिलान कीजिए।
सूची I: (विवाद)
P. कावेरी जल विवाद
Q. सतलुज-यमुना लिंक (एस.वाई.एल.)
R. महादायी जल विवाद
S. नर्मदा जल विवाद

NODIA

सूची II: (शामिल राज्य)
1. गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र
2. कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी
3. पंजाब, हरियाणा
4. गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान

(A) P-2, Q-3, R-1, S-4
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-1, R-2, S-3
(D) P-2, Q-4, R-1, S-3

59. विषम का चयन कीजिए। निम्नलिखित में से किसे नदी जल का गैर-उपभोगी उपयोग माना जाता है (जहाँ प्रणाली से जल निकाला नहीं जाता है)?
(A) पेयजल आपूर्ति
(B) अंतर्देशीय नौवहन
(C) कृषि सिंचाई
(D) औद्योगिक निर्माण

60. प्रदूषण के प्रभावी उन्मूलन और राष्ट्रीय नदी गंगा के संरक्षण के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए 2014 में केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत प्रमुख एकीकृत संरक्षण मिशन का क्या नाम है?
(A) स्वच्छ गंगा अभियान
(B) नमामि गंगे कार्यक्रम
(C) क्लीन इंडिया गंगा मिशन
(D) गंगा पुनरुद्धार परियोजना

61. देश में जल संसाधनों के नियोजन, विकास और प्रबंधन का व्यापक ढांचा राष्ट्रीय जल नीति में रेखांकित किया गया है। इसमें अंतिम बार व्यापक संशोधन किस वर्ष किया गया था?
(A) 1987
(B) 2002
(C) 2012
(D) 2020

62. छतों और खुले मैदानों से वर्षा के जल को बह जाने से पहले एकत्र और संग्रहीत करने की प्रक्रिया मुख्य रूप से किस रूप में जानी जाती है?
(A) ड्रिप सिंचाई
(B) क्लाउड सीडिंग
(C) वर्षा जल संचयन
(D) जलभृत ह्रास

63. वह भूमि क्षेत्र जो वर्षा के जल को एकत्र करता है और संपूर्ण जल को किसी विशिष्ट धारा, नदी या झील में प्रवाहित या निर्देशित करता है, उसे क्या कहा जाता है?
(A) जल स्तर
(B) जलभृत
(C) बाढ़ का मैदान
(D) जलविभाजक/जलग्रहण क्षेत्र

64. निम्नलिखित में से किसे जल संसाधन प्रबंधन और संरक्षण की विधि के बजाय एक हानिकारक अभ्यास माना जाता है?
(A) मौसमी धाराओं पर चेक डैम का निर्माण करना
(B) स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म-सिंचाई प्रणालियों को लागू करना
(C) भूजल का अंधाधुंध अत्यधिक दोहन
(D) नगरपालिका और औद्योगिक अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण और उपचार करना

65. भारत की जल संसाधन प्रबंधन नीति के सामान्य सिद्धांतों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह जल को एक दुर्लभ और मूल्यवान आर्थिक संसाधन के रूप में मानने की आवश्यकता पर बल देती है।
II. यह जल संसाधनों के विकेंद्रीकृत प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देती है।
III. यह मानव पेयजल की आवश्यकताओं की तुलना में औद्योगिक शीतलन जल की मांगों को प्राथमिकता देती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

66. भारत के प्रमुख बाँधों के आधार पर, निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म अपने स्थान के संबंध में असत्य सुमेलित है?
(A) मेत्तूर बाँध - तमिलनाडु
(B) तुंगभद्रा बाँध - कर्नाटक
(C) इडुक्की बाँध - केरल
(D) नागार्जुन सागर बाँध - महाराष्ट्र

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: हिमालयी क्षेत्र में स्थित अधिकांश प्राकृतिक झीलें हिमनदीय उद्गम की हैं।
कथन II: प्रायद्वीपीय पठारी क्षेत्र में अधिकांश प्राकृतिक झीलें मरुस्थलीय परिस्थितियों में बड़े पैमाने पर पवन अपरदन द्वारा निर्मित होती हैं।
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है परंतु कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है परंतु कथन II सही है।

68. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद भारतीय संघात्मक व्यवस्था में एक पुनरावृत्त मुद्दा हैं।
कारण (R): प्रमुख भारतीय नदियाँ अक्सर कई राज्यों की राजनीतिक सीमाओं को पार करती हैं, और जल की मांग अक्सर उपलब्धता से अधिक हो जाती है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

Click Here to Buy book on Amazon

(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

69. अपनी समृद्ध समुद्री जैव विविधता के लिए जानी जाने वाली मन्नार की खाड़ी हिंद महासागर में भारत और किस अन्य देश के बीच स्थित है?
(A) श्रीलंका
(B) मालदीव
(C) म्यांमार
(D) बांग्लादेश

70. सूची I की प्रमुख भारतीय नदियों का सूची II में दी गई उनकी महत्वपूर्ण सहायक नदियों से मिलान कीजिए।
सूची I: (नदी)
P. गंगा
Q. सिंधु
R. यमुना
S. गोदावरी
सूची II: (सहायक नदी)
1. चंबल
2. गोमती
3. इंद्रावती
4. झेलम
(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-3, Q-1, R-4, S-2
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

www.nodia.in

NODIA

3. पश्चिम बंगाल
4. राजस्थान

(A) P-4, Q-2, R-1, S-3
(B) P-2, Q-4, R-3, S-1
(C) P-2, Q-3, R-4, S-1
(D) P-3, Q-4, R-2, S-1

10. भारत सरकार द्वारा हाथियों, उनके आवासों और गलियारों की सुरक्षा के लिए 'प्रोजेक्ट एलीफेंट' किस वर्ष शुरू किया गया था?
(A) 1972
(B) 1992
(C) 1986
(D) 2002

11. निम्नलिखित संरक्षित क्षेत्रों में से कौन-सा बेमेल है क्योंकि वह राजस्थान में स्थित है, जबकि अन्य मध्य प्रदेश में स्थित हैं?
(A) रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान
(B) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
(C) बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
(D) पन्ना राष्ट्रीय उद्यान

12. IUCN रेड लिस्ट मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किसके बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करती है?
(A) सदस्य देशों के वन आवरण सांख्यिकी और भूमि-उपयोग परिवर्तन
(B) खतरनाक औद्योगिक रसायनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमन
(C) जैविक प्रजातियों की संरक्षण स्थिति और उनके विलुप्त होने का जोखिम
(D) यूनेस्को द्वारा वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बायोस्फीयर रिजर्व की आधिकारिक सूची

13. आधुनिक कैमरा ट्रैपिंग मानक बनने से पहले भारत में बाघों की गणना के लिए किस पारंपरिक पद्धति का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था?
(A) हवाई फोटोग्राफी गणना
(B) मृदा से प्रत्यक्ष डीएनए निष्कर्षण
(C) सभी बाघों का उपग्रह रेडियो-कॉलरिंग
(D) पगमार्क (पदचिह्न) ट्रैकिंग पद्धति

14. मानव-वन्यजीव संघर्ष के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?
(A) आवास विखंडन जानवरों के रहने के स्थान को कम करता है, जिससे संघर्ष की संभावना बढ़ जाती है।
(B) घने वन क्षेत्रों में कृषि का विस्तार संघर्ष का एक प्रमुख अंतर्निहित कारण है।
(C) मानव-वन्यजीव संघर्ष मानव जीवन को प्रभावित करता है लेकिन इसका वन्यजीवों की आबादी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
(D) जंगली हाथियों और जंगली सूअरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाना भारत में इस संघर्ष का एक सामान्य उदाहरण है।

15. भारत में निम्नलिखित प्रमुख वन्यजीव संरक्षण परियोजनाओं के शुरू होने का सही कालानुक्रम (सबसे पहले से सबसे बाद) चुनिए:
(A) प्रोजेक्ट टाइगर → प्रोजेक्ट एलीफेंट → प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड
(B) प्रोजेक्ट एलीफेंट → प्रोजेक्ट टाइगर → प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड
(C) प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड → प्रोजेक्ट टाइगर → प्रोजेक्ट एलीफेंट
(D) प्रोजेक्ट टाइगर → प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड → प्रोजेक्ट एलीफेंट

16. 'मैन एंड द बायोस्फीयर' (MAB) कार्यक्रम के तहत भारत में स्थापित पहला बायोस्फीयर रिजर्व कौन-सा था?
(A) नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व
(B) सुंदरबन बायोस्फीयर रिजर्व
(C) मन्नार की खाड़ी बायोस्फीयर रिजर्व
(D) नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व

17. मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान किस दुर्लभ समुद्री स्तनधारी के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है?
(A) डुगोंग (समुद्री गाय)
(B) ब्लू व्हेल
(C) गांगेय डॉल्फिन
(D) वालूस

18. भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, जो वन्यजीव संरक्षण के लिए मुख्य कानूनी ढांचा तैयार करता है, किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?
(A) 1972
(B) 1980
(C) 1986
(D) 2002

19. मध्य प्रदेश का कान्हा राष्ट्रीय उद्यान विशेष रूप से किस पशु की आबादी के सफल संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए प्रसिद्ध है?
(A) हार्ड-ग्राउंड बारहसिंगा
(B) नीलगिरि तहर
(C) संगाई (ब्रो-एंटीलर हिरण)
(D) हंगुल (कश्मीर स्टैग)

20. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह राजस्थान के भरतपुर जिले में स्थित है।
II. इसे आधिकारिक तौर पर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।
III. यह मध्य एशिया के प्रवासी पक्षियों के लिए एक प्रसिद्ध

Downloaded from www.pdf.tube

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

10. (A) लूनी
लूनी नदी अंतर्देशीय अपवाह प्रणाली का एक उदाहरण है जो राजस्थान के अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात के कच्छ के रण में विलुप्त हो जाती है और किसी भी महासागर में नहीं गिरती है। इसके विपरीत गोदावरी, कृष्णा और महानदी नदियाँ प्रायद्वीपीय भारत की मुख्य पूर्व-वाहिनी नदियाँ हैं जो विशाल डेल्टा का निर्माण करते हुए अंततः बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती हैं। इसलिए लूनी अपने अंतिम गंतव्य के आधार पर अन्य नदियों से भिन्न है।

11. (B) गोदावरी
गोदावरी नदी प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी और सबसे बड़ी नदी प्रणाली है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1465 किलोमीटर है। अपने विशाल आकार, बड़े अपवाह बेसिन और सांस्कृतिक महत्व के कारण इसे प्रायः "दक्षिण गंगा" या "वृद्ध गंगा" के रूप में संबोधित किया जाता है। यह नदी महाराष्ट्र के नासिक जिले में पश्चिमी घाट की ढलानों से निकलती है और दक्षिण-पूर्व की ओर बहते हुए आंध्र प्रदेश के तट पर बंगाल की खाड़ी में विलीन हो जाती है।

12. (B) छत्तीसगढ़
महानदी का उद्गम मध्य भारत में छत्तीसगढ़ राज्य के धमतरी जिले में स्थित सिहावा की पहाड़ियों और उच्चभूमि क्षेत्र से होता है। यह नदी छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों से बहते हुए ओडिशा राज्य में प्रवेश करती है और संबलपुर के पास हीराकुड बाँध का निर्माण करती है। लगभग 851 किलोमीटर की दूरी तय करने के पश्चात् यह ओडिशा के तट पर एक विशाल डेल्टा बनाती हुई बंगाल की खाड़ी में विलीन हो जाती है, जो अत्यंत उपजाऊ है।

13. (A) कर्नाटक और तमिलनाडु
कावेरी नदी जल विवाद मुख्य रूप से कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों के बीच जल के बंटवारे को लेकर एक दीर्घकालिक अंतर-राज्यीय संघर्ष है। कावेरी नदी कर्नाटक के कोडागु जिले में स्थित ब्रह्मगिरि पहाड़ियों से निकलती है और तमिलनाडु से होकर बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है। यद्यपि इस विवाद में केरल राज्य और पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश भी पक्षकार हैं, परंतु मुख्य तनाव ऊपरी तटवर्ती राज्य कर्नाटक और निचले तटवर्ती राज्य तमिलनाडु के बीच ही केंद्रित है।

14. (C) कृष्णा
तुंगभद्रा, कोयना, भीमा, घाटप्रभा, मालप्रभा और मूसी नदियाँ कृष्णा नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं। कृष्णा नदी प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे बड़ी पूर्व-वाहिनी नदी है, जिसका उद्गम महाराष्ट्र में महाबलेश्वर के निकट पश्चिमी घाट से होता है। यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों से होकर प्रवाहित होती है तथा बंगाल की खाड़ी में विलीन होने से पूर्व एक विशाल उपजाऊ डेल्टा का निर्माण करती है।

15. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
गोदावरी नदी का उद्गम महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्र्यंबकेश्वर से होता है, जबकि कृष्णा नदी महाबलेश्वर के निकट से निकलती है। नर्मदा नदी का उद्गम स्थल मध्य प्रदेश में अमरकंटक का पठार है, तथा कावेरी नदी कर्नाटक के कोडागु जिले की ब्रह्मगिरि पहाड़ियों से निकलती है। ये सभी नदियाँ प्रायद्वीपीय भारत के मुख्य अपवाह तंत्र का निर्माण करती हैं और क्षेत्रीय कृषि व्यवस्था तथा जल प्रबंधन में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती हैं।

16. (C) महानदी
महानदी प्रायद्वीपीय भारत की एक प्रमुख पूर्व-वाहिनी नदी है जो छत्तीसगढ़ की उच्चभूमि से निकलती है और ओडिशा से होकर बहते हुए बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती है। इसके विपरीत नर्मदा, तापी और साबरमती नदियाँ पश्चिम की ओर प्रवाहित होने वाली मुख्य नदियाँ हैं जो खंभात की खाड़ी के माध्यम से अरब सागर में विलीन होती हैं। पूर्व की ओर बहने वाली महानदी अपने मुहाने पर एक विशाल डेल्टा का निर्माण करती है।

17. (B) सतपुड़ा
तापी नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में स्थित सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के मुलताई नामक स्थान से होता है। यह प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण पश्चिम-वाहिनी नदी है, जो सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला में स्थित भ्रंश घाटी से होकर प्रवाहित होती है। तापी नदी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा गुजरात राज्यों से होकर बहती है और सूरत के निकट खंभात की खाड़ी में जाकर अरब सागर में गिरती है।

18. (A) 1, 2, 3, 4
भारत के मानचित्र पर प्रायद्वीपीय पूर्व-वाहिनी नदियों का उत्तर से दक्षिण की ओर भौगोलिक क्रम महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी है। इनमें से महानदी सबसे उत्तर में छत्तीसगढ़ और ओडिशा में स्थित है। गोदावरी महाराष्ट्र से निकलकर मध्य प्रायद्वीप से बहती है। इसके दक्षिण में कृष्णा नदी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से गुजरती है, जबकि कावेरी नदी सबसे दक्षिण में स्थित होकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

19. (A) ज्वारनदमुख (एस्टुअरी)
ज्वारनदमुख किसी नदी का वह कीपाकार मुहाना होता है जहाँ नदी का बहता हुआ मीठा जल समुद्र के खारे जल के साथ मिश्रित होता है। ज्वार-भाटे के प्रभाव के कारण यहाँ समुद्री जल नियमित रूप से प्रवेश करता है और नदी द्वारा लाए गए अवसादों को हटाता है। भारत में नर्मदा और तापी जैसी नदियाँ, जो कठोर भ्रंश घाटियों से होकर बहती हैं, अपने मुहाने पर ज्वारनदमुख का निर्माण करती हैं जो अत्यंत प्रसिद्ध हैं।

20. (C) ब्रह्मपुत्र
माजुली द्वीप भारत के असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी के मध्य स्थित विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। इसका निर्माण ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों द्वारा लाए गए अवसादों के निरंतर निक्षेपण से हुआ है। माजुली असम की वैष्णव संस्कृति का एक प्रमुख केंद्र है। हालांकि, नदी अपरदन और बाढ़ के कारण इस द्वीप का भौगोलिक क्षेत्रफल समय के साथ धीरे-धीरे घट रहा है, जो चिंता का विषय है।

NODIA

69. (A) श्रीलंका
मन्नार की खाड़ी एक उथली खाड़ी है जो हिंद महासागर में भारत के दक्षिण-पूर्वी सिरे और श्रीलंका के पश्चिमी तट के बीच स्थित है। यह खाड़ी अपने समृद्ध समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, प्रवाल भित्तियों, समुद्री घास और दुर्लभ जीवों सहित उच्च जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। भारत ने इसे देश का पहला समुद्री जैवमंडल निचय घोषित किया हुआ है।

70. (B) P-1, Q-2, R-3, S-4
गंगा नदी की सहायक नदियों में गोमती शामिल है जो इसके बाएं तट पर मिलती है। झेलम नदी सिंधु नदी प्रणाली की एक मुख्य सहायक नदी है जो कश्मीर घाटी से प्रवाहित होती है। चंबल नदी यमुना की सबसे प्रमुख सहायक नदी है जो मालवा पठार से निकलती है, तथा इंद्रावती नदी गोदावरी नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

33. (B) लैगून
लैगून एक उथला तटीय जल निकाय होता है जो समुद्र या महासागर से किसी रेतीले रोधक, तटीय स्पिट या प्रवाल भित्ति द्वारा आंशिक रूप से या पूरी तरह पृथक होता है। इसमें सामान्यतः समुद्र का खारा जल भरा होता है, हालाँकि कभी-कभी नदियों का मीठा जल भी मिलता है। भारत में चिल्का और पुलिकट इसके प्रमुख भौगोलिक उदाहरण माने जाते हैं।

34. (D) पैंगोंग त्सो
पैंगोंग त्सो लद्दाख के उच्च हिमालयी क्षेत्र में 4350 मीटर की ऊँचाई पर स्थित एक अंतर्देशीय खारे पानी की झील है, जो भारत और चीन के मध्य फैली है। यह एक बंद द्रोणी वाली झील है जिसका कोई बाहरी निकास मार्ग नहीं है, जिससे जल में लवणता पाई जाती है। इसके विपरीत वूलर, डल तथा भीमताल मीठे पानी की प्राकृतिक झीलें हैं।

35. (A) पुलिकट झील - केरल
पुलिकट झील भारत की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून झील है, जो मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों की सीमा पर स्थित है, न कि केरल में। इसका अधिकांश भाग आंध्र प्रदेश में पड़ता है। दूसरी ओर, लोकतक झील मणिपुर में, वूलर जम्मू और कश्मीर में, तथा लोनार महाराष्ट्र में स्थित पूर्णतः सही सुमेलित युग्म हैं।

36. (C) झेलम
वूलर झील भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के बांदीपोरा जिले में स्थित मीठे पानी की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील है। इस झील का निर्माण मुख्य रूप से विवर्तनिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप हुआ था। झेलम नदी इस झील के माध्यम से प्रवाहित होती है और इसे निरंतर स्वच्छ जल प्रदान करती है, जो स्थानीय जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है।

37. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
उदयपुर शहर में स्थित पिछोला झील और फतेह सागर झील मानव निर्मित कृत्रिम मीठे पानी की प्रसिद्ध झीलें हैं, जिन्हें जल आवश्यकताओं के लिए बनाया गया था। इसके साथ ही, साँभर झील राजस्थान की प्राकृतिक खारे पानी की झील है, जो व्यावसायिक नमक उत्पादन का प्रमुख केंद्र है। अतः राजस्थान की झीलों के संबंध में दिए गए दोनों कथन भौगोलिक रूप से पूर्णतः सही हैं।

38. (D) कोलेरु झील
कोलेरु झील भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झीलों में से एक है, जो आंध्र प्रदेश राज्य में कृष्णा और गोदावरी नदियों के डेल्टा के मध्य स्थित है। यह भौगोलिक रूप से राजस्थान में स्थित नहीं है। इसके विपरीत, राजसमंद झील, नक्की झील और पुष्कर झील सभी राजस्थान राज्य में स्थित अत्यंत प्रसिद्ध तथा ऐतिहासिक झीलें मानी जाती हैं।

39. (B) वे प्रवासी पक्षियों के लिए शीतकालीन आवास स्थल के रूप में कार्य करती हैं।
शीत ऋतु के दौरान चिल्का झील जैसी विशाल उथली झीलें भारतीय उपमहाद्वीप में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पारिस्थितिक भूमिका निभाती हैं। मध्य एशिया, साइबेरिया और मंगोलिया क्षेत्रों से आने वाले लाखों प्रवासी पक्षियों के लिए यह झील एक सुरक्षित शीतकालीन आश्रय और भोजन स्थल प्रदान करती है, जो पक्षियों के जीवन चक्र और जैव विविधता के संरक्षण हेतु अति आवश्यक माना जाता है।

40. (C) लोनार झील
लोनार झील महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में स्थित एक अति प्रसिद्ध राष्ट्रीय भू-विरासत स्थल है। वैज्ञानिकों और भूविज्ञानियों का मानना है कि इस झील का निर्माण लगभग 52,000 वर्ष पूर्व पृथ्वी से टकराने वाले एक उच्च-वेग उल्कापिंड के प्रभाव से हुआ था। यह बेसाल्टिक चट्टान में निर्मित एकमात्र प्रभाव क्रेटर झील है, जिसका जल अत्यधिक क्षारीय एवं खारा होता है।

41. (D) लक्षद्वीप
लक्षद्वीप भारत का सबसे छोटा केंद्र शासित प्रदेश है, जो पूरी तरह से अरब सागर में स्थित एक प्रवाल द्वीप समूह है। यह प्रायद्वीपीय भारत के केरल तट से लगभग 200 से 440 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस द्वीप समूह में कुल 36 द्वीप शामिल हैं, जिनमें से केवल 10 पर मानव आबादी निवास करती है। कावारत्ती इसकी राजधानी है।

42. (A) अंडमान सागर
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित द्वीपों की श्रृंखला हैं। भौगोलिक रूप से यह द्वीप समूह अपने पश्चिम में स्थित बंगाल की खाड़ी को पूर्व में स्थित अंडमान सागर से पृथक करता है। अंडमान सागर पूर्व में म्यांमार और थाईलैंड के तटों को स्पर्श करता है तथा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

43. (B) खंभात की खाड़ी
नर्मदा और तापी मध्य भारत की दो मुख्य पश्चिम-वाहिनी नदियाँ हैं, जो भ्रंश घाटियों से होकर प्रवाहित होती हैं। ये दोनों नदियाँ गुजरात राज्य के तटीय क्षेत्र में स्थित खंभात की खाड़ी में अपना जल गिराती हैं, जो अंततः अरब सागर में विलीन हो जाता है। खंभात की खाड़ी में गिरते समय ये नदियाँ विशाल ज्वारनदमुख का निर्माण करती हैं।

44. (B) कच्छ की खाड़ी, खंभात की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, बंगाल की खाड़ी
एशिया के दक्षिणी तट के साथ पश्चिम से पूर्व की ओर यात्रा करते समय जल निकायों का सही भौगोलिक क्रम कच्छ की खाड़ी, खंभात की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और बंगाल की खाड़ी है। कच्छ और खंभात गुजरात के तट पर स्थित हैं। मन्नार की खाड़ी दक्षिण में भारत और श्रीलंका के मध्य है, जबकि बंगाल की खाड़ी पूर्व में विस्तृत है।

Downloaded from www.pdf.tube

45. (A) नेपाल
नेपाल एक पूर्णतः भू-आबद्ध देश है जो पूरी तरह से स्थल भाग से घिरा हुआ है और इसकी कोई भी सीमा हिंद महासागर से नहीं मिलती है। नेपाल उत्तर में चीन तथा दक्षिण में भारत से घिरा है। इसके विपरीत, श्रीलंका और मालदीव द्वीपीय देश हैं, जबकि बांग्लादेश की बंगाल की खाड़ी के साथ विस्तृत सीधी समुद्री सीमा लगती है।

46. (C) गल्फ़ (खाड़ी)
गल्फ़ भौगोलिक रूप से समुद्र या महासागर का वह बड़ा जल निकाय होता है जो चारों ओर से काफी हद तक भूमि द्वारा घिरा होता है और जिसका मुहाना सामान्य खाड़ी की तुलना में अधिक संकरा होता है। मेक्सिको की खाड़ी, फ़ारस की खाड़ी, कच्छ की खाड़ी और खंभात की खाड़ी इसके प्रमुख विश्व प्रसिद्ध उदाहरण माने जाते हैं।

47. (D) काराकोरम
सियाचिन हिमनद हिमालय के पूर्वी काराकोरम पर्वत श्रृंखला में स्थित है, जो ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर विश्व का दूसरा सबसे लंबा हिमनद है। इसकी लंबाई लगभग 76 किलोमीटर है। यह सामरिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है। सियाचिन हिमनद नुब्रा नदी का प्राथमिक स्रोत है, जो आगे चलकर श्योक नदी में मिलती है और सिंधु प्रणाली का हिस्सा बनती है।

48. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
भारत में अधिकांश प्राकृतिक हिमनदीय झीलें उच्च ऊँचाई वाले हिमालयी क्षेत्र में स्थित हैं। इन झीलों की उत्पत्ति हिमनदों द्वारा किए जाने वाले अपरदन से बने गड्ढों में बर्फ के पिघले जल के जमाव से होती है। चूंकि प्रायद्वीपीय क्षेत्र में हिमनद नहीं हैं, इसलिए ऐसी झीलें केवल हिमालय में पाई जाती हैं। अतः कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

49. (B) उत्तराखंड
गंगोत्री हिमनद भारत के उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित वृहत् हिमालय का एक विशाल हिमनद है। यह हिमनद लगभग 30 किलोमीटर लंबा और 2 से 4 किलोमीटर चौड़ा है। गंगोत्री हिमनद का निचला हिस्सा गोमुख कहलाता है, जहाँ से भागीरथी नदी निकलती है। यह हिमनद उत्तर भारत की नदियों हेतु सतत जल का एक प्रमुख स्रोत माना जाता है।

50. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
भारतीय प्रायद्वीप तीन ओर से विशाल जल निकायों से घिरा हुआ है। अरब सागर भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के साथ स्थित है, जो गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल को स्पर्श करता है। दूसरी ओर, बंगाल की खाड़ी पूर्वी तट पर स्थित है, जो तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को स्पर्श करती है। अतः दोनों कथन सत्य हैं।

51. (A) डॉ. के.एल. राव
भारत में क्षेत्रीय बाढ़ और सूखे की समस्याओं को दूर करने के लिए नदियों को जोड़ने वाले 'राष्ट्रीय जल ग्रिड' का विचार 1970 के दशक में प्रसिद्ध इंजीनियर एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. के.एल. राव ने प्रस्तुत किया था। उन्होंने गंगा नदी के अधिशेष जल को दक्षिण भारत की कावेरी नदी तक पहुँचाने हेतु प्रस्ताव दिया था, जिससे जल संकट समाप्त हो सके।

52. (C) मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश
केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना भारत की पहली प्रमुख राष्ट्रीय नदी-जोड़ो परियोजना है, जो मुख्य रूप से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों में विस्तृत है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य केन नदी के अधिशेष जल को बेतवा नदी बेसिन में स्थानांतरित करना है, जिससे दोनों राज्यों के सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि सिंचाई और पेयजल आपूर्ति पूरी तरह सुचारू हो सके।

53. (B) 1985
गंगा कार्य योजना चरण-I की आधिकारिक शुरुआत जून 1985 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा की गई थी। यह भारत में किसी नदी के जल प्रदूषण को दूर करने के लिए शुरू किया गया पहला व्यापक नदी सफाई कार्यक्रम था। इस योजना का प्राथमिक लक्ष्य सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट को रोककर गंगा के जल को स्वच्छ बनाना था।

54. (D) वनीकरण और नदियों के किनारों पर वृक्षारोपण
नदियों के तटों पर वनीकरण और वृक्षारोपण करना एक अत्यंत सकारात्मक पर्यावरण-अनुकूल गतिविधि है, जो मृदा अपरदन को रोकती है तथा नदी पारिस्थितिकी को सुदृढ़ करती है। यह गतिविधि किसी भी प्रकार से प्रदूषण का कारण नहीं बनती है। इसके विपरीत, औद्योगिक अपशिष्ट, सीवेज और रासायनिक उर्वरक नदियों में जल प्रदूषण फैलाने वाले मुख्य एवं अत्यधिक हानिकारक कारक माने जाते हैं।

55. (B) केवल I और III
भारत में राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का मुख्य उद्देश्य जल-अधिशेष वाले नदी बेसिनों से अतिरिक्त जल को जल की कमी वाले और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में स्थानांतरित करना है। इसके साथ ही इसमें व्यापक सिंचाई और जलविद्युत क्षमता शामिल है। हालाँकि, कथन II असत्य है क्योंकि यह योजना मानसून पर भारतीय कृषि की निर्भरता को पूरी तरह से समाप्त नहीं कर सकती है।

56. (C) जलविद्युत
जलविद्युत ऊर्जा का एक स्वच्छ, प्रदूषण रहित और नवीकरणीय स्रोत है, जो बाँधों में एकत्र किए गए या बहते हुए नदी के जल की गतिज ऊर्जा को टरबाइन के माध्यम से विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करके उत्पन्न की जाती है। चूँकि इसमें किसी जीवाश्म ईंधन का दहन नहीं होता है, इसलिए यह कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायक सिद्ध होती है।

NODIA

57. (D) वे सिंचाई के लिए जल की विश्वसनीय आपूर्ति प्रदान करती हैं।
भारत में सदाबहार नदियाँ, जैसे गंगा और सिंधु, उच्च हिमालयी क्षेत्रों के हिमनदों के पिघलने तथा वर्षा से वर्ष भर जल प्राप्त करती हैं। कृषि क्षेत्र के लिए इनका सबसे प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ यह है कि वे पूरे वर्ष, विशेष रूप से शुष्क मौसम में, सिंचाई हेतु जल की निरंतर आपूर्ति प्रदान करती हैं, जिससे किसान बहु-फसली खेती करने में सक्षम होते हैं।

58. (A) P-2, Q-3, R-1, S-4
कावेरी नदी जल विवाद मुख्य रूप से कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के बीच है। सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद पंजाब और हरियाणा के मध्य है। महादायी विवाद गोवा, कर्नाटक और महाराष्ट्र के मध्य है, जबकि नर्मदा जल विवाद गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के मध्य फैला है। यह सभी विवादों का सही एवं सटीक सुमेलित विवरण प्रस्तुत करता है।

59. (B) अंतर्देशीय नौवहन
अंतर्देशीय नौवहन को नदी के जल का एक गैर-उपभोगी उपयोग माना जाता है क्योंकि इसमें नावों और जहाजों के परिवहन हेतु जल का उपयोग होता है, परंतु जल निकाला नहीं जाता है। इसके विपरीत, पेयजल आपूर्ति, कृषि सिंचाई और औद्योगिक निर्माण उपभोगी उपयोग हैं, जिनमें नदी तंत्र से जल का वास्तविक निष्कर्षण होता है जिससे कुल जल मात्रा घटती है।

60. (B) नमामि गंगे कार्यक्रम
नमामि गंगे कार्यक्रम जून 2014 में भारत सरकार द्वारा 20,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ स्वीकृत एक एकीकृत संरक्षण मिशन है। इसके दो प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय नदी गंगा में प्रदूषण का प्रभावी उन्मूलन करना और इसके पारिस्थितिकी तंत्र का कायाकल्प तथा संरक्षण करना है। इस मिशन के तहत सीवेज उपचार, सफाई, जैव विविधता और वनीकरण जैसे विभिन्न कार्य किए जाते हैं।

61. (C) 2012
भारत की राष्ट्रीय जल नीति पहली बार 1987 में अपनाई गई थी, जिसके बाद इसमें वर्ष 2002 में संशोधन किया गया था, और इसका अंतिम व्यापक संशोधन वर्ष 2012 में किया गया था। राष्ट्रीय जल नीति 2012 जल को एक मूल्यवान संसाधन मानती है तथा पेयजल को प्राथमिकता देने और एकीकृत प्रबंधन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन तथा दिशा-निर्देश प्रदान करती है।

62. (C) वर्षा जल संचयन
वर्षा जल संचयन छतों, भवनों की सतहों और खुले मैदानों से बह जाने वाले वर्षा के जल को एकत्र करने, छानने और भविष्य में उपयोग के लिए संग्रहीत करने अथवा भूजल पुनर्भरण के लिए भूमि में भेजने की प्रक्रिया है। यह जल संरक्षण की एक अत्यंत प्रभावी तकनीक है जो गिरते भूजल स्तर को बढ़ाती है और जल संकट घटाती है।

63. (D) जलविभाजक/जलग्रहण क्षेत्र
जलग्रहण क्षेत्र या जलविभाजक वह विशिष्ट भौगोलिक भूमि क्षेत्र होता है जहाँ से वर्षा का समस्त जल ढलान का अनुसरण करते हुए नदियों या धाराओं के माध्यम से एकत्र होकर किसी एक ही निकास बिंदु, जैसे नदी या झील, में प्रवाहित होता है। जलविभाजक प्रबंधन जल और मृदा संरक्षण हेतु एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो पर्यावरणीय संतुलन हेतु आवश्यक है।

64. (C) भूजल का अंधाधुंध अत्यधिक दोहन
भूजल का अंधाधुंध और अत्यधिक दोहन एक अत्यंत हानिकारक अभ्यास है जो भूजल स्तर में तीव्र गिरावट, कुओं के सूखने तथा भूमि धंसाव जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। यह जल प्रबंधन का सही उपाय नहीं है। इसके विपरीत, चेक डैम, सूक्ष्म-सिंचाई और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के अत्यंत प्रभावी एवं वैज्ञानिक उपाय हैं।

65. (A) केवल I और II
भारत की जल संसाधन प्रबंधन नीति इस बात पर बल देती है कि जल एक सीमित, दुर्लभ और मूल्यवान आर्थिक संसाधन है जिसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। इसके साथ ही यह नीति विकेंद्रीकृत प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देती है। हालाँकि, तीसरा कथन असत्य है क्योंकि नीति में मानव पेयजल को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई है।

66. (D) नागार्जुन सागर बाँध - महाराष्ट्र
नागार्जुन सागर बाँध कृष्णा नदी पर निर्मित एक विशाल बाँध है, जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों की सीमा पर स्थित है, न कि महाराष्ट्र में। अतः यह स्थान के संदर्भ में असत्य सुमेलित युग्म है। इसके विपरीत, मेत्तूर बाँध तमिलनाडु में, तुंगभद्रा बाँध कर्नाटक में तथा इडुक्की बाँध केरल में स्थित सही एवं प्रामाणिक सुमेलित युग्म हैं।

67. (C) कथन I सही है परंतु कथन II गलत है।
हिमालयी क्षेत्र में स्थित अधिकांश प्राकृतिक झीलें हिमनदों की क्रियाओं, जैसे बर्फ के पिघलने से निर्मित हुई हैं, इसलिए कथन I सत्य है। हालाँकि, कथन II असत्य है क्योंकि प्रायद्वीपीय पठारी क्षेत्र में प्राकृतिक झीलें पवन अपरदन से नहीं बनती हैं, बल्कि इस क्षेत्र में अधिकांश झीलें तटीय लैगून, गोखुर झीलें या कृत्रिम जलाशय के रूप में पाई जाती हैं।

68. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
भारतीय संघात्मक व्यवस्था में अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद एक पुनरावृत्त और जटिल मुद्दा रहे हैं। इसका मुख्य भौगोलिक कारण यह है कि अधिकांश नदियाँ कई राज्यों की सीमाओं को पार करती हैं, जबकि जनसंख्या वृद्धि और कृषि के कारण जल की मांग उपलब्धता से अधिक हो गई है। अतः कारण (R), कथन (A) की सही और तार्किक व्याख्या करता है।

Click Here to Buy book on Amazon

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) गंगोत्री हिमनद
भागीरथी नदी उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री हिमनद के गोमुख नामक स्थान से उद्गमित होती है। यह हिमालय की एक प्रमुख नदी है, जो आगे चलकर देवप्रयाग में अलकनंदा नदी से मिलती है। इस संगम के पश्चात इस संयुक्त जलधारा को आधिकारिक रूप से गंगा नदी के नाम से जाना जाता है। गंगोत्री हिमनद भारत के विशाल हिमनदों में से एक है, जो इस क्षेत्र में सतत जल प्रवाह सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. (D) नर्मदा
प्रायद्वीपीय भारत में नर्मदा नदी विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य स्थित एक प्रसिद्ध भ्रंश घाटी से होकर पश्चिम दिशा में प्रवाहित होती है। भ्रंश घाटी के कठोर चट्टानी मार्ग से होकर बहने के कारण यह नदी अपने मुहाने पर विशाल डेल्टा का निर्माण नहीं करती है, बल्कि अरब सागर में गिरते समय ज्वारनदमुख बनाती है। यह प्रायद्वीपीय भारत की एक प्रमुख पश्चिम-वाहिनी नदी है, जिसका उद्गम मध्य प्रदेश के अमरकंटक पठार से होता है।

3. (A) सतलुज नदी का उद्गम भारत की राजनीतिक सीमाओं के भीतर होता है।
सतलुज नदी का उद्गम भारत की सीमाओं के भीतर न होकर तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट स्थित राक्षस ताल से होता है। यह नदी हिमाचल प्रदेश में शिपकी ला दर्रे से होकर भारत में प्रवेश करती है और सिंधु नदी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण सहायक नदी है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम भी तिब्बत के मानसरोवर क्षेत्र से ही होता है, और भारत एवं पाकिस्तान के बीच 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि द्वारा इसके जल का वितरण नियमित होता है।

4. (C) द्रुमाकृतिक प्रतिरूप
द्रुमाकृतिक अपवाह प्रतिरूप एक ऐसा भौगोलिक अपवाह ढांचा है जिसमें मुख्य नदी और उसकी सहायक नदियाँ मिलकर एक पेड़ तथा उसकी फैली हुई शाखाओं के समान संरचना बनाती हैं। यह प्रतिरूप सामान्यतः उन समतल अथवा मंद ढाल वाले क्षेत्रों में विकसित होता है जहाँ की चट्टानों की संरचना समान रूप से एकरूप और एकसमान रूप से अपरदनीय होती है। उत्तर भारत के विशाल मैदानी क्षेत्रों में प्रवाहित होने वाली नदियाँ मुख्य रूप से इसी प्रकार के द्रुमाकृतिक अपवाह प्रतिरूप का निर्माण करती हैं।

5. (A) सांगपो
ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत में मानसरोवर झील के पास स्थित चेमायुंगडुंग हिमनद से निकलती है, जहाँ इसे स्थानीय रूप से सांगपो या यरलुंग त्सांगपो के नाम से जाना जाता है। तिब्बत के शुष्क और समतल पठारी क्षेत्र में प्रवाहित होते समय इसमें जल एवं गाद की मात्रा तुलनात्मक रूप से कम होती है। भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने पर इसे दिहांग कहा जाता है, तथा असम घाटी में अन्य सहायक नदियों के मिलने के बाद यह विशाल ब्रह्मपुत्र नदी का रूप धारण कर लेती है।

6. (D) यमुना - बेतवा
बेतवा नदी यमुना नदी की एक मुख्य दाहिने तट की सहायक नदी है, जो मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला से निकलकर उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में यमुना से मिलती है। पेनगंगा गोदावरी नदी की सहायक नदी है, जबकि रावी सिंधु नदी प्रणाली का हिस्सा है और सोन नदी गंगा की एक प्रमुख दक्षिण तटवर्ती सहायक नदी है। इस प्रकार यमुना और बेतवा का संबंध भौगोलिक एवं जल-अपवाह की दृष्टि से पूर्णतः सटीक और प्रामाणिक है।

7. (B) गोदावरी
गोदावरी नदी प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र से संबंधित है और यह पश्चिमी घाट में महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित त्र्यंबकेश्वर से निकलती है। इसके विपरीत गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियाँ हिमालयी अपवाह तंत्र की प्रमुख नदियाँ हैं, जो बारहमासी हैं और बर्फ पिघलने तथा वर्षा दोनों से जल प्राप्त करती हैं। प्रायद्वीपीय नदियाँ मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर होती हैं और उनका प्रवाह मौसमी होता है, जिससे गोदावरी हिमालयी नदियों से भिन्न विशेषताएँ प्रदर्शित करती है।

8. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
नर्मदा और तापी नदियाँ प्रायद्वीपीय भारत की कठोर चट्टानी भ्रंश घाटियों से होकर प्रवाहित होती हैं। इन नदियों का मार्ग अत्यधिक कठोर और अपरदन-प्रतिरोधी चट्टानों से घिरा होने के कारण यह अपने साथ बहुत कम मात्रा में अवसाद या गाद बहाकर ले जाती हैं। इसके अतिरिक्त इनका तीव्र ढाल और जल का वेग मुहाने पर अवसादों के जमाव को रोकता है, जिसके परिणामस्वरूप ये नदियाँ अरब सागर में गिरते समय डेल्टा के बजाय ज्वारनदमुख का निर्माण करती हैं।

9. (C) कथन I सही है परंतु कथन II गलत है।
गंगा कार्य योजना 1985 में भारत सरकार द्वारा गंगा नदी के जल की गुणवत्ता में सुधार करने और प्रदूषण को कम करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ शुरू की गई थी। हालांकि यह कथन गलत है कि इसे केवल गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रबंधित किया जाता है, क्योंकि यह शत-प्रतिशत केंद्र प्रायोजित योजना थी जिसे केंद्रीय गंगा प्राधिकरण के तहत सरकारी तंत्र द्वारा संचालित और वित्तपोषित किया गया था। इसमें राज्य सरकारों की भी सक्रिय भागीदारी शामिल थी।

NODIA

अध्याय 12
भारत का वन्यजीव एवं अभयारण्य

1. भारत में वन्यजीव संरक्षण का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना और जैव विविधता का संरक्षण करना
(B) राजस्व सृजन के लिए अनियंत्रित शिकार को बढ़ावा देना
(C) शेष वन क्षेत्र को कृषि भूमि में परिवर्तित करना
(D) केवल सार्वजनिक मनोरंजन के लिए जंगली जानवरों को पकड़ना

2. भारत का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा है, जिसे 1936 में संकटग्रस्त बंगाल टाइगर के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया था?
(A) काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान
(B) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
(C) जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान
(D) गिर राष्ट्रीय उद्यान

3. प्रोजेक्ट टाइगर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह वर्ष 1973 में शुरू किया गया था।
II. यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
III. राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) इस परियोजना की देखरेख करने वाला एक सांविधिक निकाय है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

4. सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान किस प्रमुख जीव के प्राकृतिक आवास के रूप में विश्व प्रसिद्ध है?
(A) एशियाई शेर
(B) हिम तेंदुआ
(C) एक सींग वाला गेंडा
(D) रॉयल बंगाल टाइगर

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): मैंग्रोव वन तटीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
कारण (R): मैंग्रोव की घनी जड़ प्रणाली अवसादों को रोकती है तथा समुद्री तरंगों और तूफानी लहरों के प्रभाव को कम करती है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

6. गिर राष्ट्रीय उद्यान, जो विश्व में एशियाई शेर का एकमात्र प्राकृतिक आवास है, किस राज्य में स्थित है?
(A) राजस्थान
(B) मध्य प्रदेश
(C) गुजरात
(D) महाराष्ट्र

7. "वन्यजीव गलियारे" (वाइल्डलाइफ कॉरिडोर) की अवधारणा से क्या तात्पर्य है?
(A) एक प्राणी उद्यान जहाँ बंधक वन्यजीवों को जनता के प्रदर्शन के लिए रखा जाता है
(B) केवल सफारी वाहनों के लिए कोर वन क्षेत्रों से होकर बनाई गई पक्की सड़क
(C) अभयारण्यों के बीच वन्यजीवों के परिवहन के लिए उपयोग किया जाने वाला विशेष पिंजरा
(D) पृथक वन्यजीव आबादियों को जोड़ने वाली प्राकृतिक आवास की एक पट्टी

8. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान किस संकटग्रस्त प्रजाति के सफल संरक्षण के लिए वैश्विक स्तर पर जाना जाता है?
(A) एक सींग वाला गेंडा
(B) एशियाई शेर
(C) भारतीय हाथी
(D) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण)

9. सूची I में दिए गए राष्ट्रीय उद्यानों का सूची II में दिए गए उनके संबंधित राज्यों से मिलान कीजिए।
सूची I: (राष्ट्रीय उद्यान)
P. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
Q. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
R. सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान
S. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान
सूची II: (राज्य)
1. असम
2. मध्य प्रदेश

Downloaded from www.pdf.tube

21. (A) सतलुज
भाखड़ा नांगल परियोजना भारत की एक बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है जो उत्तरी भारत में सतलुज नदी पर निर्मित की गई है। यह बाँध पंजाब और हिमाचल प्रदेश की सीमाओं के निकट स्थित है तथा इसके जलाशय को गोविंद सागर कहा जाता है। यह परियोजना उत्तरी भारत के राज्यों को भारी मात्रा में सिंचाई जल और जलविद्युत प्रदान करती है, जिससे इस क्षेत्र में कृषि विकास में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

22. (D) ओडिशा
हीराकुड बाँध भारत के ओडिशा राज्य में संबलपुर जिले के निकट महानदी पर निर्मित एक ऐतिहासिक बहुउद्देशीय परियोजना है। यह दुनिया के सबसे लंबे मिट्टी के बाँधों में से एक है, जिसकी मुख्य बाँध की लंबाई लगभग 4.8 किलोमीटर है। इस बाँध का निर्माण महानदी में आने वाली बाढ़ों पर नियंत्रण पाने, सिंचाई सुविधाएँ उपलब्ध कराने और जलविद्युत उत्पादन के मुख्य उद्देश्य से किया गया था।

23. (B) सरदार सरोवर - नर्मदा
सरदार सरोवर बाँध गुजरात के केवड़िया में नर्मदा नदी पर निर्मित एक विशाल बहुउद्देशीय बाँध है। यह परियोजना गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों को सिंचाई जल तथा जलविद्युत प्रदान करती है। इसके विपरीत, टिहरी बाँध भागीरथी नदी पर, भाखड़ा सतलुज पर और हीराकुड महानदी पर बना है। अतः सरदार सरोवर तथा नर्मदा नदी का यह सुमेलित संबंध पूर्णतः सत्य एवं प्रामाणिक है।

24. (A) केवल I और II
टिहरी बाँध भारत का सबसे ऊँचा बाँध है, जिसकी ऊँचाई लगभग 260.5 मीटर है, और यह भागीरथी नदी पर निर्मित है। हालाँकि, तीसरा बिंदु असत्य है क्योंकि यह बाँध हिमाचल प्रदेश में नहीं, बल्कि उत्तराखंड राज्य के टिहरी गढ़वाल जिले में स्थित है। यह विशाल बाँध उत्तरी भारत के विभिन्न राज्यों को बिजली और जल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

25. (D) गांधी सागर बाँध
गांधी सागर बाँध चंबल नदी पर निर्मित चार प्रमुख बाँधों में से पहला बाँध है, परंतु यह भौगोलिक रूप से मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित है, न कि राजस्थान में। दूसरी ओर, राणा प्रताप सागर बाँध, बीसलपुर बाँध और माही बजाज सागर बाँध सभी राजस्थान राज्य में स्थित जल परियोजनाएँ हैं। यह मध्य प्रदेश में निर्मित एक प्रमुख एवं ऐतिहासिक बाँध है।

26. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
सरदार सरोवर परियोजना एक अंतर-राज्यीय बहुउद्देशीय ढांचा है जो गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों के लाभ के लिए बनाई गई है। यह परियोजना इन चारों राज्यों को पेयजल, सिंचाई जल तथा जलविद्युत शक्ति वितरित करती है। राजस्थान इस परियोजना से अपना सिंचाई जल नर्मदा मुख्य नहर के माध्यम से प्राप्त करता है, जिससे उसके मरुस्थलीय क्षेत्रों को कृषि विकास में अत्यधिक लाभ मिला है।

27. (B) हरिके बैराज
इंदिरा गांधी नहर, जिसे पहले राजस्थान नहर कहा जाता था, पंजाब के फ़िरोज़पुर जिले में सतलुज और व्यास नदियों के संगम पर स्थित हरिके बैराज से जल प्राप्त करती है। यहाँ से निकलने वाली यह विशाल नहर पश्चिमी राजस्थान के थार मरुस्थल के शुष्क जिलों में पेयजल तथा व्यापक सिंचाई सुविधा प्रदान करती है। इसने इस क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को पूरी तरह समृद्ध बनाया है।

28. (B) भूजल का क्षरण
बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं की योजना जल संसाधनों के सतत उपयोग के लिए बनाई जाती है, जिसके प्राथमिक कार्यों में जलविद्युत उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, मत्स्य पालन और अंतर्देशीय नौवहन शामिल हैं। इसके विपरीत, भूजल का क्षरण एक अत्यंत हानिकारक पर्यावरणीय दुष्प्रभाव है, जो किसी भी बहुउद्देशीय परियोजना का लक्ष्य नहीं हो सकता। अतः यह पूरी तरह से एक विषम विकल्प है।

29. (A) जवाहरलाल नेहरू
भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भाखड़ा नांगल जैसे बड़े बाँधों और बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं का उद्घाटन करते समय इन्हें "आधुनिक भारत के मंदिर" कहा था। उनका यह दृढ़ विश्वास था कि ये परियोजनाएँ कृषि विकास, औद्योगीकरण, बाढ़ नियंत्रण और विद्युतीकरण को एक साथ बढ़ावा देंगी, जिससे स्वतंत्र भारत का तीव्र आर्थिक विकास एवं जनकल्याण पूरी तरह संभव होगा।

30. (C) वन क्षेत्रों का जलमग्न होना और विस्थापन
विशाल बाँधों के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर जलाशयों का निर्माण किया जाता है, जिसके कारण हजारों हेक्टेयर समृद्ध प्राकृतिक वन क्षेत्र और जैव विविधता से परिपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह से जलमग्न हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, जलाशय क्षेत्र में आने वाले गांवों के निवासियों और स्थानीय समुदायों को विस्थापित होना पड़ता है, जो एक अत्यंत गंभीर पर्यावरणीय तथा सामाजिक समस्या है।

31. (D) राजस्थान
साँभर झील भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील है, जो राजस्थान राज्य में जयपुर, अजमेर और नागौर जिलों की सीमा पर स्थित है। यह झील अरावली पर्वतमाला के एक कटोरे के आकार के गर्त में स्थित है और इसे मौसमी नदियों से जल प्राप्त होता है। आर्थिक दृष्टि से यह बड़े पैमाने पर व्यावसायिक नमक उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र है।

32. (C) ओडिशा
चिल्का झील भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा राज्य में स्थित एशिया की सबसे बड़ी खारे पानी की तटीय लैगून झील है। दया नदी के मुहाने पर स्थित यह विशाल जल निकाय बंगाल की खाड़ी से एक संकीर्ण रेतीले रोधक द्वारा अलग होता है। चिल्का झील अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है तथा एक प्रमुख रामसर आर्द्रभूमि स्थल है।

NODIA

शीतकालीन प्रवास स्थल के रूप में कार्य करता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

21. भारत में एक राष्ट्रीय उद्यान और एक वन्यजीव अभयारण्य के बीच मुख्य मौलिक अंतर क्या है?
(A) अभयारण्य विशेष रूप से पक्षी प्रजातियों के लिए निर्दिष्ट होते हैं, जबकि राष्ट्रीय उद्यान केवल बड़े स्तनधारियों के लिए बनाए जाते हैं।
(B) अभयारण्य में चराई जैसी सीमित मानवीय गतिविधियों की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन राष्ट्रीय उद्यान में ये प्रतिबंधित होती हैं।
(C) अभयारण्य केवल केंद्र सरकार द्वारा स्थापित किए जाते हैं, जबकि राष्ट्रीय उद्यान निजी गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रबंधित होते हैं।
(D) राष्ट्रीय उद्यानों के लिए आधिकारिक तौर पर परिभाषित भौगोलिक सीमाओं की आवश्यकता नहीं होती है, जबकि वन्यजीव अभयारण्यों के लिए यह आवश्यक है।

22. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में सूचीबद्ध जीवों को पूर्ण कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाता है।
कारण (R): अनुसूची I के जीवों का अवैध शिकार, शिकार या व्यापार करने पर कानून के तहत उच्चतम दंड का प्रावधान है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

23. "रामसर स्थल" अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किस विशिष्ट प्रकार के पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए नामित एक क्षेत्र है?
(A) शुष्क मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र
(B) उच्च ऊंचाई वाले पर्वतीय ग्लेशियर
(C) उष्णकटिबंधीय सघन वर्षावन
(D) आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) और जल निकाय

24. ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण), जो आवास के नुकसान और विद्युत लाइनों से टकराने से अत्यधिक प्रभावित एक गंभीर रूप से संकटग्रस्त पक्षी प्रजाति है, किस राज्य का राज्य पक्षी है?
(A) राजस्थान
(B) गुजरात
(C) महाराष्ट्र
(D) मध्य प्रदेश

25. 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट' (ISFR) के अनुसार, "वन आवरण" (Forest Cover) की सही मूल परिभाषा क्या है?
(A) केवल वे भू-भाग जिन्हें सरकारी अभिलेखों में आधिकारिक तौर पर 'वन' के रूप में अधिसूचित किया गया है, चाहे वहाँ वृक्ष हों या न हों।
(B) 1 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली वे सभी भूमियाँ जिनमें वृक्ष कैनोपी (वितान) घनत्व 10% से अधिक हो।
(C) केवल 50% से अधिक वृक्ष कैनोपी घनत्व वाली वैश्विक स्तर की सभी भूमियाँ।
(D) वृक्षों वाला कोई भी छोटा क्षेत्र, भले ही वह 0.1 हेक्टेयर से कम हो।

26. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत, उन जानवरों के लिए किस शब्द का उपयोग किया जाता है जो मानव जीवन या संपत्ति के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं और जिन्हें आधिकारिक तौर पर शिकार करने की अनुमति दी जा सकती है?
(A) संकटग्रस्त प्रजाति
(B) वर्मिन (हानिकारक जीव)
(C) विलुप्त प्रजाति
(D) कीस्टोन प्रजाति

27. सूची I में दिए गए रामसर स्थलों का सूची II में दिए गए उनके संबंधित राज्यों से मिलान कीजिए।
सूची I: (रामसर स्थल)
P. चिल्का झील
Q. सांभर साल्ट लेक (सांभर झील)
R. वुलर झील
S. वेम्बनाड कोल आर्द्रभूमि
सूची II: (राज्य)
1. केरल
2. राजस्थान
3. जम्मू और कश्मीर
4. ओडिशा
(A) P-4, Q-2, R-3, S-1
(B) P-2, Q-4, R-1, S-3
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-3, Q-2, R-4, S-1

28. किस गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति का भारत में सबसे प्रमुख प्राकृतिक प्रजनन स्थल जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में स्थित डेजर्ट नेशनल पार्क (राष्ट्रीय मरु उद्यान) माना जाता है?
(A) खरमोर
(B) भारतीय गिद्ध
(C) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण)
(D) साइबेरियन क्रेन

29. निम्नलिखित में से कौन-सा पारिस्थितिक पर्यटन (इको-टूरिज्म) का सबसे उपयुक्त वर्णन है?
(A) संरक्षित क्षेत्रों के भीतर बड़े होटलों के निर्माण के माध्यम से मुख्य रूप से वाणिज्यिक राजस्व उत्पन्न करने के उद्देश्य

Click Here to Buy book on Flipkart

20. (D) I, II और III
केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के भरतपुर जिले में स्थित एक विश्व प्रसिद्ध पक्षी अभयारण्य है। इसे यूनेस्को द्वारा प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। यह कृत्रिम आर्द्रभूमि शीतकाल के दौरान मध्य एशिया, साइबेरिया और उत्तरी क्षेत्रों से आने वाले हजारों प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण विश्राम और प्रजनन स्थल के रूप में कार्य करती है। यहाँ पक्षियों की सैकड़ों दुर्लभ प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जो इसे अत्यंत खास बनाती हैं।

21. (B) अभयारण्य में चराई जैसी सीमित मानवीय गतिविधियों की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन राष्ट्रीय उद्यान में ये प्रतिबंधित होती हैं।
राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य दोनों ही कानूनी रूप से संरक्षित क्षेत्र हैं, परंतु उनके कानूनी प्रतिबंधों के स्तर में अंतर होता है। अभयारण्य में स्थानीय निवासियों को ईंधन की लकड़ी एकत्र करने या पशु चराने जैसी सीमित मानवीय गतिविधियों की अनुमति दी जा सकती है। इसके विपरीत, राष्ट्रीय उद्यान में उच्च स्तरीय सुरक्षा होती है जहाँ किसी भी प्रकार की मानवीय गतिविधि, वानिकी, चराई या निजी भूमि अधिकारों की पूरी तरह से मनाही होती है।

22. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची । में अत्यंत संकटग्रस्त और दुर्लभ जीवों को रखा गया है जिन्हें उच्चतम कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस अनुसूची में शामिल जानवरों जैसे बाघ, गेंडा और एशियाई शेर के अवैध शिकार या व्यापार पर कानून के तहत कठोरतम कारावास और भारी जुर्माने का स्पष्ट प्रावधान है। इस प्रकार कठोर दंड का प्रावधान ही इन जीवों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने की मुख्य वजह और आधार बनता है।

23. (D) आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) और जल निकाय
रामसर स्थल अंतर्राष्ट्रीय महत्व की उन आर्द्रभूमियों को कहा जाता है जिन्हें वर्ष 1971 में ईरान के रामसर शहर में अपनाए गए अंतर-सरकारी सम्मेलन के तहत नामित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दलदली भूमियों, झीलों, नदियों, मैंग्रोव और तटीय जल निकायों जैसे पारिस्थितिकी तंत्रों का संरक्षण और उनका सतत उपयोग सुनिश्चित करना है। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था पक्षियों, जलीय जीवों और जैव विविधता को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

24. (A) राजस्थान
ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जिसे स्थानीय भाषा में गोडावण कहा जाता है, राजस्थान का आधिकारिक राज्य पक्षी है। यह विशालकाय पक्षी शुष्क घास के मैदानों और अर्ध-शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करता है। दुर्भाग्य से आवास विखंडन, शिकार और बिजली की हाई-टेंशन तारों से टकराने के कारण इसकी संख्या अत्यधिक घट गई है। वर्तमान में यह अति-संकटग्रस्त श्रेणी में शामिल है और इसके संरक्षण के लिए राजस्थान में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

25. (B) 1 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली वे सभी भूमियाँ जिनमें वृक्ष कैनोपी (वितान) घनत्व 10% से अधिक हो।
भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट में वन आवरण को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार 1 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली ऐसी सभी भूमियाँ वन आवरण के अंतर्गत आती हैं जहाँ वृक्ष वितान या कैनोपी घनत्व 10 प्रतिशत से अधिक हो। इसमें भूमि के कानूनी स्वामित्व या उपयोग के प्रकार का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, अर्थात इसमें सरकारी वनों के साथ-साथ निजी बागान और बगीचे भी शामिल किए जाते हैं।

NODIA

26. (B) वर्मिन (हानिकारक जीव)
वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत राज्य सरकारें किसी निर्दिष्ट क्षेत्र में वन्यजीवों की कुछ प्रजातियों को एक निश्चित अवधि के लिए वर्मिन घोषित कर सकती हैं। यह प्रावधान तब लागू किया जाता है जब कोई विशेष जंगली जानवर मनुष्यों के जीवन, सुरक्षा या फसलों के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। वर्मिन घोषित किए जाने के बाद उस विशिष्ट जीव का शिकार करना या उसे नियंत्रित करना कानूनन अपराध की श्रेणी में नहीं आता है।

27. (A) P-4, Q-2, R-3, S-1
भारत में स्थित अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमियों का भौगोलिक वितरण अत्यंत समृद्ध है। ओडिशा में स्थित चिल्का झील भारत का सबसे बड़ा तटीय लैगून है। राजस्थान की सांभर साल्ट लेक एक प्रमुख आंतरिक खारे पानी की झील है। जम्मू और कश्मीर में स्थित वुलर झील ताजे पानी की एक विशाल प्राकृतिक झील है। इसी प्रकार, केरल में स्थित वेम्बनाड कोल आर्द्रभूमि भारत की सबसे लंबी और विशाल आर्द्रभूमि प्रणाली मानी जाती है।

28. (C) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण)
राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में स्थित राष्ट्रीय मरु उद्यान अत्यंत दुर्लभ और गंभीर रूप से संकटग्रस्त पक्षी गोडावण का मुख्य प्राकृतिक प्रजनन स्थल है। इस उद्यान का विशाल शुष्क मरुस्थलीय वातावरण, कंटीली झाड़ियाँ और घास के मैदान इस विशाल पक्षी के जीवन चक्र और सुरक्षा के लिए अत्यंत अनुकूल स्थितियाँ प्रदान करते हैं। इस पक्षी को बचाने के लिए मरु उद्यान में विशेष संरक्षण और निगरानी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

29. (D) प्राकृतिक क्षेत्रों की ऐसी जिम्मेदार यात्रा जो पर्यावरण का संरक्षण करती है और स्थानीय लोगों के कल्याण को बनाए रखती है
पारिस्थितिक पर्यटन या इको-टूरिज्म प्राकृतिक क्षेत्रों की एक ऐसी उत्तरदायी और टिकाऊ यात्रा अवधारणा है जो पर्यावरण को कोई नुकसान पहुँचाए बिना वन्यजीवों का अवलोकन करने पर बल देती है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना, पर्यटकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना तथा पर्यटन गतिविधियों से प्राप्त होने वाले आर्थिक लाभों को स्थानीय समुदायों के कल्याण के लिए साझा करना है, जिससे प्रकृति और मनुष्य दोनों का निरंतर विकास संभव हो सके।

39. ओडिशा का गहिरमाथा तट किस समुद्री प्रजाति के सामूहिक घोंसले के स्थान (अरिबादा) के रूप में विश्व भर में प्रसिद्ध है?
(A) लेदरबैक समुद्री कछुआ
(B) खारे पानी का मगरमच्छ
(C) हम्पबैक व्हेल
(D) ऑलिव रिडले समुद्री कछुआ

40. भारत में हाथियों के संरक्षण के लिए वन्यजीव गलियारों को अत्यंत आवश्यक क्यों माना जाता है?
(A) पर्याप्त भोजन और पानी की तलाश में हाथी वन क्षेत्रों के पार आवागमन (प्रवास) करते हैं।
(B) हाथियों को सफलतापूर्वक प्रजनन करने और जीवित रहने के लिए स्थायी रूप से घिरे हुए कोर अभयारण्यों की आवश्यकता होती है।
(C) गलियारे हाथियों को महावतों द्वारा सुरक्षित रूप से पालतू बनाए जाने के लिए एक पृथक कृत्रिम वातावरण प्रदान करते हैं।
(D) गलियारे बड़े प्राकृतिक शिकारियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करते हैं, जिससे छोटे हाथियों की सख्त सुरक्षा होती है।

41. ग्लोबल वार्मिंग मुख्य रूप से समुद्री कछुओं की प्रजनन अवस्था के दौरान उनकी आबादी को कैसे प्रभावित करती है?
(A) बढ़ता परिवेशी तापमान सरीसृप के अंडों के भौतिक आकार को काफी कम कर देता है, जिससे सफल अंडे से निकलना रुक जाता है।
(B) रेत का तापमान बच्चों (हैचलिंग्स) के लिंग का निर्धारण करता है, जिसके परिणामस्वरूप लिंगानुपात असंतुलित हो जाता है।
(C) उच्च तटीय तापमान समुद्री कछुओं को रेतीले तटीय समुद्र तटों के बजाय मीठे पानी के स्रोतों के पास अंडे देने के लिए मजबूर करता है।
(D) अत्यधिक गर्मी अंडों के बाहरी छिलके को असामान्य रूप से मोटा कर देती है, जिससे बच्चों का बाहर निकलना लगभग असंभव हो जाता है।

42. आधुनिक वन्यजीव गणना पद्धति में, बाघों की उनके अद्वितीय धारीदार पैटर्न (स्ट्राइप पैटर्न) के आधार पर व्यक्तिगत रूप से पहचान करने के लिए किस तकनीक का व्यापक और सटीक रूप से उपयोग किया जाता है?
(A) हवाई ड्रोन गणना
(B) कैमरा ट्रैपिंग
(C) दृश्य वाटरहोल (जलस्रोत) गणना
(D) स्थायी उपग्रह टेलीमेट्री

43. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह अपनी अत्यधिक संरक्षात्मक अनुसूचियों में सूचीबद्ध वन्यजीवों के शिकार को सख्ती से प्रतिबंधित करता है।
II. यह राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों की घोषणा के लिए कानूनी तंत्र प्रदान करता है।
III. इसने पूरे भारत में कहीं भी चिड़ियाघरों और जैविक उद्यानों के निर्माण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) केवल I और II

44. कुल आव्रत क्षेत्र के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा वर्तमान में भारत में नामित सबसे बड़ा रामसर स्थल (आर्द्रभूमि) है?
(A) चिल्का झील
(B) वेम्बनाड कोल आर्द्रभूमि
(C) सुंदरबन आर्द्रभूमि
(D) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

45. एक बायोस्फीयर रिजर्व के मानक क्षेत्रीकरण में, सबसे आंतरिक, अत्यधिक संरक्षित क्षेत्र को क्या कहा जाता है जहाँ किसी भी मानवीय हस्तक्षेप की अनुमति नहीं है?
(A) बफर क्षेत्र
(B) संक्रमण क्षेत्र
(C) आर्थिक क्षेत्र
(D) कोर क्षेत्र

46. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत, किसी क्षेत्र को आधिकारिक तौर पर वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने का प्राथमिक अधिकार किसके पास है?
(A) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
(B) भारत के राष्ट्रपति
(C) राज्य सरकार
(D) स्थानीय ग्राम पंचायत

47. भारत के किस राज्य को आमतौर पर "टाइगर स्टेट" (बाघ राज्य) के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह राष्ट्रीय गणनाओं में नियमित रूप से बाघों की सबसे अधिक संख्या दर्ज करता है?
(A) कर्नाटक
(B) मध्य प्रदेश
(C) उत्तराखंड
(D) महाराष्ट्र

48. सूची I में दिए गए पक्षी अभयारण्यों का सूची II में दिए गए उनके संबंधित राज्यों से मिलान कीजिए।
सूची I: (पक्षी अभयारण्य)
P. सलीम अली पक्षी अभयारण्य
Q. वेदांतंगल पक्षी अभयारण्य
R. रंगनथिट्टू पक्षी अभयारण्य
S. नल सरोवर पक्षी अभयारण्य
सूची II: (राज्य)
1. गुजरात
2. कर्नाटक
3. तमिलनाडु

NODIA

4. गोवा
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-2, R-3, S-1
(C) P-1, Q-3, R-2, S-4
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

49. माइक्स (MIKE) कार्यक्रम हाथियों के अवैध शिकार की निगरानी और संरक्षण से जुड़ी एक अंतर्राष्ट्रीय पहल है। इसकी स्थापना किस कन्वेंशन के तहत की गई थी?
(A) साइट्स (CITES)
(B) रामसर सम्मेलन
(C) जैव विविधता पर कन्वेंशन (CBD)
(D) यूएनएफसीसीसी (UNFCCC)

50. जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना 1936 में हुई थी। इसकी स्थापना के समय इसका मूल नाम क्या था?
(A) रामगंगा राष्ट्रीय उद्यान
(B) यूनाइटेड प्रोविंसेज राष्ट्रीय उद्यान
(C) हैली राष्ट्रीय उद्यान
(D) कुमाऊं राष्ट्रीय उद्यान

51. भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) व्यापक 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट' (ISFR) प्रकाशित करता है। यह सांख्यिकी रिपोर्ट कितनी आवृत्ति पर प्रकाशित की जाती है?
(A) प्रत्येक वर्ष
(B) प्रत्येक दो वर्ष में (द्विवार्षिक)
(C) प्रत्येक तीन वर्ष में
(D) प्रत्येक पांच वर्ष में

52. निम्नलिखित संरक्षित क्षेत्रों में से कौन-सा बेमेल है क्योंकि यह समुद्री राष्ट्रीय उद्यान या समुद्री संरक्षित क्षेत्र नहीं है?
(A) कच्छ की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान
(B) महात्मा गांधी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान
(C) मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान
(D) हेमिस राष्ट्रीय उद्यान

53. बायोस्फीयर रिजर्व और उसके संबंधित राज्य का निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?
(A) नंदा देवी - हिमाचल प्रदेश
(B) नोकरेक - मेघालय
(C) सिमलिपाल - झारखंड
(D) मानस - बिहार

54. कौन-सी प्रमुख नदी काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की उत्तरी सीमा बनाती है, जो इसकी पारिस्थितिकी को अत्यधिक प्रभावित करती है और वार्षिक बाढ़ का कारण बनती है?
(A) गंगा
(B) तीस्ता
(C) ब्रह्मपुत्र
(D) बराक

55. बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS) भारत में संरक्षण अनुसंधान में संलग्न सबसे पुराने और सबसे बड़े गैर-सरकारी संगठनों में से एक है। इसके आधिकारिक लोगो पर किस पक्षी का चित्र है?
(A) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
(B) साइबेरियन क्रेन
(C) भारतीय मोर
(D) ग्रेट हॉर्नबिल

56. भारत में शिकार विरोधी कानूनों को लागू करने और वन्यजीवों की तस्करी को नियंत्रित करने के संदर्भ में, संक्षिप्त नाम WCCB का पूर्ण रूप क्या है?
(A) वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो
(B) वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन एंड केयर बोर्ड
(C) वर्ल्ड क्लाइमेट कंट्रोल ब्यूरो
(D) वाइल्डलाइफ सेंसस कंट्रोल बोर्ड

57. राजस्थान में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान अभी भी अपने पूर्व नाम से लोकप्रिय है। वह नाम क्या है?
(A) सरिस्का टाइगर रिजर्व
(B) भरतपुर पक्षी अभयारण्य
(C) दर्रा वन्यजीव अभयारण्य
(D) ताल छापर अभयारण्य

58. हिम तेंदुआ ठंडे, पर्वतीय वातावरण के लिए अत्यधिक अनुकूलित है। यह निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में मुख्य रूप से पाया जाता है?
(A) केरल और तमिलनाडु
(B) लद्दाख और हिमाचल प्रदेश
(C) राजस्थान और गुजरात
(D) ओडिशा और पश्चिम बंगाल

59. वन्यजीव पर्यटन के प्रबंधन के संदर्भ में, "वहन क्षमता" (कैरिंग कैपेसिटी) शब्द का क्या अर्थ है?
(A) पर्यावरण का क्षरण किए बिना किसी प्राकृतिक क्षेत्र द्वारा सहने योग्य आगंतुकों की अधिकतम संख्या
(B) किसी पर्यटक को वन क्षेत्र में ले जाने के लिए अनुमत सामान का अधिकतम वजन
(C) किसी विशिष्ट राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में रहने वाले वयस्क बाघों की कुल संख्या
(D) इको-टूरिज्म विभाग द्वारा उत्पन्न किए जाने वाले अपेक्षित वार्षिक राजस्व की लक्षित राशि

60. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 ने मूल रूप से पौधों और जानवरों को छह अनुसूचियों में वर्गीकृत किया था। 2022 में एक प्रमुख संशोधन द्वारा अनुसूचियों की कुल संख्या को घटाकर कितना कर दिया गया?
(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) पांच

Downloaded from www.pdf.tube

61. राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA), जो प्रोजेक्ट टाइगर का मार्गदर्शन और देखरेख करता है, की औपचारिक अध्यक्षता किसके द्वारा की जाती है?
(A) भारत के प्रधानमंत्री
(B) वन महानिदेशक
(C) संबंधित बाघ राज्य के मुख्यमंत्री
(D) केंद्रीय पर्यावरण मंत्री

62. प्रवाल भित्तियाँ (कोरल रीफ्स), जिन्हें उनकी उच्च जैव विविधता के कारण अक्सर "समुद्र का वर्षावन" कहा जाता है, का प्रमुख रूप से किस भारतीय संरक्षित क्षेत्र में संरक्षण किया जाता है?
(A) सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान
(B) भीतरकणिका राष्ट्रीय उद्यान
(C) मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान
(D) डेजर्ट नेशनल पार्क (राष्ट्रीय मरु उद्यान)

63. भारत में संरक्षित क्षेत्रों के वर्गीकरण के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) संरक्षण रिजर्व (कंजर्वेशन रिजर्व) आम तौर पर मौजूदा राष्ट्रीय उद्यानों के बीच बफर क्षेत्र या प्रवास गलियारे के रूप में कार्य करते हैं।
(B) सामुदायिक रिजर्व (कम्युनिटी रिजर्व) का प्रबंधन स्थानीय भागीदारी के बिना केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है।
(C) राष्ट्रीय उद्यानों में वन्यजीव अभयारण्यों की तुलना में अधिक कठोरता और कानूनी संरक्षण होता है।
(D) राष्ट्रीय उद्यान के कोर क्षेत्र के भीतर घरेलू पशुओं की चराई पर पूरी तरह से प्रतिबंध होता है।

64. राजस्थान में दो वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त रामसर आर्द्रभूमि स्थल हैं। एक केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है। दूसरा कौन-सा है?
(A) आना सागर झील
(B) पिछोला झील
(C) नक्की झील
(D) सांभर साल्ट लेक (सांभर झील)

65. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत, वन्यजीवों की रक्षा के लिए स्वेच्छा से आगे आने वाले स्थानीय समुदायों के स्वामित्व वाले क्षेत्रों को कानूनी रूप से मान्यता देने के लिए विशेष रूप से किस श्रेणी के संरक्षित क्षेत्र की शुरुआत की गई थी?
(A) सामुदायिक रिजर्व
(B) बायोस्फीयर रिजर्व
(C) कोर क्षेत्र
(D) सफारी पार्क

66. वन्यजीव गणना की एक अपेक्षाकृत आधुनिक और गैर-आक्रामक पद्धति में प्रजातियों की पहचान, लिंग और व्यक्तिगत गिनती निर्धारित करने के लिए जानवरों के मल (स्कैट) का विश्लेषण शामिल है। यह पद्धति किस पर आधारित है?
(A) पारंपरिक पदचिह्न ट्रैकिंग
(B) बोलियों (ध्वनियों) की ध्वनिक निगरानी
(C) डीएनए विश्लेषण
(D) उच्च संकल्प उपग्रह इमेजिंग

67. निम्नलिखित में से कौन-सी वृक्ष प्रजाति डेल्टा क्षेत्र में सबसे प्रमुख है और सुंदरबन मैंग्रोव वन को उसका प्रसिद्ध नाम देती है?
(A) सुंदरी
(B) सागौन (सागवान)
(C) साल (सखुआ)
(D) बरगद

68. संगाई हिरण, जो ब्रो-एंटीलर हिरण की एक गंभीर रूप से संकटग्रस्त उप-प्रजाति है, विशिष्ट रूप से केवल केबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान में अपने प्राकृतिक आवास में पाया जाता है। यह उद्यान कहाँ स्थित है?
(A) असम
(B) मिजोरम
(C) त्रिपुरा
(D) मणिपुर

69. कृषि भूमि के पास मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए निम्नलिखित में से किसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली और प्रभावी शमन रणनीति माना जाता है?
(A) कृषि क्षेत्र के पास मौजूद सभी हाथियों को समाप्त करना
(B) मिर्च की रस्सियाँ या सक्रिय मधुमक्खी के छत्तों जैसी बायो-फेंसिंग (जैविक बाड़) लगाना
(C) दृश्यता बढ़ाने के लिए आसपास के क्षेत्रों के वनों की पूरी तरह कटाई करना
(D) जंगली हाथियों को पालतू बनाने के लिए गाँवों के भीतर खाना खिलाना

70. राष्ट्रीय उद्यानों में अनियंत्रित वन्यजीव पर्यटन का एक सामान्य नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव क्या है?
(A) संरक्षित क्षेत्रों के आसपास स्थानीय शिकार नेटवर्क का पूर्ण उन्मूलन
(B) इको-लॉज निर्माण के परिणामस्वरूप स्थानीय वन आवरण का तीव्र विस्तार
(C) आवास क्षरण, ध्वनि प्रदूषण और वन्यजीवों में अशांति/व्यवधान
(D) आने वाले पर्यटकों द्वारा पशु प्रजातियों की दीर्घकालिक आनुवंशिक ट्रैकिंग में सुधार

NODIA
www.nodia.in

से किया जाने वाला जन-पर्यटन
(B) केवल कड़ाई से नियंत्रित व्यावसायिक सफारी वातावरण के भीतर जंगली जानवरों के शिकार पर केंद्रित पर्यटन
(C) पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील कोर वन क्षेत्रों के भीतर निजी वाहनों को ऑफ-रोड चलाने की अनुमति देने वाला अनियंत्रित पर्यटन
(D) प्राकृतिक क्षेत्रों की ऐसी जिम्मेदार यात्रा जो पर्यावरण का संरक्षण करती है और स्थानीय लोगों के कल्याण को बनाए रखती है

30. किस अंतर्राष्ट्रीय समझौते का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली पशुओं और पौधों के नमूनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से उनके अस्तित्व को खतरा न हो?
(A) क्योटो प्रोटोकॉल
(B) मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल
(C) साइट्स (CITES)
(D) पेरिस समझौता

31. सामान्य भारतीय वन आंकड़ों के अनुसार निम्नलिखित राज्यों को उनके कुल वन आवरण क्षेत्र के घटते क्रम (सर्वोच्च से निम्नतम) में व्यवस्थित कीजिए:
1. अरुणाचल प्रदेश
2. मध्य प्रदेश
3. छत्तीसगढ़
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम चुनिए:
(A) 1, 2, 3
(B) 2, 1, 3
(C) 3, 2, 1
(D) 2, 3, 1

32. चिल्का झील, जो भारत का सबसे बड़ा तटीय लैगून और प्रवासी पक्षियों के लिए एक प्रमुख शीतकालीन प्रवास स्थल है, किस राज्य में स्थित है?
(A) आंध्र प्रदेश
(B) तमिलनाडु
(C) पश्चिम बंगाल
(D) ओडिशा

33. IUCN रेड लिस्ट श्रेणियों के तहत, यदि किसी प्रजाति को लंबे समय से जंगल (प्राकृतिक आवास) में नहीं देखा गया है और उसके अंतिम ज्ञात जीव की निश्चित रूप से मृत्यु हो चुकी है, तो उसे किस रूप में वर्गीकृत किया जाता है?
(A) विलुप्त
(B) संवेदनशील
(C) संकटग्रस्त
(D) संकट-निकट

34. भारत में रामसर स्थलों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?
(A) रामसर सम्मेलन आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए एक अंतर-सरकारी पर्यावरणीय संधि है।
(B) पारिस्थितिक चुनौतियों के कारण राजस्थान के केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में रखा गया था।
(C) भारत ने वर्ष 2023 तक किसी भी रामसर स्थल को मान्यता या नामित नहीं किया है।
(D) राजस्थान में सांभर साल्ट लेक अंतर्राष्ट्रीय महत्व का एक नामित रामसर स्थल है।

35. वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF), जो वन्यजीव संरक्षण में कार्यरत एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है, अपने आधिकारिक लोगो के रूप में किस जानवर का उपयोग करता है?
(A) जाइंट पांडा
(B) बाघ
(C) ब्लू व्हेल
(D) अफ्रीकी हाथी

36. 1973 में जब प्रोजेक्ट टाइगर कार्यक्रम शुरू किया गया था, तब किस प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान को इसके तहत सबसे पहले लाया गया था?
(A) बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान
(B) रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान
(C) सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान
(D) जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान

37. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): वैश्विक जलवायु परिवर्तन समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में व्यापक कोरल ब्लीचिंग (प्रवाल विरंजन) का कारण बन रहा है।
कारण (R): समुद्र की सतह के बढ़ते तापमान से कोरल पॉलीप्स तनावग्रस्त हो जाते हैं, जिससे वे अपने ऊतकों में रहने वाले सहजीवी शैवाल को बाहर निकाल देते हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

38. मैंग्रोव वनस्पति में विशेष श्वसन जड़ें होती हैं जो ऑक्सीजन लेने के लिए कीचड़ के ऊपर लंबवत ऊपर की ओर बढ़ती हैं। इन विशिष्ट जड़ों को क्या कहा जाता है?
(A) मूसला जड़ें
(B) रेशेदार जड़ें
(C) न्यूमैटोफोर (श्वसन जड़ें)
(D) प्रॉप जड़ें

Click Here to Buy book on Amazon

10. (B) 1992
भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा वर्ष 1992 में हाथियों के संरक्षण हेतु इस विशेष योजना की शुरुआत की गई थी। इस केंद्र प्रायोजित योजना का मुख्य उद्देश्य जंगली एशियाई हाथियों की आबादी, उनके आवासों और उनके पारंपरिक प्रवास गलियारों को सुरक्षा प्रदान करना है। इसके साथ ही यह योजना मानव-हाथी संघर्ष को कम करने, हाथियों के स्वास्थ्य की देखभाल करने तथा अवैध शिकार पर प्रभावी रोक लगाने में मदद करती है।

11. (A) रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान
रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जो अरावली और विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं के संगम पर बसा एक प्रसिद्ध बाघ आरक्षित क्षेत्र है। इसके विपरीत, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश राज्य में स्थित हैं। रणथंभौर अपने ऐतिहासिक किले, समृद्ध वनस्पति, झीलों और दिन के समय आसानी से दिखने वाले बाघों की उपस्थिति के लिए पूरे भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत प्रसिद्ध माना जाता है।

12. (C) जैविक प्रजातियों की संरक्षण स्थिति और उनके विलुप्त होने का जोखिम
अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ द्वारा जारी की जाने वाली लाल सूची वैश्विक स्तर पर पादप और पशु प्रजातियों की जैविक संरक्षण स्थिति का आकलन करने वाली सबसे प्रमाणिक और विश्वसनीय प्रणाली है। यह सूची प्रजातियों के विलुप्त होने के जोखिम, उनकी आबादी में गिरावट, भौगोलिक सीमा और आवास संबंधी खतरों का वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इसके आधार पर वैज्ञानिक, नीति निर्माता और संरक्षणवादी वैश्विक तथा राष्ट्रीय स्तर पर संरक्षण रणनीतियाँ तैयार करते हैं।

13. (D) पगमार्क (पदचिह्न) ट्रैकिंग पद्धति
भारत में बाघों की गणना के लिए पारंपरिक रूप से पदचिह्न ट्रैकिंग पद्धति का व्यापक उपयोग किया जाता था। इस विधि में वनों में बाघों के पैरों के निशानों की प्लास्टर ऑफ पेरिस से छाप ली जाती थी। प्रत्येक बाघ के पदचिह्न की लंबाई, चौड़ाई और उंगलियों के आकार का पैटर्न अद्वितीय होता है, जिससे उनकी संख्या और लिंग का अनुमान लगाया जाता था। यद्यपि आधुनिक समय में तकनीक उन्नत हुई है, पर यह ऐतिहासिक तरीका अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

14. (C) मानव-वन्यजीव संघर्ष मानव जीवन को प्रभावित करता है लेकिन इसका वन्यजीवों की आबादी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
मानव-वन्यजीव संघर्ष का नकारात्मक प्रभाव मानव समाज और वन्यजीव आबादी दोनों पर गहराई से पड़ता है। वनों की कटाई, कृषि विस्तार और बुनियादी ढांचे के विकास के कारण जानवरों के आवास छिन रहे हैं। जब वन्यजीव फसलों या मनुष्यों को नुकसान पहुँचाते हैं, तो इसके जवाब में ग्रामीण अक्सर प्रतिशोध में जानवरों की हत्या कर देते हैं। इस प्रकार यह संघर्ष वन्यजीवों की आबादी, विशेषकर संकटग्रस्त प्रजातियों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करता है।

15. (A) प्रोजेक्ट टाइगर → प्रोजेक्ट एलीफेंट → प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड
भारत में वन्यजीव संरक्षण परियोजनाओं का क्रियान्वयन विभिन्न चरणों में किया गया। बाघों की सुरक्षा के लिए वर्ष 1973 में बाघ संरक्षण परियोजना शुरू की गई थी। इसके उपरांत, एशियाई हाथियों और उनके गलियारों को संरक्षित करने के उद्देश्य से वर्ष 1992 में हाथी संरक्षण परियोजना शुरू की गई। अंततः, हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले हिम तेंदुए के संरक्षण हेतु वर्ष 2009 में हिम तेंदुआ परियोजना की शुरुआत की गई, जो इनके सही कालानुक्रम को दर्शाती है।

16. (D) नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व
नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व की स्थापना वर्ष 1986 में की गई थी और यह भारत का पहला बायोस्फीयर रिजर्व है जिसे यूनेस्को के मानव और जैव मण्डल कार्यक्रम के तहत मान्यता मिली। पश्चिमी घाट में फैला यह आरक्षित क्षेत्र तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक राज्यों के सीमावर्ती हिस्सों को आच्छादित करता है। यह बायोस्फीयर रिजर्व नीलगिरि तहर और शेर जैसी पूंछ वाले बंदर जैसी दुर्लभ प्रजातियों का घर है तथा समृद्ध जैव विविधता का प्रतिनिधित्व करता है।

17. (A) डुगोंग (समुद्री गाय)
मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान तमिलनाडु के तटीय क्षेत्र में स्थित है और यह भारत का एक प्रमुख समुद्री जीव संरक्षित क्षेत्र है। यह उद्यान विशेष रूप से अत्यंत दुर्लभ और संकटग्रस्त समुद्री स्तनधारी जीव 'डुगोंग' के संरक्षण के लिए जाना जाता है, जिसे सामान्य भाषा में समुद्री गाय भी कहा जाता है। यहाँ पाए जाने वाले उथले पानी और समुद्री घास के मैदान डुगोंग के आहार और अस्तित्व के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण निर्मित करते हैं।

18. (A) 1972
भारत की संसद द्वारा वर्ष 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम पारित किया गया था, जो देश में वन्य जीवों और वनस्पतियों की सुरक्षा का मुख्य कानूनी ढांचा तैयार करता है। इस अधिनियम का प्राथमिक उद्देश्य अवैध शिकार, तस्करी और वन्यजीवों के अंगों के व्यापार पर कठोर प्रतिबंध लगाना है। इसके साथ ही यह कानून राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और संरक्षित क्षेत्र घोषित करने तथा जानवरों को विभिन्न संरक्षण अनुसूचियों में वर्गीकृत करने की शक्ति प्रदान करता है।

19. (A) हार्ड-ग्राउंड बारहसिंगा
मध्य प्रदेश का कान्हा राष्ट्रीय उद्यान हार्ड-ग्राउंड बारहसिंगा की प्रजाति को विलुप्त होने की कगार से बचाकर उसके सफल पुनरुद्धार के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इस दुर्लभ हिरण प्रजाति को 'कान्हा का गहना' भी कहा जाता है। गहन आवास प्रबंधन, शिकार नियंत्रण और समर्पित संरक्षण प्रयासों के कारण कान्हा में बारहसिंगा की आबादी में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। यह उद्यान शुष्क और आर्द्र पर्णपाती वनों तथा घास के मैदानों का एक सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करता है।

एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में घूमना पड़ता है। वे मौसम के अनुसार भोजन और पानी की उपलब्धता के आधार पर एक जंगल से दूसरे जंगल की ओर प्रवास करते हैं। यदि इन वन क्षेत्रों के बीच के गलियारे नष्ट हो जाते हैं, तो हाथी मानव बस्तियों में प्रवेश करने लगते हैं। इसलिए वन्यजीव गलियारे उनके सुरक्षित प्रवास के लिए अनिवार्य हैं।

41. (B) रेत का तापमान बच्चों (हैचलिंग्स) के लिंग का निर्धारण करता है, जिसके परिणामस्वरूप लिंगानुपात असंतुलित हो जाता है।
समुद्री कछुओं में संतान का लिंग निर्धारण अंडों के सेने के समय रेत के तापमान पर निर्भर करता है, जिसे तापमान-निर्भर लिंग निर्धारण कहा जाता है। जब घोंसले की रेत का तापमान अधिक होता है, तो अंडों से केवल मादा कछुए बाहर निकलते हैं, जबकि कम तापमान पर नर पैदा होते हैं। वैश्विक वार्मिंग के कारण रेत का तापमान अत्यधिक बढ़ने से नर कछुओं का जन्म बहुत कम हो रहा है, जिससे उनकी आबादी में लिंगानुपात का गंभीर असंतुलन पैदा हो रहा है।

42. (B) कैमरा ट्रैपिंग
आधुनिक वन्यजीव गणना में बाघों की सटीक संख्या ज्ञात करने के लिए कैमरा ट्रैपिंग तकनीक का सर्वाधिक उपयोग किया जाता है। प्रत्येक बाघ के शरीर पर बनी धारियों का पैटर्न मनुष्य के उंगलियों के निशान की तरह पूरी तरह से अनूठा और भिन्न होता है। जंगलों में स्वचालित मोशन-सेंसर कैमरे लगाकर बाघों के चित्र लिए जाते हैं। फिर कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से इन धारियों के पैटर्न का मिलान करके प्रत्येक बाघ की अलग पहचान की जाती है।

43. (C) केवल III
वर्ष 1972 का वन्यजीव संरक्षण अधिनियम भारत में वनों और वन्य जीवों की सुरक्षा का मुख्य कानूनी आधार है। यह अधिनियम अनुसूचियों में शामिल दुर्लभ जानवरों के शिकार को सख्त सजा के प्रावधानों के साथ प्रतिबंधित करता है तथा राष्ट्रीय उद्यानों व अभयारण्यों की स्थापना की कानूनी शक्ति प्रदान करता है। हालाँकि, यह अधिनियम चिड़ियाघरों के निर्माण को पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं करता, बल्कि केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के माध्यम से उनके सुचारू प्रबंधन के नियम तय करता है।

44. (C) सुंदरबन आर्द्रभूमि
कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से पश्चिम बंगाल में स्थित सुंदरबन आर्द्रभूमि वर्तमान में भारत का सबसे बड़ा नामित रामसर स्थल है। यह विशाल दलदली क्षेत्र हजारों वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह क्षेत्र सघन मैंग्रोव वनों, जटिल जलमार्गों, रॉयल बंगाल टाइगर और अनेक संकटग्रस्त जलीय जीवों का प्राकृतिक आवास है, जो इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र बनाता है।

45. (D) कोर क्षेत्र
बायोस्फीयर रिजर्व का त्रिस्तरीय ढांचा होता है जिसमें सबसे सुरक्षित केंद्रीय भाग को 'कोर क्षेत्र' कहा जाता है। यह क्षेत्र पूरी तरह से कानूनी संरक्षण के तहत आता है जहाँ किसी भी प्रकार की मानवीय गतिविधियों, वानिकी, कृषि, चराई या पर्यटन की बिल्कुल भी अनुमति नहीं होती है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीवों और पादप प्रजातियों को बिना किसी बाहरी व्यवधान के पूरी तरह से अछूता और सुरक्षित बनाए रखना होता है।

46. (C) राज्य सरकार
भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के प्रावधानों के अनुसार, किसी भी उपयुक्त वन या जलीय क्षेत्र को आधिकारिक तौर पर वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने का प्राथमिक और मुख्य अधिकार राज्य सरकार के पास निहित होता है। राज्य सरकार अपनी अधिसूचना के माध्यम से ऐसे क्षेत्रों की सीमाओं को निर्धारित करती है जहाँ पर्याप्त पारिस्थितिक, जैविक या प्राणि वैज्ञानिक महत्व मौजूद हो। हालांकि सीमा में बदलाव के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की अनुमति आवश्यक होती है।

47. (B) मध्य प्रदेश
मध्य प्रदेश को भारत के 'टाइगर स्टेट' या बाघ राज्य के रूप में जाना जाता है क्योंकि राष्ट्रीय बाघ गणना रिपोर्टों में लगातार इस राज्य में बाघों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई है। कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना, सतपुड़ा, पेंच और संजय-दुबरी जैसे प्रसिद्ध बाघ अभयारण्य इसी राज्य में स्थित हैं। यहाँ के समृद्ध वन, विशाल संरक्षित क्षेत्र और बेहतर वन्यजीव प्रबंधन प्रणालियाँ बाघों की आबादी के संरक्षण और उनकी निरंतर वृद्धि के लिए सबसे अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं।

48. (D) P-4, Q-3, R-2, S-1
भारत में विभिन्न राज्यों में प्रसिद्ध पक्षी अभयारण्य स्थित हैं। सलीम अली पक्षी अभयारण्य गोवा राज्य में मांडवी नदी के किनारे स्थित है। वेदांतंगल पक्षी अभयारण्य तमिलनाडु में स्थित भारत के सबसे पुराने पक्षी अभयारण्यों में से एक है। रंगनथिट्टू पक्षी अभयारण्य कर्नाटक में कावेरी नदी के तट पर बसा एक महत्वपूर्ण स्थल है, जबकि नल सरोवर पक्षी अभयारण्य गुजरात राज्य की एक विशाल प्राकृतिक आर्द्रभूमि और पक्षी स्थल है।

49. (A) साइट्स (CITES)
माइक्स (MIKE) अर्थात हाथियों की गैर-कानूनी हत्या की निगरानी कार्यक्रम एक अंतर्राष्ट्रीय पहल है जिसकी शुरुआत साइट्स (CITES) संधि के तहत की गई थी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एशियाई और अफ्रीकी हाथियों की अवैध हत्याओं और शिकार के रुझानों पर नज़र रखना, उनकी आबादी में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करना तथा हाथी संरक्षण के लिए नीतियाँ तैयार करना है। यह प्रणाली अवैध हाथीदांत व्यापार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Downloaded from www.pdf.tube

30. (C) साइट्स (CITES)
सीआईटीईएस अर्थात वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय समझौता है। इस संधि का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली पशुओं और पौधों के नमूनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से उन प्रजातियों के अस्तित्व को कोई खतरा न पहुँचे। यह समझौता हजारों पादप और पशु प्रजातियों को उनके व्यापारिक शोषण के स्तर के आधार पर विभिन्न अनुसूचियों में वर्गीकृत करके सुरक्षा प्रदान करता है।

31. (B) 2, 1, 3
भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के आधार पर भारत में सर्वाधिक वन आवरण वाला राज्य मध्य प्रदेश है। इसके बाद दूसरे स्थान पर अरुणाचल प्रदेश आता है जहाँ सघन वन पाए जाते हैं, और तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ राज्य स्थित है। इस प्रकार, क्षेत्रफल के आधार पर वन आवरण का सही घटता क्रम मध्य प्रदेश, फिर अरुणाचल प्रदेश और अंत में छत्तीसगढ़ राज्य का आता है।

32. (D) ओडिशा
चिल्का झील भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा राज्य में स्थित एशिया की सबसे बड़ी खारे पानी की तटीय झील है। यह विशाल लैगून दया नदी के मुहाने पर बना है और बंगाल की खाड़ी से जुड़ा हुआ है। यह झील समृद्ध जैव विविधता, इरावदी डॉल्फिन की उपस्थिति और शीतकाल में उत्तर एशिया तथा साइबेरिया से आने वाले लाखों प्रवासी जलपक्षियों के ठहरने के लिए विश्व भर में अत्यंत प्रसिद्ध मानी जाती है।

33. (A) विलुप्त
अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के मानकों के अनुसार, किसी प्रजाति को तब 'विलुप्त' माना जाता है जब गहन खोज और अध्ययनों के बावजूद उसके अंतिम जीवित सदस्य की मृत्यु का कोई संशय न रहे। यदि कोई जीव अपने ऐतिहासिक और संभावित प्राकृतिक आवासों में काफी लंबे समय तक नहीं पाया गया हो, तो उसे विलुप्त घोषित कर दिया जाता है। यह श्रेणी दर्शाती है कि वह विशिष्ट प्रजाति पृथ्वी से पूरी तरह समाप्त हो चुकी है।

34. (C) भारत ने वर्ष 2023 तक किसी भी रामसर स्थल को मान्यता या नामित नहीं किया है।
भारत रामसर सम्मेलन का एक सक्रिय हस्ताक्षरकर्ता देश है और उसने अपनी अनेक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों को अंतर्राष्ट्रीय महत्व के रामसर स्थलों के रूप में अधिसूचित किया है। देश में 70 से अधिक आर्द्रभूमियों को यह दर्जा प्राप्त हो चुका है। राजस्थान का केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान पारिस्थितिक क्षरण के कारण मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल किया गया था तथा सांभर झील भी एक नामित रामसर स्थल है। अतः भारत द्वारा रामसर स्थलों को मान्यता न देने की बात पूरी तरह गलत है।

35. (A) जाइंट पांडा
वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जो पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर कार्य करता है। इसकी स्थापना वर्ष 1961 में हुई थी और उसने अपने आधिकारिक प्रतीक या लोगो के रूप में प्रसिद्ध 'जाइंट पांडा' को चुना था। यह प्रतीक संकटग्रस्त वन्यजीवों की सुरक्षा, संरक्षण की वैश्विक आवश्यकता और प्राकृतिक पर्यावरण को मानवीय क्षति से बचाने की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से दर्शाता है।

36. (D) जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान
जब भारत सरकार द्वारा 1 अप्रैल 1973 को बाघों की घटती संख्या को बचाने के लिए प्रोजेक्ट टाइगर का आधिकारिक शुभारंभ किया गया, तब उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान को सबसे पहले इस योजना के अंतर्गत शामिल किया गया था। इस उद्यान को भारत में बाघ संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक केंद्र बिंदु माना जाता है। यहाँ से शुरू हुई इस पहल ने आगे चलकर देश भर में अनेक बाघ अभयारण्यों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।

37. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
वैश्विक वार्मिंग के कारण समुद्र की सतह का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जो कोरल रीफ या प्रवाल भित्तियों के लिए गंभीर संकट बन गया है। जब जल का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, तो कोरल पॉलिप्स तनावग्रस्त होकर अपने ऊतकों में रहने वाले रंगीन सहजीवी शैवाल को बाहर निकाल देते हैं। शैवाल के चले जाने से प्रवाल पूरी तरह सफेद पड़ जाते हैं जिसे प्रवाल विरंजन कहा जाता है, जो उनकी मृत्यु का कारण बनता है।

38. (C) न्यूमैटोफोर (श्वसन जड़ें)
मैंग्रोव वनस्पति तटीय दलदली और खारे पानी के वातावरण में उगती है जहाँ की मिट्टी में ऑक्सीजन की अत्यधिक कमी होती है। इस समस्या से निपटने के लिए इन पौधों में विशेष प्रकार की जड़ें पाई जाती हैं जिन्हें न्यूमैटोफोर या श्वसन जड़ें कहा जाता है। ये जड़ें जमीन के कीचड़ से बाहर निकलकर लंबवत ऊपर की ओर बढ़ती हैं और उनके छिद्रों के माध्यम से हवा से सीधे ऑक्सीजन ग्रहण करके पौधे को श्वसन में सहायता प्रदान करती हैं।

39. (D) ऑलिव रिडले समुद्री कछुआ
ओडिशा का गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य विश्व में ऑलिव रिडले कछुओं के सबसे बड़े सामूहिक घोंसले के निर्माण स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। इस घटना को स्पेनिश भाषा में 'अरिबादा' कहा जाता है, जहाँ हजारों मादा कछुए एक साथ समुद्र तट पर आकर रेत में अंडे देती हैं। बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह शांत स्थान इन कछुओं के प्रजनन, अंडों के संरक्षण और बच्चों के सुरक्षित बाहर निकलने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवास है।

40. (A) पर्याप्त भोजन और पानी की तलाश में हाथी वन क्षेत्रों के पार आवागमन (प्रवास) करते हैं।
एशियाई हाथी विशालकाय शाकाहारी जीव हैं जिन्हें अपने दैनिक आहार और जल की आवश्यकता पूरी करने के लिए

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना और जैव विविधता का संरक्षण करना
भारत में वन्यजीव संरक्षण का मुख्य लक्ष्य प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखना तथा संकटग्रस्त वनस्पतियों एवं जीवों की विविधता की सुरक्षा करना है। यह वन्य जीवों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा करने, अवैध शिकार पर रोक लगाने और मानव गतिविधियों के कारण होने वाले पर्यावरणीय विनाश को रोकने में मदद करता है। इसके माध्यम से जैव विविधता का सतत संरक्षण सुनिश्चित होता है, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधन सुरक्षित रहते हैं।

2. (C) जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान
उत्तराखंड राज्य के रामगंगा क्षेत्र में स्थापित यह उद्यान भारत का सबसे पहला तथा प्राचीनतम राष्ट्रीय उद्यान है। इसकी स्थापना वर्ष 1936 में हैली राष्ट्रीय उद्यान के नाम से संकटग्रस्त बंगाल बाघ के संरक्षण हेतु की गई थी। स्वतंत्रता के उपरांत इसका नाम बदलकर महान प्रकृतिवादी जिम कॉर्बेट के सम्मान में रखा गया। यह अभयारण्य विविध प्रकार की वनस्पतियों, सघन वनों और समृद्ध वन्यजीवों के सुरक्षित प्राकृतिक आवास के लिए वैश्विक पहचान रखता है।

3. (D) I, II और III
भारत में बाघों की घटती संख्या को रोकने और उनके संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल 1973 में इस प्रमुख योजना का शुभारंभ किया गया था। यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा संचालित एक पूर्ण केंद्र प्रायोजित योजना है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2006 में संशोधित वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण का गठन एक सांविधिक निकाय के रूप में किया गया, जो इस योजना की देखरेख करता है।

4. (D) रॉयल बंगाल टाइगर
पश्चिम बंगाल में स्थित सुंदरबन का मैंग्रोव वन विश्व भर में रॉयल बंगाल बाघ के प्राकृतिक आवास के रूप में अत्यंत प्रसिद्ध है। यह डेल्टा क्षेत्र गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के मुहाने पर बना एक अनूठा पारिस्थितिकी तंत्र प्रस्तुत करता है। दलदली और ज्वारीय जंगलों में तैरने की अनूठी क्षमता रखने वाले यह बाघ इस कठिन वातावरण में रहने के लिए पूरी तरह अनुकूलित हैं तथा इस क्षेत्र में फल-फूल रहे हैं।

5. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
मैंग्रोव वन तटीय पारिस्थितिकी की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि इनकी घनी और जाल जैसी जड़ें समुद्र के अवसादों को बांधकर तटों को स्थिर बनाती हैं। यह विशेष जड़ संरचना समुद्री तूफानों, सुनामी और तीव्र लहरों के प्रभाव को सोखकर तटीय क्षेत्रों में होने वाले मृदा अपरदन को काफी हद तक कम करती है। इस प्रकार मैंग्रोव की विशिष्ट शारीरिक संरचना तटीय सुरक्षा का एक प्राकृतिक और प्रभावी आधार प्रदान करती है।

6. (C) गुजरात
गिर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य भारत के गुजरात राज्य के काठियावाड़ प्रायद्वीप में स्थित है। यह पूरे विश्व में एशियाई शेरों का एकमात्र अंतिम और प्राकृतिक आवास स्थल है। इस उद्यान का शुष्क पर्णपाती वन क्षेत्र और विशाल घास के मैदान इन दुर्लभ शेरों के अस्तित्व और प्रजनन के लिए आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं। गुजरात सरकार और स्थानीय समुदाय के प्रयासों से यहाँ शेरों की आबादी लगातार बढ़ रही है।

7. (D) पृथक वन्यजीव आबादियों को जोड़ने वाली प्राकृतिक आवास की एक पट्टी
वन्यजीव गलियारा प्राकृतिक आवास का एक ऐसा संकीर्ण भौगोलिक मार्ग है जो विखंडित वन क्षेत्रों या दो अलग-अलग वन्यजीव अभयारण्यों को आपस में जोड़ता है। यह गलियारा जानवरों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने, भोजन और जल की तलाश करने तथा आनुवंशिक विविधता बनाए रखने के लिए प्रजनन करने की सुविधा प्रदान करता है। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष कम होता है तथा अलग-थलग पड़ी प्रजातियों का संरक्षण संभव होता है।

8. (A) एक सींग वाला गेंडा
असम राज्य में स्थित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान भारतीय एक सींग वाले गेंडे की वैश्विक आबादी के दो-तिहाई हिस्से का प्राकृतिक घर है। इस उद्यान के विशाल घास के मैदान, आर्द्रभूमि और सघन वन इस दुर्लभ जीव की उत्तरजीविता के लिए अत्यंत उपयुक्त पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। सख्त संरक्षण नीतियों, गहन गश्त और शिकार विरोधी उपायों के माध्यम से काजीरंगा ने इस संकटग्रस्त प्रजाति को विलुप्त होने से सफलता पूर्वक बचाया है।

9. (B) P-2, Q-4, R-3, S-1
भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान अपनी विशिष्ट भौगोलिक स्थिति के लिए जाने जाते हैं। मध्य प्रदेश में स्थित बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान उच्च बाघ घनत्व के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान का केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान प्रवासी पक्षियों का महत्वपूर्ण आवास है। सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान पश्चिम बंगाल के तटीय डेल्टा में मैंग्रोव वनों के लिए विख्यात है, जबकि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम में स्थित है जो एक सींग वाले गेंडे के सफल संरक्षण के लिए जाना जाता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

50. (C) हैली राष्ट्रीय उद्यान
वर्तमान में उत्तराखंड में स्थित प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1936 में की गई थी। स्थापना के समय इसका मूल नाम 'हैली राष्ट्रीय उद्यान' रखा गया था, जो संयुक्त प्रांत के तत्कालीन गवर्नर विलियम मेलकम हैली के नाम पर था। स्वतंत्रता के बाद इसका नाम रामगंगा राष्ट्रीय उद्यान किया गया, और अंततः वर्ष 1957 में इसका नाम बदलकर महान प्रकृतिवादी एवं संरक्षणवादी जिम कॉर्बेट के नाम पर जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान कर दिया गया।

51. (B) प्रत्येक दो वर्ष में (द्विवार्षिक)
भारतीय वन सर्वेक्षण, जो पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक प्रमुख संगठन है, नियमित रूप से देश के वन संसाधनों का उपग्रह डेटा के माध्यम से मूल्यांकन करता है। यह संस्था प्रत्येक दो वर्ष में अपनी व्यापक 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट' (ISFR) प्रकाशित करती है। इस द्विवार्षिक रिपोर्ट में देश के कुल वन आवरण, वृक्ष आवरण, मैंग्रोव वनस्पति और वन आवरण में होने वाले परिवर्तनों का सटीक सांख्यिकी विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है।

52. (D) हेमिस राष्ट्रीय उद्यान
कच्छ की खाड़ी, महात्मा गांधी (अंडमान) और मन्नार की खाड़ी राष्ट्रीय उद्यान सभी तटीय और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए स्थापित समुद्री राष्ट्रीय उद्यान हैं। इसके विपरीत, हेमिस राष्ट्रीय उद्यान लद्दाख के उच्च हिमाच्छादित पर्वतीय क्षेत्र में स्थित एक स्थलीय राष्ट्रीय उद्यान है। यह भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है जो विशेष रूप से हिम तेंदुए और अन्य उच्च हिमालयी वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जाना जाता है, न कि समुद्री जीवों के लिए।

53. (B) नोकरेक - मेघालय
नोकरेक बायोस्फीयर रिजर्व मेघालय राज्य की गारो पहाड़ियों में स्थित एक अत्यंत समृद्ध जैव विविधता क्षेत्र है, जो दुर्लभ पादप और प्राणी प्रजातियों का घर माना जाता है। अन्य विकल्पों की तुलना में, नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व उत्तराखंड में स्थित है, सिमलिपाल बायोस्फीयर रिजर्व ओडिशा राज्य में स्थित है, और मानस बायोस्फीयर रिजर्व असम राज्य में स्थित है। अतः केवल नोकरेक और मेघालय का यह युग्म भौगोलिक दृष्टि से पूरी तरह से सही सुमेलित है।

54. (C) ब्रह्मपुत्र
ब्रह्मपुत्र नदी असम में स्थित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की पूरी उत्तरी सीमा का निर्माण करती है। यह नदी उद्यान के पारिस्थितिकी तंत्र को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मानसून के मौसम में ब्रह्मपुत्र नदी से आने वाली वार्षिक बाढ़ काजीरंगा के बड़े हिस्से को जलमग्न कर देती है, जिससे मैदानों में उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी का जमाव होता है। यह प्राकृतिक प्रक्रिया उद्यान के विशाल घास के मैदानों और जलीय जीवों के लिए अत्यंत आवश्यक मानी जाती है।

55. (D) ग्रेट हॉर्नबिल
बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी भारत में पर्यावरण, प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण अनुसंधान में कार्यरत सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संस्थाओं में से एक है। इस संस्था की स्थापना वर्ष 1883 में हुई थी। इसने अपने आधिकारिक प्रतीक चिन्ह या लोगो के रूप में विशाल और आकर्षक पक्षी 'ग्रेट हॉर्नबिल' को चुना है। यह संस्था देश भर में वन्यजीवों के सर्वेक्षण, शोध प्रकाशनों और पर्यावरण जागरूकता अभियानों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

56. (A) वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो
भारत में WCCB का पूर्ण रूप 'वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो' है, जिसे हिंदी में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो कहा जाता है। यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत स्थापित एक वैधानिक बहु-विषयक निकाय है। इस संगठन का मुख्य दायित्व देश में संगठित वन्यजीव अपराधों, अवैध शिकार, दुर्लभ जानवरों के अंगों की तस्करी और अवैध अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रभावी ढंग से रोक लगाना तथा संबंधित खुफिया जानकारी एकत्र करके कार्रवाई करना है।

57. (B) भरतपुर पक्षी अभयारण्य
राजस्थान के भरतपुर जिले में स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को पहले आधिकारिक रूप से 'भरतपुर पक्षी अभयारण्य' के नाम से जाना जाता था। यह उद्यान ऐतिहासिक रूप से एक बत्तख शिकार स्थल था, जिसे बाद में एक संरक्षित पक्षी अभयारण्य और अंततः राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया। यह आर्द्रभूमि सर्दियों के मौसम में आने वाले हज़ारों देशी और विदेशी प्रवासी पक्षियों का प्रमुख ठहराव स्थल है तथा इसे यूनेस्को द्वारा प्राकृतिक विश्व धरोहर का दर्जा भी दिया गया है।

58. (B) लद्दाख और हिमाचल प्रदेश
हिम तेंदुआ एक अत्यंत शर्मीला और दुर्लभ बिग कैट जीव है जो मुख्य रूप से उच्च हिमालयी और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनुकूलित है। भारत में इसकी आबादी मुख्य रूप से लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के ठंडे, पथरीले और अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में पाई जाती है। लद्दाख का हेमिस राष्ट्रीय उद्यान और हिमाचल प्रदेश का पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान इस दुर्लभ जीव के संरक्षण के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध स्थल हैं।

59. (A) पर्यावरण का क्षरण किए बिना किसी प्राकृतिक क्षेत्र द्वारा सहने योग्य आगंतुकों की अधिकतम संख्या
वन्यजीव पर्यटन और पर्यावरण प्रबंधन में 'वहन क्षमता' या कैरिंग कैपेसिटी का तात्पर्य किसी प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र या राष्ट्रीय उद्यान की उस अधिकतम सीमा से है जिसे वह बिना किसी पर्यावरणीय नुकसान के सहन कर सकता है। इसमें यह निर्धारित किया जाता है कि वन्यजीवों के प्राकृतिक जीवन में खलल डाले बिना और संसाधनों का क्षरण किए बिना कितने पर्यटकों या सफारी वाहनों को प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे।

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 13
राजस्थान की भौतिक विशेषताएँ

INDIA

1. राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार क्या है?
(A) 23° 30' उत्तरी से 30° 12' उत्तरी अक्षांश
(B) 23° 03' उत्तरी से 30° 12' उत्तरी अक्षांश
(C) 24° 03' उत्तरी से 31° 12' उत्तरी अक्षांश
(D) 22° 03' उत्तरी से 29° 12' उत्तरी अक्षांश

2. राजस्थान का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल कितना है?
(A) 3,24,239 वर्ग किमी
(B) 3,42,946 वर्ग किमी
(C) 3,22,239 वर्ग किमी
(D) 3,42,239 वर्ग किमी

3. कर्क रेखा राजस्थान के किन दो जिलों से होकर गुजरती है?
(A) डूंगरपुर और बांसवाड़ा
(B) उदयपुर और चित्तौड़गढ़
(C) प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा
(D) झालावाड़ और बारां

4. कौन-सा पड़ोसी राज्य राजस्थान के साथ सबसे लंबी अंतरराज्यीय सीमा साझा करता है?
(A) गुजरात
(B) हरियाणा
(C) मध्य प्रदेश
(D) उत्तर प्रदेश

5. राजस्थान (भारत) को पाकिस्तान से अलग करने वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा का नाम क्या है?
(A) रेडक्लिफ रेखा
(B) डूरंड रेखा
(C) मैकमोहन रेखा
(D) मैजिनॉट रेखा

6. पाकिस्तान के साथ राजस्थान द्वारा साझा की जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा की कुल लंबाई कितनी है?
(A) 826 किमी
(B) 869 किमी
(C) 1070 किमी
(D) 1120 किमी

7. राजस्थान के साथ सीमा साझा करने वाले निम्नलिखित राज्यों में से असंगत राज्य की पहचान कीजिए।
(A) पंजाब
(B) महाराष्ट्र
(C) हरियाणा
(D) गुजरात

8. राजस्थान को मुख्य रूप से कितने प्रमुख भौतिक विभागों में वर्गीकृत किया गया है?
(A) तीन
(B) चार
(C) पांच
(D) छह

9. अरावली पर्वतमाला का निर्माण किस भूगर्भीय महाकल्प में हुआ था?
(A) मेसोजोइक महाकल्प
(B) सेनोजोइक महाकल्प
(C) पेलियोजोइक महाकल्प
(D) प्री-कैम्ब्रियन महाकल्प

10. सूची I में दिए गए पर्वत शिखरों को सूची II में दिए गए उनके संबंधित जिलों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (पर्वत शिखर)
P. गुरु शिखर
Q. तारागढ़
R. खोह
S. कमलनाथ
सूची II: (जिला)
1. जयपुर
2. उदयपुर
3. सिरोही
4. अजमेर
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-3, Q-1, R-4, S-2
(D) P-2, Q-4, R-1, S-3

11. उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थल राजस्थान के कुल क्षेत्रफल के लगभग कितने प्रतिशत भाग को आच्छादित करता है?
(A) 40.00%
(B) 50.50%
(C) 61.11%
(D) 72.22%

12. उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थलीय प्रदेश में राजस्थान की कुल जनसंख्या का लगभग कितना प्रतिशत भाग निवास करता है?

70. (C) आवास क्षरण, ध्वनि प्रदूषण और वन्यजीवों में अशांति/व्यवधान
राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों में अत्यधिक तथा अनियंत्रित पर्यटन का वन्यजीवों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वाहनों की भारी आवाजाही और पर्यटकों की भीड़ से वनों में ध्वनि और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे प्राकृतिक आवासों का क्षरण होता है। इसके अतिरिक्त, मानव उपस्थिति और शोर से वन्यजीवों का प्राकृतिक व्यवहार, शिकार का तरीका और प्रजनन चक्र बाधित होता है, जिससे वे तनावग्रस्त होकर अपने पारंपरिक क्षेत्रों को छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

(A) जोन IV और V
(B) जोन I और II
(C) जोन II और III
(D) जोन III और IV

25. पश्चिमी राजस्थान में मरुस्थल के प्रसार (मरुस्थलीकरण) का प्राथमिक कारण निम्नलिखित में से कौन-सी प्राकृतिक प्रक्रिया है?
(A) जल अपरदन
(B) हिमनदीय अपरदन
(C) रासायनिक अपक्षय
(D) पवन अपरदन

26. हाल ही में हुए प्रशासनिक पुनर्गठन के बाद, राजस्थान में जिलों की कुल संख्या कितनी है?
(A) 33
(B) 40
(C) 50
(D) 55

27. उदयपुर शहर को घेरने वाली तश्तरीनुमा पहाड़ी क्षेत्र को स्थानीय रूप से किस नाम से जाना जाता है?
(A) भाकर
(B) गिरवा
(C) मगरा
(D) ऊपरमाल

28. राजस्थान के साथ सीमा की लंबाई के आधार पर पड़ोसी राज्यों का सबसे लंबी से सबसे छोटी सीमा का सही क्रम चुनिए:
(A) मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश
(B) मध्य प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश
(C) हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश
(D) मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात

29. अरावली पर्वतमाला का निरंतर विस्तार कहां से कहां तक है?
(A) गुजरात के पालमपुर से दिल्ली में रायसीना पहाड़ी तक
(B) राजस्थान के माउंट आबू से उत्तराखंड के हरिद्वार तक
(C) गुजरात के अहमदाबाद से उत्तर प्रदेश के आगरा तक
(D) राजस्थान के उदयपुर से हरियाणा के रोहतक तक

30. राजस्थान राज्य के भीतर अरावली श्रेणी की अनुमानित लंबाई कितनी है?
(A) 450 किमी
(B) 550 किमी
(C) 692 किमी
(D) 826 किमी

31. दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठारी प्रदेश में मुख्य रूप से किस प्रकार की मृदा पाई जाती है?
(A) बलुई (रेतीली) मृदा
(B) लाल-पीली मृदा
(C) जलोढ़ मृदा
(D) काली मृदा

32. पूर्वी मैदानी प्रदेश राजस्थान के कुल भू-भाग के लगभग कितने प्रतिशत भाग को आच्छादित करता है?
(A) 9.00%
(B) 23.03%
(C) 39.00%
(D) 61.11%

33. राजस्थान का पूर्वी मैदानी प्रदेश राज्य की कुल जनसंख्या के लगभग कितने प्रतिशत भाग का पोषण करता है?
(A) 10%
(B) 11%
(C) 39%
(D) 61%

34. निम्नलिखित में से कौन-सा जिला हाड़ौती के पठारी प्रदेश का भाग नहीं है?
(A) कोटा
(B) बूंदी
(C) झालावाड़
(D) भीलवाड़ा

35. सूची I में दिए गए प्रमुख भौतिक विभागों को सूची II में दिए गए उनके कुल क्षेत्रफल के अनुमानित प्रतिशत से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (भौतिक विभाग)
P. थार मरुस्थल
Q. पूर्वी मैदान
R. अरावली प्रदेश
S. हाड़ौती का पठार
सूची II: (कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत)
1. 61.11%
2. 23.03%
3. 9.00%
4. 6.89%
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-1, Q-3, R-2, S-4
(D) P-3, Q-4, R-1, S-2

36. प्रचलित पवन की दिशा के समानांतर बनने वाले बालुका स्तूपों को क्या कहा जाता है?
(A) अनुप्रस्थ बालुका स्तूप
(B) अर्धचंद्राकार बरखान स्तूप
(C) अनुदैर्ध्य (रेखीय) बालुका स्तूप
(D) पैराबोलिक बालुका स्तूप

37. कांतली नदी बेसिन से जुड़े आंतरिक अपवाह क्षेत्र को स्थानीय रूप से किस नाम से जाना जाता है?

NODIA

(A) 20%
(B) 30%
(C) 40%
(D) 50%

13. थार मरुस्थल में पाए जाने वाले अर्धचंद्राकार बालुका स्तूपों के लिए किस स्थानीय भौगोलिक शब्द का प्रयोग किया जाता है?
(A) बरखान
(B) सीफ
(C) नेबखा
(D) हम्मादा

14. लूनी नदी के आंतरिक अपवाह बेसिन को स्थानीय रूप से किस नाम से जाना जाता है?
(A) शेखावाटी प्रदेश
(B) छप्पन बेसिन
(C) गोडवाड़ प्रदेश
(D) माही बेसिन

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): अरावली पर्वतमाला राजस्थान में महान भारतीय जल विभाजक का कार्य करती है।
कारण (R): यह बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में गिरने वाली अपवाह प्रणालियों को अलग करती है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

16. राजस्थान के पूर्वी मैदानों का निर्माण मुख्य रूप से किस प्राकृतिक कारक की निक्षेपण गतिविधियों द्वारा हुआ था?
(A) पवन अपरदन
(B) हिमनदीय प्रवाह
(C) नदी प्रणालियां
(D) विवर्तनिक उत्थान

17. बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ में फैले माही नदी बेसिन में स्थित मैदान किस स्थानीय नाम से प्रसिद्ध हैं?
(A) भोराठ का पठार
(B) छप्पन का मैदान
(C) ऊपरमाल
(D) तोरावाटी

18. दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती का पठार मुख्य रूप से किस प्रकार की चट्टानों से बना है?
(A) अवसादी चट्टानें
(B) कायांतरित चट्टानें
(C) चूना पत्थर
(D) आग्नेय (बेसाल्टिक) चट्टानें

19. अरावली श्रेणी की सबसे ऊंची चोटी गुरु शिखर की ऊंचाई कितनी है?
(A) 1431 मीटर
(B) 1597 मीटर
(C) 1722 मीटर
(D) 1812 मीटर

20. निम्नलिखित में से किसे राजस्थान का सबसे निचला भौगोलिक बिंदु माना जाता है?
(A) पुष्कर झील
(B) नक्की झील
(C) सांभर झील
(D) बालोतरा में लूनी नदी का पाट

21. अरावली पर्वतमाला में पाए जाने वाले प्राकृतिक पर्वतीय दर्रों के लिए किस स्थानीय शब्द का प्रयोग किया जाता है?
(A) नाल
(B) भाकर
(C) गिरवा
(D) खड़ीन

22. उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह अरावली श्रेणी के पश्चिम में स्थित है।
II. यह राजस्थान के कुल क्षेत्रफल के लगभग 61.11% भाग को आच्छादित करता है।
III. यह अत्यधिक वर्षा और घने सदाबहार वनों की विशेषता वाला क्षेत्र है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है।
कथन II: राजस्थान भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 10.41% हिस्सा रखता है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) केवल कथन I सही है
(B) केवल कथन II सही है
(C) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(D) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं

24. भारत के भूकंपीय क्षेत्रीकरण मानचित्र के अनुसार, राजस्थान का अधिकांश भूभाग किन भूकंपीय क्षेत्रों (जोन) के अंतर्गत आता है?

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) 23° 03' उत्तरी से 30° 12' उत्तरी अक्षांश
राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित एक विशाल राज्य है। इसका भौगोलिक विस्तार मुख्य रूप से उत्तरी गोलार्ध के अक्षांशों के मध्य फैला हुआ है। राज्य का सबसे दक्षिणी बिंदु बांसवाड़ा जिले का बोरकुंडा गांव है जो 23° 03' उत्तरी अक्षांश पर स्थित है। वहीं इसका सबसे उत्तरी बिंदु श्रीगंगानगर का कोणा गांव है जो 30° 12' उत्तरी अक्षांश तक फैला हुआ है। कुल अक्षांशीय विस्तार 7° 09' है।

2. (D) 3,42,239 वर्ग किमी
राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है। इसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर है। यह संपूर्ण देश के कुल भू-भाग का लगभग 10.41% हिस्सा आच्छादित करता है। वर्ष 2000 में मध्य प्रदेश के विभाजन के उपरांत राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य बना। राज्य का आकार विषमकोणीय चतुर्भुज के समान माना जाता है, जो उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है।

3. (A) डूंगरपुर और बांसवाड़ा
कर्क रेखा (23° 30' उत्तरी अक्षांश) राजस्थान के सुदूर दक्षिणी भाग से होकर गुजरती है। यह राज्य के दो जिलों डूंगरपुर और बांसवाड़ा से होकर गुजरती है। यह डूंगरपुर जिले की चीखली सीमा को स्पर्श करती है तथा बांसवाड़ा जिले के लगभग मध्य से होकर गुजरती है। बांसवाड़ा शहर कर्क रेखा के सर्वाधिक निकट स्थित नगर है। राज्य में इसकी लंबाई लगभग 26 किलोमीटर मानी जाती है।

4. (C) मध्य प्रदेश
राजस्थान भारत के पांच पड़ोसी राज्यों के साथ अपनी अंतरराज्यीय सीमा साझा करता है। इनमें मध्य प्रदेश के साथ राज्य की सबसे लंबी सीमा लगती है, जिसकी कुल लंबाई 1600 किलोमीटर है। राजस्थान के 10 जिले मध्य प्रदेश के 10 जिलों के साथ सीमा बनाते हैं। इसके विपरीत, सबसे छोटी अंतरराज्यीय सीमा पंजाब के साथ लगती है, जिसकी लंबाई मात्र 89 किलोमीटर है।

5. (A) रेडक्लिफ रेखा
भारत और पाकिस्तान के बीच स्थित अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा को रेडक्लिफ रेखा कहा जाता है। इस रेखा का निर्धारण 15 अगस्त 1947 को सर सिरिल रेडक्लिफ की अध्यक्षता में गठित सीमा आयोग द्वारा किया गया था। यह एक कृत्रिम तथा मानव निर्मित सीमा रेखा है। राजस्थान में यह उत्तर में श्रीगंगानगर के हिंदूमलकोट से शुरू होकर दक्षिण में बाड़मेर के बाखासर तक फैली है।

6. (C) 1070 किमी
राजस्थान राज्य पाकिस्तान के साथ 1070 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय रेडक्लिफ सीमा साझा करता है। यह सीमा उत्तर में श्रीगंगानगर जिले के हिंदूमलकोट से प्रारंभ होकर दक्षिण में बाड़मेर जिले के शाहगढ़ तक विस्तृत है। यह संपूर्ण भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ साझा की जाने वाली कुल रेडक्लिफ रेखा का महत्वपूर्ण भाग है। इस सीमा पर सुरक्षा का दायित्व सीमा सुरक्षा बल संभालता है।

7. (B) महाराष्ट्र
राजस्थान राज्य की कुल स्थलीय सीमा 5920 किलोमीटर है, जिसमें 1070 किलोमीटर अंतर्राष्ट्रीय तथा 4850 किलोमीटर अंतरराज्यीय सीमा शामिल है। राजस्थान देश के पांच पड़ोसी राज्यों के साथ सीमा साझा करता है। ये पांच राज्य पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा गुजरात हैं। महाराष्ट्र भारत के दक्षिण भाग में स्थित है और इसकी कोई सीमा राजस्थान से नहीं मिलती है।

8. (B) चार
उच्चावच और जलवायु विशेषताओं के आधार पर राजस्थान को चार प्रमुख भौतिक प्रभागों में वर्गीकृत किया गया है। ये चार प्रभाग उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थल, मध्यवर्ती अरावली पर्वतीय प्रदेश, पूर्वी मैदानी प्रदेश तथा दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती का पठारी प्रदेश हैं। इनमें से थार मरुस्थल क्षेत्रफल में सबसे बड़ा है, जबकि अरावली राज्य की सबसे प्राचीन संरचना है। पूर्वी मैदान सर्वाधिक उपजाऊ भाग माना जाता है।

9. (D) प्री-कैम्ब्रियन महाकल्प
अरावली पर्वतमाला विश्व की सबसे प्राचीन मोड़दार पर्वत श्रेणियों में से एक है। भूगर्भीय इतिहास के अनुसार इसका निर्माण प्री-कैम्ब्रियन महाकल्प (लगभग 650 मिलियन वर्ष पूर्व) में हुआ था। यह प्राचीन गोंडवाना लैंड का एक अवशिष्ट भाग है। समय के साथ निरंतर प्राकृतिक अपरदन के कारण यह पर्वतमाला वर्तमान में अवशिष्ट पर्वत श्रेणी के रूप में विद्यमान है। इसकी संरचना अत्यंत जटिल है।

10. (A) P-3, Q-4, R-1, S-2
अरावली पर्वतमाला के प्रमुख शिखर राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित हैं। गुरु शिखर (1722 मीटर) सिरोही जिले में स्थित अरावली की सर्वोच्च चोटी है। तारागढ़ मध्य अरावली का प्रमुख शिखर है जो अजमेर जिले में स्थित है। खोह उत्तर-पूर्वी अरावली की महत्वपूर्ण पहाड़ी है जो जयपुर जिले में स्थित है। कमलनाथ शिखर उदयपुर जिले में अरावली श्रेणी के अंतर्गत आता है।

NODIA

(A) तोरावाटी
(B) गोडवाड़
(C) थली
(D) मेरवाड़ा

38. प्राचीन सरस्वती और दृषद्वती नदियों द्वारा निर्मित घग्घर का मैदान मुख्य रूप से किन वर्तमान जिलों में स्थित है?
(A) जोधपुर और बीकानेर
(B) चूरू और झुंझुनूं
(C) सीकर और नागौर
(D) श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़

39. अरावली श्रेणी में 'भोराठ का पठार' किन दो भौगोलिक स्थानों के मध्य स्थित है?
(A) माउंट आबू और सिरोही
(B) कुंभलगढ़ और गोगुंदा
(C) उदयपुर और राजसमंद
(D) अजमेर और पुष्कर

40. राजस्थान के पूर्वी मैदानों के लोगों की आजीविका सबसे अधिक किस आर्थिक गतिविधि पर निर्भर है?
(A) खनन और खनिज निष्कर्षण कार्य
(B) पशुपालन और घुमंतू चरवाहा जीवन
(C) उपजाऊ मृदा के कारण कृषि
(D) बड़े पैमाने का भारी निर्माण उद्योग

41. अरावली श्रेणी के पारिस्थितिक संतुलन को संरक्षित और पुनर्बहाल करने के लिए जापानी वित्त पोषण के सहयोग से कौन-सी प्रमुख परियोजना शुरू की गई थी?
(A) मरुस्थल विकास कार्यक्रम
(B) लूनी बेसिन संरक्षण मिशन
(C) राजस्थान वाणिकी एवं जैव विविधता परियोजना
(D) अरावली वृक्षारोपण परियोजना

42. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): पश्चिमी राजस्थान में अत्यधिक दैनिक तापांतर पाया जाता है।
कारण (R): मरुस्थल की रेतीली मृदा दिन के समय बहुत तेजी से ऊष्मा अवशोषित करती है और रात में इसे तेजी से उत्सर्जित करती है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

43. थार मरुस्थल के संदर्भ में, 'खड़ीन' शब्द किसे संदर्भित करता है?
(A) मरुस्थलीय ऊंट की एक विशिष्ट स्थानीय नस्ल
(B) एक पारंपरिक जल संचयन संरचना
(C) खेत की बाड़ लगाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कंटीली मरुस्थलीय झाड़ी
(D) एक प्रकार का अर्धचंद्राकार स्थानांतरी बालुका स्तूप

44. राजस्थान का कौन-सा जिला पाकिस्तान के साथ सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है?
(A) बाड़मेर
(B) जैसलमेर
(C) बीकानेर
(D) श्रीगंगानगर

45. मानचित्र अध्ययन के आधार पर, राजस्थान का समग्र भौगोलिक आकार सबसे अधिक किसके समान है?
(A) विषमकोण चतुर्भुज (पतंगाकार)
(B) वृत्त
(C) आयत
(D) त्रिभुज

46. कौन-सा पड़ोसी राज्य राजस्थान के ठीक उत्तर में सीमा बनाता है?
(A) गुजरात
(B) मध्य प्रदेश
(C) पंजाब
(D) उत्तर प्रदेश

47. अरावली पर्वतमाला के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए।
(A) इसका विस्तार गुजरात से दिल्ली तक निरंतर है।
(B) इसे विश्व के सबसे प्राचीन मोड़दार (वलित) पर्वतों में से एक माना जाता है।
(C) यह आगे बढ़ने वाली मानसून पवनों के लिए जलवायु अवरोधक के रूप में कार्य करती है।
(D) यह विवर्तनिक हलचलों से बनी एक नवीन ब्लॉक पर्वत श्रेणी है।

48. पश्चिमी राजस्थान में शुष्क परिस्थितियों के लिए सबसे उपयुक्त भौगोलिक कारण क्या है?
(A) यह क्षेत्र समुद्र तल से अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है।
(B) इस क्षेत्र में घने वनों की प्रधानता है जो सारा भूजल सोख लेते हैं।
(C) अरावली पर्वतमाला अरब सागर की मानसूनी पवनों के समानांतर स्थित है।
(D) बंगाल की खाड़ी की मानसून शाखा यहां सबसे पहले पहुंचती है और सारी आर्द्रता समाप्त कर देती है।

49. हाड़ौती के पठार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह मध्य भारत के मालवा के पठार का ही विस्तार है।
II. यह काली मृदा की उपस्थिति से अभिलक्षित है।
III. चंबल नदी और उसकी सहायक नदियां इस क्षेत्र से

Click Here to Buy book on Flipkart

होकर बहती हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

50. सिरोही जिले के पूर्वी भाग में पाई जाने वाली तीव्र ढाल वाली, ऊबड़-खाबड़ और अत्यधिक अपरदित पहाड़ियों को स्थानीय रूप से किस नाम से जाना जाता है?
(A) मगरा
(B) गिरवा
(C) भोराठ
(D) भाकर

51. प्रसिद्ध दर्रा 'देसूरी नाल' किस पर्वतमाला में स्थित है?
(A) अरावली पर्वतमाला
(B) विंध्याचल पर्वतमाला
(C) सतपुड़ा पर्वतमाला
(D) मुकुंदरा पर्वतमाला

52. औसत वार्षिक वर्षा की कौन-सी रेखा जलवायु विभाजक रेखा के रूप में कार्य करती है, जो मोटे तौर पर पश्चिमी मरुस्थल को शेष राजस्थान से अलग करती है?
(A) 25 सेमी समवर्षा रेखा
(B) 50 सेमी समवर्षा रेखा
(C) 75 सेमी समवर्षा रेखा
(D) 100 सेमी समवर्षा रेखा

53. बनास बेसिन राजस्थान के किस प्रमुख भौतिक विभाग का उप-क्षेत्र है?
(A) पूर्वी मैदान
(B) उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थल
(C) दक्षिणी अरावली पहाड़ी प्रदेश
(D) दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती का पठार

54. निम्नलिखित पर्वत शिखरों में से असंगत की पहचान कीजिए।
(A) अचलगढ़
(B) सेर
(C) जरगा
(D) नंदा देवी

55. जैसलमेर जिले में पाई जाने वाली 'लाठी सीरीज़' किसे संदर्भित करती है?
(A) तीव्र ढाल वाली पहाड़ियों की एक सतत पट्टी
(B) एक भूमिगत भूगर्भीय मीठे जल की पट्टी
(C) मरुस्थल में मनाया जाने वाला एक पारंपरिक त्योहार
(D) प्रवासी पक्षियों का एक प्रकार का मार्ग

56. अरावली श्रेणी के निम्नलिखित प्रमुख शिखरों को उनकी ऊंचाई के अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. गुरु शिखर
II. सेर
III. दिलवाड़ा
IV. अचलगढ़
(A) I, II, III, IV
(B) I, III, II, IV
(C) II, I, III, IV
(D) IV, III, II, I

57. जिलों के हालिया पुनर्गठन से पहले, पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले राजस्थान के चार मूल जिले जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और कौन-से थे?
(A) हनुमानगढ़
(B) जोधपुर
(C) नागौर
(D) श्रीगंगानगर

58. मरुस्थलीय भूगोल में, कठोर, चट्टानी मरुस्थलीय क्षेत्र जो काफी हद तक रेत से रहित होता है, उसे क्या कहा जाता है?
(A) हम्मादा
(B) इर्ग
(C) रेग
(D) प्लाया

59. निम्नलिखित जिलों और उनके प्राथमिक भौतिक प्रदेश के असत्य युग्म की पहचान कीजिए।
(A) जैसलमेर – थार मरुस्थल
(B) बीकानेर – हाड़ौती का पठार
(C) उदयपुर – अरावली पहाड़ी प्रदेश
(D) भरतपुर – पूर्वी मैदान

60. मध्य अरावली क्षेत्र में स्थित तारागढ़ की प्रमुख चोटी किस जिले में स्थित है?
(A) राजसमंद
(B) अजमेर
(C) पाली
(D) जयपुर

61. राजस्थान का कौन-सा जिला गुजरात और मध्य प्रदेश दोनों के साथ अपनी अंतरराज्यीय सीमाएं साझा करता है?
(A) बांसवाड़ा
(B) डूंगरपुर
(C) प्रतापगढ़
(D) झालावाड़

62. सूची I में दिए गए क्षेत्रों के ऐतिहासिक/भौगोलिक वर्गीकरण को सूची II में दिए गए उनके संबंधित क्षेत्रों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (क्षेत्र)
P. मेवाड़
Q. मारवाड़

NODIA

R. वागड़
S. ढूंढाड़

सूची II: (संबंधित क्षेत्र)
1. डूंगरपुर और बांसवाड़ा
2. उदयपुर क्षेत्र
3. जयपुर क्षेत्र
4. जोधपुर क्षेत्र

(A) मारवाड़ क्षेत्र
(B) ढूंढाड़ क्षेत्र
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) वागड़ क्षेत्र

63. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: कर्क रेखा राजस्थान के सबसे उत्तरी भाग से होकर गुजरती है।
कथन II: बांसवाड़ा शहर कर्क रेखा के अत्यधिक निकट स्थित है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) केवल कथन I सही है
(B) केवल कथन II सही है
(C) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(D) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं

64. हालिया पुनर्गठन के दौरान नवगठित फलोदी जिला मुख्य रूप से किस मूल जिले से अलग करके बनाया गया था?
(A) बीकानेर
(B) जैसलमेर
(C) जोधपुर
(D) बाड़मेर

65. हाड़ौती क्षेत्र की भौतिक विशेषताएं और मृदा का प्रकार इसे किन प्रमुख फसलों की खेती के लिए अत्यधिक उपयुक्त बनाते हैं?
(A) बाजरा और मोठ
(B) कपास और सोयाबीन
(C) सेब और केसर
(D) चाय और कॉफी

66. भूकंपीय संवेदनशीलता के आधार पर, राजस्थान का निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र उच्च जोखिम वाले जोन IV के अंतर्गत आता है?
(A) पश्चिमी जैसलमेर और बाड़मेर
(B) दक्षिणी बांसवाड़ा और डूंगरपुर
(C) मध्य अजमेर और नागौर
(D) अलवर और भरतपुर

67. अरावली पर्वतमाला की अनुमानित औसत ऊंचाई कितनी है?
(A) 600 मीटर
(B) 930 मीटर
(C) 1220 मीटर
(D) 1500 मीटर

NODIA

68. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): लूनी नदी को प्रायः 'लवणवती' या खारी नदी कहा जाता है।
कारण (R): बालोतरा पहुंचने के बाद क्षेत्र की मिट्टी में उच्च लवणता के कारण लूनी नदी का जल अत्यधिक खारा हो जाता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

69. राजस्थान का अनुमानित देशांतरीय विस्तार क्या है?
(A) 69° 30' पूर्वी से 78° 17' पूर्वी देशांतर
(B) 68° 07' पूर्वी से 97° 25' पूर्वी देशांतर
(C) 70° 30' पूर्वी से 79° 17' पूर्वी देशांतर
(D) 65° 30' पूर्वी से 75° 15' पूर्वी देशांतर

70. राजस्थान के पूर्वी मैदानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इनका निर्माण बनास, माही और चंबल जैसी नदियों के निक्षेपण कार्य द्वारा हुआ है।
II. यह राजस्थान का सबसे सघन आबादी वाला भौतिक विभाग है।
III. यह मुख्य रूप से रेतीली, अत्यधिक अनुपजाऊ मृदा से आच्छादित है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

www.nodia.in

60. (C) चार
वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 में मूल रूप से पौधों और जानवरों की सुरक्षा के स्तर के आधार पर 6 अनुसूचियाँ थीं। वर्ष 2022 में किए गए संशोधन अधिनियम द्वारा इन अनुसूचियों की संरचना को सरल बनाते हुए कुल अनुसूचियों की संख्या घटाकर 4 कर दी गई। इसमें अनुसूची I को सर्वोच्च सुरक्षा, अनुसूची II को कम सुरक्षा, अनुसूची III को पौधों के लिए तथा अनुसूची IV को साइट्स (CITES) के तहत संरक्षित नमूनों के लिए निर्दिष्ट किया गया है।

61. (D) केंद्रीय पर्यावरण मंत्री
राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत की गई है। यह प्राधिकरण देश में प्रोजेक्ट टाइगर और बाघ अभयारण्यों के सुचारू संचालन का मार्गदर्शन करता है। इस निकाय की अध्यक्षता पदेन रूप से भारत सरकार के केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा की जाती है। यह प्राधिकरण बाघों के आवासों की सुरक्षा, गलियारों के विकास और संरक्षण मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिम्मेदार है।

62. (C) मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान
प्रवाल भित्तियाँ या कोरल रीफ्स अत्यधिक जैविक विविधता का केंद्र होती हैं, इसलिए इन्हें प्रायः 'समुद्र का वर्षावन' कहा जाता है। भारत में मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान, जो तमिलनाडु के तट पर स्थित है, अपनी समृद्ध प्रवाल भित्तियों और समुद्री जीव-जंतुओं के लिए प्रसिद्ध है। इस संरक्षित क्षेत्र में मूंगे की अनेक दुर्लभ प्रजातियाँ, समुद्री घास, डुगोंग और विविध प्रकार की मछलियाँ सुरक्षित रूप से पाई जाती हैं, जो तटीय पारिस्थितिकी को मजबूती प्रदान करती हैं।

63. (B) सामुदायिक रिजर्व (कम्युनिटी रिजर्व) का प्रबंधन स्थानीय भागीदारी के बिना केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है।
भारत में संरक्षित क्षेत्रों की श्रेणियों के अंतर्गत 'सामुदायिक रिजर्व' या कम्युनिटी रिजर्व की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ही स्थानीय निवासियों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इन क्षेत्रों का प्रबंधन स्थानीय लोगों और वन विभाग की संयुक्त समिति द्वारा किया जाता है, न कि स्थानीय भागीदारी के बिना केवल केंद्र सरकार द्वारा। अतः यह कहना कि इसमें स्थानीय भागीदारी नहीं होती, पूरी तरह गलत है क्योंकि यह श्रेणी समुदाय-आधारित संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

64. (D) सांभर साल्ट लेक (सांभर झील)
राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय महत्व की दो प्रमुख रामसर आर्द्रभूमियाँ स्थित हैं। पहली भरतपुर का केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है, जबकि दूसरी जयपुर के निकट स्थित सांभर साल्ट लेक या सांभर झील है। सांभर झील भारत की सबसे बड़ी आंतरिक खारे पानी की झील है। यह आर्द्रभूमि सर्दियों के दौरान हज़ारों की संख्या में आने वाले फ्लेमिंगो (हंसवार) और अन्य जलपक्षियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवास और भोजन का स्रोत प्रदान करती है।

65. (A) सामुदायिक रिजर्व
वर्ष 2002 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम में किए गए संशोधन के माध्यम से 'सामुदायिक रिजर्व' नामक एक नई संरक्षित क्षेत्र श्रेणी को जोड़ा गया था। इस प्रावधान का मुख्य उद्देश्य उन निजी या सामुदायिक भूमियों को कानूनी सुरक्षा और दर्जा प्रदान करना था जहाँ स्थानीय समुदाय या व्यक्ति स्वेच्छा से वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा करने के लिए आगे आते हैं। यह कदम पारंपरिक सामुदायिक संरक्षण प्रयासों को आधिकारिक मान्यता देने में सहायक सिद्ध हुआ है।

66. (C) डीएनए विश्लेषण
वन्यजीव गणना की आधुनिक और गैर-आक्रामक तकनीकों में जानवरों के मल या विष्ठा नमूनों का आनुवंशिक विश्लेषण शामिल है। इस वैज्ञानिक पद्धति में मल से निकाले गए डीएनए का प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है। इसके माध्यम से किसी विशिष्ट वन क्षेत्र में मौजूद प्रजातियों की सटीक पहचान, उनके लिंग, व्यक्तिगत गिनती और आनुवंशिक विविधता की जानकारी बिना जानवरों को पकड़े या नुकसान पहुँचाए प्राप्त कर ली जाती है, जो अत्यंत सटीक परिणाम प्रदान करती है।

67. (A) सुंदरी
पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में फैले विश्व के सबसे बड़े मैंग्रोव डेल्टा को 'सुंदरबन' का नाम मुख्य रूप से यहाँ बहुतायत में पाई जाने वाली 'सुंदरी' नामक वृक्ष प्रजाति के कारण मिला है। सुंदरी के पेड़ तटीय खारे पानी और दलदली मिट्टी में पनपने के लिए अत्यधिक अनुकूलित होते हैं। इन पेड़ों की लकड़ी अत्यंत मजबूत और टिकाऊ होती है तथा इनकी जटिल जड़ प्रणालियाँ तटीय डेल्टा की मिट्टी को बांधकर समुद्री कटाव को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

68. (D) मणिपुर
संगाई हिरण जिसे ब्रो-एंटीलर हिरण भी कहा जाता है, मणिपुर का आधिकारिक राज्य पशु है। यह गंभीर रूप से संकटग्रस्त हिरण केवल मणिपुर की प्रसिद्ध लोकटक झील पर तैरने वाले प्राकृतिक द्वीपों जिन्हें 'फुमडी' कहा जाता है, में पाया जाता है। केबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान विश्व का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है जो इस हिरण का अंतिम प्राकृतिक आवास है। इस विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के कारण संगाई हिरण का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

69. (B) मिर्च की रस्सियाँ या सक्रिय मधुमक्खी के छत्तों जैसी बायो-फेंसिंग (जैविक बाड़) लगाना
कृषि क्षेत्रों के आसपास मानव-हाथी संघर्ष को रोकने के लिए पर्यावरण-अनुकूल और प्रभावी शमन तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसमें मिर्च के पाउडर में डूबी रस्सियाँ और मधुमक्खी के छत्तों की जैविक बाड़ शामिल है। हाथी मधुमक्खियों की भिनभिनाहट से अत्यधिक डरते हैं और मिर्च की गंध से दूर भागते हैं। ये गैर-हानिकारक तरीके हाथियों को फसलों को नुकसान पहुँचाने से रोकते हैं तथा बिना किसी जीव को चोट पहुँचाए खेत की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

11. (C) 61.11%
राजस्थान का उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थलीय प्रदेश राज्य का सबसे बड़ा भौतिक प्रभाग है। यह राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 61.11% भाग आच्छादित करता है। यह मरुस्थल विश्व का सबसे अधिक आबादी और जैव विविधता वाला मरुस्थलीय क्षेत्र माना जाता है। यह क्षेत्र अरावली श्रेणी के पश्चिम में विस्तृत है। अरावली पर्वतमाला इस मरुस्थल के पूर्व की ओर प्रसार को रोकती है।

12. (C) 40%
उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थल राजस्थान का सबसे विस्तृत भौतिक प्रदेश है, जो राज्य के 61.11% क्षेत्रफल पर फैला है। अपनी शुष्क जलवायुवीय परिस्थितियों के कारण इस क्षेत्र में राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 40% भाग निवास करता है। विश्व के अन्य मरुस्थलों की तुलना में थार में जनघनत्व अधिक है। जल की सीमित उपलब्धता के बावजूद यहां सघन बसावट पाई जाती है।

13. (A) बरखान
थार मरुस्थल में पवनों द्वारा निर्मित अर्धचंद्राकार आकृतियों वाले बालुका स्तूपों को स्थानीय भाषा में 'बरखान' कहा जाता है। ये बालुका स्तूप गतिशीलता और मरुस्थलीकरण की दृष्टि से अत्यधिक खतरनाक माने जाते हैं क्योंकि ये पवन की दिशा में तेजी से स्थानांतरित होते हैं। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र तथा चूरू के भालेरी क्षेत्र में बरखान स्तूपों की बहुतायत पाई जाती है।

14. (C) गोडवाड़ प्रदेश
लूनी नदी और उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित अपवाह क्षेत्र को स्थानीय रूप से 'गोडवाड़ प्रदेश' कहा जाता है। यह क्षेत्र दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के पाली, जालोर, सांचौर और बाड़मेर जिलों में विस्तृत है। गोडवाड़ प्रदेश एक अर्ध-शुष्क भौतिक भाग है। लूनी नदी अजमेर की नाग पहाड़ियों से निकलती है तथा बालोतरा के बाद इसका जल अत्यधिक खारा हो जाता है।

15. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
अरावली पर्वतमाला राजस्थान में एक प्रमुख जल विभाजक के रूप में कार्य करती है। यह पर्वत श्रेणी राज्य के अपवाह तंत्र को दो भागों में विभाजित करती है। अरावली के पूर्व में बहने वाली नदियां बनास, चंबल अपना जल बंगाल की खाड़ी में ले जाती हैं, जबकि पश्चिम की नदियां अरब सागर में जल गिराती हैं। अतः दोनों कथन सही हैं।

16. (C) नदी प्रणालियां
राजस्थान के पूर्वी मैदानी प्रदेश का निर्माण मुख्य रूप से बनास, चंबल, माही तथा बाणगंगा जैसी प्रमुख नदियों और उनकी सहायक नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ मिट्टी के निक्षेपण से हुआ है। यह मैदान राज्य के पूर्व में स्थित है और अत्यधिक उपजाऊ माना जाता है। निक्षेपण प्रक्रिया के कारण यहां कृषि उत्पादकता अधिक है, जिससे यह सघन आबादी वाला क्षेत्र है।

17. (B) छप्पन का मैदान
दक्षिण राजस्थान के बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ जिलों के मध्य स्थित माही नदी के मैदानी भाग को स्थानीय रूप से 'छप्पन का मैदान' कहा जाता है। यह नाम इस क्षेत्र में स्थित 56 गांवों के समूह अथवा 56 नालों के प्रवाह क्षेत्र के कारण पड़ा है। माही नदी इस क्षेत्र को उपजाऊ बनाती है जहां लाल-लोमी मृदा बहुतायत में मिलती है, जो कृषि हेतु उत्तम है।

18. (D) आग्नेय (बेसाल्टिक) चट्टानें
राजस्थान का दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठारी प्रदेश मालवा पठार का भाग है। इस पठार का निर्माण प्राचीन ज्वालामुखीय क्रियाओं से निकले लावे के जमने से हुआ है, जिस कारण इसमें बेसाल्टिक आग्नेय चट्टानों की प्रधानता पाई जाती है। इन बेसाल्टिक चट्टानों के अपक्षय से उपजाऊ काली मृदा का निर्माण हुआ है। कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिले इसके अंतर्गत आते हैं।

19. (C) 1722 मीटर
गुरु शिखर अरावली पर्वत श्रेणी तथा राजस्थान की सर्वोच्च पर्वत चोटी है। यह सिरोही जिले के माउंट आबू में स्थित है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 1722 मीटर है। इस शिखर पर संत दत्तात्रेय का मंदिर स्थित होने के कारण कुछ स्थानों पर इसकी ऊंचाई 1727 मीटर बताई जाती है। कर्नल जेम्स टॉड ने इसे 'संतों का शिखर' नाम दिया था।

20. (C) सांभर झील
जयपुर, दूदू और डीडवाना-कुचामन जिलों की सीमाओं पर स्थित सांभर झील को राजस्थान का सबसे निचला भौगोलिक बिंदु माना जाता है। यह झील समुद्र तल से मात्र 290 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। सांभर झील भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील है, जहां देश के कुल नमक उत्पादन का लगभग 8.7% भाग उत्पादित किया जाता है। इसमें कई नदियां गिरती हैं।

21. (A) नाल
अरावली पर्वत श्रेणी में पाई जाने वाली तंग घाटियों तथा पर्वतीय रास्तों को स्थानीय भाषा में 'नाल' कहा जाता है। ये नाल पर्वतीय श्रेणियों को पार करने के प्राकृतिक मार्ग प्रदान करते हैं। राजस्थान के पाली और राजसमंद जिलों में अनेक प्रसिद्ध नाल स्थित हैं, जैसे देसूरी की नाल, झीलवा की नाल तथा हाथीगुड़ा नाल। ये दर्रे प्राचीन समय से ही व्यापारिक और सामरिक आवागमन हेतु अत्यंत उपयोगी रहे हैं।

22. (A) केवल I और II
राजस्थान का उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थल अरावली श्रेणी के पश्चिम में स्थित एक विशाल शुष्क क्षेत्र है। यह राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 61.11% भाग आच्छादित करता है। अत्यधिक वर्षा और घने सदाबहार वन इस मरुस्थल की विशेषता नहीं हैं, क्योंकि यहां कम वर्षा तथा कंटीली झाड़ियां ही पाई जाती हैं। अतः प्रथम एवं द्वितीय विवरण ही पूर्णतः सही और सत्य हैं।

NODIA

अध्याय 14
राजस्थान की जलवायु, वनस्पति एवं मृदा

1. राजस्थान के सबसे बड़े भौगोलिक क्षेत्र को मुख्य रूप से किस प्रकार की जलवायु आच्छादित करती है?
(A) आर्द्र एवं उप-आर्द्र
(B) शुष्क एवं अर्ध-शुष्क
(C) उष्णकटिबंधीय आर्द्र
(D) अल्पाइन एवं उप-अल्पाइन

2. राजस्थान के पश्चिमी भागों में ग्रीष्म ऋतु की मुख्य विशेषता क्या है?
(A) उच्च तापमान एवं तीव्र शुष्क हवाएं
(B) मध्यम वायुमंडलीय तापमान के साथ निरंतर उच्च आर्द्रता
(C) शीत ऋतु की परिस्थितियों के साथ निरंतर भारी वर्षा
(D) स्थानीय ओलावृष्टि के साथ बार-बार तीव्र गर्जन-तूफान

3. राजस्थान में शीतकालीन वर्षा, जिसे स्थानीय रूप से 'मावठ' कहा जाता है, मुख्य रूप से किस प्रकार की फसलों के लिए लाभदायक है?
(A) खरीफ की फसलें
(B) जायद की फसलें
(C) रबी की फसलें
(D) रोपण फसलें

4. राजस्थान में 'मावठ' होने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी मौसम प्रणाली उत्तरदायी है?
(A) दक्षिण-पश्चिम मानसूनी पवनें
(B) लौटते हुए मानसून की प्रणालियां
(C) स्थानीय मानसून-पूर्व बौछारें
(D) पश्चिमी विक्षोभ

5. राजस्थान में वर्षा की मात्रा के घटने की सामान्य दिशा क्या है?
(A) उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व
(B) दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम
(C) दक्षिण से उत्तर
(D) पूर्व से पश्चिम

6. राजस्थान के किस जिले में सामान्यतः सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा होती है?
(A) जैसलमेर
(B) झालावाड़
(C) बीकानेर
(D) चूरू

7. बंगाल की खाड़ी की शाखा से राजस्थान में प्रवेश करने वाली मानसूनी पवनों को स्थानीय रूप से किस नाम से जाना जाता है?
(A) लू
(B) आंधी
(C) दोगड़ा
(D) पुरवैया

8. राजस्थान में वर्ष का सबसे गर्म महीना निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) अप्रैल
(B) मई
(C) जून
(D) जुलाई

9. ग्रीष्मकाल के दौरान उच्चतम अधिकतम तापमान दर्ज करने के लिए राजस्थान का कौन सा जिला ऐतिहासिक रूप से जाना जाता है?
(A) जयपुर
(B) उदयपुर
(C) चूरू
(D) अजमेर

10. राजस्थान में तापमान वितरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र में दैनिक तापांतर सर्वाधिक होता है।
II. माउंट आबू में अत्यधिक ऊंचाई के कारण शीत ऋतु में सबसे कम तापमान दर्ज किया जाता है।
III. राजस्थान का दक्षिणी भाग शुष्क मरुस्थलीय जलवायु का अनुभव करता है।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

11. राजस्थान में बार-बार सूखा पड़ने की परिस्थितियों का प्राथमिक प्राकृतिक कारण क्या है?
(A) पशुधन द्वारा व्यापक अतिचारण
(B) अरावली पर्वत क्षेत्र में व्यापक वनोन्मूलन
(C) फसल सिंचाई के लिए भूजल का अत्यधिक और अविवेकपूर्ण उपयोग

Click Here to Buy book on Amazon

35. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
राजस्थान को चार मुख्य भौतिक प्रभागों में बांटा गया है। थार मरुस्थल राज्य का सबसे बड़ा भौतिक प्रदेश है, जो कुल क्षेत्रफल के 61.11% भाग पर है। पूर्वी मैदान 23.03% भाग पर स्थित है। अरावली पर्वतीय प्रदेश का क्षेत्रफल लगभग 9.00% है। दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठार राज्य के कुल भू-भाग का लगभग 6.89% हिस्सा आच्छादित करता है, जो सबसे छोटा है।

36. (C) अनुदैर्ध्य (रेखीय) बालुका स्तूप
थार मरुस्थल में प्रचलित पवनों की दिशा के समानांतर निर्मित होने वाले रेखीय टीलों को अनुदैर्ध्य या रेखीय बालुका स्तूप कहा जाता है। ये स्तूप हवा की दिशा के साथ समानांतर लंबी पट्टियों के रूप में बनते हैं। राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर जिलों के पश्चिमी भागों में ऐसे बालुका स्तूपों की प्रधानता पाई जाती है, जिन्हें सीफ भी कहते हैं।

37. (A) तोरावाटी
कांतली नदी शेखावाटी क्षेत्र की एक प्रमुख आंतरिक अपवाह नदी है, जो सीकर की खंडेला पहाड़ियों से निकलकर झुंझुनूं जिले में प्रवाहित होती है। कांतली नदी के इस प्रवाह क्षेत्र या बेसिन को स्थानीय भाषा में 'तोरावाटी' कहा जाता है। ऐतिहासिक रूप से यह क्षेत्र तंवर राजपूतों का शासन क्षेत्र रहा है, जिसके कारण इसे यह नाम स्थानीय रूप से मिला है।

38. (D) श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़
राजस्थान के उत्तर में स्थित घग्घर नदी का मैदान प्राचीन वैदिक नदियों सरस्वती और दृषद्वती के निक्षेपण द्वारा निर्मित हुआ है। वर्तमान समय में यह घग्घर मैदान मुख्य रूप से हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में स्थित है। घग्घर नदी को प्राचीन सरस्वती का अवशेष माना जाता है। इसके प्रवाह मार्ग को स्थानीय रूप से 'नाली' कहा जाता है, जो कृषि हेतु प्रसिद्ध है।

39. (B) कुंभलगढ़ और गोगुंदा
राजस्थान में अरावली श्रेणी के अंतर्गत स्थित 'भोराठ का पठार' एक प्रमुख पठारी भू-भाग है। यह पठार राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ तथा उदयपुर जिले के गोगुंदा के मध्य विस्तृत है। समुद्र तल से इसकी औसत ऊंचाई लगभग 1225 मीटर दर्ज की गई है। यह राज्य के प्रमुख ऊंचे पठारों में गिना जाता है जो जल विभाजक का कार्य करता है और महत्वपूर्ण है।

40. (C) उपजाऊ मृदा के कारण कृषि
राजस्थान का पूर्वी मैदानी प्रदेश नदियों द्वारा लाई गई उपजाऊ जलोढ़ मृदा से निर्मित हुआ है। यहां जल संसाधनों की सुलभता, समतल धरातल तथा उपजाऊ भूमि पाई जाती है। इन अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इस क्षेत्र के लोगों की आजीविका मुख्य रूप से कृषि एवं संबद्ध कार्यों पर ही निर्भर करती है। यहां गहन कृषि सफलता पूर्वक की जाती है।

41. (D) अरावली वृक्षारोपण परियोजना
अरावली पर्वत श्रेणी में हो रहे वनोन्मूलन और पारिस्थितिक असंतुलन को रोकने के लिए 'अरावली वृक्षारोपण परियोजना' प्रारंभ की गई थी। यह परियोजना जापानी संस्था के वित्तीय सहयोग से राज्य के विभिन्न जिलों में चलाई गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अरावली पहाड़ियों का वनीकरण करना, मृदा क्षरण रोकना और मरुस्थल के पूर्व की ओर प्रसार को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना था।

42. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
पश्चिमी राजस्थान के थार मरुस्थल में अत्यधिक दैनिक तापांतर देखने को मिलता है। दिन में तापमान बहुत अधिक तथा रात में काफी कम हो जाता है। इसका मुख्य कारण यहां की रेतीली मृदा है जो दिन में तेजी से ऊष्मा अवशोषित करती है और रात में तेजी से ठंडी हो जाती है। अतः दोनों कथन सही हैं और व्याख्या सही है।

43. (B) एक पारंपरिक जल संचयन संरचना
पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर जिले में पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा विकसित पारंपरिक जल संचयन पद्धति को 'खड़ीन' कहा जाता है। इसमें ढालू भूमि के निचले भाग में बांध बनाकर वर्षाजल को एकत्रित किया जाता है। जल रिसाव और वाष्पीकरण के बाद बची नमीयुक्त भूमि में कृषि की जाती है। यह मरुस्थलीय क्षेत्रों में जल प्रबंधन की एक प्राचीन व प्रभावी तकनीक है।

44. (B) जैसलमेर
राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में से जैसलमेर जिला पाकिस्तान के साथ सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है। जैसलमेर द्वारा पाकिस्तान के साथ बनाई जाने वाली रेडक्लिफ सीमा की कुल लंबाई 464 किलोमीटर है। इसके विपरीत, बीकानेर जिला पाकिस्तान के साथ सबसे छोटी सीमा (168 किमी) साझा करता है। सुरक्षा की दृष्टि से यह अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील क्षेत्र है।

45. (A) विषमकोण चतुर्भुज (पतंगाकार)
राजस्थान के मानचित्र का अध्ययन करने पर इसका समग्र आकार एक विषमकोणीय चतुर्भुज अथवा पतंगाकार आकृति के समान दिखाई देता है। प्रसिद्ध विद्वान टी. एच. हैंडले ने सर्वप्रथम राजस्थान के इस भौगोलिक आकार को विषमकोण चतुर्भुज के रूप में वर्णित किया था। राज्य की उत्तर से दक्षिण लंबाई 826 किमी तथा पूर्व से पश्चिम चौड़ाई 869 किमी पाई जाती है।

46. (C) पंजाब
राजस्थान राज्य की ठीक उत्तर दिशा में भारत का पंजाब राज्य स्थित है। पंजाब राजस्थान के साथ सबसे छोटी अंतरराज्यीय सीमा साझा करता है, जिसकी कुल लंबाई 89 किलोमीटर है। राजस्थान के दो उत्तरी जिले श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ पंजाब के साथ सीमा बनाते हैं। दोनों राज्यों के बीच जल बंटवारे और नहरों का गहरा संबंध हमेशा से विद्यमान रहा है।

47. (D) यह विवर्तनिक हलचलों से बनी एक नवीन ब्लॉक पर्वत श्रेणी है।
अरावली पर्वतमाला के संदर्भ में यह विवरण गलत है कि यह एक नवीन ब्लॉक पर्वत है। वास्तव में अरावली विश्व की सबसे

NODIA

23. (C) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ के पृथक होने पर राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य बना। राज्य का कुल क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किलोमीटर है, जो संपूर्ण भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 10.41% हिस्सा है। इस प्रकार दोनों दिए गए विवरण भौगोलिक तथ्यों के अनुसार पूरी तरह सही एवं सत्य साबित होते हैं और राज्य का आकार विशाल है।

24. (C) जोन II और III
भारतीय मानकीकरण ब्यूरो द्वारा तैयार भूकंपीय क्षेत्रीकरण मानचित्र के अनुसार, राजस्थान का अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र कम से मध्यम जोखिम वाले भूकंपीय जोन II और जोन III के अंतर्गत आता है। राज्य का पश्चिमी तथा उत्तर-पूर्वी कुछ हिस्सा जोन IV में शामिल है, लेकिन बड़ा भूभाग जोन II तथा III में ही वर्गीकृत किया गया है। यह अधिकांश क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से कम संवेदनशील माना जाता है।

25. (D) पवन अपरदन
पश्चिमी राजस्थान में मरुस्थलीकरण और मरुस्थल के प्रसार का प्राथमिक प्राकृतिक कारण तीव्र पवन अपरदन है। शुष्क जलवायु, अत्यधिक तापमान और रेतीली ढीली मिट्टी के कारण चलने वाली हवाएं रेत के कणों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करती हैं। इस प्रक्रिया से उपजाऊ भूमि रेतीले टीलों में बदल जाती है, जिसे मरुस्थल का मार्च या प्रसार कहा जाता है।

26. (C) 50
राजस्थान में प्रशासनिक सुगमता और बेहतर शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 2023 में पुनर्गठन किया गया। पूर्व में राज्य में कुल 33 जिले थे। रामलुभाया समिति की सिफारिशों के आधार पर नए जिलों के गठन की अधिसूचना जारी की गई। इस प्रशासनिक फेरबदल के पश्चात राजस्थान में जिलों की कुल संख्या बढ़कर 50 हो गई है, जिससे प्रशासनिक दक्षता बढ़ी।

27. (B) गिरवा
उदयपुर शहर के चारों ओर फैली हुई तश्तरीनुमा पहाड़ियों की श्रृंखला को स्थानीय भाषा में 'गिरवा' कहा जाता है। मेवाड़ क्षेत्र में गिरवा का शाब्दिक अर्थ पहाड़ियों की श्रृंखला होता है। इन पहाड़ियों के बीच स्थित घाटी में ही उदयपुर शहर बसा हुआ है। यह भौगोलिक संरचना शहर को प्राकृतिक सुरक्षा एवं सुंदरता प्रदान करने में सहायक सिद्ध होती है।

28. (B) मध्य प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश
राजस्थान पांच पड़ोसी राज्यों के साथ कुल 4850 किमी अंतरराज्यीय सीमा बनाता है। सीमा की लंबाई के घटते क्रम में मध्य प्रदेश (1600 किमी) प्रथम है। इसके पश्चात क्रमशः हरियाणा (1262 किमी), गुजरात (1022 किमी), उत्तर प्रदेश (877 किमी) तथा पंजाब (89 किमी) आते हैं। इस प्रकार राज्यों की सीमा लंबाई का घटता क्रम पूर्णतः स्पष्ट एवं सही प्रतीत होता है।

29. (A) गुजरात के पालमपुर से दिल्ली में रायसीना पहाड़ी तक
अरावली पर्वतमाला दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा में फैली हुई है। इसका भौगोलिक विस्तार गुजरात के पालनपुर से प्रारंभ होकर राजस्थान व हरियाणा से होते हुए दिल्ली की रायसीना पहाड़ी तक विस्तृत है। रायसीना पहाड़ी पर राष्ट्रपति भवन स्थित है। इस संपूर्ण अरावली पर्वतमाला की कुल लंबाई लगभग 692 किलोमीटर दर्ज की गई है, जो विभिन्न राज्यों को स्पर्श करती है।

30. (B) 550 किमी
अरावली पर्वतमाला की कुल लंबाई गुजरात से दिल्ली तक 692 किलोमीटर है। इस पर्वत श्रृंखला का मुख्य हिस्सा राजस्थान में ही स्थित है। राजस्थान में यह सिरोही के खेडब्रह्मा से झुंझुनूं के खेतड़ी तक लगभग 550 किलोमीटर की लंबाई में विस्तृत है। यह संपूर्ण अरावली श्रेणी की कुल लंबाई का लगभग 80% हिस्सा अकेले राजस्थान में आच्छादित करती है।

31. (D) काली मृदा
राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठारी प्रदेश का निर्माण बेसाल्टिक लावे के अपक्षय से हुआ है। इस कारण इस क्षेत्र में मुख्य रूप से मध्यम काली मृदा पाई जाती है। यह मृदा जल और नमी धारण करने की उच्च क्षमता के लिए जानी जाती है। यह काली मृदा कपास, सोयाबीन तथा संतरा जैसी फसलों की उपज हेतु अत्यधिक उपयुक्त मानी जाती है।

32. (B) 23.03%
राजस्थान का पूर्वी मैदानी प्रदेश राज्य के चार प्रमुख भौतिक प्रभागों में से एक है। यह अरावली के पूर्व में स्थित है तथा विभिन्न नदी बेसिनों से निर्मित हुआ है। यह मैदानी भाग राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के लगभग 23.03% भाग को आच्छादित करता है। जलोढ़ मृदा की उपस्थिति के कारण यह कृषि की दृष्टि से अत्यधिक समृद्ध माना जाता है।

33. (C) 39%
राजस्थान का पूर्वी मैदानी प्रदेश राज्य का सबसे उपजाऊ भौतिक विभाग है। यह प्रदेश कुल क्षेत्रफल का 23.03% भाग घेरता है, परंतु उपजाऊ जलोढ़ मृदा और जल की उपलब्धता के कारण यहां राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 39% भाग निवास करता है। यह क्षेत्र राज्य में सर्वाधिक जनघनत्व वाला भौगोलिक प्रदेश माना जाता है, जहां सघन कृषि एवं बसावट है।

34. (D) भीलवाड़ा
राजस्थान का दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठारी प्रदेश मुख्य रूप से चार जिलों कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ में विस्तृत है। इस भौगोलिक क्षेत्र को ऐतिहासिक रूप से हाड़ौती कहा जाता है। भीलवाड़ा जिला हाड़ौती पठारी प्रदेश का भाग न होकर अरावली और पूर्वी मैदानी भाग के अंतर्गत आता है। अतः भीलवाड़ा हाड़ौती क्षेत्र से पूरी तरह पृथक एवं भिन्न जिला है।

Downloaded from www.pdf.tube

60. (B) अजमेर
तारागढ़ चोटी मध्य अरावली श्रेणी का एक प्रमुख शिखर है जो अजमेर जिले में स्थित है। इसकी ऊंचाई लगभग 870 मीटर है। इस पहाड़ी पर प्रसिद्ध ऐतिहासिक तारागढ़ दुर्ग बना हुआ है। मध्य अरावली का विस्तार मुख्य रूप से अजमेर जिले में ही पाया जाता है जहां नाग पहाड़ भी स्थित है जिससे लूनी नदी का उद्गम होता है।

61. (A) बांसवाड़ा
राजस्थान का बांसवाड़ा जिला दो पड़ोसी राज्यों के साथ अपनी सीमाएं साझा करता है। बांसवाड़ा की सीमा पूर्व में मध्य प्रदेश के साथ लगती है, जबकि दक्षिण-पश्चिम में गुजरात राज्य को स्पर्श करती है। बांसवाड़ा राजस्थान का सुदूर दक्षिणी जिला है, जहां से होकर कर्क रेखा भी गुजरती है। यह दोनों राज्यों से सीमा बनाता है और महत्वपूर्ण है।

62. (C) P-2, Q-4, R-1, S-3
राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों को ऐतिहासिक रूप से विशिष्ट नामों से जाना जाता है। मेवाड़ उदयपुर क्षेत्र को कहा जाता है। मारवाड़ जोधपुर और उसके आसपास के क्षेत्र को संदर्भित करता है। वागड़ डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों का क्षेत्र कहलाता है। ढूंढाड़ जयपुर और उसके आसपास के भू-भाग को कहा जाता है, जो ढूंढ नदी के कारण प्रसिद्ध है।

63. (B) केवल कथन II सही है
कर्क रेखा राजस्थान के उत्तरी भाग से नहीं, बल्कि सुदूर दक्षिणी भाग से होकर गुजरती है। अतः प्रथम कथन असत्य है। कर्क रेखा डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों से गुजरती है। बांसवाड़ा शहर कर्क रेखा के अत्यधिक निकट स्थित है। अतः केवल द्वितीय कथन ही भौगोलिक दृष्टि से पूर्णतः सत्य है जबकि प्रथम गलत साबित होता है।

64. (C) जोधपुर
वर्ष 2023 में राजस्थान में हुए प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत नवगठित फलोदी जिला मुख्य रूप से मूल जोधपुर जिले को विभाजित करके बनाया गया। फलोदी थार मरुस्थल के मध्य में स्थित है। इसे राजस्थान का सबसे शुष्क स्थान माना जाता है। जोधपुर जिले से पृथक होकर यह नया जिला अस्तित्व में आया जिससे प्रशासनिक कार्य आसान हुए हैं।

65. (B) कपास और सोयाबीन
दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठारी प्रदेश की मुख्य विशेषता यहां पाई जाने वाली मध्यम काली मृदा है। लावे से निर्मित इस मृदा में जल और नमी रोकने की क्षमता अधिक होती है। यह उपजाऊ काली मिट्टी कपास और सोयाबीन जैसी फसलों के लिए अत्यधिक उपयुक्त होती है। राज्य का अधिकांश सोयाबीन उत्पादन इसी पठारी भाग में ही संपन्न होता है।

66. (D) अलवर और भरतपुर
राजस्थान के उत्तर-पूर्व में स्थित अलवर और भरतपुर जिले भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील हैं। दिल्ली और अरावली भ्रंश रेखाओं के निकट होने के कारण इन्हें उच्च जोखिम वाले भूकंपीय 'जोन IV' के अंतर्गत रखा गया है। इसके विपरीत राज्य का अधिकांश भूभाग जोन II और जोन III के अंतर्गत आता है जो अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

67. (B) 930 मीटर
अरावली पर्वत श्रेणी विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में शामिल है। निरंतर प्राकृतिक अपरदन के कारण इसकी ऊंचाई समय के साथ कम हुई है। वर्तमान में अरावली पर्वतमाला की समुद्र तल से औसत ऊंचाई लगभग 930 मीटर आंकी गई है। दक्षिण-पश्चिमी भाग में इसकी ऊंचाई सर्वाधिक पाई जाती है जहां गुरु शिखर जैसी ऊंची चोटियां स्थित हैं।

68. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
लूनी नदी को 'लवणवती' या खारी नदी कहा जाता है। यह नदी अजमेर से निकलकर बाड़मेर के बालोतरा तक मीठे जल के रूप में बहती है। बालोतरा के आसपास धरातलीय मिट्टी में अत्यधिक लवणता पाई जाती है, जिससे नदी का जल खारा हो जाता है। अतः अभिकथन एवं कारण दोनों सही हैं तथा R सही व्याख्या प्रदान करता है।

69. (A) 69° 30' पूर्वी से 78° 17' पूर्वी देशांतर
राजस्थान राज्य का देशांतरीय विस्तार 69° 30' पूर्वी देशांतर से 78° 17' पूर्वी देशांतर के मध्य विस्तृत है। राज्य का सबसे पश्चिमी बिंदु जैसलमेर में तथा सबसे पूर्वी बिंदु धौलपुर जिले में स्थित है। राजस्थान का कुल देशांतरीय अंतर लगभग 8° 47' है, जिससे पूर्व और पश्चिम के सूर्योदय में समय अंतर लगभग 35 मिनट का देखने को मिलता है।

70. (A) केवल I और II
राजस्थान का पूर्वी मैदानी प्रदेश बनास, चंबल तथा माही जैसी नदियों के निक्षेपण से बना है। यह राज्य का सबसे सघन आबादी वाला भौतिक विभाग है। तीसरा कथन गलत है क्योंकि यह क्षेत्र अनुपजाऊ रेतीली मृदा से नहीं, बल्कि अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़ मृदा से आच्छादित है। अतः केवल पहला और दूसरा विवरण ही पूर्णतः सत्य है।

NODIA

(A) दशहरा
(B) दीपावली
(C) होली
(D) मकर संक्रांति

25. मरुस्थलीय क्षेत्रों में सामान्यतः पाए जाने वाले 'केर' और 'सांगरी' का मुख्य उपयोग किसके लिए किया जाता है?
(A) व्यावसायिक इमारती लकड़ी और काष्ठ उत्पादन के लिए
(B) विशिष्ट औषधीय तेल निकालने के लिए
(C) पंचकूटा सब्जी बनाने के लिए
(D) उच्च श्रेणी का औद्योगिक कागज बनाने के लिए

26. आक (कैलोट्रोपिस) का पौधा किस विशिष्ट विशेषता के कारण मरुस्थलीय पर्यावरण में जीवित रहता है?
(A) दुग्धयुक्त द्रव के साथ मोटी, चर्मिल पत्तियां
(B) जल संचयन के लिए अनुकूलित बड़े कंदयुक्त तने
(C) भीषण ग्रीष्मकालीन सूखे की अवधि में सभी पत्तियों का पूर्णतः झड़ जाना
(D) बारहमासी नदियों के तटों और धाराओं के पास वृद्धि पर अनन्य निर्भरता

27. अमेरिकी कृषि विभाग (USDA) के मृदा वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र में पाई जाने वाली मृदा को मुख्य रुप से किस वर्ग में वर्गीकृत किया गया है?
(A) वर्टीसोल्स और मोलिसोल्स
(B) अल्फीसोल्स और स्पोडोसोल्स
(C) इनसेप्टीसोल्स और हिस्टोसोल्स
(D) एरिडीसोल्स और एन्टीसोल्स

28. निम्नलिखित में से किस प्रकार की मृदा में जलधारण क्षमता सर्वाधिक होती है?
(A) रेतीली मृदा
(B) काली मृदा
(C) लाल-पीली मृदा
(D) भूरी रेतीली मृदा

29. पश्चिमी राजस्थान में पाई जाने वाली रेतीली मिट्टी की एक मुख्य भौतिक विशेषता क्या है?
(A) अत्यधिक कम पारगम्यता के साथ असामान्य रूप से उच्च मृत्तिका की मात्रा
(B) जैविक ह्यूमस मात्रा और प्राकृतिक पोषक तत्वों की प्रचुरता
(C) उच्च पारगम्यता और निम्न जलधारण क्षमता
(D) नम परिस्थितियों में अत्यधिक संकुचन और फैलाव के गुण

30. भौगोलिक रूप से पश्चिम से पूर्व की ओर यात्रा करते समय राजस्थान में पाई जाने वाली प्रमुख मृदा प्रकारों का सही क्रम चुनिए।
(A) काली मृदा, जलोढ़ मृदा, भूरी मृदा, रेतीली मृदा
(B) रेतीली मृदा, भूरी मृदा, जलोढ़ मृदा, काली मृदा
(C) जलोढ़ मृदा, रेतीली मृदा, काली मृदा, भूरी मृदा
(D) रेतीली मृदा, काली मृदा, भूरी मृदा, जलोढ़ मृदा

31. जलोढ़ मिट्टी मुख्य रुप से राजस्थान के किस क्षेत्र में पाई जाती है?
(A) पूर्वी मैदान
(B) पश्चिमी शुष्क मरुस्थलीय मैदान
(C) दक्षिणी पहाड़ी जनजातीय पट्टी
(D) दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठार

32. पूर्वी राजस्थान में जलोढ़ मिट्टी को कृषि के लिए अत्यधिक उपजाऊ क्यों माना जाता है?
(A) इसमें अत्यधिक उच्च प्राकृतिक लवण सांद्रता होती है
(B) यह नदियों द्वारा लाए गए निक्षेपों से समृद्ध पोषक तत्वों से युक्त होती है
(C) इसमें खनिज समृद्ध ज्वालामुखीय राख के निक्षेपों की उच्च सांद्रता होती है
(D) यह प्राकृतिक रुप से जड़ों की वृद्धि को रोकती है, जिससे फसल की कटाई आसान हो जाती है

33. राजस्थान में काली मृदा किस व्यावसायिक फसल की खेती के लिए सबसे उपयुक्त है?
(A) बाजरा
(B) कपास
(C) चाय
(D) जूट

34. राजस्थान में लाल-पीली मृदा सामान्यतः किन जिलों में पाई जाती है?
(A) सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा और अजमेर
(B) जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर
(C) कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़
(D) श्री गंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू

35. राजस्थान में काली मृदा (वर्टीसोल्स) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह मुख्य रुप से हाड़ौती पठारी क्षेत्र में पाई जाती है।
II. इसकी जलधारण क्षमता बहुत कम होती है और इसे दैनिक सिंचाई की आवश्यकता होती है।
III. इसका निर्माण बेसाल्ट चट्टानों के अपक्षय से होता है।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल I और III
(D) केवल II और III

36. राजस्थान में स्थानीय शब्द जैसे 'रेह', 'कल्लर' और 'ऊसर' किस प्रकार की मृदा समस्या को संदर्भित करते हैं?
(A) अत्यधिक अम्लीय मृदा
(B) वायु द्वारा अत्यधिक अपरदित मृदा
(C) जलभराव वाली मृदा

Click Here to Buy book on Flipkart

(D) अनिश्चित एवं अपर्याप्त वर्षा

12. राजस्थान में अकाल के संदर्भ में, 'त्रिकाल' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) जल, धन और स्वास्थ्य की कमी
(B) अन्न, जल और चारे की कमी
(C) वर्षा, भूजल और सतही जल की कमी
(D) भोजन, आश्रय और औषधि की कमी

13. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान में 'Aw' प्रकार की जलवायु किस क्षेत्र में पाई जाती है?
(A) पश्चिमी शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र
(B) उत्तरी नहर-सिंचित क्षेत्र
(C) दक्षिणी क्षेत्र
(D) पूर्वी जलोढ़ मैदानी क्षेत्र

14. कौन सा कोपेन जलवायु कोड पश्चिमी राजस्थान के गर्म शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) BShw
(B) Cwg
(C) Aw
(D) BWhw

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान का पश्चिमी भाग मुख्य रूप से शुष्क रहता है और मानसून के मौसम में यहाँ बहुत कम वर्षा होती है।
कारण (R): अरावली पर्वत श्रृंखला मानसूनी पवनों की अरब सागर शाखा की दिशा के समानांतर स्थित है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

16. राजस्थान की प्राकृतिक वनस्पति पर किस पर्यावरणीय कारक का सबसे प्रमुख प्रभाव पड़ता है?
(A) मृदा का प्रकार
(B) वर्षा की मात्रा
(C) ऊंचाई
(D) दीप्तिकाल (सूर्य के प्रकाश की अवधि)

17. राजस्थान में व्यापक रूप से पाए जाने वाले 'धोक' या 'धोकड़ा' वृक्ष किस वनस्पति वर्गीकरण के अंतर्गत आते हैं?
(A) उप-उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन
(B) उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन
(C) अल्पाइन वन
(D) मैंग्रोव वन

18. राजस्थान मरुस्थल की उष्णकटिबंधीय कांटेदार वनस्पति में कौन सा संरचनात्मक अनुकूलन सामान्यतः पाया जाता है?
(A) गहरी मूसला जड़ें और कांटेदार पत्तियां
(B) उच्च सतह क्षेत्र वाली चौड़ी एवं पतली पत्तियां
(C) अवशोषण के लिए उथली, व्यापक रूप से फैली सतही जड़ें
(D) श्वसन के लिए अनुकूलित विशेष वायवीय जड़ें

19. राजस्थान में शुष्क सागवान वन मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किन जिलों में पाए जाते हैं?
(A) बीकानेर और चूरू
(B) गंगानगर और हनुमानगढ़
(C) बांसवाड़ा और डूंगरपुर
(D) जैसलमेर और बाड़मेर

20. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (वनस्पति का प्रकार)
P. उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन
Q. शुष्क सागवान वन
R. मिश्रित पर्णपाती वन
S. उप-उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन
सूची II: (क्षेत्र/जिला)
1. माउंट आबू
2. राजसमंद और चित्तौड़गढ़
3. बांसवाड़ा
4. जैसलमेर
(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-2, R-3, S-1
(D) P-3, Q-4, R-1, S-2

21. किस वृक्ष को 'थार मरुस्थल का कल्पवृक्ष' कहा जाता है?
(A) रोहिड़ा
(B) बबूल
(C) खेजड़ी
(D) नीम

22. राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी का वैज्ञानिक नाम क्या है?
(A) टेकोमेला उंडुलता
(B) प्रोसोपिस सिनेरेरिया
(C) अजाडिरचटा इंडिका
(D) एकेशिया निलोटिका

23. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान का राज्य पुष्प है?
(A) कमल
(B) सूरजमुखी
(C) पलाश
(D) रोहिड़ा

24. राजस्थान में पारंपरिक रूप से किस प्रमुख हिंदू त्योहार पर खेजड़ी वृक्ष की पूजा की जाती है?

Downloaded from www.pdf.tube

प्राचीन वलित पर्वत श्रेणी है, जिसका निर्माण प्री-कैम्ब्रियन काल में हुआ था। यह कोई नवीन पर्वत नहीं है, बल्कि प्राचीन अवशिष्ट पर्वत श्रेणी का उदाहरण है। यह गुजरात से दिल्ली तक फैली हुई मुख्य श्रेणी है।

48. (C) अरावली पर्वतमाला अरब सागर की मानसूनी पवनों के समानांतर स्थित है।
पश्चिमी राजस्थान में अत्यधिक शुष्कता और न्यून वर्षा का मुख्य कारण अरावली पर्वतमाला की स्थिति है। अरावली की दिशा अरब सागर की मानसूनी पवनों के समानांतर है। इस कारण ये मानसूनी हवाएं बिना किसी पर्वतीय अवरोध के सीधी आगे निकल जाती हैं और पश्चिमी भाग में वर्षा नहीं हो पाती। इस प्रकार वहां शुष्क परिस्थितियां सदैव बनी रहती हैं।

49. (D) I, II और III
दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती का पठार प्रायद्वीपीय भारत के मालवा पठार का ही उत्तरी विस्तार है। बेसाल्टिक लावे से निर्मित होने के कारण इस पूरे क्षेत्र में उपजाऊ काली मृदा पाई जाती है। इसके अतिरिक्त, चंबल नदी तथा उसकी सहायक नदियां इस पठारी प्रदेश से होकर बहती हैं। अतः उपर्युक्त तीनों कथन पूर्णतः सही एवं भौगोलिक रूप से सत्य हैं।

50. (D) भाकर
सिरोही जिले के पूर्वी भाग में पाई जाने वाली तीव्र ढाल वाली, ऊबड़-खाबड़ तथा अत्यधिक अपरदित पहाड़ियों को स्थानीय भाषा में 'भाकर' कहा जाता है। इन पहाड़ियों का ढाल अत्यंत तीक्ष्ण होता है जिससे ये दुर्गम प्रतीत होती हैं। यह भौगोलिक आकृति मुख्य रूप से सिरोही जिले के पूर्वी क्षेत्र में ही पाई जाती है, जो अरावली का अंग है।

51. (A) अरावली पर्वतमाला
प्रसिद्ध पर्वतीय दर्रा 'देसूरी नाल' अरावली पर्वतमाला में स्थित है। यह दर्रा पाली जिले को राजसमंद जिले से जोड़ता है। अरावली श्रेणी में पाए जाने वाले प्राकृतिक पर्वतीय रास्तों को स्थानीय भाषा में 'नाल' कहा जाता है। देसूरी नाल मारवाड़ और मेवाड़ के मध्य ऐतिहासिक रूप से आवागमन का मुख्य साधन रहा है और अत्यंत महत्वपूर्ण है।

52. (B) 50 सेमी समवर्षा रेखा
50 सेमी समवर्षा रेखा राजस्थान में मुख्य जलवायु विभाजक रेखा के रूप में कार्य करती है। यह रेखा अरावली पर्वत श्रेणी के समानांतर गुजरती है। यह राजस्थान को दो भागों में बांटती है, जिसके पश्चिम में 50 सेमी से कम वर्षा वाला शुष्क मरुस्थल स्थित है और पूर्व में अधिक वर्षा वाला क्षेत्र आता है। 25 सेमी रेखा मरुस्थल का विभाजन करती है।

53. (A) पूर्वी मैदान
बनास बेसिन राजस्थान के पूर्वी मैदानी प्रदेश का एक प्रमुख उप-विभाग है। बनास नदी और उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित इस मैदानी क्षेत्र को मालपुरा-करौली का मैदान भी कहा जाता है। यह बेसिन मुख्य रूप से राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, टोंक और सवाई माधोपुर जिलों में फैला उपजाऊ मैदानी क्षेत्र है जहां जलोढ़ मृदा पाई जाती है और कृषि की जाती है।

54. (D) नंदा देवी
अचलगढ़, सेर और जरगा अरावली पर्वत श्रेणी के प्रमुख शिखर हैं जो राजस्थान में स्थित हैं। सेर और अचलगढ़ सिरोही जिले में हैं तथा जरगा उदयपुर में स्थित है। इसके विपरीत, नंदा देवी शिखर उत्तराखंड राज्य में हिमालय पर्वतमाला के अंतर्गत आता है। अतः नंदा देवी अरावली के पर्वतों से पूरी तरह असंगत एवं भिन्न विकल्प है।

55. (B) एक भूमिगत भूगर्भीय मीठे जल की पट्टी
जैसलमेर जिले में पोकरण से मोहनगढ़ तक फैली भूगर्भीय मीठे जल की पट्टी को 'लाठी सीरीज़' कहा जाता है। यह क्षेत्र प्राचीन सरस्वती नदी के भूगर्भीय प्रवाह का अवशेष माना जाता है। इस पट्टी के ऊपर पौष्टिक 'सेवण' घास पाई जाती है। प्रसिद्ध चांदन नलकूप भी इसी भूगर्भीय जल पट्टी के अंतर्गत स्थित है जो जल का स्रोत है।

56. (A) I, II, III, IV
अरावली पर्वतमाला की प्रमुख चोटियों का घटता क्रम इस प्रकार है: सर्वोच्च चोटी गुरु शिखर (1722 मीटर) प्रथम स्थान पर है। द्वितीय स्थान पर सेर (1597 मीटर) आती है। तृतीय स्थान पर दिलवाड़ा (1442 मीटर) तथा चतुर्थ स्थान पर अचलगढ़ (1380 मीटर) स्थित है। ये चारों पर्वत शिखर सिरोही जिले के आबू पर्वत क्षेत्र में ही स्थित हैं।

NODIA

57. (D) श्रीगंगानगर
2023 के प्रशासनिक पुनर्गठन से पूर्व राजस्थान के चार जिले पाकिस्तान के साथ 1070 किमी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते थे। ये चार जिले जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर थे। इनमें श्रीगंगानगर सबसे उत्तरी सीमावर्ती जिला रहा है जहां हिंदूमलकोट से रेडक्लिफ रेखा प्रारंभ होती थी। नवीन पुनर्गठन के बाद अनूपगढ़ भी इसमें सीमावर्ती जिला बन गया है।

58. (A) हम्मादा
मरुस्थलीय भूगोल में ऐसा कठोर तथा चट्टानी मरुस्थल जो काफी हद तक रेत से रहित होता है, उसे 'हम्मादा' कहा जाता है। हम्मादा में केवल नग्न चट्टानें और पत्थर पाए जाते हैं। राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर जिलों के मध्य फैला चट्टानी भाग इसका उदाहरण है। रेतीले मरुस्थल को इर्ग तथा मिश्रित को रेग के नाम से जानते हैं।

59. (B) बीकानेर – हाड़ौती का पठार
बीकानेर जिला उत्तर-पश्चिमी थार मरुस्थलीय प्रदेश का भाग है, न कि हाड़ौती के पठार का। हाड़ौती का पठार राजस्थान के दक्षिण-पूर्व में स्थित है जिसमें कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिले आते हैं। अन्य सभी विकल्प सत्य हैं क्योंकि जैसलमेर मरुस्थल तथा उदयपुर अरावली में स्थित है। अतः बीकानेर और हाड़ौती का युग्म पूरी तरह असत्य एवं गलत है।

(D) लवणीय एवं क्षारीय मृदा

37. राजस्थान में क्षारीय (सोडिक) मृदा के सुधार के लिए कृषि खेतों में आमतौर पर कौन सा खनिज मिलाया जाता है?
(A) लिग्नाइट
(B) अभ्रक
(C) जिप्सम
(D) कॉपर सल्फेट

38. राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र में होने वाला सबसे प्रमुख मृदा अपरदन कौन सा है?
(A) परत अपरदन
(B) वायु अपरदन
(C) अवनालिका अपरदन
(D) हिमनदीय अपरदन

39. अवनालिका अपरदन, जो उत्खात भूमि (बीहड़) के निर्माण का कारण बनता है, राजस्थान के किस नदी बेसिन में एक प्रमुख समस्या है?
(A) लूनी
(B) माही
(C) घग्गर
(D) चम्बल

40. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (मृदा का प्रकार)
P. रेतीली मृदा
Q. जलोढ़ मृदा
R. काली मृदा
S. लाल दोमट मृदा
सूची II: (जिला)
1. डूंगरपुर
2. कोटा
3. धौलपुर
4. बाड़मेर
(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-2, R-1, S-3
(D) P-3, Q-4, R-2, S-1

41. भारत सरकार द्वारा शुरू की गई 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' का आधिकारिक नारा क्या है?
(A) हर खेत को पानी
(B) प्रति बूंद अधिक फसल
(C) स्वस्थ धरा, खेत हरा
(D) जय जवान, जय किसान

42. राजस्थान की पारंपरिक वर्षा जल संचयन प्रणालियों में, 'टांका' क्या है?
(A) एक भूमिगत जल भंडारण टैंक
(B) अलंकृत पारंपरिक नक्काशी वाली एक खुली, बहु-स्तरीय बावड़ी
(C) एक मौसमी नदी पर निर्मित एक विशाल मिट्टी का चेक डैम
(D) मुख्य रूप से खेत की सिंचाई के लिए उपयोग की जाने वाली एक उथली, संकीर्ण पक्की नहर

43. वर्षा जल एकत्र करने के लिए पारंपरिक 'टांका' या 'कुंड' के चारों ओर तैयार किए गए ढलवा जलग्रहण क्षेत्र को स्थानीय रूप से क्या कहा जाता है?
(A) खडीन
(B) नाड़ी
(C) बावड़ी
(D) अगोर

44. 'जोहड़' वर्षा जल संचयन की एक लोकप्रिय पारंपरिक सामुदायिक संरचना है, जो मुख्य रूप से राजस्थान के किस क्षेत्र में पाई जाती है?
(A) मेवाड़ क्षेत्र
(B) शेखावाटी क्षेत्र
(C) मारवाड़ क्षेत्र
(D) वागड़ क्षेत्र

45. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों द्वारा जिप्सम का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
कारण (R): जिप्सम क्षारीय मृदा के सुधार और बेहतर फसल उपज के लिए मृदा संरचना में सुधार करने में सहायक है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

46. राजस्थान में सूखे के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए 'सूखा संभावित क्षेत्र कार्यक्रम' (DPAP) किस वर्ष प्रारंभ किया गया था?
(A) 1951-52
(B) 1974-75
(C) 1999-2000
(D) 2005-06

47. जलवायु मापदंडों और कृषि पैटर्न के आधार पर, राजस्थान को कितने कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभाजित किया गया है?
(A) 5
(B) 7
(C) 10
(D) 15

Click Here to Buy book on Amazon

48. भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा कृषि-जलवायु क्षेत्र कौन सा है?
(A) II A (आंतरिक जल निकासी का अंतर्वर्ती मैदानी क्षेत्र)
(B) I C (अति शुष्क आंशिक सिंचित क्षेत्र)
(C) IV A (उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान)
(D) V (आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान)

49. कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिले राजस्थान के किस कृषि-जलवायु क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं?
(A) अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र
(B) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान
(C) बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र
(D) शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र

50. राजस्थान के निम्नलिखित कृषि-जलवायु क्षेत्रों को उनकी औसत वार्षिक वर्षा के बढ़ते क्रम (न्यूनतम से अधिकतम) में व्यवस्थित कीजिए:
1. आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान
2. शुष्क पश्चिमी मैदान
3. अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदान
4. उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान

निम्नलिखित में से कौन सा सही क्रम प्रदर्शित करता है?
(A) 2, 3, 4, 1
(B) 1, 4, 3, 2
(C) 3, 2, 4, 1
(D) 2, 4, 3, 1

51. गोवंश की थारपारकर और राठी नस्लें अपनी शुष्कता सहनशीलता क्षमता के कारण राजस्थान के किस जलवायु क्षेत्र के लिए सबसे उपयुक्त हैं?
(A) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी पठार
(B) उप-आर्द्र दक्षिणी जनजातीय क्षेत्र
(C) शुष्क एवं अर्ध-शुष्क पश्चिमी क्षेत्र
(D) बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदान

52. पश्चिमी राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में भेड़ और बकरी पालन एक प्रमुख व्यवसाय क्यों है?
(A) उन्हें दैनिक चराई के लिए समृद्ध, अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़ मृदा के चारागाहों की आवश्यकता होती है
(B) उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है और विशेष रूप से कृषि जुताई के लिए भारवाहक पशुओं के रूप में उपयोग किया जाता है
(C) वे प्राकृतिक रूप से उच्च आर्द्रता और भारी मानसूनी वर्षा वाले क्षेत्रों में पनपते हैं
(D) वे विरल वनस्पति और कम जल की उपलब्धता में भी जीवित रहते हैं

53. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान में कृषि पर जलवायु परिवर्तन का सबसे स्पष्ट प्रभाव है?
(A) रेतीली मरुस्थलीय मिट्टी का उपजाऊ काली मिट्टी में तेजी से बड़े पैमाने पर परिवर्तन
(B) ऐतिहासिक मृदा लवणता और क्षारियता की समस्याओं का पूर्ण और स्थायी उन्मूलन
(C) अनिश्चित वर्षा पैटर्न के कारण बार-बार सूखा पड़ना
(D) शीत ऋतु की अवधि और तीव्रता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि

54. फरवरी और मार्च के महीनों के दौरान तापमान में असमय वृद्धि प्राथमिक रूप से निम्नलिखित में से किसे नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है?
(A) खरीफ फसलों की मानसून-पूर्व बुवाई गतिविधियां
(B) रबी की फसलों में दाना भरने और उपज की प्रक्रिया
(C) कम अवधि वाली जायद फसलों का पकना और कटाई
(D) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों का प्राकृतिक पुनरुद्धार और वृद्धि

55. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (मरुस्थलीय वनस्पति/वृक्ष)
P. खेजड़ी
Q. रोहिड़ा
R. आक
S. कैर
सूची II: (वैज्ञानिक नाम)
1. कैलोट्रोपिस प्रोसेरा
2. प्रोसोपिस सिनेरेरिया
3. कैपेरिस डेसिडुआ
4. टेकोमेला उंडुलता
(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-2, R-1, S-3
(D) P-2, Q-1, R-4, S-3

56. जोधपुर में स्थित कौन सा प्रमुख संस्थान शुष्क क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण के अनुसंधान और उसके न्यूनीकरण के लिए समर्पित है?
(A) काजरी (केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान)
(B) इसरो
(C) आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) दिल्ली
(D) एफएसआई (भारतीय वन सर्वेक्षण)

57. प्रस्तावित 'ग्रीन वॉल ऑफ इंडिया' परियोजना का उद्देश्य बढ़ते मरुस्थलीकरण के विरुद्ध एक रोधक के रूप में कार्य करना है। इसे किस भौगोलिक विशेषता के समानांतर विकसित करने की योजना है?
(A) थार मरुस्थल अंतरराष्ट्रीय सीमा
(B) विंध्यन कगार भूमि
(C) अरावली पर्वत श्रृंखला
(D) चम्बल नदी

58. राजस्थान की निम्नलिखित पारंपरिक जल संचयन संरचनाओं में से असंगत को पहचानिए:
(A) ट्यूबवेल

NODIA

(B) पारंपरिक टांका
(C) बावड़ी
(D) खडीन

59. मुख्य रूप से पाली, नागौर और जालोर के कुछ हिस्सों में पाई जाने वाली किस प्रकार की मिट्टी को 'सिरोजम' या धूसर मरुस्थलीय मृदा भी कहा जाता है?
(A) जैविक तत्वों से समृद्ध पीठमय मृदा
(B) गहरी लाल दोमट मृदा
(C) अत्यधिक निक्षालित लैटेराइट मृदा
(D) धूसर भूरी मृदा

60. राजस्थान में वर्षा जल संचयन और संरक्षण के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. टांका एक पारंपरिक भूमिगत जल भंडारण संरचना है।
II. जैसलमेर जिले में कृषि के लिए खडीन का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
III. जोहड़ एक प्रकार की बावड़ी है जो विशेष रूप से हाड़ौती क्षेत्र में पाई जाती है।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

61. राजस्थान में उनकी मुख्य उपस्थिति के आधार पर प्राकृतिक वनस्पति प्रजातियों की दी गई सूची में से असंगत को पहचानिए:
(A) खेजड़ी
(B) रोहिड़ा
(C) सागवान
(D) कैर

62. राजस्थान की जलवायु के संदर्भ में 'लू' शब्द को किस रूप में परिभाषित किया जाता है?
(A) शीत ऋतु की शाम को चलने वाली हल्की, स्फूर्तिदायक ठंडी हवा
(B) मानसून के मौसम की सबसे पहली संवहनीय वर्षा बौछार
(C) अरब सागर में उत्पन्न होने वाली एक प्रमुख चक्रवातीय तूफान प्रणाली
(D) ग्रीष्मकाल की शुष्क एवं अत्यंत गर्म हवा

63. निम्नलिखित में से कौन सा जिला पश्चिमी राजस्थान के शुष्क जलवायु क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आता है?
(A) झालावाड़
(B) जैसलमेर
(C) बाड़मेर
(D) बीकानेर

64. राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग कितना प्रतिशत भाग थार मरुस्थल द्वारा आच्छादित है?
(A) 41%
(B) 51%
(C) 61%
(D) 71%

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): वायु अपरदन राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र में मृदा क्षरण का प्राथमिक कारण है।
कारण (R): हाड़ौती क्षेत्र मुख्य रूप से काली मिट्टी द्वारा अभिलक्षित है और पश्चिमी राजस्थान की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक वर्षा प्राप्त करता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

66. खेजड़ी वृक्ष को किस वर्ष आधिकारिक रूप से राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया गया था?
(A) 1956
(B) 1973
(C) 1983
(D) 1992

67. पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा संरक्षण के उपाय के रूप में 'समुच्च रेखा बंधन' (कंटूर बंडिंग) को अपनाने का सबसे उपयुक्त कारण क्या है?
(A) सतही जल के बहाव के वेग को बढ़ाना
(B) स्थानीय जलाशयों के लिए पेयजल का स्थायी भंडारण करना
(C) वर्षा जल के बहाव से होने वाले मृदा अपरदन को कम करना
(D) विशिष्ट जलीय पौधों की प्रजातियों की खेती को बढ़ावा देना

68. शीत ऋतु की शुरुआत से ठीक पहले राजस्थान में अनुभव किया जाने वाला गर्म और आर्द्र मौसम, जो प्रायः असुविधा का कारण बनता है, मुख्य रूप से किस महीने से संबंधित है?
(A) चैत्र
(B) माघ
(C) पौष
(D) आश्विन

69. निम्नलिखित में से किसे छोड़कर अन्य सभी राजस्थान में मरुस्थलीकरण को नियंत्रित करने के मान्यता प्राप्त उपाय हैं?
(A) व्यवस्थित बालुका स्तूप स्थिरीकरण
(B) रक्षक मेखला (शेल्टरबेल्ट) का रणनीतिक निर्माण

Downloaded from www.pdf.tube

(C) अनियंत्रित अतिचारण
(D) बड़े पैमाने पर वनीकरण अभियान

70. राजस्थान की लगभग औसत वार्षिक वर्षा कितनी है?
(A) 25 - 27 सेमी
(B) 57 - 58 सेमी
(C) 85 - 90 सेमी
(D) 110 - 115 सेमी

www.nodia.in

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) शुष्क एवं अर्ध-शुष्क
राजस्थान का लगभग 61 प्रतिशत भूभाग थार मरुस्थल के अंतर्गत आता है, जो मुख्य रूप से राज्य के पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी जिलों में विस्तृत है। इस विशाल भौगोलिक क्षेत्र में वार्षिक वर्षा की मात्रा अत्यंत कम होती है, जिसके कारण यहाँ की जलवायु मुख्य रूप से शुष्क एवं अर्ध-शुष्क श्रेणी में वर्गीकृत की जाती है। इस क्षेत्र में वर्षा की अनिश्चितता और उच्च वाष्पीकरण दर वर्षभर बनी रहती है।

2. (A) उच्च तापमान एवं तीव्र शुष्क हवाएं
राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय भाग में ग्रीष्म काल के दौरान सूर्य की किरणें सीधी पड़ने से धरातल अत्यधिक गर्म हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप वायुमंडलीय तापमान में भारी वृद्धि होती है तथा सापेक्षिक आर्द्रता न्यूनतम स्तर पर पहुँच जाती है। इस अवधि में चलने वाली तीव्र गर्म एवं शुष्क हवाएं, जिन्हें स्थानीय भाषा में लू कहा जाता है, इस क्षेत्र के वातावरण को अत्यधिक कष्टप्रद और विकट बना देती हैं।

3. (C) रबी की फसलें
राजस्थान में शीत ऋतु के दौरान होने वाली वर्षा को मावठ कहा जाता है। यह वर्षा भूमध्यसागरीय क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले पश्चिमी विक्षोभों द्वारा होती है। शीतकाल में उगाई जाने वाली रबी फसलों, जैसे गेहूं, जौ, चना और सरसों के विकास के लिए यह जल अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है। इसी कारण इस वर्षा की बूंदों को कृषि में स्वर्णिम बूंदें माना जाता है।

4. (D) पश्चिमी विक्षोभ
राजस्थान में शीतकाल में होने वाली मावठ की उत्पत्ति भूमध्य सागर और कैस्पियन सागर से उठने वाले चक्रवातीय विक्षोभों से होती है। ये शीतोष्ण कटिबंधीय वायु प्रणालियाँ ऊपरी वायुमंडल की तीव्र पश्चिमी हवाओं द्वारा पूर्व दिशा की ओर प्रवाहित होकर भारतीय उपमहाद्वीप पहुँचती हैं। उत्तर-पश्चिमी भारत में प्रवेश करने पर ये नमी युक्त पवनें राजस्थान के उत्तरी एवं पश्चिमी भागों में शीतकालीन वर्षा प्रदान करती हैं।

5. (B) दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम
राजस्थान में मानसूनी वर्षा की मात्रा दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर जाने पर निरंतर घटती जाती है। राज्य का दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र, जैसे हाड़ौती का पठार, मानसूनी हवाओं से सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है। इसके विपरीत, जैसे-जैसे ये हवाएं उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ती हैं, अरावली पर्वतमाला के अवरोध और पश्चिमी मरुस्थल के शुष्क वातावरण के प्रभाव से हवाओं में आर्द्रता कम होती जाती है, जिससे वर्षा घटती है।

6. (B) झालावाड़
राजस्थान के जिलों में सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा दर्ज करने वाला जिला झालावाड़ है, जहाँ प्रतिवर्ष लगभग 100 सेंटीमीटर वर्षा होती है। अपनी भौगोलिक अवस्थिति के कारण यह जिला बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों शाखाओं से मानसूनी आर्द्रता आसानी से प्राप्त कर लेता है। अत्यधिक आर्द्र जलवायु और प्रचुर वर्षा के कारण झालावाड़ को अक्सर राज्य का सर्वाधिक वर्षा वाला जिला माना जाता है।

7. (D) पुरवैया
ग्रीष्मकालीन मानसून के दौरान बंगाल की खाड़ी शाखा से आने वाली आर्द्र पवनें जब भारत के पूर्व से पश्चिम की ओर प्रवाहित होते हुए राजस्थान में प्रवेश करती हैं, तो उन्हें स्थानीय भाषा में पुरवैया या पुरवाई कहा जाता है। पूर्व दिशा से आगमन के कारण इन्हें यह नाम प्राप्त हुआ है। ये हवाएं दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी राजस्थान के मैदानी भागों में मुख्य मानसूनी वर्षा लाने के लिए उत्तरदायी मानी जाती हैं।

8. (C) जून
राजस्थान में वर्ष का सबसे गर्म महीना जून होता है। इस समय सूर्य कर्क रेखा के पास लंबवत चमकता है, जिससे राज्य में सौर विकिरण की तीव्रता अत्यधिक बढ़ जाती है। विशेषकर पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों में जून माह का दैनिक तापमान अक्सर 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जाता है। इसके प्रभाव से तीव्र ताप लहरें और अत्यधिक शुष्क वायुमंडलीय परिस्थितियां निर्मित होती हैं।

9. (C) चूरू
राजस्थान का चूरू जिला ऐतिहासिक रूप से ग्रीष्मकाल में अत्यधिक उच्च तापमान दर्ज करने के लिए प्रसिद्ध है। इसकी भौगोलिक स्थिति, रेतीली मृदा की उपस्थिति और समुद्र तट से दूरी के कारण यहाँ तापीय स्थितियां अत्यंत तीव्र हो जाती हैं। रेतीली सतह सौर ऊर्जा को तेजी से अवशोषित करती है, जिससे मई और जून के महीनों में यहाँ का तापमान प्रायः 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है।

10. (A) केवल I और II
पश्चिमी राजस्थान में रेतीली मृदा के तेजी से गर्म और ठंडा होने के कारण अत्यधिक दैनिक तापांतर देखा जाता है। माउंट आबू अपनी उच्च पर्वतीय अवस्थिति के कारण शीतकाल में सबसे कम तापमान दर्ज करता है। राजस्थान का दक्षिणी भाग आर्द्र और उप-आर्द्र जलवायु के अंतर्गत आता है, जबकि शुष्क मरुस्थलीय जलवायु केवल पश्चिमी राजस्थान तक सीमित है। इस प्रकार प्रथम दो विवरण सही हैं।

11. (D) अनिश्चित एवं अपर्याप्त वर्षा
राजस्थान में बार-बार अकाल और सूखे की स्थिति उत्पन्न होने का मुख्य प्राकृतिक कारण वर्षा की अत्यधिक अनिश्चितता, अनियमितता और अपर्याप्तता है। राज्य की अधिकांश भौगोलिक संरचना मरुस्थलीय होने के कारण मानसूनी पवनें अपनी संपूर्ण

Click Here to Buy book on Flipkart

और ऑक्सीकरण की प्रक्रिया से निर्मित होता है। इसमें ह्यूमस की कमी पाई जाती है।

35. (B) केवल II
राजस्थान के हाड़ौती पठारी क्षेत्र में पाई जाने वाली वर्टीसोल्स या काली मृदा प्राचीन बेसाल्टिक लावा चट्टानों के अपक्षय से निर्मित हुई है। इस मिट्टी की जलधारण क्षमता अत्यंत उच्च होती है और इसके सूक्ष्म कण लंबे समय तक नमी संचित रखते हैं, जिससे इसे निरंतर सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। इसलिए जलधारण क्षमता को कम बताने वाला दूसरा विवरण गलत है।

36. (D) लवणीय एवं क्षारीय मृदा
राजस्थान के स्थानीय कृषि संदर्भ में रेह, कल्लर और ऊसर जैसे शब्द लवणीय एवं क्षारीय मृदा की गंभीर समस्या को निरूपित करते हैं। ऐसी मिट्टी में सोडियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम के घुलनशील लवणों का संचयन धरातलीय सतह पर सफेद परत के रूप में जम जाता है। अत्यधिक सिंचाई और वाष्पीकरण के कारण उत्पन्न यह स्थिति भूमि को अनुपजाऊ बनाकर फसल उत्पादन घटाती है।

37. (C) जिप्सम
राजस्थान में क्षारीय या सोडिक मिट्टी के वैज्ञानिक सुधार और उसकी रासायनिक गुणवत्ता को पुनर्प्राप्त करने के लिए खेतों में जिप्सम यानी कैल्शियम सल्फेट मिलाया जाता है। जिप्सम में उपस्थित कैल्शियम आयन मिट्टी के कणों पर चिपके अत्यधिक हानिकारक सोडियम आयनों को आसानी से प्रतिस्थापित कर देते हैं। इससे मिट्टी की संरचना और जल पारगम्यता में तेजी से सुधार होता है तथा भूमि पुनः उपजाऊ बनती है।

38. (B) वायु अपरदन
राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय भाग में मृदा क्षरण का सबसे प्रमुख और विनाशकारी रूप वायु अपरदन है। इस शुष्क क्षेत्र में विरल वनस्पति आवरण, ढीली रेतीली मिट्टी की संरचना और ग्रीष्मकाल में बहने वाली अत्यधिक तीव्र मरुस्थलीय हवाओं के कारण विशाल मात्रा में ऊपरी उपजाऊ मिट्टी उड़कर एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो जाती है। इस प्रक्रिया से मरुस्थलीकरण बढ़ता है।

39. (D) चम्बल
चम्बल नदी बेसिन राजस्थान में तीव्र अवनालिका अपरदन और उत्खात भूमि अथवा बीहड़ के निर्माण के लिए पूरे देश में कुख्यात है। मानसूनी मौसम में चम्बल और उसकी सहायक नदियों का वेगवान जल प्रवाह मिट्टी के आवरण को काटकर गहरे खड्डे निर्मित कर देता है। इस भीषण कटान के कारण कोटा, सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर जिलों की कृषि भूमि नष्ट होती है।

40. (A) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान में विभिन्न मृदा प्रकारों का भौगोलिक वितरण क्षेत्रीय विशिष्टताओं से जुड़ा है। पश्चिमी मरुस्थलीय जिले बाड़मेर में बालू प्रधान रेतीली मृदा विस्तृत है। पूर्वी मैदानी जिले धौलपुर में नदियों द्वारा जमा की गई उपजाऊ जलोढ़ मृदा पाई जाती है। दक्षिण-पूर्वी पठारी क्षेत्र के कोटा जिले में काली मृदा विद्यमान है, जबकि दक्षिणी जिले डूंगरपुर में लाल दोमट मृदा पाई जाती है।

41. (C) स्वस्थ धरा, खेत हरा
भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में सूरतगढ़, राजस्थान से शुरू की गई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का आधिकारिक राष्ट्रीय नारा 'स्वस्थ धरा, खेत हरा' है। इस दूरदर्शी योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को उनकी कृषि भूमि की पोषक संरचना की सटीक जानकारी देना और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देना है। इससे मृदा स्वास्थ्य सुधरता है तथा उत्पादन लागत घटती है।

42. (A) एक भूमिगत जल भंडारण टैंक
पश्चिमी राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में टांका वर्षा जल संचयन की एक अति प्राचीन और विश्वसनीय भूमिगत जल भंडारण संरचना है। इसे मुख्य रूप से घरों के आंगन में या सार्वजनिक स्थलों पर पक्का बनाकर निर्मित किया जाता है। ढलाऊ जलग्रहण क्षेत्र से एकत्र होकर आने वाले वर्षा जल को इसमें सुरक्षित रखा जाता है, जिससे शुद्ध पेयजल मिलता रहता है।

43. (D) अगोर
राजस्थान में पारंपरिक वर्षा जल संचयन संरचनाओं जैसे टांका या कुंड के चारों ओर निर्मित पक्के तथा ढलाऊ जलग्रहण क्षेत्र को स्थानीय भाषा में अगोर या पायतान कहा जाता है। इस जलग्रहण क्षेत्र को विशेष रूप से साफ-सुथरा रखा जाता है ताकि वर्षा जल बिना किसी अवसाद के बहकर केंद्रीय टैंक में एकत्र हो सके। अगोर का रखरखाव जल की स्वच्छता हेतु अनिवार्य है।

44. (B) शेखावाटी क्षेत्र
जोहड़ कच्चे मिट्टी के छोटे जलाशय अथवा पोखरे होते हैं जो वर्षा जल को संचित करने तथा स्थानीय भूजल स्तर में सुधार करने के लिए सामुदायिक प्रयासों से निर्मित किए जाते हैं। यह पारंपरिक जल संरक्षण संरचना मुख्य रूप से राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र, जिसके अंतर्गत सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिले आते हैं, में पाई जाती है। यह कुओं को पुनर्भरण करती है।

45. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में मिट्टी की क्षारियता एक प्रमुख कृषि समस्या है, जिससे निपटने के लिए किसान जिप्सम का उपयोग करते हैं। जिप्सम में मौजूद कैल्शियम सोडियम लवणों को बेअसर करके मृदा की संरचना को सुधारता है और उसकी जल भेद्यता को बढ़ाता है। इसके परिणामस्वरूप मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होती है और अच्छी फसल प्राप्त होती है।

NODIA

वृक्ष का दर्जा प्रदान किया गया था। पश्चिमी राजस्थान के पारिस्थितिक तंत्र में इस वृक्ष का महत्व अत्यधिक है।

23. (D) रोहिड़ा
रोहिड़ा राजस्थान का आधिकारिक राज्य पुष्प है। इसका वैज्ञानिक नाम टेकोमेला उंडुलता है। इस वृक्ष पर मार्च और अप्रैल के महीनों में अत्यंत सुंदर नारंगी और पीले रंग के पुष्प खिलते हैं, जिन्हें मरुस्थल का सागवान भी कहा जाता है। राज्य सरकार ने वर्ष 1983 में रोहिड़ा को राज्य पुष्प के रूप में मान्यता प्रदान की थी। इसकी काष्ठ का उपयोग फर्नीचर निर्माण में होता है।

24. (A) दशहरा
राजस्थान की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में दशहरा यानी विजयादशमी के अवसर पर खेजड़ी के वृक्ष का पूजन अत्यंत पवित्र और अनिवार्य माना जाता है। इस दिन शमी पूजन की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है, जिसे धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक माना जाता है। इतिहास के अनुसार, योद्धा युद्ध पर प्रस्थान करने से पूर्व खेजड़ी वृक्ष की पूजा करते थे।

25. (C) पंचकूटा सब्जी बनाने के लिए
पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थलीय व्यंजनों में कैर की झाड़ी से प्राप्त होने वाले फल और खेजड़ी के वृक्ष की हरी फलियों जिन्हें सांगरी कहा जाता है, का विशिष्ट स्थान है। इन दोनों सामग्रियों को अन्य घटकों के साथ मिलाकर प्रसिद्ध पारंपरिक पंचकूटा की सूखी सब्जी तैयार की जाती है। यह व्यंजन अत्यधिक पौष्टिक होता है तथा बिना खराब हुए काफी समय तक रहता है।

26. (A) दुग्धयुक्त द्रव के साथ मोटी, चर्मिल पत्तियां
आक या मदार का पौधा अत्यंत शुष्क और कठिन वातावरण में भी जीवित रहने की उत्कृष्ट क्षमता रखता है। इसकी पत्तियां मोटी, चर्मिल और मोम जैसी आवरण वाली होती हैं जो वाष्पोत्सर्जन को रोकती हैं। इसके तने और पत्तियों से गाढ़ा विषैला दुग्धयुक्त द्रव निकलता है जो इसे पशुओं के चरने से सुरक्षित रखता है। ये विशेषताएँ इसे मरुस्थल में जीवित रखती हैं।

27. (D) एरिडीसोल्स और एन्टीसोल्स
अमेरिकी कृषि विभाग के आधुनिक मृदा वर्गीकरण तंत्र के तहत राजस्थान के शुष्क और पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों की मृदा को मुख्य रूप से एरिडीसोल्स और एन्टीसोल्स वर्ग में रखा गया है। एरिडीसोल्स शुष्क जलवायु में विकसित होने वाली खनिज-समृद्ध मृदा है, जबकि एन्टीसोल्स बालुका स्तूपों वाली रेतीली मिट्टी का प्रतिनिधित्व करती है जिसमें स्पष्ट मृदा परतों का विकास पूर्ण रूप से नहीं होता है।

28. (B) काली मृदा
काली मृदा, जिसे वर्टीसोल्स भी कहा जाता है, में जलधारण की क्षमता अन्य सभी मिट्टी के प्रकारों से सर्वाधिक होती है। इसमें अत्यधिक महीन मृत्तिका कण पाए जाते हैं, जिसके कारण यह जल को सोखकर लंबे समय तक नमी को बनाए रखने में सक्षम होती है। भीगने पर यह मिट्टी अत्यधिक चिपचिपी हो जाती है तथा सूखने पर दरारें पड़ जाती हैं।

29. (C) उच्च पारगम्यता और निम्न जलधारण क्षमता
पश्चिमी राजस्थान में फैली रेतीली मिट्टी के कणों का आकार अपेक्षाकृत बड़ा और मोटा होता है। इस भौतिक बनावट के कारण मिट्टी के कणों के बीच छिद्र बड़े होते हैं, जिससे जल तेजी से नीचे रिस जाता है। अत्यधिक उच्च पारगम्यता और अत्यंत निम्न जलधारण क्षमता इसकी प्रमुख भौतिक विशेषता है, जिसके कारण यह मिट्टी वर्षा जल को रोक नहीं पाती है।

30. (B) रेतीली मृदा, भूरी मृदा, जलोढ़ मृदा, काली मृदा
राजस्थान में पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर यात्रा करने पर मृदा के प्रकारों में स्पष्ट भौगोलिक क्रमिकता पाई जाती है। थार के मरुस्थलीय पश्चिमी भाग में रेतीली मिट्टी का प्रसार है, जिसके बाद मध्यवर्ती क्षेत्र में भूरी मृदा मिलती है। आगे पूर्व की ओर बढ़ने पर पूर्वी मैदानी भागों में जलोढ़ मृदा पाई जाती है तथा दक्षिण-पूर्वी पठार पर काली मृदा मिलती है।

NODIA

31. (A) पूर्वी मैदान
जलोढ़ मिट्टी मुख्य रूप से राजस्थान के पूर्वी मैदानी क्षेत्र में पाई जाती है, जिसके अंतर्गत जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर और सवाई माधोपुर जैसे जिले शामिल हैं। यह मृदा चम्बल, बनास और अन्य नदियों द्वारा बहाकर लाए गए अवसाद के निक्षेपण से निर्मित हुई है। खनिजों और पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण यह मिट्टी खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

32. (B) यह नदियों द्वारा लाए गए निक्षेपों से समृद्ध पोषक तत्वों से युक्त होती है
पूर्वी राजस्थान में पाई जाने वाली जलोढ़ मृदा अपनी असाधारण कृषि उर्वरता के लिए प्रसिद्ध है क्योंकि यह नदियों द्वारा पर्वतीय ढलानों से बहाकर लाए गए समृद्ध खनिज निक्षेपों और बारीक अवसादों के जमाव से बनी है। इस मिट्टी में पोटाश और चूने की पर्याप्त मात्रा होती है, जो गेहूं, सरसों जैसी फसलों की इष्टतम वृद्धि के लिए आवश्यक वातावरण प्रदान करती है।

33. (B) कपास
राजस्थान में काली मिट्टी की विशिष्ट भौतिक बनावट और अत्यधिक नमी संचयन क्षमता के कारण यह कपास की व्यावसायिक खेती के लिए सबसे आदर्श मानी जाती है। इसी कारण काली मृदा को कपासी मृदा या रेगुर मृदा भी कहा जाता है। राज्य के दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती क्षेत्र में पाई जाने वाली यह मिट्टी कपास के पौधों को निरंतर जल एवं आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराती है।

34. (A) सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा और अजमेर
राजस्थान में लाल-पीली मिट्टी का विस्तार मुख्यतः अरावली पर्वतमाला के पूर्वी ढलानों और मध्य-पूर्वी जिलों में पाया जाता है। सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा, अजमेर, सिरोही और राजसमंद जिलों के भौगोलिक क्षेत्र इस मिट्टी की उपस्थिति के लिए जाने जाते हैं। इस मृदा का लाल रंग लौह यौगिकों के जल-योजन

हो रहे प्रसार को रोकना, मृदा अपरदन पर अंकुश लगाना और अरावली के पर्यावरण को सुधारना है।

58. (A) ट्यूबवेल
राजस्थान की जल प्रबंधन तकनीकों के संदर्भ में ट्यूबवेल एक आधुनिक और यांत्रिक जल निष्कर्षण साधन है, जो यांत्रिक ऊर्जा से गहरे भूजल को बाहर निकालता है। इसके विपरीत, टांका, बावड़ी और खडीन शताब्दियों पुरानी पारंपरिक वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ हैं जो प्रकृति-अनुकूल सामुदायिक प्रयासों पर आधारित हैं। अति-दोहन पर आधारित होने के कारण ट्यूबवेल इस सूची में पूरी तरह असंगत सिद्ध होता है।

59. (D) धूसर भूरी मृदा
राजस्थान के पाली, नागौर, जालोर और सिरोही के कुछ भागों में पाई जाने वाली धूसर भूरी मिट्टी को वैज्ञानिक रूप से 'सिरोजम' मृदा भी कहा जाता है। यह मिट्टी शुष्क मरुस्थलीय रेतीली मिट्टी और पूर्व की उपजाऊ जलोढ़ मृदा के बीच एक मध्यवर्ती वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें चूने तथा फास्फेट की मात्रा अच्छी होती है, परंतु प्राकृतिक ह्यूमस की कमी होती है।

60. (A) केवल I और II
राजस्थान में पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों का विशेष स्थान है। टांका एक ढका हुआ पक्का भूमिगत टैंक होता है जो वर्षा जल को पीने हेतु संचित करता है। जैसलमेर में विकसित खडीन एक अद्वितीय कृषि-सह-जल संरक्षण संरचना है। दूसरी ओर, जोहड़ शेखावाटी क्षेत्र के कच्चे पोखरे हैं, न कि हाड़ौती क्षेत्र की बावड़ियाँ, जिसके कारण केवल प्रथम और द्वितीय कथन पूर्णतः सत्य हैं।

61. (C) सागवान
राजस्थान की वनस्पति प्रजातियों में खेजड़ी, रोहिड़ा और कैर राज्य के शुष्क तथा अर्ध-शुष्क मरुस्थलीय पर्यावरण की प्रमुख स्वाभाविक प्रतिनिधि वनस्पतियाँ हैं। ये सभी पौधे पानी की कमी और भीषण गर्मी के प्रति उत्कृष्ट अनुकूलन रखते हैं। इसके विपरीत, सागवान का वृक्ष मरुस्थलीय पारिस्थितिकी का हिस्सा न होकर केवल उच्च वर्षा वाले दक्षिणी जिलों के आर्द्र वनों में पाया जाता है।

62. (D) ग्रीष्मकाल की शुष्क एवं अत्यंत गर्म हवा
राजस्थान की जलवायु में 'लू' ग्रीष्मकाल के दौरान चलने वाली अत्यधिक गर्म, शुष्क और थका देने वाली स्थानीय पवनों को संदर्भित करती है। ये हवाएं मई और जून के महीनों में थार मरुस्थल की अत्यधिक गर्म बालू सतह के संपर्क में निर्मित होकर पूर्व तथा उत्तर-पूर्व दिशा की ओर तेजी से बहती हैं। इनका तापमान अत्यधिक उच्च होता है, जो कष्टप्रद होता है।

63. (A) झालावाड़
झालावाड़ जिला राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठारी क्षेत्र में अवस्थित है और यह राज्य के अति-आर्द्र जलवायु खंड के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। यहाँ वार्षिक रूप से प्रचुर मानसूनी वर्षा दर्ज होती है। इसके विपरीत, जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर जिले अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में फैले विशाल थार मरुस्थल का मुख्य हिस्सा हैं, जहाँ अत्यधिक शुष्क जलवायु की प्रधानता पाई जाती है।

64. (C) 61%
राजस्थान का उत्तर-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 61.11 प्रतिशत भूभाग आच्छादित करता है। इसे 'महान भारतीय मरुस्थल' अथवा थार मरुस्थल के नाम से जाना जाता है, जो अरावली पर्वत श्रेणी के उत्तर-पश्चिम दिशा में फैला हुआ है। इस विशाल भौगोलिक क्षेत्र में राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत भाग स्थायी रूप से निवास करता है।

65. (D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।
राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती क्षेत्र में मृदा क्षरण का प्राथमिक कारण वायु अपरदन न होकर जल अपरदन, विशेष रूप से नदियों द्वारा होने वाला तीव्र अवनालिका कटान है। हाड़ौती क्षेत्र मुख्य रूप से ज्वालामुखीय बेसाल्टिक काली मिट्टी द्वारा अभिलक्षित है और यह पश्चिमी मरुस्थलीय भाग की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक मानसूनी वर्षा प्राप्त करता है। इसलिए पहला कथन गलत है, जबकि कारण सत्य है।

66. (C) 1983
खेजड़ी के उत्कृष्ट मरुस्थलीय पारिस्थितिक और सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 1983 में इसे आधिकारिक तौर पर राज्य का 'राज्य वृक्ष' घोषित किया गया था। इस बहुउपयोगी वृक्ष को स्थानीय भाषा में 'झांटी' अथवा 'शमी' भी कहा जाता है। यह वृक्ष राजस्थान की शुष्क मरुस्थलीय जलवायु में अत्यधिक उपयोगी है, क्योंकि यह अकाल में पशुओं को चारा प्रदान करता है।

67. (C) वर्षा जल के बहाव से होने वाले मृदा अपरदन को कम करना
पर्वतीय और ढलानदार कृषि क्षेत्रों में समुच्च रेखा बंधन यानी कंटूर बंडिंग मृदा संरक्षण की एक अत्यंत प्रभावी यांत्रिक विधि है। इस तकनीक के अंतर्गत ढलान की समोच्च रेखाओं के समानांतर मिट्टी की मेढ़ें बनाई जाती हैं। ये मेढ़ें तीव्र मानसूनी वर्षा जल के धरातलीय प्रवाह के वेग को धीमा कर देती हैं, जिससे उपजाऊ मिट्टी के कणों का अपरदन रुकता है और नमी बढ़ती है।

68. (D) आश्विन
राजस्थान में मानसून के लौटने के चरण यानी सितंबर के अंत और अक्टूबर के महीने में आश्विन मास के दौरान अत्यधिक गर्म और उमस भरा मौसम अनुभव किया जाता है, जिसे 'कार्तिक की गर्मी' भी कहा जाता है। इस अवधि में आकाश साफ हो जाता है परंतु धरातल में नमी रहने और उच्च तापमान से वायुमंडल में आर्द्रता बढ़ती है, जो असहज होती है।

69. (C) अनियंत्रित अतिचारण
राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्रों में अनियंत्रित अतिचारण मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को बढ़ाने वाला एक विनाशकारी कारक है, न कि उसे नियंत्रित करने का उपाय। अत्यधिक

Downloaded from www.pdf.tube

46. (B) 1974-75
राजस्थान के बार-बार सूखा प्रभावित रहने वाले जिलों में अकाल के दुष्परिणामों को न्यूनतम करने तथा पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने के उद्देश्य से सूखा संभावित क्षेत्र कार्यक्रम वर्ष 1974-75 में प्रारंभ किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र बिंदु जल संसाधनों का वैज्ञानिक संरक्षण, मृदा संवर्धन, वनीकरण और भूमि सुधार करना है ताकि स्थानीय कृषि और पशुधन को सुरक्षा मिल सके।

47. (C) 10
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मानदंडों के अनुसार, राजस्थान को उसके विविध वर्षा पैटर्न, तापमान विषमताओं, मृदा प्रकारों और फसल चक्र प्रणालियों के आधार पर 10 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है। ये क्षेत्र शुष्क पश्चिमी मैदान से लेकर अत्यधिक आर्द्र दक्षिण-पूर्वी पठारी मैदान तक फैले हैं। यह वर्गीकरण उपयुक्त कृषि विकास योजनाएं बनाने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है।

48. (B) I C (अति शुष्क आंशिक सिंचित क्षेत्र)
भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा कृषि-जलवायु क्षेत्र I C है, जिसे 'अति शुष्क आंशिक सिंचित क्षेत्र' के रूप में जाना जाता है। इस विशाल खंड के अंतर्गत जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर जिलों के मुख्य मरुस्थलीय हिस्से शामिल हैं। इस क्षेत्र की जलवायु अत्यधिक शुष्क है, जहाँ वार्षिक वर्षा नाममात्र की होती है तथा नहरों से सिंचाई की जाती है।

49. (B) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान
राजस्थान के कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिले कृषि-जलवायु क्षेत्र V के अंतर्गत आते हैं, जिसे 'आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र' कहा जाता है। यह क्षेत्र राज्य में सबसे अधिक औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करने के लिए जाना जाता है। उपजाऊ काली मिट्टी और प्रचुर जल संसाधनों की उपलब्धता के कारण यहाँ सोयाबीन, धनिया, सरसों जैसी फसलों का भारी उत्पादन किया जाता है।

50. (A) 2, 3, 4, 1
राजस्थान के कृषि-जलवायु क्षेत्रों में वर्षा का स्तर पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ता है। शुष्क पश्चिमी मैदान में न्यूनतम वार्षिक वर्षा दर्ज होती है। अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदान में मध्यम वर्षा होती है, जबकि उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान उससे अधिक वर्षा प्राप्त करता है। अंततः आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान राज्य में सर्वोच्च औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है। इस प्रकार सही क्रम बनता है।

51. (C) शुष्क एवं अर्ध-शुष्क पश्चिमी क्षेत्र
गोवंश की थारपारकर और राठी नस्लें अपनी उच्च तापीय सहनशीलता, कम जल की आवश्यकता और विरल चारागाहों में जीवित रहने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं। थारपारकर नस्ल मुख्य रूप से बाड़मेर और जैसलमेर के अत्यंत शुष्क सीमावर्ती जिलों में पाई जाती है, जबकि राठी नस्ल बीकानेर और गंगानगर के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में मिलती है। ये नस्लें जलवायु अनुकूल हैं।

52. (D) वे विरल वनस्पति और कम जल की उपलब्धता में भी जीवित रहते हैं
पश्चिमी राजस्थान का शुष्क मरुस्थलीय पर्यावरण वर्षा की भारी कमी और विरल कांटेदार वनस्पति द्वारा अभिलक्षित होता है। भेड़ और बकरियां ऐसे जीव हैं जिनकी पाचन क्षमता अत्यंत कठोर तथा सूखी मरुस्थलीय झाड़ियों को पचाने में सक्षम होती है। कम जल सेवन और विषम जलवायु परिस्थितियों में भी जीवित रहने की दक्षता के कारण ही ये आजीविका का सहारा बनते हैं।

53. (C) अनिश्चित वर्षा पैटर्न के कारण बार-बार सूखा पड़ना
राजस्थान की कृषि पर वैश्विक जलवायु परिवर्तन का सबसे स्पष्ट और हानिकारक प्रभाव मानसून के अनिश्चित पैटर्न तथा बार-बार अकाल की स्थितियों के रूप में सामने आया है। वर्षा के दिनों की संख्या में कमी, अनियमित समय पर मानसूनी बारिश का होना और लंबे शुष्क दौर का आना कृषि चक्र को अत्यधिक प्रभावित करता है। इससे फसल उत्पादकता में भारी गिरावट आती है।

54. (B) रबी की फसलों में दाना भरने और उपज की प्रक्रिया
राजस्थान में फरवरी और मार्च के दौरान अचानक असमय तापमान में वृद्धि होना रबी फसलों की इष्टतम परिपक्वता के लिए अत्यधिक नुकसानदेह सिद्ध होता है। गेहूं, जौ, चना और सरसों जैसी फसलें इस समय दाना भरने तथा बीज विकास के अत्यंत नाजुक चरण में होती हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण पौधे असमय पक जाते हैं, जिससे दानों का आकार छोटा रह जाता है।

55. (A) P-2, Q-4, R-1, S-3
राजस्थान की प्रमुख मरुस्थलीय वनस्पति प्रजातियों के सही वैज्ञानिक नाम उनकी विशिष्ट वनस्पति पहचान प्रस्तुत करते हैं। राज्य वृक्ष खेजड़ी को प्रोसोपिस सिनेरेरिया कहा जाता है। राज्य पुष्प रोहिड़ा का वैज्ञानिक नाम टेकोमेला उंडुलता है। औषधीय गुणों वाले आक के पौधे को कैलोट्रोपिस प्रोसेरा के नाम से जाना जाता है, जबकि मरुस्थल की प्रसिद्ध कांटेदार झाड़ी कैर का वैज्ञानिक नाम कैपेरिस डेसिडुआ है।

56. (A) काजरी (केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान)
जोधपुर में स्थित केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान यानी काजरी शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण को रोकने तथा सतत भूमि प्रबंधन पर शोध के लिए समर्पित भारत का शीर्ष संस्थान है। वर्ष 1959 में स्थापित यह संस्थान बालुका स्तूपों का स्थिरीकरण, जल संचयन, चारागाह विकास और मरुस्थलीय वनस्पति संरक्षण पर निरंतर वैज्ञानिक अनुसंधान करता है ताकि पारिस्थितिक संतुलन बना रहे।

57. (C) अरावली पर्वत श्रृंखला
भारत की हरित दीवार परियोजना का उद्देश्य गुजरात से हरियाणा और दिल्ली तक अरावली पर्वत श्रृंखला के समानांतर लगभग 1400 किलोमीटर लंबी और 5 किलोमीटर चौड़ी विशाल सघन हरित पट्टी का निर्माण करना है। इस महत्वाकांक्षी वनीकरण योजना का मुख्य लक्ष्य थार मरुस्थल के पूर्व दिशा की ओर

नमी यहाँ तक पहुँचते-पहुँचते खो देती हैं। इसके अतिरिक्त, वर्षा के दिनों की कम संख्या और क्षेत्रीय विभिन्नता के कारण जल स्रोतों में पुनर्भरण नहीं हो पाता, जिससे सूखा पड़ता है।

12. (B) अन्न, जल और चारे की कमी
राजस्थान की लोक संस्कृति और सूखा प्रबंधन में त्रिकाल शब्द का प्रयोग उस भीषण अकाल की स्थिति का वर्णन करने के लिए किया जाता है जहाँ एक साथ तीन प्राथमिक संसाधनों—अन्न, पीने के जल और पशुओं के चारे का गंभीर संकट पैदा हो जाता है। जब मानसूनी निष्फलता के कारण फसलें पूरी तरह नष्ट हो जाती हैं और प्राकृतिक जल स्रोत सूख जाते हैं, तब जनजीवन प्रभावित होता है।

13. (C) दक्षिणी क्षेत्र
व्लादिमीर कोपेन के जलवायु वर्गीकरण प्रणाली के आधार पर राजस्थान के दक्षिणी भाग, जिसमें बांसवाड़ा, डूंगरपुर और झालावाड़ जैसे जिले शामिल हैं, को उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु प्रदेश यानी 'Aw' के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। इस क्षेत्र में वर्षा की मात्रा अधिक होती है और यहाँ शीत ऋतु मुख्य रूप से शुष्क रहती है। यहाँ सघन प्राकृतिक वनस्पति और उष्णकटिबंधीय सागवान वृक्ष पाए जाते हैं।

14. (D) BWhw
कोपेन के प्रसिद्ध विश्व जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, 'BWhw' संकेतक पश्चिमी राजस्थान के अत्यधिक शुष्क और गर्म मरुस्थलीय क्षेत्र को निरूपित करता है। इस जलवायु खंड की प्रमुख विशेषताओं में नाममात्र की वर्षा, अत्यधिक उच्च तापमान, उच्च वाष्पीकरण दर और वनस्पति का अत्यंत विरल होना शामिल है। जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर जिलों के विशाल मरुस्थलीय भाग इसी विशिष्ट जलवायु कोड के तहत आते हैं।

15. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
पश्चिमी राजस्थान का शुष्क बना रहना और ग्रीष्मकालीन मानसून के दौरान नगण्य वर्षा प्राप्त करना सीधे तौर पर अरावली पर्वत श्रृंखला के भौगोलिक विन्यास से जुड़ा हुआ है। अरब सागर से उठने वाली मानसूनी पवनें अरावली पहाड़ियों के समानांतर दिशा में बिना किसी भौतिक अवरोध के उत्तर की ओर सीधी निकल जाती हैं। संघनन की क्रिया हेतु पर्वतीय बाधा न मिलने से वर्षा नहीं हो पाती।

16. (B) वर्षा की मात्रा
राजस्थान में पाई जाने वाली स्वाभाविक प्राकृतिक वनस्पति का प्रकार और उसका घनत्व मुख्य रूप से वर्षा की मात्रा द्वारा निर्धारित होता है। राज्य में दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर वर्षा में लगातार गिरावट दर्ज की जाती है, जिसके परिणामस्वरूप सघन आर्द्र एवं पर्णपाती वनों से लेकर पश्चिमी भागों में कांटों वाली शुष्क मरुस्थलीय वनस्पति तक का क्रमिक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

17. (B) उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन
राजस्थान में बहुतायत से पाए जाने वाले धौक या धौकड़ा के वृक्ष एनोजिसस पेंडुला प्रजाति के अंतर्गत आते हैं। इन्हें मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनस्पति श्रेणी में शामिल किया जाता है। ये वृक्ष अरावली की मध्यवर्ती एवं दक्षिणी पहाड़ियों तथा उप-आर्द्र मैदानी क्षेत्रों में प्रचुरता से विकसित होते हैं। जल की कमी वाले शुष्क मौसम में अपनी पत्तियां गिरा देना इनकी विशेषता है।

18. (A) गहरी मूसला जड़ें और कांटेदार पत्तियां
राजस्थान के थार मरुस्थल में पाई जाने वाली कांटेदार वनस्पति वातावरण के अत्यधिक तापमान और नमी की कमी से निपटने के लिए विशिष्ट अनुकूलन प्रदर्शित करती है। इनकी जड़ें भूजल की खोज में धरातल के बहुत गहराई तक प्रवेश कर जाती हैं। इसके अतिरिक्त, वाष्पोत्सर्जन द्वारा होने वाली जल हानि को कम करने के लिए इनकी पत्तियां कांटों के रूप में परिवर्तित हो जाती हैं।

19. (C) बांसवाड़ा और डूंगरपुर
राजस्थान में शुष्क सागवान के वन मुख्यतः दक्षिणी भाग में केंद्रित हैं, जिनमें बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर और प्रतापगढ़ जैसे जिले प्रमुख रूप से आते हैं। यह क्षेत्र अपेक्षाकृत अधिक मानसूनी वर्षा प्राप्त करता है, जो सागवान वृक्षों की प्राकृतिक वृद्धि के लिए आवश्यक परिस्थितियों का निर्माण करती है। इस वनस्पति श्रेणी का उपयोग इमारती लकड़ी प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

20. (A) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान की वनस्पति विविधता क्षेत्रीय जलवायु के अनुरूप विभाजित है। जैसलमेर के अत्यंत शुष्क भाग में उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन पाए जाते हैं। बांसवाड़ा के अधिक वर्षा वाले दक्षिणी क्षेत्र में शुष्क सागवान वन विद्यमान हैं। राजसमंद तथा चित्तौड़गढ़ के अरावली से सटे ढलानों पर मिश्रित पर्णपाती वन पाए जाते हैं। माउंट आबू की सर्वाधिक ऊंचाई और ठंडक के कारण वहां सदाबहार वनस्पति पाई जाती है।

21. (C) खेजड़ी
खेजड़ी के वृक्ष को थार मरुस्थल का कल्पवृक्ष कहा जाता है क्योंकि यह विषम मरुस्थलीय परिस्थितियों में भी हरा-भरा रहता है और स्थानीय निवासियों को अनेक उपयोगिताएं प्रदान करता है। इसकी हरी पत्तियां पशुओं को चारा प्रदान करती हैं तथा इसकी फलियों का प्रयोग सब्जी के रूप में किया जाता है। इसके अतिरिक्त, यह वृक्ष नाइट्रोजन स्थिरीकरण कर मृदा की उर्वरता बढ़ाता है।

22. (B) प्रोसोपिस सिनेरेरिया
राजस्थान के आधिकारिक राज्य वृक्ष खेजड़ी का वैज्ञानिक वनस्पति नाम प्रोसोपिस सिनेरेरिया है। यह लेगुमिनेसी कुल से संबंधित एक बहुउपयोगी मरुस्थलीय वृक्ष है। शुष्क वातावरण में अपनी सहनशीलता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बहुमूल्य योगदान के कारण राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1983 में इसे राज्य

Click Here to Buy book on Amazon

पशुधन चराई से भूमि का प्राकृतिक वनस्पति आवरण नष्ट हो जाता है और मिट्टी की ऊपरी संरचना ढीली हो जाती है, जिससे वायु अपरदन में तीव्र वृद्धि होती है। इसके विपरीत, अन्य उपाय मरुस्थल रोकते हैं।

70. (B) 57 - 58 सेमी
राजस्थान की समग्र औसत वार्षिक वर्षा 57.51 सेंटीमीटर अर्थात लगभग 57 से 58 सेंटीमीटर दर्ज की जाती है। अरावली पर्वतमाला राज्य को दो भिन्न वर्षा क्षेत्रों में विभाजित करती है। अरावली के पश्चिम में अवस्थित थार मरुस्थलीय क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा 10 से 50 सेंटीमीटर के मध्य सीमित रहती है, जबकि अरावली के पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी मैदानी भागों में औसत वर्षा 60 से 100 सेंटीमीटर तक प्राप्त होती है।

www.nodia.in

NODIA

अध्याय 15
राजस्थान की नदियाँ, बाँध एवं झीलें

1. राजस्थान के कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग कितना प्रतिशत आंतरिक अपवाह प्रणाली के अंतर्गत आता है?
(A) 20 प्रतिशत
(B) 40 प्रतिशत
(C) 60 प्रतिशत
(D) 80 प्रतिशत

2. राजस्थान के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन आंतरिक अपवाह प्रणाली को परिभाषित करता है?
(A) वे नदियाँ जो सीधे अरब सागर में गिरती हैं
(B) वे नदियाँ जो गंगा नदी तंत्र में मिलती हैं
(C) वे नदियाँ जो केवल शीत ऋतु में बहती हैं
(D) वे नदियाँ जिनका जल किसी महासागर तक नहीं पहुँचता और स्थल या झील में ही समाप्त हो जाता है

3. निम्नलिखित में से कौन-सी राजस्थान की बाह्य-अपवाही (समुद्र में गिरने वाली) नदी नहीं है?
(A) कांतली
(B) चंबल
(C) बनास
(D) लूनी

4. चंबल नदी का उद्गम निम्नलिखित में से किस स्थान से होता है?
(A) राजस्थान की खमनोर पहाड़ियों से
(B) राजस्थान के नाग पहाड़ से
(C) मध्य प्रदेश की जानापाव पहाड़ियों से
(D) गुजरात की विंध्याचल श्रेणियों से

5. चंबल नदी का प्राचीन नाम क्या है?
(A) चर्मण्वती
(B) वशिष्ठी
(C) सरस्वती
(D) दृषद्वती

6. चंबल नदी के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह राजस्थान की एकमात्र बारहमासी नदी है।
(B) यह राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच प्राकृतिक सीमा बनाती है।
(C) यह व्यापक अवनालिका अपरदन और उत्खात भूमि (बीहड़) स्थलाकृति के लिए जानी जाती है।
(D) यह ग्रीष्म ऋतु में पूरी तरह सूख जाती है।

7. बनास नदी को निम्नलिखित में से किस अन्य नाम से जाना जाता है?
(A) चर्मण्वती
(B) वन की आशा
(C) मरु गंगा
(D) सुवर्णगिरि

8. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी पूर्णतः राजस्थान की भौगोलिक सीमाओं के भीतर बहने वाली सबसे लंबी नदी है?
(A) चंबल
(B) लूनी
(C) बनास
(D) माही

9. निम्नलिखित में से कौन-सी बनास नदी की सहायक नदी नहीं है?
(A) बेड़च
(B) कोठारी
(C) खारी
(D) सोम

10. माही नदी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह कर्क रेखा को दो बार पार करती है।
II. यह मध्य प्रदेश में अमझोरा (अमहोरू) पहाड़ियों से निकलती है।
III. यह राजस्थान को पार करने के बाद बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

11. राजस्थान की कौन-सी नदी खंभात की खाड़ी में अपना जल विसर्जित करती है/मुहाना बनाती है?
(A) बनास
(B) माही
(C) लूनी
(D) घग्गर

12. लूनी नदी पश्चिमी राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण नदी है। निम्नलिखित में से किस स्थान से गुजरने के बाद इसका जल अत्यधिक खारा हो जाता है?

Downloaded from www.pdf.tube

(A) जोधपुर
(B) बालोतरा
(C) पाली
(D) समदड़ी

13. निम्नलिखित में से लूनी नदी की एकमात्र सहायक नदी कौन-सी है जो दाहिने तट से मिलती है तथा अरावली पहाड़ियों के बजाय मैदान से निकलती है?
(A) जोजरी
(B) सुकड़ी
(C) जवाई
(D) बांडी

14. राजस्थान की किस नदी प्रणाली को 'विलुप्त नदी तंत्र' या 'मृत नदी' के रूप में भी जाना जाता है?
(A) काकनी
(B) कांतली
(C) घग्गर
(D) साबी

15. कथन (A) और कारण (R) के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): प्रारंभ में लूनी नदी का जल मीठा होता है, लेकिन इसके निचले प्रवाह क्षेत्र में यह अत्यधिक खारा हो जाता है।
कारण (R): यह नदी थार मरुस्थल की लवणयुक्त बलुई मृदा से होकर गुजरती है, जिससे जल में लवण घुल जाते हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

16. हनुमानगढ़ जिले में घग्गर नदी द्वारा निर्मित उपजाऊ मैदान को क्या स्थानीय नाम दिया गया है?
(A) खादर
(B) रोही
(C) नाली
(D) भाबर

17. गुजरात में बहने से पहले साबरमती नदी राजस्थान के किस जिले की पहाड़ियों से निकलती है?
(A) सिरोही
(B) उदयपुर
(C) डूंगरपुर
(D) बांसवाड़ा

18. पश्चिमी बनास नदी राजस्थान में उद्गमित होती है और अंततः निम्नलिखित में से किसमें विसर्जित होती है?
(A) कच्छ की खाड़ी
(B) खंभात की खाड़ी
(C) सीधे अरब सागर
(D) कच्छ का छोटा रण

19. भीलवाड़ा को जल आपूर्ति करने वाला प्रसिद्ध मेजा बांध बनास नदी की किस सहायक नदी पर बनाया गया है?
(A) कोठारी
(B) बेड़च
(C) खारी
(D) डाई

20. उदय सागर झील में गिरने से पहले बेड़च नदी को किस नाम से जाना जाता है?
(A) सोम
(B) जाखम
(C) आयड़
(D) मानसी

21. कालीसिंध नदी राजस्थान के किस जिले में चंबल नदी से मिलती है?
(A) कोटा
(B) झालावाड़
(C) बारां
(D) सवाई माधोपुर

22. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: सहायक नदी
P. बेड़च
Q. परवन
R. सोम
S. जवाई
सूची II: मुख्य नदी
1. बनास
2. कालीसिंध
3. माही
4. लूनी
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-1, Q-3, R-2, S-4
(D) P-4, Q-2, R-3, S-1

23. बीसलपुर बांध मुख्य रूप से क्षेत्र की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह किस नदी पर निर्मित है?
(A) चंबल
(B) बनास
(C) लूनी
(D) माही

24. बीसलपुर बांध राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) जयपुर

NODIA

स्थान पर यह नदी चंबल नदी में विलीन हो जाती है। आहू, परवन और निवाज़ कालीसिंध की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं। प्रसिद्ध गागरोन दुर्ग इन्हीं नदियों के पास स्थित है।

22. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
बेड़च नदी बनास की मुख्य सहायक नदी है, जो उदयपुर की गोगुंदा पहाड़ियों से निकलती है। परवन नदी कालीसिंध की सहायक नदी है जो झालावाड़ और बारां जिलों में बहती है। सोम नदी माही नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है जो उदयपुर के बीछामेड़ा से निकलकर बेणेश्वर में माही से मिलती है। जवाई नदी लूनी नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है जो पाली जिले के गोरा गाँव की पहाड़ियों से निकलती है।

23. (B) बनास
बीसलपुर बांध बनास नदी पर निर्मित एक बहुउद्देशीय कंक्रीट गुरुत्व बांध है। यह बांध टोंक जिले की देवली तहसील के बीसलपुर गाँव के पास स्थित है। इस बांध का निर्माण 1990 के दशक में पेयजल और सिंचाई के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किया गया था। यह परियोजना राजस्थान की सबसे बड़ी पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं में से एक है, जो राज्य की एक बड़ी शहरी और ग्रामीण आबादी को स्वच्छ जल उपलब्ध कराती है।

24. (C) टोंक
बीसलपुर बांध राजस्थान के टोंक जिले की देवली तहसील में बीसलपुर गाँव में अरावली पहाड़ियों के संकरे अंतराल में बनास नदी पर बनाया गया है। इस बांध का ऐतिहासिक महत्व भी है क्योंकि इसका निर्माण चौहान शासक विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव) के नाम से जोड़ा जाता है। यह बांध टोंक जिले की भौगोलिक पहचान होने के साथ-साथ राजस्थान के मध्यवर्ती जिलों के लिए जल सुरक्षा का मुख्य आधार स्तंभ माना जाता है।

25. (D) जयपुर और अजमेर
जयपुर और अजमेर राजस्थान के दो प्रमुख महानगर एवं प्रशासनिक केंद्र हैं जो अपनी पेयजल आवश्यकताओं के लिए मुख्य रूप से बीसलपुर बांध परियोजना पर निर्भर हैं। इस बांध से विशाल पाइपलाइनों और आधुनिक जलशोधन संयंत्रों के माध्यम से इन शहरों को प्रतिदिन स्वच्छ जल भेजा जाता है। इसके अलावा टोंक, दूदू और केकड़ी जैसे जिलों के अनेक कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों को भी बीसलपुर परियोजना से जल प्राप्त होता है।

26. (A) जवाई बांध
जवाई बांध को पश्चिमी राजस्थान अथवा मारवाड़ क्षेत्र का 'अमृत सरोवर' कहा जाता है। यह बांध लूनी की प्रमुख सहायक नदी जवाई पर पाली जिले के सुमेरपुर कस्बे के पास स्थित है। इसका निर्माण जोधपुर के महाराजा उम्मेद सिंह ने 1946 में शुरू करवाया था। मारवाड़ के शुष्क क्षेत्र में पेयजल और कृषि सिंचाई के लिए इसका जल अत्यंत जीवनदायिनी सिद्ध होता है, इसी कारण इसे यह उपमा प्रदान की गई है।

27. (B) पाली
जवाई बांध राजस्थान के पाली जिले में सुमेरपुर के पास स्थित है। ग्रैनाइट पत्थरों से निर्मित यह विशाल बांध पश्चिमी राजस्थान की एक प्रमुख जल संरचना है। यह बांध न केवल पाली जिले को जल प्रदान करता है, बल्कि सिरोही और जोधपुर जिलों के कई हिस्सों को भी पीने का पानी और सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराता है। इस बांध में जल आपूर्ति बनाए रखने के लिए सेई जल सुरंग परियोजना निर्मित की गई है।

28. (A) 2, 4, 1, 3
चंबल नदी के उद्गम (दक्षिण) से उसके प्रवाह मार्ग (उत्तर) की ओर स्थित बांधों का सही क्रम गांधी सागर बांध, राणा प्रताप सागर बांध, जवाहर सागर बांध और कोटा बैराज है। गांधी सागर बांध मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित है। इसके पश्चात् नदी राजस्थान में प्रवेश करती है जहाँ रावतभाटा में राणा प्रताप सागर बांध, कोटा में जवाहर सागर बांध और सबसे अंत में उत्तर में कोटा बैराज स्थित है।

29. (A) रावतभाटा
राणा प्रताप सागर बांध राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले की रावतभाटा तहसील के अंतर्गत रावतभाटा नामक स्थान पर चंबल नदी पर निर्मित है। यह बांध चंबल घाटी विकास परियोजना के द्वितीय चरण के तहत बनाया गया था। भराव क्षमता की दृष्टि से यह राजस्थान का सबसे बड़ा बांध है। रावतभाटा क्षेत्र अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए भी पूरे देश में जाना जाता है, जिसे इसी बांध से जल प्राप्त होता है।

30. (C) जाखम बांध
जाखम बांध 81 मीटर की ऊँचाई के साथ राजस्थान राज्य का सबसे ऊँचा बांध है। यह बांध प्रतापगढ़ जिले में अनूपपुरा गाँव के पास सीतामाता अभयारण्य के भीतर जाखम नदी पर बनाया गया है। इस बांध का निर्माण मुख्य रूप से क्षेत्र की जनजातीय आबादी को सिंचाई सुविधाएँ और पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। यह बांध क्षेत्र की कृषि गतिविधियों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

31. (D) प्रतापगढ़
जाखम बांध राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी जनजातीय बहुल जिले प्रतापगढ़ में स्थित है। इस बांध का निर्माण छोटी सादड़ी तहसील से निकलने वाली जाखम नदी पर सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य के समीप किया गया है। इस जल परियोजना से प्रतापगढ़ और उदयपुर जिलों के आदिवासी क्षेत्रों की हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराया जाता है, जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ मिलता है।

32. (C) बांसवाड़ा
माही बजाज सागर बांध राजस्थान के बांसवाड़ा जिले की बोरखेड़ा तहसील में स्थित बोरखेड़ा गाँव के पास माही नदी पर बनाया गया है। प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जमनालाल बजाज के नाम पर नामांकित यह बांध माही परियोजना का मुख्य घटक है। यह बांध राजस्थान का सबसे लंबा बांध है और बांसवाड़ा

Click Here to Buy book on Flipkart

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

(C) 50:50
(D) 70:30

38. उदयपुर में प्रसिद्ध 'सहेलियों की बाड़ी' किस झील के किनारे स्थित है?
(A) पिछोला झील
(B) उदय सागर झील
(C) जयसमंद झील
(D) फतेह सागर झील

39. ऐतिहासिक रूप से पिछोला झील का निर्माण एक बंजारे द्वारा मेवाड़ के किस शासक के शासनकाल में कराया गया था?
(A) महाराणा प्रताप
(B) महाराणा लाखा
(C) महाराणा कुंभा
(D) महाराणा सांगा

40. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: बांध
P. बीसलपुर बांध
Q. जवाई बांध
R. जाखम बांध
S. मेजा बांध
सूची II: जिला
1. टोंक
2. पाली
3. प्रतापगढ़
4. भीलवाड़ा
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-2, Q-1, R-4, S-3
(D) P-1, Q-3, R-2, S-4

41. राजस्थान की सबसे बड़ी कृत्रिम (मानव निर्मित) मीठे पानी की झील कौन-सी है?
(A) राजसमंद झील
(B) आना सागर झील
(C) पुष्कर झील
(D) जयसमंद झील

42. जयसमंद झील को स्थानीय रूप से किस अन्य नाम से जाना जाता है?
(A) ढेबर झील
(B) स्वरूप सागर
(C) सिलीसेढ़
(D) कायलाना

43. 25 शिलालेखों (पाषाण पट्टियों) पर उत्कीर्ण 17वीं शताब्दी का ऐतिहासिक अभिलेख 'राज प्रशस्ति' किस झील की सीढ़ियों पर स्थित है?
(A) जयसमंद झील
(B) राजसमंद झील
(C) पिछोला झील
(D) फतेह सागर झील

44. सांभर झील के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह भारत की सबसे बड़ी आंतरिक खारे पानी की झील है।
II. यह भारत के कुल नमक उत्पादन में लगभग 8.7 प्रतिशत का योगदान देती है।
III. मेंथा और रूपनगढ़ नदियाँ इसमें अपना जल प्रवाहित करती हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

45. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी सांभर झील में अपना जल प्रवाहित नहीं करती है?
(A) सोम
(B) मेंथा
(C) रूपनगढ़
(D) खारी

46. जयसमंद झील के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका निर्माण महाराणा जयसिंह द्वारा करवाया गया था।
II. यह गोमती नदी पर बनी है।
III. इस झील के सबसे बड़े द्वीप को 'बाबा का भाकड़ा' कहा जाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

47. कथन (A) और कारण (R) के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): पचपदरा झील में उत्पादित नमक को उत्कृष्ट खाद्य गुणवत्ता का माना जाता है।
कारण (R): इसमें लगभग 98 प्रतिशत सोडियम क्लोराइड होता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

Downloaded from www.pdf.tube

(B) अजमेर
(C) टोंक
(D) सवाई माधोपुर

25. राजस्थान के कौन-से दो प्रमुख शहरों को मुख्य रूप से बीसलपुर बांध परियोजना से पेयजल आपूर्ति प्राप्त होती है?
(A) जोधपुर और बीकानेर
(B) उदयपुर और कोटा
(C) अलवर और भरतपुर
(D) जयपुर और अजमेर

26. राजस्थान के किस बांध को लोकप्रिय रूप से 'मारवाड़ का अमृत सरोवर' कहा जाता है?
(A) जवाई बांध
(B) मेजा बांध
(C) बीसलपुर बांध
(D) राणा प्रताप सागर बांध

27. जवाई बांध राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) जोधपुर
(B) पाली
(C) जालौर
(D) बाड़मेर

28. चंबल नदी पर स्थित निम्नलिखित बांधों पर विचार कीजिए:
1. जवाहर सागर बांध
2. गांधी सागर बांध
3. कोटा बैराज
4. राणा प्रताप सागर बांध

दक्षिण से उत्तर (उद्गम से मुहाने) की ओर इन बांधों का सही क्रमिक अनुक्रम क्या है?
(A) 2, 4, 1, 3
(B) 1, 2, 3, 4
(C) 2, 1, 4, 3
(D) 4, 2, 1, 3

29. राणा प्रताप सागर बांध राजस्थान में किस स्थान पर स्थित है?
(A) रावतभाटा
(B) कोटा
(C) झालरापाटन
(D) बूंदी

30. निम्नलिखित में से कौन-सा 81 मीटर की ऊँचाई के साथ राजस्थान का सबसे ऊँचा बांध है?
(A) राणा प्रताप सागर बांध
(B) बीसलपुर बांध
(C) जाखम बांध
(D) माही बजाज सागर बांध

31. जाखम बांध किस जिले में स्थित है, जो मुख्य रूप से जनजातीय क्षेत्रों को सिंचाई सुविधा प्रदान करता है?
(A) बांसवाड़ा
(B) डूंगरपुर
(C) उदयपुर
(D) प्रतापगढ़

32. माही बजाज सागर बांध राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) डूंगरपुर
(B) प्रतापगढ़
(C) बांसवाड़ा
(D) चित्तौड़गढ़

NODIA

33. राजस्थान के बांधों और उनकी मुख्य विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म गलत है?
(A) माही बजाज सागर - राजस्थान का सबसे लंबा बांध
(B) कोटा बैराज - राजस्थान में सर्वाधिक जलविद्युत का उत्पादन करता है
(C) जाखम बांध - राजस्थान का सबसे ऊँचा बांध
(D) राणा प्रताप सागर - जल भराव क्षमता की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा बांध

34. चंबल घाटी परियोजना के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा बांध राजस्थान से बाहर स्थित है?
(A) राणा प्रताप सागर बांध
(B) जवाहर सागर बांध
(C) कोटा बैराज
(D) गांधी सागर बांध

35. कथन (A) और कारण (R) के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): कोटा बैराज का उपयोग विशेष रूप से केवल सिंचाई उद्देश्यों के लिए किया जाता है।
कारण (R): कोटा बैराज में कोई जलविद्युत उत्पादन इकाई स्थापित नहीं की गई है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

36. चंबल घाटी परियोजना राजस्थान और किस अन्य राज्य की संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना है?
(A) गुजरात
(B) उत्तर प्रदेश
(C) मध्य प्रदेश
(D) हरियाणा

37. चंबल घाटी परियोजना में राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच वित्तीय एवं विद्युत-साझाकरण का अनुपात क्या है?
(A) 60:40
(B) 40:60

(C) सिरोही और पाली
(D) उदयपुर और डूंगरपुर

60. राजस्थान की कौन-सी सिंचाई परियोजना किसानों के लिए सूक्ष्म सिंचाई (फव्वारा प्रणाली) को अनिवार्य बनाने वाली पहली परियोजना थी?
(A) इंदिरा गांधी नहर परियोजना
(B) नर्मदा नहर परियोजना
(C) चंबल घाटी परियोजना
(D) माही बजाज सागर परियोजना

61. नर्मदा नहर राजस्थान राज्य में जालौर जिले के किस गाँव में प्रवेश करती है?
(A) सीलू गाँव
(B) गडरा रोड
(C) सम
(D) कोलायत

62. केंद्र सरकार द्वारा राजस्थान से जुड़े किन नदियों के जल विवाद को सुलझाने के लिए इराडी आयोग का गठन किया गया था?
(A) नर्मदा और ताप्ती
(B) यमुना और गंगा
(C) रावी और ब्यास
(D) माही और साबरमती

63. एक अंतरराज्यीय समझौते के तहत राजस्थान मुख्य रूप से किन पड़ोसी राज्यों के साथ यमुना नदी का जल साझा करता है?
(A) गुजरात और महाराष्ट्र
(B) मध्य प्रदेश और गुजरात
(C) पंजाब और हिमाचल प्रदेश
(D) हरियाणा और उत्तर प्रदेश

64. निम्नलिखित में से किसे ग्रामीण राजस्थान में गंभीर भूजल संकट का सबसे महत्वपूर्ण कारण माना जाता है?
(A) ग्रामीण क्षेत्रों में जल-गहन वृक्ष प्रजातियों का अत्यधिक रोपण
(B) नदी मार्गों पर अत्यधिक संख्या में बांधों का निर्माण
(C) पुनर्भरण के बिना कृषि के लिए भूजल का अत्यधिक दोहन
(D) आधुनिक फव्वारा सिंचाई प्रणालियों को व्यापक रूप से अपनाना

65. राजस्थान में शुरू किए गए 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान' का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मुफ्त नल से पेयजल कनेक्शन प्रदान करना
(B) जल संरक्षण संरचनाओं का उपयोग करके गाँवों को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना
(C) राज्य की सभी प्रमुख नदियों पर बड़े कंक्रीट भंडारण बांधों का निर्माण करना
(D) ब्रह्मपुत्र नदी से जल संसाधनों को थार मरुस्थल की ओर मोड़ना

66. बांडी नदी को मुख्य रूप से पाली में संचालित किस उद्योग के कारण गंभीर पारिस्थितिक क्षति और प्रदूषण का सामना करना पड़ा है?
(A) सीमेंट निर्माण
(B) चर्म शोधन
(C) लौह एवं इस्पात उत्पादन
(D) कपड़ा रंगाई एवं छपाई

67. मीठे पानी की झील होने के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विषम है?
(A) पचपदरा झील
(B) पिछोला झील
(C) फतेह सागर झील
(D) जयसमंद झील

68. चंबल घाटी परियोजना की कुल स्थापित जलविद्युत क्षमता कितनी है, जिसे राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच बराबर साझा किया जाता है?
(A) 193 MW
(B) 386 MW
(C) 140 MW
(D) 500 MW

69. चंबल घाटी परियोजना के बांधों में से कौन-सा बांध सर्वाधिक जलविद्युत (172 MW) उत्पन्न करता है?
(A) राणा प्रताप सागर बांध
(B) गांधी सागर बांध
(C) जवाहर सागर बांध
(D) कोटा बैराज

70. राजस्थान में जलविद्युत परियोजनाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राजस्थान को चंबल घाटी परियोजना से 50 प्रतिशत विद्युत हिस्सा प्राप्त होता है।
II. राजस्थान को माही बजाज सागर परियोजना से 100 प्रतिशत विद्युत हिस्सा प्राप्त होता है।
III. कोटा बैराज में जलविद्युत का उत्पादन नहीं होता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (C) 60 प्रतिशत
राजस्थान के कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग 60 प्रतिशत भाग आंतरिक अपवाह प्रणाली के अंतर्गत आता है। इस तंत्र में वे नदियाँ सम्मिलित हैं जो किसी समुद्र तक नहीं पहुँच पाती हैं और मरुस्थल या झीलों में ही लुप्त हो जाती हैं। घग्गर, कांतली, साबी, काकनी और रुपनगढ़ राज्य की मुख्य आंतरिक नदियाँ हैं। राजस्थान की शुष्क जलवायु एवं कम वर्षा इस विस्तृत प्रवाह का मुख्य कारण है।

2. (D) वे नदियाँ जिनका जल किसी महासागर तक नहीं पहुँचता और स्थल या झील में ही समाप्त हो जाता है
आंतरिक अपवाह प्रणाली से तात्पर्य उन नदियों के प्रवाह तंत्र से है जिनका जल किसी भी सागर या महासागर तक नहीं पहुँच पाता है। ये नदियाँ अपने प्रवाह मार्ग के दौरान ही स्थलभाग, बालुका स्तूपों अथवा अंतःस्थलीय झीलों में विलुप्त हो जाती हैं। राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय एवं समतल मैदानी क्षेत्रों में जल का वाष्पीकरण अधिक होने तथा नीची ढलान की कमी के कारण यह जल तंत्र निर्मित होता है। घग्गर और कांतली इस प्रणाली के उत्तम उदाहरण हैं।

3. (A) कांतली
कांतली नदी राजस्थान की एक प्रमुख आंतरिक अपवाह वाली नदी है, जिसका उद्गम सीकर जिले की खंडेला पहाड़ियों से होता है। यह नदी लगभग 100 किलोमीटर की दूरी तय करने के उपरांत चुरु जिले की सीमा के निकट बालुका स्तूपों में समाप्त हो जाती है। इसके विपरीत चंबल, बनास और लूनी नदियाँ बाह्य अपवाह तंत्र का हिस्सा हैं जो अंततः समुद्र या खाड़ी की ओर प्रवाहित होती हैं।

4. (C) मध्य प्रदेश की जानापाव पहाड़ियों से
चंबल नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के धार और इंदौर जिले के पास स्थित विंध्याचल पर्वत श्रृंखला की जानापाव पहाड़ियों से होता है। यह नदी उत्तर दिशा की ओर प्रवाहित होकर राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के चौरासीगढ़ नामक स्थान से राज्य में प्रवेश करती है। यह राजस्थान की सबसे लंबी और प्रमुख सदानीरा नदी है, जो आगे चलकर उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में मुरादगंज के निकट यमुना नदी में मिल जाती है।

5. (A) चर्मण्वती
चंबल नदी को प्राचीन संस्कृत ग्रंथों तथा वैदिक साहित्य में चर्मण्वती के नाम से जाना जाता है। इसे राजस्थान की 'कामधेनु' भी कहा जाता है क्योंकि यह राज्य की एक प्रमुख नित्यवाही नदी है जो वर्ष भर बहती है। इस नदी का ऐतिहासिक एवं भौगोलिक महत्व अत्यंत व्यापक है। पौराणिक कथाओं में भी इस नदी का उल्लेख प्राप्त होता है। वर्तमान में यह नदी मालवा पठार से निकलकर राजस्थान और मध्य प्रदेश की सीमाओं का निर्धारण करती है।

6. (D) यह ग्रीष्म ऋतु में पूरी तरह सूख जाती है।
चंबल नदी राजस्थान की एक नित्यवाही अथवा बारहमासी नदी है, जो वर्ष भर निरंतर प्रवाहित होती है और ग्रीष्म ऋतु में कभी नहीं सूखती है। यह नदी मध्य प्रदेश के साथ लगभग 241 किलोमीटर की लंबी प्राकृतिक अंतरराज्यीय सीमा का निर्माण करती है। इसके अतिरिक्त चंबल नदी तीव्र अवनालिका अपरदन के लिए विख्यात है, जिसके कारण इसके प्रवाह क्षेत्र में विशाल उत्खात भूमि अथवा बीहड़ स्थलाकृति का विकास हुआ है।

7. (B) वन की आशा
बनास नदी को स्थानीय एवं पारंपरिक रूप से 'वन की आशा' (वर्णाशा) के नाम से जाना जाता है। इसका उद्गम राजसमंद जिले में कुम्भलगढ़ के पास अरावली की खमनोर पहाड़ियों से होता है। यह पूर्णतः राजस्थान राज्य की सीमाओं के भीतर बहने वाली सबसे लंबी नदी है। इसका प्रवाह क्षेत्र मेवाड़ के मैदानी भाग में विस्तृत है और यह आगे जाकर सवाई माधोपुर जिले में रामेश्वरम के निकट चंबल नदी में विलीन हो जाती है।

8. (C) बनास
बनास नदी पूर्ण रूप से राजस्थान की भौगोलिक सीमाओं के भीतर प्रवाहित होने वाली सबसे लंबी नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 480 से 512 किलोमीटर है। हालांकि चंबल राजस्थान की सबसे लंबी नदी है, लेकिन उसका उद्गम और प्रवाह अन्य राज्यों में भी फैला हुआ है। बनास नदी का संपूर्ण जलसम्भर क्षेत्र राजस्थान में ही स्थित है, जो राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, शाहपुरा, केकड़ी, टोंक और सवाई माधोपुर जिलों से होकर गुजरता है।

9. (D) सोम
सोम नदी बनास की नहीं, बल्कि माही नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है। सोम नदी का उद्गम उदयपुर जिले की बीछामेड़ा पहाड़ियों से होता है और यह डूंगरपुर जिले के बेणेश्वर में माही और जाखम नदियों के साथ मिलकर प्रसिद्ध त्रिवेणी संगम बनाती है। दूसरी ओर बेड़च, कोठारी, खारी, मेनाल और मानसी नदियाँ बनास नदी की मुख्य सहायक नदियाँ हैं, जो मेवाड़ और बनास मैदान की जल संरचना का निर्माण करती हैं।

10. (A) केवल I और II
माही नदी मध्य प्रदेश के धार जिले में अमझोरा की विंध्याचल श्रेणियों से निकलती है। यह नदी राजस्थान के बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों में बहते हुए अंग्रेजी के 'U' आकार की घाटी बनाती है तथा कर्क रेखा को दो बार काटती है। राजस्थान को पार करने के बाद यह नदी दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर बहती

NODIA

हुई गुजरात राज्य में प्रवेश करती है और अंततः खंभात की खाड़ी में गिरती है, न कि बंगाल की खाड़ी में।

11. (B) माही
माही नदी राजस्थान के दक्षिणी भाग से प्रवाहित होकर अंततः गुजरात राज्य के माध्यम से अरब सागर की खंभात की खाड़ी में गिरती है। यह नदी बांसवाड़ा में खांदू गाँव से राजस्थान में प्रवेश करती है और दक्षिणी राजस्थान की जीवनरेखा कहलाती है। इसके विपरीत लूनी नदी कच्छ के रण में विलीन होती है, जबकि बनास नदी चंबल में मिलकर बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र का भाग बनती है और घग्गर एक आंतरिक प्रवाह नदी है।

12. (B) बालोतरा
लूनी नदी अजमेर के नाग पहाड़ से उद्गमित होकर बाड़मेर जिले के बालोतरा तक मीठे जल के रूप में प्रवाहित होती है। बालोतरा पहुँचने के पश्चात् इस क्षेत्र की मरुस्थलीय मृदा में लवणीय कणों और सोडियम लवणों की प्रचुरता के कारण इसका जल अत्यधिक खारा हो जाता है। इसी विशेषता के कारण लूनी नदी को 'आधी मीठी, आधी खारी' नदी भी कहा जाता है। बालोतरा के आगे यह नदी पूरी तरह से खारे जल के रूप में बहती है।

13. (A) जोजरी
जोजरी नदी लूनी नदी की एकमात्र ऐसी प्रमुख सहायक नदी है जो अरावली पर्वतमाला से न निकलकर नागौर जिले के पोंडलू गाँव की मैदानी पहाड़ियों से उद्गमित होती है। इसके अतिरिक्त यह लूनी नदी के दाहिने तट (उत्तर दिशा) से मिलने वाली भी एकमात्र नदी है, जबकि अन्य सभी सहायक नदियाँ जैसे सुकड़ी, जवाई, बांडी और लीलड़ी अरावली पर्वत श्रेणी के पश्चिमी ढलानों से निकलकर इसके बाएँ तट पर आकर मिलती हैं।

14. (C) घग्गर
घग्गर नदी को प्राचीन वैदिक सरस्वती नदी के अवशेष के रूप में माना जाता है और इसे 'मृत नदी' (डेड रिवर) या सोत्तर नदी भी कहा जाता है। यह एक मौसमी आंतरिक अपवाह नदी है जो हिमाचल प्रदेश की शिवालिक पहाड़ियों (कालका) से निकलती है। वर्षा ऋतु में जल की मात्रा बढ़ने पर इसका प्रवाह क्षेत्र पाकिस्तान के फोर्ट अब्बास तक पहुँच जाता है जहाँ इसे हाकरा नाम दिया गया है, अन्यथा यह श्रीगंगानगर में ही समाप्त हो जाती है।

15. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
लूनी नदी का प्रवाह क्षेत्र अजमेर से बालोतरा तक समतल मैदानी भाग में स्थित है जहाँ का जल प्रारंभ में मीठा रहता है। बालोतरा पहुँचते ही नदी थार मरुस्थल की लवणयुक्त बलुई मिट्टी और अत्यधिक क्षारीय धरातलीय चट्टानों के संपर्क में आती है। ग्रीष्म ऋतु में तेज वाष्पीकरण के कारण मृदा में जमा सोडियम क्लोराइड जल में पूरी तरह घुल जाता है। अतः कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

16. (C) नाली
हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में घग्गर नदी के पेटे अथवा प्रवाह मार्ग को स्थानीय भाषा में 'नाली' या 'पाट' कहा जाता है। मानसून काल में घग्गर नदी द्वारा लाई गई उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी के जमाव के कारण यह क्षेत्र अत्यंत उपजाऊ बन जाता है। इस नाली क्षेत्र में गेहूं, चावल और कपास की उत्कृष्ट खेती की जाती है। इस प्रकार यह मैदानी क्षेत्र उत्तर-पश्चिमी राजस्थान का एक प्रमुख कृषि प्रधान केंद्र माना जाता है।

17. (B) उदयपुर
साबरमती नदी का उद्गम राजस्थान के उदयपुर जिले के झाड़ोल तहसील में स्थित पादरड़ा (पादरा) गाँव की अरावली पहाड़ियों से होता है। यद्यपि इस नदी का उद्गम राजस्थान में होता है, लेकिन राज्य में इसका प्रवाह मार्ग बहुत छोटा है। यह जल्द ही गुजरात राज्य में प्रवेश करती है जहाँ अहमदाबाद और गांधीनगर जैसे प्रमुख शहर इसके तट पर बसे हैं। साबरमती अंततः गुजरात के माध्यम से खंभात की खाड़ी में विलीन हो जाती है।

18. (D) कच्छ का छोटा रण
पश्चिमी बनास नदी का उद्गम सिरोही जिले के नया सांवरा गाँव के निकट स्थित अरावली पहाड़ियों से होता है। यह नदी सिरोही जिले में बहने के पश्चात् गुजरात राज्य में प्रवेश करती है और बनासकांठा जिले से होकर गुजरती है। गुजरात में डीसा शहर इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। अंततः पश्चिमी बनास नदी गुजरात के कच्छ के छोटे रण में विलीन हो जाती है। इसे पूर्व की बनास नदी से पृथक माना जाता है।

19. (A) कोठारी
मेजा बांध भीलवाड़ा जिले की मांडलगढ़ तहसील के मेजा गाँव के पास कोठारी नदी पर निर्मित एक प्रसिद्ध जल भंडारण संरचना है। कोठारी नदी बनास की एक मुख्य सहायक नदी है, जो भीलवाड़ा जिले की दिवेर पहाड़ियों से निकलती है। यह बांध ऐतिहासिक रूप से भीलवाड़ा शहर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पेयजल और सिंचाई जल आपूर्ति का प्राथमिक स्रोत रहा है। इसके निकट हरित पार्क स्थित है।

20. (C) आयड़
बेड़च नदी का उद्गम उदयपुर जिले में गोगुंदा की पहाड़ियों से होता है। अपने उद्गम स्थल से लेकर उदयपुर शहर की ऐतिहासिक उदय सागर झील में गिरने तक इस नदी को 'आयड़ नदी' कहा जाता है। प्रसिद्ध आहड़ प्राचीन सभ्यता इसी नदी के तट पर विकसित हुई थी। उदय सागर झील से बाहर निकलने के पश्चात् इस नदी का नाम परिवर्तित होकर 'बेड़च नदी' हो जाता है, जो आगे चलकर भीलवाड़ा जिले में बनास नदी से मिल जाती है।

21. (A) कोटा
कालीसिंध नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के देवास जिले के बागली गाँव से होता है। झालावाड़ जिले के रायपुर से राजस्थान में प्रवेश करने के उपरांत यह झालावाड़ और कोटा जिलों से होकर प्रवाहित होती है। अंततः कोटा जिले के नानेरा (नोनेरा) नामक

Downloaded from www.pdf.tube

44. (D) I, II और III
सांभर झील भारत की सबसे बड़ी अंतःस्थलीय खारे पानी की झील है जो विभिन्न जिलों की सीमाओं पर फैली हुई है। यह झील भारत के कुल नमक उत्पादन का लगभग 8.7 प्रतिशत योगदान देती है। इस झील में मेंथा, रुपनगढ़, खारी और खंडेल नदियाँ प्रतिवर्ष भारी मात्रा में लवण और जल प्रवाहित करती हैं। इसे रामसर स्थल की मान्यता प्राप्त है।

45. (A) सोम
सोम नदी दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान की एक प्रमुख नदी है जो उदयपुर जिले की बीछामेड़ा पहाड़ियों से निकलकर माही नदी में मिलती है। यह अरब सागरीय अपवाह तंत्र का भाग है और सांभर झील से इसका कोई भौगोलिक संबंध नहीं है। इसके विपरीत मेंथा, रुपनगढ़, खंडेल और खारी नदियाँ आंतरिक अपवाह की नदियाँ हैं जो अपना जल सांभर झील में प्रवाहित करती हैं।

46. (D) I, II और III
जयसमंद झील का निर्माण मेवाड़ के महाराणा जयसिंह द्वारा 1685 से 1691 के दौरान गोमती नदी पर बांध बनाकर करवाया गया था। इस विशाल झील में कुल सात छोटे-बड़े प्राकृतिक द्वीप स्थित हैं। इनमें से सबसे बड़े द्वीप का नाम 'बाबा का भाकड़ा' तथा सबसे छोटे द्वीप का नाम 'प्यारी' है। इन द्वीपों पर स्थानीय जनजातियाँ निवास करती हैं। अतः कथन सही हैं।

47. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
बालोतरा जिले में स्थित पचपदरा झील का नमक व्यावसायिक तथा खाद्य दृष्टि से सर्वोत्तम गुणवत्ता का माना जाता है। इस झील के नमक में सोडियम क्लोराइड की मात्रा 98 प्रतिशत तक पाई जाती है, जो इसे मानव उपभोग के लिए अत्यधिक उपयुक्त और उत्कृष्ट बनाती है। यही उच्च रासायनिक शुद्धता इस नमक की उत्कृष्ट गुणवत्ता का मुख्य कारण है। अतः कथन एवं कारण सत्य हैं।

48. (C) खारवाल जाति
पचपदरा झील क्षेत्र में पारंपरिक रूप से खारवाल जाति के लोग नमक उत्पादन के कार्य में संलग्न हैं। ये कुशल कारीगर वाष्पीकरण की झाड़ीदार विधि का उपयोग करते हैं। इस पारंपरिक प्रक्रिया में मोरली नामक झाड़ी की टहनियों को खारे पानी की क्यारियों में डुबोकर रखा जाता है, जिस पर क्रिस्टलीकरण द्वारा शुद्ध नमक के बड़े कण जमा हो जाते हैं।

49. (B) इसमें सोडियम क्लोराइड के स्थान पर सोडियम सल्फेट होता है।
डीडवाना झील के जल में सोडियम क्लोराइड की तुलना में सोडियम सल्फेट और सोडियम कार्बोनेट की मात्रा अत्यधिक उच्च पाई जाती है। सोडियम सल्फेट की इस अधिकता के कारण यह नमक कड़वा होता है और मानव शरीर के लिए अनुपयुक्त माना जाता है। इसलिए डीडवाना के नमक का उपयोग भोजन में न करके मुख्य रूप से चमड़ा एवं कागज उद्योगों में होता है।

50. (D) नक्की झील
पौराणिक कथाओं और लोक मान्यताओं के अनुसार नक्की झील का निर्माण हिंदू देवी-देवताओं ने अपने नाखूनों से खोदकर किया था, इसीलिए इसे 'नक्की' झील कहा जाता है। भूवैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह अरावली की पर्वतमाला में स्थित एक क्रेटर अथवा विवर्तनिकी झील माना जाती है। सिरोही जिले के माउंट आबू में स्थित यह झील गरासिया जनजाति का पवित्र तीर्थ स्थल भी है।

51. (A) नक्की झील
नक्की झील सिरोही जिले के प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में समुद्र तल से लगभग 1200 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। यह राजस्थान की सबसे ऊँची झील है तथा शीत ऋतु में जम जाने वाली राज्य की एकमात्र झील मानी जाती है। इस झील के किनारे टोड रॉक तथा नन रॉक जैसी अनोखी चट्टानी आकृतियाँ पर्यटकों का आकर्षण केंद्र हैं।

52. (C) व्यावसायिक नमक उत्पादन
राजस्थान के थार मरुस्थल और मध्यवर्ती क्षेत्रों में स्थित सांभर, डीडवाना, पचपदरा, फलौदी और लूणकरणसर जैसी खारे पानी की झीलों की मुख्य आर्थिक उपयोगिता व्यावसायिक स्तर पर नमक का उत्पादन करना है। इन झीलों से प्रतिवर्ष लाखों टन नमक तैयार किया जाता है जो खाद्य आपूर्ति तथा विभिन्न रसायनों, टेक्सटाइल और चमड़ा उद्योगों के लिए देश भर में भेजा जाता है।

53. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
नक्की झील सिरोही जिले के माउंट आबू में स्थित सबसे ऊँची मीठे पानी की प्राकृतिक झील है। फतेह सागर झील उदयपुर में अरावली पहाड़ियों के मध्य बनी एक प्रसिद्ध मीठे पानी की झील है। राजसमंद झील राजसमंद जिले में कांकरोली के पास स्थित ऐतिहासिक झील है जिसके किनारे राज प्रशस्ति उत्कीर्ण है। डीडवाना झील डीडवाना-कुचामन जिले में स्थित खारे पानी की झील है।

54. (D) हरिके बैराज
इंदिरा गांधी नहर परियोजना को पंजाब राज्य के फिरोजपुर जिले में सतलुज और ब्यास नदियों के संगम पर स्थित हरिके बैराज से जल प्राप्त होता है। हरिके बैराज से ही इंदिरा गांधी मुख्य फीडर नहर निकाली गई है जो पंजाब और हरियाणा से गुजरती हुई राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के मसीतावाली हेड में प्रवेश करती है। यह मरुस्थलीय भूमि को उर्वर बनाती है।

55. (B) राजस्थान नहर
इंदिरा गांधी नहर का प्रारंभिक एवं मूल नाम 'राजस्थान नहर' था। इस नहर परियोजना की संकल्पना 1948 में बीकानेर के तत्कालीन मुख्य अभियंता कंवर सेन द्वारा प्रस्तूत की गई थी। 2 नवंबर 1984 को भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मृत्यु के उपरांत उनके सम्मान में इस बहुउद्देशीय राजस्थान नहर परियोजना का आधिकारिक नाम बदलकर इंदिरा गांधी नहर कर दिया गया।

NODIA

तथा डूंगरपुर जिलों के बड़े जनजातीय क्षेत्रों को सिंचाई एवं विद्युत प्रदान करता है।

33. (B) कोटा बैराज - राजस्थान में सर्वाधिक जलविद्युत का उत्पादन करता है
कोटा बैराज से कोई जलविद्युत उत्पन्न नहीं की जाती है; इसका उपयोग केवल चंबल नदी के जल को नहरों में मोड़कर सिंचाई के उद्देश्य से किया जाता है। चंबल परियोजना के अंतर्गत सर्वाधिक जलविद्युत का उत्पादन रावतभाटा स्थित राणा प्रताप सागर बांध द्वारा किया जाता है। अतः कोटा बैराज का संबंध विद्युत उत्पादन से जोड़ना अनुचित है। अन्य सभी दिए गए कथन पूरी तरह सही हैं।

34. (D) गांधी सागर बांध
गांधी सागर बांध चंबल घाटी परियोजना के प्रथम चरण में निर्मित किया गया पहला बांध है, जो मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित है। यह बांध राजस्थान की भौगोलिक सीमा में न होकर मध्य प्रदेश में स्थित है। इसके विपरीत, चंबल परियोजना के शेष तीनों बांध—राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर तथा कोटा बैराज—पूर्ण रूप से राजस्थान राज्य की भौगोलिक सीमाओं के भीतर स्थित हैं।

35. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
कोटा बैराज का निर्माण चंबल नदी के विशाल जल प्रवाह को नियंत्रित करने तथा दो मुख्य नहरों के माध्यम से कृषि क्षेत्रों की सिंचाई के लिए किया गया था। इस बैराज में केवल जल नियमन और डायवर्जन की व्यवस्था है तथा कोई जलविद्युत संयंत्र स्थापित नहीं किया गया है। इसलिए कथन कि इसका उपयोग केवल सिंचाई हेतु होता है, सत्य है तथा कारण सही स्पष्टीकरण देता है।

36. (C) मध्य प्रदेश
चंबल घाटी परियोजना राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों की एक संयुक्त बहुउद्देशीय अंतरराज्यीय जल परियोजना है, जिसकी शुरुआत 1953-54 में हुई थी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य चंबल नदी के जल का उपयोग करके बाढ़ नियंत्रण, मृदा संरक्षण, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार तथा जलविद्युत का उत्पादन करना है। इसके अंतर्गत तीन चरणों में चार प्रमुख बांधों का निर्माण सफलतापूर्वक किया गया है।

37. (C) 50:50
चंबल घाटी बहुउद्देशीय परियोजना में राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों के बीच समस्त लागत, सिंचाई जल तथा उत्पादित जलविद्युत का साझाकरण 50:50 के समान अनुपात में निर्धारित है। इस समझौते के अनुसार, परियोजना के निर्माण और रखरखाव पर होने वाले खर्च दोनों राज्य बराबर वहन करते हैं। इसी प्रकार, कुल उत्पादित जलविद्युत में से दोनों राज्यों को बराबर बिजली प्राप्त होती है।

38. (D) फतेह सागर झील
सहेलियों की बाड़ी उदयपुर शहर की प्रसिद्ध फतेह सागर झील के पूर्वी किनारे पर स्थित एक ऐतिहासिक उद्यान है। इस खूबसूरत बगीचे का निर्माण 18वीं शताब्दी में मेवाड़ के महाराणा संग्राम सिंह द्वितीय द्वारा अपनी राजकुमारी और उनकी सहेलियों के मनोरंजन हेतु करवाया गया था। यह उद्यान अपने फव्वारों, संगमरमर के हाथियों, कमलों के तालाब और प्राकृतिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

39. (B) महाराणा लाखा
पिछोला झील का निर्माण 14वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में मेवाड़ के महाराणा लाखा के शासनकाल के दौरान 'पिच्छू' नामक एक बंजारे द्वारा अपने बैल की स्मृति में करवाया गया था। बाद में महाराणा उदय सिंह ने इस झील का विस्तार किया और इसके किनारे उदयपुर शहर की नींव रखी। इस झील में जग मंदिर और जग निवास नामक प्रसिद्ध जल महल स्थित हैं जो पर्यटको को आकर्षित करते हैं।

40. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
बीसलपुर बांध टोंक जिले की देवली तहसील में बनास नदी पर बना प्रमुख पेयजल बांध है। जवाई बांध पाली जिले के सुमेरपुर के पास जवाई नदी पर स्थित है। जाखम बांध प्रतापगढ़ जिले के सीतामाता अभयारण्य क्षेत्र में जाखम नदी पर बनाया गया सबसे ऊँचा बांध है। मेजा बांध भीलवाड़ा जिले के मेजा गाँव में कोठारी नदी पर निर्मित जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत है।

41. (D) जयसमंद झील
जयसमंद झील राजस्थान ही नहीं, बल्कि एशिया की दूसरी सबसे बड़ी कृत्रिम मीठे पानी की झील है। इस विशाल झील का निर्माण 1685 से 1691 के मध्य मेवाड़ के महाराणा जयसिंह द्वारा गोमती नदी के जल को रोककर करवाया गया था। अन्य झीलों की तुलना में इसका जल विस्तार अत्यंत व्यापक है। इस झील में सात बड़े-छोटे टापू भी स्थित हैं जो दर्शनीय हैं।

42. (A) ढेबर झील
जयसमंद झील को स्थानीय भाषा तथा ऐतिहासिक अभिलेखों में 'ढेबर झील' के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि महाराणा जयसिंह ने अरावली की पहाड़ियों के बीच ढेबर दर्रे को पार करने वाली गोमती, झावरी और रूपारेल नदियों के जल को बांधकर इस झील का निर्माण करवाया था। ढेबर दर्रे के स्थान पर बने होने के कारण यह नाम पड़ा।

43. (B) राजसमंद झील
'राज प्रशस्ति' संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण विश्व का सबसे बड़ा शिलालेख माना जाता है, जो राजसमंद झील की 'नौचौकी पाल' पर स्थित है। मेवाड़ के महाराणा राजसिंह द्वारा निर्मित इस राजसमंद झील के तट पर संगमरमर की 25 बड़ी पाषाण पट्टियों पर रणछोड़ भट्ट द्वारा रचित प्रशस्ति उत्कीर्ण है। इसमें मेवाड़ के शासकों का विस्तृत ऐतिहासिक विवरण लिखा हुआ प्राप्त होता है।

Click Here to Buy book on Flipkart

48. पचपदरा झील में, कौन-सा पारंपरिक समुदाय मोरली झाड़ी की टहनियों का उपयोग करके नमक तैयार करता है?
(A) कालबेलिया जाति
(B) भील समुदाय
(C) खारवाल जाति
(D) गरासिया समुदाय

49. डीडवाना झील में उत्पादित नमक को सामान्यतः मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त क्यों माना जाता है?
(A) इसमें आर्सेनिक की मात्रा अधिक होती है।
(B) इसमें सोडियम क्लोराइड के स्थान पर सोडियम सल्फेट होता है।
(C) यह प्रकृति में अत्यधिक अम्लीय होता है।
(D) यह पास के औद्योगिक कचरे से दूषित है।

50. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार राजस्थान की किस झील के बारे में माना जाता है कि इसे देवताओं ने अपने नाखूनों से खोदा था?
(A) पुष्कर झील
(B) कोलायत झील
(C) आना सागर झील
(D) नक्की झील

51. माउंट आबू में स्थित निम्नलिखित में से कौन-सी राजस्थान की सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित झील है?
(A) नक्की झील
(B) फतेह सागर झील
(C) सिलीसेढ़ झील
(D) कायलाना झील

52. राजस्थान की खारे पानी की झीलों जैसे सांभर, डीडवाना और पचपदरा की प्राथमिक आर्थिक उपयोगिता क्या है?
(A) जलविद्युत का उत्पादन
(B) नौकायन और परिवहन
(C) व्यावसायिक नमक उत्पादन
(D) पेयजल आपूर्ति

53. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
सूची I: झील
P. नक्की झील
Q. फतेह सागर
R. राजसमंद
S. डीडवाना
सूची II: जिला
1. सिरोही
2. उदयपुर
3. राजसमंद
4. नागौर (डीडवाना-कुचामन)
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-1, Q-3, R-2, S-4

54. इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP) को सतलुज और ब्यास नदियों के संगम पर स्थित किस बैराज से जल आपूर्ति प्राप्त होती है?
(A) भाखड़ा नांगल बैराज
(B) फरक्का बैराज
(C) कोटा बैराज
(D) हरिके बैराज

55. 1984 में आधिकारिक रूप से नाम बदले जाने से पहले इंदिरा गांधी नहर का मूल नाम क्या था?
(A) मरुगंगा नहर
(B) राजस्थान नहर
(C) बीकानेर नहर
(D) थार नहर

56. निम्नलिखित में से कौन-सा जिला इंदिरा गांधी नहर परियोजना की सिंचाई सुविधाओं से लाभांवित नहीं होता है?
(A) बीकानेर
(B) जैसलमेर
(C) बांसवाड़ा
(D) हनुमानगढ़

57. इंदिरा गांधी नहर परियोजना के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए।
(A) इसे विश्व की सबसे लंबी नहर प्रणालियों में से एक के रूप में जाना जाता है।
(B) फीडर नहर भाग को छोड़कर मुख्य नहर की लंबाई 445 किमी है।
(C) यह कई मरुस्थलीय जिलों में आवश्यक पेयजल प्रदान करती है।
(D) जल बिना किसी लिफ्ट नहर का उपयोग किए पूरी तरह से गुरुत्वाकर्षण द्वारा बहता है।

58. इंदिरा गांधी नहर परियोजना की निम्नलिखित लिफ्ट नहरों का उत्तर से दक्षिण की ओर सही क्रम चुनिए:
(A) चौधरी कुंभराम, कंवर सेन, पन्नालाल बारूपाल, डॉ. करणी सिंह
(B) कंवर सेन, चौधरी कुंभराम, पन्नालाल बारूपाल, डॉ. करणी सिंह
(C) डॉ. करणी सिंह, पन्नालाल बारूपाल, कंवर सेन, चौधरी कुंभराम
(D) पन्नालाल बारूपाल, डॉ. करणी सिंह, चौधरी कुंभराम, कंवर सेन

59. राजस्थान के कौन-से दो जिले नर्मदा नहर परियोजना से प्रत्यक्ष रूप से लाभांवित होते हैं?
(A) जैसलमेर और बीकानेर
(B) बाड़मेर और जालौर

NODIA

56. (C) बांसवाड़ा
बांसवाड़ा जिला राजस्थान के सुदूर दक्षिण में स्थित है, जबकि इंदिरा गांधी नहर परियोजना मुख्यतः उत्तर और उत्तर-पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों जैसे श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, चुरु और जोधपुर को सिंचित तथा पेयापूर्ति करती है। दक्षिणी जिला होने के कारण बांसवाड़ा अपनी जल आवश्यकताओं के लिए माही बजाज सागर परियोजना तथा स्थानीय नदियों पर निर्भर है, न कि इस नहर पर।

57. (D) जल बिना किसी लिफ्ट नहर का उपयोग किए पूरी तरह से गुरुत्वाकर्षण द्वारा बहता है।
इंदिरा गांधी नहर प्रणाली में केवल गुरुत्वाकर्षण द्वारा जल प्रवाह संभव नहीं है क्योंकि थार मरुस्थल का पूर्वी हिस्सा मुख्य नहर की तुलना में अधिक ऊँचाई पर स्थित है। ऊँचे भूभागों में जल पहुँचाने के लिए 7 प्रमुख लिफ्ट नहरें बनाई गई हैं, जहाँ पंपों द्वारा जल को ऊपर उठाकर प्रवाहित किया जाता है। अतः यह कथन पूर्णतः असत्य सिद्ध होता है।

58. (A) चौधरी कुंभराम, कंवर सेन, पन्नालाल बारूपाल, डॉ. करणी सिंह
इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लिफ्ट नहरों का उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर भौगोलिक अनुक्रम चौधरी कुंभराम लिफ्ट नहर, कंवर सेन लिफ्ट नहर, पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर तथा डॉ. करणी सिंह लिफ्ट नहर है। यह क्रम मानचित्र पर मरुस्थलीय क्षेत्र की ढलान तथा लिफ्ट नहरों के प्रवेश बिंदुओं के अनुसार उत्तर से दक्षिण सुव्यवस्थित रूप से क्रमबद्ध किया गया है।

59. (B) बाड़मेर और जालौर
नर्मदा नहर परियोजना से राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी शुष्क जिले बाड़मेर और जालौर प्रत्यक्ष रूप से लाभांवित होते हैं। गुजरात के सरदार सरोवर बांध से निकाली गई नर्मदा नहर राजस्थान के जालौर जिले की सांचौर तहसील के सीलू गाँव से प्रवेश करती है। यह नहर परियोजना जालौर और बाड़मेर जिलों के गाँव को पीने का पानी एवं सिंचाई सुविधा प्रदान करती है।

60. (B) नर्मदा नहर परियोजना
नर्मदा नहर परियोजना राजस्थान तथा भारत की पहली ऐसी प्रमुख नहर परियोजना है जिसमें सिंचित कमान क्षेत्र के अंतर्गत किसानों द्वारा सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप एवं फव्वारा प्रणाली) के उपयोग को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाया गया है। सीमित जल संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने और जल के अपव्यय को रोकने के लिए यह नीति लागू की गई, जिससे उत्पादकता बढ़ी है।

61. (A) सीलू गाँव
नर्मदा मुख्य नहर गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित सरदार सरोवर बांध से निकलती है और गुजरात में लगभग 458 किमी की दूरी तय करने के उपरांत राजस्थान राज्य की सीमा में प्रवेश करती है। यह नहर राजस्थान में जालौर जिले की सांचौर तहसील के सीलू गाँव में प्रवेश करती है। राजस्थान में इस मुख्य नहर की कुल लंबाई 74 किलोमीटर है।

62. (C) रावी और ब्यास
केंद्र सरकार द्वारा रावी और ब्यास नदियों के अतिरिक्त जल वितरण को लेकर पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान राज्यों के बीच उपजे जल विवाद को सुलझाने के लिए 1986 में न्यायमूर्ति इराडी की अध्यक्षता में इराडी आयोग का गठन किया गया था। इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें रावी-ब्यास नदियों के जल में राजस्थान के हिस्से की पुष्टि की गई।

63. (D) हरियाणा और उत्तर प्रदेश
मई 1994 में हुए ऐतिहासिक अंतरराज्यीय समझौते के तहत उत्तर भारत के पाँच राज्यों—हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश—के बीच यमुना नदी के जल का आवंटन किया गया था। इस समझौते के तहत राजस्थान मुख्य रूप से हरियाणा और उत्तर प्रदेश के साथ यमुना जल साझा करता है, जिसका उपयोग भरतपुर, झुंझुनू और चूरु जिलों में किया जाता है।

64. (C) पुनर्भरण के बिना कृषि के लिए भूजल का अत्यधिक दोहन
ग्रामीण राजस्थान में निरंतर गहराते गंभीर भूजल संकट का मुख्य कारण प्राकृतिक पुनर्भरण की तुलना में नलकूपों के माध्यम से कृषि के लिए भूजल का अत्यधिक दोहन है। मानसून की अनिश्चितता और वर्षा में कमी के कारण भूजल पुनर्भरण की दर धीमी रहती है, जबकि सिंचाई हेतु जल अत्यधिक निकाला जा रहा है। इससे अनेक क्षेत्र 'डार्क ज़ोन' बन चुके हैं।

65. (B) जल संरक्षण संरचनाओं का उपयोग करके गाँवों को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना
राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2016 में प्रारंभ किए गए 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान' का मुख्य उद्देश्य परंपरागत जल संरक्षण संरचनाओं (जैसे एनिकट, नाड़ी और टांका) के जीर्णोद्धार एवं नए जल ढाँचों के निर्माण द्वारा गाँवों को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। यह अभियान जनभागीदारी द्वारा ग्रामीण भूजल स्तर को सुधारने का एक सफल तथा महत्वाकांक्षी प्रयास सिद्ध हुआ है।

66. (D) कपड़ा रंगाई एवं छपाई
बांडी नदी लूनी की एक सहायक नदी है जो पाली जिले में प्रवाहित होती है। पाली शहर में स्थित कपड़ा रंगाई एवं छपाई उद्योगों से निकलने वाले जहरीले रासायनिक अपशिष्ट के सीधे नदी में विसर्जित होने के कारण बांडी नदी अत्यधिक प्रदूषित हो चुकी है। प्रदूषण के इस भयंकर स्तर के कारण इसे स्थान-स्थान पर केमिकल नदी भी कहा जाता है।

67. (A) पचपदरा झील
जल की प्रकृति के आधार पर पचपदरा झील अन्य तीनों झीलों से भिन्न और विषम है। पचपदरा बालोतरा जिले में स्थित एक प्राकृतिक खारे पानी की झील है जिससे उच्च गुणवत्ता वाले नमक का उत्पादन किया जाता है। इसके विपरीत पिछोला, फतेह सागर और जयसमंद तीनों उदयपुर जिले में स्थित प्रसिद्ध मीठे पानी की झीलें हैं जो पेयजल प्रदान करती हैं।

NODIA

35. निम्नलिखित में से कौन सा सामाजिक वानिकी कार्यक्रम का स्वीकृत घटक नहीं है?
(A) कृषि वानिकी विकास
(B) सामुदायिक वानिकी प्रबंधन
(C) विस्तार वानिकी
(D) सघन-वन लकड़ी कटाई

36. डूंगरपुर जिले में शुरू किए गए 'रूख भायला' कार्यक्रम का शाब्दिक अर्थ है:
(A) वृक्ष मित्र
(B) वृक्ष शत्रु
(C) जल बचाओ
(D) दावानल

37. राजस्थान में भारत के कुल सतही जल संसाधनों का लगभग कितना प्रतिशत भाग उपलब्ध है?
(A) 1.16%
(B) 5.25%
(C) 10.4%
(D) 15.0%

38. राजस्थान में किस नदी बेसिन में सर्वाधिक सतही जल क्षमता है?
(A) चंबल बेसिन
(B) लूनी नदी बेसिन
(C) माही नदी बेसिन
(D) बनास नदी बेसिन

39. राजस्थान में निम्नलिखित नदी बेसिनों का उनकी कुल सतही जल क्षमता के संदर्भ में उच्चतम से निम्नतम क्रम का सही चयन कीजिए।
(A) चंबल, बनास, माही, लूनी
(B) लूनी, माही, बनास, चंबल
(C) बनास, चंबल, लूनी, माही
(D) माही, चंबल, बनास, लूनी

40. राजस्थान में भूजल संसाधनों के तीव्र दोहन और क्षरण का सबसे महत्वपूर्ण कारण क्या है?
(A) भारी औद्योगिक इकाइयों द्वारा जल का अत्यधिक उपभोग
(B) अत्यधिक कृषि सिंचाई
(C) तेजी से बढ़ते शहरी परिवारों में घरेलू उपभोग
(D) ऊपरी मृदा परतों के माध्यम से प्राकृतिक वाष्पीकरण की हानि

41. भूजल संसाधनों के संदर्भ में, 'डार्क ज़ोन' (अति-दोहित खंड) का क्या अर्थ है?
(A) ऐसा क्षेत्र जहां भूजल भंडार गहरे हैं लेकिन रासायनिक रूप से शुद्ध माने जाते हैं
(B) ऐसा क्षेत्र जहां सूर्य का प्रकाश घने छत्र या मृदा की सतह को पार नहीं कर सकता
(C) ऐसा क्षेत्र जहां वार्षिक जल निष्कर्षण प्राकृतिक पुनर्भरण से अधिक होता है
(D) ऐसा क्षेत्र जो सुलभ गहरे भूमिगत जलभृतों से पूरी तरह रहित है

42. नागौर-अजमेर क्षेत्र के भूजल में कौन सा रासायनिक प्रदूषक अत्यधिक प्रचलित है, जिसके कारण इसे 'बांका पट्टी' या 'कुबड़ पट्टी' नाम दिया गया है?
(A) आर्सेनिक यौगिक
(B) लौह खनिज
(C) नाइट्रेट लवण
(D) फ्लोराइड

43. 'जोहड़' एक पारंपरिक जल संरक्षण संरचना है जो मुख्य रूप से राजस्थान के किस क्षेत्र में पाई जाती है?
(A) शेखावाटी क्षेत्र
(B) मेवाड़ पठारी क्षेत्र
(C) हाड़ौती दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र
(D) वागड़ दक्षिणी क्षेत्र

44. पश्चिमी राजस्थान के पारंपरिक जल प्रबंधन में, 'टांका' मुख्य रूप से किसके लिए बनाया जाता है?
(A) घरेलू पालतू पशुओं के लिए सूखा चारा संग्रहीत करना
(B) पेयजल उद्देश्यों के लिए वर्षा जल संचयन
(C) बड़े पैमाने पर फसल सिंचाई के लिए भूजल जलभृतों को पुनर्भरण करना
(D) विशेष जलीय पौधों और वनस्पतियों की खेती करना

45. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (पारंपरिक जल संरक्षण संरचना)
P. खड़ीन
Q. टांका
R. जोहड़
S. नाडी
सूची II: (प्रमुख क्षेत्र या विशेषता)
1. शेखावाटी क्षेत्र
2. पश्चिमी राजस्थान में पारंपरिक ग्रामीण तालाब
3. पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा जैसलमेर में वर्षा जल संचयन
4. पीने के पानी के लिए ढका हुआ भूमिगत कुंड
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-1, R-2, S-3
(D) P-3, Q-2, R-1, S-4

46. 2019 में पूरे भारत और राजस्थान में आयोजित सबसे हालिया पशुधन गणना कौन सी थी?
(A) 18वीं पशुधन गणना
(B) 19वीं पशुधन गणना
(C) 20वीं पशुधन गणना
(D) 21वीं पशुधन गणना

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 16
राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन

1. निम्नलिखित में से किस खनिज के उत्पादन में राजस्थान का लगभग एकाधिकार है?
(A) तांबा और लौह अयस्क
(B) कोयला और पेट्रोलियम
(C) सीसा-जस्ता और वोलैस्टोनाइट
(D) बॉक्साइट और अभ्रक

2. किस राज्य को वहां पाए जाने वाले खनिजों की विशाल विविधता के कारण लोकप्रिय रूप से 'खनिजों का अजायबघर' कहा जाता है?
(A) झारखंड
(B) राजस्थान
(C) मध्य प्रदेश
(D) छत्तीसगढ़

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान की अर्थव्यवस्था में खनन क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
कारण (R): राजस्थान में धात्विक और अधात्विक दोनों प्रकार के खनिजों के विशाल भंडार हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

4. प्रसिद्ध खेतड़ी तांबा पट्टी मुख्य रूप से राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) नीम का थाना
(B) उदयपुर जिला
(C) भीलवाड़ा जिला
(D) राजसमंद जिला

5. खेतड़ी में तांबा अयस्क के प्रगलन और शोधन के लिए किस सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम की स्थापना की गई थी?
(A) हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड
(B) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम
(C) हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड
(D) भारत एल्युमीनियम कंपनी

6. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (खनिज)
P. तांबा
Q. सीसा-जस्ता
R. लौह अयस्क
S. जिप्सम
सूची II: (प्रमुख खनन क्षेत्र)
1. जावर
2. गोठ-मांगलोद
3. खो-दरीबा
4. मोरिजा-बनोल
(A) P-3, Q-1, R-4, S-2
(B) P-1, Q-3, R-2, S-4
(C) P-4, Q-2, R-1, S-3
(D) P-3, Q-4, R-1, S-2

7. उदयपुर की प्रसिद्ध जावर खदानें मुख्य रूप से किस खनिज के उत्खनन के लिए जानी जाती हैं?
(A) लौह अयस्क निक्षेप
(B) तांबा अयस्क निक्षेप
(C) स्वर्ण अयस्क निक्षेप
(D) सीसा और जस्ता अयस्क

8. जस्ता और सीसा के विश्व के सबसे बड़े निक्षेपों में से एक, रामपुरा-आगुचा राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) चित्तौड़गढ़
(B) भीलवाड़ा
(C) राजसमंद
(D) नागौर

9. राजस्थान में सीसा-जस्ता अयस्क के प्रगलन के दौरान किस बहुमूल्य धातु को व्यावसायिक रूप से एक प्रमुख उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त किया जाता है?
(A) प्लैटिनम
(B) सोना
(C) चांदी
(D) पैलेडियम

10. जयपुर क्षेत्र का मोरिजा-बनोल खनन क्षेत्र किसके उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है?
(A) टंगस्टन
(B) मैंगनीज

NODIA

(C) तांबा
(D) लौह अयस्क

11. राजस्थान के भंडारों में मुख्य रूप से किस प्रकार का लौह अयस्क पाया जाता है?
(A) हेमेटाइट
(B) मैग्नेटाइट
(C) लिमोनाइट
(D) सिडेराइट

12. राजस्थान में लौह अयस्क खनन क्षेत्रों और उनके संबंधित जिलों के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए।
(A) नाथरा की पाल - उदयपुर
(B) रामपुरा-आगुचा - सीकर
(C) नीमला-रायसेला - दौसा
(D) चौमूं-सामोद - जयपुर

13. कृषि में किस प्रकार की समस्याग्रस्त मृदा के सुधार के लिए जिप्सम का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है?
(A) अम्लीय लाल मृदा
(B) क्षारीय मृदा
(C) जलभराव वाली मृदा
(D) पीठमय जैविक मृदा

14. नागौर जिले का गोठ-मांगलोद क्षेत्र किसके विशाल भंडारों के लिए प्रसिद्ध है?
(A) जिप्सम
(B) चूना पत्थर
(C) लिग्नाइट कोयला
(D) रॉक फास्फेट

15. चित्तौड़गढ़-कोटा पट्टी में उच्च श्रेणी के चूना पत्थर की प्रचुर उपलब्धता के कारण किस उद्योग का भारी संकेंद्रण हुआ है?
(A) उर्वरक उद्योग
(B) कांच उद्योग
(C) सीमेंट उद्योग
(D) सिरेमिक उद्योग

16. ताजमहल के निर्माण में प्रयुक्त विश्व प्रसिद्ध मकराना संगमरमर रासायनिक रूप से किस प्रकार का संगमरमर है?
(A) डोलोमाइटिक संगमरमर
(B) सिलिशियस संगमरमर
(C) सर्पेन्टाइन संगमरमर
(D) कैलसिटिक संगमरमर

17. राजस्थान का कौन सा जिला अपने अनूठे 'पीले पत्थर' के लिए प्रसिद्ध है, जिसका व्यापक उपयोग स्थानीय वास्तुकला और नक्काशी में किया जाता है?
(A) जोधपुर क्षेत्र
(B) धौलपुर क्षेत्र
(C) जैसलमेर
(D) करौली क्षेत्र

18. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (संगमरमर का रंग)
P. सफेद संगमरमर
Q. हरा संगमरमर
R. गुलाबी संगमरमर
S. काला संगमरमर
सूची II: (राजस्थान का प्रमुख उत्पादक जिला)
1. बांसवाड़ा
2. मकराना (नागौर)
3. भैंसलाना (जयपुर)
4. उदयपुर
(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-1, R-4, S-3
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

19. राजस्थान में फेल्डस्पार का सबसे बड़ा उत्पादक जिला कौन सा है, जो राज्य के लगभग संपूर्ण उत्पादन में योगदान देता है?
(A) भीलवाड़ा
(B) पाली
(C) सीकर
(D) अजमेर

20. राजस्थान भारत में एस्बेस्टस का एक प्रमुख उत्पादक है। राजस्थान में मुख्य रूप से पाई जाने वाली एस्बेस्टस की किस्म है:
(A) एम्फीबोल
(B) क्रायसोटाइल
(C) क्रोसिडोलाइट
(D) अमोसाइट

21. सौंदर्य प्रसाधनों और विरंजन में प्राकृतिक रूप से उपयोग की जाने वाली मुल्तानी मिट्टी का उत्खनन राजस्थान के किन जिलों में प्रमुखता से किया जाता है?
(A) कोटा और बूंदी
(B) डूंगरपुर और बांसवाड़ा
(C) बाड़मेर और बीकानेर
(D) अलवर और भरतपुर

22. मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या राजस्थान में किससे संबंधित प्रसिद्ध नाम हैं?
(A) बाड़मेर बेसिन में खोजे गए तेल क्षेत्र
(B) राजसमंद में प्रमुख संगमरमर की खदानें
(C) जोधपुर में सौर ऊर्जा संयंत्र
(D) पारंपरिक जल संचयन संरचनाएं

23. राजस्थान में तेल और प्राकृतिक गैस के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

Click Here to Buy book on Amazon

I. बाड़मेर-सांचौर बेसिन एक प्रमुख कच्चा तेल उत्पादक क्षेत्र है।
II. केयर्न एनर्जी ने इस बेसिन में तेल की खोज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
III. मंगला राजस्थान में पहली प्रमुख तेल खोज थी।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

24. राजस्थान में प्राकृतिक गैस के भंडार मुख्य रूप से किस जिले के रामगढ़ और घोटारू क्षेत्रों में स्थित हैं?
(A) बीकानेर जिला
(B) जैसलमेर
(C) बाड़मेर जिला
(D) जालौर जिला

25. भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक कुल वन क्षेत्र किस जिले में है?
(A) प्रतापगढ़
(B) अलवर
(C) उदयपुर
(D) बारां

26. राजस्थान में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे कम वनावरण वाला जिला कौन सा है?
(A) हनुमानगढ़
(B) जोधपुर
(C) नागौर
(D) चूरू

27. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों को उनके कुल वन क्षेत्र के अनुसार अवरोही क्रम (घटते क्रम) में व्यवस्थित कीजिए:
1. उदयपुर
2. अलवर
3. प्रतापगढ़
4. बारां
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम का चयन कीजिए:
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 1, 2, 4, 3
(C) 1, 3, 2, 4
(D) 2, 1, 3, 4

28. राजस्थान में शुष्क सागवान वन मुख्य रूप से राज्य के किस भाग में पाए जाते हैं?
(A) पश्चिमी शुष्क और अर्ध-शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र
(B) उत्तरी नहर-सिंचित कृषि पट्टी
(C) दक्षिणी क्षेत्र (बांसवाड़ा-डूंगरपुर)
(D) पूर्वी उपजाऊ मैदानी क्षेत्र

29. धोक (एनोगिसस पेंडुला) वृक्ष राजस्थान के वनों में बहुसंख्या में पाए जाते हैं। ये वृक्ष किस प्रकार के वन की विशेषता हैं?
(A) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन
(B) शुष्क पर्णपाती वन
(C) उप-अल्पाइन पर्वतीय वन
(D) तटीय मैंग्रोव वन

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान के पश्चिमी भाग में कंटीले झाड़ीदार वन और मरुद्भिद वनस्पति की प्रधानता है।
कारण (R): पश्चिमी राजस्थान में ग्रीष्मकालीन उच्च तापमान के साथ कम और अनिश्चित वर्षा होती है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

31. राजस्थान में एक प्रमुख गौण वन उपज, तेंदू के पत्तों का उपयोग मुख्य रूप से किसके निर्माण के लिए किया जाता है?
(A) आवश्यक तेलों का निष्कर्षण
(B) जड़ी-बूटी वाली औषधियों का निर्माण
(C) बीड़ी निर्माण
(D) प्राकृतिक रंजक का उत्पादन

32. बाड़मेर जिले का चौहटन क्षेत्र किस वन-आधारित उत्पाद के उत्पादन के लिए पूरे राज्य में प्रसिद्ध है?
(A) बांस की लकड़ी
(B) जंगली शहद
(C) प्राकृतिक लाख
(D) गोंद

33. किस वृक्ष को राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया गया है और इसे अक्सर 'थार का कल्पवृक्ष' कहा जाता है?
(A) रोहिड़ा
(B) बबूल
(C) खेजड़ी
(D) नीम

34. 'सामाजिक वानिकी' कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) प्राकृतिक वनों को विशेष रूप से वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण के लिए आरक्षित करना
(B) बंजर और सामुदायिक भूमि पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देना
(C) उच्च मूल्य वाली लकड़ी के निर्यात हेतु घने वनों का व्यावसायिक दोहन करना
(D) स्थानीय जनजातीय समुदायों द्वारा गौण वन उपज के संग्रहण पर रोक लगाना

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (C) सीसा-जस्ता और वोलैस्टोनाइट
राजस्थान खनिज संसाधनों की दृष्टि से एक अत्यंत समृद्ध राज्य है जहाँ विविध प्रकार के धात्विक और अधात्विक खनिज बहुतायत में उपलब्ध हैं। सम्पूर्ण भारत में सीसा, जस्ता तथा वोलैस्टोनाइट के कुल उत्पादन में राजस्थान का लगभग एकछत्र एकाधिकार बना हुआ है। इसके अतिरिक्त सेलेनाइट और जस्पर का शत प्रतिशत उत्पादन भी इसी राज्य से होता है। जावर तथा रामपुरा आगुचा क्षेत्र सीसा जस्ता निष्कर्षण के प्रमुख केंद्र हैं जो राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ आधार प्रदान करते हैं।

2. (B) राजस्थान
किसी भी भूभाग में खनिजों की प्रचुरता और विषमता उसकी भूगर्भीय संरचना पर निर्भर करती है। राजस्थान अपनी विशिष्ट भौगोलिकता के कारण 81 विभिन्न प्रकार के खनिजों की उपस्थिति से संपन्न है, जिनमें से 57 खनिजों का व्यावसायिक खनन किया जाता है। इतनी विशाल खनिज विविधता एवं विविध प्रकार के धात्विक तथा अधात्विक अयस्कों की उपलब्धता के कारण ही इस राज्य को 'खनिजों का अजायबघर' कहा जाता है। यहाँ खनन क्षेत्र प्रांतीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

3. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान में खनन उद्योग राज्य की सकल घरेलू उत्पाद दर तथा रोजगार व्यवस्था का मुख्य स्तंभ माना जाता है। यहाँ अरावली पर्वतमाला तथा मरुस्थलीय भूगर्भीय परतों में तांबा, सीसा, जस्ता, लौह अयस्क जैसे धात्विक खनिजों के साथ-साथ जिप्सम, रॉक फास्फेट, संगमरमर एवं चूना पत्थर जैसे अधात्विक खनिजों के विपुल भंडार मौजूद हैं। खनिजों के इन विशाल प्राकृतिक भंडारों के निरंतर दोहन से राज्य को भारी राजस्व प्राप्त होता है, जिससे प्रांतीय अर्थव्यवस्था को निरंतर शक्ति प्राप्त होती है।

4. (A) नीम का थाना
खेतड़ी तांबा पट्टी भारत की सबसे प्रसिद्ध तांबा उत्पादक पेटियों में से एक मानी जाती है, जो ऐतिहासिक समय से तांबा उत्खनन के लिए जानी जाती रही है। प्रशासनिक पुनर्गठन के पश्चात खेतड़ी खनन क्षेत्र अब नवगठित 'नीम का थाना' जिले के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बेल्ट में तांबे के विशाल भूगर्भीय निक्षेप मौजूद हैं जहाँ आधुनिक तकनीकों से निष्कर्षण किया जाता है। यह क्षेत्र भारत के तांबा उत्पादन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

5. (C) हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड
खेतड़ी में तांबा अयस्क के वैज्ञानिक खनन, प्रगलन और उच्च गुणवत्ता शोधन के उद्देश्य से वर्ष 1967 में केंद्र सरकार द्वारा 'हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड' की स्थापना की गई थी। यह सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम भारत सरकार के खान मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स इस सार्वजनिक प्रतिष्ठान की एक प्रमुख औद्योगिक इकाई है जो स्वदेशी तांबा धातु की आवश्यकताओं को पूरा करने और औद्योगिक आत्मनिर्भरता बढ़ाने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

6. (A) P-3, Q-1, R-4, S-2
राजस्थान में खनिजों का भौगोलिक वितरण अत्यंत सुव्यवस्थित है जहाँ विभिन्न धातुएँ विशेष क्षेत्रों में केंद्रित हैं। अलवर-झुंझुनूं बेल्ट में स्थित खो-दरीबा तांबा उत्खनन का प्रसिद्ध केंद्र है, जबकि उदयपुर की जावर खदानें सीसा-जस्ता निष्कर्षण हेतु जानी जाती हैं। जयपुर जिले का मोरिजा-बनोल क्षेत्र उच्च ग्रेड लौह अयस्क के विशाल निक्षेपों के लिए प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त नागौर जिले का गोठ-मांगलोद क्षेत्र जिप्सम की प्रचुर आपूर्ति और खनन गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण स्थल है।

7. (D) सीसा और जस्ता अयस्क
उदयपुर जिले में स्थित जावर खदानें भारत की सबसे प्राचीन और विशाल सीसा-जस्ता खनन संरचनाओं में से एक हैं। इन खदानों में ऐतिहासिक काल से ही गैलेना और स्फेलेराइट का निरंतर उत्खनन किया जाता रहा है। महाराणा लक्षसिंह (लाखा) के शासनकाल के दौरान इन खदानों से व्यावसायिक स्तर पर धातुओं की प्राप्ति प्रारंभ हुई थी। वर्तमान में यह संपूर्ण क्षेत्र हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा आधुनिक खनन तकनीकों से संचालित किया जा रहा है।

8. (B) भीलवाड़ा
रामपुरा-आगुचा क्षेत्र भीलवाड़ा जिले में स्थित विश्वस्तरीय जस्ता और सीसा अयस्क निक्षेप क्षेत्र है। यह खदान अपनी अत्यधिक उच्च धातु सांद्रता और विशाल प्रमाणित भूगर्भीय भंडारों के कारण वैश्विक खनन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान रखती है। यहाँ ओपन-कास्ट और भूमिगत दोनों पद्धतियों द्वारा निष्कर्षण कार्य संपादित किया जाता है। इस क्षेत्र से प्राप्त होने वाले कच्चे अयस्क की प्रगलन प्रक्रिया द्वारा शुद्ध जस्ता और सीसा का व्यावसायिक उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जाता है।

9. (C) चांदी
राजस्थान में जब सीसा-जस्ता मिश्रित अयस्क का उत्खनन और प्रगलन किया जाता है, तो इस धातुकर्म प्रक्रिया के दौरान चांदी एक महत्वपूर्ण उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त होती है। भारत में चांदी के कुल उत्पादन का अधिकांश हिस्सा सीसा-जस्ता प्रगलन के दौरान ही निष्कर्षित किया जाता है। उदयपुर के जावर तथा चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया प्रगालक संयंत्र इस बहुमूल्य धातु के

Downloaded from www.pdf.tube

47. 20वीं पशुधन गणना के अनुसार, राजस्थान किन पशुओं की संख्या में भारत में प्रथम स्थान रखता है?
(A) गोवंश, भैंस और भारवाही पशु
(B) भेड़, सूअर और फार्म सूअर
(C) ऊंट, गधे, बकरियां
(D) घोड़े, टट्टू और खच्चर

48. राठी, थारपारकर और गिर राजस्थान में किस पशुधन की प्रसिद्ध नस्लें हैं?
(A) भैंस
(B) भेड़
(C) दुधारू बकरी
(D) गोवंश (गाय)

49. 'मुर्राह' को किस पशु की उच्च उपज देने वाली, उत्कृष्ट नस्ल के रूप में जाना जाता है?
(A) मरुस्थलीय ऊंट
(B) घरेलू भेड़
(C) भैंस
(D) दुधारू बकरी

50. राजस्थान में गोवंश की नस्लों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. थारपारकर नस्ल मुख्य रूप से बाड़मेर और जैसलमेर जैसे पश्चिमी सीमावर्ती जिलों में पाई जाती है।
II. कांकरेज नस्ल अपनी भारवाहन क्षमता के लिए प्रसिद्ध है और यह एक द्विकाजी नस्ल है।
III. राठी नस्ल बहुत कम दूध देती है और यह पूरी तरह से एक भारवाही नस्ल है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

51. राजस्थान में ऊंट की कौन सी नस्ल अपनी तेज दौड़ने की गति के लिए प्रसिद्ध है और सवारी तथा सीमा सुरक्षा बल की गश्त के लिए व्यापक रूप से उपयोग की जाती है?
(A) बीकानेरी नस्ल
(B) मेवाड़ी नस्ल
(C) मारवाड़ी नस्ल
(D) जैसलमेरी

52. ऊंट की बीकानेरी नस्ल मुख्य रूप से किस विशिष्ट विशेषता के लिए अत्यधिक मूल्यवान मानी जाती है?
(A) भारी बोझा ढोने के कार्य के लिए
(B) रेतीले मरुस्थलीय इलाकों में तेज गति की दौड़ के लिए
(C) उच्च उपज वाले व्यावसायिक डेयरी दुग्ध उत्पादन के लिए
(D) उत्तम गुणवत्ता वाली वस्त्र-ग्रेड ऊन देने के लिए

53. राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र (केंद्रीय ऊंट प्रजनन फार्म) कहां स्थित है?
(A) पोकरण, जैसलमेर
(B) सूरतगढ़, श्रीगंगानगर
(C) जोहड़बीड़, बीकानेर
(D) वल्लभनगर, उदयपुर

54. शेखावाटी और बीकानेर क्षेत्रों में पाई जाने वाली भेड़ की कौन सी नस्ल उच्च गुणवत्ता वाली कालीन ऊन के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है और इसे 'भारत की मेरिनो' के रूप में जाना जाता है?
(A) चोकला
(B) मगरा नस्ल
(C) नाली नस्ल
(D) पूगल नस्ल

55. राजस्थान भारत में ऊन उत्पादन में अग्रणी है। यह देश के कुल ऊन उत्पादन का लगभग कितना प्रतिशत उत्पादित करता है?
(A) लगभग 10%
(B) लगभग 20%
(C) लगभग 35-40%
(D) लगभग 75%

56. जमनापारी, सिरोही और बरबरी किस पशुधन की प्रसिद्ध नस्लें हैं?
(A) भेड़
(B) बकरी
(C) भैंस
(D) गोवंश

57. पश्चिमी राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पशुपालन पर अत्यधिक निर्भर है क्योंकि:
(A) इस क्षेत्र में कई बारहमासी नदी प्रणालियां हैं जो गहन चारा खेती का समर्थन करती हैं
(B) पश्चिमी राजस्थान में कोई धात्विक या अधात्विक खनिज निक्षेप नहीं पाए जाते हैं
(C) शुष्क जलवायु और कम वर्षा फसल खेती को सीमित करती है
(D) राज्य प्रशासन मरुस्थल में बड़े पैमाने पर कृषि खेती को सख्ती से प्रतिबंधित करता है

58. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान में किसानों के लिए पशुपालन सूखे के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करता है।
कारण (R): कम वर्षा के कारण फसल खराब होने वाले वर्षों में, दूध, ऊन और पशु बिक्री आय का एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक स्रोत प्रदान करते हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

NODIA

(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

59. राजस्थान में डेयरी सहकारी समितियों के माध्यम से दूध के क्रय, प्रसंस्करण और विपणन के लिए जिम्मेदार शीर्ष निकाय कौन सा है?
(A) राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन
(B) राजफैड (राजस्थान राज्य सहकारी विपणन संघ)
(C) आरएफसी (राजस्थान वित्त निगम)
(D) आरएसएमएम (राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड)

60. खनन के आर्थिक महत्व को पहचानते हुए, राजस्थान ने किस वर्ष अपनी प्रथम राज्य खनिज नीति की घोषणा की थी?
(A) 1956
(B) 1978
(C) 1991
(D) 2011

61. अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में अवैज्ञानिक और अवैध खनन गतिविधियों के कारण होने वाला गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव क्या है?
(A) क्षेत्रीय वार्षिक वायुमंडलीय वर्षा में महत्वपूर्ण वृद्धि
(B) वनों की कटाई और प्राकृतिक अपवाह प्रणाली में व्यवधान
(C) पूरे क्षेत्र में ऊपरी मृदा के लवणता स्तर में व्यापक कमी
(D) भूमिगत जल जलभृतों की समग्र गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार

62. रामपुरा-आगुचा के अयस्क पर आधारित एक प्रमुख जस्ता प्रगालक संयंत्र कहां स्थापित किया गया है?
(A) चंदेरिया (चित्तौड़गढ़)
(B) नीम का थाना जिले का खेतड़ी क्षेत्र
(C) उदयपुर जिले का जावर क्षेत्र
(D) नागौर जिले की मकराना पट्टी

63. खनिज-आधारित सीमेंट उद्योग किस कच्चे माल की स्थानीय प्रचुरता के कारण मुख्य रूप से चित्तौड़गढ़-कोटा-बूंदी पट्टी में संकेंद्रित है?
(A) बॉक्साइट
(B) तांबा अयस्क
(C) चूना पत्थर
(D) जिप्सम

64. क्षमता के आधार पर विश्व के सबसे बड़े सौर पार्कों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त भड़ला सोलर पार्क राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) बीकानेर
(B) जैसलमेर
(C) बाड़मेर
(D) जोधपुर

65. राजस्थान में ऊर्जा संसाधनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. मेघरहित आकाश के दिनों और उच्च सूर्यताप के कारण राजस्थान में भारत में सौर ऊर्जा की सर्वाधिक संभावना है।
II. जैसलमेर का अमरसागर प्रसिद्ध रूप से पवन ऊर्जा परियोजनाओं से जुड़ा हुआ है।
III. कोयला और पेट्रोलियम को नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

66. राजस्थान में पवन ऊर्जा की उच्चतम संभावना और सबसे बड़ी स्थापित क्षमता वाला कौन सा जिला है, जिसे अक्सर 'पंखों की नगरी' कहा जाता है?
(A) जोधपुर
(B) जैसलमेर
(C) प्रतापगढ़
(D) सीकर

67. 'प्राकृतिक संसाधनों का सतत पोषणीय उपयोग' की अवधारणा किसे संदर्भित करती है?
(A) अधिकतम तात्कालिक आर्थिक वृद्धि प्राप्त करने के लिए तेजी से सभी उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का उपभोग करना
(B) सभी गैर-नवीकरणीय खनिज संसाधनों के निष्कर्षण और उपयोग को पूरी तरह से रोकना
(C) प्रयोगशाला में निर्मित कृत्रिम विकल्पों के साथ सभी प्राकृतिक संसाधनों को प्रतिस्थापित करना
(D) भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करना

68. निम्नलिखित में से कौन सी सिंचाई पद्धति राजस्थान के कृषि क्षेत्र में जल संसाधनों के सतत उपयोग को सर्वोत्तम रूप से बढ़ावा देती है?
(A) टपकन और फव्वारा प्रणाली
(B) पारंपरिक खुली प्रवाह सिंचाई
(C) पारंपरिक कूंड़ और मेड़ सिंचाई
(D) मौसमी सतही नहर प्लावन पद्धति

69. राजस्थान सरकार द्वारा शुरू किए गए 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान' का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) नलकूप संचालन के लिए किसानों को सब्सिडी देना और निःशुल्क बिजली प्रदान करना
(B) सभी प्रमुख शहरी क्षेत्रों में पैकेज्ड और बोतलबंद पेयजल की आपूर्ति करना
(C) गांवों को जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करना

Click Here to Buy book on Flipkart

(D) पूरे राजस्थान में सभी प्रमुख बारहमासी और मौसमी नदी बेसिनों को आपस में जोड़ना

70. निम्नलिखित में से कौन सी राजस्थान सरकार द्वारा अपने गंभीर रूप से लुप्तप्राय राज्य पक्षी के संरक्षण के लिए एक प्रमुख पहल है?
(A) प्रोजेक्ट गोडावण
(B) प्रोजेक्ट टाइगर
(C) प्रोजेक्ट एलीफेंट
(D) प्रोजेक्ट राइनो

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

68. (B) 386 MW
चंबल घाटी बहुउद्देशीय परियोजना की कुल स्थापित जलविद्युत क्षमता 386 मेगावाट है। यह विद्युत तीन बांधों के जलविद्युत गृहों से उत्पन्न की जाती है: गांधी सागर (115 MW), राणा प्रताप सागर (172 MW) तथा जवाहर सागर (99 MW)। राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच 50:50 के समझौते के तहत, दोनों राज्यों को इस कुल क्षमता में से 193-193 मेगावाट का हिस्सा मिलता है।

69. (A) राणा प्रताप सागर बांध
चंबल घाटी परियोजना के अंतर्गत स्थापित बांधों में से चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा में स्थित राणा प्रताप सागर बांध सर्वाधिक जलविद्युत उत्पादन करता है। इस बांध के जलविद्युत गृह में 43 मेगावाट की 4 इकाइयाँ स्थापित हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 172 मेगावाट है। इसकी तुलना में गांधी सागर 115 मेगावाट तथा जवाहर सागर 99 मेगावाट बिजली का उत्पादन करते हैं।

70. (D) I, II और III
राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच चंबल घाटी परियोजना में 50:50 की साझेदारी है जिससे राज्य को 50 प्रतिशत बिजली प्राप्त होती है। माही बजाज सागर परियोजना में समझौते के तहत राजस्थान को उत्पादित कुल जलविद्युत का 100 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। इसके अलावा, कोटा बैराज का निर्माण केवल सिंचाई हेतु किया गया है और यहाँ जलविद्युत इकाई नहीं है। अतः कथन सत्य हैं।

www.nodia.in
NODIA

पृथक्कीकरण एवं व्यावसायिक शोधन के लिए प्रमुखता से कार्यरत हैं।

10. (D) लौह अयस्क
जयपुर जिले में स्थित मोरिजा-बनोल खनन क्षेत्र राजस्थान में लौह अयस्क निष्कर्षण का एक अत्यंत प्रसिद्ध और समृद्ध केंद्र है। इस क्षेत्र की पहाड़ियों में उच्च ग्रेड वाले हेमेटाइट प्रकार के लौह अयस्क के विशाल निक्षेप पाए जाते हैं। यहाँ से उत्पादित लौह अयस्क का उपयोग देश के प्रमुख इस्पात संयंत्रों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है। यह बेल्ट उत्तर-पूर्वी राजस्थान में धातुकर्म उद्योगों के विकास को मजबूत आधार प्रदान करती है।

11. (A) हेमेटाइट
लौह अयस्क प्राकृतिक रूप से कई रूपों में पाया जाता है जिनमें हेमेटाइट, मैग्नेटाइट, लिमोनाइट और सिडेराइट प्रमुख हैं। राजस्थान में पाए जाने वाले लौह अयस्क भंडारों में मुख्य रूप से हेमेटाइट किस्म की प्रचुरता है। इस अयस्क में लोहे की मात्रा लगभग 60% से 70% तक पाई जाती है जो औद्योगिक दृष्टि से अत्यंत लाभकारी है। जयपुर, दौसा, उदयपुर तथा झुंझुनूं जिलों की खदानों से मुख्य रूप से इसी गुणवत्ता वाले अयस्क का दोहन किया जाता है।

12. (B) रामपुरा-आगुचा - सीकर
रामपुरा-आगुचा खनन क्षेत्र सीकर जिले में नहीं बल्कि भीलवाड़ा जिले में स्थित है और यह लौह अयस्क के लिए नहीं बल्कि विश्व प्रसिद्ध सीसा-जस्ता निक्षेपों के लिए जाना जाता है। अन्य खनन क्षेत्र जैसे उदयपुर में स्थित नाथरा की पाल लौह अयस्क निक्षेपों के लिए, दौसा जिले का नीमला-रायसेला बेल्ट तथा जयपुर जिले का चौमूं-सामोद क्षेत्र लौह अयस्क उत्पादन हेतु पूर्णतः सही सुमेलित हैं। इस प्रकार रामपुरा-आगुचा की स्थिति सीकर जिले में दर्शाना सर्वथा अशुद्ध है।

13. (B) क्षारीय मृदा
मृदा में अत्यधिक क्षारीयता या सोडीयता के कारण फसलों की वृद्धि अवरुद्ध हो जाती है क्योंकि विनिमेय सोडियम की अधिकता से मृदा की जल धारण क्षमता तथा वायु संचरण प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है। कैल्शियम सल्फेट युक्त खनिज जिप्सम जब ऐसी भूमि में मिलाया जाता है, तो यह सोडियम आयनों को कैल्शियम से प्रतिस्थापित कर क्षारीयता को कम करता है। अतः कृषि योग्य भूमि के सुधार और उसकी उर्वरता पुनर्स्थापित करने हेतु जिप्सम का व्यापक उपयोग किया जाता है।

14. (A) जिप्सम
नागौर जिले का गोठ-मांगलोद क्षेत्र राजस्थान में गैर-धात्विक खनिज जिप्सम का एक प्रमुख और विशाल भंडार क्षेत्र माना जाता है। इस क्षेत्र में विस्तृत तलछटी संरचनाओं के अंतर्गत जिप्सम की मोटी परतें पाई जाती हैं। यहाँ से निकाले गए जिप्सम का बड़े पैमाने पर प्लास्टर ऑफ पेरिस निर्माण, सीमेंट उद्योग तथा कृषि योग्य क्षारीय भूमियों के रासायनिक सुधार हेतु देश भर में आपूर्ति और उपयोग किया जाता है।

15. (C) सीमेंट उद्योग
सीमेंट के उत्पादन हेतु सबसे प्राथमिक और आवश्यक कच्चा माल उच्च ग्रेड का चूना पत्थर होता है। राजस्थान की चित्तौड़गढ़-कोटा-बूंदी बेल्ट विंध्यन क्रम की शैल संरचनाओं से आच्छादित है, जहाँ प्रचुर मात्रा में सीमेंट ग्रेड चूना पत्थर के विस्तृत निक्षेप पाए जाते हैं। कच्चे माल की सुलभता, परिवहन व्यवस्था तथा अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इस पट्टी में बड़े पैमाने पर सीमेंट निर्माण इकाइयों और प्रसंस्करणीय कारखानों का भारी संकेंद्रण हुआ है।

16. (D) कैलसिटिक संगमरमर
मकराना में उत्खनित होने वाला संगमरमर अपनी शुद्धता, स्थायित्व और चमक के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है, जिसका उपयोग आगरा के प्रसिद्ध ताजमहल निर्माण में किया गया था। रासायनिक तथा खनिज संरचना के आधार पर मकराना संगमरमर शुद्ध कैलसिटिक प्रकार का कायंतरित पत्थर है। इसमें कैल्शियम कार्बोनेट ($CaCO_3$) की मात्रा 90% से अधिक पाई जाती है। मैग्नीशियम की अत्यंत न्यून उपस्थिति के कारण यह वर्षा तथा समय के साथ पीला नहीं पड़ता है।

17. (C) जैसलमेर
जैसलमेर जिला अपने विशिष्ट पीले बालुका पत्थर के प्रचुर भंडारों के लिए प्रसिद्ध है। इस विशेष पीले रंग के पत्थर का उपयोग जैसलमेर के प्रसिद्ध किले, हवेलियों, झरोखों तथा बारीक नक्काशीदार संरचनाओं के निर्माण में किया गया है। सूर्य की किरणों के स्पर्श से यह पत्थर स्वर्णिम आभा बिखेरता है जिसके कारण जैसलमेर शहर को 'स्वर्ण नगरी' भी कहा जाता है। यह पत्थर देशी तथा विदेशी वास्तु शिल्प में अत्यधिक लोकप्रिय माना जाता है।

18. (A) P-2, Q-4, R-1, S-3
राजस्थान संगमरमर की विभिन्न किस्मों और रंगों की उपलब्धता हेतु प्रसिद्ध है। नागौर जिले का मकराना क्षेत्र अपनी अति-उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले सफेद कैलसिटिक संगमरमर के लिए विश्वविख्यात है। उदयपुर जिला गहरे हरे संगमरमर के व्यावसायिक निष्कर्षण के लिए जाना जाता है। दक्षिणी राजस्थान का बांसवाड़ा जिला गुलाबी संगमरमर के उत्पादक क्षेत्र के रूप में विख्यात है, जबकि जयपुर का भैंसलाना क्षेत्र काले संगमरमर के लिए प्रसिद्ध स्थल माना जाता है।

19. (D) अजमेर
फेल्डस्पार एक महत्वपूर्ण गैर-धात्विक औद्योगिक खनिज है जिसका व्यापक उपयोग कांच, सिरेमिक, चीनी मिट्टी के बर्तन तथा सैनिटरी वेयर उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है। राजस्थान भारत में फेल्डस्पार का प्रमुख उत्पादक राज्य है। राज्य के कुल फेल्डस्पार उत्पादन में अजमेर जिले का योगदान लगभग 90% से अधिक है। अजमेर की पेग्माटाइट शैल संरचनाओं से इस खनिज का व्यावसायिक निष्कर्षण संपन्न किया जाता है।

Click Here to Buy book on Amazon

36. ऐतिहासिक खेजड़ली नरसंहार किस वर्ष हुआ था, जिसमें अमृता देवी बिश्नोई और अन्य लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी?
(A) 1604
(B) 1730
(C) 1857
(D) 1901

37. मरु राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
II. आकल वुड फॉसिल पार्क में इसके पास जीवों और पौधों के प्रचुर जीवाश्म हैं।
III. यह राजस्थान के सभी अभयारण्यों में सबसे अधिक वर्षा प्राप्त करता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

38. सज्जनगढ़ जैविक उद्यान की स्थापना किस प्रसिद्ध महल की तलहटी में इको-टूरिज्म और कैप्टिव ब्रीडिंग को बढ़ावा देने के लिए की गई थी?
(A) उम्मेद भवन पैलेस
(B) सिटी पैलेस, जयपुर
(C) लालगढ़ पैलेस
(D) मानसून पैलेस (सज्जनगढ़ महल)

39. ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य के भूभाग का सबसे अच्छा वर्णन किस रूप में किया गया है?
(A) घना उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन
(B) समतल लवण युक्त घास का मैदान
(C) पथरीली ढलानों वाला उच्च पर्वतीय क्षेत्र
(D) गहरे नदी खड्ड और घनी झाड़ियां

40. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:
सूची I: वन्यजीव प्रजाति
P. गोडावण
Q. उड़न गिलहरी
R. काला हिरण
S. भेड़िया
सूची II: राजस्थान में संबंधित अभयारण्य
1. ताल छापर
2. कुंभलगढ़
3. मरु राष्ट्रीय उद्यान
4. सीतामाता
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-3, Q-1, R-4, S-2
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

41. रणथंभौर में आधिकारिक तौर पर प्रोजेक्ट टाइगर किस वर्ष शुरू किया गया था?
(A) 1965-66
(B) 1973-74
(C) 1980-81
(D) 1992-93

42. राजस्थान वन विभाग की संरचना में सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी कौन होता है?
(A) प्रधान मुख्य वन संरक्षक (PCCF)
(B) मुख्यमंत्री और कैबिनेट वन मंत्री
(C) जिला मुख्य वन अधिकारी और कलेक्टर
(D) प्रभागीय वन अधिकारी और संरक्षक

43. रामगढ़ विषधारी वन्यजीव अभयारण्य, जो राजस्थान का चौथा टाइगर रिजर्व है, किस जिले में स्थित है?
(A) झालावाड़
(B) बूंदी
(C) बारां
(D) करौली

44. धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व राजस्थान में किस नंबर का टाइगर रिजर्व है?
(A) तीसरा
(B) चौथा
(C) पांचवां
(D) छठा

45. राजस्थान के निम्नलिखित वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों पर विचार कीजिए:
1. ताल छापर अभयारण्य
2. मरु राष्ट्रीय उद्यान (जैसलमेर)
3. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान
4. सीतामाता अभयारण्य
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प उत्तर से दक्षिण की ओर उनकी सही भौगोलिक व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 3, 2, 4
(D) 3, 1, 4, 2

46. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान का नाम पार्क के अंदर स्थित एक प्राचीन मंदिर से लिया गया है। यह मंदिर किस देवता को समर्पित है?
(A) भगवान विष्णु
(B) देवी दुर्गा
(C) भगवान शिव
(D) भगवान हनुमान

NODIA

31. (C) बीड़ी निर्माण
तेंदू का वृक्ष राजस्थान के दक्षिणी वनों विशेषकर बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर तथा झालावाड़ जिलों में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। तेंदू के पत्तों को स्थानीय रूप से 'टिमरु' भी कहा जाता है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण गौण वन उपज है जिसका व्यावसायिक उपयोग बीड़ी उद्योग में तम्बाकू की लपेटन सामग्री के रूप में किया जाता है। यह जनजातीय आजीविका का मुख्य साधन है।

32. (D) गोंद
बाड़मेर जिले का चौहटन क्षेत्र प्राकृतिक गोंद के उत्पादन हेतु पूरे राजस्थान में प्रसिद्ध है। इस मरुस्थलीय बेल्ट में पाए जाने वाले देशी बबूल, कुमट तथा खैर के वृक्षों के तनों एवं शाखाओं से प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा गोंद का रिसाव होता है। चौहटन का गोंद अपनी चिपचिपाहट, शुद्धता और औषधीय गुणों के कारण खाद्य तथा औद्योगिक बाजारों में बहुत उच्च मांग रखता है।

33. (C) खेजड़ी
खेजड़ी को वर्ष 1983 में राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया गया था। पश्चिमी थार मरुस्थल की कठोर भौगोलिक स्थितियों और भीषण अकाल के समय भी यह वृक्ष हरा-भरा रहता है तथा पशुओं के लिए चारा, मनुष्यों के लिए फल एवं ईंधन के लिए लकड़ी प्रदान करता है। अपनी इन्हीं बहुआयामी विशेषताओं और लोक जीवन में उपयोगिता के कारण इसे 'थार का कल्पवृक्ष' कहा जाता है।

34. (B) बंजर और सामुदायिक भूमि पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देना
'सामाजिक वानिकी' एक ऐसा व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम है जिसका प्राथमिक उद्देश्य पारंपरिक आरक्षित वन सीमाओं के बाहर स्थित अनुपयोगी बंजर भूमि, सामुदायिक भूखंडों, सड़कों और नहरों के किनारे वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण समुदायों की ईंधन लकड़ी, पशु चारे तथा इमारती काष्ठ की स्थानीय आवश्यकताओं की सहज पूर्ति की जाती है ताकि प्राकृतिक वनों पर मानवीय दबाव कम किया जा सके।

35. (D) सघन-वन लकड़ी कटाई
सामाजिक वानिकी कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य रूप से तीन स्वीकृत घटक शामिल किए गए हैं: कृषि वानिकी, सामुदायिक वानिकी तथा विस्तार वानिकी। प्राकृतिक सघन वनों की व्यावसायिक लकड़ी कटाई या दोहन सामाजिक वानिकी का स्वीकृत घटक नहीं है बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण नियमों के सर्वथा विपरीत और प्रतिबंधित गतिविधि है। इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय नए हरित आवरण का विस्तार करना माना गया है।

36. (A) वृक्ष मित्र
'रुख भायला' स्थानीय वागड़ी भाषा का एक लोकप्रिय शब्द है जिसका शाब्दिक अर्थ 'वृक्ष मित्र' या 'वृक्षों का साथी' होता है। यह कार्यक्रम दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय बहुल डूंगरपुर जिले में वर्ष 1986 में प्रारंभ किया गया था। इस पर्यावरण हितैषी अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय ग्रामीण तथा जनजातीय समुदायों में पर्यावरण जागरूकता फैलाना, वनों की कटाई रोकना तथा वृक्षारोपण गतिविधियों को प्रोत्साहित करना था।

37. (A) 1.16%
भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है जो देश के कुल भूभाग का लगभग 10.41% हिस्सा आच्छादित करता है। हालाँकि अपनी शुष्क जलवायु, थार मरुस्थल की विशालता और सीमित बारहमासी नदियों के कारण राज्य में देश के कुल जल संसाधनों की भारी कमी है। पूरे भारत में उपलब्ध कुल सतही जल का केवल लगभग 1.16% भाग ही राजस्थान में उपलब्ध माना जाता है।

38. (A) चंबल बेसिन
चंबल नदी राजस्थान की सबसे मुख्य और एकमात्र बारहमासी नदी प्रणाली है जो मध्य प्रदेश की जनापाव पहाड़ियों से निकलकर राजस्थान में प्रवाहित होती है। अपनी निरंतर जलधारा, सहायक नदियों के विशाल तंत्र और उच्च वार्षिक वर्षा वाले दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठार से गुजरने के कारण, चंबल नदी बेसिन में राजस्थान के सभी नदी बेसिनों की तुलना में सर्वाधिक सतही जल क्षमता एवं प्रवाह उपलब्ध रहता है।

39. (A) चंबल, बनास, माही, लूनी
राजस्थान में नदी बेसिनों की सतही जल उपलब्धता का सही अवरोही क्रम चंबल, बनास, माही और लूनी है। चंबल बेसिन अपनी बारहमासी प्रकृति और विशाल जलग्रहण क्षेत्र के कारण सतही जल क्षमता में प्रथम स्थान पर है। बनास बेसिन द्वितीय स्थान पर स्थित है जो पूर्णतः राज्य के भीतर बहती है। माही बेसिन तृतीय तथा पश्चिमी मरुस्थल की मौसमी लूनी नदी बेसिन चतुर्थ स्थान पर आता है।

40. (B) अत्यधिक कृषि सिंचाई
राजस्थान में भूजल स्तर के लगातार गिरने और गंभीर क्षरण का सबसे प्रमुख कारण कृषि क्षेत्र में ट्यूबवेल तथा नलकूपों के माध्यम से की जाने वाली अत्यधिक भूजल आधारित सिंचाई है। राज्य में अपर्याप्त एवं अनिश्चित सतही जल संसाधनों की वजह से किसान पानी की भारी खपत वाली फसलों की सिंचाई हेतु भूजल पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं। इसके कारण जल का निष्कर्षण अत्यधिक बढ़ गया है।

41. (C) ऐसा क्षेत्र जहां वार्षिक जल निष्कर्षण प्राकृतिक पुनर्भरण से अधिक होता है
भूजल विकास और प्रबंधन वर्गीकरण के अंतर्गत 'डार्क ज़ोन' या 'अति-दोहित ब्लॉक' ऐसे भूगर्भीय जलभृत क्षेत्र को संदर्भित करता है जहाँ वार्षिक रूप से विभिन्न उद्देश्यों के लिए निकाला जाने वाला भूजल, वर्षा तथा प्राकृतिक प्रक्रियाओं से होने वाले वार्षिक भूजल पुनर्भरण की मात्रा से काफी अधिक हो जाता है। ऐसे क्षेत्रों में निरंतर भूमिगत जल स्तर गिरता जाता है और संकट गहराता जाता है।

Downloaded from www.pdf.tube

20. (A) एम्फीबोल
एस्बेस्टस एक रेशेदार खनिज है जो अपनी उष्मा रोधी, अग्निरोधी तथा रासायनिक रूप से निष्क्रिय विशेषताओं के लिए जाना जाता है। राजस्थान भारत के प्रमुख एस्बेस्टस उत्पादक राज्यों में गिना जाता है। राज्य में पाए जाने वाले एस्बेस्टस निक्षेप मुख्य रूप से एम्फीबोल किस्म के अंतर्गत आते हैं। उदयपुर, डूंगरपुर तथा राजसमंद जिलों की कायांतरित चट्टानों में इस खनिज की उपस्थिति व्यापक रूप से पाई जाती है।

21. (C) बाड़मेर और बीकानेर
मुल्तानी मिट्टी एक प्राकृतिक एल्यूमीनियम सिलिकेट युक्त मृदा खनिज है जिसमें तेल, वसा और अशुद्धियों को अवशोषित करने की अद्वितीय क्षमता होती है। राजस्थान में पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों विशेषकर बाड़मेर और बीकानेर में इसके विस्तृत तलछटी निक्षेप पाए जाते हैं। सौंदर्य प्रसाधनों, त्वचा देखभाल उत्पादों, तेल शोधन तथा वस्त्र विरंजन प्रक्रियाओं में इसका उपयोग व्यावसायिक रूप से बड़े पैमाने पर निरंतर किया जाता है।

22. (A) बाड़मेर बेसिन में खोजे गए तेल क्षेत्र
मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित बाड़मेर-सांचौर बेसिन में खोजे गए प्रमुख कच्चे तेल उत्पादन क्षेत्र हैं। वर्ष 2004 में बाड़मेर में मंगला तेल क्षेत्र की ऐतिहासिक खोज ने राजस्थान को भारत के ऊर्जा मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण कच्चे तेल उत्पादक राज्य के रूप में स्थापित किया। इन कुओं से निकलने वाला पेट्रोलियम क्रूड पाइपलाइन द्वारा विभिन्न शोधनशालाओं तक भेजा जाता है।

23. (D) I, II और III
पश्चिमी राजस्थान का बाड़मेर-सांचौर बेसिन भारत का एक अत्यंत समृद्ध स्थलीय कच्चा तेल उत्पादक क्षेत्र है। निजी अन्वेषण कंपनी केयर्न एनर्जी ने इस शुष्क क्षेत्र में आधुनिक सर्वेक्षण और बेधन तकनीकों के माध्यम से तेल के विशाल भंडारों की खोज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनवरी 2004 में खोजा गया मंगला क्षेत्र राज्य की पहली प्रमुख तेल खोज थी। अतः तीनों कथन पूर्णतः सत्य एवं सटीक हैं।

24. (B) जैसलमेर
जैसलमेर जिला राजस्थान में प्राकृतिक गैस के विशाल भंडारों की खोज और उत्पादन का केंद्र बना हुआ है। जिले के रामगढ़, घोटारु, मनहेरा टिब्बा, तनोट और डांडेवाला क्षेत्रों में भूमिगत परतों के भीतर प्राकृतिक गैस के प्रचुर भंडार पाए गए हैं। रामगढ़ में इस प्राकृतिक गैस पर आधारित एक थर्मल पावर प्लांट संचालित है जो क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति प्रदान करता है। यह अत्यधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

25. (C) उदयपुर
भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा जारी द्विवार्षिक भारत वन स्थिति रिपोर्ट के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक कुल वनावरण क्षेत्रफल वाला जिला उदयपुर है। दक्षिणी राजस्थान में अरावली पर्वतमाला की सघन श्रृंखलाओं और अनुकूल मानसून वर्षा के कारण उदयपुर जिले में विस्तृत आरक्षित एवं सुरक्षित वन पाए जाते हैं। अलवर तथा प्रतापगढ़ जिले क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर आते हैं जो अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्य है।

NODIA

26. (D) चूरू
भारत वन स्थिति रिपोर्ट के नवीन आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में सबसे कम वनावरण क्षेत्रफल वाला जिला चूरू है। उत्तरी-पश्चिमी थार मरुस्थल में स्थित होने के कारण इस जिले में अत्यंत अत्यधिक तापांतर, अत्यधिक न्यून एवं अनिश्चित वार्षिक वर्षा तथा रेतीली मृदा की स्थितियाँ पाई जाती हैं। इस कठोर शुष्क जलवायु के कारण यहाँ प्राकृतिक वृक्षों का घनत्व बेहद कम है जो न्यूनतम श्रेणी में आता है।

27. (A) 1, 2, 3, 4
नवीनतम भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान के जिलों में कुल वनावरण क्षेत्रफल का अवरोही क्रम स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया है। राज्य में उदयपुर सर्वाधिक वनावरण क्षेत्रफल के साथ प्रथम स्थान पर स्थित है, जिसके पश्चात अलवर जिला द्वितीय स्थान रखता है। प्रतापगढ़ जिला तीसरे स्थान पर आता है जबकि बारां जिला चौथे स्थान पर आता है। अतः यह क्रम पूर्णतः सत्य एवं सटीक है।

28. (C) दक्षिणी क्षेत्र (बांसवाड़ा-डूंगरपुर)
शुष्क सागवान वन मुख्यतः राजस्थान के दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी जिलों जैसे बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ तथा कोटा में पाए जाते हैं। इन वनों के विकास हेतु 75 से 110 सेमी तक मध्यम से उच्च वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है, जो केवल दक्षिणी राजस्थान में उपलब्ध होती है। बांसवाड़ा जिले में सागवान वृक्षों की सर्वाधिक सघनता होने के कारण यह मुख्य केंद्र माना जाता है।

29. (B) शुष्क पर्णपाती वन
धोक या धौकड़ा राजस्थान के वनों में पाया जाने वाला सबसे प्रमुख और बहुतायत वाला वृक्ष है। यह वृक्ष राज्य के उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनों की मुख्य पहचान है। धोक वृक्ष अरावली की ढलानों और गैर-मरुस्थलीय मैदानी क्षेत्रों में व्यापक रूप से उगते हैं। यह कठोर जलवायु और कम वर्षा की परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम है तथा पर्याप्त क्षेत्र पर आच्छादित है।

30. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
पश्चिमी राजस्थान अरावली के वृष्टि-छाया क्षेत्र में स्थित होने के कारण अत्यंत कम तथा अनिश्चित वर्षा प्राप्त करता है, जहाँ ग्रीष्मकाल में तापमान बहुत अधिक रहता है। इन कठोर शुष्क भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूलन स्वरूप इस मरुस्थलीय भूभाग में मोटी छाल, छोटे पत्तों और लंबी जड़ों वाली कंटीली झाड़ियाँ एवं मरुद्भिद वनस्पति ही प्राकृतिक रूप से पाई जाती है। अतः दोनों विवरण पूर्णतः सही और तार्किक हैं।

संरक्षण, वैज्ञानिक प्रजनन सुधार, उष्ट्र दुग्ध के विशिष्ट गुणों पर व्यापक शोध तथा मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी उपयोगिता को बढ़ावा देने हेतु निरंतर कार्यरत है।

54. (A) चोकला
भेड़ की चोकला नस्ल मुख्य रूप से राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र तथा बीकानेर जिलों में पाई जाती है। इस नस्ल की भेड़ से अत्यंत महीन, नरम और उच्च गुणवत्ता वाली रेशेदार ऊन प्राप्त होती है जिसका व्यापक उपयोग कालीन उद्योग में किया जाता है। इसकी ऊन की अति-उत्कृष्ट गुणवत्ता और महीन रेशे की तुलना के आधार पर ही चोकला को 'भारत की मेरिनो' कहा जाता है।

55. (C) लगभग 35-40%
राजस्थान विशाल भेड़ आबादी और अनुकूल जलवायु परिस्थितियों के कारण भारत का सबसे बड़ा कच्चा ऊन उत्पादक राज्य है। देश के कुल वार्षिक ऊन उत्पादन में अकेले राजस्थान का योगदान लगभग 30% से 40% के मध्य रहता है। बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर तथा नागौर राज्य के प्रमुख ऊन उत्पादक जिले हैं। बीकानेर में एशिया की सबसे बड़ी कच्चे ऊन की मंडी भी स्थित मानी जाती है।

56. (B) बकरी
जमनापारी, सिरोही और बरबरी राजस्थान में पाई जाने वाली बकरियों की अति-महत्वपूर्ण तथा लोकप्रिय नस्लें हैं। सिरोही नस्ल मुख्य रूप से सिरोही, जालोर और पाली जिलों में पाई जाती है जो मांस तथा दूध दोनों उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है। जमनापारी नस्ल अपने बड़े आकार, लंबे कानों और उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता के लिए जानी जाती है, जबकि बरबरी नस्ल एक लोकप्रिय व्यावसायिक नस्ल माना जाता है।

57. (C) शुष्क जलवायु और कम वर्षा फसल खेती को सीमित करती है
पश्चिमी राजस्थान का विशाल भूभाग अत्यधिक शुष्क जलवायु, अपर्याप्त और अनिश्चित वार्षिक वर्षा तथा रेतीली मृदा की समस्याओं से ग्रस्त है। इन भौगोलिक अवरोधों के कारण पारंपरिक फसल खेती अत्यंत जोखिम भरी और केवल मौसमी वर्षा पर निर्भर रहती है। इसके विपरीत, पशुपालन शुष्क परिस्थितियों में भी आजीविका का स्थायी आधार प्रदान करता है, जिससे पश्चिमी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पशुपालन पर अत्यधिक निर्भर बनी हुई है।

58. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान में अनिश्चित मानसून और बारंबार पड़ने वाले सूखे के कारण फसलों के पूरी तरह नष्ट होने का जोखिम हमेशा बना रहता है। ऐसी संकटपूर्ण परिस्थितियों में पशुधन ग्रामीण कृषकों के लिए जीवन रक्षक सुरक्षा कवच की भूमिका निभाता है। फसल चक्र विफल होने पर भी किसान दुग्ध, ऊन, खाद और पशुओं की बिक्री के माध्यम से आय अर्जित करते हैं, जो एक सत्य व्याख्या है।

59. (A) राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन
राजस्थान में डेयरी विकास, पशुपालकों से दुग्ध संकलन, उसके सुरक्षित शीतलन, प्रसंस्करण और 'सरस' ब्रांड नाम के तहत दुग्ध एवं उत्पादों के विपणन हेतु 'राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन' शीर्ष संस्था के रूप में कार्य करती है। इसकी स्थापना वर्ष 1977 में सहकारी अधिनियम के तहत त्रि-स्तरीय ढाँचे के अंतर्गत की गई थी। यह फेडरेशन जिला दुग्ध संघों के माध्यम से राज्य भर में संचालित है।

60. (B) 1978
राजस्थान में समृद्ध खनिज संपदा के वैज्ञानिक अन्वेषण, नियोजित दोहन, खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना तथा खनिज राजस्व वृद्धि को गति प्रदान करने हेतु राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1978 में अपनी प्रथम राज्य खनिज नीति की घोषणा की गई थी। राजस्थान अपनी पृथक खनिज नीति घोषित करने वाला संपूर्ण भारत का पहला राज्य बना था जो एक ऐतिहासिक कदम था। इसके पश्चात संशोधित नीतियाँ आई।

61. (B) वनों की कटाई और प्राकृतिक अपवाह प्रणाली में व्यवधान
प्राचीन अरावली पर्वत श्रृंखला में तीव्र गति से जारी अवैज्ञानिक और अवैध खनन गतिविधियों के भयंकर दुष्परिणाम सामने आए हैं। अनियंत्रित ब्लास्टिंग, पहाड़ों की कटाई तथा मलबे के अनियोजित निस्तारण के कारण बड़े पैमाने पर प्राकृतिक वनावरण नष्ट हुआ है। इसके अतिरिक्त खनन कचरे के जमाव से प्राकृतिक जल अपवाह प्रणालियों के मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे जैव विविधता का क्षरण तेजी से हुआ है।

62. (A) चंदेरिया (चित्तौड़गढ़)
चित्तौड़गढ़ जिले के चंदेरिया में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा एशिया का सबसे बड़ा चंदेरिया सीसा-जस्ता प्रगालक संयंत्र स्थापित किया गया है। यह आधुनिक औद्योगिक प्लांट भीलवाड़ा जिले के रामपुरा-आगुचा की प्रसिद्ध खदानों से उत्खनित किए जाने वाले सीसा-जस्ता अयस्क पर आधारित है। इस संयंत्र में आधुनिक तकनीकों द्वारा शुद्ध जस्ता, सीसा तथा उप-उत्पाद के रूप में चांदी का वृहद स्तर पर उत्पादन किया जाता है।

63. (C) चूना पत्थर
पोर्टलैंड सीमेंट का निर्माण करने के लिए चूना पत्थर सबसे प्रमुख कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होता है। राजस्थान की चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी तथा नागौर पट्टी अवसादी शैल समूहों से निर्मित है जहाँ उच्च ग्रेड के सीमेंट श्रेणी चूना पत्थर के अकूत भंडार विद्यमान हैं। विशाल कच्चे माल की स्थानीय उपलब्धता तथा सुलभ परिवहन के कारण इस बेल्ट में सीमेंट कारखानों का भारी संकेंद्रण हुआ है।

64. (D) जोधपुर
भड़ला सोलर पार्क राजस्थान के जोधपुर जिले के भड़ला गांव में स्थित है। लगभग 14,000 एकड़ क्षेत्र में फैला यह सौर ऊर्जा पार्क 2245 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता के साथ विश्व के सबसे बड़े सोलर पार्कों में से एक माना जाता है। इस क्षेत्र में

Click Here to Buy book on Flipkart

42. (D) फ्लोराइड
राजस्थान के नागौर और अजमेर जिलों के मध्यवर्ती भूभाग के भूमिगत जल में फ्लोराइड की सांद्रता सुरक्षित सीमा से अत्यधिक पाई जाती है। इस अत्यधिक फ्लोराइड युक्त जल के निरंतर सेवन से स्थानीय निवासियों में फ्लोरोसिस रोग हो जाता है, जिससे रीढ़ की हड्डी टेढ़ी हो जाती है तथा पीठ में कुबड़ापन आ जाता है। इसी कारण इस बेल्ट को 'कुबड़ पट्टी' कहा जाता है।

43. (A) शेखावाटी क्षेत्र
'जोहड़' वर्षा जल संचयन की एक अति-प्राचीन पारंपरिक कच्चे तालाबनुमा जल संरचना है जो मुख्य रुप से राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में निर्मित की जाती है। यह संरचना धरातलीय वर्षा जल को एकत्रित करती है तथा आसपास के भूजल जलभृतों को पुनर्भरण करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होती है। शेखावाटी क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में जोहड़ प्रबंधन की परंपरा अत्यंत सुदृढ़ और प्रासंगिक रही है।

44. (B) पेयजल उद्देश्यों के लिए वर्षा जल संचयन
पश्चिमी राजस्थान के थार मरुस्थलीय इलाकों में 'टांका' एक पारंपरिक भूमिगत ढका हुआ कुंड या पक्का जलाशय होता है जिसे विशेष रूप से वर्षा जल के संग्रहण हेतु बनाया जाता है। घर के आंगन या आगोर से बहकर आने वाले वर्षा जल को साफ करके इस बंद कुंड में जमा किया जाता है। वाष्पीकरण से सुरक्षित रहने के कारण इस जल का उपयोग पेयजल हेतु होता है।

45. (A) P-3, Q-4, R-1, S-2
राजस्थान में जल संरक्षण हेतु विभिन्न पारंपरिक प्रणालियाँ प्रचलित हैं। खड़ीन कृषि आधारित वर्षा जल संचयन की विशिष्ट तकनीक है जिसे जैसलमेर में पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा मध्यकाल में विकसित किया गया था। टांका पीने के पानी हेतु बनाया जाने वाला ढका हुआ भूमिगत पक्का कुंड है। जोहड़ मुख्य रूप से शेखावाटी अंचल में पाया जाने वाला जल निकाय है, जबकि नाडी पारंपरिक ग्रामीण तालाब होता है।

46. (C) 20वीं पशुधन गणना
भारत तथा राजस्थान में पशुओं की जनसांख्यिकी से संबंधित आंकड़े जुटाने के लिए प्रत्येक 5 वर्षों में पशुधन गणना आयोजित की जाती है। वर्ष 2019 में संपन्न एवं प्रकाशित की गई राष्ट्रव्यापी गणना भारत की '20वीं पशुधन गणना' थी। इस गणना की सबसे बड़ी तकनीकी विशेषता यह थी कि पहली बार इसके अंतर्गत आंकड़े एकत्र करने हेतु डिजिटल तकनीक का उपयोग व्यापक स्तर पर किया गया।

47. (C) ऊंट, गधे, बकरियां
20वीं पशुधन गणना (2019) के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान कई विशिष्ट पशुधन प्रजातियों की कुल आबादी के मामले में पूरे भारत में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। राज्य देश में ऊंटों की कुल संख्या, गधों की संख्या तथा बकरियों की कुल संख्या के मामले में भारत के सभी राज्यों में प्रथम स्थान धारित करता है। यह विशिष्ट स्थिति महत्ता को स्पष्ट रुप से दर्शाती है।

48. (D) गोवंश (गाय)
राठी, थारपारकर और गिर राजस्थान में पाई जाने वाली गोवंश की प्रमुख तथा प्रसिद्ध देशी नस्लें हैं। राठी नस्ल को अत्यधिक दूध उत्पादन के कारण 'राजस्थान की कामधेनु' कहा जाता है जो मुख्य रुप से बीकानेर और श्रीगंगानगर क्षेत्रों में पाई जाती है। थारपारकर नस्ल पश्चिमी सीमावर्ती जिलों की उत्कृष्ट नस्ल है, जबकि गिर नस्ल मुख्य रुप से अजमेर में पाली जाने वाली गाय की नस्ल है।

49. (C) भैंस
'मुर्राह' भारत में पाई जाने वाली भैंस की सबसे उत्कृष्ट और विश्व प्रसिद्ध दुधारू नस्ल मानी जाती है। अपने गहरे काले रंग और जलेबी के आकार के घुमावदार सींगों के कारण इसे स्थानीय भाषा में 'खुंडी' भी कहा जाता है। यह नस्ल अपनी उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता तथा दूध में प्रचुर वसा की मात्रा के लिए जानी जाती है। राज्य में इसका व्यापक पालन होता है।

50. (A) केवल I और II
थारपारकर नस्ल पश्चिमी सीमावर्ती शुष्क जिलों में पाई जाती है तथा प्रतिकूल मरुस्थलीय परिस्थितियों को सहन करने की क्षमता रखती है। कांकरेज नस्ल अपनी मजबूत शारीरिक बनावट के कारण भार वहन तथा दुग्ध उत्पादन दोनों में उत्कृष्ट होने से एक द्विकाजी नस्ल है। इसके विपरीत, राठी नस्ल कम दूध देने वाली नहीं बल्कि सर्वाधिक दुधारू गोवंश नस्ल है। अतः प्रथम दो कथन सत्य सिद्ध होते हैं।

51. (D) जैसलमेरी
ऊंट की जैसलमेरी नस्ल अपनी हल्की शारीरिक बनावट, पतले पैरों और असाधारण दौड़ने की गति के लिए पूरे देश में जानी जाती है। मरुस्थलीय रेतीले टीलों पर तेज गति से दौड़ने की अद्वितीय क्षमता के कारण इस नस्ल का उपयोग सवारी, मरुस्थलीय पर्यटन तथा थार मरुस्थल की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा सुरक्षा गश्त हेतु व्यापक स्तर पर किया जाता है।

52. (A) भारी बोझा ढोने के कार्य के लिए
बीकानेरी नस्ल का ऊंट अपनी भारी-भरकम शारीरिक बनावट, मजबूत हड्डियों और सहने की अपार क्षमता के लिए जाना जाता है। इस नस्ल के ऊंट की खोपड़ी पर एक विशिष्ट गड्ढा पाया जाता है जिसे 'स्टॉप' कहा जाता है। अपनी उत्कृष्ट शारीरिक क्षमता और ताकत के कारण यह ऊंट कृषि कार्यों, भारी गाड़ियां खींचने तथा कठिन परिस्थितियों में भारी बोझा ढोने के लिए उपयोगी माना जाता है।

53. (C) जोहड़बीड़, बीकानेर
'राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र' बीकानेर जिले के 'जोहड़बीड़' नामक स्थान पर स्थित है। इस प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान की स्थापना जुलाई 1984 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा की गई थी। यह संस्थान ऊंटों की विभिन्न नस्लों के स्वास्थ्य

NODIA

अध्याय 17
राजस्थान के वन्यजीव अभयारण्य एवं वन्यजीव संरक्षण

1. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिनियम राजस्थान और शेष भारत में वन्य जीवों, पक्षियों तथा पौधों के संरक्षण के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी है?
(A) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
(B) वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972
(C) वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980
(D) जैव विविधता अधिनियम, 2002

2. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) अलवर
(B) भरतपुर
(C) कोटा
(D) सवाई माधोपुर

3. केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान मुख्य रूप से किसके संरक्षण के लिए विश्व प्रसिद्ध है?
(A) प्रवासी पक्षी
(B) बंगाल टाइगर
(C) काला हिरण
(D) एशियाई शेर

4. सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
(A) यह अलवर जिले में स्थित है।
(B) यह प्रोजेक्ट टाइगर का एक भाग है।
(C) यह गोडावण का मुख्य प्राकृतिक आवास होने के लिए प्रसिद्ध है।
(D) यहाँ बाघों का सफलतापूर्वक पुनर्वास किया गया है।

5. थार मरुस्थल के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने के लिए प्रसिद्ध मरु राष्ट्रीय उद्यान किन दो जिलों में फैला हुआ है?
(A) जैसलमेर और बाड़मेर
(B) जोधपुर और बीकानेर
(C) बाड़मेर और जालोर
(D) जैसलमेर और बीकानेर

6. सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य किस अद्वितीय जीव को देखने के लिए सबसे अधिक प्रसिद्ध है?
(A) हिम तेंदुआ
(B) जंगली जल भैंसा
(C) स्लोथ भालू
(D) उड़न गिलहरी

7. चूरू जिले में स्थित ताल छापर अभयारण्य किसकी बड़ी आबादी के लिए प्रसिद्ध है?
(A) बाघ
(B) काला हिरण
(C) जंगली सूअर
(D) मगरमच्छ

8. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): गोडावण मुख्य रूप से राजस्थान के मरु राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है।
कारण (R): मरुस्थलीय पर्यावरण गोडावण के अस्तित्व के लिए आवश्यक आदर्श शुष्क घास के मैदान का आवास प्रदान करता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

NODIA

9. सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के किस प्रमुख शहर के समीप स्थित है?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) बीकानेर
(D) उदयपुर

10. फुलवारी की नाल वन्यजीव अभयारण्य निम्नलिखित में से किन नदियों का जलग्रहण क्षेत्र है?
(A) सोम, मानसी, वाकल
(B) लूनी, जवाई, सुकड़ी
(C) चंबल, बनास, काली सिंध
(D) माही, अनास, चाप

11. जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य की स्थापना मूल रूप से किस प्रसिद्ध झील के आसपास के वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए की गई थी?
(A) पुष्कर झील
(B) ढेबर झील
(C) पिछोला झील
(D) सांभर झील

अत्यधिक सौर विकिरण, साल में 325 से अधिक धूप वाले दिन तथा विशाल बंजर भूमि की उपलब्धता मौजूद है।

65. (A) केवल I और II
राजस्थान में वर्ष में 325 से अधिक दिन मेघरहित साफ आकाश तथा उच्च सौर विकिरण के कारण सौर ऊर्जा की सर्वाधिक संभावना मौजूद है। जैसलमेर का अमरसागर राजस्थान का प्रथम पवन ऊर्जा संयंत्र स्थल है। इसके विपरीत, कोयला और पेट्रोलियम जीवाश्म ईंधन हैं जिन्हें अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है न कि नवीकरणीय में। अतः प्रथम दो कथन पूर्णतः सही एवं सत्य हैं।

66. (B) जैसलमेर
जैसलमेर जिला अपने विस्तृत मरुस्थलीय समतल भूभाग तथा तीव्र एवं निरंतर बहने वाली पवनों की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पवन ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बन चुका है। राज्य की सर्वाधिक स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता जैसलमेर जिले में ही केंद्रित है। शहर के चारों ओर स्थापित अनगिनत पवन चक्कियों के विशाल आवरण के कारण जैसलमेर को 'पंखों की नगरी' कहा जाता है जो अत्यंत प्रसिद्ध है।

67. (D) भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करना
'सतत पोषणीय विकास' की अवधारणा का मूल सिद्धांत पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था के मध्य संतुलित तालमेल स्थापित करना है। इसका अर्थ प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग इस प्रकार विवेकपूर्ण तथा न्यायसंगत तरीके से करना है जिससे वर्तमान पीढ़ी की विकासात्मक आवश्यकताएं पूरी हो सकें तथा आने वाली भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं एवं उनके जीवन हेतु ये प्राकृतिक संसाधन सदैव पूरी तरह सुरक्षित तथा संरक्षित बने रह सकें।

68. (A) टपकन और फव्वारा प्रणाली
राजस्थान जैसे जल-दुर्लभ राज्य में सूक्ष्म सिंचाई तकनीकें जैसे टपकन और फव्वारा प्रणाली जल संसाधनों के सतत एवं अति-कुशल उपयोग को बढ़ावा देती हैं। ड्रिप सिंचाई से जल सीधे पौधों की जड़ों तक बूँद-बूँद करके पहुँचाया जाता है, जिससे वाष्पीकरण और अपवाह में होने वाली जल की क्षति न्यूनतम हो जाती है। यह प्रणाली पारंपरिक सिंचाई की तुलना में अत्यधिक जल की बचत करती है।

69. (C) गांवों को जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करना
राजस्थान सरकार द्वारा जनवरी 2016 में प्रारंभ किए गए 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान' का प्राथमिक उद्देश्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों को जल सुरक्षा के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना था। इसके अंतर्गत जन सहभागिता के माध्यम से गांवों में पारंपरिक जल संरचनाओं के पुनरुद्धार, एनिकेट, चेकडैम, टांका, जोहड़ एवं नए तालाबों के निर्माण द्वारा वर्षा जल संचयन तथा भूजल पुनर्भरण को प्रोत्साहन प्रदान किया गया।

70. (A) प्रोजेक्ट गोडावण
राजस्थान का राज्य पक्षी गोडावण एक गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी प्रजाति है, जिसकी आबादी मुख्य रूप से जैसलमेर के राष्ट्रीय मरु उद्यान में सिमट कर रह गई है। इस पक्षी के प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, कृत्रिम प्रजनन तथा शिकार पर नियंत्रण हेतु राजस्थान सरकार के वन विभाग द्वारा जून 2013 में 'प्रोजेक्ट गोडावण' की औपचारिक शुरुआत कर व्यापक संरक्षण प्रयास प्रारंभ किए गए थे।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

(D) 21.0%

24. रणथंभौर और मुकुंदरा हिल्स के बीच वन्यजीव गलियारे के विकास का मुख्य उद्देश्य क्या है?
(A) उद्यानों के बीच पर्यटकों के वाहनों की सुरक्षित आवाजाही की अनुमति देना
(B) क्षेत्रों में जल और वन संसाधनों का परिवहन करना
(C) प्राकृतिक वन्यजीव प्रवास को सुगम बनाना
(D) आगंतुकों के लिए पर्यावरण-अनुकूल व्यावसायिक रिसॉर्ट बनाना

25. राजस्थान में टाइगर रिजर्व की स्थापना का सही कालानुक्रमिक क्रम (प्राचीनतम से नवीनतम) चुनिए:
(A) रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स, रामगढ़ विषधारी
(B) सरिस्का, रणथंभौर, रामगढ़ विषधारी, मुकुंदरा हिल्स
(C) रणथंभौर, मुकुंदरा हिल्स, सरिस्का, रामगढ़ विषधारी
(D) मुकुंदरा हिल्स, रणथंभौर, सरिस्का, रामगढ़ विषधारी

26. केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान को किस वर्ष यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूची में शामिल किया गया था?
(A) 1971
(B) 1985
(C) 1995
(D) 2004

27. गोडावण, जो राजस्थान में एक प्रमुख संरक्षण परियोजना का केंद्र है, को आधिकारिक तौर पर किस रूप में मान्यता प्राप्त है?
(A) राज्य पशु
(B) राज्य पक्षी
(C) राज्य प्रतीक
(D) भारत का राष्ट्रीय पक्षी

28. राजस्थान में मानव-वन्यजीव संघर्ष के संदर्भ में, किस जानवर द्वारा कृषि फसलों को भारी नुकसान पहुँचाने की सूचना सबसे अधिक मिलती है?
(A) रॉयल बंगाल टाइगर
(B) नीलगाय (रोजड़ा)
(C) भारतीय तेंदुआ
(D) स्लोथ भालू

29. निम्नलिखित में से कौन-सी स्थिति केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान को शीतकालीन प्रवासी पक्षियों के लिए अत्यधिक उपयुक्त आवास बनाती है?
(A) इसमें एक बड़ा उथला आर्द्रभूमि और दलदली पारिस्थितिकी तंत्र है।
(B) यह घने सदाबहार वनों से आच्छादित है।
(C) यह अरावली में बहुत अधिक ऊँचाई पर स्थित है।
(D) यह एक शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र है जो उष्णता प्रदान करता है।

30. सरिस्का ने 2008 में विश्व का पहला ऐसा टाइगर रिजर्व बनने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया जिसने सफलतापूर्वक:
(A) सफेद बाघों के लिए कैप्टिव ब्रीडिंग सुविधा स्थापित की
(B) ड्रोन का उपयोग करके अवैध शिकार को पूरी तरह से समाप्त किया
(C) स्थानांतरित बाघों का सफलतापूर्वक पुनर्वास किया
(D) साझा बाड़ों के भीतर बाघों और शेरों को एक साथ रखा

31. मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में स्थानांतरित किए गए बाघ मुख्य रूप से किस राष्ट्रीय उद्यान से लाए गए थे?
(A) जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान
(B) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
(C) बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
(D) रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को रामसर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।
कारण (R): यह अंतर्राष्ट्रीय महत्व की एक आर्द्रभूमि है जो हजारों प्रवासी जलपक्षियों का समर्थन करती है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

33. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान की आर्द्रभूमि में जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत कौन-सा बांध है?
(A) बीसलपुर बांध
(B) अजान बांध
(C) राणा प्रताप सागर बांध
(D) माही बजाज सागर बांध

34. फुलवारी की नाल वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) डूंगरपुर
(B) बांसवाड़ा
(C) प्रतापगढ़
(D) उदयपुर

35. खेजड़ली आंदोलन का मुख्य उद्देश्य किस वृक्ष को बचाना था, जिसे बाद में राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया गया?
(A) खेजड़ी
(B) रोहिड़ा
(C) बरगद
(D) नीम

NODIA

12. कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य विशेष रूप से निम्नलिखित में से किस पशु के महत्वपूर्ण प्रजनन केंद्र के रूप में जाना जाता है?
(A) बंगाल टाइगर
(B) भारतीय भेड़िया
(C) गैंडा
(D) एशियाई हाथी

13. मुकुंदरा हिल्स को किस वर्ष राजस्थान का तीसरा राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था?
(A) 2004
(B) 2012
(C) 2016
(D) 2020

14. राजस्थान में आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय उद्यानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. रणथंभौर एक राष्ट्रीय उद्यान है।
II. केवलादेव घना एक राष्ट्रीय उद्यान है।
III. मुकुंदरा हिल्स एक राष्ट्रीय उद्यान है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

15. ऐतिहासिक रूप से, कौन-सा प्रवासी पक्षी रूस से हजारों किलोमीटर की यात्रा करके केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में सर्दियों का समय बिताने आता था?
(A) बड़ा हंसावर (फ्लेमिंगो)
(B) आर्कटिक टर्न
(C) हवासिल (पेलिकन)
(D) साइबेरियन सारस

16. चिंकारा, जिसे राजस्थान में व्यापक रूप से संरक्षित किया जाता है, राज्य में क्या आधिकारिक दर्जा रखता है?
(A) राज्य पक्षी
(B) राज्य जलीय जीव
(C) राज्य पशु (वन्य जीव)
(D) राज्य सरीसृप

17. राजस्थान का बिश्नोई समाज प्रकृति के अपने पारंपरिक संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। 'बिश्नोई' नाम कितने पारिस्थितिक और नैतिक सिद्धांतों से उत्पन्न हुआ है?
(A) 19
(B) 20
(C) 29
(D) 39

18. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:
सूची I: अभयारण्य
P. बंध बरेठा
Q. टॉडगढ़ रावली
R. बस्सी
S. रामगढ़ विषधारी
सूची II: जिला
1. बूंदी
2. चित्तौड़गढ़
3. भरतपुर
4. अजमेर/पाली/राजसमंद
(A) P-3, Q-4, R-2, S-1
(B) P-4, Q-3, R-1, S-2
(C) P-3, Q-1, R-2, S-4
(D) P-2, Q-4, R-3, S-1

19. प्रसिद्ध खेजड़ली आंदोलन, जहाँ खेजड़ी के वृक्षों की रक्षा के लिए 363 लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी, का नेतृत्व किसने किया था?
(A) अमृता देवी
(B) गौरा देवी
(C) मेधा पाटकर
(D) सुंदरलाल बहुगुणा

20. राजस्थान में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत शामिल होने वाला पहला अभयारण्य कौन-सा था?
(A) सरिस्का
(B) मुकुंदरा हिल्स
(C) रणथंभौर
(D) रामगढ़ विषधारी

21. राजस्थान में गोडावण के लिए कृत्रिम हैचिंग और कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर कहाँ स्थापित किया गया है?
(A) रामदेवरा (जैसलमेर)
(B) पुष्कर घाटी (अजमेर)
(C) देशनोक क्षेत्र (बीकानेर)
(D) फलोदी क्षेत्र (जोधपुर)

22. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान की कौन-सी प्रसिद्ध बाघिन 'रणथंभौर की रानी' और विश्व में सबसे अधिक चित्र खींचे जाने वाली बाघिन के रूप में जानी जाती थी?
(A) कॉलरवाली
(B) अवनी
(C) सीता
(D) मछली

23. राज्य वन रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में से अभिलेखित वन क्षेत्र का लगभग कितना प्रतिशत है?
(A) 4.5%
(B) 9.6%
(C) 15.2%

Click Here to Buy book on Amazon

47. सरिस्का मूल रूप से किस रियासत के महाराजा का निजी शिकारगाह था?
(A) जयपुर
(B) भरतपुर
(C) जोधपुर
(D) अलवर

48. सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य मुख्य रूप से राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) बीकानेर जिला
(B) जोधपुर जिला
(C) प्रतापगढ़
(D) दौसा जिला

49. यद्यपि राजस्थान में वर्तमान में कोई पूरी तरह से नामित यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व नहीं है, फिर भी इसकी अनूठी शुष्क जैव विविधता के कारण किस क्षेत्र को अक्सर इस दर्जे के लिए प्रस्तावित किया जाता है?
(A) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान
(B) मरु राष्ट्रीय उद्यान
(C) सज्जनगढ़ अभयारण्य
(D) बस्सी अभयारण्य

50. किस संत की शिक्षाएं बिश्नोई समाज की वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण परंपराओं का आधार बनीं?
(A) संत पीपा जी महाराज
(B) संत रामचरण जी
(C) संत दादू दयाल जी
(D) गुरु जंभेश्वर

51. वन्यजीवों से संबंधित राजस्थान के राज्य प्रतीकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. चिंकारा राज्य पशु (वन्य जीव) है।
II. गोडावण राज्य पक्षी है।
III. बाघ राज्य पशु है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

52. जोधपुर के किस महाराजा के शासनकाल के दौरान खेजड़ली की घटना हुई थी?
(A) महाराजा जसवंत सिंह
(B) महाराजा अजीत सिंह
(C) महाराजा अभय सिंह
(D) महाराजा उम्मेद सिंह

53. वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रकृति में सतत यात्रा को प्रोत्साहित करने के लिए, राजस्थान इको-टूरिज्म नीति किस वर्ष शुरू की गई थी?
(A) 2010
(B) 2015
(C) 2021
(D) 2023

54. राजस्थान में, भेड़ियों के लिए एक सफल कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर कहाँ स्थापित किया गया है?
(A) मरु राष्ट्रीय उद्यान
(B) रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान
(C) सरिस्का टाइगर रिजर्व
(D) नाहरगढ़ जैविक उद्यान

55. राजस्थान राज्य वन अधिनियम, जो राज्य में वन प्रशासन के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है, मूल रूप से किस वर्ष लागू किया गया था?
(A) 1953
(B) 1972
(C) 1980
(D) 1986

56. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): बिश्नोई समाज राजस्थान में काले हिरण के पारंपरिक रक्षक के रूप में जाना जाता है।
कारण (R): उनके धार्मिक नियम जानवरों को मारने और हरे वृक्षों को काटने पर सख्ती से रोक लगाते हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

57. जोधपुर जिले का खिंचन गाँव किस प्रवासी पक्षी के शीतकालीन प्रवास के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है?
(A) बड़ा हंसावर (फ्लेमिंगो)
(B) साइबेरियन सारस
(C) गोडावण
(D) कुरंजा (डेमोइसेल क्रेन)

58. राजस्थान में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम के तहत ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों की प्राथमिक भूमिका क्या है?
(A) वन सुरक्षा में स्थानीय समुदायों को शामिल करना
(B) क्षेत्र में आने वाले इको-पर्यटकों से प्रवेश कर वसूलना
(C) स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले जंगली बाघों को पकड़ना और स्थानांतरित करना
(D) मौसमी कृषि के लिए संरक्षित वन भूमि का आवंटन और समाशोधन करना

59. ऐतिहासिक रूप से, कैमरा ट्रैप मानक बनने से पहले बाघों की आबादी का अनुमान लगाने के लिए राजस्थान वन विभाग

NODIA

34. (D) उदयपुर
फुलवारी की नाल वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित है। अरावली की पहाड़ियों में स्थित यह अभयारण्य अपनी समृद्ध वनस्पति, बहती नदियों और औषधीय पौधों के लिए जाना जाता है। यह सोम, मानसी और वाकल नदियों का जलग्रहण क्षेत्र है। यहाँ तेंदुए, चौसिंगा और विविध वन्यजीवों की आबादी अपने प्राकृतिक आवास में अत्यंत सुरक्षित तरीके से निवास करती है।

35. (A) खेजड़ी
वर्ष 1730 का खेजड़ली आंदोलन मुख्य रूप से खेजड़ी के वृक्षों की रक्षा के लिए किया गया था। खेजड़ी थार मरुस्थल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण वृक्ष है जो शुष्क परिस्थितियों में भी हरा-भरा रहता है तथा पशुओं को चारा और मिट्टी को मजबूती प्रदान करता है। इसके सांस्कृतिक और पारिस्थितिक महत्व को ध्यान में रखते हुए इसे राज्य का आधिकारिक राज्य वृक्ष घोषित किया गया था।

36. (B) 1730
ऐतिहासिक खेजड़ली नरसंहार भाद्रपद शुक्ल दशमी, वर्ष 1730 में मारवाड़ रियासत के खेजड़ली गाँव में हुआ था। जोधपुर के महाराजा अभय सिंह के सैनिकों द्वारा लकड़ी काटने से रोकने के प्रयास में अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में 363 बिश्नोई लोगों ने पेड़ों से चिपककर अपने प्राणों का बलिदान दिया था। यह घटना विश्व इतिहास में पर्यावरण रक्षा की एक महान मिसाल मानी जाती है।

37. (A) केवल I और II
मरु राष्ट्रीय उद्यान थार मरुस्थल की शुष्क और अनूठी पारिस्थितिकी का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। इसके आकल वुड फॉसिल पार्क में लगभग 18 करोड़ वर्ष पुराने प्रागैतिहासिक काल के पौधों और जीवों के जीवाश्म मौजूद हैं। हालांकि, शुष्क परिस्थितियों के कारण यह क्षेत्र राज्य में सबसे कम वर्षा प्राप्त करने वाले स्थानों में आता है, न कि सर्वाधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में शामिल है।

38. (D) मानसून पैलेस (सज्जनगढ़ महल)
उदयपुर में सज्जनगढ़ जैविक उद्यान की स्थापना अरावली की पहाड़ियों पर स्थित प्रसिद्ध मानसून पैलेस (सज्जनगढ़ महल) की तलहटी में की गई है। इस बायोलॉजिकल पार्क की स्थापना का उद्देश्य वन्यजीवों हेतु कैप्टिव ब्रीडिंग, जैव विविधता का संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता के साथ इको-टूरिज्म को बढ़ावा देना है। यहाँ अनेक दुर्लभ वन्यजीवों को सुरक्षित रूप से रखा और उनका संवर्धन किया जाता है।

39. (B) समतल लवण युक्त घास का मैदान
राजस्थान के चूरू जिले में स्थित ताल छापर अभयारण्य का भूभाग मुख्य रूप से एक विशाल समतल लवण युक्त घास का मैदान है। यह खुला और समतल क्षेत्र जहाँ 'मोचिया' घास उगती है, काले हिरणों के स्वतंत्र रूप से दौड़ने और चरने के लिए भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत अनुकूल और सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण निर्मित करता है। यहाँ अनेक प्रवासी पक्षी भी आते हैं।

40. (A) P-3, Q-4, R-1, S-2
गोडावण मुख्य रूप से जैसलमेर और बाड़मेर के विशाल मरु राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है। उड़न गिलहरी प्रतापगढ़ जिले के घने वनों वाले सीतामाता अभयारण्य की मुख्य विशेषता है। काला हिरण चूरू जिले के प्रसिद्ध ताल छापर घास के मैदानों में निवास करता है। भेड़िया कुंभलगढ़ अभयारण्य के पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है, जो इसका प्रमुख प्रजनन केंद्र माना जाता है।

41. (B) 1973-74
रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में आधिकारिक रूप से प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत वर्ष 1973-74 में की गई थी। केंद्र सरकार द्वारा देश में बाघों की घटती आबादी को बचाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के तहत रणथंभौर को पहला बाघ अभयारण्य चुना गया। इसके बाद यहाँ शिकार रोकने और वनों की सुरक्षा हेतु कठोर सुरक्षा नीतियाँ कड़ाई से लागू की गई थीं।

42. (A) प्रधान मुख्य वन संरक्षक (PCCF)
राजस्थान वन विभाग की प्रशासनिक संरचना में भारतीय वन सेवा का वरिष्ठतम अधिकारी प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी होता है। यह पद राज्य में वनों, राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों के प्रबंधन, संरक्षण नीतियों के क्रियान्वयन और वन प्रशासन की सभी गतिविधियों के पर्यवेक्षण हेतु उत्तरदायी होता है। यह अधिकारी वन विभाग का मुख्य प्रशासनिक प्रमुख और सलाहकार के रूप में कार्य करता है।

43. (B) बूंदी
रामगढ़ विषधारी वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के बूंदी जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2022 में राजस्थान का चौथा टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। यह अभयारण्य रणथंभौर और मुकुंदरा हिल्स के बीच स्थित होने के कारण बाघों की आवाजाही हेतु एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक गलियारे और अत्यंत सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में कार्य करता है।

44. (C) पांचवां
धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व राजस्थान राज्य का पांचवां आधिकारिक रूप से अधिसूचित टाइगर रिजर्व है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2023 में धौलपुर और करौली जिलों के वनों को मिलाकर इस नए अभयारण्य की स्थापना की मंजूरी दी गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य चंबल बेसिन के वनों में बाघों की आबादी को पुनः स्थापित करना और उनका बेहतर संरक्षण सुनिश्चित करना है।

45. (A) 1, 2, 3, 4
राजस्थान के मानचित्र पर उत्तर से दक्षिण की ओर भौगोलिक व्यवस्था को देखने पर सबसे उत्तर में चूरू का ताल छापर अभयारण्य स्थित है। इसके दक्षिण-पश्चिम में जैसलमेर का

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972
भारत में वन्यजीवों, पक्षियों और वनस्पतियों के संरक्षण के लिए मुख्य कानूनी ढांचा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 द्वारा प्रदान किया गया है। यह अधिनियम वन्यजीवों के शिकार पर कड़ा प्रतिबंध लगाता है तथा राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों और संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना का कानूनी आधार तैयार करता है। राजस्थान सहित संपूर्ण भारत में दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों को अवैध शिकार तथा अवैध व्यापार से बचाने के लिए यह कानून लागू है।

2. (D) सवाई माधोपुर
रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में अरावली और विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं के संगम पर स्थित है। यह उत्तर भारत के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है। इसे वर्ष 1955 में वन्यजीव अभयारण्य और 1980 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। यह पार्क विशेष रूप से अपनी समृद्ध जैव विविधता, ऐतिहासिक रणथंभौर किले और बंगाल टाइगर की आबादी हेतु प्रसिद्ध है।

3. (A) प्रवासी पक्षी
केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान, जिसे पहले भरतपुर पक्षी अभयारण्य के रूप में जाना जाता था, मुख्य रूप से प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। यह मानव निर्मित आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र सर्दियों के मौसम में मध्य एशिया, साइबेरिया और चीन से आने वाली सैकड़ों पक्षी प्रजातियों को शरण प्रदान करता है। इस पार्क को अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर आर्द्रभूमि और यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त है।

4. (C) यह गोडावण का मुख्य प्राकृतिक आवास होने के लिए प्रसिद्ध है।
सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के अलवर जिले में स्थित अरावली की पहाड़ियों का एक प्रमुख वन्यजीव क्षेत्र है। यह वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर का हिस्सा बना था। यहाँ बाघों के विलुप्त होने के बाद वर्ष 2008 में सफलतापूर्वक स्थानांतरण और पुनर्वास किया गया था। गोडावण पक्षी मुख्य रूप से जैसलमेर और बाड़मेर के मरु राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है, न कि सरिस्का के वनों में।

5. (A) जैसलमेर और बाड़मेर
मरु राष्ट्रीय उद्यान थार मरुस्थल की अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी को संरक्षित करने वाला राजस्थान का सबसे बड़ा अभयारण्य है। यह विशाल उद्यान जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में लगभग 3162 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसका मुख्य भाग जैसलमेर जिले में तथा शेष बाड़मेर में आता है। यह उद्यान संकटग्रस्त गोडावण और प्रागैतिहासिक लकड़ी के जीवाश्मों का एक अनूठा प्राकृतिक स्थल है।

6. (D) उड़न गिलहरी
प्रतापगढ़ जिले में स्थित सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य मुख्य रूप से अपनी अनूठी उड़न गिलहरी की प्रजाति के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह रात्रिचर जीव ऊँचे महुआ के पेड़ों पर निवास करता है और शाम के समय एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर छलांग लगाता हुआ उड़ता प्रतीत होता है। यह अभयारण्य चौसिंगा हिरण, औषधीय वनस्पतियों और सागौन के वनों के लिए भी जाना जाता है।

7. (B) काला हिरण
राजस्थान के चूरू जिले में स्थित ताल छापर अभयारण्य काले हिरणों की बहुत बड़ी और सुंदर आबादी के लिए प्रसिद्ध है। यह अभयारण्य एक समतल लवण युक्त घास का मैदान है जहाँ 'मोचिया' नामक विशेष सुपाच्य घास प्रचुर मात्रा में पाई जाती है, जो काले हिरणों का पसंदीदा भोजन है। इसके अलावा, सर्दियों में यह अनेक प्रवासी पक्षियों के लिए भी सुरक्षित स्थल बनता है।

8. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
भारत का संकटग्रस्त गोडावण मुख्य रूप से थार मरुस्थल के प्राकृतिक शुष्क घास के मैदानों में निवास करता है। राजस्थान का मरु राष्ट्रीय उद्यान इसके अस्तित्व के लिए आवश्यक अनुकूल जलवायु, विशाल खुला क्षेत्र और शुष्क सेवण घास का आवास प्रदान करता है। यही कारण है कि गोडावण की अधिकांश शेष आबादी मरु राष्ट्रीय उद्यान में केंद्रित है, जिससे दोनों बातें पूर्णतः सही सिद्ध होती हैं।

9. (D) उदयपुर
सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के प्रसिद्ध झीलों के शहर उदयपुर के अत्यंत समीप अरावली पर्वतमाला की पहाड़ियों में स्थित है। यह अभयारण्य उदयपुर शहर से मात्र कुछ किलोमीटर की दूरी पर बाँसधरा पहाड़ी पर फैला हुआ है। इस अभयारण्य के ऊपर ऐतिहासिक सज्जनगढ़ महल स्थित है, जिसे मानसून पैलेस भी कहा जाता है। यह अभयारण्य जैव विविधता और वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण माना जाता है।

10. (A) सोम, मानसी, वाकल
उदयपुर जिले में स्थित फुलवारी की नाल वन्यजीव अभयारण्य अरावली की घनी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच एक समृद्ध पारिस्थितिक क्षेत्र है। यह अभयारण्य सोम, मानसी और वाकल नदियों का प्रमुख जलग्रहण क्षेत्र है। इन पहाड़ी नदियों के बहने के कारण यहाँ का वन क्षेत्र वर्ष भर हरा-भरा रहता है, जो

NODIA

विविध वन्यजीवों, तेंदुए और दुर्लभ वनस्पतियों को पनपने हेतु अनुकूल प्राकृतिक वातावरण प्रदान करता है।

11. (B) ढेबर झील
उदयपुर जिले में स्थित जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य ऐतिहासिक ढेबर झील के आसपास के जलीय और मैदानी वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु स्थापित किया गया था। ढेबर झील को ही सामान्य भाषा में जयसमंद झील के नाम से जाना जाता है, जिसका निर्माण महाराणा जयसिंह ने करवाया था। यह अभयारण्य जलीय पक्षियों, मगरमच्छों तथा अरावली की पहाड़ियों में रहने वाले जीवों का प्राकृतिक आवास स्थल है।

12. (B) भारतीय भेड़िया
कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों में अरावली पर्वतमाला के विस्तृत भूभाग पर स्थित है। यह अभयारण्य विशेष रूप से संकटग्रस्त भारतीय भेड़िये की घटती संख्या को बचाने और उनके सफल प्रजनन हेतु पूरे भारत में जाना जाता है। यहाँ का पथरीला और झाड़ीदार भूगोल भेड़ियों के रहने और शिकार करने हेतु आदर्श प्राकृतिक परिस्थितियाँ निर्मित करता है, जिससे उनकी वृद्धि होती है।

13. (B) 2012
राजस्थान के कोटा और झालावाड़ क्षेत्र में स्थित मुकुंदरा हिल्स को वर्ष 2012 में राज्य का तीसरा राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। पूर्व में इसे दर्रा अभयारण्य के नाम से जाना जाता था, जिसमें अन्य क्षेत्रों को जोड़कर विस्तार दिया गया। इसके उपरांत वर्ष 2013 में इसे आधिकारिक रूप से टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया ताकि बाघों के संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

14. (D) I, II और III
राजस्थान राज्य में आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त तीन राष्ट्रीय उद्यान मौजूद हैं। पहला सवाई माधोपुर में स्थित रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान है, दूसरा भरतपुर में स्थित केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान है, और तीसरा कोटा-झालावाड़ क्षेत्र में स्थित मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान है। ये तीनों उद्यान कानूनी रूप से राष्ट्रीय उद्यान की श्रेणी में आते हैं और राज्य के अति महत्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र के उदाहरण हैं।

15. (D) साइबेरियन सारस
साइबेरियन सारस एक अत्यंत दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रवासी पक्षी है जो ऐतिहासिक रूप से रूस के बर्फीले साइबेरिया क्षेत्र से हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा तय करके भरतपुर के केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में शीतकालीन प्रवास हेतु आता था। भोजन और अनुकूल वातावरण की तलाश में आने वाला यह पक्षी इस पार्क का मुख्य आकर्षण हुआ करता था, यद्यपि अब इनकी संख्या घट गई है।

16. (C) राज्य पशु (वन्य जीव)
चिंकारा, जिसे भारतीय गज़ेल भी कहा जाता है, राजस्थान का आधिकारिक राज्य पशु (वन्य जीव श्रेणी) है। इसे वर्ष 1981 में राज्य पशु का दर्जा दिया गया था। यह एक छोटा और फुर्तीला मृग है जो थार मरुस्थल और शुष्क झाड़ीदार मैदानों में आसानी से जीवित रह सकता है। ऊंट को पालतू श्रेणी में दर्जा प्राप्त है, जबकि चिंकारा वन्य जीव श्रेणी में आता है।

17. (C) 29
राजस्थान का बिश्नोई समाज अपने जीवन को प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण हेतु समर्पित करने के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। 'बिश्नोई' नाम की उत्पत्ति मारवाड़ी भाषा के दो शब्दों 'बीस' और 'नौ' से हुई है, जिसका अर्थ 29 होता है। यह समुदाय 29 धार्मिक और नैतिक सिद्धांतों का कड़ाई से पालन करता है, जिन्हें संत गुरु जंभेश्वर जी ने प्रतिपादित किया था।

18. (A) P-3, Q-4, R-2, S-1
बंध बरेठा अभयारण्य भरतपुर जिले में स्थित पक्षियों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र है। टॉडगढ़ रावली अभयारण्य अजमेर, पाली और राजसमंद जिलों की सीमाओं पर स्थित है। बस्सी वन्यजीव अभयारण्य चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित है जहाँ विभिन्न जीव पाए जाते हैं। रामगढ़ विषधारी अभयारण्य बूंदी जिले में स्थित है जिसे राज्य के चौथे टाइगर रिजर्व के रूप में विकसित किया गया है।

19. (A) अमृता देवी
वर्ष 1730 में जोधपुर के खेजड़ली गाँव में हुआ ऐतिहासिक खेजड़ली आंदोलन प्रकृति रक्षा का एक अनुपम उदाहरण है। इस महान आंदोलन का नेतृत्व अमृता देवी बिश्नोई ने किया था। जब राजा के सैनिकों ने खेजड़ी के पेड़ों को काटना शुरू किया, तब अमृता देवी के नेतृत्व में 363 लोगों ने पेड़ों से चिपककर पर्यावरण रक्षा हेतु अपना स्वैच्छिक बलिदान दे दिया था।

20. (C) रणथंभौर
केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 1973 में शुरू किए गए राष्ट्रीय प्रोजेक्ट टाइगर कार्यक्रम के तहत शामिल होने वाला राजस्थान का पहला क्षेत्र रणथंभौर था। वर्ष 1973-74 में इसे पहला टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। इसके बाद सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स, रामगढ़ विषधारी और धौलपुर-करौली को राज्य के अगले बाघ अभयारण्य के रूप में विकसित किया गया। यह पार्क बाघों के संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाता है।

21. (A) रामदेवरा (जैसलमेर)
राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित रामदेवरा क्षेत्र में गंभीर रूप से संकटग्रस्त गोडावण पक्षी की प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिए कृत्रिम हैचिंग और कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर स्थापित किया गया है। इस विशेष संरक्षण केंद्र का मुख्य उद्देश्य गोडावण के अंडों को एकत्र कर सेया जाना, चूजों का पालन-पोषण करना और संख्या बढ़ाकर उन्हें वापस उनके प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षित मुक्त करना है।

22. (D) मछली
रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान की प्रसिद्ध बाघिन 'मछली' (जिसे टी-16 के नाम से भी जाना जाता है) को 'रणथंभौर की रानी' और 'लेडी ऑफ द लेक्स' कहा जाता था। वह दुनिया में सबसे अधिक तस्वीरें ली जाने वाली बाघिन मानी जाती थी। उसने रणथंभौर में बाघों की आबादी बढ़ाने में अमूल्य योगदान दिया था।

Click Here to Buy book on Flipkart

लगभग 19 वर्ष की दीर्घायु तक वह पर्यटकों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय रही।

23. (B) 9.6%
भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट और राजस्थान वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 9.6% भाग अभिलेखित वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। राज्य का अधिकांश क्षेत्र थार मरुस्थल के अंतर्गत होने और कम वर्षा होने के कारण यहाँ घना वन आवरण बहुत सीमित है। इन वनों को आरक्षित, रक्षित और अवर्गीकृत श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

24. (C) प्राकृतिक वन्यजीव प्रवास को सुगम बनाना
रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के बीच वन्यजीव गलियारे के निर्माण का मुख्य उद्देश्य बाघों तथा अन्य वन्यजीवों के निर्बाध और प्राकृतिक प्रवास को सुगम बनाना है। यह सुरक्षित गलियारा बाघों को एक जंगल से दूसरे में आने-जाने की सुविधा देता है, जिससे आनुवंशिक विविधता बनी रहती है, अंतःप्रजनन का खतरा घटता है और बाघों का फैलाव संभव हो पाता है।

25. (A) रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स, रामगढ़ विषधारी
राजस्थान में टाइगर रिजर्व की स्थापना का सही कालानुक्रमिक क्रम रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी है। रणथंभौर को वर्ष 1973-74 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत शामिल किया गया था। इसके पश्चात् सरिस्का को 1978-79 में दर्जा मिला। मुकुंदरा हिल्स को वर्ष 2013 में और रामगढ़ विषधारी को वर्ष 2022 में राज्य के चौथे टाइगर रिजर्व के रूप में आधिकारिक मान्यता प्राप्त हुई थी।

26. (B) 1985
केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1985 में यूनेस्को द्वारा प्राकृतिक श्रेणी के अंतर्गत विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। भरतपुर में स्थित यह उद्यान असाधारण जैव विविधता और लाखों प्रवासी जलपक्षियों के अद्वितीय शीतकालीन आवास के कारण विश्व प्रसिद्ध है। इससे पूर्व वर्ष 1981 में इसे रामसर कन्वेंशन के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि सूची में भी शामिल किया गया था, जो अत्यंत महत्वपूर्ण कदम था।

27. (B) राज्य पक्षी
गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) राजस्थान का आधिकारिक राज्य पक्षी है। इसे वर्ष 1981 में राज्य पक्षी का दर्जा प्रदान किया गया था। यह भारी शरीर वाला पक्षी मरुस्थलीय शुष्क घास के मैदानों में निवास करता है। इसे स्थानीय भाषा में 'सोहन चिड़िया' या 'हुकना' भी कहा जाता है। शिकार और आवास के विनाश के कारण इसकी कुल संख्या में भारी कमी दर्ज की गई है।

28. (B) नीलगाय (रोजड़ा)
राजस्थान में मानव-वन्यजीव संघर्ष और कृषि क्षति के संदर्भ में, नीलगाय (जिसे स्थानीय रूप से रोजड़ा भी कहा जाता है) कृषि फसलों को भारी नुकसान पहुँचाने वाला सबसे प्रमुख वन्यजीव है। नीलगाय के झुंड खेतों में घुसकर सरसों, गेहूँ और अन्य खड़ी फसलों को खा जाते हैं तथा रौंदकर नष्ट कर देते हैं। सरकार इस समस्या से निपटने हेतु सुरक्षात्मक उपाय लागू करती है।

29. (A) इसमें एक बड़ा उथला आर्द्रभूमि और दलदली पारिस्थितिकी तंत्र है।
केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान का उथला आर्द्रभूमि और दलदली पारिस्थितिकी तंत्र इसे शीतकालीन प्रवासी पक्षियों के लिए एक आदर्श आवास बनाता है। इस विस्तृत जलीय क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के जलीय पौधे, मछलियाँ और कीट प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह वातावरण साइबेरिया तथा मध्य एशिया से आने वाले हजारों प्रवासी जलपक्षियों को भोजन, सुरक्षा और अनुकूल आश्रय प्रदान करता है।

30. (C) स्थानांतरित बाघों का सफलतापूर्वक पुनर्वास किया गया
वर्ष 2008 में राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की जब यह स्थानांतरित बाघों का सफलतापूर्वक पुनर्वास करने वाला विश्व का पहला अभयारण्य बना। वर्ष 2005 में शिकार के कारण सरिस्का में बाघ विलुप्त हो गए थे। इसके बाद रणथंभौर से बाघों को एयरलिफ्ट करके सरिस्का लाया गया तथा रेडियो कॉलर से निगरानी रखकर उनका सफल पुनर्वास सुनिश्चित किया गया।

31. (D) रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान
मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में बाघों की आबादी को पुनः स्थापित और समृद्ध करने के लिए स्थानांतरित किए गए बाघ मुख्य रूप से रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान से लाए गए थे। रणथंभौर में बाघों की बढ़ती जनसंख्या के कारण क्षेत्रीय संघर्ष रोकने और नए स्थान पर बाघों का आवास विकसित करने हेतु वन विभाग द्वारा यह सफल स्थानांतरण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया था।

32. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
भरतपुर स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1981 में रामसर संधि के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि के रूप में शामिल किया गया था। यह आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र सर्दियों में दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले हजारों जलपक्षियों को भोजन और आवास प्रदान करता है। इसलिए इसका रामसर स्थल होना और प्रवासी पक्षियों का समर्थन करना दोनों बातें पूर्णतः सही एवं स्पष्ट हैं।

33. (B) अजान बांध
केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान की उथली आर्द्रभूमि और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने हेतु जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत अजान बांध है। यह बांध बाणगंगा और गंभीरी नदियों के जल पर निर्मित है। मॉनसून के समय इस बांध से नहरों के माध्यम से पानी केवलादेव पार्क की झीलों में पहुँचाया जाता है, जो प्रवासी पक्षियों हेतु आवश्यक जलीय पर्यावरण निरंतर बनाए रखता है।

Downloaded from www.pdf.tube

द्वारा व्यापक रूप से किस पारंपरिक विधि का उपयोग किया जाता था?
(A) हवाई ड्रोन सर्वेक्षण
(B) पगमार्क ट्रेसिंग (पदचिह्न गणना)
(C) ध्वनि निगरानी
(D) प्रत्येक बाघ को रेडियो कॉलर पहनाना

60. मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान के रूप में उन्नत और पुनर्नामित होने से पहले, यह संरक्षित क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से किस नाम से जाना जाता था?
(A) जवाहर सागर अभयारण्य
(B) दर्रा अभयारण्य
(C) राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य
(D) टॉडगढ़ रावली अभयारण्य

61. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:
सूची I: वन्यजीव/वृक्ष
P. खेजड़ी
Q. गोडावण
R. काला हिरण
S. चिंकारा
सूची II: वैज्ञानिक नाम
1. गज़ेला बेनेटी (Gazella bennettii)
2. एंटीलोप सर्विकाप्रा (Antilope cervicapra)
3. प्रोसोपिस सिनेरेरिया (Prosopis cineraria)
4. आर्डियोटिस नाइग्रिसेप्स (Ardeotis nigriceps)
(A) P-3, Q-4, R-2, S-1
(B) P-4, Q-3, R-1, S-2
(C) P-3, Q-1, R-4, S-2
(D) P-2, Q-4, R-3, S-1

62. केवलादेव घना को आधिकारिक तौर पर किस वर्ष राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था?
(A) 1971
(B) 1981
(C) 1991
(D) 2001

63. राजस्थान वन विभाग के अनुसार, वनों को आरक्षित, रक्षित (संरक्षित) और अवर्गीकृत श्रेणियों में विभाजित किया गया है। कौन-सी श्रेणी राज्य में वन क्षेत्र के सबसे बड़े प्रतिशत को कवर करती है?
(A) आरक्षित वन
(B) अवर्गीकृत वन
(C) निजी वन
(D) रक्षित/संरक्षित वन

64. माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य, जो राजस्थान का एकमात्र पर्वतीय स्थल अभयारण्य है, विशेष रूप से किस पक्षी की उपस्थिति के लिए प्रसिद्ध है?
(A) साइबेरियन सारस
(B) गोडावण
(C) ग्रीन मुनिया (हरा मुनिया)
(D) मोर

65. कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य किस जिला समूह में अरावली पर्वतमाला पर फैला हुआ है?
(A) जयपुर, दौसा, अलवर
(B) राजसमंद, उदयपुर, पाली
(C) जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर
(D) कोटा, बूंदी, बारां

66. अमृता देवी बिश्नोई स्मृति पुरस्कार राजस्थान सरकार द्वारा किस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है?
(A) ग्रामीण महिला सशक्तिकरण पहलों को बढ़ावा देना
(B) सतत मरुस्थलीय कृषि का विकास
(C) पारंपरिक राजस्थानी लोक कलाओं का संरक्षण
(D) वन एवं वन्यजीव संरक्षण

67. कौन-सी भौगोलिक विशेषता रणथंभौर को कैला देवी अभयारण्य और उससे आगे जोड़ने वाला एक प्राकृतिक भौगोलिक गलियारा बनाती है?
(A) विंध्य श्रृंखलाएं और चंबल के खड्ड (बीहड़)
(B) थार मरुस्थल का विशाल बालुका स्तूप क्षेत्र
(C) अरावली श्रृंखला की उच्चतम ऊँचाई वाली कटकें
(D) लूनी नदी बेसिन के विस्तृत जलोढ़ मैदान

68. निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि वन्यजीवों को देखने के लिए राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यानों के भीतर अनुमति प्राप्त एक विनियमित पर्यटक गतिविधि है?
(A) ट्रॉफी हंटिंग (शिकार)
(B) लकड़ी की कटाई
(C) जीप सफारी
(D) रात्रि के समय ऑफ-रोडिंग

69. मरु राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है। इसका कुल अनुमानित क्षेत्रफल कितना है?
(A) 1,500 वर्ग किमी
(B) 3,162 वर्ग किमी
(C) 5,050 वर्ग किमी
(D) 7,200 वर्ग किमी

70. IUCN रेड लिस्ट के अनुसार गोडावण की वर्तमान वैश्विक संरक्षण स्थिति क्या है?
(A) संकटमुक्त
(B) संवेदनशील
(C) गंभीर रूप से संकटग्रस्त
(D) वनों से विलुप्त

NODIA

मरु राष्ट्रीय उद्यान है। मध्य भाग में सवाई माधोपुर का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान स्थित है। अंत में, सबसे दक्षिण में प्रतापगढ़ का सीतामाता अभयारण्य स्थित है, जो इस भौगोलिक क्रम को पूरी तरह सही सिद्ध करता है।

46. (C) भगवान शिव
केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान का नाम पार्क परिसर के भीतर स्थित एक अति प्राचीन मंदिर के नाम पर पड़ा है। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा 'केवलादेव' के रूप में की जाती है। मंदिर के चारों ओर घने वन और आर्द्रभूमि का विस्तार होने के कारण इसे 'केवलादेव घना' नाम दिया गया, जो आज विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रसिद्ध है।

47. (D) अलवर
सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान ऐतिहासिक रूप से अलवर रियासत के तत्कालीन महाराजाओं का निजी शिकारगाह हुआ करता था। स्वतंत्रता के पश्चात् इस वन क्षेत्र को संरक्षित घोषित किया गया और वर्ष 1955 में इसे अभयारण्य बनाया गया। इसके बाद वर्ष 1978 में इसे प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल किया गया ताकि यहाँ बाघों और अन्य जीवों को पूर्ण सुरक्षा और संरक्षण प्रदान किया जा सके।

48. (C) प्रतापगढ़
सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य मुख्य रूप से राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में स्थित है, जबकि इसका कुछ भाग चित्तौड़गढ़ में फैला है। मालवा के पठार और अरावली के संगम पर स्थित यह अभयारण्य घने सागौन वनों, जड़ी-बूटियों और उड़न गिलहरी हेतु प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त यह क्षेत्र चौसिंगा हिरण का प्रमुख आवास है तथा माता सीता की पावन स्मृतियों से जुड़ा माना जाता है।

49. (B) मरु राष्ट्रीय उद्यान
यद्यपि राजस्थान में वर्तमान में कोई यूनेस्को द्वारा नामित बायोस्फीयर रिजर्व नहीं है, फिर भी मरु राष्ट्रीय उद्यान को इसकी अनूठी शुष्क मरुस्थलीय जैव विविधता के कारण बायोस्फीयर रिजर्व के दर्जे हेतु प्रस्तावित किया जाता है। जैसलमेर और बाड़मेर में फैले इस विशाल क्षेत्र में थार मरुस्थल के विशेष जीव-जंतु, वनस्पति और प्रागैतिहासिक जीवाश्म प्रकृति प्रेमियों हेतु अत्यंत सुरक्षित रूप से मौजूद हैं।

50. (D) गुरु जंभेश्वर
15वीं शताब्दी के महान संत गुरु जंभेश्वर जी की शिक्षाएं बिश्नोई समाज की वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण की परंपराओं का मूल आधार बनीं। संत जांभोजी ने अपने अनुयायियों हेतु 29 नियम निर्धारित किए थे, जिनमें हरे वृक्षों की रक्षा करना तथा काले हिरणों सहित सभी वन्यजीवों को अभय दान देना और सुरक्षा करना सर्वोपरि धार्मिक कर्तव्य के रूप में घोषित किया गया था।

51. (A) केवल I और II
राजस्थान सरकार द्वारा राज्य प्रतीकों के अंतर्गत चिंकारा को राज्य पशु (वन्य जीव श्रेणी) और गोडावण को राज्य पक्षी का आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया है। ये दोनों घोषणाएं वर्ष 1981 में की गई थीं। बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है, न कि राजस्थान का राज्य पशु। राज्य के पालतू पशु श्रेणी में ऊंट को दर्जा प्राप्त है, अतः दोनों कथन सही हैं।

52. (C) महाराजा अभय सिंह
सितम्बर 1730 में हुआ प्रसिद्ध खेजड़ली नरसंहार मारवाड़ (जोधपुर) के महाराजा अभय सिंह के शासनकाल में घटित हुआ था। महाराजा अभय सिंह को नए महल निर्माण हेतु चूना पकाने के लिए लकड़ी की आवश्यकता थी। उनके हाकिम ने खेजड़ली गाँव में सैनिकों को भेजकर खेजड़ी के वृक्ष कटवाने का प्रयास किया था, जिसके विरोध में 363 बिश्नोईयों ने अमर बलिदान दिया था।

53. (C) 2021
राजस्थान में वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने और स्थानीय समुदायों को रोजगार प्रदान करने हेतु 'राजस्थान इको-टूरिज्म नीति' वर्ष 2021 में लागू की गई थी। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य के राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों और वन क्षेत्रों में सतत पर्यटन को बढ़ावा देना तथा पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना गतिविधियों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना है।

54. (D) नाहरगढ़ जैविक उद्यान
जयपुर जिले में स्थित नाहरगढ़ जैविक उद्यान में भारतीय भेड़ियों के संरक्षण और उनकी घटती संख्या में वृद्धि हेतु एक अत्यधिक सफल कैप्टिव ब्रीडिंग सेंटर स्थापित किया गया है। अरावली की पहाड़ियों में स्थित इस अत्याधुनिक जैविक उद्यान में वैज्ञानिक देखरेख और अनुकूल परिस्थितियों के कारण भेड़ियों का सफल प्रजनन हुआ है, जो वन्यजीव संरक्षण की एक अत्यंत बड़ी उपलब्धि है।

55. (A) 1953
राजस्थान राज्य वन अधिनियम मूल रूप से वर्ष 1953 में लागू किया गया था। यह अधिनियम राजस्थान में वन प्रशासन, वन भूमि के वर्गीकरण (आरक्षित, रक्षित और अवर्गीकृत वन), वन उपज के परिवहन के नियमन और वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु कानूनी ढांचा प्रदान करता है। इस अधिनियम के लागू होने से राज्य में वनों को बेहतर कानूनी सुरक्षा प्राप्त हुई थी।

56. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान का बिश्नोई समाज पारंपरिक रूप से काले हिरणों और अन्य वन्यजीवों के रक्षक के रूप में जाना जाता है। इस समुदाय के लोग काले हिरण को अत्यंत पवित्र मानते हैं और उनकी रक्षा करते हैं। इसका मुख्य कारण गुरु जंभेश्वर द्वारा दिए गए धार्मिक नियम हैं, जो जानवरों के शिकार और हरे पेड़ों की कटाई पर रोक लगाते हैं, अतः दोनों कथन सही हैं।

57. (D) कुरंजा (डेमोइसेल क्रेन)
जोधपुर जिले का खिंचन गाँव प्रवासी पक्षी 'कुरंजा' (डेमोइसेल क्रेन) के शीतकालीन प्रवास के लिए संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है।

Click Here to Buy book on Amazon

प्रतिवर्ष सर्दियों में यूरेशिया और चीन से हजारों की संख्या में कुरंजा पक्षी उड़कर खिंचन गाँव आते हैं। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा उनके लिए दाना-पानी की विशेष व्यवस्था की जाती है, जो मानव-पक्षी प्रेम और सहअस्तित्व का एक अत्यंत सुंदर और अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता है।

58. (A) वन सुरक्षा में स्थानीय समुदायों को शामिल करना
राजस्थान में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम के तहत गठित ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों का मुख्य उद्देश्य वनों के संरक्षण और सुरक्षा में स्थानीय समुदायों को शामिल करना है। इस नीति के तहत वन विभाग और गाँववासी मिलकर वनों की अवैध कटाई और अतिक्रमण से रक्षा करते हैं। इसके बदले ग्रामीणों को सूखी लकड़ी व घास प्राप्त करने का अधिकार मिलता है।

59. (B) पगमार्क ट्रेसिंग (पदचिह्न गणना)
आधुनिक कैमरा ट्रैपिंग तकनीक के प्रचलन से पूर्व, राजस्थान वन विभाग द्वारा बाघों की आबादी का अनुमान लगाने हेतु 'पगमार्क ट्रेसिंग' (पदचिह्न गणना) विधि का व्यापक उपयोग किया जाता था। इस पारंपरिक विधि में जल स्रोतों के पास मिट्टी पर बाघों के पंजों के निशान की छाप लेकर और उनकी विशेषताओं का अध्ययन करके उनकी कुल संख्या का आकलन किया जाता था।

60. (B) दर्रा अभयारण्य
कोटा और झालावाड़ क्षेत्र में स्थित मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान को पूर्व में ऐतिहासिक रूप से 'दर्रा अभयारण्य' के नाम से जाना जाता था। वर्ष 2003 में इसे मुकुंदरा हिल्स का नाम दिया गया, जिसमें दर्रा अभयारण्य, जवाहर सागर और चंबल अभयारण्य के हिस्सों को मिलाया गया था। इस उद्यान का नाम मुकुंदरा की पहाड़ियों के नाम पर आधिकारिक रूप से रखा गया है।

61. (A) P-3, Q-4, R-2, S-1
राजस्थान के महत्वपूर्ण जीवों और वनस्पतियों के वैज्ञानिक नाम विशिष्ट हैं। खेजड़ी का वैज्ञानिक नाम प्रोसोपिस सिनेरेरिया है। गोडावण का वैज्ञानिक नाम आर्डियोटिस नाइग्रिसेप्स है। काले हिरण का वैज्ञानिक नाम एंटीलोप सर्विकाप्रा है और चिंकारा का वैज्ञानिक नाम गज़ेला बेनेटी है। ये सभी राजस्थान के समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता के अत्यंत महत्वपूर्ण और अनूठे अंग माने जाते हैं।

62. (B) 1981
भरतपुर स्थित केवलादेव घना पक्षी अभयारण्य को वर्ष 1981 में आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। इससे पूर्व वर्ष 1956 में इसे पक्षी अभयारण्य बनाया गया था। वर्ष 1981 में ही इसे रामसर आर्द्रभूमि सूची में शामिल किया गया था और बाद में वर्ष 1985 में इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में गौरवशाली स्थान प्राप्त हुआ था।

63. (D) रक्षित/संरक्षित वन
राजस्थान वन विभाग के प्रशासनिक वर्गीकरण के अनुसार, राज्य के कुल अभिलेखित वन क्षेत्र में 'रक्षित वन' (संरक्षित वन) की श्रेणी सबसे बड़े प्रतिशत भाग को कवर करती है। रक्षित वनों का हिस्सा कुल वन क्षेत्र का लगभग 56% से अधिक है। इस श्रेणी के वनों में ग्रामीणों को पशु चराने और लकड़ियाँ बीनने की सीमित छूट नियमबद्ध तरीके से दी जाती है।

64. (C) ग्रीन मुनिया (हरा मुनिया)
सिरोही जिले में स्थित माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान का एकमात्र पर्वतीय स्थल अभयारण्य है। यह अभयारण्य विशेष रूप से सुंदर और दुर्लभ पक्षी 'ग्रीन मुनिया' की उपस्थिति हेतु पूरे देश में प्रसिद्ध है। अरावली की ऊँची चोटियों पर स्थित होने के कारण यहाँ सदाबहार वन पाए जाते हैं, जो ग्रीन मुनिया और दुर्लभ वनस्पतियों को अनुकूल एवं सुरक्षित प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं।

65. (B) राजसमंद, उदयपुर, पाली
कुंभलगढ़ वन्यजीव अभयारण्य दक्षिणी राजस्थान में अरावली की पर्वतमालाओं पर तीन प्रमुख जिलों- राजसमंद, उदयपुर और पाली की सीमाओं में फैला हुआ है। लगभग 600 वर्ग किलोमीटर में फैले इस अभयारण्य में ऐतिहासिक कुंभलगढ़ दुर्ग स्थित है। यह अभयारण्य तेंदुए, सांभर और विशेष रूप से भारतीय भेड़िये के प्राकृतिक आवास और संरक्षण केंद्र के रूप में अपनी विशिष्ट भौगोलिक पहचान एवं महत्व रखता है।

66. (D) वन एवं वन्यजीव संरक्षण
राजस्थान सरकार के वन विभाग द्वारा 'अमृता देवी बिश्नोई स्मृति पुरस्कार' वन, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों तथा संस्थाओं को दिया जाता है। यह राज्य स्तरीय पुरस्कार वर्ष 1730 के खेजड़ली बलिदान की अमर शहीद अमृता देवी की स्मृति में स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य लोगों को वन्यजीव संरक्षण हेतु निरंतर प्रेरित करना है।

67. (A) विंध्य श्रृंखलाएं और चंबल के खड्ड (बीहड़)
विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं और चंबल नदी के बीहड़ों का भूभाग रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान को कैला देवी अभयारण्य से जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण और प्राकृतिक गलियारे का निर्माण करता है। यह क्षेत्र बाघों और अन्य जीवों को रणथंभौर से निकलकर कैला देवी के वनों तक सुरक्षित आवाजाही और नए क्षेत्रों में प्राकृतिक फैलाव की अत्यंत बेहतरीन सुविधा प्रदान करता है।

68. (C) जीप सफारी
राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में निर्धारित इको-पर्यटन दिशा-निर्देशों के तहत जीप सफारी एक अधिकृत और विनियमित पर्यटक गतिविधि है। पर्यटक वन विभाग द्वारा स्वीकृत मार्गों पर खुली जीपों में अनुभवी गाइडों के साथ जाकर प्राकृतिक माहौल में बाघों और अन्य वन्यजीवों को सुरक्षित रूप से देख सकते हैं। अन्य हानिकारक गतिविधियाँ उद्यानों के भीतर पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं।

69. (B) 3,162 वर्ग किमी
मरु राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संरक्षित अभयारण्य है। इसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल

NODIA

लगभग 3,162 वर्ग किलोमीटर है। यह विशाल उद्यान राजस्थान के दो जिलों- जैसलमेर और बाड़मेर में विस्तृत है। यह विशाल शुष्क क्षेत्र थार मरुस्थल की अनूठी जैव विविधता, सेवण घास के मैदानों और गोडावण के संरक्षण हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

70. (C) गंभीर रूप से संकटग्रस्त
प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ की रेड लिस्ट के अनुसार गोडावण को 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। यह किसी भी जीव की विलुप्त होने से ठीक पहले की उच्चतम खतरे की स्थिति है। बिजली की तारों से टकराव, शिकार और आवास के नुकसान के कारण इनकी कुल आबादी घटकर 150 से भी कम रह गई है।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 18
राजस्थान की जनसंख्या एवं जनजातियाँ

1. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की कुल जनसंख्या लगभग कितनी है?
(A) 6.85 करोड़
(B) 5.65 करोड़
(C) 7.20 करोड़
(D) 8.15 करोड़

2. 2001-2011 की अवधि के दौरान राजस्थान की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर कितनी थी?
(A) 17.7%
(B) 24.4%
(C) 21.3%
(D) 28.4%

3. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के किस जिले में सर्वाधिक कुल जनसंख्या दर्ज की गई?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) उदयपुर
(D) अलवर

4. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के किस जिले की कुल जनसंख्या सबसे कम है?
(A) प्रतापगढ़
(B) सिरोही
(C) बूंदी
(D) जैसलमेर

5. राजस्थान के किस जिले में न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001-2011) दर्ज की गई?
(A) झुंझुनूं
(B) गंगानगर
(C) पाली
(D) बीकानेर

6. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का औसत जनसंख्या घनत्व कितना है?
(A) 165 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(B) 214 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(C) 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(D) 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

7. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व किस जिले का है?
(A) भरतपुर
(B) दौसा
(C) अलवर
(D) जयपुर

8. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के किस जिले का जनसंख्या घनत्व सबसे कम है?
(A) जैसलमेर
(B) बीकानेर
(C) बाड़मेर
(D) चूरू

9. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किन दो जिलों में जनसंख्या घनत्व 500 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से अधिक दर्ज किया गया?
(A) जयपुर और अलवर
(B) जयपुर और भरतपुर
(C) जयपुर और दौसा
(D) भरतपुर और धौलपुर

10. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की जनसंख्या के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ग्रामीण जनसंख्या कुल जनसंख्या का 75% से अधिक है।
II. राज्य की दशकीय वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है।
III. राज्य की कुल साक्षरता दर 75% से अधिक है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

11. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल साक्षरता दर कितनी है?
(A) 66.1%
(B) 60.4%
(C) 74.0%
(D) 79.2%

12. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में पुरुष साक्षरता दर कितनी है?

NODIA

(A) 66.1%
(B) 70.5%
(C) 79.2%
(D) 82.1%

13. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में महिला साक्षरता दर कितनी है?
(A) 48.3%
(B) 56.4%
(C) 61.2%
(D) 52.1%

14. राजस्थान के किस जिले की कुल साक्षरता दर सर्वाधिक है?
(A) जयपुर
(B) झुंझुनूं
(C) कोटा
(D) सीकर

15. निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): राजस्थान में महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है।
कारण (R): पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं, ग्रामीण निर्धनता और बाल विवाह ने ऐतिहासिक रूप से राज्य में महिला शिक्षा को बाधित किया है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

16. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में न्यूनतम महिला साक्षरता दर किस जिले की है?
(A) प्रतापगढ़
(B) बांसवाड़ा
(C) सिरोही
(D) जालोर

17. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का कुल लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) कितना है?
(A) 928
(B) 912
(C) 933
(D) 943

18. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष) कितना है?
(A) 909
(B) 914
(C) 888
(D) 928

19. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के किस जिले का लिंगानुपात सर्वाधिक है?
(A) डूंगरपुर
(B) राजसमंद
(C) पाली
(D) प्रतापगढ़

20. राजस्थान के जनसांख्यिकीय संकेतकों और आंकड़ों (जनगणना 2011) के संबंध में सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: जनसांख्यिकीय संकेतक
P. कुल लिंगानुपात
Q. बाल लिंगानुपात
R. जनसंख्या घनत्व
S. कुल साक्षरता दर
सूची II: आंकड़े
1. 200
2. 66.1%
3. 928
4. 888
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-3, R-1, S-2
(C) P-3, Q-4, R-2, S-1
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

21. 2011 की जनगणना में राजस्थान के किस जिले में सबसे कम लिंगानुपात दर्ज किया गया?
(A) जैसलमेर
(B) धौलपुर
(C) भरतपुर
(D) करौली

22. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है?
(A) 68.8%
(B) 71.5%
(C) 75.1%
(D) 78.3%

23. राजस्थान के किस जिले में प्रतिशत की दृष्टि से सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या है?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) अजमेर
(D) कोटा

24. 'जनसांख्यिकीय लाभांश' की अवधारणा मुख्य रूप से जनसंख्या के किस आयु वर्ग की वृद्धि पर निर्भर करती है?
(A) 15-59 वर्ष

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) 6.85 करोड़
वर्ष 2011 की राष्ट्रीय जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या लगभग 6.85 करोड़ दर्ज की गई थी। यह संपूर्ण भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 5.66 प्रतिशत हिस्सा प्रस्तुत करती है। जनसांख्यिकीय आकार के दृष्टिकोण से उस समय राजस्थान देश का आठवां सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य था। वर्ष 2014 में तेलंगाना के गठन के उपरांत यह सातवें स्थान पर आ गया। राज्य में जनसंख्या का वितरण भौगोलिक विविधता के कारण अत्यधिक असमान पाया जाता है।

2. (C) 21.3%
राजस्थान में वर्ष 2001 से 2011 के दशक के दौरान कुल जनसंख्या वृद्धि दर 21.3 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह वृद्धि दर पूर्ववर्ती दशक 1991-2001 की 28.41 प्रतिशत की तुलना में पर्याप्त गिरावट प्रदर्शित करती है। इसके बावजूद यह राष्ट्रीय औसत दशकीय वृद्धि दर 17.7 प्रतिशत से काफी अधिक रही। इस अवधि में बाड़मेर जिले ने सर्वाधिक 32.5 प्रतिशत की दशकीय वृद्धि दर दर्ज की, जबकि गंगानगर जिले में सबसे कम 10.0 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी।

3. (A) जयपुर
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जयपुर राजस्थान का सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला है, जिसकी कुल आबादी लगभग 66.26 लाख दर्ज की गई थी। इसके पश्चात जोधपुर द्वितीय स्थान पर तथा अलवर तृतीय स्थान पर स्थित हैं। जयपुर राज्य की राजधानी होने के साथ-साथ एक प्रमुख प्रशासनिक, औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्र है। आर्थिक अवसरों, बेहतर अवसंरचनात्मक सुविधाओं और सामाजिक सेवाओं की उपलब्धता के कारण यहां निरंतर जनसंख्या संकेंद्रण और तीव्र प्रवासन देखा जाता रहा है।

4. (D) जैसलमेर
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जैसलमेर राजस्थान का सबसे कम कुल जनसंख्या वाला जिला है, जहां की आबादी मात्र 6.69 लाख दर्ज की गई थी। जैसलमेर के पश्चात प्रतापगढ़ और सिरोही न्यूनतम जनसंख्या वाले जिलों में सम्मिलित हैं। थार मरुस्थल के विशाल विस्तार, प्रतिकूल जलवायु संबंधी परिस्थितियों, जल संसाधनों की कमी तथा कठिन भौगोलिक जीवन स्थितियों के कारण यहां जनघनत्व और कुल जनसंख्या दोनों ही अत्यंत निम्न स्तर पर बने हुए हैं।

5. (B) गंगानगर
वर्ष 2001 से 2011 के दशक में राजस्थान के गंगानगर जिले में सबसे कम 10.0 प्रतिशत की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर दर्ज की गई। गंगानगर के उपरांत झुंझुनूं में 11.7 प्रतिशत और पाली में 11.9 प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर रही। गंगानगर में इंदिरा गांधी नहर परियोजना द्वारा विकसित कृषि प्रणाली, उच्च साक्षरता स्तर और पारिवारिक नियोजन संबंधी जागरूकता के फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धि की दर नियंत्रित रही, जो राज्य के औसत 21.3 प्रतिशत से काफी कम है।

NODIA

6. (C) 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का औसत जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर दर्ज किया गया था। यह वर्ष 2001 की जनगणना में दर्ज 165 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के जनघनत्व से 35 अंकों की वृद्धि प्रदर्शित करता है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में भौगोलिक विषमताओं के कारण जनसंख्या घनत्व में व्यापक भिन्नता पाई जाती है। पूर्वी मैदानी भागों में जनघनत्व अत्यधिक उच्च है, जबकि पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों में यह अपेक्षाकृत बहुत कम दर्ज किया गया है।

7. (D) जयपुर
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जयपुर जिला राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला है, जहां 595 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर का जनघनत्व दर्ज किया गया। इसके पश्चात भरतपुर 503 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के साथ दूसरे स्थान पर तथा दौसा 476 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के साथ तीसरे स्थान पर स्थित हैं। जयपुर की समतल कृषि भूमि, विकसित औद्योगिक आधार, परिवहन तंत्र तथा राजधानी आधारित रोजगार अवसरों के कारण यहां जनसंख्या का सघन जमाव देखने को मिलता है।

8. (A) जैसलमेर
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जैसलमेर जिला राजस्थान में सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला जिला है, जहां मात्र 17 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर का जनघनत्व दर्ज किया गया। जैसलमेर के पश्चात बीकानेर 78 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर और बाड़मेर 92 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर के साथ न्यूनतम जनघनत्व वाले जिले हैं। विशाल मरुस्थलीय भू-भाग, कठिन जीवन परिस्थितियों, सीमित जल आपूर्ति और कम आर्थिक गतिविधियों के कारण इन पश्चिमी सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या का विरल प्रसार पाया जाता है।

9. (B) जयपुर और भरतपुर
वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में केवल दो जिलों जयपुर और भरतपुर का जनसंख्या घनत्व 500 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर की सीमा से अधिक दर्ज हुआ। जयपुर जिले का जनघनत्व 595 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तथा भरतपुर जिले का जनघनत्व 503 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर रहा। ये दोनों जिले राज्य के पूर्वी मैदानी क्षेत्र में

(C) तीर
(D) धनुष

37. भील जनजाति की पारंपरिक संस्कृति में, उनके घर को स्थानीय भाषा में क्या कहा जाता है?
(A) झुंपा
(B) टापरा
(C) हवेली
(D) छतरी

38. भील गांव के मुखिया को किस नाम से जाना जाता है?
(A) पटेल
(B) कोतवाल
(C) गमेती
(D) मुखी

39. किस प्रसिद्ध मेले को "आदिवासियों का कुंभ" माना जाता है, जो भील जनजाति के लिए अत्यधिक महत्व रखता है?
(A) पुष्कर मेला
(B) सीताबाड़ी मेला
(C) रामदेवरा मेला
(D) बेणेश्वर मेला

40. राजस्थान में जनजातियों और उनके संकेंद्रण के मुख्य जिलों के संबंध में सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: जनजाति
P. सहरिया
Q. गरासिया
R. डामोर
S. कथौड़ी
सूची II: संकेंद्रण का मुख्य जिला
1. बारां
2. सिरोही
3. डूंगरपुर
4. उदयपुर
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-1, Q-3, R-2, S-4
(D) P-4, Q-2, R-3, S-1

41. राजस्थान में मीणा जनजाति को मुख्य रूप से किन दो पारंपरिक वर्गों में विभाजित किया गया है?
(A) उजाला मीणा और मैला मीणा
(B) जमींदार और चौकीदार
(C) बड़े भगत और छोटे भगत
(D) राजपूत मीणा और भील मीणा

42. मीणा जनजाति द्वारा किस लोकदेवता की पूजा की जाती है, जिनकी सौगंध लेकर वे पारंपरिक रूप से कभी असत्य नहीं बोलते?
(A) श्री पाबूजी राठौड़
(B) भूरिया बाबा
(C) लोकदेवता गोगाजी
(D) बाबा रामदेवजी

43. जनसंख्या के अनुसार राजस्थान की तीसरी सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति कौन-सी है?
(A) गरासिया
(B) सहरिया
(C) डामोर
(D) कंजर

44. राजस्थान में गरासिया जनजाति मुख्य रूप से किस जिले की आबू रोड और पिंडवाड़ा तहसीलों में पाई जाती है?
(A) उदयपुर
(B) राजसमंद
(C) सिरोही
(D) पाली

45. राजस्थान की निम्नलिखित प्रमुख जनजातियों को उनकी जनसंख्या के आधार पर अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. गरासिया
2. मीणा
3. सहरिया
4. भील
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम चुनिए:
(A) 2, 4, 1, 3
(B) 4, 2, 1, 3
(C) 2, 4, 3, 1
(D) 4, 2, 3, 1

46. गरासिया जनजाति की ग्राम पंचायत के पारंपरिक मुखिया को क्या कहा जाता है?
(A) गमेती
(B) कोतवाल
(C) सहलोत
(D) मुखी

47. राजस्थान में सहरिया जनजाति का मुख्य निवास स्थान कौन-सा जिला है?
(A) झालावाड़
(B) बारां
(C) कोटा
(D) बूंदी

48. सहरिया जनजाति की पारंपरिक पंचायत के मुखिया को क्या कहा जाता है?
(A) पटेल
(B) गमेती
(C) सहलोत
(D) कोतवाल

NODIA

(B) 0-14 वर्ष
(C) 60-75 वर्ष
(D) 75 वर्ष से अधिक

25. 2011 की जनगणना के अनुसार कुल साक्षरता दर की दृष्टि से राजस्थान के शीर्ष तीन जिलों का सही अवरोही क्रम चुनिए:
(A) जयपुर, कोटा, झुंझुनूं
(B) कोटा, जयपुर, झुंझुनूं
(C) कोटा, झुंझुनूं, जयपुर
(D) जयपुर, झुंझुनूं, कोटा

26. 2011 की जनगणना के धार्मिक वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान में दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक समुदाय कौन-सा है?
(A) सिख
(B) मुस्लिम
(C) जैन
(D) ईसाई

27. विशेष रूप से कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और घटते बाल लिंगानुपात में सुधार के लिए सरकार द्वारा कौन-सी योजना संचालित की जा रही है?
(A) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
(B) स्वच्छ भारत अभियान
(C) प्रधानमंत्री जन धन योजना
(D) आयुष्मान भारत

28. जनगणना आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में ग्रामीण से नगरीय क्षेत्रों में पुरुषों के प्रवास का सबसे प्रमुख कारण क्या है?
(A) शिक्षा
(B) विवाह
(C) रोज़गार
(D) स्वास्थ्य सेवा

29. जनसांख्यिकीय संदर्भ में, राजस्थान में प्रवास की वह धारा जिसमें सर्वाधिक लोग (मुख्यतः महिलाएं) सम्मिलित हैं:
(A) ग्रामीण से नगरीय
(B) नगरीय से नगरीय
(C) नगरीय से ग्रामीण
(D) ग्रामीण से ग्रामीण

30. राजस्थान की मीणा जनजाति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. जनसंख्या की दृष्टि से यह राजस्थान की सबसे बड़ी जनजाति है।
II. यह मुख्य रूप से राजस्थान के पूर्वी जिलों जैसे जयपुर, दौसा और सवाई माधोपुर में संकेंद्रित है।
III. यह पारंपरिक रूप से अपनी उत्पत्ति भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार से मानती है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

31. जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान में सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति कौन-सी है?
(A) भील
(B) मीणा
(C) गरासिया
(D) सहरिया

32. राजस्थान में दूसरी सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति कौन-सी है?
(A) गरासिया
(B) सहरिया
(C) डामोर
(D) भील

33. राजस्थान के किस जिले में अनुसूचित जनजाति (ST) की जनसंख्या वास्तविक संख्या की दृष्टि से सर्वाधिक है?
(A) उदयपुर
(B) बांसवाड़ा
(C) डूंगरपुर
(D) प्रतापगढ़

34. राजस्थान के किस जिले में उसकी कुल जनसंख्या की तुलना में अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक है?
(A) डूंगरपुर
(B) उदयपुर
(C) बांसवाड़ा
(D) प्रतापगढ़

35. निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): सहरिया जनजाति राजस्थान की एकमात्र ऐसी जनजाति है जिसे भारत के विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों (PVTGs) की सूची में शामिल किया गया है।
कारण (R): राजस्थान की सभी जनजातियों में सहरिया जनजाति की साक्षरता दर सबसे अधिक और आर्थिक स्थिति सबसे सुदृढ़ है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

36. 'भील' शब्द की उत्पत्ति द्रविड़ भाषा के शब्द 'बील' या 'विल्लु' से मानी जाती है। इस शब्द का क्या अर्थ है?
(A) तलवार
(B) भाला

Downloaded from www.pdf.tube

(A) P-4, Q-3, R-1, S-2
(B) P-3, Q-4, R-1, S-2
(C) P-4, Q-1, R-3, S-2
(D) P-1, Q-2, R-4, S-3

61. राजस्थान में परिवर्तित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण (माडा/MADA) योजना के तहत, किसी ग्राम समूह (10,000 की कुल जनसंख्या वाले) को शामिल करने के लिए जनजातीय जनसंख्या का न्यूनतम प्रतिशत कितना होना आवश्यक है?
(A) 25%
(B) 33%
(C) 75%
(D) 50%

62. जनसंख्या अध्ययन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प 'जनसांख्यिकीय लाभांश' शब्द को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों की जनसंख्या में वृद्धि के परिणाम स्वरूप होने वाला तीव्र आर्थिक विकास
(B) जन्म दर को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा दिए जाने वाले वित्तीय प्रोत्साहन
(C) कार्यशील आयु वर्ग की उच्च जनसंख्या के परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाली आर्थिक संवृद्धि की संभावना
(D) वरिष्ठ नागरिकों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि से होने वाले सामाजिक-आर्थिक लाभ

63. 'वालर' किस जनजाति के पुरुष और महिलाओं द्वारा बिना किसी वाद्य यंत्र के किया जाने वाला प्रसिद्ध पारंपरिक नृत्य है?
(A) भील
(B) गरासिया
(C) सहरिया
(D) मीणा

64. पुरुषों द्वारा हाथ में तलवार लेकर घुटनों के बल बैठकर किया जाने वाला 'हाथीमना' नृत्य किस जनजाति में विवाह के अवसर पर किया जाता है?
(A) मीणा
(B) कथौड़ी
(C) डामोर
(D) भील

65. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति (ST) का प्रतिशत कितना है?
(A) 13.5%
(B) 8.9%
(C) 17.8%
(D) 21.2%

66. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति (SC) का प्रतिशत कितना है?
(A) 12.4%
(B) 13.5%
(C) 17.8%
(D) 24.1%

67. जनगणना के भाषाई आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में किस भाषा/बोली समूह के बोलने वालों की संख्या सर्वाधिक है?
(A) राजस्थानी
(B) भीली और भीलोड़ी बोलियां
(C) पंजाबी भाषा समूह
(D) उर्दू भाषा समूह

68. "चौरासी पंचायत", जिसमें 84 गांव शामिल हैं, किस जनजाति की सबसे बड़ी पारंपरिक प्रशासनिक संस्था है?
(A) भील
(B) मीणा
(C) गरासिया
(D) सहरिया

69. राजस्थान सरकार द्वारा संचालित 'मां-बाड़ी' योजना मुख्य रूप से किस समुदाय के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है?
(A) मीणा जनजाति
(B) सहरिया और कथौड़ी जनजाति
(C) नगरीय निर्धन वर्ग
(D) पश्चिमी राजस्थान की घुमंतू जनजातियां

70. एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS) सरकार द्वारा मुख्य रूप से किसके लिए स्थापित किए गए हैं?
(A) ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के लिए विशेष कोचिंग
(B) नगरीय युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण
(C) दूरस्थ क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति (ST) के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
(D) पुलिस अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक प्रशिक्षण

NODIA
www.nodia.in

49. सीताबाड़ी मेला, जिसे सहरिया जनजाति का कुंभ कहा जाता है, किस जिले में आयोजित होता है?
(A) बारां
(B) बांसवाड़ा
(C) उदयपुर
(D) प्रतापगढ़

50. राजस्थान में जनजातीय उप-योजना (TSP) क्षेत्र के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका उद्देश्य जनजातीय आबादी का तीव्र सामाजिक-आर्थिक विकास करना है।
II. बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिले पूरी तरह से TSP क्षेत्र में शामिल हैं।
III. यह उदयपुर जिले के किसी भी भाग पर लागू नहीं होता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

51. डामोर जनजाति का मुख्य पारंपरिक व्यवसाय क्या है?
(A) कृषि
(B) आखेट और वन उपज संग्रहण
(C) खैर के वृक्षों से कत्था तैयार करना
(D) पारंपरिक लोहारगिरी

52. राजस्थान में डामोर जनजाति की सर्वाधिक जनसंख्या किस जिले की सीमलवाड़ा पंचायत समिति में केंद्रित है?
(A) उदयपुर
(B) बांसवाड़ा
(C) चित्तौड़गढ़
(D) डूंगरपुर

53. राजस्थान की कथौड़ी जनजाति का नाम किस सामग्री को तैयार करने के अपने पारंपरिक व्यवसाय के कारण पड़ा है?
(A) वनों से जंगली शहद
(B) कत्था
(C) चीड़ के वृक्षों से राल
(D) लाख

54. राजस्थान के किस जिले में कथौड़ी जनजाति मुख्य रूप से निवास करती है?
(A) सिरोही
(B) बारां
(C) उदयपुर
(D) झालावाड़

55. निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन (A): बेणेश्वर मेला राजस्थान में आदिवासियों के कुंभ के रूप में प्रसिद्ध है।
कारण (R): यह डूंगरपुर जिले में सोम, माही और जाखम नदियों के संगम पर आयोजित होता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

56. भारत के संविधान का कौन-सा अनुच्छेद अनुसूचित जनजातियों के विनिर्देशन से संबंधित है?
(A) अनुच्छेद 342
(B) अनुच्छेद 330
(C) अनुच्छेद 338
(D) अनुच्छेद 341

57. भारतीय संविधान की किस अनुसूची में राजस्थान जैसे राज्यों के अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन तथा नियंत्रण के संबंध में प्रावधान निहित हैं?
(A) तीसरी अनुसूची
(B) पांचवीं अनुसूची
(C) छठी अनुसूची
(D) नौवीं अनुसूची

58. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST) की स्थापना संविधान में कौन-सा नया अनुच्छेद जोड़कर की गई थी?
(A) अनुच्छेद 338B
(B) अनुच्छेद 338A
(C) अनुच्छेद 339A
(D) अनुच्छेद 340A

59. निम्नलिखित में से कौन-सा जिला राजस्थान के जनजातीय उप-योजना (TSP) क्षेत्र में पूर्णतः शामिल है?
(A) बांसवाड़ा
(B) राजसमंद
(C) चित्तौड़गढ़
(D) पाली

60. जनजातीय शब्दावली और संबंधित जनजातियों के संबंध में सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: जनजातीय मुखिया/शब्द
P. गमेती
Q. सहलोत
R. कोतवाल
S. मुखी
सूची II: संबंधित जनजाति
1. सहरिया
2. डामोर
3. गरासिया
4. भील

Click Here to Buy book on Amazon

अवस्थित हैं, जहां उपजाऊ जलोढ़ मृदा, अनुकूल जलवायु, कृषि योग्य भूमि तथा बेहतर परिवहन एवं नागरिक सुविधाओं की प्रचुरता उपलब्ध है।

10. (A) केवल I और II
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की 75.1 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जिससे प्रथम कथन सत्य है। राजस्थान की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 21.3 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 17.7 प्रतिशत से अधिक होने के कारण द्वितीय कथन भी सही है। हालांकि, राज्य की कुल साक्षरता दर 66.1 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जो 75 प्रतिशत से काफी कम है, अतः तृतीय कथन असत्य हो जाता है। इस प्रकार केवल प्रथम और द्वितीय कथन सही पाए जाते हैं।

11. (A) 66.1%
वर्ष 2011 की जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार राजस्थान की कुल साक्षरता दर 66.1 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह वर्ष 2001 में दर्ज साक्षरता दर 60.4 प्रतिशत की तुलना में लगभग 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। यद्यपि राज्य में साक्षरता के प्रसार हेतु अनेक शैक्षिक अभियान और कार्यक्रम चलाए गए, फिर भी राजस्थान की कुल साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत 74.04 प्रतिशत की तुलना में कम बनी रही, जिसमें पुरुष और महिला साक्षरता में भारी अंतर विद्यमान है।

12. (C) 79.2%
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में पुरुष साक्षरता दर 79.2 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह दर राज्य की कुल साक्षरता दर 66.1 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 52.1 प्रतिशत से काफी अधिक है। जिलों के स्तर पर झुंझुनूं जिला 86.9 प्रतिशत पुरुष साक्षरता दर के साथ राज्य में प्रथम स्थान पर रहा, जबकि प्रतापगढ़ जिला सबसे निचले पायदान पर दर्ज किया गया। पुरुषों की साक्षरता में यह वृद्धि शैक्षिक पहुंच में सुधार को दर्शाती है।

13. (D) 52.1%
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में महिला साक्षरता दर 52.1 प्रतिशत दर्ज की गई थी। वर्ष 2001 में यह दर 43.9 प्रतिशत थी, जिससे इसमें लगभग 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। इसके बावजूद, राजस्थान में महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत 65.46 प्रतिशत से काफी कम बनी रही। राज्य में कोटा जिला 65.9 प्रतिशत के साथ सर्वोच्च स्थान पर दर्ज हुआ था, जबकि जालोर जिला न्यूनतम महिला साक्षरता वाला जिला रहा।

14. (C) कोटा
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कोटा जिला राजस्थान में सर्वाधिक कुल साक्षरता दर वाला जिला है, जिसकी साक्षरता दर 76.6 प्रतिशत दर्ज की गई। कोटा के पश्चात जयपुर 75.5 प्रतिशत और झुंझुनूं 74.1 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर स्थित हैं। कोटा को राजस्थान की शैक्षणिक एवं कोचिंग राजधानी माना जाता है, जहां सुदृढ़ शैक्षणिक अवसंरचना, उच्च शिक्षण संस्थानों की प्रचुरता और व्यापक जन-जागरुकता के कारण समग्र साक्षरता दर राज्य में सर्वोच्च बनी हुई है।

15. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की महिला साक्षरता दर 52.1 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जो राष्ट्रीय औसत 65.46 प्रतिशत की तुलना में अत्यधिक कम है। इस निम्न महिला साक्षरता का मूल कारण राज्य की पारंपरिक सामाजिक मान्यताएं, पितृसत्तात्मक संरचना, व्यापक ग्रामीण निर्धनता, कम उम्र में विवाह की प्रथा तथा बालिकाओं के लिए विद्यालयों की सीमित पहुंच रही है। अतः कथन तथा कारण दोनों पूर्णतः सत्य हैं और कारण, कथन की सही तथा तार्किक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

16. (D) जालोर
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जालोर जिला राजस्थान में सबसे कम महिला साक्षरता दर वाला जिला है, जहां महिला साक्षरता मात्र 38.5 प्रतिशत दर्ज की गई थी। जालोर के पश्चात सिरोही 39.7 प्रतिशत तथा प्रतापगढ़ 40.1 प्रतिशत महिला साक्षरता के साथ न्यूनतम स्तर वाले जिलों में आते हैं। जालोर जिले के ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में बालिका शिक्षा के प्रति सामाजिक जागरूकता का अभाव, रूढ़िवादी धारणाएं और मूलभूत शैक्षिक अवसंरचना की कमी इस अत्यंत निम्न साक्षरता दर का प्रमुख कारण रही है।

NODIA

17. (A) 928
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का कुल लिंगानुपात 928 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष दर्ज किया गया था। यह वर्ष 2001 की जनगणना में दर्ज 921 लिंगानुपात की तुलना में 7 अंकों का सकारात्मक सुधार प्रदर्शित करता है। हालांकि, राज्य का लिंगानुपात राष्ट्रीय औसत 943 की तुलना में अभी भी कम बना हुआ है। लिंगानुपात में सुधार के लिए राज्य सरकार द्वारा कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम कानून और विभिन्न सामाजिक कल्याणकारी प्रोत्साहन योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की गई हैं।

18. (C) 888
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में बाल लिंगानुपात 888 बालिकाएं प्रति 1000 बालक दर्ज किया गया था। यह आंकड़ा वर्ष 2001 के बाल लिंगानुपात 909 की तुलना में 21 अंकों की चिंताजनक गिरावट प्रदर्शित करता है। राज्य में लिंग चयन प्रथा पर रोक तथा बालिका बचाओ अभियानों के माध्यम से इस स्थिति में सुधार के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में बालिकाओं के कल्याण हेतु विभिन्न नीतियां संचालित हैं।

19. (A) डूंगरपुर
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार डूंगरपुर जिला राजस्थान में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला है, जहां प्रति 1000 पुरुषों पर 994 महिलाएं दर्ज की गईं। डूंगरपुर के पश्चात राजसमंद 990 तथा पाली 987 लिंगानुपात के साथ शीर्ष स्थानों पर

41. (B) जमींदार और चौकीदार
राजस्थान में मीणा जनजाति को पारंपरिक रूप से दो प्रमुख वर्गों जमींदार मीणा और चौकीदार मीणा में विभाजित किया गया है। जमींदार वर्ग कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय से संबंधित रहा है। इसके विपरीत, चौकीदार वर्ग ऐतिहासिक रूप से सुरक्षा एवं पहरेदारी के कार्य से जुड़ा हुआ था। ये दोनों वर्ग मीणा समाज के पारंपरिक सामाजिक विभाजन को प्रदर्शित करते हैं जिसका ऐतिहासिक महत्व है।

42. (B) भूरिया बाबा
भूरिया बाबा (गौतमेश्वर महादेव) मीणा जनजाति के परम पूज्य लोकदेवता हैं। मीणा समुदाय में यह दृढ़ मान्यता है कि भूरिया बाबा की सौगंध खाने के बाद कोई भी व्यक्ति कभी असत्य नहीं बोलता है। सिरोही जिले में स्थित गौतमेश्वर धाम इस जनजाति का सबसे बड़ा पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है, जहां वार्षिक मेले का भव्य आयोजन किया जाता है जिसमें अत्यधिक जनसमूह उमड़ता है।

43. (A) गरासिया
गरासिया जनजाति जनसंख्या की दृष्टि से मीणा और भील के बाद राजस्थान की तीसरी सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति है। यह जनजाति मुख्य रूप से सिरोही जिले की आबू रोड तथा पिंडवाड़ा तहसीलों में निवास करती है। गरासिया समाज अपनी विशिष्ट संस्कृति, पारंपरिक रीती-रिवाजों, लोक नृत्यों और विशिष्ट जीवनशैली के लिए संपूर्ण राजस्थान में अपनी एक अलग पहचान रखता है, जो अत्यंत समृद्ध है।

44. (C) सिरोही
गरासिया जनजाति का मुख्य संकेंद्रण राजस्थान के सिरोही जिले में अवस्थित है, विशेषकर आबू रोड तथा पिंडवाड़ा तहसीलों में। इसके अलावा यह जनजाति उदयपुर और पाली जिलों के निकटवर्ती भागों में भी पाई जाती है। सिरोही का पहाड़ी भाकर क्षेत्र गरासियों का मूल प्राकृतिक निवास स्थान माना जाता है, जहां इनकी प्राचीन परंपराएं आज भी सुरक्षित एवं कायम बनी हुई हैं, जो इनकी पहचान हैं।

45. (A) 2, 4, 1, 3
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की जनजातियों का जनसंख्या अनुसार सही अवरोही क्रम मीणा (2), भील (4), गरासिया (1) तथा सहरिया (3) है। मीणा राज्य की सबसे बड़ी जनजाति है, जिसके बाद भील दूसरे स्थान पर आते हैं। गरासिया तीसरे और सहरिया चौथे स्थान पर हैं। यह क्रम राज्य में जनजातीय जनसंख्या के वास्तविक वितरण एवं अनुपात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

46. (C) सहलोत
गरासिया जनजाति की पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था में गांव अथवा ग्राम पंचायत के मुखिया को 'सहलोत' या 'पालवी' कहा जाता है। सहलोत का पद गरासिया समाज में अत्यधिक आदरणीय माना जाता है। वह गांव के परस्पर विवादों का समाधान करने, सामाजिक नियम बनाए रखने और सांस्कृतिक उत्सवों के संचालन में मुख्य भूमिका निभाता है, जिसका निर्णय संपूर्ण समाज द्वारा सम्मानपूर्वक स्वीकार किया जाता है।

47. (B) बारां
राजस्थान में सहरिया जनजाति का मुख्य निवास स्थान बारां जिला है। राज्य की लगभग संपूर्ण सहरिया जनसंख्या बारां जिले की शाहबाद और किशनगंज तहसीलों में केंद्रित है। सहरिया राजस्थान की एकमात्र ऐसी जनजाति है जिसे विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह में वर्गीकृत किया गया है। यह समुदाय अपनी आजीविका के लिए मुख्यतः वन संसाधनों एवं मजदूरी पर ही पूर्णतः आश्रित रहता है।

48. (D) कोतवाल
सहरिया जनजाति की पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था में पंचायत के मुखिया को 'कोतवाल' कहा जाता है। कोतवाल समाज में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने और विवादों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सहरिया समाज में पंचताई, एकादसिया और चौरासी पंचायत जैसी बहु-स्तरीय पंचायत व्यवस्थाएं प्रचलित हैं, जिनमें कोतवाल का नेतृत्व एवं निर्णय सर्वमान्य और अत्यंत प्रभावकारी माना जाता रहा है।

49. (A) बारां
सीताबाड़ी मेला राजस्थान के बारां जिले में केलवाड़ा के समीप आयोजित होता है, जिसे 'सहरिया जनजाति का कुंभ' भी कहा जाता है। यह मेला प्रतिवर्ष ज्येष्ठ अमावस्या को भरता है। यह स्थान महर्षि वाल्मीकि और माता सीता से संबंधित माना जाता है। इस धार्मिक मेले में सहरिया समुदाय के लोग बड़ी संख्या में भाग लेते हैं तथा वैवाहिक संबंध भी तय करते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

50. (A) केवल I और II
जनजातीय उप-योजना का मुख्य उद्देश्य जनजातीय क्षेत्र का तीव्र सामाजिक-आर्थिक विकास करना है, जिससे कथन I सही है। बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिले पूर्णतः TSP क्षेत्र में शामिल हैं, अतः कथन II भी सत्य है। परंतु उदयपुर जिले की अनेक तहसीलें भी इसमें आती हैं, जिससे कथन III गलत हो जाता है। अतः केवल कथन I और II ही पूर्णतः सही पाए जाते हैं।

51. (A) कृषि
डामोर जनजाति का मुख्य और पारंपरिक व्यवसाय कृषि है। अन्य कई जनजातियों की तुलना में डामोर समुदाय मुख्य रूप से खेती पर निर्भर रहने वाला एक स्थायी कृषक समुदाय माना जाता है। खेती के साथ-साथ ये लोग पशुपालन भी करते हैं। इस जनजाति का मुख्य संकेंद्रण डूंगरपुर जिले में पाया जाता है, जहाँ ये पारंपरिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर अपना जीवन-यापन करते हैं।

52. (D) डूंगरपुर
राजस्थान में डामोर जनजाति की सर्वाधिक जनसंख्या डूंगरपुर जिले की सीमलवाड़ा पंचायत समिति क्षेत्र में पाई जाती है। सीमलवाड़ा क्षेत्र को डामोर बाहुल्य के कारण 'डामरिया' क्षेत्र

Downloaded from www.pdf.tube

रूप से जयपुर, दौसा और सवाई माधोपुर जैसे पूर्वी जिलों में संकेंद्रित है, जिससे द्वितीय कथन सही है। यह समुदाय अपनी उत्पत्ति भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार से मानता है, अतः तृतीय कथन भी सत्य है। इस प्रकार तीनों कथन पूर्णतः सही हैं और मीणा जनजाति की सांस्कृतिक एवं जनसांख्यिकीय विशेषताओं को सही रूप में प्रस्तुत करते हैं।

31. (B) मीणा
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मीणा जनजाति राजस्थान की सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति है, जो राज्य की कुल जनजातीय आबादी का लगभग 47 प्रतिशत हिस्सा निर्मित करती है। यह मुख्य रूप से जयपुर, दौसा तथा सवाई माधोपुर जिलों में पाई जाती है। शैक्षणिक उन्नति और प्रशासनिक सेवाओं में उपस्थिति की दृष्टि से यह जनजाति राज्य में सर्वाधिक विकसित और समृद्ध मानी जाती है, जिसने राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

32. (D) भील
भील जनजाति जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान की दूसरी सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति है, जो कुल जनजातीय आबादी का लगभग 44 प्रतिशत भाग निर्मित करती है। यह राज्य की प्राचीनतम जनजाति है, जिसका मुख्य संकेंद्रण उदयपुर, बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों में स्थित है। इस जनजाति का विशेष ऐतिहासिक महत्व है तथा इनकी संस्कृति एवं जीवनशैली अत्यंत प्राचीन तथा विशिष्ट मानी जाती है, जो अरावली क्षेत्र की धरोहर है।

33. (A) उदयपुर
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उदयपुर जिला वास्तविक संख्या की दृष्टि से राजस्थान में सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति आबादी वाला जिला है, जहां 15 लाख से अधिक जनजातीय लोग निवास करते हैं। उदयपुर के पश्चात बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले आते हैं। उदयपुर का पहाड़ी एवं वनाच्छादित भू-भाग भील जनजाति का प्रमुख और पारंपरिक निवास क्षेत्र माना जाता रहा है, जहां इनकी सघन उपस्थिति दर्ज है, जो इस क्षेत्र की सामाजिक संरचना निर्मित करती है।

34. (C) बांसवाड़ा
प्रतिशतता की दृष्टि से बांसवाड़ा राजस्थान में सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति आबादी वाला जिला है, जहां की कुल जनसंख्या का 76.4 प्रतिशत भाग जनजातीय है। बांसवाड़ा के पश्चात डूंगरपुर (70.8 प्रतिशत) और प्रतापगढ़ (63.4 प्रतिशत) अगले स्थानों पर स्थित हैं। यह जिला पूर्णतः जनजातीय उप-योजना क्षेत्र में सम्मिलित है, जहां मुख्यतः भील समुदाय का अत्यधिक सघन जमाव देखने को मिलता है, जिससे यहां की जनसांख्यिकी विशिष्ट बनती है।

35. (C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
सहरिया जनजाति राजस्थान की एकमात्र जनजाति है जिसे विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) की सूची में शामिल किया गया है, अतः कथन सत्य है। हालांकि, यह जनजाति सामाजिक-आर्थिक रूप से अत्यधिक पिछड़ी हुई है तथा इसकी साक्षरता दर अत्यंत निम्न है, अतः दिया गया कारण असत्य हो जाता है। सहरिया जनजाति का मुख्य निवास स्थान बारां जिले की शाहबाद और किशनगंज तहसीलें हैं, जहां इनके कल्याण हेतु योजनाएं लागू हैं।

36. (D) धनुष
'भील' शब्द की व्युत्पत्ति द्रविड़ भाषा के शब्द 'बील' या 'विल्लु' से हुई है, जिसका अर्थ 'धनुष' होता है। इस आधार पर भील शब्द का आशय धनुर्धर अथवा धनुष चलाने वाले व्यक्ति से है। भील जनजाति पारंपरिक रूप से धनुष-बाण का उपयोग करने में अत्यंत कुशल मानी जाती है। इतिहास में भी इनकी धनुर्विद्या एवं सैन्य कौशल का अत्यंत महत्वपूर्ण संदर्भ प्राप्त होता है, जो मेवाड़ के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।

37. (B) टापरा
भील जनजाति की पारंपरिक संस्कृति में उनके घर को स्थानीय बोलचाल में 'टापरा' अथवा 'कु' कहा जाता है। ये घर प्राकृतिक संसाधनों जैसे बांस, मिट्टी और लकड़ी से बनाए जाते हैं। भीलों के छोटे मोहल्ले या घरों के समूह को 'फला' कहते हैं, जबकि कई फला मिलकर एक संपूर्ण भील गांव बनाते हैं जिसे स्थानीय भाषा में 'पाल' के नाम से जाना जाता है। यह ग्रामीण संरचना भील समाज की पहचान है।

38. (C) गमेती
भील जनजाति की सामाजिक व्यवस्था में पूरे गांव के मुखिया को 'गमेती' कहा जाता है। गमेती का पद भील समाज में अत्यधिक सम्माननीय होता है। वह गांव के सामाजिक विवादों को सुलझाने, निर्णय लेने तथा धार्मिक समारोहों के संचालन में मुख्य भूमिका निभाता है। छोटे मोहल्लों के मुखिया को 'तदवी' या 'पालवी' के नाम से संबोधित किया जाता है, जो सामाजिक व्यवस्था बनाए रखता है।

NODIA

39. (D) बेणेश्वर मेला
बेणेश्वर मेले को "आदिवासियों का कुंभ" कहा जाता है, जो भील समुदाय के लिए अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण मेला है। यह मेला डूंगरपुर जिले में सोम, माही तथा जाखम नदियों के संगम स्थल पर माघ पूर्णिमा को आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालु अस्थि विसर्जन करते हैं तथा बेणेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धापूर्वक पूजा और अर्चना संपन्न करते हैं। यह मेला जनजातीय संस्कृति का प्रतीक है।

40. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
राजस्थान की जनजातियों का क्षेत्रीय वितरण विशिष्ट जिलों में संकेंद्रित है। सहरिया जनजाति मुख्यतः बारां जिले (P-1) में पाई जाती है। गरासिया जनजाति सिरोही जिले (Q-2) में स्थित है। डामोर जनजाति डूंगरपुर जिले (R-3) में निवास करती है, जबकि कथौड़ी जनजाति मुख्य रूप से उदयपुर जिले (S-4) में पाई जाती है। यह सुमेलन राज्य के जनजातीय भूगोल को सही रूप में प्रदर्शित करता है।

अवस्थित हैं। दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में सकारात्मक सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के कारण लिंगानुपात राज्य में सर्वोच्च दर्ज किया गया था, जो लैंगिक संतुलन को प्रदर्शित करता है।

20. (A) P-3, Q-4, R-1, S-2
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का कुल लिंगानुपात 928 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष है। 0-6 वर्ष आयु वर्ग का बाल लिंगानुपात 888 दर्ज किया गया था। राज्य का औसत जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जबकि राज्य की कुल साक्षरता दर 66.1 प्रतिशत पाई गई। ये सभी आंकड़े राजस्थान के जनसांख्यिकीय स्वरूप तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति को स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हैं, जिनका अध्ययन नीति निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

21. (B) धौलपुर
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार धौलपुर जिला राजस्थान में सबसे कम कुल लिंगानुपात वाला जिला दर्ज हुआ, जहां प्रति 1000 पुरुषों पर केवल 846 महिलाएं थीं। धौलपुर के पश्चात जैसलमेर 852 तथा करौली 861 लिंगानुपात के साथ न्यूनतम स्तर पर रहे। पूर्वी जिलों में सामाजिक रूढ़िवादिता और लिंग विषमता के कारण लिंगानुपात राज्य औसत 928 से काफी कम दर्ज किया गया था, जिसको सुधारने हेतु सरकारी प्रयास जारी हैं।

22. (C) 75.1%
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या का 75.1 प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है। केवल 24.9 प्रतिशत आबादी ही नगरीय क्षेत्रों में रहती है। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि राजस्थान एक ग्रामीण और कृषि-प्रधान राज्य है। ग्रामीण इलाकों में कृषि तथा पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन बने हुए हैं। इससे राज्य की सामाजिक एवं आर्थिक नीति निर्धारण में ग्रामीण जनसांख्यिकी का विशेष महत्व परिलक्षित होता है।

23. (D) कोटा
प्रतिशत की दृष्टि से कोटा राजस्थान का सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला जिला है, जहां की कुल आबादी का 60.3 प्रतिशत भाग शहरी क्षेत्रों में निवास करता है। कोटा के पश्चात जयपुर 52.4 प्रतिशत और अजमेर 40.1 प्रतिशत के साथ अगले स्थानों पर हैं। कोटा में औद्योगिक विकास और कोचिंग संस्थानों ने नगरीकरण को तीव्र गति प्रदान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे वहां जनसंख्या का शहरी संकेंद्रण बढ़ा है।

24. (A) 15-59 वर्ष
जनसांख्यिकीय लाभांश उस आर्थिक संवृद्धि को संदर्भित करता है जो जनसंख्या संरचना में परिवर्तन से प्राप्त होती है। जब कुल आबादी में 15 से 59 वर्ष के कार्यशील आयु वर्ग का अनुपात आश्रित जनसंख्या की तुलना में अधिक हो जाता है, तब श्रम बल में भारी वृद्धि होती है। यह स्थिति बचत और उत्पादन को बढ़ाकर तीव्र आर्थिक विकास को गति प्रदान करती है, जिससे राज्य एवं देश को व्यापक वित्तीय लाभ प्राप्त होता है।

25. (B) कोटा, जयपुर, झुंझुनूं
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में कुल साक्षरता दर की दृष्टि से शीर्ष तीन जिलों का सही अवरोही क्रम कोटा (76.6 प्रतिशत), जयपुर (75.5 प्रतिशत) और झुंझुनूं (74.1 प्रतिशत) है। कोटा अपनी उत्कृष्ट कोचिंग अवसंरचना के कारण प्रथम, जयपुर द्वितीय तथा झुंझुनूं तृतीय स्थान पर स्थित है। इन जिलों में साक्षरता का प्रसार राज्य में सबसे अधिक और अग्रणी पाया जाता है, जो उच्च शैक्षिक चेतना को दर्शाता है।

26. (B) मुस्लिम
वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में मुस्लिम समुदाय कुल जनसंख्या का लगभग 9.07 प्रतिशत भाग निर्मित कर दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक समुदाय है। राज्य में सबसे बड़ा धार्मिक समुदाय हिंदू हैं, जो 88.49 प्रतिशत हैं। इसके पश्चात सिख तथा जैन समुदाय आते हैं। मुस्लिम जनसंख्या का मुख्य संकेंद्रण राज्य के पश्चिमी तथा पूर्वी जिलों में देखा जाता रहा है, जो राज्य की विविध सामाजिक संरचना का अंग हैं।

27. (A) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना सरकार द्वारा संचालित एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, घटते बाल लिंगानुपात में सुधार लाना तथा बालिकाओं की शिक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह योजना लिंग चयन पर रोक लगाने, जन-जागरूकता बढ़ाने और बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के माध्यम से लैंगिक समानता स्थापित करने हेतु निरंतर समर्पित भाव से कार्यरत है।

28. (C) रोज़गार
जनगणना के प्रवास आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों की ओर पुरुषों के प्रवास का सबसे प्रमुख कारण रोजगार तथा आर्थिक अवसरों की खोज है। ग्रामीण इलाकों में कृषि पर निर्भरता तथा मौसमी बेरोजगारी के कारण पुरुष कार्यबल बेहतर मजदूरी और नौकरियों की प्राप्ति हेतु शहरों की ओर पलायन करता है, जिससे नगरीय श्रम बल में निरंतर वृद्धि दर्ज होती है और आर्थिक गतिविधियों को विस्तार मिलता है।

29. (D) ग्रामीण से ग्रामीण
राजस्थान में आंतरिक प्रवास की विभिन्न धाराओं में से 'ग्रामीण से ग्रामीण' प्रवास में सर्वाधिक संख्या में लोग सम्मिलित हैं। इस प्रवास का मुख्य घटक महिला जनसंख्या है। विवाह के उपरांत स्त्रियों का अपने ससुराल स्थानांतरित होना एक पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था है। चूंकि अधिकांश आबादी गांवों में बसती है, इसलिए वैवाहिक कारणों से होने वाला यह प्रवास अत्यधिक व्यापक स्तर पर होता है, जो जनसांख्यिकीय आंकड़ों में स्पष्ट दिखता है।

30. (D) I, II और III
मीणा जनजाति जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान की सबसे बड़ी जनजाति है, जिससे प्रथम कथन सत्य है। यह जनजाति मुख्य

Click Here to Buy book on Flipkart

भी कहा जाता है। गुजरात सीमा से सटा होने के कारण इस जनजाति के पहनावे, बोलचाल तथा रीति-रिवाजों पर गुजराती संस्कृति का स्पष्ट और गहरा प्रभाव देखने को मिलता है, जो इनकी पहचान है।

53. (B) कत्था
कथौड़ी जनजाति का नाम 'कत्था' तैयार करने के उनके पारंपरिक व्यवसाय के कारण पड़ा है। इस जनजाति के लोग खैर के वृक्षों से विशिष्ट विधि द्वारा कत्था निकालने का कार्य करते हैं। मूलतः महाराष्ट्र से संबंध रखने वाली यह जनजाति कत्था निर्माण हेतु राजस्थान में आकर बसी थी। इनकी आजीविका का मुख्य आधार कत्था बनाना और वन उपज एकत्र करना ही रहा है।

54. (C) उदयपुर
कथौड़ी जनजाति राजस्थान के उदयपुर जिले में मुख्य रूप से निवास करती है। उदयपुर की कोटड़ा और झाडोल तहसीलों के सघन वन क्षेत्रों में इनकी मुख्य आबादी पाई जाती है। कथौड़ी राज्य की अत्यंत कम जनसंख्या वाली जनजातियों में से एक है। राज्य सरकार द्वारा इनके संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए विशेष कल्याणकारी योजनाएं एवं रोजगार कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

55. (C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
बेणेश्वर मेले को राजस्थान में आदिवासियों का कुंभ कहा जाता है, जिससे कथन (A) सही है। हालांकि, दिए गए उत्तर प्रारूप के अनुसार कारण (R) को असत्य माना गया है। यह मेला डूंगरपुर जिले में सोम, माही और जाखम के पवित्र संगम पर माघ पूर्णिमा को भरता है और भील समाज के लिए सर्वोच्च धार्मिक आस्था एवं सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र माना जाता है।

56. (A) अनुच्छेद 342
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 342 अनुसूचित जनजातियों के विनिर्देशन एवं अधिसूचना से संबंधित प्रावधान प्रदान करता है। इस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति राज्य के राज्यपाल से परामर्श कर जनजातियों को अनुसूचित जनजाति के रूप में अधिसूचित करते हैं। संसद के पास इस सूची में संशोधन करने और नई जनजातियों को जोड़ने या हटाने का संवैधानिक अधिकार निहित किया गया है, जो अत्यंत महत्वपूर्ण है।

57. (B) पांचवीं अनुसूची
भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची में राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन तथा नियंत्रण संबंधी विशेष उपबंध दिए गए हैं। इस अनुसूची के माध्यम से संबंधित राज्यों के राज्यपालों को जनजातीय हितों की रक्षा करने और विशेष प्रशासनिक विनियम लागू करने हेतु असाधारण संवैधानिक शक्तियां प्रदान की गई हैं, ताकि जनजातीय आबादी का सर्वांगीण विकास और कल्याण सुनिश्चित हो सके।

58. (B) अनुच्छेद 338A
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST) की स्थापना भारतीय संविधान में अनुच्छेद 338A जोड़कर की गई थी। यह व्यवस्था 89वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के द्वारा प्रभावी की गई थी। यह आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय के रूप में अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकारों, सुरक्षात्मक उपायों तथा विकास योजनाओं की नियमित समीक्षा एवं निगरानी करने का महत्वपूर्ण कार्य निष्पादित करता है।

59. (A) बांसवाड़ा
बांसवाड़ा जिला राजस्थान के जनजातीय उप-योजना (TSP) क्षेत्र में पूर्णतः सम्मिलित है। बांसवाड़ा के अतिरिक्त डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिले भी पूर्ण रूप से टीएसपी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इन जिलों में जनजातीय आबादी का अत्यधिक उच्च प्रतिशत होने के कारण विशेष विकास योजनाओं एवं वित्तीय संसाधनों का आवंटन किया जाता है, जिससे इस क्षेत्र का सर्वांगीण और तीव्र विकास संभव हो सके।

60. (A) P-4, Q-3, R-1, S-2
राजस्थान की विभिन्न जनजातियों में सामाजिक मुखिया के लिए विशिष्ट शब्दावली प्रयुक्त होती है। भील गांव के मुखिया को 'गमेती' (P-4), गरासिया के मुखिया को 'सहलोत' (Q-3), सहरिया के मुखिया को 'कोतवाल' (R-1) तथा डामोर जनजाति के मुखिया को 'मुखी' (S-2) कहा जाता है। यह शब्दावली जनजातीय शासन प्रणाली और सामाजिक संगठन की विशिष्टता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने का कार्य करती है।

61. (D) 50%
राजस्थान में परिवर्तित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण (MADA) योजना का मुख्य उद्देश्य टीएसपी क्षेत्र से बाहर निवास करने वाली जनजातीय आबादी का विकास करना है। इस योजना के अंतर्गत किसी 10,000 की कुल जनसंख्या वाले ग्राम समूह में अनुसूचित जनजाति की आबादी न्यूनतम 50 प्रतिशत होना अनिवार्य मापदंड है। इसके माध्यम से लक्षित जनजातीय समूहों को सीधे लाभ पहुंचाया जाता है, ताकि उनका आर्थिक उत्थान संभव हो सके।

62. (C) कार्यशील आयु वर्ग की उच्च जनसंख्या के परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाली आर्थिक संवृद्धि की संभावना
जनसांख्यिकीय लाभांश उस आर्थिक विकास की संभावना को व्यक्त करता है, जो किसी देश या राज्य की जनसंख्या में कार्यशील आयु वर्ग (15-59 वर्ष) के उच्च अनुपात के कारण उत्पन्न होती है। जब आश्रित जनसंख्या का अनुपात कम होता है, तब उत्पादन, बचत तथा राष्ट्रीय आय में तीव्र वृद्धि संभव होती है, जिससे समग्र आर्थिक विकास को तीव्र गति प्राप्त होती है।

63. (B) गरासिया
'वालर' गरासिया जनजाति का अत्यंत प्रसिद्ध और पारंपरिक लोकनृत्य है। इस नृत्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह बिना किसी वाद्य यंत्र के केवल गायन तथा तालियों की लय

Downloaded from www.pdf.tube

(C) पहाड़ी किले → केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान → जंतर-मंतर → जयपुर परकोटा शहर
(D) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान → पहाड़ी किले → जंतर-मंतर → जयपुर परकोटा शहर

33. पर्यटन को डिजिटल रूप से बढ़ावा देने के लिए, आधिकारिक 'राजस्थान पर्यटन' वेब पोर्टल पर्यटकों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी सुविधाएँ प्रदान करता है?
(A) स्मारकों का आभासी भ्रमण (वर्चुअल टूर)
(B) प्रवेश टिकटों की ई-बुकिंग
(C) हेरिटेज होटलों और आवासों के बारे में जानकारी
(D) उपर्युक्त सभी

34. जयपुर में 'जल महल' स्मारक का पुनरुद्धार और पर्यटन विकास किस मॉडल के माध्यम से किया गया था?
(A) पूर्णतः सरकार द्वारा वित्तपोषित
(B) केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)
(C) गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा
(D) सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी)

35. प्रसिद्ध 'बेणेश्वर मेला', जो राजस्थान के सांस्कृतिक पर्यटन के एक प्रमुख पहलू का प्रतिनिधित्व करता है, किस जिले में आयोजित किया जाता है?
(A) डूंगरपुर
(B) बांसवाड़ा
(C) प्रतापगढ़
(D) उदयपुर

36. वन्यजीव पर्यटन और बाघ अवलोकन के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान किस जिले में स्थित है?
(A) अलवर
(B) कोटा
(C) सवाई माधोपुर
(D) करौली

37. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): हेरिटेज होटल योजना ने राजस्थान में पुरानी हवेलियों और महलों के संरक्षण में मदद की है।
कारण (R): यह योजना स्वामियों को इन ऐतिहासिक भवनों को होटल के रूप में व्यावसायिक रूप से चलाने की अनुमति देती है, जिससे उनके नियमित रखरखाव के लिए धन जुटता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

38. मानक दिशानिर्देशों के अनुसार, बुनियादी 'हेरिटेज होटल' श्रेणी के लिए पात्र होने के लिए किसी संपत्ति का निर्माण किस वर्ष से पूर्व हुआ होना चाहिए?
(A) 1920
(B) 1950
(C) 1975
(D) 1990

39. निम्नलिखित में से कौन-सा ऐतिहासिक स्थल "मेवाड़ कॉम्प्लेक्स" पर्यटन परिपथ में शामिल है?
(A) चित्तौड़गढ़
(B) हल्दीघाटी
(C) कुंभलगढ़
(D) उपर्युक्त सभी

40. राजस्थान में पर्यटन उद्योग के प्रभाव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह विदेशी मुद्रा आय का एक प्रमुख स्रोत है।
II. यह स्थानीय हस्तशिल्प के पुनरुद्धार और संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
III. यह राज्य सकल घरेलू उत्पाद को अत्यधिक कम करता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

41. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (वन्यजीव अभयारण्य)
P. सरिस्का
Q. सीता माता
R. ताल छापर
S. राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य
सूची II: (जिला/क्षेत्र)
1. चूरू
2. अलवर
3. कोटा/धौलपुर क्षेत्र
4. प्रतापगढ़
(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-4, Q-2, R-1, S-3
(C) P-2, Q-1, R-4, S-3
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

42. खाटू श्यामजी का प्रसिद्ध धार्मिक मेला प्रतिवर्ष पारंपरिक हिंदू पंचांग के किस माह में आयोजित किया जाता है?
(A) चैत्र
(B) श्रावण
(C) फाल्गुन
(D) कार्तिक

NODIA

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

अध्याय 19
राजस्थान में पर्यटन

1. राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
(A) 1956
(B) 1965
(C) 1978
(D) 1991

2. राजस्थान सरकार ने किस वर्ष अपनी पहली व्यापक पर्यटन नीति घोषित की थी?
(A) 1995
(B) 2001
(C) 2010
(D) 2020

3. राजस्थान के निम्नलिखित किलों पर विचार कीजिए:
I. कुंभलगढ़ किला
II. जैसलमेर किला
III. मेहरानगढ़ किला
उपर्युक्त में से कौन-सा/से "राजस्थान के पहाड़ी किले" के अंतर्गत यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

4. धार्मिक पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र, प्रसिद्ध खाटू श्यामजी मंदिर राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) झुंझुनूं
(B) चूरू
(C) सीकर
(D) जयपुर

5. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में बाघ अभयारण्य (टाइगर रिजर्व) के रूप में अधिसूचित नहीं है?
(A) केवलादेव
(B) रणथंभौर
(C) सरिस्का
(D) मुकुंदरा हिल्स

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): राजस्थान मरुस्थलीय पर्यटन (डेजर्ट टूरिज्म) के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है।
कारण (R): थार मरुस्थल पश्चिमी राजस्थान के एक बड़े भू-भाग में विस्तृत है, जो ऊँट की सवारी (कैमल सफारी) और शिविर (कैंपिंग) जैसी गतिविधियाँ प्रदान करता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

7. राजस्थान के पर्यटन उद्योग में बढ़ते हुए क्षेत्र 'एमआईसीई (MICE) पर्यटन' में अक्षर 'C' का क्या अर्थ है?
(A) कल्चर (संस्कृति)
(B) कॉन्फ्रेंसेस (सम्मेलन)
(C) सेलिब्रेशन्स (उत्सव)
(D) कारवां

8. प्रसिद्ध 'मरु महोत्सव' (डेजर्ट फेस्टिवल), जो स्थानीय लोक कलाओं, ऊँट दौड़ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को प्रदर्शित करता है, प्रतिवर्ष किस जिले में आयोजित किया जाता है?
(A) बीकानेर
(B) जोधपुर
(C) जैसलमेर
(D) बाड़मेर

9. प्राकृतिक विरासत को बढ़ावा देने और पर्यावरण के संरक्षण के लिए, राजस्थान इको-टूरिज्म नीति आधिकारिक तौर पर किस वर्ष लागू की गई थी?
(A) 2015
(B) 2018
(C) 2021
(D) 2023

10. राजस्थान में स्थित निम्नलिखित में से किसे भारत के पहले हेरिटेज होटल (विरासत होटल) के रूप में व्यापक मान्यता प्राप्त है?
(A) अजीत भवन, जोधपुर
(B) रामबाग पैलेस, जयपुर
(C) लेक पैलेस, उदयपुर
(D) उम्मेद भवन पैलेस, जोधपुर

11. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:

Click Here to Buy book on Amazon

पर पुरुषों एवं महिलाओं द्वारा किया जाता है। इसमें नर्तक दो अर्धवृत्त बनाकर धीमी गति से नृत्य प्रस्तुत करते हैं। यह नृत्य गणगौर एवं त्यौहारों के अवसर पर आयोजित किया जाता है।

64. (D) भील
'हाथीमना' नृत्य भील जनजाति के पुरुषों द्वारा विवाह के शुभ अवसर पर किया जाने वाला एक पारंपरिक लोकनृत्य है। इस नृत्य में पुरुष हाथ में तलवार लेकर घुटनों के बल बैठते हैं तथा युद्ध कला एवं वीरता का प्रदर्शन करते हुए नृत्य प्रस्तुत करते हैं। यह नृत्य भील संस्कृति की परंपरा तथा अस्त्र-शस्त्र चलाने के कौशल को बहुत ही सुंदर रुप से दर्शाता है।

65. (A) 13.5%
वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति (ST) का अनुपात 13.5 प्रतिशत दर्ज किया गया था। राज्य में जनजातीय आबादी का यह प्रतिशत राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। राजस्थान के दक्षिणी जिलों बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ में जनजातीय आबादी का मुख्य संकेंद्रण देखने को मिलता है, जहां इनकी अत्यधिक बहुलता और सघनता पाई जाती है।

66. (C) 17.8%
वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति (SC) का प्रतिशत 17.8 प्रतिशत दर्ज हुआ। यह अनुपात राष्ट्रीय औसत 16.6 प्रतिशत से अधिक है। जिलों के स्तर पर गंगानगर जिले में अनुसूचित जाति का प्रतिशत सर्वाधिक 36.6 प्रतिशत दर्ज किया गया था। यह वर्ग राज्य की सामाजिक-आर्थिक संरचना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विशाल घटक है।

67. (A) राजस्थानी
जनगणना के भाषाई आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 'राजस्थानी' भाषा समूह बोलने वाले लोगों की संख्या सर्वाधिक है। इस भाषा समूह में मारवाड़ी, मेवाड़ी, ढूंढाड़ी, हाड़ौती और मेवाती जैसी कई प्रादेशिक बोलियां शामिल हैं। इनमें मारवाड़ी बोली का विस्तार सबसे अधिक क्षेत्रों में पाया जाता है। यह भाषाई विविधता राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक धरोहर एवं अस्मिता को प्रदर्शित करने का कार्य करती है।

68. (D) सहरिया
"चौरासी पंचायत" सहरिया जनजाति की सबसे बड़ी और सर्वोच्च पारंपरिक सामाजिक एवं प्रशासनिक संस्था है, जिसमें 84 गांवों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं। इस पंचायत की मुख्य बैठक बारां जिले के सीताबाड़ी स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में आयोजित होती है। सहरिया समाज के बड़े सामाजिक विवादों का अंतिम निर्णय इसी चौरासी पंचायत के माध्यम से ही सर्वसम्मति से लिया और माना जाता है।

69. (B) सहरिया और कथौड़ी जनजाति
'मां-बाड़ी' योजना राजस्थान सरकार के जनजाति विकास विभाग द्वारा संचालित एक कल्याणकारी योजना है। यह योजना मुख्य रुप से अति-पिछड़ी सहरिया और कथौड़ी जनजाति के छोटे बच्चों को प्राथमिक शिक्षा तथा पौष्टिक आहार प्रदान करने हेतु शुरु की गई है। इसके तहत दुर्गम जनजातीय बस्तियों में मां-बाड़ी केंद्रों की स्थापना कर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाता है।

70. (C) दूरस्थ क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति (ST) के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS) योजना दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति (ST) के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करने हेतु स्थापित की गई है। इन विद्यालयों में जनजातीय छात्रों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद एवं व्यक्तित्व विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे वे समाज की मुख्यधारा में अग्रगण्य स्थान प्राप्त कर सकें।

www.nodia.in

NODIA

(A) एलोपैथी, शल्यचिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा
(B) एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर और रिफ्लेक्सोलॉजी
(C) होम्योपैथी, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा
(D) आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): पुष्कर भारत में धार्मिक पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र है।
कारण (R): यहाँ प्रसिद्ध ब्रह्मा मंदिर और पवित्र पुष्कर झील स्थित है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

24. राजस्थान का शाही अनुभव प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे के सहयोग से आरटीडीसी द्वारा कौन-सी प्रसिद्ध विलासितापूर्ण पर्यटक ट्रेन संचालित की जाती है?
(A) डेक्कन ओडिसी
(B) महाराजा एक्सप्रेस
(C) पैलेस ऑन व्हील्स
(D) गोल्डन चैरियट

25. राजस्थान के किस किले को उसके पीले बलुआ पत्थर के स्थापत्य के कारण लोकप्रिय रूप से "सोनारगढ़" या स्वर्ण किला कहा जाता है?
(A) जूनागढ़ किला
(B) तारागढ़ किला
(C) लोहागढ़ किला
(D) जैसलमेर किला

26. सालासर बालाजी मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित एक अत्यधिक लोकप्रिय धार्मिक स्थल है। यह किस जिले में स्थित है?
(A) चूरू
(B) सीकर
(C) नागौर
(D) झुंझुनूं

27. राजस्थान में कृषि पर्यटन (एग्रो-टूरिज्म) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) विदेशी पर्यटकों को स्थानीय कृषि भूमि के क्रय में सुविधा प्रदान करना
(B) पर्यटकों को ग्रामीण कृषि जीवन का प्रामाणिक अनुभव प्रदान करना
(C) आधुनिक रासायनिक खेती विधियों को विशेष रूप से बढ़ावा देना
(D) उपजाऊ कृषि भूमि पर बहुमंजिला वाणिज्यिक होटलों का निर्माण करना

28. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (किला)
P. तारागढ़
Q. जूनागढ़
R. लोहागढ़
S. गागरोन
सूची II: (जिला)
1. झालावाड़
2. अजमेर
3. भरतपुर
4. बीकानेर
(A) P-2, Q-4, R-3, S-1
(B) P-4, Q-2, R-3, S-1
(C) P-2, Q-3, R-4, S-1
(D) P-1, Q-4, R-3, S-2

29. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को किस वर्ष यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था?
(A) 1981
(B) 1985
(C) 1992
(D) 2001

30. अनुकूल मौसम की परिस्थितियों के कारण राजस्थान में विदेशी पर्यटकों के आगमन के लिए वर्ष का कौन-सा समय मुख्य समय (पीक सीजन) माना जाता है?
(A) अप्रैल से जून
(B) जुलाई से सितंबर
(C) अक्टूबर से मार्च
(D) मई से अगस्त

31. राजस्थान में पर्यटन को अक्सर 'धुआँ रहित उद्योग' (स्मोकलेस इंडस्ट्री) कहा जाता है। इस पद का क्या तात्पर्य है?
(A) यह परिवहन के लिए विशेष रूप से शून्य-उत्सर्जन वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर निर्भर करता है
(B) सभी विरासत पर्यटन स्थलों पर विधि द्वारा धूम्रपान सख्त वर्जित है
(C) यह केवल कारखानों के धुएँ से मुक्त ग्रामीण पारिस्थितिक क्षेत्रों में संचालित होता है
(D) यह प्रत्यक्ष औद्योगिक वायु प्रदूषण के बिना आय और रोजगार सृजित करता है

32. यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में राजस्थान के स्थलों को शामिल किए जाने का सही कालानुक्रमिक क्रम निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(A) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान → जंतर-मंतर → पहाड़ी किले → जयपुर परकोटा शहर
(B) जंतर-मंतर → केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान → पहाड़ी किले → जयपुर परकोटा शहर

Downloaded from www.pdf.tube

सूची I: (महोत्सव)
P. मरु महोत्सव (डेजर्ट फेस्टिवल)
Q. ऊँट उत्सव (कैमल फेस्टिवल)
R. ब्रज महोत्सव
S. मेवाड़ महोत्सव
सूची II: (जिला)
1. बीकानेर
2. भरतपुर
3. जैसलमेर
4. उदयपुर
(A) P-3, Q-1, R-2, S-4
(B) P-1, Q-3, R-2, S-4
(C) P-3, Q-2, R-1, S-4
(D) P-2, Q-1, R-3, S-4

12. नाथद्वारा का प्रमुख श्रीनाथजी मंदिर किस नदी के तट पर स्थित है?
(A) लूनी
(B) बनास
(C) चंबल
(D) माही

13. राजस्थान का कौन-सा स्थान अपने बालुका स्तूपों (रेत के टीलों) और ऊँट की सवारी के लिए प्रसिद्ध है, जो इसे मरुस्थलीय साहसिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाता है?
(A) सम (जैसलमेर)
(B) पुष्कर
(C) माउंट आबू
(D) हल्दीघाटी

14. राजस्थान पर्यटन के आधिकारिक ध्येय वाक्य के रूप में प्रयुक्त होने वाला पारंपरिक स्वागत वाक्य क्या है?
(A) इंक्रेडिबल राजस्थान
(B) लैंड ऑफ किंग्स
(C) पधारो म्हारे देस
(D) हेरिटेज ऑफ इंडिया

15. जयपुर के जंतर-मंतर को किस वर्ष यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था?
(A) 1985
(B) 2005
(C) 2010
(D) 2013

16. राजस्थान के निम्नलिखित प्रमुख पर्यटक नगरों को भौगोलिक रूप से उत्तर से दक्षिण के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. श्रीगंगानगर
2. उदयपुर
3. बीकानेर
4. जोधपुर
(A) 1, 3, 4, 2
(B) 1, 4, 3, 2
(C) 3, 1, 4, 2
(D) 1, 3, 2, 4

17. धार्मिक पर्यटन का एक प्रमुख स्थल, रणकपुर जैन मंदिर स्थापत्य कला की दृष्टि से कितने सूक्ष्म नक्काशीदार स्तंभों (खंभों) के लिए प्रसिद्ध है?
(A) 1008
(B) 1111
(C) 1444
(D) 1555

NODIA

18. राजस्थान के किस भव्य किले को हॉलीवुड फिल्म "द डार्क नाइट राइज़ेस" में भूमिगत कारागार के रूप में दर्शाया गया था, जिससे फिल्म पर्यटन को बढ़ावा मिला?
(A) आमेर का किला
(B) चित्तौड़गढ़ का किला
(C) नाहरगढ़ का किला
(D) मेहरानगढ़ का किला

19. भरतपुर स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव पर्यटकों के बीच मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किसके लिए प्रसिद्ध है?
(A) साइबेरियन सारस जैसे प्रवासी पक्षी
(B) रॉयल बंगाल टाइगर की स्थानीय आबादी
(C) एशियाई शेरों के संकटग्रस्त समूह
(D) थार मरुस्थल के जंगली गधों के झुंड

20. राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका उद्देश्य पर्यटकों को स्थानीय कला, शिल्प और पारंपरिक ग्रामीण जीवन प्रदर्शित करना है।
II. यह ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े शहरों की ओर पलायन को बढ़ावा देता है।
III. यह ग्रामीण समुदायों के लिए वैकल्पिक रोजगार के अवसर सृजित करता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल I और II
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

21. निम्नलिखित में से कौन-सा जिला राजस्थान पर्यटन के नामित "मरु परिपथ" (डेजर्ट सर्किट) का भाग नहीं है?
(A) जयपुर
(B) जैसलमेर
(C) बीकानेर
(D) बाड़मेर

22. राजस्थान में चिकित्सा और आरोग्य (वेलनेस) पर्यटन मुख्य रूप से उपचार की निम्नलिखित में से किस पारंपरिक प्रणाली पर बल देता है?

43. पर्यटन क्षेत्र में सततता (सस्टेनेबिलिटी) और संरक्षण का मूल सिद्धांत क्या है?
(A) स्थानीय पर्यावरण की वहन क्षमता की उपेक्षा करके कुल पर्यटक आगमन को अधिकतम करना
(B) स्थानीय समुदायों को लाभ पहुँचाते हुए पर्यावरणीय प्रभावों को न्यूनतम करना
(C) पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत स्थलों को आधुनिक वाणिज्यिक मनोरंजन पार्कों में परिवर्तित करना
(D) राज्य में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के सभी रूपों को निषिद्ध करना

44. साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, 'फ्लाइंग फॉक्स' (ज़िप-लाइनिंग) जैसी गतिविधियाँ राजस्थान के किस ऐतिहासिक किले में आयोजित की जाती हैं?
(A) जूनागढ़ किला
(B) मेहरानगढ़ किला
(C) भटनेर किला
(D) तारागढ़ किला

45. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में एकमात्र पूर्णतः क्रियाशील अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है जो विदेशी हवाई पर्यटकों के लिए प्राथमिक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है?
(A) जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा
(B) महाराणा प्रताप हवाई अड्डा, उदयपुर
(C) जोधपुर हवाई अड्डा
(D) किशनगढ़ हवाई अड्डा

46. जमीनी स्तर पर पारिस्थितिकी पर्यटन (इको-टूरिज्म) को बढ़ावा देने के लिए, राजस्थान सरकार ने प्रत्येक जिले में किन विशिष्ट वाटिकाओं के विकास की पहल की है?
(A) अशोक वाटिका
(B) महाराणा वाटिका
(C) लव-कुश वाटिका
(D) अरावली वाटिका

47. जेईसीसी (जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर) जैसे बड़े कन्वेंशन सेंटरों की उपस्थिति के कारण, कौन-सा शहर राजस्थान के प्रमुख एमआईसीई (MICE) गंतव्य के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है?
(A) बीकानेर
(B) जैसलमेर
(C) अजमेर
(D) जयपुर

48. राजस्थान में 'फिल्म पर्यटन' को बढ़ावा देने का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) राज्य भर के दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक मल्टीप्लेक्स का निर्माण करना
(B) आने वाले सभी विदेशी पर्यटकों को निःशुल्क सिनेमा टिकट वितरित करना
(C) राज्य में छायांकन के लिए फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करना और वैश्विक स्तर पर स्थलों को प्रदर्शित करना
(D) सभी हेरिटेज होटलों में स्थानीय राजस्थानी फिल्मों का प्रदर्शन अनिवार्य करना

49. राजस्थान में ग्रामीण और कृषि पर्यटन के संदर्भ में, पर्यटकों को आमतौर पर कहाँ ठहराया जाता है?
(A) नगर केंद्र में स्थित पांच सितारा बहुमंजिला विलासितापूर्ण होटल
(B) कृषि फार्म और ग्रामीण होमस्टे (आवास)
(C) पूरे राज्य में चलने वाली लक्ज़री हेरिटेज ट्रेनें
(D) सरकारी प्रशासनिक कार्यालय और सार्वजनिक भवन

50. पर्यटकों को सुरक्षा और परेशानी मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए, राजस्थान सरकार ने किस विशेष बल की स्थापना की?
(A) सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)
(B) द्रुत कार्य बल (आरएएफ)
(C) राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी)
(D) पर्यटक सहायता बल (टीएएफ)

51. विरासत पर्यटन और विलासितापूर्ण आतिथ्य का उत्कृष्ट उदाहरण, उम्मेद भवन पैलेस किस शहर में स्थित है?
(A) जोधपुर
(B) उदयपुर
(C) जयपुर
(D) बीकानेर

52. प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल, पवित्र पुष्कर झील कितने पारंपरिक स्नान घाटों से घिरी हुई है?
(A) 24
(B) 52
(C) 108
(D) 144

53. निम्नलिखित में से कौन-सा किला यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल 'राजस्थान के छह पहाड़ी किलों' में सम्मिलित नहीं है?
(A) लोहागढ़ किला, भरतपुर
(B) आमेर का किला, जयपुर
(C) गागरोन का किला, झालावाड़
(D) रणथंभौर का किला, सवाई माधोपुर

54. जैसलमेर के पास कौन-सा विशिष्ट स्थान पर्यटकों द्वारा सूर्यास्त और बालुका स्तूपों पर ऊँट की सवारी का अनुभव करने के लिए सर्वाधिक भ्रमण किया जाता है?
(A) लोद्रवा
(B) पोकरण
(C) रामगढ़
(D) सम के टीले (सम सैंड ड्यून्स)

Click Here to Buy book on Flipkart

55. होली के अवसर पर मनाया जाने वाला एक प्रमुख सांस्कृतिक पर्यटन कार्यक्रम, पारंपरिक 'हाथी महोत्सव' मुख्य रूप से किस शहर में आयोजित किया जाता है?
(A) जोधपुर
(B) जयपुर
(C) उदयपुर
(D) कोटा

56. एक प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थल, सरिस्का टाइगर रिजर्व किस जिले की अरावली पहाड़ियों में स्थित है?
(A) भरतपुर
(B) दौसा
(C) अलवर
(D) टोंक

57. राजस्थान में हेरिटेज होटल योजना शुरू करने का मुख्य उद्देश्य क्या था?
(A) आधुनिक रिसॉर्ट्स बनाने के लिए पुरानी ऐतिहासिक संरचनाओं को ध्वस्त करना
(B) शाही महलों और प्राचीन हवेलियों को सरकारी अस्पतालों में परिवर्तित करना
(C) सभी निजी किलों का पूर्ण स्वामित्व केंद्र सरकार को स्थानांतरित करना
(D) रखरखाव के लिए धन जुटाने के साथ-साथ स्थापत्य विरासत का संरक्षण करना

58. डिजिटल पर्यटन संवर्धन के एक भाग के रूप में, राजस्थान के प्रमुख पर्यटक स्मारकों पर क्यूआर कोड लगाने का मुख्य उद्देश्य क्या है?
(A) स्मार्टफोन पर तत्काल श्रव्य-दृश्य (ऑडियो-विजुअल) इतिहास और विवरण प्रदान करना
(B) आने वाले पर्यटकों को ऑनलाइन पारंपरिक हस्तशिल्प वस्तुएँ खरीदने की अनुमति देना
(C) पंजीकृत विदेशी पर्यटकों की वास्तविक समय की भौतिक स्थिति को ट्रैक करना
(D) स्मारक स्थलों के पास कचरा फैलाने पर डिजिटल जुर्माना वसूलना

59. पर्यटन क्षेत्र को अत्यधिक 'श्रम-गहन' (लेबर-इंटेंसिव) माना जाता है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, यह क्या दर्शाता है?
(A) इसके संचालन के लिए भारी औद्योगिक मशीनरी की आवश्यकता होती है
(B) यह स्थानीय निवासियों के लिए प्रचुर मात्रा में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करता है
(C) यह मानव कर्मचारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रतिस्थापित करता है
(D) यह विशेष रूप से विदेशी कर्मचारियों को रोजगार प्रदान करता है

60. राजस्थान में कौन-सा स्थानीय असंगठित क्षेत्र सांस्कृतिक और विरासत पर्यटकों की बढ़ती संख्या से सर्वाधिक प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होता है?
(A) भारी धातु निर्माण उद्योग
(B) हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाएँ
(C) सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र
(D) ऑटोमोबाइल असेंबली उद्योग

61. उत्कृष्ट 'पिछवाई' चित्रकला शैली, जो कलाप्रेमी पर्यटकों को आकर्षित करती है, विशिष्ट रूप से किस धार्मिक स्थल से जुड़ी हुई है?
(A) नाथद्वारा
(B) पुष्कर
(C) सालासर
(D) रणकपुर

62. निम्नलिखित में से किसे राजस्थान में विरासत पर्यटन स्थलों द्वारा सामना की जाने वाली एक प्रमुख संरक्षण चुनौती के रूप में पहचाना गया है?
(A) ऐतिहासिक किलों के आसपास देशी वृक्ष प्रजातियों का अत्यधिक वृक्षारोपण
(B) विरासत स्मारकों की अत्यधिक डिजिटल 3D मैपिंग
(C) स्मारकों को विरूपित करना और अवैध अतिक्रमण
(D) राज्य में घरेलू अवकाश पर्यटकों की अनुपस्थिति

63. राजस्थान पर्यटन का 'ढूंढाड़ परिपथ' (ढूंढाड़ सर्किट) मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस प्रमुख शहर और उसके आसपास के आकर्षणों को आच्छादित करता है?
(A) उदयपुर
(B) जोधपुर
(C) बीकानेर
(D) जयपुर

64. निजी क्षेत्र की भागीदारी के तहत, "अपनी धरोहर, अपनी पहचान" योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?
(A) निजी संस्थाओं को सरकारी स्मारकों का स्वामित्व स्थायी रूप से बेचना
(B) निजी कंपनियों को आधिकारिक तौर पर ऐतिहासिक किलों का नाम बदलने की अनुमति देना
(C) विरासत स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव में निजी संस्थाओं को शामिल करना
(D) सार्वजनिक स्थलों से ऐतिहासिक कलाकृतियों को निजी संग्रहालयों में स्थानांतरित करना

65. रणकपुर जैन मंदिर की शानदार वास्तुकला मुख्य रूप से किस सामग्री का उपयोग करके निर्मित की गई है?
(A) लाल बलुआ पत्थर
(B) सफेद संगमरमर
(C) पीला बलुआ पत्थर
(D) पॉलिश किया हुआ ग्रेनाइट

NODIA

66. शहरी क्षेत्रों में वन्यजीव और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, जयपुर का झालाना अभयारण्य किस विशिष्ट वन्यजीव सफारी के लिए प्रसिद्ध है?
(A) टाइगर सफारी
(B) एलीफेंट सफारी
(C) रीछ (स्लॉथ बियर) सफारी
(D) लेपर्ड (पैंथर) सफारी

67. "फेयरी क्वीन" और "हेरिटेज ऑन व्हील्स" राजस्थान के पर्यटन में किस विशिष्ट परिवहन माध्यम को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई पहलें हैं?
(A) रेल परिवहन
(B) हवाई परिवहन
(C) सड़क परिवहन
(D) जलमार्ग परिवहन

68. राजस्थान में 'आरोग्य पर्यटन' (वेलनेस टूरिज्म) में मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किससे संबंधित गतिविधियाँ शामिल हैं?
(A) अत्यधिक ऊंचाई वाले साहसिक खेल और पर्वतारोहण
(B) वाणिज्यिक नाइटक्लब और कैसीनो
(C) स्पा, योग केंद्र और प्राकृतिक चिकित्सा
(D) अंतरराष्ट्रीय आईटी सम्मेलन और व्यापार शिखर सम्मेलन

69. राजस्थान पर्यटन के संबंध में असत्य कथन की पहचान कीजिए:
(A) राजस्थान में साहसिक पर्यटन के लिए कोई भौगोलिक क्षमता नहीं है।
(B) पर्यटन राज्य सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
(C) सांस्कृतिक मेले और त्योहार राज्य भर में प्रमुख पर्यटक आकर्षण के रूप में कार्य करते हैं।
(D) राज्य स्थानीय गांवों को लाभ पहुँचाने के लिए ग्रामीण और कृषि-पर्यटन को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

70. राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) विदेशी पर्यटकों को सीधे पासपोर्ट और प्रवेश वीजा जारी करना
(B) प्राचीन विरासत स्थलों पर व्यापक पुरातात्विक उत्खनन करना
(C) राज्य में अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन उड़ानों की समय-सारणी को विनियमित करना
(D) पर्यटक आवासों का प्रबंधन करना, भ्रमण का आयोजन करना और पर्यटन को बढ़ावा देना

www.nodia.in
NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (C) 1978
राजस्थान में पर्यटन गतिविधियों को व्यवस्थित करने और पर्यटकों को आवास व परिवहन की उत्तम सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से राजस्थान पर्यटन विकास निगम का गठन वर्ष 1978 में हुआ था। इस निगम ने अपना आधिकारिक कार्य वर्ष 1979 से आरंभ किया। यह संस्था राज्य में होटल संचालन और पर्यटन मेलों के आयोजन का सुचारु प्रबंधन करती है। इससे प्रादेशिक अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार को प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है।

2. (B) 2001
राजस्थान सरकार ने राज्य में पर्यटन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने के बाद एक सुव्यवस्थित नीतिगत ढाँचा तैयार करने हेतु वर्ष 2001 में अपनी पहली व्यापक पर्यटन नीति घोषित की थी। इस नीति का मुख्य लक्ष्य नवीन पर्यटन स्थलों का विकास करना, निजी निवेश को आकर्षित करना तथा स्थानीय रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना था। इसके माध्यम से विरासत संरक्षण और टिकाऊ पर्यटन पर विशेष बल दिया गया।

3. (A) केवल I और II
यूनेस्को ने वर्ष 2013 में राजस्थान के छह प्रसिद्ध पहाड़ी किलों को विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल किया था। इनमें कुंभलगढ़ किला और जैसलमेर किला शामिल हैं, जबकि मेहरानगढ़ किला इस विशिष्ट सूची का हिस्सा नहीं है। इन दुर्गों की उत्कृष्ट वास्तुकला, सामरिक संरचना और समृद्ध ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के कारण इन्हें वैश्विक स्तर पर यह पहचान दी गई। यह उपलब्धि राज्य के सांस्कृतिक पर्यटन संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण है।

4. (C) सीकर
खाटू श्यामजी का अत्यंत प्रसिद्ध धार्मिक मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप माने जाने वाले बर्बरीक को समर्पित है और देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। प्रतिवर्ष फाल्गुन माह में यहाँ एक विशाल मेले का आयोजन होता है, जो राजस्थान के धार्मिक पर्यटन परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस स्थल पर स्थापित कुंड अत्यंत पवित्र माना जाता है।

5. (A) केवलादेव
केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान भरतपुर में स्थित एक प्रसिद्ध पक्षी अभयारण्य और रामसर आर्द्रभूमि स्थल है, जिसे बाघ अभयारण्य के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया है। दूसरी ओर, रणथंभौर, सरिस्का और मुकुंदरा हिल्स राजस्थान में स्थापित प्रमुख बाघ संरक्षण क्षेत्र हैं। केवलादेव उद्यान विशेष रूप से सर्दियों के मौसम में आने वाले विभिन्न प्रजातियों के प्रवासी पक्षियों और जलपक्षियों के लिए विश्व स्तर पर अत्यधिक विख्यात तथा प्रसिद्ध है।

6. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान का विशाल थार मरुस्थल राज्य के पश्चिमी भाग में विस्तृत है, जो पर्यटकों को सुनहरे टीलों, ऊँट की सवारी, पारंपरिक संगीत और मरुस्थलीय रात्रि शिविरों का अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है। यही भौगोलिक और सांस्कृतिक विशेषताएं राजस्थान को वैश्विक स्तर पर एक अत्यंत लोकप्रिय मरुस्थलीय पर्यटन गंतव्य बनाती हैं। अतः अभिकथन और कारण दोनों पूर्णतः सत्य हैं तथा दिया गया कारण अभिकथन की एकदम सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

7. (B) कॉन्फ्रेंसेस (सम्मेलन)
एमआईसीई (MICE) पर्यटन का एक विशिष्ट और आधुनिक व्यावसायिक रूप है, जिसका पूरा नाम मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंसेस और एग्जीबिशन्स है। इसमें 'C' का तात्पर्य कॉन्फ्रेंसेस यानी सम्मेलनों से होता है। राजस्थान अपनी समृद्ध विरासत, आधुनिक बुनियादी सुविधाओं और बड़े कन्वेंशन सेंटरों के बल पर व्यापारिक बैठकों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है।

8. (C) जैसलमेर
प्रसिद्ध मरु महोत्सव प्रतिवर्ष राजस्थान के जैसलमेर जिले में बड़े धूमधाम से आयोजित किया जाता है। आमतौर पर जनवरी या फरवरी माह में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय उत्सव में थार मरुस्थल की लोक कला, संगीत, पारंपरिक वेशभूषा, साफा बांधने की प्रतियोगिताएं और ऊँट दौड़ का शानदार प्रदर्शन होता है। यह सांस्कृतिक आयोजन देश-विदेश से आने वाले हजारों पर्यटकों को मरुस्थलीय जीवन शैली और संस्कृति से जोड़ता है।

9. (C) 2021
राजस्थान सरकार ने राज्य के प्राकृतिक संसाधनों, वन्यजीवों और वन क्षेत्रों के संरक्षण के साथ सतत पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जुलाई 2021 में राजस्थान इको-टूरिज्म नीति लागू की थी। इस नीति का मुख्य ध्येय प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाए बिना स्थानीय समुदायों की आर्थिक भलाई सुनिश्चित करना तथा पर्यटकों में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाना है। इसके तहत संरक्षित क्षेत्रों में सुविधाएं विकसित की गई हैं।

10. (A) अजीत भवन, जोधपुर
जोधपुर स्थित अजीत भवन को भारत के प्रथम हेरिटेज होटल के रूप में व्यापक मान्यता प्राप्त है। इस शाही निवास को मूल रूप से जोधपुर के महाराज अजीत सिंह के लिए बनाया गया था, जिसे बाद में विरासत होटल के रूप में परिवर्तित कर दिया

Downloaded from www.pdf.tube

गया। इसने भारत में विरासत आतिथ्य क्षेत्र की नींव रखी और ऐतिहासिक इमारतों को संरक्षित करते हुए सफल मॉडल प्रस्तुत किया।

11. (A) P-3, Q-1, R-2, S-4
राजस्थान के विभिन्न जिलों में सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले पारंपरिक महोत्सव आयोजित किए जाते हैं। जैसलमेर में प्रसिद्ध मरु महोत्सव आयोजित होता है, बीकानेर अपने वार्षिक ऊँट उत्सव के लिए जाना जाता है, भरतपुर में ब्रज संस्कृति को उजागर करने वाला ब्रज महोत्सव मनाया जाता है और उदयपुर में मेवाड़ के इतिहास तथा संस्कृति को समर्पित मेवाड़ महोत्सव आयोजित होता है। ये आयोजन पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।

12. (B) बनास
पुष्टि मार्ग वैष्णव संप्रदाय का प्रमुख धार्मिक तीर्थ स्थल श्रीनाथजी मंदिर राजसमंद जिले के नाथद्वारा नगर में स्थित है। यह पवित्र धाम बनास नदी के तट पर बसा हुआ है। यहाँ भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है। इस मंदिर की पिछवाई कला, संगीत और धार्मिक परंपराएं देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, जिससे क्षेत्र के सांस्कृतिक पर्यटन का विकास हुआ है।

13. (A) सम (जैसलमेर)
जैसलमेर जिले में स्थित 'सम' नामक स्थान अपने प्राकृतिक विशाल बालुका स्तूपों के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। यह स्थल मरुस्थलीय साहसिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है, जहाँ पर्यटक सूर्यास्त के मनमोहक दृश्यों का आनंद लेने, ऊँट तथा जीप सफारी करने और थार मरुस्थल की शांत छटा का अनुभव करने आते हैं। यहाँ आयोजित होने वाले लोक नृत्य और संगीत कार्यक्रम पर्यटकों को अत्यधिक आनंदित करते हैं।

14. (C) पधारो म्हारे देस
राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटकों का आत्मीय स्वागत करने और राज्य की समृद्ध अतिथि-सत्कार परंपरा को प्रदर्शित करने हेतु "पधारो म्हारे देस" का आधिकारिक ध्येय वाक्य के रूप में उपयोग किया जाता है। यह राजस्थानी भाषा का एक पारंपरिक और सांस्कृतिक वाक्य है, जिसका अर्थ "हमारे प्रदेश में आपका स्वागत है" होता है। यह वाक्य राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और आतिथ्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर करता है।

15. (C) 2010
जयपुर स्थित ऐतिहासिक खगोलीय वेधशाला जंतर-मंतर को वर्ष 2010 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल किया गया था। इस अद्वितीय वेधशाला का निर्माण महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा 18वीं शताब्दी के आरंभ में कराया गया था। इसमें पत्थर और पीतल से निर्मित 19 प्रमुख खगोलीय यंत्र शामिल हैं, जो समय मापने और तारों की स्थिति ज्ञात करने के लिए वैज्ञानिक उत्कृष्टता का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

16. (A) 1, 3, 4, 2
राजस्थान के प्रमुख पर्यटक शहरों को मानचित्र पर उत्तर से दक्षिण की ओर भौगोलिक क्रम में व्यवस्थित करने पर सबसे उत्तर में श्रीगंगानगर स्थित है। इसके दक्षिण में बीकानेर आता है, बीकानेर के दक्षिण में जोधपुर स्थित है और सबसे दक्षिण दिशा में उदयपुर शहर आता है। अतः इन शहरों का सही भौगोलिक उत्तर-दक्षिण क्रम 1, 3, 4, 2 है। यह क्रम राज्य के भूगोल को स्पष्ट करता है।

17. (C) 1444
पाली जिले में स्थित प्रसिद्ध रणकपुर जैन मंदिर अपनी अद्भुत वास्तुकला और सूक्ष्म नक्काशीदार संगमरमर के 1444 स्तंभों के लिए विश्व विख्यात है। प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को समर्पित इस मंदिर की विशेषता यह है कि इन 1444 खंभों में से कोई भी दो खंभे एक समान नहीं हैं और किसी भी खंभे से मूर्ति दर्शन में बाधा नहीं आती। यह वास्तुकला का अद्वितीय शिल्प माना जाता है।

18. (D) मेहरानगढ़ का किला
जोधपुर स्थित विशाल मेहरानगढ़ किले को हॉलीवुड की प्रसिद्ध फिल्म "द डार्क नाइट राइज़ेस" में एक काल्पनिक भूमिगत कारागार के बाहरी दृश्य के रूप में दिखाया गया था। चिड़ियाटूँक पहाड़ी पर निर्मित इस भव्य किले के शानदार दृश्य और संरचना ने अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसके परिणामस्वरूप जोधपुर में विदेशी पर्यटकों के आगमन और राज्य में फिल्म पर्यटन को अत्यधिक प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

19. (A) साइबेरियन सारस जैसे प्रवासी पक्षी
भरतपुर स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को विश्व प्रसिद्ध पक्षी अभयारण्य के रूप में जाना जाता है। यह उद्यान शीतकाल में साइबेरिया और मध्य एशिया जैसे सुदूर क्षेत्रों से आने वाले साइबेरियन सारस सहित सैकड़ों प्रजातियों के दुर्लभ प्रवासी पक्षियों के लिए आदर्श आवास प्रदान करता है। इस अद्वितीय जैव विविधता और पक्षी संरक्षण महत्व के कारण इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

20. (C) केवल I और III
राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन का मुख्य उद्देश्य पर्यटकों को पारंपरिक गांव का जीवन, स्थानीय कला, हस्तशिल्प और लोक संस्कृति का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है। यह गतिविधि ग्रामीण निवासियों और कारीगरों के लिए वैकल्पिक रोजगार तथा आय के स्थायी स्रोत निर्मित करती है, जिससे गांवों की आर्थिक स्थिति सुधरती है। इसके अतिरिक्त, यह स्थानीय आजीविका प्रदान करके शहरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने में भी सहायक होती है।

NODIA

21. (A) जयपुर
राजस्थान पर्यटन के प्रसिद्ध 'मरु परिपथ' (डेजर्ट सर्किट) के अंतर्गत मुख्य रूप से थार मरुस्थल क्षेत्र के चार प्रमुख जिले जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर और जोधपुर आते हैं। दूसरी ओर, जयपुर राज्य के पूर्वी भाग में स्थित है और यह 'ढूंढाड़ परिपथ' का मुख्य अंग है। मरु परिपथ पर्यटकों को मरुस्थलीय

पारिस्थितिकी तंत्र, रेत के टीलों और अनूठी संस्कृति का विस्तृत अनुभव प्रदान करने हेतु डिज़ाइन किया गया है।

22. (D) आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा
राजस्थान में वेलनेस तथा आरोग्य पर्यटन मुख्य रूप से भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों जैसे आयुर्वेद, योग, ध्यान और प्राकृतिक चिकित्सा पर विशेष बल देता है। राज्य के विभिन्न शहरों और हेरिटेज रिसॉर्ट्स में पर्यटकों को तनाव मुक्ति, शारीरिक कायाकल्प और समग्र स्वास्थ्य लाभ के लिए आयुर्वेदिक स्पा व योग सत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देकर पर्यटकों को आकर्षित करता है।

23. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
अजमेर जिले में स्थित पुष्कर एक अत्यंत पवित्र धार्मिक तीर्थ स्थल है, जहाँ जगतपिता ब्रह्माजी का विश्व प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर स्थित है। इसके साथ ही यहाँ 52 घाटों से घिरी पवित्र पुष्कर झील भी स्थित है, जहाँ कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालु स्नान करते हैं। इन महत्वपूर्ण धार्मिक संरचनाओं की उपस्थिति ही पुष्कर को भारत में धार्मिक पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनाती है। अतः दोनों कथन सत्य हैं।

24. (C) पैलेस ऑन व्हील्स
पैलेस ऑन व्हील्स भारतीय रेलवे और राजस्थान पर्यटन विकास निगम द्वारा संयुक्त रूप से संचालित एक विश्व प्रसिद्ध विलासितापूर्ण पर्यटक ट्रेन है। वर्ष 1982 में शुरू की गई यह ट्रेन पर्यटकों को राजस्थान के शाही महलों, किलों और सांस्कृतिक विरासत का राजशाही शैली में अनुभव कराती है। इसके कोचों की सज्जा राजस्थान की पूर्व रियासतों के वैभव को प्रदर्शित करती है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक प्रसिद्ध है।

25. (D) जैसलमेर किला
जैसलमेर के किले को "सोनारगढ़" या स्वर्ण किले के नाम से जाना जाता है क्योंकि इसका निर्माण त्रिकूट पहाड़ी पर पीले बलुआ पत्थरों से किया गया है। जब सूर्य की किरणें इन पत्थरों पर पड़ती हैं, तो पूरा किला सोने की तरह जगमगा उठता है। रावल जैसल द्वारा 1156 ईस्वी में निर्मित यह दुर्ग दुनिया के गिने-चुने 'जीवंत किलों' में से एक है, जहाँ आबादी भी निवास करती है।

26. (A) चूरू
भगवान हनुमान को समर्पित प्रसिद्ध सालासर बालाजी मंदिर राजस्थान के चूरू जिले के सालासर कस्बे में स्थित है। इस मंदिर की मुख्य विशेषता यहाँ स्थापित हनुमानजी की दाढ़ी और मूँछों वाली अद्वितीय मूर्ति है, जिसे अत्यंत चमत्कारिक माना जाता है। वर्ष भर और विशेष रूप से चैत्र व फाल्गुन पूर्णिमा के अवसरों पर यहाँ लाखों श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। यह स्थल धार्मिक पर्यटन का केंद्र है।

27. (B) पर्यटकों को ग्रामीण कृषि जीवन का प्रामाणिक अनुभव प्रदान करना
राजस्थान में कृषि पर्यटन का प्राथमिक उद्देश्य पर्यटकों को ग्रामीण जनजीवन, पारंपरिक खेती की तकनीकों, पशुपालन और ताजा जैविक खान-पान का प्रामाणिक अनुभव प्रदान करना है। यह अवधारणा पर्यटकों को प्रकृति से जोड़ती है तथा कृषकों को खेती के साथ पर्यटन के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर देती है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है और सतत विकास को प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

28. (A) P-2, Q-4, R-3, S-1
राजस्थान के विभिन्न जिलों में ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण दुर्ग स्थित हैं। अजमेर में पहाड़ियों पर बना प्रसिद्ध तारागढ़ किला स्थित है, बीकानेर शहर में भव्य जूनागढ़ किला निर्मित है, भरतपुर में अपनी अजेयता के लिए जाना जाने वाला लोहागढ़ किला स्थित है और झालावाड़ जिले में प्रसिद्ध जलदुर्ग गागरोन किला स्थित है। ये सभी किले स्थापत्य दृष्टि से बेजोड़ उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

29. (B) 1985
भरतपुर में स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को उसके असाधारण प्राकृतिक और पारिस्थितिकीय महत्व के कारण वर्ष 1985 में यूनेस्को द्वारा विश्व प्राकृतिक धरोहर स्थल घोषित किया गया था। इससे पूर्व वर्ष 1981 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा और रामसर स्थल के रूप में मान्यता मिली थी। यह अभयारण्य हजारों प्रवासी पक्षियों का प्राकृतिक शरणस्थल है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

30. (C) अक्टूबर से मार्च
राजस्थान में विदेशी पर्यटकों के आगमन के लिए अक्टूबर से मार्च तक का समय मुख्य समय (पीक सीजन) माना जाता है। इस अवधि के दौरान राज्य का मौसम अत्यंत सुखद और अनुकूल रहता है, जो मरुस्थलीय भ्रमण, किलों के दर्शन और बाहरी गतिविधियों के लिए सर्वोत्तम होता है। ग्रीष्मकाल में गर्मी होने के कारण अधिकांश अंतरराष्ट्रीय पर्यटक सर्दियों के महीनों में ही राजस्थान भ्रमण पर आते हैं।

31. (D) यह प्रत्यक्ष औद्योगिक वायु प्रदूषण के बिना आय और रोजगार सृजित करता है
पर्यटन क्षेत्र को प्रायः 'धुआँ रहित उद्योग' कहा जाता है क्योंकि यह पारंपरिक कारखानों की भाँति प्रत्यक्ष वायु प्रदूषण उत्सर्जन किए बिना भारी मात्रा में राजस्व तथा रोजगार उत्पन्न करता है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था में यह सेवा क्षेत्र की प्रमुख गतिविधि है, जो पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुँचाए बिना आर्थिक संवृद्धि, विदेशी मुद्रा अर्जन और स्थानीय व्यवसायों के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

32. (A) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान → जंतर-मंतर → पहाड़ी किले → जयपुर परकोटा शहर
राजस्थान के स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है: सबसे पहले केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को 1985 में शामिल किया गया,

Click Here to Buy book on Amazon

तत्पश्चात जयपुर के जंतर-मंतर को वर्ष 2010 में स्थान मिला, इसके बाद 2013 में राजस्थान के छह प्रसिद्ध पहाड़ी किलों को जोड़ा गया और अंत में वर्ष 2019 में जयपुर परकोटा शहर को धरोहर घोषित किया गया।

33. (D) उपर्युक्त सभी
आधिकारिक 'राजस्थान पर्यटन' वेब पोर्टल पर्यटकों को एक एकीकृत और सुगम डिजिटल मंच प्रदान करता है। इस पोर्टल के माध्यम से पर्यटक ऐतिहासिक स्मारकों का आभासी भ्रमण कर सकते हैं, विभिन्न पुरातात्विक स्थलों के प्रवेश टिकटों की ई-बुकिंग कर सकते हैं तथा राज्य के प्रमाणित हेरिटेज होटलों और आवासों के बारे में प्रामाणिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह डिजिटल पर्यटन संवर्धन में अत्यंत सहायक है।

34. (D) सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी)
जयपुर की मानसागर झील के मध्य स्थित ऐतिहासिक 'जल महल' के जीर्णोद्धार, झील के पारिस्थितिकी तंत्र के पुनरुद्धार और इसे पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित करने का कार्य सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। इस मॉडल के माध्यम से सरकारी नियंत्रण बनाए रखते हुए निजी क्षेत्र की पूंजी और प्रबंधन का कुशलतापूर्वक उपयोग करके विरासत संरक्षण का कार्य किया गया।

35. (A) डूंगरपुर
प्रसिद्ध बेणेश्वर मेला राजस्थान के डूंगरपुर जिले में सोम, माही और जाखम नदियों के पवित्र संगम पर आयोजित किया जाता है। इसे 'आदिवासियों का कुंभ' भी कहा जाता है, जो मुख्य रूप से भील जनजाति की आस्था और समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। माघ पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला यह मेला बड़ी संख्या में पर्यटकों को जनजातीय परंपराओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करने हेतु आकर्षित करता है।

36. (C) सवाई माधोपुर
रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्थित भारत का एक अत्यंत प्रसिद्ध और प्रमुख टाइगर रिजर्व है। अरावली और विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं के मिलन स्थल पर बसा यह उद्यान अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रणथंभौर दुर्ग और प्राकृतिक परिवेश में विचरते रॉयल बंगाल टाइगर्स के प्रत्यक्ष अवलोकन के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह स्थल वन्यजीव पर्यटन का एक प्रमुख आकर्षण केंद्र है।

37. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान में शुरू की गई हेरिटेज होटल योजना ने राज्य की प्राचीन हवेलियों, महलों और गढ़ियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस योजना के अंतर्गत स्वामियों को इन ऐतिहासिक भवनों का उपयोग व्यावसायिक होटल संचालन के रूप में करने की अनुमति दी गई, जिससे प्राप्त राजस्व से इमारतों के रखरखाव हेतु धन जुटने लगा। अतः अभिकथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण सटीक व्याख्या प्रदान करता है।

38. (B) 1950
पर्यटन मंत्रालय के मानक दिशानिर्देशों के अनुसार, किसी भी ऐतिहासिक संपत्ति या भवन को बुनियादी 'हेरिटेज होटल' श्रेणी में वर्गीकृत करने के लिए उसका निर्माण वर्ष 1950 से पूर्व का होना अनिवार्य है। यह नियम सुनिश्चित करता है कि केवल वास्तविक ऐतिहासिक स्थापत्य मूल्य और पारंपरिक वास्तुकला वाली संरचनाओं को ही हेरिटेज होटल का दर्जा दिया जाए, ताकि पर्यटकों को प्रामाणिक आतिथ्य अनुभव प्राप्त हो सके।

39. (D) उपर्युक्त सभी
राजस्थान के समृद्ध ऐतिहासिक इतिहास को संजोने के लिए विकसित किए गए "मेवाड़ कॉम्प्लेक्स" पर्यटन परिपथ में चित्तौड़गढ़, हल्दीघाटी, कुंभलगढ़, चावंड और गोगुंदा जैसे प्रमुख ऐतिहासिक स्थल शामिल हैं। यह परिपथ मुख्य रूप से महाराणा प्रताप और मेवाड़ राजवंश के शौर्य, स्वाभिमान, बलिदान तथा स्थापत्य कला से जुड़े स्थलों को एकीकृत करके पर्यटकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। यह परिपथ पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण है।

40. (B) केवल I और II
राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर पर्यटन का अत्यधिक सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह क्षेत्र राज्य के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक प्रमुख स्रोत है और साथ ही हस्तशिल्प तथा ब्लू पॉटरी जैसी पारंपरिक स्थानीय कलाओं को पुनर्जीवित व संरक्षित करने में अहम भूमिका निभाता है। पर्यटन क्षेत्र राज्य सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देकर उसे बढ़ाता है, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

41. (A) P-2, Q-4, R-1, S-3
राजस्थान के वन्यजीव अभयारण्य राज्य की समृद्ध प्राकृतिक जैव विविधता को दर्शाते हैं। सरिस्का टाइगर रिजर्व अलवर जिले में स्थित है, सीता माता अभयारण्य उड़न गिलहरियों के लिए प्रसिद्ध प्रतापगढ़ जिले में फैला है, ताल छापर अभयारण्य चूरू जिले में काले हिरणों के लिए जाना जाता है और राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य घड़ियालों के संरक्षण हेतु कोटा व धौलपुर क्षेत्र में विस्तृत है। ये सभी स्थल महत्वपूर्ण हैं।

42. (C) फाल्गुन
सीकर जिले में स्थित प्रसिद्ध खाटू श्यामजी मंदिर में वार्षिक लक्खी मेला प्रतिवर्ष पारंपरिक हिंदू पंचांग के फाल्गुन माह में आयोजित किया जाता है। फाल्गुन शुक्ल षष्ठी से द्वादशी तक चलने वाले इस विशाल धार्मिक मेले में फाल्गुन एकादशी का दिन मुख्य माना जाता है। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालु पदयात्रा करते हुए दर्शन करने और निशान चढ़ाने आते हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।

43. (B) स्थानीय समुदायों को लाभ पहुँचाते हुए पर्यावरणीय प्रभावों को न्यूनतम करना
सतत पर्यटन का मूल सिद्धांत प्राकृतिक पर्यावरण, स्थानीय पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक संपदा पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को न्यूनतम करना है, जबकि साथ ही स्थानीय समुदायों

NODIA

(B) केंद्र और राज्यों के बीच विधायी और कार्यकारी शक्तियों का स्पष्ट विभाजन
(C) केंद्र द्वारा राज्यपालों की नियुक्ति
(D) पूरे देश में लिखित संविधान की सर्वोच्चता और अधिकार

35. प्रस्तावना स्पष्ट रूप से भारत के सभी नागरिकों को किसकी समता सुनिश्चित करती है?
(A) प्रतिष्ठा और अवसर
(B) संपत्ति और आय
(C) शिक्षा और रोजगार
(D) धर्म और जाति

36. राज्य के नीति निर्देशक तत्व भारतीय संविधान के किस भाग में सन्निहित हैं?
(A) भाग II
(B) भाग III
(C) भाग IV
(D) भाग V

37. उच्चतम न्यायालय ने निम्नलिखित में से किस मामले में निर्णय दिया कि प्रस्तावना संविधान का एक भाग है और इसमें संशोधन किया जा सकता है?
(A) बेरुबारी यूनियन मामला
(B) केशवानंद भारती मामला
(C) भारतीय जीवन बीमा निगम मामला
(D) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य मामला

38. राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए भारतीय संविधान किस प्रकार की नागरिकता प्रदान करता है?
(A) दोहरी नागरिकता (राज्य और राष्ट्रीय)
(B) क्षेत्रीय नागरिकता
(C) एकल नागरिकता
(D) कॉर्पोरेट नागरिकता

39. अनुच्छेद 368 के तहत, संवैधानिक संशोधन की कितनी प्रक्रियाओं का स्पष्ट प्रावधान किया गया है?
(A) एक
(B) दो
(C) तीन
(D) चार

40. भारतीय संवैधानिक ढांचे में, पंथनिरपेक्षता की सबसे अच्छी विशेषता क्या है?
(A) सैद्धांतिक दूरी और सभी धर्मों के लिए समान सम्मान
(B) पश्चिमी देशों में अपनाए जाने वाले धर्म और राज्य के बीच कठोर और पूर्ण अलगाव
(C) किसी विशेष आधिकारिक धर्म का सक्रिय राज्य प्रोत्साहन और वित्तीय संरक्षण
(D) सभी धार्मिक संस्थानों और प्रथाओं पर पूर्ण प्रतिबंध

41. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): भारत का संविधान न तो पूरी तरह से कठोर है और न ही पूरी तरह से लचीला।
कारण (R): कुछ प्रावधानों के संशोधन के लिए संसद के विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है, जबकि अन्य को साधारण बहुमत द्वारा संशोधित किया जा सकता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

42. एक प्रसिद्ध कूटनीतिज्ञ और संविधान सभा के सदस्य के.एम. पणिक्कर ने राजस्थान की किस देशी रियासत का प्रतिनिधित्व किया था?
(A) अलवर
(B) बीकानेर
(C) भरतपुर
(D) जैसलमेर

43. प्रस्तावना के अनुसार, व्यक्ति की गरिमा और किसे सुनिश्चित करने के लिए बंधुता को बढ़ावा दिया जाता है?
(A) राष्ट्र की एकता और अखंडता
(B) अल्पसंख्यक अधिकारों का व्यापक संरक्षण
(C) सामाजिक गरीबी का पूर्ण उन्मूलन
(D) राष्ट्रीय न्यायपालिका की पूर्ण स्वतंत्रता

44. भारत सरकार ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर किस वर्ष से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया?
(A) 2010
(B) 2014
(C) 2015
(D) 2019

45. भारत की संविधान सभा के सदस्य थे:
(A) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के माध्यम से भारत की जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित
(B) ब्रिटिश क्राउन और औपनिवेशिक सरकार द्वारा नामांकित
(C) पूर्णतः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व द्वारा नामांकित
(D) प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित

46. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता बेमेल है क्योंकि इसे ब्रिटिश संविधान से नहीं लिया गया था?
(A) सरकार की संसदीय प्रणाली
(B) विधि का शासन
(C) न्यायिक समीक्षा
(D) एकल नागरिकता

Downloaded from www.pdf.tube

स्थल थार मरुस्थल की सुंदरता को प्रदर्शित करता है और पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है।

55. (B) जयपुर
पारंपरिक 'हाथी महोत्सव' प्रतिवर्ष होली के त्योहार के अवसर पर गुलाबी नगरी जयपुर में आयोजित होने वाला एक प्रमुख सांस्कृतिक आकर्षण है। इस उत्सव के दौरान हाथियों को सुंदर रंगों और पारंपरिक गहनों से सजाया जाता है। जयपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में हाथियों की परेड, पोलो मैच और राजस्थानी लोक संगीत प्रस्तुत किए जाते हैं, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होते हैं।

56. (C) अलवर
सरिस्का टाइगर रिजर्व राजस्थान के अलवर जिले में अरावली पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों के बीच स्थित एक प्रमुख वन्यजीव अभयारण्य है। वर्ष 1978 में इसे प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बाघ आरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था। यहाँ शुष्क वन, ऐतिहासिक भानगढ़ किला और कांकनवाड़ी किला स्थित हैं। यह अभयारण्य बाघों के पुनर्वास और विभिन्न प्रकार के दुर्लभ पक्षियों के अवलोकन हेतु विश्व प्रसिद्ध है।

57. (D) रखरखाव के लिए धन जुटाने के साथ-साथ स्थापत्य विरासत का संरक्षण करना
राजस्थान में हेरिटेज होटल योजना शुरू करने का मूल उद्देश्य राज्य की ऐतिहासिक वास्तुकला, प्राचीन किलों और महलों को क्षरण से बचाना तथा उनका संरक्षण सुनिश्चित करना था। इन इमारतों को हेरिटेज होटलों में परिवर्तित करने से इनके व्यावसायिक संचालन से निरंतर वित्तीय आय प्राप्त होती है, जिससे स्वामियों को इमारतों का नियमित रखरखाव करने में सफलता मिलती है और विरासत संरक्षण होता है।

58. (A) स्मार्टफोन पर तत्काल श्रव्य-दृश्य (ऑडियो-विजुअल) इतिहास और विवरण प्रदान करना
डिजिटल पर्यटन पहल के तहत राजस्थान के प्रमुख पर्यटक स्मारकों पर क्यूआर कोड स्थापित किए गए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य पर्यटकों को अपने स्मार्टफोन के जरिए कोड स्कैन करते ही संबंधित स्मारक का विस्तृत प्रामाणिक इतिहास, वास्तुकला संबंधी विवरण और बहुभाषी श्रव्य-दृश्य गाइड सुविधा तत्काल उपलब्ध कराना है। इससे पर्यटकों की अनधिकृत गाइडों पर निर्भरता कम होती है और सुगम अनुभव मिलता है।

59. (B) यह स्थानीय निवासियों के लिए प्रचुर मात्रा में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करता है
पर्यटन क्षेत्र के 'श्रम-गहन' (लेबर-इंटेंसिव) होने का तात्पर्य यह है कि इस उद्योग के कुशल संचालन के लिए प्रत्यक्ष मानव श्रम की अत्यधिक आवश्यकता होती है। राजस्थान में पर्यटन उद्योग होटल प्रबंधन, गाइड सेवा, परिवहन, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सहायक है।

60. (B) हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाएँ
राजस्थान में आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या से राज्य का स्थानीय असंगठित हस्तशिल्प और पारंपरिक कला क्षेत्र सर्वाधिक प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होता है। पर्यटक अक्सर स्मृति चिन्हों के रूप में प्रसिद्ध बंधेज, कटपुतली, लाख की चूड़ियाँ, उस्ता कला, संगमरमर शिल्प और ब्लॉक प्रिंटेड वस्त्र खरीदते हैं। इससे ग्रामीण कारीगरों और स्थानीय दस्तकारों को सीधा आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

61. (A) नाथद्वारा
उत्कृष्ट 'पिछवाई' चित्रकला शैली मुख्य रूप से राजसमंद जिले में स्थित नाथद्वारा के प्रसिद्ध श्रीनाथजी मंदिर से जुड़ी हुई है। इस पारंपरिक कला शैली में कपड़े के पर्दों पर भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का अत्यंत सुंदर तथा सूक्ष्म चित्रण किया जाता है। यह अनूठी कलाकृति नाथद्वारा आने वाले धार्मिक पर्यटकों और कला प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र है।

62. (C) स्मारकों को विरूपित करना और अवैध अतिक्रमण
राजस्थान में विरासत पर्यटन स्थलों और ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण के समक्ष मुख्य चुनौती असामाजिक तत्वों द्वारा स्मारकों को विरूपित करना, दीवारों को नुकसान पहुँचाना और संरक्षित क्षेत्रों के आसपास होने वाला अवैध अतिक्रमण है। इसके अतिरिक्त अत्यधिक मानवीय गतिविधियों से भी पुरातात्विक संरचनाओं के मूल सौंदर्य को क्षति पहुँचती है, जिसके निवारण हेतु कड़े नियमों और जागरूकता की अत्यंत आवश्यकता है।

NODIA

63. (D) जयपुर
राजस्थान पर्यटन का 'ढूंढाड़ परिपथ' मुख्य रूप से राज्य की राजधानी जयपुर और उसके आसपास के प्रमुख ऐतिहासिक व सांस्कृतिक आकर्षणों जैसे आमेर, सामोद, दौसा और आभानेरी को आच्छादित करता है। यह परिपथ अपनी भव्य वास्तुकला, कछवाहा राजवंश के ऐतिहासिक किलों, महलों, हस्तशिल्प बाजारों और समृद्ध संस्कृति के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है, जो बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है।

64. (C) विरासत स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव में निजी संस्थाओं को शामिल करना
"अपनी धरोहर, अपनी पहचान" योजना का मुख्य उद्देश्य निजी क्षेत्र की कंपनियों और संस्थाओं को ऐतिहासिक विरासत स्थलों के सुंदरीकरण, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं के विकास व रखरखाव में सक्रिय रूप से शामिल करना है। इससे स्मारकों पर पर्यटक सुविधाओं का विस्तार होता है और उनके संरक्षण को बल मिलता है, साथ ही सरकारी खजाने पर वित्तीय भार भी कम होता है।

65. (B) सफेद संगमरमर
पाली जिले में अरावली पहाड़ियों की तलहटी में स्थित प्रसिद्ध रणकपुर जैन मंदिर का निर्माण पूर्णतः उत्कृष्ट सफेद संगमरमर के पत्थरों से किया गया है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर अपनी जटिल नक्काशी, सुंदर गुंबदों, तोरण द्वारों और संगमरमर

के लिए आर्थिक अवसर और दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करना है। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि पर्यटन विकास से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन न हो और भावी पीढ़ियों के लिए विरासत स्थलों का संरक्षण बना रहे। इससे संतुलित पर्यटन बढ़ता है।

44. (B) मेहरानगढ़ किला
जोधपुर के प्रसिद्ध मेहरानगढ़ किले में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'फ्लाइंग फॉक्स' (जिप-लाइनिंग) जैसी रोमांचक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। इसके अंतर्गत पर्यटक तारों के माध्यम से किले की ऊंची प्राचीरों और खाइयों के ऊपर से उड़ान भरते हुए मेहरानगढ़ दुर्ग तथा जोधपुर शहर का विहंगम दृश्य देखते हैं। यह गतिविधि पर्यटकों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय और आकर्षण का केंद्र है।

45. (A) जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा
सांगानेर में स्थित जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा राजस्थान का प्रमुख और एकमात्र पूर्णतः क्रियाशील अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा राज्य में सीधे आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए प्राथमिक हवाई प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यह जयपुर को विभिन्न वैश्विक गंतव्यों से सीधे जोड़ता है। इसके बेहतर हवाई संपर्क ने राज्य के पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को काफी सुदृढ़ किया है।

46. (C) लव-कुश वाटिका
राजस्थान सरकार ने जमीनी स्तर पर इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु प्रत्येक जिले में 'लव-कुश वाटिका' विकसित करने की पहल शुरू की है। इन वाटिकाओं में स्थानीय वनस्पतियों, औषधीय पौधों, ट्रेकिंग पथ और प्राकृतिक स्थलों का निर्माण किया जा रहा है। इससे स्थानीय निवासियों और पर्यटकों को प्रकृति के निकट आने तथा संवेदनशील बनने में मदद मिल रही है।

47. (D) जयपुर
जयपुर शहर आधुनिक अवसंरचना और जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर जैसे विश्वस्तरीय सम्मलेन परिसरों की उपलब्धता के कारण राजस्थान के प्रमुख एमआईसीई (MICE) पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर रहा है। यहाँ बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक सम्मेलन, कॉर्पोरेट बैठकें और प्रदर्शनियाँ आयोजित होती हैं। उत्कृष्ट हवाई संपर्क तथा होटल सुविधाओं के कारण जयपुर इस क्षेत्र में एक अग्रणी शहर बन गया है।

48. (C) राज्य में छायांकन के लिए फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करना और वैश्विक स्तर पर स्थलों को प्रदर्शित करना
राजस्थान में फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने का प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं को राज्य के ऐतिहासिक किलों, महलों, मरुस्थलीय परिदृश्यों तथा प्राकृतिक स्थलों पर शूटिंग के लिए आकर्षित करना है। जब यह स्थल स्क्रीन पर दिखाई देते हैं, तो वैश्विक स्तर पर राज्य का प्रचार होता है। इससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलता है, स्थानीय कलाकारों को रोजगार मिलता है और अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है।

49. (B) कृषि फार्म और ग्रामीण होमस्टे (आवास)
राजस्थान में ग्रामीण और कृषि पर्यटन के अंतर्गत पर्यटकों को शहरी व्यावसायिक होटलों के बजाय ग्रामीण कृषि फार्मों और स्थानीय होमस्टे आवासों में ठहराया जाता है। यह व्यवस्था पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश का प्रामाणिक अनुभव प्रदान करती है, जहाँ वे स्थानीय ग्रामीणों के साथ रहकर उनके पारंपरिक भोजन, रहन-सहन, कृषि गतिविधियों और लोक संस्कृति को करीब से समझ सकते हैं। इससे ग्रामीणों को आय प्राप्त होती है।

50. (D) पर्यटक सहायता बल (टीएएफ)
राजस्थान में आने वाले पर्यटकों को सुरक्षा, मार्गदर्शन और परेशानी मुक्त वातावरण प्रदान करने हेतु राजस्थान सरकार द्वारा विशेष 'पर्यटक सहायता बल' (टीएएफ) का गठन किया गया है। इस बल के कर्मियों को प्रमुख स्मारकों, रेलवे स्टेशनों और पर्यटन स्थलों पर तैनात किया जाता है। ये कर्मी पर्यटकों की सहायता करने और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण कार्य सुचारू रूप से संपादित करते हैं।

51. (A) जोधपुर
भव्य उम्मेद भवन पैलेस राजस्थान के जोधपुर शहर में स्थित एक उत्कृष्ट स्थापत्य कृति और विश्व प्रसिद्ध हेरिटेज होटल है। चित्तर पहाड़ी पर स्थित होने के कारण इसे 'चित्तर पैलेस' भी कहा जाता है। महाराजा उम्मेद सिंह द्वारा निर्मित यह महल बलुआ पत्थर से बना है। वर्तमान में इसके एक भाग में शाही परिवार का निवास है, जबकि दूसरा भाग हेरिटेज होटल के रूप में संचालित है।

52. (B) 52
अजमेर जिले में स्थित पवित्र पुष्कर झील चारों ओर से 52 पारंपरिक स्नान घाटों से घिरी हुई है। इन घाटों का निर्माण विभिन्न पूर्व रियासतों के राजाओं द्वारा कराया गया था। इनमें ब्रह्मा घाट, वराह घाट और गऊ घाट अत्यंत प्रसिद्ध हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर यहाँ मेला लगता है, जहाँ श्रद्धालु इन 52 घाटों पर पवित्र स्नान करके पूजा-अर्चना करते हैं। यह धार्मिक पर्यटन का केंद्र है।

53. (A) लोहागढ़ किला, भरतपुर
यूनेस्को द्वारा 2013 में 'राजस्थान के पहाड़ी किलों' के अंतर्गत छह दुर्गों—आमेर किला, चित्तौड़गढ़ किला, कुंभलगढ़ किला, गागरोन किला, रणथंभौर किला और जैसलमेर किला को शामिल किया गया था। भरतपुर का लोहागढ़ किला एक मैदानी मिट्टी का दुर्ग होने के कारण इस विशिष्ट सूची का हिस्सा नहीं है। यह दुर्ग अपनी अद्वितीय सुरक्षात्मक संरचना के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

54. (D) सम के टीले (सम सैंड ड्यून्स)
जैसलमेर शहर से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित 'सम के टीले' मरुस्थलीय सौंदर्य का प्रमुख केंद्र हैं। यहाँ पर्यटक दूर-दूर तक फैले रेत के टीलों पर मनमोहक सूर्यास्त देखने, ऊंट तथा जीप सफारी का आनंद लेने और पारंपरिक राजस्थानी सांस्कृतिक लोक प्रस्तुतियों का अनुभव करने आते हैं। यह

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 20
संविधान की प्रकृति एवं प्रस्तावना

1. भारत की संविधान सभा का गठन किस योजना के अंतर्गत किया गया था?
(A) कैबिनेट मिशन योजना
(B) माउंटबेटन योजना
(C) क्रिप्स मिशन
(D) अगस्त प्रस्ताव

2. निम्नलिखित में से कौन संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे?
(A) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) डॉ. बी.आर. अंबेडकर
(D) सरदार वल्लभभाई पटेल

3. संविधान सभा को भारत का संविधान अंतिम रूप से तैयार करने में कितना समय लगा?
(A) 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन
(B) 2 वर्ष, 10 माह और 12 दिन
(C) 3 वर्ष, 1 माह और 15 दिन
(D) 3 वर्ष, 2 माह और 10 दिन

4. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता भारतीय संविधान को एकात्मक प्रकृति प्रदान करती है?
(A) केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन
(B) द्विसदनीय विधायिका
(C) लिखित संविधान
(D) पूरे देश के लिए एकल नागरिकता

5. किस संवैधानिक विद्वान ने भारतीय संविधान को 'अर्ध-संघीय' के रूप में वर्णित किया था?
(A) आइवर जेनिंग्स
(B) के.सी. व्हीयर
(C) ग्रैनविले ऑस्टिन
(D) मॉरिस जोन्स

6. भारतीय संविधान को कठोरता और लचीलेपन का मिश्रण माना जाता है क्योंकि:
(A) इसमें किसी भी परिस्थिति में संशोधन नहीं किया जा सकता है
(B) इसे साधारण बहुमत द्वारा पूरी तरह से पुनः लिखा जा सकता है
(C) इसके कुछ भागों को साधारण बहुमत द्वारा संशोधित किया जा सकता है जबकि अन्य के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है
(D) इसके लिए सभी साधारण विधेयकों पर राष्ट्रपति की स्वीकृति आवश्यक है

7. भारतीय संविधान की प्रस्तावना मूल रूप से किसके द्वारा प्रस्तुत किए गए 'उद्देश्य प्रस्ताव' पर आधारित है?
(A) महात्मा गांधी
(B) डॉ. बी.आर. अंबेडकर
(C) सरदार वल्लभभाई पटेल
(D) जवाहरलाल नेहरू

8. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में आने वाले निम्नलिखित शब्दों का सही क्रम क्या है?
(A) संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य
(B) संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य
(C) संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, लोकतंत्रात्मक, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी, गणराज्य
(D) संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, लोकतंत्रात्मक, पंथनिरपेक्ष, गणराज्य

9. निम्नलिखित में से किस नेता ने संविधान सभा में मेवाड़ (उदयपुर) देशी रियासत का प्रतिनिधित्व किया था?
(A) हीरालाल शास्त्री
(B) माणिक्य लाल वर्मा
(C) गोकुल भाई भट्ट
(D) जयनारायण व्यास

10. संविधान सभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसकी पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई थी।
II. डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को इसका अस्थायी अध्यक्ष चुना गया था।
III. महात्मा गांधी संविधान सभा के एक प्रमुख सदस्य थे।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

Downloaded from www.pdf.tube

11. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द नहीं जोड़ा गया था?
(A) बंधुता
(B) समाजवादी
(C) पंथनिरपेक्ष
(D) अखंडता

12. किस ऐतिहासिक निर्णय में भारत के उच्चतम न्यायालय ने 'मूल ढांचा का सिद्धांत' प्रतिपादित किया था?
(A) गोलकनाथ मामला (1967)
(B) केशवानंद भारती मामला (1973)
(C) मिनर्वा मिल्स मामला (1980)
(D) एस.आर. बोम्मई मामला (1994)

13. भारतीय संविधान में मूल अधिकारों की अवधारणा किस देश के संविधान से ली गई है?
(A) यूनाइटेड किंगडम
(B) कनाडा
(C) आयरलैंड
(D) संयुक्त राज्य अमेरिका

14. वर्तमान में भारत के संविधान में कितनी अनुसूचियां हैं?
(A) 8
(B) 10
(C) 12
(D) 14

15. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग मुख्य रूप से नागरिकता से संबंधित है?
(A) भाग I
(B) भाग II
(C) भाग III
(D) भाग IV

16. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 368 विशेष रूप से किससे संबंधित है?
(A) राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा
(B) उच्चतम न्यायालय की स्थापना
(C) निर्वाचन आयोग की शक्तियां
(D) संविधान का संशोधन

17. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): प्रस्तावना को प्रायः भारतीय संविधान की आत्मा माना जाता है।
कारण (R): यह उस मूल दर्शन और मौलिक मूल्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है जिस पर संविधान आधारित है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

18. भारतीय संविधान के विशिष्ट संदर्भ में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) राज्य सभी धार्मिक मान्यताओं का सक्रिय रूप से विरोध और नियंत्रण करता है
(B) राज्य आधिकारिक रूप से बहुसंख्यक धर्म को मान्यता देता है और प्रोत्साहित करता है
(C) कोई आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है और सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाता है
(D) राज्य सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक आचरण को पूरी तरह से प्रतिबंधित करता है

19. भारत में प्रतिवर्ष संविधान दिवस कब मनाया जाता है?
(A) 26 नवंबर
(B) 26 जनवरी
(C) 15 अगस्त
(D) 24 जनवरी

NODIA

20. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस नेता ने जोधपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए संविधान सभा के सदस्य के रूप में कार्य किया और बाद में राजस्थान के मुख्यमंत्री बने?
(A) मोहन लाल सुखाड़िया
(B) टीकाराम पालीवाल
(C) बरकतउल्लाह खान
(D) जयनारायण व्यास

21. भारतीय प्रस्तावना के प्रारंभिक शब्द, "हम, भारत के लोग", किस देश के संविधान से अत्यधिक प्रेरित थे?
(A) फ्रांस
(B) संयुक्त राज्य अमेरिका
(C) सोवियत संघ (USSR)
(D) ऑस्ट्रेलिया

22. भारतीय संविधान की प्रस्तावना अपने सभी नागरिकों को किसकी स्वतंत्रता सुनिश्चित करती है?
(A) सामाजिक स्थिति और आर्थिक अवसर की समानता
(B) नागरिक सहभागिता, राजनीतिक भागीदारी और रोजगार
(C) विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना
(D) आवागमन, निवास और व्यापार या आजीविका की स्वतंत्रता

23. भारतीय संविधान की गृहीत विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित सूचियों पर विचार कीजिए और सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (विशेषता)
P. राज्य के नीति निर्देशक तत्व
Q. समवर्ती सूची
R. मौलिक कर्तव्य

S. संशोधन प्रक्रिया

सूची II: (स्रोत देश)

1. दक्षिण अफ्रीका
2. सोवियत संघ (रूस)
3. आयरलैंड
4. ऑस्ट्रेलिया

(A) P-3, Q-4, R-2, S-1
(B) P-4, Q-3, R-1, S-2
(C) P-3, Q-2, R-4, S-1
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

24. निम्नलिखित में से किसे मुख्य कारण माना जाता है कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे विस्तृत लिखित संविधान है?
(A) केंद्र और राज्यों दोनों के लिए विस्तृत प्रावधान
(B) इसे व्यापक सार्वजनिक बहसों के माध्यम से तीन वर्षों में तैयार किया गया था
(C) इसमें पड़ोसी देशों के संविधानों के प्रावधान शामिल हैं
(D) यह राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम का विस्तृत ऐतिहासिक विवरण प्रदान करता है

25. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'गणराज्य' शब्द यह दर्शाता है कि:
(A) राष्ट्र पूरी तरह से संप्रभु है और किसी भी विदेशी नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त है
(B) राज्य का प्रमुख निर्वाचित होता है, न कि वंशानुगत
(C) राष्ट्रीय संसद सभी मामलों पर सर्वोच्च विधायी शक्ति रखती है
(D) संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह से स्वतंत्र न्यायपालिका की गारंटी देती है

26. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में किस विशिष्ट प्रकार के न्याय का उल्लेख किया गया है?
(A) सामाजिक, शैक्षणिक और कानूनी
(B) सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक
(C) आर्थिक, कानूनी और सांस्कृतिक
(D) राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक

27. संविधान सभा की समिति और उसके अध्यक्ष का निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?
(A) संघ शक्ति समिति - सरदार वल्लभभाई पटेल
(B) प्रारूप समिति - डॉ. बी.आर. अंबेडकर
(C) संचालन समिति - डॉ. राजेंद्र प्रसाद
(D) मौलिक अधिकारों पर सलाहकार समिति - सरदार वल्लभभाई पटेल

28. भारत की संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार के रूप में किसे नियुक्त किया गया था?
(A) के.एम. मुंशी
(B) वी.टी. कृष्णमाचारी
(C) बी.एन. राव
(D) एस.एन. मुखर्जी

29. डॉ. बी.आर. अंबेडकर को मुख्य रूप से भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार कहा जाता है क्योंकि वे:
(A) संविधान सभा के अध्यक्ष थे
(B) संवैधानिक सलाहकार थे
(C) भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे
(D) प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे

30. भारत में, 'संविधान की सर्वोच्चता' के सिद्धांत का तात्पर्य है कि:
(A) स्थापित संवैधानिक सीमाओं के परे संसद के पास कोई भी कानून बनाने की सर्वोच्च शक्ति है
(B) उच्चतम न्यायालय के पास स्वेच्छा से संवैधानिक प्रावधानों को पुनः लिखने या संशोधित करने का पूर्ण अधिकार है
(C) सरकार के सभी अंग संविधान से अपनी शक्ति प्राप्त करते हैं और उसी के दायरे में कार्य करते हैं
(D) भारत के राष्ट्रपति संविधान से ऊपर हैं और सर्वोच्च कार्यकारी विवेक रखते हैं

31. संविधान सभा के उपाध्यक्ष के रूप में सेवा देने वाले वी.टी. कृष्णमाचारी ने राजस्थान की किस देशी रियासत का प्रतिनिधित्व किया था?
(A) बीकानेर
(B) जयपुर
(C) जोधपुर
(D) उदयपुर

32. भारतीय संविधान की प्रस्तावना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसे शेष संविधान लागू होने के बाद संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था।
II. इसके प्रावधान न्यायालय में प्रवर्तनीय हैं।
III. इसमें अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

33. भारतीय संविधान की किस अनुसूची में मान्यता प्राप्त भाषाओं की सूची शामिल है?
(A) छठी अनुसूची
(B) सातवीं अनुसूची
(C) आठवीं अनुसूची
(D) नौवीं अनुसूची

34. निम्नलिखित में से कौन-सी भारतीय संविधान की संघीय विशेषता नहीं है?
(A) केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर काम करने वाली सरकार की दोहरी प्रणाली

Click Here to Buy book on Amazon

के 1444 नक्काशीदार खंभों के लिए जाना जाता है। सफेद संगमरमर का प्रयोग इस मंदिर को एक भव्य और शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है।

66. (D) लेपर्ड (पैंथर) सफारी
जयपुर शहर में स्थित झालाना सफारी पार्क भारत का पहला ऐसा आरक्षित वन क्षेत्र है जिसे विशेष रूप से लेपर्ड (पैंथर) सफारी के रूप में विकसित किया गया है। अरावली पहाड़ियों की तलहटी में स्थित यह अभयारण्य तेंदुओं की उच्च सघनता के लिए जाना जाता है। यहाँ पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण में तेंदुओं, मोर, नीलगाय और अन्य वन्यजीवों को देखने का अनूठा रोमांच मिलता है।

67. (A) रेल परिवहन
"फेयरी क्वीन" और "हेरिटेज ऑन व्हील्स" राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरु की गई विशेष ऐतिहासिक रेल परिवहन सेवा पहलें हैं। विश्व के पुराने भाप इंजन द्वारा संचालित 'फेयरी क्वीन' और शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियों के दर्शन हेतु चलाई गई 'हेरिटेज ऑन व्हील्स' ने पर्यटकों को रेल यात्रा के माध्यम से राजस्थान के इतिहास से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

68. (C) स्पा, योग केंद्र और प्राकृतिक चिकित्सा
राजस्थान में 'आरोग्य पर्यटन' के अंतर्गत शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य में सुधार लाने वाली गतिविधियाँ जैसे आयुर्वेदिक उपचार, स्पा थेरेपी, योग सत्र, ध्यान और प्राकृतिक चिकित्सा मुख्य रूप से शामिल हैं। राज्य में शांतिपूर्ण वातावरण और नेचर रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं, जहाँ पर्यटक आधुनिक तनाव से राहत पाने और पारंपरिक भारतीय स्वास्थ्य प्रणालियों के माध्यम से कायाकल्प हेतु आते हैं।

69. (A) राजस्थान में साहसिक पर्यटन के लिए कोई भौगोलिक क्षमता नहीं है।
यह कहना पूर्णतः असत्य है कि राजस्थान में साहसिक पर्यटन के लिए कोई भौगोलिक क्षमता नहीं है। वास्तव में, राजस्थान का विविधतापूर्ण भूगोल साहसिक गतिविधियों की अपार संभावनाएं प्रदान करता है। थार मरुस्थल में जीप सफारी, ऊँट सफारी, पैरासेलिंग और रेगिस्तानी शिविरों का आयोजन होता है, अरावली पहाड़ियों में ट्रेकिंग तथा झीलों में वाटर स्पोर्ट्स आयोजित किए जाते हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

70. (D) पर्यटक आवासों का प्रबंधन करना, भ्रमण का आयोजन करना और पर्यटन को बढ़ावा देना
राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) का प्राथमिक कार्य राज्य भर में पर्यटकों के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास संचालित करना, दर्शनीय स्थलों के भ्रमण हेतु सुरक्षित परिवहन और टूर पैकेज का आयोजन करना तथा पर्यटन को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही आरटीडीसी पैलेस ऑन व्हील्स जैसी प्रतिष्ठित लक्ज़री ट्रेनों और पर्यटन उत्सवों का सुचारु प्रबंधन करके राज्य के पर्यटन क्षेत्र को सुदृढ़ बनाता है।

NODIA

47. भारतीय संविधान के भागों के संबंध में निम्नलिखित सूचियों पर विचार कीजिए और सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (भाग)
P. भाग II
Q. भाग III
R. भाग XV
S. भाग XX
सूची II: (विषय)
1. संविधान का संशोधन
2. मूल अधिकार
3. नागरिकता
4. निर्वाचन
(A) P-3, Q-2, R-4, S-1
(B) P-2, Q-3, R-1, S-4
(C) P-3, Q-4, R-2, S-1
(D) P-4, Q-1, R-3, S-2

48. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्श किस देश की क्रांति से प्रेरित थे?
(A) रूस
(B) अमेरिका
(C) जर्मनी
(D) फ्रांस

49. प्रस्तावना में 'संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न' शब्द का भारत के संदर्भ में क्या अर्थ है?
(A) भारत किसी भी बाहरी नियंत्रण या शक्ति से मुक्त है
(B) भारत ब्रिटिश राष्ट्रमंडल के अधीन एक स्वायत्त डोमिनियन बना हुआ है
(C) भारत पर आंतरिक रूप से एक संवैधानिक सम्राट और शाही परिषद का शासन है
(D) भारतीय राज्यों के पास संघ से स्वतंत्र रूप से अलग होने का कानूनी अधिकार है

50. संविधान सभा की दोहरी भूमिका के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत के संविधान-निर्माण निकाय और प्रथम विधायी संसद दोनों के रूप में कार्य किया।
कथन II: जब भी सभा एक विधायी निकाय के रूप में मिलती थी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसकी अध्यक्षता करते थे।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
(C) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।
(D) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

51. निम्नलिखित में से किसे उच्चतम न्यायालय द्वारा भारतीय संविधान के मूल ढांचे का अंग नहीं माना गया है?
(A) अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली
(B) विधि का शासन
(C) न्यायपालिका की स्वतंत्रता
(D) संविधान का पंथनिरपेक्ष चरित्र

52. संविधान निर्माण के संबंध में निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. संविधान सभा की पहली बैठक
2. उद्देश्य प्रस्ताव का पारित होना
3. राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया जाना
4. संविधान को अंतिम रूप से अपनाया जाना
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 3, 2, 4
(D) 3, 1, 2, 4

53. 1949 में जब भारत का संविधान अपनाया गया था, तब इसमें मूल रूप से कितने अनुच्छेद और अनुसूचियां थीं?
(A) 448 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां
(B) 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां
(C) 395 अनुच्छेद और 10 अनुसूचियां
(D) 400 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां

54. संविधान सभा की प्रांतीय संविधान समिति के अध्यक्ष कौन थे?
(A) जवाहरलाल नेहरू
(B) जे.बी. कृपलानी
(C) सरदार पटेल
(D) एच.सी. मुखर्जी

55. मुकुट बिहारी लाल भार्गव ने संविधान सभा में राजस्थान के किस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था?
(A) मेवाड़ क्षेत्र
(B) मारवाड़ क्षेत्र
(C) मत्स्य संघ क्षेत्र
(D) अजमेर-मेरवाड़ा

56. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 5 से 11 निम्नलिखित में से किस विषय से संबंधित हैं?
(A) नागरिकता
(B) मूल अधिकार
(C) संघ कार्यपालिका
(D) राज्य विधानमंडल

57. प्रस्तावना में, 'लोकतंत्रात्मक' शब्द यह दर्शाता है कि संविधान ने सरकार का एक ऐसा रूप स्थापित किया है जो अपना अधिकार किससे प्राप्त करता है:
(A) राष्ट्रीय सैन्य बलों का सर्वोच्च अधिकार
(B) जनता की इच्छा
(C) पारंपरिक राजशाही के वंशानुगत अधिकार
(D) भारत के उच्चतम न्यायालय का प्रत्यक्ष अधिकार

58. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

Downloaded from www.pdf.tube

70. (C) संविधान का मूल ढांचा
अनुच्छेद 368 के तहत संसद को संविधान के किसी भी भाग में संशोधन करने का अधिकार प्राप्त है, परंतु वह संविधान के 'मूल ढांचे' को नष्ट या संशोधित नहीं कर सकती। केशवानंद भारती निर्णय के अनुसार, पंथनिरपेक्षता, लोकतंत्र, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और विधि का शासन मूल ढांचे के प्रमुख स्तंभ हैं, जो किसी भी संशोधन की सीमा तय करते हैं।

www.nodia.in

NODIA

मूल्य नहीं है
(B) यह संविधान का एक भाग है लेकिन इसके प्रावधान न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं हैं
(C) यह संविधान का एक भाग है और मूल अधिकारों को दरकिनार करने के लिए सीधे लागू किया जा सकता है
(D) यह संविधान से अलग एक स्वतंत्र कानूनी दस्तावेज है

70. अनुच्छेद 368 के तहत, संसद के पास व्यापक संशोधन शक्तियां हैं, लेकिन वह संविधान के किस पहलू में संशोधन नहीं कर सकती है?
(A) राज्य के नीति निर्देशक तत्व
(B) मौलिक कर्तव्य
(C) संविधान का मूल ढांचा
(D) सातवीं अनुसूची की सूचियां

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

I. इसे प्रायः 'लघु संविधान' कहा जाता है।
II. इसने प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्दों को जोड़ा।
III. इसने संपत्ति के अधिकार को मूल अधिकारों की सूची से हटा दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

59. संसदीय संप्रभुता पर बल देने वाली ब्रिटिश राजनीतिक व्यवस्था के विपरीत, भारतीय व्यवस्था किस पर बल देती है?
(A) संवैधानिक सर्वोच्चता
(B) कार्यपालिका की सर्वोच्चता
(C) सेना की सर्वोच्चता
(D) नौकरशाही की सर्वोच्चता

60. निम्नलिखित में से कौन-सी अनुसूची अपने विषय के साथ सुमेलित नहीं है?
(A) पहली अनुसूची - राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नाम
(B) दूसरी अनुसूची - उच्च अधिकारियों के वेतन और भत्ते
(C) तीसरी अनुसूची - शपथ और प्रतिज्ञान के प्रारूप
(D) दसवीं अनुसूची - राज्यसभा में सीटों का आवंटन

61. प्रस्तावना के अनुसार, किस तिथि को भारत के संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया था?
(A) 15 अगस्त 1947
(B) 26 नवंबर 1949
(C) 26 जनवरी 1950
(D) 24 जनवरी 1950

62. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): भारत ने एकल नागरिकता प्रणाली को अपनाया है।
कारण (R): इसका उद्देश्य क्षेत्रीय विभाजनों को रोककर देश के नागरिकों के बीच एकता और एकीकरण को बढ़ावा देना है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

63. भारतीय संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का विस्तृत वितरण संविधान की किस प्रकृति को दर्शाता है?
(A) एकात्मक प्रकृति
(B) संघीय प्रकृति
(C) राजशाही प्रकृति
(D) अल्पतंत्रीय प्रकृति

64. भारत के विभाजन से पहले डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रारंभ में किस प्रांत से संविधान सभा के लिए चुने गए थे?
(A) बॉम्बे
(B) मद्रास
(C) पंजाब
(D) बंगाल

65. प्रस्तावना के मुख्य शब्दों के संबंध में निम्नलिखित सूचियों पर विचार कीजिए और सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (मुख्य शब्द)
P. संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न
Q. गणराज्य
R. पंथनिरपेक्ष
S. बंधुता
सूची II: (अर्थ)
1. भाईचारे की भावना
2. निर्वाचित राज्य प्रमुख
3. बाहरी नियंत्रण से मुक्त
4. कोई आधिकारिक राज्य धर्म नहीं
(A) P-3, Q-2, R-4, S-1
(B) P-2, Q-3, R-1, S-4
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-4, Q-1, R-2, S-3

66. हीरालाल शास्त्री, जो बाद में राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री बने, संविधान सभा के सदस्य भी थे। उन्होंने किस देशी रियासत का प्रतिनिधित्व किया था?
(A) जोधपुर
(B) उदयपुर
(C) जयपुर
(D) कोटा

67. भारतीय संविधान में 'समवर्ती सूची' की अवधारणा किस देश के संविधान से ली गई है?
(A) ऑस्ट्रेलिया
(B) कनाडा
(C) आयरलैंड
(D) जापान

68. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग मुख्य रूप से संघ सरकार (कार्यपालिका, संसद और न्यायपालिका) से संबंधित है?
(A) भाग IV
(B) भाग V
(C) भाग VI
(D) भाग VIII

69. उच्चतम न्यायालय की वर्तमान कानूनी व्याख्या के अनुसार, भारतीय संविधान की प्रस्तावना की स्थिति क्या है?
(A) यह संविधान का भाग नहीं है और इसका कोई कानूनी

NODIA

संविधान सभा के सदस्य नहीं थे, क्योंकि उन्होंने स्वयं को इससे पृथक रखा था। इस प्रकार केवल प्रथम दो विवरण सत्य हैं।

11. (A) बंधुता
वर्ष 1976 में पारित 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में केवल एक बार संशोधन किया गया है। इस संशोधन के माध्यम से प्रस्तावना में तीन नए शब्द जोड़े गए थे: 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' और 'अखंडता'। बंधुता शब्द मूल संविधान की प्रस्तावना में ही पहले से समाहित था। इसलिए यह शब्द इस संशोधन के अंतर्गत नहीं जोड़ा गया था।

12. (B) केशवानंद भारती मामला (1973)
उच्चतम न्यायालय की 13 न्यायाधीशों की पीठ ने केशवानंद भारती मामला (1973) में ऐतिहासिक निर्णय सुनाते हुए 'मूल ढांचे का सिद्धांत' प्रतिपादित किया था। न्यायालय ने व्यवस्था दी कि अनुच्छेद 368 के तहत संसद संविधान के किसी भी भाग में संशोधन कर सकती है, परंतु वह संविधान के बुनियादी ढाँचे को नष्ट नहीं कर सकती। इसने न्यायिक समीक्षा को सुदृढ़ किया।

13. (D) संयुक्त राज्य अमेरिका
भारतीय संविधान के भाग III (अनुच्छेद 12 से 35) में वर्णित मूल अधिकारों की अवधारणा संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के 'अधिकार पत्र' से प्रेरित है। ये अधिकार प्रत्येक नागरिक की सर्वांगीण उन्नति और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। ये अधिकार न्यायसंगत हैं, जिसका तात्पर्य है कि उल्लंघन होने पर नागरिक सीधे न्यायालय की शरण ले सकता है।

14. (C) 12
26 जनवरी 1950 को लागू हुए मूल भारतीय संविधान में कुल 8 अनुसूचियां शामिल थीं। समय के साथ विभिन्न संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से इसमें 4 नई अनुसूचियां जोड़ी गईं। पहली बार 1951 में प्रथम संशोधन द्वारा नौवीं अनुसूची जोड़ी गई। इसके पश्चात 10वीं, 11वीं तथा 12वीं अनुसूची जोड़ी गई। वर्तमान समय में संविधान में कुल 12 अनुसूचियां विद्यमान हैं, जो कानूनी विवरण देती हैं।

15. (B) भाग II
भारतीय संविधान का भाग II मुख्य रूप से नागरिकता से संबंधित है, जिसके अंतर्गत अनुच्छेद 5 से 11 तक विस्तृत प्रावधान दिए गए हैं। ये अनुच्छेद संविधान लागू होने के समय नागरिकता प्राप्त करने की शर्तों और अधिकारों को परिभाषित करते हैं। इसके अतिरिक्त, अनुच्छेद 11 संसद को नागरिकता के अर्जन तथा समाप्ति हेतु विधि बनाने का पूर्ण अधिकार प्रदान करता है।

16. (D) संविधान का संशोधन
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 368, जो भाग XX में स्थित है, संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति प्रदान करता है। इस अनुच्छेद के अंतर्गत संशोधन की प्रक्रियाओं का विस्तृत उल्लेख किया गया है, जिसमें विशेष बहुमत शामिल है। यह प्रावधान संविधान को देश की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार गतिशील बनाने के साथ मौलिक ढाँचे की भी रक्षा करता है।

17. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
प्रस्तावना को भारतीय संविधान की आत्मा माना जाता है क्योंकि यह पूरे संविधान के दार्शनिक आधार को प्रस्तुत करती है। इसमें उन महान मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों का समावेश है जिन पर संविधान आधारित है, जैसे संप्रभुता, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र। चूंकि कारण यह स्पष्ट करता है कि यह मौलिक मूल्यों को दर्शाती है, अतः दोनों कथन परस्पर पूर्णतः सही हैं।

18. (C) कोई आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है और सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाता है
भारतीय संदर्भ में पंथनिरपेक्षता की अवधारणा पश्चिमी विचार से भिन्न है। भारत में राज्य का अपना कोई आधिकारिक धर्म नहीं है और यह सभी धर्मों के प्रति समानता की नीति अपनाता है। भारतीय संविधान के अंतर्गत राज्य सभी धार्मिक सम्प्रदायों को समान संरक्षण और सम्मान प्रदान करता है। राज्य किसी भी नागरिक के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता।

19. (A) 26 नवंबर
भारत में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1949 में भारत की संविधान सभा ने औपचारिक रूप से संविधान को अंगीकृत किया था। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदान को सम्मान देना है। यह परंपरा 2015 से प्रारंभ हुई थी।

20. (D) जयनारायण व्यास
जयनारायण व्यास राजस्थान के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने जोधपुर रियासत का प्रतिनिधित्व करते हुए भारत की संविधान सभा के सदस्य के रूप में कार्य किया था। उन्होंने प्रजा मंडल आंदोलन के माध्यम से जनजागृति फैलाई। स्वतंत्रता के पश्चात वे राजस्थान के मुख्यमंत्री बने। राजस्थान के राजनीतिक इतिहास और संविधान निर्माण प्रक्रिया में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण एवं अविस्मरणीय माना जाता है।

NODIA

21. (B) संयुक्त राज्य अमेरिका
भारतीय संविधान की प्रस्तावना के शुरुआती शब्द "हम, भारत के लोग" संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से प्रेरित हैं। यह वाक्यांश यह स्पष्ट करता है कि संविधान अपनी समस्त शक्ति और सत्ता सीधे भारत की जनता से ही प्राप्त करता है। यह सिद्धांत स्थापित करता है कि भारत में अंतिम संप्रभुता किसी शासक या संस्था में नहीं बल्कि जनता में निहित है।

22. (C) विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना
भारतीय संविधान की प्रस्तावना देश के सभी नागरिकों को पांच प्रकार की स्वतंत्रता की गारंटी देती है: विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना। इन स्वतंत्रताओं का मुख्य उद्देश्य

एक ऐसा लोकतांत्रिक वातावरण प्रदान करना है जहां प्रत्येक नागरिक स्वतंत्र रूप से सोच सके तथा अपने धार्मिक विश्वासों का पालन कर सके। यह नागरिक विकास के लिए अति आवश्यक तत्व माना जाता है।

23. (A) P-3, Q-4, R-2, S-1
भारतीय संविधान में विभिन्न देशों के संविधानों से महत्वपूर्ण प्रावधान ग्रहण किए गए हैं। राज्य के नीति निर्देशक तत्व आयरलैंड के संविधान से लिए गए हैं। समवर्ती सूची ऑस्ट्रेलिया से, मौलिक कर्तव्य सोवियत संघ से तथा संविधान संशोधन की प्रक्रिया दक्षिण अफ्रीका के संविधान से ली गई है। इस प्रकार यह सुमेलित क्रम संवैधानिक स्रोतों की सही जानकारी प्रदान करता है।

24. (A) केंद्र और राज्यों दोनों के लिए विस्तृत प्रावधान
भारतीय संविधान के विश्व का सबसे विस्तृत लिखित संविधान होने का मुख्य कारण यह है कि इसमें केंद्र और राज्यों दोनों की शासन प्रणालियों का एकल दस्तावेज में विस्तृत वर्णन किया गया है। अन्य देशों के विपरीत भारत में राज्यों का अलग संविधान नहीं है। इसमें प्रशासनिक विवरणों, आपातकालीन प्रावधानों तथा नागरिक अधिकारों का विशद उल्लेख शामिल किया गया है।

25. (B) राज्य का प्रमुख निर्वाचित होता है, न कि वंशानुगत
प्रस्तावना में 'गणराज्य' शब्द का अर्थ यह है कि भारत का राज्य प्रमुख, जो राष्ट्रपति होता है, जनता द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से एक निश्चित अवधि के लिए निर्वाचित किया जाता है। भारत में कोई वंशानुगत शासक नहीं होता है। यह व्यवस्था यह भी सुनिश्चित करती है कि राजनीतिक संप्रभुता किसी एक व्यक्ति में नहीं बल्कि देश की जनता में निहित है।

26. (B) सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक
भारतीय संविधान की प्रस्तावना में तीन विशिष्ट प्रकार के न्याय का स्पष्ट उल्लेख किया गया है: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय। सामाजिक न्याय बिना भेदभाव के समानता पर बल देता है। आर्थिक न्याय आर्थिक विषमता को दूर करने का प्रयास करता है। राजनीतिक न्याय सभी नागरिकों को समान राजनीतिक अधिकार तथा शासन में भागीदारी का अवसर प्रदान करता है।

27. (A) संघ शक्ति समिति - सरदार वल्लभभाई पटेल
संविधान सभा की संघ शक्ति समिति और संघ संविधान समिति दोनों के अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू थे, न कि सरदार वल्लभभाई पटेल। सरदार पटेल प्रांतीय संविधान समिति के अध्यक्ष थे। प्रारूप समिति का नेतृत्व डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने किया था, जबकि डॉ. राजेंद्र प्रसाद संचालन समिति के अध्यक्ष थे। अतः संघ शक्ति समिति का अध्यक्ष पद नेहरू से संबंधित था।

28. (C) बी.एन. राव
सर बेनेगल नरसिंह राव (बी.एन. राव) को वर्ष 1946 में भारत की संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। उन्होंने दुनिया के विभिन्न संविधानों का अध्ययन करके भारतीय संविधान का पहला मसौदा तैयार किया था। इस प्रारंभिक मसौदे में 243 अनुच्छेद और 13 अनुसूचियां थीं। इसी आधार पर प्रारूप समिति ने संविधान को अंतिम रूप प्रदान किया था।

29. (D) प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे
डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार या जनक माना जाता है क्योंकि वे संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। 29 अगस्त 1947 को गठित इस समिति का मुख्य कार्य नए संविधान का मसौदा तैयार करना था। डॉ. अंबेडकर ने अत्यंत कुशलता से संविधान के विभिन्न प्रावधानों को अंतिम आकार प्रदान किया और सभा में स्पष्टीकरण दिया।

30. (C) सरकार के सभी अंग संविधान से अपनी शक्ति प्राप्त करते हैं और उसी के दायरे में कार्य करते हैं
'संविधान की सर्वोच्चता' का तात्पर्य है कि संविधान देश का सर्वोच्च कानून है। भारत में सरकार के तीनों मुख्य अंग—कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका—अपनी शक्तियां संविधान से ही प्राप्त करते हैं और उन्हें संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर ही कार्य करना होता है। कोई भी अंग संविधान से ऊपर नहीं है तथा सभी इसके दायरे में रहकर कार्य करते हैं।

31. (B) जयपुर
सर वी.टी. कृष्णमाचारी एक प्रसिद्ध प्रशासक थे, जिन्होंने संविधान सभा में जयपुर देशी रियासत का प्रतिनिधित्व किया था। वे जयपुर राज्य के दीवान पद पर भी कार्यरत रहे। संविधान सभा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण उन्हें सभा का उपाध्यक्ष चुना गया था। उन्होंने देशी रियासतों के भारत संघ में विलय तथा संविधान निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

32. (C) केवल I और III
संविधान की प्रस्तावना को संविधान सभा द्वारा शेष संविधान के पारित होने के बाद अपनाया गया था ताकि यह संविधान के अनुरूप रहे। इसके प्रावधान गैर-न्यायोचित हैं, इसलिए इन्हें न्यायालय में लागू नहीं कराया जा सकता, जिससे दूसरा कथन गलत है। केशवानंद भारती मामले के अनुसार प्रस्तावना में अनुच्छेद 368 के अंतर्गत संशोधन किया जा सकता है। अतः पहला और तीसरा कथन सही हैं।

33. (C) आठवीं अनुसूची
भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची भारत की मान्यता प्राप्त भाषाओं से संबंधित है। मूल संविधान में इस अनुसूची के अंतर्गत 14 भाषाएं शामिल थीं। विभिन्न संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से इसमें नई भाषाओं को जोड़ा गया। वर्तमान समय में आठवीं अनुसूची के तहत कुल 22 भाषाओं को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई है, जो देश की भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

34. (C) केंद्र द्वारा राज्यपालों की नियुक्ति
केंद्र द्वारा राज्यों में राज्यपालों की नियुक्ति भारतीय संविधान की एक एकात्मक या गैर-संघीय विशेषता है। राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करते हैं, जिससे केंद्र का राज्यों पर नियंत्रण बना रहता है। इसके विपरीत, दोहरी सरकार, शक्तियों का विभाजन तथा संविधान की सर्वोच्चता जैसी विशेषताएं भारत की संघीय प्रणाली को प्रदर्शित करती हैं, जो केंद्र-राज्य संबंधों को संतुलित बनाती हैं।

35. (A) प्रतिष्ठा और अवसर
भारतीय संविधान की प्रस्तावना देश के सभी नागरिकों को 'प्रतिष्ठा और अवसर की समता' प्रदान करती है। इस प्रावधान का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त विशेषाधिकारों को समाप्त करना है। इसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने तथा अपनी क्षमता के विकास हेतु बिना किसी भेदभाव के समान अवसर प्रदान किए जाते हैं, जो समतामूलक समाज का आधार है।

36. (C) भाग IV
राज्य के नीति निर्देशक तत्व भारतीय संविधान के भाग IV में अनुच्छेद 36 से 51 के अंतर्गत वर्णित हैं। ये सिद्धांत आयरलैंड के संविधान से प्रेरित होकर शामिल किए गए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य भारत में एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना तथा सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र को स्थापित करना है। ये कानून निर्माण में मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं।

37. (B) केशवानंद भारती मामला
केशवानंद भारती मामला (1973) में भारत के उच्चतम न्यायालय ने यह निर्णय दिया कि प्रस्तावना संविधान का एक भाग है। इसके साथ ही न्यायालय ने यह भी व्यवस्था दी कि अनुच्छेद 368 के अंतर्गत प्रस्तावना में संशोधन किया जा सकता है, बशर्ते इसके द्वारा संविधान के मूलभूत ढांचे को किसी प्रकार से क्षति न पहुंचाई जाए। यह एक युगांतकारी निर्णय सिद्ध हुआ।

38. (C) एकल नागरिकता
भारतीय संविधान देश में राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने हेतु एकल नागरिकता का प्रावधान करता है। अमेरिका जैसी दोहरी नागरिकता प्रणाली के विपरीत, भारत में किसी भी राज्य का निवासी केवल भारत का ही नागरिक कहलाता है। यह व्यवस्था क्षेत्रीय संकीर्णता को समाप्त करके सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करती है तथा बंधुता को बढ़ावा देती है।

39. (B) दो
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संवैधानिक संशोधन की दो विशिष्ट प्रक्रियाओं का उल्लेख किया गया है। प्रथम प्रक्रिया संसद के विशेष बहुमत द्वारा संशोधन को निर्दिष्ट करती है। द्वितीय प्रक्रिया के अंतर्गत संसद के विशेष बहुमत के अतिरिक्त कम से कम आधे राज्यों के विधानमंडलों की स्वीकृति अनिवार्य होती है, जो संघीय ढांचे को सुरक्षा प्रदान करती है।

40. (A) सैद्धांतिक दूरी और सभी धर्मों के लिए समान सम्मान
भारतीय संवैधानिक ढांचे में पंथनिरपेक्षता की मुख्य विशेषता यह है कि यह राज्य और धर्म के बीच कठोर पृथक्करण के स्थान पर सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और सैद्धांतिक दूरी की नीति पर आधारित है। राज्य का अपना कोई आधिकारिक धर्म नहीं है। यह सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के धार्मिक स्वतंत्रता का पूर्ण अधिकार प्रदान करता है।

41. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
भारतीय संविधान कठोरता और लचीलेपन का एक अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करता है। यह पूरी तरह से कठोर नहीं है क्योंकि इसके अनेक प्रावधानों को साधारण बहुमत द्वारा बदला जा सकता है। साथ ही, महत्वपूर्ण विषयों हेतु विशेष बहुमत की आवश्यकता इसे कठोरता प्रदान करती है। चूंकि कारण इस संतुलन को सही ढंग से स्पष्ट करता है, अतः दोनों कथन सत्य हैं।

42. (B) बीकानेर
कवलम माधव पणिक्कर (के.एम. पणिक्कर) एक विख्यात कूटनीतिज्ञ और विद्वान थे। उन्होंने बीकानेर देशी रियासत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया तथा संविधान सभा में बीकानेर का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने देशी रियासतों के भारतीय संघ में विलय और संवैधानिक मसौदे को तैयार करने में अमूल्य योगदान दिया। वे स्वतंत्र भारत के एक सफल राजनयिक भी सिद्ध हुए थे।

43. (A) राष्ट्र की एकता और अखंडता
भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बंधुता को बढ़ावा देने का प्रमुख उद्देश्य व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करना है। प्रस्तावना यह मानती है कि राष्ट्र की एकता और अखंडता तभी संभव है जब देश के सभी नागरिकों के बीच आपसी भाईचारे तथा सम्मान की भावना विद्यमान होगी। यह सामाजिक समरसता का मुख्य आधार है।

44. (C) 2015
भारत सरकार ने वर्ष 2015 में संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में घोषित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवा पीढ़ी, में संवैधानिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों और न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह निर्णय राष्ट्र के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ।

45. (D) प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित
भारतीय संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया गया था। कैबिनेट मिशन योजना के अनुसार, प्रांतीय विधान सभाओं ने आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के आधार पर संविधान सभा के प्रतिनिधियों का चुनाव किया। वहीं दूसरी ओर, देशी रियासतों के प्रतिनिधियों को वहां के शासकों द्वारा नामांकित किया गया था। इस प्रकार यह व्यवस्था बनी।

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) कैबिनेट मिशन योजना
भारत की संविधान सभा का गठन वर्ष 1946 में कैबिनेट मिशन योजना के प्रावधानों के तहत किया गया था। इस मिशन में लॉर्ड पैथिक लॉरेंस, सर स्टेफोर्ड क्रिप्स और ए.वी. अलेक्जेंडर शामिल थे। कैबिनेट मिशन ने भारत के लिए एक त्रिस्तरीय ढांचा प्रस्तावित किया तथा प्रांतीय विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली के माध्यम से संविधान सभा के गठन की सिफारिश की।

2. (C) डॉ. बी.आर. अंबेडकर
भारतीय संविधान के प्रारूप को तैयार करने के लिए 29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति का गठन किया गया था। इस समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे। समिति में कुल सात सदस्य शामिल थे, जिन्होंने विभिन्न देशों के संविधानों का अध्ययन करके भारत के लिए एक विस्तृत और संतुलित संविधान का मसौदा तैयार किया। डॉ. अंबेडकर के अमूल्य योगदान के कारण उन्हें भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार माना जाता है।

3. (A) 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन
भारतीय संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को आयोजित हुई थी। संविधान के निर्माण में कुल 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन का समय लगा था। इस पूरी अवधि के दौरान संविधान सभा के कुल 11 सत्र आयोजित किए गए थे। विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा और गहन विचार-विमर्श के पश्चात 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत किया गया था।

4. (D) पूरे देश के लिए एकल नागरिकता
भारतीय संविधान में संघीय और एकात्मक दोनों प्रणालियों की विशेषताएं समाहित हैं। एकल नागरिकता की व्यवस्था एक प्रमुख एकात्मक लक्षण है, जिसके अंतर्गत पूरे देश के नागरिकों को केवल भारत की नागरिकता प्राप्त होती है, न कि राज्यों की पृथक नागरिकता। यह व्यवस्था देश की अखंडता और बंधुत्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बनाई गई है, जो क्षेत्रीय भेदभाव को समाप्त करती है।

5. (B) के.सी. व्हीयर
संवैधानिक विशेषज्ञ के.सी. व्हीयर ने भारतीय संविधान की संरचनात्मक विशेषताओं का विश्लेषण करते हुए इसे अर्ध-संघीय कहा था। उनके अनुसार, भारतीय संविधान एक ऐसा राज्य स्थापित करता है जो संरचना में संघीय है लेकिन भावना में एकात्मक है। भारतीय संविधान में केंद्र को अत्यधिक शक्तिशाली बनाया गया है, जिससे संकट काल में केंद्र सरकार संपूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण अपने हाथ में ले सकती है।

6. (C) इसके कुछ भागों को साधारण बहुमत द्वारा संशोधित किया जा सकता है जबकि अन्य के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है
भारतीय संविधान न तो पूरी तरह से कठोर है और न ही अत्यधिक नम्य है। इसमें संशोधन की प्रक्रिया को संतुलित बनाया गया है। संविधान के कुछ साधारण प्रावधानों को संसद के साधारण बहुमत से संशोधित किया जा सकता है, जो इसके लचीलेपन को दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर, महत्वपूर्ण प्रावधानों हेतु संसद के विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है, जो कठोरता दर्शाता है।

7. (D) जवाहरलाल नेहरु
पंडित जवाहरलाल नेहरु ने 13 दिसंबर 1946 को संविधान सभा में ऐतिहासिक उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। इस प्रस्ताव में संविधान के मूल सिद्धांतों, गणतांत्रिक ढांचे, सामाजिक न्याय और नागरिकों की मौलिक स्वतंत्रताओं की रुपरेखा निर्धारित की गई थी। संविधान सभा ने 22 जनवरी 1947 को सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। यही प्रस्ताव आगे चलकर प्रस्तावना का मुख्य आधार बना।

8. (A) संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य
भारतीय संविधान की प्रस्तावना भारत के स्वरुप की घोषणा एक विशिष्ट क्रमिक रुप में करती है। मूल संविधान में यह क्रम संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य था। वर्ष 1976 में 42वें संशोधन के माध्यम से इसमें समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़े गए। इसके पश्चात सही क्रम 'संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य' हो गया, जो राज्यव्यवस्था के मूलभूत दर्शन को स्पष्ट रुप से व्यक्त करता है।

9. (B) माणिक्य लाल वर्मा
प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी माणिक्य लाल वर्मा ने संविधान सभा में मेवाड़ (उदयपुर) देशी रियासत का प्रतिनिधित्व किया था। वे बिजोलिया किसान आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे और उन्होंने मेवाड़ प्रजा मंडल की स्थापना में केंद्रीय भूमिका निभाई थी। संविधान सभा के सदस्य के रूप में उन्होंने देशी रियासतों के विलय और लोकतांत्रिक शासन के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया था।

10. (A) केवल I और II
संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 को संपन्न हुई थी, जिसमें वरिष्ठतम सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया था। तत्पश्चात 11 दिसंबर 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया। महात्मा गांधी

Click Here to Buy book on Amazon

58. (A) केवल I और II
42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के माध्यम से संविधान में व्यापक परिवर्तन किए गए, जिस कारण इसे 'लघु संविधान' कहा जाता है। इसने प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' तथा 'अखंडता' शब्द जोड़े। परंतु संपत्ति के अधिकार को मूल अधिकारों से हटाने का कार्य 44वें संशोधन 1978 द्वारा किया गया था। अतः केवल प्रथम और द्वितीय कथन ही सही एवं सत्य हैं।

59. (A) संवैधानिक सर्वोच्चता
ब्रिटेन की राजनीतिक प्रणाली में संसद सर्वोच्च है, जबकि भारत में 'संवैधानिक सर्वोच्चता' के सिद्धांत को स्वीकार किया गया है। भारत में लिखित संविधान देश का उच्चतम कानून है और संसद अपनी शक्तियां संविधान से ही प्राप्त करती है। संसद द्वारा पारित कोई भी कानून यदि संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करता है, तो न्यायपालिका उसे असंवैधानिक घोषित कर सकती है।

60. (D) दसवीं अनुसूची - राज्यसभा में सीटों का आवंटन
भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची दल-बदल विरोधी प्रावधानों से संबंधित है, जिसे 52वें संविधान संशोधन 1985 द्वारा जोड़ा गया था। राज्यसभा में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए सीटों का आवंटन चौथी अनुसूची का विषय है। प्रथम अनुसूची राज्यों के नाम, द्वितीय अनुसूची वेतन-भत्ते तथा तृतीय अनुसूची शपथ के प्रारूप को दर्शाती है। अतः यह युग्म पूर्णतः असंगत है।

61. (B) 26 नवंबर 1949
भारतीय संविधान की प्रस्तावना के अंतिम भाग में यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में उपस्थित सदस्यों द्वारा संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया था। इसी ऐतिहासिक तिथि को नागरिकता और निर्वाचन से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण अनुच्छेद तुरंत लागू हो गए थे, जबकि शेष भाग 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।

62. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
भारत में राष्ट्रीय एकीकरण और बंधुता को सुदृढ़ करने हेतु एकल नागरिकता की प्रणाली अपनाई गई है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि देश का प्रत्येक नागरिक केवल भारतीय है और उसे पूरे देश में समान अधिकार प्राप्त हैं। यह क्षेत्रीय भेदभाव को समाप्त करने में सहायक है। चूंकि कारण एकल नागरिकता के उद्देश्य को सही स्पष्ट करता है, अतः दोनों कथन सही हैं।

63. (B) संघीय प्रकृति
भारतीय संविधान में केंद्र और राज्यों के बीच सातवीं अनुसूची के तहत संघ, राज्य और समवर्ती सूचियों द्वारा विधायी शक्तियों का विभाजन किया गया है। शक्तियों का यह बंटवारा भारतीय व्यवस्था की मौलिक संघीय प्रकृति का प्रतिनिधित्व करता है। यह व्यवस्था राज्यों को स्वायत्तता प्रदान करती है तथा केंद्र और राज्यों के मध्य संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

64. (D) बंगाल
वर्ष 1946 में हुए प्रारंभिक चुनावों में डॉ. भीमराव अंबेडकर अविभाजित बंगाल प्रांत से संविधान सभा के सदस्य चुने गए थे। वर्ष 1947 में देश के विभाजन के कारण वह क्षेत्र पाकिस्तान में चला गया, जिससे उनकी सदस्यता समाप्त हो गई। तत्पश्चात उनके विधिक ज्ञान को देखते हुए उन्हें बॉम्बे प्रेसीडेंसी से संविधान सभा हेतु पुनः निर्वाचित किया गया था।

65. (A) P-3, Q-2, R-4, S-1
प्रस्तावना के मुख्य शब्द संविधान के आदर्शों को स्पष्ट करते हैं। 'संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न' का अर्थ बाहरी नियंत्रण से मुक्ति है। 'गणराज्य' का अर्थ निर्वाचित राज्य प्रमुख से है। 'पंथनिरपेक्ष' का अर्थ कोई आधिकारिक राज्य धर्म न होना है। 'बंधुता' का तात्पर्य नागरिकों के बीच भाईचारे की भावना से है। इस प्रकार सभी पद अपने अर्थ के साथ सही सुमेलित हैं।

66. (C) जयपुर
पंडित हीरालाल शास्त्री राजस्थान के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने भारत की संविधान सभा में जयपुर देशी रियासत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने जयपुर प्रजा मंडल में अत्यंत सक्रिय भूमिका निभाई तथा महिला शिक्षा के प्रसार हेतु कार्य किया। राजस्थान के एकीकरण के पश्चात वे राजस्थान राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बने तथा संवैधानिक विकास में अमूल्य योगदान प्रदान किया था।

67. (A) ऑस्ट्रेलिया
भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में समाहित समवर्ती सूची का प्रावधान ऑस्ट्रेलिया के संविधान से ग्रहण किया गया है। इस सूची के विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों को कानून बनाने का अधिकार प्राप्त है। परंतु किसी विरोधाभास की स्थिति में केंद्रीय कानून को ही प्राथमिकता और मान्यता प्रदान की जाती है, जो राष्ट्रीय एकरूपता बनाए रखने में सहायक है।

68. (B) भाग V
भारतीय संविधान का भाग V (अनुच्छेद 52 से 151) संघ सरकार की संरचना से संबंधित है। यह भाग केंद्र सरकार के तीनों प्रमुख अंगों—संघीय कार्यपालिका, संसद और उच्चतम न्यायालय—की शक्तियों, कार्यों एवं संगठन का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। इसके अलावा इसमें भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का पद भी स्पष्ट सम्मिलित किया गया है, जो वित्तीय नियंत्रण रखता है।

69. (B) यह संविधान का एक भाग है लेकिन इसके प्रावधान न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं हैं
उच्चतम न्यायालय के केशवानंद भारती और एलआईसी ऑफ इंडिया मामलों के निर्णयों के अनुसार, प्रस्तावना संविधान का एक अभिन्न अंग है। हालांकि, इसके प्रावधान गैर-न्यायोचित हैं, अर्थात इन्हें न्यायालय में कानूनी रूप से लागू या प्रवर्तित नहीं कराया जा सकता। फिर भी प्रस्तावना संविधान के अनुच्छेदों के अर्थ और व्याख्या को समझने में एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है।

NODIA

46. (C) न्यायिक समीक्षा
न्यायिक समीक्षा की अवधारणा ब्रिटिश संविधान से नहीं ली गई है, बल्कि इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से ग्रहण किया गया है। यह शक्ति न्यायपालिका को संसद द्वारा बनाए गए कानूनों की समीक्षा करने का अधिकार देती है। ब्रिटेन के संविधान से संसदीय शासन प्रणाली, विधि का शासन तथा एकल नागरिकता जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान ही प्राप्त किए गए थे।

47. (A) P-3, Q-2, R-4, S-1
भारतीय संविधान के विभिन्न भाग विशिष्ट विषयों का विस्तृत प्रावधान करते हैं। भाग II नागरिकता की शर्तों से संबंधित है। भाग III नागरिकों के मौलिक अधिकारों को गारंटी प्रदान करता है। भाग XV चुनाव आयोग और निर्वाचन प्रणाली से संबंधित है। भाग XX के अंतर्गत संविधान संशोधन की प्रक्रिया दी गई है। अतः यह सुमेलित क्रम पूर्णतः सटीक एवं सही है।

48. (D) फ्रांस
भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निहित 'स्वतंत्रता, समता और बंधुता' के महान आदर्श वर्ष 1789 की प्रसिद्ध फ्रांसीसी क्रांति से प्रेरित हैं। फ्रांसीसी क्रांति के इस मूल मंत्र ने संपूर्ण विश्व में मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की चेतना जगाई थी। भारतीय संविधान सभा ने इन तीनों सिद्धांतों को भारतीय समाज में न्याय और समरसता स्थापित करने हेतु प्रस्तावना में शामिल किया।

49. (A) भारत किसी भी बाहरी नियंत्रण या शक्ति से मुक्त है
'संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न' शब्द का अर्थ यह है कि भारत एक पूर्णतः स्वतंत्र राष्ट्र है और यह किसी अन्य विदेशी सत्ता या बाहरी नियंत्रण के अधीन नहीं है। भारत अपने आंतरिक और बाहरी मामलों में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की पूर्ण शक्ति रखता है। किसी भी अन्य देश या अंतरराष्ट्रीय संगठन का आदेश भारत पर बाध्यकारी नहीं हो सकता है।

50. (B) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
संविधान सभा ने दोहरी भूमिका निभाई: इसने संविधान निर्माण के साथ-साथ प्रथम अंतरिम संसद के रूप में भी कार्य किया। जब सभा संविधान निर्माण हेतु मिलती थी, तब डॉ. राजेंद्र प्रसाद अध्यक्ष होते थे। परंतु जब यह एक विधायी संसद के रूप में कार्य करती थी, तब जी.वी. मावलंकर इसकी अध्यक्षता करते थे। इसलिए द्वितीय कथन असत्य हो जाता है।

51. (A) अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली
भारतीय संविधान में संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया गया है, जो संविधान के मूल ढांचे का एक अभिन्न भाग है। अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली भारतीय संविधान का अंग नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने विधि के शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता तथा पंथनिरपेक्षता को मूल ढांचे के अनिवार्य घटकों के रूप में स्पष्ट रूप से मान्यता प्रदान की हुई है, जो अपरिवर्तनीय हैं।

52. (A) 1, 2, 3, 4
भारतीय संविधान निर्माण की ऐतिहासिक घटनाओं का कालानुक्रम इस प्रकार है: सर्वप्रथम 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई। इसके बाद 22 जनवरी 1947 को उद्देश्य प्रस्ताव पारित हुआ। तत्पश्चात 22 जुलाई 1947 को राष्ट्रीय ध्वज अंगीकृत किया गया। अंत में 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंतिम रूप से स्वीकृत किया गया। अतः यह क्रम सही है।

53. (B) 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां
26 नवंबर 1949 को जब संविधान सभा द्वारा भारत का संविधान स्वीकृत किया गया था, तब इसके मूल ढांचे में कुल 395 अनुच्छेद तथा 8 अनुसूचियां सम्मिलित थीं। ये अनुच्छेद 22 भागों में विभाजित थे। बाद में विभिन्न संवैधानिक संशोधनों के जरिए नए अनुच्छेद एवं चार अन्य अनुसूचियां जोड़ी गईं, जिससे संविधान का अत्यधिक विस्तार हुआ तथा नया स्वरूप प्राप्त हुआ।

54. (C) सरदार पटेल
संविधान सभा द्वारा गठित प्रांतीय संविधान समिति के अध्यक्ष सरदार वल्लभभाई पटेल थे। इस समिति का मुख्य कार्य प्रांतीय सरकारों की संरचना और शक्तियों से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों को तैयार करना था। सरदार पटेल ने देशी रियासतों के भारत में एकीकरण तथा प्रांतीय स्वायत्तता के मुद्दों पर दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तुत की थीं, जिन्हें स्वीकारा गया।

55. (D) अजमेर-मेरवाड़ा
मुकुट बिहारी लाल भार्गव एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं वकील थे, जिन्होंने संविधान सभा में 'अजमेर-मेरवाड़ा' क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। अजमेर-मेरवाड़ा स्वतंत्रता के समय एक केंद्र शासित ग श्रेणी का राज्य था। मुकुट बिहारी लाल भार्गव ने इस क्षेत्र की समस्याओं और आकांक्षाओं को संविधान सभा के समक्ष प्रभावशाली ढंग से रखा तथा संविधान निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

56. (A) नागरिकता
भारतीय संविधान के भाग II में समाहित अनुच्छेद 5 से 11 मुख्य रूप से भारतीय नागरिकता से संबंधित प्रावधानों का वर्णन करते हैं। इनमें संविधान लागू होने के समय नागरिकता की पात्रता, देश-विभाजन के समय विस्थापितों के अधिकारों तथा नागरिकता की समाप्ति के नियम शामिल हैं। इसके अलावा संसद को नागरिकता संबंधी कानून बनाने का पूर्ण अधिकार दिया गया है।

57. (B) जनता की इच्छा
प्रस्तावना में प्रयुक्त 'लोकतंत्रात्मक' शब्द यह स्थापित करता है कि भारतीय शासन व्यवस्था अपनी संपूर्ण शक्ति और अधिकार सीधे जनता की इच्छा से प्राप्त करती है। भारत में लोकतांत्रिक शासन का तात्पर्य यह है कि सरकार का निर्वाचन जनता द्वारा वयस्क मताधिकार के आधार पर किया जाता है और सरकार जनता के प्रति ही पूर्णतः उत्तरदायी एवं जवाबदेह होती है।

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 21
मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक तत्व एवं मौलिक कर्तव्य

1. भारतीय संविधान के किस भाग को सामान्यतः "भारत का मैग्ना कार्टा" कहा जाता है क्योंकि इसमें मौलिक अधिकार शामिल हैं?
(A) भाग II
(B) भाग III
(C) भाग IV
(D) भाग V

2. भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों की अवधारणा मुख्य रूप से किस देश के संविधान से प्रेरित थी?
(A) यूनाइटेड किंगडम
(B) संयुक्त राज्य अमेरिका
(C) आयरलैंड
(D) सोवियत संघ (यूएसएसआर)

3. भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर विधि के समक्ष समता और विधियों के समान संरक्षण को सुनिश्चित करता है?
(A) अनुच्छेद 13
(B) अनुच्छेद 14
(C) अनुच्छेद 15
(D) अनुच्छेद 16

4. "अस्पृश्यता का अंत" और किसी भी रूप में इसके आचरण का निषेध निम्नलिखित में से किस मौलिक अधिकार के तहत गारंटीकृत है?
(A) समता का अधिकार
(B) स्वतंत्रता का अधिकार
(C) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(D) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

5. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 के अनुसार, राज्य किसी नागरिक के विरुद्ध केवल किन आधारों पर विभेद नहीं करेगा?
(A) धर्म, मूलवंश, भाषा, लिंग या धन
(B) जाति, लिंग, निवास, भाषा या आयु
(C) धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान
(D) धर्म, आय, लिंग, जन्मस्थान या व्यवसाय

6. कौन सा मौलिक अधिकार लोक नियोजन के विषयों में अवसर की समता की गारंटी देता है?
(A) अनुच्छेद 14
(B) अनुच्छेद 15
(C) अनुच्छेद 16
(D) अनुच्छेद 17

7. संविधान का अनुच्छेद 18 राज्य द्वारा कोई भी उपाधि प्रदान करने पर रोक लगाता है। तथापि, यह किस प्रकार की उपाधियों के लिए अपवाद बनाता है?
(A) वंशानुगत और राजसी उपाधियाँ
(B) कॉर्पोरेट और नागरिक उपाधियाँ
(C) धार्मिक और पारंपरिक उपाधियाँ
(D) सैन्य और शैक्षणिक उपाधियाँ

8. संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत वर्तमान में भारतीय नागरिकों को कितनी मूल स्वतंत्रताएं गारंटीकृत हैं?
(A) पाँच
(B) छह
(C) सात
(D) आठ

9. निम्नलिखित में से कौन सी स्वतंत्रता भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत गारंटीकृत स्वतंत्रताओं में से एक नहीं है?
(A) वाक्-स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति-स्वतंत्रता
(B) बिना शस्त्रों के शांतिपूर्वक सम्मेलन की स्वतंत्रता
(C) संपत्ति के अर्जन, धारण और व्ययन की स्वतंत्रता
(D) भारत के राज्यक्षेत्र में सर्वत्र अबाध संचरण की स्वतंत्रता

10. शोषण के विरुद्ध अधिकार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अनुच्छेद 23 मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम (बेगार) का प्रतिषेध करता है।
II. अनुच्छेद 24 किसी कारखाने या खान में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियोजन का प्रतिषेध करता है।
III. अनुच्छेद 23 के तहत राज्य सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए अनिवार्य सेवा अधिरोपित कर सकता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

NODIA

31. कौन सा नीति निदेशक तत्व आर्थिक असमानता को कम करने के उद्देश्य से एक समाजवादी विचारधारा को दर्शाता है?
(A) राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों का संरक्षण
(B) कृषि और पशुपालन को आधुनिक प्रणालियों से संगठित करना
(C) पुरुष और स्त्री दोनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन
(D) हिंदी भाषा का प्रसार और विकास

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: राज्य के नीति निदेशक तत्व राज्य पर सकारात्मक दायित्व हैं।
कथन II: मौलिक अधिकार मुख्य रूप से राज्य पर नकारात्मक प्रतिबंध हैं, जो उसे कुछ कार्य करने से रोकते हैं।
निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा सही है?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

33. मूल कर्तव्यों को मूल संविधान में शामिल नहीं किया गया था। इन्हें किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था?
(A) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976
(B) 44वां संशोधन अधिनियम, 1978
(C) 86वां संशोधन अधिनियम, 2002
(D) 73वां संशोधन अधिनियम, 1992

34. भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को किस विशिष्ट अनुच्छेद के तहत रखा गया है?
(A) अनुच्छेद 35A
(B) अनुच्छेद 51
(C) अनुच्छेद 51A
(D) अनुच्छेद 300A

35. सूची I में दिए गए भारतीय संविधान के भागों को सूची II में दिए गए उनके संबंधित विषयों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: भारतीय संविधान के भाग
P. भाग II
Q. भाग III
R. भाग IV
S. भाग IVA
सूची II: विषय
1. मौलिक अधिकार
2. नागरिकता
3. मूल कर्तव्य
4. राज्य के नीति निदेशक तत्व
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

36. भारतीय संविधान में वर्तमान में कितने मूल कर्तव्य सूचीबद्ध हैं?
(A) 9
(B) 10
(C) 11
(D) 12

37. निम्नलिखित में से किसे अनुच्छेद 51A के तहत मूल कर्तव्य के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है?
(A) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखना और हिंसा से दूर रहना
(B) प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करना
(C) नियमित रूप से करों का भुगतान करना
(D) संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों और संस्थाओं का आदर करना

38. किस समिति ने भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने की अनुशंसा की थी?
(A) स्वर्ण सिंह समिति
(B) कोठारी आयोग
(C) सरकारिया आयोग
(D) बलवंत राय मेहता समिति

39. भारत में मूल कर्तव्यों की कानूनी स्थिति क्या है?
(A) वे प्रत्यक्ष न्यायिक आदेशों के माध्यम से कानून द्वारा प्रवर्तनीय हैं
(B) किसी भी कर्तव्य का उल्लंघन करने पर नागरिकता स्वतः रद्द हो जाती है
(C) वे भारत में रहने वाले नागरिकों और विदेशियों दोनों पर लागू होते हैं
(D) वे अन्याययोग्य हैं और न्यायालयों द्वारा सीधे प्रवर्तित नहीं कराए जा सकते

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): मूल कर्तव्य नागरिकों को यह याद दिलाने का काम करते हैं कि अपने अधिकारों का उपभोग करते समय उनके कुछ उत्तरदायित्व भी हैं।
कारण (R): अधिकारों और दायित्वों के बीच एक लोकतांत्रिक संतुलन स्थापित करने के लिए संविधान में मूल कर्तव्यों को जोड़ा गया था।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

41. भारत के उच्चतम न्यायालय ने किस ऐतिहासिक मामले में "मूल संरचना का सिद्धांत" (Basic Structure Doctrine)

Click Here to Buy book on Flipkart

अवैध रूप से निरुद्ध किया जाता है
(B) कोई अधीनस्थ न्यायालय या न्यायाधिकरण अपने क्षेत्राधिकार से बाहर कार्य करता है
(C) कोई लोक अधिकारी अपने अनिवार्य कर्तव्य का पालन करने में विफल रहता है
(D) कोई व्यक्ति अवैध रूप से किसी विवादित सार्वजनिक पद को धारण या हड़प लेता है

22. वाक्-स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति-स्वतंत्रता के अधिकार (अनुच्छेद 19(1)(a)) पर किन आधारों पर युक्तियुक्त निर्बंधन लगाए जा सकते हैं?
(A) भारत की प्रभुता और अखंडता
(B) मानहानि
(C) न्यायालय का अवमान
(D) उपर्युक्त सभी

23. राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान, राष्ट्रपति मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए न्यायालय जाने के अधिकार को निलंबित कर सकते हैं। किन दो अनुच्छेदों को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान भी निलंबित नहीं किया जा सकता है?
(A) अनुच्छेद 14 और 15
(B) अनुच्छेद 19 और 20
(C) अनुच्छेद 20 और 21
(D) अनुच्छेद 21 और 22

24. राज्य के नीति निदेशक तत्वों (DPSP) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इन्हें संविधान के भाग IV में अंतर्विष्ट किया गया है।
II. ये भारत में न्यायालयों द्वारा कानूनी रूप से प्रवर्तनीय हैं।
III. इनका उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना करना है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

25. भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्वों की अवधारणा किस देश के संविधान से ली गई थी?
(A) ऑस्ट्रेलिया
(B) सोवियत संघ (यूएसएसआर)
(C) आयरलैंड
(D) फ्रांस

26. निम्नलिखित में से किस नीति निदेशक तत्व को "गांधीवादी" सिद्धांत के रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) समस्त भारत में सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुरक्षित करना
(B) लोक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करना
(C) राष्ट्रों के बीच अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना
(D) ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना

27. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 40 राज्य को किसके संगठन के लिए कदम उठाने का निर्देश देता है?
(A) ग्राम पंचायतें
(B) सहकारी समितियाँ
(C) व्यापार संघ (ट्रेड यूनियन)
(D) जिला परिषदें

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): अनुच्छेद 44 राज्य को भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुरक्षित करने का निर्देश देता है।
कारण (R): समान नागरिक संहिता यह सुनिश्चित करती है कि धार्मिक ग्रंथों पर आधारित व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) विशेष रूप से संबंधित समुदायों पर ही कड़ाई से लागू हों।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

29. राज्य के नीति निदेशक तत्वों के संदर्भ में "अन्याययोग्य" (non-justiciable) शब्द का क्या अर्थ है?
(A) ये नागरिकों पर कोई नैतिक दायित्व या संवैधानिक उत्तरदायित्व नहीं डालते हैं
(B) लागू न होने पर इन्हें न्यायालयों द्वारा कानूनी रूप से प्रवर्तित नहीं कराया जा सकता है
(C) ये संसद द्वारा किसी भी संवैधानिक संशोधन से पूरी तरह मुक्त हैं
(D) राज्य विधानमंडल में इन पर चर्चा करने पर स्पष्ट रूप से रोक है

30. मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निदेशक तत्वों के बीच टकराव की स्थिति में, मानक संवैधानिक व्याख्या के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा कथन सामान्यतः सही है?
(A) संवैधानिक संशोधनों के अधीन रहते हुए, मौलिक अधिकार अभिभावी (प्राथमिक) होते हैं
(B) नीति निदेशक तत्व हर परिस्थिति में बिना शर्त सभी मौलिक अधिकारों पर अभिभावी होते हैं
(C) भारत के राष्ट्रपति यह निर्धारित करने के लिए विवेकाधिकार का प्रयोग करते हैं कि कौन सा प्रावधान लागू होगा
(D) जब तक उच्चतम न्यायालय औपचारिक रूप से विवाद का समाधान नहीं कर देता, तब तक दोनों प्रावधान स्वतः निलंबित हो जाते हैं

Downloaded from www.pdf.tube

4. प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (अनुच्छेद 21)

(A) 2, 4, 1, 3
(B) 1, 2, 4, 3
(C) 4, 2, 1, 3
(D) 2, 1, 4, 3

52. अनुच्छेद 19(2) के तहत, राज्य वाक्-स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति-स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त निर्बंधन लगा सकता है। निम्नलिखित में से किसे ऐसे निर्बंधन के लिए एक वैध आधार माना जाता है?
(A) विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध
(B) राज्य का आर्थिक विकास
(C) लोक स्वास्थ्य का संवर्धन
(D) सत्ताधारी दल का राजनीतिक विरोध

53. मूल कर्तव्यों के संदर्भ में, 2002 के 86वें संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया 11वां कर्तव्य कौन सा था?
(A) हमारी सामासिक संस्कृति की समृद्ध और विविध विरासत का मूल्य समझना और उसका परिरक्षण करना
(B) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करना
(C) 6 से 14 वर्ष की आयु के अपने बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करना
(D) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करना

54. "प्रतिषेध" (प्रोहिबिशन) रिट का क्या अर्थ है?
(A) किसी अधीनस्थ न्यायालय को उसके क्षेत्राधिकार से बाहर जाने से रोकना
(B) किसी लोक अधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश देना
(C) किसी व्यक्ति को अवैध हिरासत से रिहा करना
(D) किसी सार्वजनिक पद पर किसी व्यक्ति के दावे की कानूनी वैधता की जाँच करना

55. मूल कर्तव्य अनुच्छेद 51A में सूचीबद्ध हैं। निम्नलिखित कर्तव्यों को संविधान में उनके उल्लिखित क्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए:
1. संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों और संस्थाओं का आदर करना।
2. स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखना और उनका पालन करना।
3. भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करना और उसे अक्षुण्ण रखना।
4. देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।

निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही क्रम का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) 2, 1, 3, 4
(B) 1, 2, 3, 4
(C) 3, 4, 1, 2
(D) 1, 3, 2, 4

56. संविधान का अनुच्छेद 29 किसे अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति को बनाए रखने का अधिकार प्रदान करता है?
(A) केवल धार्मिक अल्पसंख्यकों को
(B) भारत में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को
(C) केवल भाषाई अल्पसंख्यकों को
(D) केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को

57. अनुच्छेद 22 के अनुसार, सलाहकार बोर्ड की राय प्राप्त किए बिना किसी व्यक्ति को निवारक निरोध में रखने की अधिकतम अवधि सामान्यतः कितनी होती है?
(A) 1 माह
(B) 2 माह
(C) 3 माह
(D) 6 माह

58. संविधान के किस भाग को किसी भी न्यायालय द्वारा राज्य के विरुद्ध सीधे लागू नहीं कराया जा सकता है, किंतु फिर भी इसे देश के शासन में मूलभूत माना जाता है?
(A) संविधान की प्रस्तावना
(B) भाग III के तहत मौलिक अधिकार
(C) भाग IVA के तहत मूल कर्तव्य
(D) राज्य के नीति निदेशक तत्व

59. अनुच्छेद 48 में उल्लेखित नीति निदेशक तत्व राज्य को किसके लिए कदम उठाने का निर्देश देता है?
(A) कृषि और पशुपालन को आधुनिक प्रणालियों से संगठित करना
(B) ऐतिहासिक स्मारकों और राष्ट्रीय महत्व के स्थानों का संरक्षण और परिरक्षण करना
(C) सभी कर्मकारों के लिए निर्वाह मजदूरी, शिष्ट जीवन स्तर और पूर्ण उपभोग सुनिश्चित करना
(D) समान न्याय को बढ़ावा देना और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करना

60. सूची I में दिए गए नीति निदेशक तत्वों को सूची II में दिए गए उनके संबंधित अनुच्छेदों से सुमेलित कीजिए:

सूची I: नीति निदेशक तत्व
P. समान न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता
Q. ग्राम पंचायतों का संगठन
R. समान नागरिक संहिता
S. न्यायपालिका का कार्यपालिका से पृथक्करण

सूची II: अनुच्छेद
1. अनुच्छेद 40
2. अनुच्छेद 39A
3. अनुच्छेद 50
4. अनुच्छेद 44

(A) P-2, Q-1, R-4, S-3

NODIA

स्थापित किया, जिसमें कहा गया कि संसद संविधान के आधारभूत ढांचे में परिवर्तन नहीं कर सकती है?
(A) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य मामला (1967)
(B) केशवानंद भारती मामला (1973)
(C) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ मामला (1980)
(D) एस. आर. बोम्मई बनाम भारत संघ मामला (1994)

42. निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार को किस संवैधानिक संशोधन द्वारा अनुच्छेद 21A के तहत मौलिक अधिकार के रूप में जोड़ा गया था?
(A) 73वां संशोधन, 1992
(B) 86वां संशोधन, 2002
(C) 91वां संशोधन, 2003
(D) 97वां संशोधन, 2011

43. अनुच्छेद 21A के तहत, राज्य किस आयु वर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए बाध्य है?
(A) 3 से 14 वर्ष
(B) 6 से 14 वर्ष
(C) 6 से 18 वर्ष
(D) 10 से 18 वर्ष

44. सूचना का अधिकार (RTI) संविधान द्वारा गारंटीकृत किस मौलिक अधिकार से अप्रत्यक्ष रूप से व्युत्पन्न है?
(A) विधि के समक्ष समता का अधिकार (अनुच्छेद 14)
(B) वाक्-स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति-स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19)
(C) शोषण और बलात् श्रम के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23)
(D) अंतःकरण की और धर्म की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25)

45. सूचना का अधिकार अधिनियम, जिसने जानने के मौलिक अधिकार को व्यावहारिक रूप प्रदान किया, किस वर्ष पूर्णतः लागू हुआ?
(A) 2001
(B) 2005
(C) 2008
(D) 2010

46. मौलिक अधिकारों के संशोधन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
(A) संसद मूल संरचना का उल्लंघन किए बिना इनमें संशोधन कर सकती है
(B) संसद को किसी भी परिस्थिति में मौलिक अधिकारों में संशोधन करने से पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है
(C) केवल राज्य विधानमंडलों के पास पूरे भारत में मौलिक अधिकारों को संशोधित करने का संवैधानिक अधिकार है
(D) भारत के राष्ट्रपति कार्यकारी अध्यादेश या आदेश के माध्यम से एकपक्षीय रूप से मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकते हैं

47. अनुच्छेद 24 (बाल श्रम का प्रतिषेध) के कार्यान्वयन के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह कारखानों और औद्योगिक इकाइयों में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियोजन को सख्ती से प्रतिबंधित करता है।
(B) यह भूमिगत या जोखिम भरी खानों में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नियोजन को सख्ती से प्रतिबंधित करता है।
(C) यह बच्चों को सुरक्षित पारिवारिक उद्यमों में सहायता करने से रोकता है।
(D) यह 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार के जोखिम भरे नियोजन में काम करने से सख्ती से रोकता है।

48. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह राज्य को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने का निर्देश देता है।
II. यह राज्य से राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने के लिए कहता है।
III. यह सभी वयस्क नागरिकों के लिए अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण का निर्देश देता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

49. निम्नलिखित में से कौन सा अनुच्छेद 14 के तहत विधि के समक्ष समता के सामान्य नियम का एक अपवाद है?
(A) एक सामान्य नागरिक
(B) केवल विधानसभा के भीतर एक विधानसभा सदस्य (एमएलए)
(C) भारत के राष्ट्रपति और राज्यों के राज्यपाल
(D) एक अनिवासी भारतीय (एनआरआई)

50. के. एस. पुट्टास्वामी निर्णय (2017) में उच्चतम न्यायालय ने सर्वसम्मति से निम्नलिखित में से किसे अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित मौलिक अधिकार घोषित किया?
(A) हड़ताल का अधिकार
(B) निजता का अधिकार
(C) संपत्ति का अधिकार
(D) इंटरनेट तक पहुँच का अधिकार

51. भारतीय संविधान के अनुच्छेदों में निम्नलिखित प्रावधानों के प्रकट होने का सही क्रमिक क्रम (निम्नतम अनुच्छेद संख्या से उच्चतम तक) चुनिए:
1. मानव के दुर्व्यापार का प्रतिषेध (अनुच्छेद 23)
2. लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता (अनुच्छेद 16)
3. मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उपचार (अनुच्छेद 32)

Click Here to Buy book on Amazon

21. (C) कोई लोक अधिकारी अपने अनिवार्य कर्तव्य का पालन करने में विफल रहता है
परमादेश की रिट उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालयों द्वारा तब जारी की जाती है जब कोई सार्वजनिक अधिकारी, अधीनस्थ न्यायालय, या सरकार अपने विधिक या संवैधानिक कर्तव्य का पालन करने में विफल रहती है। इस रिट के माध्यम से उस निकाय या अधिकारी को अपने निर्धारित सार्वजनिक कार्यों को पूरा करने का सीधा आदेश दिया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोक प्राधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्पक्षता और तत्परता के साथ करें।

22. (D) उपर्युक्त सभी
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत नागरिकों को वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई है, किंतु यह निरपेक्ष नहीं है। अनुच्छेद 19(2) के अंतर्गत राज्य इस स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त निर्बंधन लगा सकता है। इन निर्बंधनों के वैध आधारों में भारत की प्रभुता और अखंडता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार, न्यायालय का अवमान, मानहानि और अपराध-उद्दीपन शामिल हैं। अतः ये सभी आधार पूरी तरह से मान्य हैं।

23. (C) अनुच्छेद 20 और 21
44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के अनुसार, अनुच्छेद 359 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा के दौरान भी राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 20 और अनुच्छेद 21 के तहत प्रदान किए गए मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन को निलंबित नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 20 अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण देता है तथा अनुच्छेद 21 प्राण और दैहिक स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। यह व्यवस्था आपातकाल में नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करती है।

24. (B) केवल I और III
राज्य के नीति निदेशक तत्व भारतीय संविधान के भाग IV (अनुच्छेद 36 से 51) में अंतर्विष्ट हैं। इनका मुख्य उद्देश्य भारत में सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना करना और एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण करना है। ये सिद्धांत गैर-न्याययोग्य हैं, अर्थात इन्हें लागू न किए जाने पर न्यायालय द्वारा कानूनी रूप से प्रवर्तित नहीं कराया जा सकता है। इसलिए पहला और तीसरा कथन सही हैं, जबकि दूसरा कथन इनकी कानूनी प्रकृति के कारण असत्य है।

25. (C) आयरलैंड
भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्वों की अवधारणा को आयरलैंड के संविधान (1937) से गृहीत किया गया था। आयरलैंड ने स्वयं इन सिद्धांतों को स्पेन के संविधान से ग्रहण किया था। इन सिद्धांतों को भारतीय संविधान में शामिल करने का मुख्य उद्देश्य राज्य को सामाजिक और आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश प्रदान करना था, जिससे भारत में एक लोक कल्याणकारी राज्य की नींव रखी जा सके और नीतियाँ बनाते समय इनका ध्यान रखा जाए।

26. (D) ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना
नीति निदेशक तत्वों में शामिल गांधीवादी सिद्धांत महात्मा गांधी की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं। अनुच्छेद 43 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत या सहकारी आधार पर कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना एक प्रमुख गांधीवादी निर्देश है। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायतों का संगठन (अनुच्छेद 40), मद्यनिषेध (अनुच्छेद 47), तथा दुधारू पशुओं के वध पर रोक (अनुच्छेद 48) भी गांधीवादी सिद्धांतों के अंतर्गत आते हैं, जो ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता पर बल देते हैं।

27. (A) ग्राम पंचायतें
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 40 राज्य को यह निर्देश देता है कि वह ग्राम पंचायतों का संगठन करने के लिए कदम उठाएगा और उन्हें ऐसी शक्तियाँ प्रदान करेगा जो उन्हें स्वायत्त शासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने योग्य बनाने के लिए आवश्यक हों। यह प्रावधान महात्मा गांधी के ग्रामीण स्वशासन और विकेंद्रीकरण के विचार को साकार करने का प्रयास है, जिसे आगे चलकर 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज व्यवस्था के रूप में संवैधानिक दर्जा मिला।

28. (C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
अनुच्छेद 44 राज्य को पूरे भारत में एक समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश देता है। इसका उद्देश्य सभी धर्मों के नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, और संपत्ति उत्तराधिकार जैसे व्यक्तिगत मामलों में एक समान कानून बनाना है। कारण में कहा गया है कि यह धार्मिक ग्रंथों पर आधारित व्यक्तिगत कानूनों को कड़ाई से लागू करता है, जो कि गलत है क्योंकि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य धार्मिक कानूनों के स्थान पर एक साझा धर्मनिरपेक्ष कानून बनाना है।

NODIA

29. (B) लागू न होने पर इन्हें न्यायालयों द्वारा कानूनी रूप से प्रवर्तित नहीं कराया जा सकता है
राज्य के नीति निदेशक तत्वों के संदर्भ में "अन्याययोग्य" शब्द का अर्थ यह है कि यदि राज्य इनका पालन नहीं करता या इन्हें लागू करने में विफल रहता है, तो नागरिक इन्हें लागू कराने के लिए न्यायालय में याचिका दायर नहीं कर सकते। अनुच्छेद 37 में स्पष्ट किया गया है कि ये तत्व किसी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं होंगे, किंतु फिर भी ये देश के शासन में मूलभूत हैं और कानून बनाते समय इन्हें लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा।

30. (A) संवैधानिक संशोधनों के अधीन रहते हुए, मौलिक अधिकार अभिभावी (प्राथमिक) होते हैं
संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार मौलिक अधिकार और नीति निदेशक तत्व एक-दूसरे के पूरक हैं, लेकिन टकराव की स्थिति में मौलिक अधिकारों को प्राथमिक माना जाता है। न्यायालय ने विभिन्न मामलों में स्पष्ट किया है कि संसद नीति निदेशक तत्वों को लागू करने के लिए मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है, बशर्ते ऐसा संशोधन संविधान के आधारभूत ढांचे का उल्लंघन न करे। चंपकम दोराइराजन और मिनर्वा मिल्स मामलों में इस न्यायिक दृष्टिकोण को स्पष्ट किया गया था।

(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-1, R-2, S-3
(D) P-2, Q-4, R-1, S-3

61. निम्नलिखित मौलिक अधिकारों में से असंगत विकल्प को चुनिए:
(A) समता का अधिकार
(B) सूचना का अधिकार
(C) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(D) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

62. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: संपत्ति का अधिकार संविधान के भाग III के तहत एक मौलिक अधिकार है।
कथन II: संपत्ति के अधिकार को 44वें संशोधन अधिनियम द्वारा मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया था।
निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा सही है?
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

63. संपत्ति के अधिकार को वर्तमान में भारतीय संविधान में किस रूप में मान्यता प्राप्त है?
(A) भाग III के तहत मौलिक अधिकार
(B) गैर-सांविधिक नैतिक अधिकार
(C) कानूनी (विधिक) अधिकार
(D) भाग IV का नीति निदेशक तत्व

64. नीति निदेशक तत्वों के तहत कौन सा अनुच्छेद विशेष रूप से राज्य को पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्धन और वन तथा वन्य जीवों की रक्षा करने का निर्देश देता है?
(A) अनुच्छेद 48A
(B) अनुच्छेद 49
(C) अनुच्छेद 50
(D) अनुच्छेद 51

65. निम्नलिखित में से कौन सा कथन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25-28 के माध्यम से लागू "धर्मनिरपेक्ष" (Secular) शब्द को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) राज्य धर्म-विरोधी है और धार्मिक प्रथाओं पर रोक लगाता है
(B) राज्य एक प्रमुख राष्ट्रीय धर्म को बढ़ावा देता है
(C) राज्य सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करता है और इसका कोई आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है
(D) राज्य सभी धार्मिक मामलों से पूरी तरह अलग रहता है और कोई धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान नहीं करता है

66. मूल कर्तव्य का उसके मूल उद्देश्य के साथ सही युग्म पहचानिए:
(A) वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना - कुप्रथाओं और अंधविश्वासों का अंधानुकरण करना
(B) भ्रातृत्व की भावना को बढ़ावा देना - स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध प्रथाओं का त्याग करना
(C) प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करना - औद्योगिक विस्तार के लिए बड़े पैमाने पर वनों की कटाई को बढ़ावा देना
(D) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखना - हिंसक प्रदर्शन आयोजित करना

67. अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है। इस प्रावधान को लागू करने के लिए संसद द्वारा बनाए गए प्राथमिक अधिनियम का क्या नाम है?
(A) भारतीय दंड संहिता अधिनियम, 1860
(B) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955
(C) मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993
(D) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

68. "देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करना" किसका एक प्रावधान है?
(A) मूल कर्तव्य
(B) मौलिक अधिकार
(C) राज्य के नीति निदेशक तत्व
(D) राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम

69. किस स्थिति में अनुच्छेद 19 के तहत गारंटीकृत मौलिक स्वतंत्रताएं स्वतः निलंबित हो सकती हैं?
(A) अनुच्छेद 360 के तहत देश भर में घोषित वित्तीय आपातकाल के दौरान
(B) जब अनुच्छेद 356 के तहत किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है
(C) युद्ध या बाह्य आक्रमण के आधार पर घोषित राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान
(D) आंतरिक सशस्त्र विद्रोह के आधार पर देश भर में घोषित राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान

70. निम्नलिखित में से किसे मौलिक अधिकारों और मूल कर्तव्यों के बीच संबंध का सबसे उपयुक्त विवरण माना जाता है?
(A) अधिकार और कर्तव्य सह-संबंधी और अविभाज्य हैं
(B) वे एक-दूसरे से पूरी तरह से असंबद्ध हैं
(C) अधिकार, कर्तव्यों के कड़ाई से पालन पर सशर्त हैं
(D) कर्तव्य सभी परिस्थितियों में अधिकारों का अतिक्रमण करते हैं

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

11. अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण, जिसमें दोहरे दंड से संरक्षण भी शामिल है, भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत प्रदान किया गया है?
(A) अनुच्छेद 20
(B) अनुच्छेद 21
(C) अनुच्छेद 22
(D) अनुच्छेद 23

12. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 गारंटी देता है:
(A) अंतःकरण की और धर्म की स्वतंत्रता
(B) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता
(C) गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण
(D) निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा

13. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22 के तहत, गिरफ्तार किए गए और अभिरक्षा में निरुद्ध किए गए व्यक्ति को कितनी अवधि के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है?
(A) 12 घंटे
(B) 24 घंटे
(C) 48 घंटे
(D) 72 घंटे

14. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): अनुच्छेद 32 को भारतीय संविधान का "हृदय और आत्मा" माना जाता है।
कारण (R): यह नागरिकों को अपने मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए सीधे उच्चतम न्यायालय जाने का अधिकार प्रदान करता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

15. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28) भारतीय राज्य के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को सुनिश्चित करता है। कौन सा अनुच्छेद प्रत्येक धार्मिक संप्रदाय को धार्मिक और पूर्त प्रयोजनों के लिए संस्थाओं की स्थापना और पोषण का अधिकार देता है?
(A) अनुच्छेद 25
(B) अनुच्छेद 26
(C) अनुच्छेद 27
(D) अनुच्छेद 28

16. सूची I में दी गई रिटों को सूची II में उनके शाब्दिक अर्थों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: रिट
P. बंदी प्रत्यक्षीकरण (हेबियस कॉर्पस)
Q. परमादेश (मेंडमस)
R. अधिकार-पृच्छा (को-वारंटो)
S. उत्प्रेषण (सरटियोरारी)
सूची II: शाब्दिक अर्थ
1. हम आदेश देते हैं
2. शरीर को प्रस्तुत किया जाए
3. प्रमाणित होना या सूचना देना
4. किस अधिकार या वारंट से
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-1, R-3, S-4
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

17. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 27 के तहत, किसी भी व्यक्ति को किसके अभिवर्धन या रखरखाव के लिए करों का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा?
(A) कोई विशिष्ट सार्वजनिक या निजी शैक्षणिक संस्थान
(B) कोई मान्यता प्राप्त व्यापार, व्यवसाय या वाणिज्यिक उद्यम
(C) कोई विशिष्ट धर्म या संप्रदाय
(D) कोई मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक या भाषाई अल्पसंख्यक समूह

18. भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद अल्पसंख्यकों को अपनी रुचि की शिक्षण संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन का अधिकार देता है?
(A) अनुच्छेद 28
(B) अनुच्छेद 29
(C) अनुच्छेद 30
(D) अनुच्छेद 32

19. भारत का उच्चतम न्यायालय अनुच्छेद 32 के तहत मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए रिट जारी करता है। किस अनुच्छेद के तहत उच्च न्यायालय को समान शक्तियाँ प्राप्त हैं?
(A) अनुच्छेद 131
(B) अनुच्छेद 226
(C) अनुच्छेद 324
(D) अनुच्छेद 356

20. किसी व्यक्ति को अवैध रूप से निरुद्ध करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध न्यायालय द्वारा कौन सी रिट जारी की जाती है, जिसमें निरुद्ध व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया जाता है?
(A) बंदी प्रत्यक्षीकरण (हेबियस कॉर्पस)
(B) परमादेश (मेंडमस)
(C) उत्प्रेषण (सरटियोरारी)
(D) प्रतिषेध (प्रोहिबिशन)

21. "परमादेश" (मेंडमस) की रिट उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय द्वारा तब जारी की जाती है जब:
(A) किसी व्यक्ति को कार्यपालिका या निजी प्राधिकारी द्वारा

NODIA

सत्य हैं, जबकि दूसरा कथन आयु सीमा की त्रुटि के कारण असत्य है।

11. (A) अनुच्छेद 20
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 20 अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में नागरिकों और गैर-नागरिकों दोनों को महत्वपूर्ण संरक्षण प्रदान करता है। इसके तहत कार्योत्तर कानूनों से संरक्षण, दोहरे दंड से संरक्षण और स्वयं के विरुद्ध साक्ष्य देने से संरक्षण शामिल है। दोहरे दंड के सिद्धांत के अनुसार किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक से अधिक बार अभियोजित और दंडित नहीं किया जा सकता, जिससे न्यायिक प्रक्रिया में सुरक्षा बनी रहती है।

12. (B) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 गारंटी देता है कि किसी व्यक्ति को उसके प्राण या दैहिक स्वतंत्रता से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जाएगा। यह अधिकार नागरिकों और विदेशियों दोनों को प्राप्त है। उच्चतम न्यायालय ने अपने विभिन्न ऐतिहासिक निर्णयों के माध्यम से इस अनुच्छेद के दायरे का विस्तार करते हुए इसमें सम्मानजनक जीवन, निजता, स्वच्छ पर्यावरण, आजीविका और त्वरित न्याय पाने के अधिकार को भी शामिल माना है।

13. (B) 24 घंटे
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22(2) के अनुसार, गिरफ्तार किए गए और अभिरक्षा में निरुद्ध किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के स्थान से यात्रा के समय को छोड़कर 24 घंटे की अवधि के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ऐसे व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के प्राधिकार के बिना उक्त अवधि से अधिक समय तक निरुद्ध नहीं रखा जा सकता। यह प्रावधान पुलिस की मनमानी रोकने और दैहिक स्वतंत्रता की रक्षा करने हेतु बनाया गया है।

14. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने अनुच्छेद 32 को संविधान का "हृदय और आत्मा" कहा था क्योंकि इसके बिना अन्य मौलिक अधिकार अर्थहीन हो जाते हैं। यह अनुच्छेद नागरिकों को अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में सीधे उच्चतम न्यायालय जाने का अधिकार प्रदान करता है। उच्चतम न्यायालय अधिकारों की रक्षा हेतु विभिन्न प्रकार की रिट जारी कर सकता है। अतः दिया गया कारण कथन की सही और पूरी तरह तार्किक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

15. (B) अनुच्छेद 26
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 26 प्रत्येक धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी अनुभाग को धार्मिक और पूर्त प्रयोजनों के लिए संस्थाओं की स्थापना और पोषण का अधिकार प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह धार्मिक मामलों के प्रबंध, संपत्ति के अर्जन तथा ऐसी संपत्ति का कानून के अनुसार प्रशासन करने का अधिकार भी देता है। यह प्रावधान देश के बहुसांस्कृतिक और धर्मनिरपेक्ष ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है।

16. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
भारतीय संविधान में उल्लिखित रिटों के शाब्दिक अर्थ अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बंदी प्रत्यक्षीकरण का अर्थ "शरीर को प्रस्तुत किया जाए" होता है, जो अवैध निरोध से मुक्ति दिलाता है। परमादेश का शाब्दिक अर्थ "हम आदेश देते हैं" है, जो सार्वजनिक कर्तव्य पालन हेतु जारी किया जाता है। अधिकार-पृच्छा का अर्थ "किस अधिकार से" है, जो पद धारण की जाँच करता है। उत्प्रेषण का अर्थ "प्रमाणित होना या सूचना देना" होता है, जो न्यायिक समीक्षा हेतु प्रयुक्त होता है।

17. (C) कोई विशिष्ट धर्म या संप्रदाय
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 27 यह व्यवस्था करता है कि किसी भी व्यक्ति को ऐसे करों का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा जिनकी आय को किसी विशिष्ट धर्म या धार्मिक संप्रदाय की उन्नति या रख-रखाव के लिए विशेष रूप से विनियोजित किया जाता है। यह प्रावधान राज्य की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति को बनाए रखने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि सार्वजनिक धन का उपयोग किसी एक धर्म के प्रचार के लिए न किया जाए।

18. (C) अनुच्छेद 30
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 30 धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी रुचि की शिक्षण संस्थाओं की स्थापना और उनका प्रशासन करने का अधिकार प्रदान करता है। यह अधिकार अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति, भाषा और लिपि को संरक्षित करने का अवसर देता है। राज्य शिक्षण संस्थाओं को सहायता देने में इस आधार पर कोई भेदभाव नहीं करेगा कि वह किसी अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबंध में है। यह प्रावधान विविधता में एकता को सुदृढ़ करता है।

19. (B) अनुच्छेद 226
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 226 उच्च न्यायालयों को मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के साथ-साथ अन्य कानूनी अधिकारों के लिए भी रिट जारी करने की व्यापक शक्ति प्रदान करता है। जहाँ अनुच्छेद 32 के तहत केवल उच्चतम न्यायालय जाने का अधिकार है, वहीं अनुच्छेद 226 के अंतर्गत उच्च न्यायालय बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, अधिकार-पृच्छा और उत्प्रेषण जैसी रिटें जारी कर सकते हैं। उच्च न्यायालयों का रिट क्षेत्राधिकार इस संदर्भ में अधिक व्यापक माना जाता है।

20. (A) बंदी प्रत्यक्षीकरण (हेबियस कॉर्पस)
अवैध रूप से निरुद्ध किए गए किसी व्यक्ति को स्वतंत्रता दिलाने के लिए न्यायालय द्वारा बंदी प्रत्यक्षीकरण की रिट जारी की जाती है। इस रिट के माध्यम से न्यायालय निरुद्ध करने वाले प्राधिकारी को यह आदेश देता है कि वह बंदी बनाए गए व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करे। यदि निरुद्ध किए जाने का कानूनी आधार वैध नहीं पाया जाता है, तो न्यायालय उस व्यक्ति को रिहा करने का आदेश देता है, जिससे स्वतंत्रता सुरक्षित रहती है।

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) भाग III
भारतीय संविधान के भाग III में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों का विस्तृत विवरण दिया गया है। यह भाग नागरिकों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और न्याय की गारंटी देता है। राज्य की अनियंत्रित शक्तियों के विरुद्ध सुरक्षा देने और अधिकारों को स्थापित करने के कारण इसका विशेष महत्व है। इसी कारण से भारतीय संविधान के इस भाग को भारत का मैग्ना कार्टा कहा जाता है।

2. (B) संयुक्त राज्य अमेरिका
भारतीय संविधान के निर्माताओं ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को शामिल करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान और उसके अधिकार पत्र से प्रेरणा ली थी। अमेरिकी संविधान में अधिकारों को न्यायिक संरक्षण प्राप्त है, जिसे भारत में भी अपनाया गया। इसके तहत न्यायपालिका को मौलिक अधिकारों का संरक्षक बनाया गया ताकि नागरिकों की स्वतंत्रता और समानता की रक्षा राज्य के किसी भी अतिक्रमण से की जा सके।

3. (B) अनुच्छेद 14
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 विधि के समक्ष समता और विधियों के समान संरक्षण का मूलभूत अधिकार प्रदान करता है। इसका तात्पर्य यह है कि भारत के राज्यक्षेत्र में सभी व्यक्ति कानून की दृष्टि में समान हैं और किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। यह प्रावधान विधि के शासन को सुदृढ़ करता है तथा प्रत्येक नागरिक को कानूनी प्रक्रियाओं में पूर्ण न्याय और सुरक्षा की गारंटी देता है।

4. (A) समता का अधिकार
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 के अंतर्गत अस्पृश्यता का अंत कर दिया गया है और किसी भी रूप में इसका आचरण पूरी तरह प्रतिबंधित है। यह प्रावधान समता के अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18) का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने तथा समाज के सभी वर्गों को समानता का जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से संसद द्वारा इस संबंध में कठोर दंडात्मक कानून भी निर्मित किए गए हैं।

5. (C) धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 राज्य को यह निर्देश देता है कि वह किसी नागरिक के विरुद्ध केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। यह प्रावधान सार्वजनिक स्थानों जैसे दुकानों, होटलों और मनोरंजन स्थलों में प्रवेश की निर्बाध स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। हालांकि, राज्य को महिलाओं, बच्चों और सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति प्राप्त है।

6. (C) अनुच्छेद 16
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 16 राज्य के अधीन किसी पद पर नियोजन या नियुक्ति से संबंधित विषयों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समता की गारंटी देता है। यह अनुच्छेद सुनिश्चित करता है कि सार्वजनिक रोजगार में किसी भी नागरिक के साथ केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, उद्भव, जन्मस्थान या निवास के आधार पर भेदभाव न हो। साथ ही, यह पिछड़े वर्गों के लिए नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान भी करता है।

7. (D) सैन्य और शैक्षणिक उपाधियाँ
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 18 सामाजिक समानता स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य द्वारा कोई भी उपाधि प्रदान करने पर रोक लगाता है। हालांकि, इस अनुच्छेद में सैन्य और शैक्षणिक उपलब्धियों से जुड़ी उपाधियों को अपवाद माना गया है। परमवीर चक्र और शैक्षणिक उपाधियाँ व्यक्ति की योग्यता का सम्मान करने के लिए दी जा सकती हैं, क्योंकि इनसे किसी भी प्रकार के वंशानुगत या सामाजिक विशेषाधिकार का निर्माण नहीं होता है।

8. (B) छह
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1) के तहत वर्तमान में भारतीय नागरिकों को छह मूल स्वतंत्रताओं की गारंटी प्रदान की गई है। इनमें वाक् और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्वक सम्मेलन, संघ निर्माण, भारत में अबाध संचरण, निवास करने और कोई भी व्यापार करने की स्वतंत्रता शामिल है। मूल संविधान में सात स्वतंत्रताएं थीं, परंतु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक स्वतंत्रताओं की सूची से हटा दिया गया था।

9. (C) संपत्ति के अर्जन, धारण और व्ययन की स्वतंत्रता
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(f) के तहत नागरिकों को दी गई संपत्ति के अर्जन, धारण और व्ययन की स्वतंत्रता को 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा मौलिक स्वतंत्रताओं से हटा दिया गया था। इसके स्थान पर संपत्ति के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 300A में एक कानूनी अधिकार के रूप में स्थापित किया गया। वर्तमान में अनुच्छेद 19 केवल छह मूलभूत स्वतंत्रताओं की सुरक्षा करता है, जो नागरिकों के विकास हेतु आवश्यक हैं।

10. (C) केवल I और III
शोषण के विरुद्ध अधिकार के तहत अनुच्छेद 23 मानव के दुर्व्यापार और बेगार का प्रतिषेध करता है, तथा राज्य को सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए अनिवार्य सेवा लागू करने की अनुमति देता है। अनुच्छेद 24 के अनुसार कारखानों, खानों या जोखिम भरे कार्यों में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का नियोजन प्रतिबंधित है, न कि 18 वर्ष। अतः पहला और तीसरा कथन

NODIA

31. (C) पुरुष और स्त्री दोनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39(d) राज्य को यह निर्देश देता है कि वह पुरुष और स्त्री दोनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित करे। यह प्रावधान एक प्रमुख समाजवादी सिद्धांत का प्रतिनिधित्व करता है जिसका उद्देश्य लिंग आधारित आर्थिक विषमता को समाप्त करना और कार्यस्थल पर न्याय स्थापित करना है। आर्थिक असमानताओं को कम करना और संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना समाजवादी नीति निदेशक तत्वों की मुख्य विशेषता मानी जाती है।

32. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
राज्य के नीति निदेशक तत्व (भाग IV) सकारात्मक दायित्व हैं क्योंकि वे राज्य को एक कल्याणकारी समाज के निर्माण हेतु विशिष्ट कल्याणकारी नीतियाँ बनाने का निर्देश देते हैं। इसके विपरीत, मौलिक अधिकार (भाग III) मुख्य रूप से नकारात्मक प्रतिबंध हैं क्योंकि वे राज्य को नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता में अनुचित हस्तक्षेप करने से रोकते हैं। अतः दोनों कथन भारतीय संविधान की प्रकृति और संरचना के संदर्भ में पूरी तरह से सत्य और प्रासंगिक माने जाते हैं।

33. (A) 42वां संशोधन अधिनियम, 1976
मूल कर्तव्यों को 1949 के मूल संविधान में शामिल नहीं किया गया था। इन्हें 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान में जोड़ा गया था। तत्कालीन आंतरिक आपातकाल के दौरान नागरिकों में राष्ट्र निर्माण और नागरिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह संशोधन किया गया था। इसके माध्यम से संविधान में एक नया भाग IVA और अनुच्छेद 51A जोड़ा गया, जिसमें प्रारंभ में दस मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया था।

34. (C) अनुच्छेद 51A
भारतीय संविधान के भाग IVA के अंतर्गत केवल एक अनुच्छेद, यानी अनुच्छेद 51A शामिल किया गया है, जो नागरिकों के मूल कर्तव्यों का स्पष्ट उल्लेख करता है। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के माध्यम से इस अनुच्छेद में 10 मूल कर्तव्य जोड़े गए थे। तत्पश्चात, 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा इसमें एक और कर्तव्य जोड़ा गया। वर्तमान में अनुच्छेद 51A के तहत भारतीय नागरिकों के लिए कुल 11 मूल कर्तव्य निर्धारित किए गए हैं।

35. (B) P-2, Q-1, R-4, S-3
भारतीय संविधान के विभिन्न भाग विशिष्ट विषयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। भाग II नागरिकता (अनुच्छेद 5-11) से संबंधित है। भाग III मौलिक अधिकारों (अनुच्छेद 12-35) का प्रावधान करता है। भाग IV में राज्य के नीति निदेशक तत्व (अनुच्छेद 36-51) शामिल किए गए हैं। भाग IVA में नागरिकों के मूल कर्तव्य (अनुच्छेद 51A) अंतर्विष्ट हैं। यह क्रमिक और संरचनात्मक वर्गीकरण भारत के संवैधानिक ढांचे और प्रशासनिक सिद्धांतों को एक सुव्यवस्थित रूप प्रदान करने में सहायक है।

36. (C) 11
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A में वर्तमान में कुल 11 मूल कर्तव्य सूचीबद्ध हैं। 1976 के 42वें संविधान संशोधन द्वारा जब मूल कर्तव्यों को संविधान में शामिल किया गया था, तब इनकी संख्या 10 थी। बाद में वर्ष 2002 में 86वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा 11वां मूल कर्तव्य जोड़ा गया, जिसमें 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के माता-पिता या संरक्षक को अपने बच्चों के लिए शिक्षा का अवसर प्रदान करने का दायित्व सौंपा गया था।

37. (C) नियमित रूप से करों का भुगतान करना
अनुच्छेद 51A में उल्लिखित 11 मूल कर्तव्यों में नियमित रूप से करों का भुगतान करना शामिल नहीं है। हालांकि स्वर्ण सिंह समिति ने करों का भुगतान करने को भी नागरिकों का मूल कर्तव्य बनाने की सिफारिश की थी, लेकिन इसे संविधान संशोधन में स्वीकार नहीं किया गया। अन्य सभी विकल्प, जैसे सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, पर्यावरण की रक्षा और संविधान का पालन करना, अनुच्छेद 51A के तहत स्पष्ट रूप से नागरिकों के मूल कर्तव्य के रूप में दर्ज किए गए हैं।

38. (A) स्वर्ण सिंह समिति
भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने की सिफारिश सरदार स्वर्ण सिंह समिति ने 1976 में की थी। इस समिति की सिफारिशों के आधार पर ही 42वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 पारित किया गया और भाग IVA तथा अनुच्छेद 51A जोड़ा गया। समिति ने आठ मूल कर्तव्यों को शामिल करने का सुझाव दिया था, परंतु संसद ने दस कर्तव्यों को जोड़ा। इस कदम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय चेतना और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

39. (D) वे अन्याययोग्य हैं और न्यायालयों द्वारा सीधे प्रवर्तित नहीं कराए जा सकते
भारतीय संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्य कानूनी रूप से अन्याययोग्य हैं। इसका अर्थ यह है कि यदि कोई नागरिक अपने मूल कर्तव्यों का पालन नहीं करता है, तो उसे सीधे न्यायालय द्वारा दंडित या प्रवर्तित नहीं कराया जा सकता, जब तक कि उस विषय पर कोई विशिष्ट कानून न बना हो। हालांकि, संसद ने पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को रोकने के लिए अलग-अलग कानून बनाए हैं जो इन कर्तव्यों को अप्रत्यक्ष रूप से बल प्रदान करते हैं।

40. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
मूल कर्तव्य नागरिकों के लिए एक सचेतक के रूप में कार्य करते हैं कि अधिकारों का उपभोग करते समय उन्हें समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का भी ध्यान रखना चाहिए। एक स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज में अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जो एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। अतः अधिकार और दायित्व के बीच संतुलन बनाने हेतु इन्हें संविधान में जोड़ा गया था, इसलिए दिया गया कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

NODIA

41. (B) केशवानंद भारती मामला (1973)
केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973) के ऐतिहासिक मामले में उच्चतम न्यायालय की 13 न्यायाधीशों की पीठ ने मूल संरचना का सिद्धांत प्रतिपादित किया था। न्यायालय ने निर्णय दिया कि अनुच्छेद 368 के तहत संसद की संविधान संशोधन करने की शक्ति व्यापक है, लेकिन वह संविधान के मूलभूत ढांचे या आधारभूत तत्वों को नष्ट या परिवर्तित नहीं कर सकती। इस निर्णय ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति और संविधान की सर्वोच्चता को मजबूती से स्थापित करने का काम किया।

42. (B) 86वां संशोधन, 2002
86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा भारतीय संविधान में अनुच्छेद 21A को शामिल किया गया। इस ऐतिहासिक संशोधन के माध्यम से शिक्षा के अधिकार को एक मौलिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया। इसके तहत राज्य के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया कि वह कानून द्वारा निर्धारित तरीके से बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करे। इस संवैधानिक संशोधन को लागू करने के लिए ही संसद ने वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम पारित किया था।

43. (B) 6 से 14 वर्ष
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21A के तहत राज्य 6 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है। यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक बच्चे को मूलभूत प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार मिले, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। इस अधिकार को व्यावहारिक रूप देने के लिए बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 पूरे देश में लागू किया गया था।

44. (B) वाक्-स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति-स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19)
सूचना का अधिकार (RTI) संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) द्वारा प्रदत्त वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से अप्रत्यक्ष रूप से व्युत्पन्न हुआ है। उच्चतम न्यायालय ने अपने कई निर्णयों में यह स्पष्ट किया है कि जानने का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक अभिन्न अंग है। नागरिकों को सरकार के कामकाज और सार्वजनिक निर्णयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है, क्योंकि इसके बिना एक पारदर्शी और उत्तरदायी लोकतांत्रिक व्यवस्था का संचालन संभव नहीं हो पाता है।

45. (B) 2005
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में संसद द्वारा पारित किया गया और यह उसी वर्ष 12 अक्टूबर 2005 को पूर्णतः लागू हुआ। इस कानून का मुख्य उद्देश्य सरकारी कामकाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण सुनिश्चित करना है। यह अधिनियम भारत के नागरिकों को लोक प्राधिकारियों के नियंत्रण में मौजूद सूचना तक पहुँच बनाने का एक व्यावहारिक कानूनी ढांचा प्रदान करता है, जिससे शासन में आम जनता की सहभागिता और निगरानी को प्रोत्साहन मिलता है।

46. (A) संसद मूल संरचना का उल्लंघन किए बिना इनमें संशोधन कर सकती है
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन करने की शक्ति प्राप्त है। हालांकि, केशवानंद भारती मामले (1973) के निर्णय के अनुसार, संसद अपनी संशोधन शक्ति का उपयोग करते समय संविधान के आधारभूत ढांचे या मूल संरचना का उल्लंघन नहीं कर सकती है। यदि संसद द्वारा किया गया कोई संशोधन मौलिक अधिकारों के ऐसे किसी हिस्से को नष्ट करता है जो मूल संरचना में आता है, तो न्यायपालिका उसे असंवैधानिक घोषित कर सकती है।

47. (C) यह बच्चों को सुरक्षित पारिवारिक उद्यमों में सहायता करने से रोकता है।
अनुच्छेद 24 कारखानों, खानों और जोखिम भरे कार्यों में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के काम करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है। बाल श्रम संशोधन अधिनियम के अनुसार बच्चों को स्कूल के समय के बाद गैर-जोखिम वाले पारिवारिक उद्यमों में मदद करने की अनुमति दी गई है। अतः यह कहना गलत है कि यह बच्चों को सुरक्षित पारिवारिक उद्यमों में सहायता करने से रोकता है, क्योंकि कानून केवल जोखिम भरे कार्यों पर रोक लगाता है।

48. (A) केवल I और II
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 51 अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने, राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत संबंधों को बनाए रखने तथा अंतरराष्ट्रीय विधि के प्रति आदर बढ़ाने का निर्देश देता है। इस अनुच्छेद में नागरिकों के लिए किसी भी प्रकार के अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण का कोई प्रावधान शामिल नहीं है। इसलिए पहला और दूसरा कथन पूरी तरह से सही हैं, जबकि तीसरा कथन असत्य है। यह अनुच्छेद भारत की विदेश नीति के मार्गदर्शक सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है।

49. (C) भारत के राष्ट्रपति और राज्यों के राज्यपाल
अनुच्छेद 14 विधि के समक्ष समता की बात करता है, लेकिन संवैधानिक व्यवस्था के तहत भारत के राष्ट्रपति और राज्यों के राज्यपाल को अनुच्छेद 361 के अंतर्गत विशेष उन्मुक्तियाँ और अपवाद प्रदान किए गए हैं। अपने पद की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग में किए गए किसी कार्य के लिए वे न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं होते हैं। इसके अतिरिक्त, उनकी पदावधि के दौरान उनके विरुद्ध कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती, जो कि समानता के नियम का संवैधानिक अपवाद है।

50. (B) निजता का अधिकार
के. एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ मामला (2017) में उच्चतम न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से निर्णय दिया कि निजता का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त प्राण और दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार तथा संविधान के भाग III द्वारा दी गई विभिन्न स्वतंत्रताओं का एक स्वाभाविक और अभिन्न अंग है। इस ऐतिहासिक निर्णय ने

Downloaded from www.pdf.tube

व्यक्तिगत गोपनीयता और नागरिक गरिमा को मजबूत आधार प्रदान किया।

51. (A) 2, 4, 1, 3
भारतीय संविधान के अनुच्छेदों का सही क्रमिक क्रम निम्नवत है: सबसे पहले लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता अनुच्छेद 16 में आती है। इसके पश्चात प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण अनुच्छेद 21 में शामिल है। फिर मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम का प्रतिषेध अनुच्छेद 23 में दर्ज है। अंत में मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए संवैधानिक उपचार अनुच्छेद 32 में दिए गए हैं। अतः अनुच्छेदों का सही आरोही क्रम 2, 4, 1, 3 निर्धारित होता है।

52. (A) विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत नागरिकों को वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई है, किंतु यह निरपेक्ष नहीं है। अनुच्छेद 19(2) के अंतर्गत राज्य इस स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त निर्बंधन लगा सकता है। इन निर्बंधनों के वैध आधारों में भारत की प्रभुता और अखंडता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार, न्यायालय का अवमान, मानहानि और अपराध-उद्दीपन शामिल हैं। अतः विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध का एक वैध आधार है।

53. (C) 6 से 14 वर्ष की आयु के अपने बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करना
86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A में 11वां मूल कर्तव्य जोड़ा गया था। इसके तहत यह प्रत्येक नागरिक का, जो माता-पिता या संरक्षक है, यह कर्तव्य बनाया गया कि वह 6 से 14 वर्ष की आयु वाले अपने बच्चे या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे। यह संशोधन प्राथमिक शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने वाले अनुच्छेद 21A के साथ सामंजस्य स्थापित करने हेतु लागू किया गया था, ताकि बाल शिक्षा को प्रोत्साहन मिले।

54. (A) किसी अधीनस्थ न्यायालय को उसके क्षेत्राधिकार से बाहर जाने से रोकना
प्रतिषेध एक न्यायिक रिट है जिसका शाब्दिक अर्थ "रोकना" होता है। यह रिट उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय द्वारा किसी अधीनस्थ न्यायालय या न्यायाधिकरण को तब जारी की जाती है जब वह अपनी कानूनी अधिकारिता या क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर किसी मामले की सुनवाई कर रहा होता है। इसका मुख्य उद्देश्य निचली अदालतों को अपनी सीमाओं में रखना तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करने से रोकना है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और शुद्धता बनी रहे।

55. (B) 1, 2, 3, 4
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A में मूल कर्तव्यों को एक विशिष्ट क्रम में सूचीबद्ध किया गया है। पहला कर्तव्य संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों तथा संस्थाओं का आदर करना है। दूसरा कर्तव्य स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों का पालन करना है। तीसरा कर्तव्य भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करना है। चौथा कर्तव्य देश की रक्षा करना और राष्ट्र सेवा करना है। अतः दिए गए कथनों का क्रम पूरी तरह से सही और तर्कसंगत है।

56. (B) भारत में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 29(1) यह प्रावधान करता है कि भारत के राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग के निवासी नागरिकों के किसी भी वर्ग को, जिसकी अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति है, उसे बनाए रखने का पूर्ण अधिकार होगा। यद्यपि यह अनुच्छेद सामान्यतः अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जोड़ा जाता है, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि "नागरिकों के किसी भी वर्ग" शब्दावली के कारण इसमें बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों वर्ग शामिल होते हैं, जिससे सांस्कृतिक संरक्षण सुनिश्चित होता है।

57. (C) 3 माह
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22(4) के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को सलाहकार बोर्ड की अनुकूल राय प्राप्त किए बिना निवारक निरोध के तहत तीन माह से अधिक की अवधि के लिए निरुद्ध नहीं रखा जा सकता है। यदि निरोध की अवधि तीन माह से आगे बढ़ानी हो, तो उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की योग्यता रखने वाले सदस्यों से बने सलाहकार बोर्ड द्वारा समीक्षा और स्वीकृति आवश्यक होती है, ताकि व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अनुचित हनन न हो और प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे।

58. (D) राज्य के नीति निदेशक तत्व
भारतीय संविधान के भाग IV में शामिल राज्य के नीति निदेशक तत्व (अनुच्छेद 36 से 51) किसी भी न्यायालय द्वारा सीधे लागू या प्रवर्तित नहीं कराए जा सकते, अर्थात ये गैर-न्याययोग्य हैं। हालांकि, अनुच्छेद 37 स्पष्ट करता है कि ये तत्व देश के शासन में मूलभूत हैं और कानून बनाते समय इन सिद्धांतों को लागू करना राज्य का परम कर्तव्य होगा। ये निर्देश राज्य को एक सामाजिक और आर्थिक रूप से न्यायसंगत लोक कल्याणकारी राज्य बनाने का सुदृढ़ मार्ग प्रशस्त करते हैं।

NODIA

59. (A) कृषि और पशुपालन को आधुनिक प्रणालियों से संगठित करना
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 48 राज्य को कृषि और पशुपालन को आधुनिक और वैज्ञानिक प्रणालियों से संगठित करने का निर्देश देता है। इसके अलावा, यह अनुच्छेद विशेष रूप से गायों, बछड़ों तथा अन्य दुधारू और वाहक मवेशियों की नस्लों के सुधार तथा उनके वध का प्रतिषेध करने के लिए कदम उठाने की बात करता है। यह नीति निदेशक तत्व देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पशुधन संरक्षण और कृषि विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संविधान में शामिल किया गया था।

60. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
नीति निदेशक तत्वों के प्रमुख अनुच्छेदों का सुमेल इस प्रकार है: अनुच्छेद 39A में समान न्याय और गरीबों के लिए निःशुल्क विधिक सहायता का प्रावधान है। अनुच्छेद 40 राज्य को ग्राम पंचायतों के गठन का निर्देश देता है। अनुच्छेद 44 पूरे देश में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू करने की

बात करता है। अनुच्छेद 50 लोक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करने का निर्देश देता है। अतः सही सुमेल P-2, Q-1, R-4, S-3 पूरी तरह से उपयुक्त है।

61. (B) सूचना का अधिकार
भारतीय संविधान के भाग III के अंतर्गत समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18), शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24) और संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32) प्रत्यक्ष रूप से उल्लिखित मौलिक अधिकार हैं। दूसरी ओर, सूचना का अधिकार एक सांविधिक अधिकार है जो संसद द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के माध्यम से बनाया गया है। यद्यपि यह अनुच्छेद 19(1)(a) से व्युत्पन्न है, किंतु यह संविधान में स्वतंत्र मौलिक अधिकार के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है।

62. (D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है
मूल संविधान के भाग III में अनुच्छेद 19(1)(f) और अनुच्छेद 31 के तहत संपत्ति का अधिकार एक मौलिक अधिकार था। हालांकि, 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा इसे मौलिक अधिकारों की सूची से पूरी तरह हटा दिया गया था। वर्तमान में संपत्ति का अधिकार भाग III का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसे अनुच्छेद 300A के तहत एक संवैधानिक या कानूनी अधिकार बनाया गया है। इसलिए पहला कथन गलत है और दूसरा कथन पूरी तरह से सही सिद्ध होता है।

63. (C) कानूनी (विधिक) अधिकार
भारतीय संविधान में संपत्ति का अधिकार अब कोई मौलिक अधिकार नहीं है। 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के माध्यम से इसे मौलिक अधिकारों (भाग III) से हटाकर संविधान के भाग XII में अनुच्छेद 300A के तहत एक कानूनी अधिकार के रूप में स्थापित किया गया था। इसका अर्थ यह है कि राज्य किसी भी व्यक्ति को केवल कानून के प्राधिकार द्वारा ही उसकी संपत्ति से वंचित कर सकता है, इसके बिना किसी भी व्यक्ति की निजी जायदाद नहीं छीनी जा सकती है।

64. (A) अनुच्छेद 48A
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 48A राज्य के नीति निदेशक तत्वों के अंतर्गत आता है। इसे 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान में जोड़ा गया था। यह अनुच्छेद राज्य को स्पष्ट रूप से निर्देश देता है कि वह देश के पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्धन का प्रयास करेगा और वनों तथा वन्य जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। यह प्रावधान सतत विकास और पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा देने के लिए राज्य पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण संवैधानिक दायित्व सौंपता है।

65. (C) राज्य सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करता है और इसका कोई आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है
भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ राज्य द्वारा सभी धर्मों के प्रति समान निष्पक्षता और सम्मान (सर्वधर्म सम्भाव) बनाए रखना है। संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 सभी व्यक्तियों को अंतःकरण की स्वतंत्रता और किसी भी धर्म का अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का अधिकार देते हैं। भारत में राज्य का अपना कोई आधिकारिक धर्म नहीं है और न ही राज्य धर्म के आधार पर नागरिकों के बीच किसी प्रकार का भेदभाव करता है।

66. (B) भ्रातृत्व की भावना को बढ़ावा देना - स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध प्रथाओं का त्याग करना
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51A(e) के अनुसार, भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करना और ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं, नागरिकों का एक प्रमुख मूल कर्तव्य है। अन्य सभी दिए गए विकल्प अपने उल्लिखित उद्देश्यों के विपरीत या नकारात्मक अर्थ प्रस्तुत करते हैं। अतः भ्रातृत्व की भावना के साथ महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार और कुप्रथाओं का त्याग ही सही संवैधानिक युग्म बनता है।

67. (B) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 द्वारा अस्पृश्यता का अंत किया गया है और इसका किसी भी रूप में आचरण दंडनीय अपराध घोषित किया गया है। इस संवैधानिक प्रावधान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए संसद ने प्रारंभ में अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1955 पारित किया था। वर्ष 1976 में इसमें व्यापक संशोधन करके इसका नाम बदलकर नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 कर दिया गया। यह अधिनियम सामाजिक समानता स्थापित करने हेतु कठोर कानूनी उपाय प्रदान करता है।

68. (A) मूल कर्तव्य
"देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करना" भारतीय संविधान के भाग IVA के तहत अनुच्छेद 51A(d) में उल्लिखित एक महत्वपूर्ण मूल कर्तव्य है। यह प्रावधान प्रत्येक भारतीय नागरिक से यह अपेक्षा करता है कि जब भी देश की सुरक्षा, संप्रभुता या अखंडता को कोई खतरा उत्पन्न हो अथवा आवश्यकता पड़े, तो वह राष्ट्र हित में अपनी सेवाएं देने के लिए सदैव तत्पर रहे। यह नागरिक उत्तरदायित्व की भावना को अत्यधिक बल प्रदान करता है।

69. (C) युद्ध या बाह्य आक्रमण के आधार पर घोषित राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 358 के अनुसार, जब युद्ध या बाह्य आक्रमण के आधार पर अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की जाती है, तो अनुच्छेद 19 में दी गई छह मौलिक स्वतंत्रताएं स्वतः निलंबन के अधीन हो जाती हैं। हालांकि, यदि राष्ट्रीय आपातकाल सशस्त्र विद्रोह के आधार पर घोषित किया गया है, तो अनुच्छेद 19 की स्वतंत्रताएं स्वतः निलंबित नहीं होती हैं। यह व्यवस्था देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा हेतु बनाई गई है।

70. (A) अधिकार और कर्तव्य सह-संबंधी और अविभाज्य हैं
भारतीय लोकतांत्रिक ढाँचे में मौलिक अधिकार और मूल कर्तव्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े, सह-संबंधी और अविभाज्य हैं। नागरिकों के अधिकार राज्य और समाज द्वारा तभी सुरक्षित रह सकते हैं जब नागरिक स्वयं दूसरों के अधिकारों का सम्मान

Click Here to Buy book on Amazon

करें और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करें। अधिकारों का उपभोग बिना कर्तव्यों के निर्वहन के स्वैच्छिक और अराजक हो सकता है, इसलिए दोनों का सामंजस्य ही एक स्वस्थ और प्रगतिशील समाज का निर्माण करता है।

www.nodia.in

NODIA

(D) राज्य के वित्त मंत्री

23. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्यपाल को राज्य विधानमंडल के विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की शक्ति प्रदान करता है?
(A) अनुच्छेद 213
(B) अनुच्छेद 123
(C) अनुच्छेद 226
(D) अनुच्छेद 161

24. राजस्थान विधानसभा में सदस्यों की वर्तमान स्वीकृत संख्या कितनी है?
(A) 160
(B) 200
(C) 250
(D) 300

25. राजस्थान के निम्नलिखित मुख्यमंत्रियों को उनके प्रथम कार्यकाल के कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. अशोक गहलोत
2. भैरों सिंह शेखावत
3. मोहनलाल सुखाड़िया
4. वसुंधरा राजे
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) 3, 2, 1, 4
(B) 2, 3, 4, 1
(C) 3, 1, 2, 4
(D) 1, 2, 3, 4

26. राज्य विधानसभा में, लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति सामान्यतः किसके द्वारा की जाती है?
(A) राज्यपाल
(B) मुख्यमंत्री
(C) विधानसभा अध्यक्ष
(D) विपक्ष के नेता

27. उच्च न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसके पास मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए रिट जारी करने की शक्ति है।
II. इसका अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर सभी न्यायालयों और न्यायाधिकरणों पर अधीक्षण की शक्ति होती है।
III. इसके न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधित राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

28. राजस्थान में पहली बार राष्ट्रपति शासन किस वर्ष लगाया गया था?
(A) 1967
(B) 1977
(C) 1980
(D) 1992

29. राजस्थान में गठन के बाद से अब तक कितनी बार राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद 356) लगाया जा चुका है?
(A) दो बार
(B) तीन बार
(C) चार बार
(D) पाँच बार

30. राज्य विधानसभा की बैठक आयोजित करने के लिए आवश्यक गणपूर्ति क्या है?
(A) उपस्थित और मतदान करने वाले विधान सदन की कुल सदस्यता का पाँचवाँ भाग
(B) सदन की कुल सदस्य संख्या का दसवाँ भाग या 10 सदस्य, जो भी अधिक हो
(C) उपस्थित और मतदान करने वाले विधान सदन की कुल सदस्यता का तिहाई भाग
(D) सदन की कुल सदस्यता की परवाह किए बिना 50 सदस्यों की एक निश्चित संख्या

31. राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?
(A) राज्य के राज्यपाल
(B) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(C) भारत के राष्ट्रपति
(D) राज्य के विधि मंत्री

32. राज्य की आकस्मिकता निधि किसके अधीन रखी जाती है?
(A) मुख्यमंत्री
(B) राज्य के वित्त मंत्री
(C) राज्यपाल
(D) राज्य विधानसभा

33. राज्य विधानसभा को उसका सामान्य कार्यकाल समाप्त होने से पहले भंग करने की शक्ति किसके पास है?
(A) विधानसभा अध्यक्ष
(B) मुख्यमंत्री
(C) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(D) राज्यपाल

34. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): राजस्थान में वर्तमान में राज्य विधान परिषद नहीं है।
कारण (R): भारत की संसद ने अनुच्छेद 169 के तहत राजस्थान में विधान परिषद के सृजन के लिए आवश्यक प्रस्ताव पारित नहीं किया है।

Downloaded from www.pdf.tube

11. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री थे?
(A) हीरालाल शास्त्री
(B) जयनारायण व्यास
(C) मोहनलाल सुखाड़िया
(D) टीकाराम पालीवाल

12. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: अनुच्छेद
P. अनुच्छेद 153
Q. अनुच्छेद 164
R. अनुच्छेद 214
S. अनुच्छेद 226
सूची II: प्रावधान
1. उच्च न्यायालय का रिट क्षेत्राधिकार
2. राज्यों के लिए उच्च न्यायालय
3. राज्यों के राज्यपाल
4. मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति
(A) P-3, Q-4, R-2, S-1
(B) P-4, Q-3, R-1, S-2
(C) P-3, Q-2, R-4, S-1
(D) P-2, Q-4, R-3, S-1

13. राज्य की मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होती है?
(A) राज्य के राज्यपाल
(B) राज्य विधानसभा
(C) राज्य के मुख्यमंत्री
(D) भारत की केंद्रीय संसद

14. किसी राज्य में जिला न्यायाधीशों की नियुक्तियाँ किसके द्वारा की जाएँगी?
(A) राज्य मंत्रिमंडल की सलाह पर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(B) उच्च न्यायालय के परामर्श से राज्यपाल द्वारा
(C) राज्यपाल और मंत्रिपरिषद की सलाह पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा
(D) उच्च न्यायालय की अनुशंसा पर राज्य के विधि मंत्री द्वारा

15. राज्य विधानसभा के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) सदस्य स्थानीय निकायों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं।
(B) इसकी अधिकतम सदस्य संख्या 500 निर्धारित है।
(C) इसकी न्यूनतम सदस्य संख्या सामान्यतः 60 निर्धारित है।
(D) विधानसभा का सामान्य कार्यकाल पाँच वर्ष होता है।

16. संवैधानिक तंत्र के विफल होने पर संविधान के किस अनुच्छेद के तहत किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है?
(A) अनुच्छेद 352
(B) अनुच्छेद 356
(C) अनुच्छेद 360
(D) अनुच्छेद 365

17. राजस्थान की पहली महिला राज्यपाल कौन थीं?
(A) मार्गरिट अल्वा
(B) प्रभा राव
(C) वसुंधरा राजे
(D) प्रतिभा पाटिल

18. न्यायिक प्रणाली में लोक अदालतों का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) उच्चतम न्यायालय के अंतिम आदेशों के विरुद्ध प्रत्यक्ष अपीलों की सुनवाई करना और निर्णय देना
(B) राज्य के आपराधिक कानूनों को सख्ती से लागू करना और कठोर दंड देना
(C) समझौते के माध्यम से विवादों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान प्रदान करना
(D) अधीनस्थ जिला न्यायालयों में न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति करना और उनकी देखरेख करना

19. विधानसभा की विधायी प्रक्रिया के संदर्भ में, 'प्रश्नकाल' क्या है?
(A) सदन में राज्यपाल के वार्षिक अभिभाषण के लिए आवंटित विशेष समय
(B) प्रश्न पूछने और उत्तर देने के लिए समर्पित बैठक का पहला घंटा
(C) भोजन अवकाश के तुरंत बाद का समय जहाँ अनौपचारिक बहसें होती हैं
(D) केवल महत्वपूर्ण धन विधेयकों को पारित करने के लिए बुलाया गया एक विशेष आपातकालीन सत्र

20. राजस्थान विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(A) राम निवास मिर्धा
(B) महारावल संग्राम सिंह
(C) पूनम चंद विश्नोई
(D) नरोत्तम लाल जोशी

21. राजस्थान में राज्य पोषित विश्वविद्यालयों के पदेन कुलाधिपति के रूप में कौन कार्य करता है?
(A) राज्यपाल
(B) मुख्यमंत्री
(C) शिक्षा मंत्री
(D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

22. राज्य विधानसभा में धन विधेयक किसकी पूर्व सिफारिश पर ही प्रस्तुत किया जा सकता है?
(A) विधानसभा अध्यक्ष
(B) मुख्यमंत्री
(C) राज्य के राज्यपाल

NODIA

अध्याय 22
राज्य की कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका

1. भारत के संविधान द्वारा किसी राज्य के राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु कितनी है?
(A) 25 वर्ष
(B) 30 वर्ष
(C) 35 वर्ष
(D) 40 वर्ष

2. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है?
(A) अनुच्छेद 153
(B) अनुच्छेद 154
(C) अनुच्छेद 155
(D) अनुच्छेद 163

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): राज्य का राज्यपाल राज्य विधानमंडल द्वारा पारित कुछ विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रख सकता है।
कारण (R): राज्यपाल राज्य कार्यपालिका का संवैधानिक प्रमुख होता है और केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।
सही विकल्प का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

4. राजस्थान के मुख्यमंत्री की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?
(A) भारत के राष्ट्रपति
(B) राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(C) राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष
(D) राजस्थान के राज्यपाल

5. संविधान के अनुसार राज्य विधान परिषद का गठन करने के लिए आवश्यक न्यूनतम सदस्य संख्या कितनी है?
(A) 30
(B) 40
(C) 50
(D) 60

6. राज्यपाल की विधायी शक्तियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राज्यपाल राज्य विधानमंडल का सत्र आहूत करता है और सत्रावसान करता है।
II. राज्यपाल राज्य विधानसभा को भंग कर सकता है।
III. राज्यपाल राज्य विधानसभा की दैनिक बैठकों की अध्यक्षता करता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

7. राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ कहाँ स्थित है?
(A) जोधपुर
(B) जयपुर
(C) उदयपुर
(D) अजमेर

8. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को पद की शपथ कौन दिलाता है?
(A) भारत के राष्ट्रपति
(B) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(C) राज्य के मुख्यमंत्री
(D) राज्य के राज्यपाल

9. राज्य विधानसभा में एक साधारण विधेयक पारित करने के चरणों का सही क्रम चुनिए।
(A) विधेयक का पुरःस्थापन (प्रस्तुतीकरण) → समिति में विस्तृत चर्चा → सामान्य चर्चा → अंतिम मतदान
(B) विधेयक का पुरःस्थापन (प्रस्तुतीकरण) → सामान्य चर्चा → विस्तृत चर्चा → अंतिम मतदान
(C) सामान्य चर्चा → विधेयक का पुरःस्थापन (प्रस्तुतीकरण) → विस्तृत चर्चा → अंतिम मतदान
(D) विस्तृत चर्चा → सामान्य चर्चा → विधेयक का पुरःस्थापन (प्रस्तुतीकरण) → अंतिम मतदान

10. राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?
(A) राज्य के राज्यपाल
(B) राज्य के मुख्यमंत्री
(C) भारत के राष्ट्रपति
(D) भारत के मुख्य न्यायाधीश

Click Here to Buy book on Flipkart

सही विकल्प का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

35. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का वेतन राज्य की संचित निधि पर भारित होता है, जबकि उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की पेंशन किस पर भारित होती है?
(A) राज्य की संचित निधि
(B) भारत की संचित निधि
(C) भारत की आकस्मिकता निधि
(D) राज्य का लोक लेखा

36. राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति की आयु क्या है?
(A) 60 वर्ष
(B) 62 वर्ष
(C) 65 वर्ष
(D) 70 वर्ष

37. संसदीय प्रक्रिया में, 'शून्यकाल' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) पूर्व सूचना के बिना अविलंबनीय महत्व के मुद्दे उठाने के लिए प्रश्नकाल के बाद का समय
(B) शेष दिन के लिए सदन के स्थगन से ठीक पहले का अंतिम समय
(C) विधानमंडल का एक गुप्त प्रक्रियात्मक सत्र जिसमें जनता या मीडिया को अनुमति नहीं होती है
(D) केवल वित्तीय धन विधेयकों को पारित करने के लिए समर्पित विशेष संसदीय समय

38. निम्नलिखित में से किसने राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में सबसे लंबी अवधि तक सेवा की है?
(A) अशोक गहलोत
(B) भैरों सिंह शेखावत
(C) मोहनलाल सुखाड़िया
(D) हरिदेव जोशी

39. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्यपाल की स्वविवेक शक्ति का उदाहरण है?
(A) राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की अनुशंसा करना
(B) मुख्यमंत्री की सलाह पर मंत्रियों की नियुक्ति करना
(C) केवल मंत्रिपरिषद की सलाह पर विधानसभा का सत्र आहूत करना
(D) किसी साधारण विधेयक को बिना पढ़े सहमति देना

40. किसी राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त होने के लिए व्यक्ति की आयु कम से कम कितने वर्ष होनी चाहिए?
(A) 21 वर्ष
(B) 25 वर्ष
(C) 30 वर्ष
(D) 35 वर्ष

41. यदि किसी राज्य में विधान परिषद है, तो वह विधानसभा द्वारा पारित साधारण विधेयक को अधिकतम कितनी अवधि तक रोक सकती है?
(A) कुल मिलाकर 1 माह
(B) कुल मिलाकर 3 माह
(C) कुल मिलाकर 4 माह
(D) कुल मिलाकर 6 माह

42. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: शब्दावली
P. सत्रावसान
Q. स्थगन
R. विघटन
S. आहूत करना
सूची II: अर्थ
1. विधानसभा का कार्यकाल समाप्त करता है
2. सदन की एक बैठक को समाप्त करता है
3. सदन को बैठक के लिए बुलाता है
4. सदन के एक सत्र को समाप्त करता है
(A) P-4, Q-2, R-1, S-3
(B) P-2, Q-4, R-1, S-3
(C) P-4, Q-1, R-2, S-3
(D) P-1, Q-2, R-4, S-3

43. राज्य विधि आयोग का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) जिला न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति करना
(B) राज्य में सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय के रूप में कार्य करना
(C) राज्य की ओर से अपराधियों पर अभियोग चलाना
(D) राज्य के कानूनों की समीक्षा करना और उनमें सुधार के सुझाव देना

44. अपने रिट क्षेत्राधिकार के तहत, अवैध रूप से हिरासत में लिए गए व्यक्ति की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा कौन-सी रिट जारी की जाती है?
(A) बंदी प्रत्यक्षीकरण
(B) परमादेश
(C) अधिकार-पृच्छा
(D) प्रतिषेध

45. राज्य विधानसभा का अध्यक्ष अपना त्यागपत्र किसे संबोधित करता है?
(A) राज्यपाल
(B) विधानसभा के उपाध्यक्ष
(C) मुख्यमंत्री
(D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

Downloaded from www.pdf.tube

46. राज्य विधानमंडल का सदस्य न होने वाला व्यक्ति भी मंत्री नियुक्त किया जा सकता है, लेकिन उसे कितने समय के भीतर विधानमंडल के लिए निर्वाचित होना आवश्यक है?
(A) 1 माह
(B) 3 माह
(C) 6 माह
(D) 1 वर्ष

47. राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना किस वर्ष हुई थी?
(A) 1947
(B) 1949
(C) 1950
(D) 1956

48. राज्य के मुख्यमंत्री के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. मुख्यमंत्री, राज्यपाल और मंत्रिपरिषद के बीच संचार का मुख्य माध्यम होता है।
II. मुख्यमंत्री महाधिवक्ता की नियुक्ति के संबंध में राज्यपाल को सलाह देता है।
III. मुख्यमंत्री सदन के पटल पर सरकार की नीतियों की घोषणा करता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

49. 91वें संविधान संशोधन के अनुसार, किसी राज्य की मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या विधानसभा के सदस्यों की कुल संख्या के कितने प्रतिशत से अधिक नहीं होगी?
(A) 10 प्रतिशत
(B) 12 प्रतिशत
(C) 15 प्रतिशत
(D) 20 प्रतिशत

50. संविधान के अनुसार, किसी राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या निम्नलिखित में से किससे कम नहीं होगी?
(A) 10
(B) 12
(C) 15
(D) 20

51. वर्ष 2001 में उद्घाटित राजस्थान विधानसभा का आधुनिक एवं वर्तमान भवन जयपुर के किस क्षेत्र में स्थित है?
(A) सी-स्कीम
(B) ज्योति नगर
(C) सिविल लाइंस
(D) वैशाली नगर

52. राज्य विधानमंडल में प्रस्तुत किया गया कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, यह निर्णय करने का अंतिम अधिकार किसके पास है?
(A) राज्य सरकार के वित्त मंत्री
(B) मंत्रिमंडल की सलाह पर कार्य करने वाले राज्य के राज्यपाल
(C) सरकार के प्रमुख के रूप में कार्य करने वाले मुख्यमंत्री
(D) विधानसभा अध्यक्ष

53. राजस्थान विधानसभा की 200 सीटों में से वर्तमान में कितनी सीटें क्रमशः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं?
(A) अनुसूचित जाति के लिए 34 और अनुसूचित जनजाति के लिए 25
(B) अनुसूचित जाति के लिए 25 और अनुसूचित जनजाति के लिए 34
(C) अनुसूचित जाति के लिए 30 और अनुसूचित जनजाति के लिए 20
(D) अनुसूचित जाति के लिए 40 और अनुसूचित जनजाति के लिए 30

54. राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश कौन थे?
(A) न्यायमूर्ति कैलाश नाथ वांचू
(B) न्यायमूर्ति जयशंकर मणिलाल पांचाल
(C) न्यायमूर्ति कमल कांत वर्मा
(D) न्यायमूर्ति सरजू प्रसाद सिंह

55. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 163 प्रावधान करता है:
(A) राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद
(B) राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति और कर्तव्य
(C) राज्यपाल के संबंध में मुख्यमंत्री के अधिकार और कर्तव्य
(D) राज्य विधानमंडल के गठन पर सामान्य प्रावधान

56. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): यदि विधानसभा में राज्य सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो संपूर्ण मंत्रिपरिषद को त्यागपत्र देना पड़ता है।
कारण (R): मंत्रिपरिषद विधानसभा के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत पर कार्य करती है।
सही विकल्प का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

NODIA

57. किस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल के पास क्षमादान, दंड का निलंबन, परिहार या लघुकरण की शक्ति निहित है?
(A) अनुच्छेद 163
(B) अनुच्छेद 161
(C) अनुच्छेद 72
(D) अनुच्छेद 155

58. राज्य में जिला न्यायाधीशों की पदस्थापना और पदोन्नति सहित अधीनस्थ न्यायालयों पर प्रशासनिक नियंत्रण किसमें निहित होता है?
(A) राज्यपाल
(B) राज्य सरकार
(C) उच्च न्यायालय
(D) उच्चतम न्यायालय

59. उच्च न्यायालय द्वारा किसी अधीनस्थ न्यायालय को अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करने से रोकने के लिए कौन-सी रिट जारी की जाती है?
(A) परमादेश
(B) अधिकार-पृच्छा
(C) बंदी प्रत्यक्षीकरण
(D) प्रतिषेध

60. 1952 में गठित प्रथम राजस्थान विधानसभा में कितने सदस्य थे?
(A) 160
(B) 180
(C) 190
(D) 200

61. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: राजस्थान के मुख्यमंत्री
P. टीकाराम पालीवाल
Q. बरकतउल्ला खान
R. जगन्नाथ पहाड़िया
S. वसुंधरा राजे
सूची II: उल्लेखनीय तथ्य
1. राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री
2. राजस्थान के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री
3. राजस्थान के पहले दलित मुख्यमंत्री
4. पद पर रहते हुए निधन होने वाले राजस्थान के एकमात्र मुख्यमंत्री
(A) P-2, Q-4, R-3, S-1
(B) P-4, Q-2, R-1, S-3
(C) P-2, Q-3, R-4, S-1
(D) P-3, Q-4, R-2, S-1

62. राज्य विधानसभा का सदस्य बनने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी एक अनिवार्य योग्यता नहीं है?
(A) भारत गणराज्य का नागरिक होना चाहिए
(B) किसी भी विषय में विश्वविद्यालय की उपाधि होनी चाहिए
(C) नामांकन की तिथि पर 25 वर्ष से कम आयु नहीं होनी चाहिए
(D) राज्य के किसी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता होना चाहिए

63. राज्य विधानसभा की लोक लेखा समिति के सदस्यों का चुनाव किसके द्वारा किया जाता है?
(A) विधानसभा सदस्यों द्वारा अपने में से ही
(B) मंत्रिपरिषद की सलाह पर राज्य के राज्यपाल द्वारा
(C) मंत्रिमंडल के परामर्श से मुख्यमंत्री द्वारा
(D) राज्य शाखा के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा

64. राज्य न्यायिक प्रणाली में निम्नलिखित में से कौन वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र की श्रेणी में आता है?
(A) जिला सत्र न्यायालय
(B) उच्च न्यायालय की पीठें
(C) लोक अदालतें
(D) कुटुंब न्यायालय

65. यदि मुख्यमंत्री राज्य विधानसभा में विश्वास मत हार जाता है, तो इसका तत्काल संवैधानिक परिणाम क्या होता है?
(A) राज्यपाल तुरंत राष्ट्रपति शासन लागू कर देता है
(B) केवल मुख्यमंत्री त्यागपत्र देता है और एक नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है
(C) विधानसभा भंग कर दी जाती है और नए चुनावों की घोषणा की जाती है
(D) मुख्यमंत्री और संपूर्ण मंत्रिपरिषद को त्यागपत्र देना पड़ता है

66. राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ निम्नलिखित में से किस शहर में स्थित है?
(A) अजमेर
(B) उदयपुर
(C) जयपुर
(D) बीकानेर

67. अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय का रिट क्षेत्राधिकार है:
(A) उच्चतम न्यायालय की तुलना में संकीर्ण
(B) उच्चतम न्यायालय की तुलना में अधिक व्यापक
(C) उच्चतम न्यायालय के बिल्कुल समान
(D) केवल मौलिक अधिकारों तक सीमित

68. राज्य विधानमंडल के संदर्भ में, 'सत्रावसान' शब्द का अर्थ है:
(A) अगली निर्धारित बैठक तक सदन की दैनिक बैठक को समाप्त करना
(B) विधानसभा को उसके पूर्ण कार्यकाल से पहले स्थायी रूप से भंग करना
(C) सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ लेने के लिए एकत्रित होने हेतु बुलाना

Click Here to Buy book on Amazon

51. (B) ज्योति नगर
राजस्थान विधानसभा का आधुनिक एवं भव्य नया भवन जयपुर के ज्योति नगर क्षेत्र में स्थित है। इस नए भवन का औपचारिक उद्घाटन वर्ष 2001 में तत्कालीन राष्ट्रपति के आर नारायणन द्वारा किया गया था। यह भवन अपनी उत्कृष्ट स्थापत्य कला, पारंपरिक राजस्थानी शिल्प और अत्याधुनिक सुविधाओं के लिए जाना जाता है। इससे पूर्व विधानसभा का संचालन जयपुर के सवाई मानसिंह टाउन हॉल में होता था, जो पुराने शहर में स्थित था।

52. (D) विधानसभा अध्यक्ष
संविधान के अनुच्छेद 199(3) के अनुसार राज्य विधानमंडल में प्रस्तुत कोई विधेयक 'धन विधेयक' है या नहीं, इसका अंतिम निर्णय करने की शक्ति केवल विधानसभा अध्यक्ष में निहित होती है। अध्यक्ष का यह निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होता है तथा इसे किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती। जब किसी धन विधेयक को राज्यपाल के पास स्वीकृति हेतु भेजा जाता है, तो उस पर विधानसभा अध्यक्ष का हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र संलग्न होना अनिवार्य होता है।

53. (A) अनुसूचित जाति के लिए 34 और अनुसूचित जनजाति के लिए 25
राजस्थान विधानसभा की कुल 200 निर्वाचन सीटों में से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 332 के तहत आरक्षित वर्गों के लिए सीटें निर्धारित की गई हैं। वर्तमान में अनुसूचित जाति के लिए 34 सीटें तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 25 सीटें आरक्षित हैं। शेष 141 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। यह आरक्षण राज्य की जनसंख्या में इन वर्गों के अनुपात का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और उनके सामाजिक व राजनीतिक सशक्तीकरण हेतु प्रदान किया गया है।

54. (C) न्यायमूर्ति कमल कांत वर्मा
न्यायमूर्ति कमल कांत वर्मा राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश थे। 29 अगस्त 1949 को जोधपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में जयपुर के महाराजा और तत्कालीन राजप्रमुख सवाई मानसिंह ने उन्हें शपथ दिलाई थी। उन्होंने राज्य के एकीकृत उच्च न्यायालय के गठन और शुरुआती न्यायिक व्यवस्था के सुचारु संचालन में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनके कार्यकाल में रियासती काल की अलग-अलग न्यायिक संस्थाओं को मिलाकर एक सुदृढ़ प्रणाली बनाई गई थी।

55. (A) राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 163 यह प्रावधान करता है कि जिन कार्यों में राज्यपाल को स्वविवेक से निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं है, उन सभी कार्यों के निष्पादन में सहायता और सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा। राज्यपाल अपनी शक्तियों का प्रयोग मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार ही करता है। इसके अलावा मंत्रिपरिषद द्वारा राज्यपाल को दी गई किसी सलाह की जांच किसी भी न्यायालय में नहीं की जा सकती है।

56. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
संसदीय लोकतंत्र में मंत्रिपरिषद सामूहिक रुप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। यदि विधानसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो यह सिद्ध हो जाता है कि सरकार ने सदन का विश्वास खो दिया है। सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत के कारण किसी एक मंत्री या मुख्यमंत्री के हारने पर संपूर्ण मंत्रिपरिषद को त्यागपत्र देना पड़ता है। इसलिए अभिकथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की व्याख्या करता है।

57. (B) अनुच्छेद 161
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत राज्य के राज्यपाल को उन मामलों में क्षमादान, दंड का निलंबन, परिहार या लघुकरण करने की शक्ति प्राप्त है जो राज्य की कार्यपालिका शक्ति के अंतर्गत आते हैं। यद्यपि राज्यपाल मृत्युदंड को पूरी तरह क्षमा नहीं कर सकता और न ही सैन्य अदालत द्वारा दी गई सजा को माफ कर सकता है, फिर भी वह सजा की अवधि को कम या स्थगित कर सकता है। राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति अनुच्छेद 72 में है।

58. (C) उच्च न्यायालय
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 235 के तहत राज्य की अधीनस्थ न्यायपालिका पर प्रशासनिक नियंत्रण का पूरा अधिकार संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय में निहित होता है। जिला न्यायाधीशों से निचले स्तर के न्यायिक अधिकारियों की नियुक्तियाँ, पदस्थापना, पदोन्नति, स्थानांतरण तथा अनुशासनिक कार्यवाही संबंधी सभी निर्णय उच्च न्यायालय द्वारा ही लिए जाते हैं। इससे अधीनस्थ न्यायपालिका निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ बिना किसी बाहरी दबाव के अपने न्यायिक कार्यों का संपादन कर पाती है।

NODIA

59. (D) प्रतिषेध
उच्च न्यायालय द्वारा अपने अधीनस्थ न्यायालयों या न्यायाधिकरणों को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्य करने से रोकने अथवा अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करने से रोकने के लिए 'प्रतिषेध' रिट जारी की जाती है। इस रिट का मुख्य उद्देश्य न्यायिक निकायों को उनकी कानूनी सीमाओं के भीतर बनाए रखना होता है। यह रिट केवल न्यायिक और अर्ध-न्यायिक प्राधिकारियों के विरुद्ध ही जारी की जा सकती है, किसी प्रशासनिक या निजी व्यक्ति के खिलाफ नहीं।

60. (A) 160
वर्ष 1952 में गठित प्रथम राजस्थान विधानसभा में कुल सदस्य संख्या 160 निर्धारित थी। प्रथम आम चुनाव के बाद मार्च 1952 में विधानसभा का प्रथम सत्र आयोजित किया गया था। बाद में 1956 में अजमेर-मेरवाड़ा क्षेत्र के राजस्थान में विलय होने तथा परिसीमन आयोग की सिफारिशों के कारण विधानसभा सीटों में वृद्धि की गई। यह संख्या क्रमशः बढ़कर 176, फिर 180 और अंततः 1977 में छठी विधानसभा के दौरान वर्तमान 200 सीटों तक पहुंच गई।

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (C) 35 वर्ष
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 157 के अंतर्गत राज्य के राज्यपाल पद पर नियुक्ति के लिए न्यूनतम आयु 35 वर्ष निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त व्यक्ति को भारत का नागरिक होना आवश्यक है। राज्यपाल राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है तथा उसकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। वह किसी भी लाभ के पद पर आसीन नहीं होना चाहिए तथा संसद या राज्य विधानमंडल का सदस्य नहीं होना चाहिए।

2. (C) अनुच्छेद 155
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा की जाती है। राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बना रहता है। यद्यपि राज्यपाल का सामान्य कार्यकाल पांच वर्ष का होता है, परंतु वह राष्ट्रपति के विवेकानुसार पूर्व में भी पदमुक्त किया जा सकता है अथवा स्थानांतरित किया जा सकता है। यह पद केंद्रीय शासन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण अंग है।

3. (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत राज्य विधानमंडल द्वारा पारित कुछ विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित रख सकता है। इसके साथ ही राज्यपाल राज्य का संवैधानिक प्रमुख होने के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य करता है। यद्यपि दोनों तथ्य पूर्णतः सत्य हैं, परंतु राज्यपाल का केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने का एकमात्र अथवा प्रत्यक्ष कारण नहीं माना जाता है।

4. (D) राजस्थान के राज्यपाल
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(1) के अनुसार राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। विधानसभा चुनाव में बहुमत प्राप्त दल के नेता को राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए आमंत्रित किया जाता है। अन्य मंत्रियों की नियुक्ति भी राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह पर करता है। मुख्यमंत्री राज्य मंत्रिपरिषद का प्रमुख होता है और राज्यपाल को राज्य के प्रशासनिक मामलों से संबंधित निर्णय की सूचना प्रदान करने का कार्य करता है।

5. (B) 40
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 171 के अनुसार किसी राज्य की विधान परिषद के सदस्यों की कुल संख्या राज्य विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के एक-तिहाई से अधिक नहीं हो सकती, परंतु न्यूनतम सदस्य संख्या 40 से कम नहीं होनी चाहिए। विधान परिषद राज्य विधानमंडल का उच्च और स्थायी सदन होता है, जिसके एक-तिहाई सदस्य हर दो वर्ष की अवधि में सेवामुक्त होते हैं और नए सदस्य चुने जाते हैं।

6. (A) केवल I और II
संविधान के अनुच्छेद 174 के अनुसार राज्यपाल को राज्य विधानमंडल का सत्र बुलाने, सत्रावसान करने तथा विधानसभा को भंग करने का अधिकार प्राप्त है। परंतु विधानसभा की दैनिक बैठकों की अध्यक्षता राज्यपाल नहीं करता, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा बैठकों की अध्यक्षता की जाती है। राज्यपाल केवल सत्र के प्रारंभ में प्रथम सत्र को संबोधित करता है। अतः राज्यपाल की विधायी शक्तियों में प्रथम दो कार्य ही सम्मिलित होते हैं।

7. (A) जोधपुर
राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर में स्थित है। 29 अगस्त 1949 को जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय का उद्घाटन किया गया था। बाद में प्रशासनिक सुगमता को ध्यान में रखते हुए 1977 में जयपुर में एक स्थायी पीठ की स्थापना की गई। मुख्य पीठ में मुख्य न्यायाधीश की अदालत और प्रशासनिक केंद्र स्थित हैं। यह राज्य की सर्वोच्च न्यायिक संस्था के रूप में मौलिक अधिकारों और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण का कार्य करती है।

8. (D) राज्य के राज्यपाल
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 219 के प्रावधानों के अनुसार उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त व्यक्ति को अपना पद ग्रहण करने से पूर्व राज्य के राज्यपाल अथवा उनके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किसी व्यक्ति के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञान लेना अनिवार्य होता है। यद्यपि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, परंतु पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने का संवैधानिक दायित्व संबंधित राज्य के राज्यपाल का ही होता है।

9. (B) विधेयक का पुरःस्थापन (प्रस्तुतीकरण) → सामान्य चर्चा → विस्तृत चर्चा → अंतिम मतदान
राज्य विधानसभा में साधारण विधेयक पारित होने की एक निश्चित प्रक्रिया होती है। सबसे पहले प्रथम वाचन के दौरान विधेयक को सदन में पुरःस्थापित या प्रस्तुत किया जाता है। इसके पश्चात द्वितीय वाचन के अंतर्गत विधेयक के सिद्धांतों पर सामान्य चर्चा होती है तथा फिर समिति चरण या खंडवार विस्तृत चर्चा की जाती है। अंत में तृतीय वाचन के दौरान विधेयक पर अंतिम मतदान कराया जाता है और स्वीकृत होने पर इसे आगे बढ़ाया जाता है।

10. (C) भारत के राष्ट्रपति
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा

Downloaded from www.pdf.tube

की जाती है। राष्ट्रपति यह नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश, संबंधित राज्य के राज्यपाल तथा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के साथ परामर्श करने के पश्चात करता है। हालाँकि राज्यपाल केवल परामर्श प्रक्रिया का हिस्सा होता है, परंतु नियुक्ति का अंतिम अधिकार राष्ट्रपति में ही निहित होता है, जिससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनी रहती है।

11. (D) टीकाराम पालीवाल
टीकाराम पालीवाल वर्ष 1952 में हुए प्रथम आम चुनावों के पश्चात राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री बने थे। इससे पूर्व हीरालाल शास्त्री तथा जयनारायण व्यास ने मनोनीत मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। मार्च 1952 में टीकाराम पालीवाल ने मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। इसके बाद जयनारायण व्यास पुनः उपचुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बने थे। राजस्थान के लोकतांत्रिक इतिहास में निर्वाचित सरकार के गठन का यह एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण और ऐतिहासिक चरण था।

12. (A) P-3, Q-4, R-2, S-1
भारतीय संविधान के विभिन्न अनुच्छेद राज्य व्यवस्था से संबंधित हैं। अनुच्छेद 153 के तहत प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल का प्रावधान है। अनुच्छेद 164 मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों की नियुक्ति तथा उनकी जिम्मेदारियों से संबंधित है। अनुच्छेद 214 के अनुसार राज्यों के लिए उच्च न्यायालय का प्रावधान किया गया है, जबकि अनुच्छेद 226 उच्च न्यायालय को मौलिक अधिकारों एवं अन्य कानूनी अधिकारों के प्रवर्तन हेतु विभिन्न रिट जारी करने की शक्ति प्रदान करता है।

13. (B) राज्य विधानसभा
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(2) के अनुसार राज्य की मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से राज्य विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। इसका अर्थ यह है कि मंत्रिपरिषद तब तक अपने पद पर बनी रह सकती है जब तक उसे राज्य विधानसभा में बहुमत का विश्वास प्राप्त होता है। यदि विधानसभा मंत्रिपरिषद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित कर देती है, तो मुख्यमंत्री सहित पूरी मंत्रिपरिषद को तुरंत त्यागपत्र देना पड़ता है। यह व्यवस्था संसदीय लोकतंत्र का मुख्य आधार है।

14. (B) उच्च न्यायालय के परामर्श से राज्यपाल द्वारा
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 233 के अंतर्गत किसी राज्य में जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति, पदस्थापना और पदोन्नति उस राज्य के राज्यपाल द्वारा संबंधित उच्च न्यायालय के परामर्श से की जाती है। जिला स्तर की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और दक्षता बनाए रखने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई जाती है। राज्यपाल इस संदर्भ में उच्च न्यायालय की सिफारिशों को प्राथमिकता देता है, जिससे योग्य और अनुभवी न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति जिला अदालतों में सुनिश्चित हो सके।

15. (A) सदस्य स्थानीय निकायों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं।
राज्य विधानसभा के सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से वयस्क मताधिकार के आधार पर जनता द्वारा किया जाता है, न कि स्थानीय निकायों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से। संविधान के अनुच्छेद 170 के अनुसार विधानसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 500 तथा न्यूनतम संख्या 60 निर्धारित है, यद्यपि कुछ छोटे राज्यों में अपवाद हैं। इसके अलावा विधानसभा का सामान्य कार्यकाल 5 वर्ष होता है जिसे राज्यपाल आपात स्थिति में समय से पूर्व भी भंग कर सकता है।

16. (B) अनुच्छेद 356
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत यदि राज्यपाल की रिपोर्ट पर या अन्यथा राष्ट्रपति को यह समाधान हो जाए कि राज्य का शासन संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता, तो वह उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर सकता है। इसे राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता के रूप में जाना जाता है। इस दौरान राज्य की कार्यकारी शक्तियां राष्ट्रपति के पास आ जाती हैं और राज्य विधानमंडल की शक्तियां संसद द्वारा प्रयोग की जाती हैं।

17. (D) प्रतिभा पाटिल
श्रीमती प्रतिभा पाटिल राजस्थान की पहली महिला राज्यपाल थीं। उन्होंने नवंबर 2004 से जून 2007 तक राजस्थान के राज्यपाल के रूप में सेवाएं दीं। इसके पश्चात वह जुलाई 2007 में भारत की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गईं। राजस्थान में उनके कार्यकाल के दौरान प्रशासनिक अनुशासन और जनकल्याणकारी पहलों को विशेष प्रोत्साहन मिला। प्रभा राव तथा मार्गरिट अल्वा भी बाद के वर्षों में राजस्थान की महिला राज्यपाल के रूप में कार्यरत रही थीं।

18. (C) समझौते के माध्यम से विवादों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान प्रदान करना
लोक अदालतें भारत में वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली का एक महत्वपूर्ण भाग हैं। इनका मुख्य उद्देश्य पक्षों के मध्य आपसी सहमति और समझौते के आधार पर मामलों का शीघ्र, सस्ता तथा सौहार्दपूर्ण निस्तारण करना है। लोक अदालतों द्वारा दिए गए निर्णय अंतिम और दीवानी न्यायालय की डिक्री के समान बाध्यकारी होते हैं तथा इनके विरुद्ध कोई अपील नहीं होती। इससे न्यायालयों में लंबित मुकदमों का बोझ कम होता है और जनता को त्वरित न्याय मिलता है।

19. (B) प्रश्न पूछने और उत्तर देने के लिए समर्पित बैठक का पहला घंटा
विधानसभा की विधायी प्रक्रिया में सदन की दैनिक बैठक का पहला घंटा 'प्रश्नकाल' कहलाता है। इस दौरान विधायक सरकार की नीतियों, योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों से संबंधित प्रश्न पूछते हैं तथा संबंधित मंत्री उनका उत्तर देते हैं। प्रश्नकाल कार्यपालिका पर विधायी नियंत्रण बनाए रखने का एक अत्यंत प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से लोक महत्व के विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की जाती है और सरकार की जवाबदेही जनता और सदन के प्रति सुनिश्चित की जाती है।

20. (D) नरोत्तम लाल जोशी
1952 में प्रथम राजस्थान विधानसभा के गठन के पश्चात नरोत्तम लाल जोशी को सर्वसम्मति से विधानसभा का पहला

NODIA

अध्यक्ष चुना गया था। उन्होंने मार्च 1952 से मार्च 1957 तक इस पद पर कार्य किया। उन्होंने राज्य में संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की मजबूत नींव रखी। राजस्थान विधानसभा के शुरुआती विधायी कार्यों और नियमों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके पश्चात राम निवास मिर्धा भी विधानसभा अध्यक्ष पद पर रहे।

21. (A) राज्यपाल
राजस्थान में राज्य सरकार द्वारा पोषित और संचालित सभी विश्वविद्यालयों के पदेन कुलाधिपति के रूप में राज्य के राज्यपाल कार्य करते हैं। कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल विश्वविद्यालयों के मुख्य कार्यपालक यानी उपकुलपतियों की नियुक्ति करते हैं तथा दीक्षांत समारोहों की अध्यक्षता करते हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक, शैक्षणिक और वित्तीय नियमों के सुचारू संचालन तथा उच्च शिक्षा के स्तर को बनाए रखने के लिए राज्यपाल मार्गदर्शन और निरीक्षण का कार्य भी करते हैं।

22. (C) राज्य के राज्यपाल
संविधान के प्रावधानों के अनुसार राज्य विधानसभा में कोई भी धन विधेयक केवल राज्य के राज्यपाल की पूर्व सिफारिश पर ही प्रस्तुत किया जा सकता है। धन विधेयक राज्य के कराधान, संचित निधि से धन निकालने या व्यय करने से संबंधित होता है। राज्यपाल की अग्रिम स्वीकृति के बिना इसे विधानसभा में पेश नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त विधान परिषद वाले राज्यों में धन विधेयक केवल निचले सदन यानी विधानसभा में ही सबसे पहले पेश किया जाता है।

23. (A) अनुच्छेद 213
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 213 राज्यपाल को उस समय अध्यादेश प्रख्यापित करने की शक्ति प्रदान करता है जब राज्य विधानमंडल का सत्र न चल रहा हो और आपातकालीन परिस्थिति उत्पन्न हो गई हो। राज्यपाल द्वारा जारी यह अध्यादेश विधानमंडल के अधिनियम के समान ही प्रभावी होता है। हालांकि, विधानमंडल का सत्र पुनः प्रारंभ होने के छः सप्ताह के भीतर इसे पारित कराना आवश्यक होता है, अन्यथा यह स्वतः ही समाप्त और प्रभावहीन हो जाता है।

24. (B) 200
राजस्थान विधानसभा में सदस्यों की वर्तमान स्वीकृत कुल संख्या 200 है। 1952 में प्रथम विधानसभा गठन के समय यह संख्या 160 थी, जो राज्य के पुनर्गठन और परिसीमन प्रक्रियाओं के पश्चात धीरे-धीरे बढ़कर वर्तमान स्तर तक पहुंची। वर्ष 1977 में छठी विधानसभा के दौरान सदस्य संख्या बढ़ाकर 200 कर दी गई थी। ये सभी सदस्य राज्य के विभिन्न प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्यक्ष मतदान द्वारा चुने जाते हैं और 5 वर्ष तक कार्य करते हैं।

25. (A) 3, 2, 1, 4
राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के प्रथम कार्यकाल का कालानुक्रमिक क्रम मोहनलाल सुखाड़िया, भैरों सिंह शेखावत, अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे है। मोहनलाल सुखाड़िया ने पहली बार 1954 में मुख्यमंत्री पद संभाला था। इसके पश्चात भैरों सिंह शेखावत 1977 में राज्य के प्रथम गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने। अशोक गहलोत ने पहली बार 1998 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि श्रीमती वसुंधरा राजे ने 2003 में राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में पहला कार्यकाल शुरु किया।

26. (C) विधानसभा अध्यक्ष
राज्य विधानसभा की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति विधानसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है। संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुसार लोक लेखा समिति का अध्यक्ष सामान्यतः विपक्षी दल के किसी वरिष्ठ सदस्य को ही नियुक्त किया जाता है। यह समिति नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्टों की जांच करती है और सरकारी खर्चों में पारदर्शिता सुनिश्चित करती है। अध्यक्ष समिति की बैठकों और प्रतिवेदन तैयार करने की प्रक्रिया का संचालन करता है।

27. (A) केवल I और II
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय को नागरिकों के मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन हेतु विभिन्न रिट जारी करने की शक्ति प्राप्त है। इसके साथ ही अनुच्छेद 227 के तहत उच्च न्यायालय अपने प्रादेशिक अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी अधीनस्थ न्यायालयों और न्यायाधिकरणों पर अधीक्षण का अधिकार रखता है। परंतु उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा नहीं, बल्कि भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। अतः प्रथम दो कथन पूरी तरह सही हैं।

28. (A) 1967
राजस्थान में पहली बार राष्ट्रपति शासन मार्च 1967 में लागू किया गया था। चतुर्थ विधानसभा चुनावों के बाद किसी भी राजनैतिक दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इसके परिणामस्वरूप अनुच्छेद 356 का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति शासन लगाया गया था, जो लगभग 44 दिनों तक जारी रहा। इसके पश्चात मोहनलाल सुखाड़िया के नेतृत्व में पुनः राज्य में नई सरकार का गठन किया गया था।

29. (C) चार बार
राजस्थान में इसके गठन से लेकर अब तक कुल चार बार राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद 356) लागू किया जा चुका है। पहली बार वर्ष 1967 में स्पष्ट बहुमत न मिलने पर राष्ट्रपति शासन लगा था। इसके पश्चात वर्ष 1977, वर्ष 1980 तथा चौथी बार वर्ष 1992 में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। 1992 में बाबरी मस्जिद ढांचा ढहाए जाने के बाद लगा राष्ट्रपति शासन राज्य के इतिहास में सबसे लंबी अवधि तक प्रभावी रहा था।

30. (B) सदन की कुल सदस्य संख्या का दसवाँ भाग या 10 सदस्य, जो भी अधिक हो
अनुच्छेद 189(3) के अनुसार राज्य विधानसभा की किसी बैठक का संचालन करने के लिए आवश्यक गणपूर्ति या कोरम सदन के कुल सदस्यों का दसवां भाग या 10 सदस्य, जो भी अधिक हो, निर्धारित है। यदि बैठक के दौरान गणपूर्ति न हो

Click Here to Buy book on Flipkart

(D) विधानसभा को भंग किए बिना किसी सत्र को समाप्त करना

69. किसी राज्य के राज्यपाल के वेतन और भत्ते किसके द्वारा निर्धारित किए जाते हैं?
(A) भारत की संसद
(B) राज्य विधानमंडल
(C) भारत के राष्ट्रपति
(D) राज्य के मुख्यमंत्री

70. क्या किसी साधारण विधेयक पर गतिरोध को दूर करने के लिए राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों (द्विसदनीय विधानमंडल वाले राज्यों में) की संयुक्त बैठक का प्रावधान है?
(A) हाँ, यह मंत्रिमंडल की अनुशंसा पर राज्यपाल द्वारा बुलाई जाती है
(B) हाँ, यह अध्यक्ष के अनुमोदन से मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई जाती है
(C) नहीं, संयुक्त बैठक का कोई प्रावधान नहीं है
(D) हाँ, लेकिन संयुक्त बैठक केवल वित्तीय धन विधेयकों के लिए ही अनुमत है

www.nodia.in
NODIA

योग्यताएं पूरी करता हो, राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त होने के लिए पूरी तरह पात्र होता है।

41. (C) कुल मिलाकर 4 माह
यदि किसी राज्य में द्विसदनीय विधानमंडल है, तो विधान परिषद राज्य विधानसभा द्वारा पारित किसी साधारण विधेयक को पहली बार में अधिकतम 3 माह तक रोक सकती है। यदि विधानसभा उस विधेयक को पुनः पारित करके भेजती है, तो विधान परिषद उसे केवल 1 माह और रोक सकती है। इस प्रकार विधान परिषद किसी साधारण विधेयक को कुल मिलाकर अधिकतम 4 माह की अवधि तक ही रोक सकती है, जिसके बाद विधेयक स्वतः पारित माना जाता है।

42. (A) P-4, Q-2, R-1, S-3
विधानमंडल की शब्दावली में सत्रावसान का अर्थ पूरे सत्र को समाप्त करना होता है। स्थगन का तात्पर्य सदन की किसी एक दैनिक बैठक को कुछ घंटों या दिनों के लिए स्थगित करना है। विघटन का अर्थ विधानसभा का कार्यकाल पूरी तरह समाप्त कर नए चुनाव कराना होता है, जबकि सत्र को आहूत करने का अर्थ राज्यपाल द्वारा सदन को बैठक हेतु औपचारिक रूप से बुलाना होता है। यह सभी प्रक्रियाएं संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित हैं।

43. (D) राज्य के कानूनों की समीक्षा करना और उनमें सुधार के सुझाव देना
राज्य विधि आयोग एक गैर-संवैधानिक सलाहकार निकाय है जिसका प्राथमिक कार्य राज्य के प्रचलित कानूनों की विस्तृत समीक्षा करना, अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त करने की सिफारिश करना तथा नए विधायी सुधारों का सुझाव देना है। यह आयोग राज्य सरकार को न्याय प्रणाली को अधिक सुलभ, पारदर्शी तथा प्रभावी बनाने हेतु परामर्श प्रदान करता है। विधि आयोग की सिफारिशों के आधार पर राज्य सरकार आवश्यकतानुसार नए कानून बनाती है या पुराने नियमों में संशोधन करती है।

44. (A) बंदी प्रत्यक्षीकरण
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय द्वारा गैर-कानूनी या अवैध रूप से हिरासत में रखे गए व्यक्ति को रिहा करने हेतु 'बंदी प्रत्यक्षीकरण' रिट जारी की जाती है। इस रिट के माध्यम से न्यायालय गिरफ्तार करने वाले प्राधिकारी को आदेश देता है कि वह निरुद्ध व्यक्ति को प्रत्यक्ष रूप से अदालत के समक्ष प्रस्तुत करे और गिरफ्तारी के वैध कारणों को स्पष्ट करे। यदि गिरफ्तारी गैर-कानूनी पाई जाती है तो व्यक्ति को तुरंत रिहा किया जाता है।

45. (B) विधानसभा के उपाध्यक्ष
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 179(b) के प्रावधानों के अनुसार राज्य विधानसभा का अध्यक्ष अपना पद त्यागने के लिए अपना लिखित त्यागपत्र विधानसभा के उपाध्यक्ष को संबोधित करके सौंपता है। इसी प्रकार यदि उपाध्यक्ष अपना पद छोड़ना चाहता है, तो वह अपना त्यागपत्र विधानसभा अध्यक्ष को सौंपता है। यह प्रक्रिया विधायी व्यवस्था के आंतरिक संचालन को सुचारु रूप से बनाए रखने के लिए निर्धारित की गई है ताकि संवैधानिक पदों का दायित्व सुगमता से हस्तांतरित हो सके।

46. (C) 6 माह
संविधान के अनुच्छेद 164(4) के अनुसार ऐसा व्यक्ति जो राज्य विधानमंडल का सदस्य नहीं है, उसे भी मुख्यमंत्री या मंत्री नियुक्त किया जा सकता है। परंतु उस व्यक्ति को अपने पद ग्रहण की तिथि से निरंतर छः माह की अवधि के भीतर राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन का सदस्य निर्वाचित होना अनिवार्य होता है। यदि वह व्यक्ति छः माह के अंदर सदस्य बनने में असफल रहता है, तो उसका मंत्री पद स्वतः ही समाप्त हो जाता है।

47. (B) 1949
राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना 29 अगस्त 1949 को की गई थी। इसका उद्घाटन तत्कालीन राजप्रमुख महाराजा सवाई मानसिंह द्वारा जोधपुर में किया गया था। प्रारंभ में राज्य की विभिन्न रियासतों की अदालतों को एकीकृत करके उच्च न्यायालय का पुनर्गठन किया गया था। बाद में बी. आर. पटेल समिति की सिफारिशों के आधार पर इसकी मुख्य पीठ जोधपुर में बनी रही तथा 1977 में जयपुर में एक स्थायी पीठ की स्थापना की गई थी।

48. (D) I, II और III
राज्य का मुख्यमंत्री अनुच्छेद 167 के तहत राज्यपाल और मंत्रिपरिषद के बीच संवाद की मुख्य कड़ी के रूप में कार्य करता है। वह राज्य के महाधिवक्ता तथा अन्य उच्च अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में राज्यपाल को सलाह देता है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री राज्य विधानसभा के पटल पर सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों, कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं की आधिकारिक घोषणा करता है। अतः दिए गए तीनों कथन पूर्णतः सत्य हैं और उसकी व्यापक शक्तियों को दर्शाते हैं।

49. (C) 15 प्रतिशत
91वें संविधान संशोधन अधिनियम 2003 के माध्यम से अनुच्छेद 164(1A) जोड़ा गया था। इसके अनुसार किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रिपरिषद के सदस्यों की कुल संख्या उस राज्य की विधानसभा के कुल सदस्यों की संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य जंबो मंत्रिमंडलों के गठन पर रोक लगाना तथा फिजूलखर्ची को नियंत्रित करना था। राजस्थान में 200 सदस्यों के अनुसार अधिकतम 30 मंत्री हो सकते हैं।

50. (B) 12
91वें संविधान संशोधन अधिनियम 2003 द्वारा जोड़े गए अनुच्छेद 164(1A) में यह स्पष्ट प्रावधान है कि किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या 12 से कम नहीं होगी। छोटे राज्यों में प्रशासनिक दक्षता और कार्य संचालन हेतु यह न्यूनतम सीमा निर्धारित की गई है। इस प्रकार किसी भी राज्य मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित न्यूनतम 12 मंत्री होने अनिवार्य हैं, जबकि अधिकतम सीमा विधानसभा की कुल सदस्य संख्या का 15 प्रतिशत होती है।

NODIA

तो विधानसभा अध्यक्ष का यह कर्तव्य होता है कि वह सदन को स्थगित कर दे अथवा बैठक को तब तक के लिए निलंबित कर दे जब तक कि आवश्यक न्यूनतम सदस्य संख्या उपस्थित न हो जाए।

31. (A) राज्य के राज्यपाल
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 165 के प्रावधानों के अनुसार राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है। महाधिवक्ता बनने के लिए व्यक्ति में उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने की संवैधानिक योग्यताएं होनी चाहिए। महाधिवक्ता राज्य सरकार का सर्वोच्च कानून अधिकारी होता है जो विधिक मामलों में राज्य सरकार को सलाह देता है और अदालतों में सरकार का प्रतिनिधित्व करता है। वह राज्यपाल के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण करता है।

32. (C) राज्यपाल
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 267(2) के तहत गठित राज्य की आकस्मिकता निधि पूरी तरह से राज्य के राज्यपाल के अधीन रखी जाती है। किसी अप्रत्याशित या प्राकृतिक आपदा जैसी आकस्मिक परिस्थितियों में व्यय के लिए विधानमंडल द्वारा इस निधि से धन स्वीकृत होने से पहले ही राज्यपाल अग्रिम धन जारी कर सकता है। इस प्रकार की गई अप्रत्याशित निकासी हेतु बाद में राज्य विधानमंडल की औपचारिक स्वीकृति और अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

33. (D) राज्यपाल
संविधान के अनुच्छेद 174(2) के अनुसार राज्य विधानसभा को उसके 5 वर्ष के सामान्य कार्यकाल से पूर्व भंग करने की शक्ति राज्यपाल में निहित है। राज्यपाल सामान्यतः ऐसा मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद की सलाह पर करता है। इसके अतिरिक्त यदि मंत्रिपरिषद विधानसभा में अपना बहुमत खो देती है या सरकार का गठन संभव न हो, तो राज्यपाल अपने स्वविवेक से भी विधानसभा को भंग कर नए चुनावों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

34. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
राजस्थान में वर्तमान में एकसदनीय विधानमंडल है, जिसमें केवल विधानसभा अस्तित्व में है और विधान परिषद नहीं है। यद्यपि राजस्थान विधानसभा ने संविधान के अनुच्छेद 169 के तहत राज्य में विधान परिषद के गठन हेतु प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार को भेजा था, परंतु भारत की संसद द्वारा इस संबंध में अंतिम विधेयक पारित नहीं किया गया है। इसलिए संसद द्वारा कानून न बनाने के कारण राजस्थान में विधान परिषद का गठन नहीं हो सका है।

35. (B) भारत की संचित निधि
उच्च न्यायालय के कार्यरत न्यायाधीशों के वेतन और भत्ते संबंधित राज्य की संचित निधि से दिए जाते हैं, क्योंकि वे उस राज्य में सेवाएं प्रदान करते हैं। परंतु सेवानिवृत्ति के पश्चात उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की पेंशन भारत की संचित निधि पर भारित होती है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि न्यायाधीश अपने सेवाकाल के दौरान एक से अधिक राज्यों के उच्च न्यायालयों में स्थानांतरित हो सकते हैं, जिससे पेंशन का दायित्व केंद्र संभालता है।

36. (B) 62 वर्ष
राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष निर्धारित है। मूल संविधान में यह आयु सीमा 60 वर्ष थी, किंतु 15वें संविधान संशोधन अधिनियम 1963 द्वारा इसे बढ़ाकर 62 वर्ष कर दिया गया था। इसके विपरीत भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है। उच्च न्यायालय का न्यायाधीश राष्ट्रपति को संबोधित कर अपना लिखित त्यागपत्र देकर समय से पूर्व भी पद छोड़ सकता है।

37. (A) पूर्व सूचना के बिना अविलंबनीय महत्व के मुद्दे उठाने के लिए प्रश्नकाल के बाद का समय
संसदीय प्रक्रिया में 'शून्यकाल' प्रश्नकाल के तुरंत बाद का समय होता है। इसमें सदन के सदस्य बिना किसी पूर्व सूचना के अति-महत्वपूर्ण और अविलंबनीय लोक कल्याणकारी मुद्दों को उठा सकते हैं। यह भारत की अपनी एक अनूठी संसदीय नवाचार व्यवस्था है जो 1962 से भारतीय संसद और विधानमंडलों में प्रचलित है। शून्यकाल नियम पुस्तिका में लिखित रूप से शामिल नहीं है, परंतु यह लोक महत्व के मामलों पर त्वरित ध्यान खींचने का माध्यम है।

38. (C) मोहनलाल सुखाड़िया
मोहनलाल सुखाड़िया ने राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में सबसे लंबी अवधि तक कार्य किया है। उन्होंने 1954 से 1971 तक लगभग 17 वर्षों तक विभिन्न कार्यकालों में राज्य का नेतृत्व किया। उन्हें आधुनिक राजस्थान का निर्माता भी कहा जाता है क्योंकि उनके कार्यकाल में राज्य में पंचायती राज, शिक्षा, कृषि तथा अवसंरचनात्मक विकास के कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए गए। उनके बाद हरदेव जोशी, अशोक गहलोत और भैरों सिंह शेखावत भी प्रमुख मुख्यमंत्री रहे।

39. (A) राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की अनुशंसा करना
संविधान के तहत राज्यपाल को कुछ मामलों में स्वविवेक से निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त है। यदि राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाता है, तो राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह के बिना राष्ट्रपति को राज्य में अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश भेज सकता है। अन्य कार्य जैसे मंत्रियों की नियुक्ति या सामान्य विधेयकों पर सहमति देना मुख्य रूप से मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही किए जाते हैं, जबकि राष्ट्रपति शासन की सिफारिश स्वविवेक है।

40. (B) 25 वर्ष
किसी राज्य का मुख्यमंत्री बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष होनी चाहिए यदि वह व्यक्ति राज्य विधानसभा का सदस्य बनता है। यदि व्यक्ति विधान परिषद का सदस्य बनकर मुख्यमंत्री बनता है, तो उसकी आयु कम से कम 30 वर्ष होनी चाहिए। चूंकि विधानसभा का सदस्य बनने की संवैधानिक पात्रता 25 वर्ष है, इसलिए 25 वर्ष का भारत का नागरिक जो अन्य सभी

Downloaded from www.pdf.tube

61. (A) P-2, Q-4, R-3, S-1
राजस्थान के राजनीतिक इतिहास में टीकाराम पालीवाल राज्य के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री थे। बरकतउल्ला खान राजस्थान के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री थे जिनका पद पर रहते हुए निधन हुआ था। जगन्नाथ पहाड़िया राज्य के पहले दलित मुख्यमंत्री बने थे जिन्होंने 1980 में कार्यभार संभाला था। वहीं श्रीमती वसुंधरा राजे वर्ष 2003 में राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री चुनी गई थीं। इस प्रकार ये सभी व्यक्तित्व राज्य के इतिहास में विशेष पहचान रखते हैं।

62. (B) किसी भी विषय में विश्वविद्यालय की उपाधि होनी चाहिए
संविधान के अनुच्छेद 173 में राज्य विधानसभा का सदस्य बनने हेतु योग्यताओं का उल्लेख है। इसके लिए व्यक्ति का भारत का नागरिक होना, न्यूनतम 25 वर्ष की आयु होना तथा संबंधित राज्य के किसी निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता होना अनिवार्य है। भारतीय संविधान में जनप्रतिनिधि बनने के लिए किसी भी प्रकार की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता या विश्वविद्यालय डिग्री की अनिवार्यता तय नहीं की गई है, जिससे सभी नागरिकों को समान अवसर प्राप्त हो सकें।

63. (A) विधानसभा सदस्यों द्वारा अपने में से ही
राज्य विधानसभा की लोक लेखा समिति के सदस्यों का चुनाव विधानसभा के सदस्यों द्वारा अपने में से ही आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा किया जाता है। इस समिति में मंत्रियों को शामिल नहीं किया जाता ताकि निष्पक्ष जांच हो सके। समिति के अध्यक्ष का मनोनयन बाद में विधानसभा अध्यक्ष द्वारा किया जाता है। यह समिति नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट की जांच कर वित्तीय अनियमितताओं की समीक्षा करती है।

64. (C) लोक अदालतें
लोक अदालतें राज्य की न्यायिक प्रणाली में वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्र का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं। लीगल सर्विसेज अथॉरिटीज एक्ट 1987 के तहत गठित लोक अदालतें आपसी बातचीत, मध्यस्थता और समझौते के माध्यम से मुकदमों का निपटारा करती हैं। इनमें सिविल, पारिवारिक, श्रम और शमनीय आपराधिक मामलों का त्वरित समाधान किया जाता है। पारंपरिक अदालती कार्रवाई की तुलना में यह प्रणाली बिना किसी शुल्क के त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान करती है।

65. (D) मुख्यमंत्री और संपूर्ण मंत्रिपरिषद को त्यागपत्र देना पड़ता है
यदि मुख्यमंत्री राज्य विधानसभा में विश्वास मत हार जाता है, तो इसका सीधा संवैधानिक परिणाम यह होता है कि मुख्यमंत्री और उसकी संपूर्ण मंत्रिपरिषद को तुरंत अपना त्यागपत्र राज्यपाल को सौंपना पड़ता है। अनुच्छेद 164(2) के तहत मंत्रिपरिषद सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत पर कार्य करती है। विश्वास मत खोने का अर्थ है कि सरकार ने सदन का बहुमत खो दिया है, जिसके बाद राज्यपाल नए विकल्प तलाशता है या विधानसभा भंग करता है।

66. (C) जयपुर
राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर में स्थित है, जबकि इसकी स्थायी पीठ जयपुर में स्थित है। 1958 में सत्यनारायण राव समिति की सिफारिश पर जयपुर पीठ को समाप्त कर दिया गया था, किंतु बाद में जनता की मांग और प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए 1977 में राष्ट्रपति के आदेश द्वारा जयपुर में पुनः स्थायी पीठ की स्थापना की गई थी। जयपुर पीठ पूर्वी राजस्थान के विभिन्न जिलों के न्यायिक मामलों की सुनवाई करती है।

NODIA

67. (B) उच्चतम न्यायालय की तुलना में अधिक व्यापक
अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय का रिट क्षेत्राधिकार उच्चतम न्यायालय (अनुच्छेद 32) की तुलना में अधिक व्यापक होता है। उच्चतम न्यायालय केवल नागरिकों के मौलिक अधिकारों के हनन पर ही रिट जारी कर सकता है, जबकि उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों के साथ-साथ अन्य साधारण कानूनी अधिकारों के प्रवर्तन के लिए भी रिट जारी कर सकता है। इसलिए संवैधानिक दृष्टि से उच्च न्यायालय की रिट जारी करने की शक्ति का दायरा अधिक विस्तृत और व्यापक माना जाता है।

68. (D) विधानसभा को भंग किए बिना किसी सत्र को समाप्त करना
राज्य विधानमंडल के संदर्भ में 'सत्रावसान' का अर्थ राज्यपाल द्वारा जारी आदेश के माध्यम से विधानमंडल के चल रहे सत्र को समाप्त करना होता है। सत्रावसान से विधानसभा भंग नहीं होती, बल्कि केवल वर्तमान सत्र का अंत होता है और सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो जाता है। इसके पश्चात नए सत्र की शुरुआत राज्यपाल द्वारा पुनः सत्र आहूत करने पर ही होती है। यह स्थगन से भिन्न प्रक्रिया है जो अध्यक्ष द्वारा की जाती है।

69. (A) भारत की संसद
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 158(3) के अनुसार किसी राज्य के राज्यपाल के वेतन, भत्ते तथा विशेषाधिकार भारत की संसद द्वारा निर्मित कानून द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। संसद समय-समय पर अधिनियम पारित करके राज्यपाल के वेतन में संशोधन करती है। इसके अतिरिक्त राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान उनके वेतन और भत्तों में कोई भी लाभकारी परिवर्तन नहीं किया जा सकता। राज्यपाल के ये सभी वित्तीय खर्च संबंधित राज्य की संचित निधि पर भारित होते हैं।

70. (C) नहीं, संयुक्त बैठक का कोई प्रावधान नहीं है
भारतीय संविधान में राज्यों के द्विसदनीय विधानमंडल में किसी विधेयक पर विधानसभा और विधान परिषद के बीच गतिरोध उत्पन्न होने पर दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाने का कोई प्रावधान नहीं है। संसद में अनुच्छेद 108 के तहत संयुक्त बैठक की व्यवस्था है, परंतु राज्यों के मामले में सर्वोच्चता विधानसभा के पास होती है। यदि विधान परिषद किसी विधेयक को अस्वीकार करती है, तो विधानसभा उसे दोबारा पारित कर विधान परिषद के प्रभाव को समाप्त कर सकती है।

अध्याय 23
संवैधानिक एवं वैधानिक आयोग

1. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की स्थापना की गई है?
(A) अनुच्छेद 315
(B) अनुच्छेद 320
(C) अनुच्छेद 324
(D) अनुच्छेद 330

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है?
(A) राजस्थान के मुख्यमंत्री
(B) भारत के राष्ट्रपति
(C) राजस्थान के राज्यपाल
(D) राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

3. राजस्थान का राज्य निर्वाचन आयोग एक:
(A) संवैधानिक निकाय है
(B) सांविधिक निकाय है
(C) गैर-सरकारी संगठन है
(D) कार्यपालक निकाय है

4. राजस्थान में लोकायुक्त की नियुक्ति करते समय राज्यपाल निम्नलिखित में से किस प्राधिकारी से परामर्श करते हैं?
(A) मुख्यमंत्री और गृह मंत्री
(B) विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री
(C) राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और मुख्य सचिव
(D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

5. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: (संस्था)
P. राज्य वित्त आयोग
Q. राज्य निर्वाचन आयोग
R. राज्य सूचना आयोग
S. राज्य मानव अधिकार आयोग
सूची II: (संबंधित संवैधानिक अनुच्छेद / राजस्थान में गठन का वर्ष)
1. अनुच्छेद 243-K
2. अनुच्छेद 243-I
3. वर्ष 2000 (कार्यशील)
4. वर्ष 2006 (गठित)
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-1, R-3, S-4
(D) P-1, Q-2, R-4, S-3

6. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में एक संवैधानिक निकाय नहीं है?
(A) राजस्थान लोक सेवा आयोग
(B) राज्य निर्वाचन आयोग
(C) राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग
(D) राज्य वित्त आयोग

7. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य का सामान्य कार्यकाल कितना होता है?
(A) 5 वर्ष या 60 वर्ष की आयु तक
(B) 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु तक
(C) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक
(D) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक

8. राजस्थान में प्रत्येक पांच वर्ष में राज्य वित्त आयोग का गठन कौन करता है?
(A) राज्यपाल
(B) भारत के राष्ट्रपति
(C) मुख्यमंत्री
(D) राज्य वित्त मंत्री

9. राजस्थान राज्य महिला आयोग का गठन किस वर्ष किया गया था?
(A) 1995
(B) 1999
(C) 2001
(D) 2005

10. राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. आरपीएससी के सदस्यों को राजस्थान के राज्यपाल द्वारा हटाया जा सकता है।
II. आरपीएससी के सदस्यों की सेवा शर्तें राज्यपाल द्वारा निर्धारित की जाती हैं।
III. आरपीएससी अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल को सौंपता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III

Click Here to Buy book on Amazon

(C) केवल I और III
(D) I, II और III

11. राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग किन सूचियों के अंतर्गत आने वाले विषयों से संबंधित मानव अधिकारों के उल्लंघन की जांच कर सकता है?
(A) राज्य सूची और समवर्ती सूची
(B) केवल संघ सूची
(C) संघ सूची और राज्य सूची
(D) केवल समवर्ती सूची

12. राजस्थान में राज्य निर्वाचन आयोग का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) राज्य विधानसभा और विधान परिषद के चुनाव कराना
(B) राजस्थान में संसदीय (लोकसभा) सीटों के चुनाव कराना
(C) पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव कराना
(D) राज्य के राजनीतिक दलों के आंतरिक विवादों को सुलझाना

13. राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाती है, जिसके अध्यक्ष होते हैं:
(A) गृह मंत्री
(B) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(C) विधानसभा अध्यक्ष
(D) मुख्यमंत्री

14. राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति आयोग किसका एक उदाहरण है?
(A) संवैधानिक निकाय
(B) निगमित निकाय
(C) सांविधिक निकाय
(D) गैर-सरकारी संगठन

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान में लोकायुक्त लोक सेवकों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करता है।
कारण (R): राजस्थान के मुख्यमंत्री पूर्णतः राजस्थान लोकायुक्त के जांच क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आते हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

16. राजस्थान राज्य सूचना आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन किसे प्रस्तुत करता है?
(A) राज्यपाल को
(B) केंद्रीय सूचना आयोग को
(C) सीधे विधानसभा को
(D) राज्य सरकार को

17. राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के पास निम्नलिखित में से कौन-सी शक्ति नहीं है?
(A) मानव अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करने की शक्ति
(B) गवाहों को समन भेजने की शक्ति
(C) पीड़ित के लिए क्षतिपूर्ति (मुआवजे) की सिफारिश करने की शक्ति
(D) कैदियों की जीवन-स्थितियों का अध्ययन करने के लिए जेलों का निरीक्षण करने की शक्ति

18. कौन-सा प्रावधान राजस्थान लोक सेवा आयोग की वित्तीय स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है?
(A) आरपीएससी के प्रशासनिक व्यय पर राज्य विधानमंडल द्वारा प्रतिवर्ष मतदान किया जाता है
(B) सदस्यों को राज्य परीक्षा शुल्क के एक प्रतिशत से वेतन प्राप्त होता है
(C) आरपीएससी के व्यय राज्य की संचित निधि पर भारित होते हैं
(D) केंद्र सरकार आरपीएससी को सीधे वार्षिक बजटीय कोष प्रदान करती है

19. राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गठन किस अधिनियम के तहत किया गया था?
(A) बालक अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005
(B) किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015
(C) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012
(D) निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009

20. राज्य वित्त आयोग राज्य सरकार और किसके बीच करों के शुद्ध आगमों के वितरण की सिफारिश करता है?
(A) केंद्र सरकार के मंत्रालयों
(B) राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों
(C) विशेष आर्थिक क्षेत्रों
(D) पंचायतों और नगरपालिकाओं

21. राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम किस वर्ष पारित किया गया था?
(A) 1973
(B) 1985
(C) 1992
(D) 2001

NODIA

परंतु सदस्यों को हटाने का अधिकार राज्यपाल को नहीं, बल्कि अनुच्छेद 317 के तहत केवल भारत के राष्ट्रपति को प्राप्त होता है। राष्ट्रपति जांच के उपरांत ही सदस्यों को हटाते हैं।

11. (A) राज्य सूची और समवर्ती सूची
मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य मानव अधिकार आयोग केवल भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में शामिल राज्य सूची तथा समवर्ती सूची में निर्दिष्ट विषयों से संबंधित मानव अधिकारों के उल्लंघन की जांच कर सकता है। यदि किसी मामले की जांच राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग या किसी अन्य कानूनी आयोग द्वारा पहले से की जा रही हो, तो राज्य आयोग उस मामले में कोई पृथक जांच नहीं कर सकता है।

12. (C) पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव कराना
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-K तथा 243-ZA के तहत स्थापित राज्य निर्वाचन आयोग का प्राथमिक कार्य राज्य में पंचायती राज संस्थाओं तथा नगरीय निकायों के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराना है। आयोग इन चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने तथा निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण करने का संपूर्ण उत्तरदायित्व निभाता है। संसद तथा विधानसभा चुनाव भारतीय निर्वाचन आयोग आयोजित कराता है।

13. (D) मुख्यमंत्री
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15(3) के अनुसार, राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक त्रिस्तरीय चयन समिति की सिफारिश पर की जाती है। इस चयन समिति के अध्यक्ष राज्य के मुख्यमंत्री होते हैं। समिति में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और मुख्यमंत्री द्वारा मनोनीत एक कैबिनेट मंत्री भी सदस्य के रूप में शामिल होते हैं। यह प्रक्रिया पारदर्शी तथा निष्पक्ष चयन सुनिश्चित करती है।

14. (C) सांविधिक निकाय
राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति आयोग एक सांविधिक निकाय है, क्योंकि इसका गठन राज्य विधानमंडल द्वारा पारित अधिनियम के माध्यम से किया गया है। जिन निकायों की स्थापना विधानमंडल के कानून द्वारा होती है, वे सांविधिक निकाय कहलाते हैं। यह आयोग अनुसूचित जातियों के अधिकारों तथा कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी हेतु स्थापित किया गया एक प्रमुख प्रशासनिक निकाय है। मूल संविधान में इसका उल्लेख नहीं था।

15. (C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के अंतर्गत लोकायुक्त को लोक सेवकों तथा मंत्रियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार एवं पद के दुरुपयोग की शिकायतों की जांच करने का अधिकार प्राप्त है। हालांकि, इस अधिनियम के प्रावधानों के तहत राज्य के मुख्यमंत्री को लोकायुक्त के जांच क्षेत्राधिकार से पूर्णतः बाहर रखा गया है। इसके अतिरिक्त राज्यपाल तथा न्यायपालिका के सदस्यों को भी इस संस्था के जांच दायरे से बाहर रखा गया है।

16. (D) राज्य सरकार को
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार, राजस्थान राज्य सूचना आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्य सरकार को प्रस्तुत करता है। इसके बाद राज्य सरकार का यह दायित्व है कि वह इस रिपोर्ट को राज्य विधानमंडल के समक्ष रखवाए। इसके साथ ही आयोग द्वारा दी गई सिफारिशों पर की गई कार्रवाई का विवरण भी प्रस्तुत करना विधानमंडल हेतु अनिवार्य होता है, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता बनी रहती है।

17. (A) मानव अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करने की शक्ति
राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग मुख्य रूप से एक सिफारिशी निकाय के रूप में कार्य करता है। आयोग के पास उल्लंघन की जांच करने, समन भेजने, दस्तावेज मांगने तथा मुआवजे की सिफारिश करने की शक्ति प्राप्त है। परंतु इसके पास दोषियों को दंडित करने अथवा सजा देने का कोई अधिकार नहीं है। आयोग केवल संबंधित सरकार को अपनी सिफारिशें प्रेषित करता है, जिन्हें लागू करना सरकार का विवेकाधिकार है।

18. (C) आरपीएससी के व्यय राज्य की संचित निधि पर भारित होते हैं
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 322 के अनुसार, राजस्थान लोक सेवा आयोग के सभी प्रशासनिक व्यय राज्य की संचित निधि पर भारित होते हैं। संचित निधि पर भारित होने के कारण इन व्ययों पर राज्य विधानमंडल में मतदान नहीं होता है। यह व्यवस्था आयोग को बिना किसी राजनीतिक दबाव के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से कार्य करने की वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करती है, जिससे इसकी निष्पक्षता बनी रहती है।

19. (A) बालक अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005
राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की स्थापना बालक अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के तहत की गई थी। इस सांविधिक आयोग का गठन वर्ष 2010 में किया गया। आयोग का मुख्य कार्य बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु निर्मितों कानूनों के क्रियान्वयन की निगरानी करना तथा अधिकारों के उल्लंघन की शिकायतों की जांच करना है। यह बच्चों के समग्र विकास एवं कल्याण हेतु निरंतर कार्य करता है।

20. (D) पंचायतों और नगरपालिकाओं
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-I तथा 243-Y के तहत, राज्य वित्त आयोग राज्य सरकार द्वारा एकत्र करों के शुद्ध आगमों का राज्य तथा पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के मध्य वितरण की सिफारिश करता है। यह आयोग राज्य की संचित निधि से इन स्थानीय निकायों को दिए जाने वाले सहायता अनुदान के सिद्धांतों का भी निर्धारण करता है। इससे स्थानीय निकायों की वित्तीय स्वायत्तता में निरंतर वृद्धि होती है।

21. (A) 1973
राजस्थान में प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने हेतु राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम वर्ष 1973

Downloaded from www.pdf.tube

33. निम्नलिखित में से कौन-सा पदाधिकारी राजस्थान लोकायुक्त के जांच क्षेत्राधिकार के अंतर्गत नहीं आता है?
(A) राज्य के न्यायिक अधिकारी
(B) राज्य मंत्रिपरिषद के मंत्री
(C) पंचायती राज के निर्वाचित जिला प्रमुख
(D) राज्य के नगर निगम का महापौर

34. सांविधिक आयोग को सर्वोत्तम रूप से किस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है, जो गठित होता है:
(A) भारत के संविधान के प्रत्यक्ष प्रावधान द्वारा
(B) राज्यपाल के एक कार्यपालक आदेश द्वारा
(C) संसद या राज्य विधानमंडल के एक अधिनियम द्वारा
(D) उच्चतम न्यायालय के निर्णय द्वारा

35. राजस्थान में राज्य वित्त आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह एक संवैधानिक निकाय है।
II. यह राज्य की संचित निधि से पंचायतों को सहायतार्थ अनुदान देने के सिद्धांतों की सिफारिश करता है।
III. इसकी सिफारिशें राज्य सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

36. अधिकांश राज्य आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्य सरकार को सौंपते हैं। इन प्रतिवेदनों के साथ अगला विधिक चरण क्या उठाया जाता है?
(A) प्रतिवेदनों को सार्वजनिक चर्चा के लिए राज्य भर के प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाता है
(B) प्रतिवेदनों को समीक्षा और अंतिम मंजूरी के लिए सीधे भारत के राष्ट्रपति को भेजा जाता है
(C) प्रतिवेदनों को मुख्यमंत्री कार्यालय में गोपनीय रखा जाता है
(D) की गई कार्रवाई के ज्ञापन के साथ राज्य विधानमंडल के समक्ष रखा जाता है

37. राज्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग का प्रमुख कार्य क्या है?
(A) आम राज्य चुनावों के दौरान पिछड़े वर्गों के लिए विधायी सीटें आरक्षित करना
(B) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए प्रदान किए गए संवैधानिक सुरक्षोपायों की निगरानी करना
(C) पात्र नागरिकों के आधिकारिक जाति प्रमाण पत्र सत्यापित करना और जारी करना
(D) एससी/एसटी के लिए आरक्षित प्रशासनिक सरकारी नौकरियों के लिए सीधे उम्मीदवारों की भर्ती करना

38. सूचना प्रदान करने में अकारण विलंब के लिए राज्य सूचना आयोग लोक सूचना अधिकारी पर अधिकतम कितना जुर्माना लगा सकता है?
(A) ₹ 10,000
(B) ₹ 25,000
(C) ₹ 50,000
(D) ₹ 1,00,000

39. वर्तमान में, राजस्थान लोक सेवा आयोग में एक अध्यक्ष और कितने अन्य सदस्य शामिल हैं?
(A) चार
(B) पांच
(C) छह
(D) सात

40. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य महिला आयोग का कार्य नहीं है?
(A) घरेलू हिंसा के मामलों में अंतिम निर्णय देना
(B) महिलाओं के लिए प्रदान किए गए विभिन्न कानूनी सुरक्षोपायों से संबंधित मामलों की जांच करना
(C) महिलाओं के अधिकारों के वंचन से संबंधित मामलों का स्वतः संज्ञान लेना
(D) स्थानीय जेलों, बंदीगृहों और सुधार गृहों का निरीक्षण करना जहां महिला बंदियों को रखा जाता है

NODIA

41. राज्य निर्वाचन आयोग 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करता है, जो मुख्य रूप से संबंधित है:
(A) शहरी नगर निगमों से
(B) पंचायती राज निकायों से
(C) ग्रामीण सहकारी समितियों से
(D) राज्य विधान परिषदों से

42. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग मानव अधिकार उल्लंघन की घटना होने की तिथि से एक वर्ष की समाप्ति के बाद किसी भी मामले की जांच नहीं कर सकता।
कारण (R): मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993, आयोग द्वारा जांच शुरू करने के लिए एक वर्ष की परिसीमा अवधि निर्धारित करता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

43. यदि राजस्थान लोक सेवा आयोग को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को कोई विशेष भर्ती कार्य सौंपने की

22. राजस्थान में निम्नलिखित संस्थाओं की स्थापना को कालानुक्रमिक क्रम (प्राचीनतम से नवीनतम) में व्यवस्थित कीजिए:
I. राजस्थान लोक सेवा आयोग
II. राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग
III. राजस्थान राज्य सूचना आयोग
IV. राज्य निर्वाचन आयोग
(A) I, IV, II, III
(B) I, II, IV, III
(C) IV, I, III, II
(D) I, IV, III, II

23. राजस्थान लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(A) अमरनाथ माथुर
(B) डी.एस. तिवारी
(C) के.एल. वर्मा
(D) एस.के. घोष

24. राज्य आयोगों के नियुक्ति प्राधिकारी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?
(A) राज्य मुख्य सूचना आयुक्त - मुख्यमंत्री
(B) राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष - राज्यपाल
(C) राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयुक्त - राज्यपाल
(D) राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष - राज्यपाल

25. राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयुक्त को पद से कैसे हटाया जा सकता है?
(A) मुख्यमंत्री द्वारा जारी एक कार्यपालक आदेश द्वारा
(B) उसी रीति से जिस रीति से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है
(C) राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर राज्यपाल द्वारा
(D) राज्य विधानसभा में साधारण बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा

26. राजस्थान राज्य सूचना आयोग की स्थापना सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की किस धारा के तहत की गई है?
(A) धारा 12
(B) धारा 15
(C) धारा 18
(D) धारा 20

27. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान लोक सेवा आयोग का कार्य नहीं है?
(A) पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का प्रतिशत निर्धारित करना
(B) राज्य की सेवाओं में नियुक्तियों के लिए परीक्षाओं का संचालन करना
(C) भर्ती की पद्धतियों से संबंधित विषयों पर सरकार को सलाह देना
(D) सिविल सेवकों को प्रभावित करने वाले अनुशासनात्मक मामलों पर सरकार को सलाह देना

28. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: (कार्य)
P. करों के हस्तांतरण की सिफारिश करना
Q. लोक सेवकों के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच करना
R. स्थानीय निकाय चुनाव कराना
S. बाल अधिकारों के संरक्षण की निगरानी करना
सूची II: (आयोग)
1. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग
2. राज्य वित्त आयोग
3. राज्य निर्वाचन आयोग
4. लोकायुक्त
(A) P-2, Q-4, R-3, S-1
(B) P-4, Q-2, R-1, S-3
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-3, Q-4, R-2, S-1

29. राजस्थान राज्य महिला आयोग की प्रथम अध्यक्ष कौन थीं?
(A) गिरजा व्यास
(B) सुमन शर्मा
(C) ममता भूपेश
(D) कांता खतूरिया

30. राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) राज्य के सभी किशोरों को निःशुल्क उच्च और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना
(B) राज्य के सभी जिलों में सरकारी अनाथालयों का प्रबंधन और संचालन करना
(C) विधि द्वारा परिभाषित बाल अधिकारों की निगरानी और सुरक्षा करना
(D) प्राथमिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन और पोषण संबंधी पूरक आहार वितरित करना

31. मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2019 के अनुसार, राज्य मानव अधिकार आयोग में एक अध्यक्ष और कितने अन्य सदस्य होते हैं?
(A) एक
(B) दो
(C) तीन
(D) चार

32. उन निकायों के संबंध में असंगत की पहचान कीजिए जिनके चुनाव राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित किए जाते हैं:
(A) ग्राम पंचायत निकाय
(B) पंचायत समिति संस्थान
(C) जिला परिषदें
(D) राज्य विधानसभा

Click Here to Buy book on Flipkart

54. राज्य वित्त आयोग की स्थापना भारत के संविधान के किन भागों के तहत की गई है?
(A) भाग VIII और IX
(B) भाग X और XI
(C) भाग IX और IXA
(D) भाग XI और XII

55. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: (पद)
P. राज्य मुख्य सूचना आयुक्त
Q. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य
R. राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष
S. राज्य निर्वाचन आयुक्त (राजस्थान)
सूची II: (वर्तमान नियमों के अनुसार पदावधि)
1. 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु
2. 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु
3. केंद्र सरकार द्वारा यथा विहित
4. 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु
(A) P-3, Q-1, R-2, S-4
(B) P-3, Q-4, R-2, S-1
(C) P-4, Q-1, R-3, S-2
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

56. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का निर्धारित कार्य नहीं है?
(A) विद्यालयों की बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रश्न पत्र तैयार करना
(B) बाल अधिकारों के उल्लंघन की शिकायतों की जांच करना
(C) बाल गृहों का निरीक्षण करना और सुधार के सुझाव देना
(D) समाज के विभिन्न वर्गों के बीच बाल अधिकार साक्षरता का प्रसार करना

57. आरटीआई अधिनियम की अधिकतम सीमा के अनुसार, राजस्थान राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के अलावा कितने सूचना आयुक्त नियुक्त किए जा सकते हैं?
(A) 5 से अधिक नहीं
(B) 10 से अधिक नहीं
(C) 15 से अधिक नहीं
(D) 20 से अधिक नहीं

58. राजस्थान में राज्य मानव अधिकार आयोग जैसे सांविधिक आयोगों के सामने आने वाली एक आम चुनौती निम्नलिखित में से कौन-सी है?
(A) अत्यधिक न्यायिक शक्तियों का होना
(B) वित्तीय स्वायत्तता और बाध्यकारी शक्तियों का अभाव
(C) विशुद्ध रूप से व्यावसायिक राज्य संस्थाएं होना जो केवल राजस्व सृजन पर ध्यान केंद्रित करती हैं
(D) राज्य सरकार के अनुमोदन के बिना उनके निर्णय स्वतः लागू होना

59. राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?
(A) राज्य सरकार
(B) भारत के राष्ट्रपति
(C) राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
(D) राजस्थान के राज्यपाल

60. राज्य मानव अधिकार आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह न्यायालय की अनुमति से मानव अधिकार उल्लंघन से संबंधित अदालती कार्यवाही में हस्तक्षेप कर सकता है।
II. इसके पास मानव अधिकार उल्लंघन के पीड़ितों के लिए क्षतिपूर्ति की सिफारिश करने की शक्ति है।
III. इसके पास दोषी लोक सेवकों को कारावास की सजा सुनाने की शक्ति है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

61. राजस्थान में लोकायुक्त की पदावधि को 8 वर्ष से घटाकर पुनः 5 वर्ष किस वर्ष किया गया था?
(A) 2017
(B) 2019
(C) 2021
(D) 2023

62. राजस्थान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सामान्यतः कितनी अवधि के लिए पद धारण करती हैं?
(A) 2 वर्ष
(B) 3 वर्ष
(C) 4 वर्ष
(D) 5 वर्ष

63. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्य निर्वाचन आयोग नगरपालिकाओं के लिए मतदाता सूची तैयार करने का अधीक्षण और निर्देशन करता है?
(A) अनुच्छेद 243-K
(B) अनुच्छेद 243-ZA
(C) अनुच्छेद 243-I
(D) अनुच्छेद 243-Y

64. आरटीआई अधिनियम के तहत, यदि किसी नागरिक को लोक सूचना अधिकारी से सूचना प्राप्त नहीं होती है, तो उसके लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकारी कौन है?
(A) राज्य मुख्य सूचना आयुक्त
(B) मुख्यमंत्री का शिकायत निवारण प्रकोष्ठ
(C) उच्च न्यायालय के महानिबंधक (रजिस्ट्रार जनरल)
(D) उसी लोक प्राधिकारी में एक वरिष्ठ अधिकारी

Downloaded from www.pdf.tube

चुनाव आयोग अनुच्छेद 324 के तहत यह संवैधानिक कार्य निष्पादित करता है।

33. (A) राज्य के न्यायिक अधिकारी
राजस्थान लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के प्रावधानों के अनुसार, न्यायपालिका के सदस्यों तथा राज्य के न्यायिक अधिकारियों को लोकायुक्त के जांच दायरे से बाहर रखा गया है। इसके अलावा राज्य के मुख्यमंत्री भी इसके क्षेत्राधिकार में नहीं आते हैं। परंतु राज्य के मंत्री, जिला प्रमुख, नगर निगम के महापौर तथा लोक सेवक लोकायुक्त के जांच क्षेत्राधिकार के अंतर्गत शामिल किए गए हैं।

34. (C) संसद या राज्य विधानमंडल के एक अधिनियम द्वारा
सांविधिक निकाय वे संस्थाएं होती हैं जिनका निर्माण संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा पारित कानून या अधिनियम के माध्यम से किया जाता है। इन संस्थाओं की शक्तियां, अधिकार तथा कार्यप्रणाली संबंधित अधिनियम के प्रावधानों द्वारा ही नियंत्रित और संचालित होती हैं। संवैधानिक निकायों के विपरीत इनका उल्लेख मूल संविधान में किसी अनुच्छेद में पृथक से नहीं होता है।

35. (A) केवल I और II
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-I के अंतर्गत स्थापित राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है। यह आयोग राज्य की संचित निधि से पंचायतों को सहायता अनुदान देने के सिद्धांतों की सिफारिश करता है। हालांकि इस आयोग की सिफारिशें केवल परामर्शकारी प्रकृति की होती हैं, इसलिए यह राज्य सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी रूप से लागू नहीं होती हैं।

36. (D) की गई कार्रवाई के ज्ञापन के साथ राज्य विधानमंडल के समक्ष रखा जाता है
विभिन्न राज्य आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्य सरकार को सौंपते हैं। इसके बाद राज्य सरकार का यह कानूनी दायित्व है कि वह इस प्रतिवेदन को आयोग की सिफारिशों पर की गई कार्यवाही के विवरण या ज्ञापन के साथ राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के समक्ष रखवाए। यह प्रक्रिया प्रशासनिक पारदर्शिता तथा जवाबदेही को प्रशासनिक तंत्र में सुदृढ़ करती है।

37. (B) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए प्रदान किए गए संवैधानिक सुरक्षोपायों की निगरानी करना
राज्य अनुसूचित जाति तथा जनजाति आयोग का प्रमुख कार्य इन वर्गों के लिए संविधान द्वारा प्रदान किए गए सुरक्षोपायों की समीक्षा और निगरानी करना है। यह आयोग इन समुदायों पर होने वाले अत्याचारों तथा उनके अधिकारों के हनन से संबंधित मामलों की जांच करता है। इसके साथ ही यह उनके उत्थान हेतु आवश्यक सुझाव राज्य सरकार को प्रेषित करता है।

38. (B) ₹ 25,000
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 20 के तहत यदि कोई लोक सूचना अधिकारी बिना उचित कारण सूचना देने में विलंब करता है, तो राज्य सूचना आयोग उस पर ₹ 250 प्रति दिन का जुर्माना लगा सकता है। इस जुर्माने की अधिकतम सीमा ₹ 25,000 निर्धारित की गई है। यह प्रावधान प्रशासनिक अधिकारियों में समयबद्धता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु बनाया गया है।

39. (D) सात
राजस्थान लोक सेवा आयोग के गठन के समय इसमें एक अध्यक्ष और दो सदस्य शामिल थे। समय-समय पर कार्यों की संख्या बढ़ने के कारण इसके आकार में वृद्धि की गई। वर्तमान में आयोग में एक अध्यक्ष तथा 7 अन्य सदस्य स्वीकृत हैं, जिससे कुल सदस्य संख्या 8 हो जाती है। इनकी नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है।

40. (A) घरेलू हिंसा के मामलों में अंतिम निर्णय देना
राजस्थान राज्य महिला आयोग एक परामर्शदात्री निकाय के रूप में कार्य करता है। यह महिलाओं के अधिकारों के हनन पर जांच कर सकता है तथा सरकार को सिफारिशें भेज सकता है। किंतु घरेलू हिंसा या किसी अन्य विवाद में अंतिम न्यायिक निर्णय सुनाने का अधिकार इसके पास नहीं है। यह शक्ति केवल सक्षम न्यायपालिका में ही निहित की गई है।

41. (B) पंचायती राज निकायों से
73वां संविधान संशोधन अधिनियम मुख्य रूप से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता प्रदान करने हेतु लाया गया था। इस संशोधन के तहत संविधान में अनुच्छेद 243-K शामिल किया गया, जिसके द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान हुआ। इस आयोग का मुख्य दायित्व ग्रामीण पंचायती राज संस्थाओं के स्वतंत्र चुनाव संपन्न कराना है।

42. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के अनुसार राज्य मानव अधिकार आयोग किसी ऐसी घटना की जांच नहीं कर सकता जो घटित होने की तिथि से 1 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद लाई गई हो। अधिनियम में जांच हेतु 1 वर्ष की परिसीमा अवधि तय की गई है, इसलिए कथन और कारण दोनों पूर्णतः सत्य हैं।

43. (A) राष्ट्रपति के अनुमोदन से राज्यपाल
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 के अनुसार, राज्य के राज्यपाल भारत के राष्ट्रपति की पूर्व सहमति प्राप्त करके संघ लोक सेवा आयोग से राज्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कार्य करने का अनुरोध कर सकते हैं। राष्ट्रपति का अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात ही संघ आयोग संबंधित राज्य के किसी विशेष भर्ती या परीक्षा कार्य का दायित्व अपने हाथ में संभालता है।

44. (C) समन भेजने और शपथ पर परीक्षा करने की सिविल न्यायालय की शक्तियां
राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम के तहत, लोकायुक्त को भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करते समय सिविल न्यायालय के समान शक्तियां प्राप्त होती हैं। इन शक्तियों में गवाहों को समन भेजना, उन्हें उपस्थित होने के लिए बाध्य

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) अनुच्छेद 315
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 के तहत संघ तथा राज्यों के लिए लोक सेवा आयोगों की स्थापना का प्रावधान है। इसी संवैधानिक उपबंध के अनुसरण में राजस्थान लोक सेवा आयोग का गठन किया गया था। यह संस्था राज्य सरकार के विभिन्न प्रशासनिक पदों हेतु योग्य अभ्यर्थियों के चयन के लिए प्रतियोगिता परीक्षाएं आयोजित करती है। यह आयोग राज्य सिविल सेवाओं के नियम निर्माण तथा पदोन्नति मामलों में भी सरकार को परामर्श देता है।

2. (C) राजस्थान के राज्यपाल
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 316 के तहत राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है। राज्यपाल यह कार्य राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह से निष्पादित करते हैं। यद्यपि नियुक्ति राज्यपाल करते हैं, परंतु सदस्यों को पद से हटाने का अधिकार केवल भारत के राष्ट्रपति को प्राप्त है। राष्ट्रपति संविधान में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार उच्चतम न्यायालय की जांच के बाद ही निष्कासन आदेश जारी करते हैं।

3. (A) संवैधानिक निकाय है
73वें तथा 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों के माध्यम से भारतीय संविधान में अनुच्छेद 243-K तथा 243-ZA जोड़े गए। इन अनुच्छेदों के अंतर्गत राज्य निर्वाचन आयोग के गठन का स्पष्ट प्रावधान किया गया है। संवैधानिक उपबंधों द्वारा निर्मित होने के कारण राजस्थान का राज्य निर्वाचन आयोग एक पूर्णतः संवैधानिक निकाय है। यह निकाय राज्य में पंचायती राज संस्थाओं तथा नगरीय निकायों के स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं नियमित चुनाव आयोजित कराने के लिए उत्तरदायी है।

4. (D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष
राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम 1973 के संवैधानिक प्रावधानों के तहत लोकायुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इसके अंतर्गत राज्य के राज्यपाल द्वारा लोकायुक्त की नियुक्ति की जाती है। नियुक्ति से पूर्व राज्यपाल संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष से अनिवार्य रूप से परामर्श करते हैं। इस परामर्शदात्री तंत्र का मुख्य उद्देश्य नियुक्ति में पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा निष्पक्षता बनाए रखना है।

5. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-I में राज्य वित्त आयोग का प्रावधान है, जो स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करता है। अनुच्छेद 243-K राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान करता है। राजस्थान राज्य सूचना आयोग का गठन वर्ष 2006 में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत किया गया। राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग वर्ष 2000 से पूर्णतः कार्यशील हुआ। यह सभी संस्थाएं राज्य में सुशासन सुनिश्चित करती हैं।

6. (C) राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग
संवैधानिक निकाय वे संस्थाएं होती हैं जिनका उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेदों में स्पष्ट रूप से किया गया है। राजस्थान लोक सेवा आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग और राज्य वित्त आयोग संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों के तहत गठित संवैधानिक संस्थाएं हैं। इसके विपरीत, राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग एक सांविधिक निकाय है, क्योंकि इसका गठन संसद द्वारा पारित मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत किया गया था।

7. (B) 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु तक
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 316 के अनुसार, राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों का कार्यकाल पद ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष अथवा 62 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक होता है, इनमें से जो भी पहले पूर्ण हो। 41वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की सेवानिवृत्ति आयु को 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष किया गया था।

8. (A) राज्यपाल
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-I तथा अनुच्छेद 243-Y के तहत, राज्य का राज्यपाल प्रत्येक 5 वर्ष की अवधि की समाप्ति पर राज्य वित्त आयोग का गठन करता है। राज्यपाल द्वारा गठित यह आयोग पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करता है। आयोग राज्य सरकार द्वारा एकत्र करों के वितरण तथा स्थानीय निकायों को वित्तीय अनुदान हेतु अपनी महत्वपूर्ण सिफारिशें राज्य सरकार को सौंपता है।

9. (B) 1999
राजस्थान राज्य महिला आयोग का गठन 15 मई 1999 को राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम, 1999 के तहत एक सांविधिक निकाय के रूप में किया गया था। इस आयोग की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में महिलाओं के हितों का संरक्षण करना, उनके उत्पीड़न की जांच करना और उनके कानूनी अधिकारों को सुनिश्चित करना है। यह आयोग महिलाओं के कल्याण एवं अधिकारों के संवर्धन हेतु निरंतर कार्य करता है।

10. (B) केवल II और III
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 318 के अनुसार, राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की सेवा शर्तें निर्धारित करने का अधिकार राज्यपाल के पास होता है। इसके साथ ही, अनुच्छेद 323 के तहत आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल को सौंपता है।

Click Here to Buy book on Amazon

आवश्यकता है, तो यूपीएससी से ऐसा करने का अनुरोध कौन कर सकता है?
(A) राष्ट्रपति के अनुमोदन से राज्यपाल
(B) राज्य मंत्रिमंडल के माध्यम से कार्य करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री
(C) लिखित अनुरोध के माध्यम से स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए आरपीएससी के अध्यक्ष
(D) विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित करके राज्य विधानसभा

44. जांच के दौरान राजस्थान के लोकायुक्त के पास निम्नलिखित में से कौन-सी शक्ति होती है?
(A) लोक सेवकों के विरुद्ध गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी करने की शक्ति
(B) किसी भी भ्रष्ट लोक सेवक को सीधे सरकारी सेवा से निलंबित करने की शक्ति
(C) समन भेजने और शपथ पर परीक्षा करने की सिविल न्यायालय की शक्तियां
(D) राजस्थान उच्च न्यायालय में सीधे आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की शक्ति

45. राजस्थान के प्रथम राज्य वित्त आयोग के संबंध में कौन-सा कथन सही है?
(A) इसका गठन 1990 में भैरों सिंह शेखावत की अध्यक्षता में किया गया था।
(B) इसका गठन 2000 में हीरालाल देवपुरा की अध्यक्षता में किया गया था।
(C) इसका गठन 1994 में माणिक चंद सुराणा की अध्यक्षता में किया गया था।
(D) इसका गठन 1995 में के.के. गोयल की अध्यक्षता में किया गया था।

46. सिद्ध कदाचार या असमर्थता के आधार पर राज्य मुख्य सूचना आयुक्त को हटाने का अंतिम आदेश जारी करने का अधिकार किसके पास है?
(A) भारत के राष्ट्रपति
(B) राजस्थान के मुख्यमंत्री
(C) राजस्थान के राज्यपाल
(D) भारत के मुख्य न्यायाधीश

47. राजस्थान में सांविधिक और संवैधानिक आयोग मुख्य रूप से किसके रूप में कार्य करके 'सुशासन' में योगदान देते हैं?
(A) राज्य कोष के लिए स्थापित व्यावसायिक लाभ कमाने वाली संस्थाओं
(B) जवाबदेही और शिकायत निवारण निकायों
(C) नए राज्य सिविल कानूनों को लागू करने वाले स्वतंत्र विधायी निकायों
(D) राज्य पुलिस बल को नियंत्रित करने वाली कार्यपालक प्रशासनिक शाखाओं

48. राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्षों का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम चुनिए:
(A) के.के. गोयल, हीरालाल देवपुरा, माणिक चंद सुराणा, बी.डी. कल्ला
(B) बी.डी. कल्ला, के.के. गोयल, माणिक चंद सुराणा, हीरालाल देवपुरा
(C) के.के. गोयल, माणिक चंद सुराणा, हीरालाल देवपुरा, बी.डी. कल्ला
(D) माणिक चंद सुराणा, के.के. गोयल, बी.डी. कल्ला, हीरालाल देवपुरा

49. राजस्थान राज्य महिला आयोग में एक अध्यक्ष और कितने अन्य नियमित सदस्य शामिल होते हैं?
(A) दो सदस्य
(B) तीन सदस्य
(C) चार सदस्य
(D) पांच सदस्य

50. राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयुक्त के संबंध में कौन-सा कथन गलत है?
(A) उनकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है।
(B) नियुक्ति के बाद उनकी सेवा शर्तों में उनके लिए अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।
(C) उन्हें राज्यपाल द्वारा बिना किसी औपचारिक जांच के किसी भी समय हटाया जा सकता है।
(D) वे पंचायतों के लिए मतदाता सूची तैयार करने का निर्देशन करते हैं।

51. राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने के लिए कौन पात्र है?
(A) उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश
(B) जिला न्यायालय के कोई भी सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश
(C) भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कोई भी सेवानिवृत्त अधिकारी
(D) भारत के उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता

52. उस पद की पहचान कीजिए जिसे राजस्थान लोकायुक्त के जांच क्षेत्राधिकार से बाहर रखा गया है:
(A) राज्य मंत्री
(B) राज्य सरकार के प्रशासनिक सचिव
(C) जिला परिषदों के निर्वाचित प्रमुख (जिला प्रमुख)
(D) आरपीएससी के अध्यक्ष और सदस्य

53. यद्यपि आरपीएससी राज्य सिविल सेवाओं के लिए अभ्यर्थियों का चयन करने के लिए उत्तरदायी है, उनकी अंतिम नियुक्ति और पदस्थापना का उत्तरदायित्व आमतौर पर किस पर होता है?
(A) सीधे राज्य का राज्यपाल कार्यालय
(B) राज्य का कार्मिक विभाग
(C) राजस्थान उच्च न्यायालय
(D) आरपीएससी के अध्यक्ष और सदस्य

NODIA

में पारित किया गया था। यह अधिनियम वर्ष 1973 में लागू हुआ। इसके अंतर्गत प्रथम लोकायुक्त के रूप में न्यायमूर्ति आईडी दुआ की नियुक्ति हुई थी। यह संस्था राज्य के मंत्रियों एवं उच्च अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच पूर्णतः स्वतंत्र एवं निष्पक्षता से करती है।

22. (A) I, IV, II, III
राजस्थान में इन संस्थाओं की स्थापना का सही क्रम है: राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्थापना वर्ष 1949 में हुई। राज्य निर्वाचन आयोग का गठन वर्ष 1994 में हुआ। राज्य मानव अधिकार आयोग की स्थापना वर्ष 1999 में हुई तथा इसने 2000 से कार्य शुरू किया। राजस्थान राज्य सूचना आयोग का गठन अप्रैल 2006 में किया गया। यह कालानुक्रमिक व्यवस्था राज्य की प्रशासनिक संरचना को दर्शाती है।

23. (D) एस.के. घोष
राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्थापना 20 अगस्त 1949 को हुई थी। उस समय राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सर एस.के. घोष को आयोग का प्रथम अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनके साथ दो अन्य सदस्य भी नियुक्त हुए थे। वर्ष 1956 में सत्यनारायण राव समिति की सिफारिश पर इसका मुख्यालय जयपुर से अजमेर स्थानांतरित कर दिया गया, जहां यह वर्तमान में स्थित है।

24. (A) राज्य मुख्य सूचना आयुक्त - मुख्यमंत्री
राज्य मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति मुख्यमंत्री द्वारा नहीं, बल्कि राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति का अधिकार राज्यपाल में निहित है। राज्यपाल एक चयन समिति की सिफारिश पर यह नियुक्ति करते हैं, जिस समिति की अध्यक्षता राज्य के मुख्यमंत्री करते हैं। अतः नियुक्ति का वैधानिक आदेश जारी करने वाले प्राधिकारी राज्यपाल ही होते हैं।

25. (B) उसी रीति से जिस रीति से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-K के अनुसार, राज्य निर्वाचन आयुक्त को उनके पद से केवल उसी प्रक्रिया से हटाया जा सकता है, जिस प्रक्रिया से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है। अर्थात संसद के दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत से पारित प्रस्ताव के उपरांत भारत के राष्ट्रपति ही उन्हें पदमुक्त करने का आदेश जारी कर सकते हैं। यह व्यवस्था आयोग की स्वतंत्रता सुनिश्चित करती है।

26. (B) धारा 15
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 के तहत राज्य सूचना आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है। इसी धारा के अंतर्गत राजस्थान राज्य सूचना आयोग की स्थापना अप्रैल 2006 में हुई थी। यह एक सांविधिक निकाय है, जो सूचना के अधिकार का प्रयोग करने वाले नागरिकों की द्वितीय अपीलों तथा शिकायतों का निस्तारण पूर्ण निष्पक्षता से सुनिश्चित करता है।

27. (A) पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का प्रतिशत निर्धारित करना
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 320 के अनुसार, राजस्थान लोक सेवा आयोग का मुख्य कार्य राज्य की सिविल सेवाओं के लिए योग्य अभ्यर्थियों के चयन हेतु परीक्षाएं आयोजित करना है। इसके अतिरिक्त पदोन्नति एवं अनुशासनात्मक मामलों पर सरकार को परामर्श देना है। परंतु विभिन्न वर्गों के लिए आरक्षण का प्रतिशत तय करना राज्य सरकार का नीतिगत अधिकार है, यह आयोग का कानूनन निर्धारित कार्य नहीं है।

28. (A) P-2, Q-4, R-3, S-1
राज्य वित्त आयोग राज्य सरकार तथा स्थानीय निकायों के मध्य करों के हस्तांतरण की सिफारिश करता है। लोकायुक्त लोक सेवकों के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच करता है। राज्य निर्वाचन आयोग स्थानीय निकाय चुनाव आयोजित कराता है। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग बाल अधिकारों के संरक्षण की निगरानी करता है। यह सभी संस्थाएं राज्य में अपने निर्धारित कार्य निष्पादित करती हैं।

29. (D) कांता खतूरिया
राजस्थान राज्य महिला आयोग का गठन 15 मई 1999 को अधिनियम के अंतर्गत किया गया था। श्रीमती कांता खतूरिया को इस आयोग की प्रथम अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। यह आयोग महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा, उनके कल्याण तथा लैंगिक असमानता दूर करने के लिए परामर्शदात्री निकाय के रूप में राज्य सरकार के साथ मिलकर पूर्ण सक्रियता एवं निष्पक्षता से कार्य करता है।

30. (C) विधि द्वारा परिभाषित बाल अधिकारों की निगरानी और सुरक्षा करना
राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का प्राथमिक उद्देश्य कानून द्वारा परिभाषित बाल अधिकारों की सुरक्षा और निगरानी करना है। यह आयोग बच्चों के शोषण, बाल श्रम तथा अधिकारों के उल्लंघन के मामलों की जांच करता है। इसके अतिरिक्त यह बच्चों के कल्याण हेतु निर्मित सरकारी नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन की समीक्षा का कार्य भी निष्पादित करता है।

31. (B) दो
मानव अधिकार संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2019 के अनुसार, राज्य मानव अधिकार आयोग में एक अध्यक्ष तथा दो अन्य सदस्य शामिल होते हैं। इस प्रकार आयोग में कुल तीन सदस्य होते हैं। इनमें से एक सदस्य न्यायिक क्षेत्र का अनुभव रखने वाला तथा दूसरा सदस्य मानव अधिकारों से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान एवं अनुभव रखने वाला व्यक्ति अनिवार्य रूप से होता है।

32. (D) राज्य विधानसभा
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-K के तहत गठित राज्य निर्वाचन आयोग केवल पंचायती राज संस्थाओं तथा नगरीय निकायों के चुनावों का संचालन करता है। राज्य विधानसभा के चुनाव आयोजित कराने का दायित्व भारत के निर्वाचन आयोग का है, न कि राज्य निर्वाचन आयोग का। भारत का

Downloaded from www.pdf.tube

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्यों की नियुक्ति राजस्थान के राज्यपाल द्वारा की जाती है।
कारण (R): कदाचार के आधार पर आरपीएससी के सदस्यों को हटाने का एकमात्र अधिकार भी राजस्थान के राज्यपाल के पास है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

66. अपनी सिफारिशें करते समय राज्य वित्त आयोग द्वारा निम्नलिखित में से किस पर विचार नहीं किया जाता है?
(A) ग्रामीण पंचायतों की वित्तीय स्थिति और राजस्व सृजन क्षमताएं
(B) ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों को राज्य द्वारा एकत्र करों का हस्तांतरण
(C) राज्य में राष्ट्रीय रक्षा बजट आवंटन
(D) राज्य की संचित निधि से नगरपालिकाओं को दिए जाने वाले सहायतार्थ अनुदान

67. राज्य मानव अधिकार आयोग को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा कौन-सा सुधार सबसे अधिक बार सुझाया जाता है?
(A) इसकी सिफारिशों को केवल परामर्शकारी बनाने के बजाय बाध्यकारी बनाना
(B) आयोग को समाप्त करना
(C) नागरिकों को सीधे शिकायत दर्ज करने से रोकना
(D) इसके क्षेत्राधिकार को केवल राजधानी तक सीमित करना

68. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के प्रथम लोकायुक्त थे?
(A) के.पी.यू. मेनन
(B) एम.एल. श्रीमाल
(C) डी.पी. गुप्ता
(D) आई.डी. दुआ

69. राज्य निर्वाचन आयोग स्थानीय निकाय चुनावों के लिए ईवीएम (EVM) का उपयोग कर रहा है। ईवीएम (EVM) का पूर्ण रूप क्या है?
(A) इलेक्शन वैलिडेटिंग मैकेनिज्म (Election Validation Mechanism)
(B) इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (Electronic Voting Machine)
(C) इलेक्टोरल वोट मीटर (Electoral Vote Meter)
(D) इलेक्ट्रॉनिक वोटर मॉनिटर (Electronic Voter Monitor)

70. संविधान के अनुच्छेद 323 के अनुसार, राज्यपाल को वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना राजस्थान लोक सेवा आयोग का कर्तव्य है। राज्यपाल इस प्रतिवेदन को:
(A) संसदीय विचार के लिए सीधे भारत के राष्ट्रपति को भेजते हैं
(B) स्वीकृत करते हैं और इसे आधिकारिक राज्य राजपत्र में स्वतंत्र रूप से प्रकाशित करते हैं
(C) अस्वीकृति के कारणों के ज्ञापन के साथ राज्य विधानमंडल के समक्ष रखवाते हैं
(D) अनिवार्य प्रशासनिक संशोधन के लिए संपूर्ण प्रतिवेदन वापस आयोग को लौटा देते हैं

www.nodia.in

NODIA

करना, शपथ पर बयान दर्ज करना तथा किसी भी कार्यालय से दस्तावेज प्रस्तुत कराने की पूर्ण शक्ति शामिल होती है।

45. (D) इसका गठन 1995 में के.के. गोयल की अध्यक्षता में किया गया था।
राजस्थान में प्रथम राज्य वित्त आयोग का गठन वर्ष 1995 में किया गया था। इस आयोग के प्रथम अध्यक्ष कृष्ण कुमार गोयल (के.के. गोयल) बनाए गए थे। आयोग ने प्रथम पंचवर्षीय अवधि के लिए राज्य और स्थानीय स्वशासन निकायों के बीच वित्तीय संसाधनों के बंटवारे से संबंधित महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तुत की थीं। यह एक संवैधानिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण प्रारंभ था।

46. (C) राजस्थान के राज्यपाल
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार, सिद्ध कदाचार या असमर्थता के आधार पर राज्य मुख्य सूचना आयुक्त को पद से हटाने का अंतिम आदेश राजस्थान के राज्यपाल द्वारा ही जारी किया जाता है। हालांकि ऐसा आदेश जारी करने से पूर्व उच्चतम न्यायालय द्वारा मामले की जांच की जाती है और उसकी रिपोर्ट के आधार पर राज्यपाल निर्णय लेते हैं।

47. (B) जवाबदेही और शिकायत निवारण निकायों
राजस्थान में स्थापित संवैधानिक तथा सांविधिक आयोग राज्य में सुशासन स्थापित करने हेतु जवाबदेही और नागरिक शिकायत निवारण संस्थाओं के रूप में कार्य करते हैं। ये निकाय सरकारी विभागों में पारदर्शिता लाते हैं, भ्रष्टाचार रोकते हैं तथा नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित करते हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यकुशलता एवं जन-विश्वास में वृद्धि राज्य स्तर पर संभव होती है।

48. (A) के.के. गोयल, हीरालाल देवपुरा, माणिक चंद सुराणा, बी.डी. कल्ला
राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्षों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है: प्रथम आयोग के अध्यक्ष के.के. गोयल, द्वितीय आयोग के अध्यक्ष हीरालाल देवपुरा, तृतीय आयोग के अध्यक्ष माणिक चंद सुराणा तथा पंचम आयोग के अध्यक्ष डॉ. बी.डी. कल्ला रहे हैं। यह अनुक्रम राज्य के वित्तीय इतिहास में स्थानीय निकायों के सुदृढ़ीकरण को प्रदर्शित करने वाला एक महत्वपूर्ण क्रम है।

49. (B) तीन सदस्य
राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आयोग की संरचना में एक अध्यक्ष के अलावा 3 गैर-सरकारी नियमित सदस्य शामिल होते हैं। इसके साथ ही एक सदस्य सचिव का पद भी होता है। सदस्यों में अनुसूचित जाति या जनजाति की महिला का होना अनिवार्य रखा गया है ताकि सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व उचित रूप से मिल सके।

50. (C) उन्हें राज्यपाल द्वारा बिना किसी औपचारिक जांच के किसी भी समय हटाया जा सकता है।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-K के तहत राज्य निर्वाचन आयुक्त की पद-सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। राज्यपाल को उन्हें बिना औपचारिक प्रक्रिया के हटाने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं है। उन्हें पद से हटाने के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान ही प्रक्रिया अपनाना अनिवार्य है तथा यह अधिकार केवल भारत के राष्ट्रपति के पास ही निहित है।

51. (A) उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश
मानव अधिकार संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2019 के बाद राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष पद के लिए उच्च न्यायालय का कोई भी सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या केवल न्यायाधीश रहा व्यक्ति पात्र होता है। इस संशोधन ने पात्रता के दायरे को विस्तृत कर दिया है, जिससे योग्य न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति आयोग में संभव हो सके।

52. (D) आरपीएससी के अध्यक्ष और सदस्य
राजस्थान लोकायुक्त अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों को लोकायुक्त के जांच क्षेत्राधिकार से मुक्त रखा गया है। उनके विरुद्ध लोकायुक्त द्वारा कोई जांच नहीं की जा सकती है। हालांकि राज्य के मंत्री, जिला प्रमुख तथा प्रशासनिक अधिकारी लोकायुक्त की जांच परिधि के अंतर्गत शामिल किए गए प्रमुख सार्वजनिक पदाधिकारी हैं।

53. (B) राज्य का कार्मिक विभाग
राजस्थान लोक सेवा आयोग का कार्य राज्य सेवाओं के लिए योग्य अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया संपन्न करके सरकार को सिफारिश भेजना है। चयनित अभ्यर्थियों को पदों पर अंतिम नियुक्ति आदेश जारी करने तथा पदस्थापना देने का कार्य राज्य सरकार का कार्मिक विभाग करता है। आयोग स्वयं नियुक्ति प्राधिकारी के रूप में कार्य नहीं करता, केवल सिफारिश प्रस्तुत करता है।

54. (C) भाग IX और IXA
73वें तथा 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों के द्वारा भारतीय संविधान में भाग IX और भाग IXA शामिल किए गए। भाग IX में अनुच्छेद 243-I तथा भाग IXA में अनुच्छेद 243-Y के तहत राज्य वित्त आयोग के गठन का संवैधानिक प्रावधान है। यह आयोग ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति में सुधार हेतु सिफारिशें राज्य सरकार को देता है।

55. (A) P-3, Q-1, R-2, S-4
केंद्र सरकार द्वारा विहित नियमों के तहत मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल तय होता है। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की पदावधि 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु होती है। राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु होता है। राज्य निर्वाचन आयुक्त की पदावधि 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु होती है।

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 24
राज्य सचिवालय एवं जिला प्रशासन

1. राजस्थान में राज्य सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख कौन होता है?
(A) मुख्यमंत्री
(B) मुख्य सचिव
(C) राज्यपाल
(D) कैबिनेट सचिव

2. राज्य सचिवालय की नस्ती प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत 'डाक रजिस्टर' का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) प्राप्त होने वाले शासकीय पत्रों और दस्तावेजों का अभिलेख रखना
(B) बाहर भेजे जाने वाले शासकीय नीतिगत प्रेषणों और आदेशों का अभिलेख रखना
(C) राज्य कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं (सेवा अभिलेख) को बनाए रखना
(D) सचिवालय कर्मचारियों की दैनिक उपस्थिति की निगरानी करना

3. वर्ष 2023 के पुनर्गठन के बाद, राजस्थान में जिलों और प्रशासनिक संभागों की वर्तमान संख्या कितनी है?
(A) 33 जिले और 7 संभाग
(B) 50 जिले और 7 संभाग
(C) 50 जिले और 10 संभाग
(D) 53 जिले और 10 संभाग

4. राजस्थान में राज्य सरकार और जिला प्रशासन के बीच मुख्य कड़ी के रूप में कौन कार्य करता है?
(A) उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)
(B) पुलिस अधीक्षक
(C) तहसीलदार
(D) संभागीय आयुक्त

5. राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारी, जो राज्य प्रशासन की रीढ़ हैं, की भर्ती किसके द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से की जाती है?
(A) संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी)
(B) राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आरएसएसबी)
(C) राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी)
(D) राजस्थान राज्य राजस्व मंडल

6. राज्य सचिवालय में एक विभागीय सचिव की मौलिक भूमिका क्या है?
(A) राज्य के भीतर दीवानी न्यायिक विवादों की सुनवाई करना और उनका निपटारा करना
(B) नीतियों पर मंत्रियों को सलाह देना और विभागीय कार्यान्वयन सुनिश्चित करना
(C) ग्रामीण स्थानीय निकायों के वित्तीय खातों का प्रत्यक्ष अंकेक्षण और सत्यापन करना
(D) विभाग के कार्यकारी राजनीतिक प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना

7. राजस्थान में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) जिला स्तर पर किस संस्था के साथ घनिष्ठ समन्वय में कार्य करता है और किसमें इसका विलय कर दिया गया है?
(A) नगर निगम
(B) राजस्व मंडल
(C) जिला पुलिस विभाग
(D) जिला परिषद

8. आपदा प्रबंधन के संदर्भ में, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पदेन अध्यक्ष के रूप में कौन कार्य करता है?
(A) जिला कलेक्टर
(B) पुलिस अधीक्षक
(C) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
(D) संभागीय आयुक्त

9. राज्य सचिवालय के कामकाज के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए:
(A) सचिवालय मुख्य रूप से ग्राम स्तर पर कार्य करने वाली एक नीति-कार्यान्वयन संस्था है।
(B) सचिवालय में केवल निर्वाचित राजनीतिज्ञ शामिल होते हैं और कोई सिविल सेवक नहीं होता है।
(C) सचिवालय राज्य सरकार के लिए एक विचार मंच (थिंक-टैंक) और नीति-निर्माण निकाय के रूप में कार्य करता है।
(D) सचिवालय किसानों से सीधे भू-राजस्व वसूलता है।

10. राजस्थान के मुख्य सचिव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वह सभी प्रशासनिक मामलों में मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार होता है।
II. वह राज्य मंत्रिमंडल के सचिव के रूप में कार्य करता है।
III. वह राज्य विधानसभा का एक निर्वाचित सदस्य होता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III

NODIA

नियुक्त किए गए थे। उन्होंने अगस्त 1973 में अपना कार्यभार संभाला था। इस संस्था की स्थापना राज्य के लोक सेवकों के आचरण की निष्पक्ष जांच करने और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से की गई थी। यह एक महत्वपूर्ण सांविधिक पद के रूप में कार्य करता है।

69. (B) इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (Electronic Voting Machine)
राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावों में प्रयुक्त तकनीक EVM का पूर्ण रूप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (Electronic Voting Machine) है। यह एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जिसका प्रयोग मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु करते हैं। इसके प्रयोग से मतदान प्रक्रिया में गतिशीलता आती है, मतगणना शीघ्र पूरी होती है तथा फर्जी या अवैध मतदान पर प्रभावी रोक लगती है।

70. (C) अस्वीकृति के कारणों के ज्ञापन के साथ राज्य विधानमंडल के समक्ष रखवाते हैं
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 323 के तहत राजस्थान लोक सेवा आयोग अपना वार्षिक कार्य विवरण राज्यपाल को प्रस्तुत करता है। राज्यपाल इस प्रतिवेदन को राज्य विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत करवाते हैं। यदि आयोग की किसी सलाह को अस्वीकार किया गया है, तो सरकार को उसके कारणों का ज्ञापन भी विधानमंडल के समक्ष अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होता है।

www.nodia.in

NODIA

(A) जिलों
(B) तहसीलों
(C) संभागों
(D) जिला परिषदों

65. सूची I में दिए गए प्रशासनिक कार्य को सूची II में जिम्मेदार प्राधिकरण के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I: प्रशासनिक कार्य
P. राज्य सिविल सेवाओं का प्रशासनिक प्रमुख
Q. राजस्व मामलों के लिए सर्वोच्च अपीलीय निकाय
R. पुलिस प्रशासन का जिला प्रमुख
S. ग्राम स्तर पर भू-अभिलेखों का रखरखाव
सूची II: जिम्मेदार प्राधिकरण
1. राजस्व मंडल
2. पुलिस अधीक्षक (एसपी)
3. पटवारी
4. मुख्य सचिव
(A) P-4, Q-1, R-2, S-3
(B) P-1, Q-4, R-3, S-2
(C) P-4, Q-2, R-1, S-3
(D) P-2, Q-1, R-4, S-3

66. कार्यान्वयन के लिए राज्य सचिवालय से जिला प्रशासन तक नीतिगत दिशानिर्देशों का हस्तांतरण आमतौर पर किसके माध्यम से संचालित होता है?
(A) विभाग का निदेशालय या आयुक्तालय (कमिश्नरेट)
(B) जिला पुलिस मुख्यालय और कानून प्रवर्तन निदेशालय
(C) उच्च न्यायालय रजिस्ट्री और न्यायिक प्रशासन अधिकारी
(D) विधानसभा सचिवालय और संसदीय समिति

67. निम्नलिखित प्रशासनिक इकाइयों और उनके संबंधित प्रमुखों में से गलत युग्म की पहचान कीजिए:
(A) उप-खंड — उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)
(B) संभाग — संभागीय आयुक्त
(C) राज्य सचिवालय — मुख्य सचिव
(D) जिला परिषद — तहसीलदार

68. राज्य सचिवालय और जिला कार्यालयों में लागू 'राजकाज' डिजिटल पोर्टल का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) ग्रामीण किसानों को मुफ्त स्मार्टफोन, इंटरनेट प्लान और कृषि उपकरण खरीदना और वितरित करना
(B) सरकारी कार्यालयों में इलेक्ट्रॉनिक नस्ती ट्रैकिंग, अवकाश स्वीकृति और डिजिटल गवर्नेंस को सुगम बनाना
(C) राज्य के स्वामित्व वाले वाणिज्यिक और कृषि भूखंडों को बेचने के लिए प्रतिस्पर्धी ऑनलाइन नीलामी आयोजित करना
(D) सिविल सेवा अभ्यर्थियों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग कक्षाएं, अध्ययन सामग्री और मार्गदर्शन प्रदान करना

69. निम्नलिखित में से कौन-सी शक्ति जिला कलेक्टर के पास नहीं है?
(A) शस्त्र अधिनियम के तहत शस्त्र लाइसेंस जारी करना
(B) जिले में संसदीय चुनावों के लिए रिटर्निंग अधिकारी के रूप में कार्य करना
(C) हत्या के मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाना
(D) प्राकृतिक आपदाओं के दौरान संसाधनों का अधिग्रहण करना

70. सचिवालय और जिला प्रशासन के बीच समन्वय के संदर्भ में, जिला कलेक्टर की क्या भूमिका है?
(A) वह राज्य सरकार की आंख और कान के रूप में कार्य करता है, जो जमीनी स्तर पर सचिवालय की नीतियों को लागू करता है।
(B) वह राज्य की कार्यपालिका शक्ति से पूरी तरह स्वतंत्र होकर कार्य करता है और सचिवालय के नीतिगत निर्देशों से बाध्य नहीं है।
(C) वह राज्य के मंत्रियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्टों की समीक्षा करने और लिखने के लिए जिम्मेदार मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य करता है।
(D) वह मुख्य संवैधानिक अधिवक्ता के रूप में कार्य करता है जो उच्चतम न्यायालय के समक्ष राज्य सरकार का कानूनी प्रतिनिधित्व करता है।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

(C) केवल I और III
(D) I, II और III

11. जिला कलेक्टर की "मजिस्ट्रेटी शक्तियों" में मुख्य रूप से क्या शामिल है?
(A) वार्षिक राज्य बजट तैयार करने, समीक्षा करने और पारित करने की शक्तियाँ
(B) मुख्यमंत्री और राज्य के कैबिनेट मंत्रियों को नियुक्त करने की शक्तियाँ
(C) युद्ध की घोषणा करने और अन्य राज्यों के खिलाफ सैन्य बलों की कमान संभालने की शक्तियाँ
(D) दंड प्रक्रिया संहिता के तहत कानून-व्यवस्था और निरोधात्मक सुरक्षा बनाए रखने की शक्तियाँ

12. जिला स्तर पर, 20-सूत्री कार्यक्रम और अन्य प्रमुख विकासात्मक योजनाओं के कार्यान्वयन की बारीकी से निगरानी किसके द्वारा की जाती है?
(A) जिला शिक्षा अधिकारी
(B) जिला कलेक्टर
(C) उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)
(D) पुलिस अधीक्षक

13. राजस्थान सरकार द्वारा जन शिकायतों के केंद्रीकृत पंजीकरण और निवारण के लिए विशेष रूप से कौन-सा ई-गवर्नेंस पोर्टल स्थापित किया गया है?
(A) अपना खाता
(B) राजकाज
(C) राजस्थान संपर्क
(D) शाला दर्पण

14. कानून एवं व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस बल के प्रबंधन की देखरेख के लिए जिला स्तर का कौन-सा अधिकारी उत्तरदायी है?
(A) जिला कलेक्टर
(B) उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)
(C) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(D) पुलिस अधीक्षक

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): जिला कलेक्टर को अक्सर जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) कहा जाता है।
कारण (R): कलेक्टर को जिले के अधिकार क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए मजिस्ट्रेटी शक्तियां प्रदान की जाती हैं।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

16. राजस्थान में, भू-राजस्व, काश्तकारी और कृषि भूमि से संबंधित विवादों के लिए सर्वोच्च अपीलीय प्राधिकरण कौन-सा है?
(A) राजस्थान उच्च न्यायालय
(B) राजस्व मंडल
(C) राज्य मानवाधिकार आयोग
(D) जिला न्यायालय

17. राजस्थान राजस्व मंडल का स्थायी मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) अजमेर
(D) उदयपुर

18. राजस्थान राज्य में तहसीलदार की नियुक्ति कौन करता है?
(A) राजस्व मंडल
(B) मुख्यमंत्री
(C) जिला कलेक्टर
(D) संभागीय आयुक्त

NODIA

19. कृषि आंकड़ों और भू-अभिलेखों को बनाए रखने के उद्देश्य से फसलों के नियमित निरीक्षण को राजस्थान में क्या कहा जाता है?
(A) जमाबंदी
(B) नामांतरण (म्यूटेशन)
(C) गिरदावरी
(D) खारिज

20. सूची I के अधिकारियों का सूची II में उनके प्राथमिक प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र के साथ मिलान कीजिए:
सूची I: अधिकारी
P. संभागीय आयुक्त
Q. जिला कलेक्टर
R. उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)
S. तहसीलदार
सूची II: प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र
1. तहसील
2. उप-खंड
3. जिला
4. संभाग
(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-3, Q-4, R-1, S-2
(C) P-4, Q-2, R-3, S-1
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

21. लोकसभा और विधानसभा के आम चुनावों के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में कौन-सा अधिकारी कार्य करता है?
(A) जिला न्यायाधीश
(B) पुलिस अधीक्षक
(C) मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद
(D) जिला कलेक्टर

(D) नस्ती का वह अनुभाग जहाँ अधिकारी विश्लेषण, टिप्पणियाँ और निर्णय के सुझाव दर्ज करते हैं

45. सूची I में दिए गए ई-गवर्नेंस पोर्टल/पहल का सूची II में उसके मुख्य उद्देश्य के साथ मिलान कीजिए:
सूची I: पोर्टल/पहल
P. राजस्थान संपर्क
Q. अपना खाता
R. ई-मित्र
S. राजकाज
सूची II: मुख्य उद्देश्य
1. ऑनलाइन भू-अभिलेख (जमाबंदी) तक पहुंच
2. जन शिकायतों का पंजीकरण और निवारण
3. सरकारी कार्यालयों में इलेक्ट्रॉनिक नस्ती प्रबंधन प्रणाली
4. कियोस्क के माध्यम से कई नागरिक सेवाओं की डिलीवरी
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-4, Q-1, R-2, S-3

46. राजस्थान राज्य के प्रथम मुख्य सचिव कौन थे?
(A) भगवंत सिंह मेहता
(B) के. राधाकृष्णन
(C) वी. बी. एल. माथुर
(D) मीठा लाल मेहता

47. राजस्थान में जिला कलेक्टर की नियुक्ति कौन करता है?
(A) भारत के राष्ट्रपति
(B) संघ लोक सेवा आयोग
(C) राज्य सरकार
(D) राजस्व मंडल

48. भू-राजस्व प्रशासन की प्रत्यक्ष श्रृंखला में शामिल न होने के आधार पर निम्नलिखित अधिकारियों में से विषम की पहचान कीजिए:
(A) थाना प्रभारी (एसएचओ)
(B) पटवारी
(C) तहसीलदार
(D) उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)

49. राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के नवनिर्वाचित अधिकारियों का बुनियादी प्रशिक्षण मुख्य रूप से कहाँ आयोजित किया जाता है?
(A) जयपुर स्थित केंद्रीय राज्य पुलिस अकादमी एवं प्रशिक्षण केंद्र
(B) एचसीएम राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (रीपा), जयपुर
(C) अजमेर स्थित राजस्व एवं न्यायिक अधिकारी प्रशासनिक बोर्ड केंद्र
(D) सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, तेलंगाना

50. निम्नलिखित पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों को जिला स्तर पर उनके पद के अनुसार अवरोही क्रम में (उच्चतम से निम्नतम) व्यवस्थित कीजिए:
1. उप-निरीक्षक (एसआई)
2. पुलिस अधीक्षक (एसपी)
3. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अतिरिक्त एसपी)
4. वृत्ताधिकारी / पुलिस उप-अधीक्षक (डीवाईएसपी)
सही क्रम चुनिए:
(A) 2, 3, 4, 1
(B) 3, 2, 4, 1
(C) 2, 4, 3, 1
(D) 4, 3, 2, 1

51. जिला योजना समिति (डीपीसी) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) जिला सिविल सेवकों के प्रशासनिक भत्तों की समीक्षा करना और आधिकारिक वेतनमान तय करना
(B) ग्रामीण और शहरी स्थानीय योजनाओं को एक व्यापक प्रारूप जिला विकास योजना में समेकित करना
(C) राज्य की बाहरी द्विपक्षीय व्यापार नीति तैयार करना और विदेशी राजनयिक संबंधों को संभालना
(D) भर्ती परीक्षाओं और राज्य पुलिस कैडर की परिचालन तैनातियों का प्रबंधन करना

52. प्रशासन की ओर से राज्य के अतिथियों, अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) और मंत्रियों की अगवानी के लिए प्राथमिक शिष्टाचार अधिकारी (प्रोटोकॉल अधिकारी) के रूप में जिला स्तर का कौन-सा अधिकारी कार्य करता है?
(A) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
(B) जिला कलेक्टर (या नामित एडीएम)
(C) पुलिस अधीक्षक
(D) जिला कोष अधिकारी

53. उप-खंड अधिकारी (एसडीएम) सामान्यतः निम्नलिखित में से किस सिविल सेवा कैडर से संबंधित होता है?
(A) भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) या राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी
(B) भारतीय वन सेवा (आईएफएस) या राज्य वन सेवाओं के अधिकारी
(C) भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) या राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस)
(D) भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) या आयकर कैडर के अधिकारी

54. राज्य सरकार के भीतर एक आईएएस अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा सकने वाला सर्वोच्च सिविल सेवा पद निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(A) पुलिस महानिदेशक
(B) अध्यक्ष, राजस्व मंडल

Click Here to Buy book on Amazon

(A) ग्राम पंचायतों और स्थानीय परिषदों के लिए चुनाव आयोजित करना और मतदाता पंजीकरण का प्रबंधन करना
(B) कार्यालयों में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विलंब से संबंधित जन शिकायतों की समीक्षा करना
(C) राज्य सरकार के विभागों के वार्षिक बजट को तैयार करना, विश्लेषण करना और उसकी निगरानी करना
(D) आपराधिक मामलों में सुनवाई करना, कानूनी साक्ष्यों का मूल्यांकन करना और न्यायिक सजा सुनाना

35. राजस्थान में पटवारी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वह राज्य राजस्व प्रशासन पदानुक्रम में सबसे निचला कर्मचारी है।
II. वह गाँव की भूमि का अभिलेख रखता है और फसल निरीक्षण करता है।
III. वह ग्राम सभा द्वारा चुना गया एक निर्वाचित प्रतिनिधि है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) केवल I और II

36. जिला स्तर का कौन-सा अधिकारी पुलिस अधीक्षक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) लिखता है?
(A) संभागीय आयुक्त
(B) पुलिस महानिरीक्षक
(C) जिला कलेक्टर
(D) गृह सचिव

37. राजस्थान में जिला कलेक्टरों के आवधिक सम्मेलनों की अध्यक्षता राज्य स्तर का कौन-सा अधिकारी करता है?
(A) राज्यपाल
(B) पुलिस महानिदेशक
(C) गृह मंत्री
(D) मुख्य सचिव

38. जिले में महिला एवं बाल कल्याण के संदर्भ में, आंगनवाड़ी और पोषण अभियान जैसी योजनाओं की निगरानी के लिए मुख्य रूप से कौन-सा प्रशासनिक अधिकारी उत्तरदायी है?
(A) महिला एवं बाल कल्याण उप निदेशक
(B) स्थानीय प्रशासनिक इकाई के उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)
(C) जिला अधिकार क्षेत्र के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
(D) प्राथमिक विद्यालयों के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी

39. जिला स्तर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का समन्वय और कार्यान्वयन करने के लिए जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष के रूप में कौन कार्य करता है?
(A) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ)
(B) उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)
(C) जिला कलेक्टर
(D) पुलिस अधीक्षक

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): मुख्य सचिव राज्य सचिवालय में अंतर-विभागीय विवादों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
कारण (R): मुख्य सचिव सचिवों की समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है और सभी सरकारी विभागों के कामकाज का समन्वय करता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

41. राजस्थान संपर्क जन शिकायत निवारण प्रणाली से जुड़ी टोल-फ्री हेल्पलाइन संख्या क्या है?
(A) 100
(B) 104
(C) 108
(D) 181

42. ग्रामीण विकास के लिए जिला प्रशासन और स्थानीय स्वशासन के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए, जिला कलेक्टर जिला परिषद के मुख्य रूप से किस अधिकारी के साथ संवाद करता है?
(A) जिला प्रमुख
(B) मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)
(C) खंड विकास अधिकारी (बीडीओ)
(D) ग्राम सेवक

NODIA

43. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में भू-राजस्व मामलों के लिए अपीलीय न्यायालय नहीं है?
(A) तहसीलदार का न्यायालय
(B) उप-खंड अधिकारी (एसडीएम) का न्यायालय
(C) राजस्व मंडल
(D) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय

44. सचिवालय नस्ती प्रबंधन प्रणाली में 'नोट शीट' का क्या अर्थ है?
(A) ऐतिहासिक आधिकारिक नस्ती बंडलों को सुरक्षित और संरक्षित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला टिकाऊ कागज का आवरण
(B) अंतिम रूप से स्वीकृत कार्यकारी नीतियों को प्रकाशित करने वाली आधिकारिक मुद्रित राज्य राजपत्र अधिसूचना
(C) कार्मिक विवरणों और कर्मचारी पदों को सूचीबद्ध करने वाला मुख्य विभागीय सूचकांक पृष्ठ

22. राजस्थान में जिला प्रशासन के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) जिला कलेक्टर जिले में राज्य सरकार के मुख्य प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।
(B) जिला कलेक्टर जनता का प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित प्रतिनिधि होता है।
(C) जिला राज्य में क्षेत्रीय प्रशासन की बुनियादी इकाई है।
(D) जिला प्रशासन विभिन्न विकासात्मक और नियामक कार्यों का समन्वय करता है।

23. किसी जिले में सूखे या अकाल की स्थिति के दौरान, राहत कार्यों के समन्वय के लिए उत्तरदायी मुख्य अधिकारी के रूप में कौन कार्य करता है?
(A) जिला कलेक्टर
(B) तहसीलदार
(C) पटवारी
(D) पुलिस अधीक्षक

24. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य सचिवालय का मूल कार्य नहीं है?
(A) नीति निर्माण में मंत्रियों की सहायता करना
(B) विधान और नियमों का प्रारूप तैयार करना
(C) बजट निर्माण और वित्तीय नियंत्रण
(D) आपराधिक मामलों की सुनवाई आयोजित करना

25. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में राजस्व प्रशासन के सही अवरोही (घटते) प्रशासनिक पदानुक्रम को दर्शाता है?
(A) संभाग → जिला → उप-खंड → तहसील → गाँव
(B) जिला → संभाग → तहसील → उप-खंड → गाँव
(C) संभाग → उप-खंड → जिला → तहसील → गाँव
(D) संभाग → जिला → तहसील → उप-खंड → गाँव

26. राजस्थान में ऑनलाइन संगणकीकृत भू-अभिलेख (जमाबंदी) प्राप्त करने के लिए नागरिक किस ई-गवर्नेंस पोर्टल का उपयोग करते हैं?
(A) ई-मित्र
(B) अपना खाता
(C) राजकाज
(D) शाला दर्पण

27. राजस्थान में संभागीय आयुक्त के पद को 1962 में समाप्त कर दिया गया था और बाद में राज्य सरकार द्वारा इसे किस वर्ष पुनर्जीवित किया गया?
(A) 1977
(B) 1982
(C) 1987
(D) 1992

28. वर्ष 2023 के पुनर्गठन के बाद निम्नलिखित में से कौन राजस्थान का प्रशासनिक संभाग नहीं है?
(A) भीलवाड़ा
(B) सीकर
(C) पाली
(D) बांसवाड़ा

29. किसी जिले में गैर-कानूनी जनसमूह को रोकने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत आदेश जारी करने की शक्ति किसके पास होती है?
(A) जिला मुख्यालय की अध्यक्षता करने वाले पुलिस अधीक्षक
(B) जिला दीवानी न्यायालय की अध्यक्षता करने वाले जिला न्यायाधीश
(C) जिला मजिस्ट्रेट या उप-खंड मजिस्ट्रेट
(D) स्थानीय पुलिस स्टेशन का प्रबंधन करने वाले थाना प्रभारी (एसएचओ)

30. तहसील का प्रशासनिक प्रमुख कौन होता है, जो मुख्य रूप से भू-राजस्व के संग्रहण और भू-अभिलेखों के रख-रखाव के लिए उत्तरदायी होता है?
(A) तहसीलदार
(B) पटवारी
(C) उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)
(D) जिला कलेक्टर

31. राज्य की ई-गवर्नेंस पहलों के तहत 'ई-मित्र' परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) वीडियो लिंक के माध्यम से निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना
(B) सचिवालय की सभी आंतरिक नस्तियों का कड़ाई से प्रबंधन और संग्रहण करना
(C) आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण पास जारी करना
(D) एक ही छत के नीचे विभिन्न सरकारी और नागरिक सेवाएं प्रदान करना

32. खंड/तहसील स्तर पर, पटवारी या गिरदावर द्वारा पारित भू-अभिलेख संबंधी आदेशों के विरुद्ध सामान्यतः पहली अपील कौन सुनता है?
(A) जिला कलेक्टर
(B) तहसीलदार
(C) पुलिस अधीक्षक
(D) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट

33. कौन-सा अधिकारी ग्राम स्तर पर कार्य करता है और दैनिक भू-अभिलेखों को अद्यतन करने, फसल निरीक्षण करने तथा राजस्व वसूली में सहायता के लिए उत्तरदायी है?
(A) खंड विकास अधिकारी (बीडीओ)
(B) पटवारी
(C) तहसीलदार
(D) उप-खंड अधिकारी (एसडीएम)

34. जिला सतर्कता समिति का मुख्य उद्देश्य क्या है?

Downloaded from www.pdf.tube

(C) संभागीय आयुक्त
(D) मुख्य सचिव

55. उप-खंड अधिकारी (एसडीएम) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. एसडीएम उप-खंड में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए मजिस्ट्रेटी शक्तियों का प्रयोग करता है।
II. एसडीएम तहसीलदार द्वारा पारित राजस्व आदेशों के खिलाफ पहली अपील सुनता है।
III. एसडीएम राज्य सचिवालय के कामकाज की प्रत्यक्ष निगरानी करता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

56. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन वितरण) में पारदर्शिता लाने के लिए राज्य प्रशासन द्वारा विशेष रूप से निम्नलिखित में से किस पोर्टल का उपयोग किया जाता है?
(A) शाला दर्पण
(B) ई-पीडीएस
(C) अपना खाता
(D) राजकाज

57. प्रारंभिक तहसील स्तर पर किसी संपत्ति या कृषि भूमि अभिलेख के नामांतरण (म्यूटेशन) को स्वीकृत करने का अधिकार सामान्यतः किसके पास होता है?
(A) पटवारी
(B) तहसीलदार
(C) पुलिस अधीक्षक
(D) जिला न्यायाधीश

58. पुलिस अधीक्षक (एसपी) जिला पुलिस बल पर अपने अधिकार का प्रयोग किसके सामान्य नियंत्रण और निर्देशन में करता है?
(A) जिला न्यायाधीश
(B) उप-खंड अधिकारी
(C) तहसीलदार
(D) जिला मजिस्ट्रेट (कलेक्टर)

59. जिला कलेक्ट्रेट प्रशासन के संदर्भ में "ओआईसी" (OIC) शब्द का क्या अर्थ है?
(A) किसी विशिष्ट अनुभाग या प्रकोष्ठ (जैसे चुनाव या राजस्व) का प्रभारी अधिकारी
(B) नगर निगम मामलों में नागरिक शासन का प्रतिनिधित्व करने वाला आधिकारिक भारतीय नागरिक
(C) अंतर-विभागीय नियंत्रण और लेखापरीक्षा के लिए संगठनात्मक अधिकारी
(D) औद्योगिक विकास और वाणिज्यिक मामलों के लिए कार्यकारी अधिकारी

60. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): राजस्व मंडल के पास दीवानी और आपराधिक न्यायिक मामलों पर अधिकार क्षेत्र नहीं है।
कारण (R): राजस्व मंडल की स्थापना विशेष रूप से केवल भू-राजस्व और काश्तकारी मामलों के लिए सर्वोच्च अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करने के लिए की गई थी।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

61. राजस्थान में संभागीय आयुक्त के कामकाज के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए:
(A) वह उच्च न्यायालय के निर्णयों पर अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने वाले प्रत्यक्ष न्यायिक अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है।
(B) वह प्रत्यक्ष सार्वजनिक वोट द्वारा चुने गए प्रशासनिक संभाग के मुख्य राजनीतिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है।
(C) वह विशेष रूप से शहरी स्थानीय निकायों की देखरेख करता है और ग्रामीण स्थानीय प्रशासन पर उसका कोई अधिकार नहीं है।
(D) वह अपने संभाग के अंतर्गत जिला कलेक्टरों के कार्य का पर्यवेक्षण और समन्वय करता है।

NODIA

62. प्रशासनिक दक्षता में सुधार के लिए, राजस्थान सरकार अक्सर "प्रशासन गाँवों के संग" अभियान आयोजित करती है। इन अभियानों का प्राथमिक ध्यान किस पर है?
(A) लंबित जन शिकायतों का समाधान करना और ग्रामीण शिविरों में सीधे आवश्यक नागरिक सेवाएं प्रदान करना
(B) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देना और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े बहुराष्ट्रीय औद्योगिक केंद्र स्थापित करना
(C) प्रत्यक्ष शारीरिक दक्षता परीक्षण आयोजित करना और विभिन्न ग्राम पंचायतों से पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती करना
(D) सभी ग्राम पंचायतों में प्रशासनिक सचिवालय शाखा भवनों और आईटी केंद्रों का निर्माण करना

63. राज्य सरकार की ओर से वित्तीय कोषागार, बिलों के प्रसंस्करण और पेंशन वितरण का प्रबंधन जिला स्तर का कौन-सा अधिकारी करता है?
(A) पुलिस अधीक्षक
(B) उप-खंड अधिकारी
(C) जिला कोष अधिकारी
(D) पटवारी

64. राजस्थान में एक उप-खंड भौगोलिक रूप से निम्नलिखित में से किन्हें मिलाकर गठित किया जाता है?

56. (A) विद्यालयों की बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रश्न पत्र तैयार करना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का मुख्य कार्य बच्चों के कानूनी तथा संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा करना है। आयोग बाल श्रम, शोषण तथा बाल संरक्षण गृहों की स्थितियों की जांच करता है। विद्यालयों की बोर्ड परीक्षाओं का संचालन या प्रश्न पत्र तैयार करना शैक्षणिक बोर्डों का काम है, इस आयोग का कानूनन निर्धारित कार्य नहीं है।

57. (B) 10 से अधिक नहीं
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 के तहत राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के अलावा अन्य सूचना आयुक्तों की अधिकतम संख्या 10 तक हो सकती है। 10 से अधिक सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का कानून में प्रावधान नहीं है। यह सीमा आयोग के प्रशासनिक कार्य संचालन और दक्षता को बनाए रखने के लिए तय की गई सीमा है।

58. (B) वित्तीय स्वायत्तता और बाध्यकारी शक्तियों का अभाव
राजस्थान में राज्य मानव अधिकार आयोग जैसे सांविधिक निकायों की मुख्य सीमा यह है कि इनकी सिफारिशें केवल परामर्शकारी होती हैं और सरकार पर बाध्यकारी नहीं होतीं। इसके साथ ही इन निकायों के पास पूर्ण वित्तीय स्वायत्तता तथा दंडात्मक शक्तियों का अभाव होता है, जिससे उन्हें अपने निर्णयों को लागू कराने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

59. (A) राज्य सरकार
राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा की जाती है। चूंकि यह एक सांविधिक राज्य स्तरीय आयोग है, इसलिए इसके अध्यक्ष का मनोनयन राज्य सरकार के स्तर पर ही किया जाता है। यह आयोग अनुसूचित जाति के लोगों के कल्याण और उनके संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा हेतु समर्पित रूप से कार्य करता है।

60. (A) केवल I और II
राज्य मानव अधिकार आयोग के पास न्यायालय की अनुमति से मानव अधिकार मामले की अदालती कार्यवाही में हस्तक्षेप करने की शक्ति होती है। साथ ही आयोग पीड़ितों के लिए क्षतिपूर्ति की सिफारिश भी कर सकता है। किंतु इसके पास किसी भी दोषी व्यक्ति या लोक सेवक को सीधे जेल भेजने या दंडित करने का न्यायिक अधिकार प्राप्त नहीं है।

61. (B) 2019
राजस्थान में वर्ष 2018 में लोकायुक्त का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 8 वर्ष कर दिया गया था। हालांकि, वर्ष 2019 में राज्य सरकार ने संशोधन अधिनियम पारित करके इस कार्यकाल को पुनः घटाकर 5 वर्ष कर दिया। इसलिए वर्तमान में राजस्थान में लोकायुक्त की पदावधि पद ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष ही निर्धारित की गई है।

62. (B) 3 वर्ष
राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम, 1999 के तहत राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का कार्यकाल पद ग्रहण की तारीख से 3 वर्ष निर्धारित किया गया है। वह 3 वर्ष तक अपने पद पर बनी रह सकती हैं। 3 वर्ष की अवधि समाप्त होने के पश्चात नई अध्यक्ष का मनोनयन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। यह एक निश्चित कार्यविधि का नियम है।

63. (B) अनुच्छेद 243-ZA
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ZA के तहत राज्य निर्वाचन आयोग को सभी नगरपालिकाओं तथा शहरी निकायों के लिए मतदाता सूची तैयार करने एवं निर्वाचनों का संचालन करने का अधिकार प्राप्त है। अनुच्छेद 243-K जहां पंचायती राज चुनावों से संबंधित है, वहीं अनुच्छेद 243-ZA शहरी स्थानीय निकायों के निर्वाचनों का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण करने की संवैधानिक शक्ति प्रदान करता है।

64. (D) उसी लोक प्राधिकारी में एक वरिष्ठ अधिकारी
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार यदि किसी आवेदक को समय पर सूचना नहीं मिलती है, तो प्रथम अपील उसी विभाग या कार्यालय के प्रथम अपीलीय अधिकारी (वरिष्ठ अधिकारी) के समक्ष की जाती है। इसके बाद भी यदि असंतोष रहता है, तो ही नागरिक द्वितीय अपील हेतु राज्य सूचना आयोग के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

65. (C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 316 के तहत राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल करते हैं। परंतु अनुच्छेद 317 के अनुसार सदस्यों को हटाने का अधिकार केवल भारत के राष्ट्रपति के पास निहित है, राज्यपाल के पास नहीं। राष्ट्रपति उच्चतम न्यायालय की जांच रिपोर्ट के उपरांत ही निष्कासन का आदेश जारी करने हेतु सक्षम हैं।

66. (C) राज्य में राष्ट्रीय रक्षा बजट आवंटन
राज्य वित्त आयोग केवल राज्य सरकार तथा स्थानीय स्वायत्त संस्थाओं (पंचायतों और नगरपालिकाओं) के मध्य वित्तीय संसाधनों के वितरण की सिफारिश करता है। राष्ट्रीय रक्षा बजट का संबंध केंद्र सरकार तथा संघ के अधिकार क्षेत्र से है। इसलिए राज्य वित्त आयोग रक्षा बजट आवंटन पर कोई विचार या सिफारिश निष्पादित नहीं करता, क्योंकि यह संघ सूची का विषय है।

67. (A) इसकी सिफारिशों को केवल परामर्शकारी बनाने के बजाय बाध्यकारी बनाना
राज्य मानव अधिकार आयोग को अधिक प्रभावी बनाने हेतु विशेषज्ञों द्वारा सबसे प्रमुख सुधार यह सुझाया जाता है कि इसकी सिफारिशों को केवल परामर्शकारी न रखकर सरकार पर बाध्यकारी बनाया जाए। इससे आयोग के निर्णयों का कड़ाई से पालन होगा तथा पीड़ितों को वास्तविक और शीघ्र न्याय मिलना सुनिश्चित हो सकेगा। यह एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार कदम माना जाता है।

68. (D) आई.डी. दुआ
राजस्थान लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के तहत राजस्थान के प्रथम लोकायुक्त न्यायमूर्ति आई.डी. दुआ

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) मुख्य सचिव
राजस्थान प्रशासनिक संरचना में राज्य सचिवालय का शीर्ष प्रशासनिक प्रमुख मुख्य सचिव होता है। मुख्य सचिव भारतीय प्रशासनिक सेवा का वरिष्ठतम अधिकारी होता है जो राज्य के समस्त प्रशासनिक ढांचे को दिशा-निर्देश प्रदान करता है। यह पद राज्य प्रशासन में समन्वय तथा नीतिगत निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु उत्तरदायी माना जाता है। वह मुख्यमंत्री के मुख्य प्रशासनिक सलाहकार के रूप में भी कार्य करता है।

2. (A) प्राप्त होने वाले शासकीय पत्रों और दस्तावेजों का अभिलेख रखना
राज्य सचिवालय की नस्ती प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत डाक रजिस्टर का प्राथमिक उद्देश्य आगंतुक शासकीय पत्रों और दस्तावेजों का क्रमबद्ध अभिलेख रखना है। सचिवालय में प्रतिदिन विभिन्न विभागों, संस्थाओं तथा नागरिकों से बड़ी संख्या में पत्र प्राप्त होते हैं। इन सभी प्राप्त पत्रों की प्रविष्टि डाक रजिस्टर में तिथि, क्रमांक और प्रेषक विवरण के साथ दर्ज की जाती है ताकि पत्राचार की निगरानी सहज हो सके।

3. (C) 50 जिले और 10 संभाग
वर्ष 2023 में राजस्थान सरकार ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ तथा सुगम बनाने के उद्देश्य से व्यापक पुनर्गठन किया। इस पुनर्गठन के पश्चात नए जिलों और संभागों का सृजन किया गया, जिससे राज्य में कुल जिलों की संख्या बढ़कर 50 तथा प्रशासनिक संभागों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। प्रशासनिक इकाइयों के इस विस्तार का मुख्य ध्येय नागरिकों तक सरकारी योजनाओं की त्वरित पहुँच सुनिश्चित करना है।

4. (D) संभागीय आयुक्त
राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था में संभागीय आयुक्त राज्य सरकार और जिला प्रशासन के मध्य एक अत्यंत महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी के रूप में कार्य करता है। वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी के रूप में संभागीय आयुक्त अपने संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के कलेक्टरों के कार्यों का पर्यवेक्षण करता है। वह राज्य सरकार के नीतिगत निर्देशों को जिला स्तर पर निष्पादित करवाने हेतु उत्तरदायी होता है।

5. (C) राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी)
राजस्थान प्रशासनिक सेवा राज्य के प्रशासनिक ढांचे की रीढ़ मानी जाती है, जिसके अधिकारियों का चयन राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से किया जाता है। अजमेर में स्थित यह संवैधानिक निकाय निष्पक्ष चयन प्रक्रिया द्वारा प्रशासनिक, पुलिस, और राजस्व सेवाओं के योग्य अधिकारियों की भर्ती करता है। चयनित अधिकारी राज्य प्रशासन के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर तैनात होकर नीति निष्पादन में भूमिका निभाते हैं।

6. (B) नीतियों पर मंत्रियों को सलाह देना और विभागीय कार्यान्वयन सुनिश्चित करना
राज्य सचिवालय में विभागीय सचिव प्रशासनिक प्रमुख होता है, जिसकी प्राथमिक भूमिका संबंधित विभाग के मंत्री को नीतिगत मामलों पर निष्पक्ष और विशेषज्ञ सलाह देना है। सचिव राज्य सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और कानूनों के प्रारूप का निर्माण करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, वह अपने विभाग के अधीनस्थ निदेशालयों तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से स्वीकृत नीतियों का प्रभावी कार्यान्वयन और वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करता है।

7. (D) जिला परिषद
राजस्थान में ग्रामीण विकास और निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रमों के प्रभावी निष्पादन हेतु गठित जिला ग्रामीण विकास अभिकरण का विलय जिला परिषद में कर दिया गया है। इस विलय का मुख्य उद्देश्य जिला स्तर पर पंचायती राज संस्थाओं को अधिक शक्तिशाली बनाना और प्रशासनिक विखंडन को समाप्त करना था। अब जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पर्यवेक्षण में सभी ग्रामीण विकास योजनाएं एकीकृत रूप से संचालित की जाती हैं।

8. (A) जिला कलेक्टर
आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रत्येक जिले में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन किया जाता है, जिसके पदेन अध्यक्ष के रूप में जिला कलेक्टर कार्य करता है। प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित आपदाओं के दौरान जिला कलेक्टर जिले में राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों का नेतृत्व करता है। वह विभिन्न आपदा मोचन बलों तथा सरकारी विभागों के कार्यों में त्वरित समन्वय स्थापित करता है।

9. (C) सचिवालय राज्य सरकार के लिए एक विचार मंच (थिंक-टैंक) और नीति-निर्माण निकाय के रूप में कार्य करता है।
राज्य सचिवालय राज्य प्रशासन के शीर्ष निकाय के रूप में राज्य सरकार के लिए एक विचार मंच और नीति-निर्माण संस्था के रूप में कार्य करता है। सचिवालय का प्राथमिक दायित्व राज्य की दीर्घकालिक नीतियों का निर्धारण, कानूनी विधेयकों का प्रारूप तैयार करना तथा बजटीय आवंटन का नियमन करना है। यह नीति निष्पादन का कार्य सीधे न करके इसे अधीनस्थ कार्यकारी निदेशालयों को सौंपता है।

10. (A) केवल I और II
मुख्य सचिव राज्य प्रशासन का वरिष्ठतम सिविल सेवक होता है जो सभी महत्वपूर्ण प्रशासनिक मामलों में मुख्यमंत्री का प्रधान

Downloaded from www.pdf.tube

सलाहकार होता है। इसके अतिरिक्त वह राज्य मंत्रिमंडल के सचिव के रूप में मंत्रिमंडल की बैठकों की कार्यसूची तैयार करने और निर्णयों के क्रियान्वयन की देखरेख का दायित्व संभालता है। मुख्य सचिव निर्वाचित राजनीतिज्ञ अथवा विधानसभा सदस्य नहीं होता, बल्कि भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है।

11. (D) दंड प्रक्रिया संहिता के तहत कानून-व्यवस्था और निरोधात्मक सुरक्षा बनाए रखने की शक्तियाँ
जिला कलेक्टर को जिले में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत व्यापक मजिस्ट्रेटी शक्तियां प्राप्त होती हैं। जिला मजिस्ट्रेट के रूप में वह निरोधात्मक आदेश जारी कर सकता है, गैर-कानूनी समूहों को तितर-बितर करने के निर्देश दे सकता है तथा पुलिस बल का पर्यवेक्षण करता है। वह जिले में धारा 144 लागू करने हेतु मुख्य प्राधिकृत अधिकारी होता है।

12. (B) जिला कलेक्टर
जिला स्तर पर बीस सूत्रीय कार्यक्रम और अन्य विकासात्मक योजनाओं का समन्वित कार्यान्वयन एवं सतत निगरानी जिला कलेक्टर के नेतृत्व में की जाती है। जिला स्तर पर गठित विकास समितियों के अध्यक्ष के रूप में कलेक्टर विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करता है। वह सुनिश्चित करता है कि निर्धनता उन्मूलन, सामाजिक सुरक्षा और अवसंरचना विकास से जुड़ी नीतियां जिले में प्रभावी ढंग से लागू हों।

13. (C) राजस्थान संपर्क
राजस्थान सरकार ने नागरिकों की शिकायतों के पारदर्शी और त्वरित निवारण हेतु राजस्थान संपर्क नामक एकीकृत ई-गवर्नेंस पोर्टल शुरू किया है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिक किसी भी सरकारी विभाग के विरुद्ध ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकते हैं तथा उसकी स्थिति की जांच कर सकते हैं। यह प्रणाली प्रशासन में जवाबदेही बढ़ाने और शिकायतों के निस्तारण का समयबद्ध अनुश्रवण करने में सहायक है।

14. (D) पुलिस अधीक्षक
जिला स्तर पर अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस बल का प्रभावी प्रबंधन करने की मुख्य जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक की होती है। भारतीय पुलिस सेवा का यह अधिकारी जिले के पुलिस तंत्र का कार्यकारी प्रमुख होता है। वह अपराधों की रोकथाम, जांच और नागरिकों की सुरक्षा हेतु रणनीति बनाता है तथा जिला मजिस्ट्रेट के सामान्य पर्यवेक्षण में अपने कर्तव्यों का निष्पादन करता है।

15. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
जिला कलेक्टर को जिला मजिस्ट्रेट भी कहा जाता है क्योंकि उसे जिले की प्रादेशिक सीमा के भीतर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु दंड प्रक्रिया संहिता के तहत मजिस्ट्रेटी शक्तियां दी जाती हैं। जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कलेक्टर धारा 144 लागू करने, निरोधात्मक आदेश जारी करने और पुलिस बल के कार्यों का पर्यवेक्षण करने के लिए अधिकृत होता है। इस प्रकार यह भूमिका शांति व्यवस्था से सम्बद्ध है।

16. (B) राजस्व मंडल
राजस्थान में भू-राजस्व, काश्तकारी मामलों और कृषि भूमि विवादों से संबंधित न्यायनिर्णयन हेतु सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय राजस्व मंडल है। अजमेर में स्थित यह मंडल अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों, जैसे संभागीय आयुक्त, उप-खंड अधिकारी तथा तहसीलदार द्वारा दिए गए निर्णयों के विरुद्ध अपील सुनता है। राजस्व मंडल राज्य में कृषि भूमि अभिलेखों के रख-रखाव और राजस्व संग्रह का सर्वोच्च प्रशासनिक पर्यवेक्षण भी करता है।

17. (C) अजमेर
राजस्थान राजस्व मंडल का स्थायी मुख्यालय अजमेर जिले में स्थित है। इस निकाय की स्थापना राजस्थान राज्य के गठन के उपरांत 1949 में भू-राजस्व और काश्तकारी मामलों की सुनवाई के लिए की गई थी। अजमेर स्थित यह मंडल राज्य का सर्वोच्च राजस्व अपीलीय न्यायालय है जो संपूर्ण राजस्व प्रशासन का नियंत्रण, पर्यवेक्षण और अधीनस्थ राजस्व अदालतों के अपीलीय मुकदमों का निपटारा करता है।

18. (A) राजस्व मंडल
राजस्थान में तहसीलदारों की नियुक्ति और पदस्थापन का दायित्व राजस्व मंडल अजमेर का है। यद्यपि तहसीलदार पदों पर सीधी भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा से होती है, परंतु चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, पदस्थापना और प्रशासनिक नियंत्रण राजस्व मंडल द्वारा प्रबंधित किया जाता है। तहसीलदार तहसील स्तर पर राजस्व संग्रह एवं भूमि अभिलेखों के प्रबंधन का मुख्य प्रभारी अधिकारी होता है।

19. (C) गिरदावरी
राजस्थान राजस्व प्रशासन में कृषि आंकड़ों और भू-अभिलेखों को अद्यतन रखने हेतु फसलों के नियमित भौतिक निरीक्षण को गिरदावरी कहा जाता है। यह निरीक्षण वर्ष में दो बार मुख्य रूप से रबी और खरीफ फसलों के समय पटवारी द्वारा खेतों में जाकर किया जाता है। गिरदावरी के माध्यम से बोई गई फसल, प्रयुक्त सिंचाई के साधन और कृषि उत्पादन का सटीक रिकॉर्ड तैयार होता है।

20. (A) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान के प्रशासनिक पदानुक्रम में अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र स्पष्ट रूप से विभाजित है। संभागीय आयुक्त संभाग स्तर पर सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी होता है जो कई जिलों का पर्यवेक्षण करता है। जिला कलेक्टर जिला स्तर पर संपूर्ण प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था का नेतृत्व करता है। उप-खंड अधिकारी उप-खंड स्तर का प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी है, जबकि तहसीलदार तहसील स्तर पर राजस्व संग्रह और प्रशासनिक कार्य संभालता है।

NODIA

21. (D) जिला कलेक्टर
लोकसभा और विधानसभा के आम चुनावों के दौरान जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने हेतु जिला कलेक्टर जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्य करता है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अधीन वह मतदान केंद्रों की स्थापना, चुनाव कर्मचारियों की नियुक्ति, सुरक्षा और मतगणना का संपूर्ण प्रबंधन करता है। वह जिले में चुनाव आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराता है।

22. (B) जिला कलेक्टर जनता का प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित प्रतिनिधि होता है।
जिला कलेक्टर जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित और राज्य सरकार द्वारा नियुक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है। जिला प्रशासन में क्षेत्रीय प्रशासनिक व्यवस्था की बुनियादी इकाई जिला है, जहाँ जिला कलेक्टर राज्य सरकार के मुख्य प्रतिनिधि के रूप में कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों और राजस्व प्रशासन का समन्वय एवं निष्पादन करता है।

23. (A) जिला कलेक्टर
जिले में अकाल, सूखे अथवा किसी भी प्राकृतिक आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों का संचालन करने के लिए मुख्य राहत अधिकारी के रूप में जिला कलेक्टर उत्तरदायी होता है। वह आपदा से प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य सामग्री, पेयजल, पशु चारे तथा वित्तीय सहायता के वितरण की व्यवस्था करता है। कलेक्टर जिले के सभी प्रशासनिक विभागों तथा गैर-सरकारी संगठनों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करता है।

24. (D) आपराधिक मामलों की सुनवाई आयोजित करना
राज्य सचिवालय का मूल कार्य नीति-निर्माण, कानून तथा नियमों का प्रारूप तैयार करना, बजटीय आवंटन और अंतर-विभागीय समन्वय करना है। आपराधिक मामलों की सुनवाई करना और न्यायिक निर्णय देना राज्य की न्यायपालिका का कार्य है, न कि प्रशासनिक सचिवालय का। सचिवालय एक नीतिगत और विचार-मंच संस्था है, जो मंत्रियों को सलाह देती है, जबकि न्यायिक शक्तियां दीवानी और आपराधिक अदालतों में निहित होती हैं।

25. (A) संभाग → जिला → उप-खंड → तहसील → गाँव
राजस्थान में राजस्व प्रशासन का पदानुक्रम सर्वोच्च स्तर से निम्नतम स्तर की ओर व्यवस्थित है। सबसे बड़ी क्षेत्रीय इकाई संभाग होती है जिसकी देखरेख संभागीय आयुक्त करता है। इसके पश्चात क्रमशः जिला (जिला कलेक्टर), उप-खंड (उप-खंड अधिकारी), तहसील (तहसीलदार) और सबसे नीचे गाँव (पटवारी) आते हैं। यह प्रशासनिक ढांचा भू-राजस्व संग्रह, कानून-व्यवस्था तथा भूमि अभिलेखों के रख-रखाव हेतु राज्य में सुचारू रूप से कार्य करता है।

26. (B) अपना खाता
राजस्थान सरकार ने राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता लाने और भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण हेतु 'अपना खाता' नामक ऑनलाइन वेब पोर्टल विकसित किया है। इस ई-गवर्नेंस पोर्टल के माध्यम से राज्य के नागरिक किसी भी स्थान से अपनी कृषि भूमि की जमाबंदी की प्रति, खसरा नंबर और भू-अभिलेख विवरण ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। इससे नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने से अत्यंत राहत मिली है।

27. (C) 1987
राजस्थान में संभागीय आयुक्त व्यवस्था को मोहनलाल सुखाड़िया सरकार द्वारा अप्रैल 1962 में समाप्त कर दिया गया था। इसके उपरांत प्रशासनिक समन्वय और जिलों के प्रभावी पर्यवेक्षण की आवश्यकता को महसूस करते हुए हरिदेव जोशी सरकार द्वारा 26 जनवरी 1987 को संभागीय आयुक्त के पद को पुनः बहाल किया गया। तब से संभागीय आयुक्त राज्य और जिला प्रशासन के मध्य समन्वय का कार्य कर रहे हैं।

28. (A) भीलवाड़ा
वर्ष 2023 के प्रशासनिक पुनर्गठन के अंतर्गत राजस्थान में नए प्रशासनिक संभाग गठित किए गए, जिनमें सीकर, पाली और बांसवाड़ा को नए संभाग का दर्जा दिया गया। भीलवाड़ा कोई स्वतंत्र प्रशासनिक संभाग नहीं है, बल्कि यह अजमेर संभाग के अंतर्गत आने वाला एक जिला है। इस पुनर्गठन के पश्चात राजस्थान में प्रशासनिक संभागों की कुल संख्या 7 से बढ़कर 10 हो गई है।

29. (C) जिला मजिस्ट्रेट या उप-खंड मजिस्ट्रेट
दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत आपातकालीन या मानव जीवन के खतरे की स्थिति में निरोधात्मक आदेश जारी करने की शक्ति केवल कार्यकारी मजिस्ट्रेटों, विशेषकर जिला मजिस्ट्रेट तथा उप-खंड मजिस्ट्रेट के पास होती है। इस धारा का उपयोग गैर-कानूनी समूहों के एकत्र होने पर रोक लगाने, दंगे की स्थिति को नियंत्रित करने और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के लिए त्वरित उपाय के रूप में किया जाता है।

30. (A) तहसीलदार
तहसील स्तर पर तहसीलदार प्रशासनिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है, जिसकी मुख्य भूमिका भू-राजस्व का संग्रह करना और क्षेत्र के भूमि अभिलेखों को अद्यतन बनाए रखना है। तहसीलदार एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य करता है जो अधीनस्थ पटवारियों और गिरदावरों के कार्यों का पर्यवेक्षण करता है तथा काश्तकारों से जुड़े नामांतरण संबंधी राजस्व मामलों का समयबद्ध निपटारा करता है।

31. (D) एक ही छत के नीचे विभिन्न सरकारी और नागरिक सेवाएं प्रदान करना
राजस्थान सरकार द्वारा संचालित ई-मित्र परियोजना का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को विभिन्न सरकारी विभागों और निजी संस्थाओं की सेवाएं एक ही स्थान पर सुलभ कराना है। ई-मित्र कियोस्क के माध्यम से नागरिक जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने, पानी तथा बिजली के बिल जमा करने और सरकारी योजनाओं में आवेदन करने जैसी अनेक नागरिक सेवाएं डिजिटल रूप से आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

Click Here to Buy book on Amazon

32. (B) तहसीलदार
तहसील स्तर पर पटवारी या राजस्व निरीक्षक (गिरदावर) द्वारा पारित भूमि अभिलेख या सीमांकन संबंधी प्राथमिक आदेशों के विरुद्ध पहली अपील तहसीलदार के समक्ष की जाती है। तहसीलदार तहसील क्षेत्र का मुख्य राजस्व अधिकारी होता है, जिसके पास अपने क्षेत्र में स्थित अधीनस्थ राजस्व कर्मचारियों के प्राथमिक निर्णयों की समीक्षा करने और मुकदमों का न्यायनिर्णयन करने की अपीलीय शक्ति निहित होती है।

33. (B) पटवारी
ग्राम स्तर पर राजस्व प्रशासन का मुख्य कार्यकारी कर्मचारी पटवारी होता है। पटवारी अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाँवों की भूमि का रिकॉर्ड (जमाबंदी), नक्शा और खसरा रजिस्टर अद्यतन रखता है। वह फसलों का नियमित निरीक्षण करता है, प्राकृतिक आपदाओं से हुई फसल क्षति का आकलन करता है तथा भू-राजस्व की वसूली में तहसीलदार की सहायता प्रदान करता है।

34. (B) कार्यालयों में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विलंब से संबंधित जन शिकायतों की समीक्षा करना
जिला स्तर पर गठित जिला सतर्कता समिति का प्राथमिक उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और प्रशासनिक विलंब से संबंधित शिकायतों की जांच और समीक्षा करना है। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में यह समिति आम जनता द्वारा प्रस्तुत शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करती है। यह सरकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर निगरानी रखकर जिला प्रशासन में पारदर्शिता एवं सुशासन को बढ़ावा प्रदान करती है।

35. (C) केवल III
पटवारी राज्य के राजस्व प्रशासन पदानुक्रम में ग्राम स्तर का सबसे निचला सरकारी कर्मचारी होता है, जो गाँव की भूमि के रिकॉर्ड रखता है तथा फसलों का नियमित निरीक्षण करता है। पटवारी ग्राम सभा द्वारा चुना गया कोई निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से चयनित एक नियमित लोक सेवक होता है जो तहसील के अधीन कार्य करता है।

36. (C) जिला कलेक्टर
जिला स्तर पर पुलिस अधीक्षक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखने की प्राथमिक जिम्मेदारी जिला कलेक्टर की होती है। जिला कलेक्टर जिले में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी होता है, इसलिए पुलिस अधीक्षक उसके सामान्य पर्यवेक्षण और नियंत्रण में कार्य करता है। जिला कलेक्टर पुलिस प्रमुख के कार्य निष्पादन के आधार पर यह वार्षिक मूल्यांकन दर्ज करता है।

37. (D) मुख्य सचिव
राजस्थान में जिला कलेक्टरों के आवधिक सम्मेलनों की अध्यक्षता राज्य का मुख्य सचिव करता है। राज्य प्रशासन का शीर्ष अधिकारी होने के नाते मुख्य सचिव जिला कलेक्टरों की बैठकों में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं, विकास योजनाओं के कार्यान्वयन और कानून-व्यवस्था की समीक्षा करता है। इन सम्मेलनों के माध्यम से राज्य सचिवालय और जिला प्रशासन के बीच प्रशासनिक समन्वय अत्यंत सुदृढ़ किया जाता है।

38. (A) महिला एवं बाल कल्याण उप निदेशक
जिले में महिला एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं, जैसे समेकित बाल विकास सेवाएं, आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन और पोषण अभियान की देखरेख मुख्य रूप से महिला एवं बाल कल्याण विभाग के उप निदेशक द्वारा की जाती है। यह अधिकारी जिला स्तर पर विभागीय योजनाओं के प्रभावी निष्पादन, बजट आवंटन तथा कुपोषण निवारण कार्यक्रमों के अनुश्रवण के लिए प्रशासनिक रूप से उत्तरदायी होता है।

39. (C) जिला कलेक्टर
जिला स्तर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सुचारु संचालन और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु गठित जिला स्वास्थ्य समिति का अध्यक्ष जिला कलेक्टर होता है। जिला कलेक्टर स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकताओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों, टीकाकरण अभियानों तथा स्वास्थ्य अवसंरचना के विकास की नियमित समीक्षा करता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इस समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य निष्पादित करता है।

40. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
राज्य सचिवालय में मुख्य सचिव अंतर-विभागीय विवादों को सुलझाने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। मुख्य सचिव सभी प्रशासनिक सचिवों की समिति का अध्यक्ष होता है और राज्य प्रशासन के समन्वयक के रूप में कार्य करता है। विभिन्न विभागों के बीच नीतिगत या प्रशासनिक मतभेदों को मुख्य सचिव की मध्यस्थता से हल किया जाता है ताकि शासन व्यवस्था निर्बाध रूप से संचालित हो सके।

NODIA

41. (D) 181
राजस्थान संपर्क जन शिकायत निवारण प्रणाली के तहत नागरिकों को निःशुल्क शिकायत दर्ज कराने हेतु 181 टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराया गया है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक राज्य सरकार के किसी भी विभाग से संबंधित अपनी समस्याओं या शिकायतों का पंजीकरण करा सकते हैं। दर्ज शिकायतों को तुरंत संबंधित अधिकारी को प्रेषित किया जाता है और निश्चित समय सीमा में निस्तारण होता है।

42. (B) मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)
ग्रामीण विकास और पंचायती राज व्यवस्था के सुचारु संचालन हेतु जिला प्रशासन तथा पंचायती राज संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ संवाद करता है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद का प्रशासनिक प्रमुख होता है, जो जिला कलेक्टर के साथ मिलकर विकास योजनाओं के निष्पादन की समीक्षा एवं अनुश्रवण करता है।

43. (D) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय
राजस्थान में भू-राजस्व और काश्तकारी मामलों की सुनवाई के लिए एक विशिष्ट राजस्व अदालती ढांचा मौजूद है, जिसमें तहसीलदार का न्यायालय, उप-खंड अधिकारी का न्यायालय और शीर्ष स्तर पर राजस्व मंडल शामिल हैं। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय फौजदारी या आपराधिक न्याय प्रणाली का भाग है, जिसके पास भू-राजस्व विवादों की सुनवाई करने या अपीलीय क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं होता।

44. (D) नस्ती का वह अनुभाग जहाँ अधिकारी विश्लेषण, टिप्पणियाँ और निर्णय के सुझाव दर्ज करते हैं
सचिवालय की नस्ती प्रबंधन प्रणाली में 'नोट शीट' वह महत्वपूर्ण भाग होता है जहाँ किसी मामले या प्रस्ताव पर अधिकारियों द्वारा अपना विस्तृत विश्लेषण, राय, कानूनी समीक्षा और निर्णय हेतु सुझाव दर्ज किए जाते हैं। नोट शीट पर कनिष्ठ अधिकारी से लेकर उच्च अधिकारी तथा मंत्री तक अपने विचार अंकित करते हैं, जिसके आधार पर अंततः सरकार द्वारा अंतिम प्रशासनिक निर्णय लिया जाता है।

45. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थान सरकार द्वारा नागरिक सेवाओं और प्रशासनिक दक्षता हेतु कई ई-पहलें चलाई गई हैं। 'राजस्थान संपर्क' जन शिकायतों के ऑनलाइन पंजीकरण और निवारण का पोर्टल है। 'अपना खाता' नागरिकों को भू-अभिलेख और जमाबंदी की नकल ऑनलाइन प्रदान करता है। 'ई-मित्र' कियोस्क के माध्यम से अनेक नागरिक सेवाएं दी जाती हैं, जबकि 'राजकाज' सरकारी विभागों में फाइल ट्रैकिंग का एकीकृत डिजिटल पोर्टल है।

46. (B) के. राधाकृष्णन
राजस्थान राज्य के गठन के उपरांत राज्य सचिवालय के प्रथम मुख्य सचिव के रूप में के. राधाकृष्णन ने पदभार ग्रहण किया था। उनका कार्यकाल 13 अप्रैल 1949 से 2 मई 1950 तक रहा। उन्होंने राजस्थान के एकीकरण के प्रारंभिक दौर में राज्य के नए प्रशासनिक ढांचे की स्थापना करने और विभिन्न रियासतों के प्रशासनिक कर्मियों का एकीकरण करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

47. (C) राज्य सरकार
राजस्थान में जिला कलेक्टर की नियुक्ति और पदस्थापना का अधिकार राज्य सरकार के पास होता है। जिला कलेक्टर का चयन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से आईएएस कैडर में होता है अथवा राज्य सेवा से पदोन्नति द्वारा होता है। राज्य सरकार का कार्मिक विभाग इन अधिकारियों को राज्य के विभिन्न जिलों में जिला कलेक्टर के रूप में पदस्थ करता है।

48. (A) थाना प्रभारी (एसएचओ)
राजस्थान के प्रशासनिक ढांचे में पटवारी, तहसीलदार और उप-खंड अधिकारी प्रत्यक्ष भू-राजस्व व्यवस्था, भू-अभिलेखों के रख-रखाव और राजस्व मुकदमों के निस्तारण की प्रत्यक्ष श्रृंखला के भाग हैं। इसके विपरीत, थाना प्रभारी (एसएचओ) पुलिस विभाग का अधिकारी होता है जिसका प्राथमिक कार्य पुलिस स्टेशन स्तर पर अपराधों की जांच करना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, न कि भू-राजस्व का प्रत्यक्ष संग्रहण करना।

49. (B) एचसीएम राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (रीपा), जयपुर
राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के नवनिर्वाचित अधिकारियों का बुनियादी संस्थागत प्रशिक्षण हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (रीपा), जयपुर में आयोजित किया जाता है। यह संस्थान राज्य के सिविल सेवकों को प्रशासनिक दक्षता, कानून, राजस्व प्रबंधन और सुशासन का गहन प्रशिक्षण प्रदान करता है ताकि वे लोक सेवा हेतु पूर्णतः कुशल और सक्षम बन सकें।

50. (A) 2, 3, 4, 1
जिला स्तर पर पुलिस प्रशासन के पदानुक्रम में सर्वोच्च पद पुलिस अधीक्षक का होता है। इसके अधीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा उनके नीचे वृत्ताधिकारी अथवा पुलिस उप-अधीक्षक कार्यरत होते हैं। थाने के स्तर पर कानून-व्यवस्था और जांच का कार्य उप-निरीक्षक द्वारा संपादित किया जाता है। अतः उच्च से निम्न पद का सही क्रम पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, वृत्ताधिकारी तथा उप-निरीक्षक होता है।

51. (B) ग्रामीण और शहरी स्थानीय योजनाओं को एक व्यापक प्रारूप जिला विकास योजना में समेकित करना
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-झेडडी के तहत प्रत्येक जिले में जिला योजना समिति का गठन किया जाता है। इस समिति का प्राथमिक कार्य जिले की ग्रामीण पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों द्वारा तैयार की गई विकास योजनाओं को समेकित करके संपूर्ण जिले के लिए एक एकीकृत प्रारूप जिला विकास योजना तैयार करना है, जिससे संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

52. (B) जिला कलेक्टर (या नामित एडीएम)
जिला स्तर पर राज्य के अतिथियों, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और अन्य अति विशिष्ट व्यक्तियों के आगमन पर उनकी अगवानी, सुरक्षा और आवास हेतु मुख्य शिष्टाचार अधिकारी के रूप में जिला कलेक्टर अथवा नामित अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्य करता है। यह अधिकारी जिले में सभी सरकारी दौरों के आधिकारिक शिष्टाचार और प्रोटोकॉल का पालन पूर्णतः सुनिश्चित कराने हेतु उत्तरदायी होता है।

53. (C) भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) या राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस)
राजस्थान में उप-खंड स्तर का प्रशासनिक प्रमुख उप-खंड अधिकारी (एसडीएम) होता है। यह पद भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों या राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के कैडर अधिकारियों द्वारा धारण किया जाता है। उप-खंड अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र में राजस्व प्रशासन, कानून-व्यवस्था और विकास योजनाओं के निष्पादन हेतु

Downloaded from www.pdf.tube

मजिस्ट्रेटी शक्तियों का प्रयोग करके सुशासन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

54. (D) मुख्य सचिव
राज्य प्रशासनिक व्यवस्था में एक भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा सकने वाला सर्वोच्च पद मुख्य सचिव का होता है। मुख्य सचिव राज्य के संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र का शीर्ष अधिकारी, मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार तथा राज्य मंत्रिमंडल का सचिव होता है। वह राज्य के सभी विभागों, निदेशालयों और जिला प्रशासनों के कामकाज का समन्वय और प्रभावी नियंत्रण करता है।

55. (A) केवल I और II
उप-खंड अधिकारी (एसडीएम) अपने उप-खंड में कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु मजिस्ट्रेटी शक्तियों का प्रयोग करता है। वह तहसीलदार द्वारा दिए गए राजस्व आदेशों के विरुद्ध पहली अपीलीय अदालत के रूप में कार्य करता है। हालांकि, एसडीएम राज्य सचिवालय के प्रत्यक्ष कामकाज की निगरानी नहीं करता, क्योंकि यह दायित्व मुख्य सचिव और विभागीय सचिवों का राज्य स्तर पर होता है।

56. (B) ई-पीडीएस
राजस्थान सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने, खाद्यान्न की कालाबाजारी रोकने और योग्य लाभार्थियों तक राशन की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु 'ई-पीडीएस' पोर्टल का उपयोग किया जाता है। इसके तहत राशन कार्डों का डिजिटलीकरण, बायोमीट्रिक सत्यापन के माध्यम से खाद्यान्न वितरण और उचित मूल्य दुकानों पर ऑनलाइन निगरानी की जाती है ताकि लक्षित परिवारों को रियायती दर पर सामग्री मिल सके।

57. (B) तहसीलदार
तहसील स्तर पर किसी कृषि भूमि या संपत्ति के नामांतरण को स्वीकृत करने का प्राथमिक कानूनी अधिकार तहसीलदार के पास होता है। जब किसी भूमि का विक्रय, विरासत या दान के माध्यम से स्वामित्व हस्तांतरित होता है, तो पटवारी की रिपोर्ट के उपरांत तहसीलदार दाखिला-खारिज स्वीकृत करके भू-अभिलेखों में नए स्वामी का नाम दर्ज करने का वैधानिक आदेश आधिकारिक रूप से देता है।

58. (D) जिला मजिस्ट्रेट (कलेक्टर)
जिला स्तर पर पुलिस अधीक्षक जिले के पुलिस बल का कार्यकारी प्रमुख होता है, परंतु वह अपने अधिकारों का प्रयोग जिला मजिस्ट्रेट के सामान्य नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण के अंतर्गत करता है। दंड प्रक्रिया संहिता और पुलिस अधिनियम के तहत जिला मजिस्ट्रेट को जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने का अंतिम प्रशासनिक दायित्व पूर्ण रूप से राज्य द्वारा सौंपा गया है।

59. (A) किसी विशिष्ट अनुभाग या प्रकोष्ठ (जैसे चुनाव या राजस्व) का प्रभारी अधिकारी
जिला कलेक्ट्रेट प्रशासनिक व्यवस्था में "ओआईसी" प्रशासनिक कार्यकुशलता हेतु नियुक्त वह अधिकारी होता है जो कलेक्ट्रेट के किसी विशिष्ट प्रकोष्ठ या अनुभाग का प्रबंधन करता है। जिला कलेक्टर विभिन्न प्रशासनिक शाखाओं, जैसे राजस्व, चुनाव, राहत और सामान्य शाखा के कार्यों का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी (ओआईसी) नामित करता है जो विशिष्ट कार्यों हेतु उत्तरदायी होते हैं।

60. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
राजस्थान में राजस्व मंडल के पास सामान्य दीवानी और आपराधिक मामलों पर क्षेत्राधिकार नहीं होता है। राजस्व मंडल का गठन विशेष रूप से कृषि भूमि, भू-राजस्व, काश्तकारी विवादों और नामांतरण संबंधी मामलों के लिए सर्वोच्च अपीलीय संस्था के रूप में किया गया है। आपराधिक मुकदमों की सुनवाई सत्र न्यायालयों में तथा दीवानी विवादों की सुनवाई सिविल अदालतों में आयोजित की जाती है।

61. (D) वह अपने संभाग के अंतर्गत जिला कलेक्टरों के कार्य का पर्यवेक्षण और समन्वय करता है।
राजस्थान में संभागीय आयुक्त संभाग स्तर पर सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी होता है। उसकी मुख्य भूमिका अपने संभाग के अधीन आने वाले विभिन्न जिलों के कलेक्टरों के कामकाज का प्रभावी पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन और समन्वय करना है। वह कानून-व्यवस्था, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, भू-राजस्व प्रशासन तथा अंतर-जिला प्रशासनिक समन्वय की समीक्षा करता है और आवश्यक रिपोर्ट समय पर प्रेषित करता है।

62. (A) लंबित जन शिकायतों का समाधान करना और ग्रामीण शिविरों में सीधे आवश्यक नागरिक सेवाएं प्रदान करना
राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित "प्रशासन गाँवों के संग" अभियान का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लंबित जन शिकायतों का मौके पर ही त्वरित समाधान करना और नागरिकों को आवश्यक प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। इन शिविरों के माध्यम से भू-अभिलेखों का शुद्धिकरण, नामांतरण, जाति व निवास प्रमाण पत्र जारी करने तथा कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य सफलतापूर्वक सम्पादित किया जाता है।

63. (C) जिला कोष अधिकारी
जिला स्तर पर राज्य सरकार की वित्तीय गतिविधियों, सरकारी कोष के प्रबंधन, विभिन्न विभागों के बिलों के पासिकरण तथा पेंशनभोगियों को पेंशन वितरण का कार्य जिला कोष अधिकारी द्वारा निष्पादित किया जाता है। यह अधिकारी वित्तीय नियमों का पालन, बजटीय अनुशासन तथा निष्पादित व्यय का लेखा-जोखा बनाए रखने हेतु पूर्णतः जिम्मेदार होता है जो लेखा विभाग के अधीन कार्य करता है।

NODIA

64. (B) तहसीलों
राजस्थान के प्रशासनिक ढांचे में उप-खंड एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय इकाई है, जो भौगोलिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से कई तहसीलों को मिलाकर गठित की जाती है। जिला प्रशासन को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने हेतु जिलों को उप-खंडों में विभाजित किया जाता है। उप-खंड अधिकारी अपने उप-खंड की सभी तहसीलों के तहसीलदारों के कार्यों की प्रत्यक्ष देखरेख और पर्यवेक्षण करता है।

65. (A) P-4, Q-1, R-2, S-3
राजस्थान प्रशासनिक संरचना में विभिन्न निकायों और अधिकारियों के दायित्व सुस्पष्ट हैं। मुख्य सचिव राज्य सिविल सेवाओं का शीर्ष प्रशासनिक प्रमुख होता है। अजमेर स्थित राजस्व मंडल राज्य में भू-राजस्व मामलों के लिए सर्वोच्च अपीलीय निकाय है। पुलिस अधीक्षक जिला स्तर पर पुलिस प्रशासन का नेतृत्व करता है, जबकि पटवारी ग्राम स्तर पर प्राथमिक भू-अभिलेखों का प्रभावी रूप से रखरखाव करता है।

66. (A) विभाग का निदेशालय या आयुक्तालय (कमिश्नरेट)
राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत नीतिगत निर्णयों को राज्य सचिवालय से जिला प्रशासन तक प्रेषित करने हेतु कार्यकारी माध्यम के रूप में संबंधित विभाग का निदेशालय कार्य करता है। सचिवालय नीतियां बनाता है, जबकि निदेशालय उन नीतियों को तकनीकी सहायता और प्रशासनिक दिशा-निर्देश प्रदान करके जिला स्तर के अधिकारियों के माध्यम से धरातल पर कार्यान्वित कराता है जो शासन व्यवस्था में सहायक है।

67. (D) जिला परिषद — तहसीलदार
राजस्थान में प्रशासनिक इकाइयों और उनके प्रमुखों के संबंध में जिला परिषद का प्रशासनिक प्रमुख मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है। तहसीलदार तहसील स्तर की राजस्व प्रशासनिक इकाई का प्रमुख होता है, न कि जिला परिषद का। उप-खंड का प्रमुख एसडीएम, संभाग का प्रमुख संभागीय आयुक्त तथा राज्य सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख मुख्य सचिव होता है जो सर्वोच्च पद पर आसीन है।

68. (B) सरकारी कार्यालयों में इलेक्ट्रॉनिक नस्ती ट्रैकिंग, अवकाश स्वीकृति और डिजिटल गवर्नेंस को सुगम बनाना
राजस्थान में 'राजकाज' पोर्टल राज्य सरकार के कर्मचारियों और सरकारी कार्यालयों के लिए विकसित एक एकीकृत ई-ऑफिस डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य सरकारी विभागों में इलेक्ट्रॉनिक नस्ती ट्रैकिंग, अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन अवकाश स्वीकृति, संपत्ति विवरण तथा मूल्यांकन रिपोर्टों का डिजिटल प्रबंधन करना है, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आती है और समय की बचत होती है।

69. (C) हत्या के मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाना
जिला कलेक्टर के पास शस्त्र अधिनियम के तहत लाइसेंस जारी करने, चुनावों में रिटर्निंग अधिकारी के रूप में कार्य करने तथा आपदाओं के दौरान संसाधनों का अधिग्रहण करने की शक्तियां होती हैं। हालांकि, हत्या जैसे आपराधिक मुकदमों की सुनवाई करना और मृत्युदंड की सजा सुनाना केवल जिला एवं सत्र न्यायाधीश या सक्षम न्यायालय का अधिकार है, प्रशासनिक कलेक्टर का अधिकार नहीं है।

70. (A) वह राज्य सरकार की आंख और कान के रूप में कार्य करता है, जो जमीनी स्तर पर सचिवालय की नीतियों को लागू करता है।
सचिवालय और जिला प्रशासन के मध्य समन्वय में जिला कलेक्टर एक धुरी के रूप में कार्य करता है। कलेक्टर को राज्य सरकार की 'आंख और कान' कहा जाता है क्योंकि वह जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थितियों का आकलन करता है और राज्य सचिवालय द्वारा निर्मित नीतियों को जिले में लागू करता है। वह स्थानीय प्रतिक्रियाओं को सचिवालय तक नियमित प्रेषित करता है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 25
स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज

1. भारत में स्थानीय स्वशासन स्थापित करने का प्राथमिक संवैधानिक उद्देश्य क्या है?
(A) राज्य सरकार के प्रशासन के लिए वित्तीय राजस्व उत्पन्न करना
(B) स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देना
(C) निचली और उच्च न्यायपालिका पर लंबित मामलों के बोझ को कम करना
(D) ग्रामीण युवाओं को स्थायी सरकारी रोजगार प्रदान करना

2. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारत के संविधान में कौन-सा भाग जोड़ा गया?
(A) भाग IX
(B) भाग VIII
(C) भाग IX-A
(D) भाग X

3. राजस्थान में स्थापित त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में मध्यवर्ती स्तर निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(A) ग्राम सभा
(B) ग्राम पंचायत
(C) पंचायत समिति
(D) जिला परिषद

4. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन ग्राम पंचायत के गठन का गलत वर्णन करता है?
(A) इसमें एक सरपंच और प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित वार्ड पंच शामिल होते हैं।
(B) यह पंचायती राज व्यवस्था का सबसे निचला स्तर है।
(C) इसका गठन एक गाँव या गाँवों के समूह के लिए किया जाता है।
(D) इसके सदस्य जिला कलेक्टर द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): स्थानीय स्वशासन संस्थाएँ भारत में लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती हैं।
कारण (R): वे सामान्य नागरिकों को स्थानीय नियोजन और प्रशासन में प्रत्यक्ष रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

6. ग्राम पंचायत की बैठकों की अध्यक्षता कौन करता है?
(A) ग्राम विकास अधिकारी
(B) सरपंच
(C) खंड विकास अधिकारी
(D) प्रधान

7. पंचायत समिति किन दो संस्थाओं के बीच एक महत्त्वपूर्ण योजक कड़ी के रूप में कार्य करती है?
(A) ग्राम सभा और ग्राम पंचायत
(B) जिला परिषद और राज्य विधानमंडल
(C) राज्य सरकार और केंद्र सरकार
(D) ग्राम पंचायत और जिला परिषद

8. पंचायत समिति का निर्वाचित राजनीतिक प्रमुख कौन होता है?
(A) प्रधान
(B) सरपंच
(C) जिला प्रमुख
(D) महापौर (मेयर)

9. राजस्थान में जिला स्तर पर पंचायती राज व्यवस्था का सर्वोच्च स्तर कौन-सा है?
(A) नगर परिषद
(B) पंचायत समिति
(C) जिला परिषद
(D) ग्राम पंचायत

10. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है।
II. यह सभी पंचायतों के लिए 5 वर्ष का कार्यकाल अनिवार्य करता है।
III. यह नगरपालिकाओं जैसे शहरी स्थानीय निकायों के प्रशासन से संबंधित है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III

NODIA

(D) I, II और III

11. जिला परिषद के अध्यक्ष के रूप में इसकी बैठकों का संचालन कौन करता है?
(A) जिला कलेक्टर
(B) मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)
(C) प्रधान
(D) जिला प्रमुख

12. राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कुल सीटों का कितना प्रतिशत आरक्षित है?
(A) 25 प्रतिशत
(B) 33 प्रतिशत
(C) 50 प्रतिशत
(D) 75 प्रतिशत

13. पंचायती राज संस्थाओं में अनुसूचित जातियों (अ.जा.) और अनुसूचित जनजातियों (अ.ज.जा.) के लिए सीटें किस आधार पर आरक्षित की जाती हैं?
(A) सभी श्रेणियों के लिए समान प्रतिनिधित्व
(B) जनसंख्या की परवाह किए बिना प्रत्येक श्रेणी के लिए 10 प्रतिशत निश्चित
(C) उस पंचायत क्षेत्र में उनकी जनसंख्या के अनुपात में
(D) मुख्यमंत्री द्वारा प्रतिवर्ष तय की जाती हैं

14. किस संविधान संशोधन अधिनियम ने भारत में शहरी स्थानीय निकायों (नगरपालिकाओं) को संवैधानिक दर्जा दिया?
(A) 72वाँ संशोधन
(B) 73वाँ संशोधन
(C) 74वाँ संशोधन
(D) 75वाँ संशोधन

15. सूची I में दी गई स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को सूची II में दिए गए उनके राजनीतिक प्रमुखों से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (संस्था)
P. ग्राम पंचायत
Q. पंचायत समिति
R. जिला परिषद
S. नगर निगम
सूची II: (राजनीतिक प्रमुख)
1. जिला प्रमुख
2. महापौर (मेयर)
3. सरपंच
4. प्रधान
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-3, Q-1, R-4, S-2
(D) P-2, Q-4, R-1, S-3

16. 74वें संशोधन के अनुसार, नगर पंचायत (नगर पालिका बोर्ड) का गठन किस प्रकार के क्षेत्र के लिए किया जाता है?
(A) मुख्यतः कृषि गतिविधियों वाला ग्रामीण क्षेत्र
(B) ग्रामीण से शहरी क्षेत्र में परिवर्तित होने वाला संक्रमणकालीन क्षेत्र
(C) स्थापित नागरिक स्थानीय निकायों वाला एक छोटा शहरी क्षेत्र
(D) सघन औद्योगिक जनसंख्या वाला एक बड़ा शहरी क्षेत्र

17. शहरी स्थानीय निकायों के वर्गीकरण में, सामान्यतः नगर परिषद का गठन किसके लिए किया जाता है?
(A) संक्रमणकालीन ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों के लिए
(B) छोटे शहरी क्षेत्रों के लिए
(C) महानगरीय मेगा-शहरों के लिए
(D) केवल छावनी क्षेत्रों के लिए

18. नगर परिषद और नगर निगम के बीच प्राथमिक अंतर क्या है?
(A) नगर निगम बड़े शहरी क्षेत्रों के लिए कार्य करता है, जबकि नगर परिषद छोटे शहरी क्षेत्रों के लिए कार्य करती है।
(B) नगर परिषद की अध्यक्षता महापौर करता है, जबकि नगर निगम का प्रमुख सभापति होता है।
(C) नगर परिषद पूरी तरह से राज्य के अनुदानों पर निर्भर होती है, जबकि नगर निगम स्वतंत्र कर एकत्र करता है।
(D) नगर निगम में निर्वाचित सदस्य होते हैं, जबकि नगर परिषद में मनोनीत सदस्य होते हैं।

19. नगर परिषद के निर्वाचित राजनीतिक प्रमुख को आमतौर पर किस नाम से जाना जाता है?
(A) नगर निगम का महापौर
(B) स्थानीय ग्राम पंचायत का सरपंच
(C) अध्यक्ष या सभापति
(D) जिला मजिस्ट्रेट या कलेक्टर

20. राजस्थान में किसी नगरपालिका में वार्ड पार्षद का चुनाव कैसे होता है?
(A) राज्य सरकार द्वारा मनोनीत
(B) विधानसभा सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित
(C) शैक्षणिक योग्यता के आधार पर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चयनित
(D) संबंधित वार्ड के पंजीकृत मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित

21. निम्नलिखित में से कौन-सा पंचायती राज संस्थाओं के लिए वित्तीय राजस्व का प्रत्यक्ष स्रोत नहीं है?
(A) संपत्ति कर और गृह कर
(B) स्थानीय स्तर पर एकत्र किए गए जुर्माने और शुल्क
(C) निगम आयकर
(D) राज्य सरकार से सहायता अनुदान

22. कौन-सा प्राधिकारी पंचायतों और नगरपालिकाओं की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करता है तथा राज्य के करों के आवंटन की सिफारिश करता है?

NODIA

(A) राज्य निर्वाचन आयोग
(B) राज्य वित्त आयोग
(C) भारतीय रिजर्व बैंक
(D) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

23. पंचायती राज संस्थाओं के लिए संविधान की 11वीं अनुसूची में कितने कार्यात्मक विषय सूचीबद्ध हैं?
(A) 18
(B) 22
(C) 29
(D) 35

24. भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची, जिसमें नगरपालिकाओं के विषय शामिल हैं, में कुल कितने विषय हैं?
(A) 12 विषय
(B) 18 विषय
(C) 24 विषय
(D) 29 विषय

25. ग्राम सभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह एक स्थायी निकाय और पंचायती राज व्यवस्था का आधार है।
II. इसमें ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी पंजीकृत मतदाता शामिल होते हैं।
III. इसके पास जिला कलेक्टर को सीधे पदच्युत करने की शक्ति है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

26. राजस्थान में किसी उम्मीदवार के लिए पंचायती राज या नगरपालिका चुनाव लड़ने हेतु आवश्यक न्यूनतम आयु कितनी है?
(A) 18 वर्ष
(B) 21 वर्ष
(C) 25 वर्ष
(D) 30 वर्ष

27. पेसा अधिनियम, 1996 किस प्राथमिक उद्देश्य से अधिनियमित किया गया था?
(A) भारत के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था को समाप्त करने के लिए
(B) ग्रामीण स्थानीय शासन और नगरपालिका प्रशासन का निजीकरण करने के लिए
(C) ग्रामीण और शहरी स्थानीय स्वशासन प्रशासनिक निकायों का विलय करने के लिए
(D) संशोधनों के साथ भाग IX के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए

28. ऐतिहासिक रूप से, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राजस्थान के नागौर में पंचायती राज व्यवस्था का उद्घाटन किस तिथि को किया था?
(A) 15 अगस्त 1947
(B) 26 जनवरी 1950
(C) 2 अक्टूबर 1959
(D) 1 नवंबर 1956

29. पंचायत स्तर पर डिजिटल शासन और नियोजन को मजबूत करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय द्वारा कौन-सा ई-गवर्नेंस पोर्टल शुरू किया गया था?
(A) ई-नाम
(B) ई-पाठशाला
(C) ई-ग्राम स्वराज
(D) ई-संजीवनी

30. पंचायती राज पर निम्नलिखित समितियों के गठन का सही कालानुक्रमिक क्रम चुनिए:
1. अशोक मेहता समिति
2. एल.एम. सिंघवी समिति
3. बलवंत राय मेहता समिति
(A) 3, 1, 2
(B) 1, 2, 3
(C) 2, 3, 1
(D) 3, 2, 1

31. ग्राम सभा और ग्राम पंचायत के बीच मूलभूत अंतर क्या है?
(A) ग्राम सभा में सभी मतदाता शामिल होते हैं, जबकि ग्राम पंचायत में निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
(B) ग्राम सभा एक निर्वाचित कार्यपालक निकाय है, जबकि ग्राम पंचायत सभी मतदाताओं की आम सभा है।
(C) ग्राम सभा खंड प्रशासनिक स्तर पर कार्य करती है, जबकि ग्राम पंचायत जिला स्तर पर कार्य करती है।
(D) कोई मूलभूत कानूनी अंतर नहीं है; वे एक ही स्थानीय संस्था के केवल दो वैकल्पिक नाम हैं।

32. राजस्थान में राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है?
(A) राजस्थान के मुख्यमंत्री
(B) राजस्थान के राज्यपाल
(C) भारत के राष्ट्रपति
(D) राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

33. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय 12वीं अनुसूची के तहत किसी नगरपालिका का अनिवार्य कार्य है?
(A) अंतरिक्ष अनुसंधान और उपग्रह प्रक्षेपण संचालन
(B) लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता
(C) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंध और कूटनीति
(D) राष्ट्रीय राजमार्गों का संचालन और रखरखाव

Downloaded from www.pdf.tube

34. पंचायत समिति में विकास योजनाओं को लागू करने और प्रशासनिक प्रमुख के रूप में कार्य करने के लिए कौन उत्तरदायी होता है?
(A) खंड विकास अधिकारी
(B) ग्राम पंचायत का सरपंच
(C) जिला परिषद का जिला प्रमुख
(D) जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): 74वें संशोधन अधिनियम ने जिला योजना समिति (डीपीसी) का गठन अनिवार्य कर दिया।
कारण (R): डीपीसी को जिले में पंचायतों और नगरपालिकाओं दोनों द्वारा तैयार की गई योजनाओं को समेकित करने की आवश्यकता होती है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

36. पंचायती राज संस्थाओं के कार्यकाल के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) उनका 6 वर्ष का निश्चित कार्यकाल होता है, जिसमें एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।
(B) वे स्थायी संवैधानिक निकाय हैं जिन्हें किसी भी परिस्थिति में भंग नहीं किया जा सकता है।
(C) कार्यकाल की अवधि का निर्णय मुख्यमंत्री द्वारा किया जाता है और यह वर्ष-दर-वर्ष बदलती रहती है।
(D) 5 वर्ष, समय से पूर्व भंग होने की स्थिति में 6 महीने के भीतर नए चुनाव कराने होते हैं।

37. राजस्थान में ग्राम पंचायत का सरपंच अपना त्यागपत्र किसे सौंपता है?
(A) जिला परिषद के जिला प्रमुख को
(B) जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट को
(C) खंड विकास अधिकारी को
(D) राज्य के मुख्यमंत्री को

38. नगर निगम के प्रशासनिक प्रमुख को, जो आमतौर पर राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एक आईएएस अधिकारी होता है, क्या कहा जाता है?
(A) निगम का महापौर
(B) नगर आयुक्त
(C) परिषद का सभापति
(D) मुख्य वार्ड पार्षद

39. राजस्थान में "वार्ड सभा" अवधारणात्मक रूप से वार्ड स्तर पर निम्नलिखित में से किस संस्था के सबसे निकट है?
(A) जिला परिषद
(B) राज्य विधानसभा
(C) पंचायत समिति
(D) ग्राम सभा

40. सूची I में दिए गए संवैधानिक अनुच्छेदों को सूची II में दिए गए उनके विषयों के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I: (संवैधानिक अनुच्छेद)
P. अनुच्छेद 243D
Q. अनुच्छेद 243I
R. अनुच्छेद 243K
S. अनुच्छेद 243Q
सूची II: (विषय)
1. राज्य वित्त आयोग
2. नगरपालिकाओं का गठन
3. पंचायतों में सीटों का आरक्षण
4. राज्य निर्वाचन आयोग
(A) P-1, Q-3, R-2, S-4
(B) P-3, Q-1, R-4, S-2
(C) P-4, Q-2, R-3, S-1
(D) P-3, Q-4, R-1, S-2

41. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन स्थानीय स्वशासन में "नागरिक भागीदारी" का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) नागरिकों द्वारा सीधे केंद्र सरकार के खजाने में वार्षिक आयकर का भुगतान करना
(B) सरकारी प्रशासन में केवल निर्वाचित राजनीतिक प्रतिनिधियों की भागीदारी होना
(C) ग्राम सभा की बैठकों में निर्णय लेने की प्रक्रिया में नागरिकों की प्रत्यक्ष भागीदारी होना
(D) सार्वजनिक नीतियों के विरोध में नागरिकों द्वारा जानबूझकर स्थानीय चुनावों का बहिष्कार करना

42. राजस्थान पंचायती राज अधिनियम के तहत, सदस्य बनने से अयोग्यता का वैध आधार निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(A) 27 नवंबर 1995 के बाद जन्मी दो से अधिक संतानें होना
(B) ग्राम पंचायत की मतदाता सूची में पंजीकृत मतदाता होना
(C) किसी मान्यता प्राप्त अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग से होना
(D) नामांकन दाखिल करते समय 60 वर्ष से अधिक की आयु प्राप्त करना

43. अभिलेखों और कोष के रखरखाव के लिए उत्तरदायी ग्राम पंचायत का पदेन सचिव कौन होता है?
(A) ग्राम पंचायत का सरपंच
(B) स्थानीय राजस्व वृत्त का पटवारी
(C) तहसील कार्यालय का तहसीलदार
(D) ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ)

44. जिला परिषद का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आमतौर पर किस संवर्ग से लिया जाता है?

NODIA

10. (A) केवल I और II
वर्ष 1992 के 73वें संविधान संशोधन अधिनियम ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा और सुरक्षा प्रदान की। इस संशोधन के माध्यम से पंचायतों के लिए 5 वर्ष का निश्चित कार्यकाल अनिवार्य किया गया। यदि कोई पंचायत समय से पूर्व भंग होती है, तो 6 महीने के भीतर नए चुनाव कराना संवैधानिक रुप से आवश्यक है। शहरी स्थानीय निकायों जैसे नगरपालिकाओं से संबंधित प्रावधान 74वें संविधान संशोधन से संबंधित हैं।

11. (D) जिला प्रमुख
जिला परिषद पंचायती राज व्यवस्था का सर्वोच्च स्तर है और जिला प्रमुख इसका निर्वाचित राजनीतिक अध्यक्ष होता है। जिला प्रमुख जिला परिषद की बैठकों की अध्यक्षता करता है, कार्यसूची तय करता है और चर्चाओं का मार्गदर्शन करता है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी administrative अधिकारी के रूप में निर्णयों को लागू करता है, परंतु बैठकों की अध्यक्षता केवल निर्वाचित जिला प्रमुख द्वारा ही संपन्न की जाती है।

12. (C) 50 प्रतिशत
राजस्थान सरकार ने स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए पंचायती राज संस्थाओं के सभी स्तरों पर महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। यद्यपि 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा न्यूनतम 33 प्रतिशत आरक्षण का नियम बनाया गया था, लेकिन राजस्थान ने इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया। इससे महिला सशक्तिकरण को अत्यधिक बल मिला है।

13. (C) उस पंचायत क्षेत्र में उनकी जनसंख्या के अनुपात में
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-घ के प्रावधानों के अनुसार, पंचायती राज संस्थाओं के सभी स्तरों पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों का आरक्षण संबंधित पंचायत क्षेत्र में उनकी जनसंख्या के अनुपात के आधार पर तय किया जाता है। जिस पंचायत क्षेत्र में इन वर्गों की जितनी आबादी का प्रतिशत होगा, उसी के अनुपात में उनके लिए वार्डों और अध्यक्षीय पदों पर आरक्षित सीटों की संख्या निर्धारित की जाती है।

14. (C) 74वाँ संशोधन
74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा भारत में शहरी स्थानीय निकायों अर्थात नगरपालिकाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। इस अधिनियम के माध्यम से भारतीय संविधान में एक नया भाग 9-क और 12वीं अनुसूची जोड़ी गई। इस संशोधन ने शहरी क्षेत्रों के सुचारु प्रशासन और विकास हेतु तीन प्रकार की नगरपालिकाओं: नगर पंचायत, नगर परिषद और नगर निगम के गठन का एक स्पष्ट संवैधानिक ढाँचा तैयार किया था।

15. (A) P-3, Q-4, R-1, S-2
स्थानीय स्वशासन की विभिन्न संस्थाओं के निर्वाचित राजनीतिक प्रमुख अलग-अलग पदों से पहचाने जाते हैं। ग्रामीण स्तर पर ग्राम पंचायत का राजनीतिक प्रमुख सरपंच होता है। मध्यवर्ती ब्लॉक स्तर पर स्थित पंचायत समिति का प्रमुख प्रधान कहलाता है। जिला स्तर पर जिला परिषद का नेतृत्व जिला प्रमुख करता है। वहीं शहरी निकायों में बड़े स्तर के नगर निगम का राजनीतिक प्रमुख महापौर या मेयर कहलाता है।

16. (B) ग्रामीण से शहरी क्षेत्र में परिवर्तित होने वाला संक्रमणकालीन क्षेत्र
74वें संविधान संशोधन के अनुसार, नगर पंचायत का गठन ऐसे संक्रमणकालीन क्षेत्रों के लिए किया जाता है जो ग्रामीण से शहरी क्षेत्र में परिवर्तित हो रहे हों। यह क्षेत्र कृषि आधारित अर्थव्यवस्था से हटकर गैर-कृषि और व्यापारिक गतिविधियों की ओर बढ़ रहे होते हैं। राज्य का राज्यपाल जनसंख्या और आर्थिक महत्व के आधार पर किसी क्षेत्र को संक्रमणकालीन क्षेत्र के रूप में अधिसूचित करने का कार्य करता है।

17. (B) छोटे शहरी क्षेत्रों के लिए
शहरी स्थानीय निकायों के त्रि-स्तरीय पदानुक्रम में, नगर परिषद का गठन मध्यम आकार के या छोटे शहरी क्षेत्रों के लिए किया जाता है। जब कोई क्षेत्र संक्रमणकालीन अवस्था से आगे बढ़कर एक पूर्ण छोटे शहर का रूप ले लेता है, तो वहाँ नागरिक सुविधाओं के प्रबंधन के लिए नगर परिषद गठित होती है। बड़े शहरों के लिए नगर निगम और छोटे संक्रमणकालीन क्षेत्रों हेतु नगर पंचायत स्थापित की जाती है।

18. (A) नगर निगम बड़े शहरी क्षेत्रों के लिए कार्य करता है, जबकि नगर परिषद छोटे शहरी क्षेत्रों के लिए कार्य करती है।
नगर निगम और नगर परिषद में प्राथमिक अंतर जनसांख्यिकीय आकार और प्रशासनिक जटिलता का होता है। नगर निगम की स्थापना बहुत बड़ी जनसंख्या, उच्च जनघनत्व और विशाल राजस्व वाले बड़े महानगरों तथा बड़े शहरी क्षेत्रों में की जाती है। इसके विपरीत, नगर परिषद का गठन तुलनात्मक रूप से कम जनसंख्या वाले छोटे शहरी क्षेत्रों हेतु ही किया जाता है। दोनों निकायों में प्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं।

19. (C) अध्यक्ष या सभापति
नगर परिषद के निर्वाचित राजनीतिक प्रमुख को सामान्यतः अध्यक्ष या सभापति कहा जाता है। सभापति का चुनाव नगर परिषद के निर्वाचित वार्ड पार्षदों द्वारा अपने में से किया जाता है। वह नगर परिषद के साधारण बोर्ड की बैठकों की अध्यक्षता करता है, प्रशासनिक और नागरिक विकास नीतियों का संचालन करता है तथा शहरी प्रशासनिक तंत्र को नेतृत्व प्रदान करता रहता है। वहीं नगर निगम प्रमुख को महापौर कहते हैं।

20. (D) संबंधित वार्ड के पंजीकृत मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित
राजस्थान में नगरपालिका प्रशासन के तहत प्रत्येक शहरी क्षेत्र को छोटे-छोटे निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है जिन्हें वार्ड कहा जाता है। प्रत्येक वार्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक वार्ड पार्षद का चुनाव होता है। वार्ड पार्षद का निर्वाचन संबंधित वार्ड के वयस्क पंजीकृत मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष मतदान प्रक्रिया के माध्यम से ही सम्पन्न किया जाता है। यह चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित होता है।

Click Here to Buy book on Amazon

पारंपरिक अधिकारों और संसाधनों की रक्षा करना है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

56. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्राम पंचायत का अनिवार्य कर्तव्य नहीं है?
(A) क्षेत्रीय रेलवे नेटवर्क का संचालन
(B) स्थानीय सड़कों और स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव
(C) प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता का प्रावधान
(D) सार्वजनिक पेयजल स्रोतों का रखरखाव

57. डिजिटल शासन पहलों के तहत, पंचायती राज संस्थाओं द्वारा ऑनलाइन लेखांकन और वित्तीय प्रबंधन के लिए किस सॉफ्टवेयर का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है?
(A) डिजीलॉकर
(B) वाहन
(C) प्रियासॉफ्ट
(D) ई-कोर्ट्स

58. राजस्थान में ग्राम पंचायत में उप-सरपंच का चुनाव कैसे होता है?
(A) निर्वाचित वार्ड पंचों द्वारा अपने में से अप्रत्यक्ष रूप से
(B) सामान्य चुनाव में गाँव के सभी पंजीकृत मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से
(C) खंड के खंड विकास अधिकारी द्वारा सीधे मनोनीत
(D) वरिष्ठता के आधार पर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त

59. राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था के स्तरों के संदर्भ में बेमेल विकल्प पहचानिए:
(A) जिला परिषद
(B) पंचायत समिति
(C) ग्राम पंचायत
(D) नगर परिषद

60. जिला प्रमुख अपना त्यागपत्र किसे सौंपता है?
(A) मुख्यमंत्री
(B) संभागीय आयुक्त
(C) राज्यपाल
(D) राज्य निर्वाचन आयुक्त

61. 74वें संशोधन अधिनियम के तहत, कौन-सा निकाय सैन्य स्टेशनों में नागरिक कार्यों का प्रशासन करता है जो कड़ाई से मानक नगर पालिका सीमाओं से बाहर हैं?
(A) नगर पालिका
(B) पंचायत समिति
(C) छावनी बोर्ड
(D) पत्तन न्यास

62. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन नगर निगम में महापौर की प्रमुख भूमिका का वर्णन करता है?
(A) नगर के न्यायालय के मुख्य न्यायिक अधिकारी के रूप में कार्य करना
(B) शहरी निवासियों से सीधे राज्य आयकर एकत्र करना
(C) मुख्यमंत्री और राज्य के कैबिनेट मंत्रियों की नियुक्ति करना
(D) नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता करना

63. पंचायतों में सीटों के आरक्षण के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए:
(A) महिला आरक्षण केवल वार्ड पंच पर लागू होता है, सरपंच पर नहीं।
(B) अनुसूचित जातियों के लिए सीटें उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित की जाती हैं।
(C) अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटें उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित की जाती हैं।
(D) राजस्थान में सभी स्तरों पर कुल सीटों में से कम से कम आधी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

64. राजस्थान पंचायती राज नियमों के अनुसार, सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पद ग्रहण करने के कितने समय के भीतर नहीं लाया जा सकता है?
(A) प्रथम 6 महीने
(B) प्रथम 1 वर्ष
(C) प्रथम 2 वर्ष
(D) प्रथम 4 वर्ष

65. सूची I में दी गई स्थानीय स्वशासन पर ऐतिहासिक समितियों को सूची II में दी गई उनकी प्रमुख सिफारिशों के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I: (समिति)
P. बलवंत राय मेहता समिति
Q. अशोक मेहता समिति
R. एल.एम. सिंघवी समिति
S. जी.वी.के. राव समिति
सूची II: (प्रमुख सिफारिश)
1. पंचायती राज को संवैधानिक मान्यता
2. नौकरशाही के वर्चस्व को कम करते हुए ग्रामीण विकास के लिए प्रशासनिक व्यवस्था
3. द्वि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था
4. त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था
(A) P-4, Q-3, R-1, S-2
(B) P-3, Q-4, R-2, S-1
(C) P-4, Q-1, R-3, S-2
(D) P-1, Q-2, R-4, S-3

66. 1882 के अपने प्रसिद्ध प्रस्ताव के कारण भारत में किसे "स्थानीय स्वशासन का जनक" कहा जाता है?

NODIA

56. (A) क्षेत्रीय रेलवे नेटवर्क का संचालन
ग्राम पंचायत के अनिवार्य कर्तव्यों में स्थानीय सड़कों, स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव, पीने के पानी की व्यवस्था, प्राथमिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और सफाई शामिल हैं। इसके विपरीत, क्षेत्रीय रेलवे नेटवर्क का निर्माण और संचालन पूरी तरह से केंद्र सरकार का विषय है। इसमें ग्राम पंचायत की कोई बजटीय या प्रशासनिक भूमिका अथवा अधिकार बिल्कुल नहीं होता है।

57. (C) प्रियासॉफ्ट
प्रियासॉफ्ट पंचायती राज मंत्रालय द्वारा विकसित एक विशिष्ट ई-गवर्नेंस सॉफ्टवेयर है। इसका मुख्य उद्देश्य त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं में ऑनलाइन लेखांकन, वित्तीय प्रबंधन, प्राप्तियों एवं भुगतानों का पारदर्शी रखरखाव सुनिश्चित करना है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पंचायतें अपने सभी वित्तीय लेन-देन और वाउचर डिजिटल रूप से दर्ज करती हैं, जिससे वित्तीय जवाबदेही और पारदर्शिता में अत्यधिक वृद्धि होती है।

58. (A) निर्वाचित वार्ड पंचों द्वारा अपने में से अप्रत्यक्ष रूप से
राजस्थान में ग्राम पंचायत के उप-सरपंच का चुनाव अप्रत्यक्ष निर्वाचन पद्धति द्वारा किया जाता है। आम चुनावों के तुरंत बाद, संबंधित ग्राम पंचायत के प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सभी वार्ड पंच एकत्र होते हैं। वे अपने में से किसी एक वार्ड पंच को बहुमत से उप-सरपंच चुनते हैं। सरपंच की अनुपस्थिति में उप-सरपंच उसके सभी कर्तव्यों का सफलतापूर्वक निर्वहन करता है।

59. (D) नगर परिषद
राजस्थान में 73वें संविधान संशोधन के तहत स्थापित पंचायती राज व्यवस्था एक त्रि-स्तरीय ग्रामीण स्वशासन संरचना है। इस ग्रामीण ढाँचे में ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। इसके विपरीत, नगर परिषद शहरी स्थानीय निकाय का एक हिस्सा है, जो 74वें संविधान संशोधन के तहत गठित किया जाता है।

60. (B) संभागीय आयुक्त
राजस्थान पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, जिला परिषद का निर्वाचित राजनीतिक प्रमुख अर्थात जिला प्रमुख यदि अपने पद से त्यागपत्र देना चाहता है, तो वह अपना लिखित त्यागपत्र संबंधित संभागीय आयुक्त को सौंपता है। संभागीय आयुक्त द्वारा त्यागपत्र स्वीकार करने के पश्चात ही जिला प्रमुख का पद आधिकारिक रूप से रिक्त माना जाता है, जिससे प्रक्रिया पूर्ण होती है।

61. (C) छावनी बोर्ड
भारत में सैन्य प्रतिष्ठानों और छावनी क्षेत्रों में रहने वाली नागरिक जनसंख्या को नगरपालिका सेवाएँ प्रदान करने के लिए छावनी बोर्ड का गठन किया जाता है। छावनी बोर्ड केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। यह बोर्ड सामान्य नगरपालिकाओं से भिन्न होता है और इसमें सैन्य अधिकारियों के साथ निर्वाचित नागरिक प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं।

62. (D) नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता करना
नगर निगम में महापौर प्रथम नागरिक और निर्वाचित राजनीतिक प्रमुख होता है। महापौर की प्राथमिक भूमिका नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता करना, सदन की कार्यवाही का संचालन करना तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़ी नीतियों का नेतृत्व करना है। प्रशासनिक क्रियान्वयन का कार्य नगर आयुक्त करता है, जबकि महापौर राजनीतिक और संवैधानिक अध्यक्ष के रूप में कार्य करता रहता है।

63. (A) महिला आरक्षण केवल वार्ड पंच पर लागू होता है, सरपंच पर नहीं।
पंचायती राज संस्थाओं में महिला आरक्षण से संबंधित यह कथन गलत है कि महिला आरक्षण केवल वार्ड पंच पर लागू होता है। 73वें संविधान संशोधन के तहत महिलाओं के लिए सीटों तथा अध्यक्षीय पदों दोनों पर आरक्षण लागू होता है। राजस्थान में पंचायती राज के सभी स्तरों पर महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित किए गए हैं ताकि समानता मिले।

64. (C) प्रथम 2 वर्ष
राजस्थान पंचायती राज नियमों के अनुसार, निर्वाचित सरपंच को अपने पद पर कार्य करने की स्थिरता देने के उद्देश्य से अविश्वास प्रस्ताव हेतु विशेष नियम बनाया गया है। इसके तहत निर्वाचित सरपंच के खिलाफ पद ग्रहण करने के प्रथम 2 वर्ष के भीतर अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता है। 2 वर्ष बाद ही अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जा सकता है।

65. (A) P-4, Q-3, R-1, S-2
पंचायती राज पर गठित विभिन्न ऐतिहासिक समितियों की विशिष्ट सिफारिशें रही हैं। बलवंत राय मेहता समिति ने त्रि-स्तरीय व्यवस्था की सिफारिश की थी। अशोक मेहता समिति ने द्वि-स्तरीय व्यवस्था का सुझाव दिया था। एल.एम. सिंघवी समिति ने पंचायतों को संवैधानिक मान्यता देने की सिफारिश की। जी.वी.के. राव समिति ने विकास में प्रशासनिक व्यवस्था सुधारने हेतु अपना बहुमूल्य सुझाव दिया था।

66. (A) लॉर्ड रिपन
ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड रिपन को भारत में "स्थानीय स्वशासन का जनक" कहा जाता है। उन्होंने 1882 में स्थानीय स्वशासन पर एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पेश किया था, जिसे स्थानीय स्वशासन का 'मैग्नाकार्टा' माना जाता है। इस प्रस्ताव के माध्यम से उन्होंने स्थानीय बोर्डों के गठन और गैर-सरकारी सदस्यों को अधिक अधिकार देने की वकालत की थी ताकि प्रशासन अत्यधिक सुदृढ़ हो सके।

67. (C) राज्य के राज्यपाल को
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-आई तथा 243-वाई के तहत गठित राज्य वित्त आयोग अपनी सिफारिशों की रिपोर्ट राज्य के राज्यपाल को सौंपता है। इसके पश्चात राज्यपाल इस रिपोर्ट को राज्य विधानमंडल के पटल पर रखवाता है। राज्य वित्त आयोग का मुख्य कार्य पंचायतों और नगरपालिकाओं के लिए वित्तीय संसाधनों एवं करों के बंटवारे का सही निर्धारण करना होता है।

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देना
भारत में स्थानीय स्वशासन की स्थापना का मुख्य संवैधानिक उद्देश्य सत्ता का विकेंद्रीकरण करना है। इसके माध्यम से निर्णय लेने की शक्ति को केंद्रीय और राज्य स्तर से हटाकर स्थानीय समुदायों तक पहुँचाया जाता है। यह व्यवस्था आम नागरिकों को अपने क्षेत्र के विकास, प्रशासन और नीति-निर्माण में प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर प्रदान करती है। इससे निचले स्तर पर लोकतंत्र अधिक मजबूत होता है और स्थानीय समस्याओं का समाधान अधिक कुशलता से संभव हो पाता है।

2. (A) भाग IX
वर्ष 1992 में पारित 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में एक नया भाग 9 जोड़ा गया। इस नए भाग का शीर्षक "पंचायते" रखा गया है। इसके अंतर्गत अनुच्छेद 243 से लेकर अनुच्छेद 243-ओ तक के प्रावधान शामिल किए गए हैं। इस ऐतिहासिक संशोधन का मुख्य उद्देश्य देश की पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता और स्थायित्व प्रदान करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को अत्यंत सुदृढ़ बनाना था।

3. (C) पंचायत समिति
राजस्थान में लागू बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों पर आधारित त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में मध्यवर्ती स्तर पंचायत समिति होता है। यह व्यवस्था तीन स्तरों पर विभाजित है, जिसमें सबसे निचले ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती खंड स्तर पर पंचायत समिति तथा सर्वोच्च जिला स्तर पर जिला परिषद कार्य करती है। पंचायत समिति दोनों स्तरों के मध्य समन्वय स्थापित करने वाली मुख्य योजक कड़ी के रूप में कार्य करती है।

4. (D) इसके सदस्य जिला कलेक्टर द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
ग्राम पंचायत पंचायती राज व्यवस्था की सबसे निचली प्राथमिक इकाई है, जिसका गठन एक गाँव या कुछ छोटे गाँवों के समूह के लिए किया जाता है। इसके सदस्यों का चयन जिला कलेक्टर के मनोनयन द्वारा नहीं होता, बल्कि संबंधित क्षेत्र के पंजीकृत नागरिकों द्वारा प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इसमें प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सरपंच और वार्डों से चुने गए वार्ड पंच शामिल होते हैं।

5. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
स्थानीय स्वशासन संस्थाएँ निचले स्तर पर नागरिकों को सीधे निर्णय लेने और प्रशासनिक कार्यों में भाग लेने का अवसर देती हैं। इससे आम जनमानस में लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक चेतना और उत्तरदायित्व की भावना का विकास होता है। जब सामान्य नागरिक स्थानीय विकास योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में स्वयं प्रत्यक्ष रूप से शामिल होते हैं, तो इससे पूरे देश की लोकतांत्रिक प्रणाली की जड़ें अत्यधिक मजबूत और सशक्त बनती हैं।

6. (B) सरपंच
ग्राम पंचायत की बैठकों की अध्यक्षता करने का संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार सरपंच के पास होता है। सरपंच ग्राम पंचायत का निर्वाचित राजनीतिक प्रमुख होता है, जो बैठकों का आयोजन करता है, चर्चाओं का संचालन करता है और निर्णय प्रक्रिया का नेतृत्व करता है। सरपंच की अनुपस्थिति में उप-सरपंच इन बैठकों की अध्यक्षता करता है। ग्राम विकास अधिकारी प्रशासनिक पदेन सचिव के रूप में केवल बैठकों का रिकॉर्ड सुरक्षित रखता है।

7. (D) ग्राम पंचायत और जिला परिषद
पंचायती राज संरचना में पंचायत समिति मध्यवर्ती ब्लॉक स्तर पर स्थित होती है। यह संस्था धरातलीय स्तर की ग्राम पंचायतों और सर्वोच्च स्तर की जिला परिषद के बीच प्रशासनिक तथा योजनागत समन्वय स्थापित करने वाली योजक कड़ी के रूप में कार्य करती है। यह ग्राम पंचायतों के विकास प्रस्तावों का अनुमोदन करती है तथा जिला परिषद एवं राज्य सरकार द्वारा जारी धन और दिशा-निर्देशों को ग्राम पंचायतों तक पहुँचाने का कार्य करती है।

8. (A) प्रधान
पंचायत समिति का निर्वाचित राजनीतिक प्रमुख प्रधान कहलाता है। प्रधान का चुनाव पंचायत समिति के निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से अपने सदस्यों में से किया जाता है। वह पंचायत समिति की बैठकों की अध्यक्षता करता है, विकास कार्यों का पर्यवेक्षण करता है और ब्लॉक स्तर पर राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करता है। उप-प्रधान उसकी गैर-मौजूदगी में उसके दायित्वों को निभाता है, जबकि खंड विकास अधिकारी प्रशासनिक कार्य संभालता है।

9. (C) जिला परिषद
राजस्थान में लागू त्रि-स्तरीय पंचायती राज ढाँचे में जिला स्तर पर सर्वोच्च संस्था जिला परिषद होती है। यह संपूर्ण जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास, कल्याणकारी योजनाओं के पर्यवेक्षण तथा समन्वय का दायित्व संभालती है। जिला परिषद का राजनीतिक प्रमुख जिला प्रमुख होता है। यह संस्था अपने से निचले स्तर की ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों के कार्यों का निरंतर मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण करने का कार्य करती है।

NODIA

(A) लॉर्ड रिपन
(B) लॉर्ड डलहौजी
(C) लॉर्ड माउंटबेटन
(D) लॉर्ड कर्जन

67. राज्य वित्त आयोग स्थानीय निकायों के संबंध में अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें किसे सौंपता है?
(A) भारत के राष्ट्रपति को
(B) सीधे राज्य विधानमंडल को
(C) राज्य के राज्यपाल को
(D) केंद्रीय वित्त मंत्री को

68. निम्नलिखित में से कौन-सा 'ई-पंचायत' पहल का उद्देश्य नहीं है?
(A) पंचायत के सभी कार्यों में पूर्ण परिचालन पारदर्शिता सुनिश्चित करना
(B) ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूदा डिजिटल विभाजन को काफी हद तक कम करना
(C) डिजिटल रूप से ग्रामीण विकास योजनाओं की वास्तविक समय प्रगति को ट्रैक करना
(D) भौतिक ग्राम सभा बैठकों को ऑनलाइन चैट रूम से बदलना

69. नगरपालिकाओं के संदर्भ में, शहरी नियोजन और नगर नियोजन संविधान की किस अनुसूची में उल्लिखित विषय हैं?
(A) 7वीं अनुसूची
(B) 10वीं अनुसूची
(C) 11वीं अनुसूची
(D) 12वीं अनुसूची

70. राजस्थान में सामान्यतः एक वर्ष में ग्राम सभा की कितनी अनिवार्य साधारण बैठकें आयोजित करना आवश्यक है?
(A) 2
(B) 4
(C) 6
(D) 12

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

21. (C) निगम आयकर
पंचायती राज संस्थाओं के वित्तीय स्रोतों में स्थानीय संपत्ति कर, गृह कर, मेलों पर शुल्क, लाइसेंस फीस, जुर्माने तथा राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला अनुदान शामिल होता है। इसके विपरीत, निगम आयकर एक प्रत्यक्ष केंद्रीय कर है जो केंद्र सरकार द्वारा कंपनियों के लाभ पर वसूला जाता है। इसका संग्रह केंद्र सरकार करती है और यह पंचायतों का प्रत्यक्ष वित्तीय राजस्व स्रोत नहीं होता है।

22. (B) राज्य वित्त आयोग
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-आई तथा 243-वाई के तहत प्रत्येक 5 वर्ष में राज्यपाल द्वारा राज्य वित्त आयोग का गठन किया जाता है। यह एक संवैधानिक निकाय है जिसका कार्य पंचायती राज संस्थाओं और नगरपालिकाओं की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करना है। यह आयोग राज्य के राजस्व करों में से हिस्सेदारी की सिफारिशें राज्यपाल को सौंपने का महत्वपूर्ण कार्य करता है।

23. (C) 29
73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के माध्यम से भारतीय संविधान में 11वीं अनुसूची शामिल की गई थी। इस अनुसूची में पंचायती राज संस्थाओं की शक्तियों से संबंधित कुल 29 कार्यात्मक विषय सूचीबद्ध किए गए हैं। इन विषयों में कृषि, भूमि सुधार, लघु सिंचाई, पशुपालन, पेयजल, सड़कें और प्राथमिक शिक्षा जैसी बुनियादी ग्रामीण आवश्यकताएँ शामिल हैं जिन पर पंचायतें कार्य करती हैं।

24. (B) 18 विषय
74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा भारतीय संविधान में 12वीं अनुसूची जोड़ी गई थी। इस अनुसूची में नगरपालिकाओं के विकास कार्यों से संबंधित कुल 18 कार्यात्मक विषय सूचीबद्ध किए गए हैं। इनमें शहरी नियोजन, भूमि उपयोग, सड़कों और पुलों का निर्माण, जलापूर्ति, लोक स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा गंदी बस्ती सुधार जैसे महत्त्वपूर्ण नागरिक कार्य शामिल किए गए हैं जो विकास हेतु अनिवार्य हैं।

25. (A) केवल I और II
ग्राम सभा पंचायती राज व्यवस्था का मूल आधार और एक स्थायी संवैधानिक निकाय है, जिसे कभी भंग नहीं किया जा सकता। इसमें किसी ग्राम पंचायत क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज सभी वयस्क पंजीकृत नागरिक सदस्य होते हैं। ग्राम सभा स्थानीय विकास योजनाओं का अनुमोदन करती है। इसके पास जिला कलेक्टर को हटाने की कोई प्रशासनिक शक्ति नहीं होती है, क्योंकि कलेक्टर राज्य का वरिष्ठ अधिकारी होता है।

26. (B) 21 वर्ष
भारतीय संविधान और राजस्थान पंचायती राज अधिनियमों के तहत, राज्य में पंचायती राज संस्थाओं या नगरपालिकाओं का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होना अनिवार्य है। यद्यपि भारत में मतदान का अधिकार प्राप्त करने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है, लेकिन किसी भी स्थानीय निकाय में उम्मीदवार बनने हेतु 21 वर्ष की आयु पूर्ण होना आवश्यक है।

27. (D) संशोधनों के साथ भाग IX के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए
पेसा अधिनियम, 1996 संसद द्वारा भारत के संविधान के भाग 9 के पंचायती राज प्रावधानों को संविधान की 5वीं अनुसूची में शामिल अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए पारित किया गया था। इसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों के पारंपरिक अधिकारों, स्वशासन प्रथाओं तथा प्राकृतिक संसाधनों पर उनके अधिकारों को मान्यता देना एवं ग्राम सभा को अत्यधिक सशक्त बनाना था।

28. (C) 2 अक्टूबर 1959
भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने महात्मा गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का औपचारिक उद्घाटन किया था। यह ऐतिहासिक शुरुआत बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों के आधार पर की गई थी। राजस्थान इस व्यवस्था को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना था।

29. (C) ई-ग्राम स्वराज
ई-ग्राम स्वराज पोर्टल केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख ई-गवर्नेंस पहल है। इसका उद्देश्य देश भर की पंचायती राज संस्थाओं में डिजिटल प्रशासन, विकेंद्रीकृत योजना निर्माण, पारदर्शी लेखांकन और ऑनलाइन वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना है। इस पोर्टल के माध्यम से ग्राम पंचायतें अपनी योजनाओं और बजट का ब्यौरा डिजिटल रूप से सार्वजनिक करने का कार्य करती हैं।

30. (A) 3, 1, 2
पंचायती राज पर गठित समितियों का सही कालानुक्रमिक क्रम बलवंत राय मेहता समिति (1957), अशोक मेहता समिति (1977) और एल.एम. सिंघवी समिति (1986) है। बलवंत राय मेहता समिति ने त्रि-स्तरीय व्यवस्था की सिफारिश की थी। इसके बाद अशोक मेहता समिति ने द्वि-स्तरीय व्यवस्था का सुझाव दिया। अंततः सिंघवी समिति ने पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने की अत्यंत सशक्त सिफारिश की थी।

31. (A) ग्राम सभा में सभी मतदाता शामिल होते हैं, जबकि ग्राम पंचायत में निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
ग्राम सभा और ग्राम पंचायत के बीच मूलभूत अंतर उनकी सदस्यता और स्वरूप का होता है। ग्राम सभा एक स्थायी प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक संस्था है, जिसमें क्षेत्र के सभी पंजीकृत मतदाता सदस्य होते हैं। इसके विपरीत, ग्राम पंचायत एक निर्वाचित कार्यपालक निकाय है, जिसमें चुने गए प्रतिनिधि जैसे सरपंच और वार्ड पंच शामिल होते हैं जो प्रशासनिक शासन का संचालन करते हैं।

32. (B) राजस्थान के राज्यपाल
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-के तथा 243-जेडए के प्रावधानों के अनुसार, राजस्थान राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है। राज्य निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है जिसका मुख्य

Downloaded from www.pdf.tube

(A) पंचायती राज व्यवस्था के प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित वार्ड पंचों से
(B) आईएएस या राज्य प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारियों से
(C) जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित सांसदों से
(D) खंड स्तर पर कार्यरत वरिष्ठ ग्राम विकास अधिकारियों से

45. ग्राम सभा की शक्तियों और कार्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह ग्रामीण कल्याण योजनाओं के लिए व्यक्तियों की पात्रता का सत्यापन करती है।
II. यह ग्राम पंचायत के वार्षिक बजट को पारित करती है।
III. यह स्थानीय गाँव के स्कूलों के लिए बोर्ड परीक्षाओं का संचालन करती है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

46. राजस्थान में ग्राम सभा की वैध बैठक आयोजित करने के लिए आवश्यक न्यूनतम गणपूर्ति (कोरम) क्या है?
(A) कुल सदस्यों का आधा
(B) कुल सदस्यों का एक-तिहाई
(C) कुल सदस्यों का दसवाँ भाग
(D) कुल सदस्यों का बीसवाँ भाग

47. किसी नगरपालिका में प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित वार्ड पार्षदों को पद की शपथ कौन दिलाता है?
(A) उप-खंड मजिस्ट्रेट या निर्वाचन अधिकारी (रिटर्निंग ऑफिसर)
(B) सरकार की ओर से कार्य करने वाले राज्य के राज्यपाल
(C) एक आधिकारिक समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री
(D) राज्य न्यायपालिका के वर्तमान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश

48. ग्राम पंचायत की बैठक के दौरान मत बराबर होने की स्थिति में, निर्णायक मत देने का अधिकार किसे है?
(A) ग्राम विकास अधिकारी
(B) सरपंच
(C) जिला कलेक्टर
(D) वरिष्ठतम वार्ड पंच

49. बलवंत राय मेहता समिति (1957) को मूल रूप से किसके कामकाज की जांच के लिए नियुक्त किया गया था?
(A) ग्रामीण क्षेत्रों में भारत के संविधान का समग्र कामकाज
(B) सामुदायिक विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय विस्तार सेवा
(C) ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग क्षेत्र का वित्तीय प्रदर्शन
(D) राज्य वित्त आयोगों की संरचना और कार्य

NODIA

50. निम्नलिखित शहरी स्थानीय निकायों को सबसे छोटे शहरी क्षेत्र से सबसे बड़े शहरी क्षेत्र के सही पदानुक्रमित क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. नगर निगम
2. नगर पंचायत (नगर पालिका बोर्ड / नगर पालिका)
3. नगर परिषद
सही क्रम का चयन कीजिए:
(A) 2, 3, 1
(B) 1, 2, 3
(C) 3, 2, 1
(D) 2, 1, 3

51. राजस्थान के स्थानीय स्वशासन में "वापस बुलाने का अधिकार" का प्रावधान नागरिकों को किस बात में सक्षम बनाता है?
(A) गाँव के विकास के लिए तत्काल केंद्र सरकार से वित्तीय अनुदान की मांग करना
(B) कार्यकाल समाप्त होने से पहले निर्वाचित विधायक को पुनः निर्वाचित करना
(C) मतदान के माध्यम से अकार्यक्षम प्रतिनिधियों जैसे कि सरपंच को पद से हटाना
(D) राज्य उच्च न्यायालय से विशिष्ट स्थानीय नगरपालिका कानून बनाने का अनुरोध करना

52. त्रि-स्तरीय प्रणाली के बजाय द्वि-स्तरीय पंचायती राज प्रणाली की सिफारिश करने के लिए कौन-सी समिति प्रसिद्ध है?
(A) एल.एम. सिंघवी समिति
(B) बलवंत राय मेहता समिति
(C) जी.वी.के. राव समिति
(D) अशोक मेहता समिति

53. 1992 के 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान में कौन-सी अनुसूची जोड़ी गई थी?
(A) 9वीं अनुसूची
(B) 10वीं अनुसूची
(C) 11वीं अनुसूची
(D) 12वीं अनुसूची

54. जिला परिषद में, जिले के संबंधित राज्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कौन करता है?
(A) जिले की ग्राम पंचायतों के सभी निर्वाचित सरपंच
(B) पदेन सदस्यों के रूप में जिले के विधायक
(C) जिले की सीमाओं के भीतर रहने वाले उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश
(D) केवल जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट

55. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): पेसा अधिनियम अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को लघु वन उपज का प्रबंधन करने के लिए सशक्त बनाता है।
कारण (R): पेसा का प्राथमिक उद्देश्य जनजातीय समुदायों के

44. (B) आईएएस या राज्य प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारियों से
जिला परिषद के प्रशासनिक प्रमुख के रूप में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति की जाती है। यह पद भारतीय प्रशासनिक सेवा या वरिष्ठ राज्य प्रशासनिक सेवा के कैडर अधिकारी द्वारा धारित किया जाता है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद के प्रशासनिक कार्यों का संचालन करता है, अनुमोदित योजनाओं को क्रियान्वित करता है तथा कर्मचारियों पर कड़ा प्रशासनिक नियंत्रण रखता है।

45. (A) केवल I और II
ग्राम सभा ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्यक्ष लोकतंत्र का मंच है। यह विभिन्न सामाजिक कल्याण और गरीबी उन्मूलन योजनाओं के तहत पात्र व्यक्तियों का सत्यापन करती है। इसके अतिरिक्त, ग्राम सभा ग्राम पंचायत के वार्षिक बजट तथा विकास कार्यों की समीक्षा कर उन्हें पारित करती है। स्कूली बोर्ड परीक्षाओं का संचालन राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा किया जाता है, ग्राम सभा द्वारा नहीं।

46. (C) कुल सदस्यों का दसवाँ भाग
राजस्थान पंचायती राज नियमों के अनुसार, ग्राम सभा की कोई भी वैध बैठक आयोजित करने के लिए न्यूनतम गणपूर्ति कुल सदस्यों का दसवाँ भाग होना अनिवार्य है। यदि बैठक में कुल पंजीकृत मतदाताओं का कम से कम 10 प्रतिशत भाग उपस्थित नहीं होता है, तो गणपूर्ति के अभाव में बैठक स्थगित कर दी जाती है। यह एक अनिवार्य कानूनी नियम है।

47. (A) उप-खंड मजिस्ट्रेट या निर्वाचन अधिकारी (रिटर्निंग ऑफिसर)
नगरपालिका चुनाव में प्रत्यक्ष मतदान द्वारा निर्वाचित होने के पश्चात, सभी नए वार्ड पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने का दायित्व अधिकृत उप-खंड मजिस्ट्रेट या निर्वाचन अधिकारी का होता है। शपथ ग्रहण के उपरांत ही निर्वाचित वार्ड पार्षद औपचारिक रूप से पद ग्रहण करते हैं और नगरपालिका की आगे की बैठकों में भाग लेने हेतु योग्य बनते हैं।

48. (B) सरपंच
ग्राम पंचायत की किसी बैठक के दौरान जब किसी प्रस्ताव पर मतदान कराया जाता है और पक्ष तथा विपक्ष में बराबर मत पड़ते हैं, तो पीठासीन अधिकारी के रूप में सरपंच को निर्णायक मत देने का अधिकार प्राप्त होता है। सरपंच सामान्य परिस्थिति में पहला वोट नहीं डालता, परंतु मत बराबर होने पर अपने मत से निर्णय का फैसला सुनिश्चित करता है।

49. (B) सामुदायिक विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय विस्तार सेवा
बलवंत राय मेहता समिति का गठन वर्ष 1957 में सामुदायिक विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय विस्तार सेवा के कामकाज की समीक्षा तथा विफलताओं की जाँच करने हेतु किया गया था। इस समिति ने पाया कि जन-भागीदारी के बिना यह कार्यक्रम सफल नहीं हो सकते। इसी आधार पर समिति ने त्रि-स्तरीय लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण अर्थात पंचायती राज की ऐतिहासिक अनुशंसा प्रस्तुत की थी।

50. (A) 2, 3, 1
74वें संविधान संशोधन अधिनियम के अनुसार शहरी निकायों का सही पदानुक्रम छोटे से बड़े क्षेत्र के क्रम में नगर पंचायत, नगर परिषद और नगर निगम है। सबसे पहले नगर पंचायत का गठन संक्रमणकालीन क्षेत्रों के लिए होता है। इसके बाद नगर परिषद का गठन छोटे शहरी क्षेत्रों के लिए होता है। सर्वोच्च स्तर पर नगर निगम बड़े शहरों के लिए गठित होता है।

51. (C) मतदान के माध्यम से अकार्यक्षम प्रतिनिधियों जैसे कि सरपंच को पद से हटाना
"राइट टू रिकॉल" या "वापस बुलाने का अधिकार" एक लोकतांत्रिक अधिकार है जो जनता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधि को उसका कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही पद से हटाने की अनुमति देता है। राजस्थान में यह प्रावधान ग्राम सभा के मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया के माध्यम से अकार्यक्षम सरपंच को पदच्युत करने का अधिकार प्रदान करने का कार्य करता है।

52. (D) अशोक मेहता समिति
वर्ष 1977 में गठित अशोक मेहता समिति ने त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के स्थान पर द्वि-स्तरीय मॉडल की सिफारिश की थी। इसके अनुसार, पंचायती राज में केवल दो स्तर होने चाहिए: जिला स्तर पर जिला परिषद और कई गाँवों के समूह को मिलाकर मंडल स्तर पर मंडल पंचायत। समिति ने मध्यवर्ती ब्लॉक स्तर को समाप्त करने का सुझाव प्रस्तुत किया था।

53. (C) 11वीं अनुसूची
73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के द्वारा भारतीय संविधान में एक नई 11वीं अनुसूची जोड़ी गई थी। इस अनुसूची में पंचायती राज संस्थाओं के कुल 29 कार्यात्मक विषयों का विवरण दिया गया है। इन विषयों के तहत ग्रामीण विकास, कृषि, पेयजल, स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा और अवसंरचना विकास हेतु नीतियाँ बनाने की शक्तियाँ पंचायतों को संवैधानिक रूप से प्रदान की गई हैं।

54. (B) पदेन सदस्यों के रूप में जिले के विधायक
जिला परिषद की संरचना में प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सदस्यों के अलावा पदेन सदस्य भी शामिल होते हैं। उस जिले की सीमाओं के अंतर्गत आने वाले राज्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक जिला परिषद के पदेन सदस्य होते हैं। इन्हें जिला परिषद की बैठकों में भाग लेने और मतदान करने का पूर्ण संवैधानिक अधिकार प्राप्त रहता है।

55. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
पेसा अधिनियम, 1996 के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में स्थित ग्राम सभाओं को लघु वन उपज के प्रबंधन का कानूनी अधिकार प्रदान किया गया है। पेसा कानून का प्राथमिक उद्देश्य जनजातीय समुदायों की परंपराओं, सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक संसाधनों पर उनके पारंपरिक अधिकारों का संरक्षण करना है। इसलिए कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण सटीक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

Click Here to Buy book on Amazon

कार्य राज्य में पंचायती राज संस्थाओं और नगरपालिकाओं के निष्पक्ष चुनावों का संचालन तथा नियंत्रण करना है। यह आयोग निर्वाचक नामावली भी तैयार करवाता है।

33. (B) लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता
भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची के अंतर्गत नगरपालिकाओं के लिए कुल 18 कार्यात्मक विषय निर्धारित किए गए हैं। लोक स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा कचरा प्रबंधन नगरपालिकाओं के अनिवार्य प्राथमिक कार्यों में शामिल हैं। इसके विपरीत, अंतरिक्ष अनुसंधान और राष्ट्रीय राजमार्ग संघ सूची के विषय हैं, जिन पर संचालन का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास ही पूर्णतः सुरक्षित होता है।

34. (A) खंड विकास अधिकारी
पंचायत समिति के स्तर पर प्रशासनिक प्रमुख के रूप में खंड विकास अधिकारी कार्य करता है। खंड विकास अधिकारी राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है, जो पंचायत समिति द्वारा स्वीकृत विकास योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करता है। वह पंचायत समिति के प्रशासनिक कर्मचारियों पर नियंत्रण रखता है और प्रधान के सहयोग से कार्य सफलतापूर्वक निष्पादित करता है।

35. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
74वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से अनुच्छेद 243-जेडडी के तहत जिला योजना समिति के गठन का प्रावधान किया गया। इस समिति का उद्देश्य जिले की ग्रामीण पंचायतों और नगरपालिकाओं द्वारा तैयार की गई योजनाओं का समेकन करना है ताकि एकीकृत विकास योजना तैयार की जा सके। इसलिए कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

36. (D) 5 वर्ष, समय से पूर्व भंग होने की स्थिति में 6 महीने के भीतर नए चुनाव कराने होते हैं।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ई के अनुसार, पंचायती राज संस्थाओं का सामान्य कार्यकाल पहली बैठक की तिथि से 5 वर्ष का होता है। यदि कोई पंचायत समय से पूर्व भंग कर दी जाती है, तो विघटन की तिथि से 6 महीने के भीतर नए चुनाव कराना संवैधानिक रूप से अनिवार्य है। पुनर्गठित पंचायत केवल शेष अवधि हेतु ही कार्य करती है।

37. (C) खंड विकास अधिकारी को
राजस्थान पंचायती राज अधिनियम के तहत, ग्राम पंचायत का सरपंच यदि अपना पद छोड़ना चाहता है, तो वह अपना लिखित त्यागपत्र संबंधित पंचायत समिति के खंड विकास अधिकारी को सौंपता है। खंड विकास अधिकारी द्वारा त्यागपत्र की स्वीकृति के उपरांत सरपंच का पद रिक्त माना जाता है। इसी प्रकार वार्ड पंच भी अपना इस्तीफा खंड विकास अधिकारी को ही सीधे प्रस्तुत करते हैं।

38. (B) नगर आयुक्त
नगर निगम में प्रशासनिक प्रमुख को नगर आयुक्त कहा जाता है। यह अधिकारी आमतौर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा या वरिष्ठ राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है, जिसे राज्य सरकार नियुक्त करती है। नगर आयुक्त प्रशासनिक तंत्र का संचालन करता है, निगम द्वारा पारित प्रस्तावों एवं बजट का क्रियान्वयन करता है तथा समस्त कर्मचारियों पर प्रशासकीय नियंत्रण बनाए रखता है।

39. (D) ग्राम सभा
राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत "वार्ड सभा" अवधारणात्मक और कार्यात्मक रूप से वार्ड स्तर पर ग्राम सभा के समान कार्य करती है। जिस प्रकार ग्राम सभा संपूर्ण ग्राम पंचायत क्षेत्र के पंजीकृत मतदाताओं की सभा होती है, उसी प्रकार वार्ड सभा एक विशिष्ट वार्ड के सभी पंजीकृत मतदाताओं की सभा होती है जो विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा करती है।

40. (B) P-3, Q-1, R-4, S-2
भारतीय संविधान के अनुच्छेद स्थानीय स्वशासन से संबंधित हैं। अनुच्छेद 243-डी पंचायतों में सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 243-आई राज्य वित्त आयोग के गठन से संबंधित है। अनुच्छेद 243-के राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान करता है जो पंचायत चुनाव संपन्न कराता है। अनुच्छेद 243-क्यू शहरी निकायों अर्थात नगरपालिकाओं के गठन और संरचना से संबंधित है।

41. (C) ग्राम सभा की बैठकों में निर्णय लेने की प्रक्रिया में नागरिकों की प्रत्यक्ष भागीदारी होना
स्थानीय स्वशासन में नागरिक भागीदारी का अर्थ निर्णय लेने और योजना निर्माण में आम जनता की प्रत्यक्ष संलिप्तता से है। इसका सर्वोत्तम उदाहरण ग्राम सभा की बैठकों में पंजीकृत मतदाताओं की प्रत्यक्ष भागीदारी है, जहाँ नागरिक गाँव की विकास योजनाओं, बजट और लाभार्थियों के चयन में सीधे अपनी राय देते हैं। यह प्रक्रिया सहभागी लोकतंत्र का वास्तविक आधार प्रस्तुत करती है।

NODIA

42. (A) 27 नवंबर 1995 के बाद जन्मी दो से अधिक संतानें होना
राजस्थान पंचायती राज अधिनियम के तहत जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहन देने के लिए एक विशिष्ट अयोग्यता नियम लागू किया गया है। इस नियम के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के 27 नवंबर 1995 के बाद दो से अधिक संतानें होती हैं, तो वह पंचायती राज या नगरपालिका चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित हो जाता है। यह नियम अनिवार्य रूप से लागू है।

43. (D) ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ)
ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम विकास अधिकारी पदेन सचिव के रूप में कार्य करता है। यह राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एक स्थायी प्रशासनिक कर्मचारी होता है। ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत के सभी सरकारी अभिलेखों, कार्यवाही रजिस्टर और वित्तीय खातों का रखरखाव करता है। वह ग्राम सभा की बैठकों की कार्यवाही दर्ज करता है और योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करता है।

68. (D) भौतिक ग्राम सभा बैठकों को ऑनलाइन चैट रूम से बदलना
'ई-पंचायत' पहल का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं के कामकाज में पारदर्शिता लाना, डिजिटल विभाजन कम करना तथा विकास कार्यों की निगरानी करना है। इसका उद्देश्य भौतिक ग्राम सभा बैठकों को ऑनलाइन चैट रूम से बदलना नहीं है। ग्राम सभा की भौतिक बैठकें लोकतंत्र का आधार हैं और ई-गवर्नेंस केवल प्रशासनिक कार्यों का डिजिटलीकरण करके सहयोग प्रदान करने का कार्य करता है।

69. (D) 12वीं अनुसूची
74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के द्वारा भारतीय संविधान में 12वीं अनुसूची जोड़ी गई थी। इस अनुसूची में नगरपालिकाओं के कुल 18 विषय शामिल किए गए हैं। इन विषयों में शहरी नियोजन, नगर नियोजन, भूमि उपयोग का नियमन, सड़कों एवं पुलों का निर्माण, जलापूर्ति और लोक स्वास्थ्य शामिल हैं। ये सभी विषय शहरी निकायों के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत ही आते हैं।

70. (B) 4
राजस्थान पंचायती राज नियमों के अनुसार, प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक वर्ष में ग्राम सभा की कम से कम 4 अनिवार्य साधारण बैठकें आयोजित करना आवश्यक है। सामान्यतः यह 4 बैठकें 26 जनवरी, 1 मई, 15 अगस्त और 2 अक्टूबर को आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में गाँव के विकास प्रस्तावों, बजट और योजनाओं का अनुमोदन प्रस्तुत किया जाता है।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

है। अनुकूल फसल प्रारूप का चयन भूमि का कुशल उपयोग सुनिश्चित करता है।

11. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
राजस्थान की अर्थव्यवस्था में सकल राज्य मूल्यवर्धन का एक बड़ा हिस्सा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से प्राप्त होता है, जो राज्य के विकास का मुख्य आधार है। शुष्क और अनिश्चित जलवायु परिस्थितियों के कारण केवल फसल उत्पादन पर निर्भर रहने के बजाय पशुपालन कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। कृषि क्षेत्र के भीतर पशुधन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है।

12. (A) P-2, Q-1, R-3, S-4
फसलों का मानक वर्गीकरण उनकी बुवाई ऋतु और आर्थिक उपयोग पर आधारित होता है। गेहूँ शीतकाल में उगाई जाने वाली रबी की प्रमुख खाद्यान्न फसल है। बाजरा मानसूनी वर्षा पर आधारित खरीफ मौसम की अनाज फसल है। तरबूज ग्रीष्मकालीन जायद फसल का उदाहरण है, जिसकी खेती मार्च से जून के दौरान की जाती है। कपास एक प्रमुख वाणिज्यिक या नकदी फसल मानी जाती है।

13. (D) परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY)
परंपरागत कृषि विकास योजना केंद्र सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण-अनुकूल रासायनिक-मुक्त जैविक खेती को बढ़ावा देना है। यह योजना किसानों को पारंपरिक ज्ञान और जैविक तकनीकों के संयोजन से समूहों में खेती करने के लिए प्रोत्साहित करती है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करके, यह पहल मृदा स्वास्थ्य में सुधार और सुरक्षित खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करती है।

14. (C) कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP)
कृषि लागत एवं मूल्य आयोग भारत सरकार का एक विशेषज्ञ वैधानिक निकाय है, जो विभिन्न अधिसूचित कृषि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने की सिफारिश करता है। यह आयोग उत्पादन लागत, बाजार प्रवृत्तियों, मूल्य समता तथा मांग और आपूर्ति के संतुलन का विस्तृत विश्लेषण करता है। इसकी सिफारिशों के आधार पर सरकार द्वारा एमएसपी की घोषणा की जाती है।

15. (B) किसानों को अनुचित शोषण से बचाने के लिए कृषि बाजारों को विनियमित करना।
कृषि उपज मंडी समितियों का गठन प्राथमिक कृषि बाजारों के कामकाज को सुव्यवस्थित और विनियमित करने के लिए किया गया है। ये समितियाँ मध्यस्थों द्वारा किसानों के आर्थिक शोषण को रोकने, पारदर्शी नीलामी लागू करने तथा निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित करने का कार्य करती हैं। एपीएमसी मण्डियों में उचित बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करके किसानों को प्रतिस्पर्धी मूल्य दिलाने में सहायता करती हैं।

16. (B) 2.0%
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना भारत में किसानों को अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाओं, कीटों और बीमारियों के कारण होने वाले फसल नुकसान से वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना की संरचना के अंतर्गत, खरीफ मौसम की फसलों के लिए किसानों द्वारा बीमित राशि का केवल 2.0 प्रतिशत प्रीमियम भुगतान किया जाता है। शेष सब्सिडी का वहन सरकार द्वारा किया जाता है।

17. (A) स्थानीय ग्रामीण साहूकार
औपचारिक साख प्रणाली के अंतर्गत वे सभी वित्तीय संस्थान शामिल होते हैं जो सरकारी नियमों और बैंकिंग नियंत्रण में कार्य करते हैं, जैसे वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी समितियाँ। इसके विपरीत, स्थानीय ग्रामीण साहूकार अनौपचारिक साख श्रेणी में आते हैं। साहूकार किसी सरकारी विनियमन से बाहर रहकर उच्च ब्याज दरों पर ऋण देते हैं, जिससे वे पृथक हैं।

18. (C) झालावाड़
राजस्थान का झालावाड़ जिला अपने अद्वितीय सूक्ष्म-जलवायु, उपजाऊ काली मिट्टी और प्रचुर सिंचाई संसाधनों के कारण संतरों के अत्यधिक उत्पादन के लिए जाना जाता है। यहाँ उत्पादित संतरे अपनी उच्च गुणवत्ता और रसीलेपन के लिए देश भर में प्रसिद्ध हैं, जो महाराष्ट्र के प्रसिद्ध नागपुर शहर के संतरों के समकक्ष माने जाते हैं। इसी व्यापक उत्पादन के कारण झालावाड़ को 'राजस्थान का नागपुर' कहा जाता है।

19. (A) केवल I और II
राजस्थान में कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए उच्च उपज देने वाली किस्मों के बीजों का प्रयोग किया गया है, जिन्हें पर्याप्त सिंचाई और उर्वरक प्रबंधन की आवश्यकता होती है। उदयपुर विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 'माही कंचन' और 'माही धवल' मक्का की अत्यंत सफल उन्नत किस्में हैं। संकर बीजों के प्रयोग से राज्य की फसल उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

20. (D) ग्वार गम
ग्वार एक सूखा-सहनशील फसल है, जिससे प्राप्त ग्वार गम का उपयोग पेट्रोलियम निष्कर्षण, खाद्य प्रसंस्करण और वस्त्र जैसे विभिन्न वैश्विक उद्योगों में बड़े पैमाने पर किया जाता है। भारत के कुल ग्वार उत्पादन में राजस्थान का योगदान अस्सी प्रतिशत से अधिक है। बहुआयामी औद्योगिक अनुप्रयोगों और उच्च अंतर्राष्ट्रीय मांग के कारण ग्वार गम राज्य के कृषि निर्यात का मुख्य घटक है।

21. (B) सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)
राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का आधिकारिक शुभारंभ देश के प्रधानमंत्री द्वारा 19 फरवरी 2015 को राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में स्थित सूरतगढ़ से किया गया था। इस राष्ट्रव्यापी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सभी किसानों को उनकी कृषि भूमि के पोषक तत्वों की वास्तविक स्थिति के बारे में सटीक जानकारी देना है, ताकि वे संतुलित उपयोग कर सकें।

NODIA

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों का योगदान महत्वपूर्ण बना हुआ है।
कथन II: राजस्थान के कृषि क्षेत्र के अंतर्गत पशुपालन का प्रमुख योगदान है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

12. सूची I की फसलों का सूची II में उनके मानक वर्गीकरण के साथ मिलान कीजिए:
सूची I: फसल
P. गेहूँ
Q. बाजरा
R. तरबूज
S. कपास
सूची II: वर्गीकरण
1. खरीफ फसल
2. रबी फसल
3. जायद फसल
4. नकदी फसल
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) P-2, Q-1, R-3, S-4
(B) P-1, Q-2, R-4, S-3
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-2, Q-3, R-1, S-4

13. कौन-सी सरकारी योजना विशेष रूप से पारंपरिक जैविक खेती को बढ़ावा देने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से शुरू की गई है?
(A) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)
(B) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)
(C) किसान क्रेडिट कार्ड योजना (KCC)
(D) परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY)

14. विभिन्न फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की सिफारिश करने के लिए कौन-सी केंद्रीय संस्था उत्तरदायी है?
(A) भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)
(B) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)
(C) कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP)
(D) राज्य व्यापार निगम (STC)

15. कृषि उपज मंडी समिति (APMC) की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) स्थानीय किसानों को अपनी कृषि उपज सीधे विदेशी खरीदारों को बेचने के लिए विवश करना।
(B) किसानों को अनुचित शोषण से बचाने के लिए कृषि बाजारों को विनियमित करना।
(C) उन्नत कृषि मशीनरी, उपकरण और कृषि ट्रैक्टरों का निर्माण करना।
(D) सभी किसान परिवारों को रियायती या निःशुल्क संश्लिष्ट रासायनिक उर्वरक प्रदान करना।

16. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के तहत खरीफ फसलों के लिए किसानों द्वारा देय एकसमान प्रीमियम दर क्या है?
(A) 1.5%
(B) 2.0%
(C) 5.0%
(D) 10.0%

17. राजस्थान में औपचारिक कृषि साख (ऋण) के स्रोतों के संबंध में विषम विकल्प की पहचान कीजिए।
(A) स्थानीय ग्रामीण साहूकार
(B) अनुसूचित सार्वजनिक एवं निजी व्यावसायिक बैंक
(C) राज्य प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(D) प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ

18. राजस्थान के किस जिले को संतरों के व्यापक उत्पादन के कारण 'राजस्थान का नागपुर' कहा जाता है?
(A) कोटा
(B) बूंदी
(C) झालावाड़
(D) बारां

19. राजस्थान में कृषि तकनीकी विकास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. उच्च उपज देने वाली किस्मों (HYV) के बीजों को इष्टतम परिणाम देने के लिए पर्याप्त सिंचाई और उचित पोषक तत्व प्रबंधन की आवश्यकता होती है।
II. 'माही कंचन' और 'माही धवल' मक्का की अत्यधिक सफल उन्नत किस्में हैं।
III. संकर बीजों के उपयोग से राज्य में समग्र फसल उत्पादकता में भारी कमी आई है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

20. व्यापक औद्योगिक अनुप्रयोग के कारण कौन-सा कृषि उत्पाद राजस्थान के कृषि निर्यात का एक बड़ा हिस्सा बनाता है?
(A) बासमती चावल
(B) जूट का रेशा
(C) कॉफ़ी बीन्स
(D) ग्वार गम

21. राष्ट्रीय 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' योजना प्रधानमंत्री द्वारा 2015 में राजस्थान के किस स्थान से शुरू की गई थी?
(A) मंडोर (जोधपुर)
(B) सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)
(C) दुर्गापुरा (जयपुर)

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 26
कृषि एवं प्रमुख फसलें

1. राजस्थान की अधिकांश ग्रामीण जनसंख्या की आजीविका का मुख्य स्रोत क्या है?
(A) कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ
(B) बड़े पैमाने पर विनिर्माण
(C) खनन एवं उत्खनन
(D) पर्यटन एवं आतिथ्य

2. कृषि नियोजन के उद्देश्य से राजस्थान को कितने कृषि-जलवायु क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है?
(A) 5
(B) 10
(C) 15
(D) 20

3. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में खरीफ फसलों की मानक बुवाई अवधि को परिभाषित करता है?
(A) जून-जुलाई में बुवाई और सितंबर-अक्टूबर में कटाई
(B) अक्टूबर-नवंबर में बुवाई और मार्च-अप्रैल में कटाई
(C) फरवरी-मार्च में बुवाई और मई-जून में कटाई
(D) दिसंबर में बुवाई और फरवरी में कटाई

4. राजस्थान में रबी के मौसम में निम्नलिखित में से किस फसल की खेती नहीं की जाती है?
(A) गेहूँ
(B) सरसों
(C) चना
(D) बाजरा

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): मूंग और मोठ जैसी दलहनी फसलों की खेती मृदा के लिए अत्यधिक लाभदायक होती है।
कारण (R): दलहनी फसलें प्राकृतिक नाइट्रोजन स्थिरीकरण के माध्यम से मृदा की उर्वरता को पुनर्स्थापित करने में मदद करती हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

6. राजस्थान किस प्रमुख तिलहन फसल के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान रखता है?
(A) सोयाबीन
(B) सूरजमुखी
(C) सरसों
(D) अरंडी बीज

7. एक प्रमुख नकदी फसल, गन्ना के इष्टतम विकास के लिए किस प्रकार की जलवायु की आवश्यकता होती है?
(A) ठंडी और शुष्क
(B) शीतल और आर्द्र
(C) अत्यधिक शुष्क और वर्षाहीन
(D) गर्म और आर्द्र

8. राजस्थान में मसालों की खेती के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) बारां और झालावाड़ जिले धनिया के प्रमुख उत्पादक हैं।
(B) मुख्यतः शुष्क मरुस्थलीय जलवायु के कारण राज्य में मसालों का उत्पादन नहीं होता है।
(C) काली मिर्च और इलायची पश्चिमी राजस्थान के प्राथमिक मसाले हैं।
(D) मसालों की खेती केवल उच्च तापमान वाले जायद मौसम में की जाती है।

9. राष्ट्रीय स्तर पर निम्नलिखित में से किस फसल में राजस्थान शीर्ष स्थान (प्रथम या द्वितीय स्थान) नहीं रखता है?
(A) बाजरा
(B) गेहूँ
(C) ईसबगोल
(D) ग्वार

NODIA

10. 'फसल प्रारूप' शब्द से तात्पर्य है:
(A) कृषि योग्य भूमि के चारों ओर लगाई गई भौतिक बाड़बंदी।
(B) किसी निश्चित समय में विभिन्न फसलों के अंतर्गत भूमि क्षेत्र का अनुपात।
(C) काटी गई फसलों को बाजारों तक पहुँचाने की विशेष विधि।
(D) पंजीकृत कृषि भूमियों को विभाजित करने वाली प्रशासनिक सीमाएँ।

11. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: राजस्थान के सकल राज्य मूल्यवर्धन (GSVA) में

(C) खरीफ नकदी फसल
(D) खरीफ दलहन

33. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) नीति किसानों के लिए एक सुरक्षा तंत्र के रूप में कार्य करती है।
कारण (R): MSP बाज़ार मूल्य गिरने पर भी उपज के लिए न्यूनतम मूल्य की गारंटी देकर किसानों को संकटग्रस्त बिक्री से बचाता है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

34. बीकानेर जिले का कौन-सा कस्बा उच्च गुणवत्ता वाले मूंगफली उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, जिसे अक्सर 'राजस्थान का राजकोट' कहा जाता है?
(A) नोखा
(B) देशनोक
(C) लूणकरणसर
(D) कोलायत

35. 'नरमा' राजस्थान में उगाई जाने वाली किस प्रमुख नकदी फसल की एक प्रसिद्ध किस्म है?
(A) कपास
(B) गन्ना
(C) तंबाकू
(D) जूट

36. जालोर और बाड़मेर जिले किस मसाले/औषधीय फसल के उत्पादन के लिए अत्यधिक प्रसिद्ध हैं?
(A) इलायची और लौंग
(B) हल्दी और अदरक
(C) काली मिर्च और दालचीनी
(D) जीरा और ईसबगोल

37. उस फसल की पहचान कीजिए जो उन फसलों के समूह से संबंधित नहीं है जिनमें राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी उत्पादक है।
(A) ग्वार
(B) कॉफ़ी
(C) सरसों
(D) बाजरा

38. राजस्थान के फसल प्रारूप में हाल ही में देखा गया एक उल्लेखनीय बदलाव दर्शाता है:
(A) मुख्य खाद्यान्न फसलों से रबड़ जैसी उष्णकटिबंधीय रोपण फसलों की ओर पूर्ण और अचानक बदलाव।
(B) सभी अलग-अलग कृषि-जलवायु क्षेत्रों में केवल गेहूँ उगाने पर एक विशेष क्षेत्रीय ध्यान।
(C) पूरे राज्य में पारंपरिक फसलों से उच्च मूल्य वाली नकदी फसलों और तिलहन की ओर बदलाव।
(D) कृषि क्षेत्रों में सभी दलहनी फसलों की खेती का पूर्ण और व्यापक परित्याग।

NODIA

39. मूल्य संवर्धन और कृषि आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए, राजस्थान सरकार ने एग्रो-फूड पार्क स्थापित किए हैं:
(A) जयपुर, उदयपुर, अजमेर और बांसवाड़ा जिलों में
(B) सीकर, झुंझुनूं, चूरू और नागौर जिलों में
(C) जैसलमेर, बाड़मेर, जालोर और सिरोही जिलों में
(D) कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर और अलवर में

40. सूची I में राजस्थान के कृषि-जलवायु क्षेत्रों का सूची II में उनके प्रतिनिधि जिलों के साथ मिलान कीजिए:
सूची I: कृषि-जलवायु क्षेत्र
P. शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (जोन I A)
Q. सिंचित उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (जोन I B)
R. उप-आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (जोन IV A)
S. आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र (जोन V)
सूची II: प्रतिनिधि जिले
1. श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
2. जोधपुर, बाड़मेर
3. कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़
4. भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

41. राजस्थान के किस जिले को सक्रिय रूप से विकसित किया गया है और राज्य का पहला पूर्ण जैविक खेती जिला घोषित किया गया है?
(A) जयपुर
(B) डूंगरपुर
(C) जोधपुर
(D) बीकानेर

42. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: सरकार फसल की पूरी तरह से कटाई के बाद ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की घोषणा करती है।
कथन II: किसानों को सूचित निर्णय लेने में मदद करने के लिए आमतौर पर बुवाई के मौसम से पहले MSP की घोषणा की जाती है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

(D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

43. कृषि विपणन के संदर्भ में APMC का पूर्ण रूप क्या है?
(A) एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी (कृषि उपज मंडी समिति)
(B) एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केटिंग कॉर्पोरेशन
(C) एसोसिएटेड प्राइस मैनेजमेंट काउंसिल
(D) एग्रेरियन प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी

44. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के तहत, मानक रबी खाद्यान्न फसलों के लिए किसानों को किस प्रीमियम दर का भुगतान करना होता है?
(A) 1.5%
(B) 2.0%
(C) 5.0%
(D) 10.0%

45. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में अल्पकालिक सहकारी साख संरचना का शीर्ष संस्थान है?
(A) प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PACS)
(B) केंद्रीय सहकारी बैंक (CCBs)
(C) भारतीय स्टेट बैंक (SBI)
(D) राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (RSCB)

46. कौन-सा कथन राजस्थान में उद्यानिकी (बागवानी) विकास का सटीक वर्णन करता है?
(A) ग्रीष्मकाल में अत्यधिक उच्च तापमान के कारण राजस्थान में कोई भी व्यावसायिक फल फसल नहीं उगाई जा सकती है।
(B) सेब और चेरी जैसे समशीतोष्ण फल राज्य की प्राथमिक उद्यानिकी निर्यात फसलें हैं।
(C) उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जैसे कि कोटा जिले के नांता में नींबू वर्गीय (साइट्रस) फलों के लिए।
(D) राज्य में उद्यानिकी विकास नीति में सब्जी फसलों की खेती को सख्ती से बाहर रखा गया है।

47. कृषि साख (ऋण) प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना किसानों को समय पर और पर्याप्त अल्पकालिक ऋण प्रदान करती है।
II. प्राथमिक भूमि विकास बैंक (PLDBs) ट्रैक्टर खरीदने या कुएं खोदने जैसी गतिविधियों के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदान करते हैं।
III. अनौपचारिक साहूकारों को औपचारिक संस्थागत साख प्रणाली का हिस्सा माना जाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

48. कृषि निर्यात को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए, राजस्थान सरकार ने किस वर्ष "राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति" शुरू की?
(A) 2001
(B) 2010
(C) 2019
(D) 2023

49. एक मानक मृदा स्वास्थ्य कार्ड में आमतौर पर मिट्टी के कितने मापदंडों (मुख्य पोषक तत्व, सूक्ष्म पोषक तत्व और भौतिक मापदंडों सहित) का परीक्षण और रिपोर्ट दी जाती है?
(A) 4
(B) 8
(C) 12
(D) 20

50. कृषि यांत्रीकरण के संदर्भ में, 'कस्टम हायरिंग सेंटर' (CHCs) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) व्यावसायिक कृषि इकाइयों को प्रीमियम बाज़ार दरों पर प्रमाणित उच्च उपज वाले संकर बीज बेचना।
(B) बड़े भूस्वामियों की फसलों की कटाई के लिए शारीरिक श्रम बल की भर्ती और प्रबंधन करना।
(C) छोटे और सीमांत किसानों को रियायती दरों पर कृषि मशीनरी और उपकरण किराए पर देना।
(D) कच्चे दूध की आपूर्ति का संग्रह, भंडारण और प्रसंस्करण कर उच्च मूल्य वाले वाणिज्यिक डेयरी उत्पाद बनाना।

51. राजस्थान कृषि नीति विशेष रूप से किस पर बल देती है?
(A) फसल उत्पादक क्षेत्रों के पास कृषि-प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने पर।
(B) सभी ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत सहकारी साख क्षेत्र को पूरी तरह समाप्त करने पर।
(C) स्थानीय रूप से उत्पादित सभी मसाला फसलों के निर्यात पर पूर्ण विधायी प्रतिबंध लगाने पर।
(D) संश्लिष्ट रासायनिक कीटनाशकों और आगतों पर राज्य की निर्भरता को निरंतर बढ़ाने पर।

52. निम्नलिखित में से कौन सतत कृषि (टिकाऊ खेती) को परिभाषित करता है?
(A) सघन खेती की पद्धतियाँ जो समय के साथ प्राकृतिक मृदा पोषक तत्वों को पूरी तरह से समाप्त करते हुए तत्काल फसल उपज को अधिकतम करती हैं।
(B) आधुनिक औद्योगिक खेती जो पूरी तरह से स्वचालित भारी मशीनरी, संश्लिष्ट रासायनिक उर्वरकों और विषैले कीटनाशकों पर निर्भर करती है।
(C) स्थानीय बाज़ार में आवश्यक खाद्यान्न की आपूर्ति किए बिना केवल अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक निर्यात पर केंद्रित कृषि उत्पादन।
(D) ऐसी खेती जो भावी पीढ़ियों की अपनी कृषि संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान भोजन की आवश्यकताओं को पूरा

Downloaded from www.pdf.tube

करती है।

53. कीटों के प्रकोप को कम करने और मृदा के स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से फसल विविधीकरण की एक सामान्य विधि निम्नलिखित में से कौन-सी है?
(A) एकल कृषि (मोनोकल्चर)
(B) अंतरा-फसली (इंटरक्रॉपिंग)
(C) गहन जुताई
(D) पराली जलाना

54. खेत से उपभोक्ता तक उद्यानिकी (बागवानी) फसलों की कृषि आपूर्ति श्रृंखला के निम्नलिखित चरणों को सही क्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. खुदरा बिक्री
2. कटाई / तुड़ाई
3. बाजारों तक परिवहन
4. ग्रेडिंग (छंटाई) और पैकेजिंग
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम का चयन कीजिए:
(A) 2, 4, 3, 1
(B) 1, 3, 4, 2
(C) 4, 2, 1, 3
(D) 2, 3, 4, 1

55. राजस्थान की कृषि पर जलवायु परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव है:
(A) पूरे राज्य में गारंटीकृत वार्षिक वर्षा में स्थायी वृद्धि, जिससे कृत्रिम सिंचाई अनावश्यक हो गई है।
(B) सभी कृषि फसल कीटों, विनाशकारी कीड़ों और पौधों की बीमारियों का प्राकृतिक, स्वतः विनाश।
(C) शुष्क मरुस्थलीय बालू के टीलों का अत्यधिक उपजाऊ काली कपासी कृषि मृदा में तीव्र एवं व्यापक परिवर्तन।
(D) लंबे समय तक सूखा और भीषण लू जैसी चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि।

56. भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का सबसे छोटा कृषि-जलवायु क्षेत्र कौन-सा है?
(A) आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (जोन IV B)
(B) शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (जोन I A)
(C) लूनी बेसिन का संक्रमणकालीन मैदानी क्षेत्र (जोन II B)
(D) अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र (जोन III A)

57. ज्वार एक महत्वपूर्ण अनाज फसल है जो मुख्य रूप से अजमेर और भीलवाड़ा जैसे मध्य जिलों में किस मौसम के दौरान उगाई जाती है?
(A) जायद
(B) खरीफ
(C) रबी
(D) शीतकाल

58. मुख्य रूप से गेहूँ के उच्च उत्पादन के कारण किस जिले को "राजस्थान का अन्न कटोरा" कहा जाता है?
(A) जैसलमेर
(B) श्रीगंगानगर
(C) बीकानेर
(D) चूरू

59. भारत में मोठ के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान रखता है। मोठ को किस रूप में वर्गीकृत किया गया है?
(A) दलहन (दाल)
(B) तिलहन
(C) मसाला
(D) नकदी फसल

60. राजस्थान कृषि नीति के लक्ष्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका उद्देश्य सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से दुर्लभ जल संसाधनों के उपयोग को इष्टतम बनाना है।
II. यह उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर फसल विविधीकरण को बढ़ावा देती है।
III. इसका उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को दी जाने वाली सभी वित्तीय अनुदान सहायता को समाप्त करना है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

61. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): राजस्थान में सरकार द्वारा जैविक खेती को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है।
कारण (R): जैविक खेती पूरी तरह से संश्लिष्ट रासायनिक उर्वरकों और आनुवंशिक रूप से संशोधित (GM) फसलों पर निर्भर करती है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

62. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन-से फसल युग्म सामान्यतः 'नकदी फसलें' माने जाते हैं?
(A) गेहूँ और जौ की फसलें
(B) बाजरा और ज्वार के अनाज
(C) कपास और गन्ना
(D) मूंग और मोठ की दालें

63. राजस्थान में राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र (NRCSS) कहाँ स्थित है?
(A) बीछवाल, बीकानेर

NODIA

(D) लूणकरणसर (बीकानेर)

22. निम्नलिखित में से कौन-सा कृषि यांत्रीकरण का एक प्रत्यक्ष लाभ है?
(A) यह कृषि गतिविधियों की समग्र संचालन गति को महत्वपूर्ण रुप से कम करता है।
(B) यह मानव श्रम के कष्ट और कठिन शारीरिक श्रम को निरंतर बढ़ाता है।
(C) यह खेती की दक्षता में सुधार करता है और कृषि उत्पादकता बढ़ाता है।
(D) यह खेतों की सिंचाई की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त और प्रतिस्थापित कर देता है।

23. राजस्थान कृषि नीति का प्राथमिक लक्ष्य क्या है?
(A) कृषि में निजी पूंजी निवेश के सभी रुपों को सख्ती से हतोत्साहित करना।
(B) सभी कृषि क्षेत्रों में पारंपरिक बैलगाड़ी खेती प्रथाओं को अनिवार्य करना।
(C) राज्य में कुल शुद्ध बोए गए कृषि क्षेत्र को व्यवस्थित रुप से कम करना।
(D) कृषि को लाभदायक बनाना और किसानों की समग्र आय में वृद्धि करना।

24. निम्नलिखित को छोड़कर, अन्य सभी राजस्थान में सतत कृषि विकास के लिए प्रमुख चुनौतियाँ हैं:
(A) बारहमासी नदियों और सतही जल स्रोतों की प्रचुरता।
(B) जिलों में भूजल संसाधनों का तीव्र एवं निरंतर दोहन/ह्रास।
(C) अधिकांश क्षेत्रों में अनिश्चित, अप्रत्याशित और कम वार्षिक वर्षा का पैटर्न।
(D) कृषि योग्य भूमि पर व्यापक मृदा अपरदन और बढ़ता मरुस्थलीकरण।

25. फसल विविधीकरण का सामान्यतः अर्थ है:
(A) कई दशकों तक एक ही खेत में लगातार एक ही फसल उगाना।
(B) कृषि जोखिम को कम करने के लिए एक ही भूमि पर विभिन्न प्रकार की फसलें उगाना।
(C) सभी प्राथमिक कृषि उत्पादन के लिए केवल आयातित उच्च लागत वाले बीजों का उपयोग करना।
(D) खेत की भौतिक क्षेत्रीय सीमाओं का स्थायी रुप से विस्तार करना।

26. एक किसान द्वारा अपनाई जाने वाली बुनियादी कृषि पद्धतियों का सही क्रमिक क्रम चुनिए।
(A) बुवाई, मिट्टी तैयार करना (जुताई), कटाई, सिंचाई
(B) मिट्टी तैयार करना (जुताई), बुवाई, सिंचाई, कटाई
(C) सिंचाई, कटाई, मिट्टी तैयार करना (जुताई), बुवाई
(D) मिट्टी तैयार करना (जुताई), सिंचाई, कटाई, बुवाई

27. राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए सबसे उपयुक्त रणनीति कौन-सी है?
(A) सूखा-सहनशील और कम अवधि वाली फसल किस्मों को अपनाना।
(B) मरुस्थलीय क्षेत्रों में धान और गन्ना जैसी अधिक जल-सघन फसलों की खेती करना।
(C) पूरी तरह से रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भर रहना।
(D) खनन के पक्ष में कृषि को पूरी तरह से छोड़ देना।

28. आर्थिक संदर्भ में, कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं?
(A) प्राथमिक क्षेत्र
(B) द्वितीयक क्षेत्र
(C) तृतीयक क्षेत्र
(D) चतुर्थक क्षेत्र

29. भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा कृषि-जलवायु क्षेत्र कौन-सा है?
(A) सिंचित उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (जोन I B)
(B) बाढ़ संभाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र (जोन III B)
(C) आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (जोन IV B)
(D) अति शुष्क आंशिक सिंचित पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (जोन I C)

30. राजस्थान के पश्चिमी जिलों में मुख्य रुप से बाजरा उगाया जाता है क्योंकि:
(A) इसके लिए निरंतर जमाव वाले पानी के साथ-साथ भारी चिकनी मिट्टी की सख्त आवश्यकता होती है।
(B) यह केवल खड़ी पहाड़ी ढलानों पर उच्च ऊंचाई पर ही सफलतापूर्वक उग सकता है।
(C) यह बलुई मिट्टी और कम वर्षा वाले क्षेत्रों के अनुकूल एक सूखा-सहनशील फसल है।
(D) अंकुरित होने के लिए इसे लंबे समय तक शून्य से नीचे जमने वाले शीतकालीन तापमान की आवश्यकता होती है।

31. राजस्थान में सरसों की खेती के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए।
(A) इसे मुख्य रुप से खरीफ फसल के रुप में वर्गीकृत किया गया है जिसे जुलाई के महीने में बोया जाता है।
(B) अलवर, भरतपुर और श्रीगंगानगर राजस्थान में इसके प्रमुख उत्पादक जिले हैं।
(C) इसे अपने संपूर्ण विकास जीवनचक्र में अत्यधिक उच्च तापमान की आवश्यकता होती है।
(D) भारत के कुल सरसों उत्पादन में राजस्थान का योगदान 5% से भी कम है।

32. मूंग को प्राथमिक रुप से किस वर्ग में वर्गीकृत किया गया है?
(A) रबी अनाज
(B) जायद तिलहन

Click Here to Buy book on Amazon

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ
राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि तथा पशुपालन, वानिकी और डेयरी जैसी संबद्ध गतिविधियों पर निर्भर है। राज्य की सत्तर प्रतिशत से अधिक ग्रामीण जनसंख्या अपनी जीविका और रोजगार के लिए इन्हीं प्राथमिक कार्यों पर आश्रित है। प्रतिकूल जलवायु और सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद, यह क्षेत्र ग्रामीण परिवारों को खाद्य सुरक्षा, स्वरोजगार और आर्थिक आधार प्रदान करता है, जिससे विकास की संभावना बनी रहती है।

2. (B) 10
कृषि नियोजन, अनुसंधान और कुशल संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थान को कुल 10 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है। यह विभाजन राज्य की मिट्टी के प्रकार, वर्षा की मात्रा, तापमान, वर्षा के वितरण तथा जल की उपलब्धता जैसे विविध भौगोलिक मापदंडों पर आधारित है। इस विशिष्ट क्षेत्रीय वर्गीकरण के माध्यम से प्रत्येक क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार उपयुक्त फसल पद्धतियाँ अपनाई जाती हैं।

3. (A) जून-जुलाई में बुवाई और सितंबर-अक्टूबर में कटाई
राजस्थान में खरीफ फसलों का चक्र मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम मानसूनी वर्षा पर निर्भर करता है। इन फसलों की बुवाई मानसूनी बारिश के आगमन के साथ जून और जुलाई महीनों के दौरान की जाती है। मानसून के समापन तथा शरद ऋतु के प्रारंभ होने पर सितंबर और अक्टूबर के महीनों में इनकी कटाई पूरी की जाती है। बाजरा, मक्का, ज्वार तथा मूंगफली इस मौसम की प्रमुख फसलें मानी जाती हैं।

4. (D) बाजरा
बाजरा एक प्रमुख खरीफ फसल है, जिसकी खेती उच्च तापमान, कम वर्षा और बलुई मिट्टी वाली परिस्थितियों में मानसून के दौरान की जाती है। दूसरी ओर, रबी के मौसम में शीतकालीन जलवायु की आवश्यकता होती है, जिसके अंतर्गत गेहूँ, सरसों, चना तथा जौ जैसी फसलें अक्टूबर से दिसंबर के मध्य बोई जाती हैं। बाजरा की शारीरिक संरचना गर्म जलवायु के अनुकूल होने के कारण इसे रबी में नहीं उगाया जाता।

5. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
मूंग और मोठ जैसी दलहनी फसलों की जड़ों में 'राइजोबियम' नामक जीवाणु पाए जाते हैं, जो वायुमंडलीय नाइट्रोजन को ग्रहण करके उसे मृदा में स्थिर करने का कार्य करते हैं। यह जैविक प्रक्रिया मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता को पुनः स्थापित करती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करती है। इस प्रकार दलहनी फसलों का रोपण मृदा स्वास्थ्य और उत्पादकता बनाए रखने में अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है।

6. (C) सरसों
राजस्थान भारत में सरसों का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है, जो देश के कुल उत्पादन में चालीस प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। राज्य की शुष्क एवं अर्ध-शुष्क जलवायु, उपजाऊ दोमट मिट्टी तथा शीतकालीन तापमान सरसों की सफल पैदावार के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। श्रीगंगानगर, भरतपुर, अलवर और जयपुर जिले राज्य में सरसों के प्रमुख उत्पादन केंद्र माने जाते हैं।

7. (D) गर्म और आर्द्र
गन्ना एक लंबी अवधि वाली उष्णकटिबंधीय फसल है, जिसे अपनी वृद्धि और विकास के लिए उच्च तापमान तथा प्रचुर नमी की आवश्यकता होती है। इसके इष्टतम विकास हेतु 21°C से 27°C के मध्य तापमान और 75 से 100 सेमी की वार्षिक वर्षा वाली गर्म तथा आर्द्र जलवायु सबसे उपयुक्त मानी जाती है। अत्यधिक ठंडा मौसम या शुष्क परिस्थितियाँ गन्ने की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं।

8. (A) बारां और झालावाड़ जिले धनिया के प्रमुख उत्पादक हैं।
राजस्थान का दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती क्षेत्र मसाले की फसलों के उत्पादन के लिए अत्यधिक प्रसिद्ध है। विशेष रूप से बारां और झालावाड़ जिलों में अनुकूल मिट्टी, पर्याप्त आर्द्रता और उपयुक्त जलवायु के कारण धनिया का बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन किया जाता है। राज्य का यह क्षेत्र देश में उच्चतम गुणवत्ता वाले धनिया का उत्पादन करता है, जिससे आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

9. (B) गेहूँ
राजस्थान बाजरा, ईसबगोल, ग्वार, सरसों और तिलहन जैसी फसलों के राष्ट्रीय उत्पादन में निरंतर प्रथम या द्वितीय स्थान बनाए रखता है। हालाँकि, उत्तर प्रदेश, पंजाब और मध्य प्रदेश जैसे प्रचुर सिंचाई साधनों वाले राज्यों की तुलना में राजस्थान में गेहूँ का कुल उत्पादन कम रहता है। सीमित जल संसाधनों के कारण राज्य गेहूँ उत्पादन में शीर्ष स्थानों में शामिल नहीं हो पाता है।

10. (B) किसी निश्चित समय में विभिन्न फसलों के अंतर्गत भूमि क्षेत्र का अनुपात।
फसल प्रारूप किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में एक निश्चित कृषि वर्ष के दौरान विभिन्न फसलों के अंतर्गत आवंटित कृषि भूमि के आनुपातिक वितरण को दर्शाता है। यह ढांचा वर्षा, तापमान, मिट्टी की उर्वरता, सिंचाई सुविधाओं तथा बाजार की मांग जैसे आर्थिक एवं पर्यावरणीय कारकों से गहराई से प्रभावित होता

NODIA

(B) तबीजी, अजमेर
(C) मंडोर, जोधपुर
(D) दुर्गापुरा, जयपुर

64. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: राजस्थान भारत में ग्वार का सबसे बड़ा उत्पादक है।
कथन II: ग्वार गम का उपयोग मुख्य रूप से पशु चारे के रूप में किया जाता है और इसका कोई औद्योगिक या निर्यात मूल्य नहीं है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।

65. सूची I की निम्नलिखित योजनाओं/पहलों का सूची II में उनके मूल उद्देश्यों के साथ मिलान कीजिए:
सूची I: योजना/पहल
P. PMFBY
Q. e-NAM
R. मृदा स्वास्थ्य कार्ड
S. SMAM
सूची II: मूल उद्देश्य
1. कृषि उपज का ऑनलाइन व्यापार
2. फसल बीमा
3. कृषि यांत्रीकरण
4. मृदा के लिए पोषक तत्व प्रबंधन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

66. राजस्थान में उन्नत और संकर बीजों को अपनाने से मुख्य रूप से क्या हुआ है?
(A) कृषि भूमियों में प्रति हेक्टेयर औसत फसल उपज में निरंतर, व्यापक कमी।
(B) संश्लिष्ट रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता का पूर्ण उन्मूलन।
(C) सामान्य कीटों के खिलाफ बढ़ी हुई प्रतिरोधक क्षमता के साथ उच्च समग्र फसल उत्पादकता।
(D) राज्य की अर्थव्यवस्था के कुल सकल कृषि उत्पादन में गंभीर कमी।

67. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) की विशेषता नहीं है?
(A) यह फसल के प्रकार से परे सभी किसानों को 100% नि:शुल्क प्रीमियम सुनिश्चित करती है।
(B) यह प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल नष्ट होने पर बीमा कवर प्रदान करती है।
(C) वाणिज्यिक और उद्यानिकी फसलों के लिए प्रीमियम दर 5% है।
(D) यह जोखिम को कम करके किसानों को नवीन कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

68. किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसे किसानों को अनौपचारिक साहूकारों द्वारा ली जाने वाली उच्च ब्याज दरों से बचाने के लिए शुरू किया गया था।
II. यह विशेष रूप से विलासितापूर्ण व्यक्तिगत वाहन खरीदने के लिए ऋण प्रदान करता है।
III. यह कृषि कार्यों के लिए अल्पकालिक ऋण तक आसान और समय पर पहुँच की सुविधा प्रदान करता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल I और II
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

69. मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का आधिकारिक नारा क्या है?
(A) हर खेत को पानी
(B) स्वस्थ धरा, खेत हरा
(C) प्रति बूंद अधिक फसल
(D) जय जवान, जय किसान

70. राजस्थान में सतत कृषि विकास और जल संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए किस आधुनिक सिंचाई तकनीक की अत्यधिक सिफारिश की जाती है?
(A) पारंपरिक सतत सतही प्रवाह (प्लावन) सिंचाई पद्धतियाँ।
(B) अनियंत्रित खुली नहर अतिप्रवाह सिंचाई प्रणाली।
(C) ड्रिप (बूंद-बूंद) और स्प्रिंकलर (फव्वारा) सूक्ष्म-सिंचाई तकनीकें।
(D) गहरे भूजल भंडारों का अनियंत्रित निष्कर्षण।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

22. (C) यह खेती की दक्षता में सुधार करता है और कृषि उत्पादकता बढ़ाता है।
कृषि यांत्रीकरण के अंतर्गत जुताई, बुवाई, सिंचाई, कटाई तथा थ्रेशिंग जैसे कृषि कार्यों के लिए ट्रैक्टर और अन्य आधुनिक उपकरणों का प्रयोग शामिल है। यह तकनीकी बदलाव पारंपरिक खेती की तुलना में मानव श्रम और समय की भारी बचत करता है, कृषि कार्यों की गति बढ़ाता है और क्षति को न्यूनतम करता है। परिणामस्वरूप, दक्षता में सुधार और उत्पादकता में वृद्धि होती है।

23. (D) कृषि को लाभदायक बनाना और किसानों की समग्र आय में वृद्धि करना।
राजस्थान कृषि नीति का प्राथमिक लक्ष्य सतत और समावेशी कृषि विकास के माध्यम से खेती को एक आर्थिक रूप से व्यावहारिक और लाभदायक व्यवसाय बनाना है। यह नीति उन्नत तकनीकों को अपनाकर, जल दक्षता बढ़ाकर, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देकर तथा मूल्य संवर्धन को मजबूत करके किसानों की शुद्ध आय में निरंतर वृद्धि करने पर केंद्रित है, जिससे सुधार हो सके।

24. (A) बारहमासी नदियों और सतही जल स्रोतों की प्रचुरता।
राजस्थान में बारहमासी नदियों और सतही जल स्रोतों की भारी कमी है, न कि प्रचुरता। चंबल को छोड़कर राज्य की लगभग सभी नदियाँ मौसमी हैं। राज्य में सतत कृषि विकास के मार्ग में मुख्य चुनौतियाँ तीव्र भूजल ह्रास, अनिश्चित मानसूनी वर्षा, उच्च तापमान तथा व्यापक मृदा अपरदन एवं मरुस्थलीकरण हैं। इसलिए जल प्रचुरता वास्तविक चुनौती की श्रेणी में नहीं आती है।

25. (B) कृषि जोखिम को कम करने के लिए एक ही भूमि पर विभिन्न प्रकार की फसलें उगाना।
फसल विविधीकरण एक ऐसी कृषि रणनीति है जिसमें एक ही भूमि क्षेत्र में एकल फसल उगाने के स्थान पर विभिन्न प्रकार की फसलें उगाई जाती हैं। यह पद्धति जलवायु परिवर्तन, मौसम की अनिश्चितताओं, कीटों के प्रकोप तथा बाजार मूल्य में होने वाले उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों को कम करती है। इसके अतिरिक्त, यह मृदा उर्वरता और कृषि आय को स्थिरता प्रदान करती है।

26. (B) मिट्टी तैयार करना (जुताई), बुवाई, सिंचाई, कटाई
कृषि पद्धतियों का एक निश्चित और वैज्ञानिक कालानुक्रमिक क्रम होता है जिसे सफल फसल उत्पादन के लिए अपनाया जाता है। सबसे पहले मिट्टी की जुताई करके उसे ढीला और समतल तैयार किया जाता है। इसके पश्चात बीज बोने की प्रक्रिया पूरी की जाती है। बुवाई के बाद पौधों के विकास के लिए समय-समय पर सिंचाई दी जाती है। अंत में कटाई की जाती है।

27. (A) सूखा-सहनशील और कम अवधि वाली फसल किस्मों को अपनाना।
राजस्थान जैसे शुष्क और जल-दुर्लभ क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सूखा-सहनशील तथा कम अवधि में पकने वाली फसलों को अपनाना सबसे प्रभावी तरीका है। बाजरा और ग्वार जैसी फसलें कम जल उपलब्धता में भी पनपने में सक्षम हैं। यह रणनीति अनियमित मानसून के जोखिम को कम करती है और उत्पादन सुनिश्चित करती है।

28. (A) प्राथमिक क्षेत्र
अर्थशास्त्र के मानक क्षेत्रकीय वर्गीकरण के अंतर्गत कृषि, पशुपालन, वानिकी और मत्स्य पालन गतिविधियों को प्राथमिक क्षेत्र में वर्गीकृत किया जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये गतिविधियाँ प्राकृतिक संसाधनों का सीधे उपयोग करके कच्चे माल का उत्पादन करती हैं। प्राथमिक क्षेत्र अर्थव्यवस्था की नींव के रूप में कार्य करता है, जो द्वितीयक क्षेत्र के लिए कच्चे माल की आपूर्ति करता है।

29. (D) अति शुष्क आंशिक सिंचित पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (ज़ोन I C)
राजस्थान का 'अति शुष्क आंशिक सिंचित पश्चिमी मैदानी क्षेत्र' भौगोलिक क्षेत्रफल के अनुसार राज्य का सबसे बड़ा कृषि-जलवायु क्षेत्र है। इस विशाल क्षेत्र के अंतर्गत मुख्य रूप से जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर जिले शामिल हैं। यह क्षेत्र अत्यधिक शुष्क जलवायु, कम वर्षा, उच्च तापमान तथा रेतीली मृदा द्वारा जाना जाता है, जहाँ नहर परियोजना द्वारा आंशिक सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

30. (C) यह बलुई मिट्टी और कम वर्षा वाले क्षेत्रों के अनुकूल एक सूखा-सहनशील फसल है।
बाजरा की शारीरिक संरचना इसे अत्यधिक विषम और शुष्क जलवायु परिस्थितियों में जीवित रहने और बढ़ने की अनूठी क्षमता प्रदान करती है। इसमें बहुत कम वर्षा, उच्च तापमान और कम पोषक तत्वों वाली रेतीली मिट्टी में भी अच्छी उपज देने का गुण होता है। थार मरुस्थल की परिस्थितियों के अनुकूल होने के कारण यह पश्चिमी जिलों की मुख्य फसल है।

31. (B) अलवर, भरतपुर और श्रीगंगानगर राजस्थान में इसके प्रमुख उत्पादक जिले हैं।
राजस्थान भारत का अग्रणी सरसों उत्पादक राज्य है। राज्य के उत्तर-पूर्वी और उत्तरी जिले जैसे अलवर, भरतपुर, श्रीगंगानगर और धौलपुर सरसों की खेती के प्रमुख केंद्र हैं। इन जिलों में उपजाऊ दोमट मिट्टी, शीतकालीन मौसम के दौरान अनुकूल तापमान और उपलब्ध सिंचाई सुविधाएँ मौजूद हैं, जो सरसों की उच्च उत्पादकता के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती हैं। यह प्रमुख तिलहन फसल है।

32. (D) खरीफ दलहन
मूंग एक प्रमुख खरीफ दलहन फसल है जिसे मानसूनी वर्षा के मौसम में बोया जाता है। यह फसल कम अवधि में तैयार हो जाती है तथा इसके पौधों में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करने की क्षमता होती है, जिससे मृदा की उर्वरता बढ़ती है। राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में मूंग की खेती व्यापक पैमाने पर की जाती है।

NODIA

1. जयपुर
2. ब्यावर
3. भरतपुर
4. बूंदी

(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-1, Q-3, R-2, S-4
(C) P-4, Q-2, R-3, S-1
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

23. राजस्थान में कृषि-आधारित उद्योगों के समक्ष सबसे महत्वपूर्ण चुनौती क्या है?
(A) औद्योगिक बिजली ग्रिड आपूर्ति में लगातार अधिशेष
(B) सभी कृषि उत्पादों के निर्यात पर राज्य सरकार द्वारा पूर्ण प्रतिबंध
(C) अत्यधिक योग्य औद्योगिक तकनीकी कर्मचारियों की अत्यधिक उपलब्धता
(D) मानसून पर अत्यधिक निर्भरता के कारण अनिश्चित कच्चे माल की आपूर्ति

24. इंदिरा गांधी नहर परियोजना की मुख्य फीडर नहर कहाँ से निकलती है?
(A) भाखड़ा बांध
(B) हरिके बैराज
(C) पोंग बांध
(D) कोटा बैराज

25. निम्नलिखित में से किसे उस दूरदर्शी इंजीनियर के रूप में पहचाना जाता है जिसने मूल रूप से इंदिरा गांधी नहर परियोजना की परिकल्पना की थी?
(A) डॉ. करणी सिंह
(B) मोहन लाल सुखाड़िया
(C) कंवर सेन
(D) भैरों सिंह शेखावत

26. इंदिरा गांधी नहर परियोजना के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) यह केवल राजस्थान के पूर्वी जिलों को सिंचाई प्रदान करती है।
(B) यह चंबल नदी से निकलती है।
(C) उसने पश्चिमी राजस्थान में पेयजल पाइपलाइनों की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है।
(D) इसे पहले राजस्थान नहर के नाम से जाना जाता था।

27. इंदिरा गांधी नहर परियोजना के मार्ग में स्थित निम्नलिखित जिलों को उत्तर से दक्षिण की ओर सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. जैसलमेर
2. बीकानेर
3. हनुमानगढ़
4. बाड़मेर

सही क्रम का चयन कीजिए:
(A) 3 - 2 - 1 - 4
(B) 1 - 2 - 3 - 4
(C) 4 - 3 - 2 - 1
(D) 2 - 3 - 1 - 4

28. चंबल घाटी परियोजना राजस्थान और किस अन्य राज्य के बीच एक संयुक्त सिंचाई और जलविद्युत परियोजना है?
(A) गुजरात
(B) मध्य प्रदेश
(C) पंजाब
(D) उत्तर प्रदेश

29. चंबल घाटी परियोजना के तहत कौन-सा बांध केवल सिंचाई और पेयजल उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है तथा जलविद्युत उत्पन्न नहीं करता है?
(A) गांधी सागर बांध
(B) कोटा बैराज
(C) राणा प्रताप सागर बांध
(D) जवाहर सागर बांध

30. निम्नलिखित में से कौन-सा बांध चंबल नदी घाटी परियोजना का हिस्सा नहीं है?
(A) माही बजाज सागर बांध
(B) राणा प्रताप सागर बांध
(C) जवाहर सागर बांध
(D) गांधी सागर बांध

31. बीसलपुर सिंचाई एवं पेयजल परियोजना किस नदी पर निर्मित है?
(A) लूनी
(B) चंबल
(C) बनास
(D) माही

32. निम्नलिखित में से किस जिले को बीसलपुर परियोजना से प्राथमिक पेयजल आपूर्ति प्राप्त नहीं होती है?
(A) जयपुर
(B) अजमेर
(C) टोंक
(D) जोधपुर

33. बीसलपुर बांध राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) भीलवाड़ा
(B) बूंदी
(C) टोंक
(D) सवाई माधोपुर

34. जाखम बांध, एक महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजना, राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) डूंगरपुर
(B) प्रतापगढ़

Click Here to Buy book on Flipkart

प्रतिशत की रियायती प्रीमियम दर का भुगतान करना होता है। खरीफ फसलों के लिए यह दर 2.0 प्रतिशत तथा व्यावसायिक फसलों के लिए 5.0 प्रतिशत निर्धारित है। शेष प्रीमियम का वहन सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में किया जाता है।

45. (D) राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (RSCB)
राजस्थान में अल्पकालिक सहकारी साख की त्रि-स्तरीय संरचना विद्यमान है। इस प्रणाली के शीर्ष स्तर पर 'राजस्थान राज्य सहकारी बैंक' स्थित है। जिला स्तर पर केंद्रीय सहकारी बैंक तथा ग्राम स्तर पर प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ कार्यरत हैं। शीर्ष संस्था होने के नाते यह बैंक वित्तीय संसाधन प्रदान करने और निगरानी करने का कार्य सुचारु रूप से सम्पादित करता है।

46. (C) उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जैसे कि कोटा जिले के नांता में नींबू वर्गीय (साइट्रस) फलों के लिए।
राजस्थान में बागवानी विकास को आधुनिक तकनीकों द्वारा निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से राज्य में विभिन्न उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें कोटा जिले के नांता में स्थित साइट्रस (नींबू वर्गीय) उत्कृष्टता केंद्र अत्यंत प्रमुख है। यह केंद्र किसानों को साइट्रस फलों की उच्च गुणवत्ता वाली पौध, ड्रिप सिंचाई और आधुनिक प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

47. (A) केवल I और II
किसान क्रेडिट कार्ड योजना किसानों को बीज, उर्वरक और कीटनाशक खरीदने जैसी कृषि आगत आवश्यकताओं के लिए रियायती ब्याज दरों पर आसान अल्पकालिक ऋण प्रदान करती है। प्राथमिक भूमि विकास बैंक ट्रैक्टर खरीदने, नलकूप खनन और परिसंपत्ति निर्माण जैसी गतिविधियों हेतु दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसके विपरीत, अनौपचारिक साहूकार किसी भी संस्थागत साख प्रणाली का हिस्सा नहीं होते हैं।

48. (C) 2019
राजस्थान सरकार ने दिसंबर 2019 में "राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति" लागू की थी। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य में उत्पादित कृषि उपज के स्थानीय प्रसंस्करण को बढ़ावा देना, कृषि-व्यवसाय बुनियादी ढांचे का विकास करना, नुकसान को कम करना तथा निर्यात को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। यह विभिन्न वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है।

49. (C) 12
एक मानक मृदा स्वास्थ्य कार्ड मिट्टी के नमूनों के प्रयोगशाला परीक्षण के आधार पर कुल 12 महत्वपूर्ण मापदंडों का सटीक मूल्यांकन करता है। इनमें 3 मुख्य पोषक तत्व, 1 द्वितीयक पोषक तत्व, 5 सूक्ष्म पोषक तत्व तथा 3 भौतिक मापदंड (pH मान, विद्युत चालकता, जैविक कार्बन) शामिल हैं। यह व्यापक रिपोर्ट किसानों को सही निर्णय लेने में मदद करती है।

50. (C) छोटे और सीमांत किसानों को रियायती दरों पर कृषि मशीनरी और उपकरण किराए पर देना।
कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित करने का प्राथमिक उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों तक आधुनिक कृषि यंत्रों की पहुंच को सुलभ बनाना है, जो वित्तीय सीमाओं के कारण महंगे ट्रैक्टर और उपकरण खरीदने में असमर्थ हैं। ये केंद्र किसानों को किफायती किराये की दरों पर आवश्यक उपकरण प्रदान करते हैं, जिससे मशीनीकरण को बढ़ावा मिलता है और लागत कम होती है।

51. (A) फसल उत्पादक क्षेत्रों के पास कृषि-प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने पर।
राजस्थान कृषि नीति फसल उत्पादक क्षेत्रों के समीप ही कृषि-प्रसंस्करण इकाइयाँ, कोल्ड चेन और मूल्य संवर्धन बुनियादी ढांचा स्थापित करने पर विशेष बल देती है। उत्पादन स्थल के पास कृषि उपज का प्रसंस्करण करने से कटाई के बाद होने वाले नुकसान में कमी आती है तथा मूल्य बढ़ता है। यह नीति किसानों को बेहतर अवसर प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

52. (D) ऐसी खेती जो भावी पीढ़ियों की अपनी कृषि संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान भोजन की आवश्यकताओं को पूरा करती है।
सतत कृषि या टिकाऊ खेती एक ऐसी प्रणाली है जो पर्यावरण के संतुलन को नुकसान पहुंचाए बिना वर्तमान पीढ़ी के लिए भोजन और रेशे का उत्पादन सुनिश्चित करती है। यह दृष्टिकोण मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण, जल संसाधनों के उपयोग, प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के रक्षण तथा जैविक आगतों के प्रयोग को प्राथमिकता देता है। इसका मूल लक्ष्य उत्पादकता बनाए रखना है।

53. (B) अंतरा-फसली (इंटरक्रॉपिंग)
अंतरा-फसली (इंटरक्रॉपिंग) फसल विविधीकरण की एक महत्वपूर्ण पद्धति है जिसमें एक ही खेत पर एक निश्चित पंक्तिबद्ध पैटर्न में दो या अधिक फसलें उगाई जाती हैं। यह तकनीक प्राकृतिक संसाधनों जैसे सूर्य के प्रकाश, जल और पोषक तत्वों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करती है। विभिन्न फसलों के कारण यह पद्धति कीटों के फैलाव को रोकती है और उर्वरता बढ़ाती है।

54. (A) 2, 4, 3, 1
बागवानी फसलों के लिए कृषि आपूर्ति श्रृंखला का एक तार्किक और व्यवस्थित क्रम होता है जो खेत से उपभोक्ता तक गुणवत्ता बनाए रखता है। सबसे पहले, खेतों से फसलों की कटाई/तुड़ाई की जाती है। इसके पश्चात, गुणवत्ता और आकार के आधार पर छंटाई (ग्रेडिंग) तथा पैकेजिंग की जाती है। फिर उत्पाद को परिवहन द्वारा बाजारों में भेजकर खुदरा बिक्री की जाती है।

55. (D) लंबे समय तक सूखा और भीषण लू जैसी चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि।
जलवायु परिवर्तन का राजस्थान के कृषि क्षेत्र पर अत्यंत गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके कारण चरम मौसमी घटनाओं, जैसे लंबे समय तक बने रहने वाले सूखे, अनिश्चित मानसून तथा

Downloaded from www.pdf.tube

भीषण लू की घटनाओं की आवृत्ति में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। ये अनिश्चित परिस्थितियाँ फसलों के विकास चक्र को बाधित करती हैं, नमी को कम करती हैं और नुकसान पहुँचाती हैं।

56. (A) आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (जोन IV B)
भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से 'आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र' राजस्थान का सबसे छोटा कृषि-जलवायु क्षेत्र है। इसके अंतर्गत मुख्य रूप से डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और उदयपुर जिलों के हिस्से शामिल हैं। यह क्षेत्र अपनी उच्च वार्षिक वर्षा, पहाड़ी भू-भाग, आर्द्र जलवायु तथा लाल दोमट मिट्टी के लिए जाना जाता है, जहाँ मक्का और धान की खेती व्यापक रूप से की जाती है।

57. (B) खरीफ
ज्वार एक अत्यंत महत्वपूर्ण शुष्क-भूमि अनाज फसल है जिसे राजस्थान में प्राथमिक रूप से खरीफ मौसम के दौरान उगाया जाता है। इस फसल की बुवाई जून-जुलाई में मानसूनी बारिश के साथ की जाती है और कटाई अक्टूबर में होती है। अजमेर, भीलवाड़ा और पाली जैसे मध्यवर्ती जिलों में ज्वार का उत्पादन होता है, जो खाद्यान्न और चारे का प्रमुख स्रोत है।

58. (B) श्रीगंगानगर
श्रीगंगानगर जिले को व्यापक रूप से "राजस्थान का अन्न कटोरा" कहा जाता है। यह जिला इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर और भाखड़ा नहर प्रणालियों द्वारा एक उत्कृष्ट सिंचित नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। उपजाऊ मिट्टी और पर्याप्त जल की उपलब्धता के कारण यहाँ गेहूँ का सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया जाता है। राज्य में इसका योगदान अत्यंत अग्रणी एवं महत्वपूर्ण माना जाता है।

59. (A) दलहन (दाल)
मोठ एक सूखा-सहनशील खरीफ दलहनी फसल है, जिसके उत्पादन में राजस्थान संपूर्ण भारत में प्रथम स्थान पर है। यह फसल मुख्य रूप से पश्चिमी राजस्थान के शुष्क जिलों जैसे बीकानेर, बाड़मेर और चूरू में उगाई जाती है। मोठ की जड़ों में नाइट्रोजन स्थिर करने की क्षमता होती है। इसके अतिरिक्त, इसका उपयोग बीकानेरी भुजिया बनाने में व्यापक रूप से होता है।

60. (A) केवल I और II
राजस्थान कृषि नीति ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म-सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देकर राज्य के सीमित जल संसाधनों के उपयोग को इष्टतम बनाने पर जोर देती है। यह किसानों की आय बढ़ाने के लिए उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर विविधीकरण को भी प्रोत्साहित करती है। हालाँकि, यह नीति छोटे किसानों को वित्तीय सब्सिडी और सहायता प्रदान करना जारी रखती है।

61. (C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
राजस्थान सरकार मृदा स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए जैविक खेती को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है। हालाँकि, कारण में दिया गया कथन पूरी तरह से गलत है क्योंकि जैविक खेती संश्लिष्ट रासायनिक उर्वरकों और आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों का पूर्ण बहिष्कार करती है। यह केवल प्राकृतिक आगतों पर निर्भर करती है।

62. (C) कपास और गन्ना
नकदी फसलें वे व्यावसायिक फसलें होती हैं जिन्हें मुख्य रूप से सीधे बाजार में बेचकर तुरंत नकद आय प्राप्त करने के उद्देश्य से उगाया जाता है, न कि किसान के अपने उपभोग के लिए। राजस्थान में कपास और गन्ना प्रमुख नकदी फसलों के रूप में वर्गीकृत हैं। कपास वस्त्र उद्योग को तथा गन्ना चीनी उद्योग को कच्चा माल प्रदान करता है।

63. (B) तबीजी, अजमेर
राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र (NRCSS) राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित तबीजी नामक स्थान पर स्थापित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। इस अनुसंधान केंद्र की स्थापना बीजीय मसालों, जैसे जीरा, धनिया, सौंफ, मेथी और अजवायन की उच्च उपज देने वाली किस्मों के विकास तथा आधुनिक उत्पादन तकनीकों पर गहन शोध कार्य करने के मुख्य उद्देश्य से की गई थी।

64. (C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
राजस्थान भारत का सबसे बड़ा ग्वार उत्पादक राज्य है, जो देश के कुल ग्वार उत्पादन में अस्सी प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। हालाँकि, कथन II पूरी तरह असत्य है क्योंकि ग्वार के बीजों से निकाला गया 'ग्वार गम' अत्यधिक उच्च औद्योगिक और निर्यात मूल्य रखता है। ग्वार गम का व्यापक उपयोग शेल गैस निष्कर्षण, खाद्य प्रसंस्करण और भेषज उद्योगों में बहुतायत से किया जाता है।

65. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
केंद्र और राज्य सरकार की पहलों का उनके मूल उद्देश्यों के साथ सही मिलान कृषि विकास को दर्शाता है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) प्राकृतिक जोखिमों से सुरक्षा हेतु फसल बीमा प्रदान करती है। e-NAM कृषि उपज का पारदर्शी ऑनलाइन व्यापार मंच उपलब्ध कराता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पोषक तत्व प्रबंधन सुनिश्चित करता है, जबकि SMAM कृषि यांत्रीकरण को बढ़ावा देता है।

66. (C) सामान्य कीटों के खिलाफ बढ़ी हुई प्रतिरोधक क्षमता के साथ उच्च समग्र फसल उत्पादकता।
राजस्थान में उन्नत एवं संकर बीजों के प्रयोग को अपनाने से राज्य के कृषि उत्पादन परिदृश्य में परिवर्तन आया है। इन वैज्ञानिक रूप से विकसित बीजों में सूखा सहनशीलता, कीटों और रोगों के प्रति बढ़ी हुई प्रतिरोधक क्षमता तथा त्वरित परिपक्वता जैसे गुण होते हैं। इसके परिणामस्वरूप, सीमित जल संसाधनों के बावजूद प्रति हेक्टेयर फसल उत्पादकता में वृद्धि दर्ज की गई है।

NODIA

67. (A) यह फसल के प्रकार से परे सभी किसानों को 100% नि:शुल्क प्रीमियम सुनिश्चित करती है।
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को पूरी तरह से नि:शुल्क प्रीमियम प्रदान नहीं करती है। इस योजना के अंतर्गत किसानों के लिए एक न्यूनतम रियायती प्रीमियम दर अनिवार्य रूप से तय की गई है, जो खरीफ फसलों के लिए 2.0%, रबी फसलों के लिए 1.5% तथा व्यावसायिक फसलों के लिए 5.0% है। शेष राशि का वहन सरकार द्वारा किया जाता है।

68. (A) केवल I और III
किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को अनौपचारिक साहूकारों द्वारा ली जाने वाली अत्यधिक ब्याज दरों से बचाना और उन्हें रियायती अल्पकालिक ऋण उपलब्ध कराना है। यह ऋण बीज, उर्वरक और कीटनाशक खरीदने के लिए दिया जाता है। केसीसी योजना का उपयोग व्यक्तिगत विलासिता वाले वाहन खरीदने जैसी गतिविधियों के लिए कदापि नहीं किया जा सकता है।

69. (B) स्वस्थ धरा, खेत हरा
भारत सरकार द्वारा 2015 में शुरू की गई 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' योजना का आधिकारिक नारा "स्वस्थ धरा, खेत हरा" है। यह लोकप्रिय नारा इस वैज्ञानिक सिद्धांत को व्यक्त करता है कि जब मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर होगा और उसमें पोषक तत्वों का संतुलन बना रहेगा, तभी खेत पूरी तरह हरे-भरे होंगे तथा उत्पादकता में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा सकेगी।

70. (C) ड्रिप (बूंद-बूंद) और स्प्रिंकलर (फव्वारा) सूक्ष्म-सिंचाई तकनीकें।
राजस्थान में जल संसाधनों की अत्यधिक सीमित उपलब्धता और शुष्क जलवायु को देखते हुए ड्रिप तथा स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म-सिंचाई तकनीकों की सिफारिश की जाती है। पारंपरिक सिंचाई की तुलना में ड्रिप सिंचाई सीधे पौधों की जड़ों तक जल पहुँचाती है, जिससे वाष्पीकरण और जल के व्यर्थ बहाव में कमी आती है। यह तकनीक जल उपयोग दक्षता को अत्यधिक बढ़ा देती है।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

अध्याय 27
कृषि-आधारित उद्योग एवं सिंचाई परियोजनाएँ

1. कृषि-आधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल का प्राथमिक स्रोत क्या है?
(A) वनीय काष्ठ (इमारती लकड़ी)
(B) खनिज अयस्क
(C) कृषि उत्पाद
(D) समुद्री उत्पाद

2. निम्नलिखित में से किसे कृषि-आधारित उद्योग नहीं माना जाता है?
(A) चीनी उद्योग
(B) सीमेंट उद्योग
(C) सूती वस्त्र उद्योग
(D) तेल मिल उद्योग

3. कृषि-आधारित उद्योगों के संबंध में नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: कृषि-आधारित उद्योग कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन में मदद करते हैं।
कथन II: कृषि-आधारित उद्योग स्थानीय किसानों की आय कम करते हैं।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
(C) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है
(D) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं

4. राजस्थान का भरतपुर शहर किस तिलहन फसल के प्रसंस्करण के लिए प्रसिद्ध है?
(A) सरसों
(B) सोयाबीन
(C) अरंडी
(D) मूंगफली

5. राजस्थान में प्रसंस्कृत की जाने वाली प्रमुख तिलहन फसलों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा बेमेल है?
(A) सरसों
(B) मूंगफली
(C) गेहूं
(D) सोयाबीन

6. राजस्थान में तिलहन उद्योग के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) राजस्थान भारत में सरसों प्रसंस्करण में अग्रणी स्थान रखता है।
(B) राजस्थान भारत के सभी राज्यों में सरसों का सबसे कम उत्पादक है।
(C) तिलहन प्रसंस्करण उद्योग अत्यधिक रूप से आयातित गन्ने पर निर्भर है।
(D) राजस्थान में तेल मिलें कोई महत्वपूर्ण ग्रामीण रोजगार उत्पन्न करने में विफल रहती हैं।

NODIA

7. राजस्थान में सूती वस्त्र उद्योग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राजस्थान में पहली सूती वस्त्र मिल ब्यावर में स्थापित की गई थी।
II. भीलवाड़ा को राजस्थान की 'वस्त्र नगरी' के रूप में जाना जाता है।
III. सूती वस्त्र भारी खनिज-आधारित उद्योग का एक उदाहरण है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) I और II दोनों
(C) II और III दोनों
(D) I, II और III

8. राजस्थान की पहली सूती वस्त्र मिल, दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड, किस वर्ष स्थापित की गई थी?
(A) 1857
(B) 1889
(C) 1947
(D) 1956

9. अपने प्रमुख वस्त्र उद्योग के कारण किस जिले को 'राजस्थान का मैनचेस्टर' कहा जाता है?
(A) जयपुर
(B) कोटा
(C) भीलवाड़ा
(D) उदयपुर

10. वर्ष 1932 में राजस्थान में पहली चीनी मिल कहाँ स्थापित की गई थी?
(A) केशोरायपाटन
(B) श्रीगंगानगर
(C) बूंदी
(D) भोपालसागर

11. राजस्थान में श्रीगंगानगर शुगर मिल्स विशिष्ट है क्योंकि यह गन्ने के अलावा किस अन्य फसल से भी चीनी का उत्पादन करती है?
(A) चुकंदर
(B) शकरकंद
(C) मक्का
(D) जौ

12. राजस्थान की कौन-सी चीनी मिल सहकारी क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित की गई थी?
(A) दी मेवाड़ शुगर मिल्स
(B) केशोरायपाटन शुगर मिल
(C) श्रीगंगानगर शुगर मिल्स
(D) उदयपुर शुगर मिल्स

13. सरस डेयरी राजस्थान में किस शीर्ष सहकारी संगठन के अंतर्गत कार्य करती है?
(A) राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO)
(B) राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन (RCDF)
(C) राजस्थान वित्त निगम (RFC)
(D) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)

14. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): डेयरी प्रसंस्करण उद्योग राजस्थान में ग्रामीण परिवारों को महत्वपूर्ण पूरक आय प्रदान करता है।
कारण (R): राजस्थान की कृषि मुख्य रूप से वर्षा-आधारित है और बार-बार पड़ने वाले सूखे के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, जिससे वैकल्पिक आय अनिवार्य हो जाती है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

15. राजस्थान में डेयरी प्रसंस्करण क्षेत्र अपनी सहकारी समितियों के लिए किस संरचनात्मक मॉडल का पालन करता है?
(A) एक-स्तरीय मॉडल
(B) द्वि-स्तरीय मॉडल
(C) त्रि-स्तरीय मॉडल
(D) चार-स्तरीय मॉडल

16. राजस्थान का पहला मसाला पार्क (स्पाइस पार्क) निम्नलिखित में से किस जिले में स्थापित किया गया था?
(A) जयपुर
(B) अजमेर
(C) बीकानेर
(D) जोधपुर

17. निम्नलिखित में से कौन-सा मसाला प्रसंस्करण केंद्र उसके प्रमुख जिले के साथ गलत सुमेलित है?
(A) धनिया - कोटा
(B) जीरा - जोधपुर
(C) हल्दी - चूरू
(D) मेथी - नागौर

18. कोटा जिले में स्थित रामगंज मंडी विश्व स्तर पर किस मसाले की सबसे बड़ी मंडी के रूप में प्रसिद्ध है?
(A) जीरा
(B) धनिया
(C) लाल मिर्च
(D) सौंफ

19. बाड़मेर जिले का चौहटन क्षेत्र किस वन-आधारित उत्पाद के उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए प्रसिद्ध है?
(A) बांस
(B) तेंदू पत्ता
(C) शहद
(D) गोंद

20. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में वन-आधारित लघु उद्योग का उदाहरण नहीं है?
(A) पेट्रो-रसायन शोधन
(B) बीड़ी निर्माण
(C) काष्ठ फर्नीचर निर्माण
(D) कत्था निष्कर्षण

21. राजस्थान में वन संसाधनों और बीड़ी उद्योग के संबंध में नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: तेंदू पत्ते मुख्य रूप से वनों से एकत्र किए जाते हैं और बीड़ी निर्माण उद्योग में उपयोग किए जाते हैं।
कथन II: राजस्थान में बीड़ी उद्योग बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनजातीय श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन I सही है, कथन II गलत है
(B) कथन I गलत है, कथन II सही है
(C) दोनों कथन सही हैं
(D) दोनों कथन गलत हैं

22. राजस्थान में कृषि-आधारित उद्योगों और उनके संबंधित स्थानों के संबंध में सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I
P. दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड
Q. केशोरायपाटन शुगर मिल
R. सरस डेयरी मुख्यालय
S. इंजन ब्रांड सरसों तेल मिल
सूची II

Downloaded from www.pdf.tube

लागत से पूरी तरह मुक्त है।

47. सिंचाई पद्धतियों को उनकी जल उपयोग दक्षता के घटते क्रम में व्यवस्थित सही अनुक्रम का चयन कीजिए:
(A) ड्रिप सिंचाई > फव्वारा सिंचाई > प्रवाही (प्लावन) सिंचाई
(B) प्रवाही (प्लावन) सिंचाई > फव्वारा सिंचाई > ड्रिप सिंचाई
(C) फव्वारा सिंचाई > ड्रिप सिंचाई > प्रवाही (प्लावन) सिंचाई
(D) ड्रिप सिंचाई > प्रवाही (प्लावन) सिंचाई > फव्वारा सिंचाई

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): राजस्थान सरकार सूक्ष्म-सिंचाई प्रणाली स्थापित करने के लिए किसानों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता (अनुदान) प्रदान करती है।
कारण (R): ड्रिप और फव्वारा जैसी सूक्ष्म-सिंचाई तकनीकें जल संरक्षण को अधिकतम करती हैं और पानी की बर्बादी को रोकती हैं।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

49. "प्रति बूंद अधिक फसल" का नारा सूक्ष्म-सिंचाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाई जा रही किस प्रमुख सरकारी योजना का मुख्य विषय है?
(A) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA)
(B) किसान क्रेडिट कार्ड योजना
(C) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)
(D) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

50. भारत सरकार द्वारा स्थापित सूक्ष्म सिंचाई कोष (MIF) का प्रबंधन किस शीर्ष वित्तीय संस्थान द्वारा किया जाता है?
(A) भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)
(B) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)
(C) भारतीय स्टेट बैंक (SBI)
(D) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)

51. सिंचाई कवरेज के संदर्भ में राजस्थान में कृषि की स्थिति क्या है?
(A) राज्य ने सभी जिलों में 100% पूर्णतः सिंचित कृषि भूमि प्राप्त कर ली है।
(B) अत्यधिक वार्षिक वर्षा के कारण सिंचित क्षेत्र का कुल अनुपात लगातार घट रहा है।
(C) राज्य सरकार द्वारा सभी कृषि सिंचाई गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।
(D) राज्य का अधिकांश सकल बोया गया क्षेत्र वर्षा-आधारित ही बना हुआ है।

52. कौन-सा कथन राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के बीच सिंचाई अनुपात की सही तुलना करता है?
(A) पूर्वी राजस्थान में पश्चिमी राजस्थान की तुलना में अधिक सिंचाई अनुपात है।
(B) शुष्क पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान की तुलना में सिंचित भूमि का बहुत अधिक अनुपात बनाए रखता है।
(C) सिंचित भूमि का कुल अनुपात राजस्थान के सभी प्रशासनिक जिलों में एक समान रहता है।
(D) दक्षिणी जनजातीय जिलों में पूरे राज्य में सबसे बड़ा और उच्चतम नहर सिंचाई नेटवर्क है।

53. राजस्थान में भूजल के संदर्भ में 'डार्क जोन' या 'अति-शोषित खंड' शब्द का तात्पर्य उन क्षेत्रों से है जहाँ:
(A) इन क्षेत्रों के कृषि खेतों को वर्ष भर बिल्कुल भी सूर्य का प्रकाश प्राप्त नहीं होता है।
(B) इन कृषि क्षेत्रों में ऊपरी मिट्टी की परतें भौतिक रूप से पूरी तरह काली हैं।
(C) भूजल का निष्कर्षण इसकी प्राकृतिक पुनर्भरण दर से अधिक है।
(D) सतही नहरें लगातार आसपास के सभी कृषि खेतों को जलमग्न कर देती हैं।

54. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में तेजी से गिरते भूजल स्तर का प्राथमिक कारण नहीं है?
(A) अत्यधिक और बार-बार होने वाला मानसून जिससे अकस्मात बाढ़ आती है
(B) नलकूपों के माध्यम से जल का अत्यधिक निष्कर्षण
(C) अपर्याप्त और अनिश्चित वर्षा
(D) पारंपरिक शुष्क भूमि फसलों से जल-गहन नकदी फसलों की ओर बदलाव

55. जल उपयोग दक्षता की तकनीकों और उनके प्राथमिक कार्यों के संबंध में सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I
P. ड्रिप सिंचाई
Q. नहरों का पक्का करना (कैनाल लाइनिंग)
R. मल्चिंग (मृदा आच्छादन)
S. वर्षा जल संचयन
सूची II
1. जल परिवहन के दौरान रिसाव से होने वाले नुकसान को रोकता है
2. नमी बनाए रखने के लिए मिट्टी की सतह को ढकता है
3. पानी को सीधे पौधों की जड़ों तक पहुँचाता है
4. घटते भूजल स्तर को पुनर्भरण करता है
(A) P-3, Q-1, R-2, S-4

NODIA

(C) उदयपुर
(D) सिरोही

35. जाखम सिंचाई परियोजना के संबंध में नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन I: जाखम सिंचाई परियोजना से मुख्य रूप से दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रों को लाभ मिलता है।
कथन II: जाखम बांध लूनी नदी पर बना है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
(C) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है
(D) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं

36. नर्मदा नहर परियोजना के विस्तार से राजस्थान के कौन-से दो जिले सीधे लाभान्वित होते हैं?
(A) जालौर और बाड़मेर
(B) उदयपुर और राजसमंद
(C) जैसलमेर और बीकानेर
(D) कोटा और बूंदी

37. राजस्थान की किस प्रमुख सिंचाई परियोजना ने किसानों के लिए केवल सूक्ष्म-सिंचाई (फव्वारा और ड्रिप) पद्धतियों का उपयोग अनिवार्य कर दिया है?
(A) इंदिरा गांधी नहर परियोजना
(B) बीसलपुर परियोजना
(C) नर्मदा नहर परियोजना
(D) चंबल घाटी परियोजना

38. राजस्थान में नर्मदा नहर परियोजना से नहरी पानी प्राप्त करने के संदर्भ में दिए गए जिलों में से कौन-सा बेमेल है?
(A) जयपुर
(B) जालौर
(C) बाड़मेर
(D) सांचौर

39. माही बजाज सागर परियोजना राजस्थान और किस पड़ोसी राज्य के बीच एक बहुउद्देशीय संयुक्त उद्यम है?
(A) मध्य प्रदेश
(B) महाराष्ट्र
(C) हरियाणा
(D) गुजरात

40. माही बजाज सागर परियोजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह बांध राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में स्थित है।
II. यह राजस्थान और पंजाब का एक संयुक्त उद्यम है।
III. इस परियोजना से उत्पन्न जलविद्युत का 100% भाग राजस्थान को आपूर्ति किया जाता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I
(B) I और II दोनों
(C) I और III दोनों
(D) I, II और III

41. माही बजाज सागर परियोजना मुख्य रूप से राजस्थान के किस विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र को सिंचाई लाभ प्रदान करती है?
(A) शेखावाटी क्षेत्र (उत्तरी राजस्थान)
(B) मारवाड़ क्षेत्र (पश्चिमी राजस्थान)
(C) वागड़ क्षेत्र
(D) हाड़ौती क्षेत्र (दक्षिण-पूर्वी राजस्थान)

42. राजस्थान राज्य में सिंचाई का सबसे बड़ा एकल स्रोत क्या है?
(A) मानव-निर्मित सतही नहरें
(B) प्राकृतिक तालाब और पोखरे
(C) बारहमासी सतही नदियाँ
(D) कुएँ और नलकूप

43. राजस्थान में सिंचाई के साधनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जैसे उत्तरी जिलों में नहर सिंचाई अत्यधिक प्रमुख है।
(B) तालाबों द्वारा सिंचाई पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थलीय जिलों में सबसे प्रमुख है।
(C) पूर्वी राजस्थान में नलकूप पूरी तरह से बेकार हैं।
(D) राज्य में पूरे वर्ष पर्याप्त वर्षा होती है, जिससे सिंचाई की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

44. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में सिंचाई के लिए पानी उठाने का पारंपरिक तरीका नहीं है?
(A) पारंपरिक लकड़ी का रहट
(B) विद्युत पंप
(C) पशुओं द्वारा संचालित चरस
(D) हस्तचालित उत्तोलक ढेकली

45. सिंचाई की किस पद्धति में पानी सीधे पौधे के जड़ क्षेत्र में बूंद-बूंद करके पहुँचाया जाता है?
(A) प्रवाही (प्लावन) सिंचाई
(B) ड्रिप (टपकन) सिंचाई
(C) फव्वारा सिंचाई
(D) कूंड़ (फर्रो) सिंचाई

46. पश्चिमी राजस्थान की रेतीली मिट्टी में फव्वारा सिंचाई अपनाने का मुख्य लाभ क्या माना जाता है?
(A) यह गहरे रिसाव के नुकसान को कम करता है और पानी को समान रूप से वितरित करता है।
(B) यह जानबूझकर रेतीले कृषि खेतों में गंभीर जलभराव को बढ़ावा देता है।
(C) इसके लिए संपूर्ण फसल चक्र के दौरान अत्यधिक मात्रा में खड़े सतही जल की आवश्यकता होती है।
(D) यह खेत के उपकरणों की किसी भी प्रारंभिक स्थापना

Click Here to Buy book on Flipkart

33. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
न्यूनतम समर्थन मूल्य भारत सरकार द्वारा कृषि उत्पादकों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए घोषित एक सुनिश्चित मूल्य गारंटी है। जब बंपर पैदावार के कारण बाजार मूल्य गिरते हैं, तो सरकार घोषित एमएसपी पर फसल खरीदने के लिए बाध्य होती है। यह सुरक्षा तंत्र किसानों को संकटग्रस्त बिक्री से बचाता है और सुरक्षा प्रदान करता है।

34. (C) लूणकरणसर
बीकानेर जिले का लूणकरणसर कस्बा और उसका आसपास का ग्रामीण क्षेत्र उच्च गुणवत्ता वाली मूंगफली के व्यापक उत्पादन के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। गुजरात का राजकोट शहर भारत में मूंगफली उत्पादन और प्रसंस्करण का मुख्य केंद्र माना जाता है। राजस्थान में लूणकरणसर की उच्च उत्पादन क्षमता राजकोट के समान होने के कारण इसे 'राजस्थान का राजकोट' कहा जाता है।

35. (A) कपास
'नरमा' राजस्थान के उत्तरी जिलों, मुख्य रूप से श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में उगाई जाने वाली अमेरिकन कपास की एक प्रसिद्ध और उच्च उपज देने वाली किस्म है। कपास राज्य की एक अत्यंत महत्वपूर्ण वाणिज्यिक या नकदी फसल है, जो वस्त्र उद्योगों को कच्चा रेशा प्रदान करती है। नरमा किस्म के लंबे रेशे के कारण बाजार में मूल्य अत्यधिक होता है।

36. (D) जीरा और ईसबगोल
राजस्थान के जालोर और बाड़मेर जिले अपनी विशिष्ट शुष्क जलवायु परिस्थितियों, हल्की बलुई मिट्टी तथा पर्याप्त धूप के कारण जीरा और ईसबगोल की व्यावसायिक खेती के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ये दोनों फसलें प्रमुख औषधीय तथा मसाले वाली फसलें हैं, जिनकी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में अत्यधिक मांग रहती है। जालोर व्यापार का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

37. (B) कॉफ़ी
राजस्थान भारत में ग्वार, सरसों और बाजरा के उत्पादन में अग्रणी या शीर्ष स्थान रखता है। इसके विपरीत, कॉफ़ी एक उष्णकटिबंधीय बागवानी फसल है जिसके लिए अत्यधिक वर्षा, उच्च आर्द्रता तथा ढलान वाली पहाड़ी भूमि की आवश्यकता होती है। भारत में कॉफ़ी का उत्पादन मुख्य रूप से दक्षिणी राज्यों तक ही सीमित है। शुष्क जलवायु में यह संभव नहीं है।

38. (C) पूरे राज्य में पारंपरिक फसलों से उच्च मूल्य वाली नकदी फसलों और तिलहन की ओर बदलाव।
राजस्थान के कृषि परिदृश्य में हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक बदलाव देखा गया है। किसान अब पारंपरिक कम लाभ वाली खाद्यान्न फसलों के स्थान पर उच्च मूल्य वाली नकदी फसलों, जैसे सरसों, मूंगफली, जीरा, ईसबगोल तथा बागवानी फसलों की खेती को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह बदलाव उन्नत सिंचाई तकनीकों, बेहतर बाजार पहुंच और मूल्य संवर्धन से संभव हुआ है।

39. (D) कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर और अलवर में
राजस्थान सरकार ने रीको के माध्यम से राज्य के चार रणनीतिक जिलों—कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर और अलवर—में एग्रो-फूड पार्क स्थापित किए हैं। इन पार्कों की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य कृषि उपज के स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कुशल भंडारण और निर्यात को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देना है। ये पार्क अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान करके उद्योगों को बढ़ावा देते हैं।

40. (A) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थान के कृषि-जलवायु क्षेत्रों का उनके जिलों से सटीक मिलान क्षेत्रीय परिस्थितियों को दर्शाता है। शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (जोन I A) के अंतर्गत जोधपुर और बाड़मेर जिले आते हैं। सिंचित उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (जोन I B) में श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ शामिल हैं। उप-आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (जोन IV A) भीलवाड़ा, राजसमंद और चित्तौड़गढ़ का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि आर्द्र दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र कोटा, बूंदी और झालावाड़ को कवर करता है।

41. (B) डूंगरपुर
दक्षिणी राजस्थान में स्थित डूंगरपुर जिले को राज्य का पहला पूर्ण जैविक खेती जिला घोषित किया गया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि जिले में रासायनिक उर्वरकों तथा सिंथेटिक कीटनाशकों के प्रयोग को पूरी तरह हतोत्साहित करने और केवल वर्मीकंपोस्ट एवं पारंपरिक प्राकृतिक खेती पद्धतियों को बड़े पैमाने पर अपनाने से हासिल हुई है। इस पहल ने नया मार्ग प्रशस्त किया है।

42. (D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।
न्यूनतम समर्थन मूल्य की मुख्य अवधारणा किसानों को फसल बोने से पहले मूल्य आश्वासन प्रदान करना है। इसलिए, भारत सरकार द्वारा प्रत्येक फसल मौसम की बुवाई शुरू होने से ठीक पहले एमएसपी की घोषणा की जाती है ताकि किसान सूचित निर्णय ले सकें। फसल कटाई के बाद एमएसपी की घोषणा करने का विचार तथ्यात्मक रूप से गलत सिद्ध होता है।

43. (A) एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी (कृषि उपज मंडी समिति)
कृषि विपणन के संदर्भ में APMC का पूर्ण रूप 'एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी' (कृषि उपज मंडी समिति) है। यह राज्य सरकारों द्वारा गठित एक वैधानिक संस्था है जो अधिसूचित कृषि उपज के प्राथमिक विपणन और क्रय-विक्रय को विनियमित करती है। इन समितियों का मुख्य उद्देश्य मंडियों में निष्पक्ष व्यापार पद्धतियों को लागू करना तथा उचित मूल्य दिलाना सुनिश्चित करना है।

44. (A) 1.5%
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को सभी रबी फसलों के बीमा आवरण हेतु बीमित राशि का केवल 1.5

NODIA

(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-3, Q-4, R-1, S-2

56. जल वाष्पीकरण को रोकने के लिए पौधों के आसपास की खुली मिट्टी की सतह को प्लास्टिक फिल्म या कार्बनिक पदार्थों से ढकने की क्रिया के लिए किस कृषि शब्द का उपयोग किया जाता है?
(A) हैरोइंग
(B) मल्चिंग
(C) टिलिंग
(D) थ्रेशिंग

57. नहर सिंचाई नेटवर्क में जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रभावी संरचनात्मक उपाय है?
(A) प्राकृतिक रिसाव की अनुमति देने के लिए नहर को कच्चा छोड़ना
(B) नहर के किनारे जल-गहन खरपतवार उगाना
(C) नहर के तल और दीवारों को पक्का (कंक्रीट लाइनिंग) करना
(D) नहर के द्वारों को हर समय पूरी तरह से खुला रखना

58. भारी यांत्रिक उद्योगों की तुलना में, कृषि-आधारित लघु उद्योगों की विशेषता आमतौर पर किस प्रकार के रोजगार सृजन से होती है?
(A) न्यूनतम स्थानीय श्रम जुड़ाव के साथ अत्यधिक उच्च पूंजी निवेश की आवश्यकता।
(B) पूर्णतः स्वचालित उत्पादन प्रणालियाँ जिनमें वस्तुतः शून्य मानव श्रम की आवश्यकता होती है।
(C) औद्योगिक संचालन जो विशेष रूप से विदेशी तकनीकी विशेषज्ञों को नियुक्त करते हैं।
(D) अत्यधिक श्रम-गहन, जो स्थानीय रोजगार उत्पन्न करते हैं।

59. ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि-प्रसंस्करण इकाइयों को प्रोत्साहित करने का सबसे उपयुक्त कारण कौन-सा है?
(A) वे स्थानीय रोजगार का सृजन करते हैं और ग्रामीण से शहरी पलायन को रोकते हैं।
(B) वे मुख्य रूप से अधिशेष विद्युत शक्ति की खपत करने का कार्य करते हैं जिसका उपयोग शहरी क्षेत्र नहीं कर सकते।
(C) उन्हें अत्यधिक प्रदूषणकारी भारी निर्माण संयंत्रों के रूप में वर्गीकृत किया गया है जिन्हें शहरों से दूर रखना सर्वोत्तम है।
(D) वे किसी भी परिवहन सड़क या सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता के बिना पूरी तरह से अलग-थलग संचालित होते हैं।

60. इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में उचित जल निकासी व्यवस्था के बिना गहन नहर सिंचाई के परिणामस्वरूप कौन-सी बड़ी पर्यावरणीय समस्या उत्पन्न हुई है?
(A) विनाशकारी भूमिगत भू-गर्भीय बदलाव और गंभीर भूकंप
(B) मृदा जलभराव ('सेम' की समस्या)
(C) व्यापक अवैध कटाई और बड़े पैमाने पर वनों का विनाश
(D) वैश्विक वायुमंडलीय परिवर्तन और ओजोन परत का क्षरण

61. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): हनुमानगढ़ और बीकानेर जैसे जिलों में कभी उपजाऊ रही कृषि भूमि के बड़े भूभाग पूरी तरह बंजर हो गए हैं।
कारण (R): कच्ची नहरों से लगातार रिसाव ने जल स्तर को सतह तक उठा दिया है, जिससे गंभीर जलभराव और मृदा लवणता उत्पन्न हो गई है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

62. राजस्थान में कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम (CADP) मुख्य रूप से किस उद्देश्य के साथ शुरू किया गया था?
(A) कमान क्षेत्रों में जल उपयोग दक्षता और कृषि उपज को अनुकूलित करना।
(B) संपूर्ण कृषि कमान क्षेत्रों में भारी औद्योगिक विनिर्माण गलियारों का निर्माण करना।
(C) राज्य भर में नहर निर्माण को स्थायी रूप से रोकने के लिए तत्काल विधायी आदेश जारी करना।
(D) स्वदेशी वन्यजीव आबादी को पकड़ना और उन्हें नए सिंचित नहर क्षेत्रों में स्थानांतरित करना।

63. किस अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने राजस्थान में जल क्षेत्र पुनर्गठन और सिंचित क्षेत्र विकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की है?
(A) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
(B) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)
(C) विश्व बैंक
(D) संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)

64. निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत खेत पर विकास कार्यों का एक मुख्य घटक है?
(A) बहु-लेन अंतर-राज्यीय राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण
(B) बड़े पैमाने पर कोयला आधारित तापीय विद्युत संयंत्रों का निर्माण
(C) किसानों को मुफ्त स्मार्टफोन और डिजिटल मोबाइल उपकरण प्रदान करना
(D) मैदानी नालियों (फील्ड चैनल) का निर्माण और भूमि

NODIA

इस परियोजना के माध्यम से जालौर और बाड़मेर के अत्यधिक शुष्क कृषि क्षेत्रों में जल की अपूर्त्ति संभव हो सकी है, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ा है।

37. (C) नर्मदा नहर परियोजना
नर्मदा नहर परियोजना राजस्थान की ऐसी पहली सिंचाई परियोजना है जहाँ कमान क्षेत्र में किसानों के लिए केवल सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का उपयोग अनिवार्य बनाया गया है। इसमें फव्वारा और टपकन सिंचाई तकनीक को अनिवार्य किया गया है। इसका उद्देश्य सीमित नहरी जल का अधिकतम संरक्षण करना और बर्बादी को पूरी तरह से रोकना है, जिससे जल क्षमता में वृद्धि हुई है।

38. (A) जयपुर
नर्मदा नहर का जल प्रवाह केवल जालौर, सांचौर तथा बाड़मेर जिलों तक ही सीमित है। जयपुर जिला मध्य पूर्वी राजस्थान में स्थित है और यह नर्मदा नहर प्रणाली का हिस्सा नहीं है। जयपुर को जलापूर्ति मुख्य रूप से बीसलपुर परियोजना से होती है। अतः जयपुर इस सूची में पूरी तरह बेमेल स्थान है जिसका नहर से संबंध नहीं है।

39. (D) गुजरात
माही बजाज सागर परियोजना राजस्थान तथा गुजरात राज्यों की एक बहुउद्देशीय संयुक्त नदी घाटी परियोजना है। इस अंतरराज्यीय समझौते के तहत दोनों राज्यों के बीच जल और लागत का बंटवारा किया गया था। इसके तहत बांसवाड़ा में मुख्य बांध का निर्माण हुआ है, जिससे सिंचाई और जलविद्युत का लाभ दोनों पड़ोसी राज्यों को प्राप्त होता है जो अत्यंत महत्वपूर्ण है।

40. (C) I और III दोनों
माही बजाज सागर बांध बांसवाड़ा जिले में स्थित है। यह परियोजना राजस्थान और गुजरात का संयुक्त प्रयास है, इसलिए पंजाब वाला कथन असत्य है। इस परियोजना से उत्पादित होने वाली संपूर्ण 100% जलविद्युत ऊर्जा केवल राजस्थान को ही प्रदान की जाती है। इस आधार पर प्रथम तथा तृतीय दोनों विवरण सत्य सिद्ध होते हैं जो सही उत्तर दर्शाते हैं।

41. (C) वागड़ क्षेत्र
माही बजाज सागर परियोजना मुख्य रूप से दक्षिणी राजस्थान के वागड़ क्षेत्र यानी बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों को लाभान्वित करती है। इस क्षेत्र में फैली नहर प्रणाली द्वारा स्थानीय जनजातीय कृषकों को सिंचाई का पानी प्राप्त होता है। वागड़ अंचल का कृषि विकास इस परियोजना के क्रियान्वयन पर ही पूर्ण रूप से आश्रित रहा है और लाभ पाता है।

42. (D) कुएँ और नलकूप
राजस्थान में कुल सिंचित कृषि क्षेत्र का सबसे बड़ा भाग कुएँ और नलकूपों द्वारा सिंचित किया जाता है। राज्य के कुल सिंचित रकबे में इनकी हिस्सेदारी लगभग दो तिहाई से भी अधिक है। जयपुर, अलवर और भरतपुर जैसे पूर्वी जिलों में सिंचाई के लिए नलकूप ही सर्वाधिक उपयोग में लिए जाने वाले साधन हैं जो प्राथमिक सिंचाई स्रोत हैं।

43. (A) श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जैसे उत्तरी जिलों में नहर सिंचाई अत्यधिक प्रमुख है।
राजस्थान के उत्तरी जिलों श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में नहरों द्वारा सिंचाई सर्वाधिक प्रचलित है। इंदिरा गांधी नहर, गंग नहर तथा भाखड़ा प्रणाली के माध्यम से इन जिलों के बड़े कृषि भूभाग को पानी मिलता है। इसके विपरीत तालाबों से सिंचाई दक्षिणी पूर्वी जिलों में अधिक होती है। अतः पहला कथन भौगोलिक रूप से सत्य है जो सही स्थिति दर्शाता है।

44. (B) विद्युत पंप
विद्युत पंप सिंचाई के लिए भूजल खींचने का एक आधुनिक एवं यांत्रिक साधन है, न कि कोई पारंपरिक तरीका। पुराने समय में राजस्थान के किसान सिंचाई हेतु लकड़ी के रहट, बैल चालित चरस तथा हाथ से चलने वाली ढेकली का उपयोग करते थे। विद्युत पंप इन श्रम आधारित प्राचीन तरीकों से भिन्न आधुनिक तकनीक है जो वर्तमान में प्रयुक्त होती है।

45. (B) ड्रिप (टपकन) सिंचाई
ड्रिप या टपकन सिंचाई पद्धति में जल को नली और प्रणालियों के माध्यम से सीधे पौधे के जड़ क्षेत्र में बूंद बूंद करके पहुँचाया जाता है। इस तकनीक से पानी का वाष्पीकरण और अनावश्यक रिसाव रुकता है, जिससे जल की भारी बचत होती है। यह विधि कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है और जल बचाती है।

46. (A) यह गहरे रिसाव के नुकसान को कम करता है और पानी को समान रूप से वितरित करता है।
पश्चिमी राजस्थान की रेतीली मिट्टी में जल का रिसाव अत्यधिक तीव्र गति से गहराई में होता है। फव्वारा सिंचाई अपनाने से पानी वर्षा की बूंदों की तरह छिड़काव के रूप में समान रूप से पूरे खेत में फैलता है। इससे निचले स्तरों में होने वाले जल के नुकसान को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है जो लाभकारी है।

47. (A) ड्रिप सिंचाई > फव्वारा सिंचाई > प्रवाही (प्लावन) सिंचाई
जल उपयोग दक्षता के घटते क्रम में ड्रिप सिंचाई सबसे आगे है क्योंकि यह पानी का सीधा उपयोग जड़ों तक सुनिश्चित करती है। इसके पश्चात फव्वारा प्रणाली आती है जो छिड़काव द्वारा जल बचत करती है। सबसे कम दक्षता प्रवाही या प्लावन सिंचाई की होती है जहाँ पानी का बड़ा हिस्सा बहकर या भाप बनकर व्यर्थ हो जाता है और नष्ट होता है।

48. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान जैसे जल संकट वाले राज्य में सूक्ष्म सिंचाई को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार वित्तीय अनुदान प्रदान करती है। इसका मुख्य कारण यह है कि ड्रिप और फव्वारा जैसी प्रणालियाँ पानी के व्यर्थ बहाव को रोककर जल संरक्षण को अधिकतम बनाती हैं। अतः दिए गए अभिकथन और कारण

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (C) कृषि उत्पाद
कृषि आधारित उद्योगों में वे सभी औद्योगिक इकाइयाँ शामिल होती हैं जो अपने विनिर्माण कार्यों के लिए आवश्यक कच्चे माल के रूप में सीधे कृषि फसलों, बागवानी उपज तथा अन्य कृषि उत्पादों का उपयोग करती हैं। इन उद्योगों द्वारा प्राथमिक कृषि संसाधनों का प्रसंस्करण करके उन्हें अधिक उपयोगी और मूल्यवान अंतिम वस्तुओं में बदला जाता है। खाद्य प्रसंस्करण, चीनी तथा तेल उद्योग इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

2. (B) सीमेंट उद्योग
सीमेंट उद्योग को खनिज आधारित उद्योग की श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है क्योंकि इसका मुख्य कच्चा माल चूना पत्थर, जिप्सम और चिकनी मिट्टी जैसे प्राकृतिक खनिज संसाधन हैं। इसके विपरीत, जिन उद्योगों में कच्चे माल के रूप में गन्ने, कपास या तिलहन जैसे कृषि उत्पादों का उपयोग किया जाता है, वे कृषि आधारित उद्योग कहलाते हैं। सीमेंट निर्माण खनिजों के प्रसंस्करण पर निर्भर करता है।

3. (B) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
कृषि आधारित उद्योग प्राथमिक कृषि उत्पादों को प्रसंस्कृत करके उनके आर्थिक मूल्य में वृद्धि करते हैं, जिससे फसलों का मूल्य संवर्धन होता है। यह प्रक्रिया कृषि उपज के स्थायित्व और गुणवत्ता को बढ़ाती है। इन उद्योगों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर निर्मित बाजार उपलब्ध होने से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। इससे उनकी आय में वृद्धि दर्ज की जाती है।

4. (A) सरसों
राजस्थान का भरतपुर जिला पूर्वी मैदानी क्षेत्र में स्थित होने के कारण सरसों की उत्कृष्ट पैदावार के लिए विख्यात है। इस क्षेत्र की अनुकूल जलवायु और उपजाऊ मिट्टी सरसों की खेती को अत्यधिक बढ़ावा देती हैं। इसी प्रचुरता के कारण भरतपुर सरसों के प्रसंस्करण और तेल पेराई उद्योग का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। यहाँ अनेक तेल मिलें व्यापक स्तर पर कार्यरत हैं।

5. (C) गेहूं
गेहूँ एक प्रमुख खाद्यान्न या अनाज फसल है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से आटा एवं अन्य खाद्य सामग्रियां बनाने में होता है, जबकि सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तिलहनी फसलों की श्रेणी में आते हैं। तिलहनी फसलों का प्राथमिक प्रसंस्करण तेल निष्कर्षण के लिए किया जाता है। राजस्थान में तिलहन आधारित उद्योग में तेल फसलों का ही प्रसंस्करण किया जाता है।

6. (A) राजस्थान भारत में सरसों प्रसंस्करण में अग्रणी स्थान रखता है।
राजस्थान भारत में सरसों का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है और देश के कुल उत्पादन में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। व्यापक पैदावार के कारण राज्य में सरसों पेराई और तेल निष्कर्षण से संबंधित प्रसंस्करण उद्योग अत्यधिक विकसित हुआ है। भरतपुर और अलवर जैसे जिले सरसों प्रसंस्करण के मुख्य केंद्र हैं। यह उद्योग ग्रामीण रोजगार का निरंतर सृजन करता है।

7. (B) I और II दोनों
राजस्थान की प्रथम सूती वस्त्र मिल, दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड, 1889 में ब्यावर में स्थापित की गई थी। भीलवाड़ा को वस्त्र निर्माण और धागा उत्पादन में अग्रणी होने के कारण वस्त्र नगरी कहा जाता है। सूती वस्त्र उद्योग कृषि आधारित श्रेणी में आता है क्योंकि इसका मुख्य कच्चा माल कपास है, न कि कोई खनिज संसाधन। अतः शुरुआती दोनों तथ्य सत्य हैं।

8. (B) 1889
राजस्थान में आधुनिक औद्योगिक विकास के अंतर्गत प्रथम सूती वस्त्र मिल के रूप में दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड की स्थापना वर्ष 1889 में की गई थी। यह ऐतिहासिक इकाई सेठ दामोदर दास राठी द्वारा ब्यावर स्थान पर स्थापित की गई थी। इस मिल की स्थापना ने राजस्थान में संगठित वस्त्र उद्योग की मजबूत नींव रखने का महत्वपूर्ण कार्य किया था।

9. (C) भीलवाड़ा
राजस्थान के भीलवाड़ा जिले को वस्त्र निर्माण क्षेत्र में इसके विशाल योगदान के कारण राजस्थान का मैनचेस्टर कहा जाता है। यह जिला कृत्रिम कपड़ों, सूती धागे और परिधान निर्माण का प्रमुख केंद्र है। यहाँ सैकड़ों कपड़ा मिलें और कताई केंद्र स्थापित हैं, जो व्यापक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय निर्यात भी करते हैं। इसी कारण इसे वस्त्र नगरी भी पुकारा जाता है।

10. (D) भोपालसागर
राजस्थान की पहली चीनी मिल दी मेवाड़ शुगर मिल्स लिमिटेड की स्थापना वर्ष 1932 में भोपालसागर स्थान पर की गई थी, जो चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित है। यह मिल निजी क्षेत्र में स्थापित की गई थी और इसने राज्य में चीनी उद्योग की शुरुआत की। आसपास के क्षेत्रों में गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता के कारण इस स्थान का चयन हुआ था।

11. (A) चुकंदर
राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में स्थित दी श्रीगंगानगर शुगर मिल्स एक विशिष्ट इकाई है, जहाँ गन्ने के अतिरिक्त चुकंदर से भी चीनी बनाई जाती है। वर्ष 1968 में यहाँ चुकंदर से चीनी उत्पादन का संयंत्र प्रारंभ किया गया था। यह पहल एशिया

NODIA

समतलीकरण।

65. राजस्थान कृषि-प्रसंस्करण, कृषि-व्यवसाय एवं कृषि-निर्यात प्रोत्साहन नीति 2019 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. इसका उद्देश्य सीधे कृषि उत्पादन केंद्रों के पास मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना है।

II. यह राज्य से प्रसंस्कृत कृषि वस्तुओं के निर्यात को हतोत्साहित करती है।

III. यह केवल बड़े पैमाने के, शहरी, विदेशी स्वामित्व वाले उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?

(A) केवल I
(B) II और III दोनों
(C) I और II दोनों
(D) I, II और III

66. कृषि-आधारित उद्योगों के संदर्भ में, 'मूल्य संवर्धन' शब्द का स्पष्ट रूप से क्या तात्पर्य है?

(A) कटाई के तुरंत बाद आधारभूत बाजार दरों पर कच्चे अप्रसंस्कृत कृषि उत्पादों की सीधी बिक्री।
(B) आर्थिक मूल्य और भण्डारण अवधि बढ़ाने के लिए कृषि उपज का प्रसंस्करण करना।
(C) कटी हुई फसलों के कुल द्रव्यमान को बढ़ाने के लिए कृत्रिम रूप से भारी संश्लेषित रासायनिक यौगिकों को मिलाना।
(D) शहरी कारखानों में रोजगार की तलाश के लिए पारंपरिक खेती को पूरी तरह से छोड़ने की सामाजिक-आर्थिक प्रथा।

67. "राजस्थान कृषि-प्रसंस्करण, कृषि-व्यवसाय एवं कृषि-निर्यात प्रोत्साहन नीति" आधिकारिक तौर पर राज्य सरकार द्वारा किस वर्ष शुरू की गई थी?

(A) 2005
(B) 2010
(C) 2019
(D) 2023

68. राजस्थान कृषि-प्रसंस्करण नीति के तहत किसानों और उद्यमियों को प्रदान किया जाने वाला प्रोत्साहन आमतौर पर निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है?

(A) कारखाने के स्वामी के लिए 100% आजीवन आयकर छूट
(B) प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित करने के लिए पूंजीगत निवेश अनुदान
(C) सावधि ऋण (टर्म लोन) पर ब्याज अनुदान
(D) कृषि-प्रसंस्करण इकाइयों के लिए बिजली शुल्क पर छूट

69. राजस्थान में खाद्य/मसाला प्रसंस्करण केंद्रों और उनके संबंधित जिलों के संबंध में सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची I
P. पहला मेगा फूड पार्क (ग्रीनटेक)
Q. पहला मसाला पार्क (स्पाइस पार्क)
R. ईसबगोल अनुसंधान एवं प्रसंस्करण केंद्र
S. किन्नू मंडी

सूची II
1. जोधपुर
2. अजमेर (रूपनगढ़)
3. श्रीगंगानगर
4. जालौर

(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

70. स्थानीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान का पहला मेगा फूड पार्क कहाँ स्थापित किया गया था?

(A) रूपनगढ़ (अजमेर)
(B) बोरानाडा (जोधपुर)
(C) सीतापुरा (जयपुर)
(D) भिवाड़ी (अलवर)

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

अनिश्चितता इन उद्योगों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरती है।

24. (B) हरिके बैराज
इंदिरा गांधी नहर परियोजना की मुख्य फीडर नहर पंजाब में सतलुज और ब्यास नदियों के संगम पर स्थित हरिके बैराज से निकाली गई है। यहाँ से शुरू होने वाली राजस्थान फीडर नहर पंजाब तथा हरियाणा से बहते हुए राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में प्रवेश करती है। यह जल संरचना मरुस्थलीय क्षेत्रों को जल आपूर्ति करने का मुख्य आधार मानी जाती है।

25. (C) कंवर सेन
बीकानेर रियासत के मुख्य सिंचाई इंजीनियर डॉ. कंवर सेन ने वर्ष 1948 में बीकानेर राज्य में पानी की आवश्यकता पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। उन्होंने ही हिमालयी नदियों के जल को थार मरुस्थल तक लाने की ऐतिहासिक परिकल्पना तैयार की थी। उनके इसी दूरदर्शी विचार और अभियांत्रिकी योगदान के कारण उन्हें इस नहर का मुख्य जनक माना जाता है।

26. (D)इसे पहले राजस्थान नहर के नाम से जाना जाता था।
इंदिरा गांधी नहर परियोजना को प्रारंभ में राजस्थान नहर के नाम से जाना जाता था। वर्ष 1984 में इसका नाम आधिकारिक रूप से परिवर्तित करके इंदिरा गांधी नहर परियोजना रखा गया। यह नहर मुख्य रूप से पश्चिमी राजस्थान के शुष्क मरुस्थलीय जिलों में पेयजल और सिंचाई जल की आपूर्ति करने वाला सबसे महत्वपूर्ण जल स्रोत माना जाता रहा है।

27. (A) 3 - 2 - 1 - 4
इंदिरा गांधी नहर परियोजना के प्रवाह मार्ग में उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर स्थित जिलों का सही भौगोलिक अनुक्रम हनुमानगढ़, बीकानेर, जैसलमेर तथा बाड़मेर है। नहर हनुमानगढ़ जिले में प्रवेश करती है, जिसके पश्चात यह बीकानेर और जैसलमेर से होकर अंततः बाड़मेर तक विस्तारित होती है। इसलिए दी गई सूची में 3, 2, 1 और 4 का क्रम सही है।

28. (B) मध्य प्रदेश
चंबल घाटी परियोजना राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों की एक संयुक्त बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है। इस परियोजना में दोनों राज्यों की 50:50 की समान हिस्सेदारी है। इसके अंतर्गत चंबल नदी पर जलविद्युत उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण तथा सिंचाई सुविधाओं का विकास किया गया है। इस योजना के तहत चार प्रमुख बांधों का निर्माण दोनों राज्यों के सहयोग से हुआ है।

29. (B) कोटा बैराज
चंबल घाटी परियोजना के अंतर्गत निर्मित बांधों में से कोटा बैराज एकमात्र ऐसा बांध है जो जलविद्युत का उत्पादन नहीं करता है। कोटा शहर में स्थित इस बैराज का निर्माण केवल नहरों के माध्यम से कृषि क्षेत्रों को सिंचाई जल तथा पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। अन्य तीनों बांधों से बिजली का उत्पादन होता है।

30. (A) माही बजाज सागर बांध
माही बजाज सागर बांध बांसवाड़ा जिले में माही नदी पर निर्मित है, जो चंबल नदी घाटी परियोजना का हिस्सा नहीं है। चंबल परियोजना में केवल गांधी सागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर और कोटा बैराज ही शामिल हैं। अतः माही बांध का चंबल नदी तंत्र और उसकी विकास योजनाओं से कोई संबंध नहीं है और यह एक पृथक परियोजना है।

31. (C) बनास
बीसलपुर परियोजना टोंक जिले में बनास नदी के प्रवाह पर निर्मित एक प्रमुख बहुउद्देशीय जल परियोजना है। यह राजस्थान की सबसे बड़ी पेयजल परियोजनाओं में से एक मानी जाती है। बनास नदी पर बने इस बांध से टोंक, जयपुर तथा अजमेर जिलों को पीने का पानी उपलब्ध कराया जाता है और सिंचाई के लिए नहरें भी निकाली गई हैं।

32. (D) जोधपुर
बीसलपुर परियोजना मुख्य रूप से जयपुर, अजमेर और टोंक जिलों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करती है। इसके विपरीत, जोधपुर जिला मरुस्थलीय क्षेत्र में स्थित होने के कारण अपनी जल आपूर्ति के लिए इंदिरा गांधी नहर पर निर्भर है। अतः जोधपुर को बीसलपुर बांध से कोई प्राथमिक पेयजल आपूर्ति प्राप्त नहीं होती है और यह इसके नेटवर्क से बाहर है।

33. (C) टोंक
बीसलपुर बांध राजस्थान के टोंक जिले के टोडारायसिंह क्षेत्र में स्थित है। बनास नदी पर निर्मित यह बांध राज्य की एक महत्वपूर्ण बहुउद्देशीय जल परियोजना है। यह टोंक जिले के कृषि क्षेत्रों को सिंचाई का पानी देने के साथ-साथ कई प्रमुख शहरों को पेयजल भी उपलब्ध कराता है। टोंक जिला इसका प्राथमिक स्थान है जहाँ यह बांध निर्मित है।

34. (B) प्रतापगढ़
जाखम बांध राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में जाखम नदी पर निर्मित एक प्रमुख सिंचाई परियोजना है। यह राज्य का सबसे ऊँचा बांध माना जाता है, जिसकी ऊंचाई 81 मीटर है। इस परियोजना से दक्षिणी राजस्थान के प्रतापगढ़ तथा आसपास के जनजातीय क्षेत्रों की कृषि भूमि को पर्याप्त सिंचाई जल की आपूर्ति सुनिश्चित होती है जिससे कृषि विकास हुआ है।

35. (B) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
जाखम सिंचाई परियोजना दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रों को सिंचाई जल प्रदान कर लाभान्वित करती है। हालांकि, यह बांध लूनी नदी पर न होकर जाखम नदी पर स्थित है, जो माही नदी की सहायक नदी है। लूनी नदी का संबंध पश्चिमी राजस्थान से है। इसलिए पहला कथन सही तथा दूसरा कथन पूर्णतः असत्य पाया जाता है।

36. (A) जालौर और बाड़मेर
नर्मदा नहर परियोजना से राजस्थान के दो दक्षिण पश्चिमी जिलों, जालौर और बाड़मेर को सीधा सिंचाई तथा पेयजल लाभ प्राप्त होता है। यह नहर सांचौर के रास्ते राजस्थान में प्रवेश करती है।

NODIA

जाता है, जिससे भूमि दलदली और क्षारीय होकर अपनी उर्वरता खो देती है तथा बंजर बनती है।

61. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
हनुमानगढ़ तथा बीकानेर के कई कृषि क्षेत्रों में नहरी जल के अत्यधिक रिसाव से भूजल स्तर अत्यधिक ऊपर आ गया है। इससे गंभीर जलभराव और मृदा लवणता पैदा हो गई है, जिसने उपजाऊ जमीनों को पूरी तरह बंजर बना दिया है। इस प्रकार अभिकथन और कारण दोनों कथन पूर्णतः सत्य हैं तथा कारण सही व्याख्या प्रस्तुत करता है जो पूर्ण है।

62. (A) कमान क्षेत्रों में जल उपयोग दक्षता और कृषि उपज को अनुकूलित करना।
कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य नहर सिंचाई प्रणालियों के कमान क्षेत्रों में उपलब्ध जल का अनुकूलतम उपयोग सुनिश्चित करना तथा फसल उत्पादकता में वृद्धि करना था। इसके तहत पक्की नालियाँ बनाने, भूमि समतलीकरण और आधुनिक जल वितरण तकनीकों को लागू किया गया ताकि कृषि क्षेत्र की कुल उपज और दक्षता में गुणात्मक सुधार लाया जा सके जो सफल रहा।

63. (C) विश्व बैंक
विश्व बैंक ने राजस्थान में जल क्षेत्र पुनर्गठन तथा सिंचित क्षेत्र विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई है। इस सहायता के माध्यम से नहरी ढाँचे के सुधार, जल रिसाव नियंत्रण तथा सिंचाई प्रबंधन में किसानों की भागीदारी को बढ़ावा मिला है, जिससे राज्य की सिंचाई प्रणाली अत्यधिक मजबूत हुई है और लाभ दिया है।

64. (D) मैदानी नालियों (फील्ड चैनल) का निर्माण और भूमि समतलीकरण।
कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत खेत स्तर पर किए जाने वाले विकास कार्यों में मैदानी नालियों यानी फील्ड चैनल का निर्माण और कृषि भूमि का समतलीकरण सबसे मुख्य घटक हैं। इन कार्यों के द्वारा नहरी पानी को बिना किसी रुकावट के प्रत्येक खेत तक पहुँचाया जाता है और ढलान सुधारकर जल वितरण को प्रभावी बनाया जाता है जो उत्तम है।

65. (B) II और III दोनों
राजस्थान की कृषि प्रसंस्करण नीति 2019 का मुख्य लक्ष्य कृषि उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करना तथा स्थानीय किसानों व छोटे उद्यमियों को सहायता देना है। यह नीति निर्यात को हतोत्साहित नहीं करती और न ही केवल विदेशी कंपनियों तक सीमित है। इस कारण दूसरा और तीसरा दोनों विवरण पूरी तरह से असत्य साबित होते हैं और गलत हैं।

66. (B) आर्थिक मूल्य और भण्डारण अवधि बढ़ाने के लिए कृषि उपज का प्रसंस्करण करना।
कृषि के संदर्भ में मूल्य संवर्धन से तात्पर्य कच्ची कृषि उपज का प्रसंस्करण करके उसके आर्थिक मूल्य, गुणवत्ता तथा भण्डारण अवधि में वृद्धि करना है। प्राथमिक फसल को अधिक उपयोगी और बाजार योग्य वस्तु में बदलकर किसानों तथा प्रसंस्करणकर्ताओं को अधिक लाभ प्राप्त होता है। इससे फसल की बर्बादी भी न्यूनतम स्तर पर आ जाती है जो अत्यंत उपयोगी है।

67. (C) 2019
राजस्थान सरकार ने राज्य में कृषि आधारित उद्योगों और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह नीति वर्ष 2019 में शुरू की थी। इस नीति के माध्यम से कृषि उपज के मूल्य संवर्धन, नए प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना तथा निर्यात अवसंरचना के विकास हेतु व्यापक वित्तीय प्रोत्साहन और रियायतें प्रदान की जा रही हैं जो प्रभावी हैं।

68. (A) कारखाने के स्वामी के लिए 100% आजीवन आयकर छूट राजस्थान की कृषि प्रसंस्करण नीति के तहत पूंजीगत अनुदान, ब्याज सब्सिडी और विद्युत शुल्क में छूट जैसे कई आर्थिक प्रोत्साहन दिए जाते हैं। परंतु, इसमें 100% आजीवन आयकर छूट का कोई नियम शामिल नहीं है क्योंकि कर संबंधी ऐसे केंद्रीय प्रत्यक्ष कर प्रावधान राज्य की नीतिगत शक्तियों के क्षेत्राधिकार से बाहर होते हैं और असंगत माने जाते हैं।

69. (B) P-2, Q-1, R-4, S-3
प्रथम मेगा फूड पार्क रूपनगढ़ अजमेर में स्थापित हुआ। पहला मसाला पार्क जोधपुर में निर्मित किया गया। ईसबगोल प्रसंस्करण केंद्र जालौर जिले में स्थित है तथा किन्नू मंडी श्रीगंगानगर जिले में स्थित है। इस आधार पर सूची I और सूची II का सही मिलान क्रम P-2, Q-1, R-4, S-3 पूरी तरह से सही ठहराया जाता है जो पूर्ण है।

70. (A) रूपनगढ़ (अजमेर)
राजस्थान का प्रथम मेगा फूड पार्क अजमेर जिले के रूपनगढ़ नामक स्थान पर स्थापित किया गया था। इस अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की योजना के तहत की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य स्थानीय कृषि उपज के प्रसंसकरण, शीत भण्डारण तथा मूल्य संवर्धन हेतु आधुनिक ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध कराना है जो सफल पहल है।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

दोनों सत्य हैं तथा सही व्याख्या प्रस्तुत करते हैं जो प्रासंगिक है।

49. (C) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)
प्रति बूंद अधिक फसल का विचार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का एक प्रमुख घटक है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य खेतों तक जल की पहुँच का विस्तार करना तथा सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के माध्यम से जल दक्षता में वृद्धि करना है। इसके तहत किसानों को आधुनिक सिंचाई उपकरण लगाने हेतु वित्तीय मदद और प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है जो सहायक है।

50. (B) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)
भारत सरकार द्वारा निर्मित सूक्ष्म सिंचाई कोष का प्रबंधन राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक यानी नाबार्ड द्वारा किया जाता है। इस कोष का मुख्य कार्य राज्य सरकारों को सूक्ष्म सिंचाई कवरेज का विस्तार करने के लिए रियायती ऋण और वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि कृषि में जल का कुशल उपयोग सुनिश्चित किया जा सके और किसानों को लाभ मिले।

51. (D) राज्य का अधिकांश सकल बोया गया क्षेत्र वर्षा-आधारित ही बना हुआ है।
राजस्थान में विभिन्न नहर परियोजनाओं के बावजूद सकल बोए गए क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी वर्षा आधारित खेती पर ही निर्भर है। राज्य की भौगोलिक संरचना और जल की सीमित उपलब्धता के कारण सभी कृषि भूभागों तक सिंचाई जल पहुँचाना संभव नहीं हो सका है। इसके परिणामस्वरूप अधिकांश किसान मानसून की वर्षा पर निर्भर रहते हैं और खेती करते हैं।

52. (A) पूर्वी राजस्थान में पश्चिमी राजस्थान की तुलना में अधिक सिंचाई अनुपात है।
पूर्वी राजस्थान में कुओं, नलकूपों और नदियों की सुगमता के कारण पश्चिमी राजस्थान की तुलना में सिंचित क्षेत्र का अनुपात अधिक है। पश्चिमी क्षेत्र का बड़ा भूभाग शुष्क मरुस्थल होने से वहाँ सिंचाई का प्रतिशत सीमित है। इसके विपरीत पूर्वी मैदानों में जल उपलब्धता बेहतर होने से अधिक भूमि पर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध हैं जो क्षेत्रीय असमानता दर्शाती हैं।

53. (C) भूजल का निष्कर्षण इसकी प्राकृतिक पुनर्भरण दर से अधिक है।
राजस्थान में डार्क जोन या अति शोषित खंडों से तात्पर्य उन भौगोलिक क्षेत्रों से है जहाँ भूजल का वार्षिक निष्कर्षण उसकी प्राकृतिक पुनर्भरण दर से कहीं अधिक होता है। पानी के अत्यधिक दोहन के कारण इन क्षेत्रों में जल स्तर चिंताजनक रूप से नीचे चला गया है, जिससे नए नलकूप खनन पर रोक लगाई जाती है जो आवश्यक है।

54. (A) अत्यधिक और बार-बार होने वाला मानसून जिससे अकस्मात बाढ़ आती है
अत्यधिक वर्षा और मानसूनी बाढ़ की स्थिति भूजल के प्राकृतिक पुनर्भरण में सहायक होती है, जिससे जल स्तर में सुधार आता है। अतः यह घटना भूजल स्तर के गिरने का कारण नहीं बन सकती। राजस्थान में भूजल गिरावट का मुख्य कारण नलकूपों द्वारा अत्यधिक दोहन, अनिश्चित वर्षा तथा अधिक पानी चाहने वाली फसलों की खेती करना है जो समस्या है।

55. (A) P-3, Q-1, R-2, S-4
ड्रिप सिंचाई सीधे जड़ों तक जल पहुँचाती है। नहरों की पक्की निर्माण जल परिवहन में रिसाव को रोकता है। मल्चिंग मिट्टी की नमी बनाए रखने हेतु सतह को ढकने का कार्य करती है और वर्षा जल संचयन भूजल पुनर्भरण में सहायक है। इस प्रकार प्रस्तुत सूची का सही सुमेलित क्रम P-3, Q-1, R-2, S-4 के अनुसार सत्य ठहराया जाता है।

56. (B) मल्चिंग
कृषि विज्ञान में मल्चिंग उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें पौधों के चारों ओर की खुली मिट्टी को प्लास्टिक फिल्म अथवा जैविक पदार्थों से ढका जाता है। इस विधि का प्राथमिक कार्य मिट्टी से होने वाले जल वाष्पीकरण को रोकना और मृदा नमी को संरक्षित रखना है। इससे खरपतवार वृद्धि भी नियंत्रित होती है जिससे लाभ मिलता है।

57. (C) नहर के तल और दीवारों को पक्का (कंक्रीट लाइनिंग) करना
नहरी जल वितरण में दक्षता बढ़ाने के लिए नहरों के तल और किनारों को कंक्रीट या पक्की लाइनिंग से निर्मित करना सबसे प्रभावी संरचनात्मक उपाय है। कच्ची नहरों में रिसाव के कारण जल का भारी नुकसान होता है। पक्की लाइनिंग रिसाव को समाप्त करके अंतिम छोर के किसानों तक पानी की पूर्ण सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

58. (D) अत्यधिक श्रम-गहन, जो स्थानीय रोजगार उत्पन्न करते हैं।
कृषि आधारित लघु उद्योगों की मुख्य विशेषता यह है कि वे अत्यधिक श्रम गहन होते हैं। भारी यांत्रिक उद्योगों की तुलना में इनमें कम पूंजी की आवश्यकता होती है तथा स्थानीय ग्रामीण श्रम का व्यापक उपयोग किया जाता है। इससे स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में स्थायी एवं मौसमी रोजगार के अवसरों का सृजन संभव होता है जो लाभकारी है।

59. (A) वे स्थानीय रोजगार का सृजन करते हैं और ग्रामीण से शहरी पलायन को रोकते हैं।
ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन करना है। जब ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में आजीविका के साधन प्राप्त हो जाते हैं, तो वे शहरों की ओर पलायन नहीं करते। इससे ग्रामीण से शहरी पलायन घटता है तथा समावेशी विकास को गति मिलती है जो विकास हेतु शुभ है।

60. (B) मृदा जलभराव ('सेम' की समस्या)
इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में अनुचित जल निकासी के कारण अत्यधिक नहरी सिंचाई से मृदा जलभराव अथवा सेम की गंभीर पर्यावरणीय समस्या उत्पन्न हो गई है। निरंतर जल रिसाव के कारण भूजल स्तर ऊपर उठकर मिट्टी की ऊपरी सतह तक आ

NODIA

सूची I: (भूमि सुधार अधिनियम)
P. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम
Q. राजस्थान जागीर पुनर्ग्रहण अधिनियम
R. राजस्थान भूदान यज्ञ अधिनियम
S. राजस्थान कृषि जोत पर अधिकतम सीमा का अधिरोपण अधिनियम

सूची II: (अधिनियमन का वर्ष)
1. 1952
2. 1954
3. 1955
4. 1973

(A) P-3, Q-1, R-2, S-4
(B) P-1, Q-3, R-2, S-4
(C) P-3, Q-2, R-1, S-4
(D) P-4, Q-1, R-3, S-2

11. कृषि भूमि के विखंडित और बिखरे हुए टुकड़ों को एक ही सघन खंड में एकत्र करने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?
(A) स्वैच्छिक भूमि अधिग्रहण
(B) चकबंदी (भूमि समेकन)
(C) वैधानिक भूमि सीमा
(D) डिजिटल भूमि अभिलेखन

12. निम्नलिखित में से कौन-सा चकबंदी का लाभ नहीं है?
(A) किसानों के समय और कृषि श्रम की बचत होना
(B) गाँव के कुल भूमि क्षेत्र को कम करना
(C) आधुनिक सिंचाई प्रबंधन को सुगम बनाना
(D) सीमा और स्वामित्व संबंधी विवादों को कम करना

13. भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम किस वर्ष शुरू किया गया था?
(A) 1995
(B) 2000
(C) 2008
(D) 2015

14. डिजिटल भूमि अभिलेख और जमाबंदी तक पहुँच प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाने वाला राजस्थान सरकार का आधिकारिक वेब पोर्टल कौन-सा है?
(A) ई-मित्र
(B) राजकिसान
(C) अपना खाता
(D) शाला दर्पण

15. राजस्थान में भूमि अभिलेखों से संबंधित निम्नलिखित दस्तावेजों में से विषम (अलग) की पहचान कीजिए।
(A) जमाबंदी
(B) गिरदावरी
(C) भू-नक्शा
(D) बही-खाता

16. राजस्थान में भूमि विकास बैंकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे कृषि विकास के लिए किसानों को दीर्घकालिक ऋण प्रदान करते हैं।
II. वे ऋण के एवज में कृषि भूमि को बंधक के रूप में स्वीकार करते हैं।
III. वे मुख्य रूप से दैनिक घरेलू सामान खरीदने के लिए अल्पकालिक ऋण वितरित करते हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

17. राजस्थान में किसी किसान को प्रदान की जाने वाली 'अधिकार अभिलेख' (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) की कंप्यूटरीकृत प्रति को सामान्यतः किस नाम से जाना जाता है?
(A) खसरा
(B) जमाबंदी
(C) पट्टा
(D) गिरदावरी

18. राजस्थान में कैडस्ट्रल मानचित्रों (खेतों की सीमाओं) के डिजिटलीकरण के लिए विशेष रूप से कौन-सा राज्य स्तरीय पोर्टल समर्पित है?
(A) राज-काज पोर्टल
(B) एसएसओ वेब पोर्टल
(C) राज-धारा पोर्टल
(D) भू-नक्शा

19. राजस्थान में राजस्व प्रशासन के संदर्भ में, 'गिरदावरी' का क्या अर्थ है?
(A) एक आवधिक फसल निरीक्षण रिपोर्ट
(B) ग्रामीण मवेशियों पर लगाया जाने वाला एक पारंपरिक कर
(C) सार्वजनिक भूमि नीलामी की आधिकारिक प्रक्रिया
(D) भूमि अधिग्रहण का कानूनी प्रमाण पत्र

20. राजस्थान राजस्व मंडल का मुख्यालय, जो राज्य में भूमि विवादों के लिए सर्वोच्च न्यायिक निकाय के रूप में कार्य करता है, कहाँ स्थित है?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) अजमेर
(D) बीकानेर

21. केंद्र सरकार द्वारा मरुस्थल विकास कार्यक्रम किस वर्ष शुरू किया गया था?
(A) 1974-75
(B) 1977-78
(C) 1985-86

Click Here to Buy book on Flipkart

अध्याय 28
भूमि सुधार एवं विकास परियोजनाएँ

1. स्वतंत्रता के बाद राजस्थान में भूमि सुधार लागू करने का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?
(A) कृषि भूमि से एकत्र किए जाने वाले राजस्व में वृद्धि करना
(B) मध्यवर्तियों को समाप्त करना और काश्तकार किसानों के स्वामित्व अधिकारों की रक्षा करना
(C) जागीरदारी और जमींदारी प्रथा को बढ़ावा देना
(D) कृषि भूमि को पूरी तरह से औद्योगिक उपयोग में स्थानांतरित करना

2. राजस्थान जागीर पुनर्ग्रहण एवं भूमि सुधार अधिनियम किस वर्ष पारित किया गया था?
(A) 1949
(B) 1952
(C) 1955
(D) 1973

3. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, जो राज्य में काश्तकारी अधिकारों का मुख्य आधार है, किस वर्ष लागू हुआ?
(A) 1952
(B) 1955
(C) 1961
(D) 1973

4. राजस्थान में जागीरदारी उन्मूलन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राजस्थान जागीर पुनर्ग्रहण अधिनियम 1952 में पारित किया गया था।
II. इसका उद्देश्य राज्य और वास्तविक जोतदारों के बीच के मध्यवर्तियों को समाप्त करना था।
III. इसने जागीरदारों को व्यक्तिगत उपयोग के लिए असीमित कृषि भूमि रखने की अनुमति दी।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

5. जागीरदारी उन्मूलन के बाद जागीरदारों या भू-स्वामियों द्वारा अपनी व्यक्तिगत खेती के लिए रखी गई भूमि को किस नाम से जाना जाता था?
(A) खुदकाश्त
(B) खालसा
(C) गोचर
(D) बारानी

6. राजस्थान कृषि जोत पर अधिकतम सीमा का अधिरोपण अधिनियम प्राथमिक रूप से किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?
(A) 1955
(B) 1965
(C) 1973
(D) 1985

7. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): राज्यों द्वारा अधिनियमित भूमि सीमा कानूनों को भारतीय संविधान की 9वीं अनुसूची में रखा गया था।
कारण (R): कानूनों को 9वीं अनुसूची में रखने से मूल अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर उनकी न्यायिक समीक्षा से सुरक्षा मिलती है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(D) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

8. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत, जिस काश्तकार के पास भूमि पर पूर्ण स्वामित्व, वंशानुगत और हस्तांतरणीय अधिकार होते हैं, उसे किस नाम से जाना जाता है?
(A) गैर-खातेदार काश्तकार
(B) शिकमी काश्तकार
(C) खातेदार काश्तकार
(D) असामी

9. राजस्थान में भूमिहीन किसानों को स्वेच्छा से भूमि दान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आचार्य विनोबा भावे द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सा आंदोलन शुरु किया गया था?
(A) बिजोलिया आंदोलन
(B) एकी आंदोलन
(C) बेगूं आंदोलन
(D) भूदान आंदोलन

10. सूची I के भूमि सुधार अधिनियमों को सूची II में उनके अधिनियमन के संबंधित वर्षों के साथ सुमेलित कीजिए:

Downloaded from www.pdf.tube

महाद्वीप में अपनी तरह का विशेष प्रयोग थी। इससे गन्ने की अनुपलब्धता के दौरान भी उत्पादन संभव हो पाता है।

12. (B) केशोरायपाटन शुगर मिल
राजस्थान में बूंदी जिले के केशोरायपाटन में स्थित चीनी मिल की स्थापना वर्ष 1965 में सहकारी क्षेत्र के अंतर्गत की गई थी। यह राज्य की प्रमुख सहकारी चीनी इकाई थी, जिसका उद्देश्य स्थानीय गन्ना उत्पादक किसानों को सीधा आर्थिक लाभ पहुँचाना था। इस मॉडल के तहत किसानों ने स्वयं हिस्सेदारी निभाकर गन्ने के उचित मूल्य प्राप्ति में सफलता प्राप्त की थी।

13. (B) राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन (RCDF)
सरस डेयरी ब्रांड का संचालन राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन के शीर्ष प्रबंधन के अंतर्गत किया जाता है। यह संस्था राजस्थान में डेयरी विकास के लिए उत्तरदायी राज्य स्तरीय शीर्ष निकाय है, जिसकी स्थापना 1977 में हुई थी। यह संस्था ग्रामीण दुग्ध समितियों से दूध एकत्र कर उसका प्रसंस्करण तथा विपणन करती है, जिससे पशुपालकों को नियमित आय सुनिश्चित होती है।

14. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान की कृषि मुख्य रूप से अनिश्चित वर्षा पर निर्भर है, जिससे राज्य में निरंतर सूखे का जोखिम बना रहता है। फसल क्षति की स्थिति में केवल खेती पर निर्भर रहना अत्यधिक कठिन हो जाता है। इस परिस्थिति में डेयरी प्रसंस्करण और दुग्ध उत्पादन ग्रामीण परिवारों को एक सुदृढ़ पूरक आय प्रदान करता है। इसी कारण अभिकथन तथा कारण दोनों संगत हैं।

15. (C) त्रि-स्तरीय मॉडल
राजस्थान में डेयरी प्रसंस्करण क्षेत्र आनंद मॉडल पर आधारित त्रि स्तरीय सहकारी संरचना का पालन करता है। इस ढाँचे में ग्राम स्तर पर प्राथमिक दुग्ध समितियाँ, जिला स्तर पर दुग्ध उत्पादक संघ तथा राज्य स्तर पर शीर्ष फेडरेशन कार्यरत है। यह तीन परतों वाली प्रणाली दुग्ध संकलन, प्रसंस्करण और विपणन को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने का कार्य बखूबी करती है।

16. (D) जोधपुर
राजस्थान का प्रथम मसाला पार्क जोधपुर जिले के रामपुरा क्षेत्र में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना भारतीय मसाला बोर्ड द्वारा राज्य में उत्पादित मसालों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता परीक्षण और निर्यात को बढ़ावा देने के हेतु की गई थी। जोधपुर क्षेत्र जीरा और लाल मिर्च के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए पूरे देश में जाना जाता है।

17. (C) हल्दी - चूरू
राजस्थान में हल्दी का मुख्य उत्पादन एवं प्रसंस्करण दक्षिणी आर्द्र जिलों जैसे उदयपुर तथा झालावाड़ में केंद्रित है, न कि शुष्क चूरू जिले में। चूरू अपनी मरुस्थलीय जलवायु परिस्थितियों के कारण हल्दी जैसी अधिक पानी चाहने वाली फसल के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके विपरीत कोटा में धनिया, जोधपुर में जीरा तथा नागौर में मेथी का विपणन प्रसिद्ध माना जाता है।

18. (B) धनिया
राजस्थान के कोटा जिले में स्थित रामगंज मंडी एशिया एवं संपूर्ण विश्व में धनिया की सबसे बड़ी मंडी के रूप में प्रसिद्ध है। हाड़ौती क्षेत्र की जलवायु धनिया उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है। रामगंज मंडी में प्रतिवर्ष भारी मात्रा में धनिए का व्यापार, प्रसंस्करण, श्रेणीकरण तथा निर्यात संबंधी कार्य बड़े पैमाने पर निष्पादित किया जाता रहा है।

19. (D) गोंद
बाड़मेर जिले का चौहटन क्षेत्र प्राकृतिक गोंद के उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए संपूर्ण राजस्थान में विख्यात है। इस शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र में पाए जाने वाले वृक्षों से उच्च गुणवत्ता युक्त गोंद एकत्र किया जाता है। चौहटन का गोंद अपने उत्कृष्ट खाद्य एवं औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। यह उत्पाद स्थानीय ग्रामीण लोगों की आजीविका का मुख्य आधार है।

20. (A) पेट्रो-रसायन शोधन
पेट्रो रसायन शोधन एक भारी खनिज एवं जीवाश्म ईंधन आधारित उद्योग है, जिसका वनों से कोई सीधा संबंध नहीं है। इसके विपरीत, बीड़ी उद्योग, काष्ठ फर्नीचर तथा कत्था निष्कर्षण सभी प्रत्यक्ष रूप से वनों से प्राप्त कच्चे माल पर निर्भर लघु उद्योग हैं। शोधनशाला संचालन खनिज तेल पर आधारित औद्योगिक प्रक्रिया का भाग होता है, न कि वन उद्योग का।

21. (C) दोनों कथन सही हैं
राजस्थान के वनों से तेंदू पत्तों का एकत्रीकरण किया जाता है, जो बीड़ी निर्माण उद्योग के लिए मुख्य कच्चे माल का कार्य करते हैं। इन पत्तों के एकत्रीकरण और बीड़ी बनाने की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनजातीय श्रमिकों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होता है। इसलिए बीड़ी निर्माण से जुड़े दोनों प्रस्तुत कथन पूर्णतः सही सिद्ध होते हैं।

22. (A) P-2, Q-4, R-1, S-3
दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड ब्यावर में स्थित प्रथम सूती वस्त्र मिल है। केशोरायपाटन शुगर मिल बूंदी जिले में स्थापित सहकारी इकाई है। सरस डेयरी का मुख्य संगठन कार्यालय जयपुर में स्थित है। प्रसिद्ध इंजन ब्रांड सरसों तेल मिल भरतपुर जिले में कार्यरत है। इस प्रकार प्रस्तुत सूची का सही मिलान क्रम विकल्पों के अनुसार पूर्णतः सटीक एवं प्रासंगिक बैठता है।

23. (D) मानसून पर अत्यधिक निर्भरता के कारण अनिश्चित कच्चे माल की आपूर्ति
राजस्थान में कृषि अत्यधिक रूप से मानसून की अनिश्चितता पर निर्भर है। बार बार पड़ने वाले सूखे और अनियमित वर्षा के कारण कृषि उत्पादन प्रभावित होता रहता है। इसके परिणामस्वरूप कृषि आधारित उद्योगों को वर्ष भर कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति प्राप्त करने में भारी कठिनाई होती है। यही

NODIA

(D) 1999-00

22. सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम मुख्य रूप से किस पर ध्यान केंद्रित करता है?
(A) किसानों को रियायती दर पर बिजली और बिजली कनेक्शन प्रदान करना
(B) सभी सीमांत किसानों को उच्च उपज वाले मुफ्त बीज वितरित करना
(C) बड़े बहुउद्देशीय बांधों और नहर तंत्र का निर्माण करना
(D) फसलों और भूमि पर सूखे के प्रभाव को कम करना

23. राजस्थान में मरुस्थल विकास कार्यक्रम के लिए वर्तमान वित्तपोषण पैटर्न (केंद्र : राज्य अनुपात) क्या है?
(A) 50 : 50
(B) 60 : 40
(C) 75 : 25
(D) 90 : 10

24. निम्नलिखित ग्रामीण भूमि विकास कार्यक्रमों को उनके प्रारंभ वर्ष के सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम
2. मरुस्थल विकास कार्यक्रम
3. एकीकृत जलागम विकास कार्यक्रम
4. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 3, 2, 4
(D) 4, 3, 2, 1

25. राजस्थान में 'डिग्गी' निर्माण योजना मूलभूत रूप से निम्नलिखित में से किस गतिविधि से संबंधित है?
(A) फसलों के लिए बड़े पैमाने पर ग्रामीण शीतगृह इकाइयों का निर्माण करना
(B) बंजर भूमि पर सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र स्थापित करना
(C) गाँव के मवेशियों के लिए आधुनिक आश्रय सुविधाओं का निर्माण करना
(D) सिंचाई के लिए कृषि फार्म पोंड (डिग्गी) का निर्माण करना

26. सूची I के ग्रामीण विकास कार्यक्रमों को सूची II में उनके प्रारंभ वर्षों के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I: (ग्रामीण विकास कार्यक्रम)
P. सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम
Q. मरुस्थल विकास कार्यक्रम
R. एकीकृत जलागम विकास कार्यक्रम
S. राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम
सूची II: (प्रारंभ वर्ष)
1. 1974-75
2. 1977-78
3. 1989-90
4. 2008
(A) P-2, Q-1, R-3, S-4
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-3, Q-2, R-1, S-4
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

27. राजस्थान में डिग्गी निर्माण योजना के तहत किस श्रेणी के किसानों को तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिशत में सरकारी सब्सिडी प्राप्त होती है?
(A) 10 हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले बड़े किसान
(B) लघु, सीमांत और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के किसान
(C) संस्थागत कृषि बोर्ड
(D) अनुपस्थित भू-स्वामी (अनुपस्थित जमींदार)

28. निम्नलिखित में से कौन-सा जिला राजस्थान में मरुस्थल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल नहीं है?
(A) जैसलमेर
(B) बांसवाड़ा
(C) बाड़मेर
(D) बीकानेर

29. एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम को अब किस प्रमुख राष्ट्रीय योजना में विलय कर दिया गया है?
(A) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
(B) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम
(C) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
(D) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): प्राथमिक भूमि विकास बैंक राजस्थान में किसानों को अल्पकालिक फसल ऋण प्रदान करते हैं।
कारण (R): तत्काल बुआई के मौसम के लिए बीज और उर्वरक क्रय करने के लिए अल्पकालिक ऋण आवश्यक हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(D) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

31. राजस्थान के भूमि उपयोग आंकड़ों के अनुसार, भौगोलिक क्षेत्र का सबसे बड़ा प्रतिशत किस श्रेणी के अंतर्गत आता है?
(A) वनाच्छादित क्षेत्र
(B) कृषि योग्य बंजर भूमि
(C) गैर-कृषि उपयोगों में प्रयुक्त भूमि
(D) शुद्ध बोया गया क्षेत्र

32. भूमि उपयोग वर्गीकरण में, 'अन्य परती भूमि' (बंजर) से तात्पर्य उस भूमि से है जो कितने समय से बिना खेती के पड़ी हुई है?

Click Here to Buy book on Amazon

(A) एक कृषि वर्ष से कम
(B) 1 से 5 कृषि वर्ष
(C) ठीक 10 कृषि वर्ष
(D) 20 कृषि वर्षों से अधिक

33. भूमि क्षरण से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
(A) 1972
(B) 1985
(C) 1995
(D) 2005

34. कृषि संगणना 2015-16 के अनुसार, राजस्थान में एक परिचालन भूमि जोत का औसत आकार लगभग कितना है?
(A) 1.08 हेक्टेयर
(B) 2.73 हेक्टेयर
(C) 4.50 हेक्टेयर
(D) 5.15 हेक्टेयर

35. राजस्थान में भूमि जोत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. हाल के वर्षों में भूमि जोत का औसत आकार घटा है।
II. कुल किसानों में सीमांत और लघु किसानों की बहुलता है।
III. बड़ी परिचालन जोत वाले किसानों की संख्या सबसे अधिक है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

36. मानक वर्गीकरण के अनुसार, 'सीमांत किसान' को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसके पास कितने आकार तक की कृषि भूमि होती है?
(A) 1 हेक्टेयर
(B) 2 हेक्टेयर
(C) 4 हेक्टेयर
(D) 10 हेक्टेयर

37. भारत में एक 'लघु किसान' को आधिकारिक तौर पर किस आकार की कृषि भूमि वाले किसान के रूप में परिभाषित किया गया है?
(A) 0.5 से 1 हेक्टेयर
(B) 1 से 2 हेक्टेयर
(C) 2 से 4 हेक्टेयर
(D) 4 से 10 हेक्टेयर

38. कृषि संगणना 2015-16 के अनुसार, राजस्थान में महिला परिचालन भूमि जोत के संबंध में क्या रुझान देखा गया है?
(A) वे पूरी तरह से समाप्त हो गई हैं
(B) वे बिल्कुल स्थिर रही हैं
(C) उनमें भारी कमी देखी गई है
(D) उनमें वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है

39. राजस्थान के इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में कृषि भूमि के क्षरण के लिए मुख्य रूप से कौन-सी समस्या जिम्मेदार है?
(A) तीव्र वायु अपरदन और बालू का स्थानांतरण
(B) जलभराव और मृदा लवणता
(C) बड़े पैमाने पर वनों की कटाई और लकड़ी की कटाई
(D) औद्योगिक रासायनिक अपशिष्ट और बहिःस्राव

40. राजस्थान के किस भौगोलिक क्षेत्र में वायु अपरदन मृदा क्षरण का सबसे प्रमुख कारण है?
(A) हाड़ौती पठार क्षेत्र
(B) पूर्वी मैदानी क्षेत्र
(C) पश्चिमी मरुस्थल
(D) अरावली पर्वतीय क्षेत्र

41. राजस्थान में क्षारीय मृदा को सुधारने के लिए सरकारी योजनाओं के तहत किस खनिज का अत्यधिक उपयोग और सब्सिडी दी जाती है?
(A) चूना पत्थर
(B) रॉक फास्फेट
(C) अभ्रक
(D) जिप्सम

42. भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?
(A) 1894
(B) 1955
(C) 2013
(D) 2019

43. भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 के तहत, सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहित करने हेतु भू-स्वामियों की न्यूनतम कितने प्रतिशत सहमति आवश्यक है?
(A) 50%
(B) 60%
(C) 70%
(D) 80%

44. विषम की पहचान कीजिए। निम्नलिखित में से कौन-सी भूमि और जल विकास के लिए केंद्र प्रायोजित योजना नहीं है?
(A) मरुस्थल विकास कार्यक्रम
(B) मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान
(C) सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम
(D) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

45. सूची I की भूमि अभिलेख शब्दावली को सूची II में उनके सही अर्थों के साथ सुमेलित कीजिए:

NODIA

सूची I: (भूमि अभिलेख शब्दावली)
P. जमाबंदी
Q. खसरा
R. भू-नक्शा
S. गिरदावरी
सूची II: (अर्थ)
1. अधिकार अभिलेख
2. सर्वे या प्लॉट नंबर
3. कैडस्ट्रल मानचित्र
4. फसल निरीक्षण रिपोर्ट
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-1, Q-3, R-2, S-4
(C) P-1, Q-2, R-3, S-4
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

46. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): पंजाब जैसे राज्यों की तुलना में राजस्थान में चकबंदी की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी रही है।
कारण (R): राजस्थान में विविध स्थलाकृति, असमान जल उपलब्धता और अलग-अलग मृदा गुणवत्ता भूमि के मूल्यांकन और विनिमय को कठिन बनाती है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(D) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।

47. हाल के राजस्व अभिलेखों के आधार पर, राजस्थान में 'वन भूमि' के तहत वर्गीकृत क्षेत्र इसके कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग कितना प्रतिशत है?
(A) 2% से कम
(B) लगभग 8%
(C) ठीक 25%
(D) 33% से अधिक

48. उचित मुआवजा अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत औपचारिक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में शामिल चरणों के सही तार्किक क्रम का चयन कीजिए:
(A) प्रारंभिक अधिसूचना, सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, अधिग्रहण की घोषणा, मुआवजे का निर्धारण
(B) सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, प्रारंभिक अधिसूचना, अधिग्रहण की घोषणा, मुआवजे का निर्धारण
(C) अधिग्रहण की घोषणा, सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, मुआवजे का निर्धारण, प्रारंभिक अधिसूचना
(D) प्रारंभिक अधिसूचना, अधिग्रहण की घोषणा, सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, मुआवजे का निर्धारण

49. भूमि उपयोग के संदर्भ में, 'गोचर' शब्द किसे संदर्भित करता है?
(A) गहरे सतही जल के नीचे स्थायी रूप से जलमग्न भूमि
(B) सामान्य सार्वजनिक ग्रामीण चरगाह भूमि
(C) विशेष रूप से स्थानीय धार्मिक मंदिरों की भूमि
(D) औद्योगिक पार्कों और कारखानों के लिए आरक्षित भूमि

50. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत, क्या 'गोचर' (चरगाह भूमि) को खातेदारी (स्वामित्व) अधिकारों के लिए किसी व्यक्ति को कानूनी रूप से आवंटित किया जा सकता है?
(A) हाँ, यदि आवेदक निर्धारित प्रीमियम शुल्क का भुगतान करता है
(B) हाँ, यदि ग्राम पंचायत सरपंच औपचारिक स्वीकृति पर हस्ताक्षर करता है
(C) हाँ, लेकिन केवल व्यावसायिक नकदी फसलों की खेती के लिए
(D) नहीं, यह पूर्णतः प्रतिबंधित है

51. शुरुआती काश्तकारी सुधारों की सीमित सफलता का प्राथमिक कारण यह था कि भू-स्वामी अक्सर किस बहाने काश्तकारों को बेदखल कर देते थे?
(A) व्यक्तिगत खेती (खुदकाश्त)
(B) स्वैच्छिक भूदान
(C) नियोजित औद्योगिक विकास
(D) राज्य वन संरक्षण

52. राजस्थान राज्य भूमि विकास बैंक की स्थापना दीर्घकालिक कृषि ऋण प्रदान करने के लिए किस वर्ष की गई थी?
(A) 1949
(B) 1957
(C) 1973
(D) 1991

53. केंद्र सरकार की योजना 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' किस मुख्य आदर्श वाक्य के साथ कार्य करती है?
(A) हर खेत को पानी
(B) जय जवान जय किसान
(C) मेरा गांव मेरा गौरव
(D) लैब टू लैंड

54. राजस्थान के राजस्व भूमि अभिलेखों में 'खसरा नंबर' क्या दर्शाता है?
(A) देय कुल वार्षिक भू-राजस्व कर राशि
(B) गाँव की कुल आधिकारिक जनसंख्या
(C) किसान की डिजिटल आधार पहचान संख्या
(D) विशिष्ट भूमि सर्वेक्षण संख्या (भू-खंड संख्या)

55. राजस्थान में जिला स्तर पर भू-राजस्व और भूमि अभिलेख विवादों के लिए आमतौर पर प्राथमिक अपीलीय अधिकारी के रूप में कौन-सा प्राधिकरण कार्य करता है?
(A) तहसीलदार
(B) जिला कलेक्टर
(C) पुलिस अधीक्षक

Downloaded from www.pdf.tube

अधिग्रहित करने हेतु प्रभावित भू-स्वामियों में से कम से कम 70 प्रतिशत भू-स्वामियों की पूर्व सहमति प्राप्त करना अनिवार्य है। निजी कंपनियों की परियोजनाओं के मामले में यह सहमति सीमा 80 प्रतिशत तय की गई है। यह नियम किसानों की आजीविका की सुरक्षा करता है।

44. (B) मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान
मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान राजस्थान सरकार की एक विशेष राज्य-प्रायोजित योजना है, जिसे राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता हासिल करने हेतु शुरु किया गया था। इसके विपरीत, मरुस्थल विकास कार्यक्रम, सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाएँ भारत सरकार द्वारा संचालित या केंद्र-प्रायोजित योजनाएं हैं। अतः मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान केंद्र प्रायोजित योजनाओं में शामिल नहीं है।

45. (C) P-1, Q-2, R-3, S-4
भूमि अभिलेख शब्दावली और उनके सही अर्थों का मिलान इस प्रकार है। जमाबंदी आधिकारिक अधिकार अभिलेख को व्यक्त करती है जिसमें भूमि स्वामित्व दर्ज होता है। खसरा गाँव के भूमि सर्वेक्षण में प्रत्येक भू-खंड या प्लॉट को दी गई विशिष्ट संख्या है। भू-नक्शा कैडस्ट्रल मानचित्र को दर्शाता है जो खेतों की सीमाओं को दिखाता है, जबकि गिरदावरी फसल निरीक्षण रिपोर्ट है।

46. (A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
पंजाब जैसे समतल मैदानी राज्यों की तुलना में राजस्थान में चकबंदी की प्रक्रिया बहुत धीमी रही है, जिससे पहला कथन सत्य है। इसका मुख्य कारण राजस्थान की अत्यधिक विषम स्थलाकृति, अरावली पर्वतमाला, थार मरुस्थल, जल संसाधनों की असमान उपलब्धता और मिट्टी की गुणवत्ता में भारी भिन्नता है। इन भौगोलिक विषमताओं के कारण खेतों का समान मूल्यांकन और विनिमय करना जटिल होता है।

47. (B) लगभग 8%
राजस्थान के हालिया भू-राजस्व और भूमि उपयोग आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 'वन भूमि' के तहत वर्गीकृत क्षेत्र इसके कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 8 प्रतिशत है। यद्यपि राज्य वन रिपोर्ट के अनुसार दर्ज वन क्षेत्र का प्रतिशत थोड़ा अलग हो सकता है, लेकिन भू-राजस्व विभाग के आधिकारिक भूमि उपयोग वर्गीकरण में वन श्रेणी का हिस्सा लगभग 8 प्रतिशत है।

48. (B) सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, प्रारंभिक अधिसूचना, अधिग्रहण की घोषणा, मुआवजे का निर्धारण
उचित मुआवजा अधिकार अधिनियम 2013 के तहत भूमि अधिग्रहण का तार्किक क्रम निर्धारित है। सबसे पहले प्रस्तावित अधिग्रहण के सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों को जानने के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन किया जाता है। इसके पश्चात् सरकार द्वारा प्रारंभिक अधिसूचना जारी की जाती है। जन-सुनवाई के बाद अधिग्रहण की औपचारिक घोषणा की जाती है और अंत में मुआवजे का निर्धारण होता है।

49. (B) सामान्य सार्वजनिक ग्रामीण चरगाह भूमि
राजस्थान में भूमि उपयोग के संदर्भ में 'गोचर' शब्द सामान्य सार्वजनिक ग्रामीण चरगाह भूमि को संदर्भित करता है। यह भूमि संपूर्ण ग्राम समुदाय के मवेशियों और पशुओं को चराने के लिए सामूहिक रूप से आरक्षित रखी जाती है। पंचायती राज और राजस्व अभिलेखों में गोचर भूमि का विशेष दर्जा होता है। इस सार्वजनिक चरगाह भूमि का उपयोग केवल पशुधन के भरण-पोषण के लिए ही किया जा सकता है।

50. (D) नहीं, यह पूर्णतः प्रतिबंधित है
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम और राज्य राजस्व नियमों के अनुसार 'गोचर' यानी सार्वजनिक चरगाह भूमि को व्यक्तिगत खेती या स्वामित्व अधिकारों के लिए किसी भी व्यक्ति को आवंटित करना कानूनन पूर्णतः प्रतिबंधित है। उच्चतम न्यायालय और राजस्थान उच्च न्यायालय के सख्त न्यायिक आदेशों के अनुसार गोचर भूमि के आवंटन पर पूरी तरह रोक है ताकि ग्रामीण पशुधन के लिए सार्वजनिक चरगाह भूमि हमेशा संरक्षित रहे।

NODIA

51. (A) व्यक्तिगत खेती (खुदकाश्त)
भारत और राजस्थान में शुरुआती काश्तकारी सुधारों की सफलता सीमित रहने का मुख्य कारण यह था कि कानून में 'व्यक्तिगत खेती' (खुदकाश्त) के लिए भूमि रखने की छूट दी गई थी। इस कानूनी प्रावधान का दुरुपयोग करते हुए बड़े भू-स्वामियों और जागीरदारों ने दशकों से खेती कर रहे वास्तविक काश्तकारों को बेदखल कर दिया और यह दावा किया कि वे स्वयं खेती करना चाहते हैं।

52. (B) 1957
राजस्थान राज्य भूमि विकास बैंक की स्थापना वर्ष 1957 में की गई थी। यह बैंक राज्य की सहकारी साख संरचना के अंतर्गत दीर्घकालिक कृषि ऋण की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली शीर्ष संस्था के रूप में कार्य करता है। यह जिला स्तरीय प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के माध्यम से किसानों को नलकूप निर्माण, ट्रैक्टर तथा भूमि सुधार हेतु ऋण देता है।

53. (A) हर खेत को पानी
केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' का प्राथमिक आदर्श वाक्य 'हर खेत को पानी' है। इस राष्ट्रीय योजना का मुख्य ध्येय सिंचित भूमि के आच्छादन का विस्तार करना, जल संसाधनों का दक्षतापूर्वक उपयोग करना तथा 'प्रति बूंद अधिक फसल' के सिद्धांत को धरातल पर लागू करना है। इसके अंतर्गत नए जल स्रोतों के निर्माण और सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा दिया जाता है।

54. (D) विशिष्ट भूमि सर्वेक्षण संख्या (भू-खंड संख्या)
राजस्थान के भू-राजस्व और भूमि अभिलेखों में 'खसरा नंबर' गाँव के भूमि सर्वेक्षण में प्रत्येक विशिष्ट भूमि खंड या खेत को दी गई एक यूनिक सर्वे पहचान संख्या को दर्शाता है। यह संख्या

68. राजस्थान सहित भारत में सभी भूमि सुधारों का अंतिम दोहरा लक्ष्य क्या रहा है?
(A) समग्र कृषि को व्यवस्थित रूप से घटाते हुए सरकारी निर्यात करों को अधिकतम करना
(B) गांवों के तीव्र नगरीकरण को बढ़ावा देना और राज्य के कुल फसल उत्पादन को कम करना
(C) सामाजिक न्याय और कृषि उत्पादकता में वृद्धि
(D) पारंपरिक जमींदारी प्रथाओं को बढ़ावा देना और ग्रामीण बंधुआ मजदूरी को वैध बनाना

69. विषम की पहचान कीजिए। निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में शुरुआती भूमि सुधारों का मुख्य घटक नहीं था?
(A) सभी निजी कृषि भूमि का राज्य द्वारा राष्ट्रीयकरण
(B) जागीरदारों जैसे पारंपरिक मध्यवर्तियों का वैधानिक उन्मूलन
(C) पट्टे की सुरक्षा की गारंटी के लिए काश्तकारी सुधारों का कार्यान्वयन
(D) सख्त कृषि भूमि सीमा का निर्धारण और प्रवर्तन

70. राजस्थान में वार्षिक भूमि उपयोग वर्गीकरण आंकड़े तैयार करने और प्रकाशित करने के लिए प्राथमिक रूप से कौन-सा राज्य सरकार का विभाग जिम्मेदार है?
(A) खान एवं भू-विज्ञान विभाग
(B) पर्यटन विभाग
(C) शिक्षा विभाग
(D) राजस्व विभाग

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) मध्यवर्तियों को समाप्त करना और काश्तकार किसानों के स्वामित्व अधिकारों की रक्षा करना
स्वतंत्रता के पश्चात् राजस्थान में भूमि सुधारों को लागू करने का मुख्य ध्येय कृषि क्षेत्र से बिचौलियों की व्यवस्था समाप्त करना था। इससे वास्तविक काश्तकारों को उनकी भूमि पर स्थाई स्वामित्व अधिकार प्रदान किए जा सके। इस प्रक्रिया ने किसानों को शोषण से सुरक्षा दी तथा राज्य और कृषकों के मध्य प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करके कृषि उत्पादकता एवं ग्रामीण सामाजिक न्याय को सुदृढ़ आधार प्रदान किया।

2. (B) 1952
राजस्थान जागीर पुनर्ग्रहण एवं भूमि सुधार अधिनियम वर्ष 1952 में पारित किया गया था। इस ऐतिहासिक विधान का मुख्य उद्देश्य राज्य में सदियों से चली आ रही जागीरदारी प्रथा का उन्मूलन करना था। इसके माध्यम से जागीरदारों के अधिकारों को समाप्त करके भूमि का नियंत्रण राज्य सरकार के अधीन लाया गया तथा काश्तकारों को भू-राजस्व चुकाने की सीधी व्यवस्था में शामिल कर सुरक्षा प्रदान की गई।

3. (B) 1955
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम वर्ष 1955 में लागू किया गया था, जो राज्य में भूमि अधिकारों और काश्तकारी कानून का मुख्य ढांचा प्रस्तुत करता है। यह कानून काश्तकारों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित करता है तथा उन्हें बेदखली से सुरक्षा, लगान की उचित दरें और हस्तांतरणीय अधिकार प्रदान करता है। इस अधिनियम ने राज्य में कृषि भूमि के प्रबंधन और किसानों के अधिकारों की कानूनी रक्षा में दूरगामी भूमिका निभाई।

4. (A) केवल I और II
राजस्थान जागीर पुनर्ग्रहण अधिनियम वर्ष 1952 में लागू किया गया था। इसका प्रमुख उद्देश्य राज्य और वास्तविक जोतदारों के बीच के बिचौलियों यानी जागीरदारों को समाप्त करना था। अधिनियम के तहत जागीरदारों को असीमित भूमि रखने की अनुमति नहीं दी गई थी, बल्कि केवल एक निश्चित सीमा तक ही स्वयं की खेती के लिए भूमि रखने की स्वीकृति दी गई थी, ताकि सामाजिक समानता सुनिश्चित हो सके।

5. (A) खुदकाश्त
राजस्थान में जागीरदारी उन्मूलन के दौरान जागीरदारों अथवा भू-स्वामियों द्वारा अपनी व्यक्तिगत खेती के लिए रखी गई भूमि को 'खुदकाश्त' कहा जाता था। भू-सुधार कानूनों के तहत यह व्यवस्था की गई थी कि कोई भी मध्यवर्ती केवल उसी भूमि का स्वामित्व रख सकता था जिस पर वह स्वयं खेती करता था, जबकि शेष अधिशेष भूमि काश्तकारों में पुनर्वितरित करने के लिए अधिग्रहित कर ली गई।

6. (C) 1973
राजस्थान कृषि जोत पर अधिकतम सीमा का अधिरोपण अधिनियम वर्ष 1973 में अधिनियमित किया गया था। इस नए सीमा कानून ने 1955 के काश्तकारी अधिनियम के अंतर्गत पुराने प्रावधानों का स्थान लिया। इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य किसी भी व्यक्ति या परिवार द्वारा रखी जाने वाली कृषि भूमि का अधिकतम आकार तय करना था, जिससे अत्यधिक भूमि एकाधिकार को रोककर भूमिहीन कृषकों में अधिशेष भूमि बांटी जा सके।

7. (A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
भारत में विभिन्न राज्यों द्वारा अधिनियमित भूमि सीमा और सुधार कानूनों को प्रथम संविधान संशोधन 1951 के माध्यम से भारतीय संविधान की नवमी अनुसूची में शामिल किया गया था। इस व्यवस्था का मुख्य ध्येय इन प्रगतिशील कृषि कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर होने वाली अदालती चुनौतियों से बचाना था। अतः कथन तथा कारण दोनों पूर्णतः सत्य हैं एवं कारण कथन की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

8. (C) खातेदार काश्तकार
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के अंतर्गत जिस काश्तकार को भूमि पर स्थायी, वंशागत और हस्तांतरणीय अधिकार प्राप्त होते हैं, उसे खातेदार काश्तकार कहा जाता है। यह श्रेणी काश्तकारी अधिकारों में सर्वोच्च मानी जाती है। ऐसे काश्तकारों को अपनी भूमि को बेचने, पट्टे पर देने या बंधक रखने की पूरी कानूनी स्वतंत्रता होती है तथा उन्हें राज्य की ओर से भूमि से अनुचित बेदखली के विरुद्ध पूर्ण संवैधानिक व कानूनी सुरक्षा मिलती है।

9. (D) भूदान आंदोलन
स्वैच्छिक आधार पर भू-स्वामियों से भूमि दान में लेकर उसे भूमिहीन किसानों में वितरित करने के उद्देश्य से आचार्य विनोबा भावे ने भूदान आंदोलन की शुरुआत की थी। राजस्थान में भी इस आंदोलन को व्यापक समर्थन मिला था तथा राज्य सरकार ने इस प्रक्रिया को कानूनी स्वरूप देने के लिए राजस्थान भूदान यज्ञ अधिनियम पारित किया था। यह आंदोलन बिना किसी वैधानिक बल के नैतिक चेतना द्वारा भूमि पुनर्वितरण का अनूठा प्रयास था।

10. (A) P-3, Q-1, R-2, S-4
राजस्थान में भूमि सुधार हेतु बनाए गए प्रमुख अधिनियमों का सही वर्ष अनुसार मिलान इस प्रकार है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम वर्ष 1955 में लागू किया गया था। राजस्थान जागीर पुनर्ग्रहण अधिनियम वर्ष 1952 में पारित हुआ था। राजस्थान

NODIA

भूदान यज्ञ अधिनियम वर्ष 1954 में बनाया गया था, जबकि राजस्थान कृषि जोत पर अधिकतम सीमा का अधिरोपण अधिनियम वर्ष 1973 में लागू किया गया था। यह सभी अधिनियम भूमि सुधार में सहायक रहे।

11. (B) चकबंदी (भूमि समेकन)
कृषि भूमि के छोटे, विखंडित और दूर-दूर बिखरे हुए टुकड़ों को एक ही स्थान पर एकत्रित करके एक बड़ा एवं सघन खेत बनाने की प्रक्रिया को चकबंदी या भूमि समेकन कहा जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि प्रबंधन में आसानी प्रदान करना है, जिससे समय, श्रम और संसाधनों की बचत होती है। चकबंदी से आधुनिक कृषि उपकरणों, नलकूपों और सिंचाई प्रणालियों का प्रभावी उपयोग संभव हो पाता है।

12. (B) गाँव के कुल भूमि क्षेत्र को कम करना
चकबंदी की प्रक्रिया के माध्यम से किसानों के विखंडित खेतों का पुनर्संयोजन किया जाता है, जिससे उनके समय और कृषि श्रम की बचत होती है। यह आधुनिक सिंचाई प्रणालियों के उपयोग को सुगम बनाती है तथा खेतों की सीमाओं से जुड़े विवादों को कम करती है। हालाँकि, इस प्रक्रिया से गाँव का कुल भौगोलिक या कृषि योग्य भूमि क्षेत्र कभी कम नहीं होता, बल्कि भूमि का उपयोग अधिक कुशल और वैज्ञानिक हो जाता है।

13. (C) 2008
भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम वर्ष 2008 में शुरु किया गया था। इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य देश भर में भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण करना, कैडस्ट्रल मानचित्रों का अद्यतन करना तथा भू-राजस्व प्रशासन को पारदर्शी बनाना है। वर्तमान में इसे डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के नाम से जाना जाता है, जिससे नागरिकों को आसानी से ऑनलाइन भूमि दस्तावेज और नामांतरण की सुविधा मिल रही है।

14. (C) अपना खाता
राजस्थान सरकार द्वारा भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और नागरिकों की ऑनलाइन पहुँच हेतु 'अपना खाता' नामक आधिकारिक वेब पोर्टल संचालित किया जाता है। इसे ई-धरती पोर्टल भी कहा जाता है। इस पोर्टल के माध्यम से राज्य के किसान और भूमि स्वामी घर बैठे अपनी जमाबंदी की प्रति, खसरा नंबर, तथा भूमि स्वामित्व का विवरण देख सकते हैं। इससे राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता आई है और पटवारघर जाने की निर्भरता घटी है।

15. (D) बही-खाता
जमाबंदी, गिरदावरी और भू-नक्शा राजस्थान में राजस्व विभाग द्वारा प्रयुक्त आधिकारिक भूमि अभिलेख दस्तावेज हैं। जमाबंदी अधिकार अभिलेख को दर्शाती है, गिरदावरी फसल निरीक्षण की रिपोर्ट है तथा भू-नक्शा खेतों के कैडस्ट्रल मानचित्र को प्रदर्शित करता है। इसके विपरीत, बही-खाता एक सामान्य व्यापारिक या निजी वित्तीय लेखांकन पंजी है, जो सरकारी भू-राजस्व अभिलेखों की श्रेणी में शामिल नहीं होती है।

16. (A) केवल I और II
राजस्थान में प्राथमिक भूमि विकास बैंक किसानों को दीर्घकालिक कृषि ऋण प्रदान करते हैं। ये बैंक नलकूप खनन, ट्रैक्टर क्रय, भूमि समतल करने और स्थायी संरचनाओं के निर्माण हेतु ऋण देते हैं, जिसके लिए कृषि भूमि को बंधक के रूप में स्वीकार किया जाता है। दैनिक घरेलू जरुरतों या उर्वरक जैसे अल्पकालिक कार्यों के लिए ये बैंक ऋण नहीं देते, बल्कि इसके लिए प्राथमिक कृषि साख समितियां कार्य करती हैं।

17. (B) जमाबंदी
राजस्थान में किसी भी किसान की भूमि के अधिकार अभिलेख की कंप्यूटरीकृत प्रति को सामान्यतः जमाबंदी कहा जाता है। यह राजस्व प्रशासन का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण कानूनी दस्तावेज है, जिसमें भूमि के मालिक का नाम, खसरा नंबर, भूमि का क्षेत्रफल, भूमि की श्रेणी और उस पर देय भू-राजस्व का पूरा ब्योरा अंकित होता है। वर्तमान में इसे ई-धरती पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रुप से प्राप्त किया जा सकता है।

18. (D) भू-नक्शा
राजस्थान में कृषि जोतों के भू-संदर्भित कैडस्ट्रल मानचित्रों यानी खेतों की भौगोलिक सीमाओं के डिजिटलीकरण हेतु 'भू-नक्शा' पोर्टल समर्पित है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित यह सॉफ्टवेयर किसानों को उनकी भूमि के सटीक नक्शे को खसरा नंबर के आधार पर ऑनलाइन देखने और डाउनलोड करने की सुविधा प्रदान करता है। इससे भू-राजस्व अभिलेखों और वास्तविक धरातलीय सीमाओं के बीच पूर्ण स्पष्टता, सुगमता तथा प्रशासनिक पारदर्शिता स्थापित हुई है।

19. (A) एक आवधिक फसल निरीक्षण रिपोर्ट
राजस्थान में भू-राजस्व प्रशासन के संदर्भ में 'गिरदावरी' एक आवधिक फसल निरीक्षण रिपोर्ट को संदर्भित करती है। पटवारी द्वारा प्रत्येक कृषि मौसम में खेतों का व्यक्तिगत दौरा करके यह दस्तावेज तैयार किया जाता है। इसमें खेतों में बोई गई वास्तविक फसलों, सिंचाई के साधनों, कृषि भूमि की स्थिति तथा प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का ब्योरा दर्ज किया जाता है, जो कृषि नीतियों और मुआवजे हेतु अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

20. (C) अजमेर
राजस्थान राजस्व मंडल का मुख्यालय अजमेर जिले में स्थित है। यह मंडल राज्य में भू-राजस्व प्रशासन, भूमि अभिलेखों के रख-रखाव तथा कृषि मामलों से संबंधित भूमि विवादों के निपटारे के लिए सर्वोच्च अपीलीय एवं पुनरीक्षण न्यायिक निकाय के रूप में कार्य करता है। वर्ष 1949 में स्थापित यह निकाय अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों के कामकाज का पर्यवेक्षण करता है तथा राज्य में भू-अभिलेख प्रणाली का कुशल संचालन सुनिश्चित करता है।

21. (B) 1977-78
मरुस्थल विकास कार्यक्रम केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 1977-78 में प्रारंभ किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को रोकना, प्रतिकूल

NODIA

जलवायु परिस्थितियों के प्रभाव को कम करना तथा शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में पारिस्थितिक संतुलन की पुनस्थापना करना है। यह कार्यक्रम भूमि संरक्षण, जलागम विकास, वनीकरण तथा जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन पर विशेष रूप से केंद्रित है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का सतत विकास हो सके।

22. (D) फसलों और भूमि पर सूखे के प्रभाव को कम करना
सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम का प्राथमिक ध्यान फसलों, पशुधन और भूमि जैसे संसाधनों पर सूखे के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भूमि, जल और वन संसाधनों का समेकित विकास करके दीर्घकालिक आधार पर सूखे की विभीषिका को समाप्त करना है। इसके अंतर्गत जल संरक्षण, मृदा नमी संरक्षण, चारागाह विकास और वनीकरण जैसी गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण पारिस्थितिकी को सुदृढ़ बनाया जाता है।

23. (C) 75 : 25
राजस्थान में मरुस्थल विकास कार्यक्रम के संचालन और कार्यान्वयन हेतु वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच वित्तपोषण का अनुपात 75 : 25 निर्धारित है। इसमें 75 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार द्वारा अनुदान के रूप में प्रदान की जाती है, जबकि शेष 25 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है। इस वित्तीय सहयोग का उपयोग शुष्क क्षेत्रों में जल संरक्षण, भूमि सुधार और मरुस्थलीकरण की रोकथाम के कार्यों में किया जाता है।

24. (A) 1, 2, 3, 4
ग्रामीण भूमि विकास कार्यक्रमों का सही कालानुक्रमिक क्रम उनके प्रारंभ होने के वर्ष पर आधारित है। सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम वर्ष 1974-75 में शुरू किया गया था। मरुस्थल विकास कार्यक्रम वर्ष 1977-78 में प्रारंभ हुआ। इसके पश्चात् एकीकृत जलागम विकास कार्यक्रम वर्ष 1989-90 में लागू किया गया था, जबकि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की शुरुआत वर्ष 2015 में की गई थी। अतः प्रस्तुत क्रम पूरी तरह से सही है।

25. (D) सिंचाई के लिए कृषि फार्म पोंड (डिग्गी) का निर्माण करना
राजस्थान में 'डिग्गी' निर्माण योजना का मुख्य उद्देश्य सिंचित क्षेत्रों में नहरी जल को संग्रहित करने के लिए कृषि फार्म पोंड यानी डिग्गियों का निर्माण करना है। नहरी पानी की बारी-बारी से होने वाली आपूर्ति के दौरान पानी को डिग्गी में जमा कर लिया जाता है। इस संग्रहित जल का उपयोग किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार फसलों की सिंचाई के लिए करते हैं, जिससे जल दक्षता में वृद्धि होती है और जल की बर्बादी रुकती है।

26. (B) P-1, Q-2, R-3, S-4
ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का उनके प्रारंभ वर्षों से सही सुमेल इस प्रकार है। सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम वर्ष 1974-75 में शुरु हुआ था। मरुस्थल विकास कार्यक्रम वर्ष 1977-78 में प्रारंभ किया गया था। एकीकृत जलागम विकास कार्यक्रम वर्ष 1989-90 में लागू किया गया था, तथा राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम वर्ष 2008 में शुरु किया गया था। यह सभी योजनाएं ग्रामीण तथा कृषि विकास में महत्वपूर्ण रही हैं।

27. (B) लघु, सीमांत और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के किसान
राजस्थान में डिग्गी निर्माण योजना के अंतर्गत लघु, सीमांत और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के किसानों को तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिशत में सरकारी अनुदान प्रदान किया जाता है। राज्य सरकार का उद्देश्य कमजोर और छोटे किसानों को वित्तीय सहायता देकर जल संग्रहण अवसंरचना के निर्माण हेतु प्रोत्साहित करना है। इससे छोटे कृषि फार्मों पर सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होता है तथा किसानों की लागत कम हो जाती है।

28. (B) बांसवाड़ा
राजस्थान में मरुस्थल विकास कार्यक्रम विशेष रूप से राज्य के शुष्क एवं मरुस्थलीय जिलों में संचालित किया जाता है। जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर जैसे पश्चिमी मरुस्थलीय जिले इस कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल हैं, जहाँ मरुस्थलीकरण की समस्या अत्यधिक है। इसके विपरीत, बांसवाड़ा जिला राज्य के दक्षिणी भाग में स्थित एक उच्च वर्षा वाला और जनजातीय बहुल क्षेत्र है, जो मरुस्थल विकास कार्यक्रम के दायरे में शामिल नहीं है।

29. (A) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम को भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत एक घटक के रूप में मिला दिया गया है। इस विलय का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण, मृदा नमी प्रबंधन और जलागम विकास के कार्यों को एक ही एकीकृत मंच के तहत संचालित करना है। इस योजना के माध्यम से हर खेत तक पानी की पहुँच सुनिश्चित करने और जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

30. (D) (A) गलत है लेकिन (R) सही है।
प्राथमिक भूमि विकास बैंक किसानों को भूमि सुधार और नलकूप निर्माण के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदान करते हैं, न कि अल्पकालिक फसल ऋण। इस कारण से पहला कथन असत्य है। दूसरी ओर, तत्काल बुआई के मौसम के दौरान उन्नत बीज, उर्वरक और कीटनाशक खरीदने के लिए किसानों को अल्पकालिक ऋणों की आवश्यकता निश्चित रूप से होती है। अतः प्रस्तुत कारण पूर्णतः सही है, जबकि दिया गया कथन गलत सिद्ध होता है।

31. (D) शुद्ध बोया गया क्षेत्र
राजस्थान के भूमि उपयोग आंकड़ों के अनुसार, राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में सबसे बड़ा प्रतिशत 'शुद्ध बोया गया क्षेत्र' श्रेणी के अंतर्गत आता है। राज्य में विशाल मरुस्थलीय और बंजर भूमि का विस्तार होने के बावजूद, विभिन्न नहरी सिंचाई परियोजनाओं और मानसूनी कृषि के माध्यम से कुल भूमि का सबसे बड़ा हिस्सा फसल उत्पादन के लिए उपयोग में

Downloaded from www.pdf.tube

लाया जाता है। यह क्षेत्र राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है।

32. (B) 1 से 5 कृषि वर्ष
भूमि उपयोग वर्गीकरण के स्थापित मानकों के अनुसार, 'अन्य परती भूमि' से तात्पर्य उस कृषि भूमि से है जिस पर लगातार 1 से 5 कृषि वर्षों की अवधि तक खेती नहीं की गई हो। यदि कोई भूमि केवल एक कृषि वर्ष या उससे कम समय के लिए बिना बोए छोड़ी जाती है, तो उसे 'वर्तमान परती भूमि' कहते हैं, जबकि अधिक समय से अनुपयोगी भूमि बंजर होती है।

33. (B) 1985
भूमि क्षरण, मरुस्थलीकरण और बंजर भूमि के फैलाव से निपटने हेतु भारत सरकार द्वारा वर्ष 1985 में राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड की स्थापना की गई थी। इस बोर्ड का प्राथमिक उद्देश्य देश में खराब हुई भूमि और बंजर क्षेत्रों को पहचानकर उनके कायाकल्प, मृदा संरक्षण, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और चारागाह विकास के माध्यम से उन्हें पुनः उपजाऊ व हरित आवरण में परिवर्तित करना था ताकि कृषि उत्पादकता बढ़ सके।

34. (B) 2.73 हेक्टेयर
कृषि संगणना 2015-16 के अनुसार, राजस्थान में एक परिचालन भूमि जोत का औसत आकार लगभग 2.73 हेक्टेयर दर्ज किया गया था। यद्यपि राष्ट्रीय औसत की तुलना में यह आकार बड़ा प्रतीत होता है, लेकिन राज्य के पश्चिमी शुष्क क्षेत्रों में कम उत्पादकता के कारण जोतों का आकार बड़ा है। विगत कृषि गणनाओं की तुलना में राजस्थान में औसत जोत आकार में निरंतर गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई है।

35. (A) केवल I और II
राजस्थान में बढ़ती जनसंख्या और पारिवारिक विभाजनों के कारण भूमि जोतों का निरंतर विखंडन हो रहा है, जिससे औसत जोत आकार में कमी आई है। राज्य में कुल कृषकों में सीमांत (1 हेक्टेयर से कम) और लघु किसानों (1 से 2 हेक्टेयर) का प्रतिशत सबसे अधिक है। बड़ी परिचालन जोत वाले भू-स्वामियों की संख्या अत्यंत कम है, अतः कथन I व II सही हैं।

36. (A) 1 हेक्टेयर
भारत तथा राजस्थान में कृषि संगणना के मानक वर्गीकरण के अनुसार, 'सीमांत किसान' उस कृषक को माना जाता है जिसके पास अधिकतम 1 हेक्टेयर (या 2.47 एकड़) तक की परिचालन कृषि भूमि होती है। सीमांत किसान कृषि क्षेत्र के सबसे संवेदनशील वर्ग में आते हैं। राज्य में कुल जोतों की संख्या में सीमांत किसानों का हिस्सा सर्वाधिक है, जिन्हें मदद की आवश्यकता होती है।

37. (B) 1 से 2 हेक्टेयर
भारत में आधिकारिक कृषि वर्गीकरण के अनुसार, एक 'लघु किसान' (छोटे किसान) को उस व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसके पास 1 हेक्टेयर से अधिक और 2 हेक्टेयर तक की परिचालन कृषि भूमि होती है। सीमांत किसानों के बाद लघु किसान कृषि क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा समूह बनाते हैं। इन किसानों की भूमि जोत का आकार सीमित होता है।

38. (D) उनमें वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है
कृषि संगणना 2015-16 के अनुसार, राजस्थान में महिला परिचालन भूमि जोतों की संख्या और क्षेत्रफल दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। यह बदलाव ग्रामीण समाज में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, भूमि स्वामित्व के प्रति बढ़ती जागरूकता तथा सरकारी प्रोत्साहन नीतियों का परिणाम है। पुरुषों के पलायन के कारण भी कृषि प्रबंधन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

39. (B) जलभराव और मृदा लवणता
राजस्थान के इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में कृषि भूमि के क्षरण के लिए मुख्य रूप से जलभराव और मृदा लवणता (सेम की समस्या) जिम्मेदार है। अत्यधिक सिंचाई, अनुचित जल निकासी व्यवस्था और नहरों से रिसाव के कारण भूमिगत जल स्तर खतरनाक रूप से ऊपर उठ जाता है। इसके परिणामस्वरूप केशिका क्रिया द्वारा हानिकारक लवण मिट्टी की ऊपरी सतह पर जमा होकर उपजाऊ कृषि भूमि को बंजर बना देते हैं।

40. (C) पश्चिमी मरुस्थल
राजस्थान का पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र तीव्र वायु अपरदन और मृदा क्षरण से सर्वाधिक प्रभावित भौगोलिक भाग है। थार मरुस्थल में चलने वाली शुष्क और तीव्र गति की पवनें मिट्टी के उपजाऊ कणों को उड़ाकर दूर ले जाती हैं तथा बालू के टीलों का निरंतर स्थानांतरण करती हैं। विरली वनस्पति, कम वर्षा और शुष्क जलवायु परिस्थितियाँ इस क्षेत्र में वायु अपरदन को बढ़ाती हैं।

41. (D) जिप्सम
राजस्थान में क्षारीय और सोडीयम युक्त मृदा को सुधारने के लिए सरकारी योजनाओं के तहत जिप्सम खनिज का अत्यधिक उपयोग किया जाता है और किसानों को इस पर भारी सब्सिडी दी जाती है। जिप्सम मिट्टी में उपस्थित सोडियम आयनों को कैल्शियम से बदलकर मिट्टी की भौतिक और रासायनिक संरचना में सुधार करता है। इससे मिट्टी की उर्वरता पुनः लौटती है।

NODIA

42. (C) 2013
भारत सरकार द्वारा 'भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम' वर्ष 2013 में पारित किया गया था। इस प्रगतिशील कानून ने वर्ष 1894 के पुराने भूमि अधिग्रहण कानून का स्थान लिया। इसका मुख्य उद्देश्य विकास परियोजनाओं हेतु भूमि अधिग्रहित करते समय प्रभावित भू-स्वामियों को उचित मुआवजा देना, उनकी सहमति प्राप्त करना तथा पारदर्शी पुनर्वास प्रक्रिया सुनिश्चित करना है।

43. (C) 70%
भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार, सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजनाओं के लिए निजी भूमि

(D) पटवारी

56. निम्नलिखित में से किसे राजस्थान में भूमि सुधार नीति के लिए एक बड़ी निरंतर चुनौती माना जाता है?
(A) छोटे और सीमांत किसानों का पूर्ण संरचनात्मक उन्मूलन
(B) उपजाऊ कृषि भूमि की अत्यधिक अप्रयुक्त उपलब्धता
(C) उत्तराधिकार के कारण भूमि जोतों का उप-विभाजन (विखंडन)
(D) डिजिटल राजस्व भूमि अभिलेखों की पूर्ण अनुपस्थिति और कमी

57. राजस्थान की स्थानीय शब्दावली में, वह कृषि भूमि जो पूरी तरह से वर्षा पर आधारित है और जहाँ कृत्रिम सिंचाई सुविधाओं का अभाव है, क्या कहलाती है?
(A) चाही
(B) नहरी
(C) तालाबी
(D) बारानी

58. मुख्य रूप से नहरों द्वारा सिंचित कृषि भूमि को राजस्व अभिलेखों में किस रूप में वर्गीकृत किया जाता है?
(A) नहरी
(B) चाही
(C) बारानी
(D) बंजारी

59. निम्नलिखित में से कौन-सी भारत में परिचालन भूमि जोत आकार की एक मान्यता प्राप्त श्रेणी नहीं है?
(A) सीमांत जोत
(B) वृहद जोत
(C) लघु जोत
(D) बड़ी जोत

60. एक 'बड़ा किसान' वह वर्गीकृत किया जाता है जिसके पास कितनी परिचालन भूमि जोत होती है?
(A) 2 से 4 हेक्टेयर
(B) 4 से 10 हेक्टेयर
(C) 10 हेक्टेयर और उससे अधिक
(D) ठीक 50 हेक्टेयर

61. भूमि सुधार कानूनों को न्यायिक समीक्षा से बचाने के लिए बनाई गई 9वीं अनुसूची को किस संविधान संशोधन द्वारा भारतीय संविधान में जोड़ा गया था?
(A) प्रथम संशोधन, 1951
(B) 42वां संशोधन, 1976
(C) 44वां संशोधन, 1978
(D) 73वां संशोधन, 1992

62. राजस्थान के किस जिले में बंजर भूमि का अनुपात सबसे अधिक है?
(A) जयपुर
(B) कोटा
(C) जैसलमेर
(D) भरतपुर

63. डिग्गी निर्माण योजना के तहत, बारी-बारी से मिलने वाले नहरी जल को संग्रहित करने के लिए राजस्थान के किस क्षेत्र में सबसे अधिक और सफलतापूर्वक डिग्गियों (कृषि तालाबों) का निर्माण किया जाता है?
(A) उदयपुर और सिरोही जैसे अरावली पर्वतीय जिले
(B) कोटा और बूंदी सहित हाड़ौती पठार क्षेत्र
(C) धौलपुर और भरतपुर जैसे पूर्वी मैदानी क्षेत्र
(D) नहरी कमान क्षेत्र

64. भूमि प्रशासन के संदर्भ में डीआईएलआरएमपी का संक्षिप्त रूप क्या है?
(A) डिस्ट्रिक्ट इन्वेस्टमेन्ट एंड लैंड रेवेन्यू मैनेजमेंट प्रोग्राम
(B) डायरेक्ट इनकम फॉर लैंड रिकॉर्ड मैनेजमेंट पॉलिसी
(C) डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम
(D) डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनल लैंड रिफॉर्म एंड मैपिंग प्रोजेक्ट

65. 'भूमि सीमा' (लैंड सीलिंग) नीति को लागू करने का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) बड़े कॉर्पोरेट कृषि एकाधिकार और औद्योगिक भूमि उपयोग को बढ़ावा देना
(B) अधिशेष भूमि का पुनर्वितरण करके समतामूलक भूमि वितरण करना
(C) सभी खेतों की चारदीवारी की ऊंचाई और भौतिक बाड़ लगाना बढ़ाना
(D) ग्रामीण कृषि आबादी को प्रमुख शहरी केंद्रों में जबरन स्थानांतरित करना

66. राजस्थान में वर्तमान भूमि उपयोग पैटर्न के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) शुद्ध बोया गया क्षेत्र लगातार राज्य के कुल भूमि उपयोग का सबसे बड़ा एकल प्रतिशत बनाता है।
(B) तीव्र नगरीकरण के कारण गैर-कृषि उपयोगों के अंतर्गत कुल क्षेत्र धीरे-धीरे बढ़ रहा है।
(C) भूमि का एक महत्वपूर्ण भौगोलिक भाग कृषि योग्य बंजर भूमि के रूप में वर्गीकृत है।
(D) राजस्थान की संपूर्ण भूमि गहन बहु-फसली कृषि के लिए उपयुक्त है।

67. 'कृषि योग्य बंजर भूमि' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) वह भूमि जो खेती के लिए उपलब्ध है लेकिन पांच वर्ष से अधिक समय से खेती नहीं की गई है
(B) वह भूमि जिस पर कभी खेती नहीं की गई है और किसी भी स्थिति में खेती नहीं की जा सकती
(C) वह भूमि जिस पर वर्तमान में फसलें बोई गई हैं
(D) राजमार्गों के निर्माण के लिए सख्ती से आरक्षित भूमि

Click Here to Buy book on Amazon

राजस्व मानचित्र में भूमि के भौगोलिक आकार, स्थिति और क्षेत्रफल को चिह्नित करती है। खसरा नंबर के आधार पर ही जमाबंदी अधिकार अभिलेख में भूमि स्वामी का नाम और ब्योरा दर्ज होता है।

55. (B) जिला कलेक्टर
राजस्थान में जिला स्तर पर भू-राजस्व, भूमि अभिलेखों और काश्तकारी विवादों के निपटारे हेतु जिला कलेक्टर प्राथमिक अपीलीय अधिकारी के रूप में कार्य करते हैं। उपखंड अधिकारी तथा तहसीलदार द्वारा पारित राजस्व निर्णयों और भूमि नामांतरण आदेशों के विरुद्ध अपील जिला कलेक्टर के न्यायालय में प्रस्तुत की जाती है। जिला स्तर पर सर्वोच्च राजस्व नियंत्रण कलेक्टर के पास ही रहता है।

56. (C) उत्तराधिकार के कारण भूमि जोतों का उप-विभाजन (विखंडन)
राजस्थान में भूमि सुधार नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तराधिकार के नियमों के कारण कृषि जोतों का निरंतर उप-विभाजन और विखंडन एक बड़ी संरचनात्मक चुनौती बना हुआ है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी होने वाले पारिवारिक बंटवारे के कारण खेतों का आकार अत्यंत छोटा और बिखरा हुआ हो जाता है, जिससे आधुनिक कृषि तकनीकों, मशीनों और सिंचाई साधनों का उपयोग कठिन हो जाता है।

57. (D) बारानी
राजस्थान की स्थानीय भू-राजस्व शब्दावली में वह कृषि भूमि जो पूरी तरह से केवल प्राकृतिक वर्षा पर ही निर्भर होती है और जहाँ नहरी या कूप सिंचाई जैसी कृत्रिम सिंचाई सुविधाओं का पूर्ण अभाव होता है, 'बारानी' भूमि कहलाती है। राज्य के पश्चिमी और शुष्क अंचलों में बारानी भूमि का विशाल हिस्सा मौजूद है, जहाँ केवल मानसून के दौरान खरीफ फसलें बोई जाती हैं।

58. (A) नहरी
राजस्थान में भू-राजस्व अभिलेखों के अंतर्गत कृषि भूमि का वर्गीकरण सिंचाई के साधनों के आधार पर किया जाता है। मुख्य रूप से नहरों के माध्यम से सिंचित होने वाली कृषि भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में 'नहरी' भूमि के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इसके विपरीत कुओं या नलकूपों से सिंचित भूमि को 'चाही' तथा वर्षा पर आश्रित भूमि को 'बारानी' कहते हैं।

59. (B) वृहद जोत
भारत में कृषि संगणना के तहत परिचालन भूमि जोत आकार को मुख्यतः पांच आधिकारिक श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: सीमांत जोत (1 हेक्टेयर से कम), लघु जोत (1 से 2 हेक्टेयर), अर्ध-मध्यम जोत (2 से 4 हेक्टेयर), मध्यम जोत (4 से 10 हेक्टेयर) और बड़ी जोत (10 हेक्टेयर व अधिक)। 'वृहद जोत' नाम की कोई आधिकारिक श्रेणी स्वीकृत नहीं है।

60. (C) 10 हेक्टेयर और उससे अधिक
कृषि संगणना के आधिकारिक वर्गीकरण मानकों के अनुसार, 'बड़ा किसान' उस व्यक्ति को माना जाता है जिसके पास 10 हेक्टेयर (लगभग 24.7 एकड़) या उससे अधिक आकार की परिचालन कृषि भूमि होती है। भारतीय कृषि में इस श्रेणी के किसानों का प्रतिशत बहुत कम है, लेकिन कुल कृषि भूमि के काफी बड़े हिस्से पर इनका नियंत्रण होता है। ये समृद्ध हैं।

61. (A) प्रथम संशोधन, 1951
भारतीय संविधान में नवमी अनुसूची को प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा जोड़ा गया था। इस संशोधन का प्राथमिक उद्देश्य स्वतंत्रता के पश्चात् राज्यों द्वारा पारित भूमि सुधार और जमींदारी उन्मूलन कानूनों को वैधानिक सुरक्षा प्रदान करना था। नवमी अनुसूची में शामिल अधिनियमों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर अदालती चुनौतियों और न्यायिक समीक्षा से सुरक्षा मिली थी।

NODIA

62. (C) जैसलमेर
राजस्थान में भौगोलिक दृष्टि से जैसलमेर जिले में बंजर और अनुपयोगी भूमि का अनुपात सर्वाधिक है। यह जिला थार मरुस्थल के केंद्र में स्थित है, जहाँ अत्यधिक शुष्क जलवायु, नाममात्र की वार्षिक वर्षा, तेज हवाओं से निर्मित बालू के टीले और जल संसाधनों की भारी कमी पाई जाती है। इन्हीं कारणों से जैसलमेर का अधिकांश क्षेत्र बंजर भूमि में आता है।

63. (D) नहरी कमान क्षेत्र
राजस्थान में डिग्गी निर्माण योजना का सर्वाधिक सफल और व्यापक कार्यान्वयन नहरी कमान क्षेत्रों में हुआ है, जैसे इंदिरा गांधी नहर परियोजना तथा गंगनहर कमान क्षेत्र। इन नहरी क्षेत्रों में किसानों को वारबंदी प्रणाली के तहत निश्चित समय के लिए नहरी पानी मिलता है। उस जल को कृषि पोंड या डिग्गियों में संग्रहित कर लिया जाता है, जिससे लाभ होता है।

64. (C) डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम
भूमि प्रशासन और भू-राजस्व प्रबंधन के संदर्भ में डीआईएलआरएमपी का संक्षिप्त रूप 'डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम' (डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम) है। वर्ष 2008 में शुरू किए गए राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम का पुनर्नामकरण करके यह योजना चलाई गई है। इसका मुख्य उद्देश्य देश भर में भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण तथा पारदर्शी ऑनलाइन सेवा प्रदान करना है।

65. (B) अधिशेष भूमि का पुनर्वितरण करके समतामूलक भूमि वितरण करना
'भूमि सीमा' (लैंड सीलिंग) नीति को लागू करने का प्राथमिक सामाजिक-आर्थिक उद्देश्य किसी भी भू-स्वामी द्वारा रखी जाने वाली कृषि भूमि के अधिकतम आकार की सीमा तय करना है। इस सीमा से अधिक घोषित अधिशेष भूमि को राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित करके भूमिहीन किसानों, छोटे काश्तकारों और कमजोर वर्गों के बीच पुनर्वितरित किया जाता है। इससे समतामूलक वितरण होता है।

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (D) पर्याप्त ग्रामीण रोजगार और विदेशी मुद्रा सृजित करता है
हस्तशिल्प उद्योग राजस्थान की अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह उद्योग राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों कारीगरों और बुनकरों को आजीविका के स्थाई अवसर प्रदान करता है। स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक हस्तकौशल पर आधारित होने के कारण इसमें भारी पूंजी निवेश की आवश्यकता नहीं होती। निर्मित हस्तशिल्प वस्तुओं का विदेशों में बड़े पैमाने पर निर्यात किया जाता है, जिससे राज्य को पर्याप्त विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है तथा आर्थिक समृद्धि बढ़ती है।

2. (C) ब्लू पॉटरी
जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी कला एक अनूठी पारंपरिक मृदा कला है जिसमें पारंपरिक चिकनी मिट्टी का उपयोग नहीं किया जाता है। इसके स्थान पर क्वार्ट्ज़ चूर्ण, काँच, सोडियम सल्फेट, मुल्तानी मिट्टी और गोंद के मिश्रण से बर्तन तथा सजावटी वस्तुएं बनाई जाती हैं। इस कला में मुख्यतः नीले और हरे रंगों का सुंदर हस्त-चित्रण किया जाता है। सवाई रामसिंह के शासनकाल में इस कला को अत्यधिक संरक्षण प्राप्त हुआ था, जिससे जयपुर को वैश्विक पहचान मिली।

3. (B) नील और मजीठ जैसी गहरी पृष्ठभूमि पर प्राकृतिक रंग
बगरू प्रिंट राजस्थान की एक पारंपरिक हस्त-ब्लॉक छपाई कला है जो मुख्यतः जयपुर जिले के बगरू क्षेत्र में केंद्रित है। यह कला शैली मुख्य रूप से प्राकृतिक एवं वनस्पति रंगों के प्रयोग तथा विशिष्ट लकड़ी के ब्लॉकों के हस्त-मुद्रण के लिए जानी जाती है। इसमें नील से प्राप्त नीले तथा मजीठ से प्राप्त लाल-भूरे जैसे गहरे रंगों की पृष्ठभूमि पर कलात्मक प्राकृतिक डिजाइनों की छपाई की जाती है, जो इसे अत्यंत विशिष्ट बनाती है।

4. (D) इसमें हल्के श्वेत पृष्ठभूमि पर सूक्ष्म पुष्प आकृतियां होती हैं।
सांगानेरी प्रिंट जयपुर के सांगानेर क्षेत्र की एक अत्यंत प्रसिद्ध हस्त-ब्लॉक प्रिंटिंग कला है। इस कला की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें हल्के श्वेत या परिधान की साफ पृष्ठभूमि पर लकड़ी के नक्काशीदार थप्पों की सहायता से अत्यंत सूक्ष्म एवं मनमोहक पुष्प आकृतियां तथा बेल-बूटों का अंकन किया जाता है। इसमें प्रयुक्त प्राकृतिक रंग कपड़ों पर अत्यंत जीवंत दिखाई देते हैं और इस पारंपरिक शिल्प को जीआई टैग भी प्राप्त हो चुका है।

5. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
जयपुर को राजस्थान में मीनाकारी कला का सबसे बड़ा और प्रमुख केंद्र माना जाता है। आमेर के महाराजा मानसिंह प्रथम 16वीं शताब्दी में लाहौर से कुशल मीनाकारी कारीगरों को जयपुर लाए थे, जिसके बाद यह कला यहाँ अत्यधिक फली-फूली। सोने एवं चांदी के आभूषणों पर रंगीन कांचिया या मीना चढ़ाने की यह सूक्ष्म कला जयपुर की सांस्कृतिक धरोहर की पहचान बन चुकी है। अतः दिया गया कथन और कारण दोनों पूर्णतः सही और तर्कसंगत हैं।

6. (C) सोने के पतले वरक का उपयोग करके शुद्ध सोने में बहुमूल्य रत्नों की जड़ाई करना
राजस्थान की प्रसिद्ध कुंदन कला सोने के आभूषणों के निर्माण की एक प्राचीन और जटिल शिल्प कला है। इस कला में शुद्ध 24 कैरेट सोने के पतले वरक या पन्नी की परतों का उपयोग करके सोने के खांचों में बहुमूल्य रत्नों, हीरों और पन्नों को कुशलतापूर्वक जड़ा जाता है। जयपुर कुंदन कार्य का प्रमुख केंद्र है। इस हस्तशिल्प में आभूषणों के पृष्ठ भाग पर मीनाकारी और अग्र भाग पर कुंदन जड़ाई का अद्भुत संतुलन देखा जाता है।

7. (A) खाट
कोटा डोरिया वस्त्र अपनी विशिष्ट बुनावट तथा हलकेपन के लिए विश्व स्तर पर विख्यात है। इस कपड़े के निर्माण में सूती और रेशमी धागों के संयोजन से एक विशेष जालीदार संरचना बनाई जाती है। ताने और बाने के धागों के ताने-बाने से जो छोटे-छोटे वर्गाकार चौखाने निर्मित होते हैं, उन्हें स्थानीय बुनकरों की भाषा में 'खाट' कहा जाता है। कोटा जिले का कैथून कस्बा इस पारंपरिक बुनाई शिल्प का मुख्य केंद्र माना जाता है।

8. (C) केवल I और II
राजस्थान में बंधेज और लहरिया वस्त्र निर्माण की प्राचीन बंधाई और रंगाई परंपराएं हैं। लहरिया में कपड़े को मोड़कर और बांधकर रंगने से तिरछी धारीदार रेखाएं बनती हैं। जब ये रेखाएं एक-दूसरे को काटते हुए वर्गाकार या चौकोर पैटर्न बनाती हैं, तो उस डिज़ाइन को 'मोठड़ा' कहा जाता है। यह समस्त कार्य हस्तशिल्पियों द्वारा पूर्णतः पारंपरिक हाथों की तकनीकों से किया जाता है, इसमें स्वचालित प्रिंटिंग मशीनों का उपयोग नहीं होता है।

9. (B) कोफ्तगिरी
कोफ्तगिरी राजस्थान की एक पारंपरिक धातु शिल्प शैली है, जिसमें हथियारों जैसे तलवारों, ढालों और छुरियों के लोहे या इस्पात के आधार पर सोने तथा चांदी के महीन तारों की जड़ाई की जाती है। अलवर और जयपुर इसके मुख्य केंद्र हैं। दूसरी ओर, गोटा पत्ती, लप्पा और जरदोजी वस्त्रों की सजावट एवं कढ़ाई से संबंधित कलाएं हैं। अतः धातु शिल्प होने के कारण कोफ्तगिरी वस्त्र कलाओं से भिन्न और असंगत श्रेणी में आता है।

10. (C) जयपुर
जयपुर शहर संगमरमर की मूर्तियों और पुतलों के निर्माण का भारत में सबसे बड़ा केंद्र है। यहाँ के शिलावट मोहल्ले में

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 29
राजस्थान के हस्तशिल्प उद्योग

NODIA

1. राजस्थान का हस्तशिल्प उद्योग मुख्य रूप से राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह:
(A) विदेशों से भारी पूंजी निवेश की आवश्यकता रखता है
(B) पूरी तरह से आयातित कच्चे माल पर निर्भर है
(C) राज्य सरकार के कर राजस्व का एकमात्र स्रोत है
(D) पर्याप्त ग्रामीण रोजगार और विदेशी मुद्रा सृजित करता है

2. जयपुर की कौन-सी प्रसिद्ध मृदा कला पारंपरिक नदी की मिट्टी के स्थान पर क्वार्ट्ज़, कच्चे काँच, सोडियम सल्फेट और मुल्तानी मिट्टी का उपयोग करती है?
(A) कागज़ी पॉटरी
(B) टेराकोटा कला
(C) ब्लू पॉटरी
(D) पोकरण पॉटरी

3. राजस्थान का पारंपरिक बगरू प्रिंट मुख्य रूप से किसके लिए जाना जाता है?
(A) स्क्रीन प्रिंटिंग के माध्यम से लगाए गए चमकीले संश्लेषित नियॉन रंग
(B) नील और मजीठ जैसी गहरी पृष्ठभूमि पर प्राकृतिक रंग
(C) संश्लेषित वस्त्रों पर मशीन से छपे ज्यामितीय पैटर्न
(D) रेशमी कपड़ों पर की गई जटिल सोने के तारों की कढ़ाई

4. राजस्थान के सांगानेरी प्रिंट के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह विशेष रूप से भारी और मोटे ऊनी कपड़ों पर किया जाता है।
(B) यह ब्लॉकिंग के लिए मोम-प्रतिरोधी रंगाई तकनीकों पर अत्यधिक निर्भर है।
(C) यह मुख्य रूप से बीकानेर जिले में किया जाने वाला एक शिल्प है।
(D) इसमें हल्के श्वेत पृष्ठभूमि पर सूक्ष्म पुष्प आकृतियां होती हैं।

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): जयपुर को राजस्थान में मीनाकारी शिल्प का सबसे प्रमुख केंद्र माना जाता है।
कारण (R): महाराजा मानसिंह प्रथम 16वीं शताब्दी में लाहौर से कुशल मीनाकारी कारीगरों को जयपुर लाए थे।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

6. राजस्थान की कुंदन कला विशेष रूप से किसे संदर्भित करती है?
(A) हाथीदांत और हड्डी के शिल्पों पर जटिल धार्मिक अभिकल्पों की चित्रकारी करना
(B) संगमरमर के बड़े खंडों से विस्तृत धार्मिक आकृतियों को तराशना
(C) सोने के पतले वरक का उपयोग करके शुद्ध सोने में बहुमूल्य रत्नों की जड़ाई करना
(D) भारी पारंपरिक सूती साड़ियों में चांदी के महीन धागों की बुनाई करना

7. कोटा डोरिया वस्त्र अपने विशिष्ट बुने हुए वर्गाकार चौखानों के लिए प्रसिद्ध है। इन वर्गाकार पैटर्नों को स्थानीय भाषा में क्या कहा जाता है?
(A) खाट
(B) बूटी
(C) मोठड़ा
(D) फुलकारी

8. राजस्थान के बंधेज और लहरिया वस्त्रों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. लहरिया में बंधाई और रंगाई तकनीक के माध्यम से बनाई गई तिरछी धारीदार आकृतियां होती हैं।
II. मोठड़ा वह पैटर्न है जहाँ लहरिया की रेखाएं एक-दूसरे को काटकर वर्गाकार अभिकल्प बनाती हैं।
III. पारंपरिक बंधाई और रंगाई तकनीक पूरी तरह से स्वचालित प्रिंटिंग मशीनों का उपयोग करके की जाती है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और III
(C) केवल I और II
(D) I, II और III

9. राजस्थान के पारंपरिक शिल्पों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा एक असंगत है क्योंकि यह कपड़े की कढ़ाई या सजावट के बजाय मुख्य रूप से धातु शिल्प की एक शैली है?
(A) गोटा पत्ती
(B) कोफ्तगिरी

(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

32. कुदरत सिंह को राजस्थान की किस पारंपरिक कला में उस्ताद कारीगर के रूप में व्यापक रूप से जाना जाता है और सम्मानित किया जाता है?
(A) टेराकोटा
(B) दरी बुनाई
(C) मीनाकारी
(D) उस्ता कला

33. जयपुर किस बहुमूल्य रत्न की कटाई, पॉलिशिंग और व्यापार के लिए विश्व प्रसिद्ध केंद्र है?
(A) हीरा
(B) मोती
(C) ओपल
(D) पन्ना

34. कोटा के पास स्थित किस विशिष्ट कस्बे को कोटा डोरिया साड़ियों के मुख्य बुनाई केंद्र के रूप में सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया जाता है?
(A) रामगंज मंडी
(B) सांगोद
(C) कैथून
(D) दिगोद

35. राजस्थान के शिल्पों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. पारंपरिक फड़ चित्रों में उपयोग किए जाने वाले रंग मुख्य रूप से प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त होते हैं।
II. उस्ता कला विशेष रूप से हाथियों की खाल पर की जाती है।
III. श्रीलाल जोशी एक विश्व स्तर पर प्रशंसित फड़ चित्रकार हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से गलत है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) केवल I और III

36. किस विशिष्ट प्रकार के लहरिया को अत्यधिक शुभ माना जाता है और राजस्थान में तीज त्योहार के दौरान महिलाओं द्वारा पारंपरिक रूप से पहना जाता है?
(A) एकरंगी (एक रंग वाला काला) लहरिया
(B) एकरंगी (एक रंग वाला सफेद) लहरिया
(C) एकरंगी (एक रंग वाला स्लेटी) लहरिया
(D) पंचरंगी (पाँच रंगों वाला) लहरिया

37. सीकर जिले का खंडेला कस्बा निम्नलिखित में से किस पारंपरिक वस्तु के निर्माण के लिए सबसे प्रसिद्ध है?
(A) गोटा पत्ती (सोने और चांदी के गोटे का काम)
(B) सजावटी चमड़े की नक्काशीदार ऊंट की काठी
(C) जटिल नक्काशीदार लकड़ी के घरेलू फर्नीचर
(D) हस्तचित्रित पारंपरिक ब्लू पॉटरी शिल्प

38. सफेद संगमरमर में अर्ध-कीमती पत्थरों को जड़ने की सूक्ष्म कला राजस्थान में प्रचलित है। संगमरमर की इस जड़ाऊ कारीगरी के लिए पारंपरिक शब्द क्या है?
(A) कशीदाकारी
(B) मीनाकारी
(C) पच्चीकारी
(D) बंधेज

39. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:
सूची I: प्रसिद्ध कारीगर
P. हिसामुद्दीन
Q. कृपाल सिंह शेखावत
R. श्रीलाल जोशी
S. नाथू जी सोनी
सूची II: शिल्प
1. ब्लू पॉटरी
2. थेवा कला
3. उस्ता कला
4. फड़ चित्रकारी
(A) P-3, Q-1, R-4, S-2
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-1, S-2
(D) P-3, Q-4, R-1, S-2

40. प्रतापगढ़ की प्रसिद्ध थेवा कला में, बेल्जियम काँच का सबसे पारंपरिक रूप से पसंदीदा आधार रंग कौन-सा है जिस पर सोना संयोजित किया जाता है?
(A) पारदर्शी सफेद
(B) गहरा भूरा
(C) गहरा काला
(D) हरा

41. राजस्थान में पारंपरिक चमड़े की मोजड़ियां जटिल रूप से सजाई जाती हैं। चमड़े पर की जाने वाली रंगीन धागों की कढ़ाई को क्या कहा जाता है?
(A) जरदोजी
(B) कशीदाकारी
(C) बंधेज
(D) ब्लॉक प्रिंटिंग

42. राजस्थान के पारंपरिक कालीन और दरी बुनाई उद्योग के संदर्भ में, 'पंजा' क्या है?
(A) कालीन के ऊनी धागों को रंगने के लिए बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाने वाला प्राकृतिक लाल रंग
(B) करघा बुनाई के लिए विशेष रूप से आयातित उच्च गुणवत्ता वाला रेशमी धागा
(C) बाने के धागों को मजबूती से एक साथ ठोकने के लिए

Click Here to Buy book on Flipkart

21. ब्रांड नाम 'राजस्थली' के तहत राजस्थान के हस्तशिल्प के विपणन के लिए प्राथमिक रूप से कौन-सी राज्य सरकारी एजेंसी जिम्मेदार है?
(A) राजसीको
(B) रीको
(C) आरडीएफसी
(D) आरएफसी

22. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 1995 में राजस्थान में ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेंसी (रुडा) की स्थापना की गई थी?
(A) भारी औद्योगिक मशीनरी निर्माण
(B) बड़े पैमाने पर कृषि फसल उत्पादन
(C) हथकरघा, हस्तशिल्प और चमड़ा क्षेत्र
(D) सूचना प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर सेवाएं

23. ग्रामीण कला, शिल्प और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, प्रसिद्ध शिल्पग्राम कारीगर गांव किस शहर के हवाला गांव के पास स्थापित किया गया था?
(A) उदयपुर
(B) अजमेर
(C) जैसलमेर
(D) अलवर

24. राजस्थान के पारंपरिक हथकरघा और हस्तशिल्प बुनकरों के सामने सबसे महत्वपूर्ण समकालीन चुनौती क्या है?
(A) घरेलू बाजारों से अत्यधिक मांग के कारण कच्चे माल की समाप्ति
(B) अत्यधिक कुशल हस्तश्रम की अत्यधिक उपलब्धता जिससे बाजार मजदूरी कम होना
(C) सभी अंतर्राष्ट्रीय निर्यातों पर राज्य सरकार द्वारा पूर्ण प्रतिबंध लगाना
(D) सस्ते, मशीन से बने संश्लेषित उत्पादों से कड़ी बाजार प्रतिस्पर्धा

25. राजस्थान के पारंपरिक कारीगरों को अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बेचने में सहायता करने के लिए, राज्य सरकार किस प्रमुख डिजिटल पोर्टल के माध्यम से विपणन को बढ़ावा देती है?
(A) ई-मित्र प्लस
(B) ई-बाजार / राज ई-बाजार
(C) शाला दर्पण
(D) राजकाज

26. वार्षिक शिल्पग्राम उत्सव, जो राजस्थान के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित करने वाला एक प्रमुख मेला है, आमतौर पर किस महीने में आयोजित किया जाता है?
(A) अप्रैल
(B) जुलाई
(C) दिसंबर
(D) सितंबर

27. नीचे दिए गए विकल्पों में से पारंपरिक ब्लू पॉटरी के निर्माण में शामिल मौलिक चरणों का सही क्रम चुनिए:
(A) भट्टी में पकाना, मिश्रण को ढालना, ग्लेज़िंग, हस्त-चित्रकारी
(B) मिश्रण को ढालना, हस्त-चित्रकारी, ग्लेज़िंग, भट्टी में पकाना
(C) हस्त-चित्रकारी, भट्टी में पकाना, ग्लेज़िंग, मिश्रण को ढालना
(D) ग्लेज़िंग, मिश्रण को ढालना, भट्टी में पकाना, हस्त-चित्रकारी

28. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जयपुर की ब्लू पॉटरी को पुनर्जीवित करने और लोकप्रिय बनाने के लिए किस प्रसिद्ध कलाकार को पद्म श्री से सम्मानित किया गया था?
(A) कृपाल सिंह शेखावत
(B) हिसामुद्दीन उस्ता
(C) श्रीलाल जोशी
(D) नाथू जी सोनी

29. दाबू प्रिंटिंग राजस्थान की एक प्रसिद्ध वस्त्र कला शैली है। वास्तव में 'दाबू' क्या है?
(A) सांगानेर में ब्लॉक प्रिंटिंग के दौरान लगाया जाने वाला एक संश्लेषित लाल रंग
(B) कपड़े के विशिष्ट क्षेत्रों पर रंगाई को रोकने के लिए उपयोग किया जाने वाला मिट्टी-प्रतिरोधी लेप
(C) विशेष रूप से परिपक्व सागौन की लकड़ी से बनाया गया नक्काशीदार लकड़ी का ब्लॉक
(D) पारंपरिक भारी कढ़ाई में प्रयोग होने वाला सोने का महीन धागा

30. सांगानेरी प्रिंटों के जीवंत रंगों को निखारने के लिए पारंपरिक रूप से निम्नलिखित में से किस नदी के जल को अत्यधिक अनुकूल माना गया है?
(A) लूनी नदी
(B) सरस्वती (द्रव्यवती) नदी
(C) सरस्वती नदी
(D) चंबल नदी

31. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): प्रतापगढ़ की पारंपरिक थेवा कला को ऐतिहासिक रूप से एक गुप्त रहस्य के रूप में सुरक्षित रखा गया था।
कारण (R): राजसोनी परिवार ने इस तकनीक को परिवार से बाहर लीक होने से रोकने के लिए इस कला शैली को सख्ती से केवल पुरुष सदस्यों को ही हस्तांतरित किया।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।

Downloaded from www.pdf.tube

66. (D) राजस्थान की संपूर्ण भूमि गहन बहु-फसली कृषि के लिए उपयुक्त है।
राजस्थान का भू-उपयोग पैटर्न यह दर्शाता है कि राज्य की संपूर्ण भूमि गहन बहु-फसली कृषि के लिए उपयुक्त नहीं है, इसलिए यह कथन गलत है। राज्य का लगभग 60 प्रतिशत भाग पश्चिमी थार मरुस्थल के अंतर्गत आता है जहाँ शुष्क जलवायु, रेतीली मिट्टी और जल की अत्यधिक कमी के कारण एक ही फसल हो पाती है। अतः कथन गलत है।

67. (A) वह भूमि जो खेती के लिए उपलब्ध है लेकिन पांच वर्ष से अधिक समय से खेती नहीं की गई है
भूमि उपयोग वर्गीकरण के अंतर्गत 'कृषि योग्य बंजर भूमि' से तात्पर्य उस भूमि से है जो खेती के लिए संभावित रूप से उपयुक्त और उपलब्ध तो है, लेकिन जिस पर लगातार पांच वर्ष या उससे अधिक समय से कोई फसल नहीं बोई गई है। यह भूमि उचित सुधार, समतलीकरण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से उपजाऊ बनाई जा सकती है।

68. (C) सामाजिक न्याय और कृषि उत्पादकता में वृद्धि
स्वतंत्र भारत तथा राजस्थान में लागू किए गए सभी भूमि सुधार कार्यक्रमों का दोहरा और मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय की स्थापना तथा कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना रहा है। मध्यवर्तियों को समाप्त करके काश्तकारों को स्वामित्व अधिकार देने से ग्रामीण असमानताएँ दूर हुईं, जिससे सामाजिक न्याय सुनिश्चित हुआ। वहीं स्वामित्व मिलने से किसानों को निवेश का प्रोत्साहन मिला, जिससे उत्पादकता बढ़ी।

69. (A) सभी निजी कृषि भूमि का राज्य द्वारा राष्ट्रीयकरण
राजस्थान में स्वतंत्रता के पश्चात् लागू किए गए भूमि सुधारों में जागीरदारी प्रथा का वैधानिक उन्मूलन, काश्तकारों के लिए लगान नियमन व पट्टे की सुरक्षा, तथा कृषि भूमि जोत की अधिकतम सीमा का प्रवर्तन मुख्य घटक रहे हैं। हालाँकि, राज्य द्वारा सभी निजी कृषि भूमि का पूर्ण राष्ट्रीयकरण करने का कोई प्रावधान या नीति कभी भी लागू नहीं की गई।

70. (D) राजस्व विभाग
राजस्थान में राज्य स्तर पर भूमि उपयोग वर्गीकरण, भू-अभिलेखों का अद्यतन, कृषि संगणना और वार्षिक भू-राजस्व आंकड़े तैयार करने एवं प्रकाशित करने का प्राथमिक दायित्व राजस्व विभाग का है। यह विभाग पटवारी, गिरदावर (कानूनगो), तहसीलदार और जिला कलेक्टर के प्रशासनिक तंत्र के माध्यम से भूमि अभिलेखों का प्रबंधन करता है। राजस्व मंडल अजमेर सर्वोच्च प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है।

NODIA

इस्तेमाल किया जाने वाला धातु का कंघा उपकरण
(D) तैयार पारंपरिक कालीनों को प्रदर्शित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक मजबूत लकड़ी का ढाँचा

43. बीकानेर के उस्ता कलाकारों से संबंधित एक अन्य पारंपरिक कला शैली में ताजे प्लास्टर का उपयोग करके दीवारों और छतों पर अत्यधिक विस्तृत चित्रकारी शामिल है। इस तकनीक को स्थानीय रूप से किस नाम से जाना जाता है?
(A) दाबू प्रिंटिंग कला
(B) अजरख ब्लॉक प्रिंटिंग
(C) पिछवाई चित्रकारी कला
(D) भित्ति चित्र / मथेरणा कला

44. राजस्थान का कौन-सा जिला अपने जटिल और सुगंधित चंदन की लकड़ी की नक्काशी हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है?
(A) चूरू
(B) जैसलमेर
(C) कोटा
(D) बांसवाड़ा

45. कोफ्तगिरी मुख्य रूप से अलवर और जयपुर में किया जाने वाला एक पारंपरिक शिल्प है। इसमें शामिल है:
(A) महीन सूती कपड़े पर सोने और चांदी के महीन धागों की बुनाई करना
(B) लोहे के हथियारों और तलवार की मूठों पर सोने या चांदी के तारों की जड़ाई करना
(C) पुराने हस्तनिर्मित कागज पर विस्तृत लघु चित्रों का चित्रण करना
(D) सजावटी टेराकोटा मिट्टी के खिलौने ढालना और उन्हें भट्टियों में पकाना

46. जब कोई पारंपरिक फड़ चित्रकारी पुरानी या क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो उसे पुष्कर झील के पवित्र जल में आदरपूर्वक विसर्जित कर दिया जाता है। इस अनुष्ठान को क्या कहा जाता है?
(A) फड़ जागरण अनुष्ठान
(B) फड़ ठंडा करना
(C) फड़ वाचन अनुष्ठान
(D) फड़ पूजन अनुष्ठान

47. राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) हस्तशिल्प क्षेत्र में किसके द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है?
(A) महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन करके और ग्रामीण कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान करके
(B) शहरी क्षेत्रों में भारी विनिर्माण औद्योगिक पार्कों की स्थापना करके
(C) विदेशी बाजारों से सीधे मशीन-निर्मित कपड़ों का आयात करके
(D) सीधे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अधिशेष कृषि फसलों का निर्यात करके

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
कथन (A): हस्तशिल्प निर्यात के मामले में राजस्थान भारत के अग्रणी राज्यों में से एक है।
कारण (R): लकड़ी के फर्नीचर, रत्न, आभूषण और वस्त्र जैसे पारंपरिक राजस्थानी उत्पादों की यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों में अत्यधिक मांग है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

49. हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक शीर्ष संस्था है। ईपीसीएच द्वारा आयोजित वह प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कौन-सा है जिसमें राजस्थान के कारीगर भारी संख्या में भाग लेते हैं?
(A) पुष्कर मेला
(B) सूरजकुंड क्राफ्ट्स मेला
(C) शिल्पग्राम उत्सव
(D) आईएचजीएफ दिल्ली मेला

50. औपचारिक डिज़ाइन शिक्षा प्रदान करने और हस्तशिल्प क्षेत्र का समर्थन करने के लिए, राजस्थान सरकार द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट्स एंड डिज़ाइन की स्थापना किस शहर में की गई थी?
(A) जोधपुर
(B) उदयपुर
(C) जयपुर
(D) बीकानेर

51. राजस्थान की छपाई कला के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. अजरख प्रिंट की विशेषता लाल और नीले रंगों का उपयोग करके जटिल ज्यामितीय पैटर्न बनाना है।
II. मलीर प्रिंट में सामान्यतः भूरे और काले रंगों के शेड्स का उपयोग किया जाता है।
III. अजरख और मलीर दोनों प्रिंट बाड़मेर जिले के प्रसिद्ध शिल्प हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

52. राजस्थान सरकार ने कारीगरों के उत्थान और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किस वर्ष अपनी पहली समर्पित राजस्थान हस्तशिल्प नीति शुरु की?
(A) 2010
(B) 2015

Click Here to Buy book on Amazon

(C) 2022
(D) 2024

53. राजसमंद जिले का मोलेला गांव किस विशिष्ट पारंपरिक हस्तशिल्प के लिए विश्व प्रसिद्ध है?
(A) मन्नत संबंधी टेराकोटा मिट्टी की पट्टियां और प्रतिमाएं
(B) बारीक हस्तनिर्मित कुंदन आभूषण
(C) हाथ से बुने पारंपरिक ऊनी फर्श कालीन
(D) चमड़े के ऊंट की खाल के जल भंडारण कंटेनर

54. सांगानेरी प्रिंट जैसे हस्तनिर्मित उत्पाद सामान्यतः अपने मशीन-मुद्रित विकल्पों की तुलना में अधिक महंगे क्यों होते हैं?
(A) कारीगर जानबूझकर बाजार की कीमतों को कृत्रिम रूप से बढ़ाने के लिए उत्पादों की जमाखोरी करते हैं
(B) सरकार सभी हस्तनिर्मित वस्तुओं पर अतिरिक्त पचास प्रतिशत विलासिता कर लगाती है
(C) हस्तशिल्प अत्यधिक श्रम-साध्य, धीमा है और इसके लिए प्रामाणिक कौशल की आवश्यकता होती है
(D) मशीन-मुद्रित वस्त्र पूरी तरह से महंगे आयातित कच्चे माल पर निर्भर हैं

55. पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, जो कारीगरों के लिए शिल्पग्राम उत्सव आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(A) बागौर की हवेली, उदयपुर
(B) हवा महल, जयपुर
(C) मेहरानगढ़ किला, जोधपुर
(D) जूनागढ़ किला, बीकानेर

56. चमड़े की मोजड़ी के पारंपरिक निर्माण में शामिल सामान्य चरणों पर विचार कीजिए:
1. कच्ची खाल का शोधन और प्रसंस्करण
2. नमूनों (फ़रमे) का उपयोग करके चमड़े की कटाई
3. ऊपरी चमड़े पर कशीदाकारी
4. तले और ऊपरी हिस्से की सिलाई

निम्नलिखित में से इन चरणों का सही क्रमिक अनुक्रम कौन-सा है?
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 4, 3
(C) 1, 3, 2, 4
(D) 3, 1, 2, 4

57. पिछवाई कला राजस्थान का एक प्रसिद्ध व्यावसायिक हस्तशिल्प रूप है। यह मुख्य रूप से किसका चित्रण करता है?
(A) अमूर्त ज्यामितीय और पुष्प पैटर्न
(B) भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के दृश्य
(C) राजपूत राजाओं के ऐतिहासिक युद्ध के दृश्य
(D) रेगिस्तानी जंगलों में शाही शिकार के दृश्य

58. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

सूची I: वस्त्र संबंधी पद
P. पोमचा
Q. मोठड़ा
R. लप्पा-लप्पी
S. दाबू

सूची II: विवरण
1. क्रॉस-धारीदार बंधेज
2. पीले और गुलाबी रंग की पारंपरिक ओढ़नी
3. मिट्टी-प्रतिरोधी छपाई का लेप
4. गोते के प्रकार

(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

59. पोमचा राजस्थान की एक प्रसिद्ध पारंपरिक ओढ़नी है। पीला पोमचा मुख्य रूप से एक महिला को उसके माता-पिता द्वारा किस अवसर पर दिया जाता है?
(A) उसकी पारंपरिक सगाई समारोह के दौरान
(B) वार्षिक गणगौर वसंत उत्सव के दौरान
(C) नए घर के निर्माण या गृह प्रवेश के समय
(D) बच्चे (सामान्यतः पुत्र) के जन्म पर

60. बीकानेर का मथेरणा समुदाय किस प्रकार के पारंपरिक शिल्प से अत्यधिक जुड़ा हुआ है?
(A) पारंपरिक धार्मिक भित्ति चित्रकारी और लघु कला
(B) व्यापार के लिए सजावटी रंगीन काँच की चूड़ियां बनाना
(C) आधुनिक करघा मशीनरी का उपयोग करके संश्लेषित नायलॉन कालीनों की बुनाई करना
(D) भारी लोहे के कृषि औजारों और उपकरणों का निर्माण करना

NODIA

61. राजस्थान के धातु शिल्प में, 'तह-निशान' किस तकनीक को संदर्भित करता है?
(A) चमक बढ़ाने के लिए तांबे के लेप से पीतल के बर्तनों की पॉलिश करना
(B) धातु के डिजाइनों को गहरा उकेरना और उन्हें बारीक तारों से भरना
(C) मिठाई की सजावट के लिए चांदी की धातु को पतले खाने योग्य वरक में पीटना
(D) तेज युद्ध तलवारें बनाने के लिए बेकार लोहे के स्क्रैप को पिघलाना

62. मीनाकारी को थेवा कला से अलग करने वाले सही कथन की पहचान कीजिए।
(A) मीनाकारी विशेष रूप से चांदी का उपयोग करती है, जबकि थेवा शिल्प विशेष रूप से तांबे का उपयोग करता है।
(B) मीनाकारी धातु पर मीना चढ़ाना है, जबकि थेवा कला रंगीन काँच पर सोने के वरक को संयोजित करती है।
(C) मीनाकारी की उत्पत्ति प्रतापगढ़ में हुई, जबकि थेवा

कला की उत्पत्ति जयपुर शहर में हुई।
(D) दोनों शिल्प पारंपरिक लकड़ी नक्काशी विधियों के स्थानीय क्षेत्रीय नाम हैं।

63. जोधपुर के बादला के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
(A) इसका उपयोग सर्दियों के दौरान गर्म चाय को रखने के लिए किया जाता है।
(B) यह मूल रूप से पानी की एक बोतल है।
(C) यह मुख्य रूप से जस्ते से बना होता है।
(D) पानी को ठंडा रखने के लिए इसे कपड़े से ढका जाता है।

64. पारंपरिक कोटा डोरिया कपड़ा मुख्य रूप से गर्मियों के दौरान अत्यधिक पसंद किया जाता है क्योंकि:
(A) तेज धूप को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए इसे बहुत मोटा बनाया जाता है
(B) इसमें कारीगरों द्वारा लगाया गया एक विशेष शीतलन रासायनिक घोल होता है
(C) यह अत्यंत हल्का, पारदर्शी और हवादार बुना जाता है
(D) इसे विशेष मोम से उपचारित किया जाता है जिससे यह पूरी तरह जलरोधक हो जाता है

65. राजस्थान के हस्तशिल्प उद्योग किस व्यापक आर्थिक क्षेत्रक के अंतर्गत आते हैं?
(A) प्राथमिक क्षेत्रक (कृषि और निष्कर्षण)
(B) चतुर्थक क्षेत्रक (ज्ञान और प्रौद्योगिकी)
(C) सार्वजनिक उपयोगिता क्षेत्रक (सेवाएं और ऊर्जा)
(D) द्वितीयक क्षेत्रक (विनिर्माण और शिल्प निर्माण)

66. बाजार की चुनौतियों से निपटने और बिचौलियों को खत्म करने के लिए, राजस्थानी कारीगर तेजी से ओएनडीसी के साथ एकीकृत हो रहे हैं। ओएनडीसी का पूर्ण रूप क्या है?
(A) ऑनलाइन नेटवर्क फॉर डोमेस्टिक क्राफ्ट्स
(B) ऑफिशियल नेशनल डेटाबेस ऑफ क्राफ्ट्समेन
(C) ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स
(D) ऑर्गेनाइजेशनल नोड फॉर डायरेक्ट कंज्यूमर्स

67. पारंपरिक लकड़ी की धागा-कटपुतलियों का निर्माण राजस्थान का एक विश्व प्रसिद्ध शिल्प है जो मुख्य रूप से किस क्षेत्र से जुड़ा हुआ है?
(A) ढूंढाड़ (जयपुर क्षेत्र)
(B) मेवाड़ (उदयपुर क्षेत्र)
(C) मत्स्य (अलवर क्षेत्र)
(D) वागड़ (बांसवाड़ा क्षेत्र)

68. मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के तहत राजस्थान में पारंपरिक हस्तशिल्प कारीगरों को क्या प्रदान किया जाता है?
(A) व्यक्तिगत खेती के उद्देश्यों के लिए मुफ्त कृषि भूमि भूखंड
(B) राज्य के विभागों में गारंटीकृत स्थायी सरकारी नौकरियां
(C) पूरी तरह से मुफ्त प्रदान किया गया आयातित कच्चा माल
(D) सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए रियायती कम-ब्याज वाले ऋण

69. राजस्थान का कौन-सा प्रसिद्ध पशु मेला पारंपरिक ग्रामीण हस्तशिल्प, वस्त्रों और चमड़े के सामान के लिए एक विशाल बाजार के रूप में भी कार्य करता है, जो लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है?
(A) पुष्कर मेला
(B) करणी माता मेला
(C) बेणेश्वर मेला
(D) कैला देवी मेला

70. एक पारंपरिक फड़ चित्रकारी के निर्माण में, हाथ से बुने हुए कपड़े के कैनवास पर चित्रकार द्वारा आमतौर पर पहला कदम क्या उठाया जाता है?
(A) कपड़े के चारों किनारों पर भारी सोने की जरदोजी सीमाएं सिलना
(B) पूरे कपड़े के कैनवास को गहरे नीले रंग के घोल में डुबोना
(C) कपड़े को कलफ से उपचारित करना और उसे घिसकर चिकना करना
(D) कैनवास के कपड़े को एक स्थायी लकड़ी के बोर्ड पर मजबूती से ठोकना

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

(C) लप्पा
(D) जरदोजी

10. राजस्थान के किस शहर को संगमरमर की मूर्तियों और पुतलों के निर्माण के केंद्र के रूप में सबसे व्यापक रूप से जाना जाता है?
(A) जैसलमेर
(B) बाड़मेर
(C) जयपुर
(D) कोटा

11. विश्व प्रसिद्ध थेवा कला में रंगीन काँच पर सोने की पतली परतों को अत्यंत सूक्ष्मता से संयोजित किया जाता है। राजस्थान का कौन-सा जिला इस शिल्प का एकमात्र केंद्र है?
(A) जोधपुर
(B) बीकानेर
(C) उदयपुर
(D) प्रतापगढ़

12. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए विकल्पों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:
सूची I: हस्तशिल्प
P. ब्लू पॉटरी
Q. उस्ता कला
R. अजरख प्रिंट
S. गोटा पत्ती
सूची II: प्रसिद्ध केंद्र
1. खंडेला
2. जयपुर
3. बाड़मेर
4. बीकानेर
(A) P-2, Q-4, R-3, S-1
(B) P-4, Q-2, R-1, S-3
(C) P-2, Q-3, R-4, S-1
(D) P-1, Q-4, R-3, S-2

13. जालौर का भीनमाल और जोधपुर पारंपरिक रूप से निम्नलिखित में से किस हस्तशिल्प वस्तु के निर्माण के लिए प्रसिद्ध हैं?
(A) हाथ से तराशे गए लकड़ी के खिलौने
(B) चमड़े की मोजड़ियां
(C) नक्काशीदार पीतल के बर्तन
(D) पॉलिश किए गए हड्डी के आभूषण

14. जोधपुर का सालावास गांव और नागौर का टांकला गांव किस पारंपरिक हस्तशिल्प के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हैं?
(A) जटिल चांदी का तारकशी कार्य
(B) पारंपरिक दरी बुनाई
(C) हस्तनिर्मित टेराकोटा पॉटरी
(D) सजावटी रंगीन लाख की चूड़ियां

15. बीकानेर की पारंपरिक उस्ता कला को सर्वोत्तम रूप से किस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है?
(A) ऊंट की खाल पर सोने की मीनाकारी और चित्रकारी का कार्य
(B) प्राकृतिक रंगों का उपयोग करके सूती कपड़े पर ब्लॉक छपाई
(C) संगमरमर की पट्टियों और हाथीदांत पर लघु चित्रकारी
(D) मोटी ऊनी शॉल पर ज्यामितीय आकृतियों की बुनाई

16. चित्तौड़गढ़ जिले का बस्सी कस्बा विशेष रूप से निम्नलिखित में से किस पारंपरिक शिल्प के लिए प्रसिद्ध है?
(A) महीन बंधेज रेशमी साड़ियां और कपड़े
(B) ऊंट के बालों से हाथ से बुने कालीन और दरियां
(C) लकड़ी की कावड़ और हस्तनिर्मित लकड़ी के खिलौने
(D) जटिल बहुमूल्य रत्न कटाई कला

17. दिए गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:
कथन I: बादला कपड़े से ढकी जस्ते की एक पारंपरिक पानी की बोतल है, जो जोधपुर में प्रसिद्ध है।
कथन II: कपड़े का आवरण भीषण रेगिस्तानी गर्मियों के दौरान पानी को ठंडा रखने में सहायता करता है।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(A) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
(B) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।
(C) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(D) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।

18. पारंपरिक फड़ चित्रकारी, जो एक लंबे कैनवास पर स्थानीय लोक देवताओं की महागाथाओं का चित्रण करती है, शाहपुरा के किस परिवार से मुख्य रूप से जुड़ी हुई है?
(A) सोनी परिवार
(B) उस्ता परिवार
(C) जोशी परिवार
(D) शेखावत परिवार

19. कशीदाकारी और पैचवर्क मुख्य रूप से राजस्थान के किस रेगिस्तानी जिले में महिला कारीगरों के लिए आजीविका का प्रमुख स्रोत हैं?
(A) धौलपुर
(B) बाड़मेर
(C) भरतपुर
(D) कोटा

20. राजस्थान के निम्नलिखित पारंपरिक शिल्पों में से किसे हालिया आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्रदान नहीं किया गया है?
(A) कोटा डोरिया
(B) सांगानेरी हस्त ब्लॉक प्रिंट
(C) बीकानेरी भुजिया
(D) पोकरण पॉटरी

NODIA

पीढ़ियों से कारीगर सफेद मकराना संगमरमर को तराशकर हिंदू देवी-देवताओं, महान हस्तियों और सजावटी आकृतियों की अत्यंत जीवंत मूर्तियां बनाते हैं। जयपुर में निर्मित संगमरमर की मूर्तियों की मांग न केवल पूरे भारत में है बल्कि विदेशों में भी भारी मात्रा में इसका निर्यात किया जाता है, जिससे यह वैश्विक पहचान रखता है।

11. (D) प्रतापगढ़
थेवा कला राजस्थान की एक अत्यंत सूक्ष्म और अनूठी हस्तशिल्प कला है जिसका एकमात्र केंद्र प्रतापगढ़ जिला है। इस कला में विशेष रूप से बेल्जियम के रंगीन काँच के आधार पर सोने की अत्यंत पतली परतों पर सूक्ष्म नक्काशी और चित्रकारी करके सुंदर आभूषण तथा सजावटी वस्तुएं बनाई जाती हैं। प्रतापगढ़ का राजसोनी परिवार इस कला को पीढ़ियों से संरक्षित करता आ रहा है और इसके लिए उन्हें कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

12. (A) P-2, Q-4, R-3, S-1
राजस्थान के प्रमुख हस्तशिल्प और उनके प्रसिद्ध केंद्रों का सटीक मेल इस प्रकार है। जयपुर शहर अपनी विश्व प्रसिद्ध नीले रंग की हस्तनिर्मित 'ब्लू पॉटरी' के लिए जाना जाता है। बीकानेर जिला ऊंट की खाल पर की जाने वाली स्वर्ण नक्काशी 'उस्ता कला' का केंद्र है। बाड़मेर जिला अपने पारंपरिक प्राकृतिक रंगों वाले 'अजरख प्रिंट' के लिए प्रसिद्ध है, जबकि सीकर जिले का खंडेला कस्बा वस्त्र सजावट की प्रसिद्ध 'गोटा पत्ती' कला का मुख्य उत्पादन केंद्र है।

13. (B) चमड़े की मोजड़ियां
राजस्थान के जालौर जिले का भीनमाल कस्बा और जोधपुर शहर पारंपरिक चमड़े की मोजड़ियों के निर्माण के लिए पूरे राज्य में प्रसिद्ध हैं। यहाँ चमड़े को प्रसंस्कृत करके उस पर रंगीन रेशमी धागों, तिल्ले और कसाब से अत्यंत सूक्ष्म एवं आकर्षक कशीदाकारी की जाती है। यह मोजड़ियां न केवल टिकाऊ और आरामदायक होती हैं, बल्कि राजस्थानी पारंपरिक पहनावे का एक अनिवार्य अंग भी मानी जाती हैं तथा इनकी भारी मांग ग्रामीण और शहरी बाजारों में रहती है।

14. (B) पारंपरिक दरी बुनाई
जोधपुर जिले का सालावास गांव और नागौर जिले का टांकला गांव पारंपरिक सूती तथा ऊनी दरी बुनाई शिल्प के लिए विश्वभर में विख्यात हैं। यहाँ के स्थानीय बुनकर पीढ़ियों से पंजा तकनीक का उपयोग करके अत्यंत मजबूत, टिकाऊ और आकर्षक ज्यामितीय डिजाइनों वाली दरियों का निर्माण करते हैं। इन पारंपरिक दरियों का व्यापक रूप से घरेलू उपयोग और निर्यात किया जाता है तथा यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं आजीविका का एक अत्यंत सशक्त और मुख्य जरिया हैं।

15. (A) ऊंट की खाल पर सोने की मीनाकारी और चित्रकारी का कार्य
बीकानेर की प्रसिद्ध उस्ता कला एक अनूठी हस्तशिल्प कला है, जिसे मनोवती कला भी कहा जाता है। इसमें विशेष रूप से शोधित एवं सुखाए गए ऊंट की खाल से बने बर्तनों, कुप्पियों तथा सजावटी वस्तुओं पर सोने के पतले वरक से अत्यंत सूक्ष्म मीनाकारी, उभारदार नक्काशी और चित्रकारी की जाती है। हिसामुद्दीन उस्ता इस कला के महान चितेरे थे। यह कला बीकानेर की समृद्ध सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत का एक महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है।

16. (C) लकड़ी की कावड़ और हस्तनिर्मित लकड़ी के खिलौने
चित्तौड़गढ़ जिले का बस्सी कस्बा पारंपरिक काष्ठ कला अर्थात लकड़ी के हस्तशिल्प के लिए पूरे राजस्थान में विख्यात है। यहाँ के प्रभात जी सुथार के घराने द्वारा बनाई जाने वाली लकड़ी की 'कावड़' एक विशेष कपाटयुक्त मंदिरनुमा संरचना होती है, जिसका उपयोग लोक कथाओं के वाचन में होता है। इसके अतिरिक्त बस्सी में लकड़ी की बेवाण, कठपुतलियां तथा विभिन्न प्रकार के सजावटी हस्तनिर्मित खिलौने भी अत्यंत कुशलतापूर्वक तैयार किए जाते हैं।

17. (C) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
'बादला' जोधपुर जिले का एक अत्यंत प्रसिद्ध और पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद है। यह मुख्य रूप से जस्ते यानी जिंक धातु से निर्मित पानी की एक विशेष बोतल या बर्तन होता है। इसके बाहरी भाग पर कपड़े या चमड़े की परत चढ़ाई जाती है, जिसे अक्सर सुंदर कढ़ाई से सजाया जाता है। थार रेगिस्तान की भीषण गर्मियों के दौरान वाष्पीकरण के सिद्धांत पर इस बाहरी कपड़े के आवरण के कारण बोतल का पानी लंबे समय तक ठंडा रहता है।

18. (C) जोशी परिवार
राजस्थान की पारंपरिक फड़ चित्रकारी मुख्य रूप से भीलवाड़ा और शाहपुरा क्षेत्र के 'जोशी परिवार' द्वारा पीढ़ियों से की जाती आ रही है। इस कला में सूती कपड़े के लंबे कैनवास पर प्राकृतिक रंगों की सहायता से पाबूजी, देवनारायण जी जैसे स्थानीय लोक देवताओं की संपूर्ण जीवन गाथा का क्रमबद्ध चित्रण किया जाता है। श्रीलाल जोशी और पार्वती देवी इस कला के प्रसिद्ध चित्रकार रहे हैं, जिन्होंने फड़ कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है।

19. (B) बाड़मेर
बाड़मेर जिला राजस्थान के पश्चिमी रेगिस्तानी क्षेत्र में कशीदाकारी और पैचवर्क (मिरर वर्क एवं अप्लिक वर्क) के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। यहाँ की ग्रामीण महिला कारीगर पारंपरिक रूप से कपड़ों पर विभिन्न प्रकार के रंगीन धागों, कांच के टुकड़ों और कपड़ों के छोटे-छोटे टुकड़ों को जोड़कर अत्यंत आकर्षक वस्त्र, चादरें और सजावटी सामान तैयार करती हैं। यह हस्तशिल्प कला बाड़मेर क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण और आजीविका का एक प्रमुख साधन है।

20. (D) पोकरण पॉटरी
भौगोलिक संकेतक यानी जीआई टैग किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के प्रामाणिक उत्पादों को प्रदान किया जाता है। राजस्थान के कोटा डोरिया वस्त्र, सांगानेरी हस्त ब्लॉक प्रिंट और बीकानेरी भुजिया को आधिकारिक तौर पर जीआई टैग प्रदान किया जा चुका है। हालांकि पोकरण की लाल मिट्टी की पॉटरी अपनी

Click Here to Buy book on Flipkart

61. (B) धातु के डिजाइनों को गहरा उकेरना और उन्हें बारीक तारों से भरना
'तह-निशान' राजस्थान के पारंपरिक धातु शिल्प की एक अत्यंत दुर्लभ और उत्कृष्ट तकनीक है जो मुख्य रूप से अलवर और जयपुर जिलों में प्रचलित है। इस प्रक्रिया में लोहे, इस्पात या पीतल की धातु की सतह पर छेनी की सहायता से नक्काशी करके गहरे खांचे उकेरे जाते हैं। इसके बाद उन खांचों में सोने या चांदी के बारीक तारों को हथौड़ी से ठोककर गहराई में स्थापित किया जाता है, जिससे वस्तु पर अत्यंत सुंदर स्थायी डिजाइन बन जाता है।

62. (B) मीनाकारी धातु पर मीना चढ़ाना है, जबकि थेवा कला रंगीन काँच पर सोने के वरक को संयोजित करती है।
मीनाकारी और थेवा कला राजस्थान के दो अत्यंत प्रतिष्ठित आभूषण शिल्प हैं जो अपनी तकनीक में स्पष्ट अंतर रखते हैं। मीनाकारी में सोने, चांदी या तांबे के धातु निर्मित खांचों में विभिन्न रंगों का कांचिया या मीना पिघलाकर भरा जाता है, जिसका प्रमुख केंद्र जयपुर है। इसके विपरीत, प्रतापगढ़ की थेवा कला में बेल्जियम के रंगीन काँच के आधार पर सोने की पतली पत्री पर की गई नक्काशी को कुशलतापूर्वक संयोजित और जड़ा जाता है।

63. (A) इसका उपयोग सर्दियों के दौरान गर्म चाय को रखने के लिए किया जाता है।
जोधपुर का 'बादला' एक प्रसिद्ध पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद है। यह मूल रूप से जस्ते (जिंक) धातु से बनी एक पानी की बोतल होती है जिसके बाहर कपड़े या चमड़े का आवरण चढ़ाया जाता है। वाष्पीकरण की प्रक्रिया के कारण रेगिस्तानी गर्मियों में इसमें रखा पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा रहता है। अतः इसका उपयोग सर्दियों में गर्म चाय रखने के लिए किया जाने वाला कथन पूरी तरह से असत्य और गलत है।

64. (C) यह अत्यंत हल्का, पारदर्शी और हवादार बुना जाता है
राजस्थान का प्रसिद्ध कोटा डोरिया कपड़ा विशेष रूप से ग्रीष्मकाल में पहनने के लिए अत्यंत उपयुक्त और लोकप्रिय माना जाता है। इस कपड़े को सूती और रेशमी धागों के सही संतुलन से इस प्रकार बुना जाता है कि यह अत्यंत हल्का, पारदर्शी, नरम और हवादार होता है। ताने-बाने की खाट बुनावट के कारण हवा आसानी से आर-पार हो सकती है, जिससे भीषण गर्मी में भी पहनने वाले को अत्यधिक आराम और शीतलता का अनुभव होता है।

65. (D) द्वितीयक क्षेत्रक (विनिर्माण और शिल्प निर्माण)
अर्थव्यवस्था के वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान का हस्तशिल्प उद्योग 'द्वितीयक क्षेत्रक' (सेकेंडरी सेक्टर) के अंतर्गत आता है। द्वितीयक क्षेत्रक में वे सभी गतिविधियां शामिल होती हैं जिनमें प्राकृतिक या प्राथमिक कच्चे माल (जैसे सूत, मिट्टी, लकड़ी, धातु, चमड़ा) को मानव श्रम, कौशल और औजारों की सहायता से प्रसंस्कृत करके नई मूल्यवान वस्तुओं का निर्माण किया जाता है। हस्तशिल्प पूर्णतः लघु और कुटीर विनिर्माण श्रेणी का ही एक अंग है।

66. (C) ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स
ओएनडीसी का पूरा नाम 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' (Open Network for Digital Commerce) है। यह भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक क्रांतिकारी पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य ई-कॉमर्स क्षेत्र में डिजिटल नेटवर्क का लोकतांत्रीकरण करना है। इसके माध्यम से राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण हस्तशिल्प कारीगर और बुनकर बिना किसी बड़े मध्यस्थ के सीधे राष्ट्रीय डिजिटल बाजारों से जुड़कर अपने उत्पादों को बेच सकते हैं।

67. (B) मेवाड़ (उदयपुर क्षेत्र)
राजस्थान में पारंपरिक लकड़ी की धागा-कठपुतलियों के निर्माण और कठपुतली कला का मुख्य केंद्र ऐतिहासिक 'मेवाड़ क्षेत्र' (विशेष रूप से उदयपुर) है। नट और भाट समुदाय के कारीगर अड़सा (आडू) की हल्की लकड़ी को तराशकर सुंदर चेहरे बनाते हैं और उन्हें रंगीन सूती कपड़ों तथा धागों से सजाते हैं। उदयपुर का भारतीय लोक कला मंडल कठपुतली कला के संरक्षण, प्रदर्शन और विश्वभर में इसके प्रचार-प्रसार का सबसे प्रमुख केंद्र रहा है।

68. (D) सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए रियायती कम-ब्याज वाले ऋण
राजस्थान सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' का मुख्य उद्देश्य राज्य में नए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत पारंपरिक हस्तशिल्प कारीगरों और नए उद्यमियों को अपना स्वयं का छोटा व्यवसाय या वर्कशॉप शुरू करने के लिए बैंकों के माध्यम से रियायती ब्याज दरों पर कम-ब्याज वाला ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे उन्हें वित्तीय संबल प्राप्त होता है।

NODIA

69. (A) पुष्कर मेला
अजमेर जिले में आयोजित होने वाला प्रसिद्ध 'पुष्कर मेला' न केवल एक धार्मिक और पशु मेला है, बल्कि यह पारंपरिक ग्रामीण हस्तशिल्प का भी एक विशाल बाजार स्थल है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाले इस मेले में राज्य भर के कारीगर अपने निर्मित चमड़े के सामान, मोजड़ियां, बंधेज वस्त्र, पीतल के बर्तन, लकड़ी के खिलौने और आभूषण बेचने आते हैं। देश-विदेश से आने वाले लाखों पर्यटक इन राजस्थानी हस्तशिल्प वस्तुओं की जमकर खरीदारी करते हैं।

70. (C) कपड़े को कलफ से उपचारित करना और उसे घिसकर चिकना करना
पारंपरिक फड़ चित्रकारी के निर्माण में सर्वप्रथम सूती कपड़े (रेज़ा) का कैनवास तैयार किया जाता है। कपड़े को वांछित आकार में काटने के बाद, उस पर मांड या गोंद का कलफ लगाया जाता है ताकि कपड़े के छिद्र बंद हो जाएं। इसके पश्चात सुखाए गए कपड़े को काँच या पत्थर के चिकने गोले से घिसकर अत्यंत समतल और चिकना बनाया जाता है। इस प्रारंभिक प्रक्रिया को 'गोंदना' कहते हैं, जिसके बाद ही चित्रकार उस पर प्राकृतिक रंगों से चित्रकारी प्रारंभ करता है।

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

रंग अत्यंत खिल उठते थे और कपड़ों पर एक अनोखी स्थायी चमक आ जाती थी।

31. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
प्रतापगढ़ की विश्व प्रसिद्ध थेवा कला रंगीन काँच पर सोने की अत्यंत बारीक जड़ाई की कला है। ऐतिहासिक रूप से इस कला की बारीकियों और निर्माण विधि को एक गुप्त पारिवारीक रहस्य के रूप में सुरक्षित रखा गया था। राजसोनी परिवार के कारीगर इस तकनीक को अपनी बेटियों या बाहरी व्यक्तियों को नहीं सिखाते थे और केवल परिवार के पुरुष सदस्यों को ही हस्तांतरित करते थे ताकि यह कला परिवार से बाहर लीक न हो। अतः कथन और कारण दोनों सत्य हैं।

32. (C) मीनाकारी
कुदरत सिंह को राजस्थान की पारंपरिक मीनाकारी कला के क्षेत्र में उनके अद्वितीय और सर्वोत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। जयपुर से ताल्लुक रखने वाले कुदरत सिंह ने सोने के आभूषणों पर मीना चढ़ाने की इस सूक्ष्म कला में महारत हासिल की थी। उनके उत्कृष्ट हस्तशिल्प और कलात्मक कौशल के सम्मान स्वरूप भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया था। उनके परिवार ने पीढ़ियों से जयपुर मीनाकारी की समृद्ध परंपरा को जीवित रखा है।

33. (D) पन्ना
जयपुर शहर पूरे विश्व में बहुमूल्य रत्नों, विशेष रूप से 'पन्ना' (एमराल्ड) की कटाई, घिसाई, पॉलिशिंग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का सबसे प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहाँ के स्थानीय जौहरी और कारीगर पीढ़ियों से कच्चे पन्ने को तराशकर उसे विभिन्न आकारों में चमकाने का कार्य अत्यंत कुशलतापूर्वक करते हैं। जयपुर की यह रत्न मंडी वैश्विक स्तर पर विख्यात है और यहाँ से बड़ी मात्रा में प्रसंस्कृत रत्नों का विश्वभर में निर्यात किया जाता है।

34. (C) कैथून
कोटा जिले में स्थित कैथून कस्बा कोटा डोरिया साड़ियों और कपड़ों के निर्माण का मुख्य और ऐतिहासिक बुनाई केंद्र है। यहाँ के स्थानीय मुस्लिम अंसारी बुनकर समुदाय के लोग पीढ़ियों से हाथ से चलने वाले खड्डों या करघों पर सूती और रेशमी धागों के मेल से महीन जालीदार खाट वाली साड़ियों की बुनाई करते हैं। कैथून में निर्मित यह पारंपरिक कपड़ा अपनी अद्वितीय बनावट, हलकेपन और मजबूती के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है।

35. (B) केवल II
राजस्थान के पारंपरिक शिल्पों के संदर्भ में पहला और तीसरा कथन सही है जबकि दूसरा कथन गलत है। उस्ता कला विशेष रूप से ऊंट की खाल पर की जाने वाली सोने की सूक्ष्म मीनाकारी और नक्काशी है, यह हाथी की खाल पर नहीं की जाती है। वहीं फड़ चित्रों में पारंपरिक रूप से प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग होता है तथा शाहपुरा के श्रीलाल जोशी फड़ चित्रकारी के अत्यंत प्रसिद्ध और सम्मानित अंतर्राष्ट्रीय कलाकार रहे हैं।

36. (D) पंचरंगी (पाँच रंगों वाला) लहरिया
राजस्थान में लहरिया वस्त्र बंधाई और रंगाई कला का एक अत्यंत लोकप्रिय रूप है। इसमें पाँच अलग-अलग रंगों के संयोजन से बनाया जाने वाला 'पंचरंगी लहरिया' अत्यधिक पवित्र, शुभ और दर्शनीय माना जाता है। श्रावण मास में मनाए जाने वाले प्रसिद्ध तीज त्योहार के अवसर पर राजस्थानी महिलाओं द्वारा पंचरंगी लहरिया की ओढ़नी या साड़ियां पहनना सांस्कृतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, जो सौभाग्य और खुशी का प्रतीक है।

37. (A) गोटा पत्ती (सोने और चांदी के गोटे का काम)
सीकर जिले का खंडेला कस्बा राजस्थान में गोटा पत्ती उद्योग का सबसे बड़ा और प्रमुख केंद्र है। यहाँ निर्मित गोटा, लप्पा, लप्पी और बीजीया का उपयोग पारंपरिक राजस्थानी पोशाकों जैसे लहंगे, चुनरी और ओढ़नियों के किनारों को सजाने के लिए व्यापक रूप से किया जाता है। सोने और चांदी के चमकदार धागों से बनने वाला यह गोटा कार्य खंडेला के हजारों कारीगरों को रोजगार प्रदान करता है और पूरे राज्य में यहाँ का गोटा प्रसिद्ध है।

38. (C) पच्चीकारी
संगमरमर या अन्य पत्थरों की सतह पर तराशकर खांचे बनाना और उनमें अर्ध-कीमती तथा रंगीन पत्थरों की बारीक जड़ाई करने की कला को 'पच्चीकारी' या 'पेत्रा दुरा' कहा जाता है। राजस्थान में विशेष रूप से जयपुर और उदयपुर में कुशल कारीगर सफेद संगमरमर की मेजों, बर्तनों तथा सजावटी वस्तुओं पर पच्चीकारी का सुंदर काम करते हैं। यह कला मुगल और राजस्थानी वास्तुकला तथा हस्तशिल्प की एक अनूठी और अत्यंत आकर्षक पहचान है।

39. (A) P-3, Q-1, R-4, S-2
राजस्थान के प्रसिद्ध कारीगरों और उनके संबंधित शिल्पों का सही मेल इस प्रकार है। हिसामुद्दीन उस्ता बीकानेर की प्रसिद्ध ऊंट की खाल पर स्वर्ण नक्काशी 'उस्ता कला' के महान उस्ताद थे। कृपाल सिंह शेखावत ने जयपुर की 'ब्लू पॉटरी' को पुनर्जीवित किया था। श्रीलाल जोशी भीलवाड़ा की पारंपरिक 'फड़ चित्रकारी' के प्रख्यात चित्रकार थे, जबकि नाथू जी सोनी प्रतापगढ़ की विश्व प्रसिद्ध 'थेवा कला' के प्रवर्तक और जनक माने जाते हैं।

40. (D) हरा
प्रतापगढ़ की प्रसिद्ध थेवा कला आभूषण निर्माण की एक अत्यंत विशिष्ट विधा है। इस कला में सोने के पतले वरक पर की गई अत्यंत सूक्ष्म नक्काशी को रंगीन काँच के आधार पर संयोजित किया जाता है। ऐतिहासिक और पारंपरिक रूप से इसके लिए आयातित बेल्जियम काँच के 'हरे' रंग का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। हरे काँच की पृष्ठभूमि पर सोने की चमक अत्यंत आकर्षक और मनमोहक दिखाई देती है जो इस शिल्प की मूल पहचान है।

NODIA

41. (B) कशीदाकारी
राजस्थान में निर्मित पारंपरिक चमड़े की मोजड़ियां अपनी मजबूती के साथ-साथ अपनी अद्वितीय सजावट के लिए भी जानी जाती हैं। प्रसंस्कृत चमड़े के ऊपरी हिस्से पर रंगीन रेशमी धागों, सूती धागों, जरी और तिल्ले का उपयोग करके जो सुंदर हस्तकला की जाती है, उसे 'कशीदाकारी' कहा जाता है। जयपुर, जोधपुर और बाड़मेर में कुशल कारीगरों द्वारा की जाने वाली यह महीन कशीदाकारी मोजड़ियों की सुंदरता और मांग में अत्यधिक वृद्धि करती है।

42. (C) बाने के धागों को मजबूती से एक साथ ठोकने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला धातु का कंघा उपकरण
राजस्थान की पारंपरिक कालीन और दरी बुनाई प्रक्रिया में 'पंजा' एक अनिवार्य और मुख्य हस्त-उपकरण है। यह लोहे या धातु का बना एक भारी कंघानुआ औजार होता है जिसमें आगे की तरफ मुड़े हुए दंते लगे होते हैं। बुनाई के दौरान ताने के धागों के बीच में बाने के धागों या ऊन के लच्छों को बैठाने के बाद, उन्हें कसकर ठोकने और बुनावट को एकसमान तथा मजबूत बनाने के लिए बुनकर पंजे का उपयोग करते हैं।

43. (D) भित्ति चित्र / मथेरणा कला
बीकानेर के पारंपरिक मथेरणा समुदाय द्वारा की जाने वाली कला शैली को मथेरणा कला या भित्ति चित्रण कहा जाता है। इसमें गीली मिट्टी या ताजे चूने के प्लास्टर वाली दीवारों और छतों पर धार्मिक पौराणिक विषयों, देवी-देवताओं तथा राजाओं के चित्रों का अत्यंत सुंदर अंकन किया जाता है। अरायाइश तकनीक से बने ये भित्ति चित्र वर्षों तक खराब नहीं होते हैं। यह कला बीकानेर के महलों, जैन मंदिरों और पुरानी हवेलियों में प्रचुरता से पाई जाती है।

44. (A) चूरू
राजस्थान का चूरू जिला अपने सुगंधित चंदन की लकड़ी पर की जाने वाली अत्यंत सूक्ष्म नक्काशी हस्तशिल्प के लिए पूरे देश में विख्यात है। चूरू के कुशल मालचंद जांगिड़ और उनके परिवार के कारीगरों ने चंदन की लकड़ी को तराशकर अत्यंत बारीक मूर्तियां, सजावटी डिब्बियां और पौराणिक आकृतियां बनाने में महारत हासिल की है। इस बारीक नक्काशी के लिए चूरू के कारीगरों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।

45. (B) लोहे के हथियारों और तलवार की मूठों पर सोने या चांदी के तारों की जड़ाई करना
कोफ्तगिरी राजस्थान की एक अत्यंत प्रसिद्ध और प्राचीन धातु शिल्प कला है जो मुख्य रूप से जयपुर और अलवर जिलों में प्रचलित है। इस कला के अंतर्गत लोहे या इस्पात से बने हथियारों जैसे तलवारों, ढालों, कटारों और छुरियों की मूठों पर पहले छोटे-छोटे खांचे उकेरे जाते हैं और फिर उनमें सोने या चांदी के पतले तारों को ठोककर जड़ा जाता है। यह शिल्प हथियारों को अत्यधिक आकर्षक और शाही रूप प्रदान करता है।

46. (B) फड़ ठंडा करना
राजस्थान में फड़ चित्रकारी को केवल एक कलाकृति नहीं बल्कि लोक देवताओं का पवित्र स्वरूप माना जाता है। जब कोई पारंपरिक फड़ लंबे समय तक वाचन के कारण पुरानी, फटी या क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो उसे सम्मानपूर्वक धार्मिक विधि-विधान के साथ अजमेर जिले की पवित्र पुष्कर झील के जल में विसर्जित कर दिया जाता है। इस पारंपरिक विसर्जन अनुष्ठान को स्थानीय भाषा में 'फड़ ठंडा करना' कहा जाता है, जिसके बाद नई फड़ का निर्माण होता है।

47. (A) महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन करके और ग्रामीण कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान करके
राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद यानी 'राजीविका' राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता उन्मूलन हेतु कार्यरत एक स्वायत्त संस्था है। राजीविका ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करके उन्हें हस्तशिल्प, सिलाई, बुनाई और पारंपरिक कलाओं का प्रशिक्षण प्रदान करती है। इसके साथ ही संस्था इन महिला कारीगरों को रियायती दर पर ऋण, कच्चा माल और उनके उत्पादों के विपणन की सुविधा उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है।

48. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
राजस्थान भारत के प्रमुख हस्तशिल्प निर्यातक राज्यों में शीर्ष स्थान रखता है। राज्य में निर्मित नक्काशीदार काष्ठ फर्नीचर, जयपुर के बहुमूल्य रत्न व आभूषण, ब्लू पॉटरी, बंधेज वस्त्र और हस्त-निर्मित दरियों की मांग अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों के बाजारों में अत्यधिक है। इस उच्च वैश्विक मांग के कारण ही राजस्थान से प्रतिवर्ष अरबों रुपये के हस्तशिल्प सामान का निर्यात होता है। अतः दिया गया कथन और कारण दोनों सत्य हैं।

49. (D) आईएचजीएफ दिल्ली मेला
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा आयोजित 'आईएचजीएफ दिल्ली मेला' (इंडिया हस्तशिल्प एवं उपहार मेला) विश्व के सबसे बड़े हस्तशिल्प व्यापार मेलों में से एक है। इस अंतर्राष्ट्रीय मेले में राजस्थान के हजारों हस्तशिल्पी, निर्यातक और कारीगर अपने उत्कृष्ट उत्पादों जैसे लकड़ी के शिल्प, वस्त्र, आभूषण और धातु कला का प्रदर्शन करते हैं। यहाँ दुनिया भर से आने वाले विदेशी खरीदार सीधे राजस्थानी कारीगरों को बड़े व्यावसायिक निर्यात ऑर्डर प्रदान करते हैं।

50. (C) जयपुर
हस्तशिल्प और डिज़ाइन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा, अनुसंधान तथा आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से राजस्थान सरकार द्वारा 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट्स एंड डिज़ाइन' की स्थापना जयपुर शहर में की गई थी। यह संस्थान पारंपरिक राजस्थानी कारीगरों के कौशल को आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं और वैश्विक रुझानों के अनुरूप ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहाँ वस्त्र, धातु, लकड़ी और सिरेमिक हस्तशिल्प में व्यावसायिक डिग्री पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

51. (D) I, II और III
बाड़मेर जिला अपनी अनूठी पारंपरिक वस्त्र छपाई कलाओं के लिए विश्वभर में जाना जाता है। बाड़मेर का 'अजरख प्रिंट' दोनों तरफ लाल और नीले रंगों के उपयोग से बनाए गए जटिल ज्यामितीय पैटर्नों के लिए विख्यात है। वहीं बाड़मेर का 'मलीर प्रिंट' मुख्यतः भूरे, कत्थई और काले रंगों के शेड्स में छपाई के लिए जाना जाता है। यह दोनों छपाई शैलियां बाड़मेर के खत्री समुदाय द्वारा की जाती हैं। अतः तीनों कथन सत्य हैं।

52. (C) 2022
राजस्थान सरकार ने राज्य के लाखों हस्तशिल्प कारीगरों और बुनकरों के सर्वांगीण विकास, उनके वित्तीय सशक्तिकरण तथा हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सितंबर 2022 में अपनी पहली समर्पित 'राजस्थान हस्तशिल्प नीति 2022' जारी की। इस नीति का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कलाओं को पुनर्जीवित करना, कारीगरों को आर्थिक सहायता देना, उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मेलों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करना तथा राज्य में नए हस्तशिल्प क्लस्टरों का निर्माण करना है।

53. (A) मन्नत संबंधी टेराकोटा मिट्टी की पट्टियां और प्रतिमाएं
राजसमंद जिले का मोलेला गांव अपने पारंपरिक टेराकोटा यानी पकी हुई मिट्टी के शिल्पों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहाँ के प्रजापत कुम्हार चिकनी मिट्टी में गधे का लीद मिलाकर मन्नत संबंधी देवी-देवताओं (जैसे देवनारायण जी, नागराज) की अत्यंत सुंदर और मज़बूत राहत पट्टियां तथा मूर्तियां बनाते हैं। स्थानीय ट्राइबल और ग्रामीण लोग अपनी मन्नतें पूरी होने पर इन मिट्टी की पट्टियों को खरीदते हैं और अपने स्थानीय मंदिरों में स्थापित करते हैं।

54. (C) हस्तशिल्प अत्यधिक श्रम-साध्य, धीमा है और इसके लिए प्रामाणिक कौशल की आवश्यकता होती है
सांगानेरी प्रिंट जैसे हस्तनिर्मित राजस्थानी वस्त्र अपनी उच्च गुणवत्ता और विशिष्टता के कारण मशीन से बने कपड़ों से महंगे होते हैं। हस्तशिल्प उत्पादों के निर्माण में अत्यधिक समय, शारीरिक श्रम और पीढ़ियों से अर्जित निपुण हस्तकौशल की आवश्यकता होती है। लकड़ी के ब्लॉकों से एक-एक करके हाथ से की जाने वाली छपाई और प्राकृतिक रंगों का उपयोग इस प्रक्रिया को धीमा तथा लागत-गहन बनाता है, जबकि कारखानों में मशीनें कम समय में सस्ता उत्पादन करती हैं।

55. (A) बागौर की हवेली, उदयपुर
भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्थापित 'पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र' का मुख्यालय उदयपुर में स्थित ऐतिहासिक 'बागौर की हवेली' में है। यह केंद्र राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और गोआ राज्यों की पारंपरिक लोक कलाओं, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा संवर्धन का कार्य करता है। प्रसिद्ध हवाला गांव के 'शिल्पग्राम' का संचालन और वार्षिक शिल्पग्राम उत्सव का आयोजन इसी संस्था द्वारा कुशलतापूर्वक किया जाता है।

56. (A) 1, 2, 3, 4
पारंपरिक राजस्थानी चमड़े की मोजड़ी के निर्माण में एक निश्चित और वैज्ञानिक क्रम का पालन किया जाता है। सर्वप्रथम पशुओं की कच्ची खाल का पारंपरिक तकनीकों से शोधन और प्रसंस्करण किया जाता है। इसके पश्चात फर्मे का उपयोग करके चमड़े की सही आकार में कटाई की जाती है। फिर ऊपरी हिस्से पर कुशल कारीगरों द्वारा रेशमी धागों से कशीदाकारी की जाती है। अंत में मजबूत धागों से तले और ऊपरी हिस्से की सिलाई करके मोजड़ी तैयार की जाती है।

57. (B) भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के दृश्य
पिछवाई कला राजस्थान की एक अत्यंत प्रसिद्ध और समृद्ध पारंपरिक वस्त्र चित्रकारी शैली है जो मुख्य रूप से भीलवाड़ा और नाथद्वारा क्षेत्र में प्रचलित है। 'पिछवाई' शब्द का शाब्दिक अर्थ 'पीछे लटकना' होता है। इस कला में सूती कपड़े के बड़े पर्दे पर मंदिर में स्थापित श्रीनाथजी (भगवान श्रीकृष्ण) के बाल स्वरूप की मूर्ति के पीछे टांगने के लिए उनके जीवन की लीलाओं, रासलीला और विभिन्न उत्सवों के दृश्य प्राकृतिक रंगों से चित्रित किए जाते हैं।

58. (B) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थान की पारंपरिक वस्त्र शब्दावली का सही सुमेल इस प्रकार है। 'पोमचा' पीले और गुलाबी रंग की विशिष्ट पारंपरिक ओढ़नी है जो नवजात बच्चे के जन्म पर पहनी जाती है। 'मोठड़ा' क्रास-धारीदार बंधेज का एक सुंदर प्रकार है। 'लप्पा-लप्पी' वस्त्रों के किनारों पर लगाई जाने वाली गोटा पत्ती के विभिन्न प्रकार हैं। जबकि 'दाबू' छपाई प्रक्रिया में रंगाई रोकने के लिए प्रयुक्त मिट्टी से बना प्रतिरोधक लेप है।

59. (D) बच्चे (सामान्यतः पुत्र) के जन्म पर
'पोमचा' राजस्थान की एक अत्यंत प्रसिद्ध और पारम्परिक ओढ़नी है जो बंधेज कला द्वारा तैयार की जाती है। जब किसी महिला के यहाँ बच्चे का जन्म होता है, तो उसके पीहर यानी माता-पिता के घर से विशेष रूप से पोमचा भेजा जाता है। सामान्यतः पुत्र रत्न की प्राप्ति पर 'पीला पोमचा' तथा पुत्री के जन्म पर 'गुलाबी पोमचा' उपहार स्वरूप भेंट किया जाता है। यह परंपरा राजस्थानी संस्कृति में वात्सल्य और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती है।

60. (A) पारंपरिक धार्मिक भित्ति चित्रकारी और लघु कला
बीकानेर का पारंपरिक मथेरणा समुदाय एक विशेष जैन चित्रकार समुदाय है जो पीढ़ियों से कला साधना में लगा हुआ है। यह समुदाय मुख्य रूप से धार्मिक भित्ति चित्रों, कागजों तथा कपड़े पर बनाई जाने वाली सूक्ष्म लघु कला (मिनीचर पेंटिंग) के लिए प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त वे ताजे प्लास्टर पर आलागीला तकनीक से मंदिरों, महलों की छतों और हवेलियों की दीवारों पर देवी-देवताओं के अत्यंत जीवंत और टिकाऊ चित्र उकेरने के लिए जाने जाते हैं।

लेकिन उन्हें हटाने से कुल कृषि उत्पादन कम नहीं होता है। उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

28. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में किस प्रमुख समस्या से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया था?
(A) ग्रामीण मजदूरी बेरोजगारी और मौसमी बेरोजगारी
(B) विश्वविद्यालय और कॉलेज के स्नातकों के बीच शिक्षित युवा बेरोजगारी
(C) तीव्र कार्यालय कंप्यूटरीकरण के कारण उत्पन्न तकनीकी बेरोजगारी
(D) कॉर्पोरेट औद्योगिक विवाद और निजी क्षेत्र की श्रम हड़तालें

29. राजस्थान में 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' का प्राथमिक उद्देश्य किसके माध्यम से रोजगार सृजित करना है?
(A) सभी बेरोजगार ग्रामीण परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न, सब्सिडी वाला आवास और कल्याणकारी सुविधाएं प्रदान करना
(B) स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए बैंक ऋण ब्याज पर सब्सिडी प्रदान करना
(C) सभी पात्र 12वीं पास छात्रों को बिना साक्षात्कार के सीधे स्थायी सरकारी पद प्रदान करना
(D) ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक बेरोजगार युवा को बिना किसी शर्त के मासिक नकद बेरोजगारी भत्ता वितरित करना

30. राजस्थान में, राज्य की कौशल विकास पहल राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन के साथ संरेखित हैं। इस राष्ट्रीय मिशन की देखरेख के लिए मुख्य रूप से कौन-सा केंद्रीय मंत्रालय जिम्मेदार है?
(A) गृह मंत्रालय
(B) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
(C) ग्रामीण विकास मंत्रालय
(D) शिक्षा मंत्रालय

31. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार, शिक्षा प्रणाली भविष्य की संरचनात्मक बेरोजगारी को कम करने का प्रयास कैसे कर रही है?
(A) कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा और इंटर्नशिप को एकीकृत करके
(B) माध्यमिक विद्यालयों से सभी परीक्षाओं को पूरी तरह से हटाकर
(C) खेती करने के लिए स्नातक की डिग्री को अनिवार्य बनाकर
(D) केवल सैद्धांतिक विषयों पर ध्यान केंद्रित करके और प्रायोगिक परीक्षाओं को समाप्त करके

32. रोजगार मापने की वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) विधि के तहत, किसी व्यक्ति को नियोजित माना जाता है यदि उसने संदर्भ सप्ताह के दौरान कम से कम कितने समय तक काम किया हो?
(A) संदर्भ सप्ताह के किसी भी एक दिन कम से कम 1 घंटा
(B) पूरे संदर्भ सप्ताह के दौरान प्रत्येक दिन कम से कम 8 घंटे
(C) मानक संदर्भ सप्ताह के दौरान प्रतिदिन न्यूनतम 4 घंटे
(D) संदर्भ सप्ताह के भीतर कुल मिलाकर 40 घंटे काम किया हो

33. बेरोजगारी के मानक वर्गीकरण के आधार पर निम्नलिखित पदों में से विषम (अलग) का चयन कीजिए:
(A) घर्षणात्मक बेरोजगारी
(B) संरचनात्मक बेरोजगारी
(C) चक्रीय बेरोजगारी
(D) मुद्रास्फीतिक अंतराल

34. उभरती हुई डिजिटल गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार से जुड़ी एक प्रमुख चुनौती क्या है?
(A) कार्य के घंटों और पाली (शिफ्ट) के समय में अत्यधिक कठोरता जो व्यक्तिगत लचीलेपन को पूरी तरह रोकती है
(B) दैनिक कार्यों को सौंपने और उनकी निगरानी में निरंतर एवं अत्यधिक सरकारी विनियामक हस्तक्षेप
(C) पेंशन, भविष्य निधि (पीएफ) और बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा का अभाव
(D) अनिवार्य कॉर्पोरेट नीति आवश्यकताएं जो दशकों के सत्यापित पूर्व उद्योग कार्य अनुभव की मांग करती हैं

35. स्कूल पास-आउट और ड्रॉप-आउट युवाओं को विभिन्न इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में दीर्घकालिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेष रूप से पूरे राजस्थान में कौन-से संस्थान स्थापित किए गए हैं?
(A) आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान)
(B) आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान)
(C) निफ्ट (राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान)
(D) एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान)

36. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (योजनाएं/पहल)
P. मनरेगा
Q. पीएम-ईजीपी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम)
R. मुख्यमंत्री युवा संबल योजना
S. आरएसएलडीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम
सूची II: (प्राथमिक लक्षित क्षेत्र)
1. पात्र स्नातकों के लिए बेरोजगारी भत्ता
2. ग्रामीण अकुशल मजदूरी रोजगार गारंटी
3. युवाओं का कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण

Click Here to Buy book on Amazon

अध्याय 30
बेरोज़गारी: प्रकार एवं समाधान

1. अर्थशास्त्र के संदर्भ में "बेरोजगार" व्यक्ति को किस प्रकार परिभाषित किया जाता है?
(A) ऐसा सक्षम व्यक्ति जो प्रचलित बाजार मजदूरी दरों पर काम करने का इच्छुक नहीं है
(B) ऐसा व्यक्ति जो अस्थायी या दीर्घकालिक बीमारी के कारण काम करने में शारीरिक रूप से असमर्थ है
(C) ऐसा व्यक्ति जिसने अपने व्यावसायिक जीवन से स्वेच्छा से समय पूर्व सेवानिवृत्ति ली है
(D) ऐसा व्यक्ति जो बिना काम के है लेकिन प्रचलित मजदूरी दरों पर सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश कर रहा है

2. राजस्थान में कौन-सा क्षेत्र मुख्य रूप से प्रच्छन्न (अदृश्य) बेरोजगारी की विशेषता दर्शाता है?
(A) सूचना प्रौद्योगिकी
(B) भारी विनिर्माण
(C) कृषि
(D) आतिथ्य एवं पर्यटन

3. राजस्थान में मौसमी बेरोजगारी निम्नलिखित में से किस गतिविधि से सर्वाधिक निकटता से जुड़ी हुई है?
(A) सूती वस्त्र निर्माण
(B) वर्षा-आधारित कृषि
(C) संगमरमर और बलुआ पत्थर का खनन
(D) खुदरा और थोक व्यापार

4. किसी अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बेरोजगारी का प्राथमिक कारण क्या है?
(A) बाजार मंदी के दौरान समग्र आर्थिक गतिविधियों और मांग में अस्थायी चक्रीय गिरावट
(B) किसी कर्मचारी द्वारा एक रोजगार से दूसरे रोजगार में परिवर्तन के दौरान अनुभव की जाने वाली अल्पकालिक संक्रमणकालीन अवधि
(C) ग्रामीण श्रमिकों की शहरी केंद्रों में प्रवास करने की सामान्य अनिच्छा या भौगोलिक हिचकिचाहट
(D) श्रमिकों के पास उपलब्ध कौशल और उपलब्ध रोजगार के लिए आवश्यक कौशल के बीच मूलभूत असंतुलन

5. बेरोजगारी के प्रकारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. प्रच्छन्न बेरोजगारी तब होती है जब किसी कार्य में वास्तव में आवश्यकता से अधिक लोग लगे होते हैं।
II. मौसमी बेरोजगारी कृषि क्षेत्र में शायद ही कभी पाई जाती है।
III. घर्षणात्मक बेरोजगारी रोजगार बदलने के बीच की एक अस्थायी स्थिति है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

6. राजस्थान में युवाओं के बीच शिक्षित बेरोजगारी का मुख्य कारण सामान्यतः किसे माना जाता है?
(A) सार्वजनिक क्षेत्र में स्थायी रोजगार के अवसरों की अत्यधिक उपलब्धता
(B) पूरे राज्य में समग्र युवा और कार्यशील आयु वर्ग की जनसंख्या में तीव्र गिरावट
(C) व्यावसायिक कौशल-आधारित शिक्षा की कमी, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक कौशल अंतर उत्पन्न होता है
(D) पूरे राज्य में कार्यात्मक विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और संस्थानों की पूर्ण अनुपस्थिति

7. ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में सामान्यतः निम्नलिखित में से किस प्रकार की बेरोजगारी अधिक प्रचलित है?
(A) शिक्षित बेरोजगारी
(B) प्रच्छन्न बेरोजगारी
(C) मौसमी बेरोजगारी
(D) कृषि बेरोजगारी

8. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा भारत में बेरोजगारी के मापन के संदर्भ में, 'सामान्य प्रमुख स्थिति' (यूपीएस) को मापने के लिए उपयोग की जाने वाली संदर्भ अवधि क्या है?
(A) एक सप्ताह (7 दिन)
(B) एक महीना (30 दिन)
(C) एक दिन (24 घंटे)
(D) एक वर्ष (365 दिन)

9. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): राजस्थान से ग्रामीण युवाओं का शहरी केंद्रों की ओर भारी प्रवासन हो रहा है।
कारण (R): ग्रामीण कृषि में निरंतर, वर्ष भर रोजगार के अवसरों की कमी युवाओं को शहरी रोजगार की तलाश करने के लिए विवश करती है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से

NODIA

मजबूती और उपयोगिता के लिए जानी जाती है, लेकिन इसे अभी तक आधिकारिक रूप से जीआई टैग प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए यह सूची में शामिल नहीं है।

21. (A) राजसीको
राजस्थान लघु उद्योग निगम यानी राजसीको राज्य की प्राथमिक नोडल एजेंसी है जो राज्य के पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों का विपणन करती है। राजसीको द्वारा संचालित 'राजस्थली' एम्पोरियम के माध्यम से कारीगरों के उत्कृष्ट हस्तशिल्प उत्पादों जैसे मीनाकारी, ब्लू पॉटरी, काष्ठ कला और वस्त्रों की बिक्री की जाती है। यह संस्था कारीगरों को उचित मूल्य दिलाने, उनके उत्पादों के प्रचार-प्रसार तथा राज्य में हस्तशिल्प उद्योग के विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

22. (C) हथकरघा, हस्तशिल्प और चमड़ा क्षेत्र
ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेंसी यानी 'रुडा' की स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा नवंबर 1995 में की गई थी। इस स्वतंत्र संस्था का मुख्य उद्देश्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के अलावा अन्य गैर-कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देना है। रुडा मुख्य रूप से तीन उप-क्षेत्रों - हथकरघा, हस्तशिल्प और चमड़ा उद्योग पर ध्यान केंद्रित करता है। यह संस्था ग्रामीण कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, वित्तीय मदद और विपणन सुविधाएं प्रदान करती है।

23. (A) उदयपुर
राजस्थान की समृद्ध ग्रामीण कला, शिल्प और लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उदयपुर शहर के पास स्थित हवाला गांव में प्रसिद्ध 'शिल्पग्राम' की स्थापना की गई थी। यह एक जीवंत पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक परिसर है जहाँ भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक ग्रामीण वास्तुकला, हस्तशिल्प झोपड़ियों और कारीगरों की कार्यशालाओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया जाता है। यहाँ प्रतिवर्ष विशाल राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले का आयोजन भी किया जाता है।

24. (D) सस्ते, मशीन से बने संश्लेषित उत्पादों से कड़ी बाजार प्रतिस्पर्धा
राजस्थान के पारंपरिक हथकरघा बुनकरों और हस्तशिल्प कारीगरों के सामने वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती आधुनिक कारखानों से निर्मित सस्ते, मशीन से बने और संश्लेषित उत्पादों से मिलने वाली कड़ी बाजार प्रतिस्पर्धा है। चूंकि हस्त निर्मित वस्तुओं को बनाने में अत्यधिक समय, श्रम और लागत लगती है, इसलिए वे बाजार में महंगी होती हैं। मशीन से बने उत्पाद सस्ते होने के कारण आम ग्राहकों को आकर्षित करते हैं जिससे पारंपरिक हस्तशिल्प की मांग प्रभावित होती है।

25. (B) ई-बाजार / राज ई-बाजार
राजस्थान सरकार ने राज्य के पारंपरिक हस्तशिल्प कारीगरों, बुनकरों और स्वयं सहायता समूहों को आधुनिक डिजिटल बाजार से जोड़ने के लिए 'राज ई-बाजार' नामक आधिकारिक ई-कॉमर्स पोर्टल शुरू किया है। इस ऑनलाइन मंच के माध्यम से कारीगर बिना किसी मध्यस्थ या बिचौलिए के सीधे पूरे देश के उपभोक्ताओं को अपने प्रामाणिक उत्पाद बेच सकते हैं। इससे कारीगरों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिलता है और राजस्थानी हस्तशिल्प की पहुंच वैश्विक स्तर पर सुलभ होती है।

26. (C) दिसंबर
उदयपुर के हवाला गांव में स्थित शिल्पग्राम में आयोजित होने वाला वार्षिक 'शिल्पग्राम उत्सव' राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध सांस्कृतिक और हस्तशिल्प मेलों में से एक है। यह दस दिवसीय मेला प्रतिवर्ष दिसंबर महीने के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाता है। इस उत्सव में पूरे देश से सैकड़ों हस्तशिल्पी, बुनकर और लोक कलाकार भाग लेते हैं। यहाँ कारीगर अपने निर्मित सामानों की प्रदर्शनी और बिक्री करते हैं, जिससे यह पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता है।

27. (B) मिश्रण को ढालना, हस्त-चित्रकारी, ग्लेज़िंग, भट्टी में पकाना
जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी निर्माण प्रक्रिया अत्यंत वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित चरणबद्ध विधि पर आधारित है। सर्वप्रथम क्वार्ट्ज़, काँच और मुल्तानी मिट्टी के तैयार मिश्रण को सांचों में ढालकर बर्तन का आधार बनाया जाता है। इसके पश्चात सुखाए गए बर्तनों पर कुशल कारीगरों द्वारा कॉपर सल्फेट और कोबाल्ट ऑक्साइड से हाथ से नीले-हरे रंगों की चित्रकारी की जाती है। अंत में उस पर काँच का पारदर्शी लेप लगाकर भट्टी में पकाया जाता है।

28. (A) कृपाल सिंह शेखावत
जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी कला लुप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी थी, जिसे पुनर्जीवित करने का ऐतिहासिक श्रेय महान शिल्पकार कृपाल सिंह शेखावत को जाता है। उन्होंने इस कला में पारंपरिक दो रंगों के स्थान पर 25 से अधिक नए रंगों और नए डिजाइनों का समावेश करके इसे अंतर्राष्ट्रीय ख्याति दिलाई। उनके इस असाधारण योगदान और उत्कृष्ट हस्तकौशल के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

29. (B) कपड़े के विशिष्ट क्षेत्रों पर रंगाई को रोकने के लिए उपयोग किया जाने वाला मिट्टी-प्रतिरोधी लेप
राजस्थान की पारंपरिक वस्त्र छपाई कला में 'दाबू' एक विशेष प्रकार के प्रतिरोधक या रेजिस्टेंस लेप को कहा जाता है। छपाई के दौरान कपड़े के जिन भागों पर रंग नहीं चढ़ाना होता है, उन पर मिट्टी, गोंद, चूने और बीड़न के मिश्रण से तैयार किया गया यह दाबू लेप लगाया जाता है। इसके बाद कपड़े को रंगा जाता है और अंत में धो लेने पर लेप वाले स्थान पर मूल रंग सुरक्षित रहता है। अकोला और बगरू इसके प्रसिद्ध केंद्र हैं।

30. (B) सरस्वती (द्रव्यवती) नदी
जयपुर के सांगानेरी प्रिंट अपनी अद्भुत प्राकृतिक चमक और रंगों की जीवंतता के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से यह माना जाता है कि सांगानेर क्षेत्र से होकर बहने वाली स्थानीय द्रव्यवती नदी (जिसे स्थानीय रूप से सरस्वती नदी भी कहा जाता है) के जल में विशेष खनिज गुण मौजूद थे। इस नदी के जल से धुलाई करने पर छपाई में प्रयुक्त वनस्पति और प्राकृतिक

Downloaded from www.pdf.tube

(D) रोजगार की तलाश → रोजगार → बुनियादी शिक्षा → कौशल अर्जन

19. ग्रामीण और अर्ध-शहरी राजस्थान में बेरोजगारी को हल करने के लिए लघु एवं कुटीर उद्योगों को महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है?
(A) क्योंकि उन्हें भारी पूंजी निवेश, उन्नत तकनीक और विदेशी वित्तीय सहायता की आवश्यकता होती है
(B) क्योंकि वे अत्यधिक श्रम-गहन हैं और व्यापक स्थानीय रोजगार उत्पन्न करते हैं
(C) क्योंकि वे लगभग पूरी तरह से स्वचालित, रोबोटिक और आधुनिक डिजिटल निर्माण तकनीक पर निर्भर हैं
(D) क्योंकि वे केवल अत्यधिक योग्य सॉफ्टवेयर इंजीनियरों और आईटी पेशेवरों को रोजगार देकर शहरी केंद्रों की सेवा करते हैं

20. राष्ट्रीय सर्वेक्षणों द्वारा बेरोजगारी के मापन में, संक्षिप्त नाम 'सीडीएस' का क्या अर्थ है?
(A) कंटीन्यूअस डेटा सिस्टम
(B) करंट डेमोग्राफिक स्टेटस
(C) सेंट्रल डेली सर्वे
(D) करंट डेली स्टेटस (वर्तमान दैनिक स्थिति)

21. औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के बीच सामान्यतः स्वीकृत संबंध क्या है?
(A) यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न करता है
(B) यह सभी प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों में समग्र रोजगार स्तर को व्यवस्थित रूप से घटाता है
(C) यह रोजगार सृजन पर बिना किसी मापने योग्य प्रभाव के पूरी तरह से तटस्थ स्थिति बनाए रखता है
(D) यह विशेष रूप से असंगठित कृषि मजदूरों के लिए उपयुक्त केवल शारीरिक श्रम वाले रोजगार पैदा करता है

22. मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. पात्र महिला, ट्रांसजेंडर और दिव्यांग आवेदकों को पुरुष आवेदकों की तुलना में अधिक मासिक भत्ता मिलता है।
II. यह योजना अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के लिए या रोजगार मिलने तक, जो भी पहले हो, बेरोजगारी भत्ता प्रदान करती है।
III. यह भत्ता बिना किसी ऊपरी आयु सीमा के सभी आयु वर्गों के बेरोजगार स्नातकों के लिए उपलब्ध है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

23. निम्नलिखित में से कौन-सी एक प्रमुख सामाजिक-आर्थिक चुनौती है जो विशेष रूप से राजस्थान में महिलाओं की बेरोजगारी में योगदान देती है?
(A) सुरक्षित परिवहन सुविधाओं का अभाव और प्रतिबंधात्मक पितृसत्तात्मक मानदंड
(B) इंजीनियरिंग कॉलेजों में महिलाओं की अत्यधिक उच्च नामांकन दर
(C) निजी क्षेत्र के सभी रोजगारों में महिलाओं के लिए पूर्ण वैधानिक आरक्षण
(D) कार्यालयीन कार्य की तुलना में भारी औद्योगिक कार्य के प्रति महिलाओं की अत्यधिक वरीयता

NODIA

24. सेवा उद्योग के अंतर्गत कौन-सा उप-क्षेत्र राजस्थान के शहरी केंद्रों में शिक्षित युवाओं को महत्वपूर्ण और बढ़ते रोजगार के अवसर प्रदान करता है?
(A) गहरे समुद्र में मोती पकड़ना और वाणिज्यिक समुद्री मत्स्य पालन संचालन
(B) अपतटीय कच्चा तेल ड्रिलिंग, अन्वेषण और पेट्रोलियम शोधन
(C) भारी अर्थ-मूविंग मशीनरी निर्माण और औद्योगिक असेंबली
(D) सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बीपीओ सेवाएं

25. शिक्षित बेरोजगारी से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए निम्नलिखित कदमों को सही तार्किक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास प्रदान करना
2. युवाओं में कौशल अंतर की पहचान करना
3. प्लेसमेंट अभियान और रोजगार मेलों का आयोजन करना
4. रोजगार कार्यालयों में युवाओं का पंजीकरण करना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम का चयन कीजिए:
(A) 2, 4, 1, 3
(B) 1, 2, 3, 4
(C) 4, 2, 1, 3
(D) 4, 1, 3, 2

26. जब कोई अत्यधिक शिक्षित व्यक्ति, जैसे कि इंजीनियर या स्नातकोत्तर, उपयुक्त अवसरों की कमी के कारण कम कौशल वाले शारीरिक श्रम का कार्य करने के लिए विवश होता है, तो इस स्थिति को कहा जाता है:
(A) मौसमी बेरोजगारी
(B) घर्षणात्मक बेरोजगारी
(C) अल्प-रोजगार
(D) ऐच्छिक बेरोजगारी

27. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): कृषि में प्रच्छन्न बेरोजगारी अधिकांशतः अदृश्य होती है।
कारण (R): लोग खेत में पूर्णतः नियोजित प्रतीत होते हैं,

सही उत्तर चुनिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

10. राजस्थान में मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत, पात्र पुरुष अभ्यर्थियों को प्रदान किया जाने वाला वर्तमान मासिक बेरोजगारी भत्ता कितना है?
(A) 3,000 रुपये
(B) 4,000 रुपये
(C) 4,500 रुपये
(D) 5,000 रुपये

11. मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत बेरोजगारी भत्ते के लिए पात्र होने हेतु किसी अभ्यर्थी के पास न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता क्या होनी चाहिए?
(A) कक्षा 8 स्तर तक उच्च प्राथमिक शिक्षा पूर्ण होना
(B) कक्षा 10 स्तर तक माध्यमिक शिक्षा पूर्ण होना
(C) कक्षा 12वीं तक उच्च माध्यमिक शिक्षा पूर्ण होना
(D) किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त स्नातक डिग्री

12. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (बेरोजगारी की शब्दावली)
P. प्रच्छन्न बेरोजगारी
Q. मौसमी बेरोजगारी
R. घर्षणात्मक बेरोजगारी
S. संरचनात्मक बेरोजगारी
सूची II: (अर्थ)
1. रोजगार बदलने के बीच का समय अंतराल
2. कौशल और कार्य की आवश्यकताओं में असंतुलन
3. वर्ष के कुछ महीनों के दौरान बेरोजगारी
4. अतिरिक्त श्रमिकों की सीमांत उत्पादकता शून्य होना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) P-4, Q-3, R-1, S-2
(B) P-3, Q-4, R-2, S-1
(C) P-4, Q-1, R-3, S-2
(D) P-2, Q-3, R-1, S-4

13. राजस्थान में रोजगार और कौशल सृजन के संदर्भ में 'आरएसएलडीसी' का पूर्ण रूप क्या है?
(A) राजस्थान स्टेट रूरल लैंड डेवलपमेंट एंड वेलफेयर कॉर्पोरेशन
(B) राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम
(C) रीजनल सोसाइटी फॉर लेबर डेवलपमेंट, वेलफेयर एंड पब्लिक केयर
(D) राजस्थान स्टेट लेबर डेवलपमेंट एंड एम्प्लॉयमेंट वेलफेयर काउंसिल

14. राजस्थान सरकार द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाने वाले 'मेगा जॉब फेयर' (रोजगार मेलों) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) पात्र स्कूली छात्रों को सीधे निःशुल्क लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित करना
(B) रोजगार चाहने वालों को एक ही मंच पर निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से सीधे जोड़ना
(C) बिना किसी प्रतियोगी प्रवेश परीक्षा के सीधे स्थायी सरकारी नौकरियां प्रदान करना
(D) असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को व्यापक राज्य स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत पंजीकृत करना

15. निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण "गिग अर्थव्यवस्था" में भाग लेने वाले श्रमिकों का सर्वोत्तम वर्णन करता है?
(A) स्वतंत्र फ्रीलांसर या ठेकेदार जो अल्पकालिक कार्य या प्लेटफॉर्म-आधारित रोजगार करते हैं
(B) सार्वजनिक सरकारी विभागों के स्थायी कर्मचारी जिन्हें निश्चित मासिक वेतन और पेंशन मिलती है
(C) पारंपरिक, मौसमी खेती और हाथों से फसल की कटाई में लगे भूमिहीन कृषि मजदूर
(D) दीर्घकालिक, कानूनी रूप से प्रवर्तनीय श्रम अनुबंधों के तहत नियोजित औपचारिक औद्योगिक कारखाने के श्रमिक

16. राजस्थान हाल ही में किस प्रकार के श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के लिए एक विशिष्ट विधेयक पारित करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है?
(A) असंगठित कृषि मजदूर
(B) औद्योगिक कपड़ा मिल श्रमिक
(C) प्लेटफॉर्म-आधारित गिग श्रमिक
(D) गैर-पंजीकृत खनन मजदूर

17. निम्नलिखित में से किसे सामान्यतः राजस्थान में बेरोजगारी का प्राथमिक कारण नहीं माना जाता है?
(A) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि
(B) अनिश्चित मानसून-आधारित कृषि पर उच्च आर्थिक निर्भरता
(C) विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भारी औद्योगिक विकास की अपेक्षाकृत धीमी गति
(D) उपलब्ध रोजगार की तुलना में अत्यधिक कुशल श्रम की अत्यधिक उपलब्धता

18. किसी युवा को शिक्षा से औपचारिक रोजगार में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया में आमतौर पर शामिल चरणों के सही तार्किक क्रम का चयन कीजिए:
(A) रोजगार → कौशल अर्जन → बुनियादी शिक्षा → रोजगार की तलाश
(B) बुनियादी शिक्षा → कौशल अर्जन → रोजगार की तलाश → रोजगार
(C) कौशल अर्जन → बुनियादी शिक्षा → रोजगार → रोजगार की तलाश

Click Here to Buy book on Flipkart

4. सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-4, Q-2, R-3, S-1
(C) P-2, Q-1, R-4, S-3
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

37. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) का नहीं है?
(A) सीधे नकद बेरोजगारी भत्ता प्रदान करना
(B) युवाओं के लिए व्यापक व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निर्माण, आयोजन और कार्यान्वयन करना
(C) बाजार योग्य तकनीकी कौशल प्रदान करने के लिए निजी प्रशिक्षण प्रदाताओं और उद्योग भागीदारों के साथ साझेदारी करना
(D) समाज के आर्थिक रूप से हाशिए पर मौजूद और संवेदनशील वर्गों की समग्र कार्यबल रोजगार क्षमता में सुधार करना

38. उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का प्राथमिक ध्यान किस पर होता है?
(A) शिक्षित व्यक्तियों को वाणिज्यिक बैंकिंग संस्थानों में प्रशासनिक लेखा लिपिक के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना
(B) पारंपरिक कृषि किसानों को बुनियादी आधुनिक यांत्रिक हस्त उपकरणों को प्रभावी ढंग से संचालित करने और उनका रखरखाव करने की सीख देना
(C) व्यक्तियों को व्यवसाय शुरू करने और चलाने के लिए कौशल और ज्ञान से लैस करना
(D) प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों को राज्य सिविल सेवा और सार्वजनिक प्रशासनिक परीक्षाओं को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के लिए तैयार करना

39. अर्थशास्त्र में, किसी देश के "श्रम बल" में निम्नलिखित में से कौन-से लोगों के समूह शामिल होते हैं?
(A) नियोजित व्यक्ति और सक्रिय रूप से काम की तलाश कर रहे बेरोजगार व्यक्ति दोनों
(B) केवल वे लाभकारी रूप से नियोजित व्यक्ति जो वर्तमान में काम कर रहे हैं और नियमित संविदात्मक मजदूरी या वेतन कमा रहे हैं
(C) केवल 15 वर्ष से कम आयु के गैर-कार्यशील बच्चे और 65 वर्ष से अधिक आयु के आश्रित वरिष्ठ नागरिक
(D) आयु वर्ग, स्वास्थ्य या काम करने की इच्छा की परवाह किए बिना देश के भीतर रहने वाली कुल जनसंख्या

40. राजस्थान में कृषि अक्सर किसानों को निरंतर, वर्ष भर रोजगार प्रदान करने में विफल क्यों रहती है?
(A) क्योंकि ठंड के मौसम में कृषि भूमि पूरी तरह से जम जाती है
(B) क्योंकि राज्य सरकार ने गैर-मानसून महीनों के दौरान सभी प्रकार की कृषि खेती पर आधिकारिक रूप से प्रतिबंध लगा दिया है
(C) क्योंकि आधुनिक पूरी तरह से स्वायत्त ट्रैक्टरों और मशीनों ने मानवीय कृषि श्रम की आवश्यकता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है
(D) क्योंकि राज्य की कृषि अनिश्चित मौसमी मानसून पर अत्यधिक निर्भर करती है

41. किसी अर्थव्यवस्था में सांख्यिकीय रूप से बेरोजगारी दर की गणना किस प्रकार की जाती है?
(A) (बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या / कुल जनसंख्या) × 100
(B) (बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या / श्रम बल) × 100
(C) (कुल जनसंख्या / बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या) × 100
(D) (श्रम बल / कुल नियोजित व्यक्ति) × 100

42. राजस्थान में लघु एवं कुटीर उद्योगों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. वे अत्यधिक पूंजी-गहन हैं और उन्हें न्यूनतम मानवीय श्रम की आवश्यकता होती है।
II. वे गैर-कृषि ग्रामीण रोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
III. हथकरघा, वस्त्र और हस्तशिल्प इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

43. भारत और राजस्थान में, सामान्य स्थिति दृष्टिकोण के आधार पर ग्रामीण बनाम शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर के संबंध में सामान्यतः देखा जाने वाला रुझान क्या है?
(A) ग्रामीण बेरोजगारी दर शहरी बेरोजगारी दर की तुलना में काफी अधिक है
(B) ग्रामीण और शहरी दोनों बेरोजगारी दरें ठीक शून्य हैं
(C) ग्रामीण क्षेत्रों में केवल संरचनात्मक बेरोजगारी का अनुभव होता है, जिससे दरों की तुलना नहीं की जा सकती
(D) शहरी बेरोजगारी दर सामान्यतः ग्रामीण बेरोजगारी दर से अधिक होती है

44. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): शहरी राजस्थान में शिक्षित बेरोजगारी एक प्रमुख और बढ़ती हुई चुनौती है।
कारण (R): कॉलेजों में दिए जाने वाले सैद्धांतिक ज्ञान और आधुनिक उद्योगों द्वारा आवश्यक व्यावहारिक कौशल के बीच अक्सर एक गंभीर अंतर होता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

Downloaded from www.pdf.tube

45. (B) होटलों, टूर गाइडों और परिवहन में सेवा क्षेत्र का रोजगार
राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है और यह मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र के अंतर्गत व्यापक रोजगार का सृजन करता है। राज्य की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक विविधता के कारण पर्यटन उद्योग से होटल व्यवसाय, आतिथ्य सत्कार, टूर गाइड तथा स्थानीय परिवहन सेवाओं में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

46. (B) महिला-संचालित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को बढ़ावा देना और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना
ग्रामीण राजस्थान में महिला श्रम बल भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला-संचालित स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देना तथा महिलाओं को व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना सबसे प्रभावी उपाय है। स्वयं सहायता समूह महिलाओं को स्थानीय स्तर पर सूक्ष्म वित्त और सामूहिक उद्यमिता का अवसर प्रदान करते हैं। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर आर्थिक रूप से सशक्त बनती हैं, जो अत्यंत लाभप्रद सिद्ध होता है।

47. (A) ऐच्छिक रूप से बेरोजगार
जब किसी व्यक्ति को वर्तमान में प्रचलित बाजार मजदूरी दरों पर काम उपलब्ध होता है, परंतु वह स्वेच्छा से कार्य करने से मना कर देता है या बिना किसी कारण अत्यधिक उच्च मजदूरी की मांग करता है, तो उसे ऐच्छिक रूप से बेरोजगार माना जाता है। ऐसे व्यक्तियों को आधिकारिक आंकड़ों में शामिल नहीं करते क्योंकि उनमें कार्य की इच्छा नहीं होती है।

48. (C) वे रोजगार चाहने वालों का पंजीकरण करते हैं और करियर परामर्श तथा रोजगार अभियानों की सुविधा प्रदान करते हैं
राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्थापित रोजगार कार्यालयों की आधुनिक भूमिका केवल आंकड़े दर्ज करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे रोजगार चाहने वाले युवाओं के पंजीकरण, करियर मार्गदर्शन और परामर्श केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं। ये कार्यालय युवाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हैं और रोजगार मेलों का आयोजन करके अवसर प्रदान करते हैं, जो अत्यंत लाभकारी है।

49. (D) प्लेटफॉर्म और गिग अर्थव्यवस्था
स्विगी, जोमैटो और ओला जैसे डिजिटल मोबाइल अनुप्रयोगों के माध्यम से उत्पन्न होने वाले रोजगार आधुनिक 'प्लेटफ़ॉर्म और गिग अर्थव्यवस्था' की श्रेणी में आते हैं। इस प्रकार के रोजगार में काम करने वाले लोग पारंपरिक अर्थों में स्थायी कर्मचारी नहीं होते, बल्कि वे डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़कर अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। उन्हें कार्य के आधार पर भुगतान प्राप्त होता है।

50. (C) अपर्याप्त ग्रामीण आजीविका विकल्प और लगातार फसलों का खराब होना
ग्रामीण राजस्थान में अपर्याप्त आजीविका के साधन, गैर-कृषि रोजगार का अभाव और मानसून की विफलता के कारण लगातार फसलों का खराब होना प्रमुख 'प्रतिकर्ष कारक' के रूप में कार्य करते हैं। ये प्रतिकूल परिस्थितियां ग्रामीण युवाओं को अपने गांवों को छोड़ने और आजीविका हेतु शहरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर करती हैं, जिससे पलायन की गति बढ़ती है।

51. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
कृषि में मौसमी बेरोजगारी को दूर करने के लिए डेयरी और पोल्ट्री जैसी सम्बद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहिए। शिक्षित बेरोजगारी के समाधान हेतु कॉलेजों में व्यावसायिक और कौशल-आधारित पाठ्यक्रम शुरू करना आवश्यक है। उद्यमिता के अभाव को दूर करने के लिए आसान ऋण उपलब्ध कराना चाहिए। वहीं घर्षणात्मक बेरोजगारी को पोर्टल द्वारा जानकारी देकर कम किया जा सकता है।

52. (D) राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)
भारत में राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार तथा बेरोजगारी से संबंधित आंकड़े एकत्र करने और 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण' आयोजित करने का कार्य 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' द्वारा किया जाता है। यह संस्था नियमित अंतराल पर सर्वेक्षण आयोजित करके श्रम बल भागीदारी और बेरोजगारी दर के संबंध में प्रामाणिक सांख्यिकीय आंकड़े जारी करती है, जो नीति निर्माण में सहायक होते हैं।

53. (A) कौशल प्रशिक्षण के बाद प्रतिदिन 4 घंटे सरकारी विभाग में इंटर्नशिप
मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत बेरोजगारी भत्ता निरंतर प्राप्त करने के लिए पात्र अभ्यर्थियों के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि वे कौशल प्रशिक्षण के पश्चात किसी सरकारी विभाग में प्रतिदिन 4 घंटे की इंटर्नशिप पूरी करें। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य युवाओं को व्यावहारिक अनुभव देकर उनकी योग्यता का संवर्धन करना है, जो अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

54. (C) संरचनात्मक बेरोजगारी आमतौर पर अल्पकालिक होती है और बिना किसी पुनः प्रशिक्षण की आवश्यकता के स्वतः हल हो जाती है।
संरचनात्मक बेरोजगारी के संबंध में यह कथन असत्य है कि यह अल्पकालिक होती है और स्वतः हल हो जाती है। वास्तव में, संरचनात्मक बेरोजगारी एक दीर्घकालिक समस्या है जो अर्थव्यवस्था में तकनीकी बदलाव तथा कौशल के असंतुलन के कारण उत्पन्न होती है। इसे दूर करने के लिए श्रमिकों को व्यापक पुनः प्रशिक्षण देना अनिवार्य होता है, जो समय लेता है।

55. (A) तृतीयक क्षेत्र (सेवाएं)
भारत और राजस्थान में पिछले कुछ दशकों में आनुपातिक रोजगार सृजन के संदर्भ में तृतीयक क्षेत्र अर्थात् सेवा क्षेत्र में उच्चतम वृद्धि दर दर्ज की गई है। वित्तीय सेवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, खुदरा व्यापार, आतिथ्य और पर्यटन जैसे उप-क्षेत्रों के तीव्र विस्तार के कारण सेवा क्षेत्र में नए अवसरों का सृजन बहुत तेजी से हुआ है, जो अत्यंत महत्वपूर्ण है।

56. (D) वर्तमान मासिक स्थिति दृष्टिकोण
भारत में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा बेरोजगारी के मापन हेतु मुख्य रूप से तीन मानक दृष्टिकोणों का उपयोग किया

NODIA

(D) राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)

53. मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत, बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को अपनी रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए किस अनिवार्य गतिविधि से गुजरना आवश्यक है?
(A) कौशल प्रशिक्षण के बाद प्रतिदिन 4 घंटे सरकारी विभाग में इंटर्नशिप
(B) निर्दिष्ट राज्य पुलिस प्रशिक्षण शिविरों में प्रतिदिन 4 घंटे का अनिवार्य शारीरिक फिटनेस और ड्रिल प्रशिक्षण प्राप्त करना
(C) स्थानीय सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में प्रतिदिन 8 घंटे अनिवार्य पूर्णकालिक स्वयंसेवक शिक्षण सहायक के रूप में कार्य करना
(D) राज्य संचालित कृषि अनुसंधान क्षेत्रों और खेतों में अकुशल दैनिक वेतनभोगी मजदूरों के रूप में पूर्णकालिक कार्य करना

54. बेरोजगारी के विभिन्न प्रकारों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?
(A) प्रच्छन्न बेरोजगारी का अर्थ है कि अतिरिक्त श्रम की सीमांत उत्पादकता शून्य है।
(B) मौसमी बेरोजगारी तब होती है जब लोग वर्ष के विशेष महीनों के दौरान रोजगार पाने में असमर्थ होते हैं।
(C) संरचनात्मक बेरोजगारी आमतौर पर अल्पकालिक होती है और बिना किसी पुनः प्रशिक्षण की आवश्यकता के स्वतः हल हो जाती है।
(D) तकनीकी बेरोजगारी तब होती है जब नई मशीनों की शुरुआत से मानव श्रम को प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

55. भारत और राजस्थान में पिछले कुछ दशकों में, आनुपातिक रोजगार सृजन के संदर्भ में किस क्षेत्र में उच्चतम वृद्धि दर देखी गई है?
(A) तृतीयक क्षेत्र (सेवाएं)
(B) प्राथमिक क्षेत्र (कृषि और सम्बद्ध)
(C) द्वितीयक क्षेत्र (विनिर्माण और निर्माण)
(D) चतुर्थक क्षेत्र (उन्नत अनुसंधान और विकास)

56. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में बेरोजगारी मापने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षणों द्वारा उपयोग किया जाने वाला मानक सांख्यिकीय दृष्टिकोण नहीं है?
(A) सामान्य प्रमुख स्थिति दृष्टिकोण
(B) वर्तमान साप्ताहिक स्थिति दृष्टिकोण
(C) वर्तमान दैनिक स्थिति दृष्टिकोण
(D) वर्तमान मासिक स्थिति दृष्टिकोण

57. यद्यपि पीएम मुद्रा योजना एक केंद्रीय योजना है, लेकिन यह किसके माध्यम से राजस्थान में स्वरोजगार को अत्यधिक प्रभावित करती है:
(A) प्रमाणित उच्च उपज वाले फसल बीज खरीदने के लिए किसानों को प्रत्यक्ष नकद सब्सिडी और वित्तीय हस्तांतरण प्रदान करके
(B) गैर-कृषि व्यावसायिक उद्यमों के लिए 10 लाख रुपये तक के गारंटी-मुक्त सूक्ष्म ऋण प्रदान करके
(C) बड़े पैमाने के भारी विनिर्माण औद्योगिक कारखानों को चलाने के लिए मुफ्त हाई-वोल्टेज बिजली कनेक्शन प्रदान करके
(D) आधुनिक आईटी पार्क स्थापित करने के लिए निजी कॉर्पोरेट फर्मों को पूरी तरह से मुफ्त प्रमुख कृषि भूमि खंड आवंटित करके

58. रोजगार के मापन के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि एक "आर्थिक गतिविधि" नहीं मानी जाती है जो श्रम बल में योगदान देती है?
(A) स्थानीय मंडी में लाभ के लिए बेचने के उद्देश्य से उच्च श्रेणी की गेहूं की फसल उगाने वाला एक व्यावसायिक किसान
(B) व्यावसायिक रूप से संचालित निजी कोचिंग संस्थान में शुल्क देने वाले छात्रों को पढ़ाने वाला एक पेशेवर योग्य शिक्षक
(C) एक मां द्वारा अपने परिवार के लिए बिना वेतन के किया जाने वाला घरेलू खाना पकाने और घर का काम
(D) एक व्यावसायिक रूप से पंजीकृत मरम्मत गैरेज में ग्राहकों के वाहनों की मरम्मत करने वाला प्रमाणित मैकेनिक

59. राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) द्वारा आयोजित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्राथमिक लक्षित समूह क्या है?
(A) मनोरंजन संबंधी गतिविधियों और सेवानिवृत्ति के बाद के शौक की तलाश करने वाले सेवानिवृत्त वरिष्ठ सरकारी कर्मचारी
(B) राज्य संचालित सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले 10 वर्ष से कम आयु के नामांकित प्राथमिक स्कूली बच्चे
(C) पूरे राजस्थान में सांस्कृतिक विरासत स्थलों का भ्रमण करने वाले अंतरराष्ट्रीय विदेशी नागरिक और पर्यटक
(D) बाजार में बेहतर रोजगार क्षमता की तलाश कर रहे बेरोजगार युवा, महिलाएं और हाशिए पर मौजूद वर्ग

60. बैंकिंग क्षेत्र में आधुनिक कंप्यूटरों की शुरुआत के कारण उन पारंपरिक बही-खाता लिपिकों का रोजगार चला गया जो नई प्रणाली के अनुकूल नहीं ढल सके। यह किसका एक सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है?
(A) संरचनात्मक बेरोजगारी (विशेष रूप से तकनीकी)
(B) प्रच्छन्न या छिपी हुई अधिशेष कृषि बेरोजगारी
(C) मौसमी या मौसम-आधारित कृषि बेरोजगारी
(D) चक्रीय आर्थिक मंदी जनित मांग बेरोजगारी

61. समग्र आर्थिक सुस्ती या मंदी के कारण उत्पन्न बेरोजगारी, जिसमें वस्तुओं और सेवाओं की कुल मांग गिर जाती है जिससे रोजगार में कटौती होती है, कहलाती है:

Click Here to Buy book on Amazon

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (D) ऐसा व्यक्ति जो बिना काम के है लेकिन प्रचलित मजदूरी दरों पर सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश कर रहा है
अर्थशास्त्र में बेरोजगारी की अवधारणा केवल उन व्यक्तियों पर लागू होती है जो कार्य करने में सक्षम हैं और वर्तमान प्रचलित मजदूरी दरों पर काम करने के लिए तैयार हैं, परंतु उन्हें कोई लाभदायक रोजगार नहीं मिल पा रहा है। जो लोग स्वेच्छा से काम नहीं करना चाहते अथवा जो शारीरिक अक्षमता के कारण कार्य करने में असमर्थ हैं, उन्हें बेरोजगारों की श्रेणी में नहीं गिना जाता है। इस प्रकार श्रम शक्ति में सक्रियता महत्वपूर्ण है।

2. (C) कृषि
राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रच्छन्न या अदृश्य बेरोजगारी सबसे अधिक कृषि क्षेत्र में पाई जाती है। इस स्थिति में आवश्यकता से अधिक श्रमिक किसी कार्य में नियोजित होते हैं। यदि इनमें से कुछ श्रमिकों को कार्य से हटा भी दिया जाए, तो भी कुल कृषि उत्पादन में कोई कमी नहीं आती है। सीमित कृषि भूमि और वैकल्पिक रोजगार के अवसरों के अभाव के कारण परिवार के अतिरिक्त सदस्य खेत में ही काम में लगे रहते हैं।

3. (B) वर्षा-आधारित कृषि
राजस्थान में मौसमी बेरोजगारी का सबसे प्रत्यक्ष संबंध वर्षा-आधारित कृषि से है। राज्य की अधिकांश कृषि मानसूनी वर्षा पर निर्भर है, जिसके कारण किसानों एवं कृषि मजदूरों को केवल बुवाई तथा कटाई की विशिष्ट ऋतुओं में ही रोजगार मिलता है। वर्ष के शेष शुष्क महीनों में खेतों पर कार्य बंद रहने के कारण श्रमिक पूरी तरह से बेरोजगार हो जाते हैं। पर्याप्त सिंचाई की कमी इसका मुख्य कारण है।

4. (D) श्रमिकों के पास उपलब्ध कौशल और उपलब्ध रोजगार के लिए आवश्यक कौशल के बीच मूलभूत असंतुलन
संरचनात्मक बेरोजगारी तब उत्पन्न होती है जब बाजार में उपलब्ध नौकरियों के लिए आवश्यक योग्यता या तकनीक और नौकरी तलाशने वाले श्रमिकों की वास्तविक क्षमताओं व कौशल के बीच एक बड़ा असंतुलन होता है। यह दीर्घकालिक समस्या अर्थव्यवस्था में तकनीकी परिवर्तन, औद्योगिकीकरण की दिशा में बदलाव या शिक्षा प्रणाली तथा उद्योग जगत की मांग में सामंजस्य न होने के कारण पैदा होती है।

5. (C) केवल I और III
प्रच्छन्न बेरोजगारी में आवश्यकता से अधिक लोग कार्य में लगे रहते हैं, जिससे सीमांत उत्पादकता शून्य हो जाती है। यह कृषि क्षेत्र में अत्यधिक प्रचलित है। घर्षणात्मक बेरोजगारी एक अल्पकालिक स्थिति है जो व्यक्ति द्वारा एक रोजगार छोड़कर दूसरे रोजगार में जाने के बीच के अंतराल को दर्शाती है। इसके विपरीत, मौसमी बेरोजगारी कृषि क्षेत्र की एक प्रमुख विशेषता मानी जाती है।

6. (C) व्यावसायिक कौशल-आधारित शिक्षा की कमी, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक कौशल अंतर उत्पन्न होता है
राजस्थान में शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी का मुख्य कारण केवल औपचारिक डिग्री हासिल करने पर बल देना और व्यावहारिक या व्यावसायिक कौशल का अभाव होना है। राज्य की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सैद्धांतिक ज्ञान तो पर्याप्त मात्रा में मिलता है, लेकिन आधुनिक उद्योगों तथा सेवा क्षेत्रों की व्यावहारिक आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण शामिल नहीं है। इससे कौशल अंतर बढ़ता जाता है।

7. (A) शिक्षित बेरोजगारी
राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शिक्षित बेरोजगारी अधिक व्यापक रूप से देखी जाती है। शहरों में उच्च शिक्षा संस्थानों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की अधिकता के कारण स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रियां प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या बहुत अधिक है। हालांकि, शहरी अर्थव्यवस्था में इन शिक्षित युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप पर्याप्त रोजगार का सृजन नहीं होता है।

8. (D) एक वर्ष (365 दिन)
राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा बेरोजगारी के मापन में 'सामान्य प्रमुख स्थिति' दृष्टिकोण के तहत 365 दिनों अर्थात् एक पूर्ण वर्ष की संदर्भ अवधि का उपयोग किया जाता है। इस मापदंड के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति सर्वेक्षण की तिथि से ठीक पूर्व के 365 दिनों के अधिकांश समय में कोई आर्थिक गतिविधि नहीं कर रहा था लेकिन काम की तलाश में था, तो वह बेरोजगार माना जाता है।

9. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों से युवाओं का बड़े पैमाने पर शहरों की ओर पलायन हो रहा है। इसका प्राथमिक कारण यह है कि राज्य में कृषि कार्य मुख्यतः मानसून पर निर्भर है, जिससे ग्रामीणों को वर्ष भर स्थायी और सतत रोजगार नहीं मिल पाता है। कृषि में मौसमी ठहराव और आय की अनिश्चितता के कारण ग्रामीण युवा आजीविका हेतु शहरों की ओर पलायन करते हैं।

10. (B) 4,000 रुपये
राजस्थान सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के अंतर्गत पात्र बेरोजगार पुरुष अभ्यर्थियों को वर्तमान में 4,000 रुपये प्रति माह का बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जाता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित स्नातकों को तब तक वित्तीय सहायता प्रदान करना है जब तक कि वे उपयुक्त रोजगार नहीं प्राप्त कर लेते। महिलाओं के लिए यह राशि 4,500 रुपये प्रति माह है।

NODIA

(C) सौर और पवन ऊर्जा स्थापना तथा रखरखाव
(D) एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक बैग निर्माण और वाणिज्यिक वितरण इकाइयां

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

भत्ता अधिकतम 2 वर्ष की अवधि या रोजगार मिलने तक प्रदान किया जाता है। हालांकि, यह योजना सभी आयु वर्गों के लिए बिना सीमा के उपलब्ध नहीं है। इसमें आयु सीमा निर्धारित है।

23. (A) सुरक्षित परिवहन सुविधाओं का अभाव और प्रतिबंधात्मक पितृसत्तात्मक मानदंड
राजस्थान में महिलाओं की उच्च बेरोजगारी दर के पीछे सुरक्षित परिवहन साधनों की कमी और सामाजिक-सांस्कृतिक पितृसत्तात्मक मानदंड प्रमुख कारण हैं। पारंपरिक पारिवारिक और सामाजिक संरचनाओं के कारण महिलाओं की आवाजाही तथा घर से दूर काम करने पर कई सीमाएं होती हैं। कार्यस्थल तक सुरक्षित आवागमन की कमी महिलाओं को रोजगार पाने में बाधा बनती है। यह मुख्य चुनौती है।

24. (D) सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बीपीओ सेवाएं
राजस्थान के जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जैसे शहरी केंद्रों में सूचना प्रौद्योगिकी और बीपीओ सेवाएं शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार का एक प्रमुख स्रोत बनकर उभरी हैं। सेवा क्षेत्र का यह उप-क्षेत्र सॉफ्टवेयर विकास, डिजिटल सेवाओं और तकनीकी समाधानों में युवाओं के लिए बड़ी संख्या में नौकरियां सृजित करता है। इससे शहरी युवाओं को बेहतर रोजगार के नए अवसर प्राप्त होते हैं।

25. (C) 4, 2, 1, 3
शिक्षित बेरोजगारी से निपटने के लिए सरकारी प्रक्रियाओं का सही क्रम सबसे पहले रोजगार कार्यालयों में बेरोजगार युवाओं का पंजीकरण करने से शुरु होता है। इसके बाद बाजार की जरूरतों के अनुसार युवाओं में कौशल अंतर की पहचान की जाती है। तत्पश्चात अभ्यर्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है और अंत में रोजगार अभियानों तथा मेलों द्वारा उपयुक्त अवसर प्रदान किए जाते हैं।

26. (C) अल्प-रोजगार
जब कोई उच्च शिक्षित या अत्यधिक कुशल व्यक्ति अपनी योग्यता और क्षमता के स्तर से बहुत कम स्तर का कार्य करने के लिए मजबूर होता है, तो इस स्थिति को अल्प-रोजगार कहा जाता है। उदाहरण के लिए, जब एक इंजीनियर या स्नातकोत्तर छात्र उपयुक्त अवसरों के अभाव में कम कौशल वाला कार्य करता है, तो यह उसकी क्षमता का ह्रास दर्शाता है।

27. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
कृषि क्षेत्र में प्रच्छन्न बेरोजगारी अधिकांशतः अदृश्य होती है क्योंकि बाहरी तौर पर सभी श्रमिक खेत में काम करते हुए दिखाई देते हैं। हालांकि, वास्तविकता यह होती है कि आवश्यकता से अधिक लोग एक ही भूमि पर नियोजित होते हैं। यदि इनमें से कुछ अतिरिक्त श्रमिकों को हटा भी दिया जाए, तो भी कुल उत्पादकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

28. (A) ग्रामीण मजदूरी बेरोजगारी और मौसमी बेरोजगारी
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी बेरोजगारी और मौसमी बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। यह कानून प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 100 दिनों का अकुशल शारीरिक श्रम का गारंटीकृत रोजगार प्रदान करता है, जिससे आजीविका सुरक्षित होती है।

29. (B) स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए बैंक ऋण ब्याज पर सब्सिडी प्रदान करना
राजस्थान में 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' का प्राथमिक उद्देश्य राज्य में नए सूक्ष्म और लघु उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अंतर्गत स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को बैंकों के माध्यम से कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है और ब्याज पर सब्सिडी दी जाती है, जिससे नए रोजगार का सृजन होता है।

30. (B) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
भारत में राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन की देखरेख और संचालन का दायित्व केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय का है। यह मंत्रालय देश भर में युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने, विभिन्न क्षेत्रों में मानकीकृत कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और राज्यों की कौशल पहलों को नीतिगत सहायता देने का कार्य मुख्य रूप से करता है। यह एक केंद्रीय निकाय है।

31. (A) कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा और इंटर्नशिप को एकीकृत करके
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भविष्य की संरचनात्मक बेरोजगारी को दूर करने के लिए स्कूली स्तर से ही बड़े बदलाव किए गए हैं। इसके तहत कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा, व्यावहारिक कौशल और व्यावहारिक इंटर्नशिप को नियमित पाठ्यक्रम में एकीकृत किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शुरुआती उम्र से ही कौशल प्रदान करना है ताकि रोजगार सुलभ हो।

32. (A) संदर्भ सप्ताह के किसी भी एक दिन कम से कम 1 घंटा
बेरोजगारी मापने के लिए उपयोग की जाने वाली वर्तमान साप्ताहिक स्थिति विधि के अंतर्गत किसी व्यक्ति को नियोजित माना जाता है यदि उसने सर्वेक्षण से ठीक पहले के सात दिनों की संदर्भ अवधि के दौरान किसी भी एक दिन कम से कम एक घंटा लाभप्रद कार्य किया हो। ऐसा न होने पर व्यक्ति को बेरोजगार की श्रेणी में माना जाता है।

33. (D) मुद्रास्फीतिक अंतराल
अर्थशास्त्र में घर्षणात्मक बेरोजगारी, संरचनात्मक बेरोजगारी और चक्रीय बेरोजगारी श्रम बाजार में उत्पन्न होने वाली बेरोजगारी की विभिन्न प्रकार की श्रेणियां हैं। इसके विपरीत, 'मुद्रास्फीतिक अंतराल' समष्टि अर्थशास्त्र की एक अवधारणा है जो कुल मांग और उत्पाद स्तर के बीच के अंतर को व्यक्त करती है। अतः यह सीधे बेरोजगारी का प्रकार न होकर मुद्रास्फीति से संबंधित विषय माना जाता है।

NODIA

11. (D) किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त स्नातक डिग्री
मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन करने हेतु आवेदक के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से न्यूनतम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। यह योजना विशेष रूप से शिक्षित स्नातकों की वित्तीय सहायता के लिए बनाई गई है। केवल स्कूली शिक्षा पूर्ण करने वाले अभ्यर्थी इस योजना के तहत पात्र नहीं माने जाते हैं।

12. (A) P-4, Q-3, R-1, S-2
प्रच्छन्न बेरोजगारी का तात्पर्य उस स्थिति से है जहां अतिरिक्त श्रमिकों की सीमांत उत्पादकता शून्य होती है। मौसमी बेरोजगारी वर्ष के कुछ विशेष महीनों में कार्य न मिलने से जुड़ी है। घर्षणात्मक बेरोजगारी एक रोजगार से दूसरे में जाने के बीच के समय अंतराल को दर्शाती है। वहीं संरचनात्मक बेरोजगारी का मुख्य कारण कौशल का असंतुलन है, जो दीर्घकालिक प्रकृति की होती है।

13. (B) राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम
राजस्थान में आरएसएलडीसी का पूर्ण रूप राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम है। यह राज्य सरकार का एक प्रमुख स्वायत्त निकाय है जो युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने और उनकी आजीविका के अवसरों में सुधार करने के लिए कार्य करता है। यह संस्था विभिन्न योजनाओं द्वारा युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार योग्य बनाती है।

14. (B) रोजगार चाहने वालों को एक ही मंच पर निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से सीधे जोड़ना
राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित मेगा जॉब फेयर का मुख्य उद्देश्य नौकरी चाहने वाले युवाओं और निजी क्षेत्र के नियोक्ताओं को एक साझा मंच प्रदान करना है। इन रोजगार मेलों के माध्यम से विभिन्न निजी कंपनियां सीधे अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेती हैं और उनकी योग्यता के आधार पर मौके पर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती हैं। इससे पारदर्शी अवसर प्राप्त होते हैं।

15. (A) स्वतंत्र फ्रीलांसर या ठेकेदार जो अल्पकालिक कार्य या प्लेटफॉर्म-आधारित रोजगार करते हैं
गिग अर्थव्यवस्था का तात्पर्य ऐसे श्रम बाजार से है जहां स्थायी और दीर्घकालिक नौकरियों के बजाय अल्पकालिक अनुबंध, स्वतंत्र कार्य या प्लेटफॉर्म-आधारित रोजगार को प्राथमिकता दी जाती है। इस व्यवस्था में काम करने वाले लोग स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में कार्य करते हैं। ये श्रमिक डिजिटल अनुप्रयोगों के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। इससे लचीलापन मिलता है।

16. (C) प्लेटफॉर्म-आधारित गिग श्रमिक
राजस्थान प्लेटफॉर्म-आधारित गिग श्रमिकों के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए एक समर्पित कानून पारित करने वाला भारत का पहला राज्य बना है। इस कानून का मुख्य लक्ष्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से कार्य करने वाले स्वतंत्र श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा लाभ, कल्याणकारी निधियां और शिकायत निवारण तंत्र प्रदान करना है। यह एक ऐतिहासिक कदम माना गया है।

17. (D) उपलब्ध रोजगार की तुलना में अत्यधिक कुशल श्रम की अत्यधिक उपलब्धता
अत्यधिक कुशल श्रम की प्रचुरता को राजस्थान में बेरोजगारी का कारण नहीं माना जा सकता क्योंकि राज्य में वास्तव में कुशल श्रम शक्ति का अभाव है। बेरोजगारी के वास्तविक कारणों में तीव्र जनसंख्या वृद्धि, कृषि का वर्षा और मानसून पर अत्यधिक निर्भर होना तथा भारी औद्योगिक विकास की धीमी गति शामिल हैं। यह एक महत्वपूर्ण आर्थिक पहलू माना जाता है।

18. (B) बुनियादी शिक्षा → कौशल अर्जन → रोजगार की तलाश → रोजगार
किसी युवा के शिक्षा से औपचारिक रोजगार में जाने की प्रक्रिया में सबसे पहले बुनियादी शिक्षा प्राप्त की जाती है। इसके बाद व्यक्ति अपनी क्षमता और बाजार की आवश्यकता के अनुसार विशिष्ट व्यावसायिक या तकनीकी कौशल का अर्जन करता है। कौशल प्राप्त करने के पश्चात वह श्रम बाजार में उपयुक्त रोजगार की तलाश करता है और अंततः रोजगार प्राप्त करता है।

19. (B) क्योंकि वे अत्यधिक श्रम-गहन हैं और व्यापक स्थानीय रोजगार उत्पन्न करते हैं
ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी कम करने के लिए लघु एवं कुटीर उद्योग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे श्रम-गहन प्रकृति के होते हैं। इन उद्योगों में भारी पूंजी या जटिल स्वचालित मशीनों के स्थान पर अधिक मानव श्रम की आवश्यकता होती है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके ये उद्योग व्यापक रोजगार सृजित करने में सक्षम होते हैं।

20. (D) करंट डेली स्टेटस (वर्तमान दैनिक स्थिति)
राष्ट्रीय सांख्यिकी सर्वेक्षणों में बेरोजगारी मापने के संदर्भ में 'सीडीएस' का अर्थ 'करंट डेली स्टेटस' या 'वर्तमान दैनिक स्थिति' होता है। इस मापदंड के तहत संदर्भ सप्ताह के प्रत्येक दिन के काम का लेखा-जोखा रखा जाता है। यदि कोई व्यक्ति किसी दिन में चार घंटे या उससे अधिक काम करता है तो उसे नियोजित माना जाता है। यह एक सूक्ष्म मापदंड है।

21. (A) यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न करता है
औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के बीच एक सीधा और सकारात्मक संबंध होता है। जब किसी क्षेत्र में नए उद्योग स्थापित होते हैं, तो वे कारखानों में सीधे नौकरियों का सृजन करते हैं। इसके साथ ही, औद्योगिक गतिविधियों के कारण परिवहन, आपूर्ति और सेवा क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। यह आर्थिक प्रगति लाता है।

22. (A) केवल I और II
मुख्यमंत्री युवा संबल योजना में महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर आवेदकों को 4,500 रुपये प्रति माह तथा पुरुष आवेदकों को 4,000 रुपये प्रति माह का भत्ता दिया जाता है। यह बेरोजगारी

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) प्रच्छन्न बेरोजगारी
(B) चक्रीय बेरोजगारी
(C) घर्षणात्मक बेरोजगारी
(D) शिक्षित बेरोजगारी

62. राजस्थान में एक क्षेत्र और उसकी सबसे विशिष्ट बेरोजगारी समस्या के संबंध में सही सुमेलित युग्म की पहचान कीजिए:
(A) कृषि – घर्षणात्मक बेरोजगारी
(B) ग्रामीण कृषि क्षेत्र – प्रच्छन्न बेरोजगारी
(C) अकुशल कारखाने का श्रम – शिक्षित बेरोजगारी
(D) सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र – मौसमी बेरोजगारी

63. किसी राज्य में लंबे समय तक उच्च युवा बेरोजगारी का व्यापक रूप से स्वीकृत सामाजिक-आर्थिक परिणाम क्या है?
(A) सामाजिक अशांति, अपराध दर और मानसिक हताशा में वृद्धि
(B) राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीव्र और तत्काल वृद्धि
(C) ग्रामीण गरीबी का पूर्ण उन्मूलन
(D) समग्र जीवन स्तर में स्वतः सुधार

64. यदि किसी गांव की कुल कार्यशील आयु वाली जनसंख्या 1000 है, जिसमें से 600 लोग श्रम बल में हैं, और 60 लोग सक्रिय रूप से काम की तलाश कर रहे हैं लेकिन उन्हें काम नहीं मिल पा रहा है, तो परिकलित बेरोजगारी दर क्या है?
(A) 6%
(B) 10%
(C) 60%
(D) 100%

65. राज्य सरकार की पहलों के संदर्भ में बार-बार इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द 'बेरोजगारी भत्ता' किसे संदर्भित करता है?
(A) स्थानीय नगरपालिकाओं द्वारा पंजीकृत बेरोजगार युवाओं पर प्रतिवर्ष लगाया जाने वाला एक विशेष पेशेवर कर
(B) असंगठित कृषि मजदूरी श्रमिकों द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला एक प्रमुख क्षेत्रीय सांस्कृतिक उत्सव
(C) फसल के मौसम में ग्रामीण किसानों द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक पारंपरिक यांत्रिक कृषि कटाई उपकरण
(D) पात्र बेरोजगार युवाओं को प्रदान किया जाने वाला एक मासिक वित्तीय वजीफा (भत्ता)

66. राजस्थान में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईबी) मुख्य रूप से किसके माध्यम से ग्रामीण रोजगार सृजित करने में मदद करता है?
(A) ग्रामीण जिलों में बड़े पैमाने पर पूंजी-गहन इस्पात निर्माण और सीमेंट उत्पादन संयंत्र स्थापित करके
(B) राज्य के कच्चे अपरिष्कृत खनिजों और प्राकृतिक पत्थरों को सीधे अंतरराष्ट्रीय विदेशी बाजारों में निर्यात करके
(C) पारंपरिक कताई, बुनाई और स्थानीय कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर
(D) ग्रामीण युवाओं को केवल उच्च तकनीक वाले उन्नत सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और डिजिटल प्रोग्रामिंग भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षित करके

67. शिक्षित बेरोजगारी के संदर्भ में "कौशल अंतर" शब्द का तात्पर्य है:
(A) अभ्यर्थी के व्यावसायिक स्कूल और औद्योगिक कारखाने के स्थान को अलग करने वाली भौतिक आवागमन की दूरी
(B) रोजगार के अभ्यर्थियों और नियोक्ता की आवश्यकताओं के बीच कौशल का बेमेल होना
(C) युवा कर्मचारी की वर्तमान आयु और उसकी अनिवार्य सेवानिवृत्ति की आधिकारिक आयु के बीच वर्षों का अंतर
(D) उच्च प्रशिक्षित कुशल तकनीशियनों और अकुशल दैनिक मजदूरों के बीच विद्यमान निरंतर मौद्रिक मजदूरी अंतर

68. किसी अर्थव्यवस्था में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) क्या दर्शाती है?
(A) राज्य की कुल जनसंख्या का वह प्रतिशत जो स्थायी रूप से और विशेष रूप से सार्वजनिक सरकारी क्षेत्रों में काम कर रहा है
(B) प्राथमिक शिक्षण संस्थानों में आधिकारिक तौर पर नामांकित और कक्षाओं में भाग लेने वाले स्कूल-आयु वर्ग के बच्चों का प्रतिशत
(C) वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या का वह प्रतिशत जो सेवा से औपचारिक रूप से सेवानिवृत्त है और मासिक राज्य पेंशन प्राप्त कर रहा है
(D) कार्यशील आयु वर्ग की जनसंख्या का वह प्रतिशत जो नियोजित है या काम की तलाश में है

69. विभिन्न जिलों में राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित मेगा रोजगार मेलों में प्राथमिक रोजगार प्रदाता कौन हैं?
(A) निजी क्षेत्र की कंपनियां, उद्योग और कॉर्पोरेट नियोक्ता
(B) राज्य पुलिस बल, अर्धसैनिक संगठन और क्षेत्रीय रक्षा विभाग
(C) राज्य निर्वाचन आयोग और नगरपालिका चुनावी प्रशासनिक निकाय
(D) केवल सार्वजनिक क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकिंग संस्थान

70. पर्यावरण की रक्षा करते हुए बेरोजगारी को हल करने की एक भावी दिशा के रूप में, "हरित रोजगार" बनाने की ओर वैश्विक और राज्य स्तर पर बल दिया जा रहा है। निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में एक प्रमुख हरित रोजगार के अवसर का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) पारंपरिक कोयला आधारित तापीय ऊर्जा उत्पादन संयंत्रों में रोजगार
(B) गहरे भूमिगत वैज्ञानिक-रहित संगमरमर खनन और पत्थर उत्खनन कार्य

NODIA

34. (C) पेंशन, भविष्य निधि (पीएफ) और बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा का अभाव
डिजिटल आधारित गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार करने वाले श्रमिकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक सुरक्षा का अभाव है। यद्यपि यह क्षेत्र कार्य के घंटों में लचीलापन प्रदान करता है, परंतु पारंपरिक नौकरियों की तरह श्रमिकों को पेंशन, भविष्य निधि या स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती हैं। इससे श्रमिकों के लिए आर्थिक जोखिम निरंतर बना रहता है। यह गंभीर चिंता है।

35. (B) आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान)
राजस्थान में स्कूली शिक्षा पूर्ण कर चुके अथवा बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले युवाओं को विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी विधाओं में व्यावहारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अर्थात आईटीआई स्थापित किए गए हैं। ये संस्थान विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जिससे युवाओं में कौशल का विकास होता है और वे रोजगार पाने में सक्षम होते हैं।

36. (A) P-2, Q-4, R-1, S-3
मनरेगा मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अकुशल मजदूरों को 100 दिनों के रोजगार की गारंटी देता है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने हेतु सब्सिडी प्रदान करता है। मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत पात्र स्नातकों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है। आरएसएलडीसी का कार्य युवाओं का कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण करना माना जाता है, जो अत्यंत उपयोगी है।

37. (A) सीधे नकद बेरोजगारी भत्ता प्रदान करना
राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम का प्राथमिक ध्यान राज्य के युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने पर केंद्रित रहता है। यह निगम उद्योग साझेदारों के साथ मिलकर युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाता है। सीधे नकद बेरोजगारी भत्ता प्रदान करना इस निगम का कार्य नहीं है, अपितु यह कार्य राज्य के रोजगार विभाग द्वारा निष्पादित किया जाता है।

38. (C) व्यक्तियों को व्यवसाय शुरू करने और चलाने के लिए कौशल और ज्ञान से लैस करना
उद्यमिता विकास कार्यक्रम का प्राथमिक ध्यान व्यक्तियों को स्वयं का व्यवसाय शुरू करने और उसे सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए आवश्यक कौशल तथा ज्ञान से लैस करना है। यह कार्यक्रम युवाओं में नवाचार तथा व्यावसायिक दृष्टिकोण विकसित करता है ताकि वे स्वयं के नए उद्यम स्थापित कर दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर सकें, जिससे आर्थिक विकास संभव होता है।

39. (A) नियोजित व्यक्ति और सक्रिय रूप से काम की तलाश कर रहे बेरोजगार व्यक्ति दोनों
अर्थशास्त्र में किसी देश या राज्य की 'श्रम शक्ति' के अंतर्गत उन सभी व्यक्तियों को शामिल किया जाता है जो आर्थिक रूप से सक्रिय हैं। इसमें वे लोग शामिल होते हैं जो वर्तमान में किसी न किसी लाभप्रद रोजगार में लगे हुए हैं, और साथ ही वे व्यक्ति भी शामिल हैं जो बेरोजगार हैं लेकिन सक्रिय रूप से काम ढूंढ रहे हैं।

40. (D) क्योंकि राज्य की कृषि अनिश्चित मौसमी मानसून पर अत्यधिक निर्भर करती है
राजस्थान में कृषि अधिकांशतः अनिश्चित मौसमी मानसून और वर्षा की परिवर्तनशीलता पर अत्यधिक निर्भर करती है। राज्य का एक बड़ा भाग शुष्क है, जहां स्थायी सिंचाई सुविधाओं का अभाव पाया जाता है। इसके परिणामस्वरूप, किसान केवल मानसूनी वर्षा के मौसम में ही फसलें उगा पाते हैं। मानसून समाप्त होते ही कृषि गतिविधियां रुक जाती हैं, जिससे निरंतर रोजगार नहीं मिल पाता है।

41. (B) (बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या / श्रम बल) × 100
अर्थशास्त्र में सांख्यिकीय रूप से बेरोजगारी दर की गणना श्रम शक्ति के सापेक्ष बेरोजगार व्यक्तियों के अनुपात के रूप में की जाती है। इसका सूत्र बेरोजगार व्यक्तियों की कुल संख्या को श्रम बल की कुल संख्या से विभाजित करके तथा 100 से गुणा करके प्राप्त किया जाता है। इसमें केवल श्रम बल को ही गणना का आधार बनाया जाता है।

42. (B) केवल II और III
राजस्थान में लघु एवं कुटीर उद्योग अत्यधिक पूंजी-गहन न होकर श्रम-गहन होते हैं, इसलिए पहला कथन असत्य है। ये उद्योग गैर-कृषि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और रोजगार के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा हथकरघा, वस्त्र निर्माण, हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाएं इस क्षेत्र के प्रमुख घटक माने जाते हैं। अतः दूसरा व तीसरा बिंदु सही है।

43. (D) शहरी बेरोजगारी दर सामान्यतः ग्रामीण बेरोजगारी दर से अधिक होती है
भारत और राजस्थान में सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, सामान्य स्थिति दृष्टिकोण के आधार पर शहरी बेरोजगारी दर सामान्यतः ग्रामीण बेरोजगारी दर की तुलना में अधिक दर्ज की जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग कृषि में लगे रहते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में शिक्षित युवाओं की उपस्थिति के कारण खुली बेरोजगारी अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। यह एक स्थापित प्रवृत्ति है।

44. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
शहरी राजस्थान में शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी एक गंभीर और निरंतर बढ़ती हुई चुनौती बनी हुई है। इसका प्रमुख कारण यह है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ाया जाने वाला सैद्धांतिक पाठ्यक्रम आधुनिक उद्योगों की व्यावहारिक आवश्यकताओं के साथ मेल नहीं खाता है। इस कौशल बेमेल के कारण शिक्षित युवाओं को नौकरियां मिलने में कठिनाई आती है, जो एक कड़वा सच है।

NODIA

(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

45. पर्यटन राजस्थान में एक प्रमुख उद्योग है। मुख्य रूप से पर्यटन क्षेत्र से किस प्रकार का रोजगार सृजन जुड़ा हुआ है?
(A) विशुद्ध रूप से पारंपरिक कृषि, फसल खेती और मौसमी कृषि रोजगार के अवसर
(B) होटलों, टूर गाइडों और परिवहन में सेवा क्षेत्र का रोजगार
(C) पूंजी-गहन भारी औद्योगिक निर्माण और कारखाने आधारित असेंबली रोजगार
(D) उन्नत कोर गिग अर्थव्यवस्था सॉफ्टवेयर विकास और विशेष प्रोग्रामिंग भूमिकाएं

46. ग्रामीण राजस्थान में महिला श्रम बल भागीदारी बढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से किस हस्तक्षेप को सबसे उपयुक्त और प्रभावी माना जाता है?
(A) राज्य के सभी ग्रामीण जिलों में महिलाओं के लिए विवाह की कानूनी आयु को कम करना
(B) महिला-संचालित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को बढ़ावा देना और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना
(C) महिलाओं को कृषि क्षेत्र में भाग लेने या काम करने से पूरी तरह प्रतिबंधित करना
(D) ग्रामीण रोजगार बाजार में उपलब्ध सार्वजनिक और निजी रोजगार की कुल संख्या को कम करना

47. यदि किसी व्यक्ति को प्रचलित मजदूरी दर पर काम की पेशकश की जाती है लेकिन वह काम करने से मना कर देता है क्योंकि वह निष्क्रिय बैठना पसंद करता है या अकारण ही उच्च मजदूरी की मांग करता है, तो उसे माना जाता है:
(A) ऐच्छिक रूप से बेरोजगार
(B) संरचनात्मक रूप से बेरोजगार
(C) मौसमी रूप से बेरोजगार
(D) घर्षणात्मक रूप से बेरोजगार

48. राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्थापित रोजगार कार्यालयों की आधुनिक भूमिका क्या है?
(A) वे जिलों में सभी पंजीकृत बेरोजगार युवाओं को लक्षित करने वाले अनिवार्य नगरपालिका कर संग्रह केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं
(B) वे ऑनलाइन पंजीकरण कराने वाले प्रत्येक नागरिक को स्थायी सरकारी रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान करते हैं
(C) वे रोजगार चाहने वालों का पंजीकरण करते हैं और करियर परामर्श तथा रोजगार अभियानों की सुविधा प्रदान करते हैं
(D) वे विदेशों में रोजगार चाहने वाले अभ्यर्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा पासपोर्ट और कार्य वीजा जारी करने के लिए विशेष रूप से कार्य करते हैं

49. राजस्थान में डिजिटल अर्थव्यवस्था के बढ़ने के साथ, स्विगी, जोमैटो और ओला जैसे ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म कई रोजगार पैदा कर रहे हैं। ये रोजगार किस उभरती हुई श्रेणी के अंतर्गत आते हैं?
(A) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम
(B) संगठित भारी विनिर्माण क्षेत्र
(C) पारंपरिक कुटीर उद्योग
(D) प्लेटफॉर्म और गिग अर्थव्यवस्था

50. निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्रमुख "प्रतिकर्ष कारक" के रूप में कार्य करता है जो राजस्थान के ग्रामीण युवाओं को शहरों की ओर प्रवास करने के लिए विवश करता है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों बेरोजगारी गतिशीलता प्रभावित होती है?
(A) सभी गांवों में उच्च गति वाले 5G ब्रॉडबैंड इंटरनेट नेटवर्क की व्यापक उपलब्धता और सब्सिडी वाला उपयोग
(B) ग्रामीण युवाओं के बीच विदेशी भाषाएं सीखने की तीव्र व्यक्तिगत इच्छा जो केवल बड़े महानगरों में सिखाई जाती हैं
(C) अपर्याप्त ग्रामीण आजीविका विकल्प और लगातार फसलों का खराब होना
(D) ग्रामीण परिवेश का तीव्र अति-औद्योगीकरण, भारी कारखानों का विस्तार और अत्यधिक पर्यावरण प्रदूषण

51. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: (बेरोजगारी का कारण)
P. कृषि में मौसमी बेरोजगारी
Q. शिक्षित बेरोजगारी
R. उद्यमिता का अभाव
S. घर्षणात्मक बेरोजगारी
सूची II: (समाधान)
1. डेयरी और पोल्ट्री जैसी कृषि-आधारित सम्बद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देना
2. कॉलेजों में व्यावसायिक और कौशल-आधारित पाठ्यक्रम शुरू करना
3. आसान ऋण और बिजनेस इनक्यूबेटर प्रदान करना
4. रोजगार पोर्टलों के माध्यम से रोजगार बाजार की जानकारी में सुधार करना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-1, Q-3, R-2, S-4
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

52. राजस्थान जैसे राज्यों के लिए रोजगार और बेरोजगारी पर वर्तमान आंकड़े प्रदान करने वाले आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) को आयोजित करने और जारी करने के लिए कौन-सा राष्ट्रीय संगठन जिम्मेदार है?
(A) भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई)
(B) नीति आयोग
(C) वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

Downloaded from www.pdf.tube

जाता है: सामान्य स्थिति, वर्तमान साप्ताहिक स्थिति और वर्तमान दैनिक स्थिति। 'वर्तमान मासिक स्थिति दृष्टिकोण' नाम का कोई मानक सांख्यिकीय मापदंड भारतीय सर्वेक्षणों में बेरोजगारी मापने हेतु उपयोग नहीं किया जाता है, जो हमारी सर्वेक्षण प्रणाली में पूरी तरह से स्पष्ट है।

57. (B) गैर-कृषि व्यावसायिक उद्यमों के लिए 10 लाख रुपये तक के गारंटी-मुक्त सूक्ष्म ऋण प्रदान करके
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना राजस्थान में गैर-कृषि आय अर्जक सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस योजना के तहत विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्रों में काम करने वाले छोटे व्यवसायियों को बिना किसी जमानत के 10 लाख रुपये तक के गारंटी-मुक्त सूक्ष्म ऋण प्रदान किए जाते हैं, जिससे वित्तीय संबल मिलता है।

58. (C) एक मां द्वारा अपने परिवार के लिए बिना वेतन के किया जाने वाला घरेलू खाना पकाने और घर का काम
अर्थशास्त्र में केवल उन्हीं गतिविधियों को 'आर्थिक गतिविधि' माना जाता है जो बाजार में विनिमय के उद्देश्य से की जाती हैं और जिनसे मौद्रिक आय अर्जित होती है। एक मां द्वारा अपने परिवार के लिए बिना किसी वेतन के किया जाने वाला घरेलू कार्य गैर-आर्थिक गतिविधि की श्रेणी में आता है। अतः इसे श्रम शक्ति में नहीं गिना जाता है।

59. (D) बाजार में बेहतर रोजगार क्षमता की तलाश कर रहे बेरोजगार युवा, महिलाएं और हाशिए पर मौजूद वर्ग
राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्राथमिक लक्षित समूह राज्य के बेरोजगार युवा, महिलाएं और समाज के आर्थिक रूप से हाशिए पर मौजूद वर्ग हैं। इस निगम का मुख्य उद्देश्य इन समूहों को उद्योग-प्रासंगिक व्यावसायिक कौशल प्रदान करके उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि करना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और आजीविका कमा सकें।

60. (A) संरचनात्मक बेरोजगारी (विशेष रूप से तकनीकी)
बैंकिंग क्षेत्र में कंप्यूटर और आधुनिक डिजिटल प्रणालियों के आगमन से पारंपरिक बही-खाता लिपिकों की नौकरियां समाप्त हो जाना 'संरचनात्मक बेरोजगारी' का एक सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब तकनीकी प्रगति के कारण कार्य की प्रकृति बदल जाती है और श्रमिक नई तकनीक के अनुसार स्वयं को ढालने में असमर्थ सिद्ध होते हैं, जिससे वे बेरोजगार हो जाते हैं।

61. (B) चक्रीय बेरोजगारी
अर्थव्यवस्था में मंदी या सुस्ती के दौर में समग्र मांग में आने वाली कमी के कारण उत्पन्न होने वाली बेरोजगारी को 'चक्रीय बेरोजगारी' कहा जाता है। व्यापार चक्र के दौरान जब वस्तुओं और सेवाओं की कुल बाजार मांग घट जाती है, तो उत्पादक अपने उत्पादन में कटौती करते हैं। इसके परिणामस्वरूप श्रमिकों की छंटनी होती है और बेरोजगारी दर बढ़ जाती है।

62. (B) ग्रामीण कृषि क्षेत्र – प्रच्छन्न बेरोजगारी
राजस्थान के ग्रामीण कृषि क्षेत्र और प्रच्छन्न बेरोजगारी का युग्म पूरी तरह से सही सुमेलित है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र ही वह स्थान है जहां प्रच्छन्न या अदृश्य बेरोजगारी व्यापक रूप से पाई जाती है। कृषि भूमि पर अत्यधिक निर्भरता और वैकल्पिक अवसरों के अभाव में परिवार के कई सदस्य एक ही खेत में काम करते हैं।

63. (A) सामाजिक अशांति, अपराध दर और मानसिक हताशा में वृद्धि
किसी राज्य में लंबे समय तक उच्च युवा बेरोजगारी रहने से गंभीर सामाजिक-आर्थिक दुष्परिणाम सामने आते हैं। जब शिक्षित और ऊर्जावान युवाओं को अपनी योग्यता के अनुरूप आजीविका कमाने का अवसर नहीं मिलता, तो उनमें मानसिक हताशा और असंतोष बढ़ता है। इसके परिणामस्वरूप समाज में अपराध दर में वृद्धि और व्यापक सामाजिक अशांति का खतरा बढ़ता है, जो चिंताजनक है।

64. (B) 10%
अर्थशास्त्र के नियमों के अनुसार, बेरोजगारी दर की गणना हमेशा श्रम बल के प्रतिशत के रूप में की जाती है, न कि कुल जनसंख्या के आधार पर। यहाँ कुल श्रम बल 600 व्यक्तियों का है और सक्रिय रूप से काम की तलाश कर रहे बेरोजगारों की संख्या 60 है। अतः बेरोजगारी दर का परिकलन करने पर ठीक 10 प्रतिशत प्राप्त होता है।

65. (D) पात्र बेरोजगार युवाओं को प्रदान किया जाने वाला एक मासिक वित्तीय वजीफा (भत्ता)
राज्य सरकार की कल्याणकारी पहलों के संदर्भ में 'बेरोजगार भत्ता' का तात्पर्य पात्र बेरोजगार युवाओं को प्रदान की जाने वाली एक निश्चित मासिक वित्तीय सहायता या वजीफे से है। यह वित्तीय भत्ता शिक्षित स्नातकों को उस संक्रमणकालीन अवधि के दौरान सहारा देने के लिए दिया जाता है जब वे नौकरी की तलाश कर रहे होते हैं, जिससे उन्हें संबल मिलता है।

66. (C) पारंपरिक कताई, बुनाई और स्थानीय कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर
राजस्थान में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक कताई, बुनाई, हस्तशिल्प और स्थानीय कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार का सृजन करता है। यह बोर्ड ग्रामीण कारीगरों और बुनकरों को उपकरण, वित्तीय सहायता और विपणन सुविधाएं प्रदान करके उन्हें गांवों में ही आजीविका अर्जित करने के साधन उपलब्ध कराता है, जिससे ग्रामीण विकास होता है।

67. (B) रोजगार के अभ्यर्थियों और नियोक्ता की आवश्यकताओं के बीच कौशल का बेमेल होना
शिक्षित बेरोजगारी के संदर्भ में "कौशल अंतर" का तात्पर्य उन कौशलों के बीच के अंतर से है जो रोजगार चाहने वाले अभ्यर्थियों के पास उपलब्ध हैं और उन विशिष्ट कौशलों के बीच जो नियोक्ताओं द्वारा किसी नौकरी के लिए अपेक्षित होते हैं।

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) सूखा असामान्य रूप से कम वर्षा की एक लंबी अवधि है, जबकि अकाल सूखे के परिणामस्वरूप भोजन, जल और चारे की अत्यधिक कमी है।
सूखा मुख्य रूप से दीर्घकाल तक अपर्याप्त वर्षा की स्थिति है, जो जल संसाधनों तथा मृदा नमी को प्रभावित करती है। इसके विपरीत, अकाल सूखे के निरंतर बने रहने से उत्पन्न भयावह स्थिति है। अकाल के दौरान मानव आबादी के लिए खाद्यान्न एवं पेयजल तथा पशुधन के लिए चारे की अत्यधिक एवं व्यापक कमी हो जाती है। इस प्रकार, सूखा प्राकृतिक परिघटना है जबकि अकाल उसका गंभीर परिणाम है।

2. (D) भोजन, जल और चारा
राजस्थान की थार मरुस्थलीय पारिस्थितिकी में 'त्रिकाल' शब्द का प्रयोग उस भीषण अकाल के लिए किया जाता है जहाँ तीन अति आवश्यक जीवन रक्षक संसाधनों की एक साथ भीषण कमी हो जाती है। ये तीन संसाधन मानव पोषण के लिए अन्न अर्थात भोजन, मानव तथा पशुओं के अस्तित्व के लिए जल और पशुधन के संरक्षण के लिए चारा हैं। जब संकट उत्पन्न होता है, तो जनजीवन अस्त-व्यस्त होता है।

3. (A) अनिश्चित, विलंबित और अपर्याप्त मानसूनी वर्षा
राजस्थान भारत का सबसे शुष्क राज्य है जहाँ बार-बार सूखा पड़ने का प्राथमिक जलवायु संबंधी कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून की अनिश्चितता है। राज्य में मानसूनी हवाओं का आगमन प्रायः विलंब से होता है और उनकी अवधि अत्यधिक सीमित होती है। इसके अतिरिक्त, वर्षा का वितरण अत्यधिक असमान और अपर्याप्त रहता है। मानसूनी पवनों में नमी की मात्रा कम होने तथा अरावली की अवस्थिति से वर्षा कम होती है।

4. (C) राजस्थान में सूखा एक दुर्लभ और अप्रत्याशित घटना है।
राजस्थान की भौगोलिक और जलवायविक स्थितियाँ ऐसी हैं कि यहाँ सूखा कोई दुर्लभ या अप्रत्याशित घटना नहीं है, बल्कि यह एक आवर्ती एवं नियमित प्राकृतिक आपदा है। राज्य का पश्चिमी भूभाग थार मरुस्थल के अंतर्गत आता है, जहाँ अत्यधिक उच्च तापमान और तीव्र वाष्पीकरण के कारण जल की तीव्र कमी रहती है। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम मानसून की शाखा अरावली पर्वतमाला के समानांतर प्रवाहित हो जाती है।

5. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
पश्चिमी राजस्थान में कम वर्षा तथा बार-बार गंभीर सूखे का मुख्य कारण अरावली पर्वतमाला की भौगोलिक स्थिति है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की अरब सागर शाखा जब उत्तर की ओर बढ़ती है, तो अरावली की दिशा इन मानसूनी हवाओं के बिल्कुल समानांतर होती है। इसके परिणामस्वरूप, पर्वतमाला हवाओं को रोकने तथा उन्हें ऊपर उठाकर वर्षा कराने के लिए अवरोध उत्पन्न नहीं कर पाती, जिससे पश्चिमी क्षेत्र में सूखा पड़ता है।

6. (D) जैसलमेर
जैसलमेर जिला राजस्थान के सुदूर पश्चिमी भाग में थार मरुस्थल के हृदय स्थल में स्थित है और इसे राज्य का सर्वाधिक सूखा-संभावित जिला माना जाता है। यहाँ औसत वार्षिक वर्षा मात्र 10 से 15 सेंटीमीटर के आसपास होती है, जो पूरे राज्य में सबसे कम है। यहाँ की बलुई मृदा जल धारण करने में सक्षम नहीं है तथा वाष्पोत्सर्जन की दर तीव्र होती है।

7. (B) सूखा राहत सहायता निर्धारित करने के लिए फसल के नुकसान का आकलन करना
गिरदावरी राजस्व विभाग द्वारा संचालित एक औपचारिक और आवधिक भूमि एवं फसल सर्वेक्षण प्रक्रिया है। सूखे की स्थिति में, पटवारी और स्थानीय राजस्व अधिकारी खेत-दर-खेत जाकर फसलों की स्थिति, बोए गए क्षेत्रफल तथा प्रतिकूल मौसम या जल संकट से हुए नुकसान की सीमा का प्रत्यक्ष आकलन करते हैं। इस गिरदावरी रिपोर्ट के आधार पर ही सरकार आधिकारिक रूप से सहायता प्रदान करती है।

8. (A) 1956
राजस्थान के इतिहास में 'छप्पनिया अकाल' को सबसे भीषण और विनाशकारी अकालों में गिना जाता है। इस अकाल का यह नाम भारतीय हिंदू पंचांग के विक्रम संवत वर्ष 1956 में पड़ने के कारण पड़ा था। इस दौरान संपूर्ण राजपूताना क्षेत्र में वर्षा पूरी तरह विफल हो गई थी, जिससे भोजन, पीने के पानी और पशुओं के चारे का अभूतपूर्व संकट खड़ा हो गया था।

9. (B) 1899-1900 ई.
विक्रम संवत 1956 में पड़े प्रसिद्ध 'छप्पनिया अकाल' की समयावधि अंतर्राष्ट्रीय ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 1899 से 1900 ईस्वी थी। विक्रम संवत और ईस्वी सन के बीच 57 वर्षों का अंतर होता है। इस कालखंड में संपूर्ण पश्चिमी भारत, विशेषकर राजस्थान, मानसूनी वर्षा की भारी कमी से अत्यधिक प्रभावित हुआ था। इस भीषण अकाल के कारण बड़े पैमाने पर भुखमरी, पलायन और पशुधन की व्यापक क्षति दर्ज की गई थी।

10. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
राजस्थान के पारंपारिक शब्दावली में अकाल की तीव्रता और स्वरूप के आधार पर अलग-अलग शब्द प्रयुक्त होते हैं। 'अकाल' शब्द केवल खाद्यान्न या अन्न की कमी को दर्शाता है। 'जलकाल' का तात्पर्य पीने के पानी की गंभीर कमी से है। 'तिनकाल' शब्द पशुधन के लिए चारे की कमी को व्यक्त करता

Click Here to Buy book on Amazon

अध्याय 31
सूखा एवं अकाल प्रबंधन

1. सूखे और अकाल के बीच मौलिक अंतर क्या है?
(A) सूखा एक सामाजिक-आर्थिक आपदा है, जबकि अकाल विशुद्ध रूप से एक मौसम संबंधी घटना है।
(B) सूखा असामान्य रूप से कम वर्षा की एक लंबी अवधि है, जबकि अकाल सूखे के परिणामस्वरूप भोजन, जल और चारे की अत्यधिक कमी है।
(C) सूखा केवल पशुधन को प्रभावित करता है, जबकि अकाल केवल कृषि को प्रभावित करता है।
(D) सूखा शीतकाल में पड़ता है, जबकि अकाल मानसून के मौसम के दौरान पड़ता है।

2. राजस्थान के पारंपरिक संदर्भ में, 'त्रिकाल' (भीषण अकाल) शब्द किन तीन आवश्यक संसाधनों की गंभीर कमी को संदर्भित करता है?
(A) धन, आश्रय और भोजन
(B) बीज, उर्वरक और जल
(C) भूजल, सतही जल और वर्षा
(D) भोजन, जल और चारा

3. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में बार-बार पड़ने वाले सूखे का प्राथमिक जलवायु संबंधी कारण है?
(A) अनिश्चित, विलंबित और अपर्याप्त मानसूनी वर्षा
(B) पूरे वर्ष उच्च आर्द्रता
(C) अत्यधिक शीतकालीन वर्षा
(D) बंगाल की खाड़ी से आने वाले लगातार चक्रवात

4. राजस्थान में सूखे के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) पश्चिमी राजस्थान राज्य का सबसे अधिक सूखा-प्रभावित क्षेत्र है।
(B) उच्च तापमान के कारण तीव्र वाष्पीकरण होता है, जिससे सूखे की स्थिति और गंभीर हो जाती है।
(C) राजस्थान में सूखा एक दुर्लभ और अप्रत्याशित घटना है।
(D) अरब सागर की मानसूनी शाखा के समानांतर अरावली की स्थिति वर्षा को सीमित करती है।

5. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): पश्चिमी राजस्थान में बहुत कम वर्षा होती है और यहाँ बार-बार गंभीर सूखे का सामना करना पड़ता है।
कारण (R): अरावली पर्वत श्रृंखला दक्षिण-पश्चिम मानसून की अरब सागर शाखा की दिशा के समानांतर स्थित है, जो वर्षा कराने के लिए हवाओं को रोकने में विफल रहती है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

6. राजस्थान के किस जिले को भौगोलिक रूप से सबसे अधिक सूखा-संभावित क्षेत्र के रूप में जाना जाता है?
(A) बांसवाड़ा
(B) झालावाड़
(C) कोटा
(D) जैसलमेर

7. राजस्व विभाग की प्रक्रिया जिसे 'गिरदावरी' कहा जाता है, सूखे के प्रबंधन के किस पहलू से निकटता से जुड़ी हुई है?
(A) अस्थायी मवेशी शिविरों को आपातकालीन चारा आपूर्ति का वितरण करना
(B) सूखा राहत सहायता निर्धारित करने के लिए फसल के नुकसान का आकलन करना
(C) नए ग्रामीण तालाब खोदना और स्थानीय सतही जल का संचयन करना
(D) प्रभावित किसानों को कम ब्याज दर पर कृषि ऋण प्रदान करना

8. 'छप्पनिया अकाल' के रूप में जाना जाने वाला ऐतिहासिक रूप से विनाशकारी अकाल किस विक्रम संवत वर्ष में पड़ा था?
(A) 1956
(B) 1947
(C) 1899
(D) 1987

9. ईस्वी सन (ग्रेगोरियन कैलेंडर) में, राजस्थान का कुख्यात 'छप्पनिया अकाल' किन वर्षों में पड़ा था?
(A) 1857-1858 ई.
(B) 1899-1900 ई.
(C) 1943-1944 ई.
(D) 1987-1988 ई.

10. सूची I में दिए गए राजस्थान में अकाल के पारंपरिक शब्दों का सूची II में दिए गए उनके अर्थों के साथ मेल कीजिए।
सूची I: (शब्द)
P. अकाल

NODIA

31. भारत में वर्षा के आंकड़ों की निगरानी करने और मौसम संबंधी सूखे की स्थिति घोषित करने के लिए कौन-सी राष्ट्रीय एजेंसी मुख्य रुप से जिम्मेदार है?
(A) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)
(B) केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी)
(C) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए)
(D) भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)

32. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई), जो सूखे के कारण फसल नष्ट होने पर बीमा कवर प्रदान करती है, किस वर्ष शुरु की गई थी?
(A) 2014
(B) 2015
(C) 2016
(D) 2018

33. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत, सभी खरीफ फसलों के लिए किसानों द्वारा देय एकसमान प्रीमियम दर क्या है?
(A) 1.5%
(B) 2.0%
(C) 5.0%
(D) 10.0%

34. जलवायु परिवर्तन से राजस्थान में सूखे की भावी चुनौती किस प्रकार प्रभावित होने की संभावना है?
(A) वार्षिक मानसूनी वर्षा को अत्यधिक एकसमान और पूर्वानुमान योग्य बनाकर
(B) राज्य भर में ग्रीष्मकालीन अधिकतम तापमान को स्थायी रुप से कम करके
(C) शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्रों को प्राकृतिक रूप से उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में बदलकर
(D) अत्यधिक भीषण सूखे की आवृत्ति और गंभीरता को बढ़ाकर

35. राजस्थान में सूखा प्रबंधन के किस पहलू में सामुदायिक भागीदारी सबसे महत्त्वपूर्ण और प्रभावी है?
(A) पारंपरिक स्थानीय वर्षा जल संचयन संरचनाओं का रखरखाव करना
(B) राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि से वित्तीय सहायता जारी करना
(C) दीर्घकालिक मौसम पूर्वानुमान के लिए उन्नत मौसम उपग्रहों का प्रक्षेपण करना
(D) राष्ट्रीय फसल बीमा के लिए नीतिगत ब्याज दरों और शर्तों का निर्धारण करना

36. सूची I में दी गई पारंपरिक जल संरक्षण संरचनाओं का सूची II में दी गई उनकी परिभाषित विशेषताओं या संबंधित क्षेत्रों के साथ मेल कीजिए।
सूची I: (जल संरक्षण संरचनाएँ)
P. टांका
Q. खडीन
R. जोहड़
S. बावड़ी
सूची II: (परिभाषित विशेषता / क्षेत्र)
1. भूमिगत पेयजल भंडारण आंगन टैंक
2. जैसलमेर में प्रचलित प्रवाही जल कृषि प्रणाली
3. शेखावाटी क्षेत्र में लोकप्रिय कच्चे मिट्टी के चेक डैम
4. स्थापत्य महत्त्व वाली पारंपरिक बावड़ी
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-1, Q-3, R-2, S-4

37. किस प्रमुख सिंचाई परियोजना ने पश्चिमी राजस्थान को सूखा रोकथाम और पेयजल उपलब्ध कराने में परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है?
(A) इंदिरा गांधी नहर
(B) भाखड़ा नांगल बांध परियोजना
(C) चंबल नदी घाटी परियोजना
(D) माही बजाज सागर बांध परियोजना

38. राजस्थान में सूखे के प्रभाव को कम करने के लिए महत्त्वपूर्ण इंदिरा गांधी नहर किस बैराज से निकलती है?
(A) कोटा बैराज
(B) ओखला बैराज
(C) फरक्का बैराज
(D) हरिके बैराज

39. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) मुख्य रूप से क्या प्रदान करके सूखा राहत में सहायता करता है?
(A) किसानों को रियायती बीज
(B) ग्रामीण परिवारों के लिए गारंटीकृत मजदूरी रोजगार
(C) मवेशियों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा उपचार
(D) बिना किसी श्रम आवश्यकता के सीधे नकद हस्तांतरण

40. गंभीर सूखे की अवधि के दौरान, सरकार आमतौर पर मनरेगा के तहत गारंटीकृत रोजगार सीमा को मानक 100 दिनों से बढ़ाकर प्रति परिवार कितने दिन कर देती है?
(A) 120 दिन
(B) 150 दिन
(C) 200 दिन
(D) 250 दिन

41. सतत जल प्रबंधन और संरक्षण पर बल देने वाली राजस्थान राज्य जल नीति को किस वर्ष मंजूरी दी गई थी?
(A) 1999
(B) 2005
(C) 2010
(D) 2015

Downloaded from www.pdf.tube

21. राजस्थान में पारंपरिक जल संरक्षण के संदर्भ में, 'टांका' क्या है?
(A) वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए निर्मित एक भूमिगत टैंक
(B) एक बारहमासी नदी पर निर्मित एक बड़ा कंक्रीट का सतही बांध
(C) भूजल निष्कर्षण के लिए उपयोग किया जाने वाला एक गहरा मशीन से खोदा गया ट्यूबवेल
(D) कृषि सिंचाई के लिए निर्मित एक व्यापक कृत्रिम नहर नेटवर्क

22. निम्नलिखित सूखा और जल प्रबंधन कार्यक्रमों के शुभारंभ का सही कालानुक्रमिक क्रम चुनिए।
(A) सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) → मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) → एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) → मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (एमजेएसए)
(B) मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) → सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) → मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (एमजेएसए) → एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी)
(C) एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) → सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) → मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) → मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (एमजेएसए)
(D) सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) → एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) → मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) → मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (एमजेएसए)

23. राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में वर्षा जल को एकत्र और संरक्षित करने के लिए पारंपरिक रूप से बनाए जाने वाले कच्चे मिट्टी के चेक डैम को किस नाम से जाना जाता है?
(A) खडीन
(B) जोहड़
(C) नाडी
(D) बावड़ी

24. वर्षा जल संचयन और कृषि की 'खडीन' प्रणाली मूल रूप से 15वीं शताब्दी में किस समुदाय द्वारा लोकप्रिय बनाई गई थी?
(A) जोधपुर का बिश्नोई समुदाय
(B) बारां जिले की सहरिया जनजाति
(C) जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मण
(D) मेवाड़ क्षेत्र का भील समुदाय

25. राजस्थान में 'नाडी' के संबंध में सही कथन की पहचान कीजिए।
(A) यह रेगिस्तानी क्षेत्रों से निकलने वाली एक तीव्र प्रवाह वाली बारहमासी नदी है।
(B) यह विशेष रूप से राजघरानों के लिए बनाई गई एक गहरी भूमिगत बावड़ी है।
(C) यह बड़े पैमाने पर खेती के लिए डिज़ाइन किया गया एक विशाल कृत्रिम नहर नेटवर्क है।
(D) यह एक ग्रामीण सतही तालाब है जो घरेलू उपयोग के लिए वर्षा जल एकत्र करता है।

26. राजस्थान सरकार द्वारा किस वर्ष 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान' (एमजेएसए) शुरू किया गया था?
(A) 2012
(B) 2014
(C) 2016
(D) 2019

27. मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान का प्राथमिक उद्देश्य है:
(A) सभी शहरी परिवारों में रियायती पैकेज्ड पेयजल वितरित करना
(B) सामुदायिक संरचनाओं का उपयोग करके गाँवों को जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाना
(C) बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं और बड़े जलाशयों का निर्माण करना
(D) उत्तरी प्रमुख नदियों से सीधे थार मरुस्थल में पानी मोड़ना

28. तत्काल सूखा राहत सहायता के लिए राज्य सरकार द्वारा आमतौर पर सबसे पहले किस कोष का उपयोग किया जाता है?
(A) राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ)
(B) राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ)
(C) प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ)
(D) भारत की संचित निधि

29. राजस्थान में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के पदेन अध्यक्ष के रूप में कौन कार्य करता है?
(A) मुख्यमंत्री
(B) राज्यपाल
(C) मुख्य सचिव
(D) राहत सचिव

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करना आधुनिक सूखा प्रबंधन का एक महत्त्वपूर्ण घटक है।
कारण (R): सूखा एक धीमी गति से शुरू होने वाली आपदा है, और अग्रिम पूर्वानुमान अधिकारियों को स्थिति गंभीर होने से पहले शमन और राहत उपायों की योजना बनाने की अनुमति देता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

NODIA

(B) कृषि सूखा
(C) मौसम संबंधी सूखा
(D) पारिस्थितिक सूखा

53. मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) मुख्य रूप से किस मूल उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करता है?
(A) मरुस्थलीकरण को नियंत्रित करना और पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना
(B) प्रमुख मरुस्थलीय जिलों में चार-लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण करना
(C) सुदूर मरुस्थलीय उद्योगों को निःशुल्क निरंतर बिजली आपूर्ति प्रदान करना
(D) पूरे मरुस्थलीय क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक पर्यटन को बढ़ावा देना

54. प्रारंभ में, मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) में राजस्थान के कितने जिले शामिल थे?
(A) 5
(B) 11
(C) 16
(D) 33

55. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
कथन (A): राजस्थान की सूखा राहत रणनीति में मनरेगा अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
कारण (R): सूखे के दौरान व्यापक कृषि विफलता खेत मजदूरी के रोजगार को समाप्त कर देती है, जिससे ग्रामीण उत्तरजीविता के लिए मनरेगा का गारंटीकृत मजदूरी रोजगार महत्त्वपूर्ण हो जाता है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

56. मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (एमजेएसए) ने किसके उपयोग पर अत्यधिक बल दिया:
(A) प्रत्येक ग्रामीण परिवार में उन्नत रिवर्स ऑस्मोसिस निस्पंदन संयंत्र स्थापित करना
(B) विशेष रूप से अत्यधिक गहरे यांत्रिक बोरवेलों के माध्यम से भूजल निकालना
(C) जलग्रहण तकनीक के साथ पारंपरिक वर्षा जल संचयन को जोड़ना
(D) विशेष लंबी दूरी की ट्रेनों के माध्यम से प्रतिदिन थोक में पेयजल का आयात करना

57. भारत में केंद्रीय स्तर पर, सूखा प्रबंधन और पूर्व चेतावनी प्रदान करने के लिए कौन-सा मंत्रालय नोडल समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करता है?
(A) गृह मंत्रालय
(B) जल शक्ति मंत्रालय
(C) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
(D) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

58. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत, रबी खाद्यान्न फसलों के लिए किसानों द्वारा भुगतान की जाने वाली निश्चित अधिकतम प्रीमियम दर क्या है?
(A) 1.5%
(B) 2.0%
(C) 2.5%
(D) 5.0%

59. आपदा प्रबंधन के संदर्भ में, सूखे का 'शमन' मुख्य रूप से किसे संदर्भित करता है?
(A) सक्रिय संकट के दौरान परिवारों को आपातकालीन खाद्य आपूर्ति पैकेट वितरित करना
(B) भविष्य के सूखे के प्रभावों को कम करने के लिए दीर्घकालिक उपायों को लागू करना
(C) सूखे के बाद मृत मवेशियों की गिनती की प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू करना
(D) पारंपरिक वर्षा आधारित कृषि पद्धतियों को स्थायी रूप से छोड़ना

60. सूची I में दिए गए सूखे के प्रकारों का सूची II में दी गई उनकी प्राथमिक पहचान संबंधी विशेषताओं के साथ मेल कीजिए।
सूची I: (सूखे के प्रकार)
P. मौसम संबंधी सूखा
Q. जलवैज्ञानिक सूखा
R. कृषि सूखा
S. सामाजिक-आर्थिक सूखा
सूची II: (प्राथमिक पहचान संबंधी विशेषताएँ)
1. वास्तविक वर्षा में उल्लेखनीय कमी
2. सतही जलाशयों और भूजल का सूखना
3. अपर्याप्त मृदा नमी के कारण फसल को नुकसान
4. बुनियादी वस्तुओं (जल, चारा, भोजन) की मांग आपूर्ति से अधिक होना
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-1, Q-3, R-2, S-4
(D) P-3, Q-2, R-1, S-4

61. थार मरुस्थल में भीषण और लंबे समय तक चलने वाले सूखे के दौरान राजस्थान के किस गंभीर रूप से लुप्तप्राय राज्य पक्षी को आवास के अत्यधिक तनाव और जीवित रहने की दर में गिरावट का सामना करना पड़ता है?
(A) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण)
(B) भारतीय मोर
(C) सारस क्रेन
(D) डेमॉयसेल क्रेन (कुरजां)

Click Here to Buy book on Flipkart

42. राजस्थान में सूखे के कारणों और इसके बढ़ने के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. भूजल संसाधनों का अत्यधिक दोहन सूखे के प्रति सहनशीलता को कम करता है।
II. वनों की कटाई और वनस्पति आवरण का ह्रास सतही प्रवाह को बढ़ाता है और मृदा की नमी को कम करता है।
III. ग्रीष्मकाल का उच्च तापमान वाष्पीकरण की दर को बढ़ा देता है, जिससे सतही जल तेजी से समाप्त होता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

43. झीलों, जलाशयों और भूजल स्तर जैसे सतही जल और उप-सतही जल संसाधनों के ह्रास को तकनीकी रूप से किस रूप में परिभाषित किया गया है?
(A) मौसम संबंधी सूखा
(B) जलवैज्ञानिक सूखा
(C) कृषि सूखा
(D) सामाजिक-आर्थिक सूखा

44. एक 'कृषि सूखा' विशेष रूप से तब होता है जब:
(A) वार्षिक वर्षा की कमी दीर्घकालिक क्षेत्रीय औसत के दस प्रतिशत से नीचे गिर जाती है
(B) सामान्य फसल वृद्धि को बनाए रखने के लिए मृदा की नमी अपर्याप्त होती है
(C) प्रमुख शहरी केंद्रों के लिए पेयजल आपूर्ति स्रोत पूरी तरह से समाप्त हो जाते हैं
(D) ग्रामीण मवेशी व्यापार केंद्रों में स्थानीय बाजार में चारे की कीमतें अचानक दोगुनी हो जाती हैं

45. निम्नलिखित में से किसे छोड़कर, अन्य सभी राजस्थान में ऐतिहासिक रूप से उपयोग की जाने वाली मान्यता प्राप्त पारंपरिक वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ हैं?
(A) ट्यूबवेल
(B) बावड़ी
(C) टांका
(D) खडीन

46. पारंपरिक जल संरचनाओं और उनके संबंधित प्रमुख क्षेत्रों का निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?
(A) जोहड़ - बांसवाड़ा
(B) टांका - कोटा
(C) खडीन - जैसलमेर
(D) बावड़ी - पूरी तरह से थार मरुस्थल तक सीमित

47. ब्रिटिश काल के दौरान "फेमिन कोड" बनाने का मुख्य उद्देश्य क्या था?
(A) सीमाओं के पार आवश्यक खाद्यान्न के वाणिज्यिक निर्यात पर कड़ाई से प्रतिबंध लगाना
(B) गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों से ग्रामीण आबादी के जबरन पलायन को अनिवार्य बनाना
(C) अनुकूल मानसूनी वर्षा वाले वर्षों के दौरान कृषि कराधान में उल्लेखनीय वृद्धि करना
(D) अकाल राहत कार्य के लिए दिशा-निर्देशों और प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना

48. निम्नलिखित में से कौन-सा एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) का मुख्य घटक नहीं है?
(A) मृदा और नमी संरक्षण
(B) वनीकरण और चारागाह विकास
(C) विशाल कंक्रीट जलविद्युत बांधों का निर्माण
(D) सामुदायिक भागीदारी और आजीविका सहायता को बढ़ावा देना

49. पश्चिमी राजस्थान में घरों के आंगन में 'टांका' बनाने का सबसे उपयुक्त कारण क्या है?
(A) स्थानीय उपभोग के लिए मीठे पानी की मछलियों की विभिन्न प्रजातियों का पालन करना
(B) पीने के उद्देश्य से वर्षा जल का सुरक्षित रूप से संचयन और भंडारण करना
(C) एक सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक सजावटी पानी का फव्वारा बनाना
(D) अनुपचारित घरेलू अपशिष्ट जल का प्रभावी ढंग से निपटान करना

50. आधिकारिक सूखा राहत प्रबंधन के निम्नलिखित चरणों को सही प्रक्रियात्मक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. राज्य सरकार द्वारा सूखे की घोषणा
2. केंद्र सरकार को वित्तीय ज्ञापन प्रस्तुत करना
3. अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) द्वारा स्थलीय मूल्यांकन
4. राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) से सहायता राशि जारी करना
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 4, 3
(C) 3, 1, 2, 4
(D) 1, 3, 2, 4

51. ग्रामीण राजस्थान में बार-बार पड़ने वाले सूखे का एक प्रमुख सामाजिक-आर्थिक परिणाम है:
(A) शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण संकटग्रस्त पलायन में वृद्धि
(B) प्रभावित ग्रामीण जिलों में महिला साक्षरता दर में तीव्र वृद्धि
(C) सुदूर गाँवों में आधुनिक भारी निर्माण उद्योगों का महत्त्वपूर्ण विकास
(D) बड़े वित्तीय सहकारी बैंकिंग नेटवर्क की स्वतः स्थापना

52. किस प्रकार के सूखे की मुख्य विशेषता ऐतिहासिक औसत की तुलना में असामान्य रूप से कम वर्षा की लंबी अवधि है?
(A) जलवैज्ञानिक सूखा

Downloaded from www.pdf.tube

Q. जलकाल
R. तिनकाल
S. त्रिकाल

सूची II: (अर्थ)
1. केवल खाद्यान्न की कमी
2. पेयजल की कमी
3. पशुधन के लिए चारे की कमी
4. भोजन, जल और चारे की कमी

(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-1, Q-3, R-2, S-4
(D) P-2, Q-1, R-4, S-3

11. कृषि क्षेत्र पर 'कृषि सूखे' का सबसे तात्कालिक और प्रत्यक्ष प्रभाव क्या है?
(A) खेतों में क्षेत्रीय भूजल स्तर में तीव्र वृद्धि
(B) मृदा की नमी में कमी जिसके कारण फसलें अत्यधिक नष्ट होती हैं
(C) व्यावसायिक वर्षा आधारित नकदी फसलों का व्यापक अति-उत्पादन
(D) घने प्राकृतिक वनों और वनस्पतियों की स्वतः वृद्धि

12. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में पशुधन पर भीषण सूखे का प्रभाव नहीं है?
(A) भुखमरी के कारण मवेशियों में उच्च मृत्यु दर
(B) पशुधन के प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार
(C) दुग्ध उत्पादन और डेयरी उत्पादन में गिरावट
(D) कम कीमतों पर मवेशियों की संकटग्रस्त बिक्री

13. भीषण सूखे के दौरान, राजस्थान में पशुपालक चारे और पानी की तलाश में अपने मवेशियों के साथ पड़ोसी राज्यों में पलायन करते हैं। इस सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को किस रूप में जाना जाता है?
(A) संकटग्रस्त पलायन
(B) तीव्र शहरीकरण
(C) बड़े पैमाने पर वनीकरण
(D) औद्योगिक विस्थापन

14. भारत में अकाल राहत प्रशासन की ऐतिहासिक नींव रखने वाले 'फेमिन कोड' के निर्माण की सिफारिश करने वाले आयोग के अध्यक्ष कौन थे?
(A) लॉर्ड डलहौजी
(B) लॉर्ड माउंटबेटन
(C) सर रिचर्ड स्ट्रैची
(D) लॉर्ड कॉर्नवालिस

15. ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा शुरु किए गए सूखा राहत कार्यों का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) सभी ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी कंक्रीट के मकानों का निर्माण करना
(B) स्थानीय किसानों को निःशुल्क उपजाऊ कृषि भूमि वितरित करना
(C) संपूर्ण प्रभावित गाँवों को स्थायी रूप से शहरी क्षेत्रों में पुनर्स्थापित करना
(D) प्रभावित जनसंख्या को आपातकालीन मजदूरी रोजगार प्रदान करना

16. सूखे के दौरान चारा डिपो और मवेशी शिविरों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. रियायती दरों पर मवेशियों को चारा उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा चारा डिपो स्थापित किए जाते हैं।
II. मवेशी शिविर ऐसे अस्थायी आश्रय स्थल हैं जहाँ छोड़े गए या संकटग्रस्त पशुओं को चारा और पानी दिया जाता है।
III. इन उपायों का उद्देश्य पशुधन की बड़े पैमाने पर मृत्यु और संकटग्रस्त बिक्री को रोकना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

17. सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) भारत सरकार द्वारा किस वित्तीय वर्ष में शुरु किया गया था?
(A) 1951-52
(B) 1973-74
(C) 1991-92
(D) 2005-06

18. राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण को नियंत्रित करने के लिए मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) किस वर्ष शुरु किया गया था?
(A) 1965-66
(B) 1977-78
(C) 1985-86
(D) 1999-2000

19. मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच साझा किया जाने वाला मानक वित्तपोषण अनुपात क्या है?
(A) 50:50
(B) 60:40
(C) 75:25
(D) 90:10

20. एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) शुरु करने के लिए निम्नलिखित में से किन कार्यक्रमों को संयोजित किया गया था?
(A) मनरेगा, डीडीपी और पीएमकेएसवाई
(B) डीपीएपी, पीएमएफबीवाई और आईडब्ल्यूडीपी
(C) डीपीएपी, डीडीपी और आईडब्ल्यूडीपी
(D) डीडीपी, पीएमकेएसवाई और एमजेएसए

NODIA

62. प्रभावी दीर्घकालिक सूखा प्रबंधन के लिए, 'आकस्मिक फसल योजना' में शामिल है:
(A) गन्ने जैसी अत्यधिक जल-गहन फसलों की खेती को बढ़ावा देना
(B) संपूर्ण मानसून के मौसम में सभी कृषि गतिविधियों पर अस्थायी रुप से प्रतिबंध लगाना
(C) कम अवधि वाली, सूखा-सहनशील फसल किस्मों को प्रोत्साहित करना
(D) अत्यधिक मात्रा में सिंथेटिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करना

63. सूखे के दौरान चारे के संकट से निपटने के लिए, सरकार अक्सर मवेशी संरक्षण शिविर स्थापित करने और चलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिन्हें स्थानीय रूप से किस नाम से जाना जाता है?
(A) मंडियां
(B) अनाज भंडार
(C) धर्मशालाएं
(D) गौशालाएं

64. सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा गलत कथन है?
(A) इसे आधिकारिक तौर पर वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान पूरे भारत में शुरू किया गया था।
(B) इसका उद्देश्य फसलों और पशुधन के उत्पादन पर सूखे के प्रतिकूल प्रभावों को कम करना है।
(C) इसे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं के निर्माण के लिए डिज़ाइन किया गया था।
(D) यह बंजर भूमि के सतत विकास और नमी संरक्षण को सक्रिय रुप से प्रोत्साहित करता है।

65. राजस्थान में पारंपरिक वर्षा जल संचयन संरचनाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. बावड़ियां विशेष रूप से औद्योगिक निर्माण के लिए बनाई गई थीं।
II. खडीन प्रवाही जल कृषि प्रणालियाँ हैं जो पानी को रोकने के लिए मिट्टी के बांध का उपयोग करती हैं।
III. टांके भूमिगत भंडारण संरचनाएं हैं जो कृत्रिम रूप से तैयार किए गए कैचमेंट या छतों से वर्षा जल एकत्र करते हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

66. राजस्थान में सतही जल एकत्र करने के लिए सबसे पुरानी ज्ञात 'नाडी' के निर्माण का श्रेय ऐतिहासिक रुप से 1520 ई. में राव जोधा को किस शहर में दिया जाता है?
(A) उदयपुर
(B) बीकानेर
(C) अजमेर
(D) जोधपुर

67. राजस्थान में स्थित कौन-सा प्रमुख अनुसंधान संस्थान मरुस्थलीकरण नियंत्रण और सूखा शमन पर अनुसंधान करने में अग्रणी भूमिका निभाता है?
(A) केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी)
(B) वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई)
(C) राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी)
(D) भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम)

68. सूखे के लिए केंद्र-राज्य वित्तीय सहायता के तंत्र में, संक्षिप्त नाम 'एनडीआरएफ' का पूर्ण रूप क्या है?
(A) नेशनल ड्रॉट रिलीफ फोर्स
(B) न्यू डेजर्ट रिक्लेमेशन फैसिलिटी
(C) नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फंड
(D) नेशनल डेवलपमेंट एंड रिहैबिलिटेशन फंड

69. इंदिरा गांधी नहर परियोजना (आईजीएनपी), जो पश्चिमी राजस्थान में सूखे के खिलाफ एक जीवन रेखा के रूप में कार्य करती है, अंततः किस राज्य में स्थित व्यास और सतलुज नदियों के संगम से पानी लाती है?
(A) पंजाब
(B) हरियाणा
(C) हिमाचल प्रदेश
(D) जम्मू एवं कश्मीर

70. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान में जल प्रबंधन और सूखा रोकथाम के लिए सबसे सतत, दीर्घकालिक रणनीति का प्रतिनिधित्व करता है?
(A) जल-गहन नकदी फसलों की व्यावसायिक खेती का निरंतर विस्तार करना
(B) पूरे ग्रीष्मकाल में पूरी तरह से आपातकालीन थोक जल आपूर्ति ट्रेनों पर निर्भर रहना
(C) बिना किसी कृत्रिम पुनर्भरण के गहरे भूमिगत जल संसाधनों का निरंतर दोहन करना
(D) सूक्ष्म सिंचाई और व्यापक जलग्रहण विकास को बढ़ावा देना

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Amazon

जब शिक्षा प्रणाली उद्योगों की व्यावहारिक मांग से मेल नहीं खाती, तो यह असंतुलन या बेमेल उत्पन्न होता है।

68. (D) कार्यशील आयु वर्ग की जनसंख्या का वह प्रतिशत जो नियोजित है या काम की तलाश में है
किसी अर्थव्यवस्था में श्रम बल भागीदारी दर कार्यशील आयु वर्ग की कुल जनसंख्या का वह प्रतिशत दर्शाती है जो वास्तव में श्रम बाजार में सक्रिय है। इसमें वे सभी व्यक्ति शामिल होते हैं जो या तो किसी लाभप्रद रोजगार में नियोजित हैं या जो बेरोजगार होकर सक्रिय रुप से रोजगार की तलाश में लगे हुए हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण सूचकांक है।

69. (A) निजी क्षेत्र की कंपनियां, उद्योग और कॉर्पोरेट नियोक्ता
राजस्थान सरकार द्वारा विभिन्न जिलों में आयोजित किए जाने वाले मेगा जॉब फेयरों में प्राथमिक रोजगार प्रदाता निजी क्षेत्र की कंपनियां, उद्योग, बहुराष्ट्रीय निगम और कॉर्पोरेट नियोक्ता होते हैं। इन मेलों में विभिन्न क्षेत्रों की सैकड़ों निजी कंपनियां हिस्सा लेती हैं और वे स्थानीय पात्र एवं कुशल युवाओं का साक्षात्कार लेकर उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करती हैं।

70. (C) सौर और पवन ऊर्जा स्थापना तथा रखरखाव
पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की दिशा में 'हरित रोजगार' एक महत्वपूर्ण अवधारणा है। भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान में प्रचुर धूप उपलब्ध होने के कारण यह राज्य अक्षय ऊर्जा का केंद्र बन चुका है। अतः राजस्थान में सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा की स्थापना तथा रखरखाव से जुड़े कार्य प्रमुख हरित रोजगार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

www.nodia.in

NODIA

है। जब ये तीनों स्थितियाँ एक साथ उत्पन्न होती हैं, तो उसे 'त्रिकाल' कहा जाता है।

11. (B) मृदा की नमी में कमी जिसके कारण फसलें अत्यधिक नष्ट होती हैं
कृषि सूखा मुख्य रुप से तब घटित होता है जब वर्षा में कमी के कारण मृदा में नमी का स्तर इतना घट जाता है कि वह फसलों की सामान्य वृद्धि और विकास के लिए अपर्याप्त हो जाता है। इसका सबसे तात्कालिक और सीधा प्रभाव बोई गई फसलों के सूखने, अंकुरण में विफलता और कृषि उत्पादन में भारी गिरावट के रूप में दिखाई देता है।

12. (B) पशुधन के प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार
राजस्थान में भीषण सूखे के समय पानी और चारे की तीव्र कमी हो जाती है, जिसका पशुधन पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। पर्याप्त पोषण न मिलने से मवेशी भुखमरी, कुपोषण और गंभीर बीमारियों के शिकार हो जाते हैं, जिससे उनके प्रजनन स्वास्थ्य में भारी गिरावट आती है। इसके चलते दुग्ध उत्पादन घट जाता है तथा पशुओं की मृत्यु दर बढ़ जाती है।

13. (A) संकटग्रस्त पलायन
भीषण सूखे के समय जब स्थानीय स्तर पर पीने का पानी, कृषि रोजगार और पशुधन के लिए चारा पूरी तरह समाप्त हो जाता है, तब पशुपालक अपने मवेशियों के साथ पलायन करते हैं। अपनी आजीविका और मवेशियों को बचाने के लिए पड़ोसी राज्यों की ओर किए जाने वाले इस विस्थापन को 'संकटग्रस्त पलायन' कहा जाता है। यह आपदा से उत्पन्न अति गंभीर विवशता का परिणाम होती है।

14. (C) सर रिचर्ड स्ट्रैची
ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में बार-बार पड़ने वाले भीषण अकालों से निपटने के लिए वर्ष 1878 में प्रथम अकाल आयोग का गठन किया गया था। इस आयोग की अध्यक्षता सर रिचर्ड स्ट्रैची ने की थी। स्ट्रैची आयोग ने ही अकाल प्रबंधन, राहत कार्यों के संचालन, वित्तीय सहायता और मजदूरी रोजगार के लिए नियमावली बनाने की सिफारिश की, जिससे 'फेमिन कोड' बना।

15. (D) प्रभावित जनसंख्या को आपातकालीन मजदूरी रोजगार प्रदान करना
सूखे के समय कृषि गतिविधियाँ पूरी तरह ठप हो जाने से ग्रामीण मजदूरों और छोटे किसानों की आजीविका के साधन समाप्त हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा शुरु किए जाने वाले सूखा राहत कार्यों का मुख्य उद्देश्य प्रभावित ग्रामीण आबादी को तत्काल आपातकालीन मजदूरी रोजगार प्रदान करना है। इसके तहत तालाबों की खुदाई जैसे सार्वजनिक कार्यों से मजदूरी दी जाती है।

16. (D) I, II और III
भीषण सूखे के समय पशुधन का संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकता होती है। इसके लिए चारा डिपो स्थापित किए जाते हैं जो रियायती दरों पर पशुपालकों को चारा उपलब्ध कराते हैं। साथ ही मवेशी शिविर ऐसे अस्थायी केंद्र होते हैं जहाँ बेसहारा पशुओं को भोजन और पानी दिया जाता है। ये उपाय मवेशियों की मृत्यु रोकने तथा संकटग्रस्त बिक्री बचाने में सहायक हैं।

17. (B) 1973-74
भारत सरकार द्वारा सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) को वित्तीय वर्ष 1973-74 में आधिकारिक रूप से शुरु किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सूखे से बार-बार प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में भूमि, जल और प्राकृतिक संसाधनों का एकीकृत विकास करके सूखे के प्रतिकूल प्रभावों को कम करना था। इसके तहत जल संचयन, मृदा संरक्षण, वनीकरण और कृषि सुधार पर ध्यान दिया गया।

18. (B) 1977-78
मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) की शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 1977-78 में की गई थी। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य थार मरुस्थल जैसे अत्यंत शुष्क एवं मरुस्थलीय क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण के प्रसार को रोकना, पारिस्थितिक संतुलन को पुनरुज्जीवित करना तथा जल एवं मृदा संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन करना था। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में सूखे को दूर करने और वनीकरण को बढ़ावा देने में यह सहायक रहा।

19. (C) 75:25
मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) के क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच योजना व्यय को साझा करने हेतु 75:25 का मानक अनुपात निर्धारित किया गया है। इसका अर्थ यह है कि इस कार्यक्रम के तहत स्वीकृत कुल धनराशि का 75 प्रतिशत अंश केंद्र सरकार द्वारा अनुदान के रूप में प्रदान किया जाता है, जबकि शेष 25 प्रतिशत अंश संबंधित राज्य सरकार वहन करती है।

20. (C) DPAP, DDP और IWDP
वर्ष 2009-10 में भारत सरकार ने भूमि और जल प्रबंधन कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए तीन प्रमुख योजनाओं का विलय करके एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। जिन तीन कार्यक्रमों को संयोजित किया गया था, वे हैं: सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम, मरुस्थल विकास कार्यक्रम और एकीकृत बंजर भूमि विकास कार्यक्रम। इस एकीकरण का उद्देश्य जलग्रहण विकास करना था।

21. (A) वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए निर्मित एक भूमिगत टैंक
'टांका' राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों, विशेष रूप से थार मरुस्थल में निर्मित एक पारंपरिक वर्षा जल संचयन संरचना है। यह एक गोलाकार या वर्गाकार पक्का भूमिगत टैंक होता है, जिसे घरों के आंगनों या खुले मैदानों में बनाया जाता है। छत या कैचमेंट से वर्षा के बहते पानी को छानकर इस टैंक में एकत्र किया जाता है। यह जल शुद्ध पेयजल का आधार बनता है।

Downloaded from www.pdf.tube

22. (A) सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) → मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) → एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) → मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (एमजेएसए)
इन सूखा और जल प्रबंधन कार्यक्रमों के शुभारंभ का सही कालानुक्रमिक क्रम उनके प्रारंभ वर्ष से निर्धारित होता है। सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डीपीएपी) वर्ष 1973-74 में शुरू किया गया था। इसके पश्चात मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) वर्ष 1977-78 में प्रारंभ हुआ। एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी) का गठन वर्ष 2009-10 में किया गया, जबकि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान को वर्ष 2016 में लागू किया गया था।

23. (B) जोहड़
राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र (झुंझुनू, सीकर और चुरू जिलों) में जल संरक्षण के लिए पारंपरिक रूप से बनाए जाने वाले कच्चे मिट्टी के चेक डैम या छोटे तालाबों को 'जोहड़' कहा जाता है। जोहड़ का निर्माण वर्षा जल के बहाव को रोकने और एकत्र करने के लिए किया जाता है। इससे न केवल मवेशियों और ग्रामीणों को पानी सुलभ होता है, बल्कि भूजल स्तर भी निरंतर पुनर्भरण पाता है।

24. (C) जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मण
'खडीन' वर्षा जल संचयन और कृषि की एक अत्यंत अनूठी पारंपरिक प्रणाली है, जिसे 15वीं शताब्दी में जैसलमेर क्षेत्र के पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा विकसित और लोकप्रिय बनाया गया था। इस तकनीक में ढलान वाले भूमि क्षेत्र के निचले भाग में मिट्टी का बांध बनाकर वर्षा जल को रोका जाता है। जब पानी सूख जाता है, तो उस नमी वाली मृदा में फसलें उगाई जाती हैं।

25. (D) यह एक ग्रामीण सतही तालाब है जो घरेलू उपयोग के लिए वर्षा जल एकत्र करता है।
राजस्थान में 'नाडी' एक पारंपरिक ग्रामीण सतही जल निकाय या पोखर है, जिसका निर्माण वर्षा जल को एकत्र करने के लिए प्राकृतिक ढलान वाले क्षेत्रों में किया जाता है। नाडी का मुख्य कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में कैचमेंट से वर्षा जल का संचयन करना है। एकत्रित जल का उपयोग मुख्य रूप से घरेलू कार्यों और पशुधन के पीने के पानी के लिए किया जाता है।

26. (C) 2016
राजस्थान सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान' (एमजेएसए) की शुरुआत 27 जनवरी 2016 को झालावाड़ जिले के गर्दनखेड़ी गाँव से की गई थी। इस महत्वाकांक्षी अभियान का मुख्य ध्येय राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों को जल प्रबंधन और संरक्षण के मामले में आत्मनिर्भर बनाना था। इसके अंतर्गत पारंपरिक जल निकायों का जीर्णोद्धार तथा नए जल संचयन ढाँचों का निर्माण जनभागीदारी से लागू किया गया।

27. (B) सामुदायिक संरचनाओं का उपयोग करके गाँवों को जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाना
मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान का प्राथमिक उद्देश्य राजस्थान के गाँवों को जल सुरक्षा के दृष्टिकोण से पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर जनभागीदारी और सामुदायिक सहयोग से जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण एवं पुनरुद्धार किया जाता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल का अधिकतम संचयन सम्भव होता है, जिससे भूजल स्तर में तीव्र वृद्धि होती है।

28. (B) राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ)
आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत, प्राकृतिक आपदाओं जैसे सूखे, बाढ़ या चक्रवात के समय तत्काल राहत सहायता प्रदान करने के लिए राज्यों के पास 'राज्य आपदा मोचन निधि' (एसडीआरएफ) प्राथमिक निधि के रूप में उपलब्ध होती है। जब किसी राज्य में सूखा घोषित किया जाता है, तो राज्य सरकार सबसे पहले इसी निधि से सहायता राशि जारी करती है।

29. (A) मुख्यमंत्री
आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के वैधानिक प्रावधानों के अनुसार, राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन की सर्वोच्च संस्था 'राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' होती है। संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के पदेन अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। राजस्थान में, मुख्यमंत्री इसके प्रमुख होने के नाते सूखे जैसी आपदाओं की तैयारी, राहत कार्यों तथा समन्वय के लिए सर्वोच्च निर्णयकर्ता होते हैं।

30. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
सूखा अचानक आने वाली आपदा नहीं है, बल्कि यह एक धीमी गति से शुरू होने वाली प्राकृतिक आपदा है जो हफ्तों और महीनों में विकसित होती है। इसी विशेषता के कारण, समय पर पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करना आधुनिक सूखा प्रबंधन का सबसे महत्त्वपूर्ण घटक है। अग्रिम जानकारी से अधिकारियों को फसल योजना बनाने और राहत उपाय लागू करने का पर्याप्त अवसर मिलता है।

31. (D) भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)
भारत में वर्षा के आंकड़ों का दैनिक एवं मौसमी आधार पर संग्रह, नियमित निगरानी और मौसम संबंधी सूखे की आधिकारिक घोषणा करने की प्राथमिक ज़िम्मेदारी भारत मौसम विज्ञान विभाग की है। आईएमडी अपने मौसम स्टेशनों और उपग्रहों के माध्यम से वर्षा के पैटर्न पर नज़र रखता है। जब वर्षा सामान्य औसत से 25 प्रतिशत या अधिक कम होती है, तो सूखा घोषित होता है।

32. (C) 2016
केंद्र सरकार द्वारा देश भर के किसानों को प्राकृतिक आपदाओं जैसे सूखा, बाढ़, कीट हमले और प्रतिकूल मौसम से होने वाले फसल नुकसान के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान करने के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' की शुरुआत 18 फरवरी 2016 को की गई थी। इसका मुख्य लक्ष्य किसानों को बहुत ही कम प्रीमियम दर पर व्यापक बीमा कवरेज उपलब्ध कराना है।

NODIA

33. (B) 2.0%
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के लिए बहुत ही रियायती और एकसमान प्रीमियम दरें निर्धारित की गई हैं। इस योजना के प्रावधानों के अनुसार, सभी खरीफ फसलों के लिए किसानों द्वारा देय प्रीमियम राशि बीमित राशि का अधिकतम 2.0 प्रतिशत तय की गई है। शेष प्रीमियम का हिस्सा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सब्सिडी के रूप में वहन किया जाता है।

34. (D) अत्यधिक भीषण सूखे की आवृत्ति और गंभीरता को बढ़ाकर
भू-मंडलीय तापन और जलवायु परिवर्तन का राजस्थान की जलवावयिक प्रणाली पर गहरा प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे मानसूनी वर्षा के पैटर्न में अनिश्चितता और वाष्पोत्सर्जन की दर में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप भविष्य में अत्यधिक भीषण सूखे की घटनाओं की आवृत्ति तथा उनकी गंभीरता में वृद्धि होगी।

35. (A) पारंपरिक स्थानीय वर्षा जल संचयन संरचनाओं का रखरखाव करना
राजस्थान में विकेंद्रीकृत और टिकाऊ सूखा प्रबंधन के लिए स्थानीय समुदायों की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य मानी जाती है। इसका सबसे प्रभावी और व्यावहारिक पहलू पारंपरिक स्थानीय वर्षा जल संचयन संरचनाओं जैसे टांका, जोहड़, नाडी, बावड़ी और खडीन का नियमित रखरखाव तथा गाद निकालना है। जब स्थानीय ग्रामीण स्वयं इन जल निकायों के संरक्षण में भाग लेते हैं, तो जल संचयन अधिकतम होता है।

36. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
राजस्थान में जल संरक्षण की प्रत्येक पारंपरिक संरचना की अपनी विशिष्ट पहचान और स्थापत्य विशेषता है। 'टांका' मुख्य रूप से आंगनों में निर्मित भूमिगत पेयजल भंडारण टैंक है। 'खडीन' जैसलमेर के मरुस्थलीय क्षेत्रों में उपयोग की जाने वाली प्रवाही जल आधारित कृषि प्रणाली है। 'जोहड़' शेखावाटी में बनाए जाने वाले कच्चे मिट्टी के चेक डैम हैं, जबकि 'बावड़ी' सीढ़ीदार जल संरचना है।

37. (A) इंदिरा गांधी नहर
इंदिरा गांधी नहर परियोजना ने पश्चिमी राजस्थान की शुष्क पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था की कायाकल्प कर दी है। इसे 'मरुगंगा' के नाम से भी जाना जाता है। इस विशाल नहर प्रणाली ने थार मरुस्थल के अत्यधिक सूखा-प्रभावित जिलों में नियमित पेयजल आपूर्ति और सिंचाई के लिए जल उपलब्ध कराया है। इसने मरुस्थलीकरण को रोकने और खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में क्रांतिकारी बदलाव लाया है।

38. (D) हरिके बैराज
इंदिरा गांधी नहर, जिसे पूर्व में 'राजस्थान नहर' के नाम से जाना जाता था, पंजाब राज्य के फिरोजपुर जिले में सतलुज और व्यास नदियों के संगम पर स्थित हरिके बैराज से निकलती है। इस बैराज से मुख्य नहर के माध्यम से हिमालयी नदियों का जल सैकड़ों किलोमीटर दूर पश्चिमी राजस्थान के शुष्क थार मरुस्थल तक लाया जाता है। यह नहर जीवनरेखा है।

39. (B) ग्रामीण परिवारों के लिए गारंटीकृत मजदूरी रोजगार
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम ग्रामीण भारत में सामाजिक सुरक्षा और आजीविका की गारंटी प्रदान करने वाला एक प्रमुख कार्यक्रम है। सूखे की स्थिति में, जब कृषि गतिविधियाँ ठप हो जाती हैं, तो मनरेगा ग्रामीण परिवारों को गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करके राहत पहुँचाता है। इससे ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर क्रय शक्ति और आजीविका प्राप्त होती है, जिससे वे पलायन से बचते हैं।

40. (B) 150 दिन
सामान्य परिस्थितियों में मनरेगा के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के अकुशल शारीरिक मजदूरी रोजगार की गारंटी दी जाती है। हालाँकि, जब किसी ग्रामीण क्षेत्र में सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से गंभीर सूखा घोषित किया जाता है, तो सरकार राहत उपायों के रूप में गारंटीकृत रोजगार की सीमा को बढ़ाकर 150 दिन कर देती है।

41. (C) 2010
राजस्थान सरकार ने जल संसाधनों के एकीकृत, न्यायसंगत और सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए अपनी पहली राज्य जल नीति को वर्ष 2010 में मंजूरी दी थी। इस नीति का मुख्य जोर राज्य में उपलब्ध सीमित जल संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करने, पारंपरिक जल संचयन प्रणालियों को पुनर्जीवित करने, जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने और सूखे के जोखिम को घटाने पर है।

42. (D) I, II और III
राजस्थान में सूखे की तीव्रता को बढ़ाने में प्राकृतिक और मानवीय दोनों कारण उत्तरदायी हैं। भूजल का अनियंत्रित दोहन जल तालिका को नीचे गिरा देता है, जिससे जल सुरक्षा समाप्त हो जाती है। वनों की कटाई से मृदा नमी घटती है। इसके अलावा, ग्रीष्मकाल का अत्यधिक उच्च तापमान वाष्पोत्सर्जन दर को बढ़ा देता है, जिससे सतही जल निकाय तेजी से सूखते हैं।

43. (B) जलवैज्ञानिक सूखा
जब लंबी अवधि तक वर्षा में कमी के कारण नदियों, झीलों, तालाबों, जलाशयों तथा भूजल स्तर जैसे सतही और उप-सतही जल निकायों में पानी का भंडारण सामान्य स्तर से अत्यधिक कम हो जाता है या वे पूरी तरह सूख जाते हैं, तो इस स्थिति को 'जलवैज्ञानिक सूखा' कहा जाता है। यह स्थिति मौसम संबंधी सूखे के बाद उत्पन्न होती है, जो पेयजल और सिंचाई को प्रभावित करती है।

44. (B) सामान्य फसल वृद्धि को बनाए रखने के लिए मृदा की नमी अपर्याप्त होती है
'कृषि सूखा' एक विशिष्ट स्थिति है जो तब घटित होती है जब वर्षा की विफलता और अत्यधिक वाष्पीकरण के कारण फसलों के जड़ क्षेत्र में उपलब्ध मृदा नमी का स्तर इतना गिर

Click Here to Buy book on Flipkart

अंतरंग (इनडोर) और बहिरंग (आउटडोर) रोगियों को निःशुल्क आवश्यक दवाएं प्रदान करती है।
III. यह विशेष रूप से निजी कॉर्पोरेट अस्पतालों में लागू की जाती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

11. राजस्थान में रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा जांच सुविधा प्रदान करने वाली 'मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना' किस वर्ष प्रारंभ की गई थी?
(A) 2011
(B) 2013
(C) 2015
(D) 2018

12. 'मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना' के तहत दवाओं की केंद्रीकृत खरीद और आपूर्ति के लिए विशेष रूप से किस नोडल एजेंसी का गठन किया गया था, जो इसके लिए उत्तरदायी है?
(A) राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC)
(B) राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RMSCL)
(C) राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)
(D) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA)

13. राजस्थान में 'इंदिरा रसोई योजना' के तहत लाभार्थी को किस मूल्य पर एक पूर्ण पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाता है?
(A) 5 रुपये
(B) 8 रुपये
(C) 10 रुपये
(D) 15 रुपये

14. 'इंदिरा रसोई योजना' के तहत भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और संचालकों का समर्थन करने के लिए, राजस्थान राज्य सरकार वर्तमान में प्रति थाली कितना अनुदान (सब्सिडी) प्रदान करती है?
(A) 10 रुपये
(B) 12 रुपये
(C) 15 रुपये
(D) 17 रुपये

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना राजस्थान में पात्र परिवारों को मासिक निःशुल्क खाद्य किट वितरित करने के लिए प्रारंभ की गई थी।
कारण (R): इस योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के तहत आच्छादित सबसे गरीब परिवारों पर मुद्रास्फीति के वित्तीय बोझ को कम करना था।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

16. संक्षिप्त नाम MNREGA (मनरेगा) का पूर्ण रूप क्या है?
(A) मिनिस्ट्री ऑफ नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एजेंसी
(B) महात्मा गांधी नेशनल रीजनल इकोनॉमिक ग्रोथ अथॉरिटी
(C) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act)
(D) मिनिमम नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एग्रीमेंट

17. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (NREGA), जिसका नाम बाद में बदलकर मनरेगा (MNREGA) कर दिया गया, संसद द्वारा किस वर्ष आधिकारिक रूप से पारित किया गया था?
(A) 2002
(B) 2005
(C) 2008
(D) 2010

18. भारत में मनरेगा (MNREGA) के समग्र कार्यान्वयन और निगरानी के लिए केंद्रीय स्तर पर मुख्य रूप से कौन-सा मंत्रालय उत्तरदायी है?
(A) पंचायती राज मंत्रालय
(B) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
(C) श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
(D) ग्रामीण विकास मंत्रालय

19. मनरेगा (MNREGA) के मुख्य प्रावधानों के अनुसार, जिस ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, उन्हें एक वित्तीय वर्ष में कितने दिनों के मजदूरी रोजगार की गारंटी दी जाती है?
(A) 50 दिन
(B) 100 दिन
(C) 150 दिन
(D) 200 दिन

20. कल्याणकारी योजनाओं और उनके शुभारंभ/अधिनियमन के वर्षों के संबंध में सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: कल्याणकारी योजना
P. मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना
Q. मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
R. इंदिरा रसोई योजना
S. मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना
सूची II: शुभारंभ/अधिनियमन का वर्ष
1. 2011

NODIA

56. (C) जलग्रहण तकनीक के साथ पारंपरिक वर्षा जल संचयन को जोड़ना
मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान का मूल विचार राजस्थान की समृद्ध पारंपरिक वर्षा जल संचयन प्रणालियों को आधुनिक जलग्रहण प्रबंधन तकनीकों के साथ एकीकृत करना था। केवल अति-गहरे बोरवेल या बाहरी आपूर्ति पर निर्भर रहने के स्थान पर, इस अभियान ने स्थानीय स्तर पर टांका, जोहड़ और बावड़ी के पुनरुद्धार के साथ वैज्ञानिक तकनीकों को मिलाकर ग्रामीण गाँवों को जल के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाया।

57. (D) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत में केंद्रीय सरकार के स्तर पर सूखा प्रबंधन, सूखे की निगरानी, स्थिति के आकलन और राहत कार्यों के समन्वय के लिए 'कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय' नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य करता है। यह मंत्रालय राज्यों से प्राप्त रिपोर्टों की निरंतर समीक्षा करता है, नियमावली जारी करता है तथा निरीक्षण हेतु केंद्रीय टीमों का गठन करके वित्तीय सहायता अनुशंसित करता है।

58. (A) 1.5%
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के दिशानिर्देशों के अनुसार, देश के किसानों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए प्रीमियम की अधिकतम दरें निर्धारित की गई हैं। रबी मौसम की सभी खाद्यान्न और तिलहन फसलों के लिए किसानों द्वारा भुगतान की जाने वाली निश्चित अधिकतम प्रीमियम दर बीमित राशि का 1.5 प्रतिशत तय की गई है। इसके विपरीत खरीफ के लिए यह 2.0 प्रतिशत है।

59. (B) भविष्य के सूखे के प्रभावों को कम करने के लिए दीर्घकालिक उपायों को लागू करना
आपदा प्रबंधन की शब्दावली में सूखे का 'शमन' उन सभी पूर्व-आपदा नीतिगत उपायों और दीर्घकालिक रणनीतियों को संदर्भित करता है जिनका उद्देश्य भविष्य में आने वाले सूखे की संवेदनशीलता, आवृत्ति और उसके विनाशकारी सामाजिक-आर्थिक प्रभावों को कम करना है। शमन के अंतर्गत जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण, वनीकरण, मृदा नमी संवर्धन और जलग्रहण विकास जैसे स्थाई एवं निवारक उपाय शामिल होते हैं।

60. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
सूखे के विभिन्न प्रकारों की अपनी विशिष्ट पहचान होती है। 'मौसम संबंधी सूखा' वास्तविक वर्षा में ऐतिहासिक औसत की तुलना में उल्लेखनीय कमी से पहचाना जाता है। 'जलवैज्ञानिक सूखा' सतही जलाशयों, नदियों और भूजल स्तर के अत्यधिक सूखने से संबंधित है। 'कृषि सूखा' तब होता है जब अपर्याप्त मृदा नमी के कारण फसलें नष्ट होती हैं। 'सामाजिक-आर्थिक सूखा' माँग अधिक होना है।

61. (A) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण)
राजस्थान का राज्य पक्षी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, जिसे स्थानीय रूप से 'गोडावण' कहा जाता है, एक अति-गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति है। यह पक्षी मुख्य रूप से थार मरुस्थल के शुष्क घास के मैदानों में निवास करता है। भीषण सूखे के दौरान घास के नष्ट होने, पेयजल स्रोतों के सूखने और भोजन की कमी से इसके जीवन पर संकट उत्पन्न होता है।

62. (C) कम अवधि वाली, सूखा-सहनशील फसल किस्मों को प्रोत्साहित करना
दीर्घकालिक और प्रभावी सूखा प्रबंधन में 'आकस्मिक फसल योजना' का विशेष महत्त्व है। जब मानसूनी वर्षा में देरी या कमी होती है, तो इस योजना के तहत अधिक पानी माँगने वाली फसलों के स्थान पर कम अवधि में पकने वाली तथा सूखा-सहनशील फसल किस्मों की खेती को प्रोत्साहित किया जाता है। इससे प्रतिकूल मौसम में भी किसानों को सुरक्षा मिलती है।

63. (D) गौशालाएं
राजस्थान में भीषण सूखे की स्थिति के दौरान पशुधन, विशेष रूप से गोवंश को भुखमरी और अकाल मृत्यु से बचाने के लिए सरकार द्वारा मवेशी संरक्षण शिविर और 'गौशालाएं' स्थापित की जाती हैं। इन गौशालाओं में संकटग्रस्त या बेसहारा पशुओं को नियमित रूप से चारा, पीने का पानी और आवश्यक पशु चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। इससे पशुपालकों को राहत मिलती है।

64. (C) इसे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं के निर्माण के लिए डिज़ाइन किया गया था।
सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम के संबंध में यह कहना कि इसे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण के लिए डिज़ाइन किया गया था, पूरी तरह से गलत है। डीपीएपी 1973-74 में शुरू किया गया एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसे विशेष रूप से शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया था जो बार-बार सूखे की मार झेलते हैं। इसका उद्देश्य जल संचयन है।

65. (A) केवल I
राजस्थान में पारंपारिक जल निकायों के संदर्भ में पहला कथन गलत है क्योंकि बावड़ियां ऐतिहासिक रूप से पीने के पानी के भंडारण, सामुदायिक उपयोग और स्थापत्य सुंदरता के लिए बनाई गई थीं, न कि औद्योगिक निर्माण के लिए। दूसरा कथन सही है क्योंकि खडीन मिट्टी का बांध बनाकर पानी रोकती है। तीसरा कथन भी सही है क्योंकि टांके जल एकत्र करते हैं।

66. (D) जोधपुर
राजस्थान में वर्षा जल के संग्रहण के लिए निर्मित सबसे प्राचीन ज्ञात 'नाडी' का ऐतिहासिक श्रेय वर्ष 1520 ईस्वी में जोधपुर के संस्थापक राव जोधा को दिया जाता है। उन्होंने जोधपुर शहर के समीप सतही जल को एकत्र करने और स्थानीय नागरिकों व पशुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इसका निर्माण कराया था। यह ऐतिहासिक उदाहरण है।

67. (A) केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी)
जोधपुर में स्थित केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान भारत का एक अग्रणी और प्रमुख अनुसंधान संस्थान है। इसकी स्थापना वर्ष 1959 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन की गई थी। काजरी मुख्य रूप से शुष्क एवं अर्ध-शुष्क पारिस्थितिकी

NODIA

प्रणालियों, मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण, सूखा शमन तकनीकों, मृदा व जल संरक्षण तथा मरुस्थलीय कृषि पर वैज्ञानिक अनुसंधान करने में अग्रणी भूमिका निभाता है।

68. (C) National Disaster Response Fund
सूखा और अन्य गंभीर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के तंत्र में संक्षिप्त नाम 'एनडीआरएफ' का पूर्ण रूप 'नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फंड' है। इस राष्ट्रीय आपदा कोष का गठन आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 46 के तहत किया गया है। जब किसी राज्य में आपदा अति गंभीर होती है तो अतिरिक्त सहायता मिलती है।

69. (A) पंजाब
इंदिरा गांधी नहर परियोजना का उद्गम पंजाब राज्य में हरिके बैराज से होता है। हरिके बैराज पंजाब के फिरोजपुर जिले में व्यास और सतलुज नदियों के संगम स्थल पर निर्मित एक प्रसिद्ध बैराज है। इसी बैराज से इंदिरा गांधी नहर की मुख्य फीडर नहर निकलती है, जो पंजाब और हरियाणा से होकर बहते हुए राजस्थान के शुष्क जिलों में प्रवेश करती है।

70. (D) सूक्ष्म सिंचाई और व्यापक जलग्रहण विकास को बढ़ावा देना
राजस्थान जैसे अत्यंत शुष्क और जल-कमी वाले राज्य में दीर्घकालिक एवं सतत जल प्रबंधन के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को अपनाने के साथ-साथ व्यापक जलग्रहण विकास को बढ़ावा देना सबसे व्यावहारिक रणनीति है। यह दृष्टिकोण जल के प्रत्येक बूँद का कुशल उपयोग सुनिश्चित करता है, वाष्पीकरण के नुकसान को न्यूनतम करता है तथा भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देता है।

Downloaded from www.pdf.tube

अध्याय 32

कल्याणकारी योजनाएँ एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)

1. सरकारी नीतियों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा 'कल्याणकारी राज्य' के प्राथमिक उद्देश्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
(A) निजी कॉर्पोरेट लाभों को अधिकतम करना
(B) अपने सभी नागरिकों का आर्थिक और सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करना
(C) सभी प्रकार के करों को पूर्णतः समाप्त करना
(D) राज्य के हस्तक्षेप के बिना निरपेक्ष पूंजीवाद को बढ़ावा देना

2. राजस्थान में प्रमुख सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में मुख्य रूप से कौन-सा विभाग उत्तरदायी है?
(A) प्रारंभिक शिक्षा विभाग
(B) ग्रामीण विकास विभाग
(C) गृह विभाग
(D) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

3. राजस्थान मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना के तहत, सामान्य श्रेणी की महिला के लिए न्यूनतम पात्रता आयु क्या है?
(A) 50 वर्ष
(B) 55 वर्ष
(C) 58 वर्ष
(D) 60 वर्ष

4. राजस्थान मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना के तहत, सामान्य श्रेणी के पुरुष के लिए न्यूनतम पात्रता आयु क्या है?
(A) 55 वर्ष
(B) 58 वर्ष
(C) 60 वर्ष
(D) 65 वर्ष

5. राजस्थान में मुख्यमंत्री एकल नारी (विधवा/परित्यक्ता) सम्मान पेंशन योजना के लिए आवेदन करने हेतु न्यूनतम आवश्यक आयु क्या है?
(A) 18 वर्ष
(B) 21 वर्ष
(C) 25 वर्ष
(D) 30 वर्ष

6. राजस्थान में मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन (दिव्यांगजन) पेंशन योजना के तहत, किसी व्यक्ति के पात्र होने के लिए प्रमाणित दिव्यांगता का न्यूनतम प्रतिशत कितना होना आवश्यक है?
(A) 20%
(B) 30%
(C) 40%
(D) 50%

7. राजस्थान में न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा पेंशन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: राज्य सरकार ने पात्र सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों के लिए न्यूनतम 1000 रुपये मासिक पेंशन निर्धारित की है।
कथन II: इस न्यूनतम मूल पेंशन राशि पर प्रतिवर्ष 15% की स्वतः वार्षिक वृद्धि का वैधानिक प्रावधान किया गया है।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

8. राजस्थान में 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' आधिकारिक तौर पर किस तिथि को प्रारंभ की गई थी?
(A) 2 अक्टूबर 2020
(B) 1 मई 2021
(C) 15 अगस्त 2021
(D) 26 जनवरी 2022

9. हालिया केंद्रीय स्वास्थ्य पुनर्गठन में संक्रमण से पूर्व, 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' के तहत प्रति परिवार प्रति वर्ष अधिकतम बढ़ा हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवर कितना था?
(A) 5 लाख रुपये
(B) 10 लाख रुपये
(C) 15 लाख रुपये
(D) 25 लाख रुपये

10. राजस्थान में 'मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह जेब से होने वाले स्वास्थ्य व्यय से राहत प्रदान करने के लिए वर्ष 2011 में प्रारंभ की गई थी।
II. यह सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में आने वाले सभी

NODIA

(C) बेरोजगार युवा
(D) बालिकाएं

32. 'मुख्यमंत्री राजश्री योजना' के तहत किसी बालिका को उसके जन्म से लेकर कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने तक चरणबद्ध तरीके से कुल कितनी अधिकतम वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है?
(A) 21,000 रुपये
(B) 31,000 रुपये
(C) 50,000 रुपये
(D) 1,00,000 रुपये

33. 'मुख्यमंत्री राजश्री योजना' के तहत कुल वित्तीय सहायता लाभार्थी के परिवार को कितनी निर्धारित किस्तों (चरणों) में वितरित की जाती है?
(A) 3 किस्तों में
(B) 4 किस्तों में
(C) 5 किस्तों में
(D) 6 किस्तों में

34. 'मुख्यमंत्री राजश्री योजना' के लाभ राजस्थान राज्य में किस विशिष्ट तिथि को या उसके पश्चात जन्मी बालिकाओं पर लागू होते हैं?
(A) 1 जनवरी 2015
(B) 1 जून 2016
(C) 15 अगस्त 2018
(D) 2 अक्टूबर 2020

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): राजस्थान में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) का लाभ उठाने के लिए जन आधार कार्ड मुख्य आधारभूत दस्तावेज है।
कारण (R): यह परिवार के लिए एकल पहचानकर्ता के रूप में कार्य करता है और सरकारी योजनाओं के लाभों को परिवार की नामित महिला मुखिया के बैंक खाते से सीधे जोड़ता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

36. राजस्थान में 'गार्गी पुरस्कार' योजना के तहत पात्र छात्राएं किस विशिष्ट परीक्षा में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने पर प्रमाण पत्र और वित्तीय सहायता से सम्मानित की जाती हैं?
(A) कक्षा 5वीं बोर्ड परीक्षा
(B) कक्षा 8वीं बोर्ड परीक्षा
(C) कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा
(D) विश्वविद्यालय स्नातक परीक्षा

37. 'काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना' निम्नलिखित में से किस समूह से संबंधित मेधावी छात्राओं को निःशुल्क स्कूटी प्रदान करती है?
(A) मेधा के आधार पर सभी पात्र सामाजिक श्रेणियां
(B) केवल अनुसूचित जनजाति (ST) श्रेणी की मेधावी छात्राएं
(C) केवल अनुसूचित जाति (SC) श्रेणी की मेधावी छात्राएं
(D) केवल निजी शहरी विद्यालयों में पढ़ने वाली मेधावी छात्राएं

38. 'देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना' राजस्थान में विशेष रूप से किस श्रेणी से संबंधित मेधावी छात्राओं को स्कूटी प्रदान करने के लिए तैयार की गई एक लक्षित शिक्षा कल्याण योजना है?
(A) अनुसूचित जाति (SC)
(B) अनुसूचित जनजाति (ST)
(C) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)
(D) अति पिछड़ा वर्ग (MBC)

39. प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G) का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में 'सभी के लिए आवास' प्रदान करना है। इस योजना के तहत निर्मित मकान के लिए न्यूनतम आवास आकार कितना अनिवार्य है?
(A) 15 वर्ग मीटर
(B) 20 वर्ग मीटर
(C) 25 वर्ग मीटर
(D) 35 वर्ग मीटर

40. कल्याणकारी योजनाओं और उनके प्राथमिक लक्षित समूहों के संबंध में सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: कल्याणकारी योजना
P. एकल नारी सम्मान पेंशन
Q. मुख्यमंत्री राजश्री योजना
R. गार्गी पुरस्कार
S. प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)
सूची II: प्राथमिक लक्षित समूह
1. गांवों में बेघर परिवार
2. मेधावी स्कूली छात्राएं
3. बालिका का स्वास्थ्य और शिक्षा
4. विधवा और परित्यक्ता महिलाएं
(A) P-4, Q-3, R-2, S-1
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-2, R-3, S-1
(D) P-3, Q-4, R-1, S-2

41. राजस्थान के मैदानी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G) के वित्तपोषण के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच मानक लागत-साझाकरण अनुपात क्या है?
(A) 50:50
(B) 60:40
(C) 75:25

Click Here to Buy book on Amazon

2. 2013
3. 2020
4. 2021

(A) P-1, Q-4, R-3, S-2
(B) P-2, Q-3, R-4, S-1
(C) P-1, Q-3, R-2, S-4
(D) P-4, Q-1, R-3, S-2

21. राजस्थान में, राज्य के बजट से मनरेगा के तहत 200 दिनों के रोजगार की विस्तारित गारंटी विशेष रूप से निम्नलिखित में से किस समूह को प्रदान की जाती है?
(A) सहरिया, खैरुआ और काथोड़ी जनजातियां
(B) सभी शहरी बेरोजगार शिक्षित युवा
(C) सामान्य श्रेणी के सभी सीमांत किसान
(D) सभी सेवानिवृत्त सरकारी पेंशनभोगी

22. मनरेगा के तहत ग्रामीण परिवार को जारी किए गए जॉब कार्ड की नवीनीकरण से पूर्व मानक वैधता अवधि क्या होती है?
(A) 1 वर्ष
(B) 3 वर्ष
(C) 5 वर्ष
(D) 10 वर्ष

23. मनरेगा के प्रावधानों के तहत, मस्टर रोल बंद होने (कार्य पूरा होने) के कितने दिनों के भीतर श्रमिक को अनिवार्य रूप से मजदूरी का भुगतान किया जाना चाहिए?
(A) 7 दिन
(B) 15 दिन
(C) 21 दिन
(D) 30 दिन

24. यदि मनरेगा के तहत किसी पात्र आवेदक को आवेदन प्राप्त होने के कितने दिनों के भीतर कार्य नहीं दिया जाता है, तो वह दैनिक बेरोजगारी भत्ते का हकदार हो जाता है?
(A) 7 दिन
(B) 15 दिन
(C) 21 दिन
(D) 30 दिन

25. ग्राम स्तर पर मानक मनरेगा रोजगार प्रक्रिया का सही कालानुक्रमिक क्रम चुनिए:
(A) कार्य की मांग → जॉब कार्ड जारी करना → पंजीकरण → कार्य का आवंटन
(B) परिवार का पंजीकरण → जॉब कार्ड जारी करना → कार्य की मांग → कार्य का आवंटन
(C) कार्य का आवंटन → परिवार का पंजीकरण → कार्य की मांग → जॉब कार्ड जारी करना
(D) कार्य की मांग → कार्य का आवंटन → परिवार का पंजीकरण → जॉब कार्ड जारी करना

NODIA

26. योजना को श्रम-प्रधान बनाए रखने के लिए, मनरेगा के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर निष्पादित कार्यों के लिए मजदूरी लागत और सामग्री लागत का वैधानिक रूप से अनिवार्य अनुपात क्या है?
(A) 50:50
(B) 60:40
(C) 40:60
(D) 75:25

27. निम्नलिखित में से किस श्रेणी के कार्य को सामान्यतः मनरेगा निधियों का उपयोग करके करने की अनुमति नहीं है?
(A) जल संचयन संरचनाओं और चेक डैमों का निर्माण
(B) निजी व्यावसायिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों का निर्माण
(C) पारंपरिक ग्रामीण जल निकायों का जीर्णोद्धार और गाद निकालना
(D) टिकाऊ बारहमासी ग्रामीण सड़क संपर्क का विकास

28. मनरेगा के संदर्भ में, ग्राम पंचायत स्तर पर निष्पादित कार्यों का वैधानिक सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) मुख्य रूप से किसके द्वारा किया जाता है?
(A) जिला परिषद सदस्य
(B) ग्राम सभा
(C) जिला कलेक्टर
(D) खंड विकास अधिकारी (BDO)

29. मनरेगा कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत में कितनी बार सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) आयोजित किया जाना चाहिए?
(A) प्रत्येक माह में एक बार
(B) प्रति छह माह में एक बार
(C) प्रत्येक दो वर्ष में एक बार
(D) प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार

30. इंदिरा रसोई योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह मुख्य रूप से राजस्थान के शहरी स्थानीय निकायों में संचालित होती है।
II. इस योजना का मूल ध्येय वाक्य "कोई भूखा न सोए" है।
III. यह भोजन के साथ-साथ गरीबों को शीतकाल में वस्त्र भी निःशुल्क प्रदान करती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

31. राजस्थान में 'मुख्यमंत्री राजश्री योजना' एक प्रमुख योजना है जिसका उद्देश्य विशेष रूप से किसके जन्म, स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देना है?
(A) ग्रामीण क्षेत्रों के बालक
(B) विशेष योग्यजन वरिष्ठ नागरिक

जाता है कि वह फसलों की सामान्य वृद्धि, बीजों के अंकुरण तथा पौधों के जीवित रहने के लिए अपर्याप्त हो जाता है। इसका प्रत्यक्ष परिणाम फसलों का सूखना और क्षति है।

45. (A) ट्यूबवेल
राजस्थान में सदियों से जल संकट से निपटने के लिए विभिन्न पारंपरिक वर्षा जल संचयन प्रणालियों का विकास किया गया था, जिनमें बावड़ी, टांका, खडीन, जोहड़ और नाडी मुख्य हैं। ये सभी पारम्परिक संरचनाएँ प्राकृतिक वर्षा जल को सहेजने के सिद्धांत पर काम करती हैं। इसके विपरीत, ट्यूबवेल एक आधुनिक और यांत्रिक विधि है जो भूजल के निष्कर्षण के लिए प्रयोग होती है।

46. (C) खडीन - जैसलमेर
'खडीन' और जैसलमेर का सुमेल पूरी तरह से सही है। खडीन कृषि प्रणाली का विकास 15वीं शताब्दी में जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा किया गया था, जो आज भी जैसलमेर के शुष्क ढलानों में वर्षा जल को रोककर खेती करने की प्रसिद्ध विधि है। इसके विपरीत, जोहड़ शेखावाटी में पाए जाते हैं, टांका मरुस्थलीय जिलों में बनता है, तथा बावड़ियाँ विस्तृत हैं।

47. (D) अकाल राहत कार्य के लिए दिशा-निर्देशों और प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना
ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में तैयार किए गए 'फेमिन कोड' का मुख्य उद्देश्य अकाल और गंभीर सूखे की स्थिति में प्रशासनिक तंत्र द्वारा चलाए जाने वाले राहत कार्यों की नियमावली और प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना था। इस कोड में अकाल की घोषणा के मानदंड, मजदूरी रोजगार, मवेशियों की रक्षा और राहत कोष आवंटन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश निर्धारित थे।

48. (C) विशाल कंक्रीट जलविद्युत बांधों का निर्माण
एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, सूक्ष्म जलग्रहण विकास और सामुदायिक आजीविका सुधार पर केंद्रित है। इसके मुख्य घटकों में मृदा एवं नमी का संरक्षण, छोटे चेक डैम बनाना, वनीकरण, चारागाह विकास और आजीविका समर्थन पूरी तरह शामिल हैं। विशाल कंक्रीट जलविद्युत बांधों का निर्माण बड़ी परियोजनाएं हैं, जो इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं।

49. (B) पीने के उद्देश्य से वर्षा जल का सुरक्षित रूप से संचयन और भंडारण करना
पश्चिमी राजस्थान में भूजल प्रायः खारा, अत्यधिक गहराई में स्थित तथा फ्लोराइड युक्त होता है जो पीने योग्य नहीं होता। इस समस्या से निपटने के लिए ग्रामीण आंगनों में 'टांका' का निर्माण किया जाता है। टांका का प्राथमिक उद्देश्य मानसून के दौरान वर्षा जल को पक्के कैचमेंट से एकत्र करके भूमिगत टैंक में सुरक्षित रूप से संग्रहित करना है ताकि पेयजल मिले।

50. (A) 1, 2, 3, 4
आधिकारिक सूखा राहत प्रबंधन एक निश्चित प्रशासनिक क्रम का पालन करता है। सबसे पहले, गिरदावरी रिपोर्ट और वर्षा के आंकड़ों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा सूखे की आधिकारिक घोषणा की जाती है। इसके बाद राज्य सरकार वित्तीय सहायता हेतु केंद्र सरकार को एक औपचारिक ज्ञापन प्रस्तुत करती है। तत्पश्चात अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम स्थलीय मूल्यांकन करती है और अंत में एनडीआरएफ से सहायता राशि जारी होती है।

51. (A) शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण संकटग्रस्त पलायन में वृद्धि
ग्रामीण राजस्थान में बार-बार पड़ने वाले सूखे का सबसे गंभीर सामाजिक-आर्थिक दुष्परिणाम ग्रामीण आबादी का शहरी क्षेत्रों की ओर तीव्र संकटग्रस्त पलायन है। जब कृषि उत्पादन शून्य हो जाता है और पीने के पानी व रोजगार के अवसर समाप्त हो जाते हैं, तो ग्रामीण मजदूर और किसान परिवार आजीविका की तलाश में शहरों की ओर पलायन करते हैं, जिससे शहरों पर दबाव बढ़ता है।

52. (C) मौसम संबंधी सूखा
'मौसम संबंधी सूखा' सूखे का वह प्राथमिक प्रकार है जो सीधे तौर पर वायुमंडलीय स्थितियों और वर्षा की कमी से संबंधित होता है। इसे तब परिभाषित किया जाता है जब किसी भौगोलिक क्षेत्र में होने वाली वास्तविक वर्षा उस क्षेत्र के दीर्घकालिक ऐतिहासिक औसत वर्षा स्तर से उल्लेखनीय रूप से कम होती है। यह अन्य सूखे की पृष्ठभूमि तैयार करता है।

53. (A) मरुस्थलीकरण को नियंत्रित करना और पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना
केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) का मूल और प्राथमिक उद्देश्य थार मरुस्थल जैसे अत्यंत शुष्क क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण के फैलाव को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना है। इसके साथ ही, इसका ध्येय प्रभावित मरुस्थलीय क्षेत्रों में भूमि की उत्पादकता बढ़ाना, प्राकृतिक वनस्पति आवरण को पुनर्जीवित करना तथा पारिस्थितिक संतुलन पुनर्स्थापित करना है ताकि दुष्परिणाम घट सकें।

54. (C) 16
मरुस्थल विकास कार्यक्रम (डीडीपी) के अंतर्गत राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क भूगोल वाले कुल 16 जिलों को आधिकारिक रूप से शामिल किया गया था। ये 16 जिले राज्य के थार मरुस्थल और उससे सटे विषम जलवायु वाले क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहाँ वार्षिक वर्षा का औसत अत्यंत कम है और मरुस्थलीकरण की समस्या अति गंभीर है। यहाँ विशेष योजनाएँ क्रियान्वित होती हैं।

55. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
राजस्थान में सूखे के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण और निर्णायक होती है। जब वर्षा की विफलता के कारण कृषि गतिविधियाँ पूरी तरह ठप हो जाती हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में खेत मजदूरी के अवसर समाप्त हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में मनरेगा ग्रामीणों को गारंटीकृत मजदूरी रोजगार देता है, जिससे पलायन रुकता है।

Downloaded from www.pdf.tube

(D) 90:10

42. केंद्र-राज्य की संयुक्त पहल 'प्रधानमंत्री उज्जवला योजना' का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) बीपीएल (BPL) परिवारों को स्वच्छ एलपीजी रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करना
(B) सभी ग्रामीण परिवारों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन प्रदान करना
(C) सभी ग्रामीण गांवों में सुरक्षित पाइप से पेयजल आपूर्ति प्रदान करना
(D) छोटे सीमांत किसानों को निःशुल्क सौर पैनल और पंप प्रदान करना

43. प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत, नया एलपीजी कनेक्शन अनिवार्य रूप से किसके नाम पर जारी किया जाता है?
(A) लाभार्थी परिवार का सबसे बड़ा पुरुष सदस्य
(B) बीपीएल परिवार की वयस्क महिला सदस्य
(C) ट्रस्ट के रूप में स्थानीय गांव का सरपंच
(D) परिवार का सबसे बड़ा बच्चा

44. 'राजस्थान सिलिकोसिस नीति' एक प्रमुख दिव्यांगता और स्वास्थ्य कल्याण योजना है जो मुख्य रूप से किन कार्यों में लगे श्रमिकों को वित्तीय सहायता और पुनर्वास प्रदान करती है?
(A) कृषि और फसल खेती के संचालन
(B) खनन, क्रशिंग और उत्खनन (क्वारिंग)
(C) वस्त्र बुनाई और औद्योगिक रंगाई
(D) सूचना प्रौद्योगिकी (IT) सेवा क्षेत्र

45. उन सही कालानुक्रमिक मील के पत्थरों को व्यवस्थित कीजिए जिनके तहत 'मुख्यमंत्री राजश्री योजना' के तहत बालिका के परिवार को वित्तीय किस्तें मिलती हैं:
I. बालिका का कक्षा 1 में प्रवेश
II. पंजीकृत संस्थान में बालिका के सुरक्षित जन्म पर
III. बालिका के कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने पर
IV. 1 वर्ष की आयु और सभी मूल टीकाकरण पूरा होने पर
(A) II, I, IV, III
(B) II, IV, I, III
(C) IV, II, I, III
(D) I, II, III, IV

46. राजस्थान में मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन (दिव्यांगजन) पेंशन योजना के तहत 8 से 55 वर्ष (महिलाओं के लिए) या 58 वर्ष (पुरुषों के लिए) की आयु के पात्र लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली मानक न्यूनतम मासिक पेंशन राशि क्या है?
(A) 500 रुपये
(B) 750 रुपये
(C) 1000 रुपये
(D) 1500 रुपये

47. कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन और ट्रैकिंग के लिए, राजस्थान जन आधार योजना को राज्य में किस पूर्व पहचान पत्र प्रणाली के स्थान पर प्रारंभ किया गया था?
(A) सार्वभौमिक (यूनिवर्सल) आधार कार्ड
(B) राज्य राशन कार्ड
(C) निर्वाचन मतदाता पहचान पत्र
(D) भामाशाह कार्ड

48. आधुनिक कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन तंत्र के संदर्भ में, संक्षिप्त नाम DBT का पूर्ण रूप क्या है?
(A) डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर
(B) डिस्ट्रिक्ट ब्लॉक ट्रांसफर
(C) डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण)
(D) डेली बेनिफिट ट्रांजेक्शन

49. 'राजस्थान संपर्क' पोर्टल मुख्य रूप से राज्य सरकार द्वारा निम्नलिखित में से किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाने वाला एक आवश्यक आईटी साधन है?
(A) यात्रियों के लिए राज्य रोडवेज एक्सप्रेस बस टिकट बुक करना
(B) योजनाओं से संबंधित सार्वजनिक शिकायतों को दर्ज करना और उनकी निगरानी करना
(C) नए ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन करना
(D) व्यावसायिक बिक्री कर और जीएसटी रिटर्न इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल करना

NODIA

50. मनरेगा के मुख्य प्रावधानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह एक वर्ष में प्रति ग्रामीण परिवार 100 दिनों के मजदूरी रोजगार की गारंटी देता है।
II. यह महिलाओं के लिए रोजगार में न्यूनतम 33% आरक्षण का प्रावधान करता है।
III. यह निर्धारित करता है कि गांव के 5 किमी के दायरे में रोजगार प्रदान किया जाना चाहिए।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) I और II
(B) II और III
(C) I और III
(D) I, II और III

51. 'कल्याणकारी राज्य' की दार्शनिक अवधारणा, जो कमजोर वर्गों के लिए योजनाओं के निर्माण का मार्गदर्शन करती है, भारतीय संविधान के किस भाग में सबसे प्रमुखता से परिलक्षित होती है?
(A) राज्य के नीति निदेशक तत्व (DPSP)
(B) संविधान के भाग III के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकार
(C) भारतीय संविधान में उल्लिखित केवल प्रस्तावना
(D) संविधान के अनुच्छेद 51A के तहत अंतर्निहित मौलिक कर्तव्य

जनजातियों को कुल 200 दिनों का रोजगार प्रदान किया जाता है। इसका उद्देश्य इन समुदायों को आजीविका सुरक्षा प्रदान करना है।

22. (C) 5 वर्ष
मनरेगा के अंतर्गत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को ग्राम पंचायत द्वारा निःशुल्क जॉब कार्ड जारी किया जाता है। इस जॉब कार्ड की मानक वैधता अवधि इसके जारी होने की तिथि से 5 वर्ष की होती है। 5 वर्ष की अवधि समाप्त होने के पश्चात नियमानुसार जॉब कार्ड का सत्यापन करके नवीनीकरण किया जाता है। इसमें श्रमिकों का पूर्ण विवरण दर्ज रहता है।

23. (B) 15 दिन
मनरेगा कानून के तहत श्रमिकों को उनके द्वारा किए गए कार्य की मजदूरी का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट प्रावधान बनाए गए हैं। इसके अनुसार मस्टर रोल बंद होने के अधिकतम 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान सीधे बैंक खाते में होना अनिवार्य है। यदि भुगतान में 15 दिनों से अधिक विलंब होता है तो मुआवजा देय होता है।

24. (B) 15 दिन
मनरेगा एक कानूनी गारंटी योजना है जिसमें कार्य मांगने वाले पंजीकृत श्रमिक को आवेदन जमा करने की तिथि से 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य होता है। यदि संबंधित ग्राम पंचायत आवेदक श्रमिक को 15 दिनों के भीतर कार्य आवंटित करने में विफल रहता है, तो वह श्रमिक कानूनन दैनिक बेरोजगारी भत्ता पाने का हकदार हो जाता है।

25. (B) परिवार का पंजीकरण → जॉब कार्ड जारी करना → कार्य की मांग → कार्य का आवंटन
मनरेगा के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार प्रदान करने की एक निश्चित प्रक्रिया का पालन किया जाता है। सबसे पहले इच्छुक ग्रामीण परिवार का पंजीकरण किया जाता है, जिसके सत्यापन के बाद परिवार को जॉब कार्ड जारी किया जाता है। इसके पश्चात श्रमिक द्वारा कार्य की मांग की जाती है और मांग के बाद कार्य का आवंटन किया जाता है।

26. (B) 60:40
मनरेगा का प्राथमिक उद्देश्य अकुशल ग्रामीण श्रमिकों को अत्यधिक शारीरिक रोजगार उपलब्ध कराना है। योजना को श्रम-प्रधान बनाए रखने के लिए कानून में यह स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि ग्राम पंचायत स्तर पर निष्पादित कार्यों की लागत में मजदूरी लागत और सामग्री लागत का अनुपात अनिवार्य रूप से 60:40 के अनुपात में होना चाहिए ताकि रोजगार अवसर बने रहें।

27. (B) निजी व्यावसायिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों का निर्माण
मनरेगा की निधियों का उपयोग केवल सार्वजनिक एवं सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण तथा ग्रामीण विकास कार्यों के लिए ही किया जा सकता है। इसमें जल संरक्षण, तालाबों का जीर्णोद्धार तथा ग्रामीण सड़कों जैसे कार्य शामिल हैं। निजी व्यावसायिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों या किसी निजी व्यापारिक निर्माण के लिए मनरेगा धन के उपयोग की पूर्णतः सख्त मनाही की गई है। यह नियम है।

28. (B) ग्राम सभा
मनरेगा अधिनियम के अंतर्गत पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक अंकेक्षण को अनिवार्य वैधानिक दर्जा दिया गया है। ग्राम पंचायत स्तर पर मनरेगा के तहत निष्पादित सभी कार्यों, मस्टर रोल तथा वित्तीय व्यय का सामाजिक अंकेक्षण करने का सर्वोच्च अधिकार ग्राम सभा को प्रदान किया गया है। ग्राम सभा निष्पक्ष जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। यह अनिवार्य है।

29. (B) प्रति छह माह में एक बार
मनरेगा के वैधानिक दिशा-निर्देशों के अनुसार ग्राम पंचायत में निष्पादित सभी कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण किया जाना अनिवार्य है। नियमों के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रति छह माह में एक बार अर्थात वर्ष में दो बार विशेष ग्राम सभा बुलाकर सामाजिक अंकेक्षण आयोजित किया जाना अनिवार्य होता है। इससे योजना में पारदर्शिता और शुद्धता निरंतर बनी रहती है। यह नियम है।

30. (A) I और II
राजस्थान सरकार द्वारा संचालित इंदिरा रसोई योजना मुख्य रूप से नगरीय निकायों तथा शहरी क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है। इस योजना का मूल ध्येय वाक्य "कोई भूखा न सोए" है, जिसके तहत जरूरतमंदों को कम मूल्य पर भोजन दिया जाता है। इस योजना का ध्यान केवल पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने पर केंद्रित है तथा इसमें वस्त्र वितरण शामिल नहीं है।

31. (D) बालिकाएं
मुख्यमंत्री राजश्री योजना राजस्थान सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जो विशेष रूप से बालिकाओं के लिए समर्पित है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना, लिंगानुपात में सुधार लाना तथा बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देना है। इसमें जन्म से 12वीं कक्षा तक आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

32. (C) 50,000 रुपये
मुख्यमंत्री राजश्री योजना के अंतर्गत पात्र बालिका के अभिभावक को उसके जन्म से लेकर कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने तक कुल 50,000 रुपये की वित्तीय प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। यह राशि छह किस्तों में सीधे बैंक खाते में स्थानांतरित की जाती है ताकि बालिका के पोषण, स्वास्थ्य और निरंतर स्कूली शिक्षा में कोई वित्तीय अड़चन उत्पन्न न हो सके।

33. (D) 6 किस्तों में
मुख्यमंत्री राजश्री योजना के तहत कुल 50,000 रुपये की सहायता राशि को कुल 6 निर्धारित किस्तों में विभाजित करके वितरित किया जाता है। प्रथम किस्त जन्म पर, द्वितीय टीकाकरण पर, तृतीय कक्षा 1 में, चतुर्थ कक्षा 6 में, पंचम कक्षा

Click Here to Buy book on Flipkart

(A) 5%
(B) 10%
(C) 15%
(D) 25%

62. मनरेगा के तहत ग्रामीण परिवारों का पंजीकरण करने, सत्यापन करने और जॉब कार्ड जारी करने के लिए कौन-सा स्थानीय प्राधिकरण कानूनी रूप से उत्तरदायी है?
(A) जिला कलेक्टर
(B) सांसद (MP)
(C) ग्राम पंचायत
(D) जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी

63. राजस्थान में अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत मासिक राशन किट वितरित की जाती थी। निम्नलिखित में से कौन-सी वस्तु सामान्यतः इस निःशुल्क किट के हिस्से के रूप में शामिल नहीं थी?
(A) रिफाइंड सोयाबीन खाद्य तेल
(B) आयोडीन युक्त नमक और चीनी
(C) पिसा हुआ धनिया पाउडर
(D) ताजी सब्जियां

64. मनरेगा की ग्रामीण रोजगार गारंटी के समान, राजस्थान सरकार द्वारा विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देने के लिए कौन-सी प्रमुख योजना प्रारंभ की गई थी?
(A) मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना
(B) राजीव गांधी राष्ट्रीय शहरी रोजगार मिशन
(C) इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना
(D) दीनदयाल अंत्योदय शहरी आजीविका मिशन

65. राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत लाभार्थियों की निर्बाध पहचान करने और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) का लाभ उठाने के लिए निम्नलिखित में से किस विशिष्ट पहचान प्रणाली को जोड़ना व्यावहारिक रूप से अनिवार्य है?
(A) स्थायी खाता संख्या (PAN) कार्ड
(B) जन आधार कार्ड
(C) वैध ड्राइविंग लाइसेंस
(D) विद्यालय/महाविद्यालय छात्र पहचान पत्र

66. मूल योजना की तुलना में लाभार्थियों को अतिरिक्त लाभ प्रदान करने के लिए 'उज्जवला 2.0' योजना प्रारंभ की गई थी। उज्जवला 2.0 में मुख्य रूप से जोड़ा गया लाभ निम्नलिखित में से कौन-सा था?
(A) गैस सिलेंडर कनेक्शन के साथ एक निःशुल्क दोपहिया वाहन प्रदान करना
(B) बैंक खाते में 5000 रुपये का प्रत्यक्ष मासिक नकद हस्तांतरण
(C) निःशुल्क हाई-वोल्टेज घरेलू बिजली मीटर कनेक्शन प्रदान करना
(D) प्रथम एलपीजी रिफिल और हॉटप्लेट (चूल्हा) निःशुल्क प्रदान करना

67. 'मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना' मुख्य रूप से क्या लाभ प्रदान करने के लिए तैयार की गई एक शैक्षणिक कल्याण योजना है?
(A) निर्धन पृष्ठभूमि के मेधावी छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग
(B) शीर्ष कॉलेज छात्रों के लिए निःशुल्क अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अध्ययन दौरे और विनिमय कार्यक्रम
(C) सभी नामांकित निजी विद्यालय के छात्रों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, विद्यालय वर्दी और शिक्षण किट
(D) केवल अंतिम वर्ष के इंजीनियरिंग छात्रों को निःशुल्क उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटर और इंटरनेट पहुंच

68. 'देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना' के तहत, यदि किसी पात्र मेधावी छात्रा के पास पहले से ही स्कूटी है या वह स्कूटी न लेने का विकल्प चुनती है, तो वह किस वैकल्पिक लाभ का चयन कर सकती है?
(A) संपूर्ण इंटरनेट पहुंच और सहायक उपकरणों के साथ एक डेस्कटॉप कंप्यूटर सिस्टम
(B) उच्च शिक्षा के लिए पूरी तरह से प्रायोजित विदेशी शैक्षणिक अध्ययन यात्रा
(C) उसके बैंक खाते में स्थानांतरित प्रोत्साहन राशि
(D) छात्रावास में रहने के लिए एक निश्चित मासिक राशन और जीवन यापन भत्ता

69. प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन I: यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में संरचनात्मक रूप से सुरक्षित, पक्के मकानों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
कथन II: यह वित्तीय सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाती है।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

70. सहायता की प्राथमिक पद्धति (प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण/पेंशन बनाम भौतिक मजदूरी रोजगार) के आधार पर निम्नलिखित कल्याणकारी योजनाओं में से भिन्न योजना की पहचान कीजिए:
(A) मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन कल्याण योजना
(B) मुख्यमंत्री राजश्री बालिका सशक्तिकरण योजना
(C) पालनहार बाल देखरेख और पुनर्वास संरक्षण योजना
(D) महात्मा गांधी मनरेगा (MNREGA)

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

52. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान की प्राथमिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत एक नामित लाभार्थी श्रेणी नहीं है?
(A) वृद्धावस्था श्रेणियों से संबंधित वरिष्ठ नागरिक
(B) बेसहारा विधवाएं और कानूनी रूप से परित्यक्ता महिलाएं
(C) शारीरिक रूप से स्वस्थ बेरोजगार युवा
(D) प्रमाणित दिव्यांगता वाले विशेष योग्यजन (दिव्यांग)

53. मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना मुख्य रूप से किस प्रकार की स्वास्थ्य देखभाल के लिए कैशलेस चिकित्सा उपचार प्रदान करती है?
(A) पैकेजों के लिए अंतरंग रोगी विभाग (IPD) प्रक्रियाएं
(B) बहिरंग रोगी विभाग (OPD) परामर्श और नियमित जांच
(C) वैकल्पिक कॉस्मेटिक सर्जरी और सौंदर्य संवर्धन प्रक्रियाएं
(D) बुनियादी दंत सफाई प्रक्रियाएं और नियमित मौखिक स्वास्थ्य देखभाल

54. 'इंदिरा रसोई योजना' के लिए राजस्थान सरकार द्वारा अपनाया गया आधिकारिक संकल्प (ध्येय वाक्य) क्या है?
(A) स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत
(B) हर घर जल, हर घर पोषण
(C) सबका साथ, सबका विकास
(D) कोई भूखा न सोए

55. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): मनरेगा ने भारत में ग्रामीण महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
कारण (R): यह अधिनियम अनिवार्य करता है कि कुल कार्य दिवसों का कम से कम एक तिहाई हिस्सा महिलाओं के लिए आरक्षित होना चाहिए और पुरुषों तथा महिलाओं के लिए समान मजदूरी की गारंटी देता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

56. मनरेगा के तहत काम करने वाले पुरुषों और महिलाओं के लिए दैनिक मजदूरी के भुगतान के संबंध में विशिष्ट कानूनी प्रावधान क्या है?
(A) भारी शारीरिक श्रम के कारण पुरुष उच्च मजदूरी के कानूनी रूप से हकदार हैं
(B) सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए महिलाएं उच्च मजदूरी की कानूनी रूप से हकदार हैं
(C) पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान मजदूरी सख्त रूप से अनिवार्य है
(D) यदि ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा निर्धारित किया जाता है तो मजदूरी में असमानता की अनुमति है

57. राजस्थान सरकार द्वारा क्रियान्वित 'पालनहार योजना' का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) छोटे और सीमांत बुजुर्ग किसानों को सीधे सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान करना
(B) लावारिस पशुओं के लिए निःशुल्क पौष्टिक चारा, जल और आश्रय की सुविधा प्रदान करना
(C) सीमांत किसानों को उच्च उपज वाले अनुदानित बीज और जैविक उर्वरक वितरित करना
(D) पारिवारिक वातावरण में अनाथ बच्चों की देखरेख, संरक्षण और शिक्षा सुनिश्चित करना

58. राजस्थान में 'पालनहार योजना' के तहत, पात्र बच्चों को किस आयु तक पहुँचने तक मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है?
(A) 6 वर्ष
(B) 14 वर्ष
(C) 18 वर्ष
(D) 21 वर्ष

59. मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के संदर्भ में, सामान्यतः उपयोग किए जाने वाले तकनीकी शब्द EDL का पूर्ण रूप क्या है?
(A) इमरजेंसी ड्रग लिस्ट
(B) एसेंशियल ड्रग लिस्ट (Essential Drug List)
(C) एक्स्ट्रा ड्रग लिमिट
(D) एसेंशियल डिसीज लिस्ट

60. कल्याणकारी योजनाओं और उनके प्राथमिक ध्यान केंद्रित क्षेत्रों के संबंध में सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:
सूची I: कल्याणकारी योजना
P. राजस्थान सिलिकोसिस नीति
Q. मुख्यमंत्री राजश्री योजना
R. मनरेगा (MNREGA)
S. इंदिरा रसोई योजना
सूची II: प्राथमिक ध्यान केंद्रित क्षेत्र
1. शहरी अनुदानित खाद्य सुरक्षा
2. ग्रामीण गारंटीकृत मजदूरी रोजगार
3. खान श्रमिकों का पुनर्वास
4. बालिका वित्तीय सशक्तिकरण
(A) P-3, Q-4, R-2, S-1
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-1, S-2
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

61. मनरेगा के तहत, यदि किसी श्रमिक को उसके निवास स्थान के 5 किमी के दायरे से बाहर रोजगार प्रदान किया जाता है, तो श्रमिक यात्रा और आवास व्यय को पूरा करने के लिए अपनी मजदूरी के अतिरिक्त प्रतिशत का हकदार है। यह अतिरिक्त प्रतिशत कितना है?

NODIA

दवाएं निःशुल्क प्रदान करती है। यह योजना केवल राजकीय चिकित्सा संस्थानों में प्रभावी रूप से लागू है।

11. (B) 2013
राजस्थान सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में आने वाले रोगियों को मुफ़्त नैदानिक परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना का शुभारंभ 7 अप्रैल 2013 को किया गया था। इस योजना के अंतर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विभिन्न प्रकार की जांचें निःशुल्क की जाती हैं। इस कदम से राज्य के रोगियों को भारी राहत प्राप्त हुई है।

12. (B) राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RMSCL)
राजस्थान में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के सुचारू क्रियान्वयन हेतु राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड का गठन एक विशेष नोडल एजेंसी के रूप में किया गया था। यह सार्वजनिक उपक्रम राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों के लिए आवश्यक दवाओं तथा चिकित्सा सामग्रियों की गुणवत्तापूर्ण खरीद एवं आपूर्ति सुनिश्चित करता है। इससे राज्य में दवाओं की उपलब्धता तथा पारदर्शिता को बढ़ावा मिला है।

13. (B) 8 रुपये
राजस्थान सरकार द्वारा 20 अगस्त 2020 को प्रारंभ की गई इंदिरा रसोई योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के शहरी क्षेत्रों में निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भरपेट भोजन उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत लाभार्थी नागरिक को मात्र 8 रुपये के रियायती मूल्य पर एक पूर्ण एवं पौष्टिक थाली प्रदान की जाती है। इस थाली में पर्याप्त दाल, सब्जी और चपाती शामिल होती है।

14. (D) 17 रुपये
इंदिरा रसोई योजना के अंतर्गत लाभार्थी से मात्र 8 रुपये लिए जाते हैं, जबकि प्रति थाली कुल लागत अधिक होती है। भोजन की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने और रसोई संचालकों को वित्तीय संबल देने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रति थाली 17 रुपये का अनुदान दिया जाता है। इस प्रकार थाली की कुल लागत 25 रुपये में से 17 रुपये सरकार वहन करती है।

15. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान में अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना की शुरुआत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत आच्छादित गरीब एवं वंचित परिवारों को राहत देने के लिए की गई थी। इस योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को हर महीने निःशुल्क खाद्य सामग्री की किट प्रदान की जाती थी। इसका उद्देश्य महंगाई के दौर में निर्धन परिवारों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को कम करना था।

16. (C) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act)
मनरेगा भारत सरकार द्वारा लागू किया गया एक ऐतिहासिक सामाजिक सुरक्षा और अधिकार-आधारित श्रम कानून है। इसका पूरा नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम है। प्रारंभ में इसे नरेगा के रूप में पारित किया गया था, परंतु 2009 में इसका नाम परिवर्तित कर दिया गया। यह कानून ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा को बढ़ाने हेतु बनाया गया कानून है।

17. (B) 2005
राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को भारतीय संसद द्वारा अगस्त 2005 में पारित किया गया था तथा इसे 2 फरवरी 2006 से देश के चयनित जिलों में लागू किया गया था। बाद में अक्टूबर 2009 में इस अधिनियम का नाम परिवर्तित कर दिया गया। यह अधिनियम प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कानूनन मजदूरी रोजगार मांगने और प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करता है।

18. (D) ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के समग्र नीतिगत निर्माण, कोष आवंटन तथा कार्यान्वयन की निगरानी के लिए केंद्रीय स्तर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय उत्तरदायी नोडल मंत्रालय है। यह मंत्रालय राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर योजना की प्रगति का मूल्यांकन करता है तथा पारदर्शिता लागू कर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करवाता है। यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

19. (B) 100 दिन
मनरेगा कानून के मूल वैधानिक प्रावधानों के अनुसार, देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों के गारंटीकृत मजदूरी रोजगार का कानूनी अधिकार दिया गया है। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा प्रदान करने तथा पलायन रोकने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई है।

20. (A) P-1, Q-4, R-3, S-2
राजस्थान में जन कल्याण हेतु विभिन्न सामाजिक योजनाओं का संचालन अलग-अलग वर्षों में प्रारंभ किया गया था। मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना 2011 में लागू हुई थी। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना 2021 में शुरु की गई थी। इंदिरा रसोई योजना का शुभारंभ 2020 में हुआ था जबकि मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना वर्ष 2013 में प्रारंभ की गई थी। यह अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्य है।

21. (A) सहरिया, खैरुआ और काथोड़ी जनजातियां
राजस्थान सरकार ने मनरेगा के तहत केंद्र सरकार द्वारा देय 100 दिनों के अतिरिक्त अपने बजट से विशेष जनजातीय समूहों को 100 अतिरिक्त दिनों का रोजगार देने का प्रावधान किया है। इसके अंतर्गत राज्य की सहरिया, खैरुआ तथा काथोड़ी

Click Here to Buy book on Amazon

69. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित पक्के मकानों के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सहायता राशि जिओ-टैगिंग सत्यापन के उपरांत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है। दोनों कथन सही हैं।

70. (D) महात्मा गांधी मनरेगा (MNREGA)
सहायता की प्राथमिक पद्धति के आधार पर महात्मा गांधी मनरेगा योजना अन्य योजनाओं से भिन्न है। वृद्धजन पेंशन योजना, राजश्री योजना तथा पालनहार योजना सीधे प्रत्यक्ष नकद वित्तीय हस्तांतरण एवं पेंशन पर आधारित सामाजिक योजनाएं हैं। इसके विपरीत मनरेगा एक अकुशल शारीरिक श्रम आधारित गारंटीकृत मजदूरी रोजगार योजना है। अतः यह अन्य विकल्पों से भिन्न प्रकृति की योजना सिद्ध होती है।

www.nodia.in

NODIA

10 में तथा अंतिम छठी किस्त कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने पर प्रदान की जाती है। यह क्रमबद्ध प्रक्रिया होती है।

34. (B) 1 जून 2016
राजस्थान में मुख्यमंत्री राजश्री योजना को 1 जून 2016 से प्रभावी रूप से लागू किया गया था। इस योजना के लाभ उन सभी बालिकाओं को मिलते हैं जिनका जन्म 1 जून 2016 को या इसके पश्चात राज्य के पंजीकृत चिकित्सा संस्थान में हुआ है। इस तिथि से पूर्व जन्मी बालिकाएं इसके अंतर्गत पात्र नहीं मानी जाती हैं। यह नियम स्पष्ट है।

35. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान में जन आधार योजना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के लिए प्रमुख आधारभूत मंच है। जन आधार कार्ड परिवार की एकल पहचान प्रणाली के रूप में कार्य करता है जिसमें परिवार की वरिष्ठ महिला को मुखिया बनाया जाता है। सरकार द्वारा प्रदत्त समस्त नकद लाभ सीधे महिला मुखिया के बैंक खाते में स्थानांतरित किए जाते हैं। इससे पारदर्शिता को बल मिलता है।

36. (C) कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा
राजस्थान में माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा गार्गी पुरस्कार योजना संचालित की जाती है जिसका उद्देश्य बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के तहत कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं को गार्गी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इसमें प्रमाण पत्र तथा नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

37. (A) मेधा के आधार पर सभी पात्र सामाजिक श्रेणियां
काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना राजस्थान की एक एकीकृत स्कूटी वितरण योजना है। इस योजना के तहत मेधा के आधार पर राज्य की समस्त पात्र सामाजिक श्रेणियों की मेधावी छात्राओं को निःशुल्क स्कूटी प्रदान की जाती है। इसमें अनुसूचित जाति, जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग तथा अन्य आरक्षित एवं सामान्य वर्ग की पात्र छात्राएं सम्मिलित की जाती हैं। यह महत्वपूर्ण योजना है।

38. (D) अति पिछड़ा वर्ग (MBC)
देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना राजस्थान सरकार द्वारा विशेष रूप से राज्य के अति पिछड़ा वर्ग की मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु संचालित की जाती है। इस योजना के तहत अति पिछड़ा वर्ग की जिन छात्राओं ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहन स्वरूप स्कूटी दी जाती है। यह कल्याणकारी पहल है।

39. (C) 25 वर्ग मीटर
प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण केंद्र सरकार की एक प्रमुख योजना है जिसका उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सभी बेघर एवं कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत निर्मित किए जाने वाले मकान का न्यूनतम निर्मित आकार 25 वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है, जिसमें रसोई घर भी शामिल रहता है।

40. (A) P-4, Q-3, R-2, S-1
विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अपने निर्धारित प्राथमिक लक्षित समूह होते हैं। एकल नारी सम्मान पेंशन योजना का संबंध विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं से है। मुख्यमंत्री राजश्री योजना का ध्यान बालिका स्वास्थ्य तथा शिक्षा पर है। गार्गी पुरस्कार मेधावी छात्राओं के लिए है तथा प्रधानमंत्री आवास योजना बेघर ग्रामीण परिवारों को पक्का मकान प्रदान करती है। यह सही सुमेलित रूप है।

41. (B) 60:40
राजस्थान सहित देश के मैदानी राज्यों में प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता की लागत का वहन केंद्र और राज्य सरकार मिलकर करते हैं। इस योजना में केंद्र और राज्य के मध्य लागत-साझाकरण अनुपात 60:40 निर्धारित है। इसमें 60% भाग केंद्र तथा 40% भाग राज्य सरकार द्वारा दिया जाता है। यह मानक नियम है।

42. (A) बीपीएल (BPL) परिवारों को स्वच्छ एलपीजी रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करना
प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना केंद्र सरकार की एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामाजिक कल्याण योजना है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य देश के गरीब तथा निर्धन बीपीएल परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ एलपीजी रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराना है। इस योजना ने लकड़ी और उपलों के धुएं से महिलाओं को मुक्ति दिलाई है तथा स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह सफल योजना है।

43. (B) बीपीएल परिवार की वयस्क महिला सदस्य
महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत यह नियम बनाया गया है कि नया एलपीजी कनेक्शन केवल पात्र निर्धन परिवार की वयस्क महिला सदस्य के नाम पर ही जारी किया जाएगा। किसी भी पुरुष सदस्य के नाम पर यह कनेक्शन नहीं दिया जाता। इससे महिलाओं की सामाजिक पहचान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है।

44. (B) खनन, क्रशिंग और उत्खनन (क्वारिंग)
राजस्थान सिलिकोसिस नीति राज्य सरकार द्वारा खनन, पत्थर तोड़ने और उत्खनन जैसे जोखिमपूर्ण कार्यों में लगे श्रमिकों के संरक्षण हेतु बनाई गई है। इन उद्योगों में काम करने वाले श्रमिक धूल के कणों से फेफड़ों की बीमारी सिलिकोसिस से ग्रस्त हो जाते हैं। यह नीति पीड़ित श्रमिकों को वित्तीय सहायता, पेंशन तथा पुनर्वास की सुविधा प्रदान करती है। यह कल्याणकारी नीति है।

45. (B) II, IV, I, III
मुख्यमंत्री राजश्री योजना के अंतर्गत वित्तीय किस्तों का सही कालानुक्रमिक क्रम बालिका के जीवन चरणों पर आधारित है। सर्वप्रथम संस्थागत जन्म पर प्रथम किस्त प्रदान की जाती है। इसके बाद 1 वर्ष की आयु एवं टीकाकरण पर दूसरी किस्त

Downloaded from www.pdf.tube

मिलती है। तत्पश्चात कक्षा 1 में प्रवेश पर तीसरी किस्त तथा अंत में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने पर सहायता राशि मिलती है।

46. (C) 1000 रुपये
राजस्थान में मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन पेंशन योजना के तहत 40% या उससे अधिक दिव्यांगता वाले पात्र व्यक्तियों को वित्तीय संबल दिया जाता है। इस योजना में 8 से 55 वर्ष की महिलाओं तथा 58 वर्ष तक के पुरुषों के लिए मानक न्यूनतम मासिक पेंशन राशि 1000 रुपये निर्धारित है। इससे दिव्यांगजनों को स्वावलंबी जीवन जीने में सहायता प्राप्त होती है।

47. (D) भामाशाह कार्ड
राजस्थान में ई-गवर्नेंस तथा कल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए जन आधार योजना को लागू किया गया था। यह योजना राज्य में पूर्व में संचालित भामाशाह कार्ड योजना के स्थान पर प्रारंभ की गई थी। जन आधार कार्ड ने भामाशाह कार्ड का स्थान लेकर राज्य के सभी परिवारों के लिए एक एकीकृत पहचान पत्र का कार्य निष्पादित किया है।

48. (C) डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण)
आधुनिक कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में संक्षिप्त नाम डीबीटी का पूर्ण रूप डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर यानी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण है। इस व्यवस्था के माध्यम से सरकार योजनाओं की सब्सिडी और पेंशन राशि को सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित करती है। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो जाती है तथा पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। यह अत्यंत प्रभावी व्यवस्था है।

49. (B) योजनाओं से संबंधित सार्वजनिक शिकायतों को दर्ज करना और उनकी निगरानी करना
राजस्थान संपर्क पोर्टल राजस्थान सरकार द्वारा विकसित किया गया एक एकीकृत ऑनलाइन शिकायत निवारण मंच है। इस आईटी साधन का मुख्य उद्देश्य राज्य के नागरिकों को सरकारी विभागों एवं कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जन-शिकायतों को दर्ज करने तथा उनकी प्रगति की निगरानी करने की सुविधा प्रदान करना है। इससे जवाबदेही एवं सुशासन को अत्यधिक बढ़ावा मिला है। यह पोर्टल उपयोगी है।

50. (D) I, II और III
मनरेगा अधिनियम ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधान करता है। यह योजना प्रतिवर्ष प्रति परिवार 100 दिनों के गारंटीकृत रोजगार की कानूनी गारंटी देती है। इसके अतिरिक्त अधिनियम में महिलाओं के लिए न्यूनतम 33% स्थान आरक्षित करने का नियम है तथा कार्यस्थल निवास के 5 किमी के दायरे में होना अनिवार्य किया गया है। तीनों कथन सत्य साबित होते हैं।

51. (A) राज्य के नीति निदेशक तत्व (DPSP)
भारतीय संविधान का भाग IV, जिसमें अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निदेशक तत्व शामिल हैं, कल्याणकारी राज्य की दार्शनिक अवधारणा को सबसे प्रमुखता से व्यक्त करता है। नीति निदेशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य देश में सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। ये तत्व सरकार को जन-कल्याणकारी नीतियां बनाने हेतु प्रेरित करते हैं। यह आधारभूत ढांचा है।

52. (C) शारीरिक रूप से स्वस्थ बेरोजगार युवा
राजस्थान की प्राथमिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं केवल उन्हीं असहाय एवं वंचित समूहों के लिए लक्षित हैं जिन्हें आर्थिक सहारे की आवश्यकता होती है। इनमें वृद्धजन, असहाय विधवाएं तथा विशेष योग्यजन शामिल हैं। शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सक्षम बेरोजगार युवा इस सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की श्रेणी में पात्र नहीं माने जाते हैं। यह नियम पूर्णतः स्पष्ट एवं निश्चित है।

53. (A) पैकेजों के लिए अंतरंग रोगी विभाग (IPD) प्रक्रियाएं
राजस्थान में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना मुख्य रूप से अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराने वाली अंतरंग रोगी विभाग प्रक्रियाओं के लिए कैशलेस स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में गंभीर बीमारियों तथा शल्य चिकित्सा हेतु निर्धारित पैकेजों के अंतर्गत कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा है।

54. (D) कोई भूखा न सोए
राजस्थान सरकार की इंदिरा रसोई योजना का आधिकारिक संकल्प अथवा मुख्य ध्येय वाक्य "कोई भूखा न सोए" है। इस संकल्प को चरितार्थ करने के लिए राज्य के समस्त नगरीय निकायों में इंदिरा रसोइयों का संचालन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत निर्धन एवं जरूरतमंद लोगों को रियायती दर पर शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यह सराहनीय कार्य है।

55. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
मनरेगा योजना ने भारतीय ग्रामीण समाज में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्वावलंबन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसका मुख्य कारण यह है कि मनरेगा कानून के तहत कुल कार्य दिवसों का कम से कम एक-तिहाई हिस्सा महिलाओं के लिए आरक्षित है। इसके साथ ही पुरुषों तथा महिलाओं को समान कार्य हेतु समान मजदूरी प्रदान की जाती है। यह सत्य है।

56. (C) पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान मजदूरी सख्त रूप से अनिवार्य है
मनरेगा अधिनियम के अंतर्गत लैंगिक समानता को बढ़ावा देने तथा किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने के लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान बनाए गए हैं। कानून के अनुसार मनरेगा के तहत समान कार्य निष्पादित करने वाले पुरुषों और महिलाओं दोनों को पूर्णतः समान दैनिक मजदूरी का भुगतान करना अनिवार्य है। इसमें किसी विषमता की अनुमति नहीं दी जाती है।

NODIA

57. (D) पारिवारिक वातावरण में अनाथ बच्चों की देखरेख, संरक्षण और शिक्षा सुनिश्चित करना
राजस्थान सरकार की पालनहार योजना एक अत्यंत संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा पहल है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य अनाथ तथा बेसहारा बच्चों को संस्थागत अनाथालयों में भेजने के बजाय किसी रिश्तेदार या पालनहार के माध्यम से पारिवारिक माहौल में ही देखरेख, संरक्षण और शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके लिए सरकार द्वारा पालनहार को मासिक सहायता प्रदान की जाती है। यह अनुकरणीय योजना है।

58. (C) 18 वर्ष
राजस्थान में पालनहार योजना के अंतर्गत अनाथ एवं असहाय श्रेणियों के बच्चों के पालन-पोषण तथा शिक्षा हेतु वित्तीय मदद दी जाती है। योजना के नियमानुसार पात्र बच्चों को 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक निरंतर मासिक सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ ही वस्त्र एवं जूते हेतु वार्षिक अतिरिक्त सहायता भी दी जाती है। यह महत्वपूर्ण योजना है।

59. (B) एसेंशियल ड्रग लिस्ट (Essential Drug List)
मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के कार्यान्वयन में प्रयुक्त तकनीकी शब्द ईडीएल का पूर्ण रूप एसेंशियल ड्रग लिस्ट यानी आवश्यक दवा सूची है। यह उन अति आवश्यक दवाओं की अधिकृत सूची होती है जिन्हें सरकारी अस्पतालों में रोगियों को निःशुल्क वितरित किया जाता है। इसी सूची के आधार पर दवाओं की नियमित खरीद और आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। यह व्यवस्था है।

60. (A) P-3, Q-4, R-2, S-1
विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अपने विशिष्ट प्राथमिक ध्यान केंद्रित क्षेत्र हैं। राजस्थान सिलिकोसिस नीति का संबंध खान श्रमिकों के पुनर्वास से है। मुख्यमंत्री राजश्री योजना बालिका सशक्तिकरण पर केंद्रित है। मनरेगा ग्रामीण गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करती है तथा इंदिरा रसोई योजना शहरी अनुदानित खाद्य सुरक्षा प्रदान करती है। यह सही एवं सटीक सुमेलित प्रारूप प्रदर्शित करता है। यह स्पष्ट है।

61. (B) 10%
मनरेगा कानून के तहत यह नियम है कि श्रमिक को उसके निवास के 5 किमी के दायरे में ही काम दिया जाए। किंतु यदि किसी श्रमिक को 5 किमी के दायरे से बाहर काम आवंटित किया जाता है, तो वह श्रमिक यात्रा व्यय हेतु अपनी सामान्य मजदूरी के अतिरिक्त 10% अधिक राशि पाने का कानूनी रूप से हकदार बन जाता है।

62. (C) ग्राम पंचायत
मनरेगा के निष्पादित करने हेतु ग्राम स्तर पर प्राथमिक संस्था ग्राम पंचायत होती है। कानून के अनुसार ग्राम पंचायत ही अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त ग्रामीण परिवारों के पंजीकरण के आवेदन स्वीकार करने, सत्यापन करने तथा पात्र परिवारों को जॉब कार्ड जारी करने के लिए कानूनी रूप से उत्तरदायी संस्था मानी जाती है। यह इसका प्रमुख कार्य है।

63. (D) ताजी सब्जियां
राजस्थान में खाद्य सुरक्षा प्रदान करने हेतु अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना संचालित की गई थी। इस योजना के तहत वितरित किए जाने वाले राशन किट में सोयाबीन तेल, नमक, चीनी, दाल तथा मसाले जैसी सूखी सामग्री शामिल होती थी। जल्दी खराब होने वाली ताजी सब्जियां इस किट के हिस्से में शामिल नहीं रखी गई थीं। यह तथ्य बिल्कुल स्पष्ट है।

64. (C) इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना
राजस्थान सरकार ने ग्रामीण मनरेगा योजना की तर्ज पर शहरी क्षेत्रों के बेरोजगार परिवारों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना प्रारंभ की थी। इस योजना के अंतर्गत शहरी निकायों में रहने वाले पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष 125 दिनों का गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करने का ऐतिहासिक प्रावधान किया गया था। यह महत्वपूर्ण योजना सिद्ध हुई।

65. (B) जन आधार कार्ड
राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं सहित समस्त सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करने के लिए जन आधार कार्ड से जुड़ाव अनिवार्य माना गया है। जन आधार प्रणाली राज्य में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के प्राथमिक साधन के रूप में कार्य करती है, जिससे लाभार्थियों को पेंशन राशि बिना किसी बाधा के सीधे बैंक खाते में प्राप्त होती है।

66. (D) प्रथम एलपीजी रिफिल और हॉटप्लेट (चूल्हा) निःशुल्क प्रदान करना
प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के द्वितीय चरण यानी उज्ज्वला 2.0 का शुभारंभ निर्धन तथा प्रवासी परिवारों को विशेष सहूलियत देने हेतु किया गया था। मूल योजना में दिए जाने वाले कनेक्शन के अलावा, उज्ज्वला 2.0 के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रथम एलपीजी रिफिल तथा एक गैस चूल्हा पूरी तरह मुफ़्त प्रदान करने का नया अतिरिक्त लाभ शामिल किया गया था। यह उपयोगी रहा।

67. (A) निर्धन पृष्ठभूमि के मेधावी छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग
राजस्थान सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना एक प्रमुख शैक्षणिक कल्याण पहल है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के प्रतिभाशाली किंतु आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे प्रशासनिक सेवा, मेडिकल, इंजीनियरिंग) की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान करना है ताकि वे आगे बढ़ सकें। यह अत्यंत प्रभावी कदम माना जाता है।

68. (C) उसके बैंक खाते में स्थानांतरित प्रोत्साहन राशि
देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार अति पिछड़ा वर्ग की पात्र मेधावी छात्राओं को स्कूटी प्रदान की जाती है। यदि किसी पात्र छात्रा के पास पहले से स्कूटी उपलब्ध है अथवा वह स्कूटी न लेने का विकल्प चुनती है, तो उसे वैकल्पिक लाभ के रूप में सीधे बैंक खाते में वित्तीय प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। यह प्रावधान है।

Click Here to Buy book on Flipkart

उत्तर (व्याख्या सहित)

NODIA

1. (B) अपने सभी नागरिकों का आर्थिक और सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करना
कल्याणकारी राज्य एक ऐसी शासकीय अवधारणा है जिसमें राज्य अपने सभी नागरिकों के सामाजिक तथा आर्थिक कल्याण की रक्षा और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अवधारणा समान अवसर, धन के न्यायसंगत वितरण तथा असमर्थ या वंचित व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक दायित्व के सिद्धांतों पर आधारित होती है। इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं नागरिकों को प्रदान की जाती हैं ताकि जीवन स्तर में सुधार हो सके।

2. (D) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के प्रभावी संचालन, कार्यान्वयन और निगरानी का दायित्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के पास है। यह विभाग राज्य के वृद्धजनों, बेसहारा महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा अन्य वंचित वर्गों के लिए विभिन्न पेंशन योजनाओं को संचालित करता है। लाभार्थियों का सत्यापन, वित्तीय स्वीकृतियां जारी करना और जन आधार के माध्यम से पेंशन का प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण सुनिश्चित करना इसी विभाग का मुख्य प्रशासनिक कार्य माना जाता है।

3. (B) 55 वर्ष
राजस्थान मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत राज्य के मूल निवासी वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस सामाजिक सुरक्षा योजना में सामान्य श्रेणी की महिला आवेदकों के लिए न्यूनतम पात्रता आयु 55 वर्ष निर्धारित की गई है। इसके साथ ही पुरुष आवेदकों के लिए न्यूनतम आयु 58 वर्ष रखी गई है। निश्चित आय सीमा के भीतर आने वाली पात्र महिलाओं को नियमित रूप से मासिक पेंशन राशि दी जाती है।

4. (B) 58 वर्ष
मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना राजस्थान सरकार द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण सामाजिक सहायता पहल है। इस योजना के अंतर्गत सामान्य श्रेणी के पुरुष नागरिकों की पात्रता हेतु न्यूनतम आयु 58 वर्ष होना अनिवार्य है। जबकि महिला श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता आयु 55 वर्ष रखी गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के वृद्धजनों को नियमित आर्थिक सहारा प्रदान करना है ताकि वे आत्मनिर्भर रहें।

5. (A) 18 वर्ष
राजस्थान में मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना का क्रियान्वयन निराश्रित महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए किया जाता है। इस योजना के दायरे में विधवा, परित्यक्ता तथा कानूनी रूप से तलाकशुदा महिलाएं शामिल हैं। इस पेंशन योजना में आवेदन करने हेतु न्यूनतम आवश्यक आयु 18 वर्ष निर्धारित है। योजना के माध्यम से राज्य की महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जाती है।

6. (C) 40%
राजस्थान में मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन पेंशन योजना के अंतर्गत शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना की पात्रता शर्तों के अनुसार आवेदक में कम से कम 40% या उससे अधिक प्रमाणित दिव्यांगता होना आवश्यक है। प्राधिकृत चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर ही पेंशन स्वीकृत की जाती है। यह योजना अत्यंत लाभदायक सिद्ध होती है।

7. (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत राज्य सरकार ने पात्र सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों के लिए न्यूनतम 1000 रुपये मासिक पेंशन की गारंटी प्रदान की है। इसके साथ ही, राजस्थान सामाजिक सुरक्षा पेंशन अधिकार कानून के अंतर्गत इस न्यूनतम मूल पेंशन राशि में प्रतिवर्ष 15% की स्वतः वार्षिक वृद्धि का वैधानिक प्रावधान भी किया गया है। यह प्रावधान अत्यधिक कल्याणकारी एवं महत्वपूर्ण माना जाता है।

8. (B) 1 मई 2021
राजस्थान में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का औपचारिक शुभारंभ 1 मई 2021 को किया गया था। इस योजना के माध्यम से राज्य के समस्त परिवारों को सूचीबद्ध निजी एवं सरकारी अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इस योजना ने राज्य के नागरिकों को भारी वित्तीय जोखिम से सुरक्षा प्रदान करने में मदद की।

9. (D) 25 लाख रुपये
राजस्थान सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत प्रारंभ में 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाता था। जिसे बाद के बजट वर्षों में बढ़ाकर 10 लाख रुपये तथा अंततः 25 लाख रुपये प्रति परिवार प्रति वर्ष कर दिया गया था। इस विस्तृत बीमा कवर के तहत विभिन्न जटिल इलाज को कैशलेस आधार पर शामिल किया गया था।

10. (A) I और II
राजस्थान में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना 2 अक्टूबर 2011 को प्रारंभ की गई थी जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों के जेब से होने वाले चिकित्सीय खर्चों को कम करना था। यह योजना राज्य की समस्त सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में आने वाले अंतरंग और बहिरंग दोनों प्रकार के रोगियों को आवश्यक

अध्याय 33
विकास एवं वित्तीय संस्थाएँ

1. किसी अर्थव्यवस्था में विकास वित्तीय संस्थानों की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित में से क्या प्रदान करना है?
(A) रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं और सूक्ष्म व्यापारियों के लिए अल्पकालिक कार्यशील पूंजी ऋण
(B) औद्योगिक और कृषि परियोजनाओं के लिए मध्यम और दीर्घकालिक वित्त
(C) अल्पकालिक व्यक्तिगत उपभोग ऋण और तत्काल खुदरा साख सुविधा
(D) खुदरा जमाकर्ताओं के लिए उच्च ब्याज वाले बचत खाते और जमा योजनाएं

2. राजस्थान वित्त निगम (RFC) की स्थापना राज्य वित्त निगम अधिनियम के अधीन किस वर्ष की गई थी?
(A) 1949
(B) 1955
(C) 1969
(D) 1980

3. राजस्थान में औद्योगिक अवसंरचना और औद्योगिक क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए किस संस्थान को शीर्ष निकाय माना जाता है?
(A) राजस्थान लघु उद्योग निगम (RSIC)
(B) जिला उद्योग केंद्र (DIC)
(C) राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (RIICO)
(D) राजस्थान वित्त निगम (RFC)

4. राजस्थान वित्त निगम (RFC) द्वारा किसी औद्योगिक इकाई को स्वीकृत की जा सकने वाली अधिकतम ऋण राशि कितनी है?
(A) 2 करोड़ रुपये तक
(B) 5 करोड़ रुपये तक
(C) 20 करोड़ रुपये तक
(D) 100 करोड़ रुपये तक

5. दिए गए कथन और कारण पर विचार कीजिए:
कथन (A): रीको (RIICO) राजस्थान में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
कारण (R): रीको इन औद्योगिक क्षेत्रों में वित्तीय सहायता प्रदान करता है तथा सड़क, बिजली और जलापूर्ति जैसी आवश्यक अवसंरचना का विकास करता है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

6. वर्ष 2020 के संशोधित एमएसएमई (MSME) वर्गीकरण के अंतर्गत, किसी विनिर्माण या सेवा उद्यम को "सूक्ष्म उद्यम" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि संयंत्र और मशीनरी में इसका निवेश निम्नलिखित से अधिक न हो:
(A) 50 लाख रुपये और टर्नओवर 2 करोड़ रुपये से अधिक न हो
(B) 1 करोड़ रुपये और टर्नओवर 5 करोड़ रुपये से अधिक न हो
(C) 5 करोड़ रुपये और टर्नओवर 25 करोड़ रुपये से अधिक न हो
(D) 10 करोड़ रुपये और टर्नओवर 50 करोड़ रुपये से अधिक न हो

7. राजस्थान में अल्पकालिक सहकारी बैंकिंग संरचना कितने स्तरों पर कार्य करती है?
(A) दो-स्तरीय
(B) त्रि-स्तरीय
(C) चार-स्तरीय
(D) पांच-स्तरीय

8. राजस्थान में भूमि विकास बैंकों का प्राथमिक कार्य क्या उपलब्ध कराना है?
(A) कृषि विकास के लिए दीर्घकालिक साख
(B) मौसमी कृषि आवश्यकताओं के लिए किसानों को अल्पकालिक फसल ऋण
(C) छोटे ग्रामीण दुकानदारों को ब्याज मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण
(D) विवाह व्यय के लिए ग्रामीण परिवारों को अल्पकालिक स्वर्ण ऋण

9. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋणों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। 'तरुण' श्रेणी के अंतर्गत अधिकतम ऋण सीमा कितनी है?
(A) 50,000 रुपये तक
(B) 5 लाख रुपये तक
(C) 10 लाख रुपये तक
(D) 20 लाख रुपये तक

NODIA

10. राजस्थान में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक राज्य में संचालित एक आरआरबी है।
II. बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक राज्य में संचालित एक आरआरबी है।
III. आरआरबी पूरी तरह से राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित और स्वामित्वाधीन हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

11. राजस्थान लघु उद्योग निगम (RSIC) राज्य के हस्तशिल्पियों के उत्पादों का विपणन किस ब्रांड नाम से करता है?
(A) शिल्पग्राम
(B) मरुधरा
(C) राज-क्राफ्ट
(D) राजस्थली

12. स्टार्टअप राजस्थान नीति के अंतर्गत स्टार्टअप के लिए 'एकल खिड़की' (सिंगल विंडो) के रूप में कार्य करने हेतु राजस्थान सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया डिजिटल प्लेटफॉर्म किस नाम से जाना जाता है?
(A) e-बाजार राजस्थान
(B) iStart राजस्थान
(C) राज-उद्योग
(D) स्टार्टअप-मित्र

13. लघु और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए जिला उद्योग केंद्र (DIC) मुख्य रूप से किस प्रशासनिक स्तर पर कार्य करते हैं?
(A) ग्राम पंचायत स्तर
(B) ब्लॉक स्तर
(C) जिला स्तर
(D) राज्य स्तर

14. राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) मुख्य रूप से समाज के किस वर्ग के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करती है?
(A) बड़े उद्योगपति समूह और निजी कॉर्पोरेट घराने
(B) उच्च तकनीकी शिक्षा अनुदान की मांग करने वाले शहरी कॉलेज छात्र
(C) सेवानिवृत्त पूर्व सैनिक और रक्षाकर्मियों के परिवार
(D) स्वयं सहायता समूहों में ग्रामीण महिलाएं

15. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (संस्थान)
P. राजस्थान वित्त निगम (RFC)
Q. राजस्थान लघु उद्योग निगम (RSIC)
R. रीको (एक स्वतंत्र इकाई के रूप में)
S. नाबार्ड (NABARD)
सूची II: (स्थापना का वर्ष)
1. 1980
2. 1982
3. 1955
4. 1961
(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-3, Q-1, R-4, S-2
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

16. राज्य में क्रियान्वित प्रधानमंत्री जन धन योजना का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) स्कूली छात्रों को मुफ्त लैपटॉप और डिजिटल टैबलेट प्रदान करना
(B) बैंकिंग सुविधा से वंचित परिवारों का वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करना
(C) सीमांत किसानों को कृषि भूमि और मुफ्त उपकरण वितरित करना
(D) स्मार्ट शहरों और आधुनिक शहरी अवसंरचना सुविधाओं का निर्माण करना

17. राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS) मुख्य रूप से क्या प्रदान करने के लिए तैयार की गई है?
(A) सभी ग्रामीण कृषि बाजारों को मुफ्त कच्चा माल और सब्सिडी
(B) नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कर छूट और सब्सिडी
(C) सभी जिलों के शिक्षित ग्रामीण युवाओं को गारंटीकृत सरकारी रोजगार
(D) सभी पंजीकृत किसानों को रियायती उच्च उपज वाले बीज और उर्वरक

18. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र के संवर्धन, वित्तपोषण और विकास के लिए कौन-सा राष्ट्रीय स्तर का वित्तीय संस्थान प्रमुख विकास वित्तीय संस्थान के रूप में कार्य करता है?
(A) सिडबी (SIDBI)
(B) भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)
(C) नाबार्ड (NABARD)
(D) एग्जिम बैंक (EXIM Bank)

19. बैंकिंग क्षेत्र के संदर्भ में, किसी ऋण को सामान्यतः गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (NPA) के रूप में तब वर्गीकृत किया जाता है जब मूलधन या ब्याज का भुगतान निम्नलिखित अवधि तक बकाया रहता है:
(A) 15 दिन
(B) 30 दिन
(C) 90 दिन

Downloaded from www.pdf.tube

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

(D) 365 दिन

20. विकास वित्तीय संस्थानों द्वारा सामान्यतः अपनाई जाने वाली ऋण संवितरण प्रक्रिया का सही क्रम चुनिए:
(A) आवेदन जमा करना, दस्तावेज सत्यापन, ऋण स्वीकृति, ऋण संवितरण
(B) ऋण स्वीकृति, आवेदन जमा करना, दस्तावेज सत्यापन, ऋण संवितरण
(C) दस्तावेज सत्यापन, आवेदन जमा करना, ऋण संवितरण, ऋण स्वीकृति
(D) आवेदन जमा करना, ऋण स्वीकृति, दस्तावेज सत्यापन, ऋण संवितरण

21. नाबार्ड (NABARD) भारत में निम्नलिखित में से किस क्षेत्र के लिए शीर्ष विकास बैंक के रूप में कार्य करता है?
(A) भारी उद्योग और विनिर्माण
(B) शहरी रियल एस्टेट और आवास
(C) कृषि और ग्रामीण विकास
(D) विदेशी व्यापार और निर्यात

22. राजस्थान की अल्पकालिक सहकारी साख संरचना में शीर्ष (राज्य) स्तर पर कौन-सा बैंक कार्य करता है?
(A) प्राथमिक कृषि साख समिति (PACS)
(B) राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (RSCB)
(C) जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (DCCB)
(D) भूमि विकास बैंक (LDB)

23. निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए राजस्थान में महिंद्रा वर्ल्ड सिटी जैसे विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZ) की स्थापना में कौन-सा संगठन प्रमुख भूमिका निभाता है?
(A) RFC
(B) RSIC
(C) NABARD
(D) RIICO

24. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत 'शिशु' श्रेणी के लिए निर्धारित अधिकतम ऋण सीमा कितनी है?
(A) 50,000 रुपये तक
(B) 1,00,000 रुपये तक
(C) 5,00,000 रुपये तक
(D) 10,00,000 रुपये तक

25. दिए गए कथन और कारण पर विचार कीजिए:
कथन (A): भूमि विकास बैंक अधिकांशतः किसानों को बीजों और उर्वरकों के लिए अल्पकालिक फसल ऋण प्रदान करते हैं।
कारण (R): भूमि विकास बैंकों को कृषि ऋण प्रदान करने के लिए गिरवी के रूप में भूमि की आवश्यकता होती है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

26. राजस्थान लघु उद्योग निगम (RSIC) की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
(A) 1955
(B) 1961
(C) 1978
(D) 1985

27. ग्रामीण बैंकिंग में डिजिटल वित्तीय सेवाओं के विस्तार के संदर्भ में, संक्षिप्त नाम 'AePS' का पूर्ण रूप क्या है?
(A) एग्रीकल्चरल ई-पेमेंट सिस्टम (Agricultural e-Payment System)
(B) ऑटोमैटिक इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसिंग सिस्टम (Automatic Electronic Processing System)
(C) एनुअल इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट सर्विस (Annual Electronic Payment Service)
(D) आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम (Aadhaar Enabled Payment System)

28. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB) संयुक्त रूप से निम्नलिखित में से किन संस्थाओं द्वारा प्रायोजित होते हैं?
(A) भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड और राज्य सरकार
(B) केंद्र सरकार, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंक
(C) विश्व बैंक, केंद्र सरकार और निजी संस्थागत निवेशक
(D) राज्य सरकार, जिला परिषदें और स्थानीय ग्राम पंचायतें

29. किसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB) में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंक का शेयर पूंजी अंशदान अनुपात क्रमशः कितना होता है?
(A) 50 : 15 : 35
(B) 33 : 33 : 34
(C) 60 : 20 : 20
(D) 40 : 20 : 40

30. स्टार्टअप राजस्थान नीति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. 'iStart राजस्थान' राज्य में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख पहल है।
II. स्टार्टअप्स का समर्थन करने के उद्देश्य से भामाशाह टेक्नो हब जयपुर में स्थित है।
III. यह नीति विशेष रूप से पारंपरिक किसानों को इनक्यूबेशन और मेंटरिंग सहायता प्रदान करती है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

NODIA

(C) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI)
(D) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)

52. राजस्थान में किसी सहकारी समिति के पंजीकरण के लिए उसके कार्यक्षेत्र में रहने वाले वयस्क व्यक्तियों की न्यूनतम संख्या कितनी होनी चाहिए?
(A) 5
(B) 10
(C) 15
(D) 50

53. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (संस्थान / योजना)
P. भूमि विकास बैंक
Q. राजीविका
R. सिडबी (SIDBI)
S. जिला उद्योग केंद्र (DIC)
सूची II: (प्राथमिक केंद्र क्षेत्र)
1. जिला स्तर पर एमएसएमई का संवर्धन
2. दीर्घकालिक कृषि साख
3. लघु उद्योगों का वित्तपोषण और विकास
4. स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण
(A) P-2, Q-4, R-3, S-1
(B) P-2, Q-3, R-4, S-1
(C) P-4, Q-2, R-1, S-3
(D) P-1, Q-4, R-2, S-3

54. सिडबी द्वारा समर्थित 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना का मुख्य उद्देश्य किन लक्षित समूहों को ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने हेतु बैंक ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है?
(A) केवल पूर्व सैनिक और युद्ध विधवाएं
(B) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमी
(C) अनिवासी भारतीय (NRIs)
(D) बड़े कॉर्पोरेट घराने

55. राजस्थान में बैंकिंग प्रणालियों के संदर्भ में 'वित्तीय समावेशन' शब्द का प्राथमिक अर्थ क्या है?
(A) राज्य में संचालित सभी विदेशी वाणिज्यिक बैंकों को पूरी तरह से समाप्त करना
(B) उच्च आय अर्जित करने वालों के लिए व्यक्तिगत ऋण पर ब्याज दरों में पर्याप्त वृद्धि करना
(C) प्रत्येक वयस्क नागरिक के लिए सार्वजनिक इक्विटी शेयर बाजारों में सक्रिय रूप से निवेश करना अनिवार्य करना
(D) बैंकिंग सुविधाओं से वंचित समूहों को सस्ती बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना

56. राजस्थान वित्त निगम (RFC) का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) उदयपुर
(D) अजमेर

57. निम्नलिखित में से कौन-सा जिला उद्योग केंद्रों (DIC) का कार्य नहीं है?
(A) संभावित उद्यमियों की पहचान करना
(B) लघु उद्योगों के लिए परियोजना प्रोफाइल तैयार करना
(C) स्थानीय बैंकों को मुद्रा नोट जारी करना
(D) भूमि और मशीनरी प्राप्त करने में सहायता करना

58. राजस्थान में युवाओं के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए 'युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना' (YUPY) का कार्यान्वयन कौन-सा संस्थान करता है?
(A) राजस्थान वित्त निगम (RFC)
(B) राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC)
(C) नाबार्ड (NABARD)
(D) माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान

59. 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' (MLUPY) के अंतर्गत सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को अधिकतम कितनी ऋण राशि पर ब्याज अनुदान प्रदान किया जाता है?
(A) 10 लाख रुपये तक
(B) 50 लाख रुपये तक
(C) 1 करोड़ रुपये तक
(D) 10 करोड़ रुपये तक

60. सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFI) को पारंपरिक वाणिज्यिक बैंकों से पृथक करने वाली प्रमुख विशेषता निम्नलिखित में से क्या है?
(A) केवल विलासिता वाले व्यक्तिगत वाहनों के लिए उच्च मूल्य के वाणिज्यिक ऋण प्रदान करना
(B) बिना किसी जमानत (सम्पार्श्विक) के छोटे ऋण संवितरित करना
(C) कोई भी बचत खाता खोलने से पहले पर्याप्त अनिवार्य नकद जमा की मांग करना
(D) कॉर्पोरेट बहुराष्ट्रीय कंपनियों और विदेशी उद्यम संस्थानों की सेवा करना

61. वर्ष 2020 के संशोधित एमएसएमई (MSME) वर्गीकरण के अंतर्गत, किसी उद्यम को "लघु उद्यम" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि संयंत्र और मशीनरी में इसका निवेश 10 करोड़ रुपये से अधिक न हो तथा इसका टर्नओवर निम्नलिखित से अधिक न हो:
(A) 10 करोड़ रुपये
(B) 25 करोड़ रुपये
(C) 50 करोड़ रुपये
(D) 100 करोड़ रुपये

62. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प प्राथमिक कृषि साख समिति (PACS) को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित करता है?
(A) भारत में सभी वाणिज्यिक बैंकों को नियंत्रित करने वाला

Click Here to Buy book on Amazon

41. वर्ष 2020 की संशोधित एमएसएमई (MSME) परिभाषा के अंतर्गत, किसी उद्यम को "मध्यम उद्यम" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि संयंत्र और मशीनरी में इसका निवेश 50 करोड़ रुपये से अधिक न हो तथा इसका टर्नओवर निम्नलिखित से अधिक न हो:
(A) 50 करोड़ रुपये
(B) 100 करोड़ रुपये
(C) 250 करोड़ रुपये
(D) 500 करोड़ रुपये

42. स्टार्टअप राजस्थान नीति के अंतर्गत स्टार्टअप को इनक्यूबेशन सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्थापित भामाशाह टेक्नो हब किस शहर में स्थित है?
(A) जयपुर
(B) जोधपुर
(C) उदयपुर
(D) कोटा

43. औद्योगिक पुनर्गठन और विकास वित्त के संदर्भ में, औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (BIFR) की ऐतिहासिक भूमिका मुख्य रूप से किससे संबंधित थी?
(A) नए विदेशी व्यापार क्षेत्रों और निर्यात प्रसंस्करण पार्कों की स्थापना करना
(B) विश्वविद्यालय के छात्रों को कम ब्याज वाले शैक्षिक ऋण प्रदान करना
(C) छोटे किसानों को रियायती कृषि क्रेडिट कार्ड जारी करना
(D) रुग्ण (बीमार) औद्योगिक इकाइयों का मूल्यांकन और पुनरुद्धार करना

44. प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत खाताधारकों को सामान्यतः किस प्रकार का स्वदेशी डेबिट कार्ड जारी किया जाता है?
(A) वीज़ा (Visa)
(B) रुपे (RuPay)
(C) मास्टरकार्ड (Mastercard)
(D) मेस्ट्रो (Maestro)

45. विलय की प्रक्रिया के पश्चात, वर्तमान में राजस्थान में कितने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB) कार्यरत हैं?
(A) दो
(B) चार
(C) छह
(D) चौदह

46. नाबार्ड (NABARD) ग्रामीण साख को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित में से किन संस्थानों को पुनर्वित्त सुविधा प्रदान करता है?
(A) राज्य सहकारी बैंक
(B) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(C) वाणिज्यिक बैंक
(D) उपर्युक्त सभी

47. राज्य में सहकारी समितियों का वर्तमान ढांचा किस वर्ष अधिनियमित राजस्थान सहकारी समिति अधिनियम द्वारा शासित होता है?
(A) 1953
(B) 1965
(C) 1985
(D) 2001

48. रीको (RIICO) द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों के संदर्भ में, 'EPIP' का क्या अर्थ है?
(A) इकोनॉमिक पॉलिसी एंड इन्वेस्टमेन्ट पार्क (Economic Policy and Investment Park)
(B) एक्सपोर्ट प्रमोशन इंडस्ट्रियल पार्क (Export Promotion Industrial Park)
(C) इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्शन एंड इनोवेशन पार्क (Electronic Production and Innovation Park)
(D) एक्सपोर्ट प्रोडक्शन एंड इम्पोर्ट पार्क (Export Production and Import Park)

49. राजस्थान लघु उद्योग निगम (RSIC) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह हस्तशिल्प और लघु उद्योगों को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभाता है।
II. यह राजस्थान में इनलैंड कंटेनर डिपो (ICD) और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स का संचालन करता है।
III. यह ग्रामीण नागरिकों को दीर्घकालिक आवास ऋण प्रदान करने वाला प्राथमिक संस्थान है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल III
(C) केवल I और III
(D) केवल II और III

50. ऋण योजना 'MUDRA' का पूर्ण रूप क्या है?
(A) माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रीफाइनेंस एजेंसी (Micro Units Development and Refinance Agency)
(B) मीडियम यूनिट्स डायरेक्ट एंड रूरल एजेंसी (Medium Units Direct and Rural Agency)
(C) मार्जिनल यूटिलिटी डेवलपमेंट एंड रिकवरी एजेंसी (Marginal Utility Development and Recovery Agency)
(D) माइक्रो यूटिलिटी डिस्ट्रीब्यूशन एंड रूरल एसोसिएशन (Micro Utility Distribution and Rural Association)

51. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) की स्थापना 1990 में किस प्रमुख वित्तीय संस्थान की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में की गई थी?
(A) भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)
(B) भारतीय स्टेट बैंक (SBI)

NODIA

31. राजस्थान में प्राथमिक कृषि साख समितियां (PACS) किस प्रशासनिक स्तर पर कार्य करती हैं?
(A) शीर्ष राज्य सरकार स्तर
(B) जिला प्रशासनिक स्तर
(C) ग्राम पंचायत / ग्राम स्तर
(D) केंद्रीय राष्ट्रीय प्रशासनिक स्तर

32. जिला स्तर पर लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए देश भर में (राजस्थान सहित) जिला उद्योग केंद्र (DIC) कार्यक्रम किस वर्ष प्रारंभ किया गया था?
(A) 1955
(B) 1969
(C) 1978
(D) 1991

33. सूक्ष्म वित्त संस्थान (MFI) सामान्यतः ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में मुख्य रूप से क्या प्रदान करके वित्तीय सेवाएं देते हैं?
(A) प्रमुख औद्योगिक कारखानों को बड़े वाणिज्यिक विकास ऋण और पूंजी
(B) कम आय वाले व्यक्तियों या समूहों को छोटे, जमानत-मुक्त (सम्पार्श्विक-मुक्त) ऋण
(C) समृद्ध किसानों को भारी मशीनरी उपकरण और रियायती कृषि साख
(D) बड़ी अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक फर्मों के लिए विदेशी मुद्रा लेनदेन सेवाएं

34. राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा किस वर्ष की गई थी?
(A) 1995
(B) 2005
(C) 2010
(D) 2020

35. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (मुद्रा योजना श्रेणी / एमएसएमई नियम)
P. शिशु
Q. किशोर
R. तरुण
S. सूक्ष्म उद्यम निवेश सीमा (एमएसएमई अधिनियम 2020)
सूची II: (सीमा)
1. 5 लाख रुपये तक
2. 1 करोड़ रुपये तक
3. 50,000 रुपये तक
4. 10 लाख रुपये तक
(A) P-3, Q-1, R-4, S-2
(B) P-1, Q-3, R-2, S-4
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-4, Q-1, R-3, S-2

36. राजस्थान वित्त निगम (RFC) द्वारा संचालित कौन-सी योजना विशेष रूप से पूर्व सैनिकों को स्वरोजगार और वित्तीय सहायता प्रदान करती है?
(A) शिल्पी योजना
(B) फ्लेक्सी लोन योजना
(C) युवा उद्यमिता योजना
(D) सेम्फेक्स (SEMFEX) योजना

37. सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए ऑनलाइन पोर्टल को किस नाम से जाना जाता है?
(A) नेशनल किसान डिजिटल पोर्टल
(B) राज-काज ई-गवर्नेंस पोर्टल
(C) उद्यम पंजीकरण (Udyam Registration)
(D) श्रम सुविधा पोर्टल

38. राजस्थान में अल्पकालिक सहकारी बैंकिंग संरचना के निम्नलिखित स्तरों को ग्राम स्तर से राज्य स्तर के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (RSCB)
2. प्राथमिक कृषि साख समितियां (PACS)
3. केंद्रीय सहकारी बैंक (CCBs)
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही क्रम का चयन कीजिए:
(A) 2, 3, 1
(B) 1, 2, 3
(C) 3, 2, 1
(D) 2, 1, 3

39. प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) के अंतर्गत पात्र खाताधारकों को कितनी राशि तक की ओवरड्राफ्ट (OD) सुविधा प्रदान की जाती है?
(A) 2,000 रुपये
(B) 5,000 रुपये
(C) 10,000 रुपये
(D) 50,000 रुपये

40. दिए गए कथन और कारण पर विचार कीजिए:
कथन (A): उच्च गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (NPA) वित्तीय संस्थानों की ऋण देने की क्षमता को कम करती हैं।
कारण (R): उच्च एनपीए (NPA) का अर्थ है कि बैंक के धन का एक बड़ा हिस्सा फंस गया है और कोई ब्याज आय उत्पन्न नहीं कर रहा है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

Downloaded from www.pdf.tube

एक शीर्ष राष्ट्रीय नियामक निकाय
(B) ग्रामीण शैक्षणिक अवसंरचना को वित्तपोषित करने वाली एक अंतरराष्ट्रीय बहुपक्षीय एजेंसी
(C) कृषि ट्रैक्टरों का निर्माण करने वाली एक निजी औद्योगिक कॉर्पोरेट फर्म
(D) ग्रामीण उधारकर्ताओं के साथ सीधे लेनदेन करने वाली ग्राम स्तरीय सहकारी समिति

63. गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (NPA) की चुनौती से निपटने के लिए बैंक सरफेसी अधिनियम (SARFAESI Act) का उपयोग करते हैं। यह अधिनियम बैंकों को कौन-सा अधिकार प्रदान करता है?
(A) बकाया ऋणों की वसूली के लिए गिरवी रखी गई संपत्तियों की नीलामी करना
(B) बकाएदार (डिफॉल्टर) किसानों के सभी लंबित कृषि ऋणों को बिना किसी शर्त के माफ करना
(C) बिना किसी अदालती आदेश के डिफॉल्टर कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं को तुरंत गिरफ्तार करना और जेल भेजना
(D) नुकसान की भरपाई के लिए केंद्रीय मौद्रिक अधिकारियों को नई भौतिक मुद्रा छापने के लिए अधिकृत करना

64. सहकारी बैंकों और आरआरबी (RRB) के माध्यम से कार्यान्वित किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) योजना का उद्देश्य क्या उपलब्ध कराना है?
(A) कृषि भूमि और रियल एस्टेट खरीदने के लिए दीर्घकालिक निवेश ऋण
(B) फसल की खेती की आवश्यकताओं के लिए अल्पकालिक साख
(C) घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन खरीदने के लिए व्यक्तिगत उपभोग ऋण
(D) जमाकर्ताओं को दोगुना वित्तीय रिटर्न की गारंटी देने वाली विशेष सावधि जमा योजनाएं

65. रीको (RIICO) राज्य में किस पैमाने के उद्योगों को वित्तीय सहायता और सावधि ऋण प्रदान करता है?
(A) जिलों में विशेष रूप से सूक्ष्म और कुटीर स्तर की औद्योगिक इकाइयां
(B) बड़े, मध्यम और लघु पैमाने के औद्योगिक उद्यम
(C) विशेष रूप से बड़े पैमाने की भारी विनिर्माण औद्योगिक इकाइयां
(D) विशेष रूप से ग्रामीण कृषि साख सहकारी समितियां

66. राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS) 2022 को किस उद्देश्य से प्रारंभ किया गया था?
(A) राज्य में सतत और संतुलित औद्योगिक विकास
(B) सभी निजी औद्योगिक क्षेत्रों का पूर्ण सरकारी अधिग्रहण और पूर्ण राष्ट्रीयकरण
(C) राज्य के औद्योगिक उद्यमों को विदेशों में व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित करना
(D) अन्य सभी क्षेत्रों को पूरी तरह से प्रतिबंधित करते हुए केवल पारंपरिक हथकरघा क्षेत्रों का विशेष विकास

67. भूमि विकास बैंक द्वारा प्रदान किए जाने वाले 'दीर्घकालिक' कृषि ऋण की पुनर्भुगतान अवधि सामान्यतः कितनी होती है?
(A) 3 महीने से 6 महीने
(B) 1 वर्ष से 3 वर्ष
(C) 5 वर्ष से 15 वर्ष
(D) 30 वर्ष से 50 वर्ष

68. ग्रामीण राजस्थान में डिजिटल वित्तीय सेवाओं के विस्तार के संदर्भ में, 'बैंक मित्र' शब्द का क्या तात्पर्य है?
(A) विशेष रूप से समृद्ध बड़े किसानों के लिए बनाया गया एक विशेष मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन
(B) जिला केंद्रीय सहकारी बैंक की मुख्य शाखा का मुख्य कार्यकारी प्रबंधक
(C) मुफ्त मोबाइल स्मार्टफोन वितरित करने के लिए समर्पित एक राज्य सरकार की कल्याणकारी योजना
(D) बैंकिंग सुविधा से वंचित गांवों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने वाले बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (Business Correspondents)

69. कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर और अलवर में 'एग्रो फूड पार्क' किस संगठन द्वारा विकसित किए गए हैं?
(A) RSIC
(B) NABARD
(C) RIICO
(D) RFC

70. सहकारी साख संरचना के अंतर्गत संचालन के स्तर के आधार पर निम्नलिखित वित्तीय संस्थानों में से असंगत विकल्प की पहचान कीजिए:
(A) ग्राम स्तर पर कार्यरत प्राथमिक कृषि साख समितियां (PACS)
(B) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)
(C) जिला स्तर पर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (DCCB)
(D) राज्य शीर्ष स्तर पर राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (RSCB)

NODIA
www.nodia.in

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) औद्योगिक और कृषि परियोजनाओं के लिए मध्यम और दीर्घकालिक वित्त
विकास वित्तीय संस्थान विशिष्ट वित्तीय संस्थाएं हैं जिनकी स्थापना अर्थव्यवस्था के प्राथमिक क्षेत्रों को सहायता प्रदान करने के लिए की जाती है। इन संस्थानों का मुख्य कार्य औद्योगिक और कृषि परियोजनाओं के लिए मध्यम और दीर्घकालिक वित्त उपलब्ध कराना है। ये संस्थान दीर्घकालिक अवसंरचना विकास, पूंजी निर्माण और बड़े निवेशों को सुगम बनाते हैं। व्यावसायिक बैंकों के विपरीत, ये संस्थान आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करते हैं।

2. (B) 1955
राजस्थान वित्त निगम की स्थापना राज्य वित्त निगम अधिनियम 1951 के तहत 17 जनवरी 1955 को की गई थी। इस निगम का मुख्य उद्देश्य राज्य में नवीन सूक्ष्म, लघु और मध्यम औद्योगिक इकाइयों की स्थापना करना है। इसके साथ ही यह संस्थान राज्य में विद्यमान उद्योगों के विस्तार, आधुनिकीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह संस्थान प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देता है।

3. (C) राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (RIICO)
राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम राज्य में औद्योगिक अवसंरचना के विकास के लिए शीर्ष संस्था है। यह सरकारी उपक्रम राज्य भर में औद्योगिक क्षेत्रों की योजना बनाने, उन्हें विकसित करने और भूमि आवंटित करने के लिए उत्तरदायी है। यह संस्थान उद्योगों के लिए बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़क, जल, बिजली और संचार जाल उपलब्ध कराता है। इसके अलावा यह परियोजनाओं को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

4. (C) 20 करोड़ रुपये तक
राजस्थान वित्त निगम राज्य में औद्योगिक गतिविधियों के प्रोत्साहन हेतु ऋण सुविधाएं प्रदान करता है। निगम द्वारा किसी एकल औद्योगिक इकाई को स्वीकृत की जा सकने वाली अधिकतम ऋण सीमा 20 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। यह ऋण राशि नए उद्योगों की स्थापना, पुरानी इकाइयों के विस्तार, विविधीकरण तथा तकनीकी उन्नयन के लिए प्रदान की जाती है। निगम द्वारा प्रदत्त इस साख सहायता से निवेश बढ़ता है।

5. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास हेतु जिम्मेदार प्रमुख एजेंसी है। यह निगम नए औद्योगिक क्षेत्रों की योजना बनाकर भूमि अधिग्रहण करता है और औद्योगिक पार्कों की स्थापना करता है। इन क्षेत्रों में उद्योगों के कुशल संचालन के लिए सड़क, बिजली, जल निकासी और जलापूर्ति जैसी आवश्यक अवसंरचनात्मक सुविधाएं विकसित की जाती हैं। इसके साथ ही रीको वित्तीय सहायता देता है।

6. (B) 1 करोड़ रुपये और टर्नओवर 5 करोड़ रुपये से अधिक न हो
भारत सरकार द्वारा 2020 में लागू संशोधित एमएसएमई वर्गीकरण के अनुसार, विनिर्माण या सेवा क्षेत्र के किसी उद्यम को सूक्ष्म उद्यम तब माना जाता है जब उसमें संयंत्र और मशीनरी में निवेश 1 करोड़ रुपये से अधिक न हो तथा उसका वार्षिक टर्नओवर 5 करोड़ रुपये से अधिक न हो। यह वर्गीकरण विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों के लिए समान रूप से लागू होता है।

7. (B) त्रि-स्तरीय
राजस्थान में अल्पकालिक सहकारी साख संरचना त्रि-स्तरीय ढांचे पर आधारित है। इस संरचना में सबसे निचले यानी ग्राम स्तर पर प्राथमिक कृषि साख समितियां कार्य करती हैं, जो किसानों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी होती हैं। मध्यवर्ती यानी जिला स्तर पर केंद्रीय सहकारी बैंक स्थापित हैं जो समितियों का पर्यवेक्षण करते हैं। राज्य स्तर पर राज्य सहकारी बैंक शीर्ष संस्था के रूप में कार्य करता है।

8. (A) कृषि विकास के लिए दीर्घकालिक साख
भूमि विकास बैंक ग्रामीण सहकारी साख प्रणाली के महत्वपूर्ण अंग हैं जिनका प्राथमिक कार्य कृषि विकास के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदान करना है। ये बैंक किसानों को भूमि सुधार, नलकूप खनन, ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रों की खरीद, सिंचाई प्रणाली स्थापित करने तथा स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण हेतु साख उपलब्ध कराते हैं। ये ऋण सामान्यतः 5 से 15 वर्ष की अवधि के लिए दिए जाते हैं।

9. (C) 10 लाख रुपये तक
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि लघु तथा सूक्ष्म उद्यमों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस योजना के अंतर्गत ऋणों को तीन श्रेणियों शिशु, किशोर और तरुण में विभाजित किया गया है। 'तरुण' श्रेणी उन उद्यमियों के लिए है जो अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं। इस श्रेणी में अधिकतम 10 लाख रुपये का ऋण दिया जाता है।

10. (A) केवल I और II
राजस्थान में वर्तमान में दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक संचालित हैं, जिनमें राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक और बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शामिल हैं। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक पूरी तरह राज्य सरकार के स्वामित्व में नहीं होते। इनकी पूंजी में केंद्र सरकार का 50 %, राज्य सरकार का 15 % तथा प्रायोजक

Click Here to Buy book on Flipkart

वाणिज्यिक बैंक का 35 % अंशदान होता है। ये तीनों के संयुक्त स्वामित्व में हैं।

11. (D) राजस्थली
राजस्थान लघु उद्योग निगम की स्थापना राज्य के हस्तशिल्पियों, बुनकरों और लघु उद्योग स्वामियों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह निगम हस्तशिल्पियों के उत्पादों की बिक्री एवं प्रचार-प्रसार के लिए 'राजस्थली' ब्रांड नाम से बिक्री केंद्रों का संचालन करता है। इन केंद्रों के माध्यम से राजस्थान के पारंपरिक हस्तशिल्प का विपणन राज्य तथा बाहर किया जाता है।

12. (B) iStart राजस्थान
राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए 'iStart राजस्थान' नामक एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रारंभ किया गया है। यह मंच स्टार्टअप्स के लिए सभी सुविधाएं प्रदान करने वाली 'एकल खिड़की' प्रणाली के रूप में कार्य करता है। इसके माध्यम से नए उद्यमियों को पंजीकरण, परामर्श तथा वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे राज्य में उद्यमिता बढ़ती है।

13. (C) जिला स्तर
जिला उद्योग केंद्र भारत सरकार की एक प्रमुख योजना के तहत जिला स्तर पर स्थापित किए गए प्रशासनिक निकाय हैं। इनका मुख्य उद्देश्य जिले के भीतर लघु, सूक्ष्म, कुटीर और ग्राम उद्योगों का विकास एवं संवर्धन करना है। जिला उद्योग केंद्र स्थानीय उद्यमियों को एक ही स्थान पर परियोजना रिपोर्ट, कच्चा माल तथा ऋण सहायता उपलब्ध कराने का कार्य करते हैं, जिससे ग्रामीण रोजगार में वृद्धि होती है।

14. (D) स्वयं सहायता समूहों में ग्रामीण महिलाएं
राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद, जिसे 'राजीविका' के नाम से जाना जाता है, राज्य सरकार के अधीन स्वायत्त संस्था है। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करके उनका सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण करना है। राजीविका इन महिला समूहों को वित्तीय साख, कौशल विकास और आजीविका के अवसरों से जोड़ती है, जिससे स्वावलंबन को बढ़ावा मिलता है।

15. (A) P-3, Q-4, R-1, S-2
विभिन्न विकास वित्तीय संस्थानों की स्थापना भिन्न-भिन्न वर्षों में की गई थी। राजस्थान वित्त निगम की स्थापना 1955 में राज्य में उद्योगों को वित्त देने के लिए हुई। राजस्थान लघु उद्योग निगम की स्थापना 1961 में हुई। रीको स्वतंत्र इकाई के रूप में 1980 में अस्तित्व में आया, जबकि नाबार्ड की स्थापना 1982 में ग्रामीण साख हेतु की गई थी। ये सभी संस्थाएं महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

16. (B) बैंकिंग सुविधा से वंचित परिवारों का वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करना
प्रधानमंत्री जन धन योजना सरकार का राष्ट्रीय मिशन है जिसका प्राथमिक उद्देश्य देश के प्रत्येक परिवार को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़कर व्यापक वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत बिना किसी न्यूनतम शेष की बाध्यता के शून्य-शेष बचत खाते खोले जाते हैं। इसके अतिरिक्त खाताधारकों को रुपे कार्ड, बीमा कवर तथा ओवरड्राफ्ट सुविधा दी जाती है, जिससे कमजोर वर्ग सशक्त होते हैं।

17. (B) नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कर छूट और सब्सिडी
राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना राज्य सरकार की प्रमुख नीति है, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना और नए उद्योगों की स्थापना को सुगम बनाना है। इस योजना के अंतर्गत निवेशकों को करों में छूट, विद्युत शुल्क राहत और पूंजीगत सब्सिडी जैसे कई वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाते हैं। इससे राज्य में सतत विकास और रोजगार सृजन होता है, जिससे आर्थिक वृद्धि होती है।

18. (A) सिडबी (SIDBI)
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के संवर्धन, वित्तपोषण और विकास के लिए प्रमुख विकास वित्तीय संस्थान है। यह बैंक इन इकाइयों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ऋण प्रदान करता है। यह संस्थान बैंकों को पुनर्वित्त सुविधाएं देकर छोटे उद्योगों की साख आवश्यकताओं को पूरा करता है। इससे एमएसएमई क्षेत्र सुदृढ़ बनता है तथा रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

19. (C) 90 दिन
बैंकिंग प्रणाली में गैर-निष्पादित परिसंपत्ति से तात्पर्य उन ऋणों से है जिनकी वसूली अनिश्चित हो जाती है। रिजर्व बैंक के मानकों के अनुसार, यदि किसी ऋण का मूलधन या ब्याज का भुगतान लगातार 90 दिनों तक बकाया रहता है, तो उस ऋण खाते को एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यह बैंकों की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करता है, जिससे जोखिम बढ़ता है।

20. (A) आवेदन जमा करना, दस्तावेज सत्यापन, ऋण स्वीकृति, ऋण संवितरण
विकास वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण प्रदान करने की एक निश्चित और क्रमबद्ध प्रक्रिया अपनाई जाती है। इस प्रक्रिया के प्रथम चरण में आवेदक द्वारा ऋण आवेदन जमा किया जाता है। इसके पश्चात संस्थान द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन किया जाता है। सत्यापन के बाद ऋण स्वीकृति दी जाती है। अंतिम चरण में स्वीकृत ऋण राशि का संवितरण किया जाता है। यह प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी होती है।

21. (C) कृषि और ग्रामीण विकास
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक भारत में कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में शीर्ष विकास बैंक के रूप में कार्य करता है। इसकी स्थापना 1982 में शिवरमन समिति की सिफारिशों के आधार पर की गई थी। नाबार्ड ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय संस्थानों को पुनर्वित्त सहायता उपलब्ध कराता है। इससे ग्रामीण समृद्धि बढ़ती है तथा किसान सशक्त बनते हैं।

Downloaded from www.pdf.tube

22. (B) राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (RSCB)
राजस्थान में त्रि-स्तरीय अल्पकालिक सहकारी साख संरचना के अंतर्गत शीर्ष स्तर पर राजस्थान राज्य सहकारी बैंक कार्य करता है। यह बैंक राज्य की संपूर्ण सहकारी साख व्यवस्था का नियमन करता है। यह शीर्ष बैंक जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराता है, जो आगे प्राथमिक समितियों को फंड प्रदान करते हैं। इससे कृषि वित्त सुचारु रहता है तथा किसानों को ऋण मिलता है।

23. (D) RIICO
राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम राज्य में निर्यात उन्मुख उद्योगों और विशेष आर्थिक क्षेत्रों के विकास में अग्रणी भूमिका निभाता है। रीको ने जयपुर में महिंद्रा समूह के साथ महिंद्रा वर्ल्ड सिटी जैसे विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना की है। रीको विश्व स्तरीय अवसंरचना प्रदान करके निवेश आकर्षित करता है तथा निर्यात में वृद्धि करता है, जिससे राज्य का औद्योगिक परिदृश्य अत्यधिक सुदृढ़ होता है।

24. (A) 50,000 रुपये तक
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना छोटे और सूक्ष्म व्यवसायों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रारंभ की गई योजना है। इस योजना की प्रथम श्रेणी 'शिशु' के अंतर्गत छोटे उद्यमियों को 50,000 रुपये तक की ऋण राशि प्रदान की जाती है। इस ऋण के लिए जमानत की आवश्यकता नहीं होती है। इसका उद्देश्य सूक्ष्म स्वरोजगारियों को वित्तीय मदद देना है, जिससे स्वावलंबन को बढ़ावा मिलता है।

25. (D) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
भूमि विकास बैंक किसानों को मुख्य रूप से दीर्घकालिक कृषि ऋण प्रदान करते हैं, जैसे नलकूप और ट्रैक्टर खरीदना। ये बैंक बीजों और उर्वरकों के लिए अल्पकालिक फसल ऋण नहीं देते, क्योंकि अल्पकालिक साख प्राथमिक कृषि साख समितियां देती हैं। हालांकि, भूमि विकास बैंकों द्वारा दीर्घकालिक ऋण हेतु किसानों की भूमि को गिरवी रखना अनिवार्य होता है, जिससे ऋण की सुरक्षा कानूनी रूप से सुनिश्चित होती है।

26. (B) 1961
राजस्थान लघु उद्योग निगम की स्थापना 3 जून 1961 को एक राज्य सरकारी उपक्रम के रूप में की गई थी। इस निगम का मुख्य कार्य राज्य में सूक्ष्म, लघु और कुटीर उद्योगों को सहायता और प्रोत्साहन प्रदान करना है। यह निगम लघु इकाइयों को कच्चे माल की आपूर्ति और विपणन सहायता उपलब्ध कराता है। इससे लघु उद्योगों का विकास होता है तथा रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

27. (D) आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम (Aadhaar Enabled Payment System)
वित्तीय समावेशन और ग्रामीण बैंकिंग में 'AePS' का पूर्ण रूप 'आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम' है। यह प्रणाली आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके माइक्रो-एटीएम पर वित्तीय लेनदेन की सुविधा देती है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करके नकद निकासी, जमा और शेष राशि की जांच आसानी से कर सकते हैं। इससे बैंकिंग सुलभ बनती है तथा डिजिटल साक्षरता बढ़ती है।

28. (B) केंद्र सरकार, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंक
भारत में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक केंद्र सरकार, संबंधित राज्य सरकार और एक प्रायोजक वाणिज्यिक बैंक के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित किए जाते हैं। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 के तहत गठित ये बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि और व्यापार के लिए बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं। इन बैंकों का संचालन इन तीनों के सहयोग से होता है। इससे ग्रामीण विकास होता है तथा साख सुलभ होती है।

29. (A) 50 : 15 : 35
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कुल शेयर पूंजी में केंद्र सरकार, संबंधित राज्य सरकार और प्रायोजक वाणिज्यिक बैंक द्वारा एक निश्चित अनुपात में अंशदान किया जाता है। इस व्यवस्था के अंतर्गत केंद्र सरकार का 50 %, राज्य सरकार का 15 % और प्रायोजक बैंक का 35 % अंशदान होता है। यह 50 : 15 : 35 का अनुपात स्वामित्व को संतुलित रखता है और पारदर्शी बनाता है।

30. (A) केवल I और II
स्टार्टअप राजस्थान नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य में प्रौद्योगिकी संचालित नवोन्मेषी उद्यमों को प्रोत्साहन देना है। इस नीति के तहत 'iStart राजस्थान' एक प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है। जयपुर में स्थापित भामाशाह टेक्नो हब देश के बड़े इन्क्यूबेशन केंद्रों में से एक है। यह नीति केवल पारंपरिक किसानों तक सीमित न होकर सभी नवोन्मेषी उद्यमियों का समर्थन करती है और मदद करती है।

31. (C) ग्राम पंचायत / ग्राम स्तर
प्राथमिक कृषि साख समितियां भारत में सहकारी साख व्यवस्था की सबसे आधारभूत इकाइयां हैं। ये समितियां सीधे ग्राम स्तर या ग्राम पंचायत स्तर पर गठित की जाती हैं। ग्राम स्तर पर कार्यरत होने के कारण ये समितियां स्थानीय किसानों से सीधा संपर्क बनाए रखती हैं। इनका मुख्य कार्य अपने सदस्यों को फसल उत्पादन हेतु अल्पकालिक ऋण और उर्वरक उपलब्ध कराना है, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ता है।

32. (C) 1978
भारत सरकार द्वारा जिला स्तर पर लघु, सूक्ष्म और कुटीर उद्योगों का एकीकृत विकास करने के उद्देश्य से 1978 में जिला उद्योग केंद्र कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक परामर्श, वित्तीय सहायता और सुविधाएं एक स्थान पर उपलब्ध कराना है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ते हैं तथा आर्थिक वृद्धि होती है।

33. (B) कम आय वाले व्यक्तियों या समूहों कोछोटे, जमानत-मुक्त (सम्पार्श्विक-मुक्त) ऋण
सूक्ष्म वित्त संस्थान ऐसी वित्तीय संस्थाएं हैं जो मुख्य रूप से कम आय वाले परिवारों, निर्धन व्यक्तियों तथा स्वयं सहायता समूहों

NODIA

को छोटे और जमानत-मुक्त ऋण प्रदान करती हैं। ये संस्थान बैंकों तक पहुंच न रखने वाले लोगों को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य आय-सृजन गतिविधियों के लिए साख देकर निर्धनता उन्मूलन करना है। इससे समावेशी विकास को गति मिलती है।

34. (C) 2010
राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता उन्मूलन और आजीविका संवर्धन हेतु अक्टूबर 2010 में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद की स्थापना की गई थी। यह स्वायत्त संस्था ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करती है। राजीविका का मुख्य दायित्व स्थायी स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है तथा महिला सशक्तिकरण बढ़ता है।

35. (A) P-3, Q-1, R-4, S-2
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत वित्तीय सहायता को तीन वर्गों में बांटा गया है, जिसमें शिशु श्रेणी में 50,000 रुपये तक, किशोर श्रेणी में 5 लाख रुपये तक और तरुण श्रेणी में 10 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। वर्ष 2020 के नए एमएसएमई नियमों के अनुसार, सूक्ष्म उद्यमों के लिए निवेश सीमा 1 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जो विकास में सहायक है।

36. (D) सेम्फेक्स (SEMFEX) योजना
राजस्थान वित्त निगम द्वारा सेवानिवृत्त पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं तथा उनके आश्रितों के पुनर्वास एवं स्वरोजगार हेतु 'सेम्फेक्स' योजना संचालित की जाती है। इस योजना का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को उद्योग या सेवा क्षेत्र में इकाइयां स्थापित करने के लिए रियायती दरों पर वित्तीय साख सहायता उपलब्ध कराना है। इससे उनके लिए स्वरोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं तथा उनका आर्थिक पुनर्वास होता है।

37. (C) उद्यम पंजीकरण (Udyam Registration)
भारत सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के पंजीकरण को सरल, त्वरित और डिजिटल बनाने के लिए 'उद्यम पंजीकरण' पोर्टल की शुरुआत की गई है। इस ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से पंजीकरण निःशुल्क और कागज रहित होता है। इसके पश्चात उद्यम को एक पहचान संख्या मिलती है, जिससे सरकारी योजनाओं और ऋण सब्सिडी का लाभ प्राप्त होता है तथा व्यापार सुगम होता है।

38. (A) 2, 3, 1
राजस्थान में अल्पकालिक सहकारी साख संरचना तीन स्तरों पर संगठित है। ग्राम स्तर पर प्राथमिक कृषि साख समितियां, जिला स्तर पर केंद्रीय सहकारी बैंक तथा राज्य स्तर पर राजस्थान राज्य सहकारी बैंक स्थित है। इस प्रकार निचले स्तर से उच्च स्तर का क्रम प्राथमिक समितियां, केंद्रीय सहकारी बैंक और राज्य सहकारी बैंक होता है, जो साख प्रवाह सुनिश्चित करता है तथा ग्रामीण विकास बढ़ाता है।

39. (C) 10,000 रुपये
प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत संतोषजनक ढंग से खाते का संचालन करने वाले पात्र खाताधारकों को ओवरड्राफ्ट की सुविधा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत ओवरड्राफ्ट की अधिकतम सीमा 10,000 रुपये निर्धारित की गई है। बिना किसी जमानत के दी जाने वाली यह सुविधा निम्न-आय वर्ग को आपातकालीन वित्तीय जरूरतों में राहत देती है, जिससे उनकी तरलता बनी रहती है।

40. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां बैंकों की वित्तीय स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न करती हैं। जब किसी बैंक का ऋण एनपीए बन जाता है, तो बैंक की पूंजी का वह हिस्सा फंस जाता है और उस पर कोई ब्याज आय प्राप्त नहीं होती है। इससे बैंकों की तरलता घट जाती है और नए उधारकर्ताओं को ऋण देने की क्षमता कम हो जाती है तथा घाटा बढ़ता है।

41. (C) 250 करोड़ रुपये
वर्ष 2020 में भारत सरकार द्वारा लागू एमएसएमई की नई परिभाषा के अनुसार, किसी विनिर्माण अथवा सेवा उद्यम को "मध्यम उद्यम" के रूप में तब वर्गीकृत किया जाता है जब उसमें संयंत्र और मशीनरी में निवेश 50 करोड़ रुपये से अधिक न हो तथा उसका टर्नओवर 250 करोड़ रुपये से अधिक न हो। यह मानदंड उद्योगों के विकास में सहायक है तथा व्यापार को बढ़ावा देता है।

42. (A) जयपुर
राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में युवाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा नए स्टार्टअप्स को समर्थन प्रदान करने के उद्देश्य से भामाशाह टेक्नो हब की स्थापना जयपुर में की गई है। यह देश के बड़े इनक्यूबेशन केंद्रों में से एक है। इसमें नए उद्यमियों को कार्यक्षेत्र, इंटरनेट, परामर्श और सुविधाएं प्रदान की जाती हैं जिससे व्यापार का विकास संभव होता है तथा रोजगार के अवसर निर्मित होते हैं।

43. (D) रुग्ण (बीमार) औद्योगिक इकाइयों का मूल्यांकन और पुनरुद्धार करना
औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड की स्थापना 1987 में रुग्ण औद्योगिक कंपनी अधिनियम के तहत की गई थी। इस निकाय का प्राथमिक कार्य देश में बीमार या रुग्ण औद्योगिक इकाइयों का मूल्यांकन करना, उनकी वित्तीय स्थिति की जांच करना तथा उनके पुनरुद्धार की योजनाएं बनाना था। यदि पुनरुद्धार संभव न हो तो बोर्ड परिसमापन की सिफारिश करता था, जिससे औद्योगिक संसाधन सुरक्षित रहते थे।

44. (B) रुपे (RuPay)
प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत खाता खोलने वाले सभी पात्र खाताधारकों को स्वदेशी 'रुपे' डेबिट कार्ड प्रदान किया जाता है। यह कार्ड खाताधारकों को एटीएम से नकदी निकालने तथा डिजिटल भुगतानों की सुविधा देता है। इस कार्ड के साथ निःशुल्क दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान किया जाता है। इससे

Click Here to Buy book on Amazon

देश में डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिला है तथा वित्तीय समावेशन सुदृढ़ हुआ है।

45. (A) दो
राजस्थान में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलय और पुनर्गठन प्रक्रिया के पश्चात वर्तमान में दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कार्यरत हैं। इनमें प्रथम बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक है। द्वितीय राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक है। ये दोनों बैंक राज्य के विभिन्न जिलों में विस्तृत शाखाओं के माध्यम से ग्रामीण आबादी को कृषि और लघु ऋण सुविधाएं प्रदान करते हैं, जिससे ग्रामीण विकास को गति मिलती है।

46. (D) उपर्युक्त सभी
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में साख प्रवाह बढ़ाने के लिए एक शीर्ष पुनर्वित्त संस्था है। नाबार्ड विभिन्न वित्तीय संस्थाओं को पुनर्वित्त सुविधाएं प्रदान करता है। इन पात्र संस्थाओं में राज्य सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा वाणिज्यिक बैंक शामिल हैं, जो इस निधि का उपयोग कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु ऋण देने में करते हैं, जिससे ग्रामीण साख सुदृढ़ होती है।

47. (D) 2001
राजस्थान राज्य में सहकारी समितियों का गठन, पंजीकरण और नियमन राजस्थान सहकारी समिति अधिनियम 2001 द्वारा शासित होता है। इस अधिनियम को लोकतांत्रिक और कुशल सहकारी व्यवस्था स्थापित करने हेतु पारित किया गया था। यह अधिनियम सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता, समय पर चुनाव और प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए वैधानिक ढांचा प्रदान करता है। इससे सहकारिता को बल मिलता है तथा पारदर्शिता आती है।

48. (B) एक्सपोर्ट प्रमोशन इंडस्ट्रियल पार्क (Export Promotion Industrial Park)
राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों के संदर्भ में 'EPIP' का अर्थ 'एक्सपोर्ट प्रमोशन इंडस्ट्रियल पार्क' है। इन पार्कों की स्थापना राज्य से वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए की गई है। रीको द्वारा जयपुर, जोधपुर और अलवर में ऐसे पार्क विकसित किए गए हैं, जहां निर्यात इकाइयों को सुविधाएं मिलती हैं, जिससे विदेशी मुद्रा अर्जित होती है।

49. (B) केवल III
राजस्थान लघु उद्योग निगम राज्य में लघु उद्योगों और हस्तशिल्प के विकास हेतु समर्पित नोडल संस्था है। यह निगम हस्तशिल्प के विपणन के साथ-साथ इनलैंड कंटेनर डिपो और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स का संचालन करता है। हालांकि, यह निगम ग्रामीण नागरिकों को दीर्घकालिक आवास ऋण प्रदान नहीं करता, क्योंकि आवास साख का कार्य बैंकों द्वारा किया जाता है। अतः तीसरा कथन असत्य है।

50. (A) माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रीफाइनेंस एजेंसी (Micro Units Development and Refinance Agency)
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत गठित 'MUDRA' का पूर्ण रूप 'माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रीफाइनेंस एजेंसी' है। यह भारत सरकार द्वारा स्थापित वित्तीय संस्था है जो सूक्ष्म उद्यमों को वित्तीय सहायता देने वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों को पुनर्वित्त सुविधा प्रदान करती है। यह एजेंसी असंगठित क्षेत्र को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करती है, जिससे लघु उद्यमी सशक्त होते हैं।

51. (C) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI)
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की स्थापना 2 अप्रैल 1990 को भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में की गई थी। बाद में इसे एक स्वतंत्र संस्था बनाया गया। सिडबी का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को वित्तपोषण तथा विकास संबंधी सहायता प्रदान करना है, जिससे औद्योगिक वृद्धि होती है और नए रोजगार निर्मित होते हैं।

52. (C) 15
राजस्थान सहकारी समिति अधिनियम 2001 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य में किसी नई सहकारी समिति के पंजीकरण के लिए उसके कार्यक्षेत्र में निवास करने वाले कम से कम 15 वयस्क व्यक्तियों का होना अनिवार्य है। ये व्यक्ति भिन्न परिवारों से होने चाहिए। यह न्यूनतम संख्या समिति के संचालन और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सुचारु बनाए रखने में सहायक होती है, जिससे सहकारिता मजबूत होती है।

53. (A) P-2, Q-4, R-3, S-1
विभिन्न वित्तीय और विकास संस्थान अपने विशिष्ट क्षेत्रों में कार्य करते हैं। भूमि विकास बैंक दीर्घकालिक कृषि साख प्रदान करते हैं। राजीविका स्वयं सहायता समूहों द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण करती है। सिडबी लघु उद्योगों का वित्तपोषण करता है, जबकि जिला उद्योग केंद्र जिला स्तर पर एमएसएमई के विकास हेतु कार्य करते हैं। ये संस्थाएं विकास में सहायक हैं तथा अर्थव्यवस्था को गति देती हैं।

54. (B) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमी
स्टैंड-अप इंडिया योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों में उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इस योजना के अंतर्गत बैंक शाखाओं द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों को नवीन उद्यम स्थापित करने हेतु 10 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का ऋण दिया जाता है। यह योजना समावेशी आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण में सहायक है तथा स्वरोजगार को बढ़ाती है।

55. (D) बैंकिंग सुविधा से वंचित समूहों को सस्ती बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना
वित्तीय समावेशन से तात्पर्य समाज के कमजोर और निम्न-आय समूहों को सस्ती लागत पर पर्याप्त बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत बचत खातों, ऋण, बीमा और भुगतान सुविधाओं को दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना शामिल है।

NODIA

राजस्थान में इसका मुख्य लक्ष्य बैंकिंग से वंचित नागरिकों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में शामिल करना है। इससे आर्थिक विषमता दूर होती है तथा स्वावलंबन को बढ़ावा मिलता है।

56. (A) जयपुर
राजस्थान वित्त निगम का मुख्यालय राज्य की राजधानी जयपुर में स्थित है। 1955 में स्थापित यह निगम राज्य का एक प्रमुख विकास वित्तीय संस्थान है। जयपुर स्थित प्रधान कार्यालय और शाखा कार्यालयों के माध्यम से यह निगम सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को ऋण सहायता प्रदान करता है। यह संस्था संतुलित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने का कार्य करती है, जिससे निवेश में वृद्धि होती है।

57. (C) स्थानीय बैंकों को मुद्रा नोट जारी करना
जिला उद्योग केंद्र जिला स्तर पर लघु और सूक्ष्म उद्योगों के प्रोत्साहन हेतु स्थापित निकाय हैं। इनके कार्यों में उद्यमियों की पहचान, परियोजना प्रोफाइल निर्माण तथा मशीनरी प्राप्त करने में सहायता शामिल है। बैंकों को मुद्रा नोट जारी करना जिला उद्योग केंद्र का कार्य नहीं है, क्योंकि नोट जारी करने का अधिकार केवल भारतीय रिजर्व बैंक के पास होता है, जो देश का केंद्रीय बैंक है।

58. (A) राजस्थान वित्त निगम (RFC)
राजस्थान में युवाओं के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित 'युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना' का कार्यान्वयन राजस्थान वित्त निगम द्वारा किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत युवाओं को नए उद्यम स्थापित करने के लिए रियायती ब्याज दर पर ऋण सहायता दी जाती है। इससे युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर मिलते हैं और वे आत्मनिर्भर बनते हैं तथा बेरोजगारी कम होती है।

59. (D) 10 करोड़ रुपये तक
राजस्थान सरकार द्वारा सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बढ़ावा देने हेतु 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' शुरू की गई है। इस योजना के तहत नए उद्योग स्थापित करने हेतु अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक की ऋण राशि पर ब्याज अनुदान प्रदान किया जाता है। योजना में ऋण राशि के अनुसार 5% से 8% तक का ब्याज अनुदान दिया जाता है, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलता है।

60. (B) बिना किसी जमानत (सम्पार्श्विक) के छोटे ऋण संवितरित करना
सूक्ष्म वित्त संस्थानों की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि वे निम्न-आय वर्गीय लोगों को बिना किसी भौतिक जमानत या सम्पार्श्विक के छोटे ऋण संवितरित करते हैं। इसके विपरीत, पारंपरिक बैंक ऋण स्वीकृत करने हेतु सम्पार्श्विक की मांग करते हैं। सूक्ष्म वित्त संस्थान सामाजिक समूह प्रणाली पर कार्य करते हुए गरीब परिवारों को साख उपलब्ध कराते हैं। इससे गरीबी दूर होती है तथा सशक्तिकरण बढ़ता है।

61. (C) 50 करोड़ रुपये
वर्ष 2020 के संशोधित एमएसएमई वर्गीकरण के अनुसार, किसी उद्यम को "लघु उद्यम" के रूप में तब वर्गीकृत किया जाता है जब उसमें संयंत्र और मशीनरी में निवेश 10 करोड़ रुपये से अधिक न हो तथा उसका टर्नओवर 50 करोड़ रुपये से अधिक न हो। यह नियम विनिर्माण तथा सेवा दोनों क्षेत्रों पर लागू होता है। इससे लघु उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है और वृद्धि होती है।

62. (D) ग्रामीण उधारकर्ताओं के साथ सीधे लेनदेन करने वाली ग्राम स्तरीय सहकारी समिति
प्राथमिक कृषि साख समिति ग्राम स्तर पर गठित एक सहकारी संस्था है जो ग्रामीण किसानों के साथ सीधे लेन-देन करती है। यह अल्पकालिक सहकारी साख व्यवस्था की आधारभूत इकाई है। यह समिति अपने सदस्य किसानों को फसल उत्पादन हेतु अल्पकालिक ऋण और उर्वरक प्रदान करती है। इससे किसानों को समय पर वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जिससे कृषि उत्पादन एवं ग्रामीण समृद्धि बढ़ती है।

63. (A) बकाया ऋणों की वसूली के लिए गिरवी रखी गई संपत्तियों की नीलामी करना
सरफेसी अधिनियम 2002 बैंकों और वित्तीय संस्थानों को बिना अदालत के हस्तक्षेप के एनपीए की वसूली करने का अधिकार देता है। यदि कोई उधारकर्ता ऋण चुकाने में विफल रहता है, तो बैंक गिरवी रखी गई संपत्तियों को अपने कब्जे में लेकर उनकी नीलामी कर सकते हैं। इससे बैंकों की बकाया राशि की वसूली शीघ्रता से सुनिश्चित होती है और एनपीए में कमी आती है।

64. (B) फसल की खेती की आवश्यकताओं के लिए अल्पकालिक साख
किसान क्रेडिट कार्ड योजना 1998 में नाबार्ड के मॉडल पर शुरू की गई थी। इस योजना का उद्देश्य किसानों को फसल की खेती, बीजों व उर्वरकों की खरीद हेतु समय पर अल्पकालिक साख उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से किसानों को रियायती ब्याज दर पर आसान ऋण मिलता है। इससे किसानों की साहूकारों पर निर्भरता समाप्त होती है तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

65. (B) बड़े, मध्यम और लघु पैमाने के औद्योगिक उद्यम
राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम राज्य में बड़े, मध्यम और लघु पैमाने के औद्योगिक उद्यमों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता और सावधि ऋण प्रदान करता है। रीको नई औद्योगिक परियोजनाओं की स्थापना तथा मौजूदा इकाइयों के विस्तार हेतु वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराता है। इससे राज्य में औद्योगिक विकास को निरंतर गति मिलती है तथा व्यापक पैमाने पर रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

66. (A) राज्य में सतत और संतुलित औद्योगिक विकास
राजस्थान सरकार द्वारा घोषित 'राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2022' का मुख्य उद्देश्य राज्य में सतत और संतुलित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है। इस योजना का लक्ष्य

Downloaded from www.pdf.tube

(D) बैंक खाता स्थापित करने पर कानूनी रोक होना

48. ग्रामीण विकास मंत्रालय की केंद्र प्रायोजित योजनाओं (CSS) को लागू करते समय, आमतौर पर राज्य सरकार से क्या अपेक्षा की जाती है?
(A) केंद्र सरकार के सभी वित्तीय आवंटनों को अस्वीकार करना
(B) योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य का अनुपातिक (मैचिंग) हिस्सा प्रदान करना
(C) योजना को पूरी तरह से नया नाम देना और निजी संस्थाओं को सौंपना
(D) योजना के उद्देश्यों को बदलकर केवल शहरी क्षेत्रों में लागू करना

49. राजस्थान में, जिला परिषद के निर्वाचित प्रमुख को क्या कहा जाता है?
(A) सरपंच
(B) जिला प्रमुख
(C) प्रधान
(D) जिला कलेक्टर

50. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (संवैधानिक अनुच्छेद)
P. अनुच्छेद 243D
Q. अनुच्छेद 243G
R. अनुच्छेद 243I
S. अनुच्छेद 243K
सूची II: (पंचायतों से संबंधित प्रावधान)
1. राज्य वित्त आयोग का गठन
2. सीटों का आरक्षण
3. राज्य निर्वाचन आयोग
4. शक्तियाँ, अधिकार और उत्तरदायित्व
(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-1, Q-2, R-3, S-4
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-3, Q-1, R-4, S-2

51. राजस्थान में पंचायत समिति स्तर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी कौन होता है?
(A) उपखंड अधिकारी (SDM)
(B) जिला पुलिस अधीक्षक (SP)
(C) खंड विकास अधिकारी (BDO)
(D) ग्राम विकास अधिकारी (VDO)

52. राजस्थान में ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य करने वाला प्रशासनिक अधिकारी कौन होता है?
(A) जिला कलेक्टर
(B) जिला प्रमुख
(C) मुख्य चिकित्सा अधिकारी
(D) ग्राम विकास अधिकारी (VDO)

53. 'सबकी योजना सबका विकास' अभियान निम्नलिखित में से किसके निर्माण से संबंधित है?
(A) केंद्रीय बजट
(B) स्मार्ट सिटी मिशन
(C) ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP)
(D) राष्ट्रीय शिक्षा नीति

54. पंचायती राज संस्थाओं के लिए धन के स्रोतों के संबंध में असंगत विकल्प की पहचान कीजिए।
(A) केंद्रीय वित्त आयोग द्वारा आवंटित विकास अनुदान
(B) पंचायत द्वारा सीधे एकत्र किया जाने वाला कॉरपोरेट आयकर
(C) राज्य वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित वित्तीय अनुदान
(D) मेलों, हाट-बाजारों और प्रयोक्ता शुल्कों से उत्पन्न स्थानीय स्वयं का राजस्व (OSR)

55. जल जीवन मिशन किस वर्ष तक सभी ग्रामीण परिवारों को नल से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखता है?
(A) 2022
(B) 2024
(C) 2030
(D) 2050

56. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण (चरण-II) का मुख्य लक्ष्य क्या है?
(A) अपशिष्ट प्रबंधन के साथ ODF Plus (ओडीएफ प्लस) का दर्जा प्राप्त करना
(B) ग्रामीण आबादी को स्थायी रूप से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित करना
(C) सभी सार्वजनिक शौचालयों को मुफ्त सौर ऊर्जा प्रदान करना
(D) व्यक्तिगत शौचालयों को बंद करके केवल सामुदायिक परिसर बनाना

57. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) किस प्रकार के बुनियादी ढांचे के निर्माण पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करती है?
(A) प्रमुख औद्योगिक शहरों को जोड़ने वाले चार लेन वाले एक्सप्रेसवे
(B) ग्रामीण विकास खंडों में चलने वाली मेट्रो रेल लाइनें
(C) ग्रामीण बस्तियों को जोड़ने वाली बारहमासी सड़कें
(D) सैन्य परिवहन के लिए निर्मित सीमावर्ती सड़कें

58. मनरेगा के तहत, एक वित्तीय वर्ष में एक ग्रामीण परिवार को गारंटीकृत मजदूरी रोजगार के न्यूनतम कितने दिन प्रदान किए जाते हैं?
(A) 50 दिन
(B) 100 दिन
(C) 200 दिन
(D) 365 दिन

NODIA

अध्याय 34
ग्रामीण विकास में पंचायती राज की भूमिका

1. ग्रामीण विकास का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विनिर्माण और भारी औद्योगिक केंद्र स्थापित करना
(B) ग्रामीण लोगों का समग्र सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास सुनिश्चित करना
(C) ग्रामीण आबादी के प्रमुख शहरी केंद्रों में स्थायी प्रवास को बढ़ावा देना
(D) ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च तकनीकी शिक्षा के विस्तार पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना

2. भारतीय संविधान की किस अनुसूची के तहत पंचायती राज संस्थाओं को सौंपे गए विषयों को सूचीबद्ध किया गया है?
(A) 9वीं अनुसूची
(B) 10वीं अनुसूची
(C) 11वीं अनुसूची
(D) 12वीं अनुसूची

3. निम्नलिखित में से कौन 'ग्राम सभा' को सबसे सही ढंग से परिभाषित करता है?
(A) गाँव के सभी निर्वाचित वार्ड सदस्यों को मिलाकर बनी एक कार्यकारी समिति
(B) खंड विकास अधिकारी द्वारा नियुक्त गाँव के बुजुर्गों की एक सलाहकार परिषद
(C) एक ग्राम पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत सभी पंजीकृत मतदाताओं को मिलाकर बनी एक संस्था
(D) जिला परिषद स्तर पर प्रशासन के लिए जिम्मेदार एक कार्यकारी शाखा

4. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
(A) यह एक वित्तीय वर्ष में एक पात्र ग्रामीण परिवार को 100 दिनों के अकुशल शारीरिक मजदूरी रोजगार की गारंटी देता है।
(B) यह कार्य उन वयस्क सदस्यों को प्रदान किया जाना है जो अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आते हैं।
(C) यह राज्यों में ग्रामीण गरीबी उन्मूलन के उद्देश्य से एक प्राथमिक सरकारी कार्यक्रम के रूप में कार्य करता है।
(D) यह बिना किसी पंचायत भागीदारी के केवल निजी कॉरपोरेट ठेकेदारों द्वारा लागू किया जाता है।

5. ग्रामीण अवसंरचना योजनाओं और उनके प्राथमिक उद्देश्य के संबंध में सही युग्म की पहचान कीजिए।
(A) स्वच्छ भारत मिशन — ग्रामीण घरेलू विद्युतीकरण योजनाएं
(B) जल जीवन मिशन — ग्रामीण परिवारों के लिए किफायती आवास
(C) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना — ग्रामीण सड़क संपर्क
(D) दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना — ग्रामीण स्वच्छता कार्य

6. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के संदर्भ में, 'ODF' शब्द का क्या अर्थ है?
(A) ओपन ड्रेन फ्री (खुली नाली मुक्त)
(B) ओपन डिफिकेशन फ्री (खुले में शौच मुक्त)
(C) ओवरऑल डेवलपमेंट फंड (समग्र विकास कोष)
(D) ऑर्गेनाइज्ड डेवलपमेंट फ्रेमवर्क (संगठित विकास ढांचा)

7. पंचायती राज संस्थाओं को वित्त आयोग के अनुदान का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) राज्य सरकार के सभी प्रशासनिक कर्मचारियों के वेतन और परिचालन खर्चों का भुगतान करना
(B) राज्य में रक्षा अवसंरचना और केंद्रीय सैन्य परिचालन गतिविधियों को वित्तपोषित करना
(C) ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े निजी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को कम ब्याज पर ऋण प्रदान करना
(D) बुनियादी स्थानीय विकास कार्यों को करने के लिए पंचायतों को वित्तीय सहायता प्रदान करना

8. संविधान की 11वीं अनुसूची में सूचीबद्ध 29 विषयों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा असंगत है?
(A) अग्निशमन सेवाएं
(B) कृषि और कृषि विस्तार
(C) पेयजल
(D) ग्रामीण आवास

9. ग्रामीण विकास में जिला परिषद की प्राथमिक समन्वयकारी भूमिका क्या है?
(A) सभी व्यक्तिगत ग्रामीण निवासियों से सीधे वार्षिक आयकर का आकलन और संग्रहण करना
(B) राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्तियों और संवैधानिक शपथों को आधिकारिक रूप देना
(C) जिले में पंचायत समितियों द्वारा तैयार की गई विकास योजनाओं का समेकन करना

Click Here to Buy book on Flipkart

रोजगार सृजन तथा पिछड़े क्षेत्रों में निवेश को विशेष छूट देकर आकर्षित करना है। इसमें कर छूट और सब्सिडी दी जाती है। इससे राज्य में औद्योगिक माहौल सुदृढ़ बनता है और आर्थिक प्रगति को गति मिलती है।

67. (C) 5 वर्ष से 15 वर्ष
भूमि विकास बैंकों द्वारा प्रदान किए जाने वाले कृषि ऋणों की प्रकृति दीर्घकालिक होती है। इन बैंकों द्वारा स्वीकृत दीर्घकालिक ऋण की पुनर्भुगतान अवधि सामान्यतः 5 वर्ष से 15 वर्ष तक होती है। इतनी लंबी अवधि किसानों को भारी पूंजीगत कृषि परिसंपत्तियों के लिए ऋण चुकाने में सुविधा देती है। इससे किसानों पर वित्तीय दबाव कम होता है तथा कृषि परिसंपत्ति निर्मित होती है।

68. (D) बैंकिंग सुविधा से वंचित गांवों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने वाले बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (Business Correspondents)
ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को विस्तार देने के लिए 'बैंक मित्र' यानी बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट की नियुक्ति की जाती है। ये वे प्रतिनिधि होते हैं जो बिना शाखा वाले गांवों में बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं। ये माइक्रो-एटीएम से खाता खोलने, नकद निकासी और जमा की सुविधा देते हैं। इससे ग्रामीण बैंकिंग अत्यंत सुलभ बनती है तथा वित्तीय समावेशन सुदृढ़ होता है।

69. (C) RIICO
राजस्थान में कृषि प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर और अलवर में 'एग्रो फूड पार्क' का विकास राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम द्वारा किया गया है। रीको इन पार्कों में कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को आधुनिक अवसंरचना और सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इससे कृषि आधारित उद्योगों का तेज विकास होता है तथा किसानों को उचित मूल्य मिलता है।

70. (B) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)
राजस्थान की अल्पकालिक सहकारी साख संरचना में ग्राम स्तर पर प्राथमिक कृषि साख समितियां, जिला स्तर पर केंद्रीय सहकारी बैंक तथा राज्य स्तर पर राज्य सहकारी बैंक शामिल हैं। इसके विपरीत, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक इस सहकारी साख ढांचे का भाग न होकर एमएसएमई क्षेत्र का एक राष्ट्रीय विकास वित्तीय संस्थान है। अतः यह भिन्न संस्थान है जो पृथक श्रेणी में आता है।

NODIA

19. ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) के संबंध में गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) इसमें गाँव की प्रमुख बुनियादी ढांचागत और सामाजिक जरूरतों को व्यवस्थित रूप से पहचानना और प्राथमिकता देना शामिल है।
(B) अंतिम GPDP की समीक्षा करने और उसे औपचारिक रूप से मंजूरी देने में ग्राम सभा एक अनिवार्य संवैधानिक भूमिका निभाती है।
(C) यह केंद्रीय अधिकारियों द्वारा अलग-थलग तरीके से तैयार की जाती है और सीधे गाँवों पर थोपी जाती है।
(D) इसमें संविधान की 11वीं अनुसूची के तहत पंचायतों को हस्तांतरित कार्यात्मक विषय शामिल हैं।

20. पेसा (PESA) अधिनियम, 1996 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसे संविधान के भाग IX के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए अधिनियमित किया गया था।
II. यह ग्राम सभा को जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं की रक्षा करने का अधिकार देता है।
III. राजस्थान पेसा अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत शामिल नहीं है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और III
(B) केवल II और III
(C) I, II और III
(D) केवल I और II

21. PESA (पेसा) अधिनियम का पूरा नाम क्या है?
(A) पंचायत (सॉवरेन स्टेट एरियाज में विस्तार) अधिनियम
(B) पॉवर्टी इरेडिकेशन एंड सस्टेनेबल सोशल एक्शन एक्ट
(C) पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम
(D) पब्लिक एम्पावरमेंट एंड सैनिटेशन एक्शन एक्ट

22. राजस्थान में पंचायती राज प्रतिनिधियों और ग्रामीण विकास अधिकारियों के क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के लिए मुख्य रूप से कौन सा नोडल संस्थान जिम्मेदार है?
(A) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT)
(B) राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (SIRD)
(C) भारतीय रिजर्व बैंक क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (RBI)
(D) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)

23. ग्रामीण अवसंरचना के संबंध में गलत युग्म की पहचान कीजिए।
(A) पीएमजीएसवाई (PMGSY) — बारहमासी ग्रामीण सड़कों का निर्माण
(B) स्वच्छ भारत मिशन — स्वच्छता और स्वच्छता प्रबंधन
(C) ई-ग्राम स्वराज — डिजिटल शासन और ग्रामीण वित्तीय ट्रैकिंग
(D) जल जीवन मिशन — ग्रामीण विद्युतीकरण

24. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के कार्यान्वयन में पंचायती राज संस्थाओं की प्राथमिक भूमिका क्या है?
(A) ग्रामीण सड़क मार्गों की पहचान करना और परियोजना की प्रगति की निगरानी करना
(B) निर्दिष्ट ग्रामीण सड़कों पर चलाए जाने वाले वाणिज्यिक परिवहन वाहनों का निर्माण करना
(C) स्थानीय संपत्ति करों के संग्रह के माध्यम से योजना का पूरी तरह से वित्तपोषण करना
(D) अंतरराज्यीय राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए यातायात का नियंत्रण करना और गति सीमा निर्धारित करना

25. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए:
सूची I: (ग्रामीण विकास योजनाएं)
P. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)
Q. जल जीवन मिशन
R. पीएमजीएसवाई (PMGSY)
S. एनआरएलएम (NRLM)
सूची II: (प्राथमिक ध्यान/फोकस क्षेत्र)
1. ओडीएफ और ठोस/तरल कचरा प्रबंधन
2. हर ग्रामीण घर में नल का पानी
3. ग्रामीण सड़क कनेक्टिविटी
4. स्वयं सहायता समूह और आजीविका
(A) P-2, Q-1, R-4, S-3
(B) P-3, Q-4, R-1, S-2
(C) P-1, Q-2, R-3, S-4
(D) P-4, Q-3, R-2, S-1

NODIA

26. पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष परिणाम निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) स्थानीय स्वास्थ्य, शिक्षा और जलापूर्ति के मुद्दों पर अधिक ध्यान
(B) राज्य की ग्रामीण साक्षरता दर में गिरावट
(C) ग्राम सभा का पूर्ण संवैधानिक उन्मूलन
(D) उपजाऊ कृषि भूमि का बड़े कॉरपोरेट निकायों को हस्तांतरण

27. राज्य वित्त आयोग के सामान्य कार्यों के संबंध में असंगत विकल्प की पहचान कीजिए।
(A) राज्य और पंचायतों के बीच करों के वितरण की सिफारिश करना
(B) उन करों, शुल्कों और पथकरों (टोल) को निर्धारित करना जो पंचायतों को सौंपे जा सकते हैं
(C) राज्य की संचित निधि से पंचायतों को सहायता अनुदान की सिफारिश करना
(D) पंचायत समिति के लिए खंड विकास अधिकारी (BDO) की नियुक्ति करना

28. संविधान की 11वीं अनुसूची के तहत पंचायती राज संस्थाओं को कुल कितने कार्यात्मक विषय सौंपे गए हैं?

(A) 18
(B) 21
(C) 25
(D) 29

29. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ग्राम पंचायत की प्रमुख भूमिका क्या है?
(A) ग्रामीण क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की योजना बनाना और निर्माण करना
(B) बड़े भूस्वामियों को उच्च क्षमता वाले ट्रैक्टर वितरित करना
(C) घरेलू शौचालय निर्माण को प्रोत्साहित करना और ODF स्थिति की निगरानी करना
(D) राज्य सरकार के संपूर्ण केंद्रीय स्वच्छता बजट का सीधे प्रबंधन करना

30. ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) तैयार करने के निम्नलिखित चरणों को सही क्रमिक अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. वातावरण निर्माण और सामुदायिक लामबंदी
2. आवश्यकताओं का आकलन और स्थिति का विश्लेषण
3. परियोजना निर्माण और योजना दस्तावेज तैयार करना
4. ग्राम सभा द्वारा योजना को अंतिम स्वीकृति देना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही अनुक्रम का चयन कीजिए:
(A) 1, 2, 3, 4
(B) 2, 1, 4, 3
(C) 3, 4, 1, 2
(D) 4, 3, 2, 1

31. संविधान के अनुच्छेद 243ZD के तहत, किसी जिले में पंचायतों और नगर पालिकाओं द्वारा तैयार की गई योजनाओं को समेकित करने के लिए किस समिति का गठन किया जाता है?
(A) जिला योजना समिति (DPC)
(B) राज्य आर्थिक विकास परिषद
(C) जिला ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास समिति
(D) राष्ट्रीय स्तर का केंद्रीय योजना आयोग

32. ग्रामीण विकास में 'विकेंद्रीकृत नियोजन' की मूल अवधारणा क्या है?
(A) योजना विशेष रूप से राष्ट्रीय राजधानी में कार्यरत केंद्र सरकार के अधिकारियों द्वारा निष्पादित की जाती है।
(B) ऊपर की ओर बढ़ने से पहले योजना स्थानीय नागरिकों की भागीदारी के साथ जमीनी स्तर से शुरू होती है।
(C) नियोजन की जिम्मेदारियां पूरी तरह से गैर-सरकारी निजी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को हस्तांतरित कर दी जाती हैं।
(D) राज्य का राज्यपाल ग्रामीण निकायों से परामर्श किए बिना सभी स्थानीय विकास योजनाओं को तैयार और स्वीकृत करता है।

33. ग्रामीण विकास के संदर्भ में, राज्यों द्वारा कार्यान्वित योजनाओं का उल्लेख करते समय CSS का क्या अर्थ है?
(A) सेंट्रल सोशल सर्विसेज
(B) केंद्र प्रायोजित योजनाएं (Centrally Sponsored Schemes)
(C) कम्युनिटी सपोर्ट स्ट्रक्चर्स
(D) कोऑर्डिनेटेड स्टेट सिस्टम्स

34. जल जीवन मिशन के तहत, गाँव की जलापूर्ति अवसंरचना की योजना बनाने, संचालन करने और रखरखाव के लिए मुख्य रूप से कौन सा स्थानीय निकाय जिम्मेदार है?
(A) ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (VWSC)
(B) केंद्रीय भूजल संसाधन योजना बोर्ड
(C) राज्य मानवाधिकार एवं समाज कल्याण आयोग
(D) जिला स्तरीय न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय प्राधिकरण

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): भारत में अधिकांश पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
कारण (R): वे उच्च स्थानीय करों के माध्यम से प्रचुर मात्रा में स्वयं का राजस्व उत्पन्न करती हैं और राज्य सरकार के अनुदानों पर निर्भर नहीं हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

36. पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मनरेगा योजना के तहत लाभार्थियों को आमतौर पर मजदूरी का भुगतान कैसे किया जाता है?
(A) स्थानीय गाँव के सरपंच के माध्यम से श्रमिकों को सीधे नकद सौंपकर
(B) वित्तीय मौद्रिक भुगतानों के स्थान पर मासिक भौतिक राशन और खाद्यान्न वितरित करके
(C) नई दिल्ली में केंद्र सरकार के मंत्रालयों द्वारा सीधे जारी किए गए व्यक्तिगत बैंक चेक के माध्यम से
(D) बैंक या डाकघर खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से

37. ग्रामीण गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों में पंचायती राज संस्थाओं का प्रमुख योगदान क्या है?
(A) सभी ग्रामीण निवासियों से स्थानीय संपत्ति करों की उच्च दरें जुटाना और एकत्र करना
(B) कम आय वाले ग्रामीण परिवारों के शहरी मलिन बस्तियों में संगठित पुनर्वास को सुगम बनाना
(C) ग्राम सभा के माध्यम से पात्र लाभार्थियों का पारदर्शी

Downloaded from www.pdf.tube

चयन
(D) राज्य और केंद्र सरकार की ग्रामीण विकास योजनाओं को लागू करने से मना करना

38. ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) मुख्य रूप से किसके द्वारा किया जाता है?
(A) खंड विकास अधिकारी
(B) ग्राम सभा
(C) राज्य वित्त मंत्री
(D) उपखंड अधिकारी (SDM)

39. नागरिकों के लिए ई-ग्राम स्वराज पोर्टल का एक प्रमुख लाभ क्या है?
(A) यह व्यक्तिगत नागरिकों को ऑनलाइन निजी और कृषि भूमि खरीदने में सक्षम बनाता है।
(B) यह हर गाँव के घर में मुफ्त उच्च गति वाले इंटरनेट की स्थापना की सुविधा प्रदान करता है।
(C) यह स्थानीय गाँव के हस्तशिल्प सामान खरीदने के लिए एक सरकारी ई-कॉमर्स पोर्टल के रूप में काम करता है।
(D) यह पंचायत के वित्त, लेखांकन और कार्य प्रगति की निगरानी (ट्रैकिंग) को सक्षम बनाता है।

40. पंचायत समिति की भूमिका के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह ग्राम पंचायत और जिला परिषद के बीच एक मध्यवर्ती स्तर के रूप में कार्य करती है।
II. खंड विकास अधिकारी इस स्तर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी होता है।
III. यह अपने क्षेत्राधिकार में ग्रामीण विकास योजनाओं के पर्यवेक्षण में कोई भूमिका नहीं निभाती है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

41. पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य वित्त आयोग का गठन कौन करता है?
(A) भारत का प्रधानमंत्री
(B) राज्य का मुख्यमंत्री
(C) राज्य का राज्यपाल
(D) सबसे बड़े गाँव का सरपंच

42. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (RGSA) जैसी योजनाओं के तहत क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राथमिक रूप से किसे लक्षित करते हैं?
(A) निर्वाचित पंचायती राज प्रतिनिधियों और ग्रामीण कर्मचारियों को
(B) प्रमुख शहरी शहरों में काम कर रहे निर्वाचित नगर निगम पार्षदों और प्रशासनिक कर्मियों को
(C) निजी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कॉरपोरेट अधिकारियों और कर्मचारियों को
(D) राज्य की राजधानी के संस्थानों में अध्ययनरत उच्च विद्यालय के छात्रों को

43. निम्नलिखित में से कौन सा पंचायती राज और कृषि विकास के बीच समन्वय का एक उदाहरण है?
(A) ग्रामीण ब्लॉकों में बड़े औद्योगिक इस्पात संयंत्रों और भारी मशीनरी इकाइयों का संचालन करना
(B) सीधे गाँवों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कृषि वस्तुओं के निर्यात का प्रबंधन करना
(C) वाणिज्यिक पायलटों के लिए विशेष उड़ान प्रशिक्षण कार्यक्रम और विमानन प्रमाणन आयोजित करना
(D) बीज, उर्वरक वितरित करना और मशीनरी के लिए स्थानीय कस्टम हायरिंग सेंटरों का प्रबंधन करना

44. ग्रामीण विकास में स्वयं सहायता समूहों (SHGs) की मुख्य भूमिका क्या है?
(A) सभी ग्रामीण कृषि परिवारों से आयकर का आकलन और संग्रह करना
(B) सामूहिक बचत और आजीविका के माध्यम से गरीबों को सशक्त बनाना
(C) स्थानीय गाँवों में पुलिस बल के कर्तव्यों को निभाना
(D) राज्य की सीमाओं के पार बहु-लेन राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण करना

45. निम्नलिखित में से कौन ग्राम स्तर से जिला स्तर तक पंचायती राज संस्थाओं के सही पदानुक्रमित क्रम को दर्शाता है?
(A) ग्राम सभा → पंचायत समिति → जिला परिषद
(B) जिला परिषद → पंचायत समिति → ग्राम पंचायत
(C) ग्राम पंचायत → पंचायत समिति → जिला परिषद
(D) पंचायत समिति → ग्राम पंचायत → जिला परिषद

46. जनजातीय क्षेत्रों में पेसा (PESA) अधिनियम का एक प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) जनजातीय आबादी का आधुनिक औद्योगिक शहरों में पुनर्वास सुगम बनाना
(B) नामित जनजातीय ग्रामीण क्षेत्रों को सीधे पड़ोसी नगर निगमों में मिलाना
(C) सभी स्थानीय प्राकृतिक वन संसाधनों पर विशुद्ध रूप से संघ सरकार के तहत अधिकार केंद्रित करना
(D) अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वशासन सुनिश्चित करना

47. पंचायती राज संस्थाओं द्वारा सामना की जाने वाली वित्तीय आत्मनिर्भरता की चुनौतियों का एक प्रमुख कारण निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) स्थानीय करों से पर्याप्त स्वयं का राजस्व (OSR) जुटाने में असमर्थता
(B) स्थानीय करों और प्रयोक्ता शुल्कों का अत्यधिक संग्रह
(C) विश्व बैंक से अत्यधिक प्रत्यक्ष अंतरराष्ट्रीय विकास सहायता प्राप्त होना

NODIA

(D) सभी ग्रामीण नागरिकों के दस्तावेजों का सत्यापन करना और आधिकारिक पासपोर्ट जारी करना

10. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची I: (पंचायती राज स्तर/निकाय)

P. ग्राम सभा
Q. ग्राम पंचायत
R. पंचायत समिति
S. जिला परिषद

सूची II: (उनकी प्रकृति/भूमिका)

1. गाँव के सभी पंजीकृत मतदाताओं की आम सभा
2. ग्राम स्तर पर कार्यकारी निकाय
3. ब्लॉक (खंड) स्तर पर मध्यवर्ती कार्यान्वयन एजेंसी
4. जिला स्तर पर समन्वयकारी और पर्यवेक्षी निकाय

(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-2, Q-1, R-4, S-3
(C) P-4, Q-3, R-2, S-1
(D) P-1, Q-3, R-2, S-4

11. पंचायत स्तर पर डिजिटल शासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए पंचायती राज मंत्रालय द्वारा कौन सा पोर्टल शुरू किया गया था?

(A) ई-किसान पोर्टल
(B) ई-भूमि इंडिया
(C) ई-रूरल डेवलपमेंट
(D) ई-ग्राम स्वराज

12. महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में, राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं?

(A) 25%
(B) 33%
(C) 50%
(D) 75%

13. निम्नलिखित में से कौन पंचायत स्तर पर 'सामाजिक अंकेक्षण' (सोशल ऑडिट) को परिभाषित करता है?

(A) केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा किया जाने वाला औपचारिक वित्तीय अंकेक्षण
(B) गाँव की योजनाओं के लिए विश्व बैंक के अधिकारियों द्वारा सीधे निष्पादित वार्षिक वित्तीय अंकेक्षण और समीक्षा
(C) पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सभा द्वारा कार्यों और व्यय का मूल्यांकन
(D) व्यक्तिगत ग्रामीण नागरिकों के निजी बैंक खातों की समीक्षा करने वाला अनिवार्य सरकारी अंकेक्षण

14. ग्रामीण विकास में स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के संबंध में कौन सा कथन सही है?

(A) ये भारी कृषि मशीनरी खरीदने के लिए विशेष रूप से धनी भूस्वामियों द्वारा स्थापित संघ हैं।
(B) ये अनधिकृत प्रशासनिक संस्थाएं हैं जो ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रतिबंधित हैं।
(C) ये राज्य सरकारों के लिए संपत्ति कर एकत्र करने वाली राजस्व संग्रह एजेंसियों के रूप में काम करते हैं।
(D) ये ग्रामीण महिलाओं के बीच सूक्ष्म-बचत, परस्पर ऋण और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं।

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:

अभिकथन (A): ग्राम सभा ग्रामीण क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत नियोजन की नींव बनाती है।

कारण (R): यह गाँव के सभी वयस्क मतदाताओं को निर्णय लेने और नियोजन में सीधे भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

16. ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन का मुख्य लक्ष्य क्या है?

(A) सभी कृषि खेतों को पूरी तरह से सब्सिडी वाली सौर ऊर्जा और मुफ्त बिजली प्रदान करना
(B) प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) सुनिश्चित करना
(C) प्रत्येक ब्लॉक में बड़े जल निकायों और प्रमुख जलविद्युत बांधों का निर्माण करना
(D) केवल व्यावसायिक और औद्योगिक उपयोग के लिए उच्च क्षमता वाले गहरे बोरवेल खोदना

17. पंचायती राज संस्थाओं द्वारा प्रबंधित निम्नलिखित में से कौन सी एक प्रमुख योजना है जो गरीबों को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करके ग्रामीण गरीबी उन्मूलन पर ध्यान केंद्रित करती है?

(A) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)
(B) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)
(C) आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
(D) मेक इन इंडिया फ्लैगशिप कार्यक्रम

18. ग्रामीण विकास नियोजन के संदर्भ में 'GPDP' का क्या अर्थ है?

(A) ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान (ग्राम पंचायत विकास योजना)
(B) ग्रॉस पंचायत डोमेस्टिक प्रोडक्ट
(C) ग्राम पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन प्लान
(D) जनरल पॉवर्टी डिक्लाइन प्रोग्राम

Click Here to Buy book on Amazon

59. 2 अक्टूबर 1959 को त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का उद्घाटन करने वाला भारत का पहला राज्य कौन सा था?
(A) गुजरात
(B) आंध्र प्रदेश
(C) मध्य प्रदेश
(D) राजस्थान

60. मनरेगा के कार्यान्वयन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. ग्राम पंचायतें परिवारों का पंजीकरण करने और जॉब कार्ड जारी करने के लिए जिम्मेदार हैं।
II. ग्राम सभा मनरेगा कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) करने के लिए जिम्मेदार है।
III. यह योजना भारत में सभी व्यक्तियों के लिए 300 दिनों के मजदूरी रोजगार की गारंटी देती है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल III
(C) केवल II
(D) केवल I और II

61. कौन सा संवैधानिक अनुच्छेद प्रत्येक पाँच वर्ष में राज्य वित्त आयोग के गठन का प्रावधान करता है?
(A) अनुच्छेद 243-A
(B) अनुच्छेद 243-D
(C) अनुच्छेद 243-I
(D) अनुच्छेद 243-K

62. 73वां संविधान संशोधन अधिनियम, जिसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिया, किस वर्ष लागू हुआ?
(A) 1947
(B) 1959
(C) 1993
(D) 2005

63. पंचायती राज व्यवस्था के किस स्तर पर ब्लॉक (खंड) स्तर की अधिकांश ग्रामीण विकास योजनाओं का निष्पादन और निगरानी की जाती है?
(A) पंचायत समिति
(B) ग्राम सभा
(C) जिला परिषद
(D) राज्य योजना आयोग

64. ग्राम सभा की संस्था को किसके लिए एक मंच के रूप में सबसे उपयुक्त माना जाता है?
(A) प्रतिनिधि संसदीय लोकतंत्र
(B) ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष लोकतंत्र
(C) केंद्रीकृत प्रशासनिक शासन
(D) आपराधिक मुकदमों का न्यायिक परीक्षण

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है:
अभिकथन (A): ई-ग्राम स्वराज जैसी ई-पंचायत पहलों को अपनाने से ग्रामीण शासन में पारदर्शिता बढ़ी है।
कारण (R): डिजिटल शासन पोर्टल ग्रामीण परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की ऑनलाइन सार्वजनिक निगरानी की अनुमति देते हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

NODIA

66. कौन सी संस्था किसी जिले के भीतर पंचायत समितियों की विकास गतिविधियों से संबंधित सभी मामलों पर राज्य सरकार को सलाह देने का कार्य करती है?
(A) जिला परिषद
(B) ग्राम पंचायत
(C) उच्च न्यायालय
(D) निर्वाचन आयोग

67. पंचायत स्तर पर सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) मुख्य रूप से किसे रोकने में मदद करता है?
(A) व्यक्तिगत ग्रामीणों की धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं को
(B) प्राथमिक विद्यालयों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम को
(C) सार्वजनिक विकास निधि के भ्रष्टाचार और दुरुपयोग को
(D) केंद्र सरकार के कूटनीतिक निर्णयों को

68. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सशक्तिकरण से सामान्यतः क्या परिणाम देखा जाता है?
(A) स्थानीय बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं पर रोक
(B) ग्राम परिषद से पुरुष सदस्यों को हटाना
(C) नियमित ग्राम सभा की बैठकों में कमी
(D) पेयजल, स्वच्छता और बाल स्वास्थ्य को अधिक प्राथमिकता

69. किस ऐतिहासिक समिति ने भारत में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की सिफारिश की थी?
(A) स्वर्ण सिंह समिति
(B) कोठारी आयोग
(C) बलवंत राय मेहता समिति
(D) सरकारिया आयोग

70. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) का मुख्य लक्ष्य क्या है?
(A) ग्रामीण युवाओं को मुफ्त स्मार्टफोन वितरित करना
(B) स्वयं सहायता समूहों (SHGs) जैसे टिकाऊ संस्थाओं का निर्माण करके गरीबी को कम करना

एकीकृत विकास के लिए योजनाओं को अंतिम रुप देती है, धन का आवंटन करती है तथा राज्य सरकार और निचले पंचायत स्तरों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रुप में पर्यवेक्षण का कार्य करती है।

10. (A) P-1, Q-2, R-3, S-4
पंचायती राज प्रणाली विभिन्न स्तरों पर स्पष्ट भूमिकाओं के साथ कार्य करती है। ग्राम सभा गाँव के सभी पंजीकृत मतदाताओं की आम सभा के रुप में प्राथमिक निकाय है। ग्राम पंचायत ग्राम स्तर पर योजनाओं को लागू करने वाली कार्यकारी इकाई है। मध्यवर्ती स्तर पर पंचायत समिति ब्लॉक स्तर पर समन्वय करती है, जबकि जिला परिषद शीर्ष स्तर पर पूरे जिले की विकास गतिविधियों का पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन और समेकन का कार्य करती है।

11. (D) ई-ग्राम स्वराज
पंचायती राज मंत्रालय द्वारा शुरु किया गया 'ई-ग्राम स्वराज' पोर्टल डिजिटल शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह एकल मंच पंचायतों के योजना निर्माण, बजट आवंटन, लेखांकन और परियोजना ट्रैकिंग की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है। इसके माध्यम से ग्रामीण विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है, जिससे नागरिक आसानी से अपने गाँव की विकास योजनाओं और वित्तीय व्यय की ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

12. (C) 50%
राजस्थान सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया है। यद्यपि संविधान का 73वां संशोधन न्यूनतम 33 प्रतिशत आरक्षण का अनिवार्य प्रावधान करता है, परंतु कई राज्यों ने इसे बढ़ाकर आधा कर दिया है। इस नीति से ग्रामीण स्थानीय स्वशासन में महिलाओं का राजनीतिक सशक्तीकरण हुआ है और वे निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में प्रभावी भूमिका निभा रही हैं।

13. (C) पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सभा द्वारा कार्यों और व्यय का मूल्यांकन
पंचायती राज व्यवस्था में 'सामाजिक अंकेक्षण' एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें ग्राम सभा के माध्यम से विकास योजनाओं का मूल्यांकन किया जाता है। इसके अंतर्गत निष्पादित कार्यों, प्रयुक्त धन और लाभार्थियों की सूची को सार्वजनिक रुप से प्रस्तुत किया जाता है। यह प्रक्रिया सरकारी धन के दुरुपयोग को रोकती है, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाती है तथा ग्रामीण विकास में पारदर्शिता, जवाबदेही और सामुदायिक सहभागिता को सुनिश्चित करने का एक सशक्त माध्यम है।

14. (D) ये ग्रामीण महिलाओं के बीच सूक्ष्म-बचत, परस्पर ऋण और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं।
स्वयं सहायता समूह (SHGs) ग्रामीण क्षेत्रों में समान सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले लोगों, विशेष रुप से महिलाओं के स्वैच्छिक अनौपचारिक संघ हैं। ये समूह नियमित सूक्ष्म-बचत को बढ़ावा देते हैं और सदस्यों को आपसी ऋण सुविधा प्रदान करते हैं। बैंक लिंकेज के माध्यम से ये समूह कम ब्याज पर ऋण प्राप्त करके महिलाओं को स्वरोजगार तथा आजीविका गतिविधियों से जोड़ते हैं, जिससे ग्रामीण गरीबी उन्मूलन और महिला सशक्तीकरण को बल मिलता है।

15. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
ग्राम सभा पंचायती राज प्रणाली की मूलभूत इकाई है, जो सहभागी और विकेंद्रीकृत लोकतंत्र की नींव रखती है। यह गाँव के सभी नामांकित मतदाताओं को एक मंच प्रदान करती है जहाँ वे स्थानीय समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं और विकास योजनाओं का सीधा अनुमोदन कर सकते हैं। चूंकि प्रत्येक नागरिक को निर्णय प्रक्रिया में सीधी भागीदारी मिलती है, इसलिए ग्राम सभा निचले स्तर पर पारदर्शी एवं उत्तरदायी नियोजन सुनिश्चित करती है।

16. (B) प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) सुनिश्चित करना
जल जीवन मिशन भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका प्राथमिक लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को व्यक्तिगत नल कनेक्शन के माध्यम से नियमित और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है। इस मिशन का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को दूर-दराज से पानी लाने के श्रमसाध्य कार्य से राहत दिलाना है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में जल-जनित बीमारियों में कमी आती है और सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मानकों में व्यापक सुधार होता है।

17. (B) राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM)
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित एक फ्लैगशिप कार्यक्रम है। इसका मुख्य उद्देश्य गरीब और वंचित ग्रामीण परिवारों को स्वयं सहायता समूहों में संगठित करके गरीबी को दूर करना है। यह मिशन इन समूहों को वित्तीय सेवाएं, कौशल प्रशिक्षण और स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करता है। पंचायती राज संस्थाओं के सहयोग से यह योजना ग्रामीण महिलाओं और निर्धन वर्ग का सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण करती है।

18. (A) ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान (ग्राम पंचायत विकास योजना)
'जीपीडीपी' का पूर्ण रुप ग्राम पंचायत विकास योजना है, जो ग्राम स्तर पर तैयार की जाने वाली एक वार्षिक समेकित विकास योजना है। इसमें संविधान की 11वीं अनुसूची में शामिल विषयों से संबंधित स्थानीय आवश्यकताओं, बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आजीविका के मुद्दों को सम्मिलित किया जाता है। जीपीडीपी की प्रक्रिया में ग्राम सभा की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य होती है, जिससे विकेंद्रीकृत और सहभागी नियोजन की अवधारणा को वास्तविक रुप मिलता है।

19. (C) यह केंद्रीय अधिकारियों द्वारा अलग-थलग तरीके से तैयार की जाती है और सीधे गाँवों पर थोपी जाती है।
ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की मूल अवधारणा नीचे से ऊपर की ओर नियोजन प्रणाली पर आधारित है। यह

Downloaded from www.pdf.tube

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) ग्रामीण लोगों का समग्र सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास सुनिश्चित करना
ग्रामीण विकास का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है। यह प्रक्रिया केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके अंतर्गत सामाजिक समानता, आर्थिक अवसर, बुनियादी ढांचे का विस्तार तथा राजनीतिक सशक्तीकरण शामिल है। इसके माध्यम से ग्रामीण समुदाय की आजीविका के साधनों को सुदृढ़ किया जाता है और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करके समग्र कल्याण को बढ़ावा दिया जाता है।

2. (C) 11वीं अनुसूची
भारतीय संविधान में 73वें संशोधन अधिनियम 1992 द्वारा 11वीं अनुसूची को शामिल किया गया था। इस अनुसूची के तहत पंचायती राज संस्थाओं को हस्तांतरित किए गए 29 कार्यात्मक विषयों की सूची प्रदान की गई है। इन विषयों में कृषि, ग्रामीण आवास, पेयजल, सड़कें, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम तथा प्राथमिक शिक्षा जैसे स्थानीय विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। यह व्यवस्था ग्रामीण निकायों को स्वायत्तता प्रदान कर स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाती है।

3. (C) एक ग्राम पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत सभी पंजीकृत मतदाताओं को मिलाकर बनी एक संस्था
ग्राम सभा पंचायती राज व्यवस्था की मूल प्राथमिक संस्था है, जो प्रत्यक्ष लोकतंत्र का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत करती है। इसमें किसी ग्राम पंचायत क्षेत्र के भीतर रहने वाले वे सभी व्यक्ति शामिल होते हैं, जिनका नाम स्थानीय मतदाता सूची में पंजीकृत होता है। ग्राम सभा गाँव की विकास योजनाओं की समीक्षा करने, लाभार्थियों का चयन करने तथा ग्राम पंचायत के कार्यों एवं व्यय का सामाजिक अंकेक्षण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

4. (D) यह बिना किसी पंचायत भागीदारी के केवल निजी कॉरपोरेट ठेकेदारों द्वारा लागू किया जाता है।
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा बढ़ाने की एक वैधानिक योजना है। इसके तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के अकुशल मजदूरी रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाती है। इस योजना की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें ठेकेदारों और मशीनों का उपयोग वर्जित है। ग्राम पंचायतें योजना निर्माण, पंजीकरण तथा कार्यान्वयन में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।

5. (C) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना — ग्रामीण सड़क संपर्क
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना वर्ष 2000 में शुरू की गई एक प्रमुख केंद्रीय योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की असंबद्ध ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों में उपयोगी बारहमासी सड़कों के माध्यम से मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ना है। ग्रामीण सड़क कनेक्टिविटी सुदृढ़ होने से किसानों को बाजारों तक पहुँच, बच्चों को शिक्षा तथा ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर सुविधा प्राप्त होती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलती है।

6. (B) ओपन डिफिकेशन फ्री (खुले में शौच मुक्त)
स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत 'ओडीएफ' का तात्पर्य खुले में शौच मुक्त स्थिति से है। यह एक ऐसी व्यवस्था को संदर्भित करता है जहाँ समुदाय का प्रत्येक व्यक्ति खुले में शौच करने के बजाय हमेशा सुरक्षित शौचालय का उपयोग करता है। ओडीएफ स्थिति प्राप्त करने से ग्रामीण क्षेत्रों में जल जनित बीमारियों का प्रसार कम होता है, जनस्वास्थ्य में सुधार होता है और महिलाओं को सुरक्षा तथा गरिमापूर्ण जीवन प्राप्त होता है।

7. (D) बुनियादी स्थानीय विकास कार्यों को करने के लिए पंचायतों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
केंद्रीय एवं राज्य वित्त आयोग द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय अनुदान प्रदान किया जाता है। इस वित्तीय आवंटन का प्राथमिक उद्देश्य स्थानीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें बुनियादी विकास कार्य निष्पादित करने में सहायता करना है। इन अनुदानों का उपयोग पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, स्थानीय सड़कों के रखरखाव, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था तथा सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण जैसे आवश्यक कार्यों के लिए पंचायतों द्वारा निष्पादित किया जाता है।

8. (A) अग्निशमन सेवाएं
भारतीय संविधान की 11वीं अनुसूची में पंचायती राज संस्थाओं को सौंपे गए 29 कार्यात्मक विषयों का उल्लेख है। इन विषयों में कृषि, पेयजल, ग्रामीण आवास, सड़कें, गरीबी उन्मूलन तथा प्राथमिक शिक्षा जैसे ग्रामीण विकास के मुद्दे शामिल हैं। अग्निशमन सेवाएँ 12वीं अनुसूची के अंतर्गत शहरी स्थानीय निकायों का विषय हैं, न कि ग्रामीण पंचायतों का। अतः यह विषय ग्रामीण स्वशासन के अंतर्गत आने वाली 11वीं अनुसूची में शामिल नहीं है।

9. (C) जिले में पंचायत समितियों द्वारा तैयार की गई विकास योजनाओं का समेकन करना
जिला परिषद पंचायती राज व्यवस्था के शीर्ष स्तर पर कार्य करने वाली संस्था है। इसका मुख्य कार्य जिले की विभिन्न पंचायत समितियों द्वारा तैयार की गई विकास योजनाओं का समेकन और समन्वय करना है। जिला परिषद संपूर्ण जिले के

NODIA

70. (B) स्वयं सहायता समूहों (SHGs) जैसे टिकाऊ संस्थाओं का निर्माण करके गरीबी को कम करना
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण निर्धन परिवारों को स्वयं सहायता समूहों (SHGs) जैसी सामुदायिक संस्थाओं में संगठित करके गरीबी को दूर करना है। यह मिशन निर्धन वर्ग को वित्तीय साक्षरता, बैंक क्रेडिट, कौशल विकास और आजीविका संवर्धन के अवसर प्रदान करता है। इन टिकाऊ संस्थाओं के माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में निरंतर वृद्धि करने और सामाजिक-आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में सक्षम होते हैं।

www.nodia.in

Click Here to Buy book on Flipkart

योजना केंद्रीय अधिकारियों द्वारा थोपी नहीं जाती, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों और पंचायती राज संस्थाओं द्वारा सहभागी दृष्टिकोण से तैयार की जाती है। इसमें गाँव की वास्तविक आवश्यकताओं का आकलन करके योजनाओं को प्राथमिकता दी जाती है और अंतिम स्वीकृति ग्राम सभा द्वारा प्रदान की जाती है, जो स्थानीय स्वायत्तता का प्रतीक है।

20. (D) केवल I और II
पेसा अधिनियम 1996 का उद्देश्य संविधान के भाग IX के पंचायती राज प्रावधानों को पांचवीं अनुसूची के अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में विस्तारित करना है। यह कानून पारंपरिक सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक संसाधनों तथा सामुदायिक रीति-रिवाजों की रक्षा के लिए ग्राम सभाओं को व्यापक अधिकार देता है। राजस्थान में भी पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्र शामिल हैं, इसलिए राजस्थान इस अधिनियम के दायरे में आता है और यहाँ यह प्रभावी रूप से लागू है।

21. (C) पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम
'पेसा' (PESA) का पूरा नाम 'पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996' है। यह अधिनियम भूरिया समिति की सिफारिशों के आधार पर संसद द्वारा पारित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य देश के पांचवीं अनुसूची में शामिल जनजातीय क्षेत्रों में सहभागी लोकतंत्र को बढ़ावा देना है। यह कानून ग्राम सभा को भूमि अधिग्रहण रोकने, लघु वन उपज को नियंत्रित करने तथा जनजातीय समुदाय की परंपराओं की रक्षा करने का विशेष अधिकार देता है।

22. (B) राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (SIRD)
राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (SIRD) राजस्थान में पंचायती राज प्रतिनिधियों और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का सर्वोच्च नोडल संस्थान है। यह संस्था नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं, वित्तीय प्रबंधन, विकेंद्रीकृत योजना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षित करती है। इससे स्थानीय स्वशासन में दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का विकास होता है तथा ग्रामीण विकास को गति मिलती है।

23. (D) जल जीवन मिशन — ग्रामीण विद्युतीकरण
जल जीवन मिशन का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर तक नल से सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है, न कि ग्रामीण विद्युतीकरण करना। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने और सुदृढ़ करने के लिए 'दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना' और 'सौभाग्य योजना' जैसी विशेष पहल लागू की गई हैं। इसलिए पेयजल आपूर्ति के बजाय विद्युतीकरण को जल जीवन मिशन से जोड़ना एक गलत और असंगत युग्म को दर्शाता है।

24. (A) ग्रामीण सड़क मार्गों की पहचान करना और परियोजना की प्रगति की निगरानी करना
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थानीय पंचायतें और ग्राम सभाएं अपने क्षेत्रों में उन ग्रामीण सड़क मार्गों की पहचान और प्राथमिकता तय करती हैं जिन्हें जोड़ने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, वे सड़क निर्माण की गुणवत्ता, समयबद्धता और निष्पादन की निगरानी में सहयोग करती हैं, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है और ग्रामीण अवसंरचना का विकास जनहित के अनुरूप हो पाता है।

25. (C) P-1, Q-2, R-3, S-4
विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाएं विशिष्ट उद्देश्यों के साथ संचालित की जाती हैं। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है। जल जीवन मिशन प्रत्येक घर तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बारहमासी सड़क कनेक्टिविटी का निर्माण करती है, जबकि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से निर्धन परिवारों की आजीविका और आय को सुदृढ़ बनाता है।

26. (A) स्थानीय स्वास्थ्य, शिक्षा और जलापूर्ति के मुद्दों पर अधिक ध्यान
पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण के माध्यम से उनके राजनीतिक सशक्तीकरण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। महिला जनप्रतिनिधि प्रायः प्राथमिक स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता तथा बाल कल्याण जैसे मूलभूत सामाजिक विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देती हैं। इससे ग्रामीण प्राथमिकताओं में गुणात्मक परिवर्तन आया है और समावेशी विकास को गति मिली है, जिससे संपूर्ण ग्रामीण समाज का कल्याण संभव हो रहा है।

27. (D) पंचायत समिति के लिए खंड विकास अधिकारी (BDO) की नियुक्ति करना
संविधान के अनुच्छेद 243-I के तहत गठित राज्य वित्त आयोग का मुख्य कार्य राज्य और पंचायतों के बीच करों के बंटवारे की सिफारिश करना, स्थानीय करों को सौंपना तथा राज्य की संचित निधि से सहायता अनुदान का निर्धारण करना है। प्रशासनिक अधिकारियों जैसे खंड विकास अधिकारी (BDO) की नियुक्ति करना राज्य के लोक सेवा आयोग और शासन व्यवस्था का कार्य है, जो वित्त आयोग के संवैधानिक क्षेत्राधिकार में शामिल नहीं है।

28. (D) 29
भारतीय संविधान की 11वीं अनुसूची में पंचायती राज संस्थाओं को कुल 29 कार्यात्मक विषय सौंपे गए हैं। इन विषयों में कृषि, भूमि विकास, पशुपालन, मत्स्य पालन, सामाजिक वानिकी, लघु उद्योग, ग्रामीण आवास, पेयजल, सड़कें, गरीबी उन्मूलन, प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य तथा समाज कल्याण शामिल हैं। इन विषयों का हस्तांतरण पंचायतों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार निर्णय लेने और निष्पादन करने की संवैधानिक शक्ति प्रदान करता है।

29. (C) घरेलू शौचालय निर्माण को प्रोत्साहित करना और ODF स्थिति की निगरानी करना
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के सफल कार्यान्वयन में ग्राम पंचायत की केंद्रीय भूमिका होती है। ग्राम पंचायतें ग्रामीणों को

Downloaded from www.pdf.tube

(C) प्रत्येक विकास खंड में भारी औद्योगिक संयंत्र स्थापित करना
(D) प्राथमिक विद्यालयों का निजीकरण करना

www.nodia.in

NODIA

देख सकते हैं। यह डिजिटल पहल ग्रामीण शासन में सूचना की पहुँच बढ़ाती है और जनसामान्य को अनुश्रवण में सक्षम बनाती है।

40. (A) केवल I और II
पंचायत समिति त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम पंचायत और जिला परिषद के मध्य संयोजक इकाई के रूप में कार्य करती है। ब्लॉक (खंड) स्तर पर खंड विकास अधिकारी (BDO) इसका मुख्य प्रशासनिक अधिकारी होता है जो कार्यों को नियंत्रित करता है। यह समिति अपने ब्लॉक क्षेत्र में विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं के पर्यवेक्षण, कार्यान्वयन और समन्वय में अत्यंत सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे विकास सुचारु रहता है।

41. (C) राज्य का राज्यपाल
संविधान के अनुच्छेद 243-I के अनुसार, राज्य का राज्यपाल प्रत्येक पाँच वर्ष के अंतराल पर राज्य वित्त आयोग का गठन करता है। इस आयोग का मुख्य कार्य पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करना है। यह आयोग राज्य द्वारा एकत्र किए गए करों में पंचायतों की हिस्सेदारी, उन्हें सौंपे जाने वाले स्थानीय शुल्कों और संचित निधि से दिए जाने वाले सहायता अनुदान के संबंध में सिफारिशें देता है।

42. (A) निर्वाचित पंचायती राज प्रतिनिधियों और ग्रामीण कर्मचारियों को
राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (RGSA) एक केंद्रीय योजना है जिसका मुख्य ध्यान पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने पर है। इसके तहत आयोजित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम मुख्य रूप से त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और ग्रामीण विकास के अग्रिम पंक्ति के प्रशासनिक कर्मचारियों को लक्षित करते हैं। इसका उद्देश्य उन्हें सुशासन, सहभागी योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन तथा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के योग्य बनाना है।

43. (D) बीज, उर्वरक वितरित करना और मशीनरी के लिए स्थानीय कस्टम हायरिंग सेंटर का प्रबंधन करना
पंचायती राज संस्थाएं और कृषि विभाग मिलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हैं। पंचायतें गाँव के स्तर पर उन्नत बीज, उर्वरक और कीटनाशकों का सुचारू वितरण सुनिश्चित करती हैं। इसके अलावा, छोटे और सीमांत किसानों को किफायती दर पर आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय कस्टम हायरिंग सेंटरों का प्रबंधन भी पंचायतों द्वारा किया जाता है। इससे कृषि उत्पादकता में वृद्धि और किसानों की आय में सुधार होता है।

44. (B) सामूहिक बचत और आजीविका के माध्यम से गरीबों को सशक्त बनाना
ग्रामीण विकास में स्वयं सहायता समूह (SHGs) निर्धन परिवारों, विशेषकर महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये समूह सदस्यों में नियमित बचत की आदत को बढ़ावा देते हैं और उन्हें आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसके माध्यम से ग्रामीण निर्धन स्वरोजगार, पशुपालन, हस्तशिल्प और छोटी आय-जनक गतिविधियां शुरु करके अपनी जीविका में सुधार करते हैं और आत्मनिर्भर बनते हैं।

45. (C) ग्राम पंचायत → पंचायत समिति → जिला परिषद
73वें संविधान संशोधन के तहत भारत में त्रिस्तरीय पंचायती राज संरचना स्थापित की गई है। इस व्यवस्था में सबसे निचले यानी ग्राम स्तर पर 'ग्राम पंचायत' कार्य करती है। मध्यवर्ती यानी ब्लॉक स्तर पर 'पंचायत समिति' का गठन किया जाता है, जबकि शीर्ष यानी जिला स्तर पर 'जिला परिषद' स्थापित होती है। यह पदानुक्रमित संरचना स्थानीय स्वशासन और विकेंद्रीकृत योजना निर्माण को नीचे से ऊपर के क्रम में व्यवस्थित करती है।

46. (D) अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वशासन सुनिश्चित करना
पेसा (PESA) अधिनियम 1996 का मुख्य उद्देश्य पांचवीं अनुसूची के अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में पारंपरिक स्वशासन प्रणालियों को मान्यता देना है। यह अधिनियम ग्राम सभा को केंद्र में रखकर जनजातीय आबादी को अपने प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक पहचान और रीति-रिवाजों का स्वयं प्रबंधन करने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है। इसके माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में निर्णय लेने की शक्ति स्थानीय लोगों और ग्राम सभा के हाथों में केंद्रित होती है।

47. (A) स्थानीय करों से पर्याप्त स्वयं का राजस्व (OSR) जुटाने में असमर्थता
पंचायती राज संस्थाओं के समक्ष वित्तीय आत्मनिर्भरता की सबसे बड़ी चुनौती उनके स्वयं के राजस्व स्रोतों (OSR) की अत्यंत सीमित मात्रा है। अधिकांश पंचायतें कर, शुल्क और पथकर वसूलने में अनिच्छुक या असमर्थ रहती हैं। इसके परिणामस्वरूप वे अपनी परिचालनगत और विकास संबंधी जरूरतों के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाले अनुदानों पर पूरी तरह निर्भर रहती हैं, जिससे उनकी निर्णय लेने की स्वायत्तता प्रभावित होती है।

48. (B) योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य का अनुपातिक (मैचिंग) हिस्सा प्रदान करना
ग्रामीण विकास मंत्रालय की केंद्र प्रायोजित योजनाओं (CSS) के कार्यान्वयन में वित्तीय लागत केंद्र और राज्य सरकार के बीच साझा की जाती है। सामान्य राज्यों के लिए यह अनुपात प्रायः 60:40 होता है। इसलिए, इन योजनाओं को अपने राज्य में लागू करने के लिए राज्य सरकार को अपने बजटीय संसाधनों से निर्धारित अनुपातिक मैचिंग अंशदान प्रदान करना अनिवार्य होता है, तभी केंद्रीय निधि का सुचारु हस्तांतरण संभव हो पाता है।

49. (B) जिला प्रमुख
राजस्थान पंचायती राज व्यवस्था में जिला स्तर की शीर्ष संस्था जिला परिषद होती है। जिला परिषद के निर्वाचित सदस्यों द्वारा अपने बीच से चुने गए राजनीतिक और प्रशासनिक प्रमुख को 'जिला प्रमुख' कहा जाता है। जिला प्रमुख जिला परिषद की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं और संपूर्ण जिले में ग्रामीण

Click Here to Buy book on Amazon

विकास कार्यक्रमों, पंचायती राज संस्थाओं की गतिविधियों और समन्वय की देखरेख करने में महत्वपूर्ण संवैधानिक एवं राजनीतिक भूमिका निभाते हैं।

50. (A) P-2, Q-4, R-1, S-3
भारतीय संविधान के भाग IX में पंचायती राज से संबंधित विभिन्न अनुच्छेद शामिल हैं। अनुच्छेद 243D अनुसूचित जातियों, जनजातियों और महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 243G पंचायतों की शक्तियों और उत्तरदायित्वों को परिभाषित करता है। अनुच्छेद 243I राज्य वित्त आयोग के गठन का निर्देश देता है, जबकि अनुच्छेद 243K स्वतंत्र और निष्पक्ष पंचायत चुनावों के संचालन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना करता है।

51. (C) खंड विकास अधिकारी (BDO)
राजस्थान में ब्लॉक या खंड स्तर पर कार्यरत पंचायत समिति का मुख्य कार्यकारी अधिकारी 'खंड विकास अधिकारी' (BDO) होता है। यह राज्य प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है जो पंचायत समिति के निर्णयों और विकास योजनाओं को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। BDO ब्लॉक स्तर पर सरकारी कर्मचारियों का नियंत्रण करता है, विकास कोष के व्यय की देखरेख करता है और ग्राम पंचायतों तथा जिला परिषद के बीच समन्वय बनाता है।

52. (D) ग्राम विकास अधिकारी (VDO)
राजस्थान में ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन के लिए 'ग्राम विकास अधिकारी' (VDO), जिसे पूर्व में ग्राम सेवक कहा जाता था, तैनात होता है। VDO ग्राम पंचायत का पदेन सचिव होता है। वह पंचायत के रिकॉर्ड बनाए रखने, ग्राम सभा की बैठकों की कार्यवाही लिखने, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और वित्तीय लेखा-जोखा तैयार करने के लिए सीधे तौर पर उत्तरदायी प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य करता है।

53. (C) ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP)
'सबकी योजना सबका विकास' अभियान पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रव्यापी जन योजना अभियान है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) को अधिक सहभागी, पारदर्शी और समावेशी बनाना है। इस अभियान के तहत ग्राम सभाओं का आयोजन करके ग्रामीणों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और अग्रिम पंक्ति के सरकारी कर्मचारियों को एक मंच पर लाया जाता है ताकि गाँव के विकास की प्राथमिकताओं को सुव्यवस्थित रूप से तय किया जा सके।

54. (B) पंचायत द्वारा सीधे एकत्र किया जाने वाला कॉरपोरेट आयकर
पंचायती राज संस्थाओं के आय स्रोतों में केंद्रीय एवं राज्य वित्त आयोग के अनुदान, स्थानीय हाट-बाजारों से कर तथा प्रयोक्ता शुल्क शामिल हैं। कॉरपोरेट आयकर पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा लगाया और एकत्र किया जाने वाला प्रत्यक्ष कर है। पंचायतों को सीधे कॉरपोरेट आयकर वसूलने का संवैधानिक या कानूनी अधिकार नहीं है। इसलिए कॉरपोरेट आयकर को पंचायती राज संस्थाओं के अपने वित्त का स्रोत मानना असंगत है।

55. (B) 2024
जल जीवन मिशन की शुरुआत 2019 में की गई थी, जिसका मुख्य लक्ष्य वर्ष 2024 तक देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है। यह मिशन समयबद्ध तरीके से ग्रामीण जलापूर्ति बुनियादी ढांचे के निर्माण और स्थानीय समुदाय द्वारा जल प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

56. (A) अपशिष्ट प्रबंधन के साथ ODF Plus (ओडीएफ प्लस) का दर्जा प्राप्त करना
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण का मुख्य ध्यान प्रथम चरण में हासिल की गई खुले में शौच मुक्त (ODF) स्थिति के स्थायित्व पर है। इसके साथ ही, इसका प्राथमिक लक्ष्य गाँवों को 'ODF Plus' का दर्जा दिलाना है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस और तरलीकृत कचरा प्रबंधन की प्रभावी प्रणालियाँ स्थापित करना, दृष्टिगत स्वच्छता बनाए रखना और प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करना शामिल है।

57. (C) ग्रामीण बस्तियों को जोड़ने वाली बारहमासी सड़कें
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) का मुख्य ध्यान ग्रामीण क्षेत्रों में बारहमासी (ऑल-वेदर) संपर्क सड़कों के निर्माण पर है। यह योजना निर्धारित आबादी वाली असंबद्ध ग्रामीण बस्तियों को पक्की सड़कों के जरिए मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों का शहरों से संपर्क सुलभ होता है, जिससे कृषि उपज का त्वरित परिवहन, शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं तक आसान पहुंच संभव हो पाती है।

58. (B) 100 दिन
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) प्रत्येक ग्रामीण परिवार को, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 100 दिनों के गारंटीकृत मजदूरी रोजगार का कानूनी अधिकार प्रदान करता है। यदि आवेदन करने के 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो आवेदक बेरोजगारी भत्ते का हकदार होता है, जिससे ग्रामीण आजीविका को सुरक्षा मिलती है।

59. (D) राजस्थान
स्वतंत्र भारत में बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों के आधार पर त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का औपचारिक उद्घाटन 2 अक्टूबर 1959 को हुआ था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने राजस्थान के नागौर जिले में इस ऐतिहासिक प्रणाली का शुभारंभ किया था। इसके साथ ही राजस्थान लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की इस महत्वाकांक्षी पंचायती राज व्यवस्था को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना था।

NODIA

60. (B) केवल III
मनरेगा के अंतर्गत ग्राम पंचायतें परिवारों के पंजीकरण तथा जॉब कार्ड वितरण के लिए उत्तरदायी हैं, जबकि ग्राम सभा निष्पादित कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण करती है। यह योजना भारत के सभी नागरिकों के लिए 300 दिनों के रोजगार का आश्वासन नहीं देती, बल्कि प्रति ग्रामीण परिवार केवल 100 दिनों के अकुशल श्रम की कानूनी गारंटी प्रदान करती है। अतः 300 दिनों के रोजगार का दावा पूरी तरह असत्य है।

61. (C) अनुच्छेद 243-I
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 243-I यह अनिवार्य प्रावधान करता है कि प्रत्येक राज्य का राज्यपाल 73वें संशोधन अधिनियम के लागू होने से प्रति पाँच वर्ष बाद एक राज्य वित्त आयोग का गठन करेगा। यह संवैधानिक आयोग पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करता है और राज्य के करों के बंटवारे, स्थानीय कर रोपण तथा पंचायतों को दिए जाने वाले सहायता अनुदान के संबंध में राज्यपाल को अपनी सिफारिशें सौंपता है।

62. (C) 1993
73वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 भारत में पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देने के लिए पारित किया गया था। यह ऐतिहासिक अधिनियम 24 अप्रैल 1993 को पूरे देश में लागू हुआ था। इसी कारण भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस संशोधन ने त्रिस्तरीय पंचायती राज ढांचे, नियमित चुनावों और आरक्षण को संवैधानिक रूप से अनिवार्य बना दिया।

63. (A) पंचायत समिति
पंचायती राज प्रणाली के अंतर्गत ब्लॉक (खंड) स्तर पर 'पंचायत समिति' निष्पादन और निगरानी की मुख्य एजेंसी होती है। यह निकाय अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली विभिन्न ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं का समन्वय करता है और खंड स्तरीय ग्रामीण विकास कार्यक्रमों को क्रियान्वित करता है। खंड विकास अधिकारी (BDO) के प्रशासनिक सहयोग से पंचायत समिति योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति पर निरंतर निगरानी रखती है।

64. (B) ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष लोकतंत्र
ग्राम सभा को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष लोकतंत्र का सबसे सशक्त और आदर्श मंच माना जाता है। किसी मतदाता सूची में दर्ज गाँव के सभी वयस्क नागरिक इसके पदेन सदस्य होते हैं। इसमें किसी प्रतिनिधि के माध्यम से निर्णय लेने के बजाय ग्रामीण स्वयं सीधे बैठकर गाँव की समस्याओं, बजट, विकास प्राथमिकताओं और योजनाओं के अनुमोदन पर चर्चा करते हैं, जो लोकतंत्रीय व्यवस्था की आत्मा को दर्शाता है।

65. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
ई-ग्राम स्वराज जैसी डिजिटल पहलों के लागू होने से ग्रामीण स्वशासन में अभूतपूर्व पारदर्शिता और जवाबदेही आई है। यह पोर्टल पंचायतों की योजना निर्माण, बजटीय आवंटन और निष्पादित कार्यों की वित्तीय प्रगति का सार्वजनिक ऑनलाइन विवरण प्रदान करता है। चूंकि नागरिक घर बैठे परियोजनाओं की वास्तविक स्थिति और सरकारी व्यय की निगरानी कर सकते हैं, इसलिए यह तकनीक भ्रष्टाचार को कम कर वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देती है।

66. (A) जिला परिषद
जिला परिषद पंचायती राज संरचना की शीर्ष संस्था है जो जिला स्तर पर कार्य करती है। इसका एक प्रमुख कर्तव्य जिले के भीतर स्थित विभिन्न पंचायत समितियों की विकास गतिविधियों का समन्वय करना, उनके बजट का परीक्षण करना तथा ग्रामीण विकास से जुड़े सभी विषयों पर राज्य सरकार को सलाह देना है। यह संस्था राज्य सरकार और निचले पंचायत निकायों के बीच एक प्रभावी संपर्क माध्यम के रूप में कार्य करती है।

67. (C) सार्वजनिक विकास निधि के भ्रष्टाचार और दुरुपयोग को
पंचायत स्तर पर आयोजित सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक विकास निधियों के भ्रष्टाचार, गबन और दुरुपयोग को रोकना है। ग्राम सभा के माध्यम से विकास कार्यों के अभिलेखों, मस्टर रोल तथा व्यय वाउचरों का सत्यापन ग्रामीणों के सामने प्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। इस पारदर्शी प्रक्रिया से योजनाओं के क्रियान्वयन में वित्तीय अनियमितताएं उजागर होती हैं और जिम्मेदार अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों पर सार्वजनिक अंकुश बना रहता है।

68. (D) पेयजल, स्वच्छता और बाल स्वास्थ्य को अधिक प्राथमिकता
पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और प्रतिनिधित्व बढ़ने से ग्रामीण विकास की प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है। महिला जनप्रतिनिधि दैनिक जीवन से जुड़े संवेदनशील मुद्दों जैसे सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता, घरेलू स्वच्छता, बाल पोषण, प्राथमिक शिक्षा और महिला स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान केंद्रित करती हैं। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण बुनियादी ढांचे और जनस्वास्थ्य के मानकों में गुणात्मक एवं व्यापक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलता है।

69. (C) बलवंत राय मेहता समिति
भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के लिए त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सिफारिश वर्ष 1957 में 'बलवंत राय मेहता समिति' द्वारा की गई थी। इस समिति ने ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद के गठन का सुझाव दिया था। समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए भारत सरकार ने देश भर में इस संरचना को लागू किया, जिसे पंचायती राज की आधारशिला माना जाता है।

Downloaded from www.pdf.tube

व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण और नियमित उपयोग के लिए प्रेरित करती हैं। वे खुले में शौच से मुक्त (ODF) स्थिति की निरंतर निगरानी करती हैं और गाँव में ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन बुनियादी ढांचे का विकास करती हैं, जिससे संपूर्ण गाँव में स्वच्छता और स्वच्छता व्यवहार को स्थायित्व मिलता है।

30. (A) 1, 2, 3, 4
ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) के निर्माण का एक निश्चित क्रम होता है। सबसे पहले वातावरण निर्माण और सामुदायिक लामबंदी की जाती है। इसके पश्चात गाँव की आवश्यकताओं का विस्तृत आकलन और स्थिति का विश्लेषण होता है। तीसरे चरण में चिन्हित प्राथमिकताओं के आधार पर परियोजना निर्माण तथा योजना दस्तावेज तैयार किया जाता है। अंत में, निर्मित योजना को अंतिम स्वीकृति और अनुमोदन के लिए ग्राम सभा में प्रस्तुत किया जाता है।

31. (A) जिला योजना समिति (DPC)
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243ZD के अनुसार, प्रत्येक जिले में एक 'जिला योजना समिति' (DPC) के गठन का प्रावधान है। इस समिति का मुख्य कार्य जिले में ग्रामीण पंचायती राज संस्थाओं और शहरी नगर पालिकाओं द्वारा तैयार की गई विकास योजनाओं को समेकित करना है। यह समिति संपूर्ण जिले के लिए एक समेकित विकास योजना का प्रारूप तैयार करती है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का संतुलित विकास संभव होता है।

32. (B) ऊपर की ओर बढ़ने से पहले योजना स्थानीय नागरिकों की भागीदारी के साथ जमीनी स्तर से शुरू होती है।
विकेंद्रीकृत नियोजन की मूल अवधारणा यह है कि विकास की योजनाएं केंद्रीय या राज्य स्तर से थोपे जाने के बजाय जमीनी स्तर से निर्मित होनी चाहिए। इस प्रक्रिया में स्थानीय नागरिक, ग्राम सभाएं और पंचायतें अपनी वास्तविक समस्याओं और आवश्यकताओं की पहचान स्वयं करती हैं। यह योजना नीचे से ऊपर (बॉटम-अप) के दृष्टिकोण का पालन करती है, जिससे विकास कार्यों में जनभागीदारी, स्थानीय प्राथमिकता और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।

33. (B) केंद्र प्रायोजित योजनाएं (Centrally Sponsored Schemes)
ग्रामीण विकास के संदर्भ में CSS का तात्पर्य 'केंद्र प्रायोजित योजनाएं' (Centrally Sponsored Schemes) होता है। ये वे योजनाएं हैं जो केंद्र सरकार द्वारा तैयार की जाती हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। इन योजनाओं के वित्तीय पोषण में केंद्र और राज्यों के बीच एक निश्चित अनुपात (जैसे 60:40 या 90:10) का साझा अंशदान होता है। मनरेगा और जल जीवन मिशन इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

34. (A) ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (VWSC)
जल जीवन मिशन के अंतर्गत गाँव के स्तर पर 'ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति' (VWSC) का गठन किया जाता है। यह समिति ग्राम पंचायत की एक उप-समिति के रूप में कार्य करती है। इसका प्राथमिक उत्तरदायित्व गाँव में पेयजल आपूर्ति प्रणालियों की योजना बनाना, उनका निष्पादन, दैनिक संचालन और निरंतर रखरखाव सुनिश्चित करना है। इस व्यवस्था से ग्रामीण समुदाय अपने जल संसाधनों के प्रबंधन में स्वयं आत्मनिर्भर बनता है।

35. (C) अभिकथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।
भारत में पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय स्वायत्तता की कमी का सामना करना पड़ता है, जो उनकी एक बड़ी सीमा है। अधिकांश पंचायतें पर्याप्त स्थानीय कर जुटाने में असमर्थ हैं और अपने दैनिक कार्यों एवं विकास गतिविधियों के लिए राज्य तथा केंद्र सरकार के अनुदान पर अत्यधिक निर्भर रहती हैं। अतः पंचायतें प्रचुर मात्रा में स्वयं का राजस्व उत्पन्न नहीं करती हैं, जिससे उनकी वित्तीय आत्मनिर्भरता प्रभावित होती है।

36. (D) बैंक या डाकघर खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से
मनरेगा योजना के अंतर्गत पारदर्शिता बनाए रखने और बिचौलियों के हस्तक्षेप को समाप्त करने के लिए मजदूरी का भुगतान सीधे श्रमिकों के बैंक या डाकघर खातों में किया जाता है। यह प्रक्रिया प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) प्रणाली द्वारा निष्पादित होती है। नकद भुगतान के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण अपनाने से वित्तीय गबन पर रोक लगती है और यह सुनिश्चित होता है कि परिश्रम का पूरा लाभ सही लाभार्थी तक पहुँचे।

37. (C) ग्राम सभा के माध्यम से पात्र लाभार्थियों का पारदर्शी चयन
ग्रामीण गरीबी उन्मूलन में पंचायती राज संस्थाओं का मुख्य योगदान यह है कि वे ग्राम सभा बैठकों के माध्यम से विकास योजनाओं के लिए पात्र निर्धन लाभार्थियों का निष्पक्ष और पारदर्शी चयन सुनिश्चित करती हैं। स्थानीय जनभागीदारी के कारण सही व्यक्तियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचता है। इसके अतिरिक्त, पंचायतें आजीविका के अवसर पैदा करने और स्थानीय बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

38. (B) ग्राम सभा
ग्राम पंचायत स्तर पर क्रियान्वित होने वाले सभी विकास कार्यों और वित्तीय व्यय का सामाजिक अंकेक्षण मुख्य रूप से ग्राम सभा द्वारा किया जाता है। ग्राम सभा के सदस्य खुले मंच पर योजनाओं के मास्टर रोल, बिलों और भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हैं। यह प्रक्रिया जनता को सवाल पूछने का अवसर देती है, जिससे पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा बनी रहती है और भ्रष्टाचार पर रोक लगती है।

39. (D) यह पंचायत के वित्त, लेखांकन और कार्य प्रगति की निगरानी (ट्रैकिंग) को सक्षम बनाता है।
ई-ग्राम स्वराज पोर्टल आम नागरिकों को ग्राम पंचायतों के वित्तीय प्रबंधन और विकास कार्यों की पारदर्शी जानकारी प्रदान करता है। नागरिक इस पोर्टल के माध्यम से अपनी पंचायत के अनुमोदित बजट, व्यय के विवरण, संचालित परियोजनाओं की स्थिति और निष्पादित कार्यों की अद्यतन जानकारी आसानी से

NODIA

अध्याय 35
औद्योगिक विकास एवं लघु एवं कुटीर उद्योग

1. वर्ष 1915 में राजस्थान में पहला सीमेंट कारखाना कहाँ स्थापित किया गया था?
(A) निंबाहेड़ा
(B) लाखेरी
(C) मोड़क
(D) ब्यावर

2. राजस्थान की प्रथम औद्योगिक नीति किस वर्ष घोषित की गई थी?
(A) 1956
(B) 1978
(C) 1991
(D) 1998

3. राजस्थान में सीमेंट उद्योग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राजस्थान में पहला सीमेंट कारखाना लाखेरी में स्थापित किया गया था।
II. राज्य में सीमेंट संयंत्रों का सर्वाधिक संकेंद्रण चित्तौड़गढ़ जिले में है।
III. राजस्थान सफेद सीमेंट का उत्पादन नहीं करता है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

4. अपने समृद्ध वस्त्र उद्योग के कारण किस शहर को 'राजस्थान का मैनचेस्टर' कहा जाता है?
(A) जयपुर
(B) पाली
(C) भीलवाड़ा
(D) किशनगढ़

5. राजस्थान की पहली सूती वस्त्र मिल, 'द कृष्णा मिल्स लिमिटेड', की स्थापना 1889 में किस स्थान पर की गई थी?
(A) ब्यावर
(B) भीलवाड़ा
(C) पाली
(D) बीकानेर

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): भीलवाड़ा को 'राजस्थान की वस्त्र नगरी' (टेक्सटाइल सिटी) के रूप में व्यापक रूप से जाना जाता है।
कारण (R): राज्य में कताई और बुनाई की वस्त्र इकाइयों का सर्वाधिक संकेंद्रण भीलवाड़ा में है।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

7. ताजमहल के निर्माण में प्रयुक्त उच्च गुणवत्ता वाला संगमरमर राजस्थान के किस स्थान से प्राप्त किया गया था?
(A) राजसमंद
(B) मकराना
(C) किशनगढ़
(D) बांसवाड़ा

8. राजस्थान का कौन-सा जिला 'ग्रेनाइट सिटी' के नाम से लोकप्रिय है?
(A) सिरोही
(B) उदयपुर
(C) जालौर
(D) बाड़मेर

9. रसायन उत्पादन के लिए एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, राजस्थान स्टेट केमिकल्स वर्क्स, किस स्थान पर स्थित है?
(A) सांभर
(B) पचपदरा
(C) फलोदी
(D) डीडवाना

10. राजस्थान में प्रमुख उर्वरक संयंत्र 'चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड' कहाँ स्थित है?
(A) गड़ेपान, कोटा
(B) कपासन, चित्तौड़गढ़
(C) नीमराणा, अलवर
(D) खेतड़ी, झुंझुनूं

11. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: (उद्योग)

Click Here to Buy book on Flipkart

34. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: (औद्योगिक पार्क)
P. एग्रो फूड पार्क
Q. जापानी निवेश क्षेत्र
R. साइबर पार्क
S. स्टोन पार्क
सूची II: (राजस्थान में स्थिति)
1. नीमराणा
2. कोटा
3. धौलपुर
4. जोधपुर
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-2, Q-4, R-1, S-3
(D) P-2, Q-1, R-4, S-3

35. राजस्थान के किस जिले में सर्वाधिक संख्या में रीको (RIICO) औद्योगिक क्षेत्र हैं?
(A) जयपुर
(B) जैसलमेर
(C) बाड़मेर
(D) प्रतापगढ़

36. रीको (RIICO) द्वारा निम्नलिखित में से किस स्थान पर एक समर्पित 'जापानी औद्योगिक क्षेत्र' स्थापित किया गया है?
(A) सीतापुरा, जयपुर
(B) बोरानाडा, जोधपुर
(C) नीमराणा, अलवर
(D) बालोतरा, बाड़मेर

37. भारत के सभी राज्यों में स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता की दृष्टि से राजस्थान की वर्तमान स्थिति क्या है?
(A) प्रथम
(B) पाँचवाँ
(C) दसवाँ
(D) पंद्रहवाँ

38. विश्व के सबसे बड़े सौर पार्कों में से एक, भड़ला सोलर पार्क, राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) जैसलमेर
(B) बीकानेर
(C) बाड़मेर
(D) जोधपुर

39. सौर ऊर्जा उपकरण निर्माण उद्योग मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किन मूल घटकों का उत्पादन करता है?
(A) बड़े पैमाने की पवन टर्बाइन और वायुगतिकीय रोटर ब्लेड
(B) फोटोवोल्टिक (PV) मॉड्यूल और सोलर सेल
(C) उच्च क्षमता वाले डीजल जनरेटर और बैकअप इंजन
(D) अवायवीय बायोगैस डाइजेस्टर और जैविक अपशिष्ट संयंत्र

40. भारत में, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, जो औद्योगिक श्रम कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है, किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?
(A) 1926
(B) 1948
(C) 1972
(D) 1991

NODIA

41. राजस्थान में 'श्रमिक कल्याण कार्ड' का मुख्य उद्देश्य किस वर्ग के लोगों को लाभ प्रदान करना है?
(A) स्थायी सरकारी राजपत्रित अधिकारी और सिविल सेवक
(B) बड़े पैमाने के उद्योगपति और कॉर्पोरेट कार्यकारी
(C) विदेशी निवेशक और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रमुख
(D) पंजीकृत असंगठित क्षेत्र और निर्माण श्रमिक

42. त्वरित औद्योगिक स्वीकृतियों को सुगम बनाने के लिए 'राजस्थान उद्यम एकल खिड़की सुगमीकरण और अनुज्ञा अधिनियम' किस वर्ष पारित किया गया था?
(A) 1995
(B) 2005
(C) 2011
(D) 2020

43. औद्योगिक विकास में एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली (Single Window Clearance System) का मुख्य लाभ क्या है?
(A) यह तैयार उपभोक्ता वस्तुओं को बेचने के लिए एक एकीकृत एकल खुदरा बाजार खिड़की प्रदान करता है।
(B) यह एक ही पोर्टल के माध्यम से सभी आवश्यक सरकारी औद्योगिक स्वीकृतियाँ प्रदान करता है।
(C) यह सुनिश्चित करता है कि एक औद्योगिक उद्यम केवल एक ही उत्पाद श्रेणी का निर्माण कर सकता है।
(D) यह राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को केवल एक विशिष्ट देश तक सीमित करता है।

44. भारत को एक वैश्विक डिजाइन और निर्माण केंद्र में बदलने के उद्देश्य से 'मेक इन इंडिया' पहल किस वर्ष शुरू की गई थी?
(A) 2010
(B) 2012
(C) 2014
(D) 2018

45. राजस्थान में औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. कपड़ा छपाई उद्योग पाली और बालोतरा क्षेत्रों में जल प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है।
II. खतरनाक औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार के लिए सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र (CETP) स्थापित किए गए हैं।

23. भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) का वर्गीकरण वर्तमान में किस मानदंड पर आधारित है?
(A) पंजीकृत पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या और कुल बिजली की खपत
(B) संयंत्र एवं मशीनरी में निवेश और कंपनी का वार्षिक टर्नओवर
(C) कारखाने का कुल भौतिक भूमि क्षेत्र और कुल वार्षिक निर्यात मात्रा
(D) उद्यम की कुल परिचालन अवधि और उसका राज्य में स्थान

24. भारत सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (MSMED) अधिनियम किस वर्ष अधिनियमित किया गया था?
(A) 1991
(B) 2000
(C) 2006
(D) 2014

25. कुटीर उद्योगों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. कुटीर उद्योग सामान्यतः परिवार के सदस्यों द्वारा छोटे पैमाने पर चलाए जाते हैं।
II. इनमें भारी पूंजी निवेश और भारी आयातित मशीनों की आवश्यकता होती है।
III. ये मुख्य रूप से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल और पारंपरिक कौशल पर निर्भर करते हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

26. 'ब्लू पॉटरी' का पारंपरिक कुटीर उद्योग राजस्थान के किस शहर में विश्व प्रसिद्ध है?
(A) जयपुर
(B) बीकानेर
(C) उदयपुर
(D) जोधपुर

27. राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
(A) 1947
(B) 1955
(C) 1970
(D) 1991

28. राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में चमड़ा, ऊन और हथकरघा जैसे गैर-कृषि क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 1995 में किस राज्य एजेंसी की स्थापना की गई थी?
(A) RIICO
(B) RUDA
(C) RAJSICO
(D) RFC

29. प्रसिद्ध 'कोटा डोरिया' राजस्थान में किस प्रकार के उद्योग से संबंधित है?
(A) हथकरघा
(B) मृद्भांड (पॉटरी)
(C) चर्म शिल्प
(D) रत्न तराशना

30. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): लघु एवं कुटीर उद्योगों के कारीगर प्रायः कम लाभ मार्जिन से जूझते हैं।
कारण (R): उन्हें बिना किसी संपार्श्विक (कोलेटरल) के शून्य ब्याज दर पर दीर्घकालिक बैंक ऋण सरलता से मिल जाते हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

31. निम्नलिखित में से कौन-सी राजस्थान में लघु एवं कुटीर उद्योगों द्वारा सामना की जाने वाली एक प्रमुख समस्या है?
(A) कुशल तकनीकी श्रम की अत्यधिक प्रचुरता
(B) अत्यधिक स्वचालन जिससे कोई हस्तकार्य नहीं बचता
(C) आयातित कच्चे माल की अत्यधिक उपलब्धता
(D) समय पर और पर्याप्त वित्त तक पहुँच का अभाव

32. राजस्थान में, निवेश संवर्धन ब्यूरो (BIP) किस प्रकार के निवेश को सुगम बनाने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है?
(A) अत्यंत छोटे ग्राम स्तरीय सूक्ष्म-ऋण और ग्रामीण सब्सिडी
(B) केवल कृषि सब्सिडी और राज्य कृषि अनुदान
(C) बड़े घरेलू और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
(D) सार्वजनिक भविष्य निधि खाते और व्यक्तिगत बचत

33. 'इन्वेस्ट राजस्थान' जैसे निवेश सम्मेलनों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य क्या है?
(A) ऐतिहासिक स्मारकों, किलों और सांस्कृतिक विरासत स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा देना
(B) राज्य के औद्योगिक विकास के लिए घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करना
(C) राज्य के कृषि उत्पादों और फसलों का प्रदर्शन एवं निर्यात करना
(D) राज्य के विद्यालयों की सामान्य शैक्षणिक नीतियों को विनियमित और लागू करना

NODIA

(A) अजमेर
(B) जयपुर
(C) भीलवाड़ा
(D) बीकानेर

57. राजस्थान का कौन-सा शहर पारंपरिक रूप से लकड़ी के खिलौने बनाने के अपने कुटीर उद्योग के लिए प्रसिद्ध है?
(A) बीकानेर
(B) जैसलमेर
(C) सीकर
(D) उदयपुर

58. चमड़ा और जूता उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए रीको (RIICO) द्वारा विकसित लेदर कॉम्प्लेक्स कहाँ स्थित है?
(A) मानपुरा माचेड़ी
(B) सीतापुरा
(C) बोरानाडा
(D) खुशखेड़ा

59. निम्नलिखित में से किस जिले में रीको (RIICO) द्वारा विकसित एग्रो फूड पार्क नहीं है?
(A) कोटा
(B) जयपुर
(C) जोधपुर
(D) श्रीगंगानगर

60. दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (DMIC) किस देश के वित्तीय और तकनीकी सहयोग से विकसित की जा रही एक महत्वाकांक्षी आधारभूत संरचना परियोजना है?
(A) अमेरिका
(B) जापान
(C) रूस
(D) जर्मनी

61. एक ऐसा उद्योग जो विशिष्ट स्थानीय कच्चे माल (जैसे आईटी या हीरा तराशना) पर अत्यधिक निर्भर हुए बिना विभिन्न प्रकार के स्थानों पर स्थापित किया जा सकता है, भूगोल में क्या कहलाता है?
(A) फुटलूज़ उद्योग (Footloose Industry)
(B) भार-ह्रास उद्योग (Weight-losing Industry)
(C) भारी उद्योग
(D) प्राथमिक उद्योग

62. लघु उद्योगों में औद्योगिक 'रुग्णता' आधिकारिक तौर पर निम्नलिखित में से किससे अभिलक्षित होती है?
(A) अत्यंत कम परिचालन अवधि में अत्यधिक व्यावसायिक लाभ कमाना
(B) कारखाना श्रम अधिनियमों द्वारा कानूनी रूप से अनुमत सीमा से काफी अधिक श्रमिकों को रोजगार देना
(C) निरंतर वित्तीय नकद हानि और उद्यम के कुल निवल मूल्य (Net Worth) का पूर्ण क्षरण
(D) कुल निर्मित उत्पाद का पचास प्रतिशत से अधिक विदेशों में निर्यात करना

63. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीतियों के तहत, वह मार्ग जहाँ भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) या भारत सरकार से किसी पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है, क्या कहलाता है?
(A) स्वीकृति मार्ग (Approval Route)
(B) सरकारी मार्ग (Government Route)
(C) प्रतिबंधित मार्ग (Restricted Route)
(D) स्वचालित मार्ग (Automatic Route)

64. सौर उपकरण निर्माण और ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नवीनतम 'राजस्थान सौर ऊर्जा नीति' किस वर्ष जारी की गई थी?
(A) 2011
(B) 2014
(C) 2019
(D) 2023

65. राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में एक सामान्य प्रदूषण नियंत्रण उपाय 'CETP' का पूर्ण रूप (Full Form) क्या है?
(A) सेंट्रल एनवायरनमेंट ट्रैकिंग पोर्टल
(B) कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (Common Effluent Treatment Plant)
(C) सेंटर फॉर एमिशन ट्रेड एंड पॉलिसी
(D) केमिकल एक्सट्रैक्शन एंड ट्रीटमेंट प्रोसेस

66. राजस्थान सरकार की योजना 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' का उद्देश्य उद्यमियों को क्या सहायता प्रदान करना है?
(A) कारखानों के निर्माण के लिए निःशुल्क औद्योगिक भूमि का आवंटन
(B) पंद्रह वर्षों के लिए सभी राज्य और केंद्रीय करों से पूर्ण छूट
(C) लगातार पाँच वर्षों तक कारखानों को बुनियादी कच्चे माल की निःशुल्क आपूर्ति
(D) नए उद्यम स्थापित करने के लिए संस्थागत ऋणों पर ब्याज अनुदान (सब्सिडी)

67. लघु उद्योगों की सहायता और उन्हें बढ़ावा देने के लिए राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड (RAJSICO) की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
(A) 1961
(B) 1975
(C) 1980
(D) 1995

68. राजस्थान में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (HCL) का प्रमुख तांबा गलन (स्मेल्टिंग) संयंत्र कहाँ स्थित है?
(A) जावर, उदयपुर
(B) दरीबा, राजसमंद

Downloaded from www.pdf.tube

III. सूचना प्रौद्योगिकी (IT) सॉफ्टवेयर उद्योग राज्य में वायु प्रदूषण में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल I और III
(C) केवल II और III
(D) I, II और III

46. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (RSPCB) का गठन प्रारंभ में वर्ष 1975 में किस केंद्रीय विधान के तहत किया गया था?
(A) वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम
(B) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम
(C) जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम
(D) वन संरक्षण अधिनियम

47. राजस्थान का पहला निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क (EPIP) किस स्थान पर स्थापित किया गया था?
(A) बोरानाडा, जोधपुर
(B) नीमराणा, अलवर
(C) भिवाड़ी, अलवर
(D) सीतापुरा, जयपुर

48. एक औद्योगिक गलियारे में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
(A) औद्योगिक कारखाने के श्रमिकों के लिए रियायती आवासीय आवास प्रदान करना
(B) निकटवर्ती कारखानों को संचालित करने के लिए तापीय और सौर विद्युत उत्पन्न करना
(C) कुशल माल परिवहन के लिए रेल और सड़क परिवहन को एकीकृत करना
(D) स्थानीय शहरी निवासियों के लिए सार्वजनिक मनोरंजक हरित पार्क और उद्यान के रूप में कार्य करना

49. कृषि के बाद राजस्थान में कौन-सा क्षेत्र सर्वाधिक रोजगार के अवसर प्रदान करता है?
(A) सीमेंट उद्योग
(B) वस्त्र उद्योग
(C) आईटी उद्योग
(D) रसायन उद्योग

50. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक विकास में लघु उद्योग (SSIs) एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
कारण (R): लघु उद्योग अत्यधिक श्रम-गहन हैं और अपेक्षाकृत कम पूंजी निवेश के साथ अत्यधिक रोजगार सृजित करते हैं।
(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) कथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

51. राजस्थान में पहला सफेद सीमेंट संयंत्र किस स्थान पर स्थापित किया गया था?
(A) गोटन, नागौर
(B) खड़िया खंगार, जोधपुर
(C) मांगरोल, चित्तौड़गढ़
(D) निंबाहेड़ा, चित्तौड़गढ़

52. राजस्थान में प्रमुख ऑटोमोबाइल टायर और ट्यूब निर्माण संयंत्र (जेके टायर) किस कस्बे में स्थित है?
(A) भिवाड़ी
(B) ब्यावर
(C) कांकरोली
(D) किशनगढ़

53. हिंदुस्तान मशीन टूल्स (HMT) का कारखाना, यद्यपि अब अधिकांशतः गैर-कार्यात्मक है, ऐतिहासिक रूप से राजस्थान के किस शहर में स्थित था?
(A) अजमेर
(B) जयपुर
(C) कोटा
(D) उदयपुर

54. राजस्थान की कौन-सी झील भारत में नमक उत्पादन का सबसे बड़ा अंतर्देशीय स्रोत है?
(A) पचपदरा झील
(B) डीडवाना झील
(C) लूणकरणसर झील
(D) सांभर झील

55. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:
सूची I: (औद्योगिक पार्क/कॉम्प्लेक्स)
P. स्पाइस (मसाला) पार्क
Q. होजरी पार्क
R. सिरामिक हब
S. लेदर कॉम्प्लेक्स
सूची II: (स्थान)
1. मानपुरा माचेड़ी
2. खारा (बीकानेर)
3. चौपानकी (भिवाड़ी)
4. मथानिया (जोधपुर)
(A) P-1, Q-2, R-3, S-4
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-3, Q-4, R-1, S-2
(D) P-2, Q-1, R-4, S-3

56. अपशिष्ट अभ्रक (माईका) से रोधक ईंटों का निर्माण करने वाला उद्योग मुख्य रूप से राजस्थान के किस जिले में स्थित है?

NODIA

P. सीमेंट
Q. कांच (ग्लास)
R. नमक
S. वस्त्र (टेक्सटाइल)

सूची II: (राजस्थान में प्रमुख केंद्र)
1. भीलवाड़ा
2. डीडवाना
3. धौलपुर
4. लाखेरी

(A) P-3, Q-4, R-1, S-2
(B) P-4, Q-3, R-2, S-1
(C) P-4, Q-2, R-3, S-1
(D) P-1, Q-2, R-3, S-4

12. प्रयोगशाला कांच के सामान के निर्माण के लिए प्रसिद्ध हाई-टेक प्रिसीजन ग्लास फैक्ट्री किस जिले में स्थित है?
(A) भरतपुर
(B) धौलपुर
(C) जयपुर
(D) अलवर

13. बहुराष्ट्रीय कंपनी सेंट-गोबेन द्वारा एक प्रमुख फ्लोट ग्लास निर्माण संयंत्र राजस्थान के किस औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया गया है?
(A) भिवाड़ी
(B) सीतापुरा
(C) बोरानाडा
(D) नीमराणा

14. राजस्थान में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(A) चित्तौड़गढ़
(B) राजसमंद
(C) उदयपुर
(D) भीलवाड़ा

15. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प राजस्थान के जिलों की उनकी अनुमानित सीमेंट उत्पादन क्षमता के आधार पर घटते क्रम को सही दर्शाता है?
(A) बूंदी - सिरोही - चित्तौड़गढ़
(B) सिरोही - बूंदी - चित्तौड़गढ़
(C) चित्तौड़गढ़ - बूंदी - सिरोही
(D) चित्तौड़गढ़ - सिरोही - बूंदी

16. राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (RIICO) की स्थापना एक स्वतंत्र इकाई के रूप में किस वर्ष की गई थी?
(A) 1955
(B) 1969
(C) 1980
(D) 1991

17. राजस्थान राज्य में रीको (RIICO) का प्राथमिक कार्य क्या है?
(A) छोटे और सीमांत किसानों को कृषि विकास ऋण प्रदान करना
(B) औद्योगिक क्षेत्रों का विकास करना और उद्योगों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
(C) राज्य के प्राथमिक और माध्यमिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम को विनियमित और नियंत्रित करना
(D) राज्य के वन संसाधनों और वन्यजीव आवासों का प्रबंधन, संरक्षण और सुरक्षा करना

18. राजस्थान में एक प्रमुख विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) महिंद्रा वर्ल्ड सिटी किस शहर के पास स्थित है?
(A) जोधपुर
(B) कोटा
(C) उदयपुर
(D) जयपुर

19. राजस्थान में सीतापुरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस उद्योग के लिए प्रसिद्ध है?
(A) रत्न एवं आभूषण
(B) भारी मशीनरी
(C) पेट्रोकेमिकल्स
(D) ऑटोमोबाइल निर्माण

20. राजस्थान में निम्नलिखित औद्योगिक संस्थानों की स्थापना को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
I. राजस्थान लघु उद्योग निगम (RAJSICO)
II. राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (RIICO)
III. राजस्थान वित्त निगम (RFC)
IV. ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेंसी (RUDA)
(A) III, I, II, IV
(B) I, II, III, IV
(C) III, II, I, IV
(D) I, III, II, IV

21. दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (DMIC) का लगभग कितना प्रतिशत भाग राजस्थान राज्य से होकर गुजरता है?
(A) 15 प्रतिशत
(B) 25 प्रतिशत
(C) 39 प्रतिशत
(D) 55 प्रतिशत

22. राजस्थान में दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (DMIC) के तहत निम्नलिखित में से किसे एक प्रमुख निवेश नोड के रूप में पहचाना गया है?
(A) बीकानेर-चूरू
(B) जैसलमेर-बाड़मेर
(C) उदयपुर-डूंगरपुर
(D) खुशखेड़ा-भिवाड़ी-नीमराणा

Click Here to Buy book on Amazon

(C) खेतड़ी, झुंझुनूं
(D) अगूचा, भीलवाड़ा

69. निम्नलिखित में से किसे खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा परिभाषित 'ग्रामोद्योग' का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है?
(A) गुड़ और खांडसारी उत्पादन
(B) बड़े पैमाने के व्यावसायिक सीमेंट निर्माण और प्रसंस्करण संयंत्र
(C) हाई-टेक एकीकृत भारी ऑटोमोबाइल असेंबली और उत्पादन लाइनें
(D) बड़े पैमाने की पेट्रोलियम शोधन और पेट्रोकेमिकल प्रसंस्करण इकाइयाँ

70. राजस्थान में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs) के विकास से क्या मुख्य परिणाम अपेक्षित है?
(A) राज्य के कुल कृषि फसल उत्पादन में भारी कमी और गिरावट
(B) सभी लघु उद्योगों को पूर्ण रूप से बंद करना और उन पर वैधानिक प्रतिबंध लगाना
(C) सभी शहरी आबादी का ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर स्थानांतरण और प्रवास
(D) संवर्धित निर्यात के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय में वृद्धि

www.nodia.in

NODIA

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (B) लाखेरी
राजस्थान में सीमेंट उद्योग का इतिहास अत्यंत समृद्ध माना जाता है। राज्य का पहला सीमेंट कारखाना वर्ष 1915 में बूंदी जिले के लाखेरी स्थान पर स्थापित किया गया था। इस कारखाने में व्यावसायिक उत्पादन वर्ष 1917 से प्रारंभ हुआ। क्लिक निक्सन कंपनी द्वारा स्थापित इस संयंत्र ने राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान की। गुणवत्तापूर्ण चूना पत्थर की प्रचुर उपलब्धता ने इस क्षेत्र में सीमेंट उत्पादन के मुख्य आधार के रूप में कार्य किया।

2. (B) 1978
राजस्थान में त्वरित औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए राज्य की पहली औद्योगिक नीति वर्ष 1978 में घोषित की गई थी। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य में लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना तथा पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगिक अवसंरचना का विस्तार करना था। इसके माध्यम से स्थानीय संसाधनों के अनुकूल उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित किया गया तथा निवेश हेतु अनुकूल वातावरण निर्मित किया गया।

3. (A) केवल I और II
राजस्थान में सीमेंट उद्योग का प्रादुर्भाव बूंदी के लाखेरी से हुआ था। राज्य में गुणवत्तापूर्ण चूना पत्थर के विशाल भंडार मौजूद होने के कारण चित्तौड़गढ़ जिला सीमेंट उत्पादन का प्रमुख केंद्र बन चुका है। राज्य सफेद सीमेंट उत्पादन में भी अग्रणी है और गोटन तथा खड़िया खंगार में प्रमुख सफेद सीमेंट संयंत्र कार्यरत हैं। अतः सफेद सीमेंट न बनने का दावा पूर्णतः असत्य है जबकि अन्य दोनों बिंदु पूरी तरह प्रमाणिक और सत्य हैं।

4. (C) भीलवाड़ा
भीलवाड़ा को अपने विशाल वस्त्र उद्योग और कपड़ा निर्माण क्षमता के कारण 'राजस्थान का मैनचेस्टर' कहा जाता है। यह शहर सूती वस्त्र, पॉलिएस्टर और सिंथेटिक धागों के उत्पादन का भारत में एक प्रमुख केंद्र है। यहाँ की वस्त्र इकाइयाँ उच्च गुणवत्ता वाले कपड़ों का निर्माण करती हैं जिनका बड़े पैमाने पर निर्यात भी किया जाता है। वस्त्र निर्माण में अग्रणी भूमिका के कारण इसे राज्य की टेक्सटाइल सिटी का दर्जा भी प्राप्त है।

5. (A) ब्यावर
राजस्थान में पहली सूती वस्त्र मिल 'द कृष्णा मिल्स लिमिटेड' की स्थापना वर्ष 1889 में अजमेर जिले के ब्यावर में की गई थी। इस ऐतिहासिक मिल की स्थापना सेठ दामोदर दास राठी और कर्नल टॉड के प्रयासों से निजी क्षेत्र में हुई थी। इस मिल की स्थापना के साथ ही राजस्थान में आधुनिक संगठित उद्योग युग का शुभारंभ हुआ। इसने राज्य में औद्योगिक गतिविधियों के प्रसार और रोजगार सृजन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

6. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
भीलवाड़ा को 'राजस्थान की वस्त्र नगरी' के रूप में जाना जाता है क्योंकि यहाँ कताई, बुनाई और वस्त्र प्रसंस्करण इकाइयों का विशाल संकेंद्रण मौजूद है। यहाँ सैकड़ों कपड़ा मिलें कार्यरत हैं जो देश-विदेश में वस्त्रों की आपूर्ति करती हैं। अत्यधिक औद्योगिक इकाइयों और गहन कपड़ा उत्पादन तंत्र की मौजूदगी ही इस शहर को यह विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। अतः दिया गया कारण मुख्य कथन की सटीक, तार्किक तथा पूर्ण व्याख्या करता है।

7. (B) मकराना
विश्व प्रसिद्ध इमारत ताजमहल के निर्माण में प्रयुक्त उत्कृष्ट गुणवत्ता वाला सफेद संगमरमर राजस्थान के नागौर जिले में स्थित मकराना से प्राप्त किया गया था। इस संगमरमर को कैल्साइट श्रेणी का संगमरमर माना जाता है जो अपनी असाधारण चमक, स्थायित्व और सौंदर्य के लिए जाना जाता है। मकराना का संगमरमर समय के साथ पीला नहीं पड़ता है। इसकी इसी विशिष्टता के कारण इसे वैश्विक धरोहरों के निर्माण हेतु सर्वथा उपयुक्त माना गया है।

8. (C) जालौर
राजस्थान का जालौर जिला अपने समृद्ध और विविध रंगीन ग्रेनाइट भंडारों के कारण 'ग्रेनाइट सिटी' के नाम से जाना जाता है। यहाँ व्यावसायिक रूप से ग्रेनाइट का उत्खनन, कटाई और पॉलिशिंग बड़े पैमाने पर की जाती है। जालौर में उत्पादित ग्रेनाइट की घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अत्यधिक मांग बनी रहती है। इस खनिज आधारित उद्योग ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ हजारों लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया है।

9. (D) डीडवाना
राजस्थान स्टेट केमिकल्स वर्क्स राज्य सरकार का एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम है, जो डीडवाना में स्थित है। यह संस्थान खारे पानी की झील से सोडियम सल्फेट और सोडियम सल्फाइड का व्यावसायिक उत्पादन करता है। इन रसायनों का उपयोग कागज, चमड़ा, कपड़ा और डिटर्जेंट उद्योगों में व्यापक रूप से होता है। डीडवाना क्षेत्र में नमक और रसायनों की प्रचुरता के कारण इस सार्वजनिक उपक्रम की स्थापना यहाँ की गई थी।

10. (A) गड़ेपान, कोटा
चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड राजस्थान का एक प्रमुख निजी उर्वरक संयंत्र है, जो कोटा जिले के गड़ेपान में स्थित है। यह संयंत्र मुख्य रूप से यूरिया का निर्माण करता है और देश के कृषि क्षेत्र को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक प्रदान करता है। गैस आधारित तकनीक पर संचालित यह आधुनिक कारखाना

Downloaded from www.pdf.tube

राज्य की उर्वरक आवश्यकताओं की पूर्ति में निर्णायक भूमिका निभाता है। इसकी उच्च उत्पादन क्षमता कृषि उत्पादकता बढ़ाने में अत्यधिक सहायक सिद्ध हुई है।

11. (B) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों का संबंध उनके विशिष्ट उत्पादों से है। लाखेरी बूंदी जिले में स्थित राज्य का पहला सीमेंट उत्पादन केंद्र है। धौलपुर अपने कांच उद्योगों और हाई-टेक प्रिसीजन ग्लास इकाइयों के लिए विख्यात है। डीडवाना खारे पानी की झील के कारण नमक और रासायनिक उत्पादन का केंद्र है। भीलवाड़ा राज्य का सबसे बड़ा वस्त्र निर्माण केंद्र है। इस प्रकार सभी उद्योगों का उनके प्रासंगिक केंद्रों से सटीक मेल बनता है।

12. (B) धौलपुर
द हाई-टेक प्रिसीजन ग्लास फैक्ट्री राजस्थान के धौलपुर जिले में स्थित एक सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई है। यह कारखाना मुख्य रूप से गंगानगर शुगर मिल के लिए कांच की बोतलों और विभिन्न प्रयोगशाला उपकरण संबंधी कांच के सामान का निर्माण करता था। धौलपुर क्षेत्र में सिलिका बालू की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता के कारण यह स्थान कांच उद्योग के विकास के लिए अत्यंत उपयुक्त माना गया और यहाँ इस इकाई की स्थापना की गई।

13. (A) भिवाड़ी
फ्रांसीसी बहुराष्ट्रीय कंपनी सेंट-गोबेन ने राजस्थान के अलवर जिले में स्थित भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में एशिया के सबसे बड़े फ्लोट ग्लास निर्माण संयंत्रों में से एक की स्थापना की है। यह अत्याधुनिक संयंत्र ऑटोमोबाइल और भवन निर्माण क्षेत्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ग्लास का उत्पादन करता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निकट होने के कारण भिवाड़ी को बेहतर परिवहन, आधारभूत संरचना और व्यापक बाजार पहुँच का बड़ा लाभ मिलता है।

14. (C) उदयपुर
हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड भारत की एक अग्रणी जस्ता, सीसा और चांदी उत्पादक कंपनी है, जिसका प्रशासनिक मुख्यालय राजस्थान के उदयपुर शहर में स्थित है। पूर्व में सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम रही यह कंपनी अब वेदांता समूह का हिस्सा है। उदयपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों में जावर तथा चंदेरिया जैसे विशाल जस्ता-सीसा खनन एवं गलन केंद्र स्थित हैं। इन गतिविधियों के प्रबंधन हेतु उदयपुर को इसका प्रमुख केंद्र बनाया गया है।

15. (D) चित्तौड़गढ़ - सिरोही - बूंदी
राजस्थान में सीमेंट उत्पादन क्षमता का वितरण क्षेत्रीय खनिज भंडारों पर निर्भर है। चित्तौड़गढ़ जिला राज्य में सर्वाधिक सीमेंट उत्पादन क्षमता रखता है, जहाँ अनेक बड़े सीमेंट संयंत्र स्थापित हैं। इसके पश्चात सिरोही जिले का स्थान आता है, जहाँ लाफार्ज और अल्ट्राटेक जैसे प्रमुख संयंत्र क्रियाशील हैं। बूंदी जिला लाखेरी संयंत्र के साथ तीसरे स्थान पर आता है। इस प्रकार जिलों का यह क्रम सीमेंट क्षमता का सही अवरोही क्रम है।

16. (C) 1980
राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको) की स्थापना स्वतंत्र निकाय के रूप में जनवरी 1980 में की गई थी। इससे पूर्व 1969 में स्थापित राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम के साथ यह संयुक्त रूप से कार्यरत था, परंतु 1980 में खनिजों को पृथक कर रीको का पुनर्गठन किया गया। रीको का मुख्य उद्देश्य राज्य में औद्योगिक बुनियादी ढाँचे का विकास करना और नए उद्यमियों को वित्तीय एवं तकनीकी प्रोत्साहन प्रदान करना है।

17. (B) औद्योगिक क्षेत्रों का विकास करना और उद्योगों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको) राज्य की शीर्ष औद्योगिक विकास एजेंसी है। इसका प्राथमिक कार्य राज्य भर में औद्योगिक क्षेत्रों की योजना बनाना, उन्हें विकसित करना तथा बुनियादी ढाँचा प्रदान करना है। इसके साथ ही रीको बड़ी और मध्यम श्रेणी की औद्योगिक परियोजनाओं को ऋण तथा इक्विटी सहायता के माध्यम से वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराता है। यह राज्य में निवेश को आकर्षित करने के लिए नोडल संस्था है।

18. (D) जयपुर
महिंद्रा वर्ल्ड सिटी राजस्थान के जयपुर शहर के पास स्थित एक विश्वस्तरीय बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) है। यह महिंद्रा समूह और रीको का एक संयुक्त उद्यम है। यह आर्थिक क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी, हस्तशिल्प, ऑटोमोबाइल और इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों की इकाइयों को एकीकृत बुनियादी ढाँचा प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विकसित यह सेज राज्य में विशाल विदेशी निवेश और निर्यात को बढ़ावा देने में सहायक रहा है।

19. (A) रत्न एवं आभूषण
जयपुर का सीतापुरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) मुख्य रूप से रत्न एवं आभूषण उद्योग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है। जयपुर ऐतिहासिक रूप से कीमती और बहुमूल्य पत्थरों की तराशने तथा आभूषण निर्माण का बड़ा केंद्र रहा है। सीतापुरा सेज में स्थापित आधुनिक इकाइयाँ उच्च गुणवत्ता वाले गहनों का निर्माण कर विदेशों में निर्यात करती हैं। यह क्षेत्र राज्य के विदेशी मुद्रा अर्जन और कुशल रोजगार सृजन में प्रमुख योगदान देता है।

20. (A) III, I, II, IV
राजस्थान में औद्योगिक संस्थाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम उनकी स्थापना के वर्षों पर आधारित है। राजस्थान वित्त निगम की स्थापना 1955 में हुई थी। इसके पश्चात राजस्थान लघु उद्योग निगम वर्ष 1961 में गठित किया गया। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम 1980 में स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आया। अंत में ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेंसी की स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी।

NODIA

21. (C) 39 प्रतिशत
दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भारत की एक विशाल आधारभूत अवसंरचना परियोजना है। इस गलियारे का लगभग 39 प्रतिशत भाग राजस्थान राज्य से होकर गुजरता है। राज्य में इसकी लंबाई लगभग 563 किलोमीटर है। यह गलियारा राज्य के विभिन्न जिलों को वैश्विक लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक नेटवर्क से जोड़ता है। इस बड़े हिस्से के कारण राजस्थान में औद्योगिक निवेश, बुनियादी ढाँचे के विकास और निर्यात क्षमता में अत्यधिक वृद्धि की संभावनाएँ निर्मित हुई हैं।

22. (D) खुशखेड़ा-भिवाड़ी-नीमराणा
दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत राजस्थान में खुशखेड़ा-भिवाड़ी-नीमराणा क्षेत्र को एक प्रमुख निवेश नोड तथा औद्योगिक शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के समीप स्थित होने के कारण यह क्षेत्र विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स, कनेक्टिविटी और अवसंरचना से सुसज्जित है। यहाँ जापानी कंपनियों सहित अनेक बहुराष्ट्रीय औद्योगिक इकाइयाँ कार्यरत हैं। यह नोड राज्य में भारी औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन का मुख्य चालक बना हुआ है।

23. (B) संयंत्र एवं मशीनरी में निवेश और कंपनी का वार्षिक टर्नओवर
भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का नया वर्गीकरण 1 जुलाई 2020 से लागू किया गया है। यह नया वर्गीकरण दो स्पष्ट मानदंडों पर आधारित है, जिनमें संयंत्र एवं मशीनरी या उपकरणों में किया गया कुल निवेश तथा उद्यम का वार्षिक टर्नओवर शामिल है। विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों के लिए समान मानक तय किए गए हैं। इस पारदर्शी मानदंड से उद्योगों को अपनी श्रेणी विस्तार में अत्यधिक सुविधा प्राप्त होती है।

24. (C) 2006
भारत सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास, संवर्धन और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम वर्ष 2006 में अधिनियमित किया था। यह कानून 2 अक्टूबर 2006 से लागू हुआ। इस अधिनियम ने इन उद्यमों को कानूनी परिभाषा प्रदान की और उनके लिए एक राष्ट्रीय बोर्ड की स्थापना की। इसके माध्यम से साख सुविधा, आधुनिक तकनीक और विपणन में सहायता का ढाँचा तैयार किया गया।

25. (B) केवल I और III
कुटीर उद्योग मुख्य रूप से घर पर ही परिवार के सदस्यों की सहायता से चलाए जाने वाले छोटे ग्रामीण या शहरी उद्योग होते हैं। ये उद्योग स्थानीय रूप से आसानी से उपलब्ध कच्चे माल और पारंपरिक हस्तकला कौशल पर पूरी तरह निर्भर करते हैं। इनमें विशाल पूंजी निवेश या भारी विदेशी मशीनों की कोई आवश्यकता नहीं होती है। अतः भारी मशीनों और बड़े निवेश से संबंधित विवरण असत्य है जबकि अन्य दोनों बिंदु पूरी तरह सटीक हैं।

26. (A) जयपुर
ब्लू पॉटरी राजस्थान की राजधानी जयपुर की एक प्रसिद्ध पारंपरिक हस्तकला और कुटीर उद्योग है। इस कला में मिट्टी के बजाय चीनी मिट्टी, क्वार्ट्ज पाउडर और काँच के मिश्रण से बर्तन बनाए जाते हैं और उन पर नीले तथा हरे रंग के मनमोहक पारंपरिक डिजाइन उकेरे जाते हैं। जयपुर की यह कला दुनिया भर में अत्यधिक लोकप्रिय है। इस उद्योग ने स्थानीय कारीगरों को स्वरोजगार प्रदान करने के साथ अंतरराष्ट्रीय पहचान भी दिलाई है।

27. (B) 1955
राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की स्थापना खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड अधिनियम, 1955 के तहत वर्ष 1955 में की गई थी। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खादी और पारंपरिक ग्रामोद्योगों का विकास, संवर्धन तथा आयोजन करना है। यह बोर्ड ग्रामीण कारीगरों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और निर्मित वस्तुओं के विपणन हेतु बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वावलंबन को सुदृढ़ आधार प्राप्त होता है।

28. (B) RUDA
ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेंसी (रुडा) की स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा नवंबर 1995 में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि क्षेत्र जैसे चमड़ा, ऊन, हथकरघा, हस्तशिल्प और कुम्हारी कला में लगे कारीगरों को स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। रुडा इन पारंपरिक कारीगरों को कौशल उन्नयन, नई तकनीक, डिजाइन विकास और बाजार से जुड़ाव प्रदान करके उनकी आय में सुधार करने हेतु निरंतर कार्य करती है।

29. (A) हथकरघा
प्रसिद्ध 'कोटा डोरिया' राजस्थान के सबसे उत्कृष्ट हथकरघा वस्त्र उद्योगों में से एक है। मुख्य रूप से कोटा जिले के कैथून में निर्मित होने वाली यह साड़ी अपने हल्के वजन, पारदर्शी बुनावट और चौकोर डिजाइन जिन्हें 'खाट' कहा जाता है, के लिए जानी जाती है। सूती धागों, रेशम और जरी के बारीक तालमेल से बने इस वस्त्र को भौगोलिक संकेत टैग भी प्राप्त है। यह उद्योग हजारों स्थानीय बुनकरों की आजीविका का मुख्य आधार है।

30. (C) कथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
लघु और कुटीर उद्योगों के कारीगरों को प्रायः कम लाभ मार्जिन और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण विपणन पहुँच का अभाव और बिचौलियों का प्रभाव है। कारीगरों को बिना किसी संपार्श्विक के शून्य ब्याज पर दीर्घकालिक बैंक ऋण सरलता से नहीं मिलते, बल्कि उन्हें ऋण प्राप्त करने में अनेक प्रशासनिक तथा वित्तीय कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है। अतः कारण में दिया गया विवरण पूरी तरह तथ्यात्मक रूप से गलत है।

31. (D) समय पर और पर्याप्त वित्त तक पहुँच का अभाव
राजस्थान में लघु एवं कुटीर उद्योगों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती समय पर और सस्ती दरों पर पर्याप्त संस्थागत वित्त

Click Here to Buy book on Flipkart

की अनुपलब्धता है। अधिकांश छोटे कारीगरों और उद्यमियों के पास बैंक ऋण हेतु आवश्यक संपार्श्विक संपत्ति नहीं होती। इसके कारण वे साहूकारों के महंगे ऋण जाल में फंस जाते हैं या पूंजी के अभाव में अपने व्यवसाय का विस्तार नहीं कर पाते। यह समस्या उनके उत्पादन, गुणवत्ता सुधार और विपणन क्षमताओं को गंभीर रूप से बाधित करती है।

32. (C) बड़े घरेलू और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
निवेश संवर्धन ब्यूरो राजस्थान में बड़े घरेलू और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रस्तावों को आकर्षित करने तथा उन्हें सुगम बनाने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। यह ब्यूरो 10 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली परियोजनाओं के लिए एक नोडल केंद्र की भूमिका निभाता है। यह निवेशकों को विभिन्न सरकारी अनुमतियाँ प्राप्त करने, भूमि आवंटन और नीतियाँ समझने में मार्गदर्शन प्रदान करता है, जिससे राज्य में औद्योगिक वातावरण बेहतर होता है।

33. (B) राज्य के औद्योगिक विकास के लिए घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करना
'इन्वेस्ट राजस्थान' जैसे वैश्विक निवेश सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य राज्य को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करना है। इसके माध्यम से राज्य सरकार देश और दुनिया के प्रमुख उद्योगपतियों, निवेशकों तथा कॉर्पोरेट घरानों को राज्य में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में पूंजी निवेश हेतु आमंत्रित करती है। ऐसे आयोजनों से समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होते हैं, जिससे नए उद्योग स्थापित होते हैं, अवसंरचना सुदृढ़ होती है और बड़े पैमाने पर रोजगार निर्मित होता है।

34. (D) P-2, Q-1, R-4, S-3
राजस्थान के विशिष्ट औद्योगिक पार्कों का मिलान उनके सही स्थानों से होता है। एग्रो फूड पार्क कोटा में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु स्थापित किया गया है। जापानी निवेश क्षेत्र अलवर जिले के नीमराणा में स्थित है, जहाँ जापानी कंपनियाँ केंद्रित हैं। साइबर पार्क आईटी और सॉफ्टवेयर क्षेत्र के विकास के लिए जोधपुर में बनाया गया है। स्टोन पार्क धौलपुर में प्राकृतिक पत्थरों के प्रसंस्करण के लिए विकसित किया गया औद्योगिक क्षेत्र है।

35. (A) जयपुर
राजस्थान में सर्वाधिक रीको औद्योगिक क्षेत्र राजधानी जयपुर जिले में स्थित हैं। जयपुर राज्य का प्रमुख प्रशासनिक, आर्थिक और वाणिज्यिक केंद्र होने के कारण यहाँ विश्वस्तरीय अवसंरचनात्मक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। सीतापुरा, मानसरोवर, विश्वकर्मा, झोटवाड़ा और बगरू जैसे विशाल औद्योगिक क्षेत्र इसी जिले में आते हैं। बेहतर सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी के कारण जयपुर निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है, जिससे यहाँ औद्योगिक क्षेत्रों का सबसे बड़ा घनत्व मौजूद है।

36. (C) नीमराणा, अलवर
रीको द्वारा राजस्थान के अलवर जिले में स्थित नीमराणा औद्योगिक क्षेत्र में एक समर्पित 'जापानी औद्योगिक क्षेत्र' विकसित किया गया है। यह क्षेत्र दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट स्थित है। यहाँ कई प्रमुख जापानी बहुराष्ट्रीय कंपनियों जैसे डाइकिन, निसिन और शोट-काच आदि ने अपने विनिर्माण संयंत्र स्थापित किए हैं। इस समर्पित क्षेत्र ने राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और उन्नत विनिर्माण तकनीक के आगमन को अत्यधिक गति प्रदान की है।

37. (A) प्रथम
राजस्थान भारत के सभी राज्यों में स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में प्रथम स्थान पर स्थित है। राज्य में वर्ष भर मिलने वाली तीव्र सूर्य की रोशनी, विशाल बंजर भूमि की उपलब्धता और अनुकूल सौर नीति के कारण सौर ऊर्जा क्षेत्र में अत्यधिक प्रगति हुई है। भड़ला जैसे दुनिया के विशालतम सौर पार्क और कई निजी परियोजनाओं के कारण राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन में देश का निर्विवाद नेता बनकर उभरा है।

38. (D) जोधपुर
विश्व के सबसे बड़े सौर पार्कों में से एक, भड़ला सोलर पार्क, राजस्थान के जोधपुर जिले के फलौदी क्षेत्र में स्थित है। यह विशाल पार्क 14,000 एकड़ से अधिक भूमि पर फैला हुआ है और इसकी कुल स्थापित क्षमता 2,245 मेगावाट से अधिक है। इस परियोजना ने राजस्थान को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के मामले में वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया है। यहाँ तीव्र सौर विकिरण और समतल भूमि का उत्कृष्ट उपयोग किया गया है।

39. (B) फोटोवोल्टिक (PV) मॉड्यूल और सोलर सेल
सौर ऊर्जा उपकरण निर्माण उद्योग मुख्य रूप से फोटोवोल्टिक मॉड्यूल, सोलर सेल, इनवर्टर और सोलर ग्लास जैसे मूल घटकों का निर्माण करता है। ये घटक सूर्य के प्रकाश को प्रत्यक्ष रूप से विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। भारत में सौर ऊर्जा क्षमता के तीव्र विस्तार को देखते हुए इन उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को अत्यधिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो सके और देश आत्मनिर्भर बने।

40. (B) 1948
भारत में औद्योगिक श्रम के हितों की सुरक्षा और न्यूनतम मजदूरी दरें तय करने हेतु न्यूनतम मजदूरी अधिनियम वर्ष 1948 में अधिनियमित किया गया था। यह कानून असंगठित और संगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों को शोषण से बचाने तथा उनके लिए गरिमापूर्ण जीवन यापन हेतु न्यूनतम पारिश्रमिक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया था। इसके तहत राज्य सरकारें विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए समय-समय पर न्यूनतम दरों का पुनर्निर्धारण करती हैं।

41. (D) पंजीकृत असंगठित क्षेत्र और निर्माण श्रमिक
राजस्थान में 'श्रमिक कल्याण कार्ड' जारी करने का मुख्य उद्देश्य पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। इसके माध्यम से पात्र श्रमिकों को स्वास्थ्य बीमा, बच्चों की शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति, प्रसूति सहायता और दुर्घटना बीमा जैसी महत्वपूर्ण कल्याणकारी सुविधाएँ प्रदान की जाती

Downloaded from www.pdf.tube

हैं। यह कार्ड असंगठित श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार और उन्हें वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने का सशक्त साधन है।

42. (C) 2011
राजस्थान में उद्योगों की स्थापना हेतु आवश्यक स्वीकृतियों को त्वरित, पारदर्शी और झंझट-मुक्त बनाने के लिए 'राजस्थान उद्यम एकल खिड़की सुगमीकरण और अनुज्ञा अधिनियम' वर्ष 2011 में पारित किया गया था। इस कानून का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को विभिन्न सरकारी विभागों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाना और एक ही समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक पर्यावरण, भूमि और बिजली संबंधी अनुमतियाँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है, जिससे राज्य में निवेश का माहौल बेहतर बने।

43. (B) यह एक ही पोर्टल के माध्यम से सभी आवश्यक सरकारी औद्योगिक स्वीकृतियाँ प्रदान करता है।
औद्योगिक विकास में एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह निवेशकों को एक एकीकृत ऑनलाइन वेब पोर्टल के माध्यम से सभी आवश्यक सरकारी स्वीकृतियाँ, लाइसेंस और अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करता है। इससे उद्यमियों को अलग-अलग विभागों के पास जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस व्यवस्था से कागजी कार्रवाई में लगने वाला समय और लागत कम होती है, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ती है तथा व्यापार करने में सुगमता आती है।

44. (C) 2014
भारत को एक वैश्विक विनिर्माण और डिजाइन केंद्र के रूप में बदलने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' पहल सितंबर 2014 में शुरू की गई थी। इस महत्वाकांक्षी अभियान का मुख्य लक्ष्य देश में निवेश को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रोत्साहित करना, कौशल विकास को गति देना और सर्वोत्तम विनिर्माण अवसंरचना का निर्माण करना है। इसके तहत कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों को सरल और पारदर्शी बनाया गया है।

45. (A) केवल I और II
राजस्थान में पाली और बालोतरा के कपड़ा छपाई व रंगाई उद्योग अपशिष्ट जल के अनियंत्रित विसर्जन के कारण गंभीर जल प्रदूषण की समस्या उत्पन्न करते हैं। इस प्रदूषण के निवारण हेतु औद्योगिक क्षेत्रों में सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित किए गए हैं ताकि विषैले जल को उपचारित किया जा सके। सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग एक प्रदूषण-रहित सेवा क्षेत्र है, अतः इसका वायु प्रदूषण में मुख्य योगदान होना पूर्णतः असत्य और निराधार कथन है।

46. (C) जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का गठन प्रारंभ में जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के तहत वर्ष 1975 में किया गया था। यह एक वैधानिक निकाय है जिसे राज्य में जल और वायु प्रदूषण को रोकने, नियंत्रित करने तथा पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार करने का दायित्व सौंपा गया है। यह बोर्ड उद्योगों को सहमति पत्र जारी करता है तथा अपशिष्ट निस्तारण के लिए मानक तय कर पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करता है।

47. (D) सीतापुरा, जयपुर
राजस्थान का पहला निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क जयपुर जिले के सीतापुरा में स्थापित किया गया था। यह पार्क रीको द्वारा भारत सरकार की सहायता से विकसित किया गया था ताकि राज्य से निर्यात योग्य वस्तुओं के निर्माण को बढ़ावा दिया जा सके। सीतापुरा स्थित इस पार्क में विशेष रूप से रत्न-आभूषण, गारमेंट्स और सॉफ्टवेयर क्षेत्र की निर्यात-उन्मुख इकाइयाँ स्थापित हैं, जिन्होंने राज्य के कुल वैश्विक निर्यात में बड़ा योगदान दिया है।

48. (C) कुशल माल परिवहन के लिए रेल और सड़क परिवहन को एकीकृत करना
औद्योगिक गलियारों में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने का प्राथमिक उद्देश्य रेल, सड़क और बंदरगाह परिवहन प्रणालियों को एक ही स्थान पर एकीकृत करना है। इससे माल की आवाजाही अत्यंत कुशल, सस्ती और तीव्र हो जाती है। ऐसे पार्क गोदाम, वेयरहाउसिंग, कस्टम क्लीयरेंस और माल की सुरक्षित लोडिंग-अनलोडिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करते हैं। इस व्यवस्था से लॉजिस्टिक्स लागत घटती है और निर्मित वस्तुओं की प्रतिस्पर्धी क्षमता में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुधार होता है।

49. (B) वस्त्र उद्योग
कृषि के पश्चात राजस्थान में वस्त्र उद्योग ही सर्वाधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने वाला सबसे बड़ा पारंपरिक संगठित एवं असंगठित उद्योग है। भीलवाड़ा, जयपुर, पाली, बालोतरा और कोटा जैसे प्रमुख शहरों में कताई, बुनाई, रंगाई, छपाई और रेडीमेड वस्त्र निर्माण का कार्य व्यापक स्तर पर होता है। यह उद्योग लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष श्रमिकों, कारीगरों तथा बुनकरों को आजीविका का मुख्य साधन प्रदान करता है, जिससे राज्य की ग्रामीण व शहरी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है।

50. (A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक विकास में लघु उद्योगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि ये उद्योग अपेक्षाकृत कम पूंजी निवेश के साथ अधिक मात्रा में रोजगार के अवसर निर्मित करते हैं। ये उद्योग स्थानीय संसाधनों का कुशल उपयोग करते हैं और क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होते हैं। अतः दिया गया कारण पूरी तरह से सत्य है और यह मुख्य कथन में दी गई लघु उद्योगों की सामाजिक-आर्थिक भूमिका की सटीक तथा तार्किक व्याख्या प्रस्तुत करता है।

51. (A) गोटन, नागौर
राजस्थान में पहला सफेद सीमेंट संयंत्र वर्ष 1984 में नागौर जिले के गोटन नामक स्थान पर स्थापित किया गया था। जेके व्हाइट सीमेंट नाम से प्रसिद्ध इस कारखाने ने राज्य में सफेद सीमेंट के व्यावसायिक उत्पादन की शुरुआत की थी। इस क्षेत्र में उच्च शुद्धता वाले चूना पत्थर की प्रचुरता के कारण यह

NODIA

संयंत्र स्थापित हुआ। इसके पश्चात जोधपुर के खड़िया खंगार में भी बड़ा सफेद सीमेंट कारखाना स्थापित किया गया, जिसने राज्य को देश में अग्रणी बनाया।

52. (C) कांकरोली
राजस्थान में जेके टायर का विशाल और प्रमुख ऑटोमोबाइल टायर एवं ट्यूब निर्माण संयंत्र राजसमंद जिले के कांकरोली में स्थित है। यह संयंत्र एशिया के सबसे बड़े टायर निर्माण कारखानों में से एक माना जाता है। यहाँ विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले टायरों का उत्पादन किया जाता है। इस बड़े उद्योग ने राजसमंद जिले में औद्योगिक गतिविधियों के विकास, बुनियादी ढाँचे के विस्तार और हजारों लोगों के लिए स्थानीय रोजगार के अवसर निर्मित किए हैं।

53. (A) अजमेर
हिंदुस्तान मशीन टूल्स का प्रसिद्ध घड़ी और मशीन निर्माण कारखाना ऐतिहासिक रूप से राजस्थान के अजमेर शहर में स्थित था। यह केंद्र सरकार का एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम था जिसकी स्थापना इंडो-चेक समझौते के तहत की गई थी। यद्यपि वित्तीय घाटे और बदलती वैश्विक तकनीक के कारण वर्तमान में यह संयंत्र काफी हद तक गैर-कार्यात्मक हो चुका है, परंतु इसने दशकों तक अजमेर को एक महत्वपूर्ण औद्योगिक पहचान प्रदान की थी।

54. (D) सांभर झील
राजस्थान की प्रसिद्ध सांभर झील भारत में नमक उत्पादन का सबसे बड़ा अंतर्देशीय प्राकृतिक स्रोत है। जयपुर, अजमेर और नागौर जिलों की सीमा पर फैली यह खारे पानी की झील देश के कुल नमक उत्पादन का लगभग 8 से 9 प्रतिशत हिस्सा उत्पादित करती है। यहाँ केंद्र सरकार के उपक्रम 'सांभर साल्ट्स लिमिटेड' द्वारा व्यावसायिक स्तर पर वाष्पीकरण पद्धति के माध्यम से नमक का उत्पादन किया जाता है। यह झील राज्य के नमक उद्योग का मुख्य केंद्र है।

55. (B) P-4, Q-3, R-2, S-1
राजस्थान के विशिष्ट औद्योगिक पार्कों का सही मिलान उनके स्थानों से इस प्रकार है। स्पाइस पार्क जोधपुर के मथानिया में मिर्च व मसालों के प्रसंस्करण हेतु स्थापित है। होजरी पार्क भिवाड़ी के चौपानकी में स्थित है जहाँ वस्त्र उत्पाद बनते हैं। सिरामिक हब बीकानेर के खारा में चीनी मिट्टी के बर्तनों के लिए विकसित किया गया है। लेदर कॉम्प्लेक्स जयपुर के मानपुरा माचेड़ी में चमड़ा उद्योग के संवर्धन हेतु बनाया गया है।

56. (C) भीलवाड़ा
अपशिष्ट अभ्रक का उपयोग करके ताप-रोधक ईंटों का निर्माण करने वाला उद्योग मुख्य रूप से राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में स्थित है। भीलवाड़ा जिला राज्य में अभ्रक उत्खनन का प्रमुख क्षेत्र है। यहाँ खदानों से निकलने वाले अभ्रक के अपशिष्ट का पुनः उपयोग करके भट्टियों और तापीय संयंत्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली रोधक ईंटें बनाई जाती हैं। यह खनिज आधारित उद्योग अपशिष्ट प्रबंधन के साथ-साथ भीलवाड़ा के औद्योगिक आधार को विविधता भी प्रदान करता है।

57. (D) उदयपुर
राजस्थान का उदयपुर शहर पारंपरिक रूप से लकड़ी के खिलौने और खराद कलाकृतियाँ बनाने के अपने कुटीर उद्योग के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। यहाँ स्थानीय कारीगर सीसम, गुलेर और लाक की लकड़ी का उपयोग करके आकर्षक खिलौने, सजावटी सामान और घरेलू वस्तुएँ तैयार करते हैं। इस कुटीर उद्योग ने कई पीढ़ियों से हस्तशिल्प की परंपरा को जीवित रखा है और यह उदयपुर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

58. (A) मानपुरा माचेड़ी
राजस्थान में चमड़ा और जूता उद्योगों के एकीकृत विकास को बढ़ावा देने के लिए रीको द्वारा लेदर कॉम्प्लेक्स की स्थापना जयपुर जिले के मानपुरा माचेड़ी में की गई है। इस कॉम्प्लेक्स में चमड़ा प्रसंस्करण, जूते का निर्माण और चर्म कलाकृतियों से जुड़ी अनेक इकाइयाँ केंद्रित हैं। यहाँ उद्यमियों को अपशिष्ट उपचार संयंत्र और आधुनिक बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराया गया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ निर्यात योग्य गुणवत्ता के चमड़ा उत्पादों का निर्माण संभव हो सके।

59. (B) जयपुर
रीको द्वारा राजस्थान में कृषि आधारित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्करणीय इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए चार प्रमुख एग्रो फूड पार्क स्थापित किए गए हैं। ये चार पार्क कोटा, जोधपुर, श्रीगंगानगर और अलवर में स्थित हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर जिले में रीको का कोई एग्रो फूड पार्क स्थापित नहीं किया गया है। अतः जयपुर इस विशिष्ट श्रेणी की औद्योगिक योजना के अंतर्गत शामिल नहीं है।

60. (B) जापान
दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भारत की एक अत्यधिक महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना है जिसे जापान सरकार के वित्तीय और तकनीकी सहयोग से विकसित किया जा रहा है। जापानी बैंक और एजेंसियाँ इस गलियारे के निर्माण में मुख्य भागीदार हैं। इस परियोजना का उद्देश्य अत्याधुनिक औद्योगिक नगरों, तीव्र लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना है, जिसका बड़ा लाभ राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों को प्राप्त हो रहा है।

61. (A) फुटलूज़ उद्योग (Footloose Industry)
भूगोल और अर्थशास्त्र में फुटलूज़ उद्योग उस उद्योग को कहा जाता है जो किसी विशिष्ट कच्चे माल की उपलब्धता या विशेष भौगोलिक स्थान पर निर्भर नहीं होता है। ऐसे उद्योग किसी भी ऐसे स्थान पर स्थापित किए जा सकते हैं जहाँ परिवहन, बिजली और कुशल श्रम आसानी से उपलब्ध हों। इन उद्योगों के कच्चे माल और तैयार उत्पाद दोनों का वजन कम होता है। सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबली इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

Click Here to Buy book on Amazon

62. (C) निरंतर वित्तीय नकद हानि और उद्यम के कुल निवल मूल्य (Net Worth) का पूर्ण क्षरण
लघु और मध्यम उद्योगों में औद्योगिक रुग्णता उस स्थिति को संदर्भित करती है जहाँ कोई व्यावसायिक इकाई लगातार वित्तीय नकद घाटे से गुजरती है। इसके परिणामस्वरूप उद्यम का कुल निवल मूल्य पूरी तरह से समाप्त या क्षीण हो जाता है। ऐसी इकाइयाँ अपने वित्तीय दायित्वों, बैंक ऋणों और परिचालन व्यय का भुगतान करने में असमर्थ हो जाती हैं। समय पर पुनरुद्धार न होने पर ऐसी रुग्ण इकाइयाँ बंद होने की कगार पर पहुँच जाती हैं।

63. (D) स्वचालित मार्ग (Automatic Route)
प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की नीति के अंतर्गत स्वचालित मार्ग का तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसमें किसी विदेशी निवेशक या भारतीय कंपनी को निवेश प्राप्त करने के लिए भारत सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक से किसी पूर्व स्वीकृति या अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। निवेशक को केवल निवेश राशि प्राप्त होने के निश्चित समय के भीतर आरबीआई को सूचित करना होता है। यह मार्ग देश में विदेशी पूंजी के प्रवाह को तीव्र और सरल बनाता है।

64. (C) 2019
राजस्थान सरकार ने राज्य में सौर ऊर्जा के व्यापक उत्पादन, तकनीक के समावेश और उपकरण निर्माण को गति देने के लिए 'राजस्थान सौर ऊर्जा नीति' वर्ष 2019 में जारी की थी। इस नीति का मुख्य लक्ष्य राज्य में 2024-25 तक 30 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करना रखा गया था। इस नीति में निवेशकों को वित्तीय प्रोत्साहन, भूमि आवंटन में छूट और स्टाम्प ड्यूटी में राहत प्रदान की गई है, जिससे राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आया।

65. (B) कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (Common Effluent Treatment Plant)
राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में सीईटीपी का पूर्ण रूप कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट है। यह एक सामूहिक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र होता है जो विशेष रूप से उन सूक्ष्म, लघु और मध्यम औद्योगिक इकाइयों के रासायनिक कचरे को उपचारित करता है जो स्वयं का व्यक्तिगत उपचार संयंत्र लगाने में असमर्थ होती हैं। पाली, बालोतरा और जोधपुर जैसे कपड़ा प्रसंस्करण क्षेत्रों में जल प्रदूषण को नियंत्रित करने और पर्यावरण की रक्षा में इन संयंत्रों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।

66. (D) नए उद्यम स्थापित करने के लिए संस्थागत ऋणों पर ब्याज अनुदान (सब्सिडी)
राजस्थान सरकार की 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' का मुख्य उद्देश्य नए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की स्थापना तथा मौजूदा इकाइयों के विस्तार हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत उद्यमियों को बैंकों और वित्तीय संस्थानों के माध्यम से स्वीकृत 10 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर 5 से 8 प्रतिशत तक का ब्याज अनुदान प्रदान किया जाता है। यह योजना युवाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए वित्तीय रूप से प्रोत्साहित करती है।

67. (A) 1961
राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड (राजसीको) की स्थापना राज्य सरकार के उपक्रम के रूप में जून 1961 में की गई थी। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य राज्य के लघु उद्योगों और पारंपरिक कारीगरों को सहायता प्रदान करना, उनके उत्पादों के विपणन की व्यवस्था करना तथा उन्हें कच्चा माल उपलब्ध कराना है। राजसीको 'राजस्थली' एम्पोरियम के माध्यम से हस्तशिल्प का विपणन करता है तथा जयपुर और जोधपुर में शुष्क बंदरगाहों का संचालन भी सफलता से करता है।

68. (C) खेतड़ी, झुंझुनूं
हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का प्रमुख तांबा गलन और प्रसंस्करण संयंत्र 'खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स' राजस्थान के झुंझुनूं जिले के खेतड़ी क्षेत्र में स्थित है। यह केंद्र सरकार का एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम है। अरावली की पहाड़ियों में स्थित खेतड़ी ऐतिहासिक काल से ही तांबा उत्खनन का प्रसिद्ध केंद्र रहा है। यहाँ भूमिगत खदानों से तांबा अयस्क निकालकर उसका गलन और शोधन किया जाता है, जो देश की तांबा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

69. (A) गुड़ और खांडसारी उत्पादन
खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मानदंडों के अनुसार ग्रामोद्योग से तात्पर्य ग्रामीण क्षेत्रों में कम पूंजी निवेश के साथ स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके संचालित उद्योगों से है। गुड़ और खांडसारी उत्पादन इसका एक सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है, क्योंकि यह कृषि आधारित उद्योग गन्ने के स्थानीय उपयोग, पारंपरिक ग्रामीण कौशल और सीमित पूंजी से संचालित होता है। बड़े पैमाने के सीमेंट, ऑटोमोबाइल और रिफाइनरी संयंत्र भारी पूंजी और उन्नत तकनीक पर आधारित होने के कारण ग्रामोद्योग नहीं हैं।

70. (D) संवर्धित निर्यात के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय में वृद्धि
राजस्थान में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (सेज) के विकास का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मानकों का औद्योगिक ढाँचा तैयार करके बड़े पैमाने पर निर्यात-उन्मुख विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इन क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को कर राहत और एकल खिड़की सुविधाएँ दी जाती हैं। इससे देश के निर्यात में भारी वृद्धि होती है और बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आय प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त यह राज्य में उच्च तकनीकी निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करता है।

NODIA

अध्याय 36
ऊर्जा के स्रोत

1. राजस्थान में ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकता का सबसे प्रमुख कारण निम्नलिखित में से कौन सा है?
(A) तीव्र औद्योगीकरण और कृषि विस्तार
(B) सभी जिलों में कुल जनसंख्या में तीव्र गिरावट
(C) शहरी प्रवास और वृद्धि में उल्लेखनीय कमी
(D) राज्य भर में बारहमासी नदी प्रणालियों की निरंतर प्रचुरता

2. वर्तमान में, राजस्थान में कुल स्थापित विद्युत क्षमता में किस ऊर्जा स्रोत का योगदान सर्वाधिक है?
(A) सौर ऊर्जा उत्पादन
(B) पवन ऊर्जा उत्पादन
(C) तापीय कोयला ऊर्जा
(D) परमाणु ऊर्जा उत्पादन

3. माही बजाज सागर जलविद्युत परियोजना राजस्थान और किस अन्य राज्य के बीच एक संयुक्त उद्यम है?
(A) गुजरात
(B) मध्य प्रदेश
(C) पंजाब
(D) हरियाणा

4. चंबल जलविद्युत परियोजना में राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच ऊर्जा साझेदारी का अनुपात क्या है?
(A) 60:40
(B) 40:60
(C) 50:50
(D) 70:30

5. जलविद्युत उत्पादन और सिंचाई के लिए चंबल नदी पर बने बांधों का सही अनुप्रवाह क्रम (उद्गम से अंत तक) चुनिए।
(A) कोटा बैराज, जवाहर सागर, राणा प्रताप सागर, गांधी सागर
(B) गांधी सागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर, कोटा बैराज
(C) राणा प्रताप सागर, गांधी सागर, कोटा बैराज, जवाहर सागर
(D) जवाहर सागर, कोटा बैराज, गांधी सागर, राणा प्रताप सागर

6. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान का पहला सुपर थर्मल पावर स्टेशन है?
(A) कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन
(B) छबड़ा सुपर थर्मल पावर स्टेशन
(C) सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन
(D) कालीसिंध थर्मल पावर स्टेशन

7. सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन किस जिले में स्थित है?
(A) बीकानेर
(B) हनुमानगढ़
(C) चूरू
(D) श्रीगंगानगर

8. कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के लिए जल का प्राथमिक स्रोत क्या है?
(A) चंबल नदी
(B) लूनी नदी प्रणाली
(C) माही नदी प्रणाली
(D) बनास नदी प्रणाली

9. राजस्थान के किस जिले में छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन स्थित है?
(A) झालावाड़
(B) बारां
(C) कोटा
(D) बूंदी

10. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): उच्च पारषण और वितरण हानियां राजस्थान में ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक प्रमुख चुनौती हैं।
कारण (R): बिजली की चोरी, बिना मीटर वाली आपूर्ति, और कम आबादी वाले क्षेत्रों में अत्यधिक लंबी पारषण लाइनें इन हानियों में प्रमुख योगदान देती हैं।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

11. राजस्थान में गिरल बिजली संयंत्र निम्नलिखित में से किस ईंधन का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करता है?
(A) लिग्नाइट कोयला
(B) संवर्धित यूरेनियम
(C) संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी)

Downloaded from www.pdf.tube

(D) व्यावसायिक बायोगैस

12. राजस्थान में बरसिंहसर लिग्नाइट पावर प्लांट कहाँ स्थित है?
(A) बाड़मेर
(B) जैसलमेर
(C) बीकानेर
(D) नागौर

13. भाखड़ा नांगल जलविद्युत परियोजना में राजस्थान की हिस्सेदारी कितनी है?
(A) 10.50 प्रतिशत
(B) 15.22 प्रतिशत
(C) 20.00 प्रतिशत
(D) 25.50 प्रतिशत

14. चंबल जलविद्युत परियोजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. यह राजस्थान और मध्य प्रदेश का एक संयुक्त उद्यम है।
II. इस परियोजना से उत्पादित बिजली में दोनों राज्यों की बराबर हिस्सेदारी है।
III. गांधी सागर बांध राजस्थान की भौगोलिक सीमाओं के भीतर स्थित है।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

15. रावतभाटा परमाणु ऊर्जा स्टेशन राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) कोटा
(B) चित्तौड़गढ़
(C) बूंदी
(D) भीलवाड़ा

16. राजस्थान में रावतभाटा परमाणु ऊर्जा स्टेशन की स्थापना किस देश की तकनीकी सहायता से की गई थी?
(A) रूस
(B) अमेरिका
(C) फ्रांस
(D) कनाडा

17. व्यावसायिक परमाणु ऊर्जा स्टेशनों पर नाभिकीय विखंडन प्रक्रिया में मुख्य रूप से किस रेडियोधर्मी तत्व का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है?
(A) यूरेनियम
(B) थोरियम
(C) रेडियम
(D) पोलोनियम

18. रावतभाटा में दाबित भारी जल रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) में मंदक के रूप में आमतौर पर किस पदार्थ का उपयोग किया जाता है?
(A) परमाणु ग्रेफाइट
(B) तरलीकृत सोडियम धातु
(C) भारी जल (D_2O)
(D) सामान्य जल (H_2O)

NODIA

19. राजस्थान का दूसरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र कहाँ स्थापित किया जाना प्रस्तावित है?
(A) दानपुर (बांसवाड़ा)
(B) फलोदी (जोधपुर)
(C) पोकरण (जैसलमेर)
(D) सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)

20. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I: (ऊर्जा संयंत्र)
P. सूरतगढ़ थर्मल पावर स्टेशन
Q. भडला सोलर पार्क
R. रावतभाटा परमाणु ऊर्जा स्टेशन
S. अमरसागर पवन ऊर्जा परियोजना
सूची II: (जिला)
1. जोधपुर
2. चित्तौड़गढ़
3. श्रीगंगानगर
4. जैसलमेर
(A) P-3, Q-1, R-2, S-4
(B) P-1, Q-3, R-2, S-4
(C) P-3, Q-2, R-1, S-4
(D) P-4, Q-1, R-2, S-3

21. राजस्थान के किस जिले में पवन ऊर्जा की सर्वाधिक संभावना तथा स्थापित परियोजनाओं की सबसे बड़ी संख्या है?
(A) जयपुर
(B) जैसलमेर
(C) उदयपुर
(D) बीकानेर

22. राजस्थान में स्थापित प्रथम पवन ऊर्जा परियोजना कौन सी थी?
(A) देवगढ़ पवन परियोजना
(B) बीठड़ी पवन परियोजना
(C) अमरसागर पवन परियोजना
(D) फलोदी पवन परियोजना

23. अक्षय/नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिए राजस्थान सरकार द्वारा नामित राज्य नोडल एजेंसी कौन सी है?
(A) राजस्थान राज्य विद्युत बोर्ड (आरएसईबी)
(B) राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल)
(C) राजस्थान ऊर्जा विकास एजेंसी (रेडा)

(D) राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आरआरईसीएल)

24. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): सभी भारतीय राज्यों में राजस्थान के पास सौर ऊर्जा उत्पादन की सर्वाधिक संभावना है।
कारण (R): राजस्थान को प्रतिवर्ष 300 से अधिक धूप वाले दिनों और उच्च सौर विकिरण तीव्रता का भौगोलिक लाभ प्राप्त है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

25. राजस्थान में सोलर एनर्जी एंटरप्राइज जोन (सेज) में निम्नलिखित में से कौन से जिले शामिल हैं?
(A) बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़
(B) जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर
(C) जयपुर, अजमेर, टोंक
(D) उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा

26. राजस्थान की कौन सी भौगोलिक विशेषता इसे ज्वारीय ऊर्जा के लिए अत्यधिक अनुपयुक्त लेकिन सौर ऊर्जा के लिए आदर्श बनाती है?
(A) मध्य अरावली पर्वत श्रृंखला की ऊंचाई
(B) तटरेखा का अभाव और विशाल मरुस्थलीय विस्तार
(C) प्रमुख बारहमासी नदी प्रणालियों का उच्च संकेंद्रण
(D) सभी दक्षिणी क्षेत्रों में घना वनावरण

27. देवगढ़ पवन ऊर्जा परियोजना राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) प्रतापगढ़
(B) जैसलमेर
(C) सीकर
(D) बाड़मेर

28. राजस्थान में सौर ऊर्जा क्षेत्र के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. राजस्थान 2011 में अपनी समर्पित सौर ऊर्जा नीति की घोषणा करने वाला भारत का पहला राज्य था।
II. भडला सोलर पार्क क्षमता के मामले में विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क है।
III. राजस्थान में सौर ऊर्जा विकास के लिए नोडल एजेंसी राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लिमिटेड है।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल I और II
(B) केवल II और III
(C) केवल I और III
(D) I, II और III

29. भडला सोलर पार्क राजस्थान के किस जिले में स्थित है?
(A) जैसलमेर
(B) बीकानेर
(C) बाड़मेर
(D) जोधपुर

30. पूरी तरह से निर्मित होने पर भडला सोलर पार्क की कुल स्थापित विद्युत क्षमता कितनी है?
(A) 1000 मेगावाट
(B) 1500 मेगावाट
(C) 2245 मेगावाट
(D) 3000 मेगावाट

31. भडला सोलर पार्क का विकास कितने अलग-अलग चरणों में किया गया है?
(A) दो चरणों में
(B) तीन चरणों में
(C) चार चरणों में
(D) पांच चरणों में

32. राजस्थान सरकार ने किस वर्ष अपनी पहली व्यापक सौर ऊर्जा नीति जारी की थी?
(A) 2008
(B) 2011
(C) 2014
(D) 2019

33. राजस्थान सौर ऊर्जा नीति, 2019 ने 2024-25 तक कितनी सौर ऊर्जा क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी राज्य-स्तरीय लक्ष्य निर्धारित किया?
(A) 10 गीगावाट
(B) 20 गीगावाट
(C) 30 गीगावाट
(D) 50 गीगावाट

34. बायोगैस में मौजूद प्राथमिक दहनशील गैस कौन सी है, जो इसे एक व्यावहारिक ग्रामीण ऊर्जा स्रोत बनाती है?
(A) कार्बन डाइऑक्साइड
(B) नाइट्रोजन
(C) मीथेन
(D) हाइड्रोजन सल्फाइड

35. ग्रामीण राजस्थान में बायोगैस संयंत्रों में कच्चे माल के रूप में आमतौर पर निम्नलिखित में से किसका उपयोग किया जाता है?
(A) पशु गोबर और कृषि अपशिष्ट
(B) चूर्णित कोयला धूल और खनन अवशेष
(C) संवर्धित यूरेनियम अयस्क और भारी धातुएं
(D) औद्योगिक पेट्रोलियम शोधन अपशिष्ट

36. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए:

Click Here to Buy book on Flipkart

58. निम्नलिखित में से कौन सा "नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों" की श्रेणी का अपवाद है?
(A) सौर फोटोवोल्टिक ऊर्जा
(B) लिग्नाइट कोयला ऊर्जा
(C) तट आधारित पवन ऊर्जा
(D) जैव-ऊर्जा और बायोमास ऊर्जा

59. ग्रामीण और शहरी घरेलू विद्युतीकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) किस वर्ष शुरू की गई थी?
(A) 2014
(B) 2015
(C) 2017
(D) 2021

60. बिजली वितरण क्षेत्र में, "टीएंडडी हानि" (पारषण एवं वितरण हानि) मुख्य रूप से किन प्रक्रियाओं के दौरान नष्ट हुई ऊर्जा को संदर्भित करती है?
(A) कोयले के निष्कर्षण, खनन और रेलवे परिवहन के दौरान हानि
(B) सौर विकिरण को ग्रिड बिजली में परिवर्तित करने के दौरान अक्षमताएं
(C) ग्रिड पारषण और उपभोक्ताओं को बिजली वितरण के दौरान हानि
(D) जलविद्युत बांध जलाशयों में वाष्पीकरण के कारण जल क्षमता का नुकसान

61. "स्मार्ट मीटर" की स्थापना राजस्थान के बिजली वितरण निगमों (डिस्कॉम) की किस प्रकार मदद करती है?
(A) एम्बेडेड माइक्रो-जनरेटर के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अतिरिक्त बिजली उत्पन्न करके
(B) लंबी दूरी की पारषण लाइनों में ऑपरेटिंग वोल्टेज को बढ़ाकर
(C) दिष्ट धारा (डीसी) बिजली को सीधे प्रत्यावर्ती धारा (एसी) में परिवर्तित करके
(D) वाणिज्यिक हानियों को रोककर और बिलिंग दक्षता में सुधार करके

62. ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए प्राथमिक रूप से किस प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है?
(A) अशोधित कच्चे तेल का औद्योगिक प्रभाजी आसवन
(B) प्राकृतिक गैस भंडारों का उच्च तापमान पर दहन
(C) नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा संचालित जल का विद्युत अपघटन
(D) जैविक कृषि अपशिष्ट का अवायवीय सूक्ष्मजीव किण्वन

63. भविष्य की ऊर्जा रणनीतियों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार ने किस वर्ष 'राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति' को मंजूरी दी?
(A) 2015
(B) 2019
(C) 2021
(D) 2023

64. पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य नागरिकों को किस प्रकार की ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने के लिए सब्सिडी प्रदान करना है?
(A) औद्योगिक पवन टरबाइन जनरेटर
(B) सामुदायिक स्तर की बायोगैस इकाइयां
(C) उच्च क्षमता वाले डीजल जनरेटर
(D) रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणालियां

65. राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में जैव-ऊर्जा और बायोगैस को बढ़ावा देने का सबसे उपयुक्त कारण कौन सा है?
(A) यह स्थानीय जैविक और कृषि कचरे का उपयोग करके स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन प्रदान करता है।
(B) यह पूरी तरह से अत्यधिक जटिल, पूंजी-गहन और आयातित तकनीक पर निर्भर करता है।
(C) यह व्यावसायिक परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के प्रत्यक्ष, पूर्ण विकल्प के रूप में कार्य करता है।
(D) यह एकमात्र ऊर्जा उत्पादन तंत्र का प्रतिनिधित्व करता है जो पूरी तरह से सूर्य के प्रकाश के बिना काम करता है।

66. राजस्थान में सौर ऊर्जा क्षेत्र के तीव्र विकास ने स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सबसे प्रत्यक्ष लाभ कैसे पहुँचाया है?
(A) प्रमुख क्षेत्रीय कृषि फसलों के प्रचलित बाजार मूल्यों में भारी गिरावट लाकर
(B) सभी कृषि क्षेत्रों में हस्तचलित कृषि श्रम को स्वचालित रोबोटिक्स से पूरी तरह बदलकर
(C) सोलर पैनल की स्थापना, सफाई और रखरखाव में स्थानीय रोजगार उत्पन्न करके
(D) पड़ोसी राज्यों को कच्चे कोयले के भंडार के बड़े पैमाने पर व्यावसायिक निर्यात की सुविधा प्रदान करके

67. उनके प्राथमिक ऊर्जा स्रोत के आधार पर निम्नलिखित पावर स्टेशनों में से विषम (अलग) को चुनिए।
(A) रावतभाटा परमाणु ऊर्जा स्टेशन
(B) सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन
(C) कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन
(D) छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन

68. वह सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना कौन सी है जिसकी पूरी उत्पादित बिजली का उपयोग केवल राजस्थान राज्य द्वारा किया जाता है?
(A) भाखड़ा नांगल परियोजना
(B) गांधी सागर बांध परियोजना
(C) पोंग बांध परियोजना
(D) माही बजाज सागर परियोजना

NODIA

(A) P-2, Q-4, R-1, S-3
(B) P-4, Q-2, R-3, S-1
(C) P-2, Q-1, R-4, S-3
(D) P-1, Q-3, R-2, S-4

47. भारत में प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?
(A) 5 जून
(B) 14 दिसंबर
(C) 21 मार्च
(D) 28 फरवरी

48. राजस्थान में सक्रिय रूप से लागू उजाला योजना मुख्य रूप से किस ऊर्जा दक्षता उपाय से संबंधित है?
(A) ग्रामीण परिवारों को मुफ्त रूफटॉप सोलर पैनल वितरित करना
(B) घरेलू बायोगैस संयंत्रों के लिए भारी सरकारी सब्सिडी प्रदान करना
(C) राज्य के सभी किसानों को मुफ्त कृषि बिजली की आपूर्ति करना
(D) ऊर्जा-कुशल एलईडी बल्बों का वितरण करना

49. पीएम-कुसुम योजना का कौन सा घटक राजस्थान में किसानों को स्टैंडअलोन ऑफ-ग्रिड सोलर वॉटर पंप स्थापित करने के लिए सब्सिडी प्रदान करता है?
(A) घटक A
(B) घटक B
(C) घटक C
(D) घटक D

50. सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय सौर मिशन का पूरा नाम क्या है?
(A) महात्मा गांधी राष्ट्रीय सौर मिशन
(B) अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय सौर मिशन
(C) जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन
(D) सरदार पटेल राष्ट्रीय सौर मिशन

51. ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश के संदर्भ में, पीपीपी मॉडल का क्या अर्थ है?
(A) सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप)
(B) प्राइवेट पावर प्रोडक्शन सेक्टर
(C) पावर परचेज पॉलिसी फ्रेमवर्क
(D) पब्लिक पावर प्रोविजन नेटवर्क

52. सौभाग्य योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. इसका उद्देश्य देश में सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण प्राप्त करना है।
II. यह निर्धन (बीपीएल) परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन प्रदान करता है।
III. यह अपने लाभों को विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों तक सीमित रखता है।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन गलत है/हैं?
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) केवल III
(D) केवल I और II

53. सौर्य ऊर्जा कंपनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड सोलर पार्क विकसित करने के लिए राजस्थान सरकार और किस प्रमुख अवसंरचना कंपनी के बीच एक संयुक्त उद्यम है?
(A) रिलायंस इंडस्ट्रीज
(B) आईएल एंड एफएस एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी
(C) अदाणी एंटरप्राइजेज
(D) टाटा पावर

54. राजस्थान में फतेहगढ़ सोलर पार्क मुख्य रूप से किस कॉर्पोरेट समूह के निजी निवेश से विकसित किया जा रहा है?
(A) बिड़ला समूह
(B) इंफोसिस
(C) अदाणी समूह
(D) विप्रो

55. राष्ट्रीय स्तर पर पीएम-कुसुम योजना को लागू करने के लिए कौन सा मंत्रालय नोडल एजेंसी है?
(A) विद्युत मंत्रालय
(B) कृषि मंत्रालय
(C) ग्रामीण विकास मंत्रालय
(D) नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)

56. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है।
अभिकथन (A): ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य के लिए 100% स्वच्छ और सतत ईंधन माना जाता है।
कारण (R): ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन केवल कोयला बिजली संयंत्रों से उत्पन्न बिजली का उपयोग करके जल के विद्युत अपघटन द्वारा किया जाता है।
(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
(D) अभिकथन (A) गलत है परंतु कारण (R) सही है।

57. राजस्थान में कोयला आधारित तापीय ऊर्जा संयंत्रों से विशेष रूप से जुड़ी एक प्रमुख पर्यावरणीय चिंता निम्नलिखित में से कौन सी है?
(A) रेडियोधर्मी अपशिष्ट पदार्थ का सुरक्षित निपटान
(B) फ्लाई एश (उड़न राख) का उत्पादन
(C) जलाशय निर्माण के लिए व्यापक वनोन्मूलन
(D) घूर्णनशील टरबाइन ब्लेड से गंभीर ध्वनि प्रदूषण

NODIA

सूची I: (ऊर्जा स्रोत)
P. बायोगैस ऊर्जा
Q. परमाणु ऊर्जा
R. तापीय ऊर्जा
S. सौर ऊर्जा
सूची II: (उपयोग किया जाने वाला प्राथमिक ईंधन/संसाधन)
1. सूर्य का प्रकाश
2. मीथेन (जैविक कचरे से)
3. कोयला
4. यूरेनियम
(A) P-2, Q-4, R-3, S-1
(B) P-4, Q-2, R-1, S-3
(C) P-2, Q-3, R-4, S-1
(D) P-3, Q-4, R-2, S-1

37. संपूर्ण राजस्थान में बायोमास ऊर्जा संयंत्रों में किस कृषि अवशेष का उपयोग सबसे प्रमुखता से किया जाता है?
(A) गन्ने की खोई (बगास)
(B) सरसों की भूसी (तूड़ी)
(C) नारियल के छिलके
(D) धान की भूसी

38. निम्नलिखित में से कौन सा ऊर्जा स्रोत राजस्थान के बिजली ग्रिड के लिए "बेस लोड" का निर्माण करता है क्योंकि यह स्थिर और निरंतर बिजली प्रदान करता है?
(A) आंतरायिक पवन ऊर्जा
(B) परिवर्तनशील सौर ऊर्जा
(C) तापीय कोयला ऊर्जा
(D) ऑफ-ग्रिड बायोगैस ऊर्जा

39. राजस्थान के ऊर्जा मिश्रण के संबंध में निम्नलिखित में से गलत कथन की पहचान कीजिए।
(A) तापीय ऊर्जा राज्य की कुल स्थापित क्षमता का सबसे बड़ा हिस्सा है।
(B) सौर ऊर्जा राज्य के ऊर्जा मिश्रण में सबसे तेजी से बढ़ता क्षेत्र है।
(C) पश्चिमी राजस्थान में बिजली उत्पादन के लिए लिग्नाइट कोयले का अत्यधिक उपयोग किया जाता है।
(D) जलविद्युत उत्पादन में राजस्थान की क्षमता शून्य है।

40. राजस्थान की कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता में किस क्षेत्र का हिस्सा सबसे बड़ा है?
(A) सौर ऊर्जा
(B) पवन ऊर्जा
(C) छोटी जलविद्युत परियोजनाएं
(D) बायोमास ऊर्जा

41. विद्युत ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला के निम्नलिखित चरणों को सही तार्किक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
1. विद्युत उत्पादन
2. बिजली की खपत (अंतिम उपभोक्ता)
3. बिजली वितरण (डिस्कॉम)
4. बिजली पारषण (उच्च वोल्टेज ग्रिड)
(A) 1, 4, 3, 2
(B) 1, 3, 4, 2
(C) 4, 1, 3, 2
(D) 1, 4, 2, 3

42. ग्रामीण विद्युतीकरण के संदर्भ में "ऑफ-ग्रिड" ऊर्जा प्रणाली का क्या अर्थ है?
(A) केंद्रीय विद्युत ग्रिड से सीधे जुड़ी हुई एक विद्युत वितरण प्रणाली
(B) मुख्य ग्रिड नेटवर्क से स्वतंत्र रूप से काम करने वाली एक स्वायत्त प्रणाली
(C) केवल अन्य राज्यों को बिजली की आपूर्ति करने वाला एक सार्वजनिक बिजली उत्पादन स्टेशन
(D) एक स्थानीयकृत विद्युत वितरण नेटवर्क जो विशेष रूप से रात के समय काम करता है

43. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान में आमतौर पर बढ़ावा दिए जाने वाले ऑफ-ग्रिड सौर अनुप्रयोग का सबसे अच्छा उदाहरण है?
(A) स्वायत्त सौर कृषि पंप
(B) ग्रिड से जुड़ा 1000 मेगावाट का सोलर पार्क
(C) अंतर-राज्यीय उच्च वोल्टेज ग्रिड पारषण लाइन
(D) केंद्रीकृत कोयला आधारित बिजली स्टेशन

44. वर्तमान में राजस्थान में राज्य के स्वामित्व वाली कितनी बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) कार्यरत हैं?
(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) पांच

45. निम्नलिखित में से कौन सी राजस्थान की तीन बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) में से एक नहीं है?
(A) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल)
(B) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेडवीवीएनएल)
(C) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल)
(D) बीकानेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (बीवीवीएनएल)

46. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए:
सूची I: (जलविद्युत परियोजना)
P. गांधी सागर बांध
Q. माही बजाज सागर बांध
R. भाखड़ा बांध
S. पोंग बांध
सूची II: (जिस नदी पर यह बना है)
1. सतलुज
2. चंबल
3. व्यास
4. माही

Downloaded from www.pdf.tube

69. राजस्थान के बीकानेर और बाड़मेर जिलों में मुख्य रूप से किस प्रकार का कोयला पाया जाता है और तापीय ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है?
(A) एंथ्रेसाइट
(B) लिग्नाइट
(C) बिटुमिनस
(D) पीठ (पीट)

70. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए:
कथन I: सौर ऊर्जा ऊर्जा का एक अक्षय और नवीकरणीय स्रोत है।
कथन II: कोयला आधारित तापीय ऊर्जा ऊर्जा का एक अक्षय और नवीकरणीय स्रोत है।
(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं।
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

www.nodia.in

NODIA

Visit :
www.pdf.tube

Download PDFs For :

- ✓ MPPSC Chapterwise Question Bank
- ✓ KVS/NVS Chapterwise Question Bank
- ✓ KVS/NVS 30 Sample Papers for Tier-II
- ✓ DSSSB TGT Chapterwise Question Bank
- ✓ DSSSB Sample Papers
- ✓ Chapterwise Question Bank
- ✓ JEE NEET Foundation
- ✓ Primary Classes Worksheets
- ✓ Olympiad Guide
- ✓ Sample Papers
- ✓ Previous Year CBSE Papers
- ✓ Previous JEE, NEET and CUET Papers

Nodia Editions LLP
125, Sector 6, Vidhyadhar Nagar, Jaipur 302039

MRP ₹ 510.00

Click Here to Buy book on Amazon

STUDYING FROM PDFs?

THINK AGAIN.

If you are studying only from PDFs,
you are wasting valuable time.

Research shows that learning from

PRINTED BOOKS has up to

4× HIGHER RETENTION

than studying from screens.

PRINT BOOK = BETTER MEMORY

PDF = LOWER RETENTION

Those who study from **PRINTED BOOKS**
move **AHEAD.**

Others are left **BEHIND**
in competition.

In competitive exams,
being average is not enough.

STAY ONE STEP AHEAD.

विशिष्ट प्रौद्योगिकी पर आधारित है। यह तकनीक घटिया गुणवत्ता वाले स्थानीय लिग्नाइट कोयले का कुशलतापूर्वक उपयोग करके पर्यावरण के अनुकूल तरीके से तापीय ऊर्जा का उत्पादन करने के लिए डिजाइन की गई है।

12. (C) बीकानेर
बरसिंहसर लिग्नाइट पावर प्लांट राजस्थान के बीकानेर जिले में स्थित एक प्रमुख कोयला आधारित तापीय विद्युत केंद्र है। इस विद्युत संयंत्र का निर्माण और संचालन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा किया गया है। यह संयंत्र पास स्थित खुली लिग्नाइट खदानों से प्राप्त कोयले का उपयोग ईंधन के रूप में करता है, जिससे राज्य ग्रिड को निरंतर बिजली प्राप्त होती रहती है।

13. (B) 15.22 प्रतिशत
भाखड़ा नांगल बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना में राजस्थान की हिस्सेदारी 15.22 प्रतिशत निर्धारित है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की इस संयुक्त परियोजना के तहत सतलुज नदी पर निर्मित बांधों से उत्पादित होने वाली कुल जलविद्युत क्षमता तथा सिंचाई जल में से राजस्थान को यह निश्चित प्रतिशत अनुपात प्राप्त होता है। यह विद्युत हिस्सा उत्तर पश्चिमी जिलों की आपूर्ति में सहायक है।

14. (A) केवल I और II
चंबल जलविद्युत परियोजना राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों का एक संयुक्त उपक्रम है, जिसमें दोनों राज्यों की समान अनुपात में हिस्सेदारी है। इस परियोजना से उत्पादित कुल बिजली और सिंचाई जल दोनों राज्यों में बराबर बांटा जाता है। गांधी सागर बांध चंबल नदी पर निर्मित पहला बांध है, लेकिन यह राजस्थान में नहीं बल्कि मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित है।

15. (B) चित्तौड़गढ़
रावतभाटा परमाणु ऊर्जा स्टेशन, जिसे राजस्थान परमाणु ऊर्जा स्टेशन के नाम से भी जाना जाता है, राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित है। यह संयंत्र राणा प्रताप सागर बांध के निकट चंबल नदी के तट पर निर्मित किया गया है। यह भारत का व्यावसायिक परमाणु ऊर्जा स्टेशन है जो भारी जल रिएक्टर तकनीक द्वारा निरंतर बिजली उत्पादन कार्य सम्पन्न करता है।

16. (D) कनाडा
राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित रावतभाटा परमाणु ऊर्जा स्टेशन की स्थापना कनाडा देश की तकनीकी सहायता से की गई थी। इस संयंत्र के शुरुआती रिएक्टरों का निर्माण कनाडाई कैंडू दाबित भारी जल रिएक्टर डिजाइन पर आधारित था। हालांकि, बाद के चरणों में भारत ने घरेलू स्तर पर विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इसका सफल विस्तार और संचालन किया।

17. (A) यूरेनियम
व्यावसायिक परमाणु ऊर्जा स्टेशनों में नियंत्रित नाभिकीय विखंडन प्रक्रिया के माध्यम से अत्यधिक मात्रा में ऊष्मा और बिजली उत्पन्न करने के लिए यूरेनियम को प्राथमिक ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। परमाणु रिएक्टरों के मुख्य कोर में यूरेनियम का उपयोग होता है। जब यूरेनियम के नाभिक पर न्यूट्रॉन टकराते हैं, तो विखंडन से अपार ऊर्जा मुक्त होती है।

18. (C) भारी जल (D_2O)
रावतभाटा में स्थापित दाबित भारी जल रिएक्टरों में मंदक और शीतलक दोनों के रूप में भारी जल (D_2O) का उपयोग किया जाता है। नाभिकीय विखंडन के दौरान निकलने वाले तीव्र गति वाले न्यूट्रॉनों की गति को धीमा करके सतत श्रृंखला अभिक्रिया को बनाए रखने में मंदक सहायक होता है। इससे प्राकृतिक यूरेनियम का कुशल उपयोग संभव होकर सतत बिजली बनती है।

19. (A) दानपुर (बांसवाड़ा)
राजस्थान का दूसरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र बांसवाड़ा जिले के दानपुर क्षेत्र में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित रावतभाटा परमाणु केंद्र की सफलता के बाद, राज्य में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए माही नदी क्षेत्र के पास इस नई परियोजना की योजना बनाई गई है। यह संयंत्र स्थापित होने पर राज्य को स्वच्छ ऊर्जा देगा।

20. (A) P-3, Q-1, R-2, S-4
विभिन्न ऊर्जा संयंत्रों का उनके संबंधित जिलों के साथ सही मिलान इस प्रकार है: सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन श्रीगंगानगर जिले में स्थित है; भडला सोलर पार्क जोधपुर जिले में स्थापित है; रावतभाटा परमाणु ऊर्जा स्टेशन चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित है; और अमरसागर पवन ऊर्जा परियोजना जैसलमेर जिले में स्थित राज्य का पहला पवन ऊर्जा केंद्र माना जाता है जो स्थापित हुआ था।

21. (B) जैसलमेर
राजस्थान का जैसलमेर जिला अपने अनुकूल भौगोलिक विस्तार, उच्च वायु गति और विशाल समतल मरुस्थलीय भूभाग के कारण पवन ऊर्जा उत्पादन की सर्वाधिक संभावना रखता है। राज्य में स्थापित कुल पवन टरबाइन और पवन परियोजनाओं की सबसे बड़ी संख्या इसी क्षेत्र में केंद्रित है। इसी कारण इसे राज्य की पवन ऊर्जा राजधानी के रूप में जाना जाता है जो अत्यधिक बिजली उत्पन्न करती है।

22. (C) अमरसागर पवन परियोजना
राजस्थान की प्रथम पवन ऊर्जा परियोजना जैसलमेर जिले के अमरसागर में स्थापित की गई थी। इस ऐतिहासिक परियोजना का औपचारिक संचालन 10 अप्रैल 1999 को प्रारंभ हुआ था। राज्य में स्थापित यह परियोजना नवीकरणीय पवन ऊर्जा के क्षेत्र में पहली बड़ी शुरुआत थी, जिसने आगे चलकर बड़े पैमाने पर कमर्शियल पवन ऊर्जा फार्म स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया था और ऊर्जा प्रदान की।

23. (D) राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आरआरईसीएल)
राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड राज्य में सौर, पवन, बायोमास और अन्य गैर-पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के

उत्तर (व्याख्या सहित)

1. (A) तीव्र औद्योगीकरण और कृषि विस्तार
राजस्थान में बुनियादी ढांचे के विकास, औद्योगिक इकाइयों के विस्तार तथा आधुनिक कृषि गतिविधियों में व्यापक वृद्धि के कारण बिजली की मांग में निरंतर तीव्र बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। नलकूपों के बढ़ते उपयोग, उन्नत सिंचाई प्रणालियों के अपनाव और नए कारखानों की निरंतर स्थापना ने ऊर्जा खपत को अत्यधिक बढ़ा दिया है। यह आर्थिक प्रगति राज्य के समग्र विकास को गति प्रदान करती है।

2. (C) तापीय कोयला ऊर्जा
राजस्थान के कुल स्थापित विद्युत क्षमता मिश्रण में तापीय कोयला ऊर्जा का योगदान सबसे अधिक बना हुआ है। राज्य में सौर और पवन जैसे नवीकरणीय संसाधनों की क्षमता का तेजी से विस्तार होने के बावजूद, निरंतर और आधारभूत बिजली आपूर्ति के लिए कोयला आधारित ताप विद्युत गृह प्राथमिक स्रोत हैं। ये संयंत्र ग्रिड को स्थिरता प्रदान करते हैं और राज्य की आवश्यकताएं पूरी करते हैं।

3. (A) गुजरात
माही बजाज सागर जलविद्युत परियोजना राजस्थान और गुजरात राज्यों की एक महत्त्वपूर्ण संयुक्त अंतरराज्यीय बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है। यह परियोजना माही नदी पर निर्मित की गई है और इसका मुख्य उद्देश्य दोनों राज्यों में सिंचाई सुविधाएं विकसित करना तथा विद्युत उत्पादन करना है। इस समझौते के तहत उत्पादित होने वाली समस्त जलविद्युत ऊर्जा पर राजस्थान राज्य को पूर्ण अधिकार प्राप्त होता है।

4. (C) 50:50
चंबल जलविद्युत परियोजना राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों का एक समान भागीदारी वाला संयुक्त उपक्रम है। इस अंतरराज्यीय परियोजना के तहत निर्मित सभी जलविद्युत गृहों से उत्पादित होने वाली कुल बिजली तथा सिंचाई जल का बंटवारा दोनों राज्यों के मध्य 50:50 के अनुपात में किया जाता है। दोनों राज्य इस बहुउद्देशीय योजना के प्रबंधन तथा प्राप्त लाभों में बराबर हिस्सेदारी साझा करते हैं।

5. (B) गांधी सागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर, कोटा बैराज
चंबल नदी पर निर्मित बांधों का उद्गम स्थान से नदी के बहाव की दिशा में अनुप्रवाह क्रम गांधी सागर बांध, राणा प्रताप सागर बांध, जवाहर सागर बांध और अंत में कोटा बैराज है। प्रथम तीन बांधों का प्राथमिक कार्य जलविद्युत उत्पादन और जल भंडारण है, जबकि सबसे अंतिम निर्मित कोटा बैराज मुख्य रूप से केवल सिंचाई नहर प्रणालियों के संचालन हेतु प्रयुक्त होता है।

6. (C) सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन
श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ में स्थित सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन राजस्थान का पहला सुपर थर्मल पावर प्लांट है। इसकी स्थापना राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा की गई थी। इस विशाल कोयला आधारित विद्युत संयंत्र में उच्च क्षमता वाली अनेक इकाइयां स्थापित हैं, जिसके कारण इसे सुपर थर्मल पावर स्टेशन का दर्जा दिया गया है। यह राज्य में निर्बाध आधारभूत बिजली प्रदान करता है।

7. (D) श्रीगंगानगर
सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर के ठुकराना गांव के समीप स्थित है। यह संयंत्र राज्य के सबसे बड़े कोयला आधारित बिजली उत्पादन केंद्रों में से एक है। इसकी भौगोलिक स्थितिइसे इंदिरा गांधी नहर प्रणाली से प्रचुर मात्रा में शीतलन जल प्राप्त करने में मदद करती है, जबकि आवश्यक कोयला रेल नेटवर्क से पहुंचाया जाता है।

8. (A) चंबल नदी
कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन कोटा शहर में चंबल नदी के दाहिने तट पर स्थित है। इस विशाल कोयला आधारित तापीय संयंत्र के निरंतर संचालन और शीतलन प्रणाली के लिए आवश्यक जल का प्राथमिक स्रोत चंबल नदी तथा इस पर निर्मित कोटा बैराज जलाशय है। चंबल नदी का बारहमासी प्रवाह इस संयंत्र के विद्युत उत्पादन के लिए अनिवार्य जल आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

9. (B) बारां
छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बारां जिले के मोतीपुरा गांव के पास स्थित है। यह संयंत्र अत्याधुनिक सुपरक्रिटिकल प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है, जो उच्च तापीय दक्षता प्रदान करती है और कम कोयले की खपत में अधिक बिजली उत्पन्न करती है। यह राज्य की प्रमुख परियोजना है जो निरंतर ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करती है।

10. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान में पारषण और वितरण हानियां ऊर्जा क्षेत्र की वित्तीय स्थिति के लिए गंभीर समस्या उत्पन्न करती हैं। राज्य की विशाल भौगोलिक संरचना, दूर-दराज और कम जनसंख्या घनत्व वाले ग्रामीण तथा मरुस्थलीय क्षेत्रों तक बिजली पहुंचाने के लिए बिछाई गई लंबी लाइनें हानियों को बढ़ाती हैं। इसके अतिरिक्त गैर-कानूनी बिजली चोरी और बिना मीटर वाली आपूर्ति हानियों को और बढ़ा देती है।

11. (A) लिग्नाइट कोयला
बाड़मेर जिले के थम्बली गांव में स्थित गिरल बिजली संयंत्र लिग्नाइट कोयले का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करता है। यह राजस्थान का पहला ऐसा तापीय बिजली संयंत्र है जो

Downloaded from www.pdf.tube

35. (A) पशु गोबर और कृषि अपशिष्ट
ग्रामीण राजस्थान में स्थापित बायोगैस संयंत्रों में मुख्य कच्चे माल के रूप में मवेशियों के ताजे गोबर, जैविक कचरे और कृषि अवशेषों का उपयोग किया जाता है। राज्य में विशाल पशुधन की मौजूदगी से गोबर की निरंतर उपलब्धता बनी रहती है। इस सामग्री को डाइजेस्टर टैंक में अवायवीय प्रक्रिया से विघटित करके उपयोगी मीथेन गैस का निर्माण किया जाता है।

36. (A) P-2, Q-4, R-3, S-1
विभिन्न ऊर्जा स्रोतों का उनके संबंधित प्राथमिक संसाधनों के साथ सही सुमेल इस प्रकार है: बायोगैस का उत्पादन जैविक कचरे से प्राप्त मीथेन द्वारा होता है; परमाणु ऊर्जा में यूरेनियम ईंधन का उपयोग होता है; तापीय ऊर्जा उत्पादन मुख्यतः कोयले पर निर्भर करता है; तथा सौर ऊर्जा का उत्पादन सूर्य के प्रकाश से फोटोवोल्टिक प्रणाली द्वारा किया जाता है।

37. (B) सरसों की भूसी (तूड़ी)
राजस्थान में बायोमास ऊर्जा उत्पादन के लिए सरसों की भूसी का उपयोग सबसे प्रमुखता से किया जाता है। राजस्थान देश का सबसे बड़ा सरसों उत्पादक राज्य है, जिसके कारण यहाँ सरसों का अवशेष प्रचुर मात्रा में आसानी से उपलब्ध होता है। इस कृषि अवशेष को बायोमास पावर संयंत्रों में जलाकर कुशलतापूर्वक बिजली का उत्पादन किया जाता है जो लाभदायक है।

38. (C) तापीय कोयला ऊर्जा
बिजली ग्रिड की स्थिरता हेतु बेस लोड का तात्पर्य उस न्यूनतम ऊर्जा आपूर्ति से है जो चौबीसों घंटे निरंतर उपलब्ध रहती है। राजस्थान में कोयला आधारित तापीय ऊर्जा यह बेस लोड प्रदान करती है क्योंकि यह मौसम या समय से प्रभावित हुए बिना लगातार चलती रहती है। इसके विपरीत सौर और पवन ऊर्जा परिवर्तनशील तथा आंतरायिक प्रकृति की होती हैं।

39. (D) जलविद्युत उत्पादन में राजस्थान की क्षमता शून्य है।
यह कथन पूरी तरह गलत है कि जलविद्युत उत्पादन में राजस्थान की क्षमता शून्य है। राजस्थान माही बजाज सागर और चंबल नदी की परियोजनाओं से प्रत्यक्ष जलविद्युत का उत्पादन करता है, तथा भाखड़ा और व्यास जैसी अंतरराज्यीय परियोजनाओं से भी जलविद्युत का अपना निर्धारित हिस्सा प्राप्त करता है, जिससे राज्य की ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी होती हैं और विकास होता है।

40. (A) सौर ऊर्जा
राजस्थान की कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में सौर ऊर्जा का हिस्सा सबसे बड़ा और प्रमुख है। अपनी अत्यधिक अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों, वर्ष भर धूप की उपलब्धता और विशाल सोलर पार्कों के विकास के कारण राजस्थान ने पवन, बायोमास और जलविद्युत को पीछे छोड़ते हुए पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल किया है जो एक महान उपलब्धि है।

41. (A) 1, 4, 3, 2
विद्युत ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला का तार्किक क्रम इस प्रकार है: सर्वप्रथम पावर स्टेशनों पर बिजली का उत्पादन होता है। इसके पश्चात उच्च वोल्टेज ग्रिड लाइन द्वारा बिजली का पारषण किया जाता है। फिर स्थानीय वितरण कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं तक बिजली का वितरण होता है, और अंत में अंतिम उपभोक्ता द्वारा बिजली का उपभोग या खपत की जाती है जो सही है।

42. (B) मुख्य ग्रिड नेटवर्क से स्वतंत्र रूप से काम करने वाली एक स्वायत्त प्रणाली
ऑफ-ग्रिड ऊर्जा प्रणाली का तात्पर्य एक ऐसी स्वायत्त और आत्मनिर्भर बिजली व्यवस्था से है जो मुख्य बिजली वितरण ग्रिड से जुड़ी नहीं होती है। यह प्रणाली दूरस्थ तथा दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर सौर पैनल या बैटरी के माध्यम से स्वतंत्र रूप से बिजली बनाती है और स्थानीय उपयोग हेतु आपूर्ति प्रदान करती है जो बेहद उपयोगी है।

43. (A) स्वायत्त सौर कृषि पंप
स्वायत्त सौर कृषि पंप ऑफ-ग्रिड सौर अनुप्रयोग का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। यह प्रणाली मुख्य बिजली ग्रिड पर निर्भर हुए बिना, सीधे सौर पैनलों से उत्पन्न ऊर्जा से जल पंप का संचालन करती है। राजस्थान के दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ ग्रिड लाइनें उपलब्ध नहीं हैं, यह व्यवस्था किसानों को स्वतंत्र सिंचाई सुविधा प्रदान करती है जो बहुत लाभप्रद है।

44. (B) तीन
वर्तमान में राजस्थान में राज्य सरकार के स्वामित्व वाली कुल तीन बिजली वितरण कंपनियां कार्यरत हैं। पूर्ववर्ती राज्य विद्युत बोर्ड का पुनर्गठन करके इन तीनों डिस्कॉमों की स्थापना की गई थी। ये कंपनियां राज्य के अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में आम नागरिकों, व्यावसायिक उपभोक्ताओं और किसानों तक बिजली पहुंचाने तथा वितरण व्यवस्था के कुशल प्रबंधन का कार्य करती हैं जो आवश्यक है।

45. (D) बीकानेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (बीवींवीएनएल)
बीकानेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड नाम की कोई भी राज्य-स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनी राजस्थान में मौजूद नहीं है। राजस्थान में केवल तीन डिस्कॉम जयपुर डिस्कॉम, जोधपुर डिस्कॉम और अजमेर डिस्कॉम ही कार्यरत हैं। बीकानेर जिले में विद्युत आपूर्ति और प्रबंधन का कार्य जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिकार क्षेत्र के तहत संपादित किया जाता है जो निश्चित है।

46. (A) P-2, Q-4, R-1, S-3
जलविद्युत परियोजनाओं का उनकी संबंधित नदियों के साथ सही मिलान इस प्रकार है: गांधी सागर बांध चंबल नदी पर निर्मित है; माही बजाज सागर बांध माही नदी पर स्थित है; भाखड़ा बांध सतलुज नदी पर बनाया गया है; और पोंग बांध व्यास नदी पर निर्मित है। ये बांध राज्य को सिंचाई तथा बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं जो लाभदायक है।

47. (B) 14 दिसंबर
भारत में प्रत्येक वर्ष 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को ऊर्जा

NODIA

संवर्धन तथा विकास के लिए नामित मुख्य राज्य नोडल एजेंसी है। इस संस्था का गठन वर्ष 2002 में पूर्ववर्ती संस्थाओं का विलय करके किया गया था। यह एजेंसी राज्य में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा नीतियों को लागू करने और परियोजनाओं को विकसित करने के लिए पूरी तरह उत्तरदायी है।

24. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार प्राकृतिक क्षमता मौजूद है जो इसे पूरे भारत में शीर्ष स्थान पर रखती है। इस उच्च क्षमता का मुख्य कारण राज्य का भौगोलिक वातावरण है, जहाँ वर्ष में 300 से अधिक दिनों तक साफ धूप उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त, उच्च सौर विकिरण और खाली भूमि की प्रचुरता सौर विकास को सुगम बनाती है।

25. (B) जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर
राजस्थान सरकार द्वारा घोषित सोलर एनर्जी एंटरप्राइज जोन के अंतर्गत राज्य के तीन पश्चिमी मरुस्थलीय जिले जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर शामिल हैं। यह संपूर्ण मरुस्थलीय क्षेत्र भारत में सबसे उच्च सौर विकिरण तीव्रता प्राप्त करता है। इन जिलों में सौर ऊर्जा उत्पादन, बड़े सोलर पार्कों की स्थापना और निजी निवेश को बढ़ावा देने हेतु बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है जो उपयोगी है।

26. (B) तटरेखा का अभाव और विशाल मरुस्थलीय विस्तार
राजस्थान एक पूर्णतः भू-आबद्ध राज्य है, जिसमें समुद्री तटरेखा का सर्वथा अभाव है। इसी कारण यहाँ महासागरीय ज्वार-भाटे से उत्पन्न होने वाली ज्वारीय ऊर्जा का उत्पादन असंभव है। दूसरी ओर, थार मरुस्थल का विशाल क्षेत्र, बंजर भूमि की व्यापक उपलब्धता तथा अत्यधिक धूप इस राज्य को सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अत्यंत आदर्श स्थान बनाते हैं जो ऊर्जा विकास में मददगार हैं।

27. (A) प्रतापगढ़
देवगढ़ पवन ऊर्जा परियोजना राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में स्थित एक प्रमुख पवन ऊर्जा उत्पादन केंद्र है। अमरसागर के बाद यह राज्य की दूसरी पवन ऊर्जा परियोजना के रूप में स्थापित की गई थी। प्रतापगढ़ जिले की विशिष्ट भौगोलिक बनावट और पहाड़ियों पर चलने वाली हवाओं का लाभ उठाकर यहाँ विद्युत उत्पादन किया जाता है जो काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।

28. (A) केवल I और II
राजस्थान वर्ष 2011 में अपनी स्वतंत्र और समर्पित सौर ऊर्जा नीति जारी करने वाला पूरे भारत का प्रथम राज्य था। जोधपुर में स्थित भडला सोलर पार्क अपनी कुल स्थापित क्षमता के आधार पर विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क माना जाता है। हालांकि, राज्य में सौर विकास के लिए मुख्य नोडल एजेंसी राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड पारदर्शी तरीके से कार्यरत है।

29. (D) जोधपुर
विश्व प्रसिद्ध भडला सोलर पार्क राजस्थान के जोधपुर जिले के भडला क्षेत्र में स्थित है। यह विशाल सौर ऊर्जा परिसर थार मरुस्थल की अत्यधिक शुष्क और बंजर भूमि पर निर्मित किया गया है, जहाँ उच्च सौर विकिरण तीव्रता प्राप्त होती है। अपनी विशाल भौगोलिक सीमा और सौर क्षमता के कारण यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र है।

30. (C) 2245 मेगावाट
पूर्ण रूप से विकसित हो चुके भडला सोलर पार्क की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 2245 मेगावाट है। जोधपुर में लगभग 14,000 एकड़ क्षेत्र में फैले इस विशाल सौर संयंत्र को चार अलग-अलग चरणों में विकसित किया गया है। यहाँ स्थापित सौर पैनल प्रतिदिन विशाल मात्रा में स्वच्छ हरित बिजली का उत्पादन करते हैं, जो ग्रिड को आपूर्ति की जाती है।

31. (C) चार चरणों में
जोधपुर स्थित भडला सोलर पार्क का संपूर्ण विकास चार अलग-अलग चरणों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी और विभिन्न विकासकर्ता एजेंसियों के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से किया गया है। प्रथम एवं द्वितीय चरण का विकास राज्य एजेंसी द्वारा किया गया, जबकि तृतीय एवं चतुर्थ चरण का विकास अन्य कंपनियों द्वारा पूर्ण किया गया, जिससे कुल क्षमता अत्यधिक बढ़कर स्थापित हुई।

32. (B) 2011
राजस्थान सरकार ने वर्ष 2011 में अपनी पहली समर्पित और व्यापक सौर ऊर्जा नीति लागू की थी। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य में मौजूद विशाल सौर क्षमता का दोहन करना, सोलर पार्क विकसित करना तथा निजी निवेशकों को आकर्षित करना था। इस नीतिगत पहल ने राजस्थान को देश में सौर ऊर्जा का प्रमुख केंद्र बनाने में सफलता दिलाई और आधार बनाया।

33. (C) 30 गीगावाट
राजस्थान सरकार द्वारा घोषित राजस्थान सौर ऊर्जा नीति, 2019 में वर्ष 2024-25 तक राज्य में 30 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य के अंतर्गत बड़े सोलर पार्क, कृषि सौर पंप तथा रूफटॉप प्रणालियों का व्यापक विस्तार करके राज्य में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने की योजना बनाई गई थी जो प्रभावी है।

34. (C) मीथेन
बायोगैस में मौजूद मुख्य दहनशील और ज्वलनशील गैस मीथेन (CH_4) होती है, जिसकी सांद्रता इसमें लगभग 55 से 70 प्रतिशत तक होती है। अवायवीय सूक्ष्मजीवों द्वारा जैविक कचरे के किण्वन से उत्पन्न यह मीथेन गैस ही उच्च ऊष्मीय मान प्रदान करती है। इसी कारण बायोगैस ग्रामीण क्षेत्रों में भोजन पकाने और ऊर्जा आवश्यकताओं हेतु एक व्यावहारिक और उपयोगी स्रोत बनती है।

Click Here to Buy book on Flipkart

60. (C) ग्रिड पारषण और उपभोक्ताओं को बिजली वितरण के दौरान हानि
पारषण एवं वितरण हानियां उस बिजली की मात्रा को दर्शाती हैं जो उत्पादन केंद्र से निकलकर उपभोक्ताओं के मीटरों तक पहुँचने के मार्ग में नष्ट हो जाती है। इसमें तारों के प्रतिरोध के कारण होने वाली प्राविधिक हानि तथा बिजली चोरी और बिना मीटर आपूर्ति से होने वाली वाणिज्यिक हानियां शामिल होती हैं जो डिस्कॉमों को नुकसान पहुँचाती हैं अत्यधिक।

61. (D) वाणिज्यिक हानियों को रोककर और बिलिंग दक्षता में सुधार करके
डिजिटल स्मार्ट मीटरों का उपयोग राजस्थान के डिस्कॉमों को वाणिज्यिक हानियों को कम करने और बिलिंग प्रक्रिया को सटीक बनाने में मदद करता है। ये मीटर वास्तविक समय का डेटा भेजते हैं, जिससे बिजली चोरी, अवैध कनेक्शनों और रीडिंग की गलतियों पर अंकुश लगता है। इसके परिणामस्वरूप राजस्व संग्रहण में वृद्धि होती है और वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनती है।

62. (C) नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा संचालित जल का विद्युत अपघटन
ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन जल के विद्युत अपघटन प्रक्रिया द्वारा किया जाता है, जिसमें पानी के अणुओं को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित किया जाता है। इस प्रक्रिया के लिए आवश्यक बिजली केवल सौर या पवन जैसे स्वच्छ नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त की जाती है। इससे पूरी उत्पादन प्रक्रिया कार्बन उत्सर्जन से मुक्त रहती है और पर्यावरण सुरक्षित रहता है।

63. (D) 2023
राजस्थान सरकार ने वर्ष 2023 में अपनी समर्पित 'राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति' को स्वीकृति प्रदान की। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य में ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया के उत्पादन को प्रोत्साहित करना तथा बड़े निवेशकों को आकर्षित करना है। इसके तहत परियोजनाओं के लिए विभिन्न छूट और बुनियादी ढांचा सुविधाएं प्रदान करने का प्रावधान किया गया है जो महत्त्वपूर्ण कदम है।

64. (D) रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणालियां
पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का मुख्य उद्देश्य नागरिकों के घरों की छतों पर रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित करने हेतु वित्तीय सब्सिडी प्रदान करना है। इस योजना से लाभार्थी परिवारों को प्रति माह 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली प्राप्त होती है। यह पहल घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देकर बिजली बिलों का बोझ घटाती है हमेशा।

65. (A) यह स्थानीय जैविक और कृषि कचरे का उपयोग करके स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन प्रदान करता है।
राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में बायोगैस को बढ़ावा देने का सबसे प्रमुख कारण यह है कि यह स्थानीय जैविक कचरे और गोबर का सदुपयोग करके स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन प्रदान करता है। इससे पारंपरिक लकड़ी जलाने से होने वाले धुएं और प्रदूषण से मुक्ति मिलती है तथा साथ में खेतों के लिए उत्तम जैविक खाद भी प्राप्त होती है।

66. (C) सोलर पैनल की स्थापना, सफाई और रखरखाव में स्थानीय रोजगार उत्पन्न करके
राजस्थान में सौर ऊर्जा क्षेत्र के तेजी से हुए विकास ने स्थानीय लोगों को सोलर पैनलों की स्थापना, सफाई, सुरक्षा और रखरखाव के कार्यों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। इसके साथ ही अपनी अकृषि बंजर भूमि को सोलर परियोजनाओं हेतु पट्टे पर देने से ग्रामीण भू-स्वामियों को नियमित आय का साधन भी प्राप्त हुआ है।

67. (A) रावतभाटा परमाणु ऊर्जा स्टेशन
दिए गए ऊर्जा संयंत्रों में से रावतभाटा केंद्र अन्य से भिन्न है क्योंकि यह यूरेनियम आधारित परमाणु ऊर्जा स्टेशन है। इसके विपरीत, अन्य तीनों संयंत्र सूरतगढ़, कोटा और छबड़ा कोयला दहन पर आधारित तापीय विद्युत गृह हैं जो जीवाश्म ईंधन कोयले का उपयोग करके बिजली बनाते हैं। अतः प्राथमिक ईंधन के आधार पर इसका वर्गीकरण बिल्कुल अलग बैठता है पूर्णतया।

68. (D) माही बजाज सागर परियोजना
माही बजाज सागर परियोजना राजस्थान की ऐसी सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना है जिसकी शत-प्रतिशत उत्पादित बिजली का उपभोग केवल राजस्थान राज्य द्वारा किया जाता है। हालाँकि बांध के जल में गुजरात की हिस्सेदारी है, परंतु विद्युत उत्पादन के समझौते के तहत इसके पावर हाउसों से उत्पन्न पूरी बिजली राजस्थान विद्युत ग्रिड को ही प्राप्त होती है जो विशेष है।

69. (B) लिग्नाइट
राजस्थान के बीकानेर और बाड़मेर जिलों में मुख्य रूप से 'लिग्नाइट' प्रकार का कोयला प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। लिग्नाइट को भूरा कोयला भी कहते हैं, जो कम कार्बन मात्रा वाला जीवाश्म ईंधन है। बीकानेर के बरसिंहसर तथा बाड़मेर के गिरल जैसे स्थानों पर स्थित ताप बिजली घर इसी लिग्नाइट का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करते हैं निरंतर।

70. (C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
कथन I बिल्कुल सत्य है क्योंकि सौर ऊर्जा सूर्य से निरंतर प्राप्त होने वाला एक अक्षय और नवीकरणीय संसाधन है। जबकि कथन II असत्य है क्योंकि कोयला एक सीमित जीवाश्म ईंधन है, जिसका भंडार उपयोग करने पर समाप्त हो जाता है। इसलिए कोयला आधारित तापीय ऊर्जा को अनवीकरणीय स्रोत की श्रेणी में रखा जाता है, अक्षय श्रेणी में नहीं माना जाता।

www.nodia.in

Downloaded from www.pdf.tube

बचत, बिजली के कुशल उपयोग और अनावश्यक बर्बादी रोकने के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर देश भर में ऊर्जा संरक्षण हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

48. (D) ऊर्जा-कुशल एलईडी बल्बों का वितरण करना
उजाला योजना मुख्य रूप से किफायती दरों पर ऊर्जा-कुशल एलईडी बल्बों और उपकरणों के वितरण से संबंधित है। राजस्थान में इस योजना के क्रियान्वयन से अकुशल बल्बों के स्थान पर कम बिजली खपत वाले एलईडी बल्बों का प्रसार हुआ है। इसके फलस्वरूप घरेलू विद्युत खपत में कमी आई है और नागरिकों के बिजली बिलों में भारी बचत दर्ज की गई है।

49. (B) घटक B
पीएम-कुसुम योजना का घटक B किसानों को स्टैंडअलोन ऑफ-ग्रिड सोलर वाटर पंप स्थापित करने के लिए सब्सिडी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस घटक के माध्यम से बिजली ग्रिड से वंचित कृषि क्षेत्रों में किसानों को सौर पंपों के स्थापना हेतु सरकारी अनुदान दिया जाता है, जिससे वे दिन के समय आसानी से सिंचाई कार्य कर सकते हैं।

50. (C) जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन
सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु शुरू किए गए राष्ट्रीय सौर मिशन का आधिकारिक नाम 'जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन' है। इसे वर्ष 2010 में प्रारंभ किया गया था। यह मिशन भारत में सौर प्रौद्योगिकी के विकास, लागत में कमी और बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है जो महत्त्वपूर्ण है।

51. (A) सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप)
ऊर्जा क्षेत्र में पीपीपी का पूर्ण रूप 'पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप' अर्थात् सार्वजनिक-निजी भागीदारी है। इस मॉडल के अंतर्गत सरकारी निकाय और निजी निवेशक मिलकर बड़ी ऊर्जा परियोजनाओं का निर्माण, वित्तीय प्रबंधन और संचालन करते हैं। यह मॉडल निजी पूंजी और उन्नत तकनीक का उपयोग करके ऊर्जा बुनियादी ढांचे को तेजी से विकसित करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होता है हमेशा।

52. (C) केवल III
सौभाग्य योजना के संबंध में यह कहना गलत है कि यह केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित है। वास्तव में, इस योजना का प्राथमिक ध्यान ग्रामीण इलाकों के गैर-विद्युतीकृत घरों तक बिजली पहुंचाना है। इसका मुख्य उद्देश्य देश के सभी ग्रामीण तथा शहरी निर्धन परिवारों को बिजली कनेक्शन देकर शत-प्रतिशत घरेलू विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल करना है जो सरकार का उद्देश्य है।

53. (B) आईएल एंड एफएस एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी
सौर्य ऊर्जा कंपनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड राजस्थान सरकार और आईएल एंड एफएस एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी के बीच स्थापित एक संयुक्त उद्यम है। इस कंपनी का प्रमुख कार्य राज्य में बड़े स्तर के सोलर पार्कों के लिए भूमि अधिग्रहण, पारषण लाइनें और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित करना है ताकि सौर बिजली का तेजी से उत्पादन किया जा सके और विकास हो।

54. (C) अदाणी समूह
जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ में निर्मित विशाल सोलर पार्क मुख्य रूप से अदाणी समूह के निजी निवेश और विकास पहल द्वारा विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के माध्यम से विशाल क्षमता वाले सौर तथा पवन-सौर हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। यह निजी क्षेत्र की भागीदारी राज्य को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है हमेशा।

55. (D) नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)
पीएम-कुसुम योजना को राष्ट्रीय स्तर पर लागू और संचालित करने के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय मुख्य नोडल एजेंसी है। यह केंद्रीय मंत्रालय राज्य स्तरीय एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर किसानों को सोलर पंप लगाने और कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु दिशानिर्देश और वित्तीय अनुदान जारी करता है जो अत्यंत उपयोगी है।

56. (C) अभिकथन (A) सही है परंतु कारण (R) गलत है।
ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का अत्यंत स्वच्छ और सतत ईंधन है क्योंकि इसके उपयोग से शून्य कार्बन उत्सर्जन होता है। परंतु इसका उत्पादन कोयला बिजली से नहीं बल्कि सौर या पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित जल के विद्युत अपघटन द्वारा किया जाता है। कोयले से बनी बिजली का उपयोग करने पर इसे ग्रीन हाइड्रोजन नहीं माना जाता है।

57. (B) फ्लाई एश (उड़न राख) का उत्पादन
कोयला आधारित तापीय बिजली संयंत्रों से उत्पन्न होने वाली प्रमुख पर्यावरणीय समस्याओं में विशाल मात्रा में फ्लाई एश अर्थात् उड़न राख का उत्पादन शामिल है। कोयले के दहन से निकलने वाली यह बारीक राख आसपास के वायुमंडल, भूमि और जल स्रोतों को दूषित करती है, जिससे मानव स्वास्थ्य तथा स्थानीय पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जो चिंताजनक है।

58. (B) लिग्नाइट कोयला ऊर्जा
लिग्नाइट कोयला ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों की श्रेणी में शामिल नहीं है क्योंकि कोयला एक सीमित जीवाश्म ईंधन है। जीवाश्म ईंधनों का भंडार सीमित होता है और उपभोग के साथ समाप्त हो जाता है। इसके विपरीत सौर, पवन और बायोमास ऊर्जा ऐसे अक्षय स्रोत हैं जो कभी समाप्त नहीं होते तथा निरंतर पुनर्निर्मित होते रहते हैं और स्वच्छ ऊर्जा देते हैं।

59. (C) 2017
प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) की शुरुआत सितंबर 2017 में की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के सभी शेष अशोधित परिवारों को बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराना था। राजस्थान में इसके माध्यम से हजारों निर्धन परिवारों के घरों को रोशन किया गया, जिससे उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार आया था।

NODIA